मेरे ग्रे

यह पुस्तक आर्थर मी साहिब से इजाज़त लेकर उन की

पुस्तक दी चिल्ड्रेन्ज़ बाइबल से और बृटिश एण्ड

फ़ारन बाइबल सोसाइटी की इजाज़त से उन

के हिन्दी उल्था को काम में लाकर

हिन्दी में तैयार की गई है।



यीशु बालकों को आशीष देता।

सूचीपत्र।

चौथा अध्याय--कनान देश की चन्द कहानियां। ७६-६४

(यहोशू-न्यायियों-रूत-१ शमुएल १-६)

पांचवां अध्याय--इस्राएलियों के राज्य का आरम्भ। ६५-१२६

(१ शमुएल ८-२ शमुएल-१ राजा २)

नया नियम ।

मत्ती का वर्णन ।

मरकुस का वर्णन ।

लूका का बर्णन ।

यूहन्ना का बर्णन ।

दूसरा अध्याय--मसीही धर्म्म यरूशलेम से रोम नगर तक फैलना। ३६८-३९३

(प्रेरितों के कामों का बखान)

अशुद्धाशुद्ध पत्र ।

पृष्ठ	कालम	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
			सूचीपत्र	
१	१	२९	लैव्य व्यवस्था	लैव्यव्यवस्था
५	२	६	बाइबल	बाबेल के
५	२	१४	बाइबल	बाबेल
			बाल बाइबल	
१०	१	२	सब	अब
२५	१	१	मिश्र	मिस्र
३२	१	१३	शन्ती	सन्ती
७१	१	१९	(व्यवस्थाविवरण ३१)	
१११	१	१८	शाउल	शाऊल
११६	१	६	योग	योग्य
१२७	१	१	बार	बार
१३१	२	८	अनमोन	अनमोल
१४८	२	९	यिज़े	यिज्रेल
२७२	२	१९	मैं	में
२७३	२	४	के के	के
२९४	२	२३	वीशु	यीशु
२९५	२	२८	गन्ने सरत	गन्नेसरत
२९६	१	२९	दू रहो	दूर हो
२९८	१	१२	धरता	धारता
२९९	१	७	वाहर	बारह
३०७	२	१३	हूं	हूं
३०९	२	१२	उस	उन
३१०	२	२५	मैं	में
३२२	२	७	कहा	कहा
३२५	१	१३	चढ़ने	चढ़ाने
३२७	२	१८	व्ववस्था	व्यवस्था

संसार में सब से प्रिय वस्तु।

ईश्वर ने मनुष्य को जितनी अच्छी से अच्छी वस्तुएं दी हैं उनमें से एक बाइबल है। यह दुनिया भर की सब से पुरानी पुस्तकों में एक है। यही एक पुस्तक है जो प्राचीन समय से अब तक चली आई है। इस में बड़ी अद्भुत बातें लिखी हैं। और इस में ६६ पुस्तकें हैं जिनको सैकड़ों मनुष्यों ने हज़ारों बरसों में लिखा।

यह पुस्तक एक कविता से शुरू होकर एक स्वप्न का हाल लिखते हुए समाप्त हुई है। और उस कविता और स्वप्न के बीच में अत्यन्त बड़ी, बुद्धिपूर्ण और मीठी बातें पाई जाती हैं।

प्राचीन समय में यह कथाएं सैकड़ों वर्षों तक लोगों ने बयान कीं और अज़ीब ढंग से लिख लिखकर रखीं। यह कभी मिट्टी के पक्के डंडों पर, कभी जानवरों की खालों पर, कभी पत्तियों पर, कभी मिट्टी की ईंटों पर लिखी जाती थीं। कुछ समय बीतने पर यह सब टुकड़े इकट्ठे किये गये और सावधानी से रखे गये।

बाइबल को पढ़ने से हम को मालूम होता है कि मनुष्यों की समझ कैसी बदल गयी। उस समय जब कि इस्राएली लोग पहिले पहल परमेश्वर को कुछ कुछ पहचानने लगे थे वे समझते थे कि परमेश्वर एक ही जाति के लोगों का पालनेवाला और रक्षा करनेवाला है और यह कि वह और लोगों पर दया नहीं करता है। धीरे धीरे उन का यह बिचार बदल गया और वे इस बात को समझने लगे कि ईश्वर सब लोगों का प्यारा पिता है।

नबियों के दिनों में यह महान् विचार उदय हुआ कि परमेश्वर सब जाति के लोगों को "अपने सनातन बाज़ू से थांभा करता है"।

जब पौलूस अपनी नामी पत्रियों को लिख रहा था यरूशलेम नगर में कई लोग रहते थे जिन्होंने प्रभु यीशु को देखा था और उसकी बातों को सुना था। उस समय बाइबल का कुछ भाग इस्राएलियों का शास्त्र माना जाता था पर यीशु का जीवन वृत्तान्त अभी तक लिखा नहीं गया था।

मसीही धर्म्म के आरम्भ के दिनों में लोगों के पास पुराना नियम था। पौलुस ने यह लिखकर कि नया समय आ गया है और बिश्वास व्यवस्था से बड़ा है नये नियम को नीव डाली। पौलुस ने मसीही धर्म्म को यहूदी धर्म्म का एक भाग होने से बचाया तो यह ठीक था कि वही इस नये नियम की नेव डालता जो कि इस पुस्तक में लिखा है और जिसका प्रताप इस अज़ीब बाइबल का मुकुट है।

इस पुस्तक में इन्जील का मूल पाठ है। आशा है कि इन्जील के भक्त इसमें उन सब बातों को पाएंगे जो दिल को प्रिय हैं।

यह वह अनोखी पुस्तक है जो परमेश्वर ने मनुष्यों के हाथों से लिखवाई और जिस को हम ने बालकों के लिये इस आशा से तैयार किया है कि वे उस में वह बिश्वास पाएंगे जिससे वे परमेश्वर तक "उकाबों की नाईं उड़कर" पहुंचेंगे और वे इस से निश्चय जानेंगे कि वह, जिस ने हमें यहां पर रखा है हम को सत्यता का मार्ग बताएगा।

बाल बाइबल ।

पुराना नियम ।

सृष्टि-उत्पत्ति का वर्णन.

प्रकाश की उत्पत्ति —

१. सुन्दर आकाश.

२. जल, थल का मिलना, वनस्पति.

३. आकाश के चिह्न.

४. मछलियाँ, पक्षी.

५. पार्थिव प्राणी, मनुष्य.

६. विश्राम दिन —

७.

पहिला अध्याय।

बाइबल के पहिले अध्याय।

प्राचीन काल में जब कि बाइबल पत्थर या मिट्टी की ईंटों पर या चर्म-पत्र पर लिखी हुई थी उस के इस भाग का नाम उस की पहिली बातों से "आदि में" रखा गया था और हम उस को "उत्पत्ति" कहते हैं। यह ठीक नाम है क्योंकि यह पृथिवी के आरम्भ का वर्णन है जैसा कि परमेश्वर ने लेखक के चित्त में उन दिनों में डाला जब कि कवि ही विद्या के सिखाने वाले थे।

यह कविता, सृष्टि का सब से अच्छा वर्णन है। इस सृष्टि की कविता में और इतिहास के छोटे से बयान में जो इब्राहीम के बयान से पहिले आते हैं हम दो बातें देखते हैं। एक तो मनुष्य के संग ईश्वर का सम्बन्ध और दूसरे ईश्वर के संग मनुष्य का सम्बन्ध।

इस्राएली लोग अपने को ईश्वर के चुने हुए लोग कहते थे और इस बात को मानते थे, जो कि बुद्धिमान लोग आज भी मानते हैं, कि ईश्वर मनुष्य को किसी बड़े काम के लिये तैयार करता है।

यहां हम वह बड़ी बात पाते हैं कि पृथिवी की रचना धीरे धीरे हुई। हम देखते हैं कि छः बड़े कालों में जो कि "दिन" कहलाये हैं ईश्वर ने पृथिवी को बनाया, उस को रोशनी दी, स्थल और पानी को अलग अलग किया, उस पर पौदे उगाये, और जानवरों को बनाया, फिर मनुष्य को एक बगीचे में रखकर उस को दुष्टता को जीतने की शक्ति और सब सृष्टि पर अधिकार करने की शक्ति दी।

छः दिनों का बयान।

(उत्पत्ति १)

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथिवी को सिरजा। और पृथिवी सूनी और सुनसान पड़ी थी और गहिरे जल के ऊपर अन्धियारा था और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर ऊपर मण्डलाता था।

तब परमेश्वर ने कहा उजियाला हो सो उजियाला हो गया। और परमेश्वर ने उजियाले और अन्धियारे को अलग अलग किया।

और परमेश्वर ने उजियाले को दिन कहा और अन्धियारे को रात कहा।

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो एक दिन हो गया।

फिर परमेश्वर ने कहा जल के बीच ऐसा एक अन्तर हो कि जल दो भाग हो जाए। सो परमेश्वर ने एक अन्तर करके उस के नीचे के जल और उस के ऊपर के जल को अलग अलग किया।

और परमेश्वर ने उस अन्तर को आकाश कहा।

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो दूसरा दिन हो गया।

फिर परमेश्वर ने कहा आकाश के नीचे का जल एक स्थान में इकट्ठा हो और सूखी भूमि दिखाई दे। और परमेश्वर ने सूखी भूमि को पृथिवी कहा और जो जल इकट्ठा हुआ उस को उसने समुद्र कहा। फिर परमेश्वर ने कहा पृथिवी से हरी घास और बीजवाले छोटे छोटे पेड़ और फलदाई वृक्ष भी जो अपनी अपनी जाति के अनुसार फलें उगें और वैसा ही हो गया।

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो तीसरा दिन हो गया।

फिर परमेश्वर ने कहा दिन और रात अलग अलग करने के लिये आकाश के अन्तर में ज्योतियां हों और वे चिन्हों और नियत समयों और दिनों और बरसों के कारण हों। और वे ज्योतियां आकाश के अन्तर में पृथिवी पर प्रकाश देनेहारी भी ठहरें और वैसा ही हो गया।

सो परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियां बनाईं उन में से बड़ी ज्योति तो दिन पर प्रभुता करने के लिये और छोटी ज्योति रात पर प्रभुता करने के लिये और तारागण को भी बनाया। और परमेश्वर ने उन को आकाश के अन्तर में इस लिये रक्खा कि वे पृथिवी पर प्रकाश दें।

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो चौथा दिन हो गया।

फिर परमेश्वर ने कहा जल जीते प्राणियों से बहुत ही भर जाए और पक्षी पृथिवी के ऊपर आकाश के अन्तर में उड़ें। सो परमेश्वर ने जाति जाति के बड़े बड़े जलजन्तुओं को और उन सब जीते प्राणियों को भी सिरजा जो चलते हैं जिन से जल बहुत ही भर गया और एक एक जाति के उड़नेहारे पक्षियों को भी सिरजा और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा है। और परमेश्वर ने यह कहके उन को आशीष दिई कि फूलो फलो और समुद्र के जल में भर जाओ और पक्षी पृथिवी पर बढ़ें।

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो पांचवां दिन हो गया।

फिर परमेश्वर ने कहा पृथिवी से एक एक जाति के जीते प्राणी उत्पन्न हों अर्थात् घरैले पशु और रेंगनेहारे जन्तु और पृथिवी के बनैले पशु जाति जाति के अनुसार सो परमेश्वर ने पृथिवी के जाति जाति के बनैले पशुओं को और जाति जाति के घरैले पशुओं को और जाति जाति के भूमि पर सब रेंगनेहारे जन्तुओं को बनाया और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा है।

फिर परमेश्वर ने कहा हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं और वे समुद्र की मछलियों और आकाश के पक्षियों और

घरैले पशुओं और सारी पृथिवी पर और सब रेंगनेहारे जन्तुओं पर जो पृथिवी पर रेंगते हैं अधिकार रक्खें।

सो परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार सिरजा अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उस को सिरजा नर और नारी करके उस ने मनुष्यों को सिरजा। और परमेश्वर ने उन को आशीष दिई और उन से कहा फूलो फलो और पृथिवी में भर जाओ और उस को अपने वश में कर लो और समुद्र की मछलियों और आकाश के पक्षियों और पृथिवी पर रेंगनेहारे सब जन्तुओं पर अधिकार रक्खो। फिर परमेश्वर ने उन से कहा सुनो जितने बीजवाले छोटे छोटे पेड़ सारी पृथिवी के ऊपर हैं और जितने वृक्षों में बीजवाले फल होते हैं सो सब मैं ने तुम को दिये हैं वे तुम्हारे भोजन के लिये हैं। और जितने पृथिवी के पशु और आकाश के पक्षी और पृथिवी पर रेंगनेहारे जन्तु हैं जिन में जीवन का प्राण है उन सब के खाने के लिये मैंने सब हरे हरे छोटे पेड़ दिये हैं और वैसा ही हो गया

और सांझ हुई फिर भोर हुआ सो छठवां दिन हो गया।

यों आकाश और पृथिवी और उन की सारी सेना का बनाना निपट गया। और परमेश्वर ने सातवें दिन अपने किये हुए सारे काम से विश्राम किया। और परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीष दिई और पवित्र ठहराया।

एदेन की बारी।

(उत्पत्ति २, ३)

जिस दिन यहोवा परमेश्वर ने पृथिवी और आकाश को बनाया यहोवा परमेश्वर ने पृथिवी पर जल न बरसाया था और भूमि पर खेती करने के लिये मनुष्य न था। तौभी कुहरा पृथिवी से उठता था जिस से सारी भूमि सिंच जाती थी। और यहोवा परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा और उस के नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया और आदम जीता प्राणी हुआ।

और परमेश्वर ने पूरब ओर एदेन देश में एक बारी लगाई। और यहोवा परमेश्वर ने भूमि से सब भांति के वृक्ष जो देखने में मनोहर और जिनके फल खाने में अच्छे हैं उगाये और जीवन के वृक्ष को बारी के बीच में और भले बुरे के ज्ञान के वृक्ष को भी लगाया तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को लेकर एदेन की बारी में रख दिया कि वह उस में काम करे और उस की रक्षा करे, तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को यह आज्ञा दिई कि। बारी के सब वृक्षों का फल तू बिना खटके खा सकता है। पर भले बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है उस का फल तू न खाना क्योंकि जिस दिन तू उस का फल खाए उसी दिन अवश्य मर जाएगा।

फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा आदम का अकेला रहना अच्छा नहीं मैं उस के लिये ऐसा एक सहायक बनाऊंगा जो उस से मेल खाए। और यहोवा परमेश्वर भूमि में से सब जाति के बनैले पशुओं और आकाश के सब भांति के पक्षियों को रचकर आदम के पास ले आया कि देखे कि वह उन का क्या क्या नाम रक्खेगा और जिस जिस जीते प्राणी का जो जो नाम आदम ने रक्खा सोई उसका नाम पड़ा। सो आदम ने सब जाति के घरैले पशुओं और आकाश के पक्षियों और सब जाति के बनैले पशुओं के नाम रक्खे पर आदम के लिये ऐसा कोई सहायक न मिला जो उस से मेल खाए।

तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को भारी नींद में डाल दिया और जब वह सो गया तब उस ने स्त्री बना दिया और उस को आदम के पास ले आया।

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाये थे सब में से सर्प धूर्त्त था और उस ने स्त्री से कहा क्या सच है कि परमेश्वर ने कहा कि तुम इस बारी के किसी वृक्ष का फल न खाना। स्त्री ने सर्प से कहा इस बारी के वृक्षों के फल हम खा सकते हैं। पर जो वृक्ष बारी के बीच में है उस के फल के विषय परमेश्वर ने कहा कि तुम उस को न खाना न उस को

छूना भी नहीं तो मर जाओगे। तब सर्प ने स्त्री से कहा तुम निश्चय न मरोगे। बरन परमेश्वर आप जानता है कि जिस दिन तुम उसका फल खाओ उसी दिन तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।

सो जब स्त्री को ज्ञान पड़ा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा और देखने में मनभाऊ और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी है तब उस ने उस में से तोड़कर खाया और अपने पति को दिया और उस ने भी खाया।

पीछे यहोवा परमेश्वर जो सांझ के समय बारी में फिरता था उस का शब्द उन को सुन पड़ा और आदम और उस की स्त्री बारी के वृक्षों के बीच यहोवा परमेश्वर से छिप गये।

तब यहोवा परमेश्वर ने पुकार कर आदम से पूछा तू कहां है। उस ने कहा मैं तेरा शब्द बारी में सुनकर डर गया उस ने कहा जिस वृक्ष का फल खाने को मैं ने तुझे बर्जा था क्या तू ने उस का फल खाया है। आदम ने कहा जिस स्त्री को तू ने मेरे संग रहने को दिया उसी ने उस वृक्ष का फल मुझे दिया सो मैं ने खाया।

तब यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा तू ने यह क्या किया है स्त्री ने कहा सर्प ने मुझे बहका दिया सो मैं ने खाया।

तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा तू ने जो यह किया है इस लिये तू सब घरैले पशुओं और सब बनैले पशुओं से अधिक स्रापित है तू जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा। फिर स्त्री से उस ने कहा तू पीड़ित होकर बालक जनेगी और तेरा पति तुझ पर प्रभुता करेगा। और आदम से उस ने कहा भूमि तेरे कारण स्रापित है। तू उस की उपज जीवन भर दुःख के साथ खाया करेगा। और वह तेरे लिये कांटे और ऊंटकटारे उगाएगी और तू खेत की उपज खाएगा। और अपने माथे के पसीना गारे की रोटी तू खाया करेगा और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा क्योंकि तू उसी में से निकाला गया तू मिट्टी ता है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।

सो यहोवा परमेश्वर ने उस को एदेन की बारी में से निकाल दिया कि वह उस भूमि पर खेती करे जिस में से वह बनाया गया था आदम को तो उस ने बरबस निकाल दिया और जीवन के वृक्ष के मार्ग का पहरा देने के लिये एदेन् की बारी की पूरब ओर करूबों को और चारों ओर घूमती हुई ज्वालामय तलवार को भी ठहरा दिया।

——

कैन और हाबिल।

(उत्पत्ति ४)

हव्वा कैन को जनी और फिर वह उस के भाई हाबिल को भी जनी। हाबिल तो भेड़ बकरियों का चरवाहा हुआ पर कैन् भूमि की खेती करनेहारा हुआ।

कैन् ने अपने भाई हाबिल से कुछ कहा और जब वे मैदान में थे तब कैन ने अपने भाई हाबिल पर चढ़कर उसे घात किया।

तब यहोवा ने कैन से पूछा तेरा भाई हाबिल कहां है उस ने कहा मालूम नहीं क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूं।

उस ने कहा तू ने क्या किया है तेरे भाई का लोहू भूमि में से मेरी ओर चिल्लाकर मेरी दोहाई दे रहा है। सो अब भूमि की ओर से तू स्रापित है। चाहे तू भूमि पर खेती करे तौ भी उसकी पूरी उपज फिर तुझे न मिलेगी और तू पृथिवी पर बहेतू और भगोड़ा होगा।

तब कैन ने यहोवा से कहा मेरा दण्ड सहने से बाहर है। देख तू ने आज के दिन मुझे भूमि पर से बरबस निकाला है और मैं तेरी दृष्टि की आट रहूंगा और पृथिवी पर बहेतू और भगोड़ा रहूंगा और जो कोई मुझे पाएगा सो मुझे घात करेगा।

यहोवा ने उससे कहा इस कारण जो कोई कैन को घात करे उससे सातगुणा पलटा लिया जाएगा। और यहोवा ने कैन के लिये एक चिन्ह

ठहराया न हो कि कोई उसे पाकर मारे। तब कैन यहोवा के सम्मुख से निकल गया और नोद नाम देश में जो एदेन की पूरब ओर है रहने लगा।

जलप्रलय।

(उत्पत्ति ६, ७)

फिर जब मनुष्य भूमि के ऊपर बहुत होने लगे और उन के बेटियां उत्पन्न हुईं, तब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों को देखा कि वे सुन्दर हैं सो उन्होंने जिस जिस को चाहा उनको अपनी स्त्रियां बना लिया। उन दिनों में पृथिवी पर नपोल लोग रहते थे। उन के पुत्र भी शूरवीर होते थे जिन की कीर्त्ति प्राचीन काल से बनी है।

और यहोवा ने देखा कि मनुष्यों की बुराई पृथिवी पर बढ़ गई है और यहोवा पृथिवी पर मनुष्य को बनाने से पछताया और वह मन में अति खेदित हुआ सो यहोवा ने सोचा कि मैं मनुष्य को पृथिवी के ऊपर से मिटा दूंगा क्या मनुष्य क्या पशु क्या रेंगनेहारे जन्तु क्या आकाश के पक्षी सब को मिटा दूंगा क्योंकि मैं उनके बनाने से पछताता हूं। परन्तु यहोवा की अनुग्रह की दृष्टि नूह पर बनी रही।

नूह धर्म्मी पुरुष था और नूह परमेश्वर ही के साथ साथ चलता रहा। सो परमेश्वर ने नूह से कहा सब प्राणियों का अन्त करना मेरे मन में आ गया है क्योंकि उनके कारण पृथिवी उपद्रव से भर गई है सो मैं उन को पृथिवी समेत नाश कर डालूंगा सो तू गोपेर वृक्ष की लकड़ी का एक जहाज़ बना ले उस में कोठरियां बनाना और भीतर बाहर उस पर राल लगाना। और इस जहाज़ की लम्बाई तीन सौ हाथ चौड़ाई पचास हाथ और ऊंचाई तीस हाथ की हो। और सुन मैं आप पृथिवी पर जल-प्रलय करके सब प्राणियों का नाश करने पर हूं पृथिवी पर जो जो हैं उन का तो प्राण छूटेगा। पर तेरे संग मैं बाचा बांधता हूं सो तू अपने पुत्रों स्त्री और बहुओं समेत जहाज़ में जाना। और सब जीते प्राणियों में से तू एक एक जाति के दो दो अर्थात एक नर और एक मादा जहाज़ में ले जाकर अपने साथ जिलाय रखना। एक एक जाति के पक्षी और एक एक जाति के पशु और एक एक जाति के भूमि पर रेंगनेहारे सब में से दो दो तेरे पास आएंगे कि तू उनको जिलाय रक्खे।

परमेश्वर की इस आज्ञा के अनुसार ही नूह ने किया।

और यहोवा ने नूह से कहा तू अपने सारे घराने समेत जहाज़ में जा क्योंकि मैंने इस समय के लोगों में से केवल तुझी को अपने लेखे धर्म्मी देखा है।

सो नूह अपने पुत्रों स्त्री और बहुओं समेत प्रलय के जल से बचने के लिये जहाज़ में गया। और शुद्ध और अशुद्ध दोनों प्रकार के पशुओं में से और पक्षियों और भूमि पर रेंगनेहारों में से भी, दो दो अर्थात् नर और मादा जहाज़ में नूह के पास गये जैसा कि परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दिई थी। सात दिन पीछे प्रलय का जल पृथिवी पर आने लगा। और वर्षा चालीस दिन और चालीस रात लों पृथिवी पर होती रही।

और प्रलय पृथिवी पर चालीस दिन लों रहा और जब जल बढ़ने लगा तब उस से जहाज़ उभरने लगा यहां लों कि वह पृथिवी पर से ऊंचा हो गया। और जल बढ़ते बढ़ते पृथिवी पर बहुत ही बढ़ गया और जहाज़ जल के ऊपर ऊपर तैरता रहा। बरन जल पृथिवी पर अत्यन्त बढ़ गया यहां लों कि सारी धरती पर जितने बड़े बड़े पहाड़ थे सब डूब गये। जल तो पन्द्रह हाथ ऊपर बढ़ गया और पहाड़ डूब गये। और क्या पक्षी क्या घरैले पशु क्या बनैले पशु पृथिवी पर सब चलनेहारे प्राणी बरन जितने जन्तु पृथिवी में बहुतायत से भर गये थे उन सभों का और सब मनुष्यों का भी प्राण छूट गया।

केवल नूह और जितने उस के संग जहाज़ में थे वे ही बच गये।

और जल पृथिवी पर एक सौ पचास दिन लों बढ़ा रहा॥

जलप्रलय में जहाज़।

(उत्पत्ति ८)

और परमेश्वर ने नूह को और जितने बनैले पशु और घरैले पशु उस के संग जहाज़ में थे उन सभों को सुधि लिई और परमेश्वर ने पृथिवी पर पवन बहाई तब जल घटने लगा। और गहिरे समुद्र के सोते और आकाश के झरोखे मुंद गये और उस से जो वर्षा होती थी सो थम गई।

और एक सौ पचास दिन के बीते पर जल पृथिवी पर से लगातार घटने लगा। सातवें महीने के सत्तरहवें दिन को जहाज़ अरारात नाम पहाड़ पर टिक गया। और जल दसवें महीने लों घटता चला गया सो दसवें महीने के पहिले दिन को पहाड़ों की चोटियां दिखाई दिईं।

फिर चालीस दिन के पीछे नूह ने अपने बनाये हुए जहाज़ की खिड़की को खोलकर एक कौवा उड़ा दिया वह जब लों जल पृथिवी पर से सूख न गया तब लों इधर उधर फिरता रहा। फिर उस ने अपने पास से एक कबूतरी को भी उड़ा दिया कि देखे कि जल भूमि पर से घट गया कि नहीं। उस कबूतरी को जो अपने चंगुल के टेकने के लिये कोई स्थान न मिला सो वह उस के पास जहाज़ में लौट आई क्योंकि सारी पृथिवी के ऊपर जल ही जल रहा तब उस ने हाथ बढ़ाकर उसे अपने पास जहाज़ में रख लिया। तब और सात दिन लों ठहरकर उस ने उसी कबूतरी को जहाज़ में से फिर उड़ा दिया। और कबूतरी सांझ के समय उस के पास आ गई और क्या देख पड़ा कि उस की चोंच में जलपाई का एक नया पत्ता है इस से नूह ने जान लिया कि जल पृथिवी पर घट गया है। फिर उस ने और सात दिन ठहर कर उसी कबूतरी को उड़ा दिया और वह उस के पास फिर कभी लौटकर न आई।

नूह ने जहाज़ की छत खोलकर क्या देखा कि धरती सूख गई है। तब परमेश्वर ने नूह से कहा, तू अपने पुत्रों स्त्री और बहुओं समेत जहाज़ में से निकल आ। क्या पक्षी क्या पशु क्या सब भांति के रेंगनेहारे जंतु जो पृथिवी पर रेंगते हैं जितने शरीर-धारी जीवजन्तु तेरे संग हैं उन सब को अपने साथ निकाल ले आ कि पृथिवी पर उनसे बहुत से बच्चे उत्पन्न हों और वे फूलें फलें और पृथिवी पर फैल जाएं।

तब नूह और उसके पुत्र स्त्री और बहुएं निकल आईं। और सब चौपाये रेंगनेहारे जन्तु और पक्षी और जितने जीवजन्तु पृथिवी पर चलते फिरते हैं सो सब जाति जाति करके जहाज़ में से निकल आये। तब नूह ने यहोवा की एक वेदी बनाई। इस पर यहोवा ने सोचा कि मैं मनुष्य के कारण फिर भूमि को कभी स्राप न दूंगा।

अब से जब लों पृथिवी बनी रहेगी तब लों बोने और लवने के समय ठण्ड और तपन धूपकाल और शीतकाल दिन और रात निरन्तर होती चली जाएंगी।

फिर परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को यह आशीष दिई कि फूलो फलो और बढ़ो और पृथिवी में भर जाओ। और तुम्हारा डर और भय पृथिवी के सब पशुओं और आकाश के सब पक्षियों और भूमि पर के सब रेंगनेहारे जन्तुओं और समुद्र की सब मछलियों पर बना रहेगा वे सब तुम्हारे बश में कर दिये जाते हैं। सब चलनेहारे जन्तु तुम्हारा आहार होंगे जैसा तुमको हरे हरे छोटे पेड़ दिये थे तैसा ही अब सब कुछ देता हूं। और निश्चय मैं तुम्हारे लोहू अर्थात प्राण का पलटा लूंगा। मनुष्य के प्राण का पलटा मैं एक एक के भाईबन्धु से लूंगा। जो कोई मनुष्य का लोहू बहाये उसका लोहू मनुष्य ही से बहाया जाए क्योंकि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप के अनुसार बनाया है। और तुम तो फूलो फलो और बढ़ो और पृथिवी में बहुत बच्चे जन्मा के उसमें भर जाओ।

फिर परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों से कहा, सुनो मैं तुम्हारे साथ और तुम्हारे पीछे जो तुम्हारा बंश होगा उसके साथ भी बाचा बांधता हूं। और

सब जीते प्राणियों से भी यह वाचा बंधती है कि सब प्राणी फिर प्रलय के जल से नाश न होंगे और पृथिवी के नाश करने के लिये फिर जलप्रलय न होगा। फिर परमेश्वर ने कहा जो वाचा तुम्हारे साथ और जितने जीते प्राणी तुम्हारे संग हैं उन सब के साथ भी युग युग की पीढ़ियों के लिये बांधता हूं उसका यह चिन्ह है कि, मैंने बादल में अपना धनुष रक्खा है वह मेरे और पृथिवी के बीच में वाचा का चिन्ह होगा।

बादल में जो धनुष होगा सो मैं उसे देख के यह सदा की वाचा स्मरण करूंगा जो परमेश्वर के और पृथिवी पर जीते शरीरधारी प्राणियों के बीच बन्धी है।

बाबेल का गुम्मट।

(उत्पत्ति ११)

नूह के जो पुत्र जहाज में से निकले सो शेम हाम और येपेत थे। नूह के तीन पुत्र ये ही हैं और इनका वंश सारी पृथिवी पर फैल गया। जलप्रलय के पीछे उनके पुत्र उत्पन्न हुए पृथिवी भर की जातियां इन्हीं से हो कर बंट गई।

सारी पृथिवी पर एक ही भाषा और एक ही बोली थी।

उस समय लोग पूरब ओर चलते चलते शिनार देश में एक मैदान पाकर उसमें बस गये। तब वे आपस में कहने लगे आओ हम ईंटें बना बना के भली भांति पकाएं सो उनके लिये ईंटें पत्थरों का और मिट्टी का राल गारे का काम देती थीं। फिर उन्होंने कहा आओ हम एक नगर और एक गुम्मट बना लें जिसकी चोटी आकाश से बातें करे इस प्रकार से हम अपना नाम करें न हो कि हमको सारी पृथिवी पर फैलना पड़े।

जब आदमी नगर और गुम्मट बनाने लगे तब इन्हें देखने के लिये यहोवा उतर आया। और यहोवा ने कहा मैं क्या देखता हूं कि सब एक ही दल के हैं और भाषा भी उन सब की एक ही है और उन्होंने ऐसा ही काम भी आरम्भ किया सो अब जितना वे करने का यत्न करेंगे उसमें से कुछ उनके लिये अनहोना न होगा। सो आओ हम उतर के उनकी भाषा में वहीं गड़बड़ डालें कि वे एक दूसरे की बोली को न समझ सकें।

सो यहोवा ने उन को वहां से सारी पृथिवी के ऊपर फैला दिया और उन्होंने उस नगर का बनाना छोड़ दिया। इस कारण उस नगर का नाम बाबेल पड़ा क्योंकि सारी पृथिवी की भाषा में जो गड़बड़ है सो यहोवा ने वहीं डाली और वहीं से यहोवा ने मनुष्यों को सारी पृथिवी के ऊपर फैला दिया।

शेम की वंशावली में यह है। तेरह ने अब्राम नाहोर और हारान को जन्माया। और हारान ने लूत को जन्माया। अब्राम और नाहोर ने स्त्रियां ब्याह लिईं। अब्राम की स्त्री का नाम तो सारै था। सारै के सन्तान न हुआ। और तेरह अपना पुत्र अब्राम और अपना पोता लूत जो हारान का पुत्र था और अपनी बहू सारै इन सभों को लेकर कस्दियों के ऊर नगर से निकल कनान देश जाने को चला पर हारान नाम देश में पहुंचकर वहीं रहने लगा।

दूसरा अध्याय।

एक अद्भुत घराने का वर्णन।

यह एक अद्भुत घराने के आरम्भ का बयान है। सब से प्रायः चार हज़ार बरस पहिले यह घराना शुरू हुआ था।

नूह की औलाद में से एक जन इब्राहीम नामी अपने घराने के साथ भेड़ बकरियों को सुरिया के मैदानों में चराया करता था। धनवान होकर वह नई ज़मीन ढूंढ़ते ढूंढ़ते पलसतीन (कनान) देश में पहुंचा। वहां उसका बेटा इसहाक और पोते याकूब और एसाव पैदा हुए। वहां यूसुफ का भी जन्म हुआ जिसके रंगबिरंगे वस्त्र का वर्णन बहुत सी पुस्तकों में पाया जाता है।

इस भाग में हम दो बहुत ही अच्छी कहानियां पढ़ते हैं। एक याकूब की जिसने राहेल के लिये बरसों तक सेवा की पर "वे उसको, राहेल की प्रीति के कारण थोड़े ही दिनों के बराबर जान पड़े"। दूसरे यूसुफ और उसके भाइयों का बयान जिस को तीन हजार बरस पीछे भी पढ़कर हमारी आंखों में आंसू भर आते हैं।

इसके पीछे इस घराने के मिस्र देश में रहने का वर्णन है। हम दो नियमों का वर्णन पढ़ चुके हैं जो कि परमेश्वर ने अपने लोगों से बांधे, एक तो यह कि ईश्वर ने आदम को पृथिवी पर प्रभुता दी, दूसरे नूह से उसने कहा कि मैं पृथिवी को जलप्रलय से फिर नाश न करूंगा। इन नियमों के साथ साथ हम और नियम भी पढ़ते हैं—इब्राहीम से, जिसकी औलाद से पृथिवी भर जाएगी—मूसा से जिससे उसने इस्राएली लोगों को आशीष देने को प्रतिज्ञा की और दाऊद से, जिसका निज बंश सदा बना रहेगा।

अब्राम अपने देश को छोड़ता।

(उत्पत्ति १२, १३, १६)

यहोवा ने अब्राम से कहा अपने देश और अपनी जन्म भूमि और अपने पिता के घर को छोड़ कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा। और मैं तुझसे एक बड़ी जाति उपजाऊंगा और तुझे आशीष दूंगा और तेरा नाम बड़ा करूंगा और तू आशीष का मूल हो। और जो तुझे आशीर्वाद दें उन्हें मैं आशीष दूंगा और जो तुझे कोसे उसे मैं स्राप दूंगा और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएंगे।

यहोवा के इस कहे के अनुसार अब्राम चला और लूत भी उस के संग चला। सो अब्राम अपनी स्त्री सारै और अपने भतीजे लूत को और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे सब को लेकर कनान देश में जाने को निकल चला और वे कनान देश में आ भी गये।

अब्राम भेड़ बकरी गाय बैल और सोने रूपे का बड़ा धनी था। और लूत जो अब्राम के साथ चलता था उस के भी भेड़ बकरी गाय बैल और तम्बू थे। सो उस देश में उन दोनों की समाई न हो सकी कि वे इकट्ठे रहें क्योंकि उनके बहुत धन था यहां तक कि वे इकट्ठे न रह सके।

सो अब्राम और लूत की भेड़ बकरी और गाय बैल के चरवाहों में झगड़ा हुआ और उस समय कनानी और परिज्जी लोग उस देश में रहते थे। तब अब्राम लूत से कहने लगा मेरे और तेरे बीच और मेरे और तेरे चरवाहों के बीच में झगड़ा न होने पाए क्योंकि हम लोग भाई-बंधु हैं। क्या सारा देश तेरे साम्हने नहीं सो मुझ से अलग हो यदि तू बाईं ओर जाए तो मैं दहिनी ओर जाऊंगा और यदि तू दहिनी ओर जाए तो मैं बाईं ओर जाऊंगा। तब लूत ने आंख उठाकर यर्दन नदी के पासवाली सारी तराई को देखा कि वह सब सिंची हुई है। वह तराई यहोवा की बारी के समान उपजाऊ थी। सो लूत अपने लिये यर्दन की सारी तराई को चुन के पूरब ओर चला और वे एक दूसरे से अलग हो गये।

अब्राम तो कनान देश में रहा पर लूत उस तराई के नगरों में रहने लगा और अपना तम्बू सदोम के निकट खड़ा किया। सदोम के लोग यहोवा के लेखे में बड़े दुष्ट और पापी थे। जब लूत अब्राम से अलग हो गया उसके पीछे यहोवा ने अब्राम से कहा आंख उठाकर जिस स्थान पर तू है वहां से उत्तर दक्खिन पूरब पच्छिम चारों ओर दृष्टि कर। क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को युग युग के लिये दूंगा। और मैं तेरे वंश को पृथिवी की धूल के किनकों की नाईं बहुत करूंगा यहां लों कि जो कोई पृथिवी की धूल के किनकों को गिन सके वही तेरा वंश भी गिन सकेगा। उठ इस देश की लम्बाई और चौड़ाई में चल फिर क्योंकि मैं उसे तुझी को दूंगा।

इस के पीछे अब्राम अपना तम्बू उखाड़ के मम्रे के बांजों के बीच जो हेब्रोन में थे जाकर रहने लगा और वहां भी यहोवा की एक वेदी बनाई।

अब्राम की स्त्री सारै तो कोई सन्तान न जनी। सो सारै ने अपनी मिस्री लौंडी हागार को लेकर अपने पति अब्राम को दिया कि वह उसकी स्त्री हो। और वह हागार के पास गया। तब वह अपनी स्वामिनी को अपने लेखे में तुच्छ गिनने लगी। सो सारै उसको दुःख देने लगी और वह उसके साम्हने से भाग गई।

तब यहोवा के दूत ने उस को जङ्गल में शूर के मार्ग पर जल के एक सोते के पास पाकर, कहा हे सारै की लौंडी हागार तू कहां से आती और कहां को जाती है उस ने कहा मैं अपनी स्वामिनी सारै के साम्हने से भाग आई हूं। यहोवा के दूत ने उससे

कहा अपनी स्वामिनी के पास लौटकर उस के दाब में रह। मैं तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊंगा बरन वह बहुतायत के मारे गिना भी न जाएगा। तू पुत्र जनेगी सो उस का नाम इश्माएल रखना और वह मनुष्य बनैले गदहे के समान रहेगा उसका हाथ सब के विरुद्ध उठेगा और सब के हाथ उसके विरुद्ध उठेंगे तब उस ने यहोवा का नाम जिस ने उस से बातें किई थीं अत्ताएलरोई मेरा देखने हारा रखा।

सो हागार अब्राम का जन्माया एक पुत्र जनी और अब्राम ने अपने पुत्र का नाम इश्माएल रक्खा।

इसहाक का जन्म।

(उत्पत्ति १७-२१)

जब अब्राम निन्नानवे बरस का हो गया तब यहोवा उस को दर्शन देकर कहने लगा मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूं अपने को मेरे सन्मुख जानके चल और खरा रह। और मैं तेरे वंश को अत्यन्त ही बढ़ाऊंगा।

तब अब्राम मुंह के बल गिरा और परमेश्वर उस से यों बातें कहता गया. सुन मेरी वाचा जो तेरे साथ बन्धी रहेगी इस लिये तू जातियों के वृन्द का मूलपुरुष हो जाएगा। सो अब तेरा नाम अब्राम न रहेगा तेरा नाम इब्राहीम रक्खा गया है क्योंकि मैं तुझे जातियों के वृन्द का मूलपुरुष ठहरा देता हूं। और मैं तुझे अत्यन्त ही फुलाऊं फलाऊंगा और तुझ को जाति जाति का मूल बना दूंगा और तेरे वंश में राजा उत्पन्न होंगे। और मैं तेरे साथ और तेरे पीछे पीढ़ी पीढ़ी लों तेरे वंश के साथ भी इस आशय की युग युग की वाचा बांधता हूं कि मैं तेरा और तेरे पीछे तेरे वंश का भी परमेश्वर रहूंगा। और मैं तुझ को और तेरे पीछे तेरे वंश को भी यह सारा कनान देश जिस में तू परदेशी हो कर रहता है इस रीति दूंगा कि वह युग युग उन की निज भूमि रहेगी और मैं उन का परमेश्वर रहूंगा। फिर परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा तेरी जो स्त्री सारै है उस को तू अब सारै न कहना उस का नाम सारा होगा। और मैं उस को आशीष दूंगा और तुझ को उस के द्वारा एक पुत्र दूंगा और मैं उस को ऐसी आशीष दूंगा कि वह जाति जाति की मूलमाता हो जाएगी और उस के वंश में राज्य राज्य के राजा उत्पन्न होंगे।

सारा इब्राहीम के बुढ़ापे में एक पुत्र जनी। और इब्राहीम ने अपने पुत्र का नाम इसहाक रक्खा।

और वह लड़का बढ़ा और उस का दूध छुड़ाया गया और इसहाक के दूध छुड़ाने के दिन इब्राहीम ने बड़ी जेवनार किई। तब सारा को मिस्री हागार का पुत्र हंसी करता हुआ देख पड़ा। सो उस ने इब्राहीम से कहा इस दासी को पुत्र सहित बरबस निकाल दे क्योंकि इस दासी का पुत्र मेरे पुत्र इसहाक के साथ भागी न होगा।

हागार और इश्माएल।

(उत्पत्ति २१ : ११)

यह बात इब्राहीम को अपने पुत्र के कारण बहुत बुरी लगी। तब परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा उस लड़के और अपनी दासी के कारण तुझे बुरा न लगे जो बात सारा तुझ से कहे उसे मान क्योंकि जो तेरा वंश कहलाएगा सो इसहाक ही से चलेगा। दासी के पुत्र से भी मैं एक जाति उपजाऊंगा इस लिये कि वह तेरा वंश है।

सो इब्राहीम ने बिहान को तड़के उठकर रोटी और पानी से भरी हुई चमड़े की एक थैली ले हागार को दिई और उस के कंधे पर रक्खी और उस के लड़के को भी उसे देकर उस को बिदा किया सो वह चली गई और बेर्शेबा के जंगल में घूमने फिरने लगी। जब थैली का जल चुक गया तब उस ने लड़के को एक झाड़ी के नीचे छोड़ दिया, और आप उस से तीर भर के टप्पे पर दूर जाकर उस के साम्हने यह सोचकर बैठ गई कि मुझ को लड़के की मृत्यु देखनी न पड़े तब वह उस के साम्हने बैठी हुई चिल्ला चिल्ला के रोने लगी।

और परमेश्वर ने उस लड़के की सुनी और उस के दूत ने स्वर्ग से हागार को पुकार के कहा हे हागार तुझे क्या हुआ मत डर क्योंकि तेरे लड़के

की बात परमेश्वर को सुन पड़ी है। उठ अपने लड़के को उठा कर अपने हाथ से थांभ ले क्योंकि मैं उस से एक बड़ी जाति उपजाऊंगा। परमेश्वर ने उसकी आंखें खोल दिईं और उस को एक कूआं देख पड़ा सो उस ने जाकर थैली को जल से भर के लड़के को पिला दिया।

और परमेश्वर उस लड़के के साथ रहा और जब वह बड़ा हुआ तब जंगल में रहते रहते धनुर्धारी हो गया। वह तो पारान नाम जंगल में रहा करता था और उस की माता ने उस के लिये मिस्र देश से एक स्त्री मंगवाई।

इब्राहीम की परीक्षा।

(उत्पत्ति २२)

इन बातों के पीछे इब्राहीम ने बिहान को तड़के उठ अपने गदहे पर काठी कसकर अपने दो सेवक और अपने पुत्र इसहाक को संग लिया। तीसरे दिन इब्राहीम ने आंखें उठाकर अपने सेवकों से कहा गदहे के पास यहीं ठहरे रहो यह लड़का और मैं वहां लों जाकर और दण्डवत करके फिर तुम्हारे पास लौट आऊंगा।

सो इब्राहीम ने होमबलि की लकड़ी ले अपने पुत्र इसहाक पर लादी और आग और छुरी को अपने हाथ में लिया और वे दोनों संग संग चले। इसहाक ने अपने पिता इब्राहीम से कहा हे मेरे पिता उस ने कहा हे मेरे पुत्र क्या बात है उस ने कहा देख आग और लकड़ी तो हैं पर होमबलि के लिये भेड़ कहां है। इब्राहीम ने कहा हे मेरे पुत्र परमेश्वर होमबलि की भेड़ का उपाय आप ही करेगा सो वे दोनों संग संग चले। तब इब्राहीम ने वहां वेदी बनाकर लकड़ी को चुन चुनकर रक्खा और अपने पुत्र इसहाक को बांधके वेदी पर की लकड़ी के ऊपर रख दिया। तब इब्राहीम ने हाथ बढ़ाकर छुरी को ले लिया कि अपने पुत्र को बलि करे।

तब यहोवा के दूत ने स्वर्ग से उस को पुकार के कहा हे इब्राहीम हे इब्राहीम उसने कहा क्या आज्ञा। उस ने कहा उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा और न उस से कुछ कर क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र बरन अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा इस से मैं अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है। तब इब्राहीम ने आंखें उठाईं और क्या देखा कि मेरे पीछे एक मेढ़ा अपने सींगों से एक झाड़ में बझा हुआ है सो इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र की सन्ती होमबलि करके चढ़ाया।

फिर यहोवा के दूत ने स्वर्ग से इब्राहीम को पुकार के कहा, यहोवा की यह बाणी है कि तू ने जो यह काम किया है कि अपने पुत्र बरन अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा, इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण और समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगिनित करूंगा और पृथिवी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगी।

तब इब्राहीम अपने सेवकों के पास लौट आया और वे सब बेर्शेबा को संग संग गये।

इसहाक और रिबका।

(उत्पत्ति २४)

इब्राहीम बूढ़ा बरन बहुत पुरनिया हो गया और यहोवा ने सब बातों में उस को आशीष दिई थी। सो इब्राहीम ने अपने उस दास से जो उस के घर में पुरनिया और उस की सारी संपत्ति पर अधिकारी था कहा मुझ से आकाश और पृथिवी के परमेश्वर यहोवा की इस विषय में किरिया खा कि मैं तेरे पुत्र के लिये कनानियों की लड़कियों में से जिन के बीच तू रहनेहारा है किसी को न ले आऊंगा। मैं तेरे देश में तेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर तेरे पुत्र इसहाक के लिये एक स्त्री ले आऊंगा।

तब वह दास दस ऊंट लेकर चला और अरम्नहरैम में नाहोर के नगर के पास पहुंचा। और उस ने ऊंटों को नगर के बाहर एक कूएं के पास बैठाया वह सांझ का समय था जब स्त्रियां जल भरने के

लिये निकलती हैं। सो वह कहने लगा हे मेरे स्वामी इब्राहीम के परमेश्वर यहोवा आज मेरे कार्य्य को सिद्ध कर और मेरे स्वामी इब्राहीम से करुणा का व्यवहार कर। देख मैं जल के इस सोते के पास खड़ा हूं और नगरवासियों की बेटियां जल भरने के लिये निकली आती हैं। सो ऐसा हो कि जिस कन्या से मैं कहूं कि अपना घड़ा मेरी ओर झुका कि मैं पीऊं और वह कहे कि ले पी ले पीछे मैं तेरे ऊंटों को भी पिलाऊंगी सो वही हो जिसे तू अपने दास इसहाक के लिये ठहराया हो।

रिबका जल के सोते के पास आती।

(उत्पत्ति २४ : १५)

वह कहता ही था कि रिबका कन्धे पर घड़ा लिये हुए निकली आई। वह अति सुन्दर और कुमारी थी।

वह सोते के पास उतर गई और अपना घड़ा भर के फिर ऊपर आई। तब वह दास उस से भेंट करने को दौड़ा और कहा अपने घड़े में से तनिक पानी मुझे पिला दे। उस ने कहा हे मेरे प्रभु ले पी ले और उसने फुर्ती से घड़ा उतारकर हाथ में लिये उस को पिला दिया जब वह उस को पिला चुकी तब कहा मैं तेरे ऊंटों के लिये भी पानी तब लों भरती रहूंगी जब लों वे पी न चुकें।

और वह पुरुष उस की ओर चुपचाप अचंभे के साथ ताकता हुआ यह सोचता था कि यहोवा ने मेरी यात्रा को सुफल किया है।

जब ऊंट पी चुके तब उस पुरुष ने आध तोले का एक सोने का नत्थ निकालकर उस को दिया और दस तोले के सोने के कड़े उस के हाथों में पहिना दिये, और पूछा तू किस की बेटी है यह मुझ को बता दे क्या तेरे पिता के घर में हमारे टिकने के लिये स्थान है। उस ने उस को उत्तर दिया मैं बतूएल की बेटी हूं। फिर उस ने उससे कहा हमारे यहां पुआल और चारा बहुत है और टिकने के लिये स्थान भी है।

तब उस पुरुष ने सिर झुका कर यहोवा को दण्डवत करके कहा, धन्य है मेरे स्वामी इब्राहीम का परमेश्वर यहोवा कि उसने मुझ को ठीक मार्ग से मेरे स्वामी के भाई-बन्धुओं के घर पर पहुंचा दिया है। और उस कन्या ने दौड़कर अपनी माता के घर में यह सारा वृत्तान्त कह सुनाया।

तब लाबान जो रिबका का भाई था सो बाहर सोते के निकट उस पुरुष के पास दौड़ा। उस ने कहा हे यहोवा की ओर से धन्य पुरुष भीतर आ तू क्यों बाहर खड़ा है मैंने घर को और ऊंटों के लिये भी स्थान तैयार किया है। और वह पुरुष घर में गया। तब इब्राहीम के दास के आगे जलपान के लिये कुछ रक्खा गया पर उस ने कहा मैं जब लों अपना प्रयोजन न कह दूं तब लों कुछ न खाऊंगा लाबान ने कहा कह दे।

तब उस ने कहा मैं तो इब्राहीम का दास हूं। और यहोवा ने मेरे स्वामी को बड़ी आशीष दिई है सो वह बढ़ गया है और उस ने उस को भेड़ बकरी गाय बैल सोना रूपा दास दासियां ऊंट और गदहे दिये हैं। और मेरे स्वामी की स्त्री सारा उस का जन्माया बुढ़ापे में एक पुत्र जनी और उस पुत्र को इब्राहीम ने अपना सब कुछ दिया है। और मेरे स्वामी ने मुझ से यह किरिया खिलाई कि मैं तेरे पुत्र के लिये कनानियों की लड़कियों में से जिन के देश में तू रहता है कोई स्त्री न ले आऊंगा। मैं तेरे पिता के घर और कुल के लोगों के पास जाकर तेरे पुत्र के लिये एक स्त्री ले आऊंगा। सो मैं आज उस सोते के निकट था कि रिबका कन्धे पर घड़ा लिये हुए निकल आई। फिर मैंने सिर झुकाकर यहोवा को दण्डवत किया और अपने स्वामी इब्राहीम के परमेश्वर यहोवा को धन्य कहा क्योंकि उस ने मुझे ठीक मार्ग से पहुंचाया कि मैं अपने स्वामी के पुत्र के लिये उस की भतीजी को ले जाऊं।

तब लाबान और बतूएल ने उत्तर दिया यह बात यहोवा की ओर से हुई है सो हम लोग तुझ से न तो भला कह सकते हैं न बुरा। देख रिबका तेरे

साम्हने है उस को ले जा और वह यहोवा के कहे के अनुसार तेरे स्वामी के पुत्र की स्त्री हो जाए।

उन का यह बचन सुनकर इब्राहीम के दास ने भूमि पर गिरके यहोवा को दण्डवत किया। फिर उस दास ने सोने और रूपे के गहने और वस्त्र निकाल कर रिबका को दिये और उस के भाई और माता को भी उस ने अनमोल अनमोल वस्तुएं दिईं। तब वह अपने संगी जनों समेत खाने पीने लगा और रात वहीं बिताई और तड़के उठकर कहा मुझ को अपने स्वामी के पास जाने के लिये बिदा करो। रिबका के भाई और माता ने कहा कन्या को हमारे पास कुछ दिन रहने दे फिर उस के पीछे वह चली जाएगी। उस ने उन से कहा यहोवा ने जो मेरी यात्रा को सुफल किया है सो तुम मुझे मत रोको अब मुझे बिदा कर दो कि मैं अपने स्वामी के पास जाऊं। उन्होंने कहा हम कन्या को बुलाकर पूछते हैं और देखेंगे कि वह क्या कहती है। सो उन्होंने रिबका को बुलाकर उस से पूछा क्या तू इस मनुष्य के संग जाएगी उस ने कहा हां मैं जाऊंगी। तब उन्होंने रिबका को आशीर्वाद देके कहा हे हमारी बहिन तू हजारों लाखों की आदिमाता हो और तेरा वंश अपने बैरियों के नगरों का अधिकारी हो।

इस पर रिबका अपनी सहेलियों समेत चली और ऊंट पर चढ़के उस पुरुष के पीछे हो लिई सो वह दास रिबका को साथ लेकर चल दिया।

इसहाक सांझ के समय मैदान में ध्यान करने के लिये निकला था कि आंखें उठाकर क्या देखा कि ऊंट चले आते हैं। और रिबका ने भी आंख उठाकर इसहाक को देखा और देखते ही ऊंट पर से उतर पड़ी। तब उस ने दास से पूछा जो पुरुष मैदान पर हम से मिलने को चला आता है सो कौन है दास ने कहा वह तो मेरा स्वामी है तब रिबका ने बुर्का लेकर अपने मुंह को ढांप लिया।

और उस दास ने इसहाक से अपना सारा बृत्तान्त वर्णन किया। तब इसहाक रिबका को अपनी माता सारा के तम्बू में ले आया और उसको ब्याह-कर उस से प्रेम किया। और इब्राहीम का दीर्घायु होने पर बरन पूरे बुढ़ापे की अवस्था में प्राण छूट गया और वह अपने लोगों में जा मिला। परमेश्वर ने उस के पुत्र इसहाक को जो लहैरोई नाम कूएं के पास रहता था आशीष दिई।

एसाव और याकूब।

(उत्पत्ति २५-२७)

इसहाक ने चालीस बरस का हो कर रिबका को ब्याह लिया। जब उसके जनने का समय आया तब क्या प्रगट हुआ कि जुड़ौरे बालक हैं। और पहिले का सारा शरीर कम्बल के समान रोंआर था सो उस का नाम एसाव रक्खा गया। उस के भाई का नाम याकूब रक्खा गया। फिर वे लड़के बढ़ने लगे और एसाव तो बनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेहारा हो गया पर याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओं में रहा करता था।

और इसहाक जो एसाव के अहेर का मांस खाया करता था इस लिये वह उस से प्रीति रखता था पर रिबका याकूब से प्रीति रखती थी याकूब भोजन के लिये कुछ सिझा रहा था और एसाव मैदान से थका हुआ आया। तब एसाव ने याकूब से कहा वह जो लाल वस्तु है उसी लाल वस्तु में से मुझे कुछ खिला क्योंकि मैं थका हूं। याकूब ने कहा अपना पहिलौठे का हक आज मेरे हाथ बेच दे। एसाव ने कहा देख मैं तो अभी मरने पर हूं सो पहिलौठे के हक से मेरा क्या लाभ होगा। सो उस ने अपना पहिलौठे का हक याकूब के हाथ बेच डाला। इस पर याकूब ने एसाव को रोटी और सिझाई हुई मसूर की दाल दी और उस ने खाया पिया तब उठ कर चला गया यों एसाव ने अपना पहिलौठे का हक तुच्छ जाना। जब इसहाक बूढ़ा हो गया और उस की आंखें धुन्धली पड़ गईं कि उस को सूझता न था तब उस ने अपने जेठे पुत्र एसाव को बुला कर कहा हे मेरे पुत्र उस ने कहा क्या आज्ञा। उस ने कहा सुन मैं तो बूढ़ा हो गया हूं और नहीं जानता कि मेरी मृत्यु का दिन कब होगा। सो अब तू अपना तर्कश और धनुष आदि हथियार लेकर मैदान में जा और मेरे लिये अहेर कर ले आ। तब मेरी रुचि के अनुसार स्वादिष्ट भोजन

बना कर मेरे पास ले आना कि मैं उसे खाकर मरने से पहिले तुझे जी से आशीर्वाद दूं। जब इसहाक एसाव से यह बात कह रहा था तब रिब्का सुन रही थी। सो उस ने अपने पुत्र याकूब से कहा हे मेरे पुत्र मेरी सुन और मेरी यह आज्ञा मान कि, बकरियों के पास जाकर बकरियों के दो अच्छे अच्छे बच्चे ले आ और मैं तेरे पिता के लिये उस की रुचि के अनुसार उन के मांस का स्वादिष्ट भोजन बनाऊंगी। तब तू उस को अपने पिता के पास ले जाना कि वह उसे खाकर मरने से पहिले तुझ को आशीर्वाद दे।

याकूब ने अपनी माता रिब्का से कहा सुन मेरा भाई एसाव तो रोंआर पुरुष है और मैं रोमहीन पुरुष हूं। क्या जानिये मेरा पिता मुझे टटोलने लगे तो मैं उस के लेखे में ठग ठहरूंगा और आशीष के बदले स्राप ही कमाऊंगा। उस की माता ने उस से कहा हे मेरे पुत्र स्राप तुझ पर नहीं मुझी पर पड़े तू केवल मेरी सुन और जाकर वे बच्चे मेरे पास ले आ। तब याकूब जा कर उन को अपनी माता के पास ले आया और माता ने उस के पिता की रुचि के अनुसार स्वादिष्ट भोजन बना दिया।

याकूब का पाप।

(उत्पत्ति २७ : १५)

तब रिब्का ने अपने पहिलौठे पुत्र एसाव के सुन्दर वस्त्र जो उस के पास घर में थे लेकर अपने लहुरे पुत्र याकूब को पहिना दिये, और बकरियों के बच्चों की खालों को उसके हाथों में और उस के चिकने गले में लपेट दिया। और वह स्वादिष्ट भोजन और अपनी बनाई हुई रोटी भी अपने पुत्र याकूब के हाथ में दी। सो वह अपने पिता के पास गया और कहा हे मेरे पिता उस ने कहा क्या बात है हे मेरे पुत्र तू कौन है। याकूब ने अपने पिता से कहा मैं तेरा जेठा पुत्र एसाव हूं मैं ने तेरी आज्ञा के अनुसार किया है सो उठ और बैठकर मेरे अहेर के मांस में से खा कि तू जी से मुझे आशीर्वाद दे। इसहाक ने अपने पुत्र से कहा हे मेरे पुत्र क्या कारण है कि वह तुझे ऐसे झट मिल गया उस ने उत्तर दिया यह कि तेरे परमेश्वर यहोवा ने उस को मेरे साम्हने कर दिया।

फिर इसहाक ने याकूब से कहा हे मेरे पुत्र निकट आ मैं तुझे टटोल कर जानूं कि तू सचमुच मेरा पुत्र एसाव है वा नहीं। तब याकूब अपने पिता इसहाक के निकट गया और उस ने उस को टटोल कर कहा बोल तो याकूब का सा है पर हाथ एसाव ही के से जान पड़ते हैं। और उस ने उस को नहीं चीन्हा। सो उस ने उस को आशीर्वाद दिया। और उस ने पूछा क्या तू सचमुच मेरा पुत्र एसाव है उस ने कहा हां मैं हूं। तब उस ने कहा हे पुत्र निकट आकर मुझे चूम। उस ने निकट जाकर उस को चूमा और उस ने उस को यह आशीर्वाद दिया कि परमेश्वर तुझे आकाश से ओस और भूमि की उत्तम से उत्तम उपज और बहुत सा अनाज और नया दाखमधु दे राज्य राज्य के लोग तेरे अधीन हों और देश देश के लोग तुझे दण्डवत करें तू अपने भाइयों का स्वामी हो और तेरी माता के पुत्र तुझे दण्डवत् करें जो तुझे स्राप दें सो आप ही स्रापित हों और जो तुझे आशीर्वाद दें सो आशीष पाएं।

एसाव का दुःख भरे स्वर से चिल्लाना।

(उत्पत्ति २७ : ३०)

यह आशीर्वाद इसहाक याकूब को दे ही चुका और याकूब अपने पिता इसहाक के साम्हने से निकलता ही था कि एसाव अहेर लेकर आ पहुंचा। तब वह भी स्वादिष्ट भोजन बना कर अपने पिता के पास ले आया और उस से कहा हे मेरे पिता उठ अपने पुत्र के अहेर का मांस खा कि तू मुझे जी से आशीर्वाद दे। उस के पिता इसहाक ने उस से पूछा तू कौन है उस ने कहा मैं तो तेरा जेठा पुत्र एसाव हूं।

तब इसहाक ने अत्यन्त थरथर कांपते हुये कहा फिर वह कौन था जो अहेर कर के मेरे पास ले आया था और मैंने तेरे आने से पहिले सब में से

कुछ कुछ खा लिया और उस को आशीर्वाद दिया वरन उस का आशीष लगी भी रहेगी । अपने पिता की यह बात सुनते ही एसाव ने अत्यन्त ऊंचे और दुःख भरे स्वर से चिल्ला कर अपने पिता से कहा हे मेरे पिता मुझ को भी आशीर्वाद दे । उस ने कहा तेरा भाई धूर्त्तता से आया और तेरे विषय के आशीर्वाद को लेके चला गया । उस ने कहा क्या उस का नाम याकूब यथार्थ नहीं रक्खा गया उस ने मुझे दो बार अड़ंगा मारा मेरा पहिलौठे का हक़ तो उस ने ले ही लिया था और अब देख उस ने मेरे विषय का आशीर्वाद भी ले लिया है फिर उस ने कहा क्या तू ने मेरे लिये भी कोई आशीर्वाद नहीं सोच रक्खा है ।

इसहाक ने एसाव को उत्तर देकर कहा सुन मैंने उस को तेरा स्वामी ठहराया और उस के सब भाइयों को उस के अधीन कर दिया और अनाज और नया दाखमधु देकर उस को पुष्ट किया है सो अब हे मेरे पुत्र मैं तेरे लिये क्या करूं ।

एसाव ने अपने पिता से कहा हे मेरे पिता मुझ को भी आशीर्वाद दे यों कह कर एसाव फूट फूट के रोया ।

उस के पिता इसहाक ने उस से कहा सुन तेरा निवास उपजाऊ भूमि पर हो और ऊपर से आकाश की ओस उस पर पड़े और तू अपनी तलवार के बल से जीए और अपने भाई के अधीन तो होए पर जब तू स्वाधीन हो जायगा तब उस के जूए को अपने कन्धे पर से तोड़ फेंके । एसाव ने जो याकूब से अपने पिता के दिये हुये आशीर्वाद के कारण बैर रक्खा सो उस ने सोचा कि मेरे पिता के अन्तकाल का दिन निकट है तब मैं अपने भाई याकूब को घात करूंगा ।

जब रिब्का को अपने पहिलौठे पुत्र एसाव की ये बातें बताई गईं तब उस ने अपने लहुरे पुत्र याकूब को बुला कर कहा सुन तेरा भाई एसाव तुझे घात करने के लिये अपने मन को धीरज दे रहा है । सो अब हे मेरे पुत्र मेरी सुन और हारान को मेरे भाई लाबान के पास भाग जा । और थोड़े दिन लों अर्थात जब लों तेरे भाई का क्रोध न उतरे तब लों उसी के पास रहना । फिर जब तेरे भाई का क्रोध तुझ पर से उतरे और जो काम तूने उस से किया है उस को वह भूल जाए तब मैं तुझे वहां से बुलवा भेजूंगी ।

याकूब का स्वप्न ।

(उत्पत्ति २८)

सो याकूब बेर्शेबा से निकल कर हारान की ओर चला । और उस ने किसी स्थान में पहुंच कर रात वहीं बिताने का विचार किया । सो उस ने उस स्थान के पत्थरों में से एक पत्थर ले अपना उसीसा बनाकर रक्खा और उसी स्थान में सो गया । तब उस ने स्वप्न में क्या देखा कि एक सीढ़ी पृथिवी पर खड़ी है और उसका सिरा स्वर्ग लों पहुंचा और परमेश्वर के दूत उस पर से चढ़ते उतरते हैं ।

और यहोवा उस के ऊपर खड़ा हो कर कहता है कि मैं यहोवा तेरे दादा इब्राहीम का परमेश्वर और इसहाक का भी परमेश्वर हूं, जिस भूमि पर तू पड़ा है उसे मैं तुझ को और तेरे वंश को दूंगा । और तेरा वंश भूमि की धूल के किनकों के समान बहुत होगा और पूरब पच्छिम उत्तर दक्खिन चारों ओर फैलता जाएगा और तेरे और तेरे वंश के द्वारा पृथिवी के सारे कुल आशीष पाएंगे । और सुन मैं तेरे संग रहूंगा और जहां कहीं तू जाए वहां तेरी रक्षा करूंगा और तुझे इस देश में लौटा ले आऊंगा मैं तुझ को न छोड़ूंगा । तब याकूब जाग उठा और कहने लगा निश्चय इस स्थान में यहोवा है और मैं इस बात को न जानता था । और भय खाकर उसने कहा यह स्थान क्या ही भयानक है यह तो परमेश्वर के भवन को छोड़ और कुछ नहीं हो सकता वरन यह स्वर्ग का फाटक ही होगा ।

भोर को याकूब तड़के उठा और अपने उसीसे का पत्थर लेकर उसका खंभा खड़ा किया । और उस ने उस स्थान का नाम बेतेल रखा, और याकूब ने यह मन्नत मानी कि यदि परमेश्वर मेरे संग रह कर मेरी रक्षा करे और मैं अपने पिता के घर में कुशल क्षेम से लौट आऊं तो यहोवा मेरा परमेश्वर ठहरेगा । और यह पत्थर जिस का मैंने खंभा खड़ा किया है सो परमेश्वर का भवन ठहरेगा और जो कुछ तू मुझे दे उसका दशमांश मैं अवश्य ही तुझे दिया करूंगा ।

याकूब के सात बरस ।

(उत्पत्ति २९)

फिर याकूब ने अपना मार्ग लिया और पूर्ब्बियों के देश में आया। और उस ने दृष्टि करके क्या देखा कि मैदान में एक कूआं है और उस के पास भेड़ बकरियों के तीन झुण्ड बैठे हुए हैं क्योंकि जो पत्थर उस कूएं के मुंह पर धरा रहता था जिस में से झुण्डों को जल पिलाया जाता था वह भारी था। जब जब सब झुण्ड वहां एकट्ठे होते तब तब चरवाहे उस पत्थर को कूएं के मुंह पर से लुढ़काकर भेड़ बकरियों को पानी पिलाते और फिर पत्थर को कूएं के मुंह पर ज्यों का त्यों कर देते थे।

सो याकूब ने चरवाहों से पूछा हे मेरे भाइयो तुम कहां के हो उन्होंने कहा हम हारान के हैं। तब उस ने उन से पूछा क्या तुम नाहोर के पोते लाबान को जानते हो उन्हों ने कहा हां हम उसे जानते हैं। फिर उस ने उन से पूछा क्या वह कुशल से है उन्हों ने कहा हां कुशल से तो है और वह देख उसकी बेटी राहेल भेड़ बकरियों को लिये हुये चली आती है।

उन की यह बातचीत हो ही रही थी कि राहेल जो पशु चराया करती थी सो अपने पिता की भेड़ बकरियों को लिये हुये आ गई। अपने मामा लाबान की बेटी राहेल को और उस की भेड़ बकरियों को भी देख कर याकूब ने निकट जा कूएं के मुंह पर से पत्थर को लुढ़का कर भेड़ बकरियों को पिला दिया तब याकूब ने राहेल को चूमा और ऊंचे स्वर से रोया और याकूब ने राहेल को बता दिया कि मैं तेरा फुफेरा भाई हूं अर्थात रिबका का पुत्र हूं तब उस ने दौड़ के अपने पिता से कह दिया।

अपने भांजे याकूब का समाचार पाते ही लाबान उस से भेंट करने को दौड़ा और उस को गले लगा कर चूमा फिर अपने घर ले आया। और याकूब उस के साथ महीना भर रहा।

तब लाबान ने याकूब से कहा भाई बन्धु होने के कारण तो तुझ से सेंतमेंत सेवा कराना मुझे उचित नहीं है सो कह दे मैं तुझे सेवा के बदले क्या दूं।

लाबान के दो बेटियां थीं जिन में से बड़ी का नाम लेआ और छोटी का राहेल है। लेआ के तो चुन्धली आंखें थीं पर राहेल रूपवती और सुन्दर थी। सो याकूब ने जो राहेल से प्रीति रखता था कहा मैं तेरी छोटी बेटी राहेल के लिये सात बरस तेरी सेवा करूंगा। लाबान ने कहा उसे पराये पुरुष को देने से तुझ को देना उत्तम होगा सो तू मेरे पास रह।

सो याकूब ने राहेल के लिये सात बरस सेवा की और वे उस को राहेल की प्रीति के कारण थोड़े ही दिनों के बराबर जान पड़े।

तब याकूब ने लाबान से कहा मेरी स्त्री मुझे दे और मैं उस के पास जाऊंगा क्योंकि मेरा समय पूरा हो गया है। सो लाबान ने उस स्थान के सब मनुष्यों को बुला कर एकट्ठा किया और उन को जेवनार की। सांझ के समय वह अपनी बेटी लेआ को याकूब के पास ले गया सो उस ने लाबान से कहा यह तू ने मुझ से क्या किया है मैं ने तेरे साथ रह कर जो तेरी सेवा की सो क्या राहेल के लिये नहीं की फिर तू ने मुझ से क्यों ऐसा छल किया है। लाबान ने कहा हमारे यहां ऐसी रीति नहीं कि जेठी से पहिले दूसरी का विवाह कर दें। दूसरी भी तुझे इस सेवा के लिये मिलेगी जो तू मेरे साथ रह कर और सात बरस लों करेगा। सो याकूब ने ऐसा किया तब लाबान ने उसे अपनी बेटी राहेल को भी दिया कि वह उस की स्त्री हो याकूब की प्रीति लेआ से अधिक राहेल पर हुई और उस ने और भी सात बरस सेवा की।

याकूब अपने भाई से भेंट करता।

(उत्पत्ति ३२, ३३, ३५)

याकूब ने अपना मार्ग लिया सेईर देश में अर्थात एदोम देश में अपने भाई एसाव के पास अपने आगे दूत भेज दिये। और उस ने उन्हें यह आज्ञा दी कि मेरे प्रभु एसाव से यों कहना

कि तेरा दास याकूब तुझ से यों कहता है कि मैं लाबान के यहां परदेशी हो कर अब लों रहा। और मेरे गाय बैल गदहे भेड़ बकरियां और दास दासियां हो गई हैं सो मैंने अपने प्रभु के पास इस लिये संदेशा भेजा है कि तेरी अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो।

वे दूत याकूब के पास लौट के कहने लगे हम तेरे भाई एसाव के पास गये थे और वह भी तुझ से भेंट करने को चार सौ पुरुष संग लिये हुये चला आता है।

तब याकूब निपट डर गया और संकट में पड़ा और यह सोच कर अपने संग वालों के और भेड़ बकरियों गाय बैलों और ऊंटों के भी अलग अलग दो दल कर लिये, कि यदि एसाव आकर पहिले दल को मारने लगे तो दूसरा दल भाग कर बचेगा।

फिर याकूब ने कहा हे यहोवा हे मेरे दादा इब्राहीम के परमेश्वर हे मेरे पिता इसहाक के परमेश्वर तू ने तो मुझ से कहा कि अपने देश और जन्मभूमि में लौट जा और मैं तेरी भलाई करूंगा। तू ने जो जो काम अपनी करुणा और सच्चाई से अपने दास के साथ किये हैं कि मैं जो अपनी छड़ी ही लेकर इस यर्दन नदी के पार उतर आया सो अब मेरे दो दल हो गये हैं तेरे ऐसे ऐसे कामों में से मैं एक के भी योग्य तो नहीं हूं। मेरी बिनती सुन कर मुझे मेरे भाई एसाव के हाथ से बचा मैं तो उस से डरता हूं कहीं ऐसा न हो कि वह आकर मुझे और मा समेत लड़कों को भी मार डाले। तू ने तो कहा है कि मैं निश्चय तेरी भलाई करूंगा और तेरे वंश का समुद्र की बालू के किनकों के समान बहुत करूंगा जो बहुतायत के मारे गिने नहीं जाते।

और उस ने उस दिन की रात वहीं बिताई और जो कुछ उस के पास था उस में से अपने भाई एसाव की भेंट के लिये छांट छांट कर निकाला. अर्थात दो सौ बकरियां और बीस बकरे दो सौ भेड़ें और बीस मेढ़े, बच्चों समेत दूध देती हुई तीस ऊंटनियां चालीस गायें दस बैल बीस गदहियां और गदहियों के दस बच्चे। इन को उस ने झुण्ड झुण्ड कर के अपने दासों को सौंप कर उन से कहा मेरे आगे बढ़ जाओ और झुण्डों के बीच बीच में अन्तर रक्खो। फिर उस ने यह आज्ञा दी कि जब मेरा भाई एसाव तुझे मिले और पूछने लगे कि तू किस का दास है और कहां जाता है और ये जो तेरे आगे हैं सो किस के हैं, तब कहना कि तेरे दास याकूब के हैं हे मेरे प्रभु एसाव ये भेंट के लिये तेरे पास भेजे गये हैं और वह आप भी हमारे पीछे है। सो वह भेंट याकूब से पहिले पार उतर गई और वह आप उस रात को छावनी में रहा।

और याकूब आप अकेला रह गया तब कोई पुरुष आकर पह फटने लों उस से मल्लयुद्ध करता रहा। तब उस ने कहा मुझे जाने दे क्योंकि पह फटती है याकूब ने कहा जब लों तू मुझे आशीर्वाद न दे तब लों मैं तुझे जाने न दूंगा। और उस ने याकूब से पूछा तेरा नाम क्या है उस ने कहा याकूब। उस ने कहा तेरा नाम अब याकूब न रहेगा इस्राएल रक्खा गया है क्योंकि तू परमेश्वर से और मनुष्यों से भी युद्ध कर के प्रबल हुआ है। तब उस ने उस को वहीं आशीर्वाद दिया। तब याकूब ने उस स्थान का नाम पनीएल रक्खा और याकूब ने आंखें उठा कर यह देखा कि एसाव चार सौ पुरुष संग लिये हुये चला आता है तब सभों के आगे बढ़ा और सात बार भूमि पर गिर के दण्डवत की और अपने भाई के पास पहुंचा। तब एसाव उस से भेंट करने को दौड़ा और उस को हृदय में लगा कर गले से लिपटा कर चूमा फिर वे दोनों रो उठे। तब उस ने आंखें उठा कर स्त्रियों और लड़केबालों को देखा और पूछा ये जो तेरे साथ हैं सो कौन हैं उस ने कहा ये तेरे दास के लड़के हैं जिन्हें परमेश्वर ने अनुग्रह कर के मुझ को दिया है।

तब लड़कों समेत लौंडियों ने निकट आकर दण्डवत की। फिर लड़कों समेत लेआ निकट आई और उन्होंने भी दण्डवत की पीछे यूसुफ़ और राहेल ने भी निकट आकर दण्डवत की।

तब उस ने पूछा तेरा यह बड़ा दल जो मुझ को मिला उस का क्या प्रयोजन है उस ने कहा यह कि मेरे प्रभु की अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो। एसाव ने कहा हे मेरे भाई मेरे पास तो बहुत है जो कुछ तेरा है सो तेरा ही रहे।

याकूब ने कहा नहीं नहीं यदि तेरा अनुग्रह मुझ पर हो तो मेरी भेंट ग्रहण कर क्योंकि मैंने तेरा दर्शन पाकर मानो परमेश्वर का दर्शन पाया है और तू मुझ से प्रसन्न हुआ है। सो यह भेंट जो तुझे भेजी गई है ग्रहण कर क्योंकि परमेश्वर ने मुझ पर अनुग्रह किया है और मेरे पास बहुत है। जब उस ने उस को दबाया तब उस ने उस को ग्रहण किया। फिर एसाव ने कहा आ हम बढ़ चलें और मैं तेरे आगे आगे चलूंगा। याकूब ने कहा हे मेरे प्रभु तू जानता होगा कि मेरे साथ सुकुमार लड़के और दूध देनेहारी भेड़ बकरियां और गायें हैं यदि ऐसे पशु एक दिन भी अधिक हांके जायें तो सब के सब मर जाएंगे। मेरा प्रभु अपने दास के आगे बढ़ जाए और मैं इन पशुओं की गति अनुसार जो मेरे आगे हैं और लड़के बालों की गति अनुसार भी धीरे धीरे चल कर सेईर में अपने प्रभु के पास पहुंचूंगा। एसाव ने कहा तो अपने संग वालों में से मैं कई एक तेरे साथ छोड़ जाऊं। उस ने कहा यह क्यों इतना ही बहुत है कि मेरे प्रभु की अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर बनी रहे।

तब एसाव ने उसी दिन सेईर जाने को अपना मार्ग लिया। और याकूब वहां से कूच कर के सुक्कोत को गया और वहां अपने लिये एक घर और पशुओं के लिये झोंपड़े बनाये।

फिर परमेश्वर ने याकूब को दर्शन देकर आशीष दिई। और कहा तेरा नाम इस्राएल कहाएगा। फिर परमेश्वर ने उस से कहा मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूं तू फूले फले और बढ़े और तुझ से एक जाति उत्पन्न होए। और जो देश मैं ने इब्राहीम और इसहाक को दिया है वही देश तुझे देता हूं और तेरे पीछे तेरे वंश को भी दूंगा।

याकूब ने पत्थर का खंभा खड़ा किया और उस स्थान का नाम उस ने बेतेल रक्खा। उन्हों ने बेतेल से कूच किया और जब उन्हें एप्राता को पहुंचने में थोड़ी ही दूर रह गया तब राहेल मर गई और याकूब ने उस की कबर पर एक खंभा खड़ा किया।

और याकूब अपने पिता इसहाक के पास आया और वहीं इब्राहीम और इसहाक परदेशी होकर रहे थे। और इसहाक का प्राण छूट गया और वह मर के अपने लोगों में जा मिला वह बूढ़ा और बहुत दिनी था और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उस को मिट्टी दिई।

यूसुफ और उसके भाई।

(उत्पत्ति ३७)

याकूब तो कनान देश में रहता था जहां उस का पिता परदेशी होकर रहा था।

और यूसुफ सत्तरह बरस का होकर अपने भाइयों के संग भेड़ बकरियों को चराता था। याकूब अपने सब पुत्रों से बढ़के यूसुफ से प्रीति रखता था क्योंकि वह उस के बुढ़ापे का पुत्र था और उस ने उस के लिये रंगबिरंगा अंगरखा बनवाया। सो जब उस के भाइयों ने देखा कि हमारा पिता हम सब भाइयों से अधिक उसी से प्रीति रखता है तब उन्हों ने उस से बैर किया और उस के साथ मेल की बातें न कर सकते थे।

यूसुफ ने एक स्वप्न देखकर अपने भाइयों से उस का वर्णन किया तब उन्हों ने उस से और भी बैर किया। उस ने उन से कहा जो स्वप्न मैं ने देखा है सो सुनो।

मानो हम लोग खेत में पूले बान्ध रहे हैं और मेरा पूला उठकर खड़ा हो गया तब तुम्हारे पूलों ने मेरे पूले को घेर के उसे दण्डवत किया।

तब उस के भाइयों ने उस से कहा क्या सचमुच तू हमारे ऊपर राज्य करेगा वा सचमुच तू हम पर प्रभुता करेगा सो उन्हों ने उस के स्वप्नों और उस की बातों के कारण उस से और भी अधिक बैर किया।

फिर उस ने एक और स्वप्न देखा और अपने भाइयों से उस का भी यों वर्णन किया कि सुनो मैं ने एक और स्वप्न देखा है कि सूर्य्य और चन्द्रमा और ग्यारह तारे मुझे दण्डवत कर रहे हैं। यह स्वप्न उस ने अपने पिता और भाइयों से वर्णन किया तब उस के पिता ने उस को दपटके कहा यह कैसा स्वप्न है जो तू ने देखा है क्या सचमुच मैं और तेरी

माता और तेरे भाई सब जाकर तेरे आगे भूमि पर गिर के दण्डवत करेंगे।

और उस के भाई अपने पिता की भेड़ बकरियों को चराने के लिये शकेम को गये। तब इस्राएल ने यूसुफ से कहा तेरे भाई तो शकेम में चरा रहे होंगे सो जा मैं तुझे उन के पास भेजता हूं उस ने कहा जो आज्ञा। उस ने उस से कहा जा अपने भाइयों और भेड़ बकरियों का हाल देखकर मेरे पास समाचार ले आ।

सो उस ने उस को हेब्रोन की तराई में विदा कर दिया और वह जाकर शकेम के पास पहुंचा था, कि किसी जन ने उस को मैदान में भ्रमते हुए पाकर उस से पूछा तू क्या ढूंढ़ता है। उस ने कहा मैं तो अपने भाइयों को ढूंढ़ता हूं मुझे बता कि वे कहां चरा रहे हैं। उस जन ने कहा वे तो यहां से चले गये हैं और मैं ने उन को यह कहते सुना कि आओ हम दोतान को चलें सो यूसुफ अपने भाइयों के पास चला और उन्हें दोतान में पाया।

जब उन्हों ने उस को आते दूर से देखा तब उस के निकट आने से पहिले उसे मार डालने की युक्ति बिचारने लगे। और वे आपस में कहने लगे देखो वह स्वप्न देखनेहारा आ रहा है। सो आओ हम उस को घात करके किसी गड़हे में डाल दें तब कहेंगे कि कोई दुष्ट जन्तु उसको खा गया फिर देखेंगे कि उस के स्वप्नों का क्या फल होगा।

यह सुनके रूबेन ने उस को उन के हाथ से बचाने की मनसा से कहा हम उस को प्राण से तो न मारें। लोहू मत बहाओ उस को जंगल के इस गड़हे में डाल दो और उस पर हाथ मत उठाओ। वह उस को उन के हाथ से छुड़ाकर पिता के पास फिर पहुंचाना चाहता था।

— —

रंगबिरंगा अंगरखा।

(उत्पत्ति ३७ : २३)

जब यूसुफ अपने भाइयों के पास पहुंच गया तब उन्हों ने उस का अंगरखा जो वह रंगबिरंगा पहिने था उतार लिया, और यूसुफ को उठाकर गड़हे में डाल दिया गड़हा तो सूखा था उस में कुछ जल न था।

तब वे रोटी खाने को बैठ गये और आंखें उठाकर देखा कि इश्माएलियों का एक दल ऊंटों पर सुगन्ध द्रव्य बलसान और गन्धरस लादे हुए गिलाद से मिस्र को चला जा रहा है। तब यहूदा ने अपने भाइयों से कहा अपने भाई को घात करने और उस का .खून छिपाने से क्या लाभ होगा। आओ हम उसे इश्माएलियों के हाथ बेच डालें और अपना हाथ उस पर न उठाएं क्योंकि वह हमारा भाई है सो उस के भाइयों ने उस की मानी।

तब मिद्यानी व्योपारी उधर से होकर पहुंचे सो यूसुफ के भाइयों ने उस को उस गड़हे में से खींच के निकाला और इश्माएलियों के हाथ रूपे के बीस टुकड़ों में बेच दिया और वे यूसुफ को मिस्र में ले गये।

और रूबेन ने गड़हे पर लौटकर क्या देखा कि यूसुफ गड़हे में नहीं है सो उसने अपने वस्त्र फाड़े। और भाइयों के पास लौटकर कहा लड़का तो नहीं है अब मैं किधर जाऊं।

सो उन्हों ने यूसुफ का अंगरखा ले एक बकरे को मार के उस के लोहू में उसे बोड़ दिया। और उन्होंने उस रंगबिरंगे अंगरखे को अपने पिता के पास भेजकर कहला दिया कि यह हम को मिला है सो देखकर पहिचान ले कि तेरे पुत्र का अंगरखा है कि नहीं।

उस ने उसको पहिचान लिया और कहा हां मेरे पुत्र ही का अंगरखा तो है किसी दुष्ट जन्तु ने उस को खा लिया होगा निःसन्देह यूसुफ फाड़ डाला गया है।

सो याकूब ने अपने वस्त्र फाड़ के कटि में टाट पहिना और अपने पुत्र के लिये बहुत दिन लों विलाप करता रहा। तब उस के सब बेटे बेटियों ने उस को शान्ति देने का यत्न किया पर उस को शान्ति नहीं आई और वह कहता रहा नहीं नहीं मैं तो विलाप करता हुआ अपने पुत्र के पास अधोलोक में उतर जाऊंगा सो उस का पिता उसके लिये रोता रहा।

— —

यूसुफ मिस्र को जाता।

(उत्पत्ति ३९)

जब यूसुफ मिस्र में पहुंचाया गया तब पोतीपर नाम एक मिस्री जो फ़िरौन का हाकिम और जल्लादों का प्रधान था उस ने उस को इश्माएलियों के हाथ से मोल लिया।

जब यूसुफ अपने उस मिस्री स्वामी के घर में रहा तब यहोवा उसके संग रहा सो वह भाग्यवान पुरुष हो गया।

और यूसुफ के स्वामी ने देखा कि यहोवा उस के संग रहता है और जो काम वह करता है उसको यहोवा उस के हाथ से सुफल कर देता है। तब उस की अनुग्रह की दृष्टि उस पर हुई और वह उस का टहलुआ ठहराया गया फिर उस ने उसको अपने घर का अधिकारी करके अपना सब कुछ उस के हाथ में सौंप दिया।

यहोवा यूसुफ के कारण उस मिस्री के घर पर आशीष देने लगा और क्या घर में क्या मैदान में उस का जो कुछ था सब पर यहोवा की आशीष होती थी। सो उस ने अपना सब कुछ यूसुफ के हाथ में यहां तक छोड़ दिया कि अपने खाने की रोटी को छोड़ वह अपनी संपत्ति का हाल कुछ न जानता था।

और यूसुफ सुन्दर और रूपवान था। इन बातों के पीछे उस के स्वामी की स्त्री ने यूसुफ की ओर आंख लगाई उस ने नकारके कहा मैं परमेश्वर का अपराधी क्यों बनूं। एक दिन क्या हुआ कि वह अपना काम काज करने को घर में गया और घर के सेवकों में से कोई घर में न था। तब उस स्त्री ने उस का वस्त्र पकड़ा पर वह अपना वस्त्र उस के हाथ में छोड़कर भागा और बाहर निकल गया। यह देखकर कि वह अपना वस्त्र मेरे हाथ में छोड़-कर बाहर भाग गया, वह उस का वस्त्र उस के स्वामी के घर आने लों अपने पास रक्खे रही। तब उस ने उस से इस प्रकार की बातें कहीं कि वह इब्री दास जिस को तू हमारे पास ले आया है सो मुझ से ठठोली करने को मेरे पास आया था। और जब मैं ऊंचे स्वर से चिल्ला उठी तब वह अपना वस्त्र मेरे पास छोड़कर बाहर भाग गया। अपनी स्त्री की ये बातें सुनकर यूसुफ के स्वामी का कोप भड़का। और यूसुफ के स्वामी ने उस को पकड़ा-कर एक गुम्मट में जहां राजा के बन्धुए बन्धे रहते थे डलवा दिया। पर यहोवा यूसुफ के संग रहा और उस पर करुणा किई और गुम्मट के दारोग़ा से उस पर अनुग्रह की दृष्टि कराई। बरन गुम्मट के दारोग़ा ने उन सब बन्धुओं को जो गुम्मट में थे यूसुफ के हाथ में सौंप दिया और जो जो काम वे वहां करते थे उन का करानेहारा वही होता था। गुम्मट के दारोग़ा के वश में जो कुछ था उस में से उस को कोई वस्तु देखनी न पड़ती थी क्योंकि यहोवा यूसुफ के साथ था और जो कुछ वह करता था यहोवा उस को सुफल कर देता था।

पिलानेहारा और पकानेहारा।

(उत्पत्ति ४०)

इन बातों के पीछे मिस्र के राजा के पिलाने-हारे और पकानेहारे ने अपने स्वामी का कुछ अपराध किया। तब फ़िरौन ने अपने उन दो हाकिमों पर अर्थात पिलानेहारों के प्रधान और पकानेहारों के प्रधान पर क्रोधित हो, उन्हें कैद कराके जल्लादों के प्रधान के घर में के उसी गुम्मट में जहां यूसुफ बन्धुआ था डलवा दिया। तब जल्लादों के प्रधान ने उन को यूसुफ के हाथ सौंपा और वह उन की टहल करने लगा। और मिस्र के राजा का पिलानेहारा और पकानेहारा जो गुम्मट में बन्धुए थे उन दोनों ने एकही रात में अपने अपने होनहार के अनुसार स्वप्न देखे।

बिहान को जब यूसुफ उन के पास गया तब उन पर जो दृष्टि किई तो क्या देखा कि वे उदास हैं। सो उस ने पूछा कि आज तुम्हारे मुंह क्यों सूखे हैं। उन्होंने उस से कहा हम दोनों ने स्वप्न देखा है और उनके फल का कोई कहनेहारा नहीं। यूसुफ ने उन से कहा क्या स्वप्नों का फल कहना परमेश्वर का काम नहीं है मुझसे अपना अपना स्वप्न बताओ। तब पिलानेहारों का प्रधान अपना

स्वप्न यूसुफ को यों बताने लगा कि मुझे स्वप्न में क्या देख पड़ा कि मेरे साम्हने एक दाखलता है। और उस दाखलता में तीन डालियां हैं और उस में मानो कलियां लगीं और वह फूली और उसके गुच्छों में दाख लग कर पक गई। और फिरौन का कटोरा मेरे हाथ में था सो मैंने उन दाखों को लेकर फिरौन के कटोरे में निचोड़ा और कटोरे को फिरौन के हाथ में दिया।

यूसुफ ने उस से कहा इस का फल यह है कि तीन डालियों का अर्थ तीन दिन हैं। सो तीन दिन के भीतर फिरौन तुझे बढ़ाकर तेरे पद पर फेर ठहराएगा और तू आगे की नाईं फिरौन का पिलानेहारा होकर उस का कटोरा उस के हाथ में फिर दिया करेगा। सो जब तेरा भला होगा तब मुझे अपने मन में रक्खे रहना और मुझ पर कृपा करके फिरौन से मेरी चर्चा चलाना और इस घर से मुझे छुड़वा देना। क्योंकि सचमुच मैं इब्रियों के देश से चुराया गया और यहां भी मैं ने कोई ऐसा काम नहीं किया जिस के कारण मैं इस गड़हे में डाला जाऊं।

यह देखकर कि उस स्वप्न का फल अच्छा निकला पकानेहारों के प्रधान ने यूसुफ से कहा मैं ने भी स्वप्न देखा है वह यह है कि मानो मेरे सिर पर सफेद रोटी की तीन टोकरियां हैं। और ऊपर की टोकरी में फिरौन के लिये सब प्रकार की पकी पकाई वस्तुएं हैं और पक्षी मेरे सिर पर की टोकरी में से उन वस्तुओं को खा रहे हैं।

यूसुफ ने कहा इस का फल यह है कि तीन टोकरियों का अर्थ तीन दिन है। सो तीन दिन के भीतर फिरौन तेरा सिर कटवाकर तुझे एक वृक्ष पर टंगवा देगा और पक्षी तेरे मांस को खाएंगे।

तीसरे दिन जो फिरौन का जन्मदिन था उस ने अपने सब कर्मचारियों की जेवनार किई और उन में से पिलानेहारों के प्रधान और पकानेहारों के प्रधान दोनों को बन्दीगृह से निकलवाया। और पिलानेहारों के प्रधान को तो पिलानेहारे का पद फेर दिया सो वह कटोरे को फिरौन के हाथ में देने लगा। पर पकानेहारों के प्रधान को उस ने टंगवा दिया जैसा कि यूसुफ ने उन के स्वप्नों का फल उन से कहा था।

पर पिलानेहारों के प्रधान ने यूसुफ को स्मरण न रक्खा भूल ही गया।

फिरौन का स्वप्न।

(उत्पत्ति ४१)

पूरे दो बरस के बीते पर फिरौन ने यह स्वप्न देखा कि मैं मानो नील नदी के तीर पर खड़ा हूं। और उस नदी में से सात सुन्दर और मोटी मोटी गायें निकलकर कछार की घास चरने लगीं। और क्या देखा कि उन के पीछे और सात गायें जो कुरूप और डांगर हैं नदी से निकली आती हैं और दूसरी गायों के निकट नदी के तीर पर खड़ी हुई। तब मानो इन कुरूप और डांगर गायों ने उन सात सुन्दर और मोटी मोटी गायों को खा डाला। तब फिरौन जाग उठा।

फिर वह सो गया और दूसरा स्वप्न देखा कि एक डंठी में से सात मोटी और अच्छी अच्छी बालें निकली आती हैं। और क्या देखा कि उन के पीछे सात बालें पतली और पुरवाई से मुरझाई हुई निकली आती हैं। और मानो इन पतली बालों ने उन सातों मोटी और अन्न से भरी हुई बालों को निगल लिया। तब फिरौन जागा और यह स्वप्न ही था।

भोर को फिरौन का मन व्याकुल हुआ और उस ने मिस्र के सब ज्योतिषियों और पंडितों को बुलवा भेजा और उन को अपने स्वप्न को बताया पर उन में से कोई उन का फल फिरौन से न कह सका।

तब पिलानेहारों का प्रधान फिरौन से बोल उठा कि मुझे आज के दिन अपने अपराध चेत आते हैं। जब फिरौन अपने दासों से क्रोधित हुआ था और मुझे और पकानेहारों के प्रधान को कैद कराके जल्लादों के प्रधान के घर वाले बन्दीगृह में डाल दिया था, तब हम दोनों ने एक ही रात में अपने अपने होनहार के अनुसार स्वप्न देखा। और वहां हमारे साथ एक इब्री जवान था जो जल्लादों के प्रधान का दास था सो हम ने उस को बताया और उस ने हमारे स्वप्नों का फल हम से कहा हम में से एक

एक के स्वप्न का फल उस ने बता दिया। और जैसा जैसा फल उस ने हम से कहा वैसा वैसा निकला भी अर्थात मुझ को तो मेरा पद फिर मिला पर वह टांगा गया।

तब फिरौन ने यूसुफ को बुलवा भेजा और वह झटपट गड़हे में से निकाला गया और बाल मुंड़वा वस्त्र बदल के फिरौन के पास आया।

फिरौन ने यूसुफ से कहा मैंने एक स्वप्न देखा और उस के फल का कहनेहारा कोई नहीं और मैंने तेरे विषय में सुना है कि तू स्वप्न सुनते ही उस का फल कह सकता है।

यूसुफ ने फिरौन से कहा मैं तो कुछ नहीं कर सकता परमेश्वर ही फिरौन के लिये मंगल का बखान कराए। यूसुफ ने फिरौन से कहा फिरौन का स्वप्न एक ही है परमेश्वर जो काम किया चाहता है उस को उस ने फिरौन को जताया है। वे सात अच्छी अच्छी गायें सात बरस हैं और वे सात अच्छी अच्छी बालें सात बरस हैं स्वप्न एक ही है। फिर उन के पीछे जो डांगर और कुडौल गायें निकलीं और जो सात छूछी और पुरवाई से मुर्झाई हुई बालें हुईं वे अकाल के सात बरस होंगे। यह वही बात है जो मैं फिरौन से कह चुका हूं कि परमेश्वर जो काम किया चाहता है सो उस ने फिरौन को दिखाया है। सुन सारे मिस्र देश में बड़े सुकाल के सात बरस आनेहारे हैं। और उन के पीछे अकाल के सात बरस आएंगे और मिस्र देश में वह सारा सुकाल बिसर जायगा और अकाल से देश नाश होगा। और उस अकाल के कारण जो पीछे आएगा वह सुकाल देश में स्मरण न रहेगा क्योंकि अकाल अत्यन्त भारी होगा। सो अब फिरौन किसी समझदार और बुद्धिमान पुरुष की खोज कर के उसे मिस्र देश पर प्रधान ठहराये। फिरौन यह कर के देश पर अधिकारियों को ठहराये और जब लों सुकाल के सात बरस रहें तब लों मिस्र देश की उपज का पंचमांश लिया करे। वे इन अच्छे बरसों में सब प्रकार की भोजन वस्तु बटोर बटोर कर नगर नगर में अन्न की राशियां भोजन के लिये फिरौन के बश में कर के उन की रक्षा करें। और वह भोजन वस्तु अकाल के उन सात बरसों के लिये देश के भोजन के निमित्त रक्खी रहे जिस से देश उस अकाल से सत्यानाश न हो।

यह बात फिरौन और उस के सारे कर्म्मचारियों को अच्छी लगी। सो फिरौन ने अपने कर्म्मचारियों से कहा इस पुरुष के समान क्या और कोई ऐसा मिलेगा कि परमेश्वर का आत्मा उस में रहता हो। फिर फिरौन ने यूसुफ से कहा परमेश्वर ने जो तुझे इतना ज्ञान दिया है और तेरे तुल्य कोई समझदार और बुद्धिमान नहीं, इस कारण तू मेरे घर का अधिकारी हो और तेरी आज्ञा के अनुसार मेरी सारी प्रजा चलेगी केवल राजगद्दी के विषय में तुझ से बड़ा ठहरूंगा। फिर फिरौन ने यूसुफ से कहा सुन मैं तुझ को मिस्र के सारे देश के ऊपर ठहरा देता हूं।

तब फिरौन ने अपने हाथ से अंगूठी निकाल के यूसुफ के हाथ में पहिना दी और उस को सूक्ष्म सनी के वस्त्र पहिनवा दिये और उसके गले में सोने की गोप डाल दी और उस को अपने दूसरे रथ पर चढ़वाया और लोग उस के आगे आगे यह पुकारते चले कि घुटने टेक घुटने टेक सो उस ने उस को मिस्र के सारे देश के ऊपर ठहराया। जब यूसुफ मिस्र के राजा फिरौन के सन्मुख खड़ा हुआ तब वह तीस बरस का था सो वह फिरौन के सन्मुख से निकल कर मिस्र के सारे देश में दौरा करने लगा।

अत्यन्त भारी अकाल।

उत्पत्ति ४१ : ४७।

सुकाल के सातों बरसों में भूमि बहुतायत से अन्न उपजाती रही। और यूसुफ उन सातों बरसों में सब प्रकार की भोजन वस्तुएं जो मिस्र देश में होती थीं बटोर बटोर के नगरों में रखता गया एक एक नगर की चारों ओर के खेतों की भोजन वस्तुओं को वह उसी नगर में संचय करता गया। सो यूसुफ ने अन्न को समुद्र की बालू के समान अत्यन्त बहुतायत से राशि राशि कर के रक्खा यहां लों कि उस ने उन का गिनना छोड़ दिया क्योंकि वे असंख्य हो गईं।

और मिश्र देश के सुकाल के वे सात बरस निपट गये। और अकाल के सात बरस यूसुफ के कहे के अनुसार आने लगे और सब देशों में अकाल पड़ा पर सारे मिस्र देश में अन्न था।

जब मिस्र का सारा देश भूखों मरने लगा तब प्रजा फिरौन से चिल्ला चिल्ला कर रोटी मांगने लगी और वह सब मिस्रियों से कहा करता था यूसुफ के पास जाओ और जो कुछ वह तुम से कहे वही करो।

सो जब अकाल सारी पृथ्वी पर फैल गया और मिस्र देश में भारी हो गया तब यूसुफ सब भण्डारों को खोल खोल के मिस्रियों के हाथ अन्न बेचने लगा। सो सारी पृथिवी के लोग मिस्र में अन्न मोल लेने को यूसुफ के पास आने लगे क्योंकि सारी पृथिवी पर भारी अकाल था।

अनजान भाई।

(उत्पत्ति ४२)

जब याकूब ने सुना कि मिस्र में अन्न है तब उस ने अपने पुत्रों से कहा तुम एक दूसरे का मुंह क्यों ताकते हो। फिर उस ने कहा मैं ने तो सुना है कि मिस्र में अन्न है सो तुम लोग वहां जाकर हमारे लिये अन्न मोल ले आओ कि हम मरें नहीं जीते रहें।

सो यूसुफ के दस भाई अन्न मोल लेने के लिये मिस्र को गये। पर यूसुफ के भाई बिन्यामीन को याकूब ने यह सोचकर भाइयों के साथ भेजना नकारा कि कहीं ऐसा न हो कि उस पर कोई विपत्ति पड़े। यूसुफ तो मिस्र देश का अधिकारी था और उस देश के सब लोगों के हाथ वही अन्न बेचता था सो जब यूसुफ के भाई आये तब भूमि पर मुंह के बल गिरके उस को दण्डवत किया। उन को देखकर यूसुफ ने पहिचान तो लिया पर उनके साम्हने अनजान बनके कठोरता के साथ उन से पूछा तुम कहां से आते हो उन्होंने कहा हम तो कनान देश से अन्न मोल लेने को आये हैं। यूसुफ ने तो अपने भाइयों को पहिचान लिया पर उन्होंने उस को न पहिचाना।

सो यूसुफ अपने वे स्वप्न स्मरण करके जो उस ने उन के विषय देखे थे उन से कहने लगा तुम भेदिये हो इस देश की दुर्दशा को देखने के लिये आये हो उन्होंने उस से कहा नहीं नहीं हे प्रभु तेरे दास भोजन वस्तु मोल लेने को आये हैं। हम सब एक ही पुरुष के पुत्र हैं हम सीधे मनुष्य हैं तेरे दास भेदिये नहीं।

उस ने उन से कहा नहीं नहीं तुम इस देश की दुर्दशा देखने ही को आये हो। उन्हों ने कहा हम तेरे दास बारह भाई हैं और कनान देशवासी एक ही पुरुष के पुत्र हैं और छोटा इस समय हमारे पिता के पास है और एक रहा नहीं। यूसुफ ने उन से कहा मैं ने जो तुम से कहा कि तुम भेदिये हो, सो इस रीति से तुम परखे जाओगे फिरौन के जीवन की सों जब लों तुम्हारा छोटा भाई यहां न आए तब लों तुम यहां से न निकलने पाओगे। सो अपने में से एक को भेज दो कि वह तुम्हारे भाई को ले आए और तुम लोग बन्धुआई में रहोगे इस से तुम्हारी बातें परखी जाएंगी कि तुम में सच्चाई है कि नहीं न होने से फिरौन के जीवन की सों निश्चय तुम भेदिये ही ठहरोगे।

तब उस ने उन को तीन दिन लों बन्दीगृह में रक्खा।

अन्न से भरे हुए दस बोरे।

(उत्पत्ति ४२:१८)

तीसरे दिन यूसुफ ने उन से कहा एक काम करो तब जीते रहोगे क्योंकि मैं परमेश्वर का भय मानता हूं। यदि तुम सीधे मनुष्य हो तो तुम सब भाइयों में से एक जन इस बन्दीगृह में बन्धुआ रहे और तुम अपने घरवालों की भूख बुझाने के लिये अन्न ले जाओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास ले आओ यों तुम्हारी बातें सच्ची ठहरेंगी और तुम मार डाले न जाओगे।

तब उन्हों ने आपस में कहा निःसन्देह हम अपने भाई के विषय में दोषी हैं कि जब उस ने हम से

गिड़गिड़ाके बिनती किई तब हम ने यह देखने पर भी कि उस का जीव कैसे संकट में पड़ा है उस को न सुनी इसी कारण हम भी अब इस संकट में पड़े हैं। रूबेन ने उन से कहा क्या मैं ने तुम से न कहा था कि लड़के के अपराधी मत हो और तुम ने न सुना सो देखो अब उस के लोहू का पलटा लिया जाता है। यूसुफ की और उनकी बातचीत जो एक दुभाषिया के द्वारा होती थी इस से उन को मालूम न था कि वह हमारी समझता है।

और वह उन के पास से हटकर रोने लगा फिर उन के पास लौटकर और उन से बातचीत करके उन में से शिमोन को निकाला और उन के साम्हने बन्धुआ रक्खा।

तब यूसुफ ने आज्ञा दिई कि उन के बोरे अन्न से भरो और एक एक जन के बोरे में उस के रुपैया को भी रख दो और उन को मार्ग के लिये सीधा दो सो उन के साथ ऐसा ही किया गया। तब वे अपना अन्न अपने गदहों पर लादकर वहां से चल दिये।

सराय में जब एक ने अपने गदहे को चारा देने के लिये अपना बोरा खोला तब उस का रुपैया बोरे के मोहड़े पर रखा हुआ देख पड़ा। तब उसने अपने भाइयों से कहा मेरा रुपैया तो फेर दिया गया है देखो वह मेरे बोरे में है तब उन के जी में जी न रहा और वे एक दूसरे की ओर भय से ताकने लगे और बोले कि परमेश्वर ने यह हम से क्या किया है।

सो वे कनान देश में अपने पिता याकूब के पास आये और अपना सारा वृत्तान्त उस से यों वर्णन किया कि, जो पुरुष उस देश का स्वामी है उस ने हम से कठोरता के साथ बातें किईं और हम को देश के भेदिये ठहराया। तब हम ने उस से कहा हम सीधे लोग हैं भेदिये नहीं। हम बारह भाई एक ही पुरुष के पुत्र हैं एक तो रहा नहीं और छोटा इस समय कनान देश में हमारे पिता के पास है। तब उस पुरुष ने जो उस देश का स्वामी है हम से कहा इसी से मैं जान लूंगा कि तुम सीधे मनुष्य हो अपने में से एक को मेरे पास छोड़के अपने घरवालों की भूख बुझाने के लिये कुछ ले जाओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास ले आओ तब मैं जानूंगा कि तुम भेदिये नहीं सीधे लोग हो और तब मैं तुम्हारे भाई को तुम्हें फेर दूंगा और तुम इस देश में लेन देन करने पाओगे।

फिर जब वे अपने अपने बोरे से अन्न निकालने लगे तब क्या देखा कि एक एक जन के रुपैया की थैली उसी के बोरे में रक्खी है सो रुपैया की थैलियों को देखकर वे और उन का पिता डर गये।

फिर उन के पिता याकूब ने उन से कहा मुझ को तुम ने निर्वंश किया देखो यूसुफ नहीं रहा और शिमोन भी नहीं आया और अब तुम बिन्यामीन को भी ले जाने चाहते हो ये सब विपत्तियां मेरे ऊपर आ पड़ी हैं। रूबेन ने अपने पिता से कहा यदि मैं उस को तेरे पास न लाऊं तो मेरे दोनों पुत्रों को मार डालना तू उस को मेरे हाथ में सौंप तो दे मैं उसे तेरे पास फिर पहुंचा दूंगा। उस ने कहा मेरा पुत्र तुम्हारे संग न जाएगा क्योंकि उस का भाई मर गया और वह अकेला रह गया सो जिस मार्ग से तुम जाओगे उस में यदि उस पर कोई विपत्ति आ पड़े तो तुम्हारे कारण मैं इस पक्के बाल की अवस्था में शोक के साथ अधोलोक में उतर जाऊंगा।

पिता और उसका छुटका पुत्र।

(उत्पत्ति ४३)

और अकाल देश में और भारी हो गया। सो जब वह अन्न जो वे मिस्र से ले आये चुक गया तब उन के पिता ने उन से कहा फिर जाकर हमारे लिये थोड़ी सी भोजनवस्तु मोल ले आओ। तब यहूदा ने उस से कहा उस पुरुष ने हम से चिता चिताकर कहा कि यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे संग न आए तो तुम मेरे सम्मुख न आने पाओगे। सो यदि तू हमारे भाई को हमारे संग भेजे तब तो हम जाकर तेरे लिये भोजनवस्तु मोल ले आएंगे। पर यदि तू उस को न भेजे तो हम न

जाएंगे क्योंकि उस पुरुष ने हम से कहा कि यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे संग न हो तो तुम मेरे सन्मुख न आने पाओगे ।

तब इस्राएल ने कहा तुम ने उस पुरुष को यह बताकर कि हमारे एक और भाई है क्यों मुझ से बुरा बर्ताव किया । उन्हों ने कहा जब उस पुरुष ने हमारी और हमारे कुटुम्बियों की दशा को इस रीति पूछा कि क्या तुम्हारा पिता अब लों जीता है क्या तुम्हारे कोई और भाई भी है तब हम ने इन प्रश्नों के अनुसार उस से वर्णन किया फिर क्या हम कुछ भी जानते थे कि वह कहेगा अपने भाई को यहां ले आओ ।

फिर यहूदा ने अपने पिता इस्राएल से कहा उस लड़के को मेरे संग भेज दे कि हम चले जाएं इस से हम और तू और हमारे बालबच्चे मरने न पाएंगे जीते रहेंगे । मैं उस का जामिन होता हूं मेरे ही हाथ से तू उस को फेर लेना यदि मैं उस को तेरे पास पहुंचा कर साम्हने न खड़ा कर दूं तो मैं सदा के लिये तेरा अपराधी ठहरूंगा ।

तब उन के पिता इस्राएल ने उन से कहा यदि सचमुच ऐसो ही बात है तो यह करो इस देश की उत्तम उत्तम वस्तुओं में से कुछ कुछ अपने बोरों में उस पुरुष के लिये भेंट ले जाओ जैसे थोड़ा सा बलसान और थोड़ा सा मधु और कुछ सुगन्ध द्रव्य और गन्धरस पिस्ते और बादाम । फिर अपने अपने साथ दूना रुपैया ले जाओ। जो रुपैया तुम्हारे बोरों के मोहड़े पर फेर दिया गया उस को भी लेते जाओ क्या जानिये यह भूल से हुआ हो । और अपने भाई को भी संग लेकर उस पुरुष के पास फिर जाओ, और सर्वशक्तिमान ईश्वर उस पुरुष को तुम पर दयालु करे कि वह तुम्हारे दूसरे भाई को और बिन्यामीन को भी आने दे ।

तब उन मनुष्यों ने वह भेंट और दूना रुपैया और बिन्यामीन को भी संग लेकर चल दिये और मिस्र में पहुंचकर यूसुफ के साम्हने खड़े हुए ।

बिन्यामीन यूसुफ के साम्हने ।

(उत्पत्ति ४३:१६)

उन के साथ बिन्यामीन को देखकर यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी से कहा उन मनुष्यों को घर में पहुंचा और पशु मारके भोजन तैयार कर क्योंकि वे लोग दोपहर को मेरे संग भोजन करेंगे । सो वह जन यूसुफ के कहने के अनुसार करके उन पुरुषों को यूसुफ के घर में ले चला ।

वे जो यूसुफ के घर को पहुंचाये गये इस से डरकर कहने लगे जो रुपैया पहिली बार हमारे बोरों में फेर दिया गया उसी के कारण हम भीतर पहुंचाये जाते हैं कि वह पुरुष हम पर टूट पड़े और दबाकर अपने दास बनाए और हमारे गदहों को छीन ले ।

सो वे यूसुफ के घर के अधिकारी के निकट घर के द्वार पर जाकर यों कहने लगे कि, हे हमारे प्रभु हम पहिली बार अन्न मोल लेने को आये थे, और जब हम ने सराय में पहुंच कर अपने बोरों को खोला तो क्या देखा कि एक एक जन का पूरा रुपैया उस के बोरे के मोहड़े पर रक्खा है सो हम उस को अपने साथ फिर लेते आये हैं । और दूसरा रुपैया भी भोजन वस्तु मोल लेने को ले आये हैं हम नहीं जानते कि हमारा रुपैया हमारे बोरों में किसने रख दिया था ।

उस ने कहा तुम्हारा कुशल हो मत डरो तुम्हारा परमेश्वर जो तुम्हारे पिता का भी परमेश्वर है उसी ने तुम को तुम्हारे बोरों में धन दिया होगा तुम्हारा रुपैया मुझ को तो मिल गया था और उस ने शिमोन को निकाल कर उन के संग कर दिया । तब उस जन ने उन मनुष्यों को यूसुफ के घर में ले जाकर जल दिया और उन्होंने अपने पांवों को धोया और उस ने उन के गदहों के लिये चारा दिया ।

जब यूसुफ घर आया तब वे उस भेंट को जो उन के हाथ में थी उस के सन्मुख घर में ले गये और भूमि पर गिर के उस को दण्डवत किया । उस ने उन का कुशल पूछा और कहा क्या तुम्हारा

वह बूढ़ा पिता जिस की तुम ने चर्चा की थी कुशल से है क्या वह अब लों जीता है। उन्हों ने कहा हां तेरा दास हमारा पिता कुशल से है और अब लों जीता है तब उन्हों ने सिर झुका कर फिर दण्डवत की।

तब उस ने आंखें उठा कर और अपने सगे भाई बिन्यामीन को देख कर पूछा क्या तुम्हारा वह छोटा भाई जिस की चर्चा तुम ने मुझ से की थी यही है फिर उस ने कहा हे मेरे पुत्र परमेश्वर तुझ पर अनुग्रह करे।

तब अपने भाई के स्नेह से मन भर आने के कारण और यह सोच कर कि मैं कहां रोऊं यूसुफ फुर्ती से अपनी कोठरी में गया और वहां रो दिया। फिर अपना मुंह धोकर निकल आया और अपने को रोक कर कहा भोजन परोसो। सो उन्हों ने उस के लिये तो अलग और भाइयों के लिये अलग परोसा।

सो यूसुफ के भाई उस के साम्हने बड़े बड़े पहिले और छोटे छोटे पीछे अपनी अपनी अवस्था के अनुसार क्रम से बैठाये गये यह देख वे विस्मित होकर एक दूसरे की ओर ताकने लगे। तब यूसुफ अपने साम्हने से भोजनवस्तुयें उठा उठा के उन के पास भेजने लगा और बिन्यामीन को अपने भाइयों से अधिक पचगुणी भोजन वस्तु मिली। और उन्हों ने उस के संग मनमाना पिया तब उसने अपने घर के अधिकारी को आज्ञा दी कि इन मनुष्यों के बोरों में जितनी भोजन वस्तु समा सके उतनी भर दे और एक एक जन के रुपैये को उस के बोरे के मोहड़े पर रख दे। और मेरा चांदी का कटोरा छोटे के बोरे के मोहड़े पर उस के अन्न के रुपैये के साथ रख दे। यूसुफ की इस आज्ञा के अनुसार उस ने किया।

बिन्यामीन के बोरे में कटोरा।

(उत्पत्ति ४४)

बिहान को भोर होते ही वे मनुष्य अपने गदहों समेत बिदा किये गये। वे नगर से निकले ही थे और दूर न जाने पाये थे कि यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी से कहा उन मनुष्यों का पीछा कर और उन को पाकर उन से कह कि तुम ने भलाई की सन्ती बुराई क्यों की है। क्या यह वह वस्तु नहीं जिस में मेरा स्वामी पीता है और जिससे वह शकुन भी विचारा करता है तुम ने यह जो किया है सो बुरा किया।

तब उस ने उन्हें जा लिया और ऐसी ही बातें उन से कहीं। उन्होंने उस से कहा हे हमारे प्रभु तू ऐसी बातें क्यों कहता है ऐसा काम करना तेरे दासों से दूर रहे। देख जो रुपैया हमारे बोरों के मोहड़े पर निकला था जब हम ने उसको कनान देश से ले आकर तुझे फेर दिया तब भला तेरे स्वामी के घर में से हम कोई चांदी व सोने की वस्तु क्योंकर चुरा सकते हैं। तेरे दासों में से जिस किसी के पास वह निकले वह मार डाला जाए और हम भी अपने उस प्रभु के दास हो जायें।

उस ने कहा तुम्हारा ही कहना सही जिस के पास वह निकले सो मेरा दास होगा और तुम लोग निरपराध ठहरोगे।

इस पर वे फुर्ती से अपने अपने बोरे को उतार भूमि पर रख कर उन्हें खोलने लगे। तब वह ढूंढ़ने लगा और बड़े के बोरे से लेकर छोटे के बोरे लों खोज की और कटोरा बिन्यामीन के बोरे में मिला।

तब उन्हों ने अपने अपने वस्त्र फाड़े और अपना अपना गदहा लाद कर नगर को लौट गये। तब यहूदा और उसके भाई यूसुफ के घर पर पहुंचे और यूसुफ वहीं था सो वे उसके साम्हने भूमि पर गिरे।

यूसुफ ने उन से कहा तुम लोगों ने यह कैसा काम किया है क्या तुम न जानते थे कि मुझ सा मनुष्य शकुन विचार सकता है। यहूदा ने कहा हम लोग अपने प्रभु से क्या कहें हम क्या कह कर अपने को निर्दोष ठहरायें परमेश्वर ने तेरे दासों के अधर्म को पकड़ लिया है हम और जिस के पास कटोरा निकला वह भी हम सब के सब अपने प्रभु के दास ही हैं।

उस ने कहा ऐसा करना मुझ से दूर रहे जिस जन के पास कटोरा निकला वही मेरा दास होगा और तुम लोग अपने पिता के पास कुशल क्षेम से चले जाओ।

तब यहूदा उस के पास जाकर कहने लगा हे मेरे प्रभु तेरे दास को अपने प्रभु से एक बात कहने की आज्ञा हो और तेरा कोप तेरे दास पर न भड़के तू तो फिरौन के तुल्य है।

मेरे प्रभु ने अपने दासों से पूछा था कि क्या तुम्हारे पिता वा भाई है। और हम ने अपने प्रभु से कहा हां हमारे बूढ़ा पिता तो है और उस के बुढ़ापे का एक छोटा सा बालक भी है और उस का भाई मर गया सो वह अपनी माता का अकेला रह गया और उस का पिता उस से स्नेह रखता है। तब तू ने अपने दासों से कहा था कि उस को मेरे पास ले आओ कि मैं उस को देखूं। तब हम ने अपने प्रभु से कहा था कि वह लड़का अपने पिता को नहीं छोड़ सकता नहीं तो उस का पिता मर जाएगा। और तू ने अपने दासों से कहा यदि तुम्हारा छोटा भाई तुम्हारे संग न आए तो तुम मेरे सन्मुख फिर आने न पाओगे।

सो जब हम अपने पिता तेरे दास के पास गये तब हम ने उस से अपने प्रभु की बातें कहीं। तब हमारे पिता ने कहा फिर जाकर हमारे लिये थोड़ी सी भोजन वस्तु मोल ले आओ। हम ने कहा हम नहीं जा सकते हां यदि हमारा छोटा भाई हमारे संग रहे तब हम जाएंगे क्योंकि यदि हमारा छोटा भाई हमारे संग न रहे तो हम उस पुरुष के सन्मुख न जाने पाएंगे।

तब तेरे दास मेरे पिता ने हम से कहा तुम तो जानते हो कि मेरी स्त्री दो पुत्र जनी। और उन में से एक तो मुझे छोड़ ही गया और मैं ने निश्चय कर लिया कि वह फाड़ डाला गया होगा और तब से मैं ने उस का मुंह न देख पाया। सो यदि तुम इस को भी मेरी आंख की ओट ले जाओ और कोई विपत्ति इस पर पड़े तो तुम्हारे कारण मैं इस पक्के बाल की अवस्था में दुःख के साथ अधोलोक में उतर जाऊंगा।

सो जब मैं अपने पिता तेरे दास के पास पहुंचूं और यह लड़का संग न रहे तब उस का प्राण जो इसी पर अटका रहता है इस कारण यह देखके कि लड़का नहीं है वह तुरन्त ही मर जाएगा सो तेरे दासों के कारण तेरा दास हमारा पिता जो पक्के बालों की अवस्था का है सो शोक के साथ अधोलोक में उतर जाएगा। फिर तेरा दास अपने पिता के यहां यह कहके इस लड़के का जामिन हुआ है कि यदि मैं इस को तेरे पास न पहुंचा दूं तो सदा के लिये तेरा अपराधी ठहरूंगा।

सो अब तेरा दास इस लड़के की सन्ती अपने प्रभु का दास होकर रहने पाए और यह लड़का अपने भाइयों के संग जाने पाए। क्योंकि लड़के के बिना संग रहे मैं क्योंकर अपने पिता के पास जा सकूंगा।

यूसुफ अपने को प्रगट करता।

(उत्पत्ति ४५)

तब यूसुफ उन सब के साम्हने जो उसके आस पास खड़े थे अपने को और रोक न सका और पुकारके कहा मेरे आस पास से सब लोगों को बाहर कर दो।

भाइयों के साम्हने अपने को प्रगट करने के समय यूसुफ के संग और कोई न रहा। तब वह चिल्ला चिल्लाकर रोने लगा और मिस्रियों ने सुना और फिरौन के घर के लोगों को भी इसका समाचार मिला। तब यूसुफ अपने भाइयों से कहने लगा मैं यूसुफ हूं क्या मेरा पिता अब लों जीता है इस का उत्तर उस के भाई न दे सके क्योंकि वे उस के साम्हने घबरा गये थे।

फिर यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा मेरे निकट आओ यह सुनकर वे निकट गये फिर उस ने कहा मैं तुम्हारा भाई यूसुफ हूं जिस को तुम ने मिस्र आनेहारों के हाथ बेच डाला था। अब तुम लोग मत पछताओ और तुम ने जो मुझे यहां बेच डाला इस से उदास मत हो क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हारे प्राण बचाने के लिये मुझे आगे से भेज दिया। क्योंकि अब दो बरस से इस देश में अकाल है और अब पांच बरस और ऐसे ही होंगे कि उन में न तो हल चलेगा और न अन्न काटा जाएगा। सो परमे-

श्वर ने मुझे तुम्हारे आगे इसी लिये भेजा कि तुम पृथ्वी पर बचे रहो और तुम्हारे प्राण बचने से तुम्हारा वंश बढ़े ।

इस रीति अब मुझ को यहां पर भेजनेहारे तुम नहीं परमेश्वर ही ठहरा और उसी ने मुझे फिरौन का पिता सा और उस के सारे घर का स्वामी और और सारे मिस्र देश का प्रभु ठहरा दिया है । सो शीघ्र मेरे पिता के पास जाकर कहो तेरा पुत्र यूसुफ यों कहता है कि परमेश्वर ने मुझे सारे मिस्र का स्वामी ठहराया है सो तू मेरे पास बिना बिलम्ब किये चला आ । और तेरा निवास गोशेन देश में होगा और तू बेटे पोतों भेड़ बकरियों गाय बैलों और अपने सब कुछ समेत मेरे निकट रहेगा । और अकाल के जो पांच बरस और होंगे उन में मैं वहीं तेरा पालन पोषण करूंगा ऐसा न हो कि तू और तेरा घराना बरन जितने तेरे हैं सो भूखों मरें ।

और तुम अपनी आंखों से देखते हो और मेरा भाई बिन्यामीन भी अपनी आंखों से देखता है कि जो हम से बातें कर रहा है सो यूसुफ है । और तुम मेरे सब विभव का जो मिस्र में है और जो कुछ तुम ने देखा है उस सब का मेरे पिता से वर्णन करना और वेग मेरे पिता को यहां ले आना ।

और वह अपने भाई बिन्यामीन के गले में लिपट कर रोया और बिन्यामीन भी उस के गले में लिपट कर रोया । तब वह अपने सब भाइयों को चूमकर उन से मिलकर रोया और इस के पीछे उस के भाई उस से बातें करने लगे ।

इस बात की चर्चा कि यूसुफ के भाई आये हैं फिरौन के भवन तक पहुंच गई और इस से फिरौन और उस के कर्म्मचारी प्रसन्न हुए ।

सो फिरौन ने यूसुफ से कहा अपने भाइयों से कह कि एक काम करो अपने पशुओं को लादकर कनान देश में चले जाओ । और अपने पिता और अपने अपने घर के लोगों को लेकर मेरे पास आओ और मिस्र देश में जो कुछ अच्छे से अच्छा है वह मैं तुम्हें दूंगा और तुम्हें देश के उत्तम से उत्तम पदार्थ खाने को मिलेंगे । और तुझे आज्ञा मिली है, तुम एक काम करो मिस्र देश से अपने बालबच्चों और स्त्रियों के लिये गाड़ियां ले जाओ और अपने पिता को ले आओ । और अपनी सामग्री का मोह न करना क्योंकि सारे मिस्र देश में जो कुछ अच्छे से अच्छा है सो तुम्हारा है ।

और इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया । और यूसुफ ने फिरौन की मानके उन्हें गाड़ियां दिईं और मार्ग के लिये सीधा भी दिया । उन में से एक एक जन को तो उस ने एक एक जोड़ा वस्त्र दिया और बिन्यामीन को तीन सौ रूपे के टुकड़े और पांच जोड़े वस्त्र दिये । और अपने पिता के पास उस ने जो भेजा वह यह है अर्थात मिस्र की अच्छी वस्तुओं से लदे हुए दस गदहे और अन्न और रोटी और उस के पिता के मार्ग के लिये भोजन वस्तु से लदी हुई दस गदहियां ।

और उस ने अपने भाइयों को बिदा किया और वे चल दिये और उस ने उन से कहा मार्ग में कहीं झगड़ा न करना ।

मिस्र से चलकर वे कनान देश में अपने पिता याकूब के पास पहुंचे, और उस से यह वर्णन किया कि यूसुफ अब लों जीता है और सारे मिस्र देश पर प्रभुता वही करता है ।

पर उसने उनकी प्रतीति न किई और वह अपने आपे में न रहा । तब उन्हों ने अपने पिता याकूब से यूसुफ की सारी बातें जो उस ने उन से कही थीं कह दिईं और जब उस ने उन गाड़ियों को देखा जो यूसुफ ने उस के ले आने के लिये भेजीं तब उस का चित्त स्थिर हो गया । और इस्राएल ने कहा बस मेरा पुत्र यूसुफ अब लों जीता है मैं अपनी मृत्यु से पहिले जाकर उस को देखूंगा ।

याकूब मिस्र को जाता ।

(उत्पत्ति ४६)

तब इस्राएल अपना सब कुछ कूच करके बेर्शेबा को गया और वहां अपने पिता इसहाक के परमेश्वर को बलिदान चढ़ाये ।

तब परमेश्वर ने इस्राएल से रात के दर्शन में कहा हे याकूब हे याकूब उस ने कहा क्या आज्ञा । उस ने कहा मैं ईश्वर तेरे पिता का परमेश्वर हूं तू

मिस्र में जाने से मत डर क्योंकि मैं तुझ से वहां एक बड़ी जाति उपजाऊंगा। मैं तेरे संग संग मिस्र को चलता हूं और मैं तुझे वहां से फिर निश्चय ले आऊंगा और यूसुफ अपना हाथ तेरी आंखों पर लगाएगा।

तब याकूब बेर्शेबा से चला और इस्राएल के पुत्र अपने पिता याकूब और अपने बालबच्चों और स्त्रियों को उन गाड़ियों पर जो फिरौन ने उन के ले आने को भेजी थीं चढ़ाकर ले चले। और वे अपनी भेड़ बकरी गाय बैल और कनान देश में अपने बटोरे हुए सारे धन को लेकर मिस्र में आये। और याकूब अपने बेटे बेटियां पोते पोतियां निदान अपने वंश भर को अपने संग मिस्र में ले आया। याकूब के घराने के जो प्राणी मिस्र में आये सो सब मिल कर सत्तर हुए।

तब यूसुफ अपना रथ जुतवाकर अपने पिता इस्राएल से भेंट करने के लिये गोशेन देश को गया और उस से भेंट करके उस के गले में लिपटा और कुछ बेर लों उस के गले में लिपटा हुआ रोता रहा। तब इस्राएल ने यूसुफ से कहा मैं अब मरने से भी प्रसन्न हूं क्योंकि तुझ जीते जागते का मुंह देख चुका।

तब यूसुफ ने अपने भाइयों से और अपने पिता के घराने से कहा मैं जाकर फिरौन को यह कहकर समाचार दूंगा कि मेरे भाई और मेरे पिता के सारे घराने के लोग जो कनान देश में रहते थे सो मेरे पास आ गये हैं। और वे लोग चरवाहे हैं क्योंकि वे पशुओं को पालते आये हैं सो वे अपनी भेड़ बकरी गाय बैल और जो कुछ उन का है सब ले आये हैं। जब फिरौन तुम को बुलाके पूछे कि तुम्हारा उद्यम क्या है, तो कहना कि तेरे दास लड़कपन से लेकर आज लों पशुओं को पालते आये हैं बरन हमारे पुरखा भी ऐसा ही करते थे। इस से तुम गोशेन देश में रहोगे क्योंकि सब चरवाहों से मिस्री लोग घिन करते हैं। तब यूसुफ ने फिरौन के पास जाकर यह कह कर समाचार दिया कि मेरा पिता और मेरे भाई और उन की भेड़ बकरियां गाय बैल और जो कुछ उन का है सब कनान देश से आ गया है और अभी तो वे गोशेन देश में हैं। फिर उस ने अपने भाइयों में से पांच जन लेकर फिरौन के साम्हने खड़े कर दिये। फिरौन ने उसके भाइयों से पूछा कि तुम्हारा उद्यम क्या है उन्हों ने फिरौन से कहा तेरे दास चरवाहे हैं और हमारे पुरखा भी ऐसे ही रहे। फिर उन्हों ने फिरौन से कहा हम इस देश में परदेशी की भांति रहने के लिये आये हैं क्योंकि कनान देश में भारी अकाल होने के कारण तेरे दासों को भेड़ बकरियों के लिये चराई नहीं रही सो अपने दासों को गोशेन देश में रहने दे।

तब फिरौन ने यूसुफ से कहा तेरा पिता और तेरे भाई तेरे पास आ गये हैं, और मिस्र देश तेरे साम्हने पड़ा है इस देश का जो सब से अच्छा भाग हो उस में अपने पिता और भाइयों को बसा दे अर्थात वे गोशेन ही देश में रहें और यदि तू जानता हो कि उन में से परिश्रमी पुरुष हैं तो उन्हें मेरे पशुओं के अधिकारी ठहरा दे।

तब यूसुफ ने अपने पिता याकूब को ले आकर फिरौन के सन्मुख खड़ा किया और याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद दिया। तब फिरौन ने याकूब से पूछा तेरी अवस्था कितने दिन की हुई है। याकूब ने फिरौन से कहा मैं तो एक सौ तीस बरस परदेशी हो कर अपना जीवन बिता चुका हूं मेरे जीवन के दिन थोड़े और दुःख से भरे हुये भी थे और मेरे बाप दादे परदेशी हो कर जितने दिन लों जीते रहे उतने दिन का मैं अभी नहीं हुआ। और याकूब फिरौन को आशीर्वाद दे कर उस के सन्मुख से चला गया। तब यूसुफ ने अपने पिता और भाइयों को बसा दिया और फिरौन की आज्ञा के अनुसार मिस्र देश के अच्छे से अच्छे भाग में भूमि देकर उन की निज कर दो। और यूसुफ अपने पिता का और अपने भाइयों का और पिता के सारे घराने का एक एक के बाल बच्चों के घराने की गिन्ती के अनुसार भोजन दिला दिला कर उन का पालन पोषण करने लगा। और उस सारे देश में खाने को कुछ न रहा क्योंकि अकाल बहुत भारी था और अकाल के कारण मिस्र और कनान दोनों देश अत्यन्त हार गये।

और जितना रुपैया मिस्र और कनान देश में था सब को यूसुफ ने उस अन्न की सन्ती जो उन के

निवासी मोल लेते थे एकट्ठा कर के फिरौन के भवन में पहुंचा दिया। सो जब मिस्र और कनान देश का रुपैया चुक गया तब सब मिस्री यूसुफ के पास आ आकर कहने लगे हम को भोजन वस्तु दे क्या हम रुपैये के न रहने से तेरे रहते हुये मर जायें। यूसुफ ने कहा जो रुपैये न हों तो अपने पशु दे दो और मैं उन की सन्ती तुम्हें खाने को दूंगा। तब वे अपने पशु यूसुफ के पास ले आये और यूसुफ उन को घोड़ों भेड़ बकरियों गाय बैलों और गदहों की सन्ती खाने को देने लगा सो उस बरस में वह सब जाति के पशुओं की सन्ती भोजन देकर उन का पालन पोषण करता रहा।

यूसुफ मिस्र की सारी भूमि को मोल लेता।

(उत्पत्ति ४७)

वह बरस तो यों कटा तब अगले बरस में उन्होंने उस के पास आकर कहा हम अपने प्रभु से यह बात छिपा न रखेंगे कि हमारा रुपैया चुक गया है और हमारे सब प्रकार के पशु हमारे प्रभु के पास आ चुके हैं सो अब हमारे प्रभु के साम्हने हमारे शरीर और भूमि छोड़ कर और कुछ नहीं रहा। हम तेरे देखते क्यों मरें और हमारी भूमि क्यों उजड़ जाए हम को और हमारी भूमि को भोजन वस्तु की सन्ती मोल ले कि हम अपनी भूमि समेत फिरौन के दास हों और हम को बीज दे कि हम मरने न पाएं जीते रहें और भूमि न उजड़े।

तब यूसुफ ने मिस्र की सारी भूमि को फिरौन के लिये मोल लिया क्योंकि उस कठिन अकाल के पड़ने से मिस्रियों को अपना अपना खेत बेच डालना पड़ा सो सारी भूमि फिरौन की हो गई।

और एक सिवाने से लेकर दूसरे सिवाने लों सारे मिस्र देश में जो प्रजा रहती थी उस को उस ने नगरों में ले आकर बसा दिया। पर याजकों की भूमि तो उस ने न मोल लिई क्योंकि याजकों के लिये फिरौन की ओर से नित्य भोजन का बन्दोबस्त था और जो नित्य भोजन फिरौन उन को देता था वही वे खाते थे इस कारण उन को अपनी भूमि बेचनी न पड़ी।

तब यूसुफ ने प्रजा के लोगों से कहा सुनो मैंने आज के दिन तुम को और तुम्हारी भूमि को भी फिरौन के लिये मोल लिया है देखो तुम्हारे लिये यहां बीज है इसे भूमि में बोओ। और जो कुछ उपजे उस का पंचमांश फिरौन को देना बाकी चार अंश तुम्हारे रहेंगे कि तुम उसे अपने खेतों में बोओ और अपने अपने बालबच्चों और घर के और लोगों समेत खाया करो। उन्हों ने कहा तू ने हम को जिलाय लिया है हमारे प्रभु की अनुग्रह की दृष्टि हम पर बनी रहे और हम फिरौन के दास होकर रहेंगे।

सो यूसुफ ने मिस्र की भूमि के विषय में ऐसा नियम ठहराया जो आज के दिन लों चला आता है कि पंचमांश फिरौन को मिला करे केवल याजकों ही की भूमि फिरौन की नहीं हो गई।

और इस्राएली मिस्र के गोशेन देश में रहने लगे और उस में की भूमि निज कर लेने लगे और फूले फले और अत्यन्त बढ़ गये। मिस्र देश में याकूब सतरह बरस जीता रहा।

याकूब अपने लोगों में जा मिलता।

(उत्पत्ति ४७:२९-४८)

जब इस्राएल के मरने का दिन निकट आ गया तब उस ने अपने पुत्र यूसुफ को बुलाकर कहा यदि तेरा अनुग्रह मुझ पर हो तो अपना हाथ मेरी जांघ के तले रखकर किरिया खा कि मैं तेरे साथ कृपा और सच्चाई का यह काम करूंगा कि तुझे मिस्र में मिट्टी न दूंगा। जब तू अपने बापदादों के संग सो जाएगा तब मैं तुझे मिस्र से उठा ले जाकर उन्हीं के कबरिस्तान में रक्खूंगा तब यूसुफ ने कहा मैं तेरे बचन के अनुसार करूंगा। फिर उस ने कहा मुझ से किरिया खा सो उस ने उस से किरिया खाई।

इन बातों के पीछे किसी ने यूसुफ से कहा सुन तेरा पिता बीमार है तब वह मनश्शे और एप्रैम नाम अपने दोनों पुत्रों को संग लेकर उस के पास चला। और किसी ने याकूब को बता दिया कि तेरा पुत्र यूसुफ तेरे पास आ रहा है तब इस्राएल अपने को सम्भालकर खाट पर बैठ गया।

तब इस्राएल को यूसुफ के पुत्र देख पड़े और उस ने पूछा ये कौन हैं। यूसुफ ने अपने पिता से कहा ये मेरे पुत्र हैं जो परमेश्वर ने मुझे यहां दिये हैं उस ने कहा उन को मेरे पास ले आ कि मैं उन्हें आशीर्वाद दूं।

इस्राएल की आंखें बुढ़ापे के कारण धुन्धली हो गई थीं यहां लों कि उसे कम सूझता था सो यूसुफ उन्हें उस के पास ले गया और उस ने उन्हें चूमकर गले लगा लिया। तब इस्राएल ने यूसुफ से कहा मैं सोचता न था कि तेरा मुख फिर देखने पाऊंगा पर देख परमेश्वर ने मुझे तेरा वंश भी दिखाया है। तब यूसुफ उन दोनों को लेकर उस के पास गया। तब इस्राएल ने अपना दहिना हाथ बढ़ाकर यूसुफ को आशीर्वाद देकर कहा परमेश्वर जिस के सन्मुख मेरे बापदादे इब्राहीम और इसहाक अपने को जानकर चलते थे और वही परमेश्वर मेरे जन्म से लेकर आज के दिन लों मेरा चरवाहा बना है और वही दूत मुझे सारी बुराई से छुड़ाता आया है वह अब इन लड़कों को आशीष दे और ये पृथ्वी में बहुतायत से बढ़ें। तब इस्राएल ने यूसुफ से कहा देख मैं तो मरता हूं परन्तु परमेश्वर तुम लोगों के संग रहेगा और तुम को तुम्हारे पितरों के देश में फिर पहुंचा देगा। फिर याकूब ने अपने पुत्रों को यह कहकर बुलाया कि एकट्ठे हो जाओ मैं तुम को बताऊंगा कि अन्त के दिनों में तुम पर क्या क्या बीतेगा। हे याकूब के पुत्रो एकट्ठे होकर सुनो अपने पिता इस्राएल की ओर कान लगाओ। तब उस ने यह कहकर उन को आज्ञा दिई कि मैं अपने लोगों के साथ मिलने पर हूं सो मुझे मकपेला की गुफा में मेरे बापदादों के साथ मिट्टी देना अर्थात उसी गुफा में जो कनान देश में है। उस भूमि को तो इब्राहीम ने मोल लिया था कि वह कबरिस्तान के लिये उस की निज भूमि हो। वहां इब्राहीम और उस की स्त्री सारा को मिट्टी दिई गई और वहीं इसहाक और उस की स्त्री रिबका को भी मिट्टी दिई गई और वहीं मैं ने लेआ को भी मिट्टी दिई।

यह आज्ञा जब याकूब अपने पुत्रों को दे चुका तब अपने पांव खाट पर समेट प्राण छोड़कर अपने लोगों में जा मिला। तब यूसुफ अपने पिता के मुंह पर गिरके रोया और उसे चूमा। और मिस्री लोग उस के लिये सत्तर दिन लों रोते रहे।

जब उस के विलाप के दिन बीत गये तब यूसुफ फिरौन के घराने के लोगों से कहने लगा यदि तुम्हारी अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो तो मेरी यह बिनती फिरौन को सुनाओ कि, मेरे पिता ने यह कहकर कि देख मैं मरा चाहता हूं मुझे यह किरिया खिलाई कि जो कबर तू ने अपने लिये कनान देश में खुदवाई है उसी में मैं तुझे मिट्टी दूंगा सो अब मुझे वहां जाकर अपने पिता को मिट्टी देने की आज्ञा दे पीछे मैं लौट आऊंगा। तब फिरौन ने कहा जाकर अपने पिता की खिलाई हुई किरिया के अनुसार उस को मिट्टी दे। सो यूसुफ अपने पिता को मिट्टी देने के लिये चला और फिरौन के सब कर्म्मचारी अर्थात उस के भवन के पुरनिये और मिस्र देश के सब पुरनिये उस के संग चले। और यूसुफ के घर के सब लोग और उस के भाई और उस के पिता के घर के सब लोग भी संग गये पर वे अपने बाल बच्चों और भेड़ बकरियों और गाय बैलों को गोशेन देश में छोड़ गये। और उस के संग रथ और सवार गये सो भीड़ बहुत भारी हो गई।

जब वे आताद के खलिहान लों जो यर्दन नदी के पार है पहुंचे तब वहां अत्यन्त भारी विलाप किया और यूसुफ ने अपने पिता के लिये सात दिन का विलाप कराया। और इस्राएल के पुत्रों ने उस को कनान देश में ले जाकर मकपेला की उस भूमिवाली गुफा में मिट्टी दिई।

———

यूसुफ की मृत्यु।

(उत्पत्ति ५०)

जब यूसुफ के भाइयों ने देखा कि हमारा पिता मर गया तब कहने लगे क्या जानिये यूसुफ अब हमारे पीछे पड़े और जितनी बुराई हम ने उस से किई थी सब का पूरा पलटा हम से ले। सो उन्हों ने यूसुफ के पास यह कहला भेजा कि तेरे पिता ने मरने से पहिले हमें यह आज्ञा दिई थी कि, तुम लोग यूसुफ से यों कहना कि हम बिनती करते हैं कि तू अपने भाइयों के अपराध और पाप को क्षमा कर हम ने तुझ से बुराई तो किई थी पर अब अपने पिता के परमेश्वर के दासों का अपराध क्षमा कर।

उन की ये बातें सुनकर यूसुफ रो दिया। और उस के भाई आप भी जाकर उस के साम्हने गिर पड़े और कहा देख हम तेरे दास हैं।

यूसुफ ने उन से कहा मत डरो क्या मैं परमेश्वर की जगह पर हूं। यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया जिस से वह ऐसा करे जैसा आज के दिन प्रगट है कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं। सो अब मत डरो मैं तुम्हारा और तुम्हारे बालबच्चों का पालन पोषण करता रहूंगा यों उस ने उन को समझा बुझाकर शान्ति दिई।

और यूसुफ अपने पिता के घराने समेत मिस्र में रहता रहा और यूसुफ एप्रैम के परपोतों को देखने पाया और मनश्शे के पोते जो माकीर के पुत्र थे सो उत्पन्न होकर यूसुफ से गोद में लिये गये।

और यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा मैं तो मरा चाहता हूं परन्तु परमेश्वर निश्चय तुम्हारी सुधि लेगा और तुम्हें इस देश से निकाल कर उस देश में पहुंचा देगा जिस के देने की उस ने इब्राहीम इसहाक और याकूब से किरिया खाई थी। फिर यूसुफ ने इस्राएलियों से यह कहकर कि परमेश्वर निश्चय तुम्हारी सुधि लेगा उन को इस विषय की किरिया खिलाई कि हम तेरी हड्डियों को यहां से उस देश में ले जाएंगे।

निदान यूसुफ मर गया और उस की लोथ में सुगन्धद्रव्य भरे गये और वह लोथ मिस्र में एक संदूक में रक्खी गई।

तीसरा अध्याय।

मूसा के संग बड़ी यात्रा का वर्णन।

अब कनान देश फिर जाने का वर्णन है।

मिस्र देश में फिराऊन (राजा) ने इस्राएलियों को अपना दास बनाया।

अन्त को मूसा उन को बचानेवाला हुआ। उस ने अपने लोगों को मिस्र देश से निकाला। बहुत बरसों तक दुख सुख में, अगुवा होकर उस ने उन को व्यवस्था दी।

यह वर्णन बाइबल की कई पुस्तकों में पढ़ते हैं।

"निर्गमन" की पुस्तक में लिखा है कि इस्राएलियों के धर्म्म की नेव दस आज्ञाओं पर डाली गयी थी। उस पुस्तक में उनकी घरेलो, देशी और धार्मिक व्यवस्था हैं और निवास स्थान के बनाने का बयान भी है।

"लैव्य व्यवस्था" पुस्तक में से इस किताब में बहुत नहीं लिखा गया। यह लेवियों (पुजारियों) की पुस्तक है जिसमें इस्राएलियों के बलिदान और पूजा पाठ की व्यवस्था है।

"गिनती" पुस्तक में उन के घरानों के नाम और गिनती हैं।

"व्यवस्था विवरण" बाइबल की पहिली पांच पुस्तकों में सब से बड़ा है।

उसमें हम यह विचार पाते हैं कि परमेश्वर क्रूर नहीं पर प्रेममय है। यह विचार मनुष्यों के अनुमानों में सब से बड़ा है।

विद्वान लोग कहते हैं कि वही पुस्तक है जो मन्दिर में योशियाह राजा के दिनों में पाई गई और जिसको सुनते ही उसने अपने कपड़े फाड़ डाले। पचास बरस तक यह छिपी रही।

इस में मूसा की कहानियां और उस के गीत हैं और उसके बड़े बड़े वाक्य ऐसे लिखे हैं कि उनको पढ़कर हम यह जानते हैं कि मूसा ही बोल रहा है।

वह राजा जो यूसुफ को न जानता था।

(निर्गमन १)

यूसुफ और उस के सब भाई और उस पीढ़ी के सारे लोग मर गये। और इस्राएली फूले फले और बहुत अधिक होकर बढ़ गये और अत्यन्त सामर्थी हुए और देश उन से भर गया।

मिस्र में एक नया राजा हुआ जो यूसुफ को न जानता था। उस ने अपनी प्रजा से कहा देखो इस्राएली हम से गिनती और सामर्थ्य में अधिक हो गये हैं। सो आओ हम उन के साथ चतुराई का बर्ताव करें सो उन्हों ने उन पर बेगारी करानेहारों को ठहराया जो उन पर भार डाल डालकर उन को दुःख दिया करें सो उन्हों ने फिरौन के लिये भंडार-वाले नगरों को बनाया। पर ज्यों ज्यों वे उन को दुःख देते गये त्यों त्यों वे बढ़ते और फलते गये। और मिस्रियों ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा कराई। और उन के जीवन को गारे ईंट और खेती के भांति भांति के काम की कठिन सेवा से भार सा कर डाला।

तब फिरौन ने अपनी सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दिई कि इब्रियों के जितने बेटे उत्पन्न हों उन सभों को तुम नील नदी में डालना और सब बेटियों को जीती छोड़ना।

मूसा का जन्म।

(निर्गमन २)

लेवी के घराने के एक पुरुष ने एक लेवी वंशिन को ब्याह लिया। और वह स्त्री बेटा जनी और यह देखकर कि यह बालक सुन्दर है उसे तीन महीने लों छिपा रक्खा। जब वह उसे और छिपा न सकी तब उस के लिये सरकंडों की एक पिटारी ले उस पर चिकनी मिट्टी और राल लगाकर उस में बालक को रखकर नील नदी के तीर पर कांसों के बीच छोड़ आई। उस बालक की बहिन दूर खड़ी रही कि देखे इसे क्या होगा।

तब फिरौन की बेटी नहाने के लिये नदी के तीर आई और उस की सखियां नदी के तीर तीर टहलने लगीं तब उस ने कांसों के बीच पिटारी को देखकर अपनी दासी को उसे ले आने के लिये भेजा। तब उस ने उसे खोलकर देखा कि एक रोता हुआ बालक है तब उसे तरस आई और उस ने कहा यह तो किसी इब्री का बालक होगा।

तब बालक की बहिन ने फिरौन की बेटी से कहा क्या मैं जाकर इब्री स्त्रियों में से किसी धाई को तेरे पास बुला ले आऊं जो तेरे लिये बालक को दूध पिलाया करे। फिरौन की बेटी ने कहा जा तब लड़की जाकर बालक की माता को बुला ले आई। फिरौन की बेटी ने उस से कहा तू इस बालक को ले जाकर मेरे लिये दूध पिलाया कर और मैं तुझे मजूरी दूंगी तब वह स्त्री बालक को ले जाकर दूध पिलाने लगी।

जब बालक कुछ बड़ा हुआ तब वह उसे फिरौन की बेटी के पास ले गई और वह उस का बेटा ठहरा और उस ने यह कहकर उस का नाम मूसा रक्खा कि मैं ने इस को जल से निकाल लिया।

इतने में मूसा बड़ा हुआ बाहर अपने भाई बंधुओं के पास जाकर उन के भारों पर दृष्टि करने लगा। और उस ने देखा कि कोई मिस्री जन मेरे एक इब्री भाई को मार रहा है। सो जब उस ने इधर उधर देखा कि कोई नहीं है तब उस मिस्री को मार डालकर बालू में छिपा दिया।

फिर दूसरे दिन बाहर जाकर उस ने देखा कि दो इब्री पुरुष आपस में मारपीट कर रहे हैं सो उस ने अपराधी से कहा तू अपने भाई को क्यों मारता है। उस ने कहा किस ने तुझे हम लोगों पर हाकिम और न्यायी ठहराया जिस भांति तू ने मिस्री को घात किया क्या उसी भांति मुझे भी घात करना चाहता है। तब मूसा यह सोचकर डर गया कि निश्चय वह बात खुल गई है।



राजा की बेटी मूसा को पाती है।

जब फिरौन ने वह बात सुनी तब मूसा को घात कराने का यत्न किया तब मूसा फिरौन के साम्हने से भागा और मिद्यान देश में जाकर रहने लगा। और वह वहां एक कूएं के पास बैठा था।

मिद्यान याजक के सात बेटियां थीं और वे वहां आकर जल भरने लगीं कि कठौतों में भरके अपने पिता की भेड़ बकरियों को पिलाएं। तब चरवाहे आकर उन को दुर्दुराने लगे तब मूसा ने खड़ा हो कर उन की सहायता किई और भेड़ बकरियों को पानी पिलाया। सो जब वे अपने पिता के पास फिर आईं तब उस ने उन से पूछा क्या कारण है कि आज तुम ऐसी फुर्ती से आई हो। उन्हों ने कहा एक मिस्री पुरुष ने हम को चरवाहों के हाथ से छुड़ाया और हमारे लिये बहुत जल भरके भेड़-बकरियों को पिलाया।

तब उस ने अपनी बेटियों से कहा वह पुरुष कहां है तुम उस को क्यों छोड़ आई हो उस को बुला ले आओ कि वह भोजन करे। और मूसा उस पुरुष के साथ रहने को प्रसन्न हुआ और उस ने उसे अपनी बेटी सिप्पोरा को ब्याह दिया।

बहुत दिन बीतने पर मिस्र का राजा मर गया और इस्राएली कठिन सेवा के कारण लम्बी लम्बी सांस लेने लगे और पुकार उठे और उन की दोहाई जो कठिन सेवा के कारण हुई सो परमेश्वर लों पहुंची। और परमेश्वर ने उन का कराहना सुनकर अपनी वाचा जो उस ने इब्राहीम और इसहाक और याकूब के साथ बांधी थी उस की सुधि लिई। और परमेश्वर ने इस्राएलियों पर दृष्टि करके उन पर चित्त लगाया।

मूसा और जलती झाड़ी।

(निर्गमन ३,४)

मूसा अपने ससुर यित्रो नाम मिद्यान के याजक की भेड़ बकरियों को चराता था और वह उन्हें जंगल की परली ओर होरेब नाम परमेश्वर के पर्व्वत के पास ले गया।

और परमेश्वर के दूत ने एक कटीली झाड़ी के बीच आग की लौ में उस को दर्शन दिया और उस ने दृष्टि करके देखा कि झाड़ी जल रही है पर भस्म नहीं होती।

तब मूसा ने सोचा कि मैं उधर फिरके इस बड़े अचंभे को देखूंगा कि वह झाड़ी क्यों नहीं जल जाती। जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है तब परमेश्वर ने झाड़ी के बीच से उस को पुकारा कि हे मूसा हे मूसा मूसा ने कहा क्या आज्ञा। उस ने कहा इधर पास मत आ और अपने पांवों से जूतियों को उतार दे क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है सो पवित्र भूमि है। तब मूसा जो परमेश्वर की ओर निहारने से डरता था सो उस ने अपना मुंह ढांप लिया।

फिर यहोवा ने कहा मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उन के दुःख को निश्चय देखा है और उन की जो चिल्लाहट परिश्रम करानेहारों के कारण होती है उसको भी मैं ने सुना है और उनकी पीड़ा पर मैं ने चित्त लगाया है। सो अब मैं उतर आया हूं कि उन्हें मिस्रियों के वश से छुड़ाऊं और उस देश से निकाल कर एक अच्छे और बड़े देश में जिस में दूध और मधु की धारा बहती हैं पहुंचाऊं। सो आ मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र से निकाल ले आए।

तब मूसा ने परमेश्वर से कहा मैं कौन हूं जो फिरौन के पास जाऊं और इस्राएलियों को मिस्र से निकाल ले आऊं। उस ने कहा निश्चय मैं तेरे संग रहूंगा और इस बात का कि तेरा भेजनेवाला मैं हूं तेरे लिये यह चिन्ह ठहरेगा कि जब तू उन लोगों को मिस्र से निकाल चुके तब तुम इसी पहाड़ पर परमेश्वर की उपासना करोगे।

मूसा ने परमेश्वर से कहा जब मैं इस्राएलियों के पास जाकर उन से यह कहूं कि तुम्हारे पितरों के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है और वे मुझसे पूछें कि उस का क्या नाम है तब मैं उन को क्या बताऊं। परमेश्वर ने मूसा से कहा मैं जो हूंगा सो हूंगा फिर उस ने कहा तू इस्राएलियों से यह कहना कि जिस का नाम हूंगा है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।

फिर परमेश्वर ने मूसा से यह भी कहा कि तू इस्राएलियों से यों कहना कि तुम्हारे पितरों का परमेश्वर यहोवा उसी ने मुझ को तुम्हारे पास भेजा है। यहोवा ने मुझे दर्शन देकर यह कहा है कि मैं तुम को मिस्र के दुःख में से निकाल कर कनानी लोगों के देश में ले चलूंगा जो ऐसा देश है कि उस में दूध और मधु की धारा बहती हैं। तब वे तेरी मानेंगे और तू इस्राएली पुरनियों को संग ले मिस्र के राजा के पास जाकर उस से यों कहना कि इब्रियों के परमेश्वर यहोवा से हम लोगों की भेंट हुई है सो अब हम को तीन दिन के मार्ग पर जंगल में जाने दे कि अपने परमेश्वर यहोवा को बलिदान चढ़ाएं। मैं जानता हूं कि मिस्र का राजा तुम को जाने न देगा बरन बड़े बल से दबाये जाने पर भी जाने न देगा। सो मैं हाथ बढ़ाकर उन सब आश्चर्य्य कर्म्मों से जो मिस्र के बीच करूंगा उस देश को मारूंगा और उस के पीछे वह तुम को जाने देगा।

मूसा ने यहोवा से कहा हे मेरे प्रभु मैं बोलने में निपुण नहीं मैं तो मुंह और जीभ का भद्दा हूं। यहोवा ने उस से कहा मनुष्य का मुंह किस ने बनाया है और मनुष्य को गूंगा वा बहिरा वा देखनेहारा वा अंधा मुझ यहोवा को छोड़ कौन बनाता है। अब जा मैं तेरे मुख के संग होकर जो तुझे कहना होगा वह तुझे सिखाता जाऊंगा तब यहोवा का कोप मूसा पर भड़का और उस ने कहा क्या तेरा भाई लेवीय हारून नहीं है मुझे तो निश्चय है कि वह कहने में निपुण है। सो तू उसे ये बातें सिखाना और मैं जो कुछ तुम्हें करना होगा सो तुम को सिखाता जाऊंगा। और वह तेरी ओर से लोगों से बातें किया करेगा। और तू इस लाठी को हाथ में लिये जा और इसी से इन चिन्हों को दिखाना।

तब मूसा अपने ससुर यित्रो के पास लौटा और कहा मुझे बिदा कर कि मैं मिस्र में रहनेहारे अपने भाइयों के पास जाकर देखूं कि वे अब लों जीते हैं वा नहीं यित्रो ने कहा कुशल से जा।

और यहोवा ने मिद्यान देश में मूसा से कहा मिस्र को लौट जा क्योंकि जो मनुष्य तेरे प्राण के गाहक थे सो सब मर गये हैं। तब मूसा अपनी स्त्री और बेटों को गदहे पर चढ़ाकर मिस्र देश की ओर परमेश्वर की उस लाठी को हाथ में लिये हुए लौटा।

तब यहोवा ने हारून से कहा मूसा की भेंट करने को जंगल में जा सो वह जाकर परमेश्वर के पर्वत पर उस से मिला और उस को चूमा। तब मूसा ने हारून को बताया कि यहोवा ने क्या क्या बातें कह कर मुझ को भेजा है और कौन कौन चिन्ह दिखाने की आज्ञा मुझे दिई है।

सो मूसा और हारून ने जाकर इस्राएलियों के सब पुरनियों को एकट्ठा किया। और जितनी बातें यहोवा ने मूसा से कही थीं सो सब हारून ने उन्हें सुनाईं और लोगों के साम्हने वे चिन्ह भी दिखाये। और लोगों ने उन की प्रतीति किई और यह सुनकर कि यहोवा ने इस्राएलियों की सुधि लिई और हमारे दुःख पर दृष्टि किई है उन्हों ने सिर झुकाकर दण्डवत किई।

मूसा फिरौन के साम्हने।

(निर्गमन ५, ६, ७)

इस के पीछे मूसा और हारून ने जाकर फिरौन से कहा इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे कि वे जंगल में मेरे लिये पर्व करें।

फिरौन ने कहा यहोवा कौन है जो मैं उस का बचन मानकर इस्राएलियों को जाने दूं मैं न तो यहोवा को जानता और न इस्राएलियों को जाने दूंगा। उन्हों ने कहा इब्रियों के परमेश्वर ने हम से भेंट किई है सो हमें जंगल में तीन दिन के मार्ग पर जाने दे कि अपने परमेश्वर यहोवा के लिये बलिदान करें ऐसा न हो कि वह हम में मरी फैलाए वा तलवार चलवाए। मिस्र के राजा ने उन से कहा हे मूसा हे हारून तुम क्यों लोगों से काम छुड़वाने चाहते हो अपने अपने काम पर जाओ।

और फिरौन ने उसी दिन उन परिश्रम करानेहारों को जो लोगों के ऊपर थे और उन के सरदारों को

यह आज्ञा दिई कि, तुम जो अब लों ईंटें बनाने के लिये लोगों को पुआल दिया करते थे सो आगे को न देना वे आप ही जा जाकर अपने अपने लिये पुआल बटोरें। तौभी जितनी ईंटें अब लों उन्हें बनानी पड़ती थीं उतनी ही आगे को भी उन से बनवाना ईंटों की गिनती कुछ भी न घटाना क्योंकि वे आलसो हैं। तब लोगों के परिश्रम करानेहारों और सरदारों ने बाहर जाकर उन से कहा फिरौन यों कहता है कि मैं तुम्हें पुआल नहीं देने का। तुम ही जाकर जहां कहीं पुआल मिले वहां से उस को बटोर ले आओ पर तुम्हारा काम कुछ भी न घटाया जाएगा।

सो वे लोग सारे मिस्र देश में तितर बितर हुए कि पुआल की संती खूंटी बटोरें। और परिश्रम करानेहारे यह कह कह कर उन से जल्दी कराते रहे कि जैसा तुम पुआल पाकर किया करते थे वैसा ही अपना दिन दिन का काम अब भी पूरा करो। और इस्राएलियों में के जिन सरदारों को फिरौन के परिश्रम करानेहारों ने उन के अधिकारी ठहराया था उन्हों ने मार खाई और उन से पूछा गया क्या कारण है कि तुम ने अपनी ठहराई हुई ईंटों की गिनती पहिले की नाई कल और आज पूरी नहीं कराई। तब इस्राएलियों के सरदारों ने जाकर फ़िरौन की दोहाई यह कहकर दिई कि तू अपने दासों से ऐसा बर्ताव क्यों करता है। तेरे दासों को पुआल तो दिया नहीं जाता और वे हम से कहते रहते हैं ईंटें बनाओ ईंटें बनाओ और तेरे दासों ने मार भी खाई है पर दोष तेरे ही लोगों का है।

फिरौन ने कहा तुम आलसी हो आलसी इसी कारण कहते हो कि हमें यहोवा के लिये बलि करने को जाने दे। सो अब जाकर काम करो और पुआल तुम को न दिया जाएगा पर ईंटों की गिनती पूरी करनी पड़ेगी।

तब मूसा ने यहोवा के पास लौटकर कहा हे प्रभु तू ने इस प्रजा के साथ ऐसी बुराई क्यों किई और तू ने मुझे यहां क्यों भेजा। जब से मैं तेरे नाम से बात करने के लिये फिरौन के पास गया तब से उस ने इस प्रजा से बुराई ही बुराई किई है और तू ने अपनी प्रजा को कुछ भी नहीं छुड़ाया।

यहोवा ने मूसा से कहा अब तू देखेगा कि मैं फिरौन से क्या करूंगा जिस से वह उन को बरबस निकालेगा वह तो उन्हें अपने देश से बरबस निकाल देगा।

फिर परमेश्वर ने मूसा से कहा कि तू इस्राएलियों से कह कि मैं यहोवा हूं और तुम को मिस्रियों के भारों के नीचे से निकालूंगा और उन की सेवा से तुम को छुड़ाऊंगा और अपनी भुजा बढ़ाकर और भारी दण्ड देकर तुम्हें छुड़ा लूंगा। और मैं तुम को अपनी प्रजा होने के लिये अपना लूंगा और तुम्हारा परमेश्वर ठहरूंगा और तुम जान लोगे कि यह जो हमें मिस्रियों के भारों के नीचे से निकालता है सो हमारा परमेश्वर यहोवा है। और जिस देश के देने की किरिया मैं ने इब्राहीम इसहाक और याकूब से खाई थी उसी में मैं तुम्हें पहुंचाकर उसे तुम्हारा भाग कर दूंगा मैं तो यहोवा हूं।

ये बातें मूसा ने इस्राएलियों को सुनाईं पर उन्हों ने मन की अधीरता और सेवा की कठिनता के मारे उस की न सुनी। फिर यहोवा ने मूसा से कहा, तू जाकर मिस्र के राजा फिरौन से कह कि इस्राएलियों को अपने देश में से जाने दे।

मूसा ने यहोवा से कहा देख इस्राएलियों ने मेरी नहीं सुनी फिर फिरौन मुझ भद्दे बोलनेहारे की क्योंकर सुनेगा। सो यहोवा ने मूसा और हारून को इस्राएलियों और मिस्र के राजा फिरौन के लिये आज्ञा इस मनसा से दिई कि वे इस्राएलियों को मिस्र देश से निकाल ले जाएं।

तब यहोवा ने मूसा से कहा सुन मैं तुझे फिरौन के लिये परमेश्वर सा ठहराता हूं और तेरा भाई हारून तेरा नबी ठहरेगा। जो जो आज्ञा मैं तुझे दूं सो तू कहना और हारून उसे फिरौन से कहेगा जिस से वह इस्राएलियों को अपने देश से निकल जाने दे। और मैं अपने चिन्ह और चमत्कार मिस्र देश में बहुत से दिखाऊंगा। तब मिस्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं।

तब मूसा और हारून ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार ही किया।

फिर यहोवा ने मूसा और हारून से यों कहा कि, जब फिरौन तुम से कहे कि अपने प्रमाण का

कोई चमत्कार दिखाओ तब तू हारून से कहना कि अपनी लाठी को लेकर फिरौन के साम्हने डाल दे कि वह अजगर बन जाए ।

सो मूसा और हारून ने फिरौन के पास जाकर यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया और जब हारून ने अपनी लाठी को फिरौन के साम्हने डाल दिया तब वह अजगर बन गई । तब फिरौन ने पण्डितों और टोनहों को बुलवाया और मिस्र के जादूगरों ने आकर अपने तंत्र मंत्रों से वैसा ही किया । उन्हों ने भी अपनी अपनी लाठी को डाल दिया और वे भी अजगर बन गईं पर हारून की लाठी उन की लाठियों को निगल गई ।

मिस्र देश में बिपत्ति ।

(निर्गमन ७,८,९,१०,११,१२)

तब यहोवा ने मूसा से कहा फिरौन का मन कठोर हो गया है कि वह इस प्रजा को जाने नहीं देता । सो बिहान को फिरौन के पास जा वह तो जल की ओर बाहर आएगा और नील नदी के तीर पर उसकी भेंट के लिये खड़ा रहना । हारून से कह कि अपनी लाठी लेकर मिस्र देश में जितना जल है अर्थात उस की नदियां नहरें झीलें और पोखरें सब के ऊपर अपना हाथ बढ़ा कि वे लोहू बन जाएं और सारे मिस्र देश में लोहू हो जाएगा ।

तब मूसा और हारून ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया अर्थात उस ने लाठी को उठाकर फिरौन और उस के कर्म्मचारियों के देखते नील नदी के जल पर मारा और जितना उस में जल था सब लोहू बन गया । फिरौन का मन हठीला हो गया और उस ने मूसा और हारून की न मानी ।

यहोवा ने मूसा से कहा फिरौन के पास जाकर कह यहोवा तुझ से यों कहता है कि मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे कि वे मेरी उपासना करें । और यदि तू उन्हें जाने न दे तो सुन मैं मेंढक भेजकर तेरे सारे देश को हानि पहुंचाता हूं । और नील नदी मेंढकों से भर जाएगी और वे तेरे भवन और शयन की कोठरी में और तेरे बिछौने पर और तेरे कर्म्मचारियों के घरों में और तेरी प्रजा पर बरन तेरे तन्दूरों और कठौतियों में भी चढ़ जाएंगे । और तुझ और तेरी प्रजा और तेरे कर्म्मचारियों सभों पर मेंढक चढ़ जाएंगे ।

तब हारून ने मिस्र के जलाशयों के ऊपर अपना हाथ बढ़ाया और मेंढकों ने मिस्र देश पर चढ़कर उसे छा लिया ।

तब फिरौन ने मूसा और हारून को बुलवाकर कहा यहोवा से बिनती करो कि वह मेंढकों को मुझ से और मेरी प्रजा से दूर करे तब मैं तुम लोगों को जाने दूंगा कि तुम यहोवा के लिये बलिदान करो ।

और यहोवा ने मूसा के कहे के अनुसार किया सो मेंढक घरों आंगनों और खेतों में मर गये । जब फिरौन ने देखा कि आराम मिला तब यहोवा के कहे के अनुसार उस ने अपने मन को कठोर किया और उन की न सुनी ।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा हारून को आज्ञा दे कि तू अपनी लाठी बढ़ाकर भूमि की धूल पर मार कि वह मिस्र देश भर में कुटकियां बन जाए । सो उन्हों ने वैसा ही किया । सारे मिस्र देश में भूमि की धूल कुटकी बन गई । तब जादूगरों ने फिरौन से कहा यह तो परमेश्वर के हाथ का काम है तौभी यहोवा के कहे के अनुसार फिरौन का मन हठीला हो गया और उस ने मूसा और हारून की न मानी ।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा बिहान को तड़के उठ कर फिरौन के साम्हने खड़ा होना और उस से कहना कि यहोवा तुझ से यों कहता है कि मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे कि वे मेरी उपासना करें । यदि तू मेरी प्रजा को जाने न देगा तो सुन मैं तुझ पर और तेरे कर्म्मचारियों और तेरी प्रजा पर और तेरे घरों में झुंड के झुंड डांस भेजूंगा ।

और सारे मिस्र देश में डांसों के झुंड के झुंड भर गये और डांसों के मारे वह देश नाश हुआ ।

तब फिरौन ने मूसा और हारून को बुलवाकर कहा मैं तुम को जंगल में जाने दूंगा कि तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिये जंगल में बलिदान करो केवल बहुत दूर न जाना और मेरे लिये बिनती

करो । सो मूसा ने कहा सुन मैं तेरे पास से बाहर जाकर यहोवा से बिनती करूंगा पर फिर फिरौन आगे को कपट करके हमें यहोवा के लिये बलिदान करने को जाने देने में नाह न करे। सो मूसा ने फिरौन के पास से बाहर जाकर यहोवा से बिनती किई। और यहोवा ने मूसा के कहे के अनुसार डांसों के झुंडों को दूर किया यहां लों कि एक भी न रहा।

तब फिरौन ने इस बार भी अपने मन को सुन्न किया और उन लोगों को जाने न दिया।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा फिरौन के पास जाकर कह कि इब्रियों का परमेश्वर यहोवा तुझ से यों कहता है कि मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे कि वे मेरी उपासना करें। और यदि तू उन्हें जाने न दे तो सुन तेरे जो घोड़े गदहे ऊंट गाय बैल भेड़ बकरी आदि पशु मैदान में हैं उन पर यहोवा का हाथ ऐसा पड़ेगा कि बहुत भारी मरी होगी।

दूसरे दिन मिस्र के तो सब पशु मर गये तौभी फिरौन का मन सुन्न हो गया और उस ने उन लोगों को जाने न दिया।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा बिहान को तड़के उठकर फिरौन के साम्हने खड़ा हो और उस से कह क्या तू अब भी मेरी प्रजा को बान्ध सा रोकता है कि उसे जाने न दे। सुन कल मैं इसी समय ऐसे भारी भारी ओले बरसाऊंगा कि जिन के तुल्य मिस्र की नेव पड़ने के दिन से ले अब लों कभी नहीं पड़े। सो अब लोगों को भेजकर अपने पशुओं को और मैदान में तेरा जो कुछ है सब को फुर्ती से आड़ में करा ले नहीं तो जितने मनुष्य वा पशु मैदान में रहें और घर में इकट्ठे न किये जाएं उन पर ओले गिरेंगे और वे मर जाएंगे।

सो फिरौन के कर्म्मचारियों में से जो लोग यहोवा के वचन का भय मानते थे उन्हों ने तो अपने अपने सेवकों और पशुओं को घर में हांक दिया। पर जिन्हों ने यहोवा के वचन पर मन न लगाया उन्हों ने अपने सेवकों और पशुओं को मैदान में रहने दिया।

तब यहोवा ने मूसा से कहा अपना हाथ आकाश की ओर बढ़ा कि सारे मिस्र देश के मनुष्यों पशुओं और खेतों की सारी उपज पर ओले गिरें। सो मूसा ने अपनी लाठी को आकाश की ओर बढ़ाया सो मिस्र भर के खेतों में क्या मनुष्य क्या पशु जितने थे सब ओलों से मारे गये और ओलों से खेत की सारी उपज मारी पड़ी और मैदान के सब वृक्ष भी टूट गये।

तब फिरौन ने मूसा और हारून को बुलवा भेजा और उन से कहा कि इस बार तो मैंने पाप किया है यहोवा धर्म्मी है और मैं और मेरी प्रजा अधर्मी। परमेश्वर का गरजाना और ओले बरसाना तो बहुत हो गया सो यहोवा से बिनती करो तब मैं तुम लोगों को जाने दूंगा।

मूसा ने उस से कहा नगर से निकलते ही मैं यहोवा की ओर हाथ फैलाऊंगा तब बादल का गरजना बन्द हो जाएगा और ओले फिर न गिरेंगे इस से तू जान लेगा कि पृथिवी यहोवा ही की है। तौभी मैं जानता हूं कि न तो तू और न तेरे कर्म्मचारी यहोवा परमेश्वर का भय मानेंगे।

जब मूसा ने नगर के बाहर निकलकर यहोवा की ओर हाथ फैलाये तब बादल का गरजना और ओलों का बरसना बन्द हुआ और फिर बहुत मेंह भूमि पर न पड़ा। यह देखकर कि मेंह और ओले और बादल का गरजना बन्द हो गया फिरौन ने फिर अपने मन को कठोर करके पाप किया। और फिरौन का मन हठीला हुआ और उस ने इस्राए-लियों को जाने न दिया।

तब मूसा और हारून ने फिरौन के पास जाकर कहा कि इब्रियों का परमेश्वर यहोवा तुझ से यों कहता है कि मेरे आगे दबने को तू कब लों नकारता रहेगा। यदि तू मेरी प्रजा को जाने देना नकारता रहे तो सुन कल मैं तेरे देश में टिड्डियां ले आऊंगा। और वे धरती को ऐसा छा लेंगी कि वह देख न पड़ेगी और तुम्हारे जितने वृक्ष मैदान में लगे हैं उन को वे चट कर जाएंगी। और वे तेरे और तेरे सारे कर्म्मचारियों निदान सारे मिस्रियों के घरों में भर जाएंगी। और वह मुंह फेरके फिरौन के पास से बाहर गया। तब फिरौन के कर्म्मचारी उस से कहने लगे वह जन कब लों हमारे लिये फन्दा बना

रहेगा उन मनुष्यों को जाने दे क्या तू अब लों नहीं जानता कि मिस्र भर नाश हो गया है।

तब मूसा और हारून फिरौन के पास फिर बुला लिये गये और उस ने उन से कहा चले जाओ अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करो पर जानेहारे कौन कौन हैं। मूसा ने कहा हम तो बेटों बेटियों भेड़ बकरियों गाय बैलों सब समेत बरन बच्चों से बूढ़ों तक सब के सब जाएंगे क्योंकि हमें यहोवा के लिये पर्ब करना है। उस ने उन से कहा नहीं ऐसा न होने पाएगा तुम पुरुष ही जाकर यहोवा की उपासना करो तुम यही तो मांगा करते थे। और वे फिरौन के पास से निकाल दिये गये।

और मूसा ने अपनी लाठी को मिस्र देश के ऊपर बढ़ाया तब यहोवा ने दिन भर और रात भर देश पर पुरवाई बहाई और जब भोर हुआ तब उस पुरवाई में टिड्डियां आईं। और टिड्डियों ने चढ़के मिस्र देश के सारे स्थानों में बसेरा किया उन का दल बहुत भारी था वे तो सारी धरती पर छा गईं यहां लों कि देश अंधेरा हो गया और उस का सारा अन्नादि और वृक्षों के सब फल निदान जो कुछ ओलों से बचा था सब को उन्हों ने चट कर लिया यहां लों कि मिस्र देश भर में न तो किसी वृक्ष पर कुछ हरयाली रह गई और न खेत के किसी अन्नादि में।

तब फिरौन ने फुर्ती से मूसा और हारून को बुलवाके कहा मैं ने तो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा का और तुम्हारा भी अपराध किया है। सो अब की बार मेरा अपराध क्षमा करो और अपने परमेश्वर यहोवा से विनती करो कि वह केवल मेरे ऊपर से इस मृत्यु को दूर करे।

तब मूसा ने फिरौन के पास से निकल कर यहोवा से विनती किई। तब यहोवा ने उलटे बहुत प्रचण्ड पछुवां बहाकर टिड्डियों को उड़ाकर लाल समुद्र में डाल दिया और मिस्र के किसी स्थान में एक भी टिड्डी न रह गई। तौभी फिरौन ने इस्राएलियों को जाने न दिया। फिर यहोवा ने मूसा से कहा अपना हाथ आकाश की ओर बढ़ा कि मिस्र देश के ऊपर अन्धकार छा जाए ऐसा अन्धकार कि उसका स्पर्श तक हो सके। तब मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर बढ़ाया और सारे मिस्र देश में तीन दिन लों घोर अन्धकार छाया रहा। तीन दिन लों न तो किसी को देखा और न कोई अपने स्थान से उठा पर सारे इस्राएलियों के घरों में उजियाला रहा। तब फिरौन ने मूसा को बुलवाकर कहा तुम लोग यहोवा की उपासना करो अपने बालकों को भी संग लिये जाओ केवल अपनी भेड़बकरी और गाय बैल को छोड़ जाओ। मूसा ने कहा हमारे पशु भी हमारे संग जाएंगे उन का एक खुर लों न रह जाएगा पर फिरौन ने उन्हें जाने न दिया। सो फिरौन ने उस से कहा मेरे सामने से चला जा और सचेत रह मुझे अपना मुख फिर न दिखाना क्योंकि जिस दिन तू मुझे मुंह दिखाए उसी दिन तू मारा जाएगा।

मूसा ने कहा कि तू ने ठीक कहा है मैं तेरे मुंह को फिर कभी न देखूंगा। फिर यहोवा ने मूसा से कहा एक और विपत्ति मैं फिरौन और मिस्र देश पर डालता हूं उस के पीछे वह तुम लोगों को यहां से जाने देगा।

फिर मूसा ने कहा यहोवा यों कहता है कि आधी रात के लगभग मैं मिस्र देश के बीच में होकर चलूंगा। तब मिस्र में सिंहासन पर विराजनेहारे फिरौन से लेकर चक्की पीसनेहारी दासी तक सब के पहिलौठे बरन पशुओं तक के सब पहिलौठे मर जाएंगे। और सारे मिस्र देश में बड़ा हाहाकार मचेगा यहां लों कि उस के समान न तो कभी हुआ और न होगा।

आधी रात को यहोवा ने मिस्र देश में सिंहासन पर विराजनेहारे फिरौन से लेकर गड़हे में पड़े हुए बन्धुए तक सब के पहिलौठों को बरन पशुओं तक के सब पहिलौठों को मार डाला।

और फिरौन रात ही को उठ बैठा और उस के सब कर्म्मचारी बरन सारे मिस्री उठे और मिस्र में बड़ा हाहाकार मचा क्योंकि एक भी ऐसा घर न था जिस में कोई मरा न हो। तब फिरौन ने रात ही रात में मूसा और हारून को बुलवाकर कहा तुम इस्राएलियों समेत मेरी प्रजा के बीच से निकल जाओ और अपने कहे के अनुसार जाकर यहोवा की उपासना करो। अपने कहे के अनुसार अपनी भेड़ बकरियों और गाय बैलों को साथ ले जाओ।

लाल समुद्र का मार्ग ।

(निर्गमन १३:१७-१४)

जब फिरौन ने लोगों को जाने दिया तब परमेश्वर उन को लाल समुद्र के जंगल के मार्ग से ले चला। और मूसा यूसुफ की हड्डियों को साथ लेता गया और यहोवा उन्हें दिन को तो मार्ग दिखाने के लिये बादल के खंभे में और रात को उजियाला देने के लिये आग के खंभे में होकर उन के आगे आगे चला करता था कि वे रात और दिन दोनों में चल सकें। उस ने न तो बादल के खंभे को दिन में न आग के खंभे को रात में लोगों के आगे से हटाया।

जब मिस्र के राजा को यह समाचार मिला कि वे लोग भाग गये तब फिरौन और उस के कर्म्मचारियों का मन उन के विरुद्ध फिर गया और वे कहने लगे हम ने यह क्या किया कि इस्राएलियों को अपनी सेवकाई से छुटकारा देकर जाने दिया। तब उस ने अपना रथ जुतवाया और अपनी सेना को संग लिया। सो उस ने छः सौ अच्छे रथ बरन मिस्र के सब रथ लिये और उन सभों पर सरदार बैठाये। और इस्राएली तो बेखटके निकले चले जाते थे। पर फिरौन के सब घोड़ों और रथों और सवारों समेत मिस्री सेना ने उन का पीछा करके उन्हें जो समुद्र के तीर पर डेरे डाले पड़े थे जा लिया।

जब फिरौन निकट आया तब इस्राएलियों ने आंखें उठाकर देखा कि मिस्री हमारा पीछा किये चले आते हैं और इस्राएलियों ने अति भय खाकर चिल्लाकर यहोवा की दोहाई दिई। और वे मूसा से कहने लगे क्या मिस्र में कबरें न थीं जो तू हम को वहां से मरने के लिये जंगल में ले आया है। हमारे लिये जंगल में मरने से मिस्रियों की सेवा करनी अच्छी थी।

मूसा ने लोगों से कहा डरो मत खड़े खड़े वह उद्धार का काम देखो जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो उन को फिर कभी न देखोगे। यहोवा आपही तुम्हारे लिये लड़ेगा सो तुम चुपचाप रहो।

तब यहोवा ने मूसा से कहा इस्राएलियों को आज्ञा दे कि यहां से कूच करो। और तू अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा तब इस्राएली समुद्र के बीच होकर स्थल ही स्थल चले जाएं।

और मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया। और यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई चलाई और समुद्र को दो भाग करके जल ऐसा हटा दिया कि उस के बीच सूखी भूमि हो गई। तब इस्राएली समुद्र के बीच स्थल ही स्थल होकर चले और जल उन की दहिनी और बाईं और भीत का काम देता था।

तब मिस्री अर्थात फिरौन के सब घोड़े रथ और सवार उन का पीछा किये हुए समुद्र के बीच में चले गये। और जल पलटने से जितने रथ और सवार इस्राएलियों के पीछे समुद्र में आये थे सो सब बरन फिरौन की सारी सेना उस में डूब गई और उस में से एक भी न बचा।

सो यहोवा ने उस दिन इस्राएलियों को मिस्रियों के वश से छुड़ाया और इस्राएलियों ने मिस्रियों को समुद्र के तीर पर मरे पड़े हुए देखा। इस्राएलियों ने देखकर यहोवा का भय माना।

मूसा का गीत ।

(निर्गमन १५)

तब मूसा और इस्राएलियों ने यहोवा के लिये यह गीत गाया। उन्हों ने कहा।

मैं यहोवा का गीत गाऊंगा क्योंकि वह महाप्रतापी ठहरा। घोड़ों समेत सवारों को उस ने समुद्र में डाल दिया है।

याह मेरा बल और भजन का विषय है और वह मेरा उद्धार ठहर गया है। मेरा ईश्वर वही है मैं उस की स्तुति करूंगा।

फिरौन के रथों और सेना को उस ने समुद्र में डाल दिया और उस के उत्तम से उत्तम रथी लाल समुद्र में डूब गये।

गहिरे जल ने उन्हें ढांप लिया वे पत्थर की नाईं गहिरे स्थानों में बूड़ गये।

हे यहोवा देवताओं में तेरे तुल्य कौन है :

तू तो पवित्रता के कारण प्रतापी और अपनी स्तुति करनेहारों के भय के योग्य और आश्चर्य्य कर्म्म का कर्त्ता है।

तू ने अपना दहिना हाथ बढ़ाया है पृथिवी उन को निगले जाती है।

अपनी करुणा से तू ने अपनी छुड़ाई हुई प्रजा की अगुवाई किई है

अपने बल से तू उसे अपने पवित्र निवासस्थान को ले चला है।

यहोवा सदा सर्वदा राज्य करता रहेगा।

और हारून की बहिन मरियम नाम नबिया ने हाथ में डफ लिया और सब स्त्रियां डफ लिये नाचती हुई उस के पीछे हो लिईं। और मरियम उन के साथ यह टेक गाती गई कि यहोवा का गीत गाओ क्योंकि वह महाप्रतापी ठहरा है घोड़ों समेत सवारों को उस ने समुद्र में डाल दिया है।

तब मूसा ने इस्राएलियों को लाल समुद्र से कूच कराया और जंगल में जाते हुए तीन दिन लों पानी न पाया। तब वे एलीम को आये जहां पानी के बारह सोते और सत्तर खजूर के पेड़ थे और वहां उन्हों ने जल के पास डेरे खड़े किये।

मूसा लड़ाई को देखता।

(निर्गमन १७)

फिर इस्राएलियों की सारी मण्डली ने रपीदीम में अपने डेरे खड़े किये और वहां लोगों को पीने का पानी न मिला। सो वे मूसा से झगड़ा करके कहने लगे कि हमें पीने का पानी दे।

मूसा ने उन से कहा तुम मुझ से क्यों झगड़ते हो और यहोवा की परीक्षा क्यों करते हो। तब मूसा ने यहोवा की दोहाई दिई और कहा इन लोगों से मैं क्या करूं ये तो मुझ पर पत्थरवाह करने को तैयार होने पर हैं। यहोवा ने मूसा से कहा इस्राएल के पुरनियों में से किसी किसी को साथ ले अपनी उसी लाठी को हाथ में लिये हुए लोगों के आगे होकर चल। सुन मैं तेरे आगे जाके उधर होरेब पहाड़ की एक चटान पर खड़ा रहूंगा और तू उस चटान पर मारना तब उस में से पानी निकलेगा कि ये लोग पीएं। तब मूसा ने इस्राएल के पुरनियों के देखते वैसा ही किया। और मूसा ने उस स्थान का नाम मस्सा और मरीबा रक्खा क्योंकि इस्राएलियों ने वहां झगड़ा किया और यह कहकर यहोवा की परीक्षा भी किई कि क्या यहोवा हमारे बीच है वा नहीं।

तब अमालेकी आकर रपीदीम में इस्राएलियों से लड़ने लगे। और मूसा ने यहोशू से कहा हमारे लिये कई एक पुरुषों को छांटकर निकाल और अमालेकियों से लड़ और मैं कल परमेश्वर की लाठी हाथ में लिये हुए टीले की चोटी पर खड़ा रहूंगा।

मूसा की इस आज्ञा के अनुसार यहोशू अमालेकियों से लड़ने लगा और मूसा हारून और हूर टीले की चोटी पर चढ़ गये। और जब तक मूसा अपना हाथ उठाये रहता तब तक तो इस्राएल प्रबल होता था पर जब जब वह उसे नीचे करता तब तब अमालेक प्रबल होता था। और जब मूसा के हाथ भर गये तब उन्हों ने एक पत्थर लेकर मूसा के नीचे रख दिया और वह उस पर बैठ गया और हारून और हूर एक एक अलंग में उस के हाथों को संभाले रहे सो उस के हाथ सूर्य्य डूबने लों स्थिर रहे। सो यहोशू ने अनुचरों समेत अमालेकियों को तलवार के बल से हरा दिया।

मूसा न्याय करता।

(निर्गमन १८)

और मूसा का ससुर यित्रो उस के पास जंगल के उस स्थान में आया जहां उस का डेरा पड़ा था। दूसरे दिन मूसा लोगों का न्याय करने को बैठा और भोर से सांझ लों लोग मूसा के आसपास खड़े रहे।

यह देखकर कि मूसा लोगों के लिये क्या क्या करता है उस के ससुर ने कहा यह क्या काम है जो

तू लोगों के लिये करता है क्या कारण है कि तू अकेला बैठा रहता है और लोग भोर से सांझ लों तेरे आसपास खड़े रहते हैं। मूसा ने अपने ससुर से कहा इस का कारण यह है कि लोग मेरे पास परमेश्वर से पूछने आते हैं। जब जब उन का कोई मुकद्दमा होता है तब तब वे मेरे पास आते हैं और मैं उन के बीच न्याय करता और परमेश्वर की विधि और व्यवस्था उन्हें जताता हूं।

मूसा के ससुर ने उस से कहा जो काम तू करता है वह अच्छा नहीं। और इस से तू क्या वरन ये लोग भी जो तेरे संग हैं निश्चय हार जाएंगे क्योंकि यह काम तेरे लिये बहुत भारी है तू इसे अकेला नहीं कर सकता। सो अब मेरी सुन ले मैं तुझ को सम्मति देता हूं और परमेश्वर तेरे संग रहे तू तो इन लोगों के लिये परमेश्वर के सन्मुख आया कर और इन के मुकद्दमों को परमेश्वर के पास तू पहुंचा दिया कर। इन्हें विधि और व्यवस्था प्रगट कर करके जिस मार्ग पर इन्हें चलना और जो काम इन्हें करना हो वह इन को जता दिया कर। फिर तू इन सब लोगों में से ऐसे पुरुषों को छांट ले जो गुणी और परमेश्वर का भय माननेहारे सच्चे और अन्याय के लाभ से घिन करनेहारे हों और उन को हजार हजार सौ सौ पचास पचास और दस दस मनुष्यों पर प्रधान होने के लिये ठहरा दे। और वे सब समय इन लोगों का न्याय किया करें और सब बड़े बड़े मुकद्दमों को तो तेरे पास ले आया करें और छोटे छोटे मुकद्दमों का न्याय आप ही किया करें तब तेरा बोझ हलका होगा क्योंकि इस बोझ को वे भी तेरे साथ उठाएंगे। अपने ससुर की यह बात मानकर मूसा ने उस के सब वचनों के अनुसार किया। सो उस ने सब इस्राएलियों में से गुणी गुणी पुरुष चुनकर उन्हें हजार हजार सौ सौ पचास पचास दस दस लोगों के ऊपर प्रधान ठहराया। और वे सब लोगों का न्याय करने लगे जो मुकद्दमा कठिन होता उसे तो वे मूसा के पास ले आते थे और सब छोटे मुकद्दमों का न्याय वे आप ही करते थे। और मूसा ने अपने ससुर को बिदा किया और उस ने अपने देश का मार्ग लिया।

——

सीनै पर्वत।

(निर्गमन १९)

इस्राएल सीनै के जंगल में आये तब उन्हों ने जंगल में डेरे खड़े किये और वहीं पर्वत के आगे इस्राएलियों ने छावनी किई। तब मूसा पर्वत पर परमेश्वर के पास चढ़ गया और यहोवा ने पर्वत पर से उस को पुकारकर कहा इस्राएलियों को मेरा यह वचन सुना कि तुम ने देखा है कि मैं ने मिस्रियों से क्या क्या किया और तुम को मानो उकाब पक्षी के पंखों पर चढ़ाकर अपने पास ले आया हूं। सो अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे और मेरी वाचा को पालोगे तो सारे लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे सारी पृथिवी तो मेरी है। और तुम मेरे लेखे याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे। जो बातें तुझे इस्राएलियों से कहनी हैं वे ये ही हैं।

तब मूसा ने आकर लोगों के पुरनियों को बुलवाया और ये सब बातें जिन के कहने की आज्ञा यहोवा ने उसे दिई थी उन को समझा दिईं। और सब लोग मिलकर बोल उठे जो कुछ यहोवा ने कहा है वह सब हम करेंगे। लोगों की यह बातें मूसा ने यहोवा को सुनाईं। तब यहोवा ने मूसा से कहा सुन मैं बादल के अंधियारे में होकर तेरे पास आता हूं। इस लिये कि जब मैं तुझ से बातें करूं तब वे लोग सुनें और सदा तेरी प्रतीति करें। लोगों के पास जा और उन्हें आज और कल पवित्र करना और वे अपने वस्त्र धो लें। और वे तीसरे दिन लों तैयार हो रहें क्योंकि तीसरे दिन यहोवा सब लोगों के देखते सीनै पर्वत पर उतर आएगा। और तू लोगों के लिये चारों ओर बाड़ा बांध देना और उन से कहना कि तुम सचेत रहो कि पर्वत पर न चढ़ो और उस के सिवाने को भी न छूओ और जो कोई पहाड़ को छूए वह निश्चय मार डाला जाए। उस को कोई हाथ से तो न छूए पर वह निश्चय पत्थरवाह किया जाए वह जीता न बचे। जब महाशब्द वाले नरसिंगे का शब्द देर लों सुनाई दे तब लोग पर्वत के पास आएं।

तब मूसा ने पर्वत पर से उतरकर लोगों के पास आकर उन को पवित्र कराया।

दस आज्ञाएं।

(निर्गमन २०,२४)

जब तीसरा दिन आया तब भोर होते होते बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का शब्द बड़ा भारी हुआ और छावनी में जितने लोग थे सब कांप उठे। तब मूसा लोगों को परमेश्वर से भेंट करने के लिये छावनी से निकाल ले गया और वे पर्वत के नीचे खड़े हुए।

फिर जब नरसिंगे का शब्द बढ़ता और बहुत भारी होता गया तब मूसा बोला और परमेश्वर ने वाणी सुनाकर उस को उत्तर दिया। और यहोवा सीनै पर्वत की चोटी पर उतरा और मूसा को पर्वत की चोटी पर बुलाया सो मूसा ऊपर चढ़ गया।

तब परमेश्वर ने ये सब बचन कहे कि, मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूं जो तुझे दासत्व के घर अर्थात मिस्र देश से निकाल लाया है।

मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।

तू अपने लिये कोई मूर्त्ति खोदकर न बनाना न किसी की प्रतिमा बनाना जो आकाश में वा पृथिवी पर वा पृथिवी के जल में है। तू उन को दण्डवत न करना न उन की उपासना करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखनेहारा ईश्वर हूं और जो मुझ से बैर रखते हैं उन के बेटों पोतों और परपोतों को भी पितरों का दण्ड दिया करता हूं, और जो मुझ से प्रेम रखते और मेरी आज्ञाओं को मानते हैं उन हजारों पर करुणा किया करता हूं।

अपने परमेश्वर का नाम व्यर्थ न लेना क्योंकि जो यहोवा का नाम व्यर्थ ले वह उस को निर्दोष न ठहराएगा।

विश्राम दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना। छः दिन तो परिश्रम करके अपना सारा काम काज करना। पर सातवां दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्राम दिन है। उस में न तो तू किसी भांति का काम काज करना न तेरा बेटा न तेरी बेटी न तेरा दास न तेरी दासी न तेरे पशु न कोई परदेशी जो तेरे फाटकों के भीतर हो। क्योंकि छः दिन में यहोवा ने आकाश और पृथिवी और समुद्र और जो कुछ उन में है सब को बनाया और सातवें दिन विश्राम किया इस कारण यहोवा ने विश्रामदिन को आशीष दिई और उसको पवित्र ठहराया।

अपने पिता और अपनी माता का आदर करना जिस से जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में तू बहुत दिन लों रहने पाए।

खून न करना।

व्यभिचार न करना।

चोरी न करना।

किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी न देना।

किसी के घर का लालच न करना न तो किसी की स्त्री का लालच करना न किसी के दास दासी वा बैल गदहे का न किसी की किसी वस्तु का लालच करना।

और सब लोग गरजने और बिजली और नरसिंगे के शब्द सुनते और धूआं उठते हुए पर्वत को देखते रहे और देख के कांपकर दूर खड़े हो गये। तब मूसा ने लोगों के पास जाकर यहोवा की सब बातें और सब नियम सुना दिये तब सब लोग एक स्वर से बोल उठे कि जितनी बातें यहोवा ने कही हैं सब हम मानेंगे। तब मूसा ने यहोवा के सब बचन लिख दिये और बिहान को सबेरे उठकर पर्वत के नीचे एक वेदी बनवाई।

तब यहोवा ने मूसा से कहा पहाड़ पर मेरे पास चढ़कर वहां रह और मैं तुझे पत्थर की पटियां और अपनी लिखी हुई व्यवस्था और आज्ञा दूंगा कि तू उन को सिखाए।

तब मूसा पर्वत पर चढ़ गया और बादल ने पर्वत को छा लिया। तब यहोवा के तेज ने सीनै पर्वत पर निवास किया और वह बादल उस पर छः दिन लों छाया रहा और सातवें दिन उस ने मूसा को बादल के बीच से बुलाया।

और इस्राएलियों की दृष्टि में यहोवा का तेज पर्वत की चोटी पर प्रचण्ड आग सा देख पड़ता था। सो मूसा बादल के बीच में प्रवेश करके पर्वत पर चढ़ गया और मूसा पर्वत पर चालीस दिन और चालीस रात रहा।

सोने का बछड़ा।

(निर्गमन ३२, ३३)

जब लोगों ने देखा कि मूसा को पर्वत से उतरने में विलम्ब हुआ तब वे हारून के पास एकट्ठे होकर कहने लगे अब हमारे लिये देवता बना जो हमारे आगे आगे चले क्योंकि उस पुरुष मूसा को जो हमें मिस्र देश से निकाल ले आया है न जानिये क्या हुआ।

हारून ने उन से कहा तुम्हारी स्त्रियों और बेटे बेटियों के कानों में सोने की जो बालियां हैं उन्हें तोड़कर उतारो और मेरे पास ले आओ। तब सब लोगों ने उन के कानों में की सोनेवाली बालियों को तोड़कर उतारा और हारून के पास ले आये। और हारून ने उन्हें उन के हाथ से लिया और टांकी से गढ़ के एक बछड़ा ढालकर बनाया तब वे कहने लगे कि हे इस्राएल तेरा परमेश्वर जो तुझे मिस्र देश से छुड़ा लाया है वह यही है यह देखके हारून ने उस के आगे एक वेदी बनवाई और यह प्रचार कि कल यहोवा के लिये पर्व होगा।

सो दूसरे दिन लोगों ने तड़के उठकर होमबलि चढ़ाये और मेलबलि ले आये फिर बैठकर खाया पिया और उठकर खेलने लगे।

तब यहोवा ने मूसा से कहा नीचे उतर जा क्योंकि तेरी प्रजा के लोग जिन्हें तू मिस्र देश से निकाल ले आया है सो बिगड़ गये हैं। तब मूसा फिरकर साक्षी की दोनों पटियां हाथ में लिये हुए पहाड़ से उतर चला और वे पटियां परमेश्वर की बनाई हुई थीं और उन पर जो लिखा था वह परमेश्वर का खोदकर लिखा हुआ था।

छावनी के पास आते ही मूसा को वह बछड़ा और नाचना देख पड़ा तब मूसा का कोप भड़क उठा और उस ने पटियों को अपने हाथों से पर्वत के तले पटककर तोड़ डाला। तब उस ने उन के बनाये हुए बछड़े को ले आग में डालके फूंक दिया और पीसकर चूर चूर कर डाला और जल के ऊपर फेंक दिया और इस्राएलियों को उसे पिलवा दिया।

तब मूसा हारून से कहने लगा उन लोगों ने तुझ से क्या किया कि तू ने उन को इतने बड़े पाप में फंसाया। हारून ने उत्तर दिया मेरे प्रभु का कोप न भड़के तू तो उन लोगों को जानता ही है कि वे बुराई में मन लगाये रहते हैं।

दूसरे दिन मूसा ने लोगों से कहा तुम ने बड़ा ही पाप किया है अब मैं यहोवा के पास चढ़ जाऊंगा क्या जानिये मैं तुम्हारे पाप का प्रायश्चित कर सकूं।

सो मूसा यहोवा के पास फिर जाकर कहने लगा कि हाय हाय उन लोगों ने सोने का देवता बनवाकर बड़ा ही पाप किया है। तौभी अब तू उन का पाप क्षमा कर—नहीं तो अपनी लिखी हुई पुस्तक में से मेरे नाम को काट दे।

यहोवा ने मूसा से कहा जिस ने मेरे विरुद्ध पाप किया है उसी का नाम मैं अपनी पुस्तक में से काट दूंगा। अब तो तू जाकर उन लोगों को उस स्थान में ले चल जिस की चर्चा मैं ने तुझ से किई थी देख मेरा दूत तेरे आगे आगे चलेगा।

तू उन लोगों को जिन्हें मिस्र देश से छुड़ा लाया है संग लेकर उस देश को जा जिस के विषय मैं ने इब्राहीम इसहाक और याकूब से किरिया खाकर कहा था कि मैं इसे तुम्हारे वंश को दूंगा। और मैं तेरे आगे आगे एक दूत को भेजूंगा सो तुम लोग उस देश को आओ जिस में दूध और मधु की धारा बहती है पर तुम जो हठीले हो इस कारण मैं तुम्हारे बीच में होके न चलूंगा।

यह बुरा समाचार सुनकर वे लोग विलाप करने लगे और कोई अपने गहने पहिने हुए न रहा। मूसा तो तंबू को लेकर छावनी से बाहर बरन दूर खड़ा कराया करता था और उस को मिलापवाला तंबू कहता था। और जब जब मूसा तंबू के पास जाता तब तब सब लोग उठकर अपने अपने डेरे के द्वार पर खड़े हो जाते और जब लों मूसा उस तंबू

में प्रवेश न करता तब लों उस की ओर ताकते रहते थे। तब बादल का खंभा उतर के तंबू के द्वार पर ठहर जाता और यहोवा मूसा से बातें करने लगता था। और सब लोग उठकर अपने अपने डेरे के द्वार पर से दण्डवत करते थे। और यहोवा मूसा से इस प्रकार आम्हने साम्हने बातें करता था जिस प्रकार कोई अपने भाई से बातें करे। यहोवा ने कहा मैं आप चलूंगा और तुझे विश्राम दूंगा। उस ने उस से कहा यदि तू आप न चले तो हमें यहां से आगे न ले जा।

पत्थर की पटियां।

(निर्गमन ३४)

फिर यहोवा ने मूसा से कहा पत्थर की दो और पटियां गढ़ ले तब जो वचन उन पहिली पटियों पर लिखे थे जिन्हें तू ने तोड़ डाला वे ही वचन मैं उन पटियों पर भी लिखूंगा। और बिहान को तैयार हो रहना और भोर को सीनै पर्वत पर चढ़कर उस की चोटी पर मेरे साम्हने खड़ा होना। और तेरे संग कोई न चढ़ आए बरन पर्वत भर पर कोई मनुष्य कहीं दिखाई न दे।

तब मूसा ने बिहान को सबेरे उठकर अपने हाथ में पत्थर की वे दो पटियां लेकर यहोवा की आज्ञा के अनुसार सीनै पर्वत पर चढ़ गया। और यहोवा उस के साम्हने होकर यों प्रचार करता हुआ चला कि यहोवा यहोवा ईश्वर दयालु और अनुग्रहकारी कोप करने में धीरजवन्त और अति करुणामय और सत्य, हजारों पीढ़ियों लों निरन्तर करुणा करनेहारा अधर्म्म और अपराध और पाप का क्षमा करनेहारा है पर दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा वह पितरों के अधर्म्म का दण्ड उन के बेटों बरन पोतों और परपोतों को भी देनेहारा है।

तब मूसा ने फुर्ती कर पृथिवी की ओर झुककर दण्डवत किई। और उस ने कहा हे प्रभु यदि तेरी अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो तो प्रभु हम लोगों के बीच में होकर चले ये लोग हठीले तो हैं तौभी हमारे अधर्म्म और पाप को क्षमा कर और हमें अपना निज भाग मानके ग्रहण कर।

उस ने कहा सुन मैं एक वाचा बांधता हूं तेरे सब लोगों के साम्हने मैं ऐसे आश्चर्य्य कर्म्म करूंगा जैसे पृथिवी भर पर और सब जातियों में कभी नहीं हुए और वे सारे लोग जिन के बीच तू रहता है यहोवा के कार्य्य को देखेंगे क्योंकि जो मैं तुम लोगों से करने पर हूं वह भययोग्य काम है।

सो सावधान रहना कि जिस देश में तू जानेवाला है उस के निवासियों से वाचा न बांधना न हो कि वह तेरे लिये फन्दा ठहरे। बरन उन की वेदियों को गिरा देना उन की लाठों को तोड़ डालना और उन की अशेरा नाम मूर्त्तियों को काट डालना। क्योंकि तुम्हें किसी दूसरे को ईश्वर करके दण्डवत करने की आज्ञा नहीं है। तुम देवताओं की मूर्त्तियां ढालकर न बना लेना। मैं तो अन्यजातियों को तेरे आगे से निकालकर तेरे सिवानों को बढ़ाऊंगा। और यहोवा ने मूसा से कहा ये वचन लिख ले क्योंकि इन्हीं वचनों के अनुसार मैं तेरे और इस्राएल के साथ वाचा बांधता हूं।

मूसा तो वहां यहोवा के संग चालीस दिन रात रहा और तब लों न तो उस ने रोटी खाई न पानी पिया। और उस ने उन पटियों पर वाचा के वचन अर्थात दस आज्ञाएं लिख दिईं।

जब मूसा साक्षी की दोनों पटियां हाथ में लिये हुए सीनै पर्वत से उतरा आता था तब यहोवा के साथ बातें करने के कारण उस के चिहरे से किरणें निकल रही थीं पर वह न जानता था कि मेरे चिहरे से किरणें निकल रही हैं। जब हारून और और सब इस्राएलियों ने मूसा को देखा कि उस के चिहरे से किरणें निकलती हैं तब वे उस के पास जाने से डर गये। तब मूसा ने उन को बुलाया और हारून मण्डली के सारे प्रधानों समेत उस के पास आया और मूसा उन से बातें करने लगा। इस के पीछे सब इस्राएली पास आये और जितनी आज्ञाएं यहोवा ने सीनै पर्वत पर उस के साथ बात करने के समय दिई थीं वे सब उस ने उन्हें बताईं।

यहोवा के लिये भेंट।

(निर्गमन ३५ : ४)

मूसा ने इस्राएलियों की सारी मंडली एकट्ठी करके उन से कहा जिस बात की आज्ञा यहोवा ने दिई है वह यह है। तुम्हारे पास से यहोवा के लिये भेंट लिई जाए अर्थात जितने अपनी इच्छा से देने चाहें वे यहोवा की भेंट करके ये वस्तुएं ले आएं अर्थात सोना रूपा पीतल नीले बैंजनी और लाही रंग का कपड़ा सूक्ष्म सनी का कपड़ा उजियाला देने के लिये तेल अभिषेक का तेल और धूप के लिये सुगंधद्रव्य, और सुलैमानी मणि। और तुम में से जितनों के हृदय में बुद्धि का प्रकाश है वे सब आकर जिस जिस वस्तु की आज्ञा यहोवा ने दिई है वे सब बनाएं। अर्थात तंबू और ओहार समेत निवास और उस के अंकड़े तखते बेंड़े खंभे और कुर्सियां, फिर डण्डों समेत सन्दूक और प्रायश्चित्त का ढकना और बीचवाला पर्दा, डण्डों और सब सामान समेत मेज और भेंट की रोटियां, सामान और दीपकों समेत उजियाला देनेहारा दीवट और उजियाला देने के लिये तेल, डण्डों समेत धूपवेदी अभिषेक का तेल सुगंधित धूप और निवास के द्वार का पर्दा, पीतल की झंझरी डण्डों आदि सारे सामान समेत होमवेदी पाये समेत हौदी, खंभों और उन की कुर्सियों समेत आंगन के पर्दे और आंगन के द्वार के पर्दे, निवास और आंगन दोनों के खूंटे और डोरियां, पवित्रस्थान में सेवा टहल करने के लिये काढ़े हुए वस्त्र और याजक का काम करने के लिये हारून याजक के पवित्र वस्त्र और उस के पुत्रों के वस्त्र भी।

तब इस्राएलियों की सारी मण्डली मूसा के साम्हने से लौट गई। और जितनों का उत्साह हुआ और जितनों के मन में ऐसी इच्छा उत्पन्न हुई थी वे मिलापवाले तंबू के काम करने और उस की सारी सेवकाई और पवित्र वस्त्रों के बनाने के लिये यहोवा की भेंट ले आने लगे, क्या स्त्री क्या पुरुष जितनों के मन में ऐसी इच्छा उत्पन्न हुई थी वे सब जुगनू नथुनी मुंदरी और कंगन आदि सोने के गहने ले आने लगे और जितनी स्त्रियों के हृदय में बुद्धि का प्रकाश था वे अपने हाथों से सूत कात कातकर नीले बैंजनी और लाही रंग के और सूक्ष्म सनी के काते हुए सूत को ले आईं। और जितनी स्त्रियों के मन में ऐसी बुद्धि का प्रकाश था उन्हों ने बकरी के बाल भी काते।

और प्रधान लोग एपोद और चपरास के लिये सुलैमानी मणि और जड़ने के लिये मणि, और उजियाला देने और अभिषेक और धूप के लिये सुगंधद्रव्य और तेल ले आये।

तब मूसा ने इस्राएलियों से कहा सुनो यहोवा ने यहूदा के गोत्रवाले बसलेल को जो ऊरी का पुत्र और हूर का पोता है नाम लेकर बुलाया है। और उस ने उस को परमेश्वर के आत्मा से ऐसा परिपूर्ण किया है कि सब प्रकार की बनावट के लिये उस को ऐसी बुद्धि समझ और ज्ञान मिला है, कि वह हथौटी की युक्तियां निकालकर सोने चांदी और पीतल में, और जड़ने के लिये मणि काटने में और लकड़ी के खोदने में बरन बुद्धि से सब भांति की निकाली हुई बनावट में काम कर सके। फिर यहोवा ने उस के मन में और दान के गोत्रवाले अहीसामाक के पुत्र ओहोलीआब के मन में भी शिक्षा देने की शक्ति दिई है। इन दोनों के हृदय को यहोवा ने ऐसी बुद्धि से परिपूर्ण किया है कि वे खोदने और गढ़ने और नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े और सूक्ष्म सनी के कपड़े में काढ़ने और बुनने बरन सब प्रकार की बनावट में और बुद्धि से काम निकालने में सब भांति के काम करें।

सो बसलेल और ओहोलीआब और सब बुद्धिमान जिन को यहोवा ने ऐसी बुद्धि और समझ दिई हो कि वे यहोवा की सारी आज्ञाओं के अनुसार पवित्रस्थान की सेवकाई के लिये सब प्रकार का काम करना जानें वे सब यह काम करें। तब मूसा ने बसलेल और ओहोलीआब और और सब बुद्धिमानों को जिन के हृदय में यहोवा ने बुद्धि का प्रकाश दिया था उन सभों को बुलवाया। और इस्राएली जो जो भेंटें ले आये थे उन्हें उन पुरुषों ने मूसा के हाथ से ले लिया।

सो जितने बुद्धिमान पवित्रस्थान का काम करते थे वे सब अपना अपना काम छोड़ मूसा के पास आये. और कहने लगे जितना चाहिये उस से अधिक वे ले आये हैं। तब मूसा ने सारी छावनी में इस आज्ञा का प्रचार कराया कि क्या पुरुष क्या स्त्री कोई पवित्रस्थान के लिये और भेंट न बना लाए सो लोग और लाने से रोके गये। क्योंकि सब काम बनाने के लिये जितना सामान आवश्यक था उतना बरन उस से अधिक बनानेहारों के पास आ चुका था।

साक्षीपत्र का निवास।

(निर्गमन ३६, ३७, ३८, ३९, ४०)

सो काम करनेहारे जितने बुद्धिमान थे उन्होंने निवास के लिये बटी हुई सूक्ष्म सनी के कपड़े के और नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े के दस पटों को काढ़े हुए करूबों सहित बनाया। सब पट एक ही नाप के बने। उस ने दोनों छोरों में पचास पचास फलियां ऐसे लगाईं कि वे आम्हने साम्हने हुईं। और उस ने सोने के पचास अंकड़े बनाये और उन के द्वारा पटों को एक दूसरे से ऐसा जोड़ा कि निवास मिलकर एक हो गया।

फिर उस ने नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े का और बटी हुई सूक्ष्म सनीवाले कपड़े का बीचवाला पर्दा बनाया वह कढ़ाई के काम किये हुए करूबों के साथ बना। और उस ने तंबू के द्वार के लिये नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े का और बटी हुई सूक्ष्म सनी के कपड़े का कढ़ाई का काम किया हुआ पर्दा बनाया। और उस ने अंकड़ियों समेत उस के पांच खंभे भी बनाये और उन के सिरों और जोड़ने की छड़ों को सोने से मढ़ा।

फिर बसलेल ने बबूल की लकड़ी के सन्दूक को बनाया उस की लंबाई अढ़ाई हाथ चौड़ाई डेढ़ हाथ और ऊंचाई डेढ़ हाथ की हुई। और उस ने उस को भीतर बाहर चोखे सोने से मढ़ा और उस की चारों ओर सोने की बाड़ बनाई।

फिर उस ने चोखे सोने के प्रायश्चित्तवाले ढकने को बनाया और उसने सोना गढ़कर दो करूब प्रायश्चित्त के ढकने के दोनों सिरों पर बनाये।

फिर उस ने बबूल की लकड़ी की मेज को बनाया। और उस ने उस को चोखे सोने से मढ़ा और उस में चारों ओर सोने की एक बाड़ बनाई।

और उस ने मेज पर का सामान अर्थात परात धूपदान कटोरे और उंडेलने के बर्तन सब चोखे सोने के बनाये।

फिर उस ने चोखा सोना गढ़के दीवट को बनाया उस के पुष्पकोश गांठ और फूल सब एक ही टुकड़े के बने। और दीवट से निकली हुई छः डालियां बनीं तीन डालियां तो उस की एक अलंग से और तीन डालियां उस की दूसरी अलंग से निकली हुई बनीं। एक एक डाली में बादाम के फूल के सरीखे तीन तीन पुष्पकोश एक एक गांठ और एक एक फूल बना दीवट से निकली हुई उन छहों डालियों का यही ढब हुआ। और दीवट की डण्डी में बादाम के फूल के सरीखे अपनी अपनी गांठ और फूल समेत चार पुष्पकोश बने। गांठें और डालियां सब दीवट के साथ चोखे सोने का और एक ही टुकड़े का बना।

और उस ने दीवट के सातों दीपक और गुलतराश और गुलदान चोखे सोने के बनाये। उस ने सारे सामान समेत दीवट को किक्कार भर सोने का बनाया। फिर उस ने धूपवेदी को बबूल की लकड़ी की बनाया और उस के सींग उस के साथ बिना जोड़ के बने। और ऊपर वाले पल्लों और चारों ओर की अलंगों और सींगों समेत उस वेदी को चोखे सोने से मढ़ा और उस की चारों ओर सोने की एक बाड़ बनाई। और उस की बाड़ के नीचे उस के दोनों पल्लों पर उस ने सोने के दो कड़े बनाये जो उस के उठाने के डण्डों के खानों का काम दें।

और उस ने अभिषेक का पवित्र तेल और सुगंधद्रव्य का धूप गंधी की रीति से बासा हुआ बनाया।

फिर उस ने होमवेदी को भी बबूल की लकड़ी की बनाया और उस ने उस को पीतल से मढ़ा। और उस ने वेदी का सारा सामान अर्थात उस की

हांड़ियों फावड़ियों कटोरों कांटों और करछों को बनाया उस का सारा सामान उस ने पीतल का बनाया।

और वेदी के लिये उस ने पीतल की जाली की एक झंझरी बनाई। और उस ने पीतल की झंझरी के चारों कोनों के लिये चार कड़े ढाले जो डण्डों के खानों का काम दें। फिर उसने डण्डों को बबूल की लकड़ी के बनाया और पीतल से मढ़ा।

और उस ने हौदी और उस का पाया दोनों पीतल के बनाये वह उन सेवा करनेहारी स्त्रियों के दर्पणों के पीतल के बने जो मिलापवाले तंबू के द्वार पर सेवा करती थीं। फिर उस ने आंगन को बनाया चारों ओर आंगन के सब पर्दे सूक्ष्म बटी हुई सनी के कपड़े के बने। और खम्भों की कुर्सियां पीतल की और अंकड़ियां और छड़ें चांदी की बनीं और उन के सिरे चांदी से मढ़े गये और आंगन के सब खंभे चांदी की छड़ों से जोड़े गये। आंगन के द्वार का पर्दा कढ़ाई का काम किया हुआ नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े का और सूक्ष्म बटी हुई सनी के कपड़े का बना और उस की लंबाई बीस हाथ की हुई और उस की चौड़ाई जो द्वार की ऊंचाई थी आंगन की कनात के समान पांच हाथ की बनी। और निवास के और आंगन की चारों ओर के सब खूंटे पीतल के बने।

साक्षीपत्र के निवास का सामान यह है। जिस जिस वस्तु के बनाने की आज्ञा यहोवा ने मूसा को दिई थी उस को यहूदा के गोत्रवाले बसलेल ने जो हूर का पोता और ऊरी का पुत्र था बना दिया। और उस के संग दान के गोत्रवाले अहीसामाक का पुत्र ओहोलीआब था जो खोदने और काढ़नेहारा और नीले बैंजनी और लाही रंग के और सूक्ष्म सनी के कपड़े में कारचोब करनेहारा था।

पवित्रस्थान के सारे काम में जो भेंट का सोना लगा वह उनतीस किक्कार और पवित्रस्थान के शेकेल के लेखे से सात सौ तीस शेकेल था। और मण्डली के गिने हुए लोगों की भेंट की चांदी सौ किक्कार और पवित्रस्थान के शेकेल के लेखे से सत्तरह सौ पचहत्तर शेकेल थी। अर्थात जितने बीस बरसवाले और उस से अधिक अवस्था वाले होके गिने गये थे उन छः लाख साढ़े तीन हजार पचास पुरुषों में के एक एक जन की ओर से पवित्रस्थान के शेकेल के लेखे से आधा शेकेल जो एक बेका होता है मिला। और वह सौ किक्कार चांदी पवित्रस्थान और बीचवाले पर्दे दोनों की कुर्सियों के ढालने में लग गई सौ किक्कार से सौ कुर्सियां बनीं एक एक कुर्सी एक किक्कार की बनी। और सत्तरह सौ पचहत्तर शेकेल जो बच गये उन से खंभों की अंकड़ियां बनाई गईं और खंभों की चोटियां मढ़ी गईं और उन की छड़ें भी बनाई गईं। और भेंट का पीतल सत्तर किक्कार और दो हजार चार सौ शेकेल था। उस से मिलापवाले तंबू के द्वार की कुर्सियां और पीतल की वेदी पीतल की झंझरी और वेदी का सारा सामान, और आंगन की चारों ओर की कुर्सियां और उस के द्वार की कुर्सियां और निवास और आंगन की चारों ओर के खूंटे भी बनाये गये।

फिर उन्हों ने नीले बैंजनी और लाही रंग के कपड़े के पवित्रस्थान में की सेवकाई के लिये काढ़े हुए वस्त्र और हारून के लिये भी पवित्र वस्त्र बनाये जैसे कि यहोवा ने मूसा को आज्ञा दिई थी।

फिर उन्हों ने पवित्र मुकुट की पटरी को चोखे सोने की बनाया और जैसे छापे में वैसे ही उस में ये अक्षर खोदे अर्थात यहोवा के लिये पवित्र।

सो मिलापवाले तंबू के निवास का सब काम निपट गया और जिस जिस काम की आज्ञा यहोवा ने मूसा को दिई थी इस्राएलियों ने उसी के अनुसार किया।

तब वे निवास को मूसा के पास ले आये अर्थात अंकड़ों तख्तों बेंड़ों खंभों कुर्सियों आदि सारे सामान समेत तंबू, और लाल रंग से रंगी हुई मेढ़ों की खालों का ओहार और सूइसों की खालों का ओहार और बीच का पर्दा, डण्डों सहित साक्षीपत्र का संदूक और प्रायश्चित्त का ढकना। सारे सामान समेत मेज और भेंट की रोटी, सारे सामान सहित दीवट और उस की सजावट के दीपक और उजियाला देने के लिये तेल, सोने की वेदी और अभिषेक का तेल और सुगंधित धूप और तम्बू के द्वार का पर्दा, पीतल की झंझरी डण्डों और सारे सामान समेत पीतल की वेदी और पाये समेत हौदी, खंभों

और कुर्सियों समेत आंगन के पर्दे और आंगन के द्वार का पर्दा और डोरियां और खूंटे और मिलापवाले तंबू के निवास की सेवकाई का सारा सामान, पवित्रस्थान में सेवा टहल करने के लिये काढ़े हुए वस्त्र और हारून याजक के पवित्र वस्त्र और उस के पुत्रों के वस्त्र जिन्हें पहिने हुए वे याजक का काम करें।

जो जो आज्ञा यहोवा ने मूसा को दिई थीं उन सब के अनुसार इस्राएलियों ने यह सब काम किया। तब मूसा ने सारे काम पर दृष्टि करके देखा कि इन्हों ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया है और मूसा ने उन को आशीर्वाद दिया।

और मूसा ने यों किया कि जो जो आज्ञा यहोवा ने उस को दिई थी उस के अनुसार उस ने किया।

रात को बादल में आग दिखाई देती।

(निर्गमन ४० : १८)

और मूसा ने निवास को खड़ा कराया और उस की कुर्सियां धर उस के तख्ते लगाके उन में बेंड़े डाले और उस के खंभों को खड़ा किया। और उस ने निवास के ऊपर तंबू को फैलवाया फिर तंबू के ऊपरवार उस के ओहार को लगाया जैसे कि यहोवा ने मूसा को आज्ञा दिई थी। और उस ने साक्षीपत्र को लेके संदूक में रक्खा और उस के ऊपर प्रायश्चित्त के ढकने को धरा। और उस ने संदूक को निवास में पहुंचवाया और बीचवाले पर्दे को लटकवाके साक्षीपत्र के सन्दूक को उस की ओट में किया जैसे कि यहोवा ने मूसा को आज्ञा दिई थी। और उस ने मिलापवाले तंबू में मेज को लगवाया और उस ने मिलाप वाले तंबू में मेज के साम्हने दीवट को रक्खा।

यों मूसा ने सब काम को निपटा दिया।

तब बादल मिलापवाले तंबू पर छा गया और यहोवा का तेज निवास स्थान में भर गया। और इस्राएलियों की सारी यात्रा में ऐसा होता था कि जब जब वह बादल निवास के ऊपर से उठ जाता तब तब वे कूच करते थे। और यदि वह न उठता तो जिस दिन लों वह न उठता उस दिन लों वे कूच न करते थे। इस्राएल के घराने की सारी यात्रा में दिन को तो यहोवा का बादल निवास पर और रात को उसी बादल में आग उन सभों को दिखाई दिया करती थी।

सीनै पर्वत से ईश्वर का वचन।

(लैव्यव्यवस्था ९, १०, १९, २३, २५, २६, गिनती ६)

तब मूसा और हारून मिलापवाले तम्बू में गये और निकल कर लोगों को आशीर्वाद दिया तब यहोवा का तेज सब लोगों को देख पड़ा। और यहोवा के साम्हने से आग निकली। इसे देख कर सब लोगों ने जय जयकार किया और अपने अपने मुंह के बल गिरे।

यहोवा ने हारून से कहा कि, जब जब तू वा तेरे पुत्र मिलाप वाले तम्बू में आयें तब तब तुम में से कोई न तो दाखमधु पिये हो न और किसी प्रकार का मद न हो कि मर जाओ तुम्हारी पीढ़ी पीढ़ी में यह विधि ठहरी रहे. मेरे विश्राम दिनों को माना करना और मेरे पवित्र स्थान का भय मानना। ओझाओं और भूत साधना वालों की ओर न फिरना और ऐसों की खोज कर के उन के कारण अशुद्ध न हो जाना मैं तो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

पक्के बाल वाले के साम्हने उठ खड़े होना और बूढ़े का आदरमान करना और अपने परमेश्वर का भय मानना मैं तो यहोवा हूं।

और यदि कोई परदेशी तुम्हारे देश में तुम्हारे संग रहे तो उस को दुःख न देना। जो परदेशी तुम्हारे संग रहे वह तुम्हारे लेखे में देशी के समान हो बरन उस से अपने ही समान प्रेम रखना क्योंकि तुम मिस्र देश में परदेशी थे मैं तो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

न्याय में परिमाण में तौल में नाप में कुटिलता न करना। सच्चा तराजू धर्म्म के बटखरे तुम्हारे पास रहें मैं तो तुम्हारा वह परमेश्वर यहोवा हूं जो तुम को मिस्र देश से निकाल ले आया है। सो तुम मेरी सब बिधियों और सब नियमों को मानते हुये पालन करो मैं तो यहोवा हूं।

जब तुम अपने देश में के खेत काटो तब अपने खेत के कोनों को पूरी रीति से न काटना और खेत का सिला न बिन लेना उसे दीनहीन और परदेशी के लिये छोड़ देना मैं तो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

यहोवा ने सीनै पर्वत के पास मूसा से कहा, इस्राएलियों से कह कि जब तुम उस देश में पहुंचो जो मैं तुम्हें देता हूं तब भूमि को यहोवा के लिये विश्राम मिला करे। छः बरस तो अपना अपना खेत बोया करना और छहों बरस अपनी अपनी दाख की बारी छांट छांट कर देश की उपज एकट्ठा किया करना पर सातवें बरस भूमि को यहोवा के लिये परम विश्रामकाल मिला करे उस में न तो अपना खेत बोना न अपनी दाख की बारी छांटना। जो कुछ काटे हुये खेत में अपने आप से उगे उसे न काटना और अपनी बिन छांटी हुई दाखलता की दाखों को न तोड़ना क्योंकि वह भूमि के लिये परम विश्राम का बरस होगा।

और भूमि के विश्राम काल ही की उपज से तुम्हारा और तुम्हारे दास दासी का और तुम्हारे साथ रहनेहारे मजूरों और परदेशियों का भी भोजन मिलेगा। और तुम्हारे पशुओं का और देश में जितने जीवजन्तु हों उन का भी भोजन भूमि की सब उपज से होगा। और सात विश्राम वर्ष अर्थात सातगुना सात बरस गिन लेना सातों विश्राम वर्षों का यह समय उंचास बरस होगा। तब जय जयकार के महाशब्द का नरसिंगा अपने सारे देश में सब कहीं फुंकवाना। और उस पचासवें बरस को पवित्र कर के मानना और देश के सारे निवासियों के लिये छुटकारे का प्रचार करना वह बरस तुम्हारे यहां जुबली कहलाए उस में तुम अपनी अपनी निज भूमि और अपने अपने घराने में लौटने पाओगे। तुम्हारे यहां वह पचासवां बरस जुबली का बरस कहलाये उस में तुम न बोना और जो अपने आप उगे उसे भी न काटना और न बिन छांटी हुई दाखलता की दाखों को तोड़ना। क्योंकि वह जो जुबली का बरस होगा वह तुम्हारे लेखे पवित्र ठहरे तुम उस की उपज खेत ही में से ले लेके खाना।

इस जुबली के बरस में तुम अपनी अपनी निज भूमि को लौटाल पाओगे। और यदि तुम अपने भाई बन्धु के हाथ कुछ बेचो वा अपने भाई बन्धु से कुछ मोल लो तो तुम एक दूसरे पर अंधेर न करना। अपने परमेश्वर का भय मानना मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं। सो तुम मेरी विधियों को मानना और मेरे नियमों पर चौकसी कर के चलना। और भूमि अपनी उपज उपजाया करेगी और तुम पेट भर खाया करोगे और उस देश में निडर बसे रहोगे।

भूमि सदा के लिये तो बेची न जाए क्योंकि भूमि मेरी है और उस में तुम परदेशी और उपरी होगे।

नगरों की चारों ओर की चराई की भूमि बेची न जाए क्योंकि वह उन का सदा का भाग होगा।

फिर यदि तेरा कोई भाई बन्धु कंगाल हो जाए और उस का हाथ तेरे साम्हने दब जाए तो उस को संभालना वह परदेशी वा उपरी की नाईं तेरे संग जीता रहे। उस से ब्याज वा बढ़ती न लेना अपने परमेश्वर का भय मानना जिस से तेरा ऐसा भाई बन्धु तेरे संग जीता रहे। उस को ब्याज पर रुपैया न देना और न उस को भोजनवस्तु बढ़ती के लालच से देना। फिर यदि तेरा कोई भाई बन्धु तेरे साम्हने कंगाल हो कर अपने आप को तेरे हाथ बेच डाले तो उस से दास की सी सेवा न कराना। वह तेरे संग मजूर वा उपरी की नाईं रहे और जुबली के बरस लों तेरे संग रह कर सेवा करता रहे। तब वह बालबच्चों समेत तेरे पास से निकल जाए और अपने कुटुम्ब में और अपने पितरों की निज भूमि में लौट जाए। क्योंकि वे मेरे ही दास हैं जिन को मैं मिश्र देश से निकाल लाया हूं सो वे दास की रीति न बेचे जाएं। उस पर कठोरता से अधिकार न जताना अपने परमेश्वर का भय मानना।

तुम मूरतें न बना लेना और न कोई खुदी हुई मूर्त्ति वा लाठ खड़ी कर लेना और न अपने देश में दण्डवत करने के लिये नक्काशीदार पत्थर स्थापन करना क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

मेरे विश्राम दिनों को पालन करना और मेरे पवित्रस्थान का भय मानना मैं तो यहोवा हूं। यदि तुम मेरी विधियों पर चलो और मेरी आज्ञाओं को चौकसी कर के माना करो, तो मैं तुम्हारे लिये समय समय पर मेंह बरसाऊंगा और भूमि अपनी उपज उपजायगी और मैदान के वृक्ष अपने अपने फल दिया करेंगे। तुम दाख तोड़ने के समय लों दावनी करते रहोगे और बोने के समय लों दाख तोड़ते रहोगे और तुम मनमानी रोटी खाओगे और अपने देश में निडर बसे रहोगे। और मैं तुम्हारे देश में चैन दूंगा और जब तुम लेटोगे तब तुम्हारा कोई डराने हारा न होगा और मैं उस देश में दुष्ट जन्तुओं को न रहने दूंगा और तलवार तुम्हारे देश में न चलेगी।

और तुम अपने शत्रुओं को खदेड़ोगे और वे तुम्हारी तलवार से मारे जायेंगे। वरन तुम में से पांच मनुष्य सौ को और सौ मनुष्य दस हजार को खदेड़ेंगे और तुम्हारे शत्रु मारे जायेंगे। और मैं तुम्हारी ओर कृपा दृष्टि कर के तुम को फुलाऊं फलाऊंगा और बढ़ाऊंगा और तुम्हारे संग अपनी वाचा को पूरी करूंगा। और मैं तुम्हारे बीच चला फिरा करूंगा और तुम्हारा परमेश्वर ठहरूंगा और तुम मेरी प्रजा ठहरोगे। मैं तो तुम्हारा वह परमेश्वर यहोवा हूं जो तुम को मिस्र देश से इस लिये निकाल लाया है कि तुम मिस्रियों के दास न रहो और मैं ने तुम्हारे जूए को तोड़ के तुम को सीधा खड़ा कर चलाया है।

और यदि तुम मेरी न सुनो और इन सब आज्ञाओं को न मानो, और विधियों को निकम्मा जानो और तुम्हारा जी मेरे नियमों से घिन्न करे और तुम मेरी सब आज्ञाओं को न मानो वरन मेरी वाचा को तोड़ो, तो मैं तुम से यह करूंगा अर्थात मैं तुम को भभराऊंगा और क्षयी रोग और ज्वर से पीड़ित करूंगा और इन के कारण तुम्हारी आंखें धुन्धली और तुम्हारा मन अति उदास होगा और तुम्हारा बीज बोना व्यर्थ होगा क्योंकि तुम्हारे शत्रु उस की उपज खा लेंगे। फिर मैं तुम्हारे विरुद्ध हूंगा और तुम अपने शत्रुओं से हारोगे और तुम्हारे बैरी तुम्हारे ऊपर अधिकार जतायेंगे वरन जब कोई तुम को खदेड़ता न हो तब भी तुम भागोगे।

और यदि तुम इन बातों पर भी मेरी न सुनो तो मैं तुम्हारे बल का घमण्ड तोड़ूंगा और तुम्हारे लिये आकाश को मानो लोहे का और तुम्हारी भूमि को मानो पीतल की बना दूंगा। सो तुम्हारा बल अकारथ गंवाया जाएगा क्योंकि तुम्हारी भूमि अपनी उपज न उपजाएगी और देश के वृक्ष अपने फल न फलेंगे।

और यदि तुम मेरे विरुद्ध चलते रहो और मेरी सुनना नकारो तो मैं तुम्हारे बीच बनैले पशु भेजूंगा जो तुम को निर्वंश करेंगे और तुम्हारे घरैले पशुओं को नाश कर डालेंगे और तुम्हारी गिनती घटायेंगे जिस से तुम्हारी सड़कें सूनी पड़ जाएंगी।

फिर यदि तुम इन बातों पर भी मेरी ताड़ना से न सुधरो और मेरे विरुद्ध चलते ही रहो, तो मैं आप तुम्हारे विरुद्ध चलूंगा और तुम पर तलवार चलाऊंगा और जब तुम अपने नगरों में एकट्ठे होगे तब मैं तुम्हारे बीच मरी फैलाऊंगा और तुम अपने शत्रुओं के बश में पड़ जाओगे। जब मैं तुम्हारे लिये अन्न के आधार को दूर कर डालूंगा तब दस स्त्रियां तुम्हारी रोटी एक ही तंदूर में पका कर तौल तौल कर बांट देंगी सो तुम खाकर भी तृप्त न होगे।

फिर यदि तुम इस पर भी मेरी न सुनो वरन मेरे विरुद्ध चलते ही रहो, तो मैं तुम्हारे नगरों को उजाड़ दूंगा और तुम्हारे पवित्र स्थानों को सूना कर दूंगा। और तुम्हारे शत्रु उस के कारण चकित होंगे। और मैं तुम को जाति के बीच तितर बितर करूंगा तुम्हारा देश सूना होगा और तुम्हारे नगर उजाड़ हो जायंगे। तब वह देश विश्राम पाएगा अर्थात अपने विश्राम कालों को भोगता रहेगा। वरन जितने दिन वह सूना पड़ा रहेगा उतने दिन उस को विश्राम रहेगा और तुम में से जो बच रहेंगे उन के हृदय में मैं उन के शत्रुओं के देशों में कदराई डालूंगा और वे पत्ते के खड़कने से भी भाग जाएंगे, वरन वे ऐसे भागेंगे जैसे कोई तलवार से भागे और किसी के बिना पीछा किये भी वे गिर पड़ेंगे। तुम को अपने शत्रुओं के साम्हने ठहरने की कुछ शक्ति न होगी। तब तुम जाति जाति के बीच पहुंच कर नाश हो जाओगे और तुम्हारे शत्रुओं की भूमि तुम को खा जाएगी। और तुम में से जो बचे रहेंगे वे अपने

शत्रुओं के देशों में अपने अधर्म्म के कारण गल जाएंगे ।

इस पर भी जब वे अपने शत्रुओं के देश में होंगे तब मैं उन को ऐसा निकम्मा न ठहराऊंगा और न उन का अन्त कर डालूं वा अपनी उस वाचा को तोड़ूं जो मैं ने उन से बान्धी है क्योंकि मैं उन का परमेश्वर यहोवा हूं । सो मैं उन के हित के लिये उन के उन पितरों से बान्धी हुई वाचा की सुधि लूंगा जिन्हें मैं मिस्र देश से जाति जाति के साम्हने निकाल लाया हूं कि उन का परमेश्वर ठहरूं. मैं तो यहोवा हूं ।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा. हारून और उस के पुत्रों से कह कि तुम इस्राएलियों को इन वचनों से आशीर्वाद दिया करना कि ।

यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे ।

यहोवा तुझ पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए और तुझ पर अनुग्रह करे ।

यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे और तुझे शांति दे ।

तब इस्राएली सीनै के जङ्गल में से निकलकर कूच करने लगे और बादल पारान नाम जंगल में ठहर गया ।

मिलापवाले तंबू पर बादल ।

(गिनती ११)

फिर जो मिली जुली हुई भीड़ उन के साथ थी वह अति तृष्णा करने लगी और इस्राएली भी फिर रोने और यह कहने लगे कि हमें मांस खाने को कौन देगा । हमें वे मछलियां तो सुधि आती हैं जो हम मिस्र में संतमेंत खाया करते थे और वे खीरे और खरबूजे और गन्दने और प्याज और लहसुन भी । पर अब हमारा जी ऊभ गया है यहां इस मान को छोड़ और कुछ देख नहीं पड़ता ।

जब घराने घराने के लोग अपने अपने डेरे के द्वार पर रोते रहे तब यहोवा का कोप बहुत भड़का और मूसा ने भी सुनकर बुरा माना । सो मूसा ने यहोवा से कहा तू अपने दास से यह बुरा व्यवहार क्यों करता है और क्या कारण है कि मैं ने तेरी दृष्टि में अनुग्रह नहीं पाया कि तू ने इन सारे लोगों का भार मुझ पर डाला है । मुझे इतना मांस कहां से मिले कि इन सब लोगों को दूं ये तो यह कह कर मेरे पास रो रहे हैं कि तू हमें मांस खाने को दे । मैं इन सब लोगों का भार अकेला नहीं संभाल सकता क्योंकि यह मेरे लिये बहुत भारी है । सो जो तू मेरे साथ ऐसा व्यवहार करने चाहता हो तो तेरा इतना अनुग्रह मुझ पर हो कि मुझे मार डाल कि मुझे अपनी दुर्दशा देखनी न पड़े ।

यहोवा ने मूसा से कहा इस्राएली पुरनियों में से सत्तर पुरुष मेरे पास एकट्ठे कर और मिलाप-वाले तंबू के पास ले आ कि वे तेरे साथ यहां खड़े हों । तब मैं उतरके यहां तुझ से बातें करूंगा और वे इन लोगों का भार तेरे संग उठाये रहेंगे और तुझे उस को अकेले उठाना न पड़ेगा । मूसा ने कहा जिन लोगों के बीच में हूं उन में से छः लाख तो प्यादे ही हैं क्या ये सब भेड़ बकरी गाय बैल उन के लिये मारे जाएं कि उन को मांस मिले वा क्या समुद्र की सब मछलियां उन के लिये इकट्ठी किई जाएं कि उन को मांस मिले ।

यहोवा ने मूसा से कहा क्या यहोवा की बांह छोटी हो गई है अब तू देखेगा कि मेरा वचन तेरे लिये पूरा होगा कि नहीं ।

तब मूसा ने बाहर जाकर प्रजा के लोगों को यहोवा की बातें कह सुनाईं और सत्तर पुरुष एकट्ठे करके तंबू की चारों ओर खड़े किये । तब यहोवा ने बादल में उतरके मूसा से बातें किईं और जो आत्मा उस पर था उस में से लेकर उन सत्तर पुरनियों में समवा दिया और जब वह आत्मा उन पर ठहर गया तब वे नबूवत करने लगे पर फिर कभी न किई । पर दो मनुष्य छावनी में रह गये थे जिन में से एक का नाम एलदाद और दूसरे का नाम मेदाद था उन पर भी आत्मा ठहरा वे लिखे हुओं में के थे पर तंबू के पास न गये थे सो वे छावनी में नबूवत करने लगे । तब किसी जवान ने दौड़ के मूसा को बतलाया । तब नून का पुत्र यहोशू जो मूसा का टहलुआ और उस के बड़े बड़े वीरों में से था उस ने मूसा से कहा हे मेरे स्वामी मूसा

उन को बरज । मूसा ने उस से कहा क्या तू मेरे कारण जलता है आहा कि यहोवा की सारी प्रजा के लोग नबी होते और यहोवा अपना आत्मा उन सभों में समवा देता तब मूसा इस्राएल के पुरनियों समेत छावनी में चला गया ।

तब यहोवा की ओर से एक बयार उठकर समुद्र से बटेरें उड़ाके छावनी पर और उस की चारों ओर इतनी इतनी ले आई कि वे इधर उधर एक दिन के मार्ग लों और भूमि पर दो हाथ के लगभग ऊंचे पर रहीं । सो लोग उठकर उस दिन दिन भर रात भर और दूसरे दिन भी दिन भर बटेरों को बटोरते रहे ।

मरियम ।

(गिनती १२)

मूसा ने तो एक कूशी स्त्री को ब्याह लिया था सो मरियम और हारून उस की उस ब्याहिता कूशिन के कारण उस की निन्दा करने लगे । उन्हों ने कहा क्या यहोवा ने केवल मूसा ही के साथ बातें किई हैं क्या उस ने हम से भी बातें नहीं किईं । उन की यह बात यहोवा ने सुनी ।

मूसा तो पृथिवी भर के रहनेहारे सारे मनुष्यों से बहुत अधिक नम्र था । सो यहोवा ने एकाएक मूसा और हारून और मरियम से कहा तुम तीनों मिलापवाले तंबू के पास निकल आओ तब वे तीनों निकल आये ।

तब यहोवा ने बादल के खंभे में उतर कर तबू के द्वार पर खड़ा होकर हारून और मरियम को बुलाया सो वे दोनों उस के पास निकल गये । तब यहोवा ने कहा मेरी बातें सुनो यदि तुम में कोई नबी हो तो उस पर मैं यहोवा दर्शन के द्वारा अपने को प्रगट करूंगा वा स्वप्न में उस से बातें करूंगा । पर मेरा दास मूसा ऐसा नहीं है वह तो मेरे सारे घराने में विश्वासयोग्य है । उस से मैं गुप्त रीति से नहीं पर आम्हने साम्हने और प्रत्यक्ष होकर बातें करता हूं और वह यहोवा का स्वरूप निहारने पाता है सो तुम मेरे दास मूसा की निन्दा करते क्यों न डरे ।

तब यहोवा का कोप उन पर भड़का और वह चला गया । सो मरियम सात दिन लों छावनी से बाहर बन्द रही ।

कनान देश का भेद लेनेवाले ।

(गिनती १३, १४)

फिर यहोवा ने मूसा से कहा, कनान देश जिसे मैं इस्राएलियों को देता हूं उस का भेद लेने के लिये कितने पुरुषों को भेज वे उन के पितरों के एक एक गोत्र का एक एक प्रधान पुरुष हो । यहोवा से यह आज्ञा पाकर मूसा ने ऐसे पुरुषों को पारान जंगल से भेज दिया जो सब के सब इस्राएलियों के प्रधान थे ।

उन को कनान देश के भेद लेने को भेजते समय मूसा ने कहा इधर से अर्थात दक्षिण देश होकर जाओ और पहाड़ी देश में जाकर, सारे देश को देख लो कि कैसा है और उस में बसे हुए लोगों को भी देखो कि वे बलवान हैं वा निर्बल थोड़े हैं वा बहुत । और जिस देश में वे बसे हुए हैं सो कैसा है अच्छा वा बुरा और वे कैसी कैसी बस्तियों में बसे हुए हैं तंबूवालियों में कि गढ़वालियों में । और वह देश कैसा है उपजाऊ वा बंजर और उस में वृक्ष हैं वा नहीं और तुम हियाव बांधे चलो और उस देश की उपज में से कुछ लेते भी आना । वह समय पहिली पक्की दाखों का था ।

सो वे चल दिये चालीस दिन के पीछे वे उस देश का भेद लेकर लौट आये और उस देश के फल उन को दिखाये । उन्हों ने मूसा से यह कहकर वर्णन किया कि जिस देश में तू ने हम को भेजा था उस में हम गये उस में सचमुच दूध और मधु की धाराएं बहती हैं और उस की उपज में से यही है । पर उस देश के निवासी बलवान हैं और उस के नगर गढ़वाले और बहुत बड़े हैं और फिर हम ने वहां अनाकवंशियों को भी देखा । दक्षिण देश में तो अमालेकी बसे हुए हैं और पहाड़ी देश में हित्ती यबूसी और एमोरी रहते हैं और समुद्र के तीर तीर और यर्दन नदी के तीर तीर कनानी बसे हुए हैं ।

पर कालेब ने मूसा के साम्हने प्रजा के लोगों को चुप कराने की मनसा से कहा हम अभी चढ़के उस देश को अपना कर लें क्योंकि निःसंदेह हम में ऐसा करने की शक्ति है। पर जो पुरुष उस के संग गये थे उन्हों ने कहा उन लोगों पर चढ़ने की शक्ति हम में नहीं है क्योंकि वे हम से बलवान हैं। बरन उन्हों ने इस्राएलियों के साम्हने उस देश की जिस का भेद उन्हों ने लिया था यह कहकर निन्दा भी किई कि वह देश जिस का भेद लेने को हम गये थे ऐसा है जो अपने निवासियों को निगल जाता है और जितने पुरुष हम ने उस में देखे सो सब के सब बड़े डील डौल के हैं। फिर हम ने वहां नपीलों को अर्थात नपीली जातिवाले अनाकवंशियों को देखा और हम अपने लेखे में फंगों के समान ठहरे और ऐसे ही उन के भी लेखे में। तब सारी मण्डली चिल्ला उठी और रात को वे लोग रोते रहे। और सब इस्राएली मूसा और हारून पर कुड़कुड़ाने लगे और सारी मण्डली उन से कहने लगी कि भला होता कि हम मिस्र ही में मर जाते वा इस जंगल में मर जाते। और यहोवा हम को उस देश में ले जाकर क्यों तलवार से मरवाने चाहता है हमारी स्त्रियां और बालबच्चे तो लूट में चले जाएंगे क्या मिस्र में लौट जाना हमारे लिये अच्छा न होगा। फिर वे आपस में कहने लगे आओ हम किसी को अपना प्रधान ठहराके मिस्र को लौट जाएं।

सो मूसा और हारून इस्राएलियों की सारी मण्डली के साम्हने मुंह के बल गिरे। और नून का पुत्र यहोशू और यपुन्ने का पुत्र कालेब जो देश के भेद लेनेहारों में से थे सो अपने अपने वस्त्र फाड़कर, इस्राएलियों की सारी मण्डली से कहने लगे जिस देश का भेद लेने को हम इधर उधर घूम कर आये हैं सो अत्यन्त उत्तम देश है। यदि यहोवा हम से प्रसन्न हो तो हम को उस देश में जिस में दूध और मधु की धाराएं बहती हैं पहुंचाकर उस को हमें देगा। इतना हो कि तुम यहोवा के विरुद्ध दंगा न करो और न उस देश के लोगों से डरो क्योंकि छाया उन के ऊपर से हट गई है और यहोवा हमारे संग है उन से न डरो।

तब सारी मण्डली उन पर पत्थरवाह करने को बोल उठी।

तब यहोवा का तेज मिलापवाले तंबू में सब इस्राएलियों को दिखाई दिया। तब यहोवा ने मूसा से कहा वे लोग कब लों मेरा तिरस्कार करते रहेंगे और मेरे सब आश्चर्य कर्म्म देखने पर भी कब लों मुझ पर विश्वास न करेंगे। मैं उन्हें मरी से मारूंगा और उन के निज भाग उन को न दूंगा और तुझ से एक जाति उपजाऊंगा जो उन से बड़ी और बलवन्त होगी।

मूसा ने यहोवा से कहा तब तो मिस्री जिन के बीच से तू अपना सामर्थ्य दिखाकर इन लोगों को निकाल ले आया है सो इसे सुनकर, इस देश के निवासियों से कहेंगे। सो यदि तू इन लोगों को एक ही बार में मार डाले तो जिन जातियों ने तेरी कीर्त्ति सुनी है सो कहेंगी कि, यहोवा उन लोगों को उस देश में जिसे उस ने उन्हें देने की किरिया खाई थी पहुंचा न सका इस कारण उस ने उन्हें जंगल में घात कर डाला है। सो अब प्रभु के सामर्थ्य की महिमा तेरे इस कहने के अनुसार हो कि, यहोवा कोप करने में धीरजवन्त अति करुणामय और अधर्म्म और अपराध का क्षमा करनेहारा है वह दोषी को किसी प्रकार से निर्दोष न ठहराएगा और पितरों के अधर्म्म का दण्ड उन के बेटों और पोतों और परपोतों को देनेहारा है। अब इन लोगों के अधर्म्म को अपनी बड़ी करुणा के अनुसार और जैसे तू मिस्र से ले यहां लों क्षमा करता आया है वैसे ही इसे क्षमा कर।

यहोवा ने कहा तेरी बात के अनुसार मैं क्षमा तो करता हूं। पर मेरे जीवन की सौंह सचमुच सारी पृथिवी यहोवा की महिमा से परिपूर्ण हो जाएगी। उन सब लोगों ने जो मेरी महिमा और मिस्र और जंगल में मेरे किये हुए आश्चर्य्य कर्म्म देखने पर भी अब दस बेर मेरी परीक्षा किई और मेरी बातें नहीं मानीं, इस लिये उस देश को वे कभी देखने न पाएंगे। पर इस कारण से कि मेरे दास कालेब के साथ और ही आत्मा है और वह पूरी रीति से मेरे पीछे हो लिया है मैं उस को उस देश में

जिस में वह हो आया है पहुंचाऊंगा और उस का वंश उस देश का अधिकारी होगा।

फिर यहोवा ने मूसा और हारून से कहा, यह बुरी मण्डली मुझ पर कुड़कुड़ाती रहती है उस को मैं कब लों सहता रहूं। सो उन से कह कि यहोवा की यह वाणी है कि मेरे जीवन की सौंह कि जो बात तुम ने मेरे सुनते कही है निःसंदेह मैं उसी के अनुसार तुम्हारे साथ करूंगा। तुम्हारी लोथें इसी जंगल में पड़ी रहेंगी और तुम उस देश में न जाने पाओगे पर तुम्हारे बालबच्चे जिन के विषय तुम ने कहा है कि ये लूट में चले जाएंगे उन को मैं उस देश में पहुंचा दूंगा और वे उस देश को जान लेंगे जिस को तुम ने तुच्छ जाना है। पर तुम लोगों की लोथें इस जंगल में पड़ी रहेंगी। तब मूसा ने ये बातें सब इस्राएलियों को कह सुनाई और वे बहुत विलाप करने लगे। और वे बिहान को सवेरे उठकर यह कहते हुए पहाड़ की चोटी पर चढ़ने लगे कि हम ने पाप किया है पर अब तैयार हैं और उस स्थान को जाएंगे जिस के विषय यहोवा ने वचन दिया था। तब मूसा ने कहा तुम यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन क्यों करते हो यह सुफल न होगा। यहोवा तुम्हारे बीच नहीं है सो मत चढ़ो नहीं तो शत्रुओं से हार जाओगे। पर वे ढिठाई करके पहाड़ की चोटी पर चढ़ गये तब अमालेकी और कनानी उतर के उन्हें घात करते गये।

सारी इस्राएली मण्डली सीन नाम जंगल में आ गई और कादेश में रहने लगे और वहां मरियम मर गई और वहीं उस को मिट्टी दिई गई।

चटान से पानी का निकलना।

(गिनती २०)

वहां मण्डली के लोगों के लिये पानी न मिला सो वे मूसा और हारून के विरुद्ध एकट्ठे हुए। और लोग यह कहकर मूसा से झगड़ने लगे कि भला होता कि हम उस समय मर गये होते जब हमारे भाई यहोवा के साम्हने मर गये। और तुम यहोवा की मण्डली को इस जंगल में क्यों ले आये हो कि हम अपने पशुओं समेत यहां मर जाएं। और तुम ने हमको मिस्र से क्यों निकाल कर इस बुरे स्थान में पहुंचाया है यहां तो बीज वा अंजीर वा दाखलता वा अनार कुछ नहीं है बरन पीने को कुछ पानी भी नहीं है।

तब मूसा और हारून मण्डली के साम्हने से मिलापवाले तंबू के द्वार पर जाकर अपने मुंह के बल गिरे और यहोवा का तेज उनको दिखाई दिया। तब यहोवा ने मूसा से कहा, लाठी को ले और तू अपने भाई हारून समेत मण्डली को एकट्ठा करके उन के देखते उस ढांग से बातें कर तब वह अपना जल देगी। और मूसा और हारून ने मण्डली को उस ढांग के सम्हाने एकट्ठा किया तब मूसा ने उन से कहा हे दंगइतो सुनो क्या हम को इस ढांग में से तुम्हारे लिये जल निकालना होगा। तब मूसा ने हाथ उठा कर लाठी ढांग पर दो बार मारी और उस में से बहुत पानी फूट निकला और मण्डली के लोग अपने पशुओं समेत पीने लगे। पर मूसा और हारून से यहोवा ने कहा तुम ने जो मुझ पर विश्वास नहीं किया और मुझे इस्राएलियों की दृष्टि में पवित्र नहीं ठहराया इस लिये तुम इस मण्डली को उस देश में पहुंचाने न पाओगे जिसे मैं ने उन्हें दिया है। उस सोते का नाम मरीबा पड़ा क्योंकि इस्राएलियों ने यहोवा से झगड़ा किया।

हारून की मृत्यु।

(गिनती २० : २२)

तब इस्राएलियों की सारी मण्डली कादेश से कूच करके होर नाम पहाड़ के पास आ गई। और होर पहाड़ में यहोवा ने मूसा और हारून से कहा, हारून अपने अपने लोगों में जा मिलेगा क्योंकि तुम दोनों ने जो मरीबा नाम सोते पर मेरा कहा छोड़कर मुझ से बलवा किया इस कारण वह उस देश में जाने न पाएगा जिसे मैं ने इस्राएलियों को दिया है। सो तू हारून और उस के पुत्र एलाजार को होर पहाड़ पर ले चल। और हारून के वस्त्र उतारके उसके पुत्र एलाजार को पहिना तब हारून वहीं मरके अपने लोगों में जा मिलेगा।

यहोवा की इस आज्ञा के अनुसार मूसा ने किया और वे सारी मण्डली के देखते होर पहाड़ पर चढ़ गये। तब मूसा ने हारून के वस्त्र उतार के उस के पुत्र एलाजार को पहिनाये और हारून वहीं पहाड़ की चोटी पर मर गया तब मूसा और एलाजार पहाड़ पर से उतर आये।

और जब इस्राएल की सारी मण्डली ने देखा कि हारून का प्राण छूट गया है तब इस्राएल के सब घराने के लोग उस के लिये तीस दिन लों रोते रहे।

मोआब का राजा और बिलाम।

(गिनती २२)

तब इस्राएलियों ने कूच करके यरीहो के पास की यर्दन नदी के इस पार मोआब के अराबा में डेरे खड़े किये। सो मोआब यह जानकर कि इस्राएली बहुत हैं उन लोगों से निपट डर गया सो मोआबियों ने मिद्यानी पुरनियों से कहा अब वह दल हमारी चारों ओर के सब लोगों को ऐसे चट कर जाएगा जैसे बैल खेत की हरी घास को चट कर जाता है।

बालाक मोआब के राजा ने बिलाम के पास दूत भेजे जो यह कहकर उसे बुला लाए कि सुन एक दल मिस्र से निकल आया है और भूमि उन से ढंक गई है और अब वे मेरे साम्हने ठहरे हैं। सो आ और उन लोगों को मेरे निमित्त स्राप दे क्योंकि वे मुझ से अधिक बलवन्त हैं क्या जाने मुझे इतनी शक्ति हो कि हम उन को जीत सकें और मैं उन्हें अपने देश से बरबस निकाल सकूं यह तो मैं ने जान लिया है कि जिस को तू आशीर्वाद दे सो धन्य होता है और जिस को तू स्राप दे वह स्रापित होता है। सो मोआबी और मिद्यानी पुरनियों ने बिलाम के पास पहुंचकर बालाक की बातें कह सुनाईं। उस ने उन से कहा आज रात को यहां टिको और जो बात यहोवा मुझ से कहे उसी के अनुसार मैं तुम को उत्तर दूंगा सो मोआब के हाकिम बिलाम के यहां ठहर गये।

परमेश्वर ने बिलाम से कहा तू इन के संग मत जा उन लोगों को स्राप मत दे क्योंकि वे आशीष के भागी हो चुके हैं।

भोर को बिलाम ने उठकर बालाक के हाकिमों से कहा अपने देश चले जाओ क्योंकि यहोवा मुझे तुम्हारे साथ जाने नहीं देता। तब मोआबी हाकिम चल दिये और बालाक के पास जाकर कहा बिलाम ने हमारे साथ आने को नाह किया है। इस पर बालाक ने फिर और हाकिम भेजे जो पहिलों से प्रतिष्ठित और गिनती में भी अधिक थे। उन्हों ने बिलाम के पास आकर कहा सिप्पोर का पुत्र बालाक यों कहता है कि मेरे पास आने से किसी कारण नाह न कर। क्योंकि मैं निश्चय तेरी बड़ी प्रतिष्ठा करूंगा और जो कुछ तू मुझ से कहे सोई मैं करूंगा सो आ और उन लोगों को मेरे निमित्त कोस। बिलाम ने बालाक के कर्म्मचारियों को उत्तर दिया कि चाहे बालाक अपने घर को सोने चांदी से भरके मुझे दे दे तौभी मैं अपने परमेश्वर यहोवा के कहे से कुछ घट बढ़ न कर सकूंगा। सो अब तुम लोग आज रात को यहां टिके रहो और मैं जान लूं कि यहोवा मुझ से और क्या कहेगा। रात में परमेश्वर ने बिलाम के पास आकर कहा वे पुरुष जो तुझे बुलाने आये हैं सो उठकर उनके संग जा पर जो बात मैं तुझ से कहूंगा उसी के अनुसार करना।

बिलाम की गदही।

(गिनती २२ : २१)

तब बिलाम भोर को उठ अपनी गदही पर काठी बांधकर मोआबी हाकिमों के संग चला। और यहोवा का दूत उस का विरोध करने को मार्ग में खड़ा हुआ।

और गदही को यहोवा का दूत हाथ में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़ा देख पड़ा तब गदही मार्ग से हटकर खेत में गई सो बिलाम ने गदही को मारा कि वह मार्ग पर फिर चले। तब यहोवा का दूत दाख की बारियों के बीच गली में जिस की दोनों ओर बारी की भीत थी खड़ा हुआ। यहोवा के दूत को देखकर गदहा भीत से ऐसी सट गई कि बिलाम का पांव भीत से दब गया सो उस ने उस को फिर मारा।

तब यहोवा का दूत आगे बढ़कर एक सकेत स्थान पर खड़ा हुआ जहां न तो दहिनी ओर हटने की जगह थी और न बांई। वहां यहोवा के दूत को देखकर गदही बिलाम को लिये ही बैठ गई इससे बिलाम का कोप भड़क उठा और उसने गदही को लाठी मारी।

तब यहोवा ने गदही का मुंह खोल दिया और वह बिलाम से कहने लगी मैं ने तेरा क्या किया है कि तू ने मुझे तीन बार मारा। बिलाम ने गदही से कहा यह कि तू ने मुझ से नटखटी किई सो यदि मेरे हाथ में तलवार होती तो मैं तुझे अभी मार डालता। गदही ने बिलाम से कहा क्या मैं तेरी वही गदही नहीं जिस पर तू जन्म से आज लों चढ़ता आया है क्या मैं तुझ से कभी ऐसा करती थी वह बोला नहीं।

तब यहोवा ने बिलाम की आंखें खोलीं और उस को यहोवा का दूत हाथ में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़ा देख पड़ा तब वह झुक गया और मुंह के बल गिरके दण्डवत किई। यहोवा के दूत ने उस से कहा तू ने अपनी गदही को तीन बार क्यों मारा सुन तेरा विरोध करने को मैं ही आया हूं इस लिये कि तू मेरे साम्हने उलटी चाल चलता है। और यह गदही मुझे देखकर मेरे साम्हने से तीन बार हट गई जो वह मेरे साम्हने से हट न जाती तो निःसन्देह मैं अब लों तुझे तो मार डालता पर उस को जीती छोड़ देता। तब बिलाम ने यहोवा के दूत से कहा मैं ने पाप किया है मैं जानता न था कि तू मेरा साम्हना करने को मार्ग में खड़ा है सो यदि अब तुझे बुरा लगता हो तो मैं लौट आऊंगा। यहोवा के दूत ने बिलाम से कहा इन पुरुषों के संग जा तौभी केवल वही बात कहना जो मैं तुझ से कहूंगा सो बिलाम बालाक के हाकिमों के संग चला।

यह सुनकर कि बिलाम आ गया बालाक उस की अगुवानी करने को गया। बालाक ने बिलाम से कहा क्या मैं ने तुझे यत्न से बुला न भेजा था फिर तू क्यों मेरे पास न आया था क्या मैं सचमुच तेरी प्रतिष्ठा नहीं कर सकता। बिलाम ने बालाक से कहा देख मैं तेरे पास आया हूं जो बात परमेश्वर मुझे सिखाएगा वहीं बात मैं कहूंगा।

बिलाम की आशीष।

(गिनती २३)

बिहान को बालाक बिलाम को बाल के ऊंचे स्थानों पर चढ़ा ले गया और वहां से उस को सब इस्राएली लोग देख पड़े। तब बिलाम ने बालाक से कहा खड़ा रह और मैं जाऊंगा क्या जानिये यहोवा मुझ से भेंट करने को आए और जो कुछ वह मुझे दिखाए सो मैं तुझ को बताऊंगा सो वह एक मुण्डे पहाड़ पर गया।

और परमेश्वर बिलाम से मिला और बिलाम को एक बात सिखाकर कहा बालाक के पास लौट कर यों कहना। सो वह उस के पास लौट गया और कहने लगा। मोआब के राजा ने मुझे पूरब के पहाड़ों से बुलवा भेजा।

आ मेरे लिये याकूब को स्राप दे
आ इस्राएल को धमकी दे।
पर जिन्हें ईश्वर ने नहीं कोसा उन्हें मैं कैसे
कोसूं
और जिन्हें यहोवा ने धमकी नहीं दिई उन्हें मैं
धमकी कैसे दूं।
चटानों की चोटी पर से वे मुझे देख पड़ते हैं
पहाड़ियों पर से मैं उनको देखता हूं
वह ऐसी जाति है जो अकेली बसी रहेगी
और अन्यजातियों से अलग गिनी जाएगी।
याकूब के धूलि के किनके कौन गिन सके वा
इस्राएल की चौथाई की गिनती कौन ले सके
मेरी मृत्यु धर्म्मियों की सी
और मेरा अन्त उन्हीं का सा हो।

तब बालाक ने बिलाम से कहा तू ने मुझ से क्या किया है मैं ने तो तुझे अपने शत्रुओं के कोसने को बुलवाया था पर तू ने उन्हें आशीष ही आशीष दिई है। उस ने कहा जो बात यहोवा मुझे सिखाए क्या मुझे सावधानी से उसी को बोलना न चाहिये।

तब बिलाम ने बालाक से कहा यहीं खड़ा रह और मैं उधर जाकर यहोवा से भेंट करूं। और यहोवा ने बिलाम से भेंट कर उस को एक बात सिखाकर कहा कि

हे बालाक मन लगाकर सुन
हे सिप्पोर के पुत्र मेरी बात पर कान लगा।
ईश्वर तो मनुष्य नहीं है कि झूठ बोले
और न वह आदमी है कि पछताए
क्या वह कहकर न करे
क्या वह बचन देकर पूरा न करे।
देख आशीर्वाद ही देने की मैं ने आज्ञा पाई
बरन वह आशीष दे चुका है और मैं उसे नहीं
पलट सकता।
उस ने याकूब में अनर्थ नहीं पाया
और न इस्राएल में अन्याय देखा है
उस का परमेश्वर यहोवा उस के संग है
और उस में राजा की सी ललकार होती है।
उस का मिस्र में से ईश्वर ही निकाले लिये
आता है
वह तो बनैले बैल का सा बल रखता है।
निश्चय कोई मंत्र याकूब पर नहीं चल सकता
और न इस्राएल पर भावी कहना
समय पर तो याकूब और इस्राएल के विषय
यह कहा जाएगा
कि ईश्वर ने क्याही काम किया है।

तब बालाक ने बिलाम से कहा उन को न तो कोसना और न आशीष देना। तब बालाक का कोप बिलाम पर भड़क उठा और उस ने हाथ पर हाथ पटककर बिलाम से कहा मैं ने तुझे अपने शत्रुओं के कोसने को बुलवाया पर तू ने तीन बार उन्हें आशीर्वाद ही आशीर्वाद दिया है। सो अब अपने स्थान पर भाग जा मैं ने कहा तो था तेरी बड़ी प्रतिष्ठा करूंगा पर अब यहोवा ने तुझे प्रतिष्ठा पाने से रोक रक्खा है।

बिलाम ने बालाक से कहा जो दूत तू ने मेरे पास भेजे थे क्या मैं ने उन से भी न कहा था कि चाहे बालाक अपने घर को सोने चांदी से भरके मुझे दे तौभी मैं यहोवा की आज्ञा तोड़कर अपने मन से न तो भला कर सकता हूं न बुरा जो यहोवा कहे वही मैं कहूंगा। सो अब सुन मैं अपने लोगों के पास जाता तो हूं पर पहिले मैं तुझे चिता देता हूं कि अन्त के दिनों में वे लोग तेरी प्रजा से क्या क्या करेंगे। फिर वह अपनी गूढ़ बात उठाकर कहने लगा कि

याकूब में से एक तारा उदय होगा
और इस्राएल में से एक दण्ड उठेगा
जो मोआब की अलंगों को चूर कर देगा।
और याकूब में से एक प्रभुता करेगा
और नगर में से बचे हुओं को भी नाश करेगा
फिर उस ने अमालेक पर दृष्टि करके अपनी
गूढ़ बात उठाकर कहा
अमालेक अन्यजातियों में श्रेष्ठ तो था,
पर उस का अन्त विनाश ही होगा।
फिर उस ने केनियों पर दृष्टि करके अपनी गूढ़
बात उठाकर कहा
तेरा निवासस्थान अति दृढ़ तो है
और तेरा बसेरा ढांग में तो है।
तौभी केन उजड़ जाएगा
और अन्त में अश्शूर तुझे बंधुआई में ले जाएगा।
फिर उस ने अपनी गूढ़ बात उठाकर कहा
हाय जब ईश्वर यह करेगा तब कौन जीता बचेगा।
तब बिलाम चल दिया और अपने स्थान पर लौट
गया और बालाक ने भी अपना मार्ग लिया।

मूसा का बड़ा वाक्य।

(व्यवस्थाविवरण १-३०)

जो बातें मूसा ने यर्दन के पार जंगल में अर्थात सूप के साम्हने के अराबा में सारे इस्राएलियों से कहीं सो ये हैं।

हमारे परमेश्वर यहोवा ने होरेब के पास हम से कहा था कि तुम लोगों को इस पहाड़ के पास रहते हुए बहुत दिन हो गये हैं। सो अब कूच करो और एमोरियों के पहाड़ी देश को और क्या अराबा में क्या पहाड़ों में क्या नीचे के देश में क्या दक्खिन देश में क्या समुद्र के तीर पर जितने लोग एमोरियों के पास रहते हैं उन के देश को अर्थात लबानोन पर्वत लों और परात नाम महानद लों रहनेहारे कनानियों के देश को भी चले जाओ। सुनो मैं उस देश को तुम्हारे साम्हने किये देता हूं।

फिर उसी समय मैं ने तुम से कहा कि मैं तुम्हारा भार अकेला नहीं सह सकता। क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम को यहां लों बढ़ाया है कि तुम गिन्ती में आज आकाश के तारों के समान हुए हो। तुम्हारे पितरों का परमेश्वर तुम को हजार गुणा और भी बढ़ाए और अपने बचन के अनुसार तुम को आशीष देता रहे। पर तुम्हारे जंजाल और भार और झगड़े रगड़े को मैं अकेला कहां तक सह सकता हूं। सो तुम अपने एक एक गोत्र में से बुद्धिमान और समझदार और प्रसिद्ध पुरुष चुन लो और मैं उन्हें तुम पर मुखिया करके ठहराऊं।

इस के उत्तर में तुम ने मुझ से कहा जो कुछ तू हम से कहता है उस का करना अच्छा है। सो मैं ने तुम्हारे गोत्रों के मुख्य पुरुषों को जो बुद्धिमान और प्रसिद्ध पुरुष थे चुनकर तुम पर मुखिया ठहराया अर्थात हजार हजार सौ सौ पचास पचास और दस दस के ऊपर प्रधान और तुम्हारे गोत्रों के सरदार भी ठहरा दिये। और उस समय मैं ने तुम्हारे न्यायियों को आज्ञा दिई कि तुम अपने भाइयों के बीच के मुक़द्दमे सुना करो और उन के बीच और उन के पड़ोसवाले परदेशियों के बीच भी धर्म्म से न्याय किया करो। न्याय करते समय किसी का पक्ष न करना जैसे बड़े को वैसे ही छोटे मनुष्य को भी सुनना किसी का मुंह देखकर न डरना क्योंकि न्याय परमेश्वर का काम है और जो मुक़द्दमा तुम्हारे लिये कठिन हो सो मेरे पास ले आना और मैं उसे सुनूंगा। और मैं ने उसी समय तुम्हारे सारे कर्त्तव्य कर्म्म तुम को बता दिये।

और हम होरेब से कूच करके अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के अनुसार उस सारे बड़े और भयानक जंगल में होकर चले जिसे तुम ने एमोरियों के पहाड़ी देश के मार्ग में देखा। देखो उस देश को तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे साम्हने किये देता है सो उस पर चढ़ो और उसे अपने अधिकार में ले लो न तुम डरो और न तुम्हारा मन कच्चा हो। सो तुम सब मेरे पास आकर कहने लगे हम अपने आगे पुरुषों को भेज देंगे जो उस देश का पता लगाकर हम को यह सन्देशा दें कि कौन से मार्ग होकर चलना और किस किस नगर में प्रवेश करना पड़ेगा। इस बात से प्रसन्न होकर मैंने तुम में से बारह पुरुष अर्थात गोत्र पीछे एक पुरुष चुन लिया। और वे पहाड़ पर चढ़ गये और एशकोल नाम नाले को पहुंचकर उस देश का भेद लिया, और उस देश के फलों में से कुछ हाथ में लेकर हमारे पास आये और हम को यह सन्देशा दिया कि जो देश हमारा परमेश्वर यहोवा हमें देता है सो अच्छा है।

तौभी तुम ने वहां जाने से नाह किया बरन अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के विरुद्ध हो, अपने अपने डेरे में यह कह कर कुड़कुड़ाने लगे कि यहोवा हम से वैर रखता है इस कारण हम को मिस्र देश से निकाल ले आया है कि हम को एमोरियों के बश में करके सत्यानाश कर डाले। हम किधर जाएं वहां के लोग हम से बड़े और लम्बे हैं और वहां के नगर बड़े बड़े हैं और उन की शहरपनाह आकाश से बातें करती हैं। और हम ने वहां अनाकवंशियों को भी देखा है। मैं ने तुम से कहा उन के कारण त्रास मत खाओ और न डरो। तुम्हारा परमेश्वर यहोवा जो तुम्हारे आगे आगे चलता है सो आप तुम्हारी ओर से लड़ेगा जैसे कि उस ने मिस्र में तुम्हारे देखते तुम्हारे लिये किया।

इस बात पर भी तुम ने अपने उस परमेश्वर यहोवा पर विश्वास न किया, सो तुम्हारी वे बातें सुनकर यहोवा का कोप भड़क उठा और उस ने यह किरिया खाई कि, निश्चय इस बुरी पीढ़ी के मनुष्यों में से एक भी उस अच्छे देश को देखने न पाएगा जिसे मैं ने उन के पितरों को देने की किरिया खाई थी। यपुन्ने का पुत्र कालेब ही उसे देखने पाएगा और जिस भूमि पर उस के पांव पड़े हैं उसे मैं उस को और उस के बंश को भी दूंगा क्योंकि वह मेरे पीछे पूरी रीति से हो लिया है।

और मुझ पर भी यहोवा तुम्हारे कारण कोपित हुआ और यह कहा कि तू भी वहां जाने न पाएगा। नून का पुत्र यहोशू जो तेरे साम्हने खड़ा रहता है वह तो वहां जाने पाएगा सो उस को हियाव बंधा क्योंकि उस देश को इस्राएलियों के अधिकार में वही कर देगा। फिर तुम्हारे बालबच्चे जिन के विषय में तुम कहते हो कि ये लूट में चले जाएंगे और तुम्हारे जो लड़केबाले अभी भले बुरे का भेद

नहीं जानते वे वहां प्रवेश करेंगे और उन को मैं वह देश दूंगा और वे उस के अधिकारी होंगे। पर तुम लोग घूम कर कूच करो और लाल समुद्र के मार्ग से जंगल की ओर जाओ। तब तुम ने मुझ से कहा हम ने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है अब हम अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के अनुसार चढ़के लड़ेंगे। सो तुम अपने अपने हथियार बांध कर पहाड़ पर बिना सोचे समझे चढ़ने को तैयार हो गये।

तब यहोवा ने मुझ से कहा उन से कह दे कि तुम मत चढ़ो और न लड़ो क्योंकि मैं तुम्हारे बीच नहीं हूं कहीं ऐसा न हो कि तुम अपने शत्रुओं से हार जाओ। यह बात मैं ने तुम से कह दी पर तुम ने न मानी बरन ढिठाई से यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन करके पहाड़ पर चढ़ गये। तब उस पहाड़ के निवासी एमोरियों ने तुम्हारा साम्हना करने को निकलकर मधुमक्खियों की नाईं तुम्हारा पीछा किया और सेईर देश के होर्मा लों तुम्हें मारते मारते चले आये। सो तुम लौटकर यहोवा के साम्हने रोने लगे पर यहोवा ने तुम्हारी न सुनी न तुम्हारी बातों पर कान लगाया। तब उस आज्ञा के अनुसार जो यहोवा ने मुझ को दी थी हम ने घूमकर कूच किया और लाल समुद्र के मार्ग के जङ्गल की ओर चले और बहुत दिन तक सेईर पहाड़ के बाहर बाहर चलते रहे। तब यहोवा ने मुझ से कहा, तुम लोगों को इस पहाड़ के बाहर बाहर चलते हुए बहुत दिन बीत गये अब घूमकर उत्तर की ओर चलो। और तू प्रजा के लोगों को मेरी यह आज्ञा सुना कि तुम सेईर के निवासी अपने भाई एसावियों के सिवाने के पास होकर जाने पर हो और वे तुम से डर जाएंगे सो तुम बहुत चौकस रहो। उन्हें न छेड़ना क्योंकि उन के देश में से मैं तुम्हें पांव धरने का ठौर तक न दूंगा इस कारण से कि मैं ने सेईर पर्वत एसावियों के अधिकार में कर दिया है। तुम उन से भोजन रुपैये से मोल लेकर खा सकोगे और रुपैया देकर कूओं से पानी भर के पी सकोगे। क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे हाथों के सब कामों के विषय तुम्हें आशीष देता आया है इस भारी जङ्गल में तुम्हारा चलना फिरना वह जानता है इन चालीस बरसों में तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे संग रहा है तुम को कुछ घटी नहीं हुई। यों हम सेईर निवासी अपने भाई एसावियों के पास से हो कर अराबा के मार्ग और एलत और एस्योनगेबेर को पीछे छोड़ कर चले। फिर हम मुड़ कर मोआब के जङ्गल के मार्ग से होकर चले और यहोवा ने मुझ से कहा मोआबियों को न सताना और न लड़ने को छेड़ना क्योंकि मैं उन के देश में से कुछ भी तेरे अधिकार में न कर दूंगा क्योंकि मैं ने आर को लूतियों के अधिकार में किया है। अगले दिनों में वहां एमी लोग बसे हुए थे जो अनाकियों के समान बलवन्त और लम्बे लम्बे और गिनती में बहुत थे। जितने लोग धरती भर पर रहते हैं उन सभों के मन में मैं आज के दिन से तेरे कारण डर और थरथराहट समवाने लगूंगा सो वे तेरा समाचार पाकर तेरे डर के मारे कांपेंगे और पीड़ित होंगे।

सो मैं ने कदेमोत नाम जंगल से हेशबोन के राजा सीहोन के पास मेल की ये बातें कहने को दूत भेजे कि, मुझे अपने देश में होकर जाने दे मैं सड़क सड़क चला जाऊंगा दहिने बाएं न मुड़ूंगा। मैं यर्दन पार होकर उस देश में पहुंचूंगा जो हमारा परमेश्वर यहोवा हमें देता है। पर हेशबोन के राजा सीहोन ने हम को अपने देश में होकर चलने देने से नाह किया सीहोन अपनी सारी सेना समेत निकल आया और हमारा साम्हना करके युद्ध करने को यहस लों चढ़ आया। और हमारे परमेश्वर यहोवा ने उस को हम से हरा दिया और हम ने उस को पुत्रों और सारी सेना समेत मार लिया।

तब हम मुड़कर बाशान के मार्ग से चढ़ चले और बाशान का ओग नाम राजा अपनी सारी सेना समेत हमारा साम्हना करने को निकल आया। तब यहोवा ने मुझ से कहा उस से मत डर क्योंकि मैं उस को सारी सेना और देश समेत तेरे हाथ में किये देता हूं सो हम उस को यहां लों मारते रहे कि उस का कोई भी बचा न रहा। उसी समय हम ने उस के सारे नगरों को ले लिया कोई ऐसा नगर न रहा जिसे हम ने उन से न ले लिया हो। ये सब नगर गढ़वाले थे और उन के ऊंची ऊंची शहरपनाह और फाटक और बेंड़े थे और इन को छोड़ बिना

शहरपनाह के भी बहुत से नगर थे। यों हम ने उस समय यर्दन के इस पार रहनेहारे एमोरियों के दोनों राजाओं के हाथ से समथर देश के सब नगर और सारा गिलाद और सल्का और एद्रेई तक जो ओग के राज्य के नगर थे सारा बाशान हमारे बश में आ गया। जो रपाई रह गये थे उन में से केवल बाशान का राजा ओग रह गया था उस की चारपाई जो लोहे की है साधारण पुरुष के हाथ के लेखे से उस की लम्बाई नौ हाथ की और चौड़ाई चार हाथ की है।

और उस समय मैं ने तुम्हें यह आज्ञा दी कि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें यह देश दिया है कि उसे अपने अधिकार में रक्खो तुम योद्धा हथियारबंध होकर पार चलो। पर तुम्हारी स्त्रियां और बाल बच्चे और पशु सो सब तुम्हारे नगरों में रह जाएं। और जब यहोवा तुम्हारे भाइयों को वैसा विश्राम दे जैसा कि उस ने तुम को दिया है और वे उस देश के अधिकारी हो जाएं तब तुम भी अपने अपने अधिकार की भूमि पर लौटोगे। फिर मैं ने उसी समय यहोशू से चिताकर कहा तू ने अपनी आंखों से देखा है कि तेरे परमेश्वर यहोवा ने इन दोनों राजाओं से क्या क्या किया है वैसा ही यहोवा उन सब राज्यों से करेगा जिन में तू पार होकर जायगा। उन से न डरना क्योंकि जो तुम्हारी ओर से लड़ने वाला है सो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा है।

उसी समय मैं ने यहोवा से गिड़गिड़ाकर बिनती की कि, हे प्रभु यहोवा तू अपने दास को अपनी महिमा और बलवन्त हाथ दिखाने लगा है, स्वर्ग में और पृथिवी पर ऐसा कौन देवता है जो तेरे से काम और पराक्रम के कर्म्म कर सके। सो मुझे पार जाने दे कि यर्दन पार के उस उत्तम देश को देखने पाऊं। पर यहोवा तुम्हारे कारण मुझ से रूठ गया और मेरी न सुनी वरन यहोवा ने मुझ से कहा बस कर इस विषय में फिर कभी मुझ से बातें न करना। पिसगा पहाड़ की चोटी पर चढ़ जा और पूरब पच्छिम उत्तर दक्खिन चारों ओर दृष्टि कर करके उस देश को देख ले क्योंकि तू इस यर्दन पार जाने न पाएगा। और यहोशू को आज्ञा दे और उसे हियाव बंधाकर दृढ़ कर क्योंकि इन लोगों के आगे आगे वही पार जाएगा।

अब हे इस्राएल जो जो विधि और नियम मैं तुम्हें सिखाने चाहता हूं उन्हें सुन लो इस लिए कि उन पर चलो जिस से तुम जीते रहो और जो देश तुम्हारे पितरों का परमेश्वर यहोवा तुम्हें देता है उस में जाकर उस के अधिकारी हो जाओ। जो आज्ञा मैं तुम को सुनाता हूं उस में न तो कुछ बढ़ाना और न कुछ घटाना तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की आज्ञा मानना। सो तुम उन को धारण करना और मानना क्योंकि देश देश के लोगों के लेखे तुम्हारी बुद्धि और समझ इसी से प्रगट होगी अर्थात वे इन सब विधियों को सुनकर कहेंगे कि निश्चय यह बड़ी जाति बुद्धिमान और समझदार है। देखो कौन ऐसी बड़ी जाति है जिस का देवता उस के ऐसे समीप रहता हो।

केवल यह अवश्य है कि तुम अपने विषय सचेत रहो और अपने मन की बड़ी चौकसी करो न हो कि जो जो बातें तुम ने अपनी आंखों से देखीं उन को बिसरा दो वा जीवन भर में कभी अपने मन से उतरने दो वरन तुम उन्हें अपने बेटों पोतों को जताया करना। विशेष करके उस दिन की बातें जिस में तू होरेब के पास अपने परमेश्वर यहोवा के साम्हने खड़ा था जब यहोवा ने मुझ से कहा था कि उन लोगों को मेरे पास एकट्ठा कर कि मैं उन्हें अपने वचन सुनाऊं इस लिये कि वे सीखें कि जितने दिन पृथिवी पर जीते रहें उतने दिन मेरा भय मानते रहें और अपने लड़के बालों को भी सिखायें। तब तुम समीप जाकर उस पर्वत के नीचे खड़े हुए उस पर्वत पर की लौ आकाश लों पहुंचती थी और उस पर अंधियारा और बादल और घोर अंधकार छाया हुआ था। तब यहोवा ने उस आग के बीच में से तुम से बातें कीं बातों का शब्द तो तुम को सुन पड़ा उस ने तुम को अपनी वाचा के दसों बचन बताकर उन्हें पत्थर की दो पटियाओं पर लिख दिया। और मुझ को यहोवा ने उसी समय तुम्हें विधि और नियम सिखाने की आज्ञा दी इस लिये कि जिस देश के अधिकारी होने को तुम पार जाने पर हो उस में तुम उन को माना करो।

फिर तुम्हारे कारण यहोवा ने मुझ से कोप कर के यह किरिया खाई कि तू यर्दन पार जाने न पाएगा

और जो उत्तम देश इस्राएलियों का परमेश्वर यहोवा उन्हें उन का निज भाग करके देता है उस में तू प्रवेश करने न पाएगा। सो मुझे इसी देश में मरना है मैं तो यर्दन पार नहीं जा सकता पर तुम पार जा कर उस उत्तम देश के अधिकारी हो जाओगे। सो अपने विषय सचेत रहो न हो कि तुम उस वाचा को बिसराकर जो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम से बांधी है किसी वस्तु की मूर्त्ति खोदकर बनाओ जो तेरे परमेश्वर यहोवा ने तेरे लिये बरजी है। क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा भस्म करनेहारी आग सा जल उठनेहारा ईश्वर है।

यदि उस देश में रहते रहते बहुत दिन बीत जाने पर और अपने बेटे पोते उत्पन्न होने पर तुम बिगड़कर किसी वस्तु के रूप की मूर्त्ति खोदकर बनाओ और इस रीति अपने परमेश्वर यहोवा के लेखे बुराई करके उसे रिसिया दो, तो मैं आज आकाश और पृथिवी को तुम्हारे विरुद्ध साक्षी कर के कहता हूं कि तुम पूरी रीति से सत्यानाश हो जाओगे। और यहोवा तुम को देश देश के लोगों में तितर बितर करेगा और जिन जातियों के बीच यहोवा तुम को पहुंचाएगा उन में तुम थोड़े ही रह जाओगे। और वहां तुम मनुष्य के बनाये हुए लकड़ी और पत्थर के देवताओं की सेवा करोगे जो न देखते न सुनते न खाते न सूंघते हैं। पर वहां भी यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा को ढूंढ़ो तो उसे अपने सारे मन और सारे जीव से पूछने पर वह तुम्हें मिलेगा।

अन्त के दिनों में जब तू संकट में पड़ेगा और ये सब विपत्तियां तुझ पर आ पड़ेंगी तब तू अपने परमेश्वर यहोवा की ओर फिरेगा और उस की मानने लगेगा। और तेरा परमेश्वर यहोवा दयालु ईश्वर है वह तुझे धोखा न देगा न नाश करेगा। देखो जब से परमेश्वर ने मनुष्य को सिरजकर पृथिवी पर रक्खा तब से लेकर तू अपने उत्पन्न होने के दिन लों की बातें पूछ और आकाश की एक छोर से दूसरी छोर लों की बातें पूछ क्या ऐसी बड़ी बात कभी हुई वा सुनने में आई है। क्या कोई जाति कभी परमेश्वर की वाणी आग के बीच में से आती हुई सुनकर जीती रही जैसे कि तू ने सुनी है। आकाश में से उस ने तुझे अपनी वाणी सुनाई कि तुझे शिक्षा दे और पृथिवी पर उस ने तुझे अपनी बड़ी आग दिखाई और उस के वचन आग के बीच में से आते तुझे सुन पड़े। जब पर्वत आग से जल रहा था और तुम ने उस शब्द को अंधियारे के बीच में से आते सुना तब तुम और तुम्हारे गोत्रों के सब मुख्य मुख्य पुरुष और तुम्हारे पुरनिये मेरे पास आये और तुम कहने लगे हमारे परमेश्वर यहोवा ने हम को अपना तेज और महिमा दिखाई है और हम ने उसका शब्द आग के बीच में से आते हुये सुना आज के दिन हम को जान पड़ा है कि परमेश्वर मनुष्य से बातें करता है तौभी मनुष्य जीता रहता है। अब हम क्यों मर जायं क्योंकि इस बड़ी आग से हम भस्म हो जायेंगे और यदि हम अपने परमेश्वर यहोवा का शब्द फिर सुनें तो मर जायेंगे। सारे प्राणियों में से कौन ऐसा है जो हमारी नाईं जीवते और आग के बीच में से बोलते हुये परमेश्वर का शब्द सुनकर जीता बचा हो।

तू समीप जा और जो कुछ हमारा परमेश्वर यहोवा कहे सो सुन ले फिर जो कुछ हमारा परमेश्वर यहोवा कहे सो हम से कहना और हम सुन कर उसे मानेंगे। तब यहोवा ने सुना और उस ने मुझ से कहा कि इन लोगों ने जो जो बातें तुझ से कही हैं सो मैं ने सुनी इन्हों ने जो कुछ कहा सो भला कहा। भला होता कि उन का मन सदा ऐसा ही बना रहे कि मेरा भय मानते और मेरी सब आज्ञाओं पर चलते रहें जिस से उन की और उन के वंश की भलाई सदा लों बनी रहे। जाकर उन से कह कि अपने अपने डेरे में फिर जाओ। पर तू यहीं मेरे पास खड़ा होना और मैं वे सारी आज्ञायें तुझ से कहूंगा।

यह वह आज्ञा और विधियां और नियम हैं जो तुम्हें सिखाने की तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने इस लिये आज्ञा दी है कि तुम उन्हें उस देश में मानो जिस के अधिकारी होने को पार जाने पर हो। सो हे इस्राएल सुन और ऐसा ही करने की चौकसी कर इस लिये कि तेरा भला हो और यहोवा के वचन के अनुसार उस देश में जहां दूध और मधु की धाराएं बहती हैं तुम बहुत हो जाओ।

हे इस्राएल सुन यहोवा हमारा परमेश्वर है यहोवा एक है। तू अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे मन और सारे जीव और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना। और ये आज्ञाएं जो मैं आज तुझ को सुनाता हूं सो तेरे मन में बनी रहें। और तू इन्हें अपने लड़के बालों को समझाकर सिखाया करना और घर में बैठे मार्ग पर चलते लेटते उठते इन की चर्चा किया करना। और इन्हें अपने अपने घर के चौखट की बाजुओं और अपने फाटकों पर लिखना।

और जब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे उस देश में पहुंचाए जिस के विषय उस ने तेरे पितरों से तुझे देने की किरिया खाई और जब वह तुझ को बड़े बड़े और अच्छे नगर जो तू ने नहीं बनाये, और अच्छे अच्छे पदार्थों से भरे हुए घर जो तू ने नहीं भरे और खुदे हुये कुएं जो तू ने नहीं खोदे और दाख की बारियां और जलपाई के वृक्ष जो तू ने नहीं लगाये ये सब वस्तुयें जब वह दे और तू खाके तृप्त हो, तब सचेत रहना न हो कि तू यहोवा को भूल जाए जो तुझे दासत्व के घर अर्थात मिस्र देश से निकाल लाया है। अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना उसी की सेवा करना। तुम पराये देवताओं के पीछे न हो लेना। तुम अपने परमेश्वर यहोवा की परीक्षा न करना अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को जो उस ने तुझ को दी हैं सावधानी से मानना। और जो काम यहोवा के लेखे में ठीक और अच्छा है सोई किया करना इस लिये कि तेरा भला हो और उस उत्तम देश में तू प्रवेश करके उस का अधिकारी हो जाए।

फिर आगे को जब तेरा लड़का तुझ से पूछे कि ये चितौनियां और विधि और नियम जिन के मानने की आज्ञा हमारे परमेश्वर यहोवा ने तुम को दिई है इन का प्रयोजन क्या है। तब अपने लड़के से कहना कि जब हम मिस्र में फिरौन के दास थे तब यहोवा बलवन्त हाथ से हम को मिस्र में से निकाल लाया। इस लिये कि हमें इस देश में पहुंचाकर जिस के विषय उस ने हमारे पितरों से किरिया खाई थी इस को हमें दे। और यहोवा ने हमें ये सब विधियां पालने की आज्ञा दिई इस लिये कि हम अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानें और इस रीति सब दिन हमारा भला हो और वह हम को जीता रक्खे जैसे कि आज है।

फिर जब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे उस देश में जिस के अधिकारी होने को तू जाने पर है पहुंचाए उन लोगों से ऐसा बर्ताव करना कि उन की वेदियों को ढा देना और उन की खुदी हुई मूर्त्तियों को आग में जला देना। क्योंकि तू अपने परमेश्वर यहोवा की पवित्र प्रजा है यहोवा ने पृथिवी भर के सब देशों के लोगों में से तुझ को चुन लिया है कि तू उस की प्रजा और निज धन ठहरे। यहोवा ने जो तुम से स्नेह करके तुम को चुन लिया इस का कारण यह न था कि तुम गिनती में और सब देशों के लोगों से अधिक थे बरन तुम तो सब देशों के लोगों से गिनती में थोड़े थे। यहोवा ने जो तुम को दासत्व के घर में से छुड़ाकर निकाल लिया इस का यही कारण था कि वह तुम से प्रेम रखता है। सो जान रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा ही परमेश्वर है वह विश्वासयोग्य ईश्वर है और जो उस से प्रेम रखते और उस की आज्ञाएं मानते हैं उन के साथ वह हजार पीढ़ी लों अपनी वाचा पालता और उन पर करुणा करता है।

और तुम जो इन नियमों को सुनकर मानोगे और इन पर चलोगे तो तेरा परमेश्वर यहोवा भी उस करुणामय वाचा को पालेगा जो उस ने तेरे पितरों से किरिया खाकर बांधी थी। और वह तुझ से प्रेम रक्खेगा और तुझे आशीष देगा और गिनती में बढ़ाएगा और तू सब देशों के लोगों से अधिक धन्य होगा। और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा इन चालीस बरसों में तुझे सारे मार्ग में इस लिये ले आया है कि वह तुझे दीन बनाए और तेरी परीक्षा करके जान ले कि तेरे मन में क्या क्या है और तू उस की आज्ञाओं को पालेगा वा नहीं। उस ने तुझ को दीन बनाया और भूखा होने दिया फिर मान जिसे न तू न तेरे पुरखा जानते थे वही तुझ को खिलाया इस लिये कि वह तुझ को सिखाए कि मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीता जो जो बचन यहोवा के मुंह से निकलते हैं उन से वह जीता है।

इन चालीस बरसों में तेरे वस्त्र पुराने न हुए और न तेरे पांव फूले। फिर अपने मन में सोच कि जैसा कोई अपने बेटे को ताड़ना देता वैसे ही तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ को ताड़ना देता है। सो अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को मानते हुए उस के मार्गों पर चलना और उस का भय मानना।

क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे एक उत्तम देश में लिये जाता है जो जल बहती हुई नदियों का और तराइयों और पहाड़ों से निकलते हुए गहिरे गहिरे सोतों का देश है। फिर वह गोहूं जौ दाख-लताओं अंजीरों और अनारों का देश है और तेल-वाली जलपाई और मधु का भी देश है। उस देश में अन्न की महंगी न होगी बरन उस में तुझे किसी पदार्थ की घटी न होगी वहां के पत्थर लोहे के हैं और वहां के पहाड़ों में से तू तांम्बा खोदकर निकाल सकेगा। सचेत रह न हो कि अपने परमेश्वर यहोवा को बिसराकर उस की आज्ञा नियम और विधि का मानना छोड़ दे। ऐसा न हो कि जब तू खाकर तृप्त हो और अच्छे अच्छे घर बनाकर उन में बसे, और तेरी गाय बैलों और भेड़ बकरियों की बढ़ती हो और तेरा सोना चान्दी बरन तेरा सब प्रकार का धन बढ़ जाए। तब तेरा मन फूल जाए और तू अपने परमेश्वर यहोवा को भूल जाए जो तुझे दासत्व के घर से निकाल लाया है, और उस बड़े और भयानक जंगल में से ले आया है जहां तेज विषवाले सर्प्प और बिच्छू हैं और बिना जल के सूखे देश में उस ने तेरे लिये चकमक की चटान से जल निकाला, और तुझे जंगल में मान खिलाया कि तेरी परीक्षा करे। और न हो कि तू सोचने लगे कि यह संपत्ति मेरे ही सामर्थ्य और मेरे ही भुजबल से मुझे प्राप्त हुई।

पर तू अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण रखना कि वही है जो तुझे संपत्ति प्राप्त करने का सामर्थ्य देता है। यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा को बिसरा कर दूसरे देवताओं के पीछे हो ले और उन को दण्डवत करे तो मैं आज तुम को चिता देता हूं कि तुम निःसंदेह नाश हो जाओगे।

हे इस्राएल सुन आज तू यर्दन पार इस लिये जानेवाला है कि ऐसी जातियों को जो तुझ से बड़ी और सामर्थी हैं और ऐसे बड़े नगरों को जिन की शहरपनाह आकाश से बातें करती हैं अपने अधि-कार में ले। उन में बड़े बड़े और लम्बे लम्बे लोग अर्थात अनाकवंशी रहते हैं जिन का हाल तू जानता है और उन के विषय तू ने यह सुना है कि अनाक-वंशियों के साम्हने कौन ठहर सकता है। सो आज यह जान रख कि जो तेरे आगे भस्म करनेहारी आग की नाईं पार जानेहारा है वह तेरा परमेश्वर यहोवा है और वह उन का सत्यानाश करेगा।

जब तेरा परमेश्वर यहोवा उन्हें तेरे साम्हने से निकाल चुके तब यह न सोचना कि यहोवा मेरे धर्म्म के कारण मुझे इस देश का अधिकारी होने को ले आया है बरन उन जातियों की दुष्टता ही के कारण यहोवा उन को तेरे साम्हने से निकालता है। सो यह जान रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा जो तुझे वह अच्छा देश देता है कि तू उस का अधिकारी हो सो तेरे धर्म्म के कारण नहीं देता क्योंकि तू तो हठीली जाति है।

इस बात का स्मरण कर और कभी न भूल कि जंगल में तू ने किस किस रीति अपने परमेश्वर यहोवा को क्रोधित किया बरन जिस दिन से तू मिस्र देश से निकला जब लों तुम इस स्थान पर न पहुंचे तब लों तुम यहोवा से बलवा ही बलवा करते आये हो। जब मैं उस वाचा की पत्थर की पटियों को जो यहोवा ने तुम से बांधी थीं लेने के लिये पर्वत पर चढ़ गया तब चालीस दिन और चालीस रात पर्वत पर रहा मैं ने न तो रोटी खाई न पानी पिया। और चालीस दिन और चालीस रात के बीते पर यहोवा ने मुझ से कहा उठ यहां से झट नीचे जा क्योंकि तेरी प्रजा के लोग सो बिगड़ गये हैं उन्हों ने एक मूर्त्ति ढालकर बना लिई है। फिर यहोवा ने मुझ से कहा मैं ने उन लोगों को देखा कि वे हठीली जाति के हैं। सो अब मुझे मत रोक मैं उन्हें सत्या-नाश करूं और धरती पर से उन का नाम तक मिटा डालूं और उन से बढ़कर एक बड़ी और सामर्थी जाति तुझी से उत्पन्न करूं।

तब मैं घूमकर पर्वत से उतर चला और पर्वत आग से जल रहा था और मेरे दोनों हाथों में वाचा की दोनों पटियां थीं। और मैं ने देखा कि तुम ने

अपने परमेश्वर यहोवा के विरुद्ध पाप किया और एक बछड़ा ढालकर बना लिया जिस मार्ग पर चलने की आज्ञा यहोवा ने तुम को दिई थी उस को तुम ने झटपट छोड़ दिया था। सो मैं ने दोनों पटियों को अपने दोनों हाथों से लेकर फेंक दिया और वे तुम्हारे देखते टुकड़े टुकड़े हो गई। और मैं ने वह बछड़ा जिसे बनाकर तुम पापी हुए थे ले आग में डालकर फूंक दिया और पीस पीसकर चूर चूरकर डाला और उस नदी में फेंक दिया जो पर्वत से उतरी थी।

जिस दिन से मैं तुम्हें जानता हूं उस दिन से तुम यहोवा से बलवा करते आये हो। सो मैं यहोवा के साम्हने चालीस दिन और चालीस रात पड़ा रहा इस लिये कि यहोवा ने तुम्हें सत्यानाश करने को कहा था। और मैं ने यहोवा से यह प्रार्थना किई कि हे प्रभु यहोवा अपना प्रजारूपी निज भाग जिसे तू ने अपने प्रताप से छुड़ा लिया उसे नाश न कर। अपने दास इब्राहीम इसहाक और याकूब की सुधि कर और इन लोगों की कठोरता और दुष्टता और पाप पर चित्त न धर। न हो कि जिस देश से तू हम को निकाल ले आया है उस के लोग यह कहने लगें कि यहोवा जो उन्हें उस देश में जिस के देने का वचन उन को दिया था। पहुंचा न सका इसी से उस ने उन्हें जंगल में निकालकर मार डाला है। ये तेरी प्रजा और निज भाग हैं और इन को तू अपने बड़े सामर्थ्य और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा निकाल ले आया है।

यहोवा ने मेरी सुनी और तुझे नाश करने की मनसा छोड़ दिई। और अब हे इस्राएल तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ से इस को छोड़ क्या चाहता है कि तू अपने परमेश्वर यहोवा का भय माने उस के सारे मार्गों पर चले उस से प्रेम रक्खे और अपने सारे मन और सारे जीव से उस की सेवा करे। सुन स्वर्ग बरन सब से ऊंचा स्वर्ग भी और पृथिवी और उस में जो कुछ है सो सब तेरे परमेश्वर यहोवा ही का है। तौभी यहोवा ने तेरे पितरों से स्नेह और प्रेम रक्खा और उन के पीछे तुम लोगों को जो उन के वंश हो सारे देशों के लोगों में से चुन लिया जैसा कि आज के दिन है।

सो आगे को हठीले न हो। क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा वही ईश्वरों का परमेश्वर और प्रभुओं का प्रभु महान पराक्रमी और भययोग्य ईश्वर है जो किसी का पक्ष नहीं करता और न घूस लेता है। वह बपमूए और विधवा का न्याय चुकाता और परदेशियों से प्रेम करके उन्हें भोजन और वस्त्र देता है। सो तुम परदेशियों से प्रेम रखना क्योंकि तुम भी मिस्र देश में परदेशी थे। अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना उसी की सेवा करना उसी के बने रहना और उसी के नाम की किरिया खाना। वही तेरे स्तुति करने के योग्य है और वही तेरा परमेश्वर है जिस ने तेरे साथ वे बड़े और भयानक काम किये हैं जिन्हें तू ने अपनी आंखों से देखा है। तेरे पुरखा तो मिस्र जाने के समय सत्तर ही मनुष्य थे पर अब तेरे परमेश्वर यहोवा ने तेरी गिनती आकाश के तारों के समान बहुत कर दी है। सो तू अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखना और उस की विधियों नियमों और आज्ञाओं का नित्य पालन करना। सो तुम मेरे ये बचन अपने अपने मन और जीव में धारण किये रहना और चिन्हानी करके अपने हाथों पर बांधना। और तुम घर में बैठे मार्ग पर चलते लेटते उठते इन की चर्चा करके अपने लड़के बालों को सिखलाया करना। सो यदि तुम इन सब आज्ञाओं के मानने में जो मैं तुम्हें सुनाता हूं पूरी चौकसी करके अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रक्खो और उस के सारे मार्गों पर चलो और उस के बने रहो, तो यहोवा उन सब जातियों को तुम्हारे आगे से निकालेगा और तुम अपने से बड़ी और सामर्थी जातियों के अधिकारी हो जाओगे। जिस जिस स्थान पर तुम्हारे पांव पड़ें वे सब तुम्हारे हो जाएंगे अर्थात जंगल से लबानोन तक और परात नाम महानद से ले पश्चिम के समुद्र लों तुम्हारा सिवाना होगा। तुम्हारे साम्हने कोई भी खड़ा न रह सकेगा क्योंकि जितनी भूमि पर तुम्हारे पांव पड़ें उस सब पर रहनेहारों के मन में तुम्हारा परमेश्वर यहोवा अपने बचन के अनुसार तुम्हारे कारण डर और थरथराहट उपजाएगा।

सुनो मैं आज के दिन तुम को आशीष और स्राप दोनों दिखाता हूं। अर्थात यदि तुम अपने

परमेश्वर यहोवा का इन आज्ञाओं को जो मैं आज तुम्हें सुनाता हूं मानो तो तुम पर आशीष होगी। और यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को न मानो और जिस मार्ग की आज्ञा मैं आज सुनाता हूं उसे छोड़कर दूसरे देवताओं के पीछे हो लो जिन्हें तुम नहीं जानते तो तुम पर स्राप पड़ेगा। यदि तेरे बीच कोई नबी वा स्वप्न देखनेहारा प्रगट होकर तुझे कोई चिन्ह वा चमत्कार दिखाए, और तुझ से कहे कि आओ हम पराये देवताओं के पीछे होकर उपासना करें तौभी तू उस नबी वा स्वप्न देखनेहारे के बचन पर कान न धरना क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारी परीक्षा लेगा इस लिये कि जान ले कि ये मुझ से अपने सारे मन और सारे जीव के साथ प्रेम रखते हैं वा नहीं। तुम अपने परमेश्वर यहोवा के पीछे चलना और उस का भय मानना और उस की आज्ञाओं पर चलना और उस का बचन मानना और उस की सेवा करना और उस के बने रहना। और ऐसा नबी वा स्वप्न देखनेहारा मार डाला जाए। इस रीति तू अपने बीच में से ऐसी बुराई को दूर करना।

यदि तेरा सगा भाई वा बेटा वा बेटी वा तेरी अर्द्धांगिन वा प्राणप्रिय तेरा कोई मित्र निराले में तुझको यह कहकर फुसलाने लगे कि आओ हम दूसरे देवताओं की उपासना करें तो उस की न मानना बरन उस की न सुनना और न उस पर तरस खाना न कोमलता दिखाना न उस को छिपा रखना। उस को अवश्य घात करना। उस पर ऐसा पत्थरवाह करना कि वह मर जाए क्योंकि उस ने तुझ को तेरे उस परमेश्वर यहोवा की ओर से जो तुझ को दासत्व के घर अर्थात मिस्र देश से निकाल लाया है बहकाने का यत्न किया है। तुम अपने परमेश्वर यहोवा के पुत्र हो सो मुए हुओं के कारण न तो अपना शरीर चीरना और न भौंहों के बाल मुंड़ाना। क्योंकि तू अपने परमेश्वर यहोवा के लिये एक पवित्र समाज है और यहोवा ने तुझ को पृथिवी भर के सब देशों के लोगों में से अपना निज धन होने के लिये चुन लिया है।

यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की सब आज्ञाएं चौकसी से पूरी करने को चित्त लगाकर उस की सुने तो वह तुझे पृथिवी की सब जातियों में श्रेष्ठ करेगा। ये सब आशीर्वाद तुझ पर पूरे होंगे। धन्य हो तू नगर में धन्य हो तू खेत में, धन्य हो तेरी सन्तान और तेरी भूमि की उपज और गाय और भेड़ बकरी आदि पशुओं के बच्चे, धन्य हो तेरी टोकरी और तेरी कठौती, धन्य हो तू भीतर आते धन्य हो तू बाहर जाते।

यहोवा ऐसा करेगा कि तेरे शत्रु जो तुझ पर चढ़ाई करेंगे सो तुझ से हार जाएंगे वे एक मार्ग से तुझ पर चढ़ाई करेंगे पर तेरे साम्हने से सात मार्ग होकर भाग जाएंगे। तेरे खत्तों पर और जितने कामों में तू हाथ लगाएगा उन सभों पर यहोवा आशीष देगा सो जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में वह तुझे आशीष देगा। वह तुझे अपनी पवित्र प्रजा करके स्थिर रखेगा। सो पृथिवी के देश देश के लोग यह देखकर कि तू यहोवा का कहलाता है तुझ से डर जाएंगे। और जिस देश के विषय यहोवा ने तेरे पितरों से किरिया खाकर तुझ को देने कहा था उस में वह तेरे सन्तान भूमि की उपज और पशुओं की बढ़ती करके तेरी भलाई करेगा। यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोल कर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा सो तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा पर किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा।

परन्तु यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की न सुने और उस की सारी आज्ञाओं और विधियों के पालने में जो मैं आज तुझे सुनाता हूं चौकसी न करे तो ये सब स्राप तुझ पर पड़ेंगे। तेरे बेटे बेटियां दूसरे देश के लोगों के हाथ लग जाएंगी और उन के लिये चाव से देखते देखते तेरी आंखें रह जाएंगी और तेरा कुछ बस न चलेगा। तू खेत में बीज तो बहुत सा ले जाएगा पर उपज थोड़ी ही बटोरेगा क्योंकि टिड्डियां उसे खा जाएंगी। तू दाख की बारियां लगाकर उन में काम तो करेगा पर उन की दाख का मधु पीने न पाएगा बरन फल भी तोड़ने न पाएगा क्योंकि कीड़े उन को खा जाएंगे। तेरे सारे देश में जलपाई के वृक्ष तो होंगे पर उनका तेल तू अपने शरीर में लगाने न पाएगा क्योंकि वे

झड़ जाएंगे। तेरे बेटे बेटियां तो उत्पन्न होंगे पर तेरे रहेंगे नहीं क्योंकि वे बन्धुआई में चले जाएंगे। तेरे सारे वृक्ष और तेरी भूमि की उपज टिड्डियां खा जाएंगी। जो परदेशी तेरे बीच रहेगा सो तुझ से बढ़ता जाएगा और तू आप घटता चला जाएगा। तू जो सब पदार्थ की बहुतायत होने पर आनन्द और प्रसन्नता के साथ अपने परमेश्वर यहोवा की सेवा न करता रहेगा, इस कारण तुझ को भूखा प्यासा नंगा और सब पदार्थों से रहित होकर अपने शत्रुओं की सेवा करनी पड़ेगी और जब लों तू नाश न हो जाए तब लों वह तेरी गर्दन पर लोहे का जूआ डाल रखेगा।

यहोवा तेरे विरुद्ध दूर से वरन पृथिवी की छोर से वेग उड़नेहारे उकाब सी एक जाति को चढ़ा लाएगा जिस की भाषा तू न समझेगा। उस जाति के लोगों की चेष्टा क्रूर होगी वे न तो बूढ़ों का मुंह देखकर आदर करेंगे न बालकों पर दया करेंगे। और वे तेरे पशुओं के बच्चे और भूमि की उपज यहां लों खा जाएंगे कि तू नाश हो जाएगा। और तू जो अपने परमेश्वर यहोवा की न मानेगा इस कारण आकाश के तारों के समान अनगिनित होने की सन्ती तुझ में से थोड़े ही मनुष्य रह जाएंगे। और यहोवा तुझ को पृथिवी की इस छोर से ले उस छोर लों के सब देशों के लोगों में तितर बितर करेगा और उन जातियों में तू कभी चैन न पायेगा न तेरे पांव को ठिकाना मिलेगा क्योंकि वहां यहोवा ऐसा करेगा कि तेरा हृदय कांपता रहेगा और तेरी आंखें धुन्धली पड़ जाएंगी और तेरा मन कलपता रहेगा। और तुझ को जीवन का नित्य सन्देह रहेगा और तू दिन रात थरथराता रहेगा और तेरे जीवन का कुछ भरोसा न रहेगा। तू भोर को आह मारके कहेगा कि सांझ कब होगी और सांझ को आह मारके कहेगा कि भोर कब होगा। और यहोवा तुझ को मिस्र में लौटा देगा और वहां तुम, अपने शत्रुओं के हाथ दास दासी होने के लिये बिकाऊ तो रहोगे पर तुम्हारा कोई गाहक न होगा।

देखो यह जो आज्ञा मैं आज तुझे सुनाता हूं सो न तो तेरे लिये अनोखी और न दूर है। न तो यह आकाश में है कि तू कहे कौन हमारे लिये आकाश में चढ़ उसे हमारे पास ले आए और हम को सुनाए कि हम उसे मानें। और न यह समुद्र पार है कि तू कहे कौन हमारे लिये समुद्र पार जा उसे हमारे पास ले आए और हम को सुनाए कि हम उसे मानें। पर यह वचन तेरे बहुत निकट वरन तेरे मुंह और मन ही में है सो तू इस पर चल सकता है। सुन आज मैं ने तुझ को जीवन और मरण हानि और लाभ दिखाया है। मैं आज आकाश और पृथिवी दोनों को तुम्हारे साम्हने इस बात के साक्षी करता हूं कि मैं ने जीवन और मरण आशीष और स्राप तुझ को दिखा दिये हैं सो जीवन ही को अपनाले कि तू और तेरा वंश दोनों जीते रहें। सो अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखना और उस की मानना और उस का बना रहना क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घायु वही है।

मूसा के पिछले दिन।

(व्यवस्थाविवरण ३१)

ये ही बातें मूसा ने सब इस्राएलियों से जाकर कहीं। और उस ने उन से यह भी कहा कि आज मैं एक सौ बीस बरस का हुआ हूं और अब मैं आने जाने न पाऊंगा क्योंकि यहोवा ने मुझ से कहा है कि तू इस यर्दन पार जाने न पाएगा। तेरे आगे पार जानेहारा तेरा परमेश्वर यहोवा है। और यहोवा के कहे के अनुसार यहोशू तेरे आगे पार जाएगा। हियाव बांधो और दृढ़ हो उन से न तो डरो और न त्रास खाओ क्योंकि तेरे संग चलनेहारा तेरा परमेश्वर यहोवा है वह तुझ को धोखा न देगा और न छोड़ेगा।

तब मूसा ने यहोशू को बुलाकर सब इस्राएलियों के सन्मुख कहा हियाव बांध और दृढ़ हो क्योंकि इन लोगों के संग उस देश में जिसे यहोवा ने इन के पितरों से किरिया खाकर देने को कहा था तू जाएगा और तू उसे इन का भाग कर देगा। और आगे आगे चलनेहारा यहोवा है वह तेरे संग रहेगा और न तो तुझे धोखा देगा न छोड़ देगा सो मत डर और तेरा मन कच्चा न हो।

फिर यहोवा ने मूसा से कहा तेरे मरने का दिन निकट है सो यहोशू को बुलवा और तुम दोनों मिलापवाले तम्बू में आकर हाजिर हो कि मैं उस को आज्ञा दूं। तब यहोवा ने उस तंबू में बादल के खंभे में होकर दर्शन दिया और बादल का खंभा तंबू के द्वार पर ठहर गया। तब यहोवा ने मूसा से कहा तू तो अपने पुरखाओं के संग सो जाने पर है और ये लोग उठकर उस देश के बिराने देवताओं के पीछे जिन के बीच वे जाकर रहेंगे हो लेंगे और मुझे त्यागकर उस वाचा को जो मैं ने उनसे बांधी है तोड़ेंगे। उस समय मेरा कोप इन पर भड़केगा और मैं भी इन्हें त्यागकर इन से अपना मुंह छिपा लूंगा। सो अब तुम यह गीत लिख लो और तू इसे इस्राएलियों को सिखाकर कंठ करा दे इस लिये कि यह गीत उन के विरुद्ध मेरा साक्षी ठहरे। जब बहुत सी विपत्तियां और क्लेश इन पर आ पड़ेंगे तब यह गीत इन पर साक्षी देगा क्योंकि यह इन के वंश को न बिसर जाएगा।

हियाव बांध और दृढ़ हो।

सो मूसा ने उसी दिन यह गीत लिखकर इस्राएलियों को सिखाया। और उस ने नून के पुत्र यहोशू को यह आज्ञा दिई कि हियाव बांध और दृढ़ हो क्योंकि इस्राएलियों को उस देश में जिसे उन्हें देने को मैं ने उन से किरिया खाई है तू पहुंचाएगा और मैं आप तेरे संग रहूंगा।

जब मूसा इस व्यवस्था के वचन आदि से अन्त लों पुस्तक में लिख चुका, तब उस ने यहोवा के सन्दूक उठानेहारे लेवीयों को आज्ञा दिई कि, व्यवस्था की इस पुस्तक को लेकर अपने परमेश्वर यहोवा की वाचा के सन्दूक के पास रख दो कि यह वहां तुझ पर साक्षी देती रहे। क्योंकि तेरा बलवा और हट मुझे मालूम है देखो मेरे जीते और संग रहते भी तुम यहोवा से बलवा करते आये हो फिर मेरे मरने के पीछे क्यों न करोगे। सो अपने गोत्रों के सब पुरनियों को और अपने सरदारों को मेरे पास एकट्ठे करो कि मैं उन को ये वचन सुनाकर उन के विरुद्ध आकाश और पृथिवी दोनों को साक्षी करूं। क्योंकि मुझे मालूम है कि मेरे मरने के पीछे तुम बिलकुल बिगड़ जाओगे और जिस मार्ग में चलने की आज्ञा मैं ने तुम को सुनाई है उस को तुम छोड़ दोगे।

मूसा का प्रसिद्ध गीत।

(व्यवस्थाविवरण ३२)

तब मूसा ने इस्राएल की सारी सभा को इस गीत के वचन आदि से अन्त लों सुनाये।

हे आकाश कान लगा कि मैं बोलूं और हे पृथिवी मेरे मुंह की बातें सुन।
मेरा उपदेश मेंह की नाईं बरसेगा और मेरी बातें ओस की नाईं टपकेंगी
जैसे कि हरी घास पर झींसी
और पौधों पर झाड़ियां।
मैं तो यहोवा नाम का प्रचार करूंगा तुम अपने परमेश्वर की महिमा को मानो।
वह चटान है उस का काम खरा है
और उस की सारी गति न्याय की है वह सच्चा ईश्वर है उस में कुटिलता नहीं वह धर्म्मी और सीधा है।
पर इस जाति के लोग टेढ़े और तिर्छे हैं ये बिगड़ गये।
हे मूढ़ और निर्बुद्धि लोगो
क्या तुम यहोवा को यह बदला देते हो
क्या वह तेरा पिता नहीं है जिस ने तुझ को मोल लिया है
उस ने तुझ को बनाया और स्थिर भी किया है।
प्राचीनकाल के दिनों को स्मरण कर
पीढ़ी पीढ़ी के बरसों को बिचारो
अपने बाप से पूछ और वह तुझे बताएगा
अपने पुरनियों से और वे तुझ से कह देंगे।
जब परमप्रधान ने एक एक जाति का निज निज भाग बांट दिया
और आदमियों को अलग बसाया
तब उस ने देश देश के लोगों के सिवाने

इस्राएलियों की गिनती बिचारके ठहराये।
क्योंकि यहोवा का अंश उस की प्रजा है
याकूब उस का नपा हुआ निज भाग है।
उस ने उस को जंगल में
और सुनसान और गरजनेहारों से भरी हुई मरुभूमि में पाया
उस ने उस की चारों ओर रहकर उस की सुधि रक्खी
और अपनी आंख की पुतली की नाईं उस की रक्षा किई।
जैसे उकाब अपने घोंसले को हिला हिलाकर अपने बच्चों के ऊपर ऊपर मण्डलाता है वैसे ही उस ने अपने पंख फैलाकर
उस को अपने परों पर उठा लिया।
यहोवा अकेले ही उस की अगुवाई करता रहा
और उस के संग कोई पराया देवता न था।
उस ने उस को पृथिवी के ऊंचे ऊंचे स्थानों पर असवार करा
खेतों की उपज खिलाई
उस ने उसे ढांग में से मधु
और चकमक की चटान में से तेल चाटने दिया।
परन्तु यशूरून मोटा होकर लात मारने लगा तब उस ने अपने कर्त्ता ईश्वर को तजा
और अपने उद्धारमूल चटान को तुच्छ जाना।
उन्हों ने पराये देवताओं को मानकर उस में जलन उपजाई
और घिनौने काम करके उस को रिस दिलाई।
उन्हों ने पिशाचों के लिये बलि चढ़ाये जो
उन के अनजाने देवता थे वे नये देवता थे
जिन का भय उन के पुरखा न मानते थे।
जिस चटान से तू उत्पन्न हुआ उस को तू ने बिसराया
और ईश्वर जिस से तेरी उत्पत्ति हुई उस को तू भूल गया है।
इसे देखकर यहोवा ने उन्हें कहा मैं उन से अपना मुख छिपा लूंगा
और देखूंगा उन का कैसा अन्त होगा
क्योंकि इस जाति के लोग बहुत टेढ़े हैं
और धोखा देनेहारे पुत्र हैं।
उन्हों ने ऐसी वस्तु मानकर जो ईश्वर नहीं है मुझ में जलन उपजाई
और अपनी व्यर्थ वस्तुओं के द्वारा मुझे रिस दिलाई
सो मैं भी उन के द्वारा जो मेरी प्रजा नहीं हैं उन के मन में जलन उपजाऊंगा
और एक मूढ़ जाति के द्वारा उन्हें रिस दिलाऊंगा।
क्योंकि मेरे कोप की आग जल उठी है
और उस से पृथिवी भस्म हो जाएगी
और पहाड़ों की नेवें भी उस से जल जाएंगी।
मैं उन पर विपत्ति पर विपत्ति डालूंगा
उन पर मैं अपने सब तीर छोड़ूंगा।
वे भूख से दुबले हो जाएंगे और अंगारों से और कठिन महा रोगों से ग्रस जाएंगे
मैं उन पर पशुओं के दान्त लगवाऊंगा
और धूलि पर रेंगनेहारे सर्पों का विष।
मैं ने कहा था कि मैं उन को दूर तक तितर बितर करूंगा
और मनुष्यों में से उन का स्मरण मिटा दूंगा।
पर मैं शत्रुओं के छेड़ने से डरता हूं
ऐसा न हो कि द्रोही इस को उलटा समझकर कहने लगें कि हम अपने ही बाहुबल से प्रबल हुए
और यह सब यहोवा से नहीं हुआ।
यह जाति युक्तहीन तो है
और इन में समझ है ही नहीं।
भला होता कि ये बुद्धिमान होकर इस को समझ लेते
और अपने अंत का विचार करते।
यदि उन की चटान उन को न बेंचती
और यहोवा उन को औरों के हाथ में न कर देता तो यह क्योंकर हो सकता कि उन के हजार का पीछा एक करे
और उन के दस हजार को दो भगाएं।
क्योंकि जैसी हमारी चटान है वैसी उन की चटान नहीं है
यह हमारे शत्रुओं का भी विचार है।
उन का दाखमधु सांपों का सा विष और काले नागों का सा हलाहल है।

क्या यह बात मेरे मन में संचित
और मेरे भंडारों में मुहरबन्द नहीं है।
पलटा लेना और बदला देना मेरा ही काम है
यह उन के पांव फिसलने के समय प्रगट
होगा क्योंकि उन की विपत्ति का दिन
निकट है और जो दुःख उन पर पड़नेहारे
हैं सो शीघ्र आ रहे हैं।
क्योंकि जब यहोवा देखेगा कि मेरी प्रजा की
शक्ति जाती रही
और क्या बन्धुआ क्या स्वाधीन उन में कोई
बचा नहीं रहा
तब वह उन का विचार करेगा
और अपने दासों के विषय पछताएगा।
तब वह कहेगा उन के देवता कहां रहे
अर्थात जिस चटान की शरण वे लेते थे।
वे उठकर तुम्हारी सहायता करें
और तुम्हारी आड़ हों।
अब देखो कि मैं ही हूं
और मेरे संग कोई देवता नहीं
मैं मार डालता और मैं जिलाता भी हूं
मैं घायल करता और मैं चंगा भी करता हूं और
मेरे हाथ से कोई नहीं छुड़ा सकता।
मैं अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाकर कहता हूं
अपने सनातन जीवन की सोंह,
यदि मैं बिजली की तलवार पर सान धरकर
लपकाऊं
और अपना हाथ न्याय करने में लगाऊं
तो अपने द्रोहियों से पलटा लूंगा
और अपने बैरियों को बदला दूंगा।
हे अन्यजातियो उस की प्रजा के कारण जयजय-
कार करो
क्योंकि वह अपने दासों का पलटा लेगा और
अपने द्रोहियों को बदला देगा
और अपने देश और अपनी प्रजा का पाप ढांप
देगा।

कनान देश।

(व्यवस्थाविवरण ३२ : ४५)

जब मूसा ये सब वचन सब इस्राएलियों से कह चुका, तब उस ने उन से कहा कि जितनी बातें मैं आज तुम से चिताकर कहता हूं उन सब पर अपना अपना मन लगाओ और उन के अर्थात इस व्यवस्था की सारी बातों के मानने में चौकसी करने की आज्ञा अपने लड़केबालों को दो। क्योंकि यह तुम्हारे लिये व्यर्थ काम नहीं तुम्हारा जीवन ही है और ऐसा करने से उस देश में तुम्हारे दिन बहुत होंगे जिस के अधिकारी होने को तुम यर्दन पार जाने पर हो।

फिर उसी दिन यहोवा ने मूसा से कहा, उस अबारीम पहाड़ की नबो नाम चोटी पर जो मोआब देश में यरीहो के साम्हने है चढ़कर कनान देश जिसे मैं इस्राएलियों की निज भूमि कर देता हूं उस को देख ले। तब जैसा तेरा भाई हारून होर पहाड़ पर मरके अपने लोगों में मिल गया वैसा ही तू इस पहाड़ पर चढ़कर मरेगा और अपने लोगों में मिल जाएगा। इस का कारण यह है कि सीन जंगल में कादेश के मरीबा नाम सोते पर तुम दोनों ने मेरा अपराध किया कैसे कि इस्राएलियों के बीच मुझे पवित्र न ठहराया। सो वह देश जो मैं इस्राएलियों को देता हूं तू साम्हने देखेगा पर वहां जाने न पाएगा।

इस्राएलियों का आशीर्वाद।

(व्यवस्थाविवरण ३३)

जो आशीर्वाद परमेश्वर के जन मूसा ने मरने से पहिले इस्राएलियों को दिया सो यह है।

उस ने कहा
यहोवा सीनै से आया
और सेईर से उन के लिये उदय हुआ

उस ने पारान पर्वत पर से अपना तेज दिखाया
और लाखों पवित्रों के बीच से आया
उस के दहिने हाथ से उन की ओर आग निकली।
वह देश देश के लोगों से भी प्रेम रखता है।
रूबेन न मरे जीता रहे
पर उस के यहां के मनुष्य थोड़े हों।
और यहूदा पर यह आशीर्वाद हुआ मूसा ने कहा
हे यहोवा यहूदा की सुन
और उसे उस के लोगों के पास पहुंचा
वह उन के लिये हाथ से लड़ा
और तू उस के द्रोहियों के विरुद्ध उस की सहायता कर।
फिर लेवी के विषय उस ने कहा
हे यहोवा उस की संपत्ति पर आशीष दे
और उस के हाथ के काम से प्रसन्न हो
उस के विरोधियों और बैरियों की कमर पर ऐसा मार
कि वे फिर न उठ सकें।
फिर उस ने बिन्यामीन के विषय कहा
यहोवा का वह प्रिय जन उस के पास निडर बास करेगा।
और वह दिन भर उस पर छाया करेगा
और वह उस के कंधों के बीच रहा करेगा।
फिर यूसुफ के विषय में उस ने कहा
इस का देश यहोवा से आशीष पाए
अर्थात आकाश के अनमोल पदार्थ और ओस
और नीचे पड़ा हुआ गहिरा जल,
और जो अनमोल पदार्थ सूर्य्य के उपजाये प्राप्त होते
और जो अनमोल पदार्थ चंद्रमा के उगाये उगते हैं,
और प्राचीन पहाड़ों के उत्तम पदार्थ
और सनातन पहाड़ियों के अनमोल पदार्थ,
और पृथिवी और जो अनमोल पदार्थ उस में भरे हैं
और जो झाड़ी में रहा था उस की प्रसन्नता।
फिर जबूलून के विषय उस ने कहा
हे जबूलून तू निकलते समय
और हे इस्साकार तू अपने डेरों में आनन्द करे।
वे देश देश के लोगों को पहाड़ पर बुलाएंगे
वे वहां धर्म्म से यज्ञ करेंगे
क्योंकि वे समुद्र का धन
और बालू में छिपे हुये अनमोल पदार्थ भोगेंगे।

अनादि परमेश्वर तेरा शरण है।

(व्यवस्थाविवरण ३३ : २२)

फिर गाद के विषय उस ने कहा
धन्य वह है जो गाद को बढ़ाता है
गाद तो सिंहनी के समान रहता।
फिर दान के विषय उस ने कहा
दान तो बाशान से कूदनेहारा सिंह का डांवरू है।
फिर नप्ताली के विषय उस ने कहा
हे नप्ताली तू जो यहोवा की प्रसन्नता से तृप्त
और उस की आशीष से भरपूर है
तू पच्छिम और दक्खिन के देश का अधिकारी होए।
फिर आशेर के विषय उस ने कहा
आशेर पुत्रों के विषय आशीष पाए
वह अपने भाइयों में प्रिय रहे
और अपना पांव तेल में बोरा करे।
तेरे बेड़े लोहे और पीतल के होएं
और तू अपने जीवन भर चैन से रहे।
हे यशूरून ईश्वर के तुल्य कोई नहीं है
वह तेरी सहायता करने को आकाश पर
और अपना प्रताप दिखाता हुआ आकाशमण्डल पर सवार होकर चलता है।
अनादि परमेश्वर तेरा धाम है
और तेरे नीचे सनातन भुजाएं हैं।
सो इस्राएल निडर बसा रहता है
हे इस्राएल तू क्या ही धन्य है
हे यहोवा से उद्धार पाई हुई प्रजा तेरे तुल्य कौन है।

मूसा मोआब के अराबा से नबो पहाड़ पर जो पिसगा की एक चोटी और यरीहो के साम्हने है चढ़ गया और यहोवा ने उस को दान लों का गिलाद नाम सारा देश, और नप्ताली का सारा देश और एप्रैम और मनश्शे का देश और पच्छिम के समुद्र लों का यहूदा का सारा देश, और दक्खिन देश और सोअर लों की यरीहो नाम खजूरवाले नगर की तराई यह सब दिखाया। तब यहोवा ने उस से कहा जिस देश के विषय में मैं ने इब्राहीम इसहाक और याकूब से किरिया खाकर कहा था कि मैं इसे तेरे वंश को दूंगा वह यही है मैं ने इस को तुझे साक्षात दिखा दिया है पर तू पार होकर वहां न जाने पाएगा।

मूसा की मृत्यु।

(व्यवस्थाविवरण ३४)

सो यहोवा के कहने के अनुसार उस का दास मूसा वहीं मोआब के देश में मर गया। और उस ने उसे मोआब के देश में बेतपोर के साम्हने एक तराई में मिट्टी दिई और आज के दिन लों कोई नहीं जानता कि उस की कबर कहां है। मूसा मरने के समय एक सौ बीस बरस का था पर न तो उस की आंखें धुन्धली पड़ीं और न उस का पौरुष घटा था।

और इस्राएली मोआब के अराबा में मूसा के लिये तीस दिन रोते रहे तब मूसा के लिये रोने और बिलाप करने के दिन पूरे हुए।

और नून का पुत्र यहोशू बुद्धि देनेहारे आत्मा से परिपूर्ण था क्योंकि मूसा ने अपने हाथ उस पर टेके थे सो इस्राएली उस आज्ञा के अनुसार जो यहोवा ने मूसा को दिई थी उस को मानते रहे।

और मूसा के तुल्य इस्राएल में और कोई नबी नहीं उठा कि यहोवा ने उस से आम्हने साम्हने बात किई, और उस को यहोवा ने फिरौन और उस के सब कर्म्मचारियों के साम्हने और उस के सारे देश में सब चिन्ह और चमत्कार करने को भेजा, और उस ने सारे इस्राएलियों की दृष्टि में बलवन्त हाथ और बड़ा भय दिखाया।

चौथा अध्याय।

कनान देश की चन्द कहानियां।

इस्राएली लोग अब उस देश में पहुंच गये जिसे देने का परमेश्वर ने वचन दिया था। मूसा के पीछे यहोशू उनका अगुवा हुआ और वे कनान देश के रहने वालों से जीत पाकर वहां आप रहने लगे।

मिस्र देश से निकलने के समय से उस काल तक जब कि इस्राएलियों का राज्य स्थापित हो गया था न्यायिओं ने उन पर अधिकार रखा। उन दिनों में उनके गोत्र अलग रहे इस लिये वे कमज़ोर रहे तब उन्हों ने एक राजा चुन लिया कि वह सब घरानों के ऊपर राज करे।

इस भाग में कनान देश की तीन कहानियां हैं जो बहुत देशों में सुनाई जाती हैं। जिदाऊन की कहानी जो कि स्वदेश भक्त था—समसून की जो बलवान पुरुष था और रूत और नाओमी की जो बहुत ही मनोरंजक कहानियां हैं और जो हमें कनान देश के उन दिनों के लोगों के दस्तूर बताती हैं।

रूत के बयान से हम देखते हैं कि लोग परमेश्वर के विषय में कुछ और सीखने लगे। रूत इस्राएली न थी पर मोआबी थी तौभी वह दाऊद की परदादी हुई जो परमेश्वर का चुना हुआ राजा था। इस से यह बात लोगों के मन में आई कि परमेश्वर एक ही घराने या एक ही जाती का नहीं परन्तु मनुष्य जाती का पिता है।

इस्राएलियों का यर्दन पार जाना।

(यहोशू १)

यहोवा के दास मूसा के मरने के पीछे यहोवा ने उस के टहलुए यहोशू से कहा, मेरा दास मूसा मर गया है सो अब तू कमर बांध और इस सारी प्रजा समेत यर्दन पार होकर उस देश को जा जो मैं इसे अर्थात इस्राएलियों को देता हूं। जिस जिस स्थान पर तुम पांव धरोगे वे सब मैं तुम्हें दे देता हूं। जङ्गल और उस लबानोन से ले परात महानद लों और सूर्य्यास्त की ओर महा समुद्र लों हित्तियों का सारा देश तुम्हारा भाग ठहरेगा। तेरे जीवन भर कोई तेरे साम्हने ठहर न सकेगा जैसे मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे भी संग रहूंगा न तो मैं तुझे धोखा दूंगा और न तुझ को छोड़ दूंगा। सो हियाव बांधकर दृढ़ हो क्योंकि इस देश के अधिकारी तू लोगों को करेगा। इतना हो कि तू हियाव बांधकर और बहुत दृढ़ होकर जो व्यवस्था मेरे दास मूसा ने तुझे दिई है उस सब के अनुसार करने में चौकसी करना और उस से न तो दहिने मुड़ना और न बाएं इस से जहां जहां तू जाए वहां वहां तेरा काम सुफल होगा। व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरे इस में दिन रात ध्यान दिये रहना इस लिये कि जो कुछ उस में लिखा है उस के अनुसार करने की तू चौकसी करे क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सुफल होंगे और तू सुभागी होगा। क्या मैं ने तुझे आज्ञा नहीं दिई हियाव बांधकर दृढ़ हो त्रास न खा और तेरा मन कच्चा न हो क्योंकि जहां जहां तू जाए वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।

तब यहोशू ने प्रजा के सरदारों को यह आज्ञा दिई कि, छावनी में इधर उधर जाकर प्रजा के लोगों को यह आज्ञा दो कि अपने अपने लिये भोजन तैयार कर रक्खो क्योंकि तीन दिन के भीतर तुम उस यर्दन पार उतरके वह देश अपने अधिकार में लेने को जाओगे।

तब उन्हों ने यहोशू को उत्तर दिया कि जो कुछ तू ने हमें करने की आज्ञा दिई है वह हम करेंगे और जहां कहीं तू हमें भेजे वहां हम जाएंगे। जैसे हम सब बातों में मूसा की मानते थे वैसे ही तेरी भी माना करेंगे इतना हो कि तेरा परमेश्वर यहोवा जैसा मूसा के संग रहता था वैसे ही तेरे संग भी रहे। कोई क्यों न हो जो तेरे विरुद्ध बलवा करे और जितनी आज्ञाएं तू दे उन को न माने वह मार डाला जाएगा पर तू दृढ़ और हियाव बांधे रह।

भेदियों का यरीहो को जाना।

(यहोशू २)

तब यहोशू ने दो भेदियों को चुपके भेज दिया और उन से कहा जाकर उस देश और यरीहो को देखो सो वे चल दिये और राहाब के घर में जाकर सो गये। तब किसी ने यरीहो के राजा से कहा आज की रात कई एक इस्राएली हमारे देश का भेद लेने को यहां आये हैं। तब यरीहो के राजा ने राहाब के पास यों कहला भेजा कि जो पुरुष तेरे यहां आये हैं उन्हें बाहर ले आ क्योंकि वे सारे देश का भेद लेने को आये हैं।

उस स्त्री ने दोनों पुरुषों को छिपा रक्खा और यों कहा कि मेरे पास कई पुरुष आये तो थे पर मैं नहीं जानती कहां के हैं। और जब अंधेरा हुआ और फाटक बन्द होने लगा तब वे निकल गये मुझे मालूम नहीं कि वे कहां गये तुम फुर्ती करके उन का पीछा करो तो उन्हें जा लोगे।

उस ने उन को घर की छत पर चढ़ा ले जाकर सनई में छिपा दिया था जो उस ने छत पर सजा रक्खी थी। ज्यों खोजनेहारे फाटक से निकले त्यों ही फाटक बन्द किया गया। और ये लेटने न पाये कि वह स्त्री छत पर इन के पास जाकर, इन पुरुषों से कहने लगी मुझे तो निश्चय है कि यहोवा ने तुम लोगों को यह देश दिया है और तुम्हारा त्रास हम लोगों के मन में समाया है और इस देश के सब निवासी तुम्हारे कारण घबरा रहे हैं। क्योंकि हम ने सुना है कि यहोवा ने तुम्हारे मिस्र से निक-

लने के समय तुम्हारे साम्हने लाल समुद्र का जल सुखा दिया और तुम लोगों ने सीहोन और ओग को सत्यानाश कर डाला है। और यह सुनते ही हमारा मन पिघल गया और तुम्हारे कारण किसी के जी में जी न रहा क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा ऊपर के आकाश में और नीचे की पृथिवी में परमेश्वर है। सो अब मैंने जो तुम पर दया किई है इस लिये मुझ से यहोवा की किरिया खाओ कि हम भी तेरे पिता के घराने पर दया करेंगे और हम तेरे माता पिता भाइयों और बहिनों को और उन के जितने हैं उन सभों को भी जीते रख छोड़ेंगे और तुम सभों का प्राण मरने से बचाएंगे।

तब उन पुरुषों ने उस से कहा जब यहोवा हम को यह देश देगा तब हम तेरे साथ कृपा और सच्चाई से बर्ताव करेंगे। तब राहाब जिस का घर शहरपनाह पर बना था उस ने उन को खिड़की से रस्सी के बल उतारके नगर के बाहर कर दिया। और उस ने उन से कहा पहाड़ को चले आओ ऐसा न हो कि खोजनेहारे तुम को पाएं सो जब लों तुम्हारे खोजनेहारे लौट न आएं तब लों अर्थात तीन दिन वहीं छिपे रहना उस के पीछे अपना मार्ग लेना।

खिड़की में लाल डोरी।

(यहोशू २ : १८-३, ५)

उन पुरुषों ने उस से कहा सुन जब हम लोग इस देश में आएंगे तब जिस खिड़की से तू ने हम को उतारा है उस में यही लाही रंग के सूत की डोरी बांध देना और अपने माता पिता भाइयों बरन अपने पिता के सारे घराने को इसी घर में अपने पास इकट्ठा कर रखना। तब जो कोई तेरे घर के द्वार से बाहर निकले उस के खून का दोष उसी के सिर पड़ेगा और हम निर्दोष ठहरेंगे पर यदि तेरे संग घर में रहते हुए किसी पर किसी का हाथ पड़े तो उस के खून का दोष हमारे सिर पड़ेगा। उस ने कहा तुम्हारे वचनों के अनुसार हो तब वे चले गये और उस ने लाही रंग की डोरी को खिड़की में बांध दिया।

और वे जाकर पहाड़ पर पहुंचे और वहां तीन दिन रहे और यहोशू के पास पहुंचकर जो कुछ उन पर बीता था उस का बखान किया। और उन्हों ने यहोशू से कहा निःसंदेह यहोवा ने वह सारा देश हमारे हाथ में कर दिया है फिर इस के सिवाय उस के सारे निवासी हमारे कारण घबरा रहे हैं।

बिहान को यहोशू सवेरे उठा और सब इस्राएलियों को साथ ले शित्तीम से कूच कर यर्दन के तीर आया और वे पार उतरने से पहिले वहीं टिक गये।

तीन दिन के बीते पर सरदारों ने छावनी के बीच जाकर प्रजा के लोगों को यह आज्ञा दिई कि जब तुम को अपने परमेश्वर यहोवा की वाचा का सन्दूक देख पड़े तब अपने स्थान से कूच करके उस के पीछे पीछे चलना। पर उस के और तुम्हारे बीच में अन्तर रहे तुम सन्दूक के निकट न आना कि तुम देख सको कि किस मार्ग से चलना होगा क्योंकि अब लों तुम उस मार्ग पर होकर नहीं चले। फिर यहोशू ने प्रजा के लोगों से कहा अपने अपने को पवित्र कर रक्खो क्योंकि कल यहोवा तुम्हारे बीच आश्चर्य्य कर्म्म करेगा। तब यहोशू ने याजकों से कहा वाचा का सन्दूक उठाकर प्रजा के आगे आगे चलो। सो वे वाचा का सन्दूक उठाकर आगे आगे चले। तब यहोवा ने यहोशू से कहा आज के दिन से मैं सब इस्राएलियों के सन्मुख तेरी बड़ाई करने का आरंभ करूंगा जिस से वे जान लें कि जैसे मैं मूसा के संग रहता था वैसे ही मैं तेरे संग भी हूं।

सो जब प्रजा के लोगों ने अपने डेरों से यर्दन पार जाने को कूच किया और याजक वाचा का सन्दूक उठाए हुए प्रजा के आगे आगे चले, और सन्दूक के उठानेहारे यर्दन पर पहुंचे और सन्दूक के उठानेहारे याजकों के पांव यर्दन के तीर के जल में डूब गये (यर्दन का जल तो कटनी के समय के सब दिन कड़ाड़ों के ऊपर ऊपर बहा करता है), तब जो जल ऊपर की ओर से बहा आता था रुककर एक ढेर हो गया और जो जल अराबा के ताल की ओर बहा

जाता था सो पूरी रीति से सूख गया और प्रजा के लोग यरीहो के साम्हने पार उतर गये। सो याजक यहोवा की वाचा का सन्दूक उठाए हुए यर्दन के बीचोबीच पहुंचकर स्थल पर स्थिर खड़े रहे और सब इस्राएली यर्दन पार हो चुके। अर्थात कोई चालीस हजार पुरुष युद्ध के हथियार बांधे हुए पार उतर के यरीहो के पास पहुंचे। उस दिन यहोवा ने सब इस्राएलियों के साम्हने यहोशू की महिमा बढ़ाई सो जैसे वे मूसा का भय मानते थे वैसे ही यहोशू का भी भय उस के जीवन भर मानते रहे।

जब यहोशू यरीहो के पास था तब उस ने जो आंख उठाई तो क्या देखा कि हाथ में नंगी तलवार लिये हुए एक पुरुष साम्हने खड़ा है सो यहोशू ने पास जाकर पूछा क्या तू हमारी ओर का है वा हमारे बैरियों की ओर का। उस ने उत्तर दिया कि नहीं मैं यहोवा की सेना का प्रधान होकर अभी आया हूं तब यहोशू ने पृथिवी पर मुंह के बल गिरके दण्डवत कर उस से कहा अपने दास के लिये मेरे प्रभु की क्या आज्ञा है। यहोवा की सेना के प्रधान ने यहोशू से कहा अपनी जूती पांव से उतार डाल क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है सो पवित्र है तब यहोशू ने वैसा ही किया।

शहरपनाह का गिर जाना।

(यहोशू ६)

यरीहो के सब फाटक इस्राएलियों के डर के मारे लगातार बन्द रहे और कोई बाहर भीतर जाने आने न पाता था। फिर यहोवा ने यहोशू से कहा सुन मैं यरीहो को उस के राजा और शूरवीरों के समेत तेरे वश में कर देता हूं। सो तुम में जितने योद्धा हैं वे उस नगर की चारों ओर एक बार घूम आएं और छः दिन तक ऐसा ही किया करना। और सात याजक सन्दूक के आगे आगे सात नरसिंगे लिये हुए चलें। फिर सातवें दिन तुम नगर की चारों ओर सात बार घूमना और याजक भी नरसिंगे फूंकते चलें। और जब वे नरसिंगे देर लों फूंकते रहें तब सब लोग नरसिंगे का शब्द सुनते ही बड़ी ध्वनि से जयजयकार करें तब नगर की शहरपनाह नेव से गिर जाएगी।

सो यहोवा का सन्दूक एक बार नगर की चारों ओर घूम आया तब वे छावनी में आकर वहीं टिके। बिहान को यहोशू सवेरे उठा और याजकों ने यहोवा का सन्दूक उठा लिया। और वे ही सात याजक सात नरसिंगे लिये यहोवा के सन्दूक के आगे आगे फूंकते हुए चले और उन के आगे हथियारबन्ध और ऐसे ही उन्हों ने छः दिन किया। फिर सातवें दिन वे भोर को बड़े तड़के उठकर उसी रीति से नगर की चारों ओर सात बार घूम आये। तब सातवीं बार जब याजक नरसिंगे फूंकते थे तब यहोशू ने लोगों से कहा जयजयकार करो क्योंकि यहोवा ने वह नगर तुम्हें दे दिया है तब लोगों ने जयजयकार किया और याजक नरसिंगे फूंकते रहे और जब लोगों ने जयजयकार किया तब शहरपनाह नेव से गिर पड़ी और लोग अपने अपने साम्हने से उस नगर में चढ़ गये और नगर को ले लिया।

और वे जवान भेदिये भीतर जाकर राहाब को और उस के माता पिता भाइयों और सब को जो उस के यहां रहते थे वरन उसके सब कुटुम्बियों को निकाल लाये और इस्राएल की छावनी से बाहर बैठा दिया। तब उन्हों ने नगर को और जो कुछ उस में था सब को आग लगाकर फूंक दिया केवल चान्दी सोना और जो पात्र पीतल और लोहे के थे उन को उन्हों ने यहोवा के भवन के भण्डार में रख दिया। और यहोशू ने राहाब और उस के सब लोगों को जीते छोड़ दिया क्योंकि जो दूत यहोशू ने यरीहो के भेद लेने को भेजे थे उन को उस ने छिपा रक्खा था। सो यहोवा यहोशू के संग रहा और यहोशू की कीर्त्ति उस सारे देश में फैल गई।

लकड़हारे और पनिहारे।

(यहोशू ९)

यह सुनकर जितने राजा यर्दन के इस पार पहाड़ी देश में और नीचे के देश में और लबानोन के साम्हने के महासागर के तीर रहते थे,

वे एक मन होकर यहोशू और इस्राएलियों से लड़ने को एकट्ठे हुए ।

जब गिबोन के निवासियों ने सुना कि यहोशू ने क्या क्या किया है, तब उन्हों ने छल किया और राजदूतों का भेष बनाकर अपने गदहों पर पुराने बोरे और पुराने फटे जोड़े हुए मदिरा के कुप्पे लादकर अपने पांवों में पुरानी गांठी हुई जूतियां और तन में पुराने वस्त्र पहिने अपने भोजन के लिये सूखी और फफूंदी लगी हुई रोटी ले लिई । सो उन्होंने गिलगाल की छावनी में यहोशू के पास जाकर उस से कहा तेरे दास बहुत दूर के देश से तेरे परमेश्वर यहोवा का नाम सुनकर आये हैं क्योंकि हम ने यह सब सुना है अर्थात उस की कीर्त्ति और जो कुछ उस ने मिस्र में किया, सो हमारे यहां के पुरनियों ने और हमारे देश के सब निवासियों ने हम से कहा कि मार्ग के लिये अपने साथ भोजनवस्तु लेकर उन से मिलने को जाओ और उन से कहना कि हम तुम्हारे दास हैं सो अब हम से वाचा बांधो । जिस दिन हम तुम्हारे पास चलने को निकले उस दिन तो हम ने अपने अपने घर से यह रोटी टटकी लिई थी पर अब देखो यह सूख गई और इस में फफूंदी लग गई है । फिर ये जो मदिरा के कुप्पे हम ने भर लिये सो तब तो नये थे पर देखो अब ये फटे हुए हैं और हमारे ये वस्त्र और जूतियां बड़ी दूर की यात्रा के कारण पुरानी हो गई हैं ।

सो यहोशू ने उन से मेल करके उन से वाचा बान्धी, तीन दिन पीछे उन को यह समाचार मिला कि वे हमारे पड़ोस के लोग हैं और हमारे बीच बसे हैं । फिर यहोशू ने उन को बुलवाकर कहा तुम तो हमारे बीच रहनेहारे हो फिर तुम ने हम से यह कहकर क्यों छल किया है कि हम तुम से बहुत दूर रहते हैं । सो अब तुम स्रापित हो और तुम में से ऐसा कोई न रहेगा जो दास अर्थात मेरे परमेश्वर के भवन के लिये लकड़हारा और पनिहारा न हो ।

उन्हों ने यहोशू से कहा तेरे दासों को यह निश्चय बतलाया गया था कि तेरे परमेश्वर यहोवा ने अपने दास मूसा को आज्ञा दिई थी कि तुम को वह सारा देश दे और उस के सारे निवासियों को तुम्हारे साम्हने से नाश करे सो हम ने तुम लोगों के कारण अपने जीवन के बड़े डर में आकर ऐसा काम किया । और अब हम तेरे वश में हैं जैसा बर्ताव तुझे भला और ठीक जान पड़े वैसा ही हम से कर । सो यहोशू ने उसी दिन उन को मण्डली के लिये और जो स्थान यहोवा चुन ले उस में उस की वेदी के लिये लकड़हारे और पनिहारे करके ठहरा दिया ।

पांच राजाओं की गुफा ।

(यहोशू १०)

जब यरूशलेम के राजा अदोनीसेदेक ने सुना कि यहोशू ने यरीहो और उस के राजा को ले लिया और कि गिबोन के निवासियों ने इस्राएलियों से मेल किया और उन के बीच रहने लगे हैं, तब वे निपट डर गये क्योंकि गिबोन बड़ा नगर था सो पांचों एमोरी राजा अपनी अपनी सारी सेना लेकर एकट्ठे हो चढ़ गये और गिबोन के साम्हने डेरे डालकर उस से लड़ने लगे ।

तब गिबोन के निवासियों ने यहोशू के पास यों कहला भेजा कि अपने दासों से तू हाथ न उठा फुर्ती से हमारे पास आकर हमें बचा और हमारी सहायता कर क्योंकि पहाड़ पर बसे हुए एमोरियों के सब राजा हमारे विरुद्ध एकट्ठे हुए हैं । सो यहोशू सारे योद्धाओं और सब शूरवीरों को संग लेके गिलगाल से उधर गया । और यहोवा ने यहोशू से कहा उन से मत डर क्योंकि मैं ने उन को तेरे हाथ में कर दिया है उन में से एक पुरुष भी तेरे साम्हने खड़ा न रह सकेगा । सो यहोशू रातोंरात एकाएक उन पर टूट पड़ा । और बड़ी मार से मारा तब गिलगाल की छावनी को लौट गया । और वे पांचों राजा भागकर मक्केदा के पास की गुफा में छिप गये । तब यहोशू को यह समाचार मिला और यहोशू ने कहा गुफा के मुंह पर बड़े बड़े पत्थर लुढ़काकर उन की चौकी देने के लिये मनुष्यों को उस के पास बैठा दो । पर तुम मत ठहरो अपने शत्रुओं का पीछा करके उन्हें अपने अपने नगर में पैठने न दो । तब यहोशू ने आज्ञा दिई कि गुफा का मुंह खोलकर उन पांचों राजाओं को मेरे पास निकाल

ले आओ। उन्हों ने ऐसा ही किया और यहोशू ने उन को पांच वृक्षों पर लटकाया।

सो यहोशू ने उस सारे देश को अर्थात पहाड़ी देश को उन के सब राजाओं समेत मारा। यहोशू ने वह सारा देश ले लिया और उसे इस्राएल के गोत्रों और कुलों के अनुसार भाग करके उन्हें दे दिया। और देश को लड़ाई से शान्ति मिली।

यहोशू सब संसारियों की गति पर जाता।

(यहोशू २३,२४)

इस के बहुत दिन पीछे जब यहोवा ने इस्राएलियों को उन की चारों ओर के शत्रुओं से विश्राम दिया और यहोशू बूढ़ा और बहुत दिनी हुआ था, तब यहोशू सब इस्राएलियों को बुलवाकर कहने लगा मैं तो बूढ़ा और बहुत दिनी हो गया हूं। और तुम ने देखा है कि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हारे निमित्त इन सब जातियों से क्या क्या किया है क्योंकि जो तुम्हारी ओर लड़ता आया है सो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा है। देखो मैं ने इन बची हुई जातियों को चिट्ठी डाल डालकर तुम्हारे गोत्रों का भाग कर दिया है। और तुम अपने परमेश्वर यहोवा के वचन के अनुसार उन के देश के अधिकारी हो जाओगे।

सो बहुत हियाव बान्धकर जो कुछ मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में लिखा है उस के करने में चौकसी करना उस से न तो दहिने मुड़ना और न बाएं। परन्तु अपने परमेश्वर यहोवा की भक्ति में लवलीन रहा करना। यहोवा ने तुम्हारे साम्हने से बड़ी बड़ी और बलवन्त जातियां निकाली हैं और तुम्हारे साम्हने आज के दिन लों कोई ठहर नहीं सका। तुम में से एक मनुष्य हजार मनुष्यों को भगाएगा क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारी ओर से लड़ता है।

सो अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखने की पूरी चौकसी करना। क्योंकि यदि तुम किसी रीति यहोवा से फिरकर इन जातियों के बाकी लोगों से मिलने लगो और इन से ब्याह शादी करो तो निश्चय जानो कि आगे को तुम्हारा परमेश्वर यहोवा इन जातियों को तुम्हारे साम्हने से न निकालेगा और ये तुम्हारे लिये जाल और फंदे और तुम्हारे पांजरों के लिये कोड़े और तुम्हारी आंखों में कांटे ठहरेंगी और अन्त में तुम इस अच्छी भूमि पर से जो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें दिई है नाश हो जाओगे।

सुनो मैं तो अब सब संसारियों की गति पर जानेहारा हूं और तुम सब अपने अपने हृदय और मन में जानते हो कि जितनी भलाई की बातें हमारे परमेश्वर यहोवा ने हमारे विषय कहीं उन में से एक भी बिना पूरी हुए नहीं रही वे सब की सब तुम पर घट गई हैं उन में से एक भी बिना पूरी हुए नहीं रही।

सो अब यहोवा का भय मानकर उस की सेवा खराई और सच्चाई से करो आज चुन लो कि किस की सेवा करोगे चाहे उन देवताओं को जिन की सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिन के देश में तुम रहते हो पर मैं तो घराने समेत यहोवा ही की सेवा करूंगा।

तब लोगों ने उत्तर दिया यहोवा को त्यागकर दूसरे देवताओं की सेवा करनी यह हम से दूर रहे। यहोशू ने लोगों से कहा यदि तुम यहोवा को त्यागकर बिराने देवताओं की सेवा करने लगो तो यद्यपि वह तुम्हारा भला करता आया है तौभी पीछे तुम्हारी हानि करेगा और तुम्हारा अन्त भी कर डालेगा।

लोगों ने यहोशू से कहा नहीं हम यहोवा ही की सेवा करेंगे।

तब यहोशू ने लोगों को अपने अपने निज भाग पर जाने के लिये विदा किया। इन बातों के पीछे यहोवा का दास यहोशू मर गया। और उस को एप्रैम के पहाड़ी देश में मिट्टी दिई गई। फिर यूसुफ की हड्डियां जिन्हें इस्राएली मिस्र से ले आये थे सो शकेम की भूमि के उस भाग में गाड़ी गईं जिसे याकूब ने एक सौ कसीतों में मोल लिया था सो वह यूसुफ की सन्तान का निज भाग हो गया।

दबोरा नबिया ।

(न्यायियों १,२,४,५)

यहोशू के मरने के पीछे इस्राएली वह करने लगे जो यहोवा के लेखे में बुरा है और बाल नाम देवताओं की उपासना करने लगे। सो यहोवा का कोप इस्राएलियों पर भड़क उठा और उस ने उन को चारों ओर के शत्रुओं के अधीन कर दिया और वे फिर अपने शत्रुओं के साम्हने ठहर न सके। जहां कहीं वे बाहर जाते वहां बड़े संकट में पड़ते थे।

तौभी यहोवा उन के लिये न्यायी ठहराता था जो उन्हें लूटनेहारों के हाथ से छुड़ाते थे। पर वे अपने न्यायियों की न मानते वरन पराये देवताओं के पीछे चलते और उन्हें दण्डवत करते थे।

सो यहोवा ने उन को कनान के राजा याबीन के अधीन कर दिया जिस का सेनापति सीसरा था। तब इस्राएलियों ने यहोवा की दोहाई दिई क्योंकि सीसरा के पास लोहे के नौ सौ रथ थे और वह इस्राएलियों पर बीस बरस लों बड़ा अन्धेर करता रहा।

उस समय दबोरा जो नबिया थी इस्राएलियों का न्याय करती थी। वह एप्रैम के पहाड़ी देश में रामा और बेतेल के बीच दबोरा के खजूर के तले बैठा करती थी और इस्राएली उस के पास न्याय के लिये आया करते थे। उस ने अबीनोअम के पुत्र बाराक को बुलवाकर कहा तू जाकर ताबोर पहाड़ पर चढ़ और दस हजार पुरुषों को संग ले जा। तब मैं याबीन के सेनापति सीसरा को तेरी ओर खींच ले आऊंगा और उस को तेरे हाथ में कर दूंगा। तब बाराक और दस हजार पुरुष चढ़ गये और दबोरा उस के संग चढ़ गई। तब सीसरा ने अपने सब रथ और अपने संग की सारी सेना को कीशोन नदी पर बुलवाया। तब यहोवा ने सारे रथ वरन सारी सेना समेत सीसरा को घबरा दिया और तलवार से सीसरा की सारी सेना नाश किई गई एक भी बचा न रहा।

उसी दिन दबोरा और बाराक ने यह गीत गाया कि देश के ऊंचे ऊंचे स्थानों पर राजा आकर लड़े आकाश की ओर से भी लड़ाई हुई।

तारात्रों ने अपने अपने मंडल से सीसरा से लड़ाई किई।

कीशोन नदी ने उन को बहा दिया

खिड़की में से एक स्त्री झांककर चिल्लाई

सीसरा की माता ने झिलमिली की ओट से
पुकारा कि उस के रथ के आने में इतनी
देर क्यों लगी

उस के रथों के पहियों को अबेर क्यों हुई है।

हे यहोवा तेरे सारे शत्रु ऐसेही नाश हो जाएं पर
उस के प्रेमी लोग प्रताप के साथ उदय
होते हुए सूर्य्य के समान तेजोमय हों।

फिर देश को चालीस बरस लों शान्ति रही।

तब मिद्यानी इस्राएलियों पर प्रबल हो गये। मिद्यानियों के डर के मारे इस्राएलियों ने पहाड़ों में के गहिरे खड्डों और गुफाओं और दुर्गों को अपने निवास बना लिया। और जब जब इस्राएली बीज बोते तब तब मिद्यानी और अमालेकी और पूरबी लोग उन के विरुद्ध चढ़ाई करके भूमि की उपज नाश कर डालते थे और इस्राएलियों के लिये न तो कुछ भोजनवस्तु छोड़ देते थे और न भेड़बकरी न गाय बैल न गदहा। क्योंकि वे अपने पशुओं और डेरों को लिये हुए चढ़ाई करते और टिड्डियों के समान बहुत आते थे और उन के ऊंट भी अनगिनित थे और वे देश के उजाड़ने को उस में आया करते थे। और मिद्यानियों के कारण इस्राएली बड़ी दुर्दशा में पड़े तब इस्राएलियों ने यहोवा की दोहाई दिई।

गिदोन और उस के तीन सौ साथी।

(न्यायियों ६,७,८)

फिर यहोवा का दूत आकर बांजवृक्ष के तले बैठ गया। गिदोन गेहूं इस लिये एक दाखरस के कुण्ड में झाड़ रहा था कि उसे मिद्या-

नियों से छिपा रक्खे। उस को यहोवा के दूत ने दर्शन देकर कहा हे महाशूर यहोवा तेरे संग है। गिदोन ने उस से कहा हे मेरे प्रभु बिन्ती सुन यदि यहोवा हमारे संग होता तो हम पर यह सब विपत्ति क्यों पड़ती और जितने आश्चर्य्यकर्म्मों का वर्णन हमारे पुरखा यह कहकर करते थे कि क्या यहोवा हम को मिस्र से छुड़ा नहीं लाया वे कहां रहे अब तो यहोवा ने हम को त्यागकर मिद्यानियों के हाथ कर दिया है। तब यहोवा ने उस पर दृष्टि करके कहा अपनी इसी शक्ति पर जा और तू इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ाएगा क्या मैं ने तुझे नहीं भेजा। उस ने कहा हे मेरे प्रभु बिनती सुन मैं इस्राएल को क्योंकर छुड़ाऊं देख मेरा कुल मनश्शे में सब से कंगाल है फिर मैं अपने पिता के घराने में सब से छोटा हूं। यहोवा ने उस से कहा निश्चय मैं तेरे संग रहूंगा। तुझे शांति मिले मत डर तू न मरेगा।

फिर उसी रात को यहोवा ने गिदोन से कहा बाल की जो वेदी तेरे पिता की है उसे गिरा दे और जो अशेरा देवी उस के पास है उसे काट डाल, और उस दृढ़ स्थान की चोटी पर ठहराई हुई रीति से अपने परमेश्वर यहोवा की एक वेदी बना सो गिदोन ने अपने दस दास संग लेकर यहोवा के वचन के अनुसार किया पर नगर के लोगों के डर के मारे वह काम रात में किया।

बिहान को नगर के लोग सवेरे उठकर क्या देखते हैं कि बाल की वेदी गिरी पड़ी तब वे आपस में कहने लगे यह योआश के पुत्र गिदोन का काम है। सो नगर के मनुष्यों ने योआश से कहा अपने पुत्र को बाहर ले आ कि मार डाला जाए क्योंकि उस ने बाल की वेदी को गिरा दिया। योआश ने उन सभों से जो उस के साम्हने खड़े हुए थे कहा क्या तुम बाल के लिये वाद विवाद करोगे क्या तुम उसे बचाओगे जो कोई उस के लिये वाद विवाद करे सो मार डाला जाएगा बिहान लों ठहरे रहो तब लों यदि वह परमेश्वर हो तो जिस ने उस की वेदी गिराई उस से वह आप ही अपना वाद विवाद करे। इस के पीछे सब मिद्यानी और अमालेकी और और पूरबी एकट्ठे हुए और पार आकर यिज्रेल की तराई में डेरे डाले। तब यहोवा का आत्मा गिदोन में समाया और उस ने नरसिंगा फूंका। तब यहोवा ने गिदोन से कहा जो लोग तेरे संग हैं सो इतने हैं कि मैं मिद्यानियों को उन के हाथ नहीं कर सकता नहीं तो इस्राएल यह कहकर मेरे विरुद्ध बड़ाई मारने लगेंगे कि मैं अपने ही भुजबल के द्वारा छूटा हूं। सो तू जाकर लोगों को यह प्रचार करके सुना कि जो कोई डर के मारे थरथराता हो वह चला जाए सो बाईस हजार लोग लौट गये और दस हजार रह गये। फिर यहोवा ने गिदोन से कहा अब भी लोग अधिक हैं उन्हें सोते के पास नीचे ले चल वहां मैं उन्हें तेरे लिये परखूंगा।

सो वह उन को सोते के पास नीचे ले गया तब यहोवा ने गिदोन से कहा जितने कुत्ते की नाईं जीभ से पानी चपड़ चपड़ करके पीएं उन को अलग रख और वैसा ही उन्हें भी जो घुटने टेककर पीएं। जिन्हों ने मुंह में हाथ लगा चपड़ चपड़ करके पिया उन की तो गिनती तीन सौ ठहरी। तब यहोवा ने गिदोन से कहा इन तीन सौ चपड़ चपड़ करके पीनेहारों के द्वारा मैं तुम को छुड़ाऊंगा और मिद्यानियों को तेरे हाथ में कर दूंगा और सब लोग अपने अपने स्थान को चले जाएं।

सो उन लोगों ने हाथ में सीधा और अपने नरसिंगे लिये और उस ने इस्राएल के सब पुरुषों को अपने अपने डेरे की ओर भेज दिया पर उन तीन सौ पुरुषों को अपने पास रख छोड़ा और मिद्यान की छावनी उस के नीचे तराई में पड़ी थी। उसी रात को यहोवा ने उस से कहा उठ छावनी पर चढ़ाई कर क्योंकि मैं उसे तेरे हाथ कर देता हूं। पर यदि तू चढ़ाई करते डरता हो तो अपने सेवक पूरा को संग ले छावनी के पास जाकर, सुन कि वे क्या क्या कह रहे हैं उस के पीछे तुझे उस छावनी पर चढ़ाई करने का हियाव बंधेगा। सो वह अपने सेवक पूरा को संग ले उन हथियारबन्धों के पास जो छावनी की छोर पर थे उतर गया। मिद्यानी और अमालेकी और सब पूरबी लोग तो टिड्डियों के समान बहुत से तराई में पड़े थे और उन के ऊंट समुद्रतीर की बालू के किनकों के समान गिनती से बाहर थे।

और गिदोन ने इस्राएल की छावनी में लौटकर कहा उठो यहोवा ने मिद्यानी सेना को तुम्हारे वश में कर दिया है। तब उस ने उन तीन सौ पुरुषों के तीन गोल किये और एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और छूछा घड़ा और घड़ों के भीतर पलीते थे। फिर उस ने उन से कहा मुझे देखो और वैसा ही करो सुनो जब मैं उस छावनी की छोर पर पहुंचूं तब जैसा मैं करूं वैसा ही तुम भी करना। अर्थात जब मैं और मेरे सब संगी नरसिंगा फूंकें तब तुम भी सारी छावनी की चारों ओर नरसिंगे फूंकना और यह कहना कि यहोवा के लिये और गिदोन के लिये।

बीचवाले पहर के आदि में ज्योंही पहरुओं की बदली हो गई थी त्योंही गिदोन अपने संग के सौओं पुरुषों समेत छावनी की छोर पर गया और नरसिंगों को फूंक दिया और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला। तब तीनों गोलों ने नरसिंगों को फूंक दिया और घड़ों को तोड़ डाला और अपने अपने बाएं हाथ में पलीता और दहिने हाथ में फूंकने को नरसिंगा लिये हुए यहोवा की तलवार गिदोन की तलवार ऐसा पुकारने लगे। तब वे छावनी की चारों ओर अपने अपने स्थान पर खड़े रहे तब सारी सेना के लोग दौड़ने लगे और उन्हों ने चिल्ला चिल्लाकर उन्हें भगा दिया।

सूर्य्य उदय न होने पाया कि गिदोन लड़ाई से लौटा। तब इस्राएल के पुरुषों ने गिदोन से कहा तू हमारे ऊपर प्रभुता कर, क्योंकि तू ने हम को मिद्यान के हाथ से छुड़ाया है। गिदोन ने उन से कहा मैं तुम्हारे ऊपर प्रभुता न करूंगा यहोवा ही तुम पर प्रभुता करेगा। सो मिद्यान इस्राएलियों से दब गया और फिर सिर न उठाया और गिदोन के जीवन भर अर्थात चालीस बरस लों देश चैन से रहा। निदान गिदोन पूरे बुढ़ापे में मर गया और उस के पिता योआश की कबर में उस को मिट्टी दिई गई।

——

यिप्तह की बेटी।

(न्यायियों ११)

कितने दिन पीछे अम्मोनी इस्राएल से लड़ने लगे। तब गिलाद के पुरनिये यिप्तह को तोब देश से ले आने को गये, और यिप्तह से कहा चलकर हमारा प्रधान हो जा कि हम अम्मोनियों से लड़ सकें।

यिप्तह ने गिलाद के पुरनियों से पूछा यदि तुम मुझे अम्मोनियों से लड़ने को फिर मेरे घर ले चलो और यहोवा उन्हें मेरे हाथ कर दे तो क्या मैं तुम्हारा प्रधान ठहरूंगा।

गिलाद के पुरनियों ने यिप्तह से कहा निश्चय हम तेरी इस बात के अनुसार करेंगे यहोवा हमारे तेरे बीच इन वचन का सुननेवाला है। सो यिप्तह गिलाद के पुरनियों के संग चला और लोगों ने उस को अपने ऊपर मुख्य और प्रधान ठहराया।

तब यिप्तह ने अम्मोनियों के राजा के पास दूतों से यह कहला भेजा कि तुझे मुझ से क्या काम कि तू मेरे देश में लड़ने को आया है।

अम्मोनियों के राजा ने यिप्तह के दूतों से कहा कारण यह है कि जब इस्राएली मिस्र से आये तब अर्नोन से यब्बोक और यर्दन लों जो मेरा देश था उस को उन्हों ने छीन लिया सो अब उस को बिना झगड़ा किये फेर दे।

तब यिप्तह ने फिर अम्मोनियों के राजा के पास यह कहने को दूत भेजे कि यिप्तह तुझ से यों कहता है कि इस्राएल ने न तो मोआब का देश ले लिया और न अम्मोनियों का बरन जब वे मिस्र से निकले और इस्राएल जंगल में होते हुए लाल समुद्र तक चला और कादेश को आया, तब इस्राएल ने एदोम के राजा के पास दूतों से यह कहला भेजा कि मुझे अपने देश में होकर जाने दे और एदोम के राजा ने उन की न मानी सो इस्राएल कादेश में रह गया। तब उस ने जंगल में चलते चलते मोआब देश के पार अपने डेरे डाले और मोआब के सिवाने के भीतर न गया। फिर इस्राएल ने एमोरियों के राजा सीहोन के पास दूतों से यह कहला भेजा कि

हमें अपने देश में होकर हमारे स्थान को जाने दे। पर सीहोन ने इस्राएल का इतना विश्वास न किया कि उसे अपने देश में होकर जाने दे वरन अपनी सारी प्रजा को एकट्ठी करके इस्राएल से लड़ा। और यहोवा ने सीहोन को सारी प्रजा समेत इस्राएल के हाथ में कर दिया। सो इस्राएल उस देश के निवासी एमोरियों के सारे देश का अधिकारी हो गया। अर्थात वह अर्नोन से यब्बोक लों और जंगल से ले यर्दन लों एमोरियों के सारे देश का अधिकारी हो गया। सो अब इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने अपनी इस्राएली प्रजा के साम्हने से एमोरियों को उन के देश से निकाल दिया फिर क्या तू उस का अधिकारी होने पाएगा। जिन लोगों को हमारा परमेश्वर यहोवा हमारे साम्हने से निकाले उन के देश के अधिकारी हम होंगे।

फिर क्या तू मोआब के राजा सिप्पोर के पुत्र बालाक से कुछ अच्छा है क्या उस ने कभी इस्राएलियों से कुछ भी झगड़ा किया क्या वह उन से कभी लड़ा। जब कि इस्राएल अर्नोन के किनारे के सब नगरों में तीन सौ बरस से बसा है तो इतने दिनों में तुम लोगों ने उस को क्यों नहीं छुड़ा लिया। मैं ने तेरा अपराध नहीं किया तू ही मुझ से लड़ाई करके बुरा ब्यवहार करता है सो यहोवा जो न्यायी है वह इस्राएलियों और अम्मोनियों के बीच आज न्याय करे।

तौभी अम्मोनियों के राजा ने यिप्तह की ये बातें न मानीं।

तब यहोवा का आत्मा यिप्तह पर आ गया और वह अम्मोनियों की ओर चला।

और यिप्तह ने यह कहकर यहोवा की मन्नत मानी कि यदि तू निःसंदेह अम्मोनियों को मेरे हाथ कर दे, तो जब मैं कुशल के साथ अम्मोनियों से लौट आऊं तब जो कोई मेरी भेंट के लिये मेरे घर के द्वार से निकले वह यहोवा का ठहरेगा और मैं उसे होमबलि करके चढ़ाऊंगा।

तब यिप्तह अम्मोनियों से लड़ने को उन की ओर गया और यहोवा ने उन को उस के हाथ में कर दिया।

जब यिप्तह मिस्पा को अपने घर आया तब उस की बेटी डफ बजाती और नाचती हुई उस की भेंट के लिये निकल आई वह उस की एकलौती थी उस को छोड़ उस के न बेटा था न बेटी।

उस को देखते ही उस ने अपने कपड़े फाड़कर कहा हाय मेरी बेटी तूने कमर तोड़ दिई तू भी मेरे कष्ट देनेवालों में की हो गई है क्योंकि मैं ने यहोवा को वचन दिया है और उसे टाल नहीं सकता।

उस ने उस से कहा हे मेरे पिता तू ने जो यहोवा को वचन दिया है सो जो बात तेरे मुंह से निकली है उसी के अनुसार मुझ से बर्ताव कर किस लिये कि यहोवा ने तेरे अम्मोनी शत्रुओं से तेरा पलटा लिया है। फिर उस ने अपने पिता से कहा मेरे लिये यह किया जाए कि दो महीने तक मुझे छोड़े रह कि मैं अपनी सहेलियों सहित जाकर पहाड़ों पर फिरती हुई रहूं।

उस ने कहा जा सो उस ने उसे दो महीने की छुट्टी दिई सो वह अपनी सहेलियों सहित चली गई। दो महीने के बीते पर वह अपने पिता के पास लौट आई और उस ने उस के विषय अपनी मानी हुई मन्नत को पूरी किया।

सो इस्राएलियों में यह रीति चली कि इस्राएली स्त्रियां बरस बरस यिप्तह गिलादी की बेटी का यश गाने को बरस दिन में चार दिन जाया करती थीं।

शिमशोन का चरित्र।

(न्यायियों १३,१४,१५,१६)

और इस्राएली फिर वह करने लगे जो यहोवा के लेखे में बुरा है सो यहोवा ने उन को पलिश्तियों के वश में चालीस बरस लों रक्खा।

सोरावासी मानोह नाम एक पुरुष था जिस की स्त्री एक बेटा जनी और उस का नाम शिमशोन रक्खा और वह बालक बढ़ता गया और यहोवा उस को आशीष देता रहा। और यहोवा का आत्मा दान की छावनी में उस को उभारने लगा।

शिमशोन तिम्ना को गया और तिम्ना में एक पलिश्ती स्त्री को देखा। सो उस ने जाकर अपने

माता पिता से कहा तिम्ना में मैं ने एक पलिश्ती स्त्री को देखा है सो अब तुम उस से मेरा ब्याह करा दो। उस के माता पिता ने उस से कहा क्या हमारे सब लोगों में कोई स्त्री नहीं है कि तू पलिश्तियों में से स्त्री ब्याहने चाहता है। शिमशोन ने अपने पिता से कहा उसी से मेरा ब्याह करा दे क्योंकि मुझे वही अच्छी लगती है। उस के माता पिता न जानते थे कि यह बात यहोवा की ओर से होती है कि वह पलिश्तियों के विरुद्ध दांव ढूंढ़ता है। उस समय तो पलिश्ती इस्राएल पर प्रभुता करते थे।

सो शिमशोन अपने माता पिता को संग ले तिम्ना को चल कर तिम्ना की दाखबारियों के पास पहुंचा वहां उस के साम्हने एक जवान सिंह गरजने लगा। तब यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरा और यद्यपि उस के हाथ में कुछ न था तो भी उस ने उस को ऐसा फाड़ डाला जैसा कोई बकरी का बच्चा फाड़े। अपना यह काम उस ने अपने पिता वा माता को न बतलाया। तब उस ने जाकर उस स्त्री से बातचीत किई और वह शिमशोन को अच्छी लगी। कुछ दिन बीते वह उसे लाने को लौट चला और उस सिंह की लोथ देखने के लिये मार्ग से मुड़ गया तो क्या देखा कि सिंह की लोथ में मधु-मक्खियों का एक झुण्ड और मधु भी है। सो वह उस में से कुछ हाथ में लेकर खाते खाते अपने माता पिता के पास गया और उन को यह बिना बताये कि मैं ने इस को सिंह की लोथ में से निकाला है कुछ दिया और उन्हों ने उसे खाया।

तब उस का पिता उस स्त्री के यहां गया और शिमशोन ने जवानों की रीति के अनुसार वहां जेवनार किई। उस को देखकर वे उस के संग रहने के लिये तीस संगियों को ले आये। शिमशोन ने उन से कहा मैं तुम से एक पहेली कहता हूं यदि तुम इस जेवनार के सातों दिन के भीतर उसे बूझ कर अर्थ बतला दो तो मैं तुम को तीस कुरते और तीस जोड़े कपड़े दूंगा। और यदि तुम उसे न बतला सको तो तुम को मुझे तीस कुर्ते और तीस जोड़े कपड़े देने पड़ेंगे उन्हों ने उस से कहा अपनी पहेली कह कि हम उसे सुनें। उस ने उन से कहा।

खानेहारे में से खाना
और बलवन्त में से मीठी वस्तु निकली।

इस पहेली का अर्थ वे तीन दिन के भीतर न बता सके। सातवें दिन उन्हों ने शिमशोन की स्त्री से कहा अपने पति को फुसला कि वह हमें पहेली का अर्थ बतलाए नहीं तो हम तुझे तेरे पिता के घर समेत आग में जलाएंगे। सो शिमशोन की स्त्री उस के साम्हने रोने लगी तब उस ने उस को पहेली का अर्थ बतला दिया तब उस ने उसे अपनी जाति के लोगों को बतला दिया। सो सातवें दिन सूर्य्य डूबने न पाया कि उस नगर के मनुष्यों ने शिमशोन से कहा मधु से अधिक क्या मीठा और सिंह से अधिक क्या बलवन्त है। उस ने अशकलोन को जाकर वहां के तीस पुरुषों को मार डाला और उन का धन लूट-कर तीस जोड़े कपड़ों को पहेली के बतानेहारों को दे दिया तब उस का कोप भड़का और वह गया। और तीन सौ लोमड़ी पकड़ीं और पलीते लेकर दो दो लोमड़ियों की पूंछ एक साथ बांधी और उन के बीच एक एक पलीता बांधा। तब पलीतों को बारके उस ने लोमड़ियों को पलिश्तियों के खड़े खेतों में छोड़ दिया और पूलियों के ढेर बरन खड़े खेत और जलपाई की बारियां भी जल गईं।

तब पलिश्तियों ने जाकर उस स्त्री और उस के पिता दोनों को आग में जला दिया। शिमशोन ने उन से कहा तुम जो ऐसा काम करते हो सो मैं तुम से पलटा लेकर तब ही चुप रहूंगा। सो उस ने उन को अति निठुरता के साथ बड़ी मार से मार डाला तब जाकर एताम नाम ढांग की एक दरार में रहने लगा।

तब पलिश्तियों ने चढ़ाई करके यहूदा देश में डेरे खड़े किये और लही में फैल गये।

सो यहूदी मनुष्यों ने उन से पूछा तुम हम पर क्यों चढ़ाई करते हो उन्हों ने उत्तर दिया शिमशोन को बांधने के लिये चढ़ाई करते हैं कि जैसे उस ने हम से किया वैसे ही हम भी उस से करें। सो तीन हजार यहूदी पुरुष एताम नाम ढांग की दरार को जाकर शिमशोन से कहने लगे क्या तू नहीं जानता कि पलिश्ती हम पर प्रभुता करते हैं फिर तू ने हम से ऐसा क्यों किया है उस ने उन से कहा जैसा उन्हों ने मुझ से किया था वैसा ही मैं ने भी उन से किया

है। उन्हों ने उस से कहा हम तुझे बांधकर पलिश्तियों के हाथ में कर देने के लिये आये हैं। सो वे उस को दो नई रस्सियों से बांधकर उस ढांग में से ले गये। वह लही तक आ गया था कि पलिश्ती उस को देखकर ललकारने लगे तब यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरा और उस की बांहों की रस्सियां आग में जले हुए सन के समान हो गईं और उस के हाथों के बन्धन मानो गलकर टूट पड़े। तब उस को गदहे के जबड़े की एक नई हड्डी मिली और उस ने हाथ बढ़ा उसे लेकर एक हजार पुरुषों को मार डाला।

शिमशोन तो पलिश्तियों के दिनों में बीस बरस लों इस्राएल का न्याय करता रहा।

तब शिमशोन अज्जा को गया जब अज्जियों को इस का समाचार मिला कि शिमशोन यहां आया है तब उन्हों ने उस को घेर लिया और रात भर नगर के फाटक पर उस की घात में लगे रहे और यह कहकर रात भर चुपचाप रहे कि बिहान को भोर होते ही हम उस को घात करेंगे। पर शिमशोन आधी रात लों पड़ा रहकर आधी रात को उठ नगर के फाटक के दोनों पल्लों और दोनों बाजुओं को पकड़कर बेंड़ों समेत उखाड़ लिया और अपने कन्धों पर रखकर उन्हें उस पहाड़ की चोटी पर ले गया जो हेब्रोन के साम्हने है।

इस के पीछे वह सोरेक नाम नाले में रहने वाली दलीला नाम एक स्त्री से प्रीति करने लगा। सो पलिश्तियों के सरदारों ने उस स्त्री के पास जाके कहा तू उस को फुसला कर बूझ ले कि उसका बड़ा बल काहे से है और कौन उपाय करके हम उस पर ऐसे प्रबल हो सकें कि उसे बांधकर दबा रक्खें तब हम तुझे ग्यारह ग्यारह सौ टुकड़े चांदी देंगे।

तब दलीला ने शिमशोन से कहा मुझे बता दे कि तेरा बड़ा बल काहे से है और किस रीति से कोई तुझे बांधकर दबा रख सके। शिमशोन ने उस से कहा यदि मैं सात ऐसी नई नई तांतों से बांधा जाऊं जो सुखाई न गई हों तो मेरा बल घट जाएगा और मैं साधारण मनुष्य सा हो जाऊंगा।

सो पलिश्तियों के सरदार दलीला के पास ऐसी नई नई सात तांतें ले गये जो सुखाई न गई थीं और उन से उस ने शिमशोन को बांधा।

उस के पास तो कुछ मनुष्य कोठरी में घात लगाये बैठे थे सो उस ने उस से कहा हे शिमशोन पलिश्ती तेरी घात में हैं तब उस ने तांतों को ऐसा तोड़ा जैसा सन का सूत आग से छूते ही टूट जाता है और उस के बल का भेद न खुला।

सो दलीला ने शिमशोन से कहा सुन तू ने तो मुझ से छल किया और झूठ कहा है अब मुझे बतला दे कि तू काहे से बंध सकता है। उस ने उस से कहा यदि मैं ऐसी नई नई रस्सियों से जो किसी काम में न आई हों कस कर बांधा जाऊं तो मेरा बल घट जाएगा और मैं साधारण मनुष्य के समान हो जाऊंगा। सो दलीला ने नई नई रस्सियां लेकर और उस को बांधकर कहा हे शिमशोन पलिश्ती तेरी घात में हैं। तब उस ने उन को सूत की नाईं अपनी भुजाओं पर से तोड़ डाला।

सो दलीला ने शिमशोन से कहा अब लों तू मुझ से छल करता और झूठ बोलता आया है सो मुझे बतला दे कि तू काहे से बंध सकता है उस ने कहा यदि तू मेरे सिर की सातों लटें ताने में बुने तो बंध सकूंगा। सो उस ने उसे खूंटी से जकड़ा तब उस से कहा हे शिमशोन पलिश्ती तेरी घात में हैं तब वह नींद से चौंक उठा और खूंटी को धरन में से उखाड़कर उसे ताने समेत ले गया।

तब दलीला ने उस से कहा तेरा मन तो मुझ से नहीं लगा फिर तू क्यों कहता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूं तू ने ये तीनों बार मुझ से छल किया और मुझे नहीं बताया कि तेरा बड़ा बल काहे से है।

सो जब उस ने दिन दिन बातें करते करते उस को तंग किया और यहां लों हठ किया कि उस का दम नाक में हो गया, तब उसने अपने मन का सारा भेद खोलकर उस से कहा मेरे सिर पर छुरा कभी नहीं फिरा यदि मैं मूड़ा जाऊं तो मेरा बल इतना घट जाएगा कि मैं साधारण मनुष्य सा हो जाऊंगा। यह देखकर कि उस ने अपने मन का सारा भेद मुझ से कह दिया है दलीला ने पलिश्तियों के सरदारों के पास कहला भेजा कि अब की फिर आओ

क्योंकि उस ने अपने मन का सब भेद मुझे बतला दिया है सो पलिश्तियों के सरदार हाथ में रूपैया लिये हुए उस के पास गये। तब उस ने उस को अपने घुटनों पर सुला रक्खा और एक मनुष्य बुलवाकर उस के सिर की सातों लटें मुंडवा डालीं और वह उस को दबाने लगी और वह निर्बल हो गया। तब उस ने कहा हे शिमशोन पलिश्ती तेरी घात में हैं तब वह चौंककर सोचने लगा कि मैं पहिले की नाईं बाहर जाकर झटकूंगा वह तो न जानता था कि यहोवा मेरे पास से चला गया है। सो पलिश्तियों ने उस को पकड़कर उस की आंखें फोड़ डालीं और उसे अज्जा को ले जाके पीतल की बेड़ियों से जकड़ दिया और वह बन्दीगृह में चक्की पीसने लगा।

तब पलिश्तियों के सरदार अपने दागोन नाम देवता के लिये बड़ा यज्ञ और आनन्द करने को यह कहकर एकट्ठे हुए कि हमारे देवता ने हमारे शत्रु शिमशोन को हमारे हाथ में कर दिया है।

जब उन का मन मगन हो गया तब उन्होंने कहा शिमशोन को बुलवा लो कि वह हमारे लिये तमाशा करे सो शिमशोन बन्दीगृह में से बुलवाया गया और उन के लिये तमाशा करने लगा और खंभों के बीच खड़ा कर दिया गया।

तब शिमशोन ने उस लड़के से जो उस का हाथ पकड़े था कहा मुझे उन खभों को जिन से घर संभला हुआ है छूने दे कि मैं उन पर टेक लगाऊं। वह घर तो स्त्री पुरुषों से भरा हुआ था और पलिश्तियों के सब सरदार भी वहां थे और छत पर कोई तीन हज़ार स्त्री पुरुष थे जो शिमशोन को तमाशा करते हुए देख रहे थे।

तब शिमशोन ने यह कहकर यहोवा की दोहाई दिई कि हे प्रभु यहोवा मेरी सुधि ले हे परमेश्वर अब की बार मुझे बल दे कि मैं पलिश्तियों से अपनी दोनों आंखों का एक ही पलटा लूं। तब शिमशोन ने उन दोनों बीच वाले खम्भों को जिन से घर संभला हुआ था पकड़कर कहा पलिश्तियों के संग मेरा प्राण भी जाए। और वह अपना सारा बल करके झुका तब वह घर सब सरदारों और उस में के सारे लोगों पर गिर पड़ा। सो जिन को उस ने मरते समय मार डाला वे उन से भी अधिक थे जिन्हें उस ने जीते जी मार डाला था।

रूत और नाओमा।

(रूत १)

जिन दिनों न्यायी लोग न्याय करते थे उन दिनों देश में अकाल पड़ा सो यहूदा के बेतलेहेम का एक पुरुष अपनी स्त्री और दोनों पुत्रों को संग लेकर मोआब के देश में परदेशी होकर रहने के लिये चला। उस पुरुष का नाम एलीमेलेक और उस की स्त्री का नाम नाओमी और उस के दो बेटों के नाम महलोन और किल्योन थे। और नाओमी का पति एलीमेलेक मर गया और नाओमी और उस के दोनों पुत्र रह गये। और इन्हों ने एक एक मोआबिन ब्याह लिई एक स्त्री का नाम तो ओर्पा और दूसरी का नाम रूत था फिर वे वहां कोई दस बरस रहे। तब महलोन और किल्योन दोनों मर गये सो नाओमी अपने दोनों पुत्रों और पति से रहित हो गई।

तब वह मोआब के देश में यह सुनकर कि यहोवा ने अपनी प्रजा के लोगों की सुधि लेके उन्हें भोजन वस्तु दिई है उस देश से अपनी दोनों बहुओं समेत लौट जाने को चली। सो वह अपनी दोनों बहुओं समेत उस स्थान से जहां रहती थी निकली और वे यहूदा देश को लौट जाने के मार्ग से चलीं। तब नाओमी ने अपनी दोनों बहुओं से कहा तुम अपने अपने मैके लौट जाओ और जैसे तुम ने उन से जो मर गये हैं और मुझ से भी प्रीति किई है ऐसे ही यहोवा तुम्हारे ऊपर कृपा करे। यहोवा ऐसा करे कि तुम फिर पति करके उन के घरों में विश्राम पाओ तब उस ने उनको चूमा और वे चिल्ला चिल्लाकर रोने लगीं।

और उस से कहा निश्चय हम तेरे संग तेरे लोगों के पास चलेंगी। नाओमी ने कहा हे मेरी बेटियो लौट जाओ तुम काहे को मेरे संग चलोगी हे मेरी बेटियो लौटकर चली जाओ क्योंकि मैं बूढ़ा

हूं मेरा दुःख तुम्हारे दुःख से बहुत बढ़कर है देखो यहोवा का हाथ मेरे विरुद्ध उठा है।

तब वे फिर रो उठीं और ओर्पा ने तो अपनी सास को चूमा पर रूत उस से अलग न हुई। रूत बोली तू मुझ से यह बिनती न कर कि मुझे त्याग वा छोड़कर लौट जा क्योंकि जिधर तू जाए उधर मैं भी जाऊंगी जहां तू टिके वहां मैं भी टिकूंगी तेरे लोग मेरे लोग होंगे और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा। जहां तू मरेगी वहां मैं भी मरूंगी और वहीं मुझे मिट्टी दिई जाएगी यदि मृत्यु छोड़ और किसी कारण मैं तुझ से अलग होऊं तो यहोवा मुझ से वैसा ही वरन उस से भी अधिक करे।

जब उस ने यह देखा कि वह मेरे संग चलने को स्थिर है तब उस ने उस से और बात न कही। सो वे दोनों चल दिई और बेतलेहेम को पहुंचीं।

और उन के बेतलेहेम में पहुंचने पर सारे नगर में उन के कारण धूम मची और स्त्रियां कहने लगीं क्या यह नाओमी है। उस ने उन से कहा मुझे नाओमी न कहो मुझे मारा कहो क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मुझ को बड़ा दुःख दिया है। मैं भरी पूरी चली गई थी पर यहोवा ने मुझे छूछी लौटाया है सो जब कि यहोवा ही ने मुझे दुःख दिया है फिर तुम मुझे क्यों नाओमी कहती हो।

खेत में बीनने वाली।

(रूत २)

सो नाओमी अपनी मोआबिन बहू रूत समेत लौटी। वे जौ कटने के आरंभ के समय बेतलेहेम में पहुंचीं।

नाओमी के पति के कुल में उस का एक बड़ा धनी कुटुंबी था जिस का नाम बोअज था।

और रूत ने नाओमी से कहा मुझे किसी खेत में जाने दे कि जो मुझ पर अनुग्रह की दृष्टि करे उस के पीछे पीछे मैं सिला बीनती जाऊं उस ने कहा चली जा बेटी। सो वह जाकर एक खेत में लवनेहारों के पीछे बीनने लगी और जिस खेत में वह संयोग से गई थी वह बोअज का था।

और बोअज बेतलेहेम से आकर लवनेहारों से कहने लगा यहोवा तुम्हारे संग रहे और वे उस से बोले यहोवा तुझे आशीष दे। तब बोअज ने अपने उस सेवक से जो लवनेहारों के ऊपर ठहरा था पूछा वह किस की कन्या है। जो सेवक लवनेहारों के ऊपर ठहरा था उस ने उत्तर दिया वह मोआबिन कन्या है जो नाओमी के संग मोआब देश से लौट आई है। उस ने कहा था मुझे लवनेहारों के पीछे पीछे पूलों के बीच बीनने और बालें बटोरने दे सो वह आई और भोर से अब लों बनी है।

बोअज का अनुग्रह रूत पर।

(रूत २ : ८-३)

तब बोअज ने रूत से कहा हे मेरी बेटी क्या तू सुनती है किसी दूसरे के खेत में बीनने को न जाना मेरी ही दासियों के संग यहीं रहना। जिस खेत को वे लवती हों उसी पर तेरा ध्यान बंधा रहे और उन्हीं के पीछे पीछे चला करना क्या मैं ने जवानों को आज्ञा नहीं दिई कि तुझ से न बोलें और जब जब तुझे प्यास लगे तब तब तू बरतनों के पास जाकर जवानों का भरा हुआ पानी पीना।

तब वह भूमि लों झुककर मुंह के बल गिरी और उस से कहने लगी क्या कारण है कि तू ने मुझ परदेशिन पर अनुग्रह की दृष्टि करके मेरी सुधि लिई है।

बोअज ने उसे उत्तर दिया जो कुछ तू ने पति मरने के पीछे अपनी सास से किया है और तू किस रीति अपने माता पिता और जन्मभूमि को छोड़कर ऐसे लोगों में आई है जिन को पहिले तू न जानती थी यह सब मुझे बिस्तार के साथ बताया गया है। यहोवा तेरी करनी का फल दे और इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिस के पंखों तले तू शरण लेने आई है तुझे पूरा बदला दे।

उस ने कहा हे मेरे प्रभु तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर बनी रहे क्योंकि यद्यपि मैं तेरी दासियों में से किसी के भी बराबर नहीं हूं तौभी तू ने अपनी दासी के मन में पैठनेहारी बातें कहकर मुझे शान्ति दिई है।

फिर खाने के समय बोअज ने उस से कहा यहीं आकर रोटी खा और अपना कौर सिरके में बोर । सो वह लवनेहारों के पास बैठ गई और उस ने उस को भुनी हुई बालें दिईं और वह खाकर तृप्त हुई ।

जब वह बीनने को उठी तब बोअज ने अपने जवानों को आज्ञा दिई कि उस को पूलों के बीच बीच में भी बीनने दो और दोष मत लगाओ । बरन मुट्ठी भर जाने पर कुछ कुछ निकालकर गिरा भी दिया करो और उस के बीनने के लिये छोड़ दो और उसे घुड़को मत । सो वह सांझ लों खेत में बीनती रही । तब वह उसे उठाकर नगर में गई और उस की सास ने उस से पूछा आज तू कहां बीनती और कहां काम करती थी धन्य वह हो जिस ने तेरी सुधि लिई है ।

तब उस ने अपनी सास को बता दिया कि जिस पुरुष के पास मैं ने आज काम किया उस का नाम बोअज है । नाओमी ने अपनी बहू से कहा वह यहोवा की ओर से आशीष पाए क्योंकि उस ने न तो जीते हुओं पर से और न मरे हुओं पर से अपनी करुणा हटाई । वह पुरुष तो हमारा एक कुटुम्बी है बरन उन में से है जिन को हमारी भूमि छुड़ाने का अधिकार है । फिर रूत मोआबिन बोली उस ने मुझ से यह भी कहा कि जब लों मेरे सेवक मेरी सारी कटनी न कर चुकें तब लों उन्हीं के संग संग लगी रह । नाओमी ने अपनी बहू रूत से कहा मेरी बेटी यह अच्छा भी है कि तू उसी की दासियों के साथ साथ जाया करे और वे तुझ से दूसरे के खेत में न मिलें । सो रूत जौ और गेहूं दोनों की कटनी के अन्त लों बीनने के लिये बोअज की दासियों के साथ साथ लगी रही और अपनी सास के यहां रहती थी ।

उस की सास नाओमी ने उस से कहा हे मेरी बेटी क्या मैं तेरे लिये ठांव न ढूंढूं कि तेरा भला हो । अब जिस की दासियों के पास तू थी क्या वह बोअज हमारा कुटुम्बी नहीं है वह तो आज रात को खलिहान में जौ ओसाएगा । सो तू स्नान कर तेल लगा वस्त्र पहिन कर खलिहान को जा पर जब लों वह पुरुष खा पी न चुके तब लों अपने को उस पर प्रगट न करना । और जब वह लेट जाए तब तू उस के लेटने के स्थान को देख लेना फिर भीतर जा उस के पांव उघार के लेट जाना सो उसने अपनी सास की आज्ञा के अनुसार ही किया ।

जब बोअज खा पी चुका और उस का मन आनन्दित हुआ तब जाकर राशि के एक सिरे पर लेट गया सो वह चुपचाप गई और उस के पांव उघारके लेट गई ।

आधी रात को वह पुरुष चौंक पड़ा और आगे की ओर झुककर क्या पाया कि मेरे पांवों के पास कोई स्त्री लेटी है । उस ने पूछा तू कौन है तब वह बोली मैं तो तेरी दासी रूत हूं । उस ने कहा हे बेटी यहोवा की ओर से तुझ पर आशीष हो मत डर क्योंकि मेरे नगर के सब लोग जानते हैं कि तू भली स्त्री है । और अब सच तो है कि मैं छुड़ानेहारा कुटुम्बी हूं तौभी एक और है जिसे मुझ से पहिले ही छुड़ाने का अधिकार है । सो रात भर ठहरी रह और सबेरे यदि वह तेरे लिये छुड़ानेहारे का काम करना चाहे तो अच्छा वही ऐसा करे पर यदि वह तेरे लिये छुड़ानेहारे का काम करने को प्रसन्न न हो तो यहोवा के जीवन की सोंह मैं ही वह काम करूंगा भोर लों लेटी रह ।

बोअज का फाटक पास जाना ।

(रूत ३ : १४-४)

सो वह उस के पांवों के पास भोर लों लेटी रही और जब वह उठी तब बोअज ने कहा जो चद्दर तू ओढ़े है उसे फैलाकर थांम ले और जब उस ने उसे थांमा तब उस ने छः नपुए जौ नापकर उस को उठा दिया फिर वह नगर में चला गया । जब रूत अपनी सास के पास आई तब जो कुछ उस पुरुष ने उस से किया था वह सब उस ने उसे कह सुनाया । फिर उस ने कहा यह छः नपुए जौ उस ने यह कहकर मुझे दिया कि अपनी सास के पास छूछे हाथ मत जा । उस ने कहा हे मेरी बेटी जब लों तू न जाने कि इस बात का कैसा फल निकलेगा तब लों चुपचाप बैठा रह । तब बोअज

फाटक के पास जाकर बैठ गया और जिस छुड़ानेहारे कुटुम्बी की चर्चा बोअज ने किई थी वह भी आ गया सो बोअज ने कहा हे फुलाने इधर आकर यहीं बैठ जा सो वह उधर जाकर बैठ गया। तब उस ने नगर के दस पुरनियों को बुलाकर कहा यहीं बैठ जाओ सो वे बैठ गये।

तब वह उस छुड़ानेहारे कुटुम्बी से कहने लगा नाओमी जो मोआब देश से लौट आई है वह हमारे भाई एलीमेलेक की एक टुकड़ा भूमि बेचना चाहती है। सो मैं ने सोचा कि यह बात तुझ को जताकर कहूंगा कि तू उस को इन बैठे हुओं के साम्हने और मेरे लोगों के इन पुरनियों के साम्हने मोल ले सो यदि तू उस को छुड़ाना चाहे तो छुड़ा और यदि तू छुड़ाना न चाहे तो मुझे ऐसा हो बता दे कि मैं समझ लूं क्योंकि तुझे छोड़ उस के छुड़ाने का हक और किसी का नहीं है और तेरे पीछे मैं हूं उस ने कहा मैं उसे छुड़ाऊंगा। फिर बोअज ने कहा जब तू उस भूमि को नाओमी के हाथ से मोल ले तब उसे रूत मोआबिन के हाथ से भी जो मरे हुए की स्त्री है इस मनसा से मोल लेना पड़ेगा कि मरे हुए का नाम उस के भाग में स्थिर कर दे। उस छुड़ानेहारे कुटुम्बी ने कहा मैं उस को छुड़ा नहीं सकता न हो कि मेरा निज भाग बिगड़ जाए सो मेरा छुड़ाने का हक तू ले ले क्योंकि मुझ से वह छुड़ाया नहीं जाता।

दाऊद का दादा।

(रूत ४ : ७)

अगले दिनों इस्राएल में छुड़ाने और बदलने के विषय सब पक्का करने के लिये यह व्यवहार था कि मनुष्य अपनी जूती उतारके दूसरे को देता था। इस्राएल में गवाही इस रीति होती थी। सो उस छुड़ानेहारे कुटुम्बी ने बोअज से यह कहकर कि तू उसे मोल ले अपनी जूती उतारी।

सो बोअज ने पुरनियों और सब लोगों से कहा तुम आज इस बात के साक्षी हो कि जो कुछ एलीमेलेक का और जो कुछ किल्योन और महलोन का था वह सब मैं नाओमी के हाथ से मोल लेता हूं। फिर रूत मोआबिन को भी मैं अपनी स्त्री करने के लिये इस मनसा से मोल लेता हूं कि मरे हुए का नाम उस के निज भाग पर स्थिर करूं न हो कि मरे हुए का नाम उस के भाइयों में से और उस के स्थान के फाटक से मिट जाए तुम लोग आज साक्षी ठहरे हो। तब फाटक के पास जितने लोग थे उन्हों ने और पुरनियों ने कहा हम साक्षी हैं।

तब बोअज ने रूत को ब्याह लिया और वह उस की स्त्री हो गई और वह बेटा जनी। सो स्त्रियों ने नाओमी से कहा यहोवा धन्य है कि जिस ने तुझे आज छुड़ानेहारे कुटुम्बी के बिना नहीं छोड़ा इस्राएल में इस का बड़ा नाम हो। और यह तेरे जी में जी ले आनेहारा और तेरा बुढ़ापे में पालनेहारा हो क्योंकि तेरी बहू जो तुझ से प्रेम रखती और सात बेटों से भी तेरे लिये श्रेष्ठ है उसी का यह बेटा है। फिर नाओमी उस बच्चे को अपनी गोद में रखकर उस की धाई का काम करने लगी।

और उस की पड़ोसिनों ने यह कहकर कि नाओमी के एक बेटा उत्पन्न हुआ है लड़के का नाम ओबेद रक्खा। यिशै का पिता और दाऊद का दादा वही हुआ।

यहोवा की सेवा करने वाला बालक।

(१ शमूएल १,२)

एप्रैम के पहाड़ी देश का निवासी एल्काना नाम एक पुरुष था। और उस के दो स्त्रियां थीं एक का तो नाम हन्ना और दूसरी का पनिन्ना था और पनिन्ना के तो बालक हुए पर हन्ना के कोई बालक न हुआ। सो वह रोई और खाना न खाया।

सो उस के पति एल्काना ने उस से कहा हे हन्ना तू क्यों रोती है और खाना क्यों नहीं खाती और तेरा मन क्यों उदास है क्या तेरे लिये मैं दस बेटों से भी अच्छा नहीं हूं।

तब हन्ना उठी और यहोवा से प्रार्थना करने और बिलक बिलक रोने लगी। और उस ने यह मन्नत मानी कि हे सेनाओं के यहोवा यदि तू अपनी दासी के दुःख पर सचमुच दृष्टि करे और मेरी सुधि ले और अपनी दासी को भूल न जाए और अपनी दासी को पुत्र दे तो मैं उसे उस के जीवन भर के लिये यहोवा को अर्पण करूंगी।

सो हन्ना पुत्र जनी और यों कहकर कि मैं ने इसे यहोवा से मांगा है उस का नाम शमूएल रक्खा।

फिर एल्काना अपने सारे घराने समेत यहोवा के साम्हने बरस बरस की मेलबलि चढ़ाने और अपनी मन्नत पूरी करने के लिये गया। पर हन्ना अपने पति से यह कहकर घर में रह गई कि जब बालक का दूध छूट जाए तब मैं उस को ले जाऊंगी कि वह यहोवा को मुंह दिखाए और वहां सदा रहे।

और हन्ना ने प्रार्थना करके कहा
मेरा मन यहोवा के कारण हुलसता है
यहोवा के तुल्य कोई पवित्र नहीं
क्योंकि तुझ को छोड़ कोई है ही नहीं
और हमारे परमेश्वर के समान कोई चटान
नहीं है।
फूलकर अहंकार की और बातें मत करो
अन्धेर की बातें तुम्हारे मुंह से न निकलें
क्योंकि यहोवा ज्ञानी ईश्वर है
और उस के काम ठीक होते हैं।
यहोवा मारता और जिलाता भी है
अधोलोक में उतारता और उस से निकालता है।
यहोवा निर्धन करता है और धनी भी करता है
नीचा करता और ऊंचा भी करता है।
वह कङ्गाल को धूलि में से उठाता
और दरिद्र को घूरे पर से ऊंचा करता है
कि उन को रईसों के संग बिठाए
वह अपने भक्तों के पांवों को संभाले रहेगा
पर दुष्ट अन्धियारे में चुपचाप पड़े रहेंगे
क्योंकि कोई मनुष्य अपने बल के कारण प्रबल
न होगा।
यहोवा से झगड़नेहारे चकनाचूर होंगे
वह उन के विरुद्ध आकाश में बादल गरजाएगा
यहोवा पृथिवी की छोर तक न्याय करेगा।

तब एल्काना रामा को अपने घर चला गया और वह बालक एली याजक के साम्हने यहोवा की सेवा टहल करने लगा।

एली के पुत्र तो ओछे थे वे यहोवा को न जानते थे। उस ने उन से कहा तुम ऐसे ऐसे काम क्यों करते हो मैं तो इन सारे लोगों से तुम्हारे कुकर्मों की चर्चा सुना करता हूं। हे मेरे बेटो ऐसा न करो क्योंकि जो समाचार मेरे सुनने में आता है वह अच्छा नहीं तुम तो यहोवा की प्रजा से अपराध कराते हो। यदि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य का अपराध करे तब तो परमेश्वर उस का न्याय करेगा पर यदि कोई मनुष्य यहोवा के विरुद्ध पाप करे तो उस के लिये कौन बिनती करेगा। तौभी उन्हों ने अपने पिता की बात न मानी।

शमूएल और एली।

(१ शमूएल २:२६-३)

पर शमूएल बालक बढ़ता गया और यहोवा और मनुष्य दोनों उससे प्रसन्न रहते थे।

और परमेश्वर का एक जन एली के पास जाकर उस से कहने लगा यहोवा यों कहता है कि जब तेरे मूलपुरुष का घराना मिस्र में फिरौन के घराने के वश में था तब क्या मैं उस पर निश्चय प्रगट न हुआ था। मैं ने कहा तो था कि तेरा घराना और तेरे मूलपुरुष का घराना मेरे साम्हने सदा लों चला करेगा पर अब यह बात मुझ से दूर हो क्योंकि जो मेरा आदर करें मैं उन का आदर करूंगा और जो मुझे तुच्छ जानें वे छोटे समझे जाएंगे। सुन वे दिन आते हैं कि तेरे घराने में कोई बूढ़ा न रहेगा। और जितने मनुष्य तेरे घर में उत्पन्न होंगे वे सब जवानी ही में मरेंगे। और होप्नी और पीनहास नाम तेरे दोनों पुत्रों पर पड़ेगी अर्थात वे दोनों के दोनों एक ही दिन मरेंगे।

और वह बालक शमूएल एली के साम्हने यहोवा की सेवा टहल करता था। एली की आंखें तो धुंधली होने लगी थीं और उसे न सूझ पड़ता था। उस

समय जब वह अपने स्थान में लेटा हुआ था, और परमेश्वर का दीपक बुझा न था और शमूएल लेटा था, तब यहोवा ने शमूएल को पुकारा तब उस ने एली के पास दौड़कर कहा क्या आज्ञा तू ने तो मुझे पुकारा वह बोला मैं ने नहीं पुकारा फिर जा लेट रह सो वह जाकर लेट गया।

तब यहोवा ने फिर पुकारके कहा हे शमूएल। सो शमूएल उठकर एली के पास गया और कहा क्या आज्ञा तू ने तो मुझे पुकारा है उस ने कहा हे मेरे बेटे मैं ने नहीं पुकारा फिर जा लेट रह।

फिर तीसरी बार यहोवा ने शमूएल को पुकारा और वह उठके एली के पास गया और कहा क्या आज्ञा तू ने तो मुझे पुकारा है। तब एली ने समझ लिया कि इस बालक को यहोवा ने पुकारा होगा। सो एली ने शमूएल से कहा जा लेट रह और यदि वह तुझे फिर पुकारे तो कहना कि हे यहोवा कह क्योंकि तेरा दास सुनता है। सो शमूएल अपने स्थान पर जाकर लेट गया।

तब यहोवा आ खड़ा हुआ और पहिले की नाईं शमूएल शमूएल ऐसा पुकारा शमूएल ने कहा कह क्योंकि तेरा दास सुनता है।

यहोवा ने शमूएल से कहा सुन मैं इस्राएल में एक ऐसा काम करने पर हूं जिस के सारे सुननेहारे बड़े सन्नाटे में आ जाएंगे। उस दिन मैं एली के विरुद्ध वह सब पूरा करूंगा जो मैं ने उस के घराने के विषय में कहा है मैं आरम्भ करूंगा और अन्त भी कर दूंगा। मैं तो उस को यह कहकर जता चुका हूं कि मैं उस अधर्म्म का दण्ड जिसे तू जानता है तेरे घराने को सदा देता रहूंगा क्योंकि तेरे पुत्र आप स्रापित हुए हैं और तू ने उन्हें नहीं रोका। इस कारण मैं ने एली के घराने के विषय यह किरिया खाई कि एली के घराने के अधर्म्म का प्रायश्चित्त न तो मेलबलि से कभी होगा न अन्नबलि से।

तब शमूएल भोर लों लेटा रहा और यहोवा के भवन के किवाड़ों को खोला। पर शमूएल एली को उस दर्शन की बातें बताने से डरता था। सो एली ने शमूएल को पुकारकर कहा हे मेरे बेटे शमूएल वह कौन सी बात है जो उस ने तुझ से कही उसे मुझ से न छिपा जो कुछ उस ने तुझ से कहा हो यदि तू उस में से कुछ भी मुझ से छिपाए तो परमेश्वर तुझ से वैसा ही वरन उस से भी अधिक करे। सो शमूएल ने उस को सारी बातें कह सुनाईं और कुछ न छिपा रक्खा। वह बोला वह तो यहोवा है जो कुछ वह भला जाने वही करे।

फिर शमूएल बड़ा होता गया और यहोवा उस के संग रहा और उस की कोई बात निष्फल होने न दिई।

बूढ़ा एली और उस के दो पुत्र।

(१ शमूएल ४, ५, ६

तब पलिश्तियों ने इस्राएल के विरुद्ध पांति बांधी और जब लड़ाई बढ़ गई तब इस्राएल पलिश्तियों से हार गया। सो जब वे लोग छावनी में आये तब इस्राएल के पुरनिये कहने लगे यहोवा ने आज हमें पलिश्तियों से क्यों हरवा दिया है आओ हम यहोवा की वाचा का संदूक ले आएं कि वह हमारे बीच में आकर हमें शत्रुओं के हाथ से बचाए।

जब यहोवा की वाचा का संदूक छावनी में पहुंचा तब सारे इस्राएली इतने बल से ललकार उठे कि भूमि गूंज उठी। इस ललकार का शब्द सुनकर पलिश्तियों ने पूछा इब्रियों की छावनी में ऐसी बड़ी ललकार का क्या कारण होगा। तब उन्हों ने जान लिया कि यहोवा का संदूक छावनी में आया है। तब पलिश्ती डरकर कहने लगे उस छावनी में परमेश्वर आ गया है फिर उन्हों ने कहा हाय हम पर ऐसी बात पहिले न हुई थी। हाय हम पर ऐसे प्रतापी देवताओं के हाथ से हम को कौन बचायेगा ये तो वे ही देवता हैं जिन्हों ने मिस्रियों पर जंगल में सब प्रकार की विपत्तियां डाली थीं। हे पलिश्तियो हियाव बांधो और पुरुषार्थ करो न हो कि जैसे इब्री तुम्हारे अधीन रहे हैं वैसे तुम उन के अधीन हो जाओ पुरुषार्थ करके लड़ो।

सो पलिश्ती लड़े और इस्राएली हारके अपने अपने डेरे को भागे और ऐसा हुआ कि तीस हजार इस्राएली पैदल खेत रहे। और परमेश्वर का संदूक ले लिया गया और एली के दोनों पुत्र होफ्नी और पीनहास भी मारे गये।

तब एक बिन्यामीनी मनुष्य सेना में से दौड़ कर उसी दिन कपड़े फाड़े सिर पर मिट्टी डाले हुये शीलो में पहुंचा। उस के आते समय एली जिस का मन परमेश्वर के सन्दूक की चिन्ता से थरथरा रहा था सो मार्ग के किनारे कुर्सी पर बैठा बाट जोह रहा था और ज्योंही उस मनुष्य ने नगर में पहुंच कर वह समाचार दिया त्योंही सारा नगर चिल्ला उठा। यह चिल्लाने का शब्द सुनकर एली ने पूछा ऐसे हुल्लड़ मचने का क्या कारण है सो वह मनुष्य झट जाकर एली को बताने लगा।

एली तो अट्ठानवे बरस का था और उस की आंखें धुन्धली पड़ गई थीं और उसे कुछ सूझता न था। उस मनुष्य ने एली से कहा इस्राएली पलिश्तियों के साम्हने से भाग गये हैं और लोगों का बड़ा संहार भी हुआ और तेरे दो पुत्र होफ्नी और पीनहास मारे गये और परमेश्वर का सन्दूक भी छीन लिया गया है।

ज्योंही उस ने परमेश्वर के सन्दूक का नाम लिया त्योंही एली फाटक के पास कुरसी पर से पछाड़ खाकर गिर पड़ा और बूढ़ा और भारी होने के कारण उस की गर्दन टूट गई और वह मर गया। उस ने तो इस्राएलियों का न्याय चालीस बरस किया था। और पलिश्तियों ने परमेश्वर का सन्दूक अशदोद में पहुंचाकर दागोन के मन्दिर में दागोन के पास धर दिया। बिहान को अशदोदियों ने क्या देखा कि दागोन यहोवा के सन्दूक के साम्हने औंधे मुंह भूमि पर गिरा पड़ा है और दागोन का सिर और हथेलियां कटी हुई पड़ी हैं।

यहोवा का हाथ अशदोदियों के ऊपर भारी पड़ा और वह उन्हें नाश करने लगा। सो उन्हों ने परमेश्वर का सन्दूक एक्रोन को भेजा और परमेश्वर का हाथ वहां बहुत भारी पड़ा था। यहोवा का सन्दूक पलिश्तियों के देश में सात महीने लों रहा। तब पलिश्तियों ने याजकों और भावी कहनेहारों को बुला कर पूछा कि यहोवा के सन्दूक से हम क्या करें हमें बताओ कि क्या प्रायश्चित देकर हम उसे उस के स्थान पर भेजें।

वे बोले यदि तुम इस्राएल के देवता का सन्दूक वहां भेजो तो उसे वैसे ही न भेजना। तुम अपनी गिलटियों और अपने देश के नाश करनेहारे चूहों की भी मूरतें बनाकर इस्राएल के देवता की महिमा मानो क्या जाने वह अपना हाथ तुम पर से और तुम्हारे देवताओं और देश पर से उठा ले। सो अब तुम एक नई गाड़ी और ऐसी दो दुधार गायें लो जो जूए तले न आई हों और उन गायों को उस गाड़ी में जोतकर उन के बच्चों को उन के पास से लेकर घर को लौटा दो। तब यहोवा का संदूक लेकर गाड़ी पर धर दो और सोने की वस्तुयें दूसरे संदूक में धरके उस के पास रख दो फिर उसे छोड़ कर चली जाने दो।

सो उन मनुष्यों ने वैसा ही किया अर्थात दो दुधार गायें लेकर उस गाड़ी में जोतीं और उन के बच्चों को घर में बन्द कर दिया, और यहोवा का सन्दूक और दूसरा सन्दूक और सोने के चूहों और अपनी गिलटियों की मूरतों को गाड़ी पर रख दिया तब गायों ने सीधा मार्ग लिया वे सड़क ही सड़क बम्बाती हुई चली गईं और न दहिने मुड़ीं न बायें और पलिश्तियों के सरदार उन के पीछे पीछे बेतशेमेश के सिवाने लों गये।

और बेतशेमेश के लोग तराई में गेहूं काट रहे थे और जब उन्होंने आंखें उठाकर सन्दूक को देखा तब उस के देखने से आनन्दित हुए। और कहने लगे इस पवित्र परमेश्वर यहोवा के साम्हने कौन खड़ा रह सकता है। तब उन्हों ने किर्यत्यारीम के निवासियों के पास यों कहने को दूत भेजे कि पलिश्तियों ने यहोवा का सन्दूक लौटा दिया है सो तुम आकर उसे अपने पास ले जाओ। सो किर्यत्यारीम के लोगों ने जाकर यहोवा के सन्दूक को उठाया और अबीनादाब के घर में जो टीले पर बना था रक्खा और यहोवा के सन्दूक की रक्षा करने के लिये अबीनादाब के पुत्र एलाजार को पवित्र किया।

— —

पांचवां अध्याय।

इस्राएलियों के राज्य का आरम्भ

इस्राएलियों का राज्य उस दिन से है जिस दिन साऊल नामक एक जवान अपने पिता के गदहों को ढूंढ़ने गया और राज्य पाया। हम इस राज्य का वर्णन शमूएल और राजाओं की पहिली पुस्तक में पाते हैं। पर उन पुस्तकों में पूरा बयान नहीं है। केवल उन बातों का बयान है जिन को लिखनेवाले बड़ी बातें समझते थे। और देशों के इतिहास की पुस्तकों से हम जान सकते हैं कि अहाब राजा के दिनों में इस्राएल एक बहुत बड़ा और प्रसिद्ध राज्य था।

यहां हम तरह तरह की कहानियां पढ़ते हैं जैसा कि एली और उस के पुत्रों की कहानी—साऊल का जीवन वृत्तान्त जिस में राजकुमारों और सिपाहियों के बयान भी हैं दाऊद का वर्णन जो मूसा को छोड़ पुराने नियम के प्रसिद्ध लोगों में सब से बड़ा था।

दाऊद की कहानी सुनने से लोग बहुत ख़ुश होते हैं। इस कहानी में वह लड़कपन में गड़रिया होकर अपना गोफन और पत्थर लेकर आता है और राजा बन जाता है। वह इस बात में यूसुफ जैसा है कि उन दोनों को उनके पिताओं ने उन के भाइयों के पास भेजा था पर दाऊद बैतलहम नगर के एक और लड़के याने यीशु का परदादा होने से प्रसिद्ध है।

तीन बातों के लिये मनुष्य उस पुराने बयान को पढ़ते आये हैं इन में से यह दो बातें याद करने के योग्य हैं याने युनातन और दाऊद की मित्रता का बयान और दाऊद के दो विलाप गीत, एक युनातन और एक अबिसलूम के लिये।

इस्राएली राजा चाहते हैं।

(१ शमूएल ८)

जब शमूएल बूढ़ा हुआ तब उस ने अपने पुत्रों को इस्राएलियों पर न्यायी ठहराया। पर उस के पुत्र उस की सी चाल न चले अर्थात लालच में आकर घूस लेते और न्याय बिगाड़ते थे। सो सब इस्राएली पुरनिये एकट्ठे होकर शमूएल के पास जाकर, उस से कहने लगे सुन तू तो बूढ़ा हुआ और तेरे पुत्र तेरी सी चाल नहीं चलते अब हम पर न्याय करने के लिये सब जातियों की रीति के अनुसार हमारे ऊपर राजा ठहरा दे।

जो बात उन्हों ने कही शमूएल को बुरी लगी सो शमूएल ने यहोवा से प्रार्थना किई। यहोवा ने शमूएल से कहा वे लोग जो कुछ तुझ से कहें उसे सुन ले क्योंकि उन्हों ने तुझ को नहीं मुझी को निकम्मा जाना कि मैं उन पर राज्य न करूं। सो अब उन की बात मान पर उन्हें दृढ़ता से चिताकर उस राजा की चाल बतला दे जो उन पर राज्य करेगा।

सो शमूएल ने उन लोगों को जो उस से राजा चाहते थे यहोवा की सारी बातें कह सुनाईं। और उस ने कहा जो राजा तुम पर राज्य करेगा उस की यह चाल होगी अर्थात वह तुम्हारे पुत्रों को लेकर अपने रथों और घोड़ों के काम पर ठहरायेगा और वे उसके रथों के आगे आगे दौड़ा करेंगे। फिर वह हजार हजार और पचास पचास के प्रधान कर लेगा और कितनों से वह अपने हल जुतवाएगा और अपने खेत कटवाएगा और अपने युद्ध और रथों के हथियार बनवाएगा। फिर वह तुम्हारी बेटियों को लेकर उन से सुगन्धद्रव्य और रसोई और रोटियां बनवाएगा। फिर वह तुम्हारे खेतों और दाख और जलपाई की बारियों में से जो अच्छी से अच्छी हों उन्हें ले लेकर अपने कर्म्मचारियों को देगा। फिर वह तुम्हारे बीज और दाख की बारियों का दसवां अंश ले लेकर अपने हाकिमों और कर्म्मचारियों को देगा। फिर वह तुम्हारे दास दासियों को और तुम्हारे अच्छे से अच्छे जवानों को और तुम्हारे गदहों को भी लेकर अपने काम में लगाएगा। वह तुम्हारी भेड़ बकरियों का भी दसवां अंश लेगा निदान तुम लोग उस के दास बन जाओगे। और उस समय तुम अपने उस चुने हुए राजा के कारण हाय हाय करोगे पर यहोवा उस समय तुम्हारी न सुनेगा।

तौभी उन लोगों ने शमूएल की बात मानने से नाह करके कहा नहीं हम निश्चय अपने ऊपर राजा ठहरवाएंगे, इस लिये कि हम भी और सब जातियों के समान हो जायं और हमारा राजा हमारा न्याय करे और हमारे आगे आगे चलकर हमारी ओर से लड़ाई किया करे। लोगों की ये सारी बातें सुनकर शमूएल ने यहोवा के कान में कह सुनाईं। यहोवा ने शमूएल से कहा उन की बात मानकर उन के लिये राजा ठहरा दे।

शाऊल अपने पिता की गदहियों को ढूंढ़ता।

(१ शमूएल ९, १०)

बिन्यामीन के गोत्र का कीश नाम एक पुरुष था। उस के शाऊल नाम एक जवान पुत्र था जो सुन्दर था और इस्राएलियों में कोई उस से बढ़कर सुन्दर न था वह इतना लम्बा था कि दूसरे लोग उस के कांधे ही लों होते थे।

जब शाऊल के पिता कीश की गदहियां खो गईं तब कीश ने अपने पुत्र शाऊल से कहा एक सेवक को अपने साथ ले जाकर गदहियों को ढूंढ़ ला।

सो वह एप्रेम के पहाड़ी देश और शलीशा देश होते हुए गया पर उन्हें न पाया तब वे शालीम नाम देश भी होकर गये और वहां भी न पाया फिर बिन्यामीन के देश में गये पर गदहियां न मिलीं।

जब वे सूप नाम देश में आये तब शाऊल ने अपने साथ के सेवक से कहा आ हम लौट चलें न हो कि मेरा पिता गदहियों की चिन्ता छोड़कर हमारी चिन्ता करने लगे। उस ने उस से कहा सुन इस नगर में परमेश्वर का एक जन है जिस का

बड़ा आदरमान होता है और जो कुछ वह कहता वह हुए बिना नहीं रहता अब हम उधर चलें क्या जानें वह हम को हमारा मार्ग बताए कि किधर जाएं। शाऊल ने अपने सेवक से कहा सुन यदि हम उस पुरुष के पास चलें तो उस के लिये क्या ले चल देख हमारी थैलियों में की रोटी चुक गई और भेंट के योग्य कोई वस्तु नहीं जो हम परमेश्वर के उस जन को दें हमारे पास क्या है। सेवक ने फिर शाऊल से कहा कि मेरे पास तो एक शेकेल चान्दी की चौथाई है वही मैं परमेश्वर के जन को दूंगा कि वह हम को बताए कि किधर जाएं। सो शाऊल ने अपने सेवक से कहा तू ने भला कहा है हम चलें सो वे उस नगर को चले।

और ज्यों हीं नगर के भीतर पहुंच गये त्योंहीं शमूएल ऊंचे स्थान पर चढ़ने की मनसा से उन के साम्हने आ रहा था।

शाऊल के आने से एक दिन पहिले यहोवा ने शमूएल को यह चिता रक्खा था कि, कल इसी समय मैं तेरे पास बिन्यामीन के देश से एक पुरुष को भेजूंगा उसी को तू मेरी इस्राएली प्रजा के ऊपर प्रधान होने को अभिषेक करना और वह मेरी प्रजा को पलिश्तियों के हाथ से छुड़ाएगा।

फिर जब शाऊल शमूएल को देख पड़ा तब यहोवा ने उस से कहा जिस पुरुष की चर्चा मैं ने तुझ से किई थी वह यही है मेरी प्रजा पर यही अधिकार जमाएगा।

तब शाऊल फाटक में शमूएल के निकट आकर कहने लगा मुझे बता कि दर्शी का घर कहां है। उस ने कहा दर्शी तो मैं हूं मेरे आगे आगे ऊंचे स्थान पर चढ़ जा आज मेरे साथ तुम्हारा भोजन होगा और बिहान को जो कुछ तेरे मन में हो उसे मैं तुझे बताकर बिदा करूंगा। और तेरी गदहियां जो तीन दिन हुए खो गई थीं उन की कुछ चिन्ता न कर क्योंकि वे मिल गईं और इस्राएल में जो कुछ मनभाऊ है वह किस का है क्या वह तेरा और तेरे पिता के सारे घराने का नहीं है।

शाऊल ने उत्तर देकर कहा क्या मैं बिन्यामीनी अर्थात सब इस्राएली गोत्रों में से छोटे गोत्र का नहीं हूं और क्या मेरा कुल बिन्यामीन के गोत्र के सारे कुलों में से छोटा नहीं है सो तू मुझ से ऐसी बात क्यों कहता है। तब शमूएल ने शाऊल और उस के सेवक को ले कोठरी में पहुंचाकर न्योतहरों जो कोई तीस जन थे उन की पांति के सिरे पर बैठा दिया। फिर शमूएल ने ऊंचे स्थान से उतरकर शाऊल से बातें किईं।

बिहान को वे तड़के उठे और पह फटते फटते शमूएल ने शाऊल को छत पर बुलाकर कहा उठ मैं तुझ को बिदा करूंगा सो शाऊल उठा और वह और शमूएल दोनों बाहर निकल गये। नगर के सिरे की उतराई पर चलते चलते शमूएल ने शाऊल से कहा अपने सेवक को हम से आगे बढ़ने की आज्ञा दे। सो वह बढ़ गया, पर तू अभी ठहरा रह मैं तुझे परमेश्वर का बचन सुनाऊंगा।

तब शमूएल ने एक कुप्पी तेल लेकर उस के सिर पर उंडेला और उसे चूमकर कहा क्या इसका कारण यह नहीं कि यहोवा ने अपने निज भाग के ऊपर प्रधान होने को तेरा अभिषेक किया है। आज जब तू मेरे पास से चला जाएगा तब राहेल की कबर के पास जो बिन्यामीन के देश के सिवाने पर सेलसह में है दो जन तुझे मिलेंगे और कहेंगे कि जिन गदहियों को तू ढूंढ़ने गया था वे मिली हैं और सुन तेरा पिता गदहियों की चिन्ता छोड़कर तुम्हारे कारण कुढ़ता हुआ कहता है कि मैं अपने पुत्र के लिये क्या करूं। फिर वहां से आगे बढ़कर जब तू ताबोर के बांजवृक्ष के पास पहुंचेगा तब वहां तीन जन परमेश्वर के पास बेतेल को जाते हुए तुझे मिलेंगे जिन में से एक तो बकरी के तीन बच्चे और दूसरा तीन रोटी और तीसरा एक कुप्पा दाखमधु लिये हुए होगा। और वे तेरा कुशल पूछेंगे और तुझे दो रोटी देंगे। इस के पीछे तू गिबा में पहुंचेगा जो परमेश्वर का कहावता है जहां पलिश्तियों की चौकी है और जब तू वहां नगर में प्रवेश करे तब अपने आगे आगे सितार डफ बांसुली और बीणा बजवाते और नबूवत करते हुए नबियों का एक दल ऊंचे स्थान से उतरता हुआ तुझे मिलेगा। तब यहोवा का आत्मा तुझ पर बल से उतरेगा और तू उन के साथ होकर नबूवत करने लगेगा और बदलकर और ही मनुष्य हो जाएगा। और जब ये चिन्ह

तुझे देख पड़ेंगे तब जो काम करने का अवसर तुझे मिले उस में लग जाना क्योंकि परमेश्वर तेरे संग रहेगा ।

ज्योंहीं उस ने शमूएल के पास से जाने को पीठ फेरी त्योंहीं परमेश्वर ने उस का मन बदल दिया और वे सब चिन्ह उसी दिन हुए ।

राजा जीता रहे ।

(१ शमूएल १० : ११)

जब उन सभों ने जो उसे पहिले से जानते थे यह देखा कि वह नबियों के बीच नबूवत कर रहा है तब आपस में कहने लगे कि कीश के पुत्र को यह क्या हुआ क्या शाऊल भी नबियों में का है । इस पर यह कहावत चलने लगी कि क्या शाऊल भी नबियों में का है ।

तब शमूएल ने प्रजा के लोगों को मिस्पा में यहोवा के पास बुलवाया । तब उस ने इस्राएलियों से कहा इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि मैं तो इस्राएल को मिस्र देश से निकाल लाया और तुम को मिस्रियों के हाथ से और उन सब राज्यों के हाथ से जो तुम पर अंधेर करते थे छुड़ाया है । पर तुम ने आज अपने परमेश्वर को जो सारी विपत्तियों और कष्टों से तुम्हारा छुड़ानेहारा है तुच्छ जाना और उस से कहा है कि हम पर राजा ठहरा दे । सो अब तुम गोत्र गोत्र और हजार हजार कर के यहोवा के साम्हने खड़े हो जाओ । तब शमूएल सारे इस्राएली गोत्रियों को समीप लाया और चिट्ठी शाऊल के नाम पर निकली और जब वह खोजा गया तब न मिला । सो उन्हों ने फिर यहोवा से पूछा क्या यहां कोई और आनेहारा है यहोवा ने कहा हां सुनो वह सामान के बीच छिपा हुआ है । तब वे दौड़कर उसे वहां से लाये और वह लोगों के बीच खड़ा हुआ और वह कांधे से सिर तक सब लोगों से लम्बा था ।

शमूएल ने सब लोगों से कहा क्या तुम ने यहोवा के चुने हुये को देखा है कि सारे लोगों में कोई उस के बराबर नहीं तब सब लोग ललकारके बोल उठे राजा जीता रहे । तब शमूएल ने लोगों से राजनीति का वर्णन किया और उसे पुस्तक में लिख कर यहोवा के आगे रख दिया । और शमूएल ने सब लोगों को अपने अपने घर जाने को बिदा किया ।

और शाऊल गिबा को अपने घर चला गया और उस के साथ एक दल भी गया जिन के मन को परमेश्वर ने उभारा था । पर कई ओछे लोगों ने कहा यह जन हमारा क्या उद्धार करेगा और उन्हों ने उस को तुच्छ जाना और उस के पास भेंट न लाये तौभी वह सुनी अनसुनी करके चुप रहा ।

शाऊल राजा का वृत्तान्त ।

(१ शमूएल ११, १२)

तब अम्मोनी नाहाश ने चढ़ाई करके याबेश के विरुद्ध छावनी डाली सो याबेश के सब पुरुषों ने नाहाश से कहा हम से वाचा बांध और हम तेरी अधीनता मान लेंगे ।

नाहाश ने उन से कहा मैं तुम से वाचा इस शर्त पर बांधूंगा कि मैं तुम सभों की दहिनी आंखें फोड़ कर इसे सारे इस्राएल की नामधराई का कारण कर दूं । याबेश के पुरनियों ने उस से कहा हमें सात दिन का अवकाश दे तब लों हम इस्राएल के सारे देश में दूत भेजेंगे और यदि हम को कोई बचानेहारा न मिले तो हम तेरे पास निकल आयेंगे ।

दूतों ने लोगों को यह संदेश सुनाया और सब लोग चिल्ला चिल्ला कर रोने लगे ।

तब शाऊल ढोर के पीछे पीछे मैदान से चला आया और शाऊल ने पूछा लोगों को क्या हुआ कि वे रोते हैं सो याबेश के लोगों का संदेश उसे सुनाया गया, यह संदेश सुनते ही शाऊल पर परमेश्वर का आत्मा बल से उतरा और उस का कोप बहुत भड़क उठा । तब उस ने उन्हें बेजेक में गिन लिया और इस्राएलियों के तीन लाख और यहूदियों के तीस हजार ठहरे । और उन्होंने उन दूतों से जो आये थे कहा कि कल जिस समय घाम कड़ा होगा तब

छुटकारा पाओगे सो दूतों ने जाकर याबेश के लोगों को संदेश दिया और वे आनन्दित हुए।

दूसरे दिन शाऊल ने लोगों के तीन दल किये और उन्होंने रात के पिछले पहर में छावनी के बीच में आकर अम्मोनियों को मारा और घाम के कड़े होने के समय लों ऐसे मारते रहे कि जो बच निकले वे यहां लों तितर बितर हुए कि दो जन एक संग कहीं न रहे। तब शमूएल ने इस्राएलियों से कहा आओ हम गिलगाल को चलें और वहां राज्य को नये सिरे से स्थापित करें। सो सब लोग गिलगाल को चले और वहां उन्होंने गिलगाल में यहोवा के साम्हने शाऊल को राजा बनाया।

शमूएल ने सारे इस्राएलियों से कहा सुनो जो कुछ तुम ने मुझ से कहा था उसे मानकर मैं ने एक राजा तुम्हारे ऊपर ठहराया है। और अब देखो वह राजा तुम्हारे साम्हने काम करता है और मैं बूढ़ा हूं और मेरे बाल पक गये हैं और मेरे पुत्र तुम्हारे पास हैं और मैं लड़कपन से लेकर आज लों तुम्हारे साम्हने काम करता रहा हूं। मैं हाजिर हूं तुम यहोवा के साम्हने और उस के अभिषिक्त के सामने मुझ पर साक्षी दो कि मैंने किस का बैल ले लिया वा किस का गदहा ले लिया वा किस पर अंधेर किया वा किस को पीसा वा किस के हाथ से अपनी आंखें बन्द करने के लिये घूस लिया। वे बोले तू ने न तो हम पर अंधेर किया न हमें पीसा और न किसी के हाथ से कुछ लिया है। उसने उन से कहा जब तुम ने देखा कि नाहाश हम पर चढ़ाई करता है तब यद्यपि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारा राजा था तौभी तुम ने मुझ से कहा नहीं हम पर एक राजा राज्य करेगा। अब उस राजा को देखो जिसे तुम ने चुन लिया। यदि तुम यहोवा का भय मानते उस की उपासना करते और उस की बात सुनते रहो और यहोवा की आज्ञा टाल उस से बलवा न करो और तुम और वह जो तुम पर राजा हुआ है दोनों अपने परमेश्वर यहोवा के पीछे पीछे चलनेहारे हो यह तो भला होगा। पर यदि तुम यहोवा की बात न मानो तो यहोवा का हाथ तुम्हारे विरुद्ध होगा।

सो सब लोगों ने शमूएल से कहा अपने दासों के निमित्त अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर कि हम मर न जाएं हम ने अपने सारे पापों से बढ़कर यह बुराई किई है कि राजा मांगा है।

शमूएल ने लोगों से कहा डरो मत तुम ने तो यह सारी बुराई किई है पर अब यहोवा के पीछे चलने से फिर मत मुड़ो अपने सारे मन से उस की उपासना करो यहोवा तो अपने बड़े नाम के कारण अपनी प्रजा को न त्यागेगा। फिर यह मुझ से दूर हो कि मैं तुम्हारे लिये प्रार्थना करना छोड़कर यहोवा के विरुद्ध पापी ठहरूं मैं तो तुम्हें अच्छा और सीधा मार्ग दिखाता रहूंगा। इतना हो कि तुम लोग यहोवा का भय मानो और सच्चाई से अपने सारे मन के साथ उस की उपासना करो और यह सोचो कि उस ने हमारे लिये कैसे बड़े बड़े काम किये हैं। पर यदि तुम बुराई करते ही रहो तो तुम और तुम्हारा राजा दोनों के दोनों मिट जाओगे।

योनातान।

(१ शमूएल १४)

एक दिन शाऊल के पुत्र योनातान ने अपने पिता से बिना कुछ कहे अपने हथियार ढोनेहारे जवान से कहा आ हम उधर पलिश्तियों की चौकी के पास चलें। शाऊल तो अनार के पेड़ तले टिका हुआ था और उस के संग के लोग कोई छः सौ थे। पर उन लोगों को मालूम न था कि योनातान चला गया है।

सो योनातान ने अपने हथियार ढोनेहारे जवान से कहा आ हम चौकी के पास जाएं क्या जाने यहोवा हमारी सहायता करे क्योंकि यहोवा को कुछ रोक नहीं कि चाहे बहुत लोगों के द्वारा चाहे थोड़े लोगों के द्वारा छुटकारा दे। उस के हथियार ढोनेहारे ने उस से कहा जो कुछ तेरे मन में हो वही कर उधर चल मैं तेरी इच्छा के अनुसार तेरे संग रहूंगा।

सो योनातान ने कहा मेरे पीछे पीछे चढ़ आ क्योंकि यहोवा उन्हें इस्राएलियों के हाथ में कर देगा। सो योनातान अपने हाथों और पांवों के बल

चढ़ गया और उस का हथियार ढोनेहारा भी उस के पीछे पीछे चढ़ गया। यह पहिला संहार जो योनातान और उस के हथियार ढोनेहारे से हुआ उस में आधे बीघे भूमि में बीस एक पुरुष मारे गये। और छावनी में और मैदान पर और उन सारे लोगों में थरथराहट हुई और चौकीवाले और नाश करनेहारे भी थरथराने लगे और भुईंडोल भी हुआ सो अत्यन्त बड़ी थरथराहट हुई। और शाऊल के पहरुओं ने दृष्टि करके देखा कि वह भीड़ घटती जाती है और वे लोग इधर उधर चले जाते हैं। सो यहोवा ने उस दिन इस्राएलियों को छुटकारा दिया।

पर इस्राएली पुरुष उस दिन तंग हुए क्योंकि शाऊल ने उन लोगों को किरिया धराकर कहा स्रापित हो वह जो सांझ से पहिले कुछ खाए इसी रीति में अपने शत्रुओं से पलटा ले सकूंगा। सो उन लोगों में से किसी ने कुछ भोजन न किया। पर योनातान ने अपने पिता को लोगों को किरिया धराते न सुना था सो उस ने अपने हाथ की छड़ी की नोक बढ़ाकर मधु के छत्ते में बोरी और अपना हाथ अपने मुंह तक लगाया तब उस की आंखों से सूझने लगा।

तब लोगों में से एक मनुष्य ने कहा तेरे पिता ने लोगों को दृढ़ता से किरिया धराके कहा स्रापित हो वह जो आज कुछ खाए और लोग थके मान्दे थे योनातान ने कहा मेरे पिता ने लोगों को कष्ट दिया है देखो मैं ने इस मधु को थोड़ा सा चक्खा और मुझे आंखों से कैसा सूझने लगा। सो यदि आज लोग अपने शत्रुओं की लूट से जिसे उन्हों ने पाया मन माना खाते तो कितना अच्छा होना अभी तो बहुत पलिश्ती मारे नहीं गये।

फिर शाऊल ने कहा हम इसी रात को पलिश्तियों का पीछा करके उन्हें भोर लों लूटते रहें और उन में से एक मनुष्य को भी जीता न छोड़ें। सो शाऊल ने परमेश्वर से पुछवाया कि क्या मैं पलिश्तियों का पीछा करूं पर उसे उस दिन कुछ उत्तर न मिला। तब शाऊल ने कहा हे प्रजा के मुख्य लोगो इधर आकर बूझो और देखो कि आज पाप किस प्रकार से हुआ है। क्योंकि इस्राएल के छुड़ानेहारे यहोवा के जीवन की सौंह यदि वह पाप मेरे पुत्र योनातान से हुआ हो तौभी निश्चय वह मार डाला जाएगा पर सब लोगों में से किसी ने उसे उत्तर न दिया।

तब शाऊल ने योनातान से कहा मुझे बता कि तू ने क्या किया है योनातान ने बताया और उस से कहा मैं ने अपने हाथ की छड़ी की नोक से थोड़ा सा मधु चख तो लिया है और देख मुझे मरना है। शाऊल ने कहा परमेश्वर ऐसा ही करे वरन इस से अधिक भी करे हे योनातान तू निश्चय मारा जाएगा।

पर लोगों ने शाऊल से कहा क्या योनातान मारा जाए जिस ने इस्राएलियों का ऐसा बड़ा छुटकारा किया है ऐसा न होगा यहोवा के जीवन की सौंह उस के सिर का एक बाल भी भूमि पर गिरने न पाएगा क्योंकि आज के दिन उस ने परमेश्वर के साथ होकर काम किया है। सो प्रजा के लोगों ने योनातान को बचा लिया और वह मारा न गया। सो शाऊल पलिश्तियों का पीछा छोड़कर लौट गया और पलिश्ती भी अपने स्थान को चले गये।

जब शाऊल इस्राएलियों के राज्य में स्थिर हो गया तब वह अपने चारों ओर के सब शत्रुओं से लड़ा और जहां जहां वह जाता वहां जय पाता था। और शाऊल के जीवन भर पलिश्तियों से भारी लड़ाई होती रही सो जब जब शाऊल को कोई वीर वा अच्छा योद्धा देख पड़ा तब उस ने उसे अपने पास रख लिया।

बेतलेहम का चरवाहा।

(१ शमूएल १५ : ३५-१६)

और शमूएल ने अपने जीवन भर शाऊल से फिर भेंट न किई क्योंकि शमूएल शाऊल के विषय विलाप करता रहा।

और यहोवा शाऊल को इस्राएल का राजा करके पछताता था। और शमूएल से कहा मैं ने शाऊल को इस्राएल पर राज्य करने के लिये तुच्छ जाना है सो तू कब लों उस के विषय विलाप करता रहेगा अपने सींग में तेल भरके चल मैं तुझ को बेतलेहेमी यिशै

के पास भेजता हूं क्योंकि मैं ने उस के पुत्रों में से एक को राजा होने के लिये चुना है। सो शमूएल बेतलेहेम को गया। उस नगर के पुरनिये थरथराते हुए उस से मिलने को गये और कहने लगे क्या तू मित्रभाव से आया है कि नहीं। उस ने कहा हां मित्रभाव से आया हूं मैं यहोवा के लिये यज्ञ करने को आया हूं तुम अपने अपने को पवित्र कर के मेरे साथ यज्ञ में आओ। तब उस ने यिशै और उस के पुत्रों को पवित्र करके यज्ञ में आने का न्योता दिया। जब वे आये तब यिशै ने अपने सात पुत्रों को शमूएल के साम्हने भेजा और शमूएल यिशै से कहता गया यहोवा ने इसे नहीं चुना। तब शमूएल ने यिशै से कहा क्या सब लड़के आ गये वह बोला नहीं लहुरा तो रह गया और वह भेड़ बकरियों को चरा रहा है। शमूएल ने यिशै से कहा उसे बुलवा भेज क्योंकि जब लों वह यहां न आए तब लों हम खाने को न बैठेंगे। सो वह उसे बुलाकर भीतर ले आया। उस के तो लाली झलकती थी और उस की आंखें सुन्दर और उस का रूप सुडौल था। तब यहोवा ने कहा उठकर इस का अभिषेक कर यही है।

सो शमूएल ने अपना तेल का सींग लेकर उस के भाइयों के मध्य में उस का अभिषेक किया और उस दिन से लेकर आगे को यहोवा का आत्मा दाऊद पर बल से उतरता रहा।

और यहोवा का आत्मा शाऊल पर से उठ गया और यहोवा की ओर से एक दुष्ट आत्मा उसे घबराने लगा। सो शाऊल के कर्म्मचारियों ने उस से कहा हमारा प्रभु अपने कर्म्मचारियों को जो हाजिर हैं आज्ञा दे कि वे किसी अच्छे बीनबजानेहारे को ढूंढ़ ले आएं और जब जब दुष्ट आत्मा तुझ पर चढ़े तब वह अपने हाथ से बजाए और तू अच्छा हो जाए। शाऊल ने अपने कर्म्मचारियों से कहा अच्छा एक उत्तम बजवैया देखो और उसे मेरे पास लाओ।

तब एक जवान ने उत्तर देके कहा सुन मैं ने बेतलेहेमी यिशै के एक पुत्र को देखा जो बीणा बजाना जानता है और वह बीर और योद्धा भी और बात करने में बुद्धिमान और रूपवान भी है और यहोवा उस के साथ रहता है।

सो शाऊल ने दूतों के हाथ यिशै के पास कहला भेजा कि अपने पुत्र दाऊद को जो भेड़ बकरियों के साथ रहता है मेरे पास भेज दे। तब यिशै ने रोटी से लदा हुआ एक गदहा और कुप्पा भर दाखमधु और बकरी का एक बच्चा लेकर अपने पुत्र दाऊद के हाथ से शाऊल के पास भेज दिया।

सो दाऊद शाऊल के पास जाकर उस के साम्हने हाजिर रहने लगा और शाऊल उस से बहुत प्रीति करने लगा।

तब शाऊल ने यिशै के पास कहला भेजा कि दाऊद को मेरे साम्हने हाजिर रहने दे क्योंकि मैं उस से बहुत प्रसन्न हूं। सो जब जब वह आत्मा शाऊल पर चढ़ता था तब तब दाऊद बीणा लेकर बजाता और शाऊल चैन पाकर अच्छा हो जाता था और वह दुष्ट आत्मा उस पर से उतर जाता था।

दाऊद और गोल्यत।

(१ शमूएल १७)

पलिश्तियों ने लड़ने के लिये अपनी सेनाओं को एकट्ठा किया और सोको में एक साथ होकर डेरे डाले।

और शाऊल और इस्राएली पुरुषों ने भी एकट्ठे होकर एला नाम तराई में डेरे डाले और लड़ाई के लिये पलिश्तियों के विरुद्ध पांति बांधी। पलिश्ती तो एक ओर के पहाड़ पर और इस्राएली दूसरी ओर के पहाड़ पर खड़े रहे और दोनों के बीच तराई थी।

तब पलिश्तियों की छावनी से एक बीर गोल्यत नाम निकला और उस के डील की लम्बाई छः हाथ एक बित्ता थी। उस के सिर पर पीतल का टोप था और वह एक पत्तर का झिलम पहिने हुए था जिस का तौल पांच हजार शेकेल पीतल का था। उस की टांगों पर पीतल के कवच थे और उस के कंधों के बीच पीतल की सांग बन्धी थी। उस के भाले की छड़ जुलाहे के ढेके के समान थी और उस भाले का फल छः सौ शेकेल लोहे का था और बड़ी

ढाल लिये एक जन उस के आगे आगे चलता था।

वह खड़ा होकर इस्राएली पांतियों को ललकारके बोला तुम ने यहां आकर लड़ाई के लिये क्यों पांति बांधी है क्या मैं पलिश्ती नहीं हूं और तुम शाऊल के अधीन नहीं हो अपने में से एक पुरुष चुनो कि वह मेरे पास उतर आए। यदि वह मुझ से लड़कर मुझे मार सके तब तो हम तुम्हारे अधीन हो जाएंगे पर यदि मैं उस पर प्रबल होकर उसे मारूं तो तुम को हमारे अधीन होकर हमारी सेवा करनी पड़ेगी। फिर वह पलिश्ती बोला मैं आज के दिन इस्राएली पांतियों को ललकारता हूं किसी पुरुष को मेरे पास भेजो कि हम एक दूसरे से लड़ें।

उस पलिश्ती की इन बातों को सुनकर शाऊल और सारे इस्राएलियों का मन कच्चा हो गया और वे निपट डर गये। वह पलिश्ती तो चालीस दिन लों सवेरे और सांझ को निकट जाकर खड़ा हुआ करता था।

और यिशै ने अपने पुत्र दाऊद से कहा यह एपा भर चबैना और ये दस रोटियां लेकर छावनी में अपने भाइयों के पास दौड़ जा। और पनीर की ये दस टिकियां उन के सहस्रपति के लिये ले जा और अपने भाइयों का कुशल देखकर उन की कोई चिन्हानी ले आना।

सो दाऊद बिहान को सवेरे उठ भेड़ बकरियों को किसी रखवाले के हाथ में छोड़कर वे वस्तुएं लेकर चला और जब सेना रणभूमि को जा रही और लड़ने को ललकार रही थी उसी समय वह पहुंचा। तब इस्राएलियों और पलिश्तियों ने अपनी अपनी सेना आम्हने साम्हने करके पांति बांधी।

सो दाऊद रणभूमि को दौड़ा और अपने भाइयों के पास जाकर उन का कुशलक्षेम पूछा। वह उन के साथ बातें कर रहा था कि वह बीर गोलयत चढ़ आया और पहिले की सी बातें कहने लगा और दाऊद ने उन्हें सुना।

उस पुरुष को देखकर सब इस्राएली अत्यन्त भय खाकर उस के साम्हने से भागे। फिर इस्राएली पुरुष कहने लगे क्या तुम ने उस पुरुष को देखा है जो चढ़ा आ रहा है निश्चय वह इस्राएलियों को ललकारने को चढ़ा आता है सो जो कोई उसे मार डाले उस को राजा बहुत धन देगा और अपनी बेटी ब्याह देगा और उस के पिता के घराने को इस्राएल में स्वाधीन कर देगा।

जब दाऊद उन पुरुषों से जो उस के आस पास खड़े थे बातें कर रहा था तब उस का बड़ा भाई एलीआब सुन रहा था और एलीआब दाऊद से बहुत क्रोधित होकर कहने लगा तू यहां क्यों आया है और जंगल में उन थोड़ी सी भेड़ बकरियों को तू किस के पास छोड़ आया है तेरा अभिमान और तेरे मन की बुराई मुझे मालूम है तू तो लड़ाई देखने के लिये यहां आया है। दाऊद ने कहा मैं ने अब क्या किया है वह तो निरी बात थी।

जब दाऊद की बातों की चर्चा हुई तब शाऊल को भी सुनाई गई और उस ने उसे बुलवा भेजा। तब दाऊद ने शाऊल से कहा किसी मनुष्य का मन उस के कारण कच्चा न हो तेरा दास जाकर उस पलिश्ती से लड़ेगा। शाऊल ने दाऊद से कहा तू जाकर उस पलिश्ती के विरुद्ध नहीं जा सकता क्योंकि तू तो लड़का है और वह लड़कपन ही से योद्धा है।

दाऊद ने शाऊल से कहा तेरा दास अपने पिता की भेड़ बकरियां चराता था और जब कोई सिंह वा भालू आ झुण्ड में से मेम्ना उठा ले गया, तब मैं ने उस का पीछा करके उसे मारा और मेम्ने को उस के मुंह से छुड़ाया और जब उस ने मुझ पर चढ़ाई किई तब मैं ने उस के केशर को पकड़कर उसे मार डाला। तेरे दास ने सिंह और भालू दोनों को मार डाला और वह पलिश्ती उन के समान हो जाएगा क्योंकि उस ने जीवते परमेश्वर की सेना को ललकारा है। फिर दाऊद ने कहा यहोवा जिस ने मुझे सिंह और भालू दोनों के पंजे से बचाया वह मुझे उस पलिश्ती के हाथ से भी बचाएगा। शाऊल ने दाऊद से कहा जा यहोवा तेरे साथ रहे।

तब शाऊल ने अपने वस्त्र दाऊद को पहिनाये और पीतल का टोप उस के सिर पर रख दिया और झिलम उस को पहिनाया। और दाऊद ने उस की तलवार वस्त्र के ऊपर कसी और चलने का यत्न किया उस ने तो उन को न परखा था सो दाऊद



योनातान और दाऊद-सच्चे मित्र ।

ने शाऊल से कहा इन्हें पहिने हुए मुझ से चला नहीं जाता क्योंकि मैं ने नहीं परखा सो दाऊद ने उन्हें उतार दिया। तब उस ने अपनी लाठी हाथ में ले नाले में से पांच चिकने पत्थर छांटकर अपनी चरवाही की थैली अर्थात अपने झोले में रक्खे और अपना गोफन हाथ में लेकर पलिश्ती के निकट चला। और पलिश्ती चलते चलते दाऊद के निकट पहुंचने लगा और जो जन उस की बड़ी ढाल लिये था वह उस के आगे आगे चला।

जब पलिश्ती ने दृष्टि करके दाऊद को देखा तब उसे तुच्छ जाना क्योंकि वह लड़का ही था और उस के मुख में लाली झलकती थी और वह सुन्दर था। सो पलिश्ती ने दाऊद से कहा क्या मैं कुकुर हूं कि तू लाठियां लेकर मेरे पास आता है। मेरे पास आ मैं तेरा मांस आकाश के पक्षियों और बनले पशुओं को दे दूंगा।

दाऊद ने पलिश्ती से कहा तू तो तलवार और भाला और सांग लिये हुए मेरे पास आता है पर मैं सेनाओं के यहोवा के नाम से तेरे पास आता हूं जो इस्राएली सेना का परमेश्वर है और उसी को तू ने ललकारा है। आज के दिन यहोवा तुझ को मेरे हाथ में कर देगा और मैं तुझ को मारूंगा और तेरा सिर तेरे धड़ से अलग करूंगा और मैं आज के दिन पलिश्ती सेना की लोथें आकाश के पक्षियों और पृथिवी के जीव जन्तुओं को दे दूंगा तब सारी पृथिवी के लोग जान लेंगे कि इस्राएल में परमेश्वर है। और यह सारी मण्डली जान लेगी कि यहोवा तलवार वा भाले के द्वारा जयवन्त नहीं करता। यह लड़ाई तो यहोवा की है और वह तुम्हें हमारे हाथ में कर देगा।

जब पलिश्ती उठकर दाऊद का साम्हना करने के लिये निकट आया तब दाऊद सेना की ओर पलिश्ती का साम्हना करने के लिये फुर्त्ती से दौड़ा। फिर दाऊद ने अपनी थैली में हाथ डाल उस में से एक पत्थर ले गोफन में धर पलिश्ती के माथे पर ऐसा मारा कि पत्थर उस के माथे के भीतर पैठ गया और वह भूमि पर मुह के बल गिरा।

यों दाऊद ने पलिश्ती पर गोफन और पत्थर ही द्वारा प्रबल होकर उसे मार डाला और दाऊद के हाथ में तलवार न थी। तब दाऊद दौड़कर पलिश्ती के ऊपर खड़ा हुआ और उस की तलवार पकड़कर मियान से खींची और उस को घात किया और उस का सिर उसी तलवार से काट डाला। यह देखकर कि हमारा बीर मर गया पलिश्ती भाग गये।

और दाऊद पलिश्ती का सिर यरूशलेम में ले गया और उस के हथियार अपने डेरे में धर दिये।

जब शाऊल ने दाऊद को उस पलिश्ती का साम्हना करने के लिये जाते देखा तब उस ने अपने सेनापति अब्नेर से पूछा वह जवान किस का पुत्र है अब्नेर ने कहा हे राजा तेरे जीवन की सोंह मैं नहीं जानता। राजा ने कहा तू पूछ ले कि वह जवान किस का पुत्र है। सो जब दाऊद पलिश्ती को मार के लौटा तब अब्नेर ने उसे पलिश्ती का सिर हाथ में लिये हुए शाऊल के साम्हने पहुंचाया।

योनातान और दाऊद की मित्रता।

(१ शमूएल १८)

जब वह शाऊल से बात कर चुका तब योनातान का मन दाऊद पर ऐसा लग गया कि योनातान उसे अपने प्राण के बराबर प्यार करने लगा। और उस दिन से शाऊल ने उसे अपने पास रक्खा और पिता के घर को फिर लौटने न दिया।

तब योनातान ने दाऊद से वाचा बांधी क्योंकि वह उस को अपने प्राण के बराबर प्यार करता था। और योनातान ने अपना बागा जो वह आप पहिने था उतार के उसे अपने वस्त्र समेत दाऊद को दिया वरन अपनी तलवार और धनुष और फेंटा भी उस को दे दिये। और जहां कहीं शाऊल दाऊद को भेजता वहां वह जाकर बुद्धिमानी के साथ काम करता था सो शाऊल ने उसे योद्धाओं का प्रधान किया और सारी प्रजा के लोग उस से प्रसन्न हुए। तब सब इस्राएली नगरों से स्त्रियों ने निकलकर डफ और तिकोने बाजे लिये हुए आनन्द के साथ

गाती और नाचती हुई शाऊल राजा से भेंट किई। और वे स्त्रियां नाचती हुई एक दूसरी के साथ यह टेक गाती गई कि

शाऊल ने तो हजारों को
पर दाऊद ने लाखों को मारा है।

तब शाऊल अति क्रोधित हुआ और यह बात उस को बुरी लगी और वह कहने लगा उन्हों ने दाऊद के लिये तो लाखों और मेरे लिये हजारों ही कहे राज्य को छोड़ उस को सब कुछ मिला है। सो उस दिन से आगे को शाऊल दाऊद की ताक में लगा रहा।

शाऊल और दाऊद।

(१ शमूएल १८ : १०-१९, २०)

दूसरे दिन दुष्ट आत्मा शाऊल पर बल से उतरा और दाऊद दिन दिन की नाईं बजा रहा था और शाऊल के हाथ में भाला था। सो शाऊल ने यह सोचकर कि मैं ऐसा मारूंगा कि भाला दाऊद को बेधकर भीत में धस जाए भाले को चलाया पर दाऊद उस के साम्हने से दो बार हट गया।

फिर शाऊल दाऊद से डर गया क्योंकि यहोवा दाऊद के साथ रहा और शाऊल के पास से अलग हो गया था। सो शाऊल ने उस को अपने पास से अलग करके सहस्रपति किया और वह प्रजा के साम्हने आया जाया करता था। और दाऊद अपनी सारी चाल में बुद्धिमानी दिखाता था और यहोवा उस के साथ रहता था।

सो जब शाऊल ने देखा कि वह बहुत बुद्धिमान है तब वह उस से डर गया। पर इस्राएल और यहूदा के सारे लोग दाऊद से प्रेम रखते थे क्योंकि वह उन के देखते आया जाया करता था।

और शाऊल ने यह सोचकर कि मेरा हाथ नहीं पलिश्तियों ही का हाथ दाऊद पर पड़े उस से कहा सुन मैं अपनी बड़ी बेटी मेरब को तुझे ब्याह दूंगा इतना हो कि तू मेरे लिये बीरता करके यहोवा की ओर से लड़े।

दाऊद ने शाऊल से कहा मैं क्या हूं और मेरा जीवन क्या है और इस्राएल में मेरे पिता का कुल क्या है कि मैं राजा का दामाद हो जाऊं। जब समय आ गया कि शाऊल की बेटी मेरब दाऊद से ब्याही जाए तब वह अद्रीएल से ब्याही गई। और शाऊल की बेटी मीकल दाऊद से प्रीति रखने लगी और जब इस बात का समाचार शाऊल को मिला तब वह प्रसन्न हुआ। शाऊल तो सोचता था कि वह उस के लिये फन्दा हो और पलिश्तियों का हाथ उस पर पड़े। फिर शाऊल ने अपने कर्म्मचारियों को आज्ञा दिई कि दाऊद से छिपकर ऐसी बातें करो कि सुन राजा तुझ से प्रसन्न है और उस के सब कर्म्मचारी भी तुझ से प्रेम रखते हैं सो अब तू राजा का दामाद हो जा। सो शाऊल के कर्म्मचारियों ने दाऊद से ऐसी ही बातें कहीं सो शाऊल ने अपनी बेटी मीकल को उसे ब्याह दिया।

जब शाऊल ने देखा और निश्चय किया कि यहोवा दाऊद के साथ है और मेरी बेटी मीकल उस से प्रेम रखती है, तब शाऊल दाऊद से और भी डर गया और शाऊल सदा के लिये दाऊद का बैरी बन गया।

फिर पलिश्तियों के प्रधान निकल आये और जब जब वे निकल आये तब तब दाऊद ने शाऊल के और सब कर्म्मचारियों से अधिक बुद्धिमानी दिखाई इस से उस का नाम बहुत बड़ा हो गया।

सो शाऊल ने अपने पुत्र योनातान और अपने सब कर्म्मचारियों से दाऊद को मार डालने की चर्चा किई। पर योनातान दाऊद से बहुत प्रसन्न था। सो योनातान ने दाऊद को बताया कि मेरा पिता तुझे मरवा डालना चाहता है सो तू बिहान को सावधान रहना और किसी गुप्त स्थान में बैठा हुआ छिपा रहना। और मैं मैदान में जहां तू होगा वहां जा कर अपने पिता के पास खड़ा हूंगा और उस से तेरी चर्चा करूंगा और यदि मुझे कुछ मालूम हो तो तुझे बताऊंगा।

सो योनातान ने अपने पिता शाऊल से दाऊद की प्रशंसा करके उस से कहा कि हे राजा अपने दास दाऊद का अपराधी न हो क्योंकि उस ने तेरा कुछ अपराध नहीं किया बरन उस के सब काम तेरे

बहुत हित के हैं। उस ने अपने प्राण पर खेलकर उस पलिश्ती को मार डाला और यहोवा ने सारे इस्राएलियों की बड़ी जय कराई इसे देखकर तू आनन्दित हुआ था सो तू दाऊद को अकारण मारके निर्दोष के खून का पापी क्यों बने। तब शाऊल ने योनातान की बात मानकर यह किरिया खाई कि यहोवा के जीवन की सोंह दाऊद मार डाला न जाएगा। सो योनातान ने दाऊद को बुलाकर ये सारी बातें उस को बताई फिर योनातान दाऊद को शाऊल के पास ले गया और वह पहिले की नाईं उस के साम्हने रहने लगा।

और फिर लड़ाई होने लगी और दाऊद जाकर पलिश्तियों से लड़ा और उन्हें बड़ी मार से मारा और वे उस के साम्हने से भागे। और जब शाऊल हाथ में भाला लिये हुए अपने घर में बैठा था और दाऊद हाथ से बजा रहा था। तब दुष्ट आत्मा शाऊल पर चढ़ा और शाऊल ने चाहा कि दाऊद को मारूं पर दाऊद शाऊल के साम्हने से ऐसा बच गया कि भाला जाकर भीत ही में धस गया और दाऊद भागा और उस रात को बच गया।

सो शाऊल ने दाऊद के घर पर दूत इस लिये भेजे कि वे उस की घात में रहें और बिहान को उसे मार डालें सो दाऊद की स्त्री मीकल ने उसे यह कहकर जताया कि यदि तू इस रात को अपना प्राण न बचाए तो बिहान को मारा जाएगा। तब मीकल ने दाऊद को खिड़की से उतार दिया और वह भागकर बच निकला।

फिर दाऊद योनातान के पास जाकर कहने लगा मैं ने क्या किया है मुझ से क्या पाप हुआ मैं ने तेरे पिता की दृष्टि में ऐसा कौन अपराध किया है कि वह मेरे प्राण की खोज में रहता है।

उस ने उस से कहा ऐसी बात नहीं है तू मारा न जाएगा सुन मेरा पिता मुझ को बिना जताये न तो कोई बड़ा काम करता है और न कोई छोटा फिर वह ऐसी बात को मुझ से क्यों छिपायेगा ऐसी कोई बात नहीं है। फिर दाऊद ने कहा तेरा पिता निश्चय जानता है कि तेरी अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर है सो वह सोचता होगा कि योनातान इस बात को न जानने पाए न हो कि वह खेदित हो जाए पर यहोवा के जीवन की सोंह और तेरे जीवन की सोंह निःसंदेह मेरे और मृत्यु के बीच डग ही भर का अन्तर है। योनातान ने दाऊद से कहा जो कुछ तेरा जी चाहे वही मैं तेरे लिये करूंगा।

दाऊद ने योनातान से कहा सुन कल नया चांद होगा और मुझे उचित है कि राजा के साथ बैठकर भोजन करूं पर तू मुझे विदा कर और मैं परसों सांझ लों मैदान में छिपा रहूंगा। यदि तेरा पिता मेरी कुछ चिन्ता करे तो कहना कि दाऊद ने अपने नगर बेतलेहेम को शीघ्र जाने के लिये मुझ से बिनती करके छुट्टी मांगी क्योंकि वहां उस के सारे कुल के लिये बरस बरस का यज्ञ है। यदि वह यों कहे कि अच्छा तब तो तेरे दास के लिये कुशल होगा पर यदि उस का क्रोध बहुत भड़क उठे तो जान लेना कि उस ने बुराई ठानी है।

योनातान ने दाऊद से कहा चल हम मैदान को निकल जाएं सो वे दोनों मैदान को चले गये। तब योनातान कहने लगा जब मैं अपने पिता का भेद पाऊं तब यदि दाऊद की भलाई देखूं तो क्या मैं उसी समय तेरे पास दूत भेजकर तुझे न बताऊंगा यदि मेरे पिता का मन तेरी बुराई करने का हो और मैं तुझ पर यह प्रगट करके तुझे विदा न करूं कि तू कुशल के साथ चला जाए और यहोवा तेरे साथ वैसा ही रहे जैसा वह मेरे पिता के साथ रहा। और न केवल जब तक मैं जीता रहूं तब तक मुझ पर यहोवा की सी कृपा ऐसा करना कि मैं न मरूं परन्तु मेरे घराने पर से भी अपनी कृपादृष्टि कभी न हटाना वरन जब यहोवा दाऊद के हर एक शत्रु को पृथिवी पर से नाश कर चुकेगा तब भी ऐसा न करना।

योनातान का दाऊद से वाचा बांधना।

(१ शमूएल २० : १६)

योनातान ने दाऊद के घराने से वाचा बन्धाई और योनातान दाऊद से प्रेम रखता था सो उस ने उस को फिर किरिया

खिलाई क्योंकि वह उस से अपने प्राण के बराबर प्रेम रखता था। तब योनातान ने उस से कहा कल नया चांद होगा और तेरी चिन्ता किई जाएगी क्योंकि तेरी कुर्सी खाली रहेगी। और तू तीन दिन के बीतने पर फुर्ती करके आना और एज़ेल नाम पत्थर के पास रहना। तब मैं उस की अलंग मानो अपने किसी ठहराये हुए चिन्ह पर तीन तीर चलाऊंगा। फिर मैं अपने छोकरे को यह कहकर भेजूंगा कि जाकर तीरों को ढूंढ़ ले आ यदि मैं उस छोकरे से साफ़ साफ़ कहूं कि देख तीर इधर तेरी इस अलंग पर हैं तो तू उसे ले आ क्योंकि यहोवा के जीवन की सोंह तेरे लिये कुशल को छोड़ और कुछ न होगा। पर यदि मैं छोकरे से यों कहूं कि सुन तीर उधर तेरे उस अलंग पर हैं तो तू चला जाना क्योंकि यहोवा ने तुझे बिदा किया है। और उस बात के विषय जिस की चर्चा मैं ने और तू ने आपस में किई है यहोवा मेरे तेरे बीच में सदा रहे।

सो दाऊद मैदान में जा छिपा और जब नया चांद हुआ तब राजा भोजन करने को बैठा। पर दाऊद का स्थान खाली रहा। उस दिन तो शाऊल चुप रहा फिर दूसरे दिन दाऊद का स्थान खाली रहा सो शाऊल ने पूछा क्या कारण है कि यिशै का पुत्र न तो कल भोजन पर आया था और न आज आया है। योनातान ने शाऊल से कहा दाऊद ने बेतलेहेम जाने के लिये मुझ से विनती करके छुट्टी मांगी।

तब शाऊल का कोप योनातान पर भड़क उठा और उस ने उस को मारने के लिये उस पर भाला चलाया सो योनातान कोप से जलता हुआ मेज पर से उठ गया बिहान को योनातान एक छोटा लड़का संग लिये हुए मैदान में दाऊद के साथ ठहराये हुए स्थान को गया। तब उस ने अपने छोकरे से कहा दौड़कर जो जो तीर मैं चलाऊं उन्हें ढूंढ़ ले आ। छोकरा दौड़ता ही था कि उस ने एक तीर उस के परे चलाया। जब छोकरा योनातान के चलाये तीर के स्थान पर पहुंचा तब योनातान ने उस के पीछे से पुकारके कहा तीर तो तेरी परली ओर है। फिर योनातान ने छोकरे के पीछे से पुकारके कहा बड़ी फुर्ती कर ठहर मत सो योनातान का छोकरा तीरों को बटोरके अपने स्वामी के पास ले आया। इस का भेद छोकरा तो कुछ न जानता था केवल योनातान और दाऊद उस बात को जानते थे।

और योनातान ने अपने हथियार अपने छोकरे को देकर कहा जा इन्हें नगर को पहुंचा। ज्योंहीं छोकरा चला गया त्योंहीं दाऊद निकला और भूमि पर औंधे मुंह गिरके तीन बार दण्डवत किई तब उन्हों ने एक दूसरे को चूमा और एक दूसरे के साथ रोए।

तब योनातान ने दाऊद से कहा कुशल से चला जा क्योंकि हम दोनों ने एक दूसरे से यह कहके यहोवा के नाम की किरिया खाई है कि यहोवा मेरे तेरे बीच और मेरे तेरे बंश के बीच सदा लों रहे। तब वह उठकर चला गया और योनातान नगर में गया।

गोल्यत की तलवार।

(१ शमूएल २१)

और दाऊद नोब को अहीमेलेक याजक के पास आया और अहीमेलेक दाऊद से भेंट करने को थरथराता हुआ निकला और उस से पूछा क्या कारण है कि तू अकेला है और तेरे साथ कोई नहीं।

दाऊद ने कहा राजा ने मुझे एक काम करने की आज्ञा देकर मुझ से कहा जिस काम को मैं तुझे भेजता और जो आज्ञा मैं तुझे देता हूं वह किसी पर प्रगट न होने पाए और मैं ने जवानों को फलाने स्थान पर जाने को समझाया है।

सो अब क्या यहां तेरे पास कोई भाला वा तलवार नहीं है क्योंकि मुझे राजा के काम की ऐसी जल्दी थी कि मैं न तो अपनी तलवार साथ लाया हूं न अपना और कोई हथियार। याजक ने कहा हां पलिश्ती गोल्यत की तलवार कपड़े में लपेटी हुई धरी है यदि तू उसे लेना चाहे तो ले उसे छोड़ कोई और यहां नहीं है। दाऊद बोला उस के तुल्य कोई नहीं वही मुझे दे।

तब दाऊद चला और उसी दिन शाऊल के डर के मारे भागकर गत के राजा आकीश के पास गया। और आकीश के कर्म्मचारियों ने आकीश से कहा क्या वह उस देश का राजा दाऊद नहीं है क्या लोगों ने उसी के विषय नाचते नाचते एक दूसरे के साथ यह टेक न गाई थी कि शाऊल ने हजारों को।

और दाऊद ने लाखों को मारा है।

दाऊद ने ये बातें अपने मन में रक्खीं और गत के राजा आकीश से निपट डर गया। सो वह उन के साम्हने दूसरी चाल चला और उन के हाथ में पड़कर बौड़हा बन गया।

अदुल्लाम की गुफा।

(१ शमूएल २१ : १४-२२, २३)

तब आकीश ने अपने कर्म्मचारियों से कहा देखो वह जन तो बावला है तुम उसे मेरे पास क्यों लाये हो। क्या मेरे पास बावलों की कुछ घटी है कि तुम उस को मेरे साम्हने बावलापन करने के लिए लाये हो क्या ऐसा जन मेरे भवन में आने पाएगा।

सो दाऊद वहां से चला और अदुल्लाम की गुफा में पहुंचकर बच गया और यह सुनकर उस के भाई वरन उस के पिता का सारा घराना वहां उसके पास गया।

और जितने संकट में पड़े और जितने ऋणी थे और जितने उदास थे वे सब उस के पास एकट्ठे हुए और वह उन का प्रधान हुआ और कोई चार सौ पुरुष उस के साथ हो गये।

जब शाऊल ने सुना कि दाऊद का पता लगा है तब राजा ने अहीमेलेक याजक को बुलवा भेजा और राजा ने कहा हे अहीमेलेक तू और तेरे पिता का सारा घराना निश्चय मार डाला जाएगा। फिर राजा ने उन पहरुओं से जो उस के आसपास खड़े थे कहा मुंह फेरके यहोवा के याजकों को मार डालो। पर राजा के सेवक यहोवा के याजकों को मारने के लिये हाथ बढ़ाना न चाहते थे। सो राजा ने दोएग से कहा तू मुंह फेरके याजकों को मार डाल तब एदोमी दोएग ने मुंह फेरा और उसी ने याजकों को मारा पचासी पुरुषों को घात किया। और याजकों के नगर नोब को उस ने तलवार से मारा।

सो दाऊद तो जंगल के गढ़ों में रहने लगा और पहाड़ी देश में के जीप नाम जंगल में रहा और शाऊल उसे दिन दिन ढूंढ़ता रहा परन्तु परमेश्वर ने उसे उस के हाथ में न पड़ने दिया। योनातान उठकर दाऊद के पास गया और उस से कहा मत डर क्योंकि तू मेरे पिता शाऊल के हाथ में न पड़ेगा और तू ही इस्राएल का राजा होगा और मैं तेरे नीचे हूंगा और इस बात को मेरा पिता शाऊल भी जानता है। तब उन दोनों ने आपस में वाचा बांधी तब दाऊद होरेश में रह गया और योनातान अपने घर चला गया।

गुफा का वृत्तान्त।

(१ शमूएल २४)

जब शाऊल पलिश्तियों का पीछा करके लौटा तब उस को यह समाचार मिला कि दाऊद एनगदी के जंगल में है। सो शाऊल सारे इस्राएलियों में से तीन हजार को छांटकर दाऊद और उस के जनों को बनैले बकरों की चट्टानों पर खोजने गया। जब वह मार्ग पर के भेड़सालों के पास पहुंचा जहां एक गुफा थी तब शाऊल दिशा फिरने को उस के भीतर गया और उसी गुफा के कोनों में दाऊद और उस के जन बैठे हुए थे।

तब दाऊद के जनों ने उस से कहा सुन आज वही दिन है जिस के विषय यहोवा ने तुझ से कहा था कि मैं तेरे शत्रु को तेरे हाथ में सौंप दूंगा कि तू उस से मनमाना कर ले। तब दाऊद ने उठकर शाऊल के बागे की छोर को छिपकर काट लिया। इस के पीछे दाऊद शाऊल के बागे की छोर काटने से पछताया. और अपने जनों से कहने लगा यहोवा न करे कि मैं अपने प्रभु से जो यहोवा का अभिषिक्त है ऐसा काम करूं कि उस पर हाथ चलाऊं क्योंकि

वह यहोवा का अभिषिक्त है। ऐसी बात कहकर दाऊद ने अपने जनों को घुड़का और उन्हें शाऊल की कुछ हानि करने को उठने न दिया। फिर शाऊल उठकर गुफा से निकला और अपना मार्ग लिया।

उस के पीछे दाऊद भी उठकर गुफा से निकला और शाऊल को पीछे से पुकारके बोला हे मेरे प्रभु हे राजा। जब शाऊल ने फिरके देखा तब दाऊद ने भूमि की ओर सिर झुकाकर दण्डवत किई। और दाऊद ने शाऊल से कहा जो मनुष्य कहते हैं कि दाऊद तेरी हानि चाहता है उन की तू क्यों सुनता है। देख आज तू ने अपनी आंखों से देखा है कि यहोवा ने आज गुफा में तुझे मेरे हाथ सौंप दिया था और किसी किसी ने तो मुझ से तुझे मारने को कहा था पर मुझे तुझ पर तरस आया और मैं ने कहा मैं अपने प्रभु पर हाथ न चलाऊंगा क्योंकि वह यहोवा का अभिषिक्त है। फिर हे मेरे पिता देख अपने बागे की छोर मेरे हाथ में देख मैं ने तेरे बागे की छोर तो काट लिई पर तुझे घात न किया पर तू मेरा प्राण लेने को मानो उस का अहेर करता रहता है। यहोवा मेरा तेरा विचार करे और यहोवा तुझ से मेरा पलटा ले पर मेरा हाथ तुझ पर न उठेगा।

दाऊद शाऊल से ये बातें कही चुका था कि शाऊल ने कहा हे मेरे बेटे दाऊद क्या यह तेरा बोल है तब शाऊल चिल्लाकर रोने लगा। फिर उस ने दाऊद से कहा तू मुझ से अधिक धर्म्मी है तू ने तो मेरे साथ भलाई किई है पर मैं ने तेरे साथ बुराई किई। जो तू ने आज मेरे साथ किया है इस का अच्छा बदला यहोवा तुझे दे। और अब मुझे मालूम हुआ है कि तू निश्चय राजा हो जाएगा और इस्राएल का राज्य तेरे हाथ में स्थिर होगा। सो अब मुझ से यहोवा की किरिया खा कि मैं तेरे वंश को तेरे पीछे नाश न करूंगा और तेरे पिता के घराने में से तेरा नाम मिटा न डालूंगा।

सो दाऊद ने शाऊल से ऐसी ही किरिया खाई। तब शाऊल अपने घर चला गया और दाऊद अपने जनों समेत गढ़ों को चढ़ गया।

दाऊद और सोता हुआ राजा।

(१ शमूएल २५, २६, २७, ३०)

और शमूएल मर गया और सारे इस्राएलियों ने एकट्ठे होकर उस के लिये छाती पीटी और उस के घर ही में जो रामा में था उस को मिट्टी दिई। तब दाऊद चलकर पारान जंगल को चला गया।

तब शाऊल उठकर इस्राएल के तीन हजार छांटे हुए योद्धा संग लिये हुए गया कि दाऊद को जीप के जंगल में खोजे। पर दाऊद ने जान लिया कि शाऊल मेरा पीछा करने को जंगल में आया है। सो दाऊद ने भेदियों को भेजकर निश्चय कर लिया कि शाऊल सचमुच आ गया है।

तब दाऊद उठ उस स्थान पर गया जहां शाऊल पड़ा था और दाऊद ने उस स्थान को देखा जहां शाऊल अपने सेनापति नेर के पुत्र अब्नेर समेत पड़ा था शाऊल तो गाड़ियों की आड़ में पड़ा था और उस के लोग उस को चारों ओर डेरे डाले हुए थे।

सो दाऊद ने कहा मेरे साथ उस छावनी में शाऊल के पास कौन चलेगा अबीशै ने कहा तेरे साथ मैं चलूंगा। सो दाऊद और अबीशै रातों रात उन लोगों के पास गये और क्या देखते हैं कि शाऊल गाड़ियों की आड़ में सोया हुआ पड़ा है और उस का भाला उस के सिरहाने भूमि में गड़ा है।

तब अबीशै ने दाऊद से कहा परमेश्वर ने आज तेरे शत्रु को तेरे हाथ में कर दिया है सो अब मैं उस को मारूं।

दाऊद ने अबीशै से कहा उसे नाश न कर। यहोवा के जीवन की सोंह यहोवा ही उस को मारेगा वा वह अपनी मृत्यु से मरेगा वा वह लड़ाई में जाकर मर जाएगा। यहोवा न करे कि मैं अपना हाथ यहोवा के अभिषिक्त पर बढ़ाऊं अब उस के सिरहाने से भाला और पानी की झारी उठा ले और हम चले जाएं।

तब दाऊद ने भाले और पानी की झारी को शाऊल के सिरहाने से उठा लिया और वे चले गये और किसी ने इसे न देखा और न जाना न कोई

जागा क्योंकि वे सब सोते थे। तब दाऊद परली ओर जाकर दूर के पहाड़ की चोटी पर खड़ा हुआ और पुकारने लगा। तब शाऊल ने दाऊद का बोल पहिचानकर कहा हे मेरे बेटे दाऊद क्या यह तेरा बोल है दाऊद ने कहा हां मेरे प्रभु राजा मेरा ही बोल है। फिर उस ने कहा मेरा प्रभु अपने दास का पीछा क्यों करता है मैं ने क्या किया है और मुझ से कौन सी बुराई हुई है।

शाऊल ने कहा मैं ने पाप किया है हे मेरे बेटे दाऊद लौट आ मेरा प्राण आज के दिन तेरी दृष्टि में अनमोल ठहरा इस कारण मैं फिर तेरी कुछ हानि न करूंगा सुन मैं ने मूर्खता किई और मुझ से बड़ी भूल हुई है।

दाऊद ने उत्तर देकर कहा हे राजा भाले को देख कोई जवान इधर आकर इसे ले जाए। यहोवा एक एक को अपने अपने धर्म और सच्चाई का फल देगा देख आज यहोवा ने तुझ को मेरे हाथ में कर दिया था पर मैं ने यहोवा के अभिषिक्त पर अपना हाथ बढ़ाना न चाहा। सो जैसे तेरा प्राण आज मेरी दृष्टि में प्रिय ठहरा वैसे ही मेरा प्राण भी यहोवा की दृष्टि में प्रिय ठहरे और वह मुझे सारी विपत्तियों से छुड़ाए।

शाऊल ने दाऊद से कहा हे मेरे बेटे दाऊद तू धन्य है तू बड़े बड़े काम करेगा और तेरे काम सुफल होंगे। तब दाऊद ने अपना मार्ग लिया और शाऊल भी अपने स्थान को लौट गया।

और दाऊद सोचने लगा अब मैं किसी न किसी दिन शाऊल के हाथ से नाश हो जाऊंगा सो मेरे लिये उत्तम यह है कि मैं पलिश्तियों के देश में भाग जाऊं तब शाऊल मेरे विषय निराश होगा और मुझे इस्राएल के देश के किसी भाग में फिर न ढूंढ़ेगा यों मैं उस के हाथ से बच निकलूंगा। सो दाऊद अपने छः सौ संगी पुरुषों को लेकर चला गया और गत के राजा माओक के पुत्र आकीश के पास गया। जब शाऊल को यह समाचार मिला कि दाऊद गत को भाग गया है तब उस ने उसे फिर कभी न ढूंढ़ा।

दाऊद ने आकीश से कहा यदि मुझ पर तेरी अनुग्रह की दृष्टि हो तो देश की किसी बस्ती में मुझे स्थान दिला दे जहां मैं रहूं तेरा दास तेरे साथ राजधानी में क्यों रहे। सो आकीश ने उसे उसी दिन सिकलग बस्ती दिई।

पलिश्तियों के देश में रहते रहते दाऊद को एक बरस चार महीने बीते।

तीसरे दिन जब दाऊद अपने जनों समेत सिकलग पहुंचा तब उन्हों ने क्या देखा कि अमालेकियों ने चढ़ाई किई और सिकलग को मारके फूंक दिया, और उस में के स्त्री आदि छोटे बड़े जितने थे सब को बधुआई में ले गये।

सो दाऊद और वे लोग जो उस के साथ थे चिल्लाकर इतना रोये कि फिर उन्हें रोने की शक्ति न रही। और दाऊद की दो स्त्रियां बन्धुआई में गई थीं। और दाऊद बड़े संकट में पड़ा क्योंकि लोग अपने बेटों बेटियों के कारण बहुत शोकित होकर उस पर पत्थरवाह करने की चर्चा कर रहे थे पर दाऊद ने अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण करके हियाव बान्धा।

तब दाऊद अपने छः सौ साथी जनों को लेकर पीछा किये चला गया पर दो सौ जो ऐसे थक गये थे कि न जा सके वहीं रहे। जब उस ने उसे पहुंचाया तब देखने में क्या आया कि वे सारी भूमि पर छिड़के हुए खाते पीते और उस बड़ी लूट के कारण जो वे पलिश्तियों के देश और यहूदा देश से लाये थे नाच रहे हैं। सो दाऊद उन्हें रात के पहिले पहर से लेकर दूसरे दिन की सांझ तक मारता रहा यहां लों कि चार सौ जवान छोड़ जो ऊंटों पर चढ़कर भाग गये उन में से एक भी मनुष्य न बचा। और जो कुछ अमालेकी ले गये थे वह सब दाऊद ने छुड़ाया और दाऊद ने अपनी दोनों स्त्रियों को भी छुड़ा लिया।

बरन उन के क्या छोटे क्या बड़े क्या बेटे क्या बेटियां क्या लूट का माल सब कुछ जो अमालेकी ले गये थे उस में से कोई वस्तु न रही जो उन को न मिली हो क्योंकि दाऊद सब का सब लौटा लाया।

——

दाऊद शोक का समाचार पाता।

(१ शमूएल ३१-२ शमूः १)

पलिश्ती तो इस्राएलियों से लड़े और इस्राएली पुरुष पलिश्तियों के साम्हने से भागे और गिलबो नाम पहाड़ पर मारे गये। और पलिश्ती शाऊल और उस के पुत्रों के पीछे लगे रहे और पलिश्तियों ने शाऊल के पुत्र योनातान अबीनादाब और मल्कीशू को मार डाला। और शाऊल के साथ लड़ाई और भारी होती गई और धनुर्धारियों ने उसे जा लिया और वह उन के कारण अत्यन्त व्याकुल हो गया।

तब शाऊल ने अपने हथियार ढोनेहारे से कहा अपनी तलवार खींचकर मेरे भोंक दे। पर उस के हथियार ढोनेहारे ने अत्यन्त भय खाकर ऐसा करना नकारा तब शाऊल अपनी तलवार खड़ी करके उस पर गिर पड़ा। यह देखकर कि शाऊल मर गया उस का हथियार ढोनेहारा भी अपनी तलवार पर आप गिरके उस के साथ मर गया।

यों शाऊल और उस के तीनों पुत्र और उस का हथियार ढोनेहारा और उस के सारे जन उसी दिन एक संग मर गये। यह देखकर कि इस्राएली पुरुष भाग गये और शाऊल और उस के पुत्र मर गये इस्राएली मनुष्य अपने अपने नगर को छोड़ भाग गये और पलिश्ती आकर उन में रहने लगे।

शाऊल के मरने के पीछे जब दाऊद अमालेकियों को मारके लौटा और दाऊद को सिकलग में रहते दो दिन हो गये, तब तीसरे दिन छावनी में से शाऊल के पास से एक पुरुष कपड़े फाड़े सिर पर धूलि डाले हुए आया और जब वह दाऊद के पास पहुंचा तब भूमि पर गिरके दण्डवत किई।

दाऊद ने उस से पूछा तू कहां से आया है उस ने उस से कहा मैं इस्राएली छावनी में से बचकर आया हूं।

दाऊद ने उस से पूछा वहां क्या बात हुई मुझे बता उस ने कहा यह कि लोग रणभूमि छोड़कर भाग गये और बहुत लोग मारे गये और शाऊल और उस का पुत्र योनातान भी मारे गये हैं।

दाऊद ने उस जवान से पूछा कि तू कैसे जानता है कि शाऊल और उस का पुत्र योनातान मर गये। जवान ने कहा संयोग से मैं गिलबो पहाड़ पर था तो क्या देखा कि शाऊल अपने भाले की टेक लगाये हुए है फिर मैं ने यह भी देखा कि उस का पीछा किये हुए रथ और सवार बड़े बेग से दौड़े आते हैं। उस ने पीछे फिरके मुझे देखा और मुझे पुकारा मैं ने कहा क्या आज्ञा। उस ने मुझ से पूछा तू कौन है मैं ने उस से कहा मैं तो अमालेकी हूं। उस ने मुझ से कहा मेरे पास खड़ा होकर मुझे मार डाल क्योंकि मेरा सिर तो घूमा जाता है पर प्राण नहीं निकलता। सो मैं ने यह निश्चय करके कि वह गिर जाने के पीछे नहीं बच सकता उस के पास खड़े होकर उसे मार डाला और मैं उस के सिर का मुकुट और उस के हाथ का कंकन लेकर यहां अपने प्रभु के पास आया हूं।

तब दाऊद ने अपने कपड़े पकड़कर फाड़े और जितने पुरुष उस के संग थे उन्हों ने भी वैसा ही किया। और वे शाऊल और उस के पुत्र योनातान और यहोवा की प्रजा और इस्राएल के घराने के लिये छाती पीटने और रोने लगे और सांझ लों कुछ न खाया इस कारण कि वे तलवार से मारे गये थे।

फिर दाऊद ने उस समाचार देनेहारे जवान से पूछा तू कहां का है उस ने कहा मैं तो परदेशी का बेटा अर्थात अमालेकी हूं। दाऊद ने उस से कहा तू यहोवा के अभिषिक्त को नाश करने के लिये हाथ बढ़ाने से क्यों नहीं डरा। तब दाऊद ने एक जवान को बुलाकर कहा निकट जाकर उस पर प्रहार कर। सो उस ने उसे ऐसा मारा कि वह मर गया। और दाऊद ने उस से कहा तेरा खून तेरे ही सिर पर पड़े क्योंकि तू ने यह कहकर कि मैं ही ने यहोवा के अभिषिक्त को मार डाला अपने मुंह से अपने ही विरुद्ध साक्षी दिई है।

दाऊद का योनातान के विषय बिलापगीत ।

(२ शमूएल १ : १७)

तब दाऊद ने शाऊल और उस के पुत्र योनातान के विषय यह विलाप गीत बनाया,
हे इस्राएल तेरा शिरोमणि तेरे ऊंचे स्थानों पर मारा गया
शूरबीर क्यों कर गिर पड़े हैं ।
गत में यह न बताओ
और न अश्कलोन की सड़कों में प्रचारो
न हो कि पलिश्ती स्त्रियां आनन्दित हों ।
न हो कि खतना रहित लोगों की बेटियां हुलसने लगें ।
हे गिलबो पहाड़ो
तुम पर न ओस पड़े न बरषा हो न भेंट के योग्य उपज वाले खेत पाये जायं
क्योंकि वहां शूरवीरों की ढालें अशुद्ध हो गईं
और शाउल की ढाल बिना तेल लगाये रह गई.
जूझे हुओं के लोहू बहाने से और शूरवीरों की चर्बी खाने से
योनातान का धनुष लौट न जाता था
और न शाऊल की तलवार छूछी फिर आती थी ।
शाऊल और योनातान जीते जी तो प्रिय और मनभाऊ थे
और मृत्यु के समय अलग न हुये
वे उकाब से भी वेग चलनेहारे
और सिंह से अधिक पराक्रमी थे ।
हे इस्राएली स्त्रियो शाऊल के लिये रोओ
वह तो तुम्हें लाही रंग के वस्त्र पहिनाकर सुख देता
और तुम्हारे वस्त्रों के ऊपर सोने के गहने पहिनाता था ।
युद्ध के बीच शूरवीर कैसे गिर गये
हे योनातान हे ऊंचे स्थानों पर जूझे हुये,
हे मेरे भाई योनातान मैं तेरे कारण दुःख में हूं
तू मुझे बहुत मनभाऊ जान पड़ता था ।
तेरा प्रेम मुझ पर अनूप
वरन स्त्रियों के प्रेम से भी बढ़कर था ।
शूरवीर क्योंकर गिर गये
और युद्ध के हथियार कैसे नाश हो गये हैं ।

शाऊल का पुत्र ।

(२ शमूएल २, ३)

इस के पीछे दाऊद ने यहोवा से पूछा कि क्या मैं यहूदा के किसी नगर में जाऊं यहोवा ने उस से कहा हां जा दाऊद ने फिर पूछा किस नगर में जाऊं उस ने कहा हेब्रोन में ।

सो दाऊद अपने साथियों को भी एक एक के घराने समेत वहां ले गया और वे हेब्रोन के गांवों में रहने लगे। और यहूदी लोग गये और वहां दाऊद का अभिषेक किया कि वह यहूदा के घराने का राजा हो ।

और दाऊद को यह समाचार मिला कि जिन्हों ने शाऊल को मिट्टी दी सो याबेश नगर के लोग हैं । सो दाऊद ने दूतों से गिलाद के याबेश के लोगों के पास यह कहला भेजा यहोवा की आशीष तुम पर हो क्योंकि तुम ने अपने प्रभु शाऊल पर यह कृपा करके उस को मिट्टी दी । सो अब यहोवा तुम से कृपा और सच्चाई का बर्त्ताव करे और मैं भी तुम्हारी इस भलाई का बदला तुम को दूंगा क्योंकि तुम ने यह काम किया है । और अब हियाव बांधो और पुरुषार्थ करो क्योंकि तुम्हारा प्रभु शाऊल मर गया और यहूदा के घराने ने अपने ऊपर राजा होने को मेरा अभिषेक किया है ।

पर अब्नेर जो शाऊल का प्रधान सेनापति था उस ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को संग ले सारे इस्राएल के देश पर राजा किया । शाऊल का पुत्र ईशबोशेत चालीस बरस का था जब वह इस्राएल पर राज्य करने लगा और दो बरस लों राज्य करता रहा पर यहूदा का घराना दाऊद के पक्ष में रहा । शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच बहुत दिन लों लड़ाई होती रही पर दाऊद प्रबल होता गया और शाऊल का घराना निर्बल पड़ता गया ।

दाऊद के इस्राएलियों पर राज्य करने का वृत्तान्त ।

(२ शमूएल ६, ७, ८)

फिर दाऊद ने एक और बार इस्राएल में से सब बड़े वीरों को जो तीस हजार थे एकट्ठा किया । तब दाऊद और जितने लोग उस के संग थे वे सब उठकर चले कि परमेश्वर का संदूक ले आएं । सो उन्होंने परमेश्वर का संदूक एक नई गाड़ी पर चढ़ाकर घर से निकाला और दाऊद और इस्राएल का सारा घराना यहोवा के आगे सनौवर की लकड़ी के बने हुये सब प्रकार के बाजे और वीणा सारंगियां डफ डमरू झांझ बजाते रहे । और दाऊद यहोवा के सन्मुख तन मन से नाचता रहा । सो दाऊद और इस्राएल का सारा घराना यहोवा के सन्दूक को जयजयकार करते और नरसिंगा फूंकते हुये ले चला । जब राजा अपने भवन में रहता था और यहोवा ने उस को उस के चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दिया था, तब राजा नातान नाम नबी से कहने लगा देख मैं तो देवदारु के बने हुये घर में रहता हूं परन्तु परमेश्वर का संदूक तम्बू में रहता है । नातान ने राजा से कहा जो कुछ तेरे मन में हो उसे कर क्योंकि यहोवा तेरे संग है ।

उसी दिन रात को यहोवा का यह बचन नातान के पास पहुंचा कि, जाकर मेरे दास दाऊद से कह यहोवा यों कहता है कि क्या तू मेरे निवास के लिये घर बनवाएगा । जिस दिन से मैं इस्राएलियों को मिस्र से निकाल लाया आज के दिन लों मैं कभी घर में नहीं रहा तम्बू के निवास में आया जाया करता हूं । सो अब तू मेरे दास दाऊद से ऐसा कह कि सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि मैं ने तो तुझे भेड़साला से और भेड़बकरियों के पीछे पीछे फिरने से इस मनसा से बुला लिया कि तू मेरी प्रजा इस्राएल का प्रधान हो जाए । और जहां कहीं तू आया गया वहां वहां मैं तेरे संग रहा और तेरे सारे शत्रुओं को तेरे साम्हने से नाश किया है । फिर मैं तेरे नाम को पृथिवी पर के बड़े बड़े लोगों के नामों के समान बड़ा कर दूंगा । और मैं अपनी प्रजा इस्राएल के लिये एक स्थान ठहराऊंगा और उस को स्थिर करूंगा कि वह अपने ही स्थान में बसी रहेगी और कुटिल लोग उसे फिर दुःख न देने पाएंगे । जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उस के राज्य को स्थिर करूंगा । मेरे नाम का घर वही बनवाएगा और मैं उस की राजगद्दी को सदा लों स्थिर रक्खूंगा । मैं उस का पिता ठहरूंगा और वह मेरा पुत्र ठहरेगा यदि वह अधर्म्म करे तो मैं उसे मनुष्यों के योग्य दण्ड से और आदमियों के योग्य मार से ताड़ना दूंगा । पर मेरी करुणा उस पर से ऐसे न हटेगी जैसे मैं ने शाऊल पर से हटाकर उस को तेरे आगे से दूर किया । बरन तेरा घराना और तेरा राज्य तेरे साम्हने सदा अटल बना रहेगा तेरी गद्दी सदा लों बनी रहेगी ।

इन सब बातों और इस सारे दर्शन के अनुसार नातान ने दाऊद को समझा दिया ।

तब दाऊद राजा भीतर जाकर यहोवा के सन्मुख बैठा और कहने लगा हे प्रभु यहोवा मैं तो क्या कहूं और मेरा घराना क्या है कि तू ने मुझे यहां लों पहुंचा दिया है । पर तौभी हे प्रभु यहोवा यह तेरी दृष्टि में छोटी सी बात हुई क्योंकि तू ने अपने दास के घराने के विषय आगे के बहुत दिनों तक की चर्चा किई है । सो अब हे यहोवा परमेश्वर तू ने जो बचन अपने दास के और उस के घराने के विषय दिया है उसे सदा के लिये स्थिर कर और अपने कहे के अनुसार ही कर । और लोग तेरे नाम की महिमा सदा किया करें । और तेरे दास दाऊद का घराना तेरे साम्हने अटल रहे । सो अब प्रसन्न हो कर अपने दास के घराने पर ऐसी आशीष दे कि वह तेरे सन्मुख सदा लों बना रहे क्योंकि हे प्रभु यहोवा तू ने ऐसा ही कहा है और तेरे दास का घराना तुझ से आशीष पाकर सदा लों धन्य रहे ।

और दाऊद जहां जहां जाता वहां वहां यहोवा उस को जिताता था । दाऊद तो सारे इस्राएल पर राज्य करता था और दाऊद अपनी सारी प्रजा के

साथ न्याय और धर्म्म के काम करता था। और प्रधान सेनापति योआब था इतिहास का लिखनेहारा यहोशापात था, प्रधान याजक सादोक और अहीमेलेक थे मंत्री सरायाह था, और दाऊद के पुत्र भी मंत्री थे।

— —

दाऊद योनातान का स्मरण करता है।

(२ शमूएल ९)

दाऊद ने पूछा क्या शाऊल के घराने में से कोई अब लों बचा है जिस को मैं योनातान के कारण प्रीति दिखाऊं।

शाऊल के घराने का तो सीबा नाम एक कर्मचारी था सीबा ने राजा से कहा हां योनातान का एक बेटा तो है जो लंगड़ा है। सो राजा दाऊद ने दूत भेजकर उस को बुलवा लिया।

जब मपीबोशेत जो योनातान का पुत्र और शाऊल का पोता था दाऊद के पास आया तब मुंह के बल गिरके दण्डवत किई। दाऊद ने कहा हे मपीबोशेत उस ने कहा तेरे दास को क्या आज्ञा।

दाऊद ने उस से कहा मत डर तेरे पिता योनातान के कारण मैं निश्चय तुझ को प्रीति दिखाऊंगा और तेरे दादा शाऊल की सारी भूमि तुझे फेर दूंगा और तू मेरी मेज पर नित्य भोजन किया कर। उस ने दण्डवत करके कहा तेरा दास क्या है कि तू मुझ ऐसे मरे कुत्ते की ओर दृष्टि करे।

तब राजा ने सीबा को बुलवाकर उस से कहा जो कुछ शाऊल और उस के सारे घराने का था सो मैंने तेरे स्वामी के पोते को दे दिया है। सो तू अपने बेटों और सेवकों समेत उस की भूमि पर खेती कर के उस की उपज ले आया करना कि तेरे स्वामी के पोते को भोजन मिला करे पर तेरे स्वामी का पोता मपीबोशेत मेरी मेज पर नित्य भोजन किया करेगा।

सीबा के तो पन्द्रह पुत्र और बीस सेवक थे। सीबा ने राजा से कहा मेरा प्रभु राजा अपने दास को जो जो आज्ञा दे उन सभों के अनुसार तेरा दास करेगा। और मपीबोशेत यरूशलेम में रहता था क्योंकि वह राजा की मेज पर नित्य भोजन किया करता था।

— —

दाऊद का पाप।

(२ शमूएल ११, १२)

फिर जिस समय राजा लोग युद्ध करने को निकला करते हैं इस समय दाऊद ने योआब को और उस के संग अपने सेवकों और सारे इस्राएलियों को भेजा और उन्होंने अम्मोनियों का नाश किया और रब्बा नगर को घेर लिया। पर दाऊद यरूशलेम में रह गया। सांझ के समय दाऊद पलंग पर से उठकर राजभवन की छत पर टहल रहा था और छत पर से उस को एक स्त्री जो अति सुन्दर थी नहाती हुई देख पड़ी। जब दाऊद ने भेज कर उस स्त्री को पुछवाया तब किसी ने कहा क्या यह ऊरिय्याह की स्त्री बतशेबा नहीं है। बिहान को दाऊद ने योआब के नाम पर एक चिट्ठी लिखकर ऊरिय्याह के हाथ से भेज दी। उस चिट्ठी में यह लिखा था कि सब से घोर युद्ध के साम्हने ऊरिय्याह को ठहराओ तब उसे छोड़कर लौट आओ कि वह घायल होकर मर जाए। और योआब ने नगर को अच्छी रीति से देख भाल कर जिस स्थान में वह जानता था कि वीर हैं उसी में ऊरिय्याह को ठहरा दिया। तब नगर के पुरुषों ने निकलकर योआब से युद्ध किया और लोगों में से अर्थात दाऊद के सेवकों में से कितने खेत आये और उन में हित्ती ऊरिय्याह भी मर गया।

जब ऊरिय्याह की स्त्री ने सुना कि मेरा पति मर गया तब वह अपने पति के लिये रोने पीटने लगी। और जब उस के विलाप के दिन बीत चुके तब दाऊद ने भेजकर उस को अपने घर में बुलवा रख लिया सो वह उस की स्त्री हो गई और बेटा जनी। पर यह काम जो दाऊद ने किया सो यहोवा को बुरा लगा। सो यहोवा ने दाऊद के पास नातान को भेजा और वह उस के पास जाकर कहने लगा एक नगर में दो मनुष्य रहते थे जिन में से एक

धनी और एक निर्धन था। धनी के पास तो बहुत सी भेड़बकरियां और गाय बैल थे। पर निर्धन के पास भेड़ की एक छोटी बच्ची को छोड़ कुछ भी न था और उस को उस ने मोल लेकर जिलाया था और वह उस के यहां उस के बालबच्चों के साथ ही बढ़ी थी वह उस के टुकड़े में से खाती और उस के कटोरे में से पीती और उस की गोद में सोती थी और वह उस की बेटी सी बनी थी। और धनी के पास एक बटोही आया और उस ने उस बटोही के लिये जो उस के पास आया था भोजन बनवाने को अपनी भेड़ बकरियों वा गाय बैलों में से कुछ न लिया पर उस निर्धन मनुष्य की भेड़ की बच्ची लेकर उस जन के लिये जो उस के पास आया था भोजन बनवाया।

तब दाऊद का कोप उस मनुष्य पर बहुत भड़का और उस ने नातान से कहा यहोवा के जीवन की सोंह जिस मनुष्य ने ऐसा काम किया सो प्राण-दण्ड के योग्य है। और उस को वह भेड़ की बच्ची का चौगुणा भर देना होगा इस लिये कि उस ने ऐसा काम किया और कुछ दया नहीं किई।

तब नातान ने दाऊद से कहा तू ही वह मनुष्य है। इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि मैं ने तेरा अभिषेक कराके तुझे इस्राएल का राजा ठहराया और मैं ने तुझे शाऊल के हाथ से बचाया। फिर मैं ने तेरे स्वामी का भवन तुझे दिया और तेरे स्वामी की स्त्रियां तेरे भोग के लिये दिईं और मैं ने इस्राएल और यहूदा का घराना तुझे दिया था और यदि यह थोड़ा था तो मैं तुझे और भी बहुत कुछ देनेवाला था। तू ने यहोवा की आज्ञा तुच्छ जानकर क्यों वह काम किया जो उस के लेखे बुरा है हित्ती ऊरिय्याह को तू ने तलवार से घात किया और उस की स्त्री को अपनी कर लिया है सो अब तलवार तेरे घर से कभी दूर न होगी।

तब दाऊद ने नातान से कहा मैं ने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है। नातान ने दाऊद से कहा यहोवा ने तेरे पाप को दूर किया है तू न मरेगा। तौभी तू ने जो इस काम के द्वारा यहोवा के शत्रुओं को तिरस्कार करने का बड़ा अवसर दिया है इस कारण तेरा जो बेटा उत्पन्न हुआ है सो अवश्य ही मरेगा।

तब नातान अपने घर चला गया। और दाऊद उस लड़के के लिये परमेश्वर से बिनती करने लगा और उपवास किया और भीतर जाकर रात भर भूमि पर पड़ा रहा। तब उस के घराने के पुरनिये उठकर उसे भूमि पर से उठाने के लिये उस के पास गये पर उस ने नाह किई सातवें दिन बच्चा मर गया और दाऊद ने अपनी स्त्री बतशेबा को शांति दिई और वह बेटा जनी और उस ने उस का नाम सुलैमान रक्खा और यहोवा ने उस से प्रेम रक्खा।

और योआब ने अम्मोनियों के रब्बा नगर से लड़कर राज नगर को ले लिया। तब योआब ने दूतों से दाऊद के पास यह कहला भेजा कि मैं रब्बा से लड़ा और जलवाले नगर को ले लिया है। सो अब रहे हुए लोगों को एकट्ठा करके नगर के विरुद्ध छावनी डालकर उसे भी ले ले।

सो दाऊद सब लोगों को एकट्ठा करके रब्बा को गया और उस से युद्ध करके उसे ले लिया। तब उस ने उन के राजा का मुकुट को उस के सिर पर से उतारा और वह दाऊद के सिर पर रक्खा गया। फिर उस ने उस नगर की बहुत ही लूट पाई। और उस ने उस के रहनेहारों को निकालकर आरों से दो दो टुकड़े कराया और लोहे के हेंगे उन पर फिरवाये और लोहे की कुल्हाड़ियों से उन्हें कटवाया और ईंट के पजावे पर से चलवाया और अम्मोनियों के सब नगरों से भी उस ने वैसा ही किया।

तब दाऊद सारे लोगों समेत यरूशलेम को लौट आया।

अबशालोम का वर्णन।

(२ शमूएल १४, १५)

अबशालोम तो भाग गया। और दाऊद अपने पुत्र के लिये दिन दिन विलाप करता रहा। जब अबशालोम भागकर गशूर को गया तब वहां तीन बरस रहा। और दाऊद के

मन में अबशालोम के पास जाने की बड़ी लालसा रही।

और योआब ताड़ गया कि राजा का मन अबशालोम की ओर लगा है। सो योआब उठकर गशूर को गया और अबशालोम को यरूशलेम ले आया। तब राजा ने कहा वह अपने घर जाकर रहे और मेरा दर्शन न पाए। सो अबशालोम अपने घर जा रहा और राजा का दर्शन न पाया।

सारे इस्राएल में सुन्दरता के कारण बहुत प्रशंसा योग्य अबशालोम के तुल्य और कोई न था बरन उस में नख से सिख लों कुछ दोष न था। और अबशालोम के तीन बेटे और तामार नाम एक बेटी उत्पन्न हुई थी और यह रूपवती स्त्री थी।

सो अबशालोम राजा का दर्शन बिना पाये यरूशलेम में दो बरस रहा। तब अबशालोम ने योआब को बुलवा भेजा कि उसे राजा के पास भेजे पर योआब ने उस के पास आने से नाह किई और उस ने उसे दूसरी बार बुलवा भेजा पर तब भी उस ने आने से नाह किई। तब उस ने अपने सेवकों से कहा सुनो योआब का एक खेत मेरी भूमि के निकट है और उस में उस का जव खड़ा है तुम जाकर उस में आग लगाओ। सो अबशालोम के सेवकों ने उस खेत में आग लगाई।

तब योआब उठ अबशालोम के घर में उस के पास जाकर उस से पूछने लगा तेरे सेवकों ने मेरे खेत में क्यों आग लगाई है।

अबशालोम ने योआब से कहा मैं ने तो तेरे पास यह कहला भेजा था कि यहां आ कि मैं तुझे राजा के पास यह कहने को भेजूं कि मैं गशूर से क्यों आया मैं अब लों वहां रहता तो अच्छा होता सो अब राजा मुझे दर्शन दे और यदि मैं दोषी हूं तो वह मुझे मार डाले।

सो योआब ने राजा के पास जाकर उस को यह बात सुनाई और राजा ने अबशालोम को बुलवाया और वह उस के पास गया और उस के सन्मुख भूमि पर मुंह के बल गिरके दण्डवत किई और राजा ने अबशालोम को चूमा।

इस के पीछे अबशालोम ने रथ और घोड़े और अपने आगे आगे दौड़ानेवाले पचास मनुष्य रख लिये। फिर अबशालोम सवेरे उठकर फाटक के मार्ग के पास खड़ा हुआ करता था और जब जब कोई मुद्दई राजा के पास न्याय के लिये आता तब तब अबशालोम उस को पुकारके पूछता था तू किस नगर से आता है और वह कहता था कि तेरा दास इस्राएल के फुलाने गोत्र का है। तब अबशालोम उस से कहता था कि सुन तेरा पक्ष तो ठीक और न्याय का है पर राजा की ओर से तेरी सुननेहारा कोई नहीं है। फिर अबशालोम यह भी कहा करता था कि भला होता कि मैं इस देश में न्यायी ठहराया जाता कि जितने मुकद्दमावाले होते सो सब मेरे ही पास आते और मैं उन का न्याय चुकाता। फिर जब कोई उसे दण्डवत करने को निकट आता तब वह हाथ बढ़ाकर उस को पकड़के चूम लेता था।

और जितने इस्राएली राजा के पास अपना मुकद्दमा ले करने को आते उन सभों से अबशालोम ऐसा ही व्यवहार करता था सो अबशालोम ने इस्राएली मनुष्यों के मन को हर लिया।

चार बरस के बीते पर अबशालोम ने राजा से कहा मुझे हेब्रोन जाकर अपनी उस मन्नत को पूरी करने दे जो मैं ने यहोवा की मानी है। तेरा दास तो जब अराम के गशूर में रहता था तब यह कहकर यहोवा की मन्नत मानी कि यदि यहोवा मुझे सचमुच यरूशलेम को लौटा ले जाए तो मैं यहोवा की उपासना करूंगा। राजा ने उस से कहा कुशलक्षेम से जा सो वह चलकर हेब्रोन को गया।

तब अबशालोम ने इस्राएल के सारे गोत्रों में यह कहने को भेदिये भेजे कि जब नरसिंगे का शब्द तुम को सुन पड़े तब कहना कि अबशालोम हेब्रोन में राजा हुआ। और अबशालोम के संग दो सौ नेवतहरी यरूशलेम से गये वे सीधे मन से इस का भेद बिना जाने गये। फिर जब अबशालोम का यज्ञ हुआ तब उस ने अहीतोपेल को जो दाऊद का मंत्री था बुलवा भेजा कि वह अपने नगर गीलो से आए। और राजद्रोह की गोष्ठी ने बल पकड़ा क्योंकि अबशालोम के पक्ष के लोग बढ़ते गये।

तब किसी ने दाऊद के पास जाकर यह समाचार दिया कि इस्राएली मनुष्यों के मन अबशालोम की ओर हो गये हैं। तब दाऊद ने अपने सब कर्म्म-

चारियों से जो यरूशलेम में उस के संग थे कहा आओ हम भाग चलें नहीं तो हम में से कोई अबशालोम से न बचेगा सो फुर्ती करके चलो ऐसा न हो कि वह फुर्ती करके हमें आ ले और हमारी हानि करे और इस नगर को तलवार से मार ले।

दाऊद का विश्वासयोग दास।

(२ शमूएल १५ : १५)

राजा के कर्मचारियों ने उस से कहा जैसा हमारा प्रभु राजा अच्छा जाने वैसा ही करने के लिये तेरे दास तैयार हैं। तब राजा निकल गया और उस के पीछे उस का सारा घराना निकला और वे बेतमेर्हक में ठहर गये।

तब राजा ने गती इत्तै से पूछा हमारे संग तू क्यों चलता है लौटकर राजा के पास रह क्योंकि तू परदेशी और अपने देश से दूर है सो अपने स्थान को लौट जा। तू तो कल ही आया है क्या मैं आज तुझे अपने साथ मारा मारा फिराऊं मैं तो जहां जा सकूं वहां जाऊंगा तू लौट जा और अपने भाइयों को भी लौटा दे ईश्वर की करुणा और सच्चाई तेरे संग रहे। इत्तै ने राजा को उत्तर देकर कहा यहोवा के जीवन की सोंह और मेरे प्रभु राजा के जीवन की सोंह जिस किसी स्थान में मेरा प्रभु राजा रहे चाहे मरने के लिये हो चाहे जीते रहने के लिये उसी स्थान में तेरा दास रहेगा। तब दाऊद ने इत्तै से कहा पार चल सो गती इत्तै अपने सारे जनों और अपने साथ के सब बाल बच्चों समेत पार हो गया।

सब रहनेहारे चिल्ला चिल्लाकर रो रहे थे और सब लोग पार हुए और राजा भी किद्रोन नाम नाले के पार हुआ और सब लोग नाले के पार जंगल के मार्ग की ओर पार होकर चले। तब क्या देखने में आया कि सादोक भी और उस के संग सब लेवीय परमेश्वर की वाचा का संदूक उठाये हुए हैं और उन्हों ने परमेश्वर के संदूक को धर दिया तब एब्यातार चढ़ा और जब लौं सब लोग नगर से न निकले तब लौं वहीं रहा।

तब राजा ने सादोक से कहा परमेश्वर के संदूक को नगर में लौटा ले जा यदि यहोवा की अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो तो वह मुझे लौटाकर उसको और अपने वासस्थान को भी दिखाएगा। पर यदि वह मुझ से ऐसा कहे कि मैं तुझ से प्रसन्न नहीं तौभी मैं हाज़िर हूं जैसा उस को भाए वैसा ही वह मेरे साथ वर्त्ताव करे। फिर राजा ने सादोक याजक से कहा क्या तू दर्शी नहीं है सो कुशलक्षेम से नगर में लौट जा और तेरा पुत्र अहीमास और योनातान दोनों तुम्हारे संग लौटें। सुनो मैं जंगल के घाट के पास तब लौं ठहरा रहूंगा जब लौं तुम लोगों से मुझे हाल का समाचार न मिले।

सो सादोक और एब्यातार ने परमेश्वर के संदूक को यरूशलेम में लौटा दिया और आप वहीं रहे। तब दाऊद जलपाइयों के पहाड़ की चढ़ाई पर सिर ढांपे नंगे पांव रोता हुआ चढ़ने लगा और जितने लोग उस के संग थे सो भी सिर ढांपे रोते हुए चढ़ गये।

तब दाऊद को यह समाचार मिला कि अबशालोम के संगी राजद्रोहियों के साथ अहीतोपेल है। दाऊद ने कहा हे यहोवा अहीतोपेल की सम्मति को मूर्खता की बना दे।

दाऊद का मित्र।

(२ शमूएल १५ : ३२-१६)

जब दाऊद चोटी लौं पहुंचा जहां परमेश्वर को दण्डवत किया करते थे तब एरेकी हूशै अंगरखा फाड़े सिर पर मिट्टी डाले हुए उस से मिलने को आया। दाऊद ने उस से कहा यदि तू मेरे संग आगे जाए तब तो मेरे लिये भार ठहरेगा।

पर यदि तू नगर को लौटकर अबशालोम से कहने लगे हे राजा मैं तेरा कर्म्मचारी हूंगा जैसा मैं बहुत दिन तेरे पिता का कर्म्मचारी रहा वैसा ही अब तेरा हूंगा तो तू मेरे हित के लिये अहीतोपेल की सम्मति को निष्फल कर सकेगा। और क्या

वहां तेरे संग सादोक और एब्यातार याजक न रहेंगे सो राजभवन में से जो हाल तुझे सुन पड़े उसे याजकों को बताया करना । उन के साथ तो उन के दो पुत्र वहां रहेंगे सो जो समाचार तुम लोगों को मिले उसे मेरे पास उन्हीं के हाथ भेजा करना ।

सो दाऊद का मित्र हूशै नगर में गया और अबशालोम भी यरूशलेम में पहुंच गया ।

दाऊद चोटी पर से थोड़ी दूर बढ़ गया था कि मपीबोशेत का कर्म्मचारी सीबा एक जोड़ी जीन बांधे हुए गदहों पर दो सौ रोटी किशमिश की एक सौ टिकियां धूपकाल के फल की एक सौ टिकियां और कुप्पी भर दाखमधु लादे हुए उस से आ मिला । सीबा ने कहा गदहे तो राजा के घराने की सवारी के लिये हैं और रोटी और धूपकाल के फल जवानों के खाने के लिये हैं और दाखमधु इस लिये है कि जो कोई जंगल में थक जाए सो उसे पीए ।

राजा ने पूछा फिर तेरे स्वामी का बेटा कहां है सीबा ने राजा से कहा वह तो यह कहकर यरूशलेम में रह गया कि अब इस्राएल का घराना मुझे मेरे पिता का राज्य फेर देगा । राजा ने सीबा से कहा जो कुछ मपीबोशेत का था सो सब तुझे मिल गया सीबा ने कहा प्रणाम हे मेरे प्रभु हे राजा मुझ पर तेरी अनुग्रह की दृष्टि बनी रहे ।

अबशालोम सब इस्राएली लोगों समेत यरूशलेम को आया और उस के संग अहीतोपेल भी आया । जब दाऊद का मित्र हूशै अबशालोम के पास पहुंचा तब हूशै ने अबशालोम से कहा राजा जीता रहे राजा जीता रहे । अबशालोम ने उस से कहा क्या यह तेरी प्रीति है जो तू अपने मित्र से रखता है तू अपने मित्र के संग क्यों नहीं गया । हूशै ने अबशालोम से कहा ऐसा नहीं जिस को यहोवा और ये लोग क्या बरन सब इस्राएली लोग चाहें उसी का मैं हूं और उसी के संग में रहूंगा । और फिर मैं किस की सेवा करूं क्या उस के पुत्र के साम्हने रहकर सेवा न करूं जैसा मैं तेरे पिता के साम्हने रहकर सेवा करता था वैसा ही तेरे साम्हने रहकर सेवा करूंगा ।

हूशै की सम्मति ।

(२ शमूएल १७)

फिर अहीतोपेल ने अबशालोम से कहा मुझे बारह हजार पुरुष छांटने दे और मैं उठकर आज ही रात को दाऊद का पीछा करूंगा । और जब वह थका और निर्बल होगा तब मैं उसे पकड़ूंगा और डराऊंगा और जितने लोग उस के साथ हैं सब भागेंगे और मैं राजा ही को मारूंगा । और मैं सब लोगों को तेरे पास लौटा लाऊंगा सो सारी प्रजा कुशलक्षेम से रहेगी ।

फिर अबशालोम ने कहा एरेकी हूशै को भी बुला ला और जो वह कहेगा हम उसे भी सुनें । हूशै ने अबशालोम से कहा जो सम्मति अहीतोपेल ने इस बार दी सो अच्छी नहीं । फिर हूशै ने कहा तू तो अपने पिता और उस के जनों को जानता है कि वे शूरवीर हैं और बच्चा छिने हुए रीछनी के समान क्रोधित होंगे और तेरा पिता योद्धा है और और लोगों के साथ रात नहीं बिताता । इस समय तो वह किसी गड़हे वा किसी ऐसे स्थान में छिपा होगा सो जब इन में से पहिले पहिल कोई कोई मारे जाएं तब इस के सब सुननेहारे कहने लगेंगे कि अबशालोम के पक्षवाले हार गये । तब वीर का हृदय जो सिंह का सा हो उस का भी सारा हियाव छूट जायगा. सारा इस्राएल तो जानता है कि तेरा पिता वीर है और उस के संगी बड़े योद्धा हैं । सो मेरी सम्मति यह है कि दान से ले बेर्शेबा लों रहनेहारे सारे इस्राएली तेरे पास समुद्रतीर की बालू के किनकों के समान एकट्ठे किये जाएं और तू आप ही युद्ध को जाए । सो जब हम उस को किसी न किसी स्थान में जहां वह मिले जा पकड़ेंगे तब जैसे ओस भूमि पर गिरती है वैसे ही हम उस पर टूट पड़ेंगे तब न तो वह बचेगा न उस के संगियों में से कोई बचेगा । और यदि वह किसी नगर में घुसा हो तो सब इस्राएली उस नगर के पास रस्सियां ले आएंगे और हम उसे नाले में खींचेंगे यहां तक कि उस का एक छोटा सा पत्थर न रह जाएगा ।

तब अबशालोम और सब इस्राएली पुरुषों ने कहा एरेकी हूशै की सम्मति अहीतोपेल की सम्मति से उत्तम है।

तब हूशै ने सादोक और एब्यातार याजकों से कहा फुर्ती कर दाऊद के पास कहला भेजो कि आज रात जंगली घाट के पास न ठहरना अवश्य पार ही हो जाना ऐसा न हो कि राजा और जितने लोग उस के संग हों सब नाश हो जाएं।

दो मनुष्यों का एक कूंए में उतर जाना।

(२ शमूएल १७ : १७)

योनातान और अहीमास एनरोगेल के पास ठहरे रहे और एक लौंडी जाकर उन्हें संदेशा दे आती थी और वे जाकर राजा दाऊद को संदेशा देते थे क्योंकि वे किसी के देखते नगर में न जा सकते थे। एक छोकरे ने तो उन्हें देखकर अबशालोम को बताया पर वे दोनों फुर्ती से चले गये और एक मनुष्य के घर पहुंचकर जिस के आंगन में कूंआ था उस में उतर गये। तब उस की स्त्री ने कपड़ा लेकर कूंए के मुंह पर बिछाया और उस के ऊपर दला हुआ अन्न फैला दिया सो कुछ मालूम न पड़ा। तब अबशालोम के सेवक उस घर में जाकर कहने लगे अहीमास और योनातान कहां हैं। सो उन्हों ने उन्हें ढूंढ़ा और न पाकर यरूशलेम को लौटे।

जब वे चले गये तब ये कूंए में से निकले और जाकर दाऊद राजा को समाचार दिया और दाऊद से कहा तुम लोग चलो फुर्ती करके नदी के पार हो जाओ क्योंकि अहीतोपेल ने तुम्हारी हानि की ऐसी ऐसी सम्मति दिई है।

तब दाऊद अपने सब संगियों समेत उठकर यर्दन पार हो गया और पह फटने लों उन में से एक भी न रह गया जो यर्दन के पार न हो गया हो।

जब अहीतोपेल ने देखा कि मेरी सम्मति के अनुसार काम नहीं हुआ तब उस ने अपने गदहे पर काठी कसी और अपने नगर जाकर अपने घर में गया और अपने घराने के विषय जो जो आज्ञा देनी थी सो देकर अपने फांसी लगाई सो वह मरा और अपने पिता के कबरिस्तान में उसे मिट्टी दिई गई।

दाऊद तो महनैम में पहुंचा। और अबशालोम सब इस्राएली पुरुषों समेत यर्दन के पार गया। और अबशालोम ने अमासा को योआब के स्थान पर प्रधान सेनापति ठहराया। और इस्राएलियों और अबशालोम ने गिलाद देश में छावनी डाली।

अबशालोम की मृत्यु।

(२ शमूएल १७ : २७-१८)

जब दाऊद महनैम में आया तब नाहाश का पुत्र शोबी और अम्मोएलका पुत्र माकीर और गिलादी बर्जिल्लै, चारपाइयां तसले मिट्टी के बर्तन गेहूं जव मैदा लोबिया मसूर चबेना, मधु मक्खन भेड़ बकरियां और गाय के दही का पनीर दाऊद और उस के संगियों के खाने को यह सोच कर ले आये कि जंगल में ये लोग भूखे थके प्यासे होंगे।

तब दाऊद ने अपने संग के लोगों की गिनती लिई और उन पर सहस्रपति और शतपति ठहराये। फिर दाऊद ने लोगों की एक तिहाई तो योआब के और एक तिहाई योआब के भाई अबीशै के और एक तिहाई गती इत्तै के अधिकार में करके युद्ध में भेज दिया। और राजा ने लोगों से कहा मैं भी अवश्य तुम्हारे साथ चलूंगा। लोगों ने कहा तू जाने न पाएगा क्योंकि चाहे हम भाग जाएं तौ भी वे हमारी चिन्ता न करेंगे वरन चाहे हम में से आधे मारे भी जाएं तौभी वे हमारी चिन्ता न करेंगे क्योंकि हमारे सरीखे दस हजार पुरुष हैं सो उत्तम यह है कि तू नगर में से हमारी सहायता करने को तैयार रहे। राजा ने उन से कहा जो कुछ तुम्हें भाए सोई मैं करूंगा। सो राजा फाटक की एक ओर खड़ा रहा और सब लोग सौ सौ और हजार हजार करके निकलने लगे।

और राजा ने योआब अबीशै और इत्तै को आज्ञा दिई कि मेरे निमित्त उस जवान अर्थात अबशालोम से कोमलता करना ।

सो लोग इस्राएल का साम्हना करने को मैदान में निकले और एप्रैम नाम बन में युद्ध हुआ । वहां इस्राएली लोग दाऊद के जनों से हार गये और उस दिन ऐसा बड़ा संहार हुआ कि बीस हजार खेत आये ।

अबशालोम तो एक खच्चर पर चढ़ा हुआ जा रहा था कि खच्चर एक बड़े बांज वृक्ष की घनी डालियों के नीचे से गया और उस का सिर उस बांज वृक्ष में अटक गया और वह अधर में लटका रहा और उस का खच्चर निकल गया ।

इस को देखकर किसी मनुष्य ने योआब को बताया कि मैं ने अबशालोम को बांज वृक्ष में टंगा हुआ देखा । योआब ने बतानेहारे से कहा तू ने यह देखा फिर क्यों उसे वहीं मारके भूमि पर न गिरा दिया तो मैं तुझे दस टुकड़े चांदी और एक फेंटा देता । उस मनुष्य ने योआब से कहा चाहे मेरे हाथ में हजार टुकड़े चांदी तौलकर दिये जाएं तौभी राजकुमार के विरुद्ध हाथ न बढ़ाऊंगा क्योंकि हम लोगों के सुनते राजा ने तुझे और अबीशै और इत्तै को यह आज्ञा दिई कि तुम में से कोई क्यों न हो उस जवान अर्थात अबशालोम को न छुए ।

योआब ने कहा मैं तेरे संग ऐसा ठहर नहीं सकता । सो उस ने तीन लकड़ी हाथ में लेकर अबशालोम के हृदय में जो बांज वृक्ष में जीता लटका था गाड़ दिईं । तब योआब के दस हथियार ढोनेहारे जवानों ने अबशालोम को घेरके ऐसा मारा कि वह मर गया ।

फिर योआब ने नरसिंगा फूंका और लोग इस्राएल का पीछा करने से लौटे क्योंकि योआब प्रजा को बचाने चाहता था । तब लोगों ने अबशालोम को उतारके उस बन में के एक बड़े गड़हे में डाल दिया और उस पर पत्थरों का एक बहुत बड़ा ढेर लगा दिया और सब इस्राएली अपने अपने डेरे को भाग गये ।

तब योआब ने एक कूशी से कहा जो कुछ तू ने देखा है सो जाकर राजा को बता दे । सो वह कूशी योआब को दण्डवत करके दौड़ा गया । फिर अहीमास ने योआब से कहा मुझे भी कूशी के पीछे दौड़ जाने दे । योआब ने कहा दौड़ तब अहीमास दौड़ा और तराई से होकर कूशी के आगे बढ़ गया ।

दाऊद का अबशालोम के लिये बिलाप करना ।

(२ शमूएल १८ : २४-१९)

दाऊद तो दो फाटकों के बीच बैठा था कि पहरुआ जो फाटक की छत से होकर शहरपनाह पर चढ़ गया था उस ने आंखें उठाकर क्या देखा कि एक मनुष्य अकेला दौड़ा आता है । जब पहरुए ने पुकारके राजा को यह बता दिया तब राजा ने कहा यदि अकेला आता हो तो सन्देश लाता होगा । वह दौड़ते दौड़ते निकट आया ।

तब अहीमास ने पुकारके राजा से कहा कल्याण फिर उस ने भूमि पर मुंह के बल गिर राजा को दण्डवत करके कहा तेरा परमेश्वर यहोवा धन्य है जिस ने मेरे प्रभु राजा के विरुद्ध हाथ उठानेहारे मनुष्यों को तेरे वश कर दिया है ।

राजा ने पूछा क्या उस जवान अबशालोम का कल्याण है अहीमास ने कहा जब योआब ने राजा के दास को भेज दिया तब मुझे बड़ी भीड़ देख पड़ी पर मालूम न हुआ कि क्या हुआ था । राजा ने कहा हटकर यहीं खड़ा रह सो वह हटकर खड़ा रहा । तब कूशी भी आ गया और कूशी कहने लगा मेरे प्रभु राजा के लिये समाचार है यहोवा ने आज न्याय करके तुझे उन सभों के हाथ से बचाया है जो तेरे विरुद्ध उठे थे । राजा ने कूशी से पूछा क्या वह जवान अर्थात अबशालोम कल्याण से है कूशी ने कहा मेरे प्रभु राजा के शत्रु और जितने तेरी हानि के लिये उठे हैं उन की दशा उस जवान की सी हो ।

तब राजा बहुत घबराया और फाटक के ऊपर की अटारी पर रोता हुआ चढ़ने लगा और चलते चलते यों कहता गया कि हाय मेरे बेटे अबशालोम मेरे बेटे हाय मेरे बेटे अबशालोम भला होता कि मैं

आप तेरी सन्ती मरता हाय अबशालोम मेरे बेटे मेरे बेटे।

तब योआब को यह समाचार मिला कि राजा अबशालोम के लिये रो रहा और विलाप कर रहा है। सो उस दिन का विजय सब लोगों की समझ में विलाप ही का कारण बन गया क्योंकि लोगों ने उस दिन सुना कि राजा अपने बेटे के लिये खेदित है। और उस दिन लोग ऐसा मुंह चुराकर नगर में घुसे जैसा लोग युद्ध से भाग आने से लज्जित होकर मुंह चुराते हैं।

और राजा मुंह ढांपे हुए चिल्ला चिल्लाकर पुकारता रहा कि हाय मेरे बेटे अबशालोम हाय अबशालोम मेरे बेटे मेरे बेटे।

सो योआब घर में राजा के पास आकर कहने लगा तेरे कर्म्मचारियों ने आज के दिन तेरा और तेरे बेटों बेटियों का और तेरी स्त्रियों और रखेलियों का प्राण तो बचाया है पर तू ने आज के दिन उन सभों का मुंह काला किया है। तू ने आज यह प्रगट किया कि तुझे हाकिमों और कर्म्मचारियों की कुछ चिन्ता नहीं बरन मैं ने आज जान लिया कि यदि हम सब आज मारे जाते और अबशालोम जीता रहता तो तू बहुत प्रसन्न होता। सो अब उठकर बाहर जा और अपने कर्म्मचारियों को शांति दे नहीं तो मैं यहोवा की किरिया खाकर कहता हूं कि यदि तू बाहर न जाए तो आज रात को एक मनुष्य भी तेरे संग न रहेगा और तेरे बचपन से लेकर अब लों जितनी विपत्तियां तुझ पर पड़ी हों उन सब से यह विपत्ति बड़ी होगी।

सो राजा उठकर फाटक में जा बैठा और जब सब लोगों को यह बताया गया कि राजा फाटक में बैठा है तब सब लोग राजा के साम्हने आये। और इस्राएली अपने अपने डेरे को भाग गये थे।

और इस्राएल के सब गोत्रों में सब लोग आपस में यह कहकर झगड़ते थे कि राजा ने हमें हमारे शत्रुओं के हाथ से बचाया था और पलिश्तियों के हाथ से उसी ने हमें छुड़ाया पर अब वह अबशालोम के डर के मारे देश छोड़कर भाग गया। और अबशालोम जिस का हम ने अपना राजा होने को अभिषेक किया था सो युद्ध में मर गया है सो अब तुम क्यों चुप रहते और राजा को लौटा ले आने की चर्चा क्यों नहीं करते।

तब राजा दाऊद ने सादोक और एब्यातार याजकों के पास कहला भेजा कि यहूदी पुरनियों से कहो कि तुम लोग राजा को भवन पहुंचाने के लिये सब से पीछे क्यों होते हो। तुम लोग तो मेरे भाई बरन हाड़ ही मांस हो सो तुम राजा को लौटाने में सब के पीछे क्यों होते हो। फिर अमासः से यह कहो कि क्या तू मेरा हाड़ मांस नहीं है और यदि तू योआब के स्थान पर सदा के लिये सेनापति न ठहरे तो परमेश्वर मुझ से वैसा ही बरन उस से भी अधिक करे। सो उस ने सब यहूदी पुरुषों के मन ऐसे अपनी ओर खींच लिया कि मानो एक ही पुरुष था और उन्हों ने राजा के पास कहला भेजा कि तू अपने सब कर्म्मचारियों को संग लेकर लौट आ।

योनातान का बेटा।

(२ शमूएल १९:१५)

सो राजा लौटकर यर्दन तक आ गया और यहूदी लोग गिलगाल गये कि उस से मिलकर उसे यर्दन पार ले आएं। और एक बेड़ा राजा के परिवार को पार ले आने और जिस काम में वह उसे लगाने चाहे उसी में लगने के लिये पार गया। तब मपीबोशेत राजा से भेंट करने को आया उस ने राजा के चले जाने के दिन से उस के कुशलक्षेम से फिर आने के दिन लों न अपने पांवों के नखून काटे न अपनी डाढ़ी बनवाई और न अपने कपड़े धुलवाये थे।

सो जब यरूशलेमी राजा से मिलने को गये तब राजा ने उस से पूछा हे मपीबोशेत तू मेरे संग क्यों न गया था। उस ने कहा हे मेरे प्रभु हे राजा मेरे कर्म्मचारी ने मुझे धोखा दिया था तेरा दास जो पंगु है इस लिये तेरे दास ने सोचा कि मैं गदहे पर काठी कसाकर उस पर चढ़ राजा के साथ चला जाऊंगा। और मेरे कर्म्मचारी ने मेरे प्रभु राजा के साम्हने मेरी चुगली खाई है पर मेरा प्रभु राजा

परमेश्वर के दूत के समान है सो जो कुछ तुझे भाए वही कर। मेरे पिता का सारा घराना तेरी ओर से प्राणदण्ड के योग्य था पर तू ने अपने दास को अपनी मेज पर खानेहारों में गिना है मुझे क्या हक है कि मैं राजा की ओर दोहाई दूं।

राजा ने उस से कहा तू अपनी बात की चर्चा क्यों करता रहता है मेरी आज्ञा यह है कि उस भूमि को तू और सीबा दोनों आपस में बांट लो। मपी-बोशेत ने राजा से कहा मेरा प्रभु राजा जो कुशलक्षेम से अपने घर आया है इस लिये सीबा ही सब कुछ रक्खे।

एक बूढ़े का राजा से बिदा होना।

(२ शमूएल १९ : ३१)

तब गिलादी बर्जिल्लै रोगलीम से आया और राजा के यर्दन पार पहुंचाने को राजा के संग यर्दन पार गया। बर्जिल्लै तो बहुत पुरनिया अर्थात अस्सी बरस का था और जब लों राजा महनैम में रहता था तब लों वह उस का पालन पोषण करता रहा क्योंकि वह बहुत धनी था।

सो राजा ने बर्जिल्लै से कहा मेरे संग पार चल और मैं तुझे यरूशलेम में अपने पास रखकर तेरा पालन पोषण करूंगा। बर्जिल्लै ने राजा से कहा मुझे कितने दिन जीना है कि मैं राजा के संग यरूशलेम को जाऊं। आज मैं अस्सी बरस का हूं क्या मैं भले बुरे का विवेक कर सकता हूं क्या तेरा दास जो कुछ खाता पीता है उस का स्वाद पहिचान सकता क्या मुझे गानेहारों वा गानेहारियों का शब्द अब सुन पड़ता है सो तेरा दास अब अपने प्रभु राजा के लिये भार क्यों ठहरे। तेरा दास राजा के संग यर्दन पार ही तक जाएगा राजा इस का ऐसा बड़ा बदला मुझे क्यों दे। अपने दास को लौटने दे कि मैं अपने ही नगर में अपने माता पिता के कबरिस्तान के पास मरूं। पर तेरा दास किम्हाम हाजिर है मेरे प्रभु राजा के संग वह पार जाए और जैसा तुझे भाए वैसा ही उस से व्यवहार करना।

राजा ने कहा हां किम्हाम मेरे संग पार चलेगा और जैसा तुझे भाए वैसा ही मैं उस से व्यवहार करूंगा वरन जो कुछ तू मुझ से चाहेगा सो मैं तेरे लिये करूंगा।

तब सब लोग यर्दन पार गये और राजा भी पार हुआ तब राजा ने बर्जिल्लै को चूमकर आशीर्वाद दिया और वह अपने स्थान को लौट गया।

सो राजा गिलगाल की ओर पार गया और उस के संग किम्हाम पार हुआ और सब यहूदी लोगों ने और आधे इस्राएली लोगों ने राजा को पार किया।

तब सब इस्राएली पुरुष राजा के पास आये और राजा से कहने लगे क्या कारण है कि हमारे यहूदी भाई तुझे चोरी से ले आये और परिवार समेत राजा को और उस के सब जनों को भी यर्दन पार लाये हैं। तब यहूदी पुरुषों ने इस्राएली पुरुषों को उत्तर दिया कारण यह है कि राजा हमारे गोत्र का है। इस्राएली पुरुषों ने यहूदी पुरुषों को उत्तर दिया राजा में दस अंश हमारे हैं और दाऊद में हमारा भाग तुम्हारे भाग से बड़ा है। और यहूदी पुरुषों ने इस्राएली पुरुषों से अधिक कड़ी बातें कहीं।

नगर की एक बुद्धिमान स्त्री।

(२ शमूएल २०)

वहां संयोग से शेबा नाम एक ओछा था वह नरसिंगा फूंककर कहने लगा दाऊद में हमारा कुछ अंश नहीं और न यिशै के पुत्र में हमारा कोई भाग है हे इस्राएलियो अपने अपने डेरे को चले जाओ। सो सब इस्राएली पुरुष दाऊद के पीछे चलना छोड़कर शेबा के पीछे हो लिये पर सब यहूदी पुरुष यर्दन से यरूशलेम लों अपने राजा के संग लगे रहे।

तब दाऊद यरूशलेम को अपने भवन में आया। तब राजा ने अमासा से कहा यहूदी पुरुषों को तीन दिन के भीतर मेरे पास बुला ला और तू भी यहां

हाज़िर होना। सो अमासा यहूदियों को बुला लाने गया पर उस के ठहराये हुए समय से अधिक रहा। सो दाऊद ने अबीशै से कहा अब शेबा अबशालोम से भी हमारी अधिक हानि करेगा सो तू अपने प्रभु के लोगों को लेकर उस का पीछा कर ऐसा न हो कि वह गढ़वाले नगर पाकर हमारी दृष्टि से छिप जाए। तब सारे शूरबीर उस के पीछे हो लिये और शेबा का पीछा करने को यरूशलेम से निकले।

वे गिबोन में के भारी पत्थर के पास पहुंचे ही थे कि अमासा उन से आ मिला। योआब तो योद्धा का वस्त्र फेंटे से कसे हुए था और उस फेंटे में एक तलवार उस की कमर पर अपनी मियान में बन्धी हुई थी और जब वह चला तब वह निकलकर गिर पड़ी। सो योआब ने अमासा से पूछा हे मेरे भाई क्या तू कुशल से है तब योआब ने अपना दहिना हाथ बढ़ाकर अमासा को चूमने के लिये उस की दाढ़ी पकड़ी। पर अमासा ने उस तलवार की कुछ चिन्ता न किई जो योआब के हाथ में थी सो उस ने उसे अमासा के पेट में भोंककर मारा और वह मरा। तब योआब और अबीशै शेबा का पीछा करने को चले। तब उन्हों ने उस को आबेल में घेर लिया और नगर के साम्हने ऐसा धुस बांधा कि वह कोट से सट गया और योआब के संग के सब लोग शहरपनाह को गिराने के लिये धक्का देने लगे।

तब एक बुद्धिमान स्त्री ने नगर में से पुकारा सुनो सुनो योआब से कहो कि यहां आ एक स्त्री तुझ से बातें करना चाहती है। जब योआब उस के निकट गया तब स्त्री ने पूछा क्या तू योआब है उस ने कहा हां मैं वही हूं फिर उस ने उस से कहा अपनी दासी के वचन सुन। मैं तो मेलमिलापवाले और विश्वासयोग इस्राएलियों में से हूं पर तू एक प्रधान नगर नाश करने का यत्न करता है तू यहोवा के भाग को क्यों निगल जाएगा।

योआब ने उत्तर देकर कहा यह मुझ से दूर हो दूर कि मैं निगल जाऊं वा नाश करूं। बात ऐसी नहीं है शेबा नाम एप्रैम के पहाड़ी देश का एक पुरुष जो बिक्री का पुत्र है उस ने दाऊद राजा के विरुद्ध हाथ उठाया है सो तुम लोग केवल उसी को सौंप दो तब मैं नगर को छोड़कर चला जाऊंगा। स्त्री ने योआब से कहा उस का सिर शहरपनाह पर से तेरे पास फेंक दिया जाएगा।

तब स्त्री अपनी बुद्धिमानी से सब लोगों के पास गई सो उन्हों ने बिक्री के पुत्र शेबा का सिर काटकर योआब के पास फेंक दिया। तब योआब ने नरसिंगा फूंका और सब लोग नगर के पास से अपने अपने डेरे को गये और योआब यरूशलेम को राजा के पास लौट गया।

योआब तो सारी इस्राएली सेना के ऊपर रहा।

दाऊद का एक भजन।

(२ शमूएल २२)

और जिस समय यहोवा ने दाऊद को उस के सारे शत्रुओं और शाऊल के हाथ से बचाया था तब उस ने यहोवा के लिये इस गीत के वचन गाये, उस ने कहा

यहोवा मेरी ढांग और मेरा गढ़ और मेरा छुड़ानेहारा
मेरा चटानरूपी परमेश्वर है जिस का मैं शरणागत हूं
मेरी ढाल मेरा बचानेहारा सींग मेरा ऊंचा गढ़ और मेरा शरणस्थान है।
हे मेरे उद्धारकर्ता तू उपद्रव से मेरा उद्धार किया करता है।
मृत्यु के तरंग तो मेरी चारों ओर आये
नीचपन की धाराओं ने मुझ को घबरा दिया था।
अधोलोक की रस्सियां मेरी चारों ओर थीं
मृत्यु के फन्दे मेरे साम्हने थे।
अपने संकट में मैं ने यहोवा को पुकारा
और उस ने मेरी बात को सुना
तब पृथिवी हिल गई और डोल उठी
और आकाश की नेवें कांपकर
बहुत ही हिल गई
क्योंकि वह क्रोधित हुआ था।
और वह स्वर्ग को नीचे करके उतर आया और
और उस के पावों तले घोर अन्धकार था।

और वह करूब पर चढ़ा हुआ उड़ा
और पवन के पंखों पर चढ़कर दिखाई दिया।
यहोवा आकाश में गरजा
और परमप्रधान ने अपनी वाणी सुनाई।
उस ने तीर चलाचलाकर मेरे शत्रुओं को तितर बितर किया
और बिजली गिरा गिराकर उन को घबरा दिया
तब समुद्र की थाह देख पड़ी
जगत की नेवें खुल गईं
यह तो यहोवा की डांट से हुआ।
उस ने ऊपर से हाथ बढ़ाकर मुझे थांभ लिया
और गहिरे में से खींच लिया।
उस ने मुझे मेरे बलवन्त शत्रु से
मेरे बैरियों से जो मुझ से अधिक सामर्थी थे मुझे छुड़ाया।
उन्हों ने मेरी विपत्ति के दिन मेरा साम्हना तो किया पर यहोवा मेरा आश्रय था।
हे यहोवा तू ही मेरा दीपक है
और यहोवा मेरे अन्धियारे को दूर करके उजियाला कर देता है।
तेरी सहायता से मैं दल पर धावा करता अपने
परमेश्वर की सहायता से मैं शहरपनाह को लांघ जाता हूं।
ईश्वर की गति खरी है यहोवा का वचन ताया हुआ है
वह अपने सब शरणागतों की ढाल ठहरा है।
यहोवा को छोड़ क्या कोई ईश्वर है
हमारे परमेश्वर को छोड़ क्या और कोई चटान है।
यह वही ईश्वर है जो मेरा अति दृढ़ स्थान ठहरा
वह खरे मनुष्य को अपने मार्ग में लिये चलता है।
वह मेरे पैरों को हरिणियों के से करता है और मुझे ऊंचे स्थानों पर खड़ा करता है।
और तू ने मुझ को अपने बचाव की ढाल दिई
और तेरी नम्रता मुझे बढ़ाती है।
तू मेरे पैरों के लिये स्थान चौड़ा करता है
और मेरे टखने नहीं डिगे।
मैं अपने शत्रुओं का पीछा करके उन्हें सत्यानाश करूंगा
और मैं ने उन का अन्त किया और उन्हें ऐसा
मारा कि वे उठ न सकेंगे
वे मेरे पांवों के नीचे पड़े हैं।
इस कारण मैं जाति जाति के साम्हने तेरा धन्यवाद करूंगा
और तेरे नाम का भजन गाऊंगा।
वह अपने ठहराये हुए राजा का बड़ा उद्धार करता है
वह अपने अभिषिक्त दाऊद और उस के वंश पर युग युग करुणा करता रहेगा।

दाऊद के पिछले बचन।

(२ शमूएल २३)

दाऊद के पिछले बचन ये हैं।
यिशै के पुत्र की यह वाणी है
उस पुरुष की वाणी है जो ऊंचे पर खड़ा किया गया
और याकूब के परमेश्वर का अभिषिक्त
और इस्राएल का मधुर भजन गानेहारा है।
यहोवा का आत्मा मुझ में होकर बोला
और उसी का वचन मेरे मुंह में आया।
इस्राएल के परमेश्वर ने कहा है
इस्राएल की चटान ने मुझ से बातें किई हैं कि
मनुष्यों में प्रभुता करनेहारा एक धर्म्मी होगा
जो परमेश्वर का भय मानता हुआ प्रभुता करेगा।
वह मानो भोर का प्रकाश होगा जब सूर्य्य निकलता है
ऐसा भोर जिस में बादल न हों
जैसा वर्षा के पीछे के निर्म्मल प्रकाश के कारण
भूमि से हरी हरी घास उगती है।

दाऊद के वीर।

(२ शमूएल २३ : ८-२४)

दाऊद के शूरवीरों के नाम ये हैं अर्थात तहकमोनी जो सरदारों में मुख्य था वह एस्नी अदीनो भी कहलाता था उस से एक ही समय में आठ सौ पुरुष मार डाले गये। उस के पीछे दोदै का पुत्र एलाजार था वह उस समय दाऊद के संग के तीनों बीरों में से था जब उन्हों ने युद्ध के लिये बटुरे हुए पलिश्तियों को ललकारा और इस्राएली पुरुष चले गये थे। वह कमर बांधकर पलिश्तियों को तब लों मारता रहा जब लों उस का हाथ थक न गया और तलवार हाथ से चिपट न गई उस के पीछे आगे का पुत्र शम्मा था। पलिश्तियों ने दल बान्धा और लोग उन के डर के मारे भागे। तब उस ने खेत के बीच खड़े होकर उसे बचाया और पलिश्तियों को मार लिया।

फिर तीसों मुख्य सरदारों में से तीन जन कटनी के दिनों में दाऊद के पास अदुल्लाम नाम गुफा में आये और पलिश्तियों का दल रपाईम नाम तराई में छावनी किये हुए था। उस समय दाऊद गढ़ में था और उस समय पलिश्तियों की चौकी बेतलेहेम में थी। तब दाऊद ने बड़ी अभिलाषा के साथ कहा कौन मुझे बेतलेहेम के फाटक के पास के कूंए का पानी पिलाएगा। सो वे तीनों बीर पलिश्तियों की छावनी में टूट पड़े और बेतलहेम के फाटक के कूंए से पानी भरके दाऊद के पास ले आये पर उस ने पीने से नाह किई और यहोवा के साम्हने अर्घ करके उण्डेलकर, कहा हे यहोवा मुझ से ऐसा करना दूर रहे क्या मैं उन मनुष्यों का लोहू पीऊं जो अपने प्राण पर खेलकर गये थे सो उस ने वह पानी पीने से नाह किई। इन तीन बीरों ने तो ये ही काम किये। और अबीशै जो योआब का भाई था वह तीनों में से मुख्य था। उस ने अपना भाला चलाकर तीन सौ को मार डाला। फिर यहोयादा का पुत्र बनायाह था जो एक बड़े काम करनेहारे बीर का पुत्र था। उस ने सिंह सरीखे दो मोआबियों को मार डाला और बरफ के समय उस ने एक गड़हे में उतरके एक सिंह को मार डाला। उस को दाऊद ने अपनी निज सभा का सभासद किया।

राजा सुलैमान जीता रहे।

(१ राजा १)

दाऊद राजा बूढ़ा वरन बहुत पुरनिया हुआ और यद्यपि उस को कपड़े ओढ़ाये जाते थे तौभी वह गर्माता न था। तब अदोनिय्याह सिर ऊंचा करके कहने लगा कि मैं राजा हूंगा सो उस ने रथ और सवार और अपने आगे आगे दौड़ने को पचास पुरुष रख लिये। और उस ने योआब से और एब्यातार याजक से बातचीत किई और उन्हों ने उस के पीछे होकर उस की सहायता किई। पर सादोक याजक यहोयादा का पुत्र बनायाह नातान नबी शिमी रेई और दाऊद के शूरवीरों ने अदोनिय्याह का साथ न दिया।

और अदोनिय्याह ने ओहेलेत नाम पत्थर के पास भेड़ बैल और तैयार किये हुए पशु बलि किये और अपने भाई सब राजकुमारों को और राजा के सब यहूदी कर्म्मचारियों को बुला लिया। पर नातान नबी और बनायाह और शूरवीरों को और अपने भाई सुलैमान को उस ने न बुलाया। तब नातान ने सुलैमान की माता बतशेबा से कहा क्या तू ने सुना है कि अदोनिय्याह राजा बन बैठा है और हमारा प्रभु दाऊद इसे नहीं जानता। सो अब तू दाऊद राजा के पास जाकर उस से यों पूछ कि हे मेरे प्रभु हे राजा क्या तू ने किरिया खाकर अपनी दासी से नहीं कहा कि तेरा पुत्र सुलैमान मेरे पीछे राजा होगा और वह मेरी राजगद्दी पर विराजेगा फिर अदोनिय्याह क्यों राजा बन बैठा है। और जब तू वहां राजा से ऐसी बातें करती रहेगी तब मैं तेरे पीछे आकर तेरी बातों को पुष्ट करूंगा।

तब बतशेबा राजा के पास कोठरी में गई। और झुककर राजा को दण्डवत किई और राजा ने पूछा तू क्या चाहती है। उस ने उत्तर दिया हे मेरे प्रभु तू ने तो अपने परमेश्वर यहोवा की किरिया खाकर

अपनी दासी से कहा था कि तेरा पुत्र सुलैमान मेरे पीछे राजा होगा और वह मेरी गद्दी पर विराजेगा। अब देख अदोनिय्याह राजा बन बैठा है और अब लों मेरा प्रभु राजा इसे नहीं जानता। और उस ने बहुत से बैल तैयार किये पशु और भेड़ें बलि किईं और सब राजकुमारों को और एब्यातार याजक और योआब सेनापति को बुलाया है पर तेरे दास सुलैमान को नहीं बुलाया। और हे मेरे प्रभु हे राजा सब इस्राएली तुझे ताक रहे हैं कि तू उन से कहे कि हमारे प्रभु राजा की गद्दी पर उस के पीछे कौन बैठेगा। नहीं तो जब हमारा प्रभु राजा अपने पुरखाओं के संग सोएगा तब मैं और मेरा पुत्र सुलैमान दोनों अपराधी गिने जाएंगे।

यों बतशेबा राजा से बात कर रही थी कि नातान नबी भी आया। और मुंह के बल गिरके राजा को दण्डवत किई। और नातान कहने लगा हे मेरे प्रभु हे राजा अदोनिय्याह ने आज नीचे जाकर बहुत से बैल तैयार किये हुए पशु और भेड़ें बलि किई हैं और सब राजकुमारों और सेनापतियों को और एब्यातार याजक को भी बुला लिया है और वे उस के सन्मुख खाते पीते हुए कह रहे हैं कि अदोनिय्याह राजा जीता रहे। क्या यह मेरे प्रभु राजा की ओर से हुआ। तू ने तो अपने दास को यह न जताया है कि प्रभु राजा की गद्दी पर कौन उस के पीछे विराजेगा।

दाऊद राजा ने कहा बतशेबा को मेरे पास बुला लाओ तब वह राजा के पास आकर उस के साम्हने खड़ी हुई। राजा ने किरिया खाकर कहा यहोवा के जीवन की सौंह, तेरा पुत्र सुलैमान मेरे पीछे राजा होगा और वह मेरे बदले मेरी गद्दी पर विराजेगा।

तब बतशेबा ने भूमि पर मुंहके बल गिर राजा को दण्डवत करके कहा मेरा प्रभु राजा दाऊद सदा लों जीता रहे। तब दाऊद राजा ने कहा मेरे पास सादोक याजक नातान नबी और यहोयादा के पुत्र बनायाह को बुला लाओ सो वे राजा के साम्हने आये।

राजा ने उन से कहा अपने प्रभु के कर्म्मचारियों को साथ लेकर मेरे पुत्र सुलैमान को मेरे निज खच्चर पर चढ़ाओ और गीहोन को ले जाओ। और वहां सादोक याजक और नातान नबी इस्राएल का राजा होने को उस का अभिषेक करें तब तुम सब नरसिंगा फूंककर कहना राजा सुलैमान जीता रहे। और तुम उस के पीछे पीछे इधर आना और वह आकर मेरे सिंहासन पर विराजे क्योंकि मेरे बदले में वही राजा होगा और उसी को मैंने इस्राएल और यहूदा का प्रधान होने को ठहराया है।

तब बनायाह ने कहा आमेन जिस रीति यहोवा मेरे प्रभु राजा के संग रहा उसी रीति वह सुलैमान के भी संग रहे और उस का राज्य मेरे प्रभु दाऊद राजा के राज्य से भी अधिक बढ़ाए।

सो सादोक याजक और नातान नबी और यहोयादा का पुत्र बनायाह करेतियों और पलेतियों को संग लिये हुए नीचे गये और सुलैमान को राजा दाऊद के खच्चर पर चढ़ाकर गीहोन को ले चले। तब सादोक याजक ने यहोवा के तम्बू में से तेल भरा हुआ सींग निकाला और सुलैमान का राज्याभिषेक किया और वे नरसिंगे फूंकने लगे और सब लोग बोल उठे राजा सुलैमान जीता रहे। तब सब लोग उस के पीछे पीछे बांसुली बजाते और इतना बड़ा आनन्द करते हुए ऊपर गये कि उन की ध्वनि से पृथ्वी डोल उठी।

जब अदोनिय्याह और उस के सब नेवतहरी खा चुके थे तब यह ध्वनि उन को सुनाई पड़ी और योआब ने नरसिंगे का शब्द सुन कर पूछा नगर में हौरे का शब्द क्यों होता है।

वह यह कहता ही था कि एब्यातार याजक का पुत्र योनातान आया और अदोनिय्याह ने उस से कहा भीतर आ तू तो भला मनुष्य है और भला समाचार भी लाया होगा। योनातान ने अदोनिय्याह से कहा सचमुच हमारे प्रभु राजा दाऊद ने सुलैमान को राजा बना दिया। और उन्हों ने उस को राजा के खच्चर पर चढ़ाया। और सादोक याजक और नातान नबी ने गीहोन में उस का राज्याभिषेक किया है और वे वहां से ऐसा आनन्द करते हुए ऊपर गये हैं कि नगर में हौरा मचा जो शब्द तुम को सुन पड़ा सो वही है। और सुलैमान राजगद्दी पर विराज भी रहा है।

तब जितने नेवतहरी अदोनिय्याह के संग थे सो सब थरथरा गये और उठकर अपना अपना मार्ग लिया। और अदोनिय्याह सुलैमान से डरकर उठा और जाकर वेदी के सींगों को पकड़ा। तब सुलैमान को यह समाचार मिला कि अदोनिय्याह सुलैमान राजा से ऐसा डर गया है कि उस ने वेदी के सींगों को यह कहकर पकड़ लिया है कि आज राजा सुलैमान किरिया खाए कि अपने दास को तलवार से न मार डालूंगा। सुलैमान ने कहा यदि वह भलमनसी दिखाए तो उस का एक बाल भी भूमि पर गिरने न पाएगा पर यदि उस में दुष्टता पाई जाए तो वह मारा जाएगा।

तब राजा सुलैमान ने कितनों को भेज दिया जो उस को वेदी के पास से उतार ले आये तब उस ने आकर राजा सुलैमान को दण्डवत किई और सुलैमान ने उस से कहा अपने घर चला जा।

दाऊद की मृत्यु।

(१ राजा २)

जब दाऊद के मरने का समय निकट आया तब उस ने अपने पुत्र सुलैमान से कहा कि, मैं लोक की रीति पर कूच करनेवाला हूं सो तू हियाव बांधकर पुरुषार्थ दिखा। और जो कुछ तेरे परमेश्वर यहोवा ने तुझे सौंपा है उस की रक्षा करके उस के मार्गों पर चला कर और जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है वैसा ही उस की विधियों आज्ञाओं और नियमों और चितौनियों को मानता रह जिस से जो कुछ तू करे और जिधर तू फिरे उस में तू बुद्धि से काम करे।

तब दाऊद अपने पुरखाओं के संग सोया और दाऊदपुर में उसे मिट्टी दिई गई। दाऊद ने इस्राएल पर चालीस बरस राज्य किया सात बरस तो उस ने हेब्रोन में और तेंतीस बरस यरूशलेम में राज्य किया था।

तब सुलैमान अपने पिता दाऊद की गद्दी पर विराजा और उस का राज्य बहुत दृढ़ हुआ।

छठवां अध्याय।

सुलैमान का अद्भुत मन्दिर।

बार बार इस्राएली लोग पराये देवताओं की पूजा करने लगते थे। उन के राजाओं से उन को लाभ न हुआ। उनके घराने अलग अलग हुए और वे एक दूसरे से लड़ने लगे जैसा कि वे पहिले साथ होकर दुशमनों से लड़ते थे। पर उन की सब यात्राओं में और सब दुख के दिनों में वे एक ही सच्चे परमेश्वर पर भरोसा रखते थे गो कि उन में से कोई कोई उस देश के रहने वालों के देवताओं की पूजा भी करते थे। धीरे धीरे उन्होंने यह सीखा कि परमेश्वर एक पिता है जो अपने बालकों से प्रेम रखता है और एक न्यायी भी है जो पाप का दण्ड अवश्य देता है।

हम उनके धर्म्म में चार दर्जे देखते हैं।

१. वे मानते थे कि हर देश का ईश्वर अलग अलग है जो केवल उसी देश की रक्षा करता है।

२. उन्हों ने वेदी बनाना और बलिदान चढ़ाना आरम्भ किया।

३. वे नबियों की बातें मानते थे जो यह सिखाते थे कि ईश्वर हर एक मनुष्य से सम्बन्ध रखता है और सब का पिता है।

४. तब पुजारी आये और धर्म्म की सब रीति और रस्में स्थापित कीं और वह पूजा भी जारी हुई जो कि सुलैमान के अद्भुत मन्दिर में होती थी।

यहां हम इस मन्दिर की सब बनावट और सुनहरी सजावट के विषय में पढ़ते हैं।

इस भाग में हम यह भी पढ़ते हैं कि शबा की रानी सुलैमान की महिमा देखने आई थी। इस में एलियाह और एलीशा के बयान हैं। हम यह भी देखते हैं कि लोगों की दशा ऐसी बिगड़ने लगी कि जिससे वे फिर दासत्व में पड़ गये और उन का राज्य नष्ट हो गया।

सुलैमान बुद्धि मांगता है।

(१ राजा ३)

फिर राजा सुलैमान मिस्र के राजा फिरौन की बेटी ब्याह कर उस का दामाद हो गया और उस को दाऊदपुर में ले आकर जब लों अपना भवन और यहोवा का भवन और यरूशलेम की चारों ओर शहरपनाह न बनवा चुका तब लों उस को वहीं रक्खा। क्योंकि प्रजा के लोग तो ऊंचे स्थानों पर बलि चढ़ाते थे उन दिनों तक यहोवा के नाम का कोई भवन न बना था।

और सुलैमान यहोवा से प्रेम रखता और अपने पिता दाऊद की विधियों पर चलता तो रहा पर वह ऊंचे स्थानों पर बलि चढ़ाया और धूप जलाया करता था।

और राजा गिबोन को बलि चढ़ाने गया क्योंकि मुख्य ऊंचा स्थान वही था सो वहां की वेदी पर सुलैमान ने एक हजार होमबलि चढ़ाये।

गिबोन में यहोवा ने रात को स्वप्न के द्वारा सुलैमान को दर्शन देकर कहा जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूं सो मांग। सुलैमान ने कहा तू अपने दास मेरे पिता दाऊद पर बड़ी करुणा करता रहा इस कारण से कि वह अपने को तेरे सन्मुख जानकर तेरे साथ सचाई और धर्म्म और मन की सीधाई से चलता रहा और तू ने यहां तक उस पर करुणा किई थी कि उसे उस की गद्दी पर विराजनेहारा एक पुत्र दिया है जैसा कि आज है। और अब हे मेरे परमेश्वर यहोवा तू ने अपने दास को मेरे पिता दाऊद के स्थान पर राजा किया है पर मैं छोटा लड़का सा हूं जो भीतर बाहर आना जाना नहीं जानता। फिर तेरा दास तेरी चुनी हुई प्रजा के बहुत से लोगों के बीच है जिन की गिनती बहुतायत के मारे नहीं होती। सो अपने दास को अपनी प्रजा का न्याय करने के लिये समझने की ऐसी शक्ति दे कि मैं भले बुरे का विवेक कर सकूं क्योंकि कौन ऐसा है कि तेरी इतनी बड़ी प्रजा का न्याय कर सके।

इस बात से प्रभु प्रसन्न हुआ कि सुलैमान ने ऐसा वर मांगा। सो परमेश्वर ने उस से कहा इस लिये कि तू ने यह वर मांगा है और न तो दीर्घायु न धन न अपने शत्रुओं का नाश मांगा पर समझने के विवेक का वर मांगा है, सुन मैं तेरे वचन के अनुसार करता हूं मैं तुझे बुद्धि और विवेक से भरा मन देता हूं यहां लों कि तेरे समान न तो तुझ से पहिले कोई कभी हुआ और न तेरे पीछे कोई होगा। फिर जो तू ने नहीं मांगा अर्थात धन और महिमा सो भी मैं तुझे यहां लों देता हूं कि तेरे जीवन भर कोई राजा तेरे तुल्य न होगा। फिर यदि तू अपने पिता दाऊद की नाईं मेरे मार्गों में चलता हुआ मेरी विधियों और आज्ञाओं को मानता रहे तो मैं तेरी आयु बढ़ाऊंगा।

सुलैमान का न्याय चुकाना।

(१ राजा ३ : १५)

तब सुलैमान जाग उठा और देखा कि यह स्वप्न हुआ फिर वह यरूशलेम को गया और यहोवा की वाचा के संदूक के साम्हने खड़ा होकर होमबलि और मेलबलि चढ़ाये और अपने सब कर्म्मचारियों के लिये जेवनार किई।

उस समय दो स्त्री राजा के पास आकर उस के सन्मुख खड़ी हुईं। उन में से एक स्त्री कहने लगी हे मेरे प्रभु मैं और यह स्त्री दोनों एक ही घर में रहती हैं और इस के संग घर में रहते मैं लड़का जनी। फिर मेरे जनने के तीन दिन बीते पर यह स्त्री भी लड़का जनी हम तो संग ही संग थीं हम दोनों को छोड़ घर में और कोई न था। और रात में इस स्त्री का बालक इस के नीचे दबकर मर गया। तब इस ने आधी रात को उठकर जब तेरी दासी सो रही थी तब मेरा लड़का मेरे पास से लेकर अपनी छाती में रक्खा और अपना मरा हुआ बालक मेरी छाती में लिटा दिया। भोर को जब मैं अपना बालक दूध पिलाने को उठी तब उसे मरा पाया पर भोर को मैं ने चित्त लगाकर यह देखा कि जो पुत्र मैं जनी थी सो यह नहीं है। तब दूसरी स्त्री ने कहा नहीं जीता मेरा पुत्र है और मरा तेरा पुत्र पर वह

कहती रही नहीं मरा हुआ तेरा पुत्र और जीता मेरा पुत्र है।

राजा ने कहा मेरे पास तलवार ले आओ सो एक तलवार राजा के साम्हने लाई गई। तब राजा बोला जीते हुए बालक को दो टुकड़े करके आधा इस को आधा उस को दो। तब जीते हुए बालक की माता का मन अपने बेटे के स्नेह से भर आया और उस ने राजा से कहा हे मेरे प्रभु जीता हुआ बालक उसी को दे पर उस को किसी भांति न मार। दूसरी स्त्री ने कहा वह न तो मेरा हो न तेरा वह दो टुकड़े किया जाए। तब राजा ने कहा पहिली को जीता हुआ बालक दो किसी भांति उस को न मारो क्योंकि उस की माता वही है।

जो न्याय राजा ने चुकाया था उस का समाचार सारे इस्राएल को मिला और उन्हों ने राजा का भय माना क्योंकि उन्हों ने यह देखा कि उस के मन में न्याय करने को परमेश्वर की बुद्धि है।

सुलैमान की कीर्त्ति।

(१ राजा ४)

सुलैमान के बारह भण्डारी थे जो सारे इस्राएलियों के अधिकारी होकर राजा और उस के घराने के लिये भोजन का प्रबन्ध करते थे एक एक पुरुष बरस दिन में अपने अपने महीने में प्रबन्ध करता था। और सुलैमान की एक दिन की रसोई में इतना उठता था अर्थात तीस कोर मैदा साठ कोर आटा, दस तैयार किये हुए बैल और चराइयों में से बीस बैल और सौ भेड़ बकरी और इन को छोड़ हरिन चिकारे यखमूर और तैयार किये हुए पत्ती। क्योंकि महानद के इस पार के सारे देश पर जितने राजा थे उन सभों पर सुलैमान प्रभुता करता और अपनी चारों ओर के सब रहनेहारों से मेल रखता था।

और दान से बेर्शेबा लों के सारे यहूदी और इस्राएली अपनी अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष तले सुलैमान के जीवन भर निडर रहते थे।

फिर उस के रथ घोड़ों के लिये सुलैमान के चालीस हजार थान थे और उस के बारह हजार सवार थे। और वे भण्डारी अपने अपने महीने में राजा सुलैमान के लिये और जितने उस की मेज पर आते थे उन सभों के लिये भोजन का प्रबन्ध करते थे किसी वस्तु की घटी होने न पाती थी। और घोड़ों और वेग चलनेहारे घोड़ों के लिये जव और पुआल जहां प्रयोजन पड़ता था वहां आज्ञा के अनुसार एक एक जन पहुंचाया करता था।

और परमेश्वर ने सुलैमान को बुद्धि दिई और उस की समझ बहुत ही बढ़ाई और उस के हृदय में समुद्रतीर की बालू के किनकों के तुल्य अनगिनित गुण दिये। वह तो और सब मनुष्यों से अधिक बुद्धिमान था और उस की कीर्त्ति चारों ओर की सब जातियों में फैल गई। उस ने तीन हजार नीति-वचन कहे और उस के एक हजार पांच गीत भी हैं। फिर उस ने लबानोन के देवदारुओं से लेकर भीत में से उगने हुए जूफा तक के सब पेड़ों की चर्चा और पशुओं पक्षियों रेंगनेहारे जन्तुओं और मछलियों की चर्चा किई। और देश देश के लोग पृथिवी के सब राजाओं की ओर से उस की बुद्धि की बातें सुनने को आते थे।

सोर का राजा हीराम।

(१ राजा ५)

हीराम राजा ने अपने दूत सुलैमान के पास भेजे क्योंकि उस ने सुना था कि वह अभिषिक्त होकर अपने पिता के स्थान पर राजा हुआ है और दाऊद के जीवन भर हीराम उस का मित्र बना रहा। और सुलैमान ने हीराम के पास यों कहला भेजा कि तुझे मालूम है कि मेरा पिता दाऊद अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का एक भवन इस लिये न बनवा सका कि वह चारों ओर लड़ाइयों में तब लों बझा रहा जब लों यहोवा ने उस के शत्रुओं को उस के पांव तले न कर दिया। पर अब मेरे परमेश्वर यहोवा ने मुझे चारों ओर से विश्राम दिया और न तो कोई विरोधी है न कुछ विपत्ति

देख पड़ती है। सो मैं ने अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का एक भवन बनवाने को ठाना है अर्थात उस बात के अनुसार जो यहोवा ने मेरे पिता दाऊद से कही थी। सो अब तू मेरे लिये लबानोन पर से देवदारु काटने की आज्ञा दे और मेरे दास तेरे दासों के संग रहेंगे और जो कुछ मजूरी तू ठहराए वही मैं तुझे तेरे दासों के लिये दूंगा तुझे मालूम तो है कि सीदोनियों के बराबर लकड़ी काटने का भेद हम लोगों में से कोई नहीं जानता।

सुलैमान की ये बातें सुनकर हीराम बहुत आनन्दित हुआ और कहा आज यहोवा धन्य है जिस ने दाऊद को उस बड़ी जाति पर राज्य करने के लिये एक बुद्धिमान पुत्र दिया है। सो हीराम ने सुलैमान के पास यों कहला भेजा कि देवदारु और सनौबर की लकड़ी के विषय जो कुछ तू चाहे सो मैं करूंगा। मेरे दास लकड़ी को लबानोन से समुद्र लों पहुंचाएंगे फिर मैं उन के बेड़े बनवाकर जो स्थान तू मेरे लिये ठहराए वहां समुद्र के मार्ग से उन को पहुंचवा दूंगा वहां मैं उन को खोलकर डलवा दूंगा और तू उन्हें ले लेना और तू मेरे परिवार के लिये भोजन देकर मेरी भी इच्छा पूरी करना।

सो हीराम सुलैमान की सारी इच्छा के अनुसार उस को देवदारु और सनौबर की लकड़ी देने लगा। और सुलैमान ने हीराम के परिवार के खाने के लिये उसे बीस हजार कोर गेहूं और बीस कोर पेरा हुआ तेल दिया यों सुलैमान हीराम को बरस बरस दिया करता था। और उन दोनों ने आपस में बाचा भी बांधी।

और राजा सुलैमान ने सारे इस्राएल में से तीस हजार पुरुष बेगारी लगाये, और उन्हें लबानोन पहाड़ पर पारी पारी करके महीने महीने दस हजार भेज दिया एक महीना तो वे लबानोन पर और दो महीने घर पर रहा करते थे। और सुलैमान के सत्तर हजार बोझ ढोनेहारे और पहाड़ पर अस्सी हजार वृक्ष काटनेहारे और पत्थर निकालनेहारे थे। इन को छोड़ सुलैमान के तीन हजार तीन सौ मुखिये थे जो काम करनेहारों के ऊपर थे। फिर राजा की आज्ञा से बड़े बड़े अनमोल पत्थर इस लिये खोदकर निकाले गये कि भवन की नेव गढ़े हुए पत्थरों से डाली जाए। और सुलैमान के कारीगरों और हीराम के कारीगरों और गबालियों ने उन को गढ़ा और भवन के बनाने के लिये लकड़ी और पत्थर तैयार किये।

मन्दिर की बनावट।

(१ राजा ६)

इस्राएलियों के मिस्र देश से निकलने का चार सौ अस्सीवां बरस जो सुलैमान के इस्राएल पर राज्य करने का चौथा बरस था उस जीव नाम दूसरे महीने में वह यहोवा का भवन बनाने लगा। और जो भवन राजा सुलैमान ने यहोवा के लिये बनाया उस की लम्बाई साठ हाथ चौड़ाई बीस हाथ और ऊंचाई तीस हाथ की थी फिर उस ने भवन में स्थिर झिलमिलीदार खिड़कियां बनाईं। और उस ने भवन के आसपास कोठरियां बनाईं। फिर उस ने भवन के आसपास भीत को बाहर की ओर कुर्सीदार बनाया इस लिये कि कड़ियां भवन की भीतों में घुसेरी न जाएं। और बनते समय भवन ऐसे पत्थरों का बनाया गया जो वहां ले आने से पहिले गढ़कर ठीक किये गये थे और भवन के बनते समय हथौड़े बसूली वा और किसी प्रकार के लोखर का शब्द कभी सुनाई न पड़ा। उस ने भवन को बनाकर पूरा किया और उस की छत देवदारु की कड़ियों और तख्तों से बनी।

तब यहोवा का यह बचन सुलैमान के पास पहुंचा कि, यह भवन तो तू बना रहा है यदि तू मेरी विधियों पर चलेगा और मेरे नियमों को मानेगा और मेरी सब आज्ञाओं पर चलता हुआ उन्हें मानेगा तो जो बचन मैं ने तेरे विषय तेरे पिता दाऊद को दिया उस को मैं पूरा करूंगा। और मैं इस्राएलियों के बीच बास करूंगा और अपनी इस्राएली प्रजा को न त्यागूंगा।

सो सुलैमान ने भवन को बनाकर पूरा किया। और उस ने भवन की भीतों पर भीतरवार देवदारु की तख्ताबन्दी की। और भवन के फरश को उस ने

सनौबर के तखतों से बनाया । और भवन की भीतों पर भीतरवार देवदारु की लकड़ी की तखताबन्दी थी और उस में इन्द्रायन और खिले हुये फूल खुदे थे देवदारु ही देवदारु था पत्थर कुछ न देख पड़ता था । और उस ने सारे भवन को सोने से मढ़ाया ।

और उस ने करूबों को भीतर वाले स्थान में धरवा दिया और करूबों के पंख ऐसे फैले थे कि एक करूब का एक पंख एक भीत से और दूसरे का दूसरा पंख दूसरी भीत से लगा हुआ था फिर उनके दूसरे दो पंख भवन के बीच एक दूसरे से लगे हुये थे । और करूबों को उस ने सोने से मढ़ाया । और उसने भवन की भीतों में बाहर और भीतर चारों ओर करूब खजूर और खिले हुये फूल खुदाये ।

दोनों किवाड़ सनौबर की लकड़ी के थे । और उन पर भी उस ने करूब खजूर के वृक्ष और खिले हुये फूल खुदाये और खुदे हुये काम पर उस ने सोना मढ़ा । और उस ने भीतर वाले आंगन के घेरे को गढ़े हुये पत्थरों के तीन रद्दे और एक परत देवदारू की कड़ियां लगाकर बनाया ।

सुलैमान का घर ।

(१ राजा ६ : ३८-७, ८)

चौथे बरस में यहोवा के भवन की नेव डाली गई, और ग्यारहवें बरस में वह भवन बन चुका इस रीति सुलैमान को उस के बनाने में सात बरस लगे । और सुलैमान ने अपने भवन को बनाया और उस के पूरा करने में तेरह बरस लगे । और उस ने लबानोनी बन नाम भवन बनाया जिस की लम्बाई सौ हाथ चौड़ाई पचास हाथ और ऊंचाई तीस हाथ की थी वह तो देवदारु के खंभों की चार पांति पर बना और खंभों पर देवदारु की कड़ियां धरी गईं । तीनों महलों में खिड़कियां आम्हने साम्हने बनीं । और सब द्वार भी चौकोर थीं और तीनों महलों में खिड़कियां आम्हने साम्हने बनीं । और उस ने एक खंभे वाला ओसारा भी बनाया जिस की लम्बाई पचास हाथ और चौड़ाई तीस हाथ की थी ।

फिर उस ने न्याय के सिंहासन के लिये भी एक ओसारा बनाया जो न्याय का ओसारा कहलाया और उस में एक फरश से दूसरे फरश लों देवदारु की तखताबन्दी थी ।

फिर उसी ओसारे के ढब से सुलैमान ने फ़िरौन की बेटी के लिये जिस को उस ने ब्याह लिया था एक और भवन बनाया । ये सब घर बाहर भीतर नेव से मुंडेर लों ऐसे अनमोल और गढ़े हुए पत्थरों के बने जो नापकर और आरों से चीरके तैयार किये गये थे और बाहर के आंगन से ले बड़े आंगन तक लगाये गये । उन की नेव तो बड़े मोल के बड़े बड़े अर्थात् दस दस और आठ आठ हाथ के पत्थरों की डाली गई थी ।

फिर राजा सुलैमान ने सोर से हीराम को बुलवा भेजा । वह नप्ताली के गोत्र की किसी विधवा का बेटा था और उस का पिता एक सोरवासी ठठेरा था और वह पीतल की सब प्रकार की कारीगरी में पूरी बुद्धि निपुणता और समझ रखता था सो वह राजा सुलैमान के पास आकर उस का सारा काम करने लगा ।

उस ने पीतल ढालकर अठारह अठारह हाथ ऊंचे दो खंभे बनाये और उस ने खंभों के सिरों पर लगाने को पीतल ढालकर दो कंगनी बनाईं और खंभों के सिरों पर की कंगनियों के लिये चारखाने की जालियां और सांकलों की झालरें बनीं । और एक एक खंभे के सिरे पर उस गोलाई के पास जो जाली से लगी थी एक और कंगनी बनी और एक एक कंगनी पर जो अनार चारों ओर पांति पांति करके बने सो दो सौ थे । और खंभों के सिरों पर सोसन फूल का काम बना । फिर उस ने एक ढाला हुआ गंगाल बनाया जो एक छोर से दूसरी छोर लों दस हाथ चौड़ा था उस का आकार गोल था और उस की चारों ओर मोहड़े के नीचे इन्द्रायन बने जो गंगाल को घेरे थीं जब वह ढाला गया तब ये इन्द्रायन भी दो पांति करके ढाले गये । और वह बारह बने हुए बैलों पर धरा गया जिन में से तीन उत्तर तीन पच्छिम तीन दक्खिन और तीन पूरब की ओर मुंह किये हुए थे और उन ही के ऊपर गंगाल था और उस का दल चौवा भर का था और उस का

मोहड़ा कटोरे के मोहड़े की नाईं सोसन के फूलों के काम से बना था और उस में दो हज़ार बत समाता था। फिर उस ने पीतल के दस पाये बनाये उन पायों की पटरियां थीं और पटरियों पर सिंह बैल और करूब बने।

सो हीराम ने राजा सुलैमान के लिये यहोवा के भवन में जितना काम करना था सो सब निपटा दिया. अर्थात दो खंभे और उन कंगनियों की गोलाइयां जो दोनों खंभों के सिरे पर थीं और दोनों खंभों के सिरों पर की गोलाइयों के ढांपने को दो दो जालियां, और दोनों जालियों के लिये चार चार सौ अनार अर्थात खंभों के सिरों पर जो गोलाइयां थीं उन के ढपनेहारी एक एक जाली के लिये अनारों की दो दो पांति, दस पाये और इन पर की दस हौदी, एक गंगाल और उस के नीचे के बारह बैल, और हंडे फावड़ियां और कटोरे बने। ये सब पात्र जिन्हें हीराम ने यहोवा के भवन के निमित्त राजा सुलैमान के लिये बनाया सो झलकाये हुए पीतल के बने। राजा ने उन को यर्दन की तराई में अर्थात सुक्कोत और सारतान के बीच की चिकनी मिट्टीवाली भूमि में ढाला। और सुलैमान ने सब पात्रों को बहुत अधिक होने के कारण बिना तौले छोड़ दिया पीतल के तौल का कुछ लेखा न हुआ। यहोवा के भवन के जितने पात्र थे सुलैमान ने सब बनाये अर्थात सोने की वेदी और सोने की मेज़ और चोखे सोने की दीवटें और सोने के फूल दीपक और चिमटे और चोखे सोने के तसले कचियां कटोरे धूपदान और करछे और भीतरवाला भवन जो परमपवित्र स्थान कहावता है और भवन जो मन्दिर कहावता है दोनों के किवाड़ों के लिये सोने के कबजे बने।

निदान जो जो काम राजा सुलैमान ने यहोवा के भवन के लिये किया सो सब निपट गया।

तब राजा सुलैमान ने इस्राएली पुरनियों को और गोत्रों के सब मुख्य पुरुष जो इस्राएलियों के पितरों के घरानों के प्रधान थे उन को भी यरूशलेम में अपने पास इस मनसा से एकट्ठा किया कि वे यहोवा की वाचा का संदूक दाऊदपुर से ऊपर लिवा ले आएं। सो सब इस्राएली पुरुष राजा सुलैमान के पास एकट्ठे हुए। जब सब इस्राएली पुरनिये आये तब याजकों ने संदूक को उठा लिया। और यहोवा का संदूक और मिलाप का तंबू और जितने पवित्र पात्र उस तंबू में थे उन सभों को याजक और लेवीय लोग ऊपर ले गये।

और राजा सुलैमान और सारी इस्राएली मंडली जो उस के पास एकट्ठी हुई थी वे सब संदूक के साम्हने इतनी भेड़ और बैल बलि कर रहे थे जिन की गिनती किसी रीति से न हो सकती थी। तब याजकों ने यहोवा की वाचा का संदूक उस के स्थान को अर्थात भवन की भीतरी कोठरी में जो परम पवित्र स्थान है पहुंचाकर करूबों के पंखों के तले रख दिया। संदूक में कुछ नहीं था, उन दो पटियाओं को छोड़ जो मूसा ने होरेब में उस के भीतर उस समय रक्खीं जब यहोवा ने इस्राएलियों के मिस्र से निकलने पर उन के साथ वाचा बांधी थी।

जब याजक पवित्र स्थान से निकले तब यहोवा के भवन में बादल भर आया। और बादल के कारण याजक सेवा टहल करने को खड़े न रह सके क्योंकि यहोवा का तेज यहोवा के भवन में भर गया था।

सुलैमान की प्रार्थना।

(१ राजा ८ : १२)

तब सुलैमान कहने लगा यहोवा ने कहा था कि मैं घोर अंधकार में वास किये रहूंगा। सचमुच मैं ने तेरे लिये एक वासस्थान बनाया है जिस में तू युगयुग रहे।

और राजा ने इस्राएल की सारी सभा की ओर मुंह फेरके उस को आशीर्वाद दिया और उस ने कहा धन्य है इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिस ने अपने मुंह से मेरे पिता दाऊद को यह बचन दिया था कि, जिस दिन से मैं अपनी प्रजा इस्राएल को मिस्र से निकाल लाया तब से मैं ने किसी इस्राएली गोत्र का कोई नगर नहीं चुना जिस में मेरे नाम के निवास के लिये भवन बनाया जाए पर मैंने दाऊद को चुन लिया कि वह मेरी प्रजा इस्राएल का अधि-

कारी हो। मेरे पिता दाऊद की यह मनसा तो थी कि इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम का एक भवन बनाऊं। पर यहोवा ने मेरे पिता दाऊद से कहा यह जो तेरी मनसा है कि यहोवा के नाम का एक भवन बनाऊं ऐसी मनसा करके तू ने भला तो किया। तौ भी तू उस भवन को न बनाएगा तेरा जो निज पुत्र होगा वही मेरे नाम का भवन बनाएगा। यह जो बचन यहोवा ने कहा था उसे उस ने पूरा भी किया है और मैं अपने पिता दाऊद के स्थान पर उठकर यहोवा के वचन के अनुसार इस्राएल की गद्दी पर बिराजता हूं और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम के इस भवन को बनाया। और इस में मैं ने एक स्थान उस संदूक के लिये ठहराया है जिस में यहोवा की वह वाचा है जो उस ने हमारे पुरखाओं को मिस्र देश से निकालने के समय उन से बांधी थी।

तब सुलैमान इस्राएल की सारी सभा के देखते यहोवा की वेदी के साम्हने खड़ा हुआ और अपने हाथ स्वर्ग की ओर फैलाकर कहा।

हे यहोवा हे इस्राएल के परमेश्वर तेरे समान न तो ऊपर स्वर्ग में और न नीचे पृथिवी पर कोई ईश्वर है तेरे जो दास अपने सारे मन से अपने को तेरे सन्मुख जानकर चलते हैं उन के लिये तू अपनी वाचा पालता और करुणा करता रहता है। सो अब हे इस्राएल के परमेश्वर अपना जो वचन तू ने अपने दास मेरे पिता दाऊद को दिया था उसे सच्चा कर।

क्या परमेश्वर सचमुच पृथिवी पर बास करेगा स्वर्ग में बरन सब से ऊंचे स्वर्ग में भी तू नहीं समाता फिर मेरे बनाये हुये इस भवन में क्योंकर समाएगा। तौ भी हे मेरे परमेश्वर यहोवा अपने दास की प्रार्थना की ओर कान लगाकर यह प्रार्थना सुन जो मैं आज तेरे साम्हने कह रहा हूं, कि तेरी आंख इस भवन की ओर रात दिन खुली रहें और अपनी प्रजा इस्राएल की प्रार्थना जिस को वे इस स्थान की ओर गिड़गिड़ाके करें उसे सुनना, स्वर्ग में जो तेरा निवास स्थान है सुन लेना और सुनकर क्षमा करना।

फिर जब तेरी प्रजा इस्राएल तेरे विरुद्ध पाप करने के कारण अपने शत्रुओं से हार जाए और तेरी ओर फिरकर इस भवन में तुझ से प्रार्थना करें, तब तू स्वर्ग में सुनकर अपनी प्रजा इस्राएल का पाप क्षमा करना।

जब आकाश बन्द हो जाए कि वर्षा न होए यदि वे इस स्थान की ओर प्रार्थना करके तेरे नाम को मानें तो तू स्वर्ग में सुनकर क्षमा करना। जब इस देश में काल वा मरी वा झुलस हो वा गेरुई वा टिड्डियां वा कीड़े लगें वा उन के शत्रु उन के देश के फाटकों में उन्हें घेर रक्खें, कोई विपत्ति वा रोग क्यों न हो, तब यदि कोई मनुष्य वा तेरी प्रजा इस्राएल अपने अपने मन का दुःख जान लें और गिड़गिड़ाहट के साथ प्रार्थना करके अपने हाथ इस भवन की ओर फैलाएं, तो तू अपने स्वर्गीय निवास स्थान में सुन कर क्षमा करना। निष्पाप तो कोई मनुष्य नहीं है सो यदि ये भी तेरे विरुद्ध पाप करें और तू उन पर कोप करके उन्हें शत्रुओं के हाथ कर दे और वे उन को बंधुआ करके अपने देश को चाहे वह दूर हो चाहे निकट ले जाएं, तो यदि वे सोच विचार करें और फिरकर तुझ से गिड़गिड़ाकर कहें कि हम ने पाप किया और कुटिलता और दुष्टता की है, और यदि वे अपने सारे मन और सारे जीव से तेरी ओर फिरें और अपने इस देश की ओर जो तू ने उन के पुरखाओं को दिया था और इस नगर की ओर जिसे तू ने चुना है और इस भवन की ओर जिसे मैं ने तेरे नाम का बनाया है तुझ से प्रार्थना करें, तो तू अपने स्वर्गीय निवास स्थान में उन की प्रार्थना सुनना और उन का न्याय करना, और तेरी प्रजा को क्षमा करना। क्योंकि ये तेरी प्रजा और तेरा निज भाग हैं।

बड़ा पर्ब्ब ।

(१ राजा ८ : ५४)

जब सुलैमान यहोवा से यह सब प्रार्थना गिड़गिड़ाहट के साथ कर चुका तब वह यहोवा की वेदी के साम्हने से उठा, और खड़ा हो सारी इस्राएली सभा को ऊंचे स्वर से यह कहकर आशीर्वाद दिया कि, धन्य है यहोवा जिस ने ठीक

अपने कहे के अनुसार अपनी प्रजा इस्राएल को बिश्राम दिया है जितनी भलाई की बातें उस ने कही थीं उन में से एक भी बिना पूरी हुए नहीं रही। हमारा परमेश्वर यहोवा जैसे हमारे पुरखाओं के संग रहता था वैसे ही हमारे संग भी रहे वह हम को न त्यागे और न हम को छोड़ दे। वह हमारे मन अपनी ओर ऐसा फेर रक्खे कि हम उस के सारे मार्गों पर चला करें और उस की आज्ञाएं माना करें। और मेरी ये बातें सो दिन रात हमारे परमेश्वर यहोवा के मन में बनी रहें और जैसा दिन दिन प्रयोजन हो वैसा ही वह अपने दास का और अपनी प्रजा इस्राएल का न्याय किया करे, और इस से पृथिवी की सब जातियां यह जान लें कि यहोवा ही परमेश्वर है और कोई दूसरा नहीं। सो तुम्हारा मन हमारे परमेश्वर यहोवा की ओर ऐसी पूरी रीति से लगा रहे कि आज की नाई उस की विधियों पर चलते और उस की आज्ञाएं मानते रहो।

तब राजा सारे इस्राएल समेत यहोवा के संमुख मेलबलि चढ़ाने लगा। और जो पशु सुलैमान ने मेलबलि करके यहोवा को चढ़ाये सो बाइस हजार बैल और एक लाख बीस हजार भेड़ें थीं। इस रीति राजा ने सब इस्राएलियों समेत यहोवा के भवन की प्रतिष्ठा किई।

और सुलैमान ने और उसके संग सारे इस्राएल की एक बड़ी सभा ने जो हमात की घाटी से ले मिस्र के नाले तक के सारे देश से एकट्ठी हुई थी दो अठवारे तक हमारे परमेश्वर यहोवा के साम्हने पर्व को माना। आठवें दिन उस ने प्रजा के लोगों को बिदा किया और वे राजा को धन्य धन्य कहकर उस सब भलाई के कारण जो यहोवा ने अपने दास दाऊद और अपनी प्रजा इस्राएल से किई थी आनन्दित और मगन होकर अपने अपने डेरे को चले गये।

परमेश्वर सुलैमान को बचन देता।

(१ राजा ९)

जब सुलैमान यहोवा के भवन और राजभवन को बना चुका तब यहोवा ने दूसरी बार उसे दर्शन दिया। और यहोवा ने उस से कहा जो प्रार्थना तू ने मुझ से किई है उस को मैं ने सुना है यह जो भवन तू ने बनाया है उस में मैं ने अपना नाम सदा के लिये रखकर उसे पवित्र किया है और मेरी आंखें और मेरा मन नित्य वहीं लगे रहेंगे। और यदि तू अपने पिता दाऊद की नाईं मन की खराई और सीधाई से अपने को मेरे साम्हने जानकर चलता रहे और मेरी सब आज्ञाओं के अनुसार किया करे और मेरी विधियों और नियमों को मानता रहे तो मैं तेरा राज्य इस्राएल के ऊपर सदा के लिये स्थिर करूंगा, जैसे कि मैं ने तेरे पिता दाऊद को बचन दिया था कि तेरे कुल में इस्राएल की गद्दी पर विराजनेहारे सदा बने रहेंगे। पर यदि तुम लोग वा तुम्हारे वंश के लोग मेरे पीछे चलना छोड़ दें और मेरी उन आज्ञाओं को न मानें और जाकर पराये देवताओं की उपासना करने लगें, तो मैं इस्राएल को इस देश में से जो मैं ने उन को दिया है काट डालूंगा और इस भवन को जो मैं ने अपने नाम के लिये पवित्र किया है अपनी दृष्टि से उतार दूंगा और सब देशों के लोगों में इस्राएल की उपमा दिई जाएगी और उस का दृष्टान्त चलेगा। और यह भवन जो ऊंचे पर रहेगा सो जो कोई इस के पास होकर चलेगा वह चकित होगा और ताली बजाएगा और वे पूछेंगे कि यहोवा ने इस देश और इस भवन के साथ क्यों ऐसा किया है, तब लोग कहेंगे कि उन्हों ने अपने परमेश्वर यहोवा को जो उन के पुरखाओं को मिस्र देश से निकाल लाया था तजकर पराये देवताओं को पकड़ लिया इस कारण यहोवा ने यह सब विपत्ति उन पर डाल दिई।

सुलैमान को तो यहोवा के भवन और राजभवन दोनों के बनाने में बीस बरस लगे। तब सुलैमान ने

सोर के राजा हीराम को गालील देश के बीस नगर दिये। सो गेजेर को सुलैमान ने दृढ़ किया और नीचेवाले बेथोरोन, बालात और तामार को जो जंगल में हैं। फिर सुलैमान के जितने भण्डार के नगर थे और उस के रथों और सवारों के नगर उन सब को उस ने दृढ़ किया।

जो मुख्य हाकिम सुलैमान के कामों के ऊपर ठहरके काम करनेहारों पर प्रभुता करते थे सो पांच सौ पचास थे। फिर राजा सुलैमान ने एदोम देश में लाल समुद्र के तीर जहाज बनाये। और जहाजों में हीराम ने अपने अधिकार के मल्लाहों को जो समुद्र के जानकार थे सुलैमान के सेवकों के संग भेज दिया। उन्हों ने ओपीर को जाकर वहां से चार सौ बीस किक्कार सोना राजा सुलैमान को ला दिया।

शबा की रानी।

(१ राजा १०)

शबा की रानी ने सुलैमान की कीर्त्ति सुनी तब वह कठिन कठिन प्रश्नों से उस को परीक्षा करने को चली। वह तो बहुत भारी दल और मसालों और बहुत सोने और मणि से लदे ऊंट साथ लिये हुए यरूशलेम को आई और सुलैमान के पास पहुंचकर अपने मन की सारी बातों के विषय उस से बातें करने लगी। सुलैमान ने उस के सब प्रश्नों का उत्तर दिया कोई बात राजा की बुद्धि से ऐसी बाहर न रही कि वह उस को न बता सका।

जब शबा की रानी ने सुलैमान की सब बुद्धि-मानी और उस का बनाया हुआ भवन, और उस की मेज पर का भोजन देखा और उस के कर्म्मचारी किस रीति बैठते और उस के टहलुए किस रीति खड़े रहते और कैसे कैसे कपड़े पहिने रहते हैं और उस के पिलानेहारे कैसे हैं और वह कैसी चढ़ाई है जिस से वह यहोवा के भवन को जाया करता है यह सब जब उस ने देखा तब वह चकित हो गई। सो उस ने राजा से कहा तेरे कामों और बुद्धिमानी की जो कीर्त्ति मैं ने अपने देश में सुनी सो सच ही है। पर जब लों मैं ने आप ही आकर अपनी आंखों से यह न देखा तब लों मैं ने उन बातों की प्रतीति न किई पर इस का आधा भी मुझे न बताया गया था तेरी बुद्धिमानी और कल्याण उस कीर्त्ति से भी बढ़ कर है जो मैं ने सुनी थी। धन्य हैं तेरे जन धन्य हैं तेरे ये सेवक जो नित्य तेरे सन्मुख हाजिर रहकर तेरी बुद्धि की बातें सुनते हैं। धन्य है तेरा परमेश्वर यहोवा जो तुझ से ऐसा प्रसन्न हुआ कि तुझे इस्राएल की राजगद्दी पर विराजमान किया यहोवा इस्राएल से सदा प्रेम रखता है इस कारण उस ने तुझे न्याय और धर्म्म करने को राजा कर दिया है।

और उस ने राजा को एक सौ बीस किक्कार सोना बहुत सा सुगंधद्रव्य और मणि दिये जितना सुगंधद्रव्य शबा की रानी ने राजा सुलैमान को दिया उतना फिर कभी नहीं आया।

फिर हीराम के जहाज भी जो ओपीर से सोना लाते थे सो बहुत सी चन्दन की लकड़ी और मणि भी लाये। और राजा ने चन्दन की लकड़ी के यहोवा के भवन और राजभवन के लिये जंगले और गाने-हारों के लिये वीणाएं और सारंगियां बनवाईं ऐसी चन्दन की लकड़ी आज लों फिर नहीं आई और न देख पड़ी है। और शबा की रानी ने जो कुछ चाहा वही राजा सुलैमान ने उस की इच्छा के अनुसार उस को दिया फिर राजा सुलैमान ने उस को अपनी उदारता से बहुत कुछ दिया तब वह अपने जनों समेत अपने देश को लौट गई।

सुलैमान का धन।

(१ राजा १० : १४)

जो सोना बरस दिन में सुलैमान के पास पहुंचा करता था उस का तौल छः सौ छियासठ किक्कार था। इस से अधिक सौदागारों से और ब्योपारियों के लेन देन से और दोगली जातियों के सब राजाओं और अपने देश के गवर्नरों से भी

बहुत कुछ मिलता था। और राजा सुलैमान ने सोना गढ़ाकर दो सौ बड़ी बड़ी ढालें बनाईं एक एक ढाल में छः छः सौ शेकेल सोना लगा। फिर उस ने सोना गढ़ाकर तीन सौ छोटी ढालें भी बनाईं एक एक छोटी ढाल में तीन माने सोना लगा और राजा ने उन को लबानोनी वन नाम भवन में रखवा दिया। और राजा ने हाथीदांत का एक बड़ा सिंहासन बनाया और उत्तम कुन्दन से मढ़ाया। उस सिंहासन में छः सीढ़ियां थीं और सिंहासन का सिरहाना पिछाड़ी की ओर गोल था और बठने के स्थान की दोनों अलंग टेक लगी थीं और दोनों टेकों के पास एक एक सिंह खड़ा हुआ बना था। और छहों सीढ़ियों की दोनों अलंग एक एक सिंह खड़ा हुआ बना था सो बारह हुए। किसी राज्य में ऐसा कभी न बना।

और राजा सुलैमान के पीने के सब पात्र सोने के थे और लबानोनी वन नाम भवन के सब पात्र भी चोखे सोने के थे चांदी का कोई भी न था सुलैमान के दिनों में उस का कुछ लेखा न था। क्योंकि समुद्र पर हीराम के जहाजों के साथ राजा भी तर्शीश के जहाज रखता था और तीन तीन बरस पीछे तर्शीश के जहाज सोना चान्दी हाथीदांत बन्दर और मोर ले आते थे।

सो राजा सुलैमान धन और बुद्धि में पृथिवी के सब राजाओं से बढ़कर हो गया। और सारी पृथिवी के लोग उस की बुद्धि की बातें सुनने को जो परमेश्वर ने उस के मन में उपजाई थीं सुलैमान का दर्शन पाना चाहते थे। और वे बरस बरस अपनी अपनी भेंट अर्थात चांदी और सोने के पात्र वस्त्र शस्त्र सुगंधद्रव्य घोड़े और खच्चर ले आते थे। और सुलैमान ने रथ और सवार एकट्ठे कर लिये सो उस के चौदह सौ रथ और बारह हजार सवार हुए और उन को उस ने रथों के नगरों में और यरूशलेम में राजा के पास ठहरा रक्खा। और राजा ने ऐसा किया कि यरूशलेम में चांदी का लेखा पत्थरों का सा और देवदारु का लेखा बहुतायत के कारण नीचे के देश के गूलरों का सा हो गया।

—

सुलैमान की मृत्यु।

(१ राजा ११)

पर राजा सुलैमान बहुतेरी और बिरानी स्त्रियों से प्रीति करने लगा। और उस के सात सौ रानियां हो गईं। सो जब सुलैमान बूढ़ा हुआ तब उस की स्त्रियों ने उस का मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया और सुलैमान ने वह किया जो यहोवा के लेखे में बुरा है सो यहोवा ने सुलैमान पर कोप किया।

और यहोवा ने सुलैमान से कहा मेरी बन्धाई हुई वाचा और दिई हुई विधि तू ने नहीं पाली इस कारण मैं राज्य को निश्चय तुझ से छीनकर तेरे एक कर्म्मचारी को दूंगा। तौभी मैं सारा राज्य तो न छीन लूंगा पर अपने दास दाऊद के कारण और अपने चुने हुए यरूशलेम के कारण मैं तेरे पुत्र के हाथ में एक गोत्र छोड़ूंगा।

फिर नबात का और एक बिधवा का पुत्र यारोबाम नाम जो सुलैमान का कर्म्मचारी था उस ने राजा के विरुद्ध सिर उठाया। यारोबाम बड़ा शूरबीर था और जब सुलैमान ने जवान को देखा कि यह कामकाजी है तब उस ने उस को यूसुफ के घराने के सब परिश्रम पर मुखिया ठहराया। उन्हीं दिनों में यारोबाम यरूशलेम से निकलकर जा रहा था कि अहिय्याह नबी नई चद्दर ओढ़े हुए मार्ग पर उस से मिला और केवल वे ही दोनों मैदान में थे। और अहिय्याह ने अपनी उस नई चद्दर को ले लिया और उसे फाड़कर बारह टुकड़े कर दिये। तब उस ने यारोबाम से कहा दस टुकड़े ले ले क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि सुन मैं राज्य को सुलैमान के हाथ से छीनकर दस गोत्र तेरे हाथ कर दूंगा।

और सुलैमान ने यारोबाम को मार डालना चाहा पर यारोबाम मिस्र में भाग गया और सुलैमान के मरने तक वहीं रहा सुलैमान को यरूशलेम में सारे इस्राएल पर राज्य करते हुए चालीस बरस बीते। और सुलैमान अपने पुरखाओं के संग सोया।

और उसको उसके पिता दाऊद के नगर में मिट्टी दिई गई और उसका पुत्र रहबाम उस के स्थान पर राजा हुआ।

——

राज्य का दो भाग हो जाना।

(१ राजा १२, १४)

रहबाम तो शकेम को गया क्योंकि सारा इस्राएल उस को राजा करने के लिये वहीं गया था। और नबात के पुत्र यारोबाम ने यह सुना और यारोबाम और इस्राएल की सारी सभा रहबाम के पास जाकर यों कहने लगी कि, तेरे पिता ने तो हम लोगों पर भारी जूआ डाल रक्खा था सो अब तू अपने पिता की कठिन सेवा को और उस भारी जूए को जो उस ने हम पर डाल रक्खा है कुछ हलका कर तब हम तेरे अधीन रहेंगे।

उस ने कहा अभी तो जाओ और तीन दिन पीछे मेरे पास फिर आना सो वे चले गये। तब राजा रहबाम ने उन बूढ़ों से जो उस के पिता सुलैमान के जीवन भर उस के साम्हने हाजिर रहा करते थे सम्मति ली कि इस प्रजा को कैसा उत्तर देना उचित है इस में तुम क्या सम्मति देते हो। उन्हों ने उस को यह उत्तर दिया कि यदि तू अभी प्रजा के लोगों का दास बनकर उन के अधीन हो और उन से मधुर बातें कहे तो वे सदा लों तेरे अधीन बने रहेंगे।

रहबाम ने उस सम्मति को छोड़ा जो बूढ़ों ने उस को दी थी और उन जवानों से सम्मति ली जो उस के संग बड़े हुये थे। जवानों ने यह उत्तर दिया तू उन से यों कहना कि मेरी छिंगुलिया मेरे पिता की कटि से भी मोटी ठहरेगी। मेरे पिता ने तुम पर जो भारी जूआ रक्खा था उसे मैं और भी भारी करूंगा मेरा पिता तो तुम को कोड़ों से ताड़ना देता था पर मैं बिच्छुओं से दूंगा।

तीसरे दिन जैसे राजा ने ठहराया था यारोबाम और सारी प्रजा रहबाम के पास हाजिर हुई। तब राजा ने प्रजा से कड़ी बातें कीं और बूढ़ों की दी हुई सम्मति छोड़कर, जवानों की सम्मति के अनुसार उन से कहा कि मेरे पिता ने तो कोड़ों से तुम को ताड़ना दी पर मैं तुम को बिच्छुओं से ताड़ना दूंगा।

जब सारे इस्राएल ने देखा कि राजा हमारी नहीं सुनता तब वे बोले कि दाऊद के साथ हमारा क्या अंश हमारा तो यिशै के पुत्र में कोई भाग नहीं हे इस्राएल अपने अपने डेरे को चले जाओ अब हे दाऊद अपने ही घराने की चिन्ता कर। सो इस्राएल अपने अपने डेरे को चले गये। तब राजा रहबाम ने अदोराम को जो सब बेगारों पर अधिकारी था भेज दिया और सब इस्राएलियों ने उस पर पत्थरवाह किया वह मर गया सो रहबाम फुर्ती से अपने रथ पर चढ़कर यरूशलेम को भाग गया। सो इस्राएल दाऊद के घराने से फिर गया।

यह सुनकर कि यारोबाम लौट आया है सारे इस्राएल ने उस को मण्डली में बुलवा भेजकर सारे इस्राएल के ऊपर राजा किया और यहूदा के गोत्र को छोड़कर दाऊद के घराने से कोई मिला न रहा।

जब रहबाम यरूशलेम को आया तब उसने यहूदा के सारे घराने को और बिन्यामीन के गोत्र को जो मिलकर एक लाख अस्सी हजार अच्छे योद्धा थे एकट्ठा किया इस लिये कि इस्राएल के घराने के साथ लड़ने से राज्य सुलैमान के पुत्र रहबाम के बश में फिर आए।

तब यारोबाम सोचने लगा कि अब राज्य फिर दाऊद के घराने का हो जाएगा। यदि प्रजा के ये लोग यरूशलेम में बलि करने को जाएं तो उन का मन अपने स्वामी यहूदा के राजा रहबाम की ओर फिरेगा और वे मुझे घात करके यहूदा के राजा रहबाम के हो जाएंगे। सो राजा ने सम्मति लेकर सोने के दो बछड़े बनाये और लोगों से कहा यरूशलेम को तो बहुत बेर गये हो सो हे इस्राएल अपने ईश्वरों को देखो जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाये हैं। सो उस ने एक बछड़े को बेतेल और दूसरे को दान में स्थापित किया। और यह बात पाप के कारण हुई।

इस के पीछे यारोबाम अपनी बुरी चाल से न फिरा। उस ने फिर सब प्रकार के लोगों में से ऊंचे स्थानों के याजक बनाये बरन जो कोई चाहता था याजक होने को ठहरा देता था। और यह बात

यारोबाम के घराने का पाप ठहरी इस कारण उस का बिनाश हुआ और वह धरती पर से नाश किया गया ।

और यहोवा ने अहिय्याह से कहा तू जाकर यारोबाम से कह इस्राएल का परमेश्वर यहोवा तुझ से यों कहता है कि मैं ने तो तुझ को प्रजा में से बढ़ाकर अपनी प्रजा इस्राएल पर प्रधान किया, और दाऊद के घराने से राज्य छीनकर तुझ को दिया पर तू ने उन सभों से बढ़कर जो तुझ से पहिले थे बुराई किई है। इस कारण यहोवा इस्राएल का ऐसा राजा कर लेगा जो उसी दिन यारोबाम का घराना नाश कर डालेगा यहोवा इस्राएल को ऐसा मारेगा जैसा जल की धारा से नरकट हिलाया जाता है और वह उन को इस अच्छी भूमि में से जो उस ने उन के पुरखाओं को दिई थी उखाड़कर महानद के पार तित्तर बित्तर करेगा ।

यारोबाम के और काम अर्थात उस ने कैसा कैसा युद्ध किया और कैसा राज्य किया यह सब इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखा है। यारोबाम बाईस बरस लों राज्य करके अपने पुरखाओं के साथ सोया और उस का नादाब नाम पुत्र उस के स्थान पर राजा हुआ ।

राजा रहबाम के पांचवें बरस में मिस्र का राजा शीशक यरूशलेम पर चढ़ाई करके, यहोवा के भवन की अनमोल वस्तुएं और राजभवन की अनमोल वस्तुएं सब की सब उठा ले गया और सोने की जो फरियां सुलैमान ने बनाई थीं उन सब को वह ले गया। सो राजा रहबाम ने उन के बदले पीतल की ढालें बनवाईं और उन्हें पहरुओं के प्रधानों के हाथ सौंप दिया जो राजभवन के द्वार की रखवाली करते थे। रहबाम और यारोबाम के बीच तो लड़ाई सदा होती रही। और रहबाम अपने पुरखाओं के साथ सो गया और उन्हीं के पास दाऊदपुर में उस को मिट्टी दिई गई ।

अहाब राजा ।

(१ राजा १६ : २३)

यहूदा के राजा आसा के इकतीसवें बरस में ओम्री इस्राएल पर राज्य करने लगा और बारह बरस लों राज्य करता रहा उस ने छः बरस तो तिर्सा में राज्य किया। और उस ने शेमेर से शोमरोन पहाड़ को दो किक्कार चांदी में मोल लेकर उस पर एक नगर बसाया और नगर का नाम शोमरोन रक्खा। और ओम्री ने वह किया जो यहोवा के लेखे बुरा है वरन उन सभों से भी जो उस से पहिले थे अधिक बुराई किई। वह नबात के पुत्र यारोबाम की सी सारी चाल चला और उस के सारे पापों के अनुसार जो उस ने इस्राएल से ऐसे कराये कि उन्हों ने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को अपनी व्यर्थ बातों से रिस दिलाई। निदान ओम्री अपने पुरखाओं के संग सोया और शोमरोन में उस को मिट्टी दिई गई और उस का पुत्र अहाब उस के स्थान पर राजा हुआ। अहाब ने वह किया जो यहोवा के लेखे बुरा है।

उस ने तो नबात के पुत्र यारोबाम के पापों में चलना हलकी सी बात जानकर ईजेबेल को ब्याहकर बाल देवता की उपासना और उस को दण्डवत किई। और उस ने बाल का एक भवन शोमरोन में बनाकर उस में बाल की एक वेदी बनाई। और अहाब ने उन सब इस्राएली राजाओं से बढ़कर जो उस से पहिले थे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को रिस दिलानेहारे काम किये ।

एलिय्याह और कौवे ।

(१ राजा १७)

और तिश्बी एलिय्याह जो गिलाद के परदेश रहनेहारों में से था उस ने अहाब से कहा इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिस के सन्मुख मैं हाजिर रहता हूं उस के जीवन की सौंह इन बरसों में मेरे बिना कहे न तो मेंह बरसेगा और न ओस पड़ेगी ।

तब यहोवा का यह बचन उस के पास पहुंचा कि, यहां से चल पूरब ओर मुख करके करीत नाम नाले में जो यर्दन के साम्हने है छिप जा। उसी नाले का पानी तू पिया कर और मैं ने कौवों को आज्ञा दिई है कि वे तुझे वहां खिलाएं। यहोवा का यह बचन मानकर वह यर्दन के साम्हने के करीत नाम नाले में जा रहा। और सवेरे और सांझ को कौवे उस के पास रोटी और मांस लाया करते थे और वह नाले का पानी पीता था।

कुछ दिन बीते पर उस देश में वर्षा न होने के कारण नाला सूख गया। तब यहोवा का यह बचन उस के पास पहुंचा कि, चल सीदोन में के सारपत नगर को जाकर वहां रह सुन मैं ने वहां की एक बिधवा को तेरे खिलाने की आज्ञा दिई है।

बिधवा के तेल की कुप्पी।

(१ राजा १७ : १०)

सो वह चल दिया और सारपत को गया। नगर के फाटक के पास पहुंचकर उस ने क्या देखा कि एक बिधवा लकड़ी बीन रही है उस को बुलाकर उस ने कहा किसी पात्र में मेरे पीने को थोड़ा पानी ले आ वह उसे ले आने को जा रही थी कि उस ने उसे पुकारके कहा अपने हाथ में एक टुकड़ा रोटी भी मेरे पास लेती आ।

उस ने कहा तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवन की सोंह मेरे पास एक भी रोटी नहीं है केवल घड़े में मुट्ठी भर मैदा और कुप्पी में थोड़ा सा तेल है और मैं दो एक लकड़ी बीनकर लिये जाती हूं कि अपने और अपने बेटे के लिये उसे पकाऊं और हम उसे खाएं फिर मर जाएं। एलिय्याह ने उस से कहा मत डर जाकर अपनी बात के अनुसार कर पर पहिले मेरे लिये एक छोटी सी रोटी बनाकर मेरे पास ले आ फिर इस के पीछे अपने और अपने बेटे के लिये बनाना। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि जब लों यहोवा भूमि पर मेंह न बरसाए तब लों न तो उस घड़े का मैदा चुकेगा और न उस कुप्पी का तेल घट जाएगा।

तब वह चली गई और एलिय्याह के बचन के अनुसार किया तब से वह और स्त्री और उस का घराना बहुत दिन लों खाते रहे। न तो उस घड़े का मैदा चुका और न उस कुप्पी का तेल घट गया।

बिधवा का पुत्र।

(१ राजा १७ : १७)

इन बातों के पीछे उस स्त्री का बेटा रोगी हुआ और उस का रोग यहां तक बढ़ा कि उस का सांस लेना बन्द हो गया। तब वह एलिय्याह से कहने लगी हे परमेश्वर के जन मेरा तुझ से क्या काम क्या तू इस लिये मेरे यहां आया है कि मेरे बेटे की मृत्यु का कारण होए। उसने उस से कहा अपना बेटा मुझे दे तब वह उसे उस की गोद से लेकर उस अटारी में ले गया जहां वह आप रहता था और अपनी खाट पर लिटा दिया। तब उस ने यहोवा को पुकारके कहा हे मेरे परमेश्वर यहोवा क्या तू इस बिधवा का बेटा मार डालकर जिस के यहां मैं टिका हूं इस पर भी बिपत्ति ले आया है। हे मेरे परमेश्वर यहोवा इस बालक का प्राण इस में फिर डाल दे।

एलिय्याह की यह बात यहोवा ने सुन लिई सो बालक का प्राण उस में फिर आया और वह जी उठा। तब एलिय्याह ने यह कहकर उस की माता के हाथ में सोंप दिया कि देख तेरा बेटा जीता है। स्त्री ने एलिय्याह से कहा अब मुझे निश्चय हो गया है कि तू परमेश्वर का जन है और यहोवा का जो बचन तेरे मुंह से निकलता है सो सच होता है।

नबी और राजा।

(१ राजा १८)

बहुत दिनों के पीछे तीसरे बरस में यहोवा का यह बचन एलिय्याह के पास पहुंचा कि जाकर अपने आप को अहाब को दिखा और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूंगा।

तब एलिय्याह अपने आप को अहाब को दिखाने गया।

उस समय शोमरोन में अकाल भारी था। सो अहाब ने ओबद्याह को जो उस के घराने के ऊपर था बुलवाया। और अहाब ने ओबद्याह से कहा कि देश में जल के सब सोतों और सब नदियों के पास जा क्या जाने कि इतनी घास मिले कि घोड़ों और खच्चरों को जीते बचा सकें और हमारे सब पशु न मर जाएं।

और उन्होंने आपस में देश बांटा कि उस में होकर चलें एक ओर अहाब और दूसरी ओर ओबद्याह चला।

ओबद्याह मार्ग में था कि एलिय्याह उस को मिला उसे चीन्हकर वह मुंह के बल गिरा और कहा हे मेरे प्रभु एलिय्याह क्या तू है। उस ने कहा हां मैं ही हूं जाकर अपने स्वामी से कह कि एलिय्याह मिला है। उस ने कहा मैं ने ऐसा क्या पाप किया है कि तू मुझे मरवा डालने के लिये अहाब के हाथ करना चाहता है। तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवन की सोंह कोई ऐसी जाति वा राज्य नहीं जिस में मेरे स्वामी ने तुझे ढूंढ़ने को न भेजा हो और जब उन लोगों ने कहा कि वह यहां नहीं है तब उस ने उस राज्य वा जाति को इस की किरिया खिलाई कि एलिय्याह नहीं मिला। और अब तू कहता है कि जाकर अपने स्वामी से कह कि एलिय्याह मिला। फिर ज्यों ही मैं तेरे पास से चला जाऊंगा त्यों ही यहोवा का आत्मा तुझे न जाने कहां उठा ले जाएगा सो जब मैं जाकर अहाब को बताऊंगा और तू उसे न मिलेगा तब वह मुझे मार डालेगा पर मैं तेरा दास अपने लड़कपन से यहोवा का भय मानता आया हूं। क्या मेरे प्रभु को यह नहीं बताया गया कि जब ईज़ेबेल यहोवा के नबियों को घात करती थी तब मैं ने क्या किया कि यहोवा के नबियों में से एक सौ लेकर पचास पचास करके गुफाओं में छिपा रक्खे और उन्हें अन्न जल देकर पालता रहा। फिर अब तू कहता है जाकर अपने स्वामी से कह कि एलिय्याह मिला है। तब वह मुझे घात करेगा।

एलिय्याह ने कहा सेनाओं का यहोवा जिस के साम्हने मैं रहता हूं उस के जीवन की सोंह आज मैं अपने आप को उसे दिखाऊंगा।

तब ओबद्याह अहाब से मिलने गया और उस को बता दिया सो अहाब एलिय्याह से मिलने चला।

कर्म्मेल पर्वत।

(१ राजा १८ : १७)

एलिय्याह को देखते ही अहाब ने कहा हे इस्राएल के सतानेहारे क्या तू ही है। उस ने कहा मैं ने इस्राएल को कष्ट नहीं दिया पर तू ही ने और तेरे पिता के घराने ने दिया है कि तुम यहोवा की आज्ञाओं को टालकर बाल देवताओं के पीछे हो लिये। अब भेजकर सारे इस्राएल को और बाल के साढ़े चार सौ नबियों और अशेरा के चार सौ नबियों को जो ईज़ेबेल की मेज पर खाते हैं मेरे पास कर्म्मेल पर्वत पर एकट्ठा कर ले।

तब अहाब ने सारे इस्राएलियों में भेजकर नबियों को कर्म्मेल पर्वत पर एकट्ठा किया। और एलिय्याह सब लोगों के पास आकर कहने लगा तुम कब लों दो विचारों में लटके रहोगे यदि यहोवा परमेश्वर हो तो उस के पीछे हो लेओ और यदि बाल हो तो उस के पीछे हो लेओ लोगों ने उस के उत्तर में एक भी बात न कही।

तब एलिय्याह ने लोगों से कहा यहोवा के नबियों में से केवल मैं ही रह गया हूं और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य हैं। सो दो बछड़े लाकर हमें दिये जाएं, और वे एक अपने लिये चुन उसे टुकड़े टुकड़े काटकर लकड़ी पर रख दें और कुछ आग न लगाएं और मैं दूसरे बछड़े को तैयार करके लकड़ी पर रक्खूंगा और कुछ आग न लगाऊंगा। तब तुम तो अपने देवता से प्रार्थना करना और मैं यहोवा से प्रार्थना करूंगा और जो आग गिराकर उत्तर दे वही परमेश्वर ठहरे।

तब सब लोग बोल उठे अच्छी बात। और एलिय्याह ने बाल के नबियों से कहा पहिले तुम

एक बछड़ा चुनकर तैयार कर लो क्योंकि तुम तो बहुत हो तब अपने देवता से प्रार्थना करना पर आग न लगाना।

सो उन्हों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया लेकर तैयार किया और भोर से ले दो पहर लों यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे कि हे बाल हमारी सुन हे बाल हमारी सुन पर न कोई शब्द न कोई उत्तर देनेहारा हुआ तब वे अपनी बनाई हुई वेदी पर उछलने कूदने लगे।

दो पहर को एलिय्याह ने यह कहकर उन का ठट्ठा किया कि ऊंचे शब्द से पुकारो वह देवता तो है वह तो ध्यान लगाये होगा वा कहीं गया वा यात्रा में होगा वा क्या जानिये सोता हो और उसे जगाना चाहिये। और उन्हों ने बड़े शब्द से पुकार पुकारके अपनी रीति के अनुसार छुरियों और बर्छियों से अपने अपने को यहां लों घायल किया कि लोहू लुहान हो गये। वे दोपहर के पीछे बरन भेंट चढ़ाने के समय लों नबूवत करते रहे पर कोई शब्द सुन न पड़ा और न तो किसी ने उत्तर दिया न कान लगाया।

तब एलिय्याह ने सब लोगों से कहा मेरे निकट आओ और सब लोग उस के निकट आये तब उस ने यहोवा की वेदी का जो गिराई गई थी मरम्मत किई। फिर एलिय्याह ने याकूब के पुत्रों की गिनती के अनुसार बारह पत्थर छांटे, और उन पत्थरों से यहोवा के नाम की एक वेदी बनाई और उस की चारों ओर इतना बड़ा एक गड़हा खोद दिया कि उस में दो सआ बीज समा सके। तब उस ने वेदी पर लकड़ी को सजाया और बछड़े को टुकड़े टुकड़े काटकर लकड़ी पर धर दिया और कहा चार घड़े पानी भरके होमबलि पशु और लकड़ी पर उण्डेल दो। तब उस ने कहा दूसरी बार वैसा ही करो सो लोगों ने दूसरी बार वैसा ही किया फिर उस ने कहा तीसरी बार करो सो लोगों ने तीसरी बार भी किया। और जल वेदी की चारों ओर बह गया और गड़हे को भी उस ने जल से भर दिया।

फिर भेंट चढ़ाने के समय एलिय्याह नबी समीप जाकर कहने लगा हे इब्राहीम इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा आज यह विदित हो कि इस्राएल में तू ही परमेश्वर है और मैं तेरा दास हूं। हे यहोवा मेरी सुन मेरी सुन कि ये लोग जान लें कि हे यहोवा तू ही परमेश्वर है और तू ही उन का मन लौटा लेता है। तब यहोवा की आग आकाश से पड़ी और होमबलि को लकड़ी और पत्थरों और धूलि समेत भस्म कर दिया और गड़हे में का जल सुखला दिया। यह देख सब लोग मुंह के बल गिरके बोल उठे यहोवा ही परमेश्वर है यहोवा ही परमेश्वर है।

एलिय्याह ने उन से कहा बाल के नबियों को पकड़ लो उन में से एक भी छूटने न पाए सो उन्हों ने उन को पकड़ लिया और एलिय्याह ने उन्हें नीचे कीशोन के नाले में ले जाकर वहां मार डाला।

फिर एलिय्याह ने अहाब से कहा उठकर खा पी क्योंकि भारी वर्षा की सनसनाहट सुन पड़ती है। सो अहाब खाने पीने चला गया और एलिय्याह कर्म्मेल की चोटी पर चढ़ गया और भूमि पर गिर अपना मुंह घुटनों के बीच किया। और उस ने अपने सेवक से कहा चढ़कर समुद्र की ओर ताक।

सो उस ने चढ़कर ताका और लौटकर कहा कुछ नहीं दीखता एलिय्याह ने कहा फिरके सात बार जा।

सातवीं बार उस ने कहा कि सुन समुद्र में से मनुष्य का हाथ सा एक छोटा बादल उठ रहा है एलिय्याह ने कहा अहाब के पास जाकर कह रथ जुतवाकर नीचे जा न हो कि तू वर्षा से रुक जाए। थोड़ी ही बेर में आकाश वायु से उड़ाई हुई घटाओं और वायु से काला हो गया और भारी वर्षा होने लगी और अहाब सवार होकर यिज्रेल को चला।

एक दबा हुआ धीमा शब्द।

(१ राजा १९)

तब यहोवा की शक्ति एलिय्याह पर ऐसी हुई कि वह कमर बांधकर अहाब के आगे आगे यिज्रेल लों दौड़ता गया।

अहाब ने ईज़ेबेल को एलिय्याह के सारे काम विस्तार से बताये कि उस ने सब नबियों को तलवार से कैसे मार डाला। तब ईज़ेबेल ने एलिय्याह के पास एक दूत से कहला भेजा कि यदि मैं कल इसी समय लों तेरा प्राण उन का सा न करूं तो देवता मेरे साथ वैसा ही बरन उस से भी अधिक करें।

यह देख एलिय्याह अपना प्राण लेकर भागा और बेर्शेबा को पहुंचकर अपना सेवक वहीं छोड़ दिया. और आप जंगल में एक दिन का मार्ग जा एक झाऊ के पेड़ तले बैठ गया वहां उस ने यह कहकर अपनी मृत्यु मांगी कि हे यहोवा बस है अब मेरा प्राण ले ले क्योंकि मैं अपने पुरखाओं से अच्छा नहीं हूं।

वह लेटकर सो रहा था कि एक दूत ने उसे छूकर कहा उठकर खा। उस ने दृष्टि करके क्या देखा कि मेरे सिरहाने पत्थरों पर पकी हुई एक रोटी और एक सुराही पानी धरा है सो उस ने खाया और पिया और फिर लेट गया। दूसरी बार यहोवा के दूत ने आ उसे छूकर कहा उठकर खा क्योंकि तुझे बहुत भारी यात्रा करनी है। तब उस ने उठकर खाया पिया और उसी भोजन से बल पाकर चालीस दिन रात लों चलते चलते परमेश्वर के पर्वत होरेब को पहुंचा। वहां वह एक गुफा में जाकर टिका और यहोवा का यह बचन उस के पास पहुंचा कि हे एलिय्याह तेरा यहां क्या काम। उस ने उत्तर दिया सेनाओं के परमेश्वर यहोवा के निमित्त मुझे बड़ी जलन हुई है क्योंकि इस्राएलियों ने तेरी वाचा टाल दिई तेरी वेदियों को गिरा दिया और तेरे नबियों को तलवार से घात किया है और मैं ही अकेला रह गया हूं और वे मेरे भी प्राण के खोजी हैं कि उसे हर लें।

उस ने कहा निकलकर यहोवा के सन्मुख पर्वत पर खड़ा हो।

और यहोवा पास से होकर चला और यहोवा के साम्हने एक बड़ी प्रचण्ड वायु से पहाड़ फटने और ढांग टूटने लगीं तौभी यहोवा उस वायु में न था फिर वायु के पीछे भुईंडोल हुआ तौभी यहोवा उस भुईंडोल में न था। फिर भुईंडोल के पीछे आग दिखाई दिई तौभी यहोवा उस आग में न था फिर आग के पीछे एक दबा हुआ धीमा शब्द सुनाई दिया। यह सुनते ही एलिय्याह ने अपना मुंह चद्दर से ढांपा और बाहर जाकर गुफा के द्वार पर खड़ा हुआ।

एलिय्याह की चद्दर।

फिर एक शब्द उसे सुनाई दिया कि हे एलिय्याह तेरा यहां क्या काम। लौटकर दमिश्क के जंगल को जा और वहां पहुंचकर अराम का राजा होने के लिये हज़ाएल का. और इस्राएल का राजा होने को निमशी के पोते येहू का और अपने स्थान पर नबी होने के लिये शापात के पुत्र एलीशा का अभिषेक करना। और हज़ाएल की तलवार से जो कोई बच जाए उस को येहू मार डालेगा और जो कोई येहू की तलवार से बच जाए उस को एलीशा मार डालेगा। तौभी मैं सात हज़ार इस्राएलियों को बचा रक्खूंगा। ये तो वे सब हैं जिन्होंने न तो बाल के आगे घुटने टेके और न मुंह से उसे चूमा है।

सो वह वहां से चल दिया और एलीशा उसे मिला जो बारह जोड़ी बैल अपने आगे किये हुए आप बारहवीं के साथ होकर हल जोत रहा था उस के पास जाकर एलिय्याह ने अपनी चद्दर उस पर डाल दिई। तब वह बैलों को छोड़कर एलिय्याह के पीछे दौड़ा और कहने लगा मुझे अपने माता पिता को चूमने दे, तब मैं तेरे पीछे चलूंगा उस ने कहा लौट जा मैं ने तुझ से क्या किया है। तब वह उस के पीछे से लौट गया और एक जोड़ी बैल लेकर बलि किये और लोगों को दे दिया और उन्होंने खाया तब वह कमर बांधकर एलिय्याह के पीछे चला और उस की सेवा टहल करने लगा।

नाबोत की दाख की बारी।

(१ राजा २१)

नाबोत नाम एक यिज्रेली की एक दाख की बारी शोमरोन के राजा अहाब के राजमन्दिर के पास यिज्रेल में थी। इन बातों के पीछे, अहाब ने नाबोत से कहा तेरी दाख की बारी मेरे घर के पास है सो उसे मुझे दे कि मैं उस में साग पात की बारी लगाऊं और मैं उस के बदले तुझे उस से अच्छी एक बारी दूंगा नहीं तो तेरी इच्छा हो मैं तुझे उस का मोल दे दूंगा। नाबोत ने अहाब से कहा यहोवा न करे कि मैं अपने पुरखाओं का निज भाग तुझे दूं।

नाबोत के इस बचन के कारण अहाब उदास और अनमना होकर अपने घर गया और बिछौने पर लेट गया और मुंह फेर लिया और कुछ भोजन न किया। तब उस की स्त्री ईजेबेल ने उस के पास आकर उस से कहा क्या तू इस्राएल पर राज्य करता है कि नहीं उठकर भोजन कर और तेरा मन आनन्दित होए यिज्रेली नाबोत की दाख की बारी मैं तुझे दिलवा दूंगी। तब उस ने अहाब के नाम से चिट्ठी लिखकर उस की अंगूठी की छाप लगाकर उन पुरनियों और रईसों के पास भेज दिई जो उसी नगर में नाबोत के पड़ोस में रहते थे। उस चिट्ठी में उस ने यों लिखा कि उपवास का प्रचार करो और नाबोत को लोगों के साम्हने ऊंचे स्थान पर बैठाना। तब दो ओछे जनों को उस के साम्हने बैठाना जो साक्षी देकर उस से कहें तू ने परमेश्वर और राजा दोनों की निन्दा किई तब तुम लोग उसे बाहर ले जाकर उस पर पत्थरवाह करना कि वह मर जाए। ईजेबेल की चिट्ठी में की आज्ञा के अनुसार करके नगर में रहनेहारे पुरनियों और रईसों ने, उपवास का प्रचार किया और नाबोत को लोगों के साम्हने ऊंचे स्थान पर बैठाया। तब दो ओछे जन आकर उस के सन्मुख बैठ गये और उन ओछे जनों ने लोगों के साम्हने नाबोत के विरुद्ध यह साक्षी दिई कि नाबोत ने परमेश्वर और राजा दोनों की निन्दा किई इस पर उन्हों ने उसे नगर के बाहर ले जाकर उस पर पत्थरवाह किया और वह मर गया। तब उन्हों ने ईजेबेल के पास यह कहला भेजा कि नाबोत पत्थरवाह करके मार डाला गया है।

यह सुनते ही कि नाबोत पत्थरवाह करके मार डाला गया है ईजेबेल ने अहाब से कहा उठकर यिज्रेली नाबोत की दाख की बारी को जिसे वह तुझे रुपैया लेकर देने से नट गया था अपने अधिकार में ले क्योंकि नाबोत जीता नहीं वह मर गया है। अहाब उस की दाख की बारी अपने अधिकार में लेने के लिये वहां जाने को उठा।

तब यहोवा का यह बचन तिशबी एलिय्याह के पास पहुंचा कि, चल शोमरोन में रहनेहारे इस्राएल के राजा अहाब से मिलने को जा वह तो नाबोत की दाख की बारी में है उसे अपने अधिकार में लेने को वह वहां गया है। और उस से यह कहना कि यहोवा यों कहता है कि क्या तू ने घात किया और अधिकारी भी बन बैठा फिर तू उस से यह भी कहना कि यहोवा यों कहता है कि जिस स्थान पर कुत्तों ने नाबोत का लोहू चाटा उसी स्थान पर कुत्ते तेरा भी लोहू चाटेंगे।

एलिय्याह को देखकर अहाब ने कहा हे मेरे शत्रु क्या तू ने मेरा पता लगाया है उस ने कहा हां लगाया तो है और इस का कारण यह है कि जो यहोवा के लेखे बुरा है उसे करने के लिये तू ने अपने को बेच डाला है। मैं तुझ पर ऐसी विपत्ति डालूंगा कि तुझे पूरी रीति से मिटा डालूंगा और अहाब के घर के हर एक लड़के को भी नाश कर डालूंगा। और ईजेबेल के विषय यहोवा यह कहता है कि यिज्रेल के धुस के पास कुत्ते ईजेबेल को खा डालेंगे। अहाब का जो कोई नगर में मर जाए उस को कुत्ते खा लेंगे और जो कोई मैदान में मर जाए उस को आकाश के पक्षी खा जाएंगे। सचमुच अहाब के तुल्य और कोई न था जो अपनी स्त्री ईजेबेल के उसकाने से वह करने को जो यहोवा के लेखे बुरा है अपने को बेच डाला है।

एलिय्याह के ये बचन सुनकर अहाब ने अपने वस्त्र फाड़े और अपनी देह पर टाट लपेटकर उपवास करने और टाट ही ओढ़े पड़ा रहने और दबे पांवों चलने लगा। और यहोवा का यह बचन तिशबी

एलिय्याह के पास पहुंचा कि क्या तू ने देखा है कि अहाब मेरे साम्हने दबा रहता है सो इस कारण कि वह मेरे साम्हने दबा रहता है मैं वह विपत्ति उस के जीते जी न डालूंगा उस के पुत्र के दिनों में मैं उस के घराने पर वह विपत्ति डालूंगा।

शोमरोन के फाटक में दोनों राजा बिराजमान हैं।

(१ राजा २२)

आरामी और इस्राएली तीन बरस लों आपस में बिन लड़े रहे। तब तीसरे बरस में यहूदा का राजा यहोशापात इस्राएल के राजा के यहां गया। तब इस्राएल के राजा ने अपने कर्म्मचारियों से कहा क्या तुम को मालूम है कि गिलाद का रामोत हमारा है फिर हम क्यों चुपचाप रहते और उसे अराम के राजा के हाथ से क्यों नहीं छीन लेते। और उस ने यहोशापात से पूछा क्या तू मेरे संग गिलाद के रामोत से लड़ने के लिये जाएगा यहोशापात ने इस्राएल के राजा को उत्तर दिया जैसा तू वैसा मैं भी हूं जैसी तेरी प्रजा वैसी मेरी भी प्रजा और जैसे तेरे घोड़े वैसे मेरे भी घोड़े हैं।

सो इस्राएल के राजा ने नबियों को जो कोई चार सौ पुरुष थे एकट्ठा करके उन से पूछा क्या मैं गिलाद के रामोत से युद्ध करने को चढ़ाई करूं वा रुका रहूं उन्हों ने उत्तर दिया चढ़ाई कर क्योंकि प्रभु उस को राजा के हाथ कर देगा। पर यहोशापात ने पूछा क्या यहां यहोवा का और भी कोई नबी नहीं है जिस से हम पूछ लें।

इस्राएल के राजा ने यहोशापात से कहा हां एक पुरुष और है जिस के द्वारा हम यहोवा से पूछ सकते हैं पर मैं उस से घिन रखता हूं क्योंकि वह मेरे विषय कल्याण की नहीं हानि ही की नबूवत करता है। यहोशापात ने कहा राजा ऐसा न कहे। तब इस्राएल के राजा ने एक हाकिम को बुलवाकर कहा यिम्ला के पुत्र मीकायाह को फुर्ती से ले आ।

इस्राएल का राजा और यहूदा का राजा यहोशापात अपने अपने राजवस्त्र पहिने हुए शोमरोन के फाटक में एक खुले स्थान में अपने अपने सिंहासन पर बिराज रहे थे और मीकायाह ने कहा मुझे सारा इस्राएल बिना चरवाहे की भेड़ बकरियों की नाईं पहाड़ों पर तित्तर बित्तर देख पड़ा और यहोवा का यह बचन आया कि वे तो अनाथ हैं सो अपने अपने घर कुशलक्षेम से लौट जाएं। तब इस्राएल के राजा ने यहोशापात से कहा क्या मैं ने तुझ से न कहा था कि वह मेरे विषय कल्याण की नहीं हानि ही की नबूवत करेगा। मीकायाह ने कहा इस कारण तू यहोवा का यह बचन सुन मुझे सिंहासन पर विराजमान यहोवा और उस के पास दहिने बायें खड़ी हुई स्वर्ग की सारी सेना देख पड़ी। तब यहोवा ने पूछा अहाब को कौन ऐसा बहकाएगा कि वह गिलाद के रामोत पर चढ़ाई करके खेत आए तब किसी ने कुछ और किसी ने कुछ कहा। निदान एक आत्मा पास आकर यहोवा के सन्मुख खड़ा हुआ और कहने लगा मैं उस को बहकाऊंगा यहोवा ने पूछा किस उपाय से। उस ने कहा मैं जाकर उस के सब नबियों में पैठकर उन से झूठ बुलवाऊंगा सो अब सुन यहोवा ने तेरे इन सब नबियों के मुंह में एक झूठ बोलनेहारा आत्मा पैठाया है और यहोवा ने तेरे विषय हानि की कही है।

तब सिदकिय्याह ने मीकायाह के निकट जा उस के गाल पर थपेड़ा मारके पूछा यहोवा का आत्मा मुझे छोड़कर तुझ से बातें करने को किधर गया। मीकायाह ने कहा जिस दिन तू छिपने के लिये कोठरी से कोठरी में भागेगा तब जानेगा। इस पर इस्राएल के राजा ने कहा मीकायाह को नगर के हाकिम के पास लौटाकर, उन से कह राजा यों कहता है कि इस को बन्दीगृह में डालो और जब लों मैं कुशल से न आऊं तब लों इसे दुख की रोटी और पानी दिया करो। और मीकायाह ने कहा यदि तू कभी कुशल से लौटे तो जान कि यहोवा ने मेरे द्वारा नहीं कहा। फिर उस ने कहा हे देश देश के लोगो तुम सब के सब सुन रक्खो।

अहाब की मृत्यु।

(१ राजा २२ : २९)

तब इस्राएल के राजा और यहूदा के राजा यहोशापात दोनों ने गिलाद के रामोत पर चढ़ाई किई। और इस्राएल के राजा ने यहोशापात से कहा मैं तो भेष बदलकर लड़ाई में जाऊंगा पर तू अपने ही वस्त्र पहिने रह सो इस्राएल का राजा भेष बदलकर लड़ाई में गया। और अराम के राजा ने तो अपने रथों के बत्तीसों प्रधानों को आज्ञा दिई थी कि न तो छोटे से लड़ो न बड़े से केवल इस्राएल के राजा से लड़ो।

सो जब रथों के प्रधानों ने यहोशापात को देखा तब कहा निश्चय इस्राएल का राजा वही है और वे उसी से लड़ने को मुड़े सो यहोशापात चिल्ला उठा। यह देखकर कि वह इस्राएल का राजा नहीं है रथों के प्रधान उस का पीछा छोड़कर लौट गये।

तब किसी ने अटकल से एक तीर चलाया और वह इस्राएल के राजा के झिलम और निचले वस्त्र के बीच छेदकर लगा सो उस ने अपने सारथी से कहा मैं घायल हुआ सो बाग फेरके मुझे सेना में से बाहर ले चल।

और उस दिन युद्ध बढ़ता गया और राजा अपने रथ में औरों के सहारे अरामियों के सन्मुख खड़ा रहा और सांझ को मर गया और सूर्य्य डूबते हुए सेना में यह पुकार हुई कि हर एक अपने नगर और अपने देश को लौट जाए।

जब राजा मर गया तब शोमरोन को पहुंचाया गया। अहाब के और सब काम जो उस ने किये और हाथीदांत का जो भवन उस ने बनाया और जो जो नगर उस ने बसाये यह सब क्या इस्राएली राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है।

निदान अहाब अपने पुरखाओं के संग सोया और उसका पुत्र अहज्याह उस के स्थान पर राजा हुआ। और उस ने वह किया जो यहोवा के लेखे बुरा है और उस की चाल उस के माता पिता की सी थी। जैसे उस का पिता बाल की उपासना करने से इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को रिस दिलाता रहा वैसे ही अहज्याह भी करता रहा।

अग्निमय रथ।

(२ राजा २)

जब यहोवा एलिय्याह को बवंडर के द्वारा स्वर्ग में उठा लेने को था तब एलिय्याह और एलीशा दोनों संग संग गिलगाल से चले। एलिय्याह ने एलीशा से कहा यहोवा मुझे बेतेल तक भेजता है सो तू यहीं ठहरा रह एलीशा ने कहा यहोवा के और तेरे जीवन की सोंह मैं तुझे नहीं छोड़ने का सो वे बेतेल को चले गये।

और बेतेलवासी नबियों के चेले एलीशा के पास आकर कहने लगे क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे ऊपर से उठा लेने पर है उस ने कहा हां मुझे भी यह मालूम है तुम चुप रहो। और एलिय्याह ने उस से कहा हे एलीशा यहोवा मुझे यरीहो को भेजता है सो तू यहीं ठहरा रह उस ने कहा यहोवा के और तेरे जीवन की सोंह मैं तुझे नहीं छोड़ने का।

सो वे यरीहो को आये। और यरीहोवासी नबियों के चेले एलीशा के पास आकर कहने लगे क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे ऊपर से उठा लेने पर है उस ने उत्तर दिया हां मुझे भी मालूम है तुम चुप रहो। फिर एलिय्याह ने उस से कहा यहोवा मुझे यर्दन तक भेजता है सो तू यहीं ठहरा रह उस ने कहा यहोवा के और तेरे जीवन की सोंह मैं तुझे नहीं छोड़ने का सो वे दोनों आगे चले।

और नबियों के चेलों में से पचास जन जाकर उन के साम्हने दूर खड़े हुए और वे दोनों यर्दन के तीर खड़े हुए। तब एलिय्याह ने अपनी चद्दर पकड़कर ऐंठ लिई और जल पर मारी तब वह इधर उधर दो भाग हो गया और वे दोनों स्थल ही स्थल पार गये।

उन के पार पहुंचने पर एलिय्याह ने एलीशा से कहा उस से पहिले कि मैं तेरे पास से उठा लिया जाऊं जो कुछ तू चाहे कि मैं तेरे लिये करूं सो मांग एलीशा ने कहा तुझ में जो आत्मा है उस में से दूना भाग मुझे मिल जाए। एलिय्याह ने कहा तू ने कठिन बात मांगी है तौभी यदि तू मुझे उठा लिये जाने के पीछे देखने पाए तो तेरे लिये ऐसा ही होगा नहीं तो न होगा।

वे चलते चलते बातें कर रहे थे कि अचानक एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उन को अलग अलग किया और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया। और इसे एलीशा देखता और पुकारता रहा कि हाय मेरे पिता हाय मेरे पिता हाय इस्राएल के रथ और सवारो। जब वह उस को फिर देख न पड़ा तब उस ने अपने वस्त्र पकड़े और फाड़कर दो भाग कर दिये। फिर उस ने एलिय्याह की चद्दर उठाई जो उस पर से गिरी थी और वह लौट गया और यर्दन के तीर पर खड़ा हो, एलिय्याह की वह चद्दर जो उस पर से गिरी थी पकड़कर जल पर मारी और कहा एलिय्याह का परमेश्वर यहोवा कहां है। जब उस ने जल पर मारा तब वह इधर उधर दो भाग हुआ और एलीशा पार गया।

उसे देखकर नबियों के चेले जो यरीहो में उस के साम्हने थे कहने लगे एलिय्याह में जो आत्मा था वही एलीशा पर ठहर गया है सो उन्हों ने उस से मिलने को जाकर उस के साम्हने भूमि लों झुककर दण्डवत किई। तब उन्होंने उस से कहा सुन तेरे दासों के पास पचास बलवान पुरुष हैं वे जाकर तेरे स्वामी को ढूंढ़ें क्या जाने यहोवा के आत्मा ने उस को उठाकर किसी पहाड़ पर वा किसी तराई में डाल दिया हो। उस ने कहा मत भेजो। जब उन्होंने उस को दबाते दबाते निरुत्तर कर दिया तब उस ने कहा भेज दो सो उन्हें ने पचास पुरुष भेज दिये और वे उसे तीन दिन ढूंढ़ते रहे पर न पाया।

नामान की टहलुइन।

(२ राजा ५)

अराम के राजा का नामान नाम सेनापति अपने स्वामी के लेखे बड़ा और प्रतिष्ठित पुरुष था क्योंकि यहोवा ने उस के द्वारा अरामियों का विजय किया था और यह शूरवीर था पर कोढ़ी था।

अरामी लोग दल बांध इस्राएल के देश में जाकर वहां से एक छोटी लड़की बंधुई करके ले आये थे और वह नामान की स्त्री की टहलुइन हो गई। उस ने अपनी स्वामिन से कहा जो मेरा स्वामी शोमरोन के नबी के पास होता तो क्या ही अच्छा होता क्योंकि वह उस को कोढ़ से चंगा कर देता। सो किसी ने उस के प्रभु के पास जाकर कह दिया कि इस्राएली लड़की यों यों कहती है। अराम के राजा ने कहा तू जा मैं इस्राएल के राजा के पास एक पत्र भेजूंगा सो वह दस किक्कार चान्दी और छः हजार टुकड़े सोना और दस जोड़े कपड़े साथ लेकर चल दिया। और वह इस्राएल के राजा के पास वह पत्र ले गया जिस में यह लिखा था कि जब यह पत्र तुझे मिले तब जानना कि मैं ने नामान नाम अपने एक कर्मचारी को तेरे पास इस लिये भेजा है कि तू उस का कोढ़ दूर कर दे।

इस पत्र के पढ़ने पर इस्राएल का राजा अपने वस्त्र फाड़कर बोला क्या मैं मारनेहारा और जिलानेहारा परमेश्वर हूं कि उस पुरुष ने मेरे पास किसी को इस लिये भेजा है कि मैं उस का कोढ़ दूर करूं, सोच विचार करो कि वह मुझ से झगड़े का कारण ढूंढ़ता होगा।

यह सुनकर कि इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े हैं परमेश्वर के जन एलीशा ने राजा के पास कहला भेजा कि तू ने क्यों अपने वस्त्र फाड़े हैं वह मेरे पास आए तब जान लेगा कि इस्राएल में नबी तो है।

सो नामान घोड़ों और रथों समेत एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ। तब एलीशा ने एक

दूत से उस के पास यह कहला भेजा कि तू जाकर यर्दन में सात बार डुबकी मार तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा और तू शुद्ध होगा।

पर नामान कोपित हो यह कहता हुआ चला गया कि मैं ने तो सोचा था कि अवश्य वह मेरे पास बाहर आएगा और खड़ा हो अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेरकर कोढ़ को दूर करेगा। क्या दमिश्क की अबाना और पर्पर नदियां इस्राएल के सब जलाशयों से उत्तम नहीं हैं क्या मैं उन में स्नान करके शुद्ध नहीं हो सकता। सो वह फिरके जलजलाहट से भरा हुआ चला गया। तब उस के सेवक पास आकर कहने लगे हे हमारे पिता यदि नबी तुझे कोई भारी काम बताता तो क्या तू उसे न करता फिर क्यों नहीं जब वह कहता है कि स्नान करके शुद्ध हो।

तब उस ने यर्दन को जाकर उस में सात बार डुबकी मारी और उस का शरीर छोटे लड़के का सा हो गया और वह शुद्ध हुआ।

तब वह अपने सब दल बल समेत परमेश्वर के जन के यहां लौट गया और उस के सन्मुख खड़ा होकर कहने लगा सुन अब मैं ने जान लिया है कि सारी पृथिवी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है सो अब अपने दास की भेंट ग्रहण कर। एलीशा ने कहा यहोवा जिस के सन्मुख मैं हाजिर रहता हूं उस के जीवन की सोंह मैं कुछ भेंट न लूंगा और जब उस ने उस को बहुत दबाया कि उसे ग्रहण करे तब भी वह नाह ही करता रहा। तब नामान ने कहा अच्छा तो तेरे दास को दो खच्चर मिट्टी मिले क्योंकि आगे को तेरा दास यहोवा को छोड़ और किसी ईश्वर को होमबलि वा मेलबलि न चढ़ाएगा। एक बात तो यहोवा तेरे दास के लिये क्षमा करे कि जब मेरा स्वामी रिम्मोन के भवन में दण्डवत करने को जाए और वह मेरे हाथ का सहारा ले और यों मुझे भी रिम्मोन के भवन में दण्डवत करनी पड़े तब यहोवा तेरे दास का यह काम क्षमा करे कि मैं रिम्मोन के भवन में दण्डवत करूं। उस ने उस से कहा कुशल से बिदा हो।

गेहजी, कपटी दास।

(२ राजा ५ : २०)

वह उस के यहां से थोड़ी दूर चला गया था कि एलीशा का सेवक गेहजी सोचने लगा कि मेरे स्वामी ने तो उस अरामी नामान को ऐसा ही छोड़ दिया है कि जो वह ले आया था उस को उस ने न लिया पर यहोवा के जीवन की सोंह मैं उस के पीछे दौड़कर उस से कुछ न कुछ लूंगा। तब गेहजी नामान के पीछे दौड़ा।

और नामान किसी को अपने पीछे दौड़ता हुआ देखकर उस से मिलने को रथ से उतर पड़ा और पूछा सब कुशल क्षेम तो है। उस ने कहा हां सब कुशल है पर मेरे स्वामी ने मुझे यह कहने को भेजा है कि एप्रैम के पहाड़ी देश से नबियों के चेलों में से दो जवान मेरे यहां अभी आये हैं सो उन के लिये एक किक्कार चान्दी और दो जोड़े वस्त्र दे। नामान ने कहा दो किक्कार लेने को प्रसन्न हो तब उस ने उस से बहुत बिनती करके दो किक्कार चान्दी अलग थैलियों में बांधकर दो जोड़े वस्त्र समेत अपने दो सेवकों पर लाद दिया और वे उन्हें उस के आगे ले चले। जब वह टीले के पास पहुंचा तब उन वस्तुओं को उन से लेकर घर में रख दिया और उन मनुष्यों को बिदा किया सो वे चले गये।

और वह भीतर जाकर अपने स्वामी के साम्हने खड़ा हुआ। एलीशा ने उस से पूछा हे गेहजी तू कहां से आता है उस ने कहा तेरा दास तो कहीं नहीं गया। उस ने उस से कहा जब वह पुरुष इधर मुंह फेरकर तुझ से मिलने को अपने रथ पर से उतरा तब वह सारा हाल मुझे मालूम था क्या यह समय चान्दी वा वस्त्र वा जलपाई वा दाख की बारियां भेड़ बकरियां गाय बैल और दास दासी लेने का है। इस कारण से नामान का कोढ़ तुझे और तेरे वंश को सदा लगा रहेगा। सो वह हिम सा श्वेत कोढ़ी होकर उस के साम्हने से चला गया।

येहू का अभिषेक।

(२ राजा ९)

तब एलीशा नबी ने नबियों के चेलों में से एक को बुलाकर उस से कहा कमर बांध हाथ में तेल की यह कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत को जा। और वहां पहुंचकर येहू को जो यहोशापात का पुत्र और निमशी का पोता है ढूंढ़ लेना तब भीतर जा उस को खड़ा कराकर उस के भाइयों से अलग एक भीतरी कोठरी में ले जाना। तब तेल की यह कुप्पी लेकर तेल को उस के सिर पर यह कह कर डालना कि यहोवा यों कहता है कि मैं इस्राएल का राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूं तब द्वार खोलकर भागना विलम्ब न करना।

सो वह जवान नबी गिलाद के रामोत को गया। वहां पहुंचकर उस ने क्या देखा कि सेनापति बैठे हुए हैं तब उस ने कहा हे सेनापति मुझे तुझ से कुछ कहना है। जब वह उठकर घर में गया तब उस ने यह कहकर उस के सिर पर तेल डाला कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि मैं अपनी प्रजा इस्राएल पर राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूं। सो तू अपने स्वामी अहाब के घराने को मार डालना जिस से मुझे अपने दास नबियों के बरन अपने सब दासों के खून का जो ईजेबेल ने बहाया पलटा मिले। अहाब का सारा घराना नाश हो जाएगा। तब वह द्वार खोलकर भाग गया।

तब येहू अपने स्वामी के कर्म्मचारियों के पास निकल आया और एक ने उस से पूछा क्या कुशल है वह बावला क्यों तेरे पास आया था उस ने उन से कहा तुम को मालूम होगा कि वह कौन है और उस से क्या बातचीत हुई। उन्होंने कहा झूठ है हमें बता दे उसने कहा उसने मुझ से कहा तो बहुत पर मतलब यह कि यहोवा यों कहता है कि मैं इस्राएल का राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूं।

तब उन्हों ने झट अपना अपना वस्त्र उतारकर उस के नीचे सीढ़ी ही पर बिछाया और नरसिंगे फूंककर कहने लगे कि येहू राजा है। सो येहू ने कहा यदि तुम्हारा ऐसा मन हो तो इस नगर में से कोई निकल कर यिज्रेल में सुनाने को न जाने पाए। तब येहू रथ पर चढ़कर यिज्रेल को चला जहां योराम पड़ा हुआ था और यहूदा का राजा अहज्याह योराम के देखने को वहां आया था।

गुम्मट पर पहरुआ।

(२ राजा ९ : १५)

यिज्रेल में के गुम्मट पर जो पहरुआ खड़ा था उस ने येहू के संग आते हुए दल को देखकर कहा मुझे एक दल दीखता है, यहोराम ने कहा एक सवार को बुलाकर उन लोगों से मिलने को भेज और वह उन से पूछे क्या कुशल है।

सो एक सवार उससे मिलने को गया और उस से कहा राजा पूछता है क्या कुशल है येहू ने कहा कुशल से तेरा क्या काम हटकर मेरे पीछे चल तब दूसरे सवार ने उन के पास पहुंचकर कहा राजा पूछता है क्या कुशल है येहू ने कहा कुशल से तेरा क्या काम हटकर मेरे पीछे चल। तब पहरुए ने कहा हांकना निमशी के पोते येहू का सा है वह तो बौड़हे की नाईं हांकता है।

योराम ने कहा मेरा रथ जुतवा जब उस का रथ जुत गया तब इस्राएल का राजा यहोराम और यहूदा का राजा अहज्याह दोनों अपने अपने रथ पर चढ़कर निकल गये। येहू को देखते ही यहोराम ने पूछा हे येहू क्या कुशल है येहू ने उत्तर दिया जब लों तेरी माता ईजेबेल बहुत सा छिनाला और टोना करती रहे तब लों कुशल कहां। तब यहोराम रास फेरके और अहज्याह से यह कहकर कि हे अहज्याह बिश्वासघात है भाग चला। तब येहू ने धनुष को कान तक खींचकर यहोराम के पखौड़ों के बीच ऐसा तीर मारा कि वह उस का हृदय फोड़कर निकल गया और वह अपने रथ में झुककर गिर पड़ा। तब येहू ने अपने एक सरदार से कहा उसे उठाकर यिज्रेली नाबोत की भूमि में फेंक दे स्मरण तो कर कि जब मैं और तू हम दोनों एक संग सवार

होकर उसके पिता अहाब के पीछे पीछे चल रहे थे तब यहोवा ने उससे यह भारी बचन कहवाया कि, यहोवा की यह वाणी है कि नाबोत और उसके पुत्रों का जो खून हुआ उसे मैं ने देखा है और यहोवा की यह वाणी है कि मैं उसी भूमि में तुझे बदला दूंगा। सो अब इसे उठाकर इसी भूमि में फेंक दे।

यह देखकर यहूदा के राजा अहज्याह बारी के भवन के मार्ग से भाग चला और येहू ने उस का पीछा करके कहा उस को भी रथ ही पर मारो सो वह मारा गया।

ईज़ेबेल की मृत्यु।

(२ राजा ९ : ३०)

जब येहू यिज्रेल को आया तब ईज़ेबेल यह सुन अपनी आंखों में सुर्मा लगा अपना सर संवारकर खिड़की में से झांकने लगी। सो जब येहू फाटक होकर आ रहा था तब उस ने खिड़की की ओर मुंह उठाकर पूछा मेरी ओर कौन है कौन।

इस पर दो तीन खोजों ने उस की ओर झांका। तब उस ने कहा उसे नीचे गिरा दो सो उन्हों ने उस को नीचे गिरा दिया।

तब वह भीतर जाकर खाने पीने लगा और कहा जाओ उस स्रापित स्त्री को देख लो और उसे मिट्टी दो वह तो राजा की बेटी है। जब वे उसे मिट्टी देने गये तब उस की खोपड़ी पांवों और हथेलियों को छोड़कर उस का और कुछ न पाया।

येहू बाल को फूंक देता।

(२ राजा १० : १८)

तब येहू ने सब लोगों को एकट्ठा करके कहा अहाब ने तो बाल की थोड़ी ही उपासना किई थी अब येहू उस की उपासना बढ़के करेगा। सो अब बाल के सब नबियों सब उपासकों और सब याजकों को मेरे पास बुला लाओ उन में से कोई भी न रह जाए क्योंकि बाल के लिये मेरा एक बड़ा यज्ञ होनेवाला है जो कोई न आए सो जीता न बचेगा। येहू ने यह काम कपट करके बाल के सब उपासकों को नाश करने के लिये किया। तब येहू ने कहा बाल की एक पवित्र महासभा का प्रचार करो सो लोगों ने प्रचार किया।

और येहू ने सारे इस्राएल में दूत भेजे सो बाल के सब उपासक आये यहां लों कि ऐसा कोई न रह गया जो न आया हो। और वे बाल के भवन में इतने आये कि वह एक सिरे से दूसरे सिरे लों भर गया। तब उस ने उस मनुष्य से जो वस्त्र के घर का अधिकारी था कहा बाल के सब उपासकों के लिये वस्त्र निकाल ले आ सो वह उन के लिये वस्त्र निकाल ले आया। तब येहू बाल के भवन में गया और बाल के उपासकों से कहा ढूंढ़कर देखो कि यहां तुम्हारे संग यहोवा का कोई उपासक तो नहीं है केवल बाल ही के उपासक हैं।

तब वे मेलबलि और होमबलि चढ़ाने को भीतर गये येहू ने तो अस्सी पुरुष बाहर ठहराकर उन से कहा था यदि उन मनुष्यों में से जिन्हें मैं तुम्हारे हाथ कर दूं कोई भी बचने पाए तो जो उसे जाने दे उस का प्राण उस के प्राण की सन्ती जाएगा। फिर जब होमबलि चढ़ चुका तब येहू ने पहरुओं और सरदारों से कहा भीतर जाकर उन्हें मार डालो कोई निकलने न पाए सो उन्हों ने उन्हें तलवार से मारा और पहरुए और सरदार उन को बाहर फेंककर बाल के भवन के नगर को गये। और उन्हों ने बाल के भवन में की लाठें निकालकर फूंक दिईं।

पर येहू ने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की व्यवस्था पर सारे मन से चलने की चौकसी न किई बरन यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था उस के पापों के अनुसार करने से वह अलग न हुआ। येहू के और सब काम जो कुछ उस ने किया और उस की सारी बीरता यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है। निदान येहू अपने पुरखाओं के संग सोया और शोमरोन में उस को मिट्टी दिई गई। येहू के शोम-रोन में इस्राएल पर राज्य करने का समय तो अट्ठाईस बरस का था।

छोटा राजा जो छिपाया गया था ।

(२ राजा ११)

जब अहज्याह की माता अतल्याह ने देखा कि मेरा पुत्र मर गया तब उस ने सारे राजवंश को नाश कर डाला । पर यहोशेबा जो राजा योराम की बेटी और अहज्या की बहिन थी उस ने अहज्याह के पुत्र योआश को ऐसा छिपा रक्खा कि वह मार डाला न गया । और वह उस के पास यहोवा के भवन में छः बरस छिपा रहा और अतल्याह देश पर राज्य करती रही ।

सातवें बरस में यहोयादा ने जल्लादों और पहरुओं के शतपतियों को बुला भेजा और उन को यहोवा के भवन में अपने पास ले आया और उन से वाचा बान्धी और यहोवा के भवन में उन को किरिया खिलाकर उन को राजपुत्र दिखाया । और उस ने उन्हें आज्ञा दिई कि यह काम करो अर्थात तुम में से एक तिहाई के लोग जो विश्रामदिन को आनेवाले हों सो राजभवन के पहरे की चौकसी करें । और एक तिहाई के लोग सूर नाम फाटक में ठहरे रहें और एक तिहाई के लोग पहरुओं के पीछे के फाटक में रहें यों तुम भवन की चौकसी करके लोगों को रोके रहना । और तुम अपने अपने हाथ में हथियार लिये हुए राजा की चारों ओर रहना और जो कोई पांतियों के भीतर घुसना चाहे वह मार डाला जाए और तुम राजा के आते जाते उस के संग रहना । यहोयादा याजक की इन सारी आज्ञाओं के अनुसार शतपतियों ने किया ।

तब याजक ने शतपतियों को राजा दाऊद के बर्छे और ढालें जो यहोवा के भवन में थीं दे दिईं । सो वे पहरुए अपने अपने हाथ में हथियार लिये हुए राजा की चारों ओर उस की आड़ करके खड़े हुए । तब उस ने राजकुमार को बाहर लाकर उस के सिर पर मुकुट और साक्षीपत्र धर दिया तब लोगों ने उस का अभिषेक करके उस को राजा बनाया फिर ताली बजा बजाकर बोल उठे राजा जीता रहे ।

जब अतल्याह को पहरुओं और लोगों का हौरा सुन पड़ा तब वह उन के पास यहोवा के भवन में गई । और उस ने क्या देखा कि राजा रीति के अनुसार खम्भे के पास खड़ा है और राजा के पास प्रधान और तुरही बजानेहारे खड़े हैं और सब लोग आनन्द करते और तुरहियां बजा रहे हैं तब अतल्याह अपने वस्त्र फाड़कर राजद्रोह राजद्रोह यों पुकारने लगी । सो उन्हों ने दोनों ओर से उस को जगह दिई और वह उस मार्ग से चली गई जिस से घोड़े राजभवन में जाया करते थे और वहां वह मार डाली गई ।

तब यहोयादा ने यहोवा के और राजा प्रजा के बीच यहोवा की प्रजा होने की वाचा बन्धाई । तब सब लोगों ने बाल के भवन को जाकर ढा दिया और उस की वेदियां और मूरतें भली भांति तोड़ दिईं और मतान नाम बाल के याजक को वेदियों के साम्हने ही घात किया तब वह राजा को यहोवा के भवन से नीचे ले गया और पहरुओं के फाटक के मार्ग से राजभवन को पहुंचा दिया और राजा राजगद्दी पर विराजमान हुआ ।

जब यहोआश राजा हुआ तब वह सात बरस का था । येहू के सातवें बरस में यहोआश राज्य करने लगा और यरूशलेम में चालीस बरस लों राज्य करता रहा और यहोआश वही काम करता रहा जो यहोवा के लेखे ठीक है । तौ भी प्रजा के लोग ऊंचे स्थानों पर बलि चढ़ाते और धूप जलाते रहे ।

एलीशा की मृत्यु ।

(२ राजा १२ : १७-१३ : १४)

तब अराम के राजा हजाएल ने गत नगर पर चढ़ाई करके उसे ले लिया तब उस ने यरूशलेम पर भी चढ़ाई करने को अपना मुंह किया तब यहोआश ने उन सब पवित्र वस्तुओं को जिन्हें उस के पुरखा, राजाओं ने पवित्र किया था और

अपनी पवित्र किई हुई वस्तुओं को भी और जितना सोना यहोवा के भवन के भण्डारों में और राजभवन में मिला उस सब को लेकर हजाएल के पास भेज दिया और वह यरूशलेम के पास से चला गया। योआश के और सब काम जो उसने किये सो क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं। योआश के कर्म्मचारियों ने राजद्रोह की गोष्ठी करके उस को मिल्लो के भवन में मार डाला। तब उसे उस के पुरखाओं के बीच दाऊदपुर में मिट्टी दिई और उस का पुत्र अमस्याह उस के स्थान पर राजा हुआ।

और एलीशा को वह रोग लग गया था जिस से वह पीछे मर गया सो योआश उस के पास गया और उसके ऊपर रोकर कहने लगा हाय मेरे पिता हाय मेरे पिता हाय इस्राएल के रथ और सवारो।

एलीशा ने उस से कहा धनुष और तीर ले आ जब वह उस के पास धनुष और तीर ले आया, तब उसने इस्राएल के राजा से कहा धनुष पर अपना हाथ लगा। जब उसने अपना हाथ लगाया तब एलीशा ने अपने हाथ राजा के हाथों पर धर दिये। तब उस ने कहा पूरब की खिड़की खोल। जब उस ने उसे खोल दिया तब एलीशा ने कहा तीर छोड़ दे सो उस ने तीर छोड़ा और एलीशा ने कहा वह तीर यहोवा की ओर से छुटकारे अर्थात अराम से छुटकारे का चिन्ह है सो तू अपेक में अराम को यहां लों मार लेगा कि उन का अन्त कर डालेगा।

फिर उस ने कहा तीरों को ले और जब उस ने उन्हें लिया तब उसने इस्राएल के राजा से कहा भूमि पर मार। तब वह तीन बार मारकर ठहर गया। और परमेश्वर के जन ने उस पर क्रोधित होकर कहा तुझे तो पांच छः बार मारना चाहिये था ऐसा करने से तो तू अराम को यहां लों मारता कि उन का अन्त कर डालता पर अब तू उन्हें तीन ही बार मारेगा।

सो एलीशा मर गया और उसे मिट्टी दिई गई। अराम का राजा हजाएल इस्राएल पर अंधेर करता रहा। पर यहोवा ने उन पर अनुग्रह किया और उन पर दया करके उन पर कृपादृष्टि किई। सो हजाएल मर गया और उस का पुत्र उसके स्थान पर राजा हुआ। और योआश ने उसको तीन बार जीत कर इस्राएल के नगर फिर ले लिये।

सातवां अध्याय।

इस्राएलियों का दासत्व में पड़ना।

इस्राएली बहुत दिन तक अपनी पहिली दशा में न रहे और वह प्रताप जो शबा की रानी ने देखा था जलदी मिट गया।

राज्य में बहुत झगड़ों के पीछे फूट पड़ गई और दो राजा हुए। रहबाम यहूदा का राजा था यारोबाम इस्राएल का राजा बन गया यहूदा के दो ही घराने थे और इस्राएल के दस।

जब इस्राएल पर उन्नीस राजा राज कर चुके तब अश्शूर के राजा शलमनेसर ने उन को जीत लिया और इस्राएल के राजा को बन्दिग्रह में डालकर बहुत लोगों को अपने देश में ले गया। उस ने अपने देश के लोगों को इस्राएल देश में रहने को कहा। वे अश्शूर के लोग और इस्राएली जो रह गये थे धीरे धीरे एक जाती बन गये। ये वे लोग हैं जो यीशु के दिनों में सामरी कहलाये और उन में से एक ने उस आदमी की सहायता की जो डाकुओं में जा पड़ा। इस्राएली लोग इस बन्धुवाई से लौट नहीं सके।

यहूदा के लोग भी दासत्व में पड़ गये। नबूकद-नेसर ने यरूशलेम पर चढ़ाई की और उन के बड़े बड़े लोगों को बाबेल को ले गया। वे पचास बरस के लगभग बन्धन में रहे और जब फारस के राजा कुस्रु ने उन को यरूशलेम को फिर से बनाने को भेजा तो उनको बहुत ही खुशी हुई। पर कुछ दिन पीछे मिस्र का राजा उन में से बहुतों को दासत्व में ले गया।

इस के पीछे एक यहूदी स्वदेशभक्त घराना उठा, पर वह बहुत दिन तक न रहा और यीशु के त्रेसठ बरस पहिले रोमी लोगों ने यरूशलेम को ले लिया और वे उस देश में राज करते थे जब कि बैतलहम में यह सुसमाचार आया कि वह आया है जो "चर-वाहे की नाईं अपने झुण्ड को चराएगा और भेड़ों के बच्चों को गोदी में लिये चलेगा।"

अश्शूर का राजा इस्राएल को ले जाता है।

(२ राजा १७)

यहूदा के राजा आहाज के बारहवें बरस में होशे शोमरोन में इस्राएल पर राज्य करने लगा उस ने वही किया जो यहोवा के लेखे बुरा है।

उस पर अश्शूर के राजा शलमनेसेर ने चढ़ाई किई और होशे उस के अधीन होकर उस को भेंट देने लगा। पर अश्शूर के राजा ने होशे को राजद्रोह की गोष्ठी करनेहारा जान लिया क्योंकि उस ने सो नाम मिस्र के राजा के पास दूत भेजे और अश्शूर के राजा के पास सालियाना भेंट भेजनी छोड़ दिई इस कारण अश्शूर के राजा ने उस को बन्द किया और बेड़ी डालकर बन्दीगृह में डाल दिया।

तब अश्शूर के राजा ने सारे देश पर चढ़ाई किई और शोमरोन को जाकर तीन बरस लों उसे घेरे रहा।

होशे के नौवें बरस में अश्शूर के राजा ने शोमरोन को ले लिया और इस्राएल को अश्शूर में ले गया।

इस का यह कारण है कि इस्राएलियों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया और पराये देवताओं का भय माना था, और सब ऊंची पहाड़ियों पर और सब हरे वृक्षों के तले लाठें और अशेरा खड़े कर लिये थे, और वे निकम्मी बातों के पीछे हो लिये और अपनी चारों ओर की उन जातियों के पीछे भी जिन के विषय यहोवा ने उन्हें आज्ञा दिई थी कि उन के से काम न करना। बरन उन्हों ने अपने परमेश्वर यहोवा की सब आज्ञाओं का त्याग दिया और दो बछड़ों की मूरतें ढालकर बनाईं। और आकाश के सारे गण को दण्डवत किई और बाल की उपासना किई, और अपने बेटे बेटियों को आग में होम करके चढ़ाया और भावी कहनेहारों से पूछने और टोना करने लगे और जो यहोवा के लेखे बुरा है जिस से वह रिसियाता भी है उस के करने को अपनी इच्छा से बिक गये। इस कारण यहोवा इस्राएल से अति क्रोधित हुआ और उन्हें अपने साम्हने से दूर कर दिया, यहूदा का गोत्र छोड़ और कोई बचा न रहा।

सो इस्राएल अपने देश से निकाल कर अश्शूर को पहुंचाया गया। और अश्शूर के राजा ने बाबेल कूता अव्वा हमात और सपर्वैम नगरों से लोगों को लाकर इस्राएलियों के स्थान पर शोमरोन के नगरों में बसाया सो वे शोमरोन के अधिकारी होकर उस के नगरों में रहने लगे।

हिजकिय्याह जो अच्छा राजा था।

(२ राजा १८)

इस्राएल के राजा होशे के तीसरे बरस में यहूदा के राजा आहाज का पुत्र हिजकिय्याह राजा हुआ। जब वह राज्य करने लगा तब पच्चीस बरस का था और उनतीस बरस लों यरूशलेम में राज्य करता रहा और उस ने वही किया था जो यहोवा के लेखे ठीक है।

उस ने ऊंचे स्थान गिरा दिये लाठों को तोड़ दिया अशेरा को काट डाला और पीतल के सांप को उस ने चूर चूर कर दिया। वह इस्राएल के परमेश्वर यहोवा पर भरोसा रखता था, और उस के पीछे यहूदा के सब राजाओं में कोई उस के बराबर न हुआ और न उस से पहिले भी ऐसा कोई हुआ था। और वह यहोवा से लगा रहा और उस के पीछे चलना न छोड़ा। सो यहोवा उस के संग रहा और जहां कहीं वह जाता था वहां उस का काम सुफल होता था और उस ने अश्शूर के राजा से बलवा करके उस की अधीनता छोड़ दिई। उस ने आस पास के देश समेत अज्जा लों क्या पहरुओं के गुम्मट क्या गढ़वाले नगर के सब पलिश्तियों को मार लिया।

सन्हेरीब ।

(२ राजा १८:९)

राजा हिजकिय्याह के चौथे बरस में अश्शूर के राजा शलमनेसेर ने शोमरोन पर चढ़ाई करके उसे घेर लिया। हिजकिय्याह राजा के चौदहवें बरस में अश्शूर के राजा सन्हेरीब ने यहूदा के सब गढ़वाले नगरों पर चढ़ाई करके उनको ले लिया तब हिजकिय्याह ने अश्शूर के राजा के पास लाकीश को कहला भेजा कि मुझ से अपराध हुआ मेरे पास से लौट जा और जो भार तू मुझ पर डाले उस को मैं उठाऊंगा। सो अश्शूर के राजा ने यहूदा के राजा हिजकिय्याह के लिये तीन सौ किक्कार चांदी और तीस किक्कार सोना ठहरा दिया। तब जितनी चांदी यहोवा के भवन और राजभवन के भण्डारों में मिली उस सब को हिजकिय्याह ने उसे दे दिया। उस समय हिजकिय्याह ने यहोवा के मन्दिर के किवाड़ों से और उन खंभों से भी जिन पर यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने सोना मढ़वाया था सोने को छीलकर अश्शूर के राजा को दे दिया। तौ भी अश्शूर के राजा ने तर्त्तान रबसारीस और रबशाके को बड़ी सेना देकर लाकीश से यरूशलेम के पास हिजकिय्याह राजा के विरुद्ध भेज दिया सो वे यरूशलेम को गये। तब हिलकिय्याह का पुत्र एल्याकीम जो राजघराने के काम पर था और शेब्ना जो मन्त्री था और आसाप का पुत्र योआह जो इतिहास का लिखनेहारा था ये तीनों उन के पास बाहर निकल गये।

रबशाके ने उन से कहा हिजकिय्याह से कहो कि महाराजाधिराज अर्थात अश्शूर का राजा यों कहता है कि तू यह क्या भरोसा करता है। तू जो कहता है कि मेरे यहां युद्ध के लिये युक्ति और पराक्रम हैं सो केवल बात ही बात है तू किस पर भरोसा रखता है कि तू ने मुझ से बलवा किया है। यदि तुम मुझ से कहो कि हमारा भरोसा अपने परमेश्वर यहोवा पर है तो क्या वह वही नहीं है जिस के ऊंचे स्थानों और वेदियों को हिजकिय्याह ने दूर कर दिया है। सो अब मेरे स्वामी अश्शूर के राजा के पास कुछ बंधक रख तब मैं तुझे दो हज़ार घोड़े दूंगा क्या तू उन पर सवार चढ़ा सकेगा कि नहीं।

तब रबशाके ने खड़ा हो यहूदी भाषा में ऊंचे शब्द से कहा महाराजाधिराज अर्थात अश्शूर के राजा की बात सुनो। राजा यों कहता है कि हिजकिय्याह तुम को भुलाने न पाए क्योंकि वह तुम्हें मेरे हाथ से बचा न सकेगा। हिजकिय्याह की मत सुनो अश्शूर का राजा कहता है कि भेंट भेजकर मुझे प्रसन्न करो और मेरे पास निकल आओ तब अपनी अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष के फल खाओ और अपने अपने कुण्ड का पानी पीओ। पीछे मैं आकर तुम को ऐसे देश में ले जाऊंगा जो तुम्हारे देश के समान अनाज और नये दाखमधु का देश, रोटी और दाखबारियों का देश, जलपाइयों और मधु का देश है वहां तुम मरोगे नहीं जीते रहोगे सो जब हिजकिय्याह यह कहकर तुम को बहकाए कि यहोवा हम को बचाएगा तब उस की न सुनना। क्या और जातियों के देवताओं ने अपने अपने देश को अश्शूर के राजा के हाथ से कभी बचाया है। देश देश के सब देवताओं में से ऐसा कौन है जिसने अपने देश को मेरे हाथ से बचाया हो फिर क्या यहोवा यरूशलेम को मेरे हाथ से बचाएगा।

पर सब लोग चुप रहे और उसके उत्तर में एक बात न कही क्योंकि राजा की ऐसी आज्ञा थी कि उस को उत्तर न देना।

यशायाह लोगों को दिलासा देता ।

(२ राजा १९)

तब एल्याकीम और शेब्ना और योआह इन्हों ने हिजकिय्याह के पास वस्त्र फाड़े हुए आकर रबशाके की बातें कह सुनाईं।

जब राजा हिजकिय्याह ने यह सुना तब वह अपने वस्त्र फाड़ टाट ओढ़कर यहोवा के भवन में गया।

और उसने एल्याकीम को और शेब्ना को और याजकों के पुरनियों को जो सब टाट ओढ़े हुए थे

यशायाह नबी के पास भेज दिया। उन्हों ने उस से कहा हिजकिय्याह यों कहता है कि आज का दिन संकट और उलहने और निन्दा का दिन है, बच्चे जन्मने पर हुए पर जननी को जनने का बल न रहा। सो तू इन बचे हुओं के लिये जो रह गये हैं प्रार्थना कर।

तब यशायाह ने उन से कहा अपने स्वामी से कहो कि यहोवा यों कहता है कि अश्शूर के राजा के कारण मत डर। सुन मैं उस को उसी के देश में तलवार से मरवा डालूंगा।

सो रबशाके ने लौटकर अश्शूर के राजा को लिब्ना नगर से युद्ध करते पाया और हिजकिय्याह ने यहोवा से यह प्रार्थना किई कि हे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा हे करूबों पर विराजनेहारे पृथिवी के सारे राज्यों के ऊपर केवल तू ही परमेश्वर है आकाश और पृथिवी को तू ही ने बनाया है। हे यहोवा कान लगाकर सुन हे यहोवा आंख खोलकर देख और सन्हेरीब के बचनों को सुन ले हे यहोवा सच तो है कि अश्शूर के राजाओं ने जातियों को और उनके देशों को उजाड़ा है, सो अब हे हमारे परमेश्वर यहोवा तू हमें उसके हाथ से बचा कि पृथिवी के राज्य राज्य के लोग जान लें कि केवल तू ही यहोवा है।

तब यशायाह ने हिजकिय्याह के पास यह कहला भेजा कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि जो प्रार्थना तू ने अश्शूर के राजा सन्हेरीब के विषय मुझ से किई उसे मैं ने सुनी है। उस के विषय में यहोवा ने यह बचन कहा है कि वह इस नगर में प्रवेश करने बरन इस पर एक तीर भी मारने न पाएगा और न वह ढाल लेकर इस के साम्हने आने वा इस के विरुद्ध दमदमा बनाने पाएगा। जिस मार्ग से वह आया उसी से वह लौट भी जाएगा और इस नगर में प्रवेश न करने पाएगा और मैं अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त इस नगर की रक्षा करके बचाऊंगा।

उसी रात में क्या हुआ कि यहोवा के दूत ने निकलकर अश्शूरियों की छावनी में एक लाख पचासी हजार पुरुषों को मारा और भोर को जब लोग सवेरे उठे तब क्या देखा कि लोथ ही लोथ पड़ी हैं। सो सन्हेरीब चल दिया और लौटकर नीनवे में रहने लगा। वहां वह अपने देवता के मन्दिर में दण्डवत कर रहा था कि अद्रम्मेलेक और शरेसेर ने उस को तलवार से मारा।

हिजकिय्याह की प्रार्थना।

(२ राजा २०)

उन दिनों में हिजकिय्याह ऐसा रोगी हुआ कि मरा चाहता था और यशायाह नबी ने उस के पास जाकर कहा यहोवा यों कहता है कि अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो सो दे क्योंकि तू नहीं बचेगा मर जाएगा।

तब उस ने भीत की ओर मुंह फेर यहोवा से प्रार्थना करके कहा, हे यहोवा मैं बिनती करता हूं स्मरण कर कि मैं सच्चाई और खरे मन से अपने को तेरे सन्मुख जानकर चलता आया हूं और जो तुझे अच्छा लगता है सोई मैं करता आया हूं तब हिजकिय्याह बिलक बिलक रोया।

यहोवा का बचन उस के पास पहुंचा कि मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आंसू देखे हैं सुन मैं तुझे चंगा करने पर हूं परसों तू यहोवा के भवन में जाने पाएगा। और मैं तेरी आयु पन्द्रह बरस और बढ़ा दूंगा और अश्शूर के राजा के हाथ से तुझे और इस नगर को बचाऊंगा।

उस समय बलदान का पुत्र जो बाबेल का राजा था उस ने हिजकिय्याह के रोगी होने की चर्चा सुन कर उस के पास पत्री और भेंट भेजी। उन के लाने-हारों की मानकर हिजकिय्याह ने उन को अपने अनमोल पदार्थों का सारा भण्डार और चान्दी और सोना और सुगन्ध द्रव्य और उत्तम तेल और अपने हथियारों का सारा घर और अपने भण्डारों में जो जो वस्तुएं थीं सो सब दिखाई हिजकिय्याह के भवन और राज्य भर में कोई ऐसी वस्तु न रही जो उस ने उन्हें न दिखाई हो।

तब यशायाह नबी ने हिजकिय्याह राजा के पास जाकर पूछा वे मनुष्य क्या कह गये और कहां से तेरे

पास आये थे हिजकिय्याह ने कहा वे तो दूर देश से अर्थात बाबेल से आये थे। फिर उस ने पूछा तेरे भवन में उन्होंने क्या क्या देखा है हिजकिय्याह ने कहा जो कुछ मेरे भवन में है सो सब उन्हों ने देखा मेरे भण्डारों में कोई ऐसी वस्तु नहीं जो मैंने उन्हें न दिखाई हो।

यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा यहोवा का बचन सुन ले। ऐसे दिन आने वाले हैं जिन में जो कुछ तेरे भवन में है और जो कुछ तेरे पुरखाओं का रक्खा हुआ आज के दिन लों भण्डारों में है सो सब बाबेल को उठ जाएगा यहोवा यह कहता है कि कोई वस्तु न बचेगी।

हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा यहोवा का बचन जो तू ने कहा है सो भला ही है फिर उस ने कहा क्या मेरे दिनों में शांति और सच्चाई बनी न रहेगी।

हिजकिय्याह के और सब काम और उस की सारी वीरता और किस रीति उस ने एक पोखरा और नाली खुदवाकर नगर में पानी पहुंचा दिया यह सब क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है। निदान हिजकिय्याह अपने पुरखाओं के संग सो गया और उस का पुत्र मनश्शे उस के स्थान पर राजा हुआ।

मनश्शे।

(२ राजा २१)

जब मनश्शे राज्य करने लगा तब बारह बरस का था और यरूशलेम में पचपन बरस लों राज्य करता रहा और उस ने वह किया जो यहोवा के लेखे बुरा है सो यहोवा ने अपने दास नबियों के द्वारा कहा कि यहूदा के राजा मनश्शे ने जो ये घिनौने काम किये सुनो मैं यरूशलेम और यहूदा पर ऐसी बिपत्ति डाला चाहता हूं कि जो कोई उस का समाचार सुने वह बड़े सन्नाटे में आ जाएगा।

मनश्शे के और सब काम जो उस ने किये और जो पाप उस ने किया यह सब क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है। निदान मनश्शे अपने पुरखाओं के संग सोया और उसे अपने भवन की बारी में मिट्टी दी गई।

जब योशिय्याह राज्य करने लगा तब आठ बरस का था और यरूशलेम में एकत्तीस बरस लों राज्य करता रहा। उस ने वह किया जो यहोवा के लेखे ठीक है और जिस मार्ग पर उस का मूल पुरुष दाऊद चला ठीक उसी पर वह भी चला और उस से न तो दहिनी ओर मुड़ा और न बाईं ओर।

एक पुस्तक जो मन्दिर में पाई गई।

(२ राजा २२:३)

अपने राज्य के अठारहवें बरस में राजा योशिय्याह शापान मंत्री को यहोवा के भवन में यह कहकर भेजा कि, हिलकिय्याह महायाजक के पास जाकर कह कि जो चान्दी यहोवा के भवन में लाई गई है और डेवढ़ीदारों ने प्रजा से एकट्ठी किई है उस को जोड़कर, उन काम करानेहारों को सौंप दे अर्थात बढ़इयों राजों और संगतराशों को दें और भवन की मरम्मत के लिये लकड़ी और गढ़े हुए पत्थर मोल लेने में लगाएं।

और हिलकिय्याह महायाजक ने शापान मंत्री से कहा मुझे यहोवा के भवन में व्यवस्था की पुस्तक मिली है तब हिलकिय्याह ने शापान को वह पुस्तक दिई तब शापान उसे राजा को पढ़कर सुनाने लगा।

व्यवस्था की उस पुस्तक की बात सुनकर राजा ने अपने वस्त्र फाड़े। फिर उस ने हिजकिय्याह याजक को आज्ञा दिई कि, यह पुस्तक जो मिली है उस की बातों के विषय तुम जाकर मेरी और प्रजा की और सारे यहूदियों की ओर से यहोवा से पूछो क्योंकि यहोवा की बड़ी ही जलजलाहट हम पर इस कारण भड़की है कि हमारे पुरखाओं ने इस पुस्तक की बातें न मानी थीं और जो कुछ हमारे लिये लिखा है उस को न माना था।

सो हिलकिय्याह याजक ने हुल्दा नबिया के पास जाकर उस से बातें किईं। वह स्त्री यरूशलेम के नये टोले में रहती थी। उस ने उन से कहा इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है कि जिस पुरुष ने तुम को मेरे पास भेजा उस से यह कहो कि, यहोवा यों कहता है कि सुन मैं इस स्थान और इस के निवासियों पर विपत्ति डाला चाहता हूं। उन लोगों ने मुझे त्याग करके पराये देवताओं के लिये धूप जलाया है। पर यहूदा के राजा से तुम यों कहो कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है इस लिये कि तू वे बातें सुनकर, दीन हुआ और तू ने यहोवा के साम्हने अपना सिर नवाया और अपने वस्त्र फाड़कर मेरे साम्हने रोया है इस लिये सुन मैं ऐसा करूंगा कि तू अपने पुरखाओं के संग मिल जाएगा और तू शांति से अपनी कबर को पहुंचाया जाएगा। तब उन्हों ने लौटकर राजा को यही सन्देश दिया।

राजा ने यहूदा और यरूशलेम के सब पुरनियों को अपने पास एकट्ठा बुलवा भेजा। और राजा यहूदा के सब लोगों और यरूशलेम के सब निवासियों और याजकों और नबियों बरन छोटे बड़े सारी प्रजा के लोगों को संग लेकर यहोवा के भवन को गया तब उस ने जो वाचा की पुस्तक यहोवा के भवन में मिली थी उस की सारी बातें उन को पढ़कर सुनाईं।

मूर्त्तियों का जलाया जाना।

(२ राजा २३:३)

तब राजा ने खंभे के पास खड़ा होकर यहोवा से इस आशय की वाचा बांधी कि मैं यहोवा के पीछे पीछे चलूंगा और अपने सारे मन और सारे जीव से उस की आज्ञाएं चितौनियां और विधियां पाला करूंगा और सारी प्रजा वाचा में भागी हुई। तब राजा ने आज्ञा दिई कि जितने पात्र बाल के लिये बने हैं उन सभों को यहोवा के मन्दिर में से निकाल ले आओ तब किद्रोन के खेतों में फूंककर उन की राख बेतेल को पहुंचा दिई। और उन पुजारियों को जो बाल और सूर्य्य चन्द्रमा राशिचक्र और आकाश के सारे गण को धूप जलाते थे उन को भी राजा ने दूर कर दिया। और उस ने लाठों को तोड़ दिया और अशेरों को काट डाला और उन के स्थान मनुष्यों की हड्डियों से भर दिये। फिर ओझे भूतसिद्धिवाले गृहदेवता मूरतें और जितनी घिनौनी वस्तुएं यहूदा देश और यरूशलेम में जहां कहीं देख पड़ीं उन सभों को योशिय्याह ने इस मनसा से नाश किया कि व्यवस्था की जो बातें उस पुस्तक में लिखी थीं जो हिलकिय्याह याजक को यहोवा के भवन में मिली थीं उन को वह पूरी करे।

और उस के तुल्य न तो उस से पहिले कोई ऐसा राजा हुआ और न उस के पीछे ऐसा कोई राजा उठा जो अपने सारे मन और सारे जीव और सारी शक्ति से यहोवा की ओर फिरा हो।

योशिय्याह के और सब काम जो उस ने किये सो क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं। उस के दिनों में फिरौन नको नाम मिस्र का राजा अश्शूर के राजा के विरुद्ध परात महानद लों गया सो योशिय्याह राजा उस का साम्हना करने को गया और उस ने उस को मगिद्दो में देखकर मार डाला। तब उस के कर्म्मचारियों ने उस की लोथ एक रथ पर रख मगिद्दो से ले जाकर यरूशलेम को पहुंचाई और उस की निज कबर में रख दिई। तब साधारण लोगों ने योशिय्याह के पुत्र यहोआहाज को लेकर उस का अभिषेक करके उस के पिता के स्थान पर राजा किया। जब यहोआहाज राज्य करने लगा तब वह तेईस बरस का था उस ने वही किया जो यहोवा के लेखे बुरा है। तब फिरौन नको ने योशिय्याह के पुत्र एल्याकीम को उस के पिता के स्थान पर राजा किया और उस का नाम बदलकर यहोयाकीम रक्खा और यहोआहाज को ले गया।

बाबेल का राजा चढ़ाई करता है।

(२ राजा २३:३६-२४)

जब यहोयाकीम राज्य करने लगा तब वह पचीस बरस का था और ग्यारह बरस तक यरूशलेम में राज्य करता रहा उसने वह किया जो यहोवा के लेखे बुरा है। उस के दिनों में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने चढ़ाई किई और यहोयाकीम तीन बरस लों उस के अधीन रहा पीछे उस ने फिरके उस से बलवा किया। निदान यहोयाकीम अपने पुरखाओं के संग सोया और उसका पुत्र यहोयाकीन उस के स्थान पर राजा हुआ।

उस के दिनों में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के कर्म्मचारियों ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके नगर को घेर लिया। और यहूदा का राजा यहोयाकीन अपनी माता और कर्म्मचारियों हाकिमों और खोजों को संग लेकर बाबेल के राजा के पास गया और बाबेल क राजा ने उन को पकड़ लिया। तब उस ने यहोवा के भवन में और राजभवन में रक्खा हुआ सारा धन वहां से निकाल लिया और सोने के जो पात्र इस्राएल के राजा सुलैमान ने बनाकर यहोवा के मन्दिर में रक्खे थे उन सभों को उस ने टुकड़े टुकड़े कर डाला जैसे कि यहोवा ने कहा था। फिर वह सारे यरूशलेम को अर्थात सब हाकिमों और सब धनवानों को जो मिलकर दस हजार थे और सब कारीगरों और लोहारों को बंधुआ करके ले गया यहां लों कि साधारण लोगों में से कंगालों को छोड़ और कोई न रह गया। और वह यहोयाकीन को बाबेल में ले गया और उस की माता और स्त्रियों और खोजों को और देश के बड़े लोगों को वह बंधुआ करके यरूशलेम से बाबेल को ले गया। और सब धनवान जो सात हजार थे और कारीगर और लोहार जो मिलकर एक हजार थे और वे सब बीर और युद्ध के योग्य थे उन्हें बाबेल का राजा बंधुआ करके बाबेल को ले गया।

और बाबेल के राजा ने उस के स्थान पर उसके चचा को राजा ठहराया और उस का नाम बदलकर सिदकिय्याह रक्खा। जब सिदकिय्याह राज्य करने लगा तब वह इक्कीस बरस का था और यरूशलेम में ग्यारह बरस लों राज्य करता रहा। उस ने वही किया जो यहोवा के लेखे बुरा है।

और सिदकिय्याह ने बाबेल के राजा से बलवा किया। और बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी सारी सेना लेकर यरूशलेम पर चढ़ाई किई और उस के पास छावनी करके उस की चारों ओर कोट बनाये। और नगर सिदकिय्याह राजा के ग्यारहवें बरस लों घेरा हुआ रहा।

यरूशलेम का बिनाश।

(२ राजा २५)

चौथे महीने के नौवें दिन से नगर में महंगी यहां लों बढ़ गई कि देश के लोगों के लिये कुछ खाने को न रहा। तब नगर की शहरपनाह में दरार किई गई और दोनों भीतों के बीच जो फाटक राजा की बारी के निकट था उस मार्ग से सब योद्धा रात ही रात निकल भागे। तब कसदियों की सेना ने राजा का पीछा किया और उस को यरीहो के पास के अराबा में जा लिया सो वे राजा को पकड़कर रिबला में बाबेल के राजा के पास ले गये और उन्हों ने सिदकिय्याह के पुत्रों को उस के साम्हने घात किया और सिदकिय्याह की आंखें फोड़ डालीं और उसे पीतल की बेड़ियों से जकड़कर बाबेल को ले गये।

बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के उन्नीसवें बरस को जल्लादों का प्रधान नबूजरदान जो बाबेल के राजा का एक कर्म्मचारी था सो यरूशलेम में आया। और उस ने यहोवा के भवन और राजभवन और यरूशलेम के सब घरों को अर्थात हर एक बड़े घर को आग लगाकर फूंक दिया। और यरूशलेम की चारों ओर की सब शहरपनाह को कसदियों की सारी सेना ने ढा दिया।

और जो लोग नगर में रह गये थे और जो लोग बाबेल के राजा के पास भाग गये थे और साधारण लोग जो रह गये थे इन सभों को जल्लादों का प्रधान नबूजरदान बंधुआ करके ले गया। पर जल्लादों के प्रधान ने देश के कंगालों में से कितनों को दाख की बारियों की सेवा और किसनई करने को छोड़ दिया। और यहोवा के भवन में जो पीतल के खंभे थे और पाये और पीतल का गंगाल जो यहोवा के भवन में था इनको कसदी तोड़कर उन का पीतल बाबेल को ले गये। और हण्डियों फावड़ियों चिमटाओं धूपदानों और पीतल के सब पात्रों को जिन से सेवा टहल होती थी वे ले गये। और करछे और कटोरियां जो सोने की थीं और जो कुछ चान्दी का था सो सब सोना चांदी जल्लादों का प्रधान ले गया। और जल्लादों के प्रधान ने सरायाह महायाजक और उस के नीच के याजक सपन्याह और तीनों डेवढ़ीदारों को पकड़ लिया। और नगर में से उस ने एक हाकिम पकड़ लिया जो योद्धाओं के ऊपर ठहरा था और जो पुरुष राजा के सन्मुख रहा करते थे उन में से पांच जन जो नगर में मिले और सेनापति का मुंशी जो लोगों को सेना में भरती किया करता था और लोगों में से साठ पुरुष जो नगर में मिले, तब बाबेल के राजा ने उन्हें ऐसा मारा कि वे मर गये।

यों यहूदी बंधुआ करके अपने देश से निकाल लिये गये।

राजा की बंधुआई।

(२ राजा २५, २७)

फिर यहूदा के राजा यहोयाकीन की बंधुआई के सैंतीसवें बरस में अर्थात जिस बरस में बाबेल का राजा एवीलमरोदक राजगद्दी पर विराजमान हुआ उस ने यहूदा के राजा यहोयाकीन को बन्दीगृह से निकालकर बड़ा पद दिया, और उस से मधुर मधुर बचन कहकर जो राजा उस के संग बाबेल में बन्धुए थे उन के सिंहासनों से उस के सिंहासन को अधिक ऊंचा किया, और उस के बन्दीगृह के वस्त्र बदला दिये और उस ने जीवन भर नित्य राजा के सन्मुख भोजन किया। और दिन दिन के खर्च के लिये राजा के यहां से नित्य का खर्च ठहराया गया सो उस के जीवन भर लगातार मिलता रहा।

बन्धुओं में दानिय्येल है।

(दानिय्येल १)

यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज्य के तीसरे बरस में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके उस को घेर लिया। तब प्रभु ने यहूदा के राजा यहोयाकीम और परमेश्वर के भवन के कितने एक पात्रों को उस के हाथ में कर दिया और उस ने उन पात्रों को शिनार देश अपने देवता के मन्दिर में ले जाकर अपने देवता के भण्डार में रख दिया।

तब उस राजा ने अपने खोजों के प्रधान अशपनज को आज्ञा दिई कि इस्राएली राजपुत्रों और प्रतिष्ठित पुरुषों में से, ऐसे कई जवानों को ले आकर जो बिन खोट सुन्दर और सब प्रकार की बुद्धि में प्रवीण और ज्ञान में निपुण और विद्वान और राजमन्दिर में हाजिर रहने के योग्य हों कसदियों के शास्त्र और भाषा सिखवा दे। और राजा ने आज्ञा दिई कि मेरे भोजन और मेरे पीने के दाखमधु में से उन्हें दिन दिन खाने पीने को दिया जाए और तीन बरस लों उन का पालन पोषण होता रहे फिर उस के पीछे वे मेरे साम्हने हाजिर किये जाएं।

सो इन में से दानिय्येल हनन्याह मीशाएल और अजर्याह नाम यहूदी थे। और खोजों के प्रधान ने उन के दूसरे नाम रक्खे अर्थात दानिय्येल का नाम उस ने बेलतशस्सर और हनन्याह का शद्रक और मीशाएल का मेशक और अजर्याह का अबेदनगो नाम रक्खा। दानिय्येल ने अपने मन में ठाना कि मैं राजा का भोजन खाकर और उस के पीने का दाखमधु पीकर अपवित्र न होऊं सो उस ने खोजों के प्रधान से बिनती किई कि मुझे अपवित्र होना न पड़े।

परमेश्वर ने खोजों के प्रधान के मन में दानिय्येल पर कृपा और दया बहुत उपजाई। सो खोजों के प्रधान ने दानिय्येल से कहा मैं अपने स्वामी राजा से डरता हूं क्योंकि तुम्हारा खाना पीना उसी ने ठहराया है वह तुम्हारे मुंह तुम्हारी जोड़ी के जवानों से उतरा हुआ क्यों देखे तुम मेरा सिर राजा के साम्हने जोखिम में डालोगे।

तब दानिय्येल ने उस से कहा, अपने दासों को दस दिन लों जांच, हमारे खाने के लिये सागपात और पीने के लिये पानी दिया जाए। फिर दस दिन के पीछे हमारे मुंह को और जो जवान राजा का भोजन खाते हैं उन के मुंह को देख और जैसा तुझे देख पड़े उसी के अनुसार अपने दासों से व्यवहार करना। उन की यह बिनती उस ने मान लिई और दस दिन लों उन को जांचता रहा। दस दिन के पीछे उन के मुंह राजा के भोजन के खानेहारे सब जवानों से अधिक अच्छे और चिकने देख पड़े। सो वह मुखिया उन का भोजन और उन के पीने के लिये ठहराया हुआ दाखमधु दोनों छुड़ाकर उन को सागपात देने लगा। और परमेश्वर ने उन चारों जवानों को सब शास्त्रों और सब प्रकार की विद्याओं मे बुद्धि और प्रवीणता दिई और दानिय्येल सब प्रकार के दर्शन और स्वप्न के अर्थ का जानकार हो गया।

सो जितने दिन नबूकदनेस्सर राजा ने जवानों को भीतर ले आने की आज्ञा दिई थी उतने दिन बीतने पर खोजों का प्रधान उन्हें उस के साम्हने ले गया, और राजा उन से बातचीत करने लगा तब दानिय्येल हनन्याह मीशाएल और अजर्याह के तुल्य उन सब में से कोई न ठहरा सो वे राजा के सन्मुख हाजिर रहने लगे। और बुद्धि और समझ के जिस किसी विषय में राजा उन से पूछता उस में वे राज्य भर के सब ज्योतिषियों और तन्त्रियों से दसगुणे और निपुण ठहरते थे।

नबूकदनेस्सर राजा का स्वप्न।

(दानिय्येल २)

अपने राज्य के दूसरे बरस में नबूकदनेस्सर ने ऐसा स्वप्न देखा जिस से उस का मन बहुत ही व्याकुल हो गया और उस को नींद न आई।

तब राजा ने आज्ञा दिई कि ज्योतिषी तन्त्री टोनहे और कसदी बुलाये जाएं कि वे राजा को उस का स्वप्न बताएं सो वे आकर राजा के साम्हने हाजिर हुए। तब राजा ने उन से कहा मैं ने एक स्वप्न देखा है और मेरा मन व्याकुल है कि स्वप्न को कैसे समझूं। कसदियों ने राजा से कहा हे राजा तू सदा लों जीता रहे अपने दासों को स्वप्न बता और हम उस का फल बताएंगे।

राजा ने कसदियों को उत्तर दिया यह बात मेरे मुख से निकली कि यदि तुम फल समेत स्वप्न को न बताओ तो तुम टुकड़े टुकड़े किये जाओगे और तुम्हारे घर घूरे बनाये जाएंगे। और यदि तुम फल समेत स्वप्न को बताओ तो मुझ से भांति भांति के दान और भारी प्रतिष्ठा पाओगे। उन्हों ने दूसरी बार कहा हे राजा स्वप्न तेरे दासों को बताया जाए और हम उस का फल समझा देंगे।

राजा ने उत्तर दिया मैं निश्चय जानता हूं कि तुम यह देखकर कि आज्ञा राजा के मुंह से निकल चुकी समय बढ़ाने चाहते हो। सो यदि तुम मुझे स्वप्न न बताओ तो तुम्हारे लिये एक ही आज्ञा है क्योंकि तुम ने एका किया होगा कि जब लों समय न बदले तब लों हम राजा के साम्हने झूठी और गपसप की बातें कहा करेंगे इस लिये मुझे स्वप्न को बताओ तब मैं जानूंगा कि तुम उस का फल भी समझा सकते हो। कसदियों ने राजा से कहा पृथिवी भर में कोई ऐसा मनुष्य नहीं जो राजा के मन की बात बता सके और न कोई ऐसा राजा वा प्रधान वा हाकिम कभी हुआ जिस ने किसी ज्योतिषी वा तन्त्री वा कसदी से ऐसी बात पूछी हो। और जो बात राजा पूछता है सो अनोखी है और देवताओं को छोड़कर जिन का निवास प्राणियों के

संग नहीं है कोई दूसरा नहीं जो राजा को यह बता सके।

इस से राजा ने खीझकर और बहुत ही क्रोधित होकर बाबेल के सारे पण्डितों के नाश करने की आज्ञा दिई। सो यह आज्ञा निकली और पण्डित लोगों का घात होने पर था और लोग दानिय्येल और उस के संगियों को ढूंढ़ रहे थे कि वे भी घात किये जाएं। तब दानिय्येल ने भीतर जाकर राजा से बिनती किई कि मेरे लिये कोई समय ठहराया जाए तो मैं महाराज को स्वप्न का फल बताऊंगा।

तब दानिय्येल ने अपने घर जाकर अपने संगी को यह हाल बताकर, कहा इस भेद के विषय में स्वर्ग के परमेश्वर की दया के लिये प्रार्थना करो। तब वह भेद दानिय्येल को रात के समय दर्शन के द्वारा प्रगट किया गया तब दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कहकर धन्यवाद किया कि, परमेश्वर का नाम सदा से सदा लों धन्य है क्योंकि बुद्धि और पराक्रम उसी के हैं। और समयों और ऋतुओं को वही पलटता है राजाओं को अस्त और उदय भी वही करता है और बुद्धिमानों को बुद्धि और समझवालों को समझ वही देता है। वह गूढ़ और गुप्त बातों को प्रगट करता है वह जानता है कि अन्धियारे में क्या क्या है और उस के संग सदा प्रकाश बना रहता है। हे मेरे पितरों के परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद और स्तुति करता हूं कि तू ने मुझे बुद्धि और शक्ति दिई है और जिस भेद का खुलना हम लोगों ने तुझ से मांगा था सो तू ने समय पर मुझ पर प्रगट किया है तू ने हम को राजा की बात बताई है।

तब दानिय्येल ने राजा को उत्तर दिया जो भेद राजा पूछता है सो न तो पण्डित राजा को बता सकते हैं न तंत्री न ज्योतिषी न दूसरे होनेहार बतानेहारे। पर भेदों का खोलनेहारा स्वर्ग में परमेश्वर है और उसी ने नबूकदनेस्सर राजा को जताया है कि अंत के दिनों में क्या क्या होनेवाला है।

हे राजा जब तू देख रहा था तब एक बड़ी मूर्त्ति देख पड़ी और वह मूर्त्ति जो तेरे साम्हने खड़ी थी सो लम्बी चौड़ी थी और उस की चमक अनुपम थी और उस का रूप भयंकर था। उस मूर्त्ति का सिर तो चोखे सोने का था उस की छाती और भुजाएं चांदी की उस का पेट और जांघें पीतल की, उसकी टांगें लोहे की और उस के पांव कुछ तो लोहे के और कुछ मिट्टी के थे। फिर देखते देखते तू ने क्या देखा कि एक पत्थर ने किसी के बिना खोदे आप ही आप उखड़कर उस मूर्त्ति के पांवों पर जो लोहे और मिट्टी के थे लगकर उन को चूर चूर कर डाला। तब लोहा मिट्टी पीतल चांदी और सोना भी सब चूर चूर हो गये और धूपकाल में खलिहानों के भूसे की नाईं बयार से ऐसे उड़ गये कि उन का कहीं पता न रहा और वह पत्थर जो मूर्त्ति पर लगा था सो बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथिवी में भर गया।

स्वप्न तो यों ही हुआ और अब हम उस का फल राजा को समझा देते हैं। हे राजा तू तो महाराजाधिराज है क्योंकि स्वर्ग के परमेश्वर ने तुझ को राज्य सामर्थ्य शक्ति और महिमा दिई है। और जहां कहीं मनुष्य पाये जाते हैं वहां उस ने उन सभों को और मैदान के जीवजन्तु और आकाश के पक्षी भी तेरे वश में कर दिये हैं और तुझ को उन सब का अधिकारी ठहराया है वह सोने का सिर तू ही है। और तेरे पीछे एक राज्य और उदय होगा फिर एक और तीसरा पीतल का सा राज्य होगा जिस में सारी पृथिवी आ जाएगी। और चौथा राज्य लोहे के तुल्य पोढ़ा होगा लोहे से तो सब वस्तुएं चूर चूर हो जाती और पिस जाती हैं सो जिस भांति लोहे से वे सब कुचली जाती हैं उसी भांति उस चौथे राज्य से सब कुछ चूर चूर होकर पिस जाएगा और तू ने जो मूर्त्ति के पांवों और उन की अंगुलियों को देखा जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं इस से वह चौथा राज्य बटा हुआ होगा तौभी उस में लोहे का सा कड़ापन रहेगा जैसे कि तू ने कुम्हार की मिट्टी के संग लोहा भी मिला हुआ देखा। और पांवों की अंगुलियां जो कुछ तो लोहे की और कुछ मिट्टी की थीं इस का फल यह है कि वह राज्य कुछ तो दृढ़ और कुछ निर्बल होगा। और तू ने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा इस का फल यह है कि उस राज्य के लोग नीच मनुष्यों से मिले जुले तो रहेंगे पर

जैसे लोहा मिट्टी के साथ मिलकर एक दिल नहीं होता तैसे ही वे दोनों भी एक न बने रहेंगे।

और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो सदा लों न टूटेगा और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा परन्तु वह उन सब राज्यों को चूर चूर करेगा और उन का अन्त कर डालेगा और वह आप स्थिर रहेगा। तू ने जो देखा कि एक पत्थर किसी के हाथ के बिन खोदे पहाड़ में से उखड़ा और लोहे पीतल मिट्टी चांदी और सोने को चूर चूर किया इसी रीति महान परमेश्वर ने राजा को जताया है कि इस के पीछे क्या क्या होनेवाला है और न स्वप्न में न उस के फल में कुछ संदेह है।

सोने की मूरत।

(दानिय्येल २ : ४८)

तब राजा ने दानिय्येल का पद बड़ा किया और उस को बहुत से बड़े बड़े दान दिये और यह आज्ञा दिई कि वह बाबेल के सारे प्रान्त पर हाकिम और बाबेल के सब पण्डितों पर मुख्य प्रधान बने। तब दानिय्येल के बिनती करने से राजा ने शद्रक मेशक और अबेदनगो को बाबेल के प्रान्त के कार्य्य के ऊपर ठहरा दिया पर दानिय्येल आप राजा के दरबार में रहा करता था।

नबूकदनेस्सर राजा ने सोने की एक मूरत बनवाई और उस ने उस को बाबेल के प्रान्त में के दूरा नाम मैदान में खड़ा कराया।

तब नबूकदनेस्सर राजा ने अधिपतियों हाकिमों गवर्नरों जजों खजांचियों न्यायियों शास्त्रियों आदि प्रान्त प्रान्त के सब अधिकारियों को बुलवा भेजा कि वे उस मूरत की प्रतिष्ठा में जो उस ने खड़ी कराई थी आएं।

तब ढंढोरिये ने ऊंचे शब्द से पुकारके कहा हे देश देश और जाति जाति के लोगो और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारो तुम को यह आज्ञा सुनाई जाती है कि, जिस समय तुम नरसिंगे बांसुली वीणा सारंगी सितार पूंगी आदि सब प्रकार के बाजों का शब्द सुनो उसी समय गिरके नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत करो। और जो कोई गिरके दण्डवत न करे सो उसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा। इस कारण उस समय ज्यों ही सब जाति के लोगों को बाजों का शब्द सुन पड़ा त्यों ही देश देश और जाति जाति के लोगों और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारों ने गिरके उस सोने की मूरत को जो नबूकदनेस्सर राजा ने खड़ी कराई थी दण्डवत किई।

शद्रक मेशक और अबेदनगो।

(दानिय्येल ३ : ८)

उस समय कई एक कसदी पुरुष नबूकदनेस्सर राजा से कहने लगे हे राजा तू सदा लों जीता रहे। हे राजा तू ने तो यह आज्ञा दिई है कि जो जो मनुष्य बाजों का शब्द सुने सो गिरके उस सोने की मूरत को दण्डवत करे। और जो कोई गिरके दण्डवत न करे सो धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा। सुन शद्रक मेशक और अबेदनगो नाम कुछ यहूदी पुरुष हैं जिन्हें तू ने बाबेल के प्रान्त के कार्य्य के ऊपर ठहराया है उन पुरुषों ने हे राजा तेरी आज्ञा की कुछ चिन्ता नहीं किई वे तेरे देवता की उपासना नहीं करते और जो सोने की मूरत तू ने खड़ी कराई है उस को दण्डवत नहीं करते। तब वे पुरुष राजा के साम्हने हाजिर किये गये।

नबूकदनेस्सर ने उन से पूछा हे शद्रक मेशक और अबेदनगो तुम लोग जो मेरे देवता की उपासना नहीं करते क्या तुम जान बूझकर ऐसा करते हो। यदि तुम अभी मेरी बनवाई हुई मूरत को दण्डवत करो तो बचोगे और यदि तुम दण्डवत न करो तो इसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाले जाओगे फिर ऐसा कौन देवता है जो तुम को मेरे हाथ से छुड़ा सके।

शद्रक मेशक और अबेदनगो ने राजा से कहा हे नबूकदनेस्सर हमारा परमेश्वर जिस की हम उपासना करते हैं हम को उस धधकते हुए भट्ठे से

छुड़ा सकता है बरन हे राजा वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा सकता है। और जो हो सो हो पर हे राजा तुझे विदित हो कि हम लोग तेरे देवता की उपासना न करेंगे और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत करेंगे।

धधकाया हुआ भट्ठा।

(दानि: ३ : २०)

तब नबूकदनेस्सर जल उठा और उस ने आज्ञा दिई कि भट्ठे को रीति से सातगुणा अधिक धधका दो। फिर अपनी सेना में के कई एक बलवान पुरुषों को उस ने आज्ञा दिई कि शद्रक मेशक और अबेदनगो को बांधकर उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दो।

जिन पुरुषों ने शद्रक मेशक और अबेदनगो को उठाया सो आग की आंच ही से जल मरे। और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच शद्रक मेशक और अबेदनगो बंधे हुए गिर पड़े।

तब नबूकदनेस्सर राजा अचंभित हुआ और घबराकर उठ खड़ा हुआ और अपने मंत्रियों से पूछने लगा क्या हम ने उस आग के बीच तीन ही पुरुष बंधे हुए नहीं डलवाये अब क्या देखता हूं कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं और उन को कुछ भी हानि नहीं भासती और चौथे पुरुष का स्वरूप किसी ईश्वर के पुत्र का सा है। फिर नबूकदनेस्सर उस धधकते हुए भट्ठे के द्वार के पास जाकर कहने लगा हे शद्रक मेशक और अबेदनगो हे परमप्रधान परमेश्वर के दासो निकलकर यहां आओ।

जब अधिपति हाकिम गवर्नर और राजा के मंत्रियों ने जो एकट्ठे हुए थे उन पुरुषों की ओर देखा तब क्या पाया कि इन की देह में आग का कुछ लुवाव नहीं और न इन के सिर का एक बाल भी झुलसा न इन के मोजे कुछ बिगड़े न इन में जलने की गंध कुछ पाई जाती है।

नबूकदनेस्सर कहने लगा धन्य है शद्रक मेशक और अबेदनगो का परमेश्वर जिसने अपना दूत भेजकर अपने इन दासों को इस लिये बचाया कि इन्हों ने उसी पर भरोसा रक्खा सो मैं यह आज्ञा देता हूं कि देश देश और जाति जाति के लोगों और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारों में से जो कोई शद्रक मेशक और अबेदनगो के परमेश्वर की कुछ निन्दा करे सो टुकड़े टुकड़े किया जाए और उस का घर घूरा बनाया जाए। तब राजा ने बाबेल के प्रान्त में शद्रक मेशक और अबेदनगो का पद बढ़ाया।

नबूकदनेस्सर का नीचा किया जाना।

(दानि: ४)

देश देश के और जाति जाति के लोग और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारे जितने सारी पृथिवी पर रहते हैं उन सभों से नबूकदनेस्सर राजा का यह वचन हुआ कि तुम्हारा कुशल क्षेम बढ़े।

मुझ को अच्छा लगा कि परमप्रधान परमेश्वर ने मुझे जो जो चिन्ह और चमत्कार दिखाये हैं उन को प्रगट करूं। उस के दिखाये हुए चिन्ह क्या ही बड़े और उस के चमत्कारों में क्या ही बड़ी शक्ति प्रगट होती है उस का राज्य तो सदा का और उस की प्रभुता पीढ़ी से पीढ़ी लों बनी रहती है। मैं नबूकदनेस्सर अपने भवन में चैन से और प्रफुल्लित रहता था। मैं ने ऐसा स्वप्न देखा जिस के कारण मैं डर गया जो दर्शन मैं ने पाया सो यह है। पृथिवी के बीचोंबीच एक वृक्ष लगा है जिस की ऊंचाई बड़ी है। वह वृक्ष बढ़ बढ़कर दृढ़ हो गया उस की ऊंचाई स्वर्ग लों पहुंची और वह सारी पृथिवी की छोर लों देख पड़ता है। उस के नीचे मैदान के सब पशुओं को छाया मिलती है और उस की डालियों में सब आकाश की चिड़ियां बसेरा करती हैं और एक पवित्र पहरुआ स्वर्ग से उतर आया। उस ने कहा कि वृक्ष को काट डालो उस की डालियों को छांट दो उस के पत्ते झाड़ दो और उस के फल छितरा डालो तौभी उस के ठूंठ को जड़ समेत भूमि में छोड़ो और उस को लोहे और पीतल के बन्धन से

बांधकर मैदान की हरी घास के बीच रहने दो वह आकाश की ओस से भीगा करे और भूमि की घास खाने में मैदान के पशुओं के संग भागी हो । उस का मन बदले और मनुष्य का न रहे पशु ही का सा बन जाए । मुझ नबूकदनेस्सर राजा ने यही स्वप्न देखा ।

तब दानिय्येल ने कहा हे मेरे प्रभु जिस वृक्ष को तू ने देखा जो बड़ा और दृढ़ हो गया और उस की ऊंचाई स्वर्ग लों पहुंची वह पृथिवी भर पर देख पड़ा, हे राजा उस का अर्थ तू ही है तू तो बड़ा और सामर्थी हो गया तेरी महिमा बढ़ी और स्वर्ग लों पहुंच गई और तेरी प्रभुता पृथिवी की छोर लों फैली है ।

हे राजा इस का फल जो परमप्रधान ने ठाना है कि राजा पर घटे सो यह है कि, तू मनुष्यों के बीच से निकाला जाएगा और मैदान के पशुओं के संग रहेगा और बैलों की नाईं घास चरेगा और आकाश की ओस से भीगा करेगा जब लों कि तू न जान ले कि मनुष्यों के राज्य में परमप्रधान ही प्रभुता करता और उस को जिसे चाहे उसे दे देता है । और उस वृक्ष के ठूंठ को जड़ समेत छोड़ने की आज्ञा जो हुई इस का फल यह है कि तेरा राज्य तेरे लिये बना रहेगा और जब तू जान ले कि जगत का प्रभु स्वर्ग ही में है तब से तू फिर राज्य करने पाएगा । इस कारण हे राजा मेरी यह सम्मति तुझे मानने के योग्य जान पड़े कि तू पाप छोड़कर धर्म्म करने लगे और अधर्म्म छोड़कर दीन हीनों पर दया करने लगे क्या जानिये ऐसा करने से तेरा चैन बना रहे ।

यह सब कुछ नबूकदनेस्सर राजा पर घट गया । बारह महीने के बीते पर वह बाबेल के राजभवन की छत पर टहल रहा था । तब वह कहने लगा क्या यह बड़ा बाबेल नहीं है जिसे मैं ही ने अपने बल और सामर्थ्य से राजनिवास होने को अपने प्रताप की बड़ाई के लिये बसाया है । यह बचन राजा के मुंह से निकलने न पाया कि यह आकाशवाणी हुई कि हे राजा नबूकदनेस्सर तेरे विषय आज्ञा निकलती है राज्य तेरे हाथ से छूट गया । और तू मनुष्यों के बीच से निकाला जाएगा और मैदान के पशुओं के संग रहेगा और बैलों की नाईं घास चरेगा । उसी घड़ी यह बचन नबूकदनेस्सर के विषय में पूरा हुआ अर्थात वह मनुष्यों में से निकाला गया और बैलों की नाईं घास चरने लगा और उस की देह आकाश की ओस से भीगती थी यहां लों कि उस के बाल उकाब पक्षियों के परों के और उस के नाखून चिड़ियों के चंगुलों के समान बढ़ गये ।

उन दिनों के बीते पर मुझ नबूकदनेस्सर ने अपनी आंखें स्वर्ग की ओर उठाईं और मेरी बुद्धि फिर ज्यों की त्यों हो गई तब मैं ने परमप्रधान को धन्य कहा और जो सदा लों जीता रहता है उस की स्तुति और महिमा यह कहकर करने लगा कि उसकी प्रभुता सदा की है और उस का राज्य पीढ़ी से पीढ़ी लों बना रहनेहारा है। और पृथिवी के सारे रहनेहारे उस के साम्हने तुच्छ गिने जाते हैं और वह स्वर्ग की सेना और पृथिवी के रहनेहारों के बीच अपनी ही इच्छा के अनुसार काम करता है और कोई उस को रोककर उस से नहीं कह सकता कि तू ने यह क्या किया है ।

उसी समय मेरी बुद्धि फिर ज्यों की त्यों हो गई और मेरे राज्य की महिमा के लिये मेरा प्रताप और शोभा मुझ में फिर आ गई और मेरे मंत्री और और प्रधान लोग मुझ से भेंट करने को आने लगे और मैं अपने राज्य में स्थिर हो गया और मेरी विशेष बड़ाई होने लगी ।

सो अब मैं नबूकदनेस्सर स्वर्ग के राजा को सराहता और उस की स्तुति और महिमा करता हूं क्योंकि उस के सब काम सच्चे और उस के सब व्यवहार न्याय के हैं और जो लोग गर्व्व से चलते हैं उन को वह नीचा कर सकता है ।

बेलशस्सर की जेवनार ।

(दानि: ५)

बेलशस्सर नाम राजा ने अपने हजार प्रधानों के लिये बड़ी जेवनार किई और बेलशस्सर ने आज्ञा दिई कि सोने चांदी के जो पात्र मेरे पिता नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम के मन्दिर में से निकाले थे सो ले आओ कि राजा अपने प्रधानों और

रानियों और रखेलियों समेत उन से पीए। वे दाखमधु पी पीकर सोने चांदी पीतल लोहे काठ और पत्थर के देवताओं की स्तुति कर रहे थे।

उसी घड़ी मनुष्य के हाथ की सी कई अंगुलियां निकलकर दीवट के साम्हने राजमन्दिर की भीत के चूने पर कुछ लिखने लगीं और हाथ का जो भाग लिख रहा था सो राजा को देख पड़ा। उसे देखकर राजा की श्रीहत हो गई और वह सोचते सोचते घबरा गया और उस की कटि के जोड़ ढीले हो गये और कांपते कांपते उस के घुटने एक दूसरे से लगने लगे। तब राजा ने ऊंचे शब्द से पुकारके तन्त्रियों कसदियों और और होनहार बतानेहारों को हाजिर कराने की आज्ञा दिई। तब राजा उन से कहने लगा जो कोई वह लिखा हुआ बांचे और उस का अर्थ मुझे समझाए उसे बैंजनी रंग का वस्त्र और उस के गले में सोने का कण्ठा पहिनाया जाएगा और मेरे राज्य में तीसरा वही प्रभुता करेगा।

तब राजा के सब पण्डित लोग भीतर तो आये पर उस लिखे हुए को बांच न सके और न राजा को उस का अर्थ समझा सके। इस पर बेलशस्सर राजा निपट घबरा गया और उस की श्रीहत हो गई।

रानी जेवनार के घर में आई और कहने लगी हे राजा तू युगयुग जीता रहे मन में न घबरा और न तेरी श्रीहत हो। क्योंकि तेरे राज्य में एक पुरुष है जिस में पवित्र ईश्वरों का आत्मा रहता है और उस राजा के दिनों में प्रकाश प्रवीणता और ईश्वरों के तुल्य बुद्धि उस में पाई गई और हे राजा तेरा पिता जो राजा था उस को सब ज्योतिषियों तन्त्रियों कसदियों और और होनहार बतानेहारों का प्रधान ठहराया था। क्योंकि उस में उत्तम आत्मा ज्ञान और प्रवीणता और स्वप्नों का फल बताने और पहेलियां खोलने और संदेह दूर करने की शक्ति पाई गई। सो अब दानिय्येल बुलाया जाए और वह इस का अर्थ बताएगा।

तब दानिय्येल राजा के साम्हने भीतर बुलाया गया। राजा ने दानिय्येल से कहा यदि तू उस लिखे हुए को बांच सके और उस का अर्थ भी मुझे समझा सके तो तुझे बैंजनी रंग का वस्त्र और तेरे गले में सोने का कंठा पहिनाया जाएगा और राज्य में तीसरा तू ही प्रभुता करेगा।

——

दानिय्येल भीत पर लिखी हुई बात को पढ़ता।

(दानि: ५ : १७)

दानिय्येल ने राजा से कहा अपने दान अपने ही पास रख और जो बदला तू देने चाहता है सो दूसरे को दे मैं वह लिखी हुई बात राजा को पढ़ सुनाऊंगा।

हे राजा परम प्रधान परमेश्वर ने तेरे पिता नबूकदनेस्सर को राज्य बड़ाई प्रतिष्ठा और प्रताप दिया था। और उस बड़ाई के कारण जो उस ने उस को दी थी देश देश और जाति जाति के सब लोग और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारे उसके साम्हने कांपते और थरथराते थे जिस को वह चाहता उसे वह घात कराता था और जिस को वह चाहता उसे वह जीता रखता था जिस को वह चाहता उसे वह ऊंचा पद देता था और जिस को वह चाहता उसे वह गिरा देता था।

निदान जब उस का मन फूल उठा और उस का आत्मा कठोर हो गया जब वह अपने राजसिंहासन पर से उतारा गया और उस की प्रतिष्ठा भङ्ग किई गई, और वह मनुष्यों में से निकाला गया और उस का मन पशुओं का सा और उस का निवास बनैले गदहों के बीच हो गया वह बैलों की नाईं घास चरता और उस का शरीर आकाश की ओस से भीगा करता था जब लों कि उस ने जान न लिया कि परम प्रधान परमेश्वर मनुष्यों के राज्य में प्रभुता करता और जिसे चाहता उसी को उसपर अधिकारी ठहराता है। तौ भी हे बेलशस्सर तू जो उस का पुत्र है यद्यपि यह सब कुछ जानता था तौ भी तेरा मन नम्र न हुआ। बरन तू ने स्वर्ग के प्रभु के विरुद्ध सिर उठा उस के भवन के पात्र मंगाकर अपने साम्हने धरवा लिये और अपने प्रधानों और रानियों और रखेलियों समेत तू ने उन से दाखमधु

पिया और चांदी सोने पीतल लोहे काठ और पत्थर के देवता उन की तो स्तुति किई परन्तु परमेश्वर जिस के हाथ में तेरा प्राण है और जिस के बश में तेरा सब चलना फिरना है उस का सन्मान तू ने नहीं किया। तब ही यह हाथ का एक भाग उसी की ओर से प्रगट किया गया और वे शब्द लिखे गये। और जो शब्द लिखे गये सो ये हैं अर्थात मने मने तकेल ऊपर्सीन। इस वाक्य का अर्थ यह है मने परमेश्वर ने तेरे राज्य के दिन गिनकर उस का अन्त कर दिया है। तकेल तू मानो तुला में तौला गया और हलका जचा है। परेस तेरा राज्य बांटकर मादियों और फारसियों को दिया गया है। तब बेलशस्सर ने आज्ञा दिई और दानिय्येल को बैंजनी रंग का वस्त्र और उस के गले में सोने का कंठा पहिनाया गया और ढंढोरियों ने उस के विषय में पुकारा कि राज्य में तीसरा दानिय्येल ही प्रभुता करेगा।

दानिय्येल का राज्य के ऊपर अध्यक्ष ठहराया जाना।

(दानि: ५ : ३०-६)

उसी रात को कसदियों का राजा बेलशस्सर मार डाला गया। और दारा मादी राजगद्दी पर विराजने लगा।

दारा को यह भावा कि अपने राज्य के ऊपर एक सौ बीस ऐसे अधिपति ठहराए जो सारे राज्य में अधिकार रक्खें। और उन के ऊपर उस ने तीन अध्यक्ष जिन में से दानिय्येल एक था ठहराये। जब यह देखा गया कि दानिय्येल में उत्तम आत्मा रहता है तब उस को उन अध्यक्षों और अधिपतियों से अधिक प्रतिष्ठा मिली बरन राजा यह भी सोचता था कि उस को सारे राज्य के ऊपर ठहराऊंगा। तब अध्यक्ष और अधिपति दानिय्येल के विरुद्ध राजकार्य्य के विषय गौं ढूंढ़ने लगे पर वह जो बिश्वासयोग्य था और उस के काम में कोई भूल वा दोष न निकला सो वे ऐसी कोई गौं वा दोष न पा सके।

तब वे लोग कहने लगे हम उस दानिय्येल के परमेश्वर की व्यवस्था को छोड़ और किसी विषय में उस के विरुद्ध कोई गौं न पा सकेंगे।

सो वे अध्यक्ष और अधिपति राजा के पास उतावली से आये और उस से कहा हे राजा दारा तू युगयुग जीता रहे। राज्य के सारे अध्यक्षों ने और हाकिमों अधिपतियों न्यायियों और गवरनरों ने भी आपस में संमति किई है कि राजा ऐसी आज्ञा दे और ऐसी सखत मनाही करे कि तीस दिन लों जो कोई हे राजा तुझे छोड़ किसी और मनुष्य से वा देवता से बिनती करे सो सिंहों के गड़हे में डाल दिया जाए। सो अब हे राजा ऐसी मनाही कर दे और इस पत्र पर दस्तखत कर जिस से यह बात मादियों और फारसियों की अटल व्यवस्था के अनुसार अदल बदल न हो। तब दारा राजा ने उस मनाही के लिये पत्र पर दस्तखत किया।

जब दानिय्येल को मालूम हुआ कि उस पत्र पर दस्तखत किया गया है तब अपने घर में गया जिस की उपरौठी कोठरी की खिड़कियां यरूशलेम के साम्हने खुली रहती थीं और अपनी पहिली रीति के अनुसार जैसा वह दिन में तीन बार अपने परमेश्वर के साम्हने घुटने टेककर प्रार्थना और धन्यवाद करता था वैसा ही तब भी करता रहा। सो उन पुरुषों ने उतावली से आकर दानिय्येल को अपने परमेश्वर के साम्हने बिनती करते और गिड़गिड़ाते हुए पाया। तब उन्हों ने राजा के पास आकर उस से कहा दानिय्येल ने हे राजा न तो तेरी ओर कुछ ध्यान दिया न तेरे दस्तखत किए हुए मनाही के पत्र की ओर। वह दिन में तीन बार बिनती किया करता है।

यह बचन सुनकर राजा बहुत उदास हुआ और दानिय्येल के बचाने के उपाय सोचने लगा और सूर्य्य के अस्त होने लों उस के बचाने का यत्न करता रहा।

तब वे पुरुष राजा के पास उतावली से आकर कहने लगे हे राजा यह जान रख मादियों और फारसियों में यह व्यवस्था है कि जो जो मनाही वा आज्ञा राजा ठहराये सो नहीं बदल सकती।

सिंहों का गड़हा।

(दानि: ६ : १६)

तब राजा ने आज्ञा दिई और दानिय्येल लाकर सिंहों के गड़हे में डाल दिया गया।

उस समय राजा ने दानिय्येल से कहा तेरा परमेश्वर जिसकी तू नित्य उपासना करता है सोई तुझे बचाएगा। तब एक पत्थर लाकर उस गड़हे के मुंह पर रक्खा गया और राजा ने उस पर अपनी अंगूठी से और अपने प्रधानों की अंगूठियों से छाप दिई कि दानिय्येल के विषय में कुछ बदलने न पाए।

तब राजा अपने मन्दिर में चला गया और उस रात को बिना भोजन बिताया और न उस के पास सुख विलास की कोई वस्तु पहुंचाई गई और न नींद उस को कुछ भी आई।

भोर को पह फटते राजा उठा और सिंहों के गड़हे की ओर फुर्ती करके चला। जब राजा गड़हे के निकट आया तब शोकभरी वाणी से चिल्लाने लगा और दानिय्येल से कहने लगा हे दानिय्येल हे जीवते परमेश्वर के दास क्या तेरा परमेश्वर जिस को तू नित्य उपासना करता है तुझे सिंहों से बचा सका है।

तब दानिय्येल ने राजा से कहा हे राजा तू युगयुग जीता रहे। मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिंहों के मुंह को ऐसा बन्द कर रक्खा है कि उन्हों ने मेरी कुछ भी हानि नहीं किई।

तब राजा ने दानिय्येल के विषय में बहुत आनन्दित होकर उस को गड़हे में से निकालने की आज्ञा दिई। सो दानिय्येल गड़हे में से निकाला गया और उस में हानि का कोई चिन्ह पाया न गया इस कारण कि वह अपने परमेश्वर पर बिश्वास रखता था। तब जिन पुरुषों ने दानिय्येल की चुगली खाई थी लाकर सिंहों के गड़हे में डाल दिये और सिंहों ने उन को छापकर सब हड्डियों समेत उन को चबा डाला।

तब दारा राजा ने सारी पृथिवी के रहनेहारे देश देश और जाति जाति के सब लोगों और भिन्न भिन्न भाषा बोलनेहारों के पास यह लिखा कि तुम्हारा बहुत कुशल हो। मैं यह आज्ञा देता हूं कि जहां जहां मेरे राज्य का अधिकार है वहां वहां के लोग दानिय्येल के परमेश्वर के सन्मुख कांपते और थरथराते रहें क्योंकि जीवता और युगयुग ठहरनेहारा परमेश्वर वही है और उस का राज्य अविनाशी और उस की प्रभुता सदा स्थिर रहेगी। जिस ने दानिय्येल को सिंहों से बचाया है सो बचाने और छुड़ानेहारा और स्वर्ग में और पृथिवी पर चिन्हों और चमत्कारों का करनेहारा ठहरा है।

और दानिय्येल दारा और कुस्रू फारसी दोनों के राज्य के दिनों में भाग्यवान रहा।

एज्रा का बन्धुआई से लौट जाने का वर्णन।

(एज्रा १)

फारस के राजा कुस्रू के पहिले बरस में यहोवा ने फारस के राजा कुस्रू का मन उभारा कि उस ने अपने सारे राज्य में यह प्रचार कराया और लिखा भी दिया कि, फारस का राजा कुस्रू यों कहता है कि स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा ने पृथिवी भर का राज्य मुझे दिया है और उस ने मुझे आज्ञा दिई कि यहूदा के यरूशलेम में मेरा एक भवन बनवा। उस की सारी प्रजा के लोगों में से तुम्हारे बीच जो कोई हो उस का परमेश्वर उस के संग रहे और वह यहूदा के यरूशलेम को जाकर यहोवा का भवन बनाए। और जो कोई किसी स्थान में रह गया हो जहां वह रहता हो उस स्थान के मनुष्य चांदी सोना धन और पशु देकर उस की सहायता करें और इस से अधिक परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन के लिये अपनी अपनी इच्छा से भी भेंट करें।

तब यहूदा और बिन्यामीन के जितने पितरों के घरानों के मुख्य पुरुषों और याजकों और लेवीयों का मन परमेश्वर ने उभारा कि जाकर यहोवा के यरूशलेम में के भवन को बनाएं सो सब उठ खड़े हुए। और उन के आसपास सब रहनेवालों ने चांदी

के पात्र सोना धन पशु और अनमोल वस्तुएं देकर उन की सहायता किई।

फिर यहोवा के भवन के जो पात्र नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम से निकालकर अपने देवता के भवन में रक्खे थे उन को कुस्रू राजा ने मिथ्रूदात खजांची से निकलवाकर यहूदियों के शेशबस्सर नाम प्रधान को गिनकर सौंप दिया। उन की गिनती यह थी अर्थात सोने के तीस और चांदी के एक हजार परात और उनतीस छुरी, सोने के तीस और मध्यम प्रकार के चांदी के चार सौ दस कटोरे और और प्रकार के पात्र एक हजार। सोने चांदी के पात्र सब मिलकर पांच हजार चार सौ हुए।

इन सभों को शेशबस्सर उस समय ले आया जब बंधुए बाबेल से यरूशलेम को आये।

सारी मण्डली मिलकर बयालीस हजार तीन सौ साठ की थी। इन को छोड़ इन के सात हजार तीन सौ सैंतीस दास दासियां और दो सौ गानेवाले और गानेवालियां थीं। उन के घोड़े सात सौ छत्तीस खच्चर दो सौ पैंतालीस, ऊंट चार सौ पैंतीस और गदहे छः हजार सात सौ बीस थे। और पितरों के घरानों के कुछ मुख्य मुख्य पुरुषों ने जब यहोवा के यरूशलेम में के भवन को आये तब परमेश्वर के भवन को उसी के स्थान में खड़ा करने के लिये अपनी अपनी इच्छा से कुछ दिया। उन्हों ने अपनी अपनी पूंजी के अनुसार इकसठ हजार दर्कमोन सोना और पांच हजार माने चांदी और याजकों के योग्य एक सौ अंगरखे अपनी अपनी इच्छा से उस काम के खजाने में दे दिये। सो याजक और लेवीय और लोगों में से कुछ और गवैये और डेवढ़ीदार और नतीन लोग अपने अपने नगर में और सब इस्राएली अपने अपने नगर में फिर बस गये।

जब सातवां महीना आया और इस्राएली अपने अपने नगर में बसे थे तब लोग यरूशलेम में एक मन होकर एकट्ठे हुए। तब अपने भाई याजकों समेत येशू ने और अपने भाइयों समेत जरुब्बाबेल ने कमर बांधकर इस्राएल के परमेश्वर की वेदी को बनाया कि उस पर दिन दिन सवेरे और सांझ के होमबलि चढ़ाने लगे। और उन्हों ने पत्थर गढ़ने हारों और कारीगरों को रुपैया और सीदोनी और सोरी लोगों को खाने पीने की वस्तुएं और तेल दिया कि वे फारस के राजा कुस्रू के परवाने के अनुसार देवदारु की लकड़ी लबानोन से यापो के पास के समुद्र में पहुंचाएं।

मन्दिर की नेव डाली जानी।

(एज्रा ३ : ८)

परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन को आने के दूसरे बरस के दूसरे महीने में जरुब्बाबेल ने और जो येशू ने और उन के और भाइयों ने जो याजक और लेवीय थे और जितने बंधुआई से यरूशलेम में आये थे उन्हों ने भी काम का आरम्भ किया और जब राजों ने यहोवा के मन्दिर की नेव डाली तब अपने वस्त्र पहिने हुए और तुरहियां लिये हुए याजक और झांझ लिये हुए लेवीय इस लिये ठहराये गये कि दाऊद की चलाई हुई रीति के अनुसार यहोवा की स्तुति करें। सो वे यह गा गाकर यहोवा की स्तुति और धन्यवाद करने लगे कि वह भला है और उस की करुणा इस्राएल पर सदा की है। और जब वे यहोवा की स्तुति करने लगे तब सब लोगों ने यह जानकर कि यहोवा के भवन की नेव अब पड़ रही है ऊंचे शब्द से जय-जयकार किया। परन्तु बहुतेरे याजक और लेवीय और पितरों के घरानों के मुख्य पुरुष अर्थात वे बूढ़े जिन्हों ने पहिला भवन देखा था जब इस भवन की नेव उन की आंखों के साम्हने पड़ी तब फूट फूटकर रोये और बहुतेरे आनन्द के मारे ऊंचे शब्द से जय-जयकार कर रहे थे। सो लोग आनन्द के जयजयकार का शब्द लोगों के रोने के शब्द से अलग पहिचान न सके क्योंकि लोग ऊंचे शब्द से जयजयकार कर रहे थे और वह शब्द दूर लों सुनाई देता था।

चिट्ठी जो राजा को लिखी गई।

(एज्रा ४, ५)

जब यहूदा और बिन्यामीन के शत्रुओं ने यह सुना कि बंधुआई से छूटे हुए लोग इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के लिये मन्दिर बना रहे हैं, तब वे जरुब्बाबेल और पितरों के घरानों के मुख्य मुख्य पुरुषों के पास आकर उन से कहने लगे हमें भी अपने संग बनाने दो क्योंकि तुम्हारी नाईं हम भी तुम्हारे परमेश्वर की खोज में लगे हैं। जरुब्बाबेल येशू और इस्राएल के पितरों के घरानों के मुख्य पुरुषों ने उन से कहा हमारे परमेश्वर के लिये भवन बनाने में तुम को हम से कुछ काम नहीं हम ही लोग एक संग होकर फारस के राजा कुस्रू की आज्ञा के अनुसार इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के लिये उसे बनाएंगे।

तब उस देश के लोग यहूदियों के हाथ ढीले करने और उन्हें डराकर बनाने में रोकने लगे, और रुपैया देकर उन का विरोध करने को वकील करके फारस के राजा कुस्रू के जीवन भर बरन फारस के राजा दारा के राज्य के समय लों यहूदियों की युक्ति निष्फल कर रक्खी।

क्षयर्ष के राज्य के पहिले दिनों में तो उन्हों ने यहूदा और यरूशलेम के निवासियों का दोष पत्र लिख भेजा फिर अर्तक्षत्र के दिनों में रहूम राजमंत्री और शिमशै मंत्री ने यरूशलेम के विरुद्ध राजा अर्तक्षत्र को इस आशय की चिट्ठी लिखी।

जो चिट्ठी उन्हों ने अर्तक्षत्र राजा को लिखी उस की यह नकल है।

राजा को यह विदित हो कि जो यहूदी तेरे पास से चले आये सो हमारे पास यरूशलेम को पहुंचे हैं वे उस दंगैत और घिनौने नगर को बसा रहे हैं बरन उस की शहरपनाह को खड़ा कर चुके और उस की नेव को जोड़ चुके हैं।

अब राजा को विदित हो कि यदि वह नगर बसाया जाए और उस की शहरपनाह बन चुके तो वे लोग कर चुंगी और राहदारी फिर न देंगे और अन्त में राजाओं की हानि होगी।

हम लोग तो राजमन्दिर का नमक खाते हैं और उचित नहीं कि राजा का अनादर हमारे देखते हो इस कारण हम यह चिट्ठी भेजकर राजा को चिता देते हैं, इस लिये कि तेरे पुरखाओं के इतिहास की पुस्तक में खोज की जाए तब इतिहास की पुस्तक में तू यह पाकर जान लेगा कि वह नगर बलवा करनेहारा है। और इस कारण वह नगर नाश भी किया गया।

हम राजा को चिता रखते हैं कि यदि वह नगर बसाया जाए तो इस कारण से महानद के इस पार तेरा कोई भाग न रह जाएगा।

तब राजा ने रहूम राजमंत्री के पास यह उत्तर भेजा कि कुशल इत्यादि। जो चिट्ठी तुम लोगों ने हमारे पास भेजी सो मेरे साम्हने पढ़कर साफ़ साफ़ सुनाई गई। और मेरी आज्ञा से खोज किये जाने पर जान पड़ा है कि वह नगर प्राचीनकाल से राजाओं के विरुद्ध सिर उठाता आया और उस में दंगा और बलवा होता आया है। सो अब आज्ञा प्रचारो कि वे मनुष्य रोके जाएं और वह नगर बनाया न जाए। और चौकस रहो कि इस बात में ढीले न होना राजाओं की हानि करने वाली वह बुराई क्यों बढ़ने पाए।

जब राजा अर्तक्षत्र की यह चिट्ठी पढ़कर सुनाई गई तब वे उतावली करके यरूशलेम को यहूदियों के पास गये और भुजबल और बरियाई से उन को रोक दिया।

तब परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन का काम रुक गया और फारस के राजा दारा के राज्य के दूसरे बरस लों रुका रहा।

तब हग्गै नाम नबी और जकर्याह यहूदा और यरूशलेम के यहूदियों से नबूवत करने लगे। सो जरुब्बाबेल और येशू कमर बांधकर परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन को बनाने लगे।

और उसी समय महानद के इस पार का तत्तनै नाम अधिपति उन के पास जाकर यों पूछने लगे कि इस भवन के बनाने और इस शहरपनाह के खड़े करने की किस ने तुम को आज्ञा दी है। तब हम

लोगों ने उन से यह कहा कि इस भवन के बनाने वालों के क्या क्या नाम हैं।

और तत्तनै ने दारा के पास एक चिट्ठी लिखी जिस में यह लिखा था कि

राजा दारा का कुशल क्षेम सब प्रकार से हो। राजा को विदित हो कि हम लोग यहूदा नाम प्रान्त में महान परमेश्वर के भवन के पास गये थे, वह बड़े बड़े पत्थरों से बन रहा है और उस की भीतों में कड़ियां जुड़ रही हैं और यह काम उन लोगों से फुर्ती के साथ हो रहा और सुफल भी हो जाता है।

सो हमने उन पुरनियों से यों पूछा कि यह भवन बनवाने और यह शहरपनाह खड़ी करने की आज्ञा किसने तुम्हें दी। और उन्होंने हमें यों उत्तर दिया कि हम तो आकाश और पृथिवी के परमेश्वर के दास हैं और जिस भवन को बहुत बरस हुये इस्राएलियों के एक बड़े राजा ने बनाकर तैयार किया था उसी को हम बना रहे हैं। जब हमारे पुरखाओं ने स्वर्ग के परमेश्वर को रिस दिलाई थी तब उसने उन्हें बाबेल के कसदी राजा नबूकदनेस्सर के हाथ में कर दिया और उस ने इस भवन को नाश किया और लोगों को बंधुआ करके बाबेल को ले गया। पर बाबेल के राजा कुस्रू के पहिले बरस में उसी कुस्रू राजा ने परमेश्वर के इस भवन के बनाने की आज्ञा दी। और परमेश्वर के भवन के जो सोने और चांदी के पात्र नबूकदनेस्सर यरूशलेम में के मंदिर में से निकलवाकर बाबेल में के मन्दिर में ले गया था उन को राजा कुस्रू ने बाबेल में के मन्दिर में से निकलवाकर कहा ये पात्र ले जाकर यरूशलेम में के मन्दिर में रख तब से अब लों यह बन रहा है पर अब लों नहीं बन चुका।

सो अब यदि राजा को भाए तो बाबेल में के राजभण्डार में इस बात की खोज किई जाए कि राजा कुस्रू ने सचमुच परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन के बनाने की आज्ञा दिई थी वा नहीं तब राजा इस विषय में अपनी इच्छा हम को जताए।

राजा दारा की आज्ञा।

(एज्रा ६)

तब राजा दारा की आज्ञा से बाबेल के पुस्तकालय में जहां खजाना भी रहता था खोज किई गई। और एक पुस्तक मिली जिस में यह वृत्तान्त लिखा था कि

राजा कुस्रू के पहिले बरस में उसी कुस्रू राजा ने यह आज्ञा दिई कि परमेश्वर के यरूशलेम में के भवन के विषय, वह भवन बनाया जाए और इन की लागत राजभवन में से दिई जाए। और परमेश्वर के भवन के जो सोने और चांदी के पात्र नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम में के मन्दिर में से निकलवाकर बाबेल को पहुंचा दिये थे सो लौटाकर यरूशलेम में पहुंचाये जाएं और तू उन्हें परमेश्वर के भवन में रख देना।

सो अब हे महानद के पार के अधिपति तत्तनै वहां से अलग रहो। परमेश्वर के उस भवन के काम को रहने दो यहूदियों का अधिपति और यहूदियों के पुरनिये परमेश्वर के उस भवन को उसी के स्थान पर बनाने पाएं। वरन मैं आज्ञा देता हूं कि तुम्हें यहूदियों के उन पुरनियों से ऐसा वर्ताव करना होगा कि परमेश्वर का वह भवन बनाया जाए अर्थात राजा के धन में से महानद के पार के कर में से उन पुरुषों को फुर्ती के साथ खर्चा दिया जाए ऐसा न हो उन को रुकना पड़े। और जिस जिस वस्तु का उन्हें प्रयोजन हो उन्हें बिना भूल चूक दिन दिन दिया जाए, इस लिये कि वे स्वर्ग के परमेश्वर को सुखदायक सुगंधवाले बलि चढ़ाकर राजा और राजकुमारों के दीर्घायु के लिये प्रार्थना किया करें।

फिर मैं ने आज्ञा दिई है कि जो कोई यह आज्ञा टाले उस के घर में से कड़ी निकाली जाए और उस पर वह आप चढ़ाकर जकड़ा जाए और उसका घर इस अपराध के कारण घूरा बनाया जाए। और परमेश्वर जिस ने वहां अपने नाम का निवास ठहराया है सो क्या राजा क्या प्रजा उन सभों को उलट दे जो यह आज्ञा टालने और परमेश्वर के भवन को

जो यरूशलेम में है नाश करने के लिये हाथ बढ़ाएं।

मुझ दारा ने यह आज्ञा दिई है फुर्ती से ऐसा ही करना।

सो यहूदी पुरनिये मन्दिर को बनाते रहे और कृतार्थ भी हुए। सो वह भवन राजा दारा के राज्य के छठवें बरस में बन चुका। तब इस्राएली और जितने बंधुआई से आये थे उन्हों ने परमेश्वर के उस भवन की प्रतिष्ठा उत्सव के साथ किई। और उस भवन की प्रतिष्ठा में उन्हों ने एक सौ बैल और दो सौ मेढ़े और चार सौ मेम्ने और बारह बकरे चढ़ाये। तब इस्राएली पर्व सात दिन लों आनन्द के साथ मानते रहे क्योंकि यहोवा ने अश्शूर के राजा का मन उन की ओर ऐसा फेर दिया था कि उस ने उन को हियाव बंधाया था।

नहेम्याह, राजा का पिलानेहारा।

(नहेम्याह १)

जब मैं शूशन नाम राजगढ़ में रहता था, तब हनानी नाम मेरा एक भाई और यहूदा से आये हुए कई एक पुरुष आये तब मैं ने उन से उन बचे हुए यहूदियों के विषय जो बंधुआई से छूट गये थे और यरूशलेम के विषय पूछा। उन्हों ने मुझ से कहा जो बचे हुए लोग बंधुआई से छूटकर उस प्रान्त में रहते हैं सो बड़ी दुर्दशा में पड़े हैं और यरूशलेम की शहरपनाह टूटी हुई और उस के फाटक जले हुए हैं।

ये बातें सुनते ही मैं बैठकर रोने लगा और कितने दिन तक विलाप करता और स्वर्ग के परमेश्वर के सन्मुख उपवास और यह कहकर प्रार्थना करता रहा कि, हे स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा हे महान और भययोग्य ईश्वर तू जो अपने प्रेम रखनेहारों और आज्ञा माननेहारों के विषय अपनी वाचा पालता और उन पर करुणा करता है, तू कान लगाये और आंखें खोले रह कि जो प्रार्थना मैं तेरा दास इस समय तेरे दास इस्राएलियों के लिये दिन रात करता रहता हूं उसे तू सुन ले। हम ने तेरे साम्हने बहुत बुराई किई है और जो आज्ञाएं विधियां और नियम तू ने अपने दास मूसा को दिये थे उन को हम ने नहीं माना।

उस वचन की सुधि ले जो तू ने अपने दास मूसा से कहा था कि यदि तुम लोग विश्वासघात करो तो मैं तुम को देश देश के लोगों में तितर बितर करूंगा, पर यदि तुम मेरी ओर फिरो और मेरी आज्ञाएं मानो और उन पर चलो तो चाहे तुम में से धकियाये हुए लोग आकाश की छोर में भी हों तौभी मैं उन को वहां से एकट्ठा करके उस स्थान में पहुंचाऊंगा जिसे मैं ने चुन लिया है।

अब वे तेरे दास और तेरी प्रजा के लोग हैं जिन को तू ने अपने बड़े सामर्थ्य और बलवन्त हाथ के द्वारा छुड़ा लिया है। हे प्रभु बिनती यह है कि तू अपने दास की प्रार्थना पर कान लगा और आज अपने दास का काम सुफल कर और उस पुरुष को उस पर दयालु कर। मैं तो राजा का पिलानेहारा था।

अर्तक्षत्र राजा के बीसवें बरस में जब उस के साम्हने दाखमधु था तब मैं ने दाखमधु उठाकर राजा को दिया। उस से पहिले तो मैं उस के साम्हने उदास कभी न हुआ था। सो राजा ने मुझ से पूछा तू तो रोगी नहीं है फिर तेरा मुंह क्यों उतरा है यह तो मन ही की उदासी होगी।

तब मैं अत्यन्त डर गया, और राजा से कहा राजा सदा जीता रहे जब वह नगर जिस में मेरे पुरखाओं की कबरें हैं उजाड़ पड़ा और उस के फाटक जले हुए हैं तो मेरा मुंह क्यों न उतरे।

राजा ने मुझ से पूछा फिर तू क्या मांगता है तब मैं ने स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना करके, राजा से कहा यदि राजा को भाए और तू अपने दास से प्रसन्न हो तो मुझे यहूदा और मेरे पुरखाओं की कबरों के नगर को भेज कि मैं उसे बनाऊं। तब राजा ने जिस के पास रानी बैठी थी मुझ से पूछा तू कितने दिन लों परदेश रहेगा और कब लौटेगा। सो राजा मुझे भेजने को प्रसन्न हुआ और मैं ने उस के लिये एक समय ठहराया। फिर मैं ने राजा से कहा यदि राजा को भाए तो महानद के पार के

अधिपतियों के लिये इस आशय की चिट्ठियां मुझे दिई जाएं कि जब लों मैं यहूदा को न पहुंचूं तब लों वे मुझे अपने अपने देश से होकर जाने दें। और सरकारी जंगल के रखवाले आसाप के लिये भी इस आशय की चिट्ठी मुझे दिई जाए कि वह मुझे भवन से लगे हुए राजगढ़ की कड़ियों के लिये और शहरपनाह के और उस घर के लिये जिस में मैं जाकर रहूंगा लकड़ी दे। मेरे परमेश्वर की कृपादृष्टि मुझ पर रही इस से राजा ने मुझे यह दिया।

तब मैं ने महानद के पार के अधिपतियों के पास जाकर उन्हें राजा की चिट्ठियां दिईं। राजा ने तो मेरे संग सेनापति और सवार भेजे थे।

यरूशलेम के बनानेवाले।

(नहे: २, ३, ४)

जब मैं यरूशलेम पहुंच गया तब वहां तीन दिन रहा। तब मैं थोड़े पुरुषों समेत रात को उठा मैं ने तो किसी को न बताया कि मेरे परमेश्वर ने यरूशलेम के हित के लिये मेरे मन में क्या उपजाया था सो मैं रात को तराई के फाटक होकर निकला और अजगर के सोते की ओर गया और यरूशलेम की टूटी पड़ी हुई शहरपनाह और जले फाटकों को देखा। तब मैं आगे बढ़कर सोते के फाटक और राजा के कुण्ड के पास गया पर मेरी सवारी के पशु के लिये आगे जाने को स्थान न था। तब मैं रात ही रात नाले से होकर शहरपनाह को देखता हुआ चढ़ गया फिर घूमकर तराई के फाटक से भीतर आया और यों लौट गया।

और हाकिम न जानते थे कि मैं कहां गया और क्या करता था वरन मैं ने तब तक न तो यहूदियों को कुछ बताया था न याजकों न रईसों न हाकिमों न दूसरे काम करनेहारों को। तब मैं ने उन से कहा तुम तो आप देखते हो कि हम कैसी दुर्दशा में हैं कि यरूशलेम उजाड़ पड़ा और उस के फाटक जले हुए हैं सो आओ हम यरूशलेम की शहरपनाह को उठाएं कि आगे को हमारी नामधराई न रहे। फिर मैं ने उन को बतलाया कि मेरे परमेश्वर की कृपादृष्टि मुझ पर कैसी हुई और राजा ने मुझ से क्या क्या बातें कही थीं तब उन्हों ने कहा आओ हम कमर बान्धकर बनाने लगें और उन्हों ने वह भला काम करने को हियाव बांध लिया।

यह सुनकर होरोनी सम्बल्लत और तोबिय्याह नाम कर्मचारी जो अम्मोनी था और गेशेम नाम एक अरबी हमें ठट्ठों में उड़ाने लगे और हमें तुच्छ जानकर कहने लगे यह तुम क्या काम करते हो क्या तुम राजा के विरुद्ध बलवा करोगे। तब मैं ने उन को उत्तर देकर उन से कहा स्वर्ग का परमेश्वर हमारा काम सुफल करेगा इस लिये हम उस के दास कमर बांधकर बनाएंगे पर यरूशलेम में तुम्हारा न तो भाग न हक न स्मरण है।

तब एल्याशीब महायाजक ने अपने भाई याजकों समेत कमर बान्धकर भेड़-फाटक को बनाया उन्हों ने उस की प्रतिष्ठा किई और उस के पल्लों को भी लगाया उस से आगे यरीहो के मनुष्यों ने बनाया फिर मछली फाटक को हस्सना के बेटों ने बनाया उन्हों ने उस की कड़ियां लगाईं और उस के पल्ले ताले और बेंड़े लगाये। और इन से आगे तकोईयों ने मरम्मत किई पर उन के रईसों ने अपने प्रभु की सेवा का जूआ अपनी गर्दन पर न लिया। फिर पुराने फाटक की मरम्मत योयादा और बसोदयाह के पुत्र मशुल्लाम ने किई उन्हों ने उस की कड़ियां लगाईं और उस के पल्ले ताले और बेंड़े लगाये। और उन से आगे गिबोनी और मिस्पा के मनुष्यों ने महानद के पार के अधिपति के सिंहासन की ओर मरम्मत किई। उन से आगे उज्जीएल ने और और सुनारों ने मरम्मत किई और इस से आगे हनन्याह ने जो गंधियों के समाज का था मरम्मत किई और उन्हों ने चौड़ी शहरपनाह लों यरूशलेम को दृढ़ किया। और उन से आगे रपायाह ने जो यरूशलेम के आधे जिले का हाकिम था मरम्मत किई। मल्किय्याह और हश्शूब ने भट्ठों के गुम्मट की मरम्मत किई। इस से आगे यरूशलेम के आधे जिले के हाकिम शल्लूम ने अपनी बेटियों समेत मरम्मत किई। तराई के फाटक की मरम्मत हानून और जानोह के निवासियों ने किई उन्हों ने उस को बनाया

और उस के ताले बेंड़े और पल्ले लगाये और हजार हाथ की शहरपनाह को भी बनाया ।

और सोताफाटक की मरम्मत शल्लूम ने किई जो मिस्पा के जिले का हाकिम था उसी ने उस को बनाया और पाटा और उस के ताले बेंड़े और पल्ले लगाये और उसी ने राजा की बारी के पास के शेलह नाम कुण्ड की शहरपनाह को भी बनाया। उस के पीछे एक और भाग की अर्थात उसी मोड़ से ले एल्याशीब महायाजक के घर के द्वार लों की मरम्मत बारूक ने तन मन से किई। उस के पीछे उन याजकों ने मरम्मत किई जो तराई के मनुष्य थे। फिर घोड़ाफाटक के ऊपर के याजकों ने अपने अपने घर के साम्हने मरम्मत किई। और कोनेवाले कोठे से ले भेड़ फाटक लों सुनारों और ब्योपारियों ने मरम्मत किई।

जब सम्बल्लत ने सुना कि यहूदी लोग शहरपनाह को बना रहे हैं तब उस ने बुरा माना और बहुत रिसियाकर यहूदियों को ठट्ठों में उड़ाने लगा। वह अपने भाइयों के और शोमरोन की सेना के साम्हने यों कहने लगा वे निर्बल यहूदी क्या किया चाहते हैं क्या वे वह काम अपने बल से करेंगे क्या वे अपना स्थान दृढ़ करेंगे क्या वे यज्ञ करेंगे क्या वे आज ही सब काम निपटा डालेंगे क्या वे मिट्टी के ढेरों में के जले हुए पत्थरों को फिर नये सिरे से बनाएंगे। उस के पास तो अम्मोनी तोबिय्याह था सो वह कहने लगा जो कुछ वे बना रहे हैं यदि कोई गीदड़ भी उस पर चढ़े तो वह उन की बनाई हुई पत्थर की शहरपनाह को तोड़ देगा। हे हमारे परमेश्वर सुन ले कि हमारा अपमान हो रहा है और उन की किई हुई नामधराई को उन्हीं के सिर पर लौटा दे और उन्हें बंधुआई के देश में लुटवा दे।

और हम लोगों ने शहरपनाह को बनाया और सारी शहरपनाह आधी ऊंचाई लों जुड़ गई क्योंकि लोगों का मन उस काम में लगा रहा।

शहरपनाह पर पहरुए ।

(नहेम्याह ४)

जब सम्बल्लत और तोबिय्याह और अरबियों अम्मोनियों और अशदोदियों ने सुना कि यरूशलेम की शहरपनाह की मरम्मत होती जाती है और उस में के नाके बन्द होने लगे तब उन्हों ने बहुत ही बुरा माना, और सभों ने एक मन से गोष्ठी किई कि हम जाकर यरूशलेम से लड़ेंगे और उस में गड़बड़ डालेंगे। पर हम लोगों ने अपने परमेश्वर से प्रार्थना किई और उन के विरुद्ध दिन रात के पहरुए ठहरा दिये।

इस कारण मैं ने लोगों को तलवारें बर्छियां और धनुष देकर शहरपनाह के पीछे सब से नीचे के खुले स्थानों में घराने घराने के अनुसार बैठा दिया। उस दिन से मेरे आधे सेवक तो उस काम में लगे और आधे बर्छियों तलवारों धनुषों और झिलमों को धारण किये रहते थे और यहूदा के सारे घराने के पीछे हाकिम रहा करते थे। शहरपनाह के बनानेहारे और बोझ के ढोनेहारे दोनों भार उठाते थे अर्थात एक हाथ से काम करते थे और दूसरे हाथ में हथियार पकड़े रहते थे। और राज अपनी अपनी जांघ पर तलवार लटकाये हुए बनाते थे। और नरसिंगे का फूंकनेहारा मेरे पास रहता था। सो मैं ने रईसों हाकिमों और सब लोगों से कहा काम तो बड़ा और फैला हुआ है और हम लोग शहरपनाह पर अलग अलग एक दूसरे से दूर रहते हैं। सो जिधर से नरसिंगा तुम्हें सुनाई दे उधर ही हमारे पास एकट्ठे हो जाना हमारा परमेश्वर हमारी ओर से लड़ेगा।

यों हम काम में लगे रहे और उन में से आधे पह फटने से तारों के निकलने लों बर्छियां लिये रहते थे। फिर उसी समय मैं ने लोगों से यह भी कहा कि एक एक मनुष्य अपने दास समेत यरूशलेम के भीतर रात बिताया करे कि वे रात को तो हमारी रखवाली करें और दिन को काम में लगे रहें। और न तो मैं अपने कपड़े उतारता था और न मेरे भाई न मेरे सेवक न वे पहरुए जो मेरे

अनुचर थे अपने कपड़े उतारते थे सब कोई पानी के पास हथियार लिये हुए आते थे।

नहेम्याह की मेज

(नहे: ५ : १५. ६. ७)

पहिले अधिपति जो मुझ से आगे थे सो प्रजा पर भार डालते थे और उन से रोटी और दाखमधु और इस से अधिक चालीस शेकेल चांदी लेते थे वरन उन के सेवक भी प्रजा के ऊपर अधिकार जताते थे पर मैं ऐसा न करता था क्योंकि मैं यहोवा का भय मानता था। फिर मैं शहरपनाह के काम में लिपटा रहा और हम लोगों ने कुछ भूमि मोल न लिई और मेरे सब सेवक काम करने के लिये वहां एकट्ठे रहते थे। फिर मेरी मेज पर खानेहारे एक सौ पचास यहूदी और हाकिम और वे भी थे जो चारों ओर की अन्य-जातियों में से हमारे पास आते थे। और जो दिन दिन के लिये तैयार किया जाता था सो एक बैल छः अच्छी अच्छी भेड़ें वा बकरियां थीं और मेरे लिये चिड़ियां भी तैयार किई जाती थीं और दस दस दिन पीछे भांति भांति का बहुत दाखमधु भी पर तौभी मैं ने अधिपति के हक का भोज नहीं लिया क्योंकि काम का भार प्रजा पर भारी था। हे मेरे परमेश्वर जो कुछ मैं ने इस प्रजा के लिये किया है उसे तू मेरे हित के लिये स्मरण रख।

बावन दिन के भीतर शहरपनाह बन चुकी। जब हमारे सब शत्रुओं ने यह सुना तब हमारी चारों ओर रहनेहारे सब अन्यजाति डर गये और बहुत लजा गये क्योंकि उन्होंने जान लिया कि यह काम हमारे परमेश्वर की ओर से हुआ।

जब शहरपनाह बन गई और मैं ने उस के फाटक खड़े किये और डेवढ़ीदार गवैये और और लेवीय लोग ठहराये गये, तब मैं ने अपने भाई हनानी और राजगढ़ के हाकिम हनन्याह को यरू-शलेम के अधिकारी ठहराया क्योंकि यह सच्चा पुरुष और बहुतेरों से अधिक परमेश्वर का भय माननेहारा था। और मैं ने उन से कहा जब लों घाम कड़ा न हो तब लों यरूशलेम के फाटक न खोले जाएं और जब पहरुए पहरा देते रहें तब ही फाटक बन्द किये और बेंड़े लगाये जाएं फिर यरू-शलेम के निवासियों में से तू रखवाले ठहरा जो अपना अपना पहरा अपने अपने घर के साम्हने दिया करें। नगर तो लम्बा चौड़ा था पर उस में लोग थोड़े थे और घर बने न थे।

बड़ी मंडली।

(नहे: ७ : ५)

सो मेरे परमेश्वर ने मेरे मन में यह उपजाया कि रईसों हाकिमों और प्रजा के लोगों को इस लिये एकट्ठे करूं कि वे अपनी अपनी वंशावली के अनुसार गिने जाएं। और मुझे पहिले पहिल यरूशलेम को आये हुओं का वंशावली पत्र मिला और उस में मैं ने यों लिखा हुआ पाया कि, जिन को बाबेल का राजा नबूकदनेस्सर बन्धुआ करके ले गया था जो लोग यरूशलेम और यहूदा को अपने अपने नगर को आये सो ये हैं।

सारी मण्डली के लोग मिलकर बयालीस हजार तीन सौ साठ ठहरे। उन को छोड़ उन के सात हजार तीन सौ सैंतीस दास दासियां और दो सौ पैंतालीस गानेहारे और गानेहारियां थीं। उन के घोड़े सात सौ छत्तीस खच्चर दो सौ पैंतालीस, ऊंट चार सौ पैंतीस और गदहे छः हजार सात सौ बीस थे।

और पितरों के घरानों के कई एक मुख्य पुरुषों ने काम के लिये दिया। अधिपति ने तो चन्दे में हजार दर्कमोन सोना पचास कटोरे और पांच सौ तीस याजकों के अंगरखे दिये। और कई पुरुषों ने उस काम के चन्दे में बीस हजार दर्कमोन सोना और दो हजार दो सौ माने चांदी दिई। और शेष प्रजा ने जो दिया सो बीस हजार दर्कमोन सोना दो हजार माने चांदी और सड़सठ याजकों के अंगरखे हुए।

लोगों का धन्यवाद करना।

(नहे: ७ : ७३,८)

सो याजक लेवीय डेवढ़ीदार गवैये प्रजा के कुछ लोग और सब इस्राएली अपने अपने नगर में बस गये।

तब उन सब लोगों ने एक मन होकर जलफाटक के साम्हने के चौक में एकट्ठे होकर एज्रा शास्त्री से कहा कि मूसा की जो व्यवस्था यहोवा ने इस्राएल को दिई थी उस की पुस्तक ले आ। सो एज्रा याजक जितने सुनकर समझ सकते थे उन सभों के साम्हने व्यवस्था को ले आया। और वह उस की बातें भोर से दो पहर लों उस चौक के साम्हने जो जलफाटक के साम्हने था क्या स्त्री क्या पुरुष सब समझनेहारों को पढ़कर सुनाता रहा और सब लोग व्यवस्था की पुस्तक पर कान लगाये रहे।

एज्रा शास्त्री काठ के एक मचान पर खड़ा हो गया और सभों के देखते उस पुस्तक को खोल दिया और जब उसने उस को खोला तब सब लोग उठ खड़े हुए। तब एज्रा ने महान परमेश्वर यहोवा को धन्य कहा और सब लोगों ने अपने अपने हाथ उठाकर आमेन आमेन कहा और सिर झुकाकर अपना अपना माथा भूमि पर टेक कर यहोवा को दण्डवत किई।

और उन्हों ने परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक में पढ़कर और टीका लगाकर अर्थ समझा दिया और लोगों ने पाठ को समझ लिया। तब एज्रा ने सब लोगों से कहा आज का दिन तो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा के लिये पवित्र है सो विलाप न करो और न रोओ क्योंकि सब लोग व्यवस्था के बचन सुनकर रोते रहे। फिर उस ने उन से कहा कि जाकर चिकना चिकना भोजन करो और मीठा मीठा रस पियो और जिन के लिये कुछ तैयार नहीं हुआ उन के पास बैना भेजो क्योंकि आज का दिन हमारे प्रभु के लिये पवित्र है फिर उदास मत रहो क्योंकि यहोवा का आनन्द तुम्हारा दृढ़ गढ़ है।

महासभा।

(नहे: ८ : ११,९)

यों लेवीयों ने सब लोगों को यह कहकर चुप करा दिया कि चुप रहो क्योंकि आज का दिन पवित्र है और उदास मत रहो। सो सब लोग खाने पीने बैना भेजने और बड़ा आनन्द करने को चले गये इस कारण कि जो बचन उन को समझाये गये थे उन्हें वे समझ गये थे। यों वे सात दिन लों पर्व को मानते रहे और आठवें दिन नियम के अनुसार महासभा हुई।

फिर इस्राएली उपवास किये हुए एकट्ठे हो गये। तब इस्राएल के वंश के लोग सब अन्यजाति लोगों से न्यारे हो गये और खड़े होकर अपने अपने पापों और अपने पुरखाओं के अधर्म्म के कामों को मान लिया। तब उन्हों ने अपने अपने स्थान पर खड़े होकर दिन के एक पहर तक तो अपने परमेश्वर यहोवा की व्यवस्था की पुस्तक पढ़ते और एक और पहर अपने पापों को मानते और अपने परमेश्वर यहोवा को दण्डवत करते रहे।

और लेवीयों ने सीढ़ी पर खड़े होकर ऊंचे स्वर से अपने परमेश्वर यहोवा की दोहाई दिई। फिर येशू ने कहा तेरा महिमायुक्त नाम धन्य कहा जाए जो सारे धन्यवाद और स्तुति से बढ़कर है। तू ही अकेला यहोवा है स्वर्ग वरन सब से ऊंचे स्वर्ग और उसके सारे गण और पृथिवी और जो कुछ उस में है और समुद्र और जो कुछ उस में है सभों को तू ही ने बनाया और सभों की रक्षा तू ही करता है। हमारे पुरखाओं ने अभिमान किया और हठीले बने और तेरी आज्ञाएं न मानीं, और जो आश्चर्य्यकर्म्म तू ने उन के बीच किये थे उनका स्मरण न किया। पर तू क्षमा करनेहारा अनुग्रहकारी और दयालु विलम्ब से कोप करनेहारा और अति करुणामय ईश्वर है तू ने उन को न त्यागा। तू ने जो अति दयालु है सो उन का अंत न कर डाला और न उन को त्याग दिया क्योंकि तू अनुग्रहकारी और दयालु ईश्वर है।

अब तो हे हमारे परमेश्वर हे महान पराक्रमी और भययोग्य ईश्वर जो अपनी वाचा पालता और

करुणा करता रहता है जो बड़ा कष्ट अश्शूर के राजाओं के दिनों से ले आज के दिन लों हमें और हमारे राजाओं हाकिमों याजकों नबियों पुरखाओं वरन तेरी सारी प्रजा को भोगना पड़ा है सो तेरे लेखे थोड़ा न ठहरे। हम आज कल दास हैं जो देश तू ने हमारे पितरों को दिया था कि उस को उत्तम उपज खाएं इसी में हम दास हैं। और इस की उपज से उन राजाओं को जिन्हें तू ने हमारे पापों के कारण हमारे ऊपर ठहराया है बहुत धन मिलता है और वे हमारे शरीरों और हमारे पशुओं पर अपनी अपनी इच्छा के अनुसार प्रभुता जताते हैं सो हम बड़े संकट में पड़े हैं।

और इस सब के कारण हम सच्चाई के साथ वाचा बांधते कि हम परमेश्वर की उस व्यवस्था पर चलेंगे जो उस के दास मूसा के द्वारा दिई गई और अपने प्रभु यहोवा की सब आज्ञाएं नियम और विधियां मानने में चौकसी करेंगे।

यरूशलेम के आनन्द की ध्वनि दूर दूर लों सुनाई देती।

(नहे: ११, १२ : २७)

प्रजा के हाकिम तो यरूशलेम में रहते थे और शेष लोगों ने यह ठहराने के लिये चिट्ठियां डालीं कि दस में से एक मनुष्य यरूशलेम में बसे और नौ मनुष्य और और नगरों में बसें।

और यरूशलेम की शहरपनाह की प्रतिष्ठा के समय लेवीय अपने सब स्थानों में ढूंढ़े गये कि यरूशलेम को पहुंचाये जाएं जिस से आनन्द और धन्यवाद करके और झांझ सारंगी और वीणा बजा कर और गाकर उस की प्रतिष्ठा करें। सो गवैयों के सन्तान यरूशलेम की चारों ओर के देश से और गांवों से, एकट्ठे हुए। तब याजकों और लेवीयों ने अपने अपने को शुद्ध किया और उन्हों ने प्रजा को और फाटकों और शहरपनाह को भी शुद्ध किया। तब मैं ने यहूदी हाकिमों को शहरपनाह पर चढ़ाकर दो बड़े दल ठहराये जो धन्यवाद करते हुए धूमधाम के साथ चलते थे। और मैं और मेरे साथ आधे हाकिम, और याजक और गवैये सो ऊंचे स्वर से गाते बजाते रहे।

उसी दिन लोगों ने बड़े बड़े मेलबलि चढ़ाये और आनन्द किया क्योंकि परमेश्वर ने उन को बहुत ही आनन्दित किया था सो स्त्रियों और बालबच्चों ने भी आनन्द किया और यरूशलेम के आनन्द की ध्वनि दूर दूर लों पहुंच गई।

आठवां अध्याय।

इब्रानी साहित्य।

इस्राएली लोग कभी इब्रानी कभी यहूदी भी कहलाये हैं। वे इब्रानी बोली बोलते थे। यरूशलेम में लौट आने के पीछे किसी ने उन की बहुत सी पुस्तकों को इकट्ठा किया। उन में से यह सात पुस्तकें हैं:—

१ अय्यूब—यह एक नाटक है। इस में एक आदमी है जिस के मन से ईश्वर का बिश्वास किसी भी बुरी बात से नहीं गया। इस में इस बात का विवाद किया जाता है कि नेकी का फल इस दुनिया में सदा अच्छा है और दुष्टता का फल क्लेश होता है। अय्यूब इस बात को नहीं मानता है और अपने तीन मित्रों को अच्छा उत्तर देता है। इस विवाद में परमेश्वर अय्यूब के साथ है पर वह यह भी बताता है कि मनुष्य ईश्वर की इच्छा को सदा नहीं समझ सकता है।

२ भजन संहिता—इस में वे गीत हैं जो मन्दिर में गाये जाते थे। उन से मनुष्य को बहुत बरसों से शान्ति और बल मिलता रहा है। उन गीतों में से कई एक दाऊद राजा ने लिखे थे। कोई दुख में, कोई सुख में लिखे गये और कोई बन्धन की दशा में लिखे गये थे। इस पुस्तक में और लोगों के लिखे हुए गीत भी मिलाये गये थे पर पूरी पुस्तक दाऊद के नाम से कहलाई गयी।

३ नीति बचन—यह पुस्तक सुलैमान के नाम से कहलाई गयी। इस में भी कई मनुष्यों के नीति बचन इकट्ठे किये गये हैं। उस में चाल चलन के बहुत से अच्छे नियम पाये जाते हैं।

४ सभोपदेशक—इस का लिखनेवाला अनजान है वह यह कहता है कि सब कुछ ब्यर्थ है, पर जब तक जीवन है तब तक खुश रहना चाहिये।

५ विलापगीत—दासत्व के दुख के पांच गीत।

६ योना—योना एक नबी था जो नीनवे नगर को भेजा गया था। इस पुस्तक से यह बात स्पष्ट है कि परमेश्वर बुतपरस्त और दुष्ट लोगों को भी देखता है और उन को बचाना चाहता है।

७ एस्तर—यह एक मनलगन बयान है। एस्तर एक सुन्दर यहूदिन थी जो फारस देश के राजा की रानी बन गयी थी।

अय्यूब एक खरा मनुष्य।

(अय्यूब १)

उस देश में अय्यूब नाम एक पुरुष था जो खरा और सीधा था और परमेश्वर का भय मानता था। उस के सात बेटे और तीन बेटियां उत्पन्न हुईं।

फिर उस के सात हजार भेड़ बकरियां तीन हजार ऊंट पांच सौ जोड़ी बैल और पांच सौ गदहियां और बहुत ही दास दासियां थीं बरन उस के इतनी सम्पत्ति थी कि पूरबियों में वह सब से बड़ा था। उस के बेटे अपने अपने दिन पर एक दूसरे के घर में खाने पीने को जाया करते और अपनी तीनों बहिनों को अपने सङ्ग खाने पीने के लिये बुलवा भेजते थे।

और जब जब जेवनार के दिन पूरे होते तब तब अय्यूब उन्हें बुलवाकर पवित्र करता और बड़ी भोर उठकर उन की गिनती के अनुसार होमबलि चढ़ाता था क्योंकि अय्यूब सोचता था कि क्या जाने मेरे लड़कों ने पाप कर के परमेश्वर को छोड़ दिया हो इसी रीति अय्यूब किया करता था।

एक दिन यहोवा—परमेश्वर के पुत्र उस के साम्हने हाजिर होने को आये और उन के बीच शैतान भी आया।

यहोवा ने शैतान से पूछा तू कहां से आता है शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया पृथिवी पर इधर उधर घूमते फिरते और डोलते डोलते आया हूं।

यहोवा ने शैतान से पूछा क्या तू ने मेरे दास अय्यूब पर ध्यान दिया है कि पृथिवी पर उस के तुल्य खरा और सीधा और मेरा भय माननेहारा और बुराई से परे रहनेहारा मनुष्य और कोई नहीं है।

शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया क्या अय्यूब परमेश्वर का भय बिना लाभ के मानता है। क्या तू ने उस की और उस के घर की और उस के सब कुछ की चारों ओर बाड़ा नहीं बांधा तू ने तो उस के काम पर आशीष दी है और उस की सम्पत्ति देश भर में फैल गई है। पर अब अपना हाथ बढ़ाकर जो कुछ उस का है उसे छू तब वह निश्चय तुझे निधड़क छोड़ देगा।

यहोवा ने शैतान से कहा सुन जो कुछ उस का है सो सब तेरे हाथ में है केवल उस के शरीर पर हाथ न लगाना। तब शैतान यहोवा के साम्हने से चला गया।

एक दिन अय्यूब के बेटे बेटियां बड़े भाई के घर में खाते और दाखमधु पीते थे। तब एक दूत अय्यूब के पास आकर कहने लगा हम तो बैलों से हल जोत रहे थे और गदहियां उन के पास चर रही थीं, कि शबादी लोग धावा कर के उन को ले गये और तलवार से तेरे सेवकों को मार डाला और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूं।

वह कहता ही था कि दूसरा भी आकर कहने लगा कि परमेश्वर की आग आकाश से पड़ी और उस से भेड़ बकरियां और सेवक जलकर भस्म हो गये और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूं।

वह कह ही रहा था कि एक और आकर कहने लगा कि कसदी लोग तीन गोल बांधकर ऊंटों पर धावा कर के उन्हें ले गये और तलवार से तेरे सेवकों को मार डाला और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूं।

वह कह ही रहा था कि एक और आकर कहने लगा तेरे बेटे बेटियां बड़े भाई के घर में खाते और दाखमधु पीते थे, कि जङ्गल की ओर से बड़ी प्रचण्ड वायु चली और घर के चारों कोनों को ऐसा झोंका मारा कि वह जवानों पर गिर पड़ा और वे मर गये और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूं।

तब अय्यूब उठा और बागा फाड़ सिर मुंड़ा भूमि पर गिर दण्डवत कर के कहा यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लिया यहोवा का नाम धन्य है।

इन सारी बातों में भी अय्यूब ने न तो पाप किया और न परमेश्वर पर मूर्खता का दोष लगाया।

फिर एक और दिन यहोवा—परमेश्वर के पुत्र उस के साम्हने हाजिर होने को आये और उन के बीच शैतान भी आया।

यहोवा ने शैतान से पूछा तू कहां से आता है शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया पृथिवी पर इधर उधर घूमते फिरते और डोलते डालते आया हूं। यहोवा ने शैतान से पूछा क्या तू ने मेरे दास अय्यूब पर ध्यान दिया है कि पृथिवी पर उस के तुल्य खरा और सीधा मनुष्य और कोई नहीं है और यद्यपि तू ने मुझे उस को विना कारण सत्यानाश करने को उभारा तौभी वह अब लों अपनी खराई पर बना है। शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया खाल के बदले खाल पर प्राण के बदले मनुष्य अपना सब कुछ दे देता है। परन्तु अपना हाथ बढ़ाकर उस की हड्डियां और मांस छू तब निश्चय वह तुझे निधड़क छोड़ देगा। यहोवा ने शैतान से कहा सुन वह तेरे हाथ में है केवल उस का प्राण छोड़ देना।

सो शैतान यहोवा के साम्हने से निकला और अय्यूब को पांव के तलवे से ले सिर की चोटी लों पीड़ित किया। तब अय्यूब राख के बीच बैठ गया। तब उस की स्त्री उस से कहने लगी क्या तू अब भी अपनी खराई पर बना है परमेश्वर को छोड़ दे तब चाहे मर जाए तो मर जा। उस ने उस से कहा तू एक मूढ़ स्त्री की सी बातें करती है कह तो हम जो परमेश्वर के हाथ से सुख लेते हैं सो क्या दुःख भी न लें।

इन सारी बातों में भी अय्यूब ने अपने मुंह से कोई पाप न किया।

अय्यूब के तीन मित्र।

(अय्यूब २ : ४२)

जब तेमानी एलीपज और शूही बिलदद और नामाती सोपर अय्यूब के इन तीन मित्रों ने इस सारी विपत्ति का समाचार पाया जो उस पर पड़ी थी तब वे आपस में यह ठानकर कि हम अय्यूब के पास जाकर उस के संग विलाप करेंगे और उस को शांति देंगे अपने अपने यहां से उस के पास चले। जब उन्हों ने दूर से आंख उठाकर अय्यूब को देखा और उसे न चीन्ह सके तब चिल्लाकर रो उठे और अपना अपना बागा फाड़ा और आकाश की ओर धूलि उड़ाकर अपने अपने सिर पर डाली। तब वे सात दिन और सात रात उस के संग भूमि पर बैठे रहे पर उस का दुःख बहुत ही बड़ा जानकर किसी ने उस से एक भी बात न कही।

इस के पीछे अय्यूब मुंह खोलकर अपने जन्म दिन को यों धिक्कारने लगा कि वह दिन जल जाए जिस में मैं उत्पन्न हुआ।

वह दिन अंधियारा होए ऊपर से ईश्वर उस की सुधि न ले और न उस में प्रकाश होए।

अंधियारा बरन घोर अन्धकार उस पर छाया रहे उस में बादल छाये रहें और जो कुछ दिन को अंधेरा कर सकता है सो उस को डराए।

फिर उस रात को घोर अंधकार पकड़े बरस के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए और महीनों में उस की गिनती न किई जाए।

सुनो वह रात बांझ होए उस में गाने का शब्द न सुन पड़े।

उस दिन की भोर के तारे प्रकाश न दें वह उजियाले की बाट जोहे पर वह उसे न मिले वह भोर की पलकों को देखने न पाए।

मैं क्यों न मर गया तो मैं चुपचाप पड़ा रहता मैं सोता रहता और विश्राम करता मैं पृथिवी के उन राजाओं और मन्त्रियों के साथ होता जिन्हों ने सूने स्थान बनवा लिये थे।

उस दशा में दुष्ट लोग फिर दुःख नहीं देते और थके मांदे विश्राम करते हैं।

उस में बंधुए एक संग सुख से रहते हैं और परिश्रम करनेहारे का बोल नहीं सुनते।

उस में छोटे बड़े सब रहते हैं और दास अपने स्वामी से छूटा रहता है।

दुःखियों को उजियाला और उदास मनवालों को जीवन क्यों दिया जाता है।

वे मृत्यु की बाट जोहते हैं पर वह आती नहीं और गड़े हुए धन से अधिक उस की खोज करते हैं।

वे कबर को पहुंचकर आनन्दित और अत्यन्त मगन होते हैं।

क्योंकि जिस डरावनी बात से मैं डरता हूं सोई मुझ पर आ पड़ती है और जिस से मैं भय खाता हूं सोई मुझ पर आ जाता है।

तब तेमानी एलीपज ने कहा—

यदि कोई तुझ से कुछ कहने लगे तो क्या तुझे बुरा लगेगा पर बात करने से कौन रुक सके।

सुन तू ने बहुतों को शिक्षा दिई और निर्बल लोगों को बल तो दिया।

गिरते हुओं को तू ने अपनी बातों से संभाल तो लिया और लड़खड़ाते हुए लोगों को तू ने बल तो दिया था।

पर अब बिपत्ति जो तुझ पर आ पड़ी सो तू उकताता है। और उस के छुवाव ही से तू भभर उठा है।

परमेश्वर का भय जो तू मानता है क्या इस पर तेरा आसरा नहीं और तेरी चालचलन जो खरी है क्या इस से तुझे आशा नहीं।

सोच कि क्या कोई निर्दोष कभी नाश हुआ और खरे लोग कहां बिलाय गये।

मेरे देखने में तो जो अनर्थ जोतते और उत्पात बोते हैं सो वैसा ही लवते हैं।

सिंह का गरजना और भयंकर सिंह का शब्द बन्द हो जाता है। और जवान सिंहों के दांत तोड़े जाते हैं।

शिकार न पाने से बूढ़ा सिंह मर जाता और सिंहिनी के डांबरू तितर बितर हो जाते हैं।

मेरे पास तो एक बात चुपके से पहुंची और उस की कुछ भनक मेरे कान में पड़ी।

रात के स्वप्नों की चिन्ताओं के बीच जब मनुष्य भारी नींद में पड़े थे, मुझे ऐसी थरथराहट और कंपकंपी लगी कि मेरी सब हड्डियां तक थरथरा उठीं।

तब एक आत्मा मेरे साम्हने से होकर चला वह ठहर गया मेरी आंखों के साम्हने कुछ रूप था पहिले सन्नाटा रहा फिर शब्द सुन पड़ा कि,

क्या मनुष्य ईश्वर के लेखे धर्म्मी ठहरे क्या पुरुष अपने सिरजनहार के लेखे शुद्ध ठहरे।

विपत्ति तो धूल से उत्पन्न नहीं होती और न कष्ट भूमि से उगता है।

जैसे चिंगारे ऊपर ही ऊपर उड़ जाते वैसे ही मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न होता है।

पर मैं तो ईश्वर को खोजता और अपना मुकद्दमा परमेश्वर पर छोड़ देता।

वह तो ऐसे बड़े काम करता है जिन की थाह नहीं लगती और इतने आश्चर्य्यकर्म्म करता है जो गिने नहीं जाते।

वही पृथिवी के ऊपर वर्षा करता और खेतों पर जल बरसाता है।

सुन क्या ही धन्य वह मनुष्य जिस को ईश्वर डांटे सो तू सर्वशक्तिमान की ताड़ना तुच्छ मत जान।

क्योंकि वही घायल करता और वही पट्टी बांधता है वही मारता और वही अपने हाथों से चंगा करता है।

वह तुझे छः विपत्तियों से छुड़ाएगा वरन सात से भी तेरी कुछ हानि न होने पाएगी।

अकाल में वह तुझे मृत्यु से और युद्ध में तलवार की धार से बचा लेगा।

तू वचनरूपी कोड़े से बचा रहेगा और जब उजाड़ होगा तब भी तुझे डरना न होगा।

उजाड़ और अकाल के दिनों में तू हंसमुख रहेगा और तुझे बनैले जन्तुओं से भी डर न लगेगा।

और तुझे निश्चय होगा कि मेरा डेरा कुशल से है और मेरे बहुत वंश होंगे और मेरे सन्तान पृथिवी की घास के तुल्य बहुत होंगे।

जैसे पूलियों का ढेर समय पर खलिहान में रखा जाता है वैसे ही तू पूरी अवस्था का होकर कबर को पहुंचेगा।

फिर अय्यूब ने कहा—

भला होता कि मेरा खेद तौला जाता और मेरी सारी विपत्ति तुला में धरी जाती। क्योंकि वह समुद्र की बालू से भी भारी ठहरती।

क्योंकि सर्वशक्तिमान के तीर मेरे चुभे हैं और उन का विष मेरे आत्मा में पैठ गया है ईश्वर की भयंकर बातें मेरे विरुद्ध पांति बांधे हैं।

भला होता कि मुझे मुंह मांगा बर मिलता और जिस बात की मैं आशा करता हूं सो ईश्वर मुझे दे देता, कि ईश्वर प्रसन्न होकर मुझे काट डालता।

मेरी शांति का यह कारण बना रहता बरन भारी पीड़ा में भी मैं इस कारण से उछल पड़ता।

मुझ में क्या बल है कि मैं आशा रक्खूं और मेरा अन्त क्या होगा कि मैं धीरज धरूं।

क्या मेरी दृढ़ता पत्थरों की सी है क्या मेरा शरीर पीतल का है।

क्या मैं निरुपाय नहीं हूं क्या बने रहने की शक्ति मुझ से दूर नहीं हो गई।

जो निराश है उस पर तो पड़ोसी को कृपा करनी चाहिये नहीं तो क्या जाने वह सर्वशक्तिमान का भय मानना भी छोड़ दे।

मेरे पड़ोसी नाले के समान विश्वासघाती हो गये हैं बरन उन नालों के समान जिन की धार रहती ही नहीं।

वे घूमते घूमते सूख जाती और सुनसान स्थान में बहकर नाश होती हैं।

उसी प्रकार अब तुम भी न रहे मेरी विपत्ति देखकर तुम डर गये हो।

क्या मैं ने तुम से कहा था कि मुझे कुछ दो वा अपनी संपत्ति में से मेरे लिये दान दो। वा मुझे सतानेहारे के हाथ से बचाओ वा उपद्रव करनेहारों के वश से छुड़ा लो।

मुझे शिक्षा दो मैं चुप रहूंगा और मुझे समझाओ कि मैं किस बात में चूका हूं।

सीधाई के वचनों में कितना गुण होता है पर तुम्हारे डांटने से क्या सिद्ध होता है।

क्या तुम बातें पकड़ने की कल्पना करते हो निराश जन की बातें तो वायु सी हैं।

तुम बपमुओं पर चिट्ठी डालते और अपने मित्र को बेचकर लाभ उठाते।

अब कृपा करके मुझे देखो निश्चय मैं तुम्हारे साम्हने झूठ न बोलूंगा।

क्या मनुष्य को पृथिवी पर कठिन सेवा करनी नहीं पड़ती क्या उस के दिन मजूर के से नहीं होते।

जैसा कोई दास छाया की अभिलाषा करे वा मजूर अपनी मजूरी की आशा रखे,

वैसा ही मेरा भाग महीनों तक का अनर्थ है और मेरे लिये क्लेश से भरी रातें ठहराई गई हैं।

जब मैं लेट जाता तब कहता हूं मैं कब उठूंगा और रात कब बीतेगी और पह फटने लों छटपटाते छटपटाते उकता जाता हूं।

मेरी देह कीड़ों और मिट्टी के ढेलों से ढकी हुई है मेरा चमड़ा सिमट जाता और फिर गल जाता है।

मेरे दिन करघे से अधिक फुर्ती से चलनेहारे हैं और निराशी से बीते जाते हैं।

सोच कर कि मेरा जीवन वायु ही है मैं अपनी आंखों से कल्याण फिर न देखूंगा।

जो मुझे अब देखता है उसे मैं फिर दिखाई न दूंगा तेरी आंखें मेरी ओर होंगी पर मैं न मिलूंगा।

जैसे बादल छटकर बिलाय जाता है वैसे ही अधोलोक में उतरनेहारा फिर वहां से नहीं निकल आता।

वह अपने घर को फिर लौट न आएगा और न अपने स्थान में फिर मिलेगा।

इस लिये मैं अपना मुंह बन्द न रखूंगा अपने मन का खेद खोलकर कहूंगा और अपने जीव की कड़वाहट के कारण कुड़कुड़ाता रहूंगा।

जब जब मैं सोचता हूं कि मुझे खाट पर शांति मिलेगी और बिछौने पर मेरा खेद कुछ हलका होगा,

तब तब तू मुझे स्वप्नों से घबरा देता और दीखते हुए रूपों से भयभीत कर देता है,

यहां लों कि मेरा जी सांस का बन्द होना ही और अपनी हड्डियों के बने रहने से मरना ही अधिक चाहता है।

मुझे अपने जीवन से घिन आती है मैं सदा लों जीता रहने नहीं चाहता मेरा जीवनकाल सांस सा है सो मुझे छोड़ दे।

मनुष्य तो क्या है कि तू उसे बड़ा जानकर अपना मन उस पर लगाए,

और भोर भोर को उस की सुधि लेकर क्षण क्षण उसे जांचता रहे। हे मनुष्यों के ताकनेहारे मैंने पाप तो किया होगा मैं ने तेरा क्या बिगाड़ा।

तू ने क्यों मुझ को अपना निशाना ठहराया यहां लों कि मैं अपने ऊपर आपही बोझ हुआ हूं।

और तू क्यों मेरा अपराध क्षमा नहीं करता और मेरा अधर्म्म क्यों दूर नहीं करता। अब तो मैं मिट्टी में सो रहूंगा और तू मुझे यत्न से ढूंढ़ेगा पर मेरा पता कहां।

तब शूही बिलदद ने कहा —

तू कब लों ऐसी ऐसी बातें करता रहेगा और तेरे मुंह की बातें कब लों प्रचण्ड वायु सी रहेंगी।

क्या ईश्वर न्याय को टेढ़ा करता और क्या सर्व-शक्तिमान धर्म्म को उलटा करता है।

यदि तेरे लड़केबालों ने उस के विरुद्ध पाप किया हो तो उस ने उन को उन के अपराध का फल भुगताया है।

पर यदि तू आप ईश्वर को यत्न से ढूंढे और सर्वशक्तिमान से गिड़गिड़ाकर बिनती करे,

और यदि तू पवित्र और सीधा है तो निश्चय वह तेरे लिये जागेगा और तुझ निर्दोष का निवास फिर ज्यों का त्यों कर देगा।

बरन चाहे तेरा भाग पहिले छोटा ही रहा हो पर अन्त में तेरी बहुत बढ़ती होगी।

अगली पीढ़ी के लोगों से तो पूछ और जो कुछ उन के पुरखाओं ने निकाला है उस में ध्यान दे।

क्योंकि हम तो कल ही के हैं और कुछ नहीं जानते और पृथिवी पर हमारे दिन छाया की नाईं बीतते जाते हैं।

क्या वे लोग तुझ से शिक्षा की बातें न कहेंगे क्या वे अपने मन से बातें न निकालेंगे।

क्या सरकण्डा बिना कीच बढ़ता है क्या कछार की घास पानी बिना बढ़ सकती है।

चाहे वह हरी हो और काटी भी न गई हो तौभी वह और सब भांति की घास से पहिले ही सूख जाती है।

ईश्वर के सब बिसरानेहारों की गति ऐसी ही होती है।

और भक्तिहीन की आशा टूट जाती है।

उसकी आशा का मूल कट जाता और जिस का वह भरोसा करता है सो मकड़ी का जाला ठहरता है।

चाहे वह अपने घर पर टेक लगाए पर वह न ठहरेगा।

वह उसे थांभे तो थांभे पर वह स्थिर न रहेगा।

सुन ईश्वर न तो खरे मनुष्य को निकम्मा जानकर छोड़ देता और न बुराई करनेहारों को संभालता है।

फिर अय्यूब ने कहा—

मैं निश्चय जानता हूं कि बात ऐसी ही है पर मनुष्य ईश्वर के लेखे क्योंकर धर्म्मी ठहरे।

चाहे वह उस से मुकद्दमा लड़ने को प्रसन्न भी होए तौभी मनुष्य हजार बातों में से एक का भी उत्तर न दे सकेगा।

वह बुद्धिमान और अति सामर्थी है उस के विरोध में हठ करके कौन कभी प्रबल हुआ।

वह तो पर्वतों को अचानक हटा देता वह कोप में आकर उन्हें उलट भी देता है।

वह पृथिवी को कंपाकर उस के स्थान से अलग करता है और उस के खंभे डोल उठते हैं।

उस की आज्ञा बिना सूर्य्य उदय नहीं होता और वह तारों पर छाप लगाता है।

वह आकाश मण्डल को अकेला ही फैलाता और समुद्र की ऊंची ऊंची लहरों पर चलता है।

वह सप्तर्षि मृगशिरा और कचपचिया और दक्खिन के नक्षत्रों का बनानेहारा है।

वह तो ऐसे बड़े कर्म्म करता है जिन की थाह नहीं लगती और इतने आश्चर्य्य कर्म्म करता है जो गिने नहीं जाते।

सुनो वह मेरे साम्हने से होकर तो चलता है पर मुझ को नहीं देख पड़ता सुनो जब वह छीनने लगे तब उस को कौन रोकेगा कौन उस से कह सकता कि तू यह क्या करता है।

चाहे मेरे पुकारने से वह उत्तर भी देता तौभी मैं इस बात की प्रतीति न करता कि वह मेरी बात सुनता है। वह तो आंधी चलाकर मुझे तोड़ डालता और बिना कारण मेरे चोट पर चोट लगाता है।

वह मुझे सांस भी लेने नहीं देता और मुझे कड़वाहट से भरता है।

जो सामर्थ्य की चर्चा होए तो देखो वह बलवान है और यदि न्याय की चर्चा हो तो वह कहेगा मुझ से कौन मुकद्दमा लड़ेगा।

चाहे मैं निर्दोष होऊं भी पर अपने ही मुंह से दोषी ठहरूंगा खरा होने पर भी वह मुझे कुटिल ठहराएगा।

ईश्वर खरे और दुष्ट दोनों को नाश करता है।

मेरे दिन हरकारे से अधिक वेग चले जाते हैं वे भागे जाते और उन में कल्याण कुछ दिखाई नहीं देता।

वे नरकट की नावों की नाईं चले जाते हैं या अहेर पर झपटते हुए उकाब की नाईं।

जो मैं कहूं कि बिलाप करना भूल जाऊंगा और उदासी छोड़कर अपना मन हरा कर लूंगा, तो मैं अपने सारे दुखों से डरता हूं मैं तो जानता हूं कि तू मुझे निर्दोष न ठहराएगा।

क्योंकि वह मेरे तुल्य मनुष्य नहीं है कि मैं उस से बादबिवाद कर सकूं और हम दोनों एक दूसरे से मुकद्दमा लड़ सकें।

हम दोनों के बीच कोई बिचवई नहीं है जो हम दोनों पर अपना हाथ रक्खे।

वह अपना सोंटा मुझ पर से दूर करे और न भय दिखाकर मुझे घबरा दे।

तब मैं उस से निडर होकर कुछ कह सकूंगा क्योंकि मैं अपने लेखे में ऐसा नहीं हूं।

मेरा जी जीते रहने से उकताता है सो मैं बिन रुके कुड़कुड़ाऊंगा और अपने मन की कड़वाहट के मारे बातें करूंगा।

मैं ईश्वर से कहूंगा मुझे दोषी न ठहरा मुझे बता दे कि तू किस कारण मुझ से मुकद्दमा लड़ता है।

क्या तुझे अंधेर करना और दुष्टों की युक्ति को सुफल करके अपने हाथों के बनाये हुए को निकम्मा जानना भला लगता है।

क्या तेरे देहधारियों की सी आंखें हैं और क्या तेरा देखना मनुष्य का सा है।

क्या तेरे दिन मनुष्य के से वा तेरे बरस पुरुष के से हैं, कि तू मेरा अधर्म्म ढूंढ़ता और मेरा पाप पूछता है।

तुझे तो मालूम ही है कि मैं दुष्ट नहीं हूं और तेरे हाथ से कोई छुड़ानेहारा नहीं।

तू ने अपने हाथों से मुझे ठीक रचा और जोड़-कर बनाया है तौभी मुझे नाश किये डालता है।

स्मरण कर कि तू ने मुझ को मिट्टी की नाईं बनाया क्या तू मुझे फिर मिट्टी में मिलाएगा।

फिर तू ने मुझ पर चमड़ा और मांस चढ़ाया और हड्डियां और नसें गूंथकर मुझे बनाया है।

तू ने मुझे जीवन दिया और मुझ पर करुणा किई है और तेरी चौकसी से मेरे प्राण की रक्षा हुई है।

जो मैं दुष्ट होऊं तो हाय मुझ पर और जो मैं धर्मी होऊं तौभी मैं सिर न उठाऊंगा क्योंकि मैं अपमान से छक गया और अपने दुःख पर ध्यान रखता हूं।

और चाहे सिर उठाऊं तौभी तू सिंह की नाईं मुझे अहेर करता और फिरके मेरे विरुद्ध आश्चर्य्य कर्म्म करता है।

तू मेरे साम्हने अपने नये नये साक्षी ले आता और मुझ पर अपनी रिस बढ़ाता है और मुझ पर सेना पर सेना चढ़ाई करती है।

क्या मेरे दिन थोड़े नहीं। सो मुझे छोड़कर मेरी ओर से मुंह फेर ले कि मेरा मन थोड़ा हरा हो जाए, उस से पहिले कि मैं वहां जाऊं जहां से न लौटूंगा अर्थात अंधियारे और घोर अंधकार के देश में, जो अंधकार ही अंधकार और घोर अंधकार का देश है जिस में सब कुछ गड़बड़ है और उस में का प्रकाश अंधकार के समान ही है।

तब नामाती सोपर ने कहा—

बहुत सी बातें जो कही गई हैं क्या उन का उत्तर देना न चाहिये क्या बकवादी मनुष्य धर्म्मी ठहराया जाए।

क्या तेरे बड़े बोल के कारण लोग चुप रहें और जब तू ठट्ठा करता है तो क्या कोई तुझे लज्जित न करे।

तू तो यह कहता है कि मेरा सिद्धान्त शुद्ध है और मैं ईश्वर के लेखे में पवित्र हूं।

पर भला होता कि ईश्वर तनिक बातें करे और तेरे विरुद्ध मुंह खोले, और तुझ पर बुद्धि की गुप्त बातें प्रगट करे।

जान ले कि ईश्वर तेरे अधर्म्म में से बहुत कुछ बिसराता है।

क्या तू ईश्वर का गूढ़ भेद पा सकता और सर्वशक्तिमान का मर्म पूरी रीति से जांच सकता।

आकाश सा ऊंचा तू क्या कर सकता अधो-लोक से गहिरा तू कहां समझ सकता।

उस की माप पृथिवी से भी लंबी और समुद्र से चौड़ी है।

कौन उसको रोक सकता। वह तो पाखण्डी मनुष्यों का भेद जानता है और अनर्थ काम को बिना सोच विचार किये भी जान लेता है।

यदि तू अपना मन सिद्ध करे और जो कोई अनर्थ काम तुझ से होता हो उसे दूर करे और अपने डेरों में कोई कुटिलता न रहने दे ।

तो तू निश्चय अपना मुंह निष्कलंक दिखा सकेगा और तू स्थिर होकर न डरेगा । तब तू अपना दुःख बिसराएगा या उस का स्मरण बहे हुए जल का सा होगा ।

और तेरा जीवनकाल दोपहर से भी अधिक प्रकाशमान होगा और चाहे अंधेरा भी होए तौभी वह भोर सा हो जाएगा ।

और तुझे आसरा जो होएगा इस कारण तू निडर रहेगा और अपनी चारों ओर देख देखकर तू निडर सो सकेगा ।

और जब तू लेटेगा तब कोई तुझे न डराएगा पर दुष्ट लोगों की आंखें रह जाएंगी और उन्हें शरण का कोई स्थान न रहेगा ।

तब अय्यूब ने कहा—

निःसन्देह तुम ही हो और जब तुम मरोगे तब बुद्धि भी जाती रहेगी । पर तुम्हारी नाईं मेरे भी बुद्धि है ।

मैं तुम लोगों से कुछ घटकर नहीं हूं कौन ऐसा है जो ऐसी बातें न जानता हो ।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता था और वह मेरी सुन लिया करता था पर अब मेरे पड़ोसी मुझ पर हंसते हैं जो धर्मी और खरा मनुष्य है उस की हंसी हो रही है ।

दुःखी लोग तो सुखियों की समझ में तुच्छ ठहरते हैं और जिन के पांव फिसला चाहते हैं उन का अपमान अवश्य ही होता है ।

लुटेरुओं के डेरे कुशल क्षेम से रहते हैं और जो ईश्वर को रिस दिलाते हैं सो बहुत ही निडर रहते हैं ।

पशुओं से तो पूछ और वे तुझे सिखाएंगे और आकाश के पक्षियों से और वे तुझे बता देंगे ।

पृथिवी पर ध्यान दे तब उस से तुझे शिक्षा मिलेगी और समुद्र की मछलियां भी तुझ से वर्णन करेंगी ।

इन सभों के द्वारा कौन नहीं जानता कि यहोवा ही ने अपने हाथ से इस संसार को बनाया है ।

उस के हाथ में एक एक जीवधारी का प्राण और एक एक देहधारी मनुष्य का आत्मा भी रहता है ।

देखो जिसको वह ढा दे सो फिर बनाया नहीं जाता जिस मनुष्य को वह बन्द करे सो फिर खोला नहीं जाता ।

देखो जब वह वर्षा को रोक रखता तब जल सूख जाता है फिर जब वह जल छोड़ देता तब पृथिवी उलट जाती है ।

उस में सामर्थ्य और खरी बुद्धि पाई जाती है भूलनेहारे और भुलानेहारे दोनों उसी के हैं ।

वह मंत्रियों को लूटकर बन्धुआई में ले जाता और न्यायियों को मूर्ख बना देता है ।

वह राजाओं का अधिकार तोड़ देता और उन की कमर पर बंधन बन्धवाता है ।

वह याजकों को लूटकर बंधुआई में ले जाता और सामर्थियों को उलट देता है ।

वह विश्वासयोग्य पुरुषों से बोलने की शक्ति और पुरनियों से विवेक की शक्ति हर लेता है ।

वह हाकिमों को अपमान से लादता और बलवानों के हाथ ढीले कर देता है ।

वह अंधियारे से गहरी बातें प्रगट करता और घोर अन्धकार में भी प्रकाश कर देता है ।

वह जातियों को बढ़ाता और उन को नाश करता वह उन को फैलाता और बन्धुआई में ले जाता है ।

वह पृथिवी के मुख्य लोगों की बुद्धि हरता और उन को निर्जल स्थानों में जहां रास्ता नहीं है भटकाता है ।

वे बिन उजियाले के अंधेरे में टटोलते फिरते हैं और वह उन्हें मतवाले की नाईं डगमगाते चलाता है ।

सुन मैं यह सब कुछ अपनी आंख से देख चुका और अपने कान से सुन चुका और समझ भी चुका हूं ।

जो कुछ तुम जानते हो सो मैं भी जानता हूं मैं तुम लोगों से कुछ घटकर नहीं हूं ।

मैं तो सर्वशक्तिमान से बातें करूंगा और मेरी अभिलाषा ईश्वर से वादविवाद करने की है ।

पर तुम लोग झूठी बात के गढ़नेहारे हो तुम सब के सब निकम्मे वैद्य हो ।

भला होता कि तुम बिलकुल चुप रहते और इस से तुम बुद्धिमान ठहरते।

मेरा विवाद सुनो और मेरी बहस की बातों पर कान लगाओ।

क्या तुम ईश्वर के निमित्त टेढ़ी बातें कहोगे और उस के पक्ष में कपट से बोलोगे।

क्या तुम उस के माहात्म्य से भय न खाओगे क्या उस का डर तुम्हारे मन में न समाएगा।

तुम्हारे स्मरणयोग्य नीतिवचन राख के समान हैं तुम्हारे कोट मिट्टी ही के ठहरे हैं।

मुझ से बात करना छोड़ो कि मैं भी कुछ कहने पाऊं फिर मुझ पर जो चाहे सो आ पड़े।

वह मुझे घात करेगा मुझे कुछ आशा नहीं तौभी मैं अपनी चाल चलन का पक्ष लूंगा।

और यह भी मेरे बचाव का कारण होगा कि भक्तिहीन जन उस के साम्हने नहीं जा सकता।

चित्त लगाकर मेरी बात सुनो और मेरी बिनती तुम्हारे कान में पड़े।

सुनो मैं ने अपने मुकद्दमे की पूरी तैयारी किई है मैं ने निश्चय किया कि मैं निर्दोष ठहरूंगा।

कौन है जो मुझ से मुकद्दमा लड़ सकेगा ऐसा कोई पाया जाए तो मैं चुप होकर प्राण छोड़ूंगा।

दो ही काम मुझ से न कर तो मैं तुझ से छिप न जाऊंगा।

अपनी ताड़ना मुझ से दूर कर और अपने भय से मुझे न घबरा।

तब तेरे बुलाने पर मैं बोलूंगा नहीं तो मैं प्रश्न करूं और तू मुझे उत्तर दे।

मुझ से कितने अधर्म्म के काम और पाप हुए मेरे अपराध और पाप मुझे जता दे।

तू किस कारण अपना मुंह फेर लेता और मुझे अपना शत्रु गिनता है।

क्या तू उड़ते हुए पत्ते को भी कंपाएगा और सूखे भूसे को खदेड़ेगा।

मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है सो थोड़े दिनों का और संताप से भरा रहता है।

वह फूल की नाईं खिलता फिर तोड़ा जाता है वह छाया की रीति पर ढल जाता और कहीं नहीं ठहरता।

मनुष्य के दिन ठहराये गये हैं और उस के महीने की गिन्ती तेरे पास लिखी है और तू ने उस के लिये ऐसा सिवाना बांधा है जिसे वह नहीं लांघ सकता।

भला होता कि तू मुझे अधोलोक में छिपा लेता और जब लों तेरा कोप ठंढा न होता तब लों मुझे छिपाये रखता और मेरे लिये समय ठहराकर फिर मेरी सुधि लेता।

यदि पुरुष मर जाए तो क्या वह फिर जीएगा जब लों मेरा छुटकारा न होता तब लों मैं अपनी कठिन सेवा के सारे दिन आशा लगाये रहता।

तू मुझे बुलाता और मैं बोलता तुझे अपने हाथ के बनाये हुए काम की अभिलाषा होती। पर अब तू मेरे पग पग को गिनता है क्या तू मेरे पाप को नहीं देखता रहता।

पहाड़ भी गिरते गिरते नाश हो जाता है और चटान अपने स्थान से हट जाती है

और पत्थर जल से घिस जाते हैं और भूमि की धूलि उस की बाढ़ से बहाई जाती है उसी प्रकार तू मनुष्य का आसरा मिटा देता है।

तू सदा उस पर प्रबल होता और वह जाता रहता है तू उस का चिहरा बिगाड़कर उसे निकाल देता है।

तब तेमानी एलीपज ने कहा—

क्या बुद्धिमान को उचित है कि अज्ञानता के साथ उत्तर दे।

क्या वह निष्फल वचनों से वा व्यर्थ बातों से वाद विवाद करे।

बरन तू भय मानना छोड़ देता और ईश्वर का ध्यान करना औरों से छुड़ाता है। तू अपने मुंह से अपना अधर्म्म प्रगट करता और धूर्त्त लोगों के बोलने की रीति पर बोलता है।

मैं तो नहीं पर तेरा मुंह ही तुझे दोषी ठहराता है और तेरे ही वचन तेरे विरुद्ध साक्षी देते हैं।

क्या पहिला मनुष्य तू ही उत्पन्न हुआ क्या तेरी उत्पत्ति पहाड़ों से भी पहिले हुई।

क्या तू ईश्वर की सभा में बैठा सुनता था क्या सारी बुद्धि अपने लिये तू ही रखता है।

तू ऐसा क्या जानता है जिसे हम नहीं जानते तुझ में ऐसी कौन सी समझ है जो हम में नहीं।

ईश्वर की शांति देनेहारी बातें और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं क्या ये तेरे लेखे में तुच्छ हैं।

तेरा मन क्यों तुझे खींच ले जाता है तू तो अपना जी ईश्वर के विरुद्ध फेरता और अपने मुंह से व्यर्थ बातें निकलने देता है।

तब अय्यूब ने कहा—

ऐसी ऐसी बातें मैं बहुत सी सुन चुका हूं तुम सब के सब उकतानेहारे शान्तिदाता हो।

क्या व्यर्थ बातों का अन्त कभी होगा नहीं तो तुझे उत्तर देने के लिये क्या उसकाता है।

मैं भी तुम्हारी सी बातें कर सकता हूं जो तुम्हारी दशा मेरी सी होती तो मैं भी तुम्हारे विरुद्ध बातें जोड़ सकता और तुम्हारे विरुद्ध सिर हिला सकता।

पर अब उस ने मुझे उकता दिया तू ने मेरे सारे परिवार को उजाड़ डाला है।

ईश्वर ने मुझे कुटिलों के वश में कर दिया और दुष्ट लोगों के हाथ में फेंक दिया है।

मैं सुख से रहता था और उस ने मुझे चूर चूर कर डाला उस ने मेरी गर्दन पकड़कर मुझे टुकड़े टुकड़े कर दिया।

रोते रोते मेरा मुंह सूज गया और मेरी आंखों पर घोर अन्धकार छा गया है।

मेरे मित्र मेरे ठट्ठा करनेहारे हो गये हैं पर मैं ईश्वर के साम्हने आंसू बहाता हूं,

कि कोई ईश्वर के विरुद्ध सज्जन का और आदमी का मुकद्दमा उस के पड़ोसी के विरुद्ध लड़े।

धर्म्मी लोग अपना मार्ग पकड़े रहेंगे और शुद्ध काम करनेहारे सामर्थ्य पर सामर्थ्य पाते जाएंगे।

तुम सब के सब मेरे पास आओ तो आओ पर मुझे तुम लोगों में एक भी बुद्धिमान न मिलेगा।

तब शूही बिल्दद ने कहा—

तुम कब लों फंदे लगा लगाकर वचन पकड़ते रहोगे चित्त लगाओ तब हम बोलेंगे।

हम लोग तुम्हारे लेखे क्यों पशु सरीखे और अशुद्ध ठहरे हैं।

हे अपने को कोप के मारे चीथनेहारे क्या तेरे निमित्त पृथिवी उजड़ जाएगी और चट्टान अपने स्थान से हट जाएगी।

तौभी दुष्टों का दीपक बुझ जाएगा और दुष्ट की आग की लौ न चमकेगी।

उस के डेरे में का उजियाला अंधेरा हो जाएगा और उसके ऊपर का दिया बुझ जाएगा।

चारों ओर से डरावनी वस्तुएं उसे डराती और उस के पीछे पड़कर उस को भगाती हैं।

पृथिवी पर से उस का स्मरण मिट जाएगा और हाट में उस का नाम कभी न सुन पड़ेगा।

वह उजियाले से अंधियारे में ढकेल दिया जाएगा और जगत में से भी भगाया जाएगा।

उस के कुटुम्बियों में उस के कोई पुत्र पौत्र न रहेगा और जहां वह रहता था वहां कोई बचा हुआ न रह जाएगा।

निःसंदेह कुटिल लोगों के निवास ऐसे हो जाते हैं और जिस को ईश्वर का ज्ञान नहीं रहता उस का स्थान ऐसा ही हो जाता है।

तब अय्यूब ने कहा—

तुम कब लों मेरे जीव को दुःख देते रहोगे और बातों से मुझे चूर चूर करोगे।

इन दसों बार तुम लोग मेरी निन्दा करते और निर्लज्ज होकर मुझे भभराते हो।

और चाहे मुझ से भूल हुई भी हो तौभी वह भूल मेरे ही सिर रहेगी।

जो तुम सचमुच मेरे विरुद्ध बड़ाई मारोगे और प्रमाण देकर मेरी निन्दा करोगे, तो जानो कि ईश्वर ने मेरा न्याय बिगाड़ा और मुझे अपने जाल में फंसा लिया है।

सुनो मैं उपद्रव उपद्रव यों चिल्लाता रहता हूं पर कोई नहीं सुनता मैं दोहाई देता रहता हूं पर कोई न्याय नहीं करता।

उस ने मेरे मार्ग को ऐसा रूंधा है कि मैं आगे चल नहीं सकता और मेरी डगरें अंधेरी कर दिई हैं।

मेरा विभव उस ने हर लिया और मेरे सिर पर से मुकुट उतार दिया है।

उस ने मेरे भाइयों को मुझ से दूर किया है और जो मेरी जान पहचान के थे सो बिलकुल अनजान हो गये हैं।

मेरे कुटुम्बी मुझे छोड़ गये और जो मुझे जानते थे सो मुझे भूल गये हैं।

जो मेरे घर में रहा करते वे बरन मेरी दासियां भी मुझे अनजाना गिनने लगीं उन के लेखे मैं परदेशी हो गया हूं।

जब मैं अपने दास को बुलाता हूं तब वह नहीं बोलता लड़के भी मुझे तुच्छ जानते और जिन से मैं ने प्रेम किया सो पलटकर मेरे विरोधी हो गये हैं।

मेरी खाल और मांस मेरी हड्डियों से सट गये हैं और अपने दांतों का छिलका ही लिये हुए मैं बच गया हूं।

हे मेरे मित्रो मुझ पर दया करो दया क्योंकि ईश्वर ने मुझे मारा है।

तुम ईश्वर की नाईं क्यों मेरे पीछे पड़े हो और मेरे मांस से क्यों तृप्त नहीं हुए।

भला होता कि मेरी बातें अब लिखी जातीं भला होता कि वे पुस्तक में लिखी जातीं, और लोहे की टांकी और शीशे से वे सदा के लिये चटान पर खोदी होतीं।

मुझे तो निश्चय है कि मेरा छुड़ानेहारा जीता है और वह अन्त में मिट्टी पर खड़ा होगा। सो जब मेरे शरीर का यों नाश हो जाएगा तब शरीर से अलग होकर मैं ईश्वर का दर्शन पाऊंगा।

मुझ में तो धर्म का मूल पाया जाता है सो तुम जो कहते हो हम इस को क्योंकर सताएं जान लो कि न्याय होता है।

तब नामाती सोपर ने कहा—

और मेरा आत्मा अपनी समझ में से मुझे उत्तर देता है।

क्या तू यह नियम नहीं जानता जो सनातन और उस समय का है जब मनुष्य पृथिवी पर बसाया गया, कि दुष्टों का ताली बजाना जल्दी बन्द हो जाता और भक्तिहीनों का आनन्द पल भर का होता है।

चाहे ऐसे मनुष्य का माहात्म्य आकाश तक पहुंचे और उस का सिर बादलों से लगे, तौभी वह अपनी विष्ठा की नाईं सदा के लिये नाश हो जाएगा और जो उस को देखते थे सो पूछेंगे कि वह कहां रहा।

वह स्वप्न की नाईं बिलाय जाएगा और किसी को फिर न मिलेगा रात में देखे हुए रूप की नाईं वह रहने न पाएगा।

तब अय्यूब ने कहा—

चित्त लगाकर मेरी बात सुनो और तुम्हारी शान्ति यही ठहरे।

मेरी कुछ तो सहो कि मैं भी बातें करूं और जब मैं बातें कर चुकूं तब पीछे ठट्ठा करना।

क्या मैं किसी मनुष्य की दोहाई देता हूं फिर मैं अधीर क्यों न होऊं।

मेरी ओर चित्त लगाकर चकित हो और अपनी अपनी अंगुली दांत तले दबाओ।

क्या कारण है कि दुष्ट लोग जीते रहते हैं बरन बूढ़े भी हो जाते और उन का धन बढ़ता जाता है।

उन की सन्तान उन के संग और उन के बालबच्चे उन की आंखों के साम्हने बने रहते हैं।

उन के घर में बेडर का कुशल रहता है और ईश्वर की छड़ी उन पर नहीं पड़ती।

वे अपने लड़कों को झुण्ड के झुण्ड बाहर जाने देते और उन के बच्चे नाचते हैं।

वे डफ और वीणा बजाते हुए गाते और बांसुरी के शब्द से आनन्दित होते हैं।

वे अपने दिन सुख से बिताते और पल भर ही में अधोलोक को उतर जाते हैं।

तौभी वे ईश्वर से कहते थे कि हम से दूर हो तेरी गति जानने की हम को इच्छा नहीं रहती।

सर्वशक्तिमान क्या है कि हम उस की सेवा करें और जो हम उस से बिनती भी करें तो हमें क्या लाभ होगा।

देखो उन का कुशल उन के हाथ में नहीं रहता दुष्ट लोगों का विचार मुझ से दूर रहे।

कितनी बार दुष्टों का दीपक बुझ जाता और उन पर विपत्ति आ पड़ती है।

और वे वायु से उड़ाये हुए भूसे की और बवण्डर से उड़ाई हुई भूसी की नाईं होते हैं।

तब तेमानी एलीपज ने कहा—

क्या पुरुष से ईश्वर को लाभ पहुंच सकता जो बुद्धिमान है सो अपने ही लाभ का कारण होता है।

क्या तेरे धर्म्मी होने से सर्वशक्तिमान सुख पा सकता तेरी चाल की खराई से क्या उसे कुछ लाभ हो सकता।

क्या तेरी बुराई बहुत नहीं तेरे अधर्म्म के कामों का कुछ अन्त नहीं।

तू ने तो अपने भाई का बंधक अकारण रख लिया और नंगे के वस्त्र उतार लिये थे।

थके हुए को तू ने पानी न पिलाया और भूखे को रोटी देने से नाह किई थी।

तू ने विधवाओं को छूछे हाथ लौटाल दिया और बपमूओं की बांहें तोड़ डाली गई थीं।

इस कारण तेरी चारों ओर फंदे लगे हैं और अचानक डर के मारे तू घबरा रहा है।

क्या तू अंधियारे को नहीं देखता और उस बाढ़ को जिस में तू डूब रहा है।

उस से मेल मिलाप कर तब तुझे शांति मिलेगी और इस से तेरी भलाई होगी।

उस के मुंह से शिक्षा सुन ले और उस के वचन अपने मन में रख।

यदि तू सर्वशक्तिमान की ओर फिरके समीप जाए तो तू बन जाएगा। और जो बात तू ठाने सो तुझ से बन भी पड़ेगी और तेरे मार्गों पर प्रकाश रहेगा।

तब अय्यूब ने कहा—

मेरी कुड़कुड़ाहट अब भी नहीं रुक सकती मेरी मार मेरे कराहने से भारी है।

भला होता कि मैं जानता कि वह कहां मिल सकता और उस के विराजने के स्थान तक जा सकता।

मैं उस के साम्हने अपना मुकद्दमा पेश करता और बहुत से प्रमाण देता।

सुनो मैं आगे जाता पर वह नहीं मिलता मैं पीछे हटता हूं पर वह देख नहीं पड़ता।

जब वह बाईं ओर में काम करता है तब वह मुझे दिखाई नहीं देता जब वह दहनी ओर मुड़ता है तब वहां भी मुझे देख नहीं पड़ता।

पर वह जानता है कि मैं कैसी चाल चला हूं और जब वह मुझे ता ले तब मैं सोने के समान निकलूंगा।

मेरे पैर उस की डगरों में स्थिर रहे और मैं उसी का मार्ग बिना मुड़े पकड़े रहा।

उस की आज्ञा के पालने से मैं न हटा और मैं ने उस के वचन अपनी इच्छा से कहीं अधिक काम के जानकर रख छोड़े।

पर वह एक ही बात पर अड़ा रहता और कोई उस को उस से फेर नहीं सकता जो वह आप चाहता है सोई वह करता है।

कुछ लोग मेंढ़ों को बढ़ाते और भेड़ बकरियां छीनकर चराते हैं।

और वे बपमूओं का गदहा हांक ले जाते और विधवा का बैल बंधक कर रखते हैं।

वे दरिद्र लोगों को मार्ग से हटा देते और देश के दीनों को एकट्ठे छिपना पड़ता है।

देखो वे बनैले गदहों की नाईं अपने काम को अर्थात कुछ खाना यत्न से ढूंढ़ने को निकल जाते हैं उन के लड़केवालों का भोजन उन को जंगल से मिलता है।

उन को खेत में चारा काटना और दुष्टों की बची बचाई दाख बटोरना पड़ता है।

फिर कुछ लोग उजियाले से बैर रखते वे उस के मार्गों को नहीं पहचानते और न उस की डगरों में बने रहते हैं।

खूनी पह फटते ही उठकर दीन दरिद्र मनुष्य को घात करता और रात को चोर बन जाता है।

वे अंधियारे के समय घरों में सेंध मारते और दिन को छिपे रहते हैं वे उजियाले को जानते भी नहीं। सो उन सभों को भोर का प्रकाश घोर अंध-कार सा जान पड़ता है। क्योंकि घोर अंधकार का भय वे जानते हैं।

वे जल के ऊपर हलकी वस्तु के सरीखे हैं उन के भाग को पृथिवी के रहनेहारे कोसते हैं।

और उस की कृपादृष्टि उन की चाल पर लगी रहती है।

वे बढ़ते हैं तब थोड़ी बेर में बिलाय जाते वे दबाये जाते और सभों की नाईं रख लिये जाते हैं।

तब शूही बिल्दद ने कहा—

प्रभुता करना और डराना यह उसी का काम है वह अपने ऊंचे ऊंचे स्थानों में संधि कर रखता है।

क्या उस की सेनाओं की गिनती हो सकती और कौन है जिस पर उस का प्रकाश नहीं पड़ता।

फिर मनुष्य ईश्वर के लेखे धर्म्मी क्योंकर ठहर सकता।

देख उस की दृष्टि में तारे भी निर्मल नहीं ठहरते।

तब अय्यूब ने कहा—

निबल जन की तू ने क्या ही बड़ी सहायता किई और जिस की बांह में सामर्थ्य नहीं उस को तू ने कैसा संभाला है।

निर्बुद्धि मनुष्य को तू ने क्या ही अच्छी संमति दिई और अपनी खरी बुद्धि कैसी ही भली भांति प्रगट किई है।

तू ने किस के हित के लिये बातें कहीं और किस के मन की बातें तेरे मुंह से निकलीं।

वह उत्तर दिशा को निराधार फैलाये रहता है और बिना टेक पृथिवी को लटकाये रखता है।

वह जल को अपनी काली घटाओं में बांध रखता और बादल उस के बोझ से नहीं फटता।

वह अपने सिंहासन के साम्हने बादल फैलाकर उस को छिपाये रखता है।

उजियाले और अंधियारे के बीच जहां सिवाना बंधा है वहां लों उस ने जलनिधि का सिवाना ठहरा रक्खा है।

उस की घुड़की से आकाश के खंभे थरथराकर चकित होते हैं।

वह अपने बल से समुद्र को उछालता और अपनी बुद्धि से रहब को पटक देता है।

उस के आत्मा से आकाश मण्डल स्वच्छ हो जाता है वह अपने हाथ से भागनेहारा नाग मार देता है।

देखो ये तो उस की गति के किनारे ही हैं और उस की आहट फुसफुसाहट ही सी तो सुन पड़ती है फिर उस के पराक्रम के गरजने का भेद कौन समझ सकता है।

अय्यूब ने और भी अपनी गूढ़ बात उठाई और कहा,

मैं ईश्वर के जीवन की सौं खाता हूं जिस ने मेरा न्याय बिगाड़ दिया क्योंकि अब लों मेरी सांस बराबर आती है मैं यह कहता हूं कि मेरे मुंह से कोई कुटिल बात न निकलेगी और न मैं कपट की बातें बोलूंगा।

जब लों मेरा प्राण न छूटे तब लों मैं अपनी खराई न मुकरूंगा।

मैं अपना धर्म्म पकड़े हूं और उस को हाथ से जाने न दूंगा क्योंकि मेरा मन जीवन भर के किसी दिन के विषय मुझे दोषी नहीं ठहराता।

मेरा शत्रु दुष्टों के समान और जो मेरे विरुद्ध उठता है सो कुटिलों के तुल्य ठहरे।

जब ईश्वर भक्तिहीन मनुष्य का प्राण निकाल कर हर ले तब उस की क्या आशा रहेगी।

चांदी की खानि तो होती है और उस सोने के लिये भी स्थान होता है जिसे लोग ताते हैं।

लोहा मिट्टी में से निकाला जाता और पत्थर पिघलाकर पीतल बनाया जाता है।

मनुष्य अन्धियारे को दूर कर दूर दूर लों खोद खोदकर अंधियारे और घोर अंधकार में के पत्थर ढूंढ़ते हैं।

जहां लोग रहते हैं वहां से दूर वे खानि खोदते हैं मनुष्यों से दूर लटके हुए डोलते रहते हैं।

यह भूमि जो है इस से रोटी तो मिलती है पर उस के नीचे के स्थान मानो आग से उलट दिये जाते हैं।

उस के पत्थर नीलमणि का स्थान हैं और उसी में सोने की धूलि भी है।

उस की डगर कोई मांसाहारी पक्षी नहीं जानता और किसी चील की दृष्टि उस पर नहीं पड़ी। उस पर अभिमानी पशुओं ने पांव नहीं धरा और न उस से होकर कोई सिंह कभी गया है।

वह चकमक के पत्थर पर हाथ लगाता और पहाड़ों को जड़ ही से उलट देता है।

वह चटान खोदकर नालियां बनाता और उस की आंखों को हर एक अनमोल वस्तु देख पड़ती है।

वह नदियों को ऐसा रोक देता है कि उन से एक बून्द भी पानी नहीं टपकता और जो कुछ छिपा है उसे वह उजियाले में निकालता है।

पर बुद्धि कहां मिल सकती और समझ का स्थान कहां है।

उस का मोल मनुष्य को मालूम नहीं जीवनलोक में वह कहीं नहीं मिलती।

अथाह सागर कहता है वह मुझ में नहीं है और समुद्र भी कहता है वह मेरे पास नहीं है।

चोखे सोने से वह मोल लिया नहीं जाता और न उस के दाम के लिये चांदी तौली जाती है।

न तो उस के साथ ओपीर के कुन्दन की बराबरी हो सकती है और न अनमोल सुलैमानी पत्थर वा नीलमणि की।

न सोना न कांच उस के बराबर ठहर सकता है कुन्दन के गहने के बदले भी वह नहीं मिलती।

फिर बुद्धि कहां मिल सकती है और समझ का स्थान कहां।

वह सब प्राणियों की आंखों से छिपी है और आकाश के पक्षियों के देखाव में नहीं है।

विनाश और मृत्यु कहती हैं कि हम ने उस की चर्चा सुनी है।

परन्तु परमेश्वर उस का मार्ग समझता है और उस का स्थान उस को मालूम है।

वह तो पृथिवी की छोर लों ताकता रहता और सारे आकाशमण्डल के तले देखता भालता है। जब उस ने वायु का तौल ठहराया और जल को नपुए में नापा,

और मेंह के लिये विधि और गर्जन और बिजली के लिये मार्ग ठहराया, तब उस ने बुद्धि को देखकर उस का बखान भी किया और उस को सिद्ध करके उस का सारा भेद बूझ लिया।

तब उस ने मनुष्य से कहा सुन प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है और बुराई से दूर रहना यही समझ है।

अय्यूब ने और भी अपनी गूढ़ बात उठाई और कहा,

भला होता कि मेरी दशा बीते हुए महीनों की सी होती जिन दिनों में ईश्वर मेरी रक्षा करता था,

जब उस के दीपक का प्रकाश मेरे सिर पर रहता था और उस से उजियाला पाकर मैं अंधेरे में चलता था।

वे तो मेरी जवानी के दिन थे जब ईश्वर की मित्रता मेरे डेरे पर प्रगट होती थी।

तब लों तो सर्वशक्तिमान मेरे संग रहता था और मेरे लड़केबाले मेरी चारों ओर रहते थे।

जब जब मैं नगर के फाटक की ओर चलकर खुले स्थान में अपने बैठने का स्थान तैयार करता था

तब तब जवान मुझे देखकर छिप जाते और पुरनिये उठकर खड़े हो जाते थे।

हाकिम लोग भी बोलने से रुक जाते और हाथ से मुंह मूंदे रहते थे।

क्योंकि जब कोई मेरा समाचार सुनता तब वह मुझे धन्य कहता था और जब कोई मुझे देखता तब मेरे विषय साक्षी देता था, इस कारण कि मैं दोहाई देनेहारे दीन जन को और असहाय बपमूए को भी छुड़ाता था।

जो नाश होने पर था सो मुझे आशीर्वाद देता था और मेरे कारण विधवा आनन्द के मारे गाती थी।

मैं धर्म्म को पहिने रहा और वह मुझे पहिने रहा मेरा न्याय का काम मेरे लिये बागे और सुन्दर पगड़ी का काम देता था।

मैं अन्धों के लिये आंखें और लंगड़ों के लिये पांव ठहरता था।

दरिद्र लोगों का मैं पिता ठहरता और जो मेरी पहिचान का न था उस के मुकद्दमे का हाल मैं पूछपाछ करके जान लेता था।

मैं कुटिल मनुष्यों की डाढ़ें तोड़ डालता और उन का शिकार उन के मुंह से छीनकर बचा लेता था।

तब मैं सोचता था कि मेरे दिन बालू के किनकों के समान अनगिनित होंगे और अपने ही बसेरे में मेरा प्राण छूटेगा।

मेरी जड़ जल की ओर फैली और मेरी डाली पर ओस रात भर पड़ी रहेगी।

मेरी महिमा ज्यों की त्यों बनी रहेगी और मेरा धनुष मेरे हाथ में सदा नया होता जाएगा।

लोग मेरी ही ओर कान लगाकर ठहरते और मेरी सम्मति सुनकर चुप रहते थे। जब मैं बोल चुकता था तब वे कुछ और न बोलते थे।

जैसे लोग बरसात की वैसे ही मेरी भी बाट देखते थे।

मैं उन का मार्ग चुन लेता और उन में मुख्य ठहरकर बैठा करता और जैसा सेना में राजा वा

विलाप करनेहारों के बीच शांतिदाता वैसा ही मैं रहता था।

पर अब जिन की अवस्था मुझ से कम है वे मेरी हंसी करते जिन के पिताओं को मैं अपनी भेड़ बकरियों के कुत्तों के काम के योग्य न जानता था।

ऐसे ही लोग अब मुझ पर लगते गीत गाते और मुझ पर ताना मारते हैं।

उस ने मुझ को कीच में फेंक दिया है और मैं मिट्टी और राख के तुल्य हो गया हूं।

इस कारण मेरा वीणा बजाना विलाप से और मेरा बांसुरी बजाना रोने से बदल गया है।

यदि मैं व्यर्थ चाल चला होऊं वा कपट करने के लिये दौड़ा होऊं,

तो मैं धर्म्म के तराजू में तौला जाऊं कि ईश्वर मेरी खराई जान ले।

यदि मेरे पग मार्ग से मुड़े हों वा मेरा मन आंखों के पीछे हो लिया हो वा मेरे हाथों को कुछ कलंक लगा हो,

तो मैं बीज बोऊं पर दूसरा खाए वरन मेरा खेत उखाड़ डाला जाए।

जब मेरे दास वा दासी मुझ से झगड़ती रहीं तब यदि मैं उनका हक तुच्छ जानता,

यदि मैं ने कंगालों की इच्छा पूरी न किई हो वा मेरे कारण विधवा की आंखें कभी रह गई हों,

वा मैं ने अपना टुकड़ा अकेला खाया हो और उस में से बपमुए न खाने पाये हों,

यदि मैं ने किसी को वस्त्र बिना मरते हुए वा किसी दरिद्र को बिन ओढ़ने देखा हो

वा यदि मैं ने फाटक में अपने सहायक देखकर बपमुओं के मारने को अपना हाथ उठाया हो,

तो मेरी बांह पखौड़े से उखड़कर गिर पड़े और मेरी भुजा की हड्डी टूट जाए।

यदि मैं ने सोने का भरोसा किया होता वा कुन्दन को अपना आसरा कहा होता,

वा अपने बहुत से धन वा अपनी बड़ी कमाई के कारण आनन्द किया होता,

तो यह भी न्यायियों से दण्ड पाने के योग्य अधर्म्म का काम होता।

परदेशी को सड़क पर टिकना न पड़ता था मैं बटोही के लिये अपना द्वार खुला रखता था।

मैं बड़ी भीड़ से त्रास खाता वा कुलीनों से तुच्छ किये जाने का भय मानता जिस से मैं द्वार से बिना निकले चुप चाप रहता।

भला होता कि मेरे कोई सुननेहारा होता सर्वशक्तिमान अभी मेरा न्याय चुकाए देखो मेरा दस्तखत यही है।

मैं उस को अपने पग पग का लेखा देता मैं उस के निकट प्रधान की नाईं निडर जाता।

यदि मेरी भूमि मेरे विरुद्ध दोहाई देती हो और उस की रेघारियां मिलकर रोती हों,

यदि मैं ने अपनी भूमि की उपज बिना मजूरी दिये खाई वा उस के मालिक का प्राण छुड़ाया हो

तो गेहूं के बदले झड़बेड़ी और जव के बदले जंगली घास उगे।

अय्यूब के वचन पूरे हुए हैं।

तब उन तीनों पुरुषों ने यह देखकर कि अय्यूब अपने लेखे में निर्दोष है उस को उत्तर देना छोड़ दिया।

तब यहोवा अय्यूब से आंधी में से कहने लगा,

यह कौन है जो अज्ञानता की बातें कहकर युक्ति को बिगाड़ने चाहता है।

पुरुष की नाईं अपनी कमर बांध मैं तुझ से प्रश्न करता हूं और तू मुझे बता दे।

जब मैं ने पृथिवी की नेव डाली तब तू कहां था यदि तू समझदार हो तो बता दे।

उस की नाप किस ने ठहराई क्या तू जानता है उस पर किस ने डोरी डाली।

उस की कुर्सियां कौन सी वस्तु पर रक्खी गईं किस ने उस के कोने का पत्थर बिठाया,

जब कि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाने और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करने लगे।

फिर जब समुद्र फूट निकला तब किस ने द्वार मून्दकर उस को रोक दिया,

जब कि मैं ने उस को बादल पहिराया और यह कहकर बेंड़े और किवाड़े लगा दिये कि, यहीं तक आ और आगे न बढ़ और तेरी उमंडनेहारी लहर यहीं थम जाएं।

क्या तू ने जीवन भर में कभी भोर को आज्ञा दिई और पह को उस का स्थान जताया है, कि वह पृथिवी की छोरों को उठाकर दुष्ट लोगों को उस पर से झाड़ दे।

क्या तू कभी समुद्र के सोतों तक पहुंचा है वा गहिरे सागर की थाह में कभी चला फिरा है।

क्या मृत्यु के फाटक तुझ पर प्रगट हुए क्या तू घोर अंधकार के फाटकों को कभी देखने पाया है।

क्या तू ने पृथिवी का पाट पूरी रीति से समझ लिया जो तू यह सब जानता हो तो बतला दे।

उजियाले के निवास का मार्ग कहां है और अंधियारे का स्थान कहां है।

फिर क्या तू कभी हिम के भण्डार में पैठा वा कभी ओलों के भण्डार को देखा है, जिस को मैं ने संकट के समय और युद्ध और लड़ाई के दिन के लिये रख छोड़ा है।

किस मार्ग से उजियाला फैलाया जाता और पुरवाई पृथिवी पर बहाई जाती है।

महावृष्टि के लिये किस ने नाला काटा और कड़कनेहारी बिजली के लिये मार्ग बनाया है,

कि निर्जन देश में और जंगल में जहां कोई मनुष्य नहीं रहता पानी बरसाकर,

उजाड़ ही उजाड़ देश को सींचे और हरी घास उगाए।

क्या मेंह का कोई पिता है और ओस की बूंदें किस ने जन्माईं।

क्या तू कचपचिया का गुच्छा गूंथ सकता वा मृगशिरा के बंधन खोल सकता है।

क्या तू आकाशमण्डल की विधियां जानता और पृथिवी पर उन का अधिकार ठहरा सकता है।

क्या तू बादलों को अपनी वाणी सुनाए कि बहुत जल तुझ पर बरसे।

क्या तू बिजली को आज्ञा दे सकता है कि वह निकलकर कहे क्या आज्ञा।

किस ने अन्तःकरण में बुद्धि उपजाई और मन में समझने की शक्ति किस ने दिई है।

क्या तू सिंहनी के लिये अहेर पकड़ सकता और जवान सिंहों का पेट भर सकता है। वे मांद में बैठते और आड़ में घात लगाये दबकर रहते हैं।

फिर जब कौवे के बच्चे ईश्वर की दोहाई देते तब उन को आहार कौन देता है।

क्या तू ढांग पर की बनैली बकरियों के जनने का समय जानता है जब हरिणियां बियाती हैं तब क्या तू देखता रहता है।

किस ने बनैले गदहे को स्वाधीन करके छोड़ दिया है किस ने उस के बंधन खोले हैं। उस का घर मैं ने निर्जल देश को और उस का निवास लोनिया भूमि को ठहराया है।

वह नगर के कोलाहल पर हंसता और हांकनेहारे की हांक सुनता भी नहीं।

पहाड़ों पर जो कुछ मिलता है सोई वह चरता वह सब भांति की हरियाली ढूंढ़ता फिरता है।

फिर शुतरमुर्गी अपने पंखों को आनन्द से फुलाती है पर क्या ये पंख और पर स्नेह के काम आते हैं। वह तो अपने अंडे भूमि में देती और धूलि में उन्हें गर्म करती है, और इस की सुधि नहीं रखती कि ये पांव से दब जाएंगे वा कोई बन पशु इन्हें कुचल डालेगा।

क्या तू घोड़े को उस का बल देता वा उस की गर्दन में फहराती हुई अयाल जमाता है।

क्या उस को टिड्डी की सी उछलने की शक्ति तू देता है उस के फुरकने का शब्द डरावना होता है।

वह तराई में टापता और अपने बल से हर्षित रहता है। वह हथियारबन्दों का साम्हना करने को पयान करता है।

वह डर की बात पर हंसता और नहीं घबराता और तलवार से पीछे नहीं हटता।

तर्कश और चमकता हुआ सांग और भाला उस पर हड़हड़ाता है।

वह रिस और क्रोध के मारे भूमि को निगलता है जब नरसिंगे का शब्द सुनाई देता तब उस से खड़ा नहीं रहा जाता।

जब जब नरसिंगा बजता तब तब वह आहा कहता है और लड़ाई और अफसरों की ललकार और जयजयकार दूर से मानो सूंघ लेता है।

क्या तेरे समझाने से बाज उड़ता और दक्खिन की ओर उड़ने को अपने पंख फैलाता है।

क्या उकाब तेरी आज्ञा से चढ़ जाता और ऊंचे स्थान पर अपना घोंसला बनाता है।

वह ढांग पर रहता और चटान की चोटी और दृढ़स्थान पर बसेरा करता है। वह अपनी आंखों से दूर तक देखता वहां से वह अपने अहेर की ताक लगाता है।

तब अय्यूब ने यहोवा को उत्तर दिया, देख मैं तो तुच्छ हूं मैं तुझे क्या उत्तर दूं सो अपनी अंगुली दांत तले दबाता हूं।

तब यहोवा अय्यूब से आंधी में से यह भी कहने लगा पुरुष की नाईं अपनी कमर बांध मैं तुझ से प्रश्न करता हूं तू मुझे सिखा दे। क्या तू आप निर्दोष ठहरने की मनसा से मुझ को भी दोषी ठहराएगा। क्या तेरा बाहुबल ईश्वर का सा है। क्या तू मेरा सा शब्द करके गरज सकता है।

अपने को महिमा और प्रताप से संवार और ऐश्वर्य्य और तेज के वस्त्र पहिन ले। अपना सारा कोप भड़काकर प्रगट कर और एक एक घमंडी को देखते ही नीचा कर। हर एक घमंडी को देखकर झुका दे और दुष्ट लोगों को जहां के तहां गिरा दे। उनको एक संग मिट्टी में मिला दे और अधोलोक में उन के मुंह बांध रख। तब मैं भी मान लूंगा कि तू अपने ही दहिने हाथ से अपना उद्धार कर सकता है।

तब अय्यूब ने यहोवा से कहा मैं जान गया कि तू सब कुछ कर सकता है और तेरी युक्तियों में से कोई नहीं रुकने की। तू कौन है जो ज्ञान रहित होकर युक्ति को बिगाड़ने चाहता है मैं तो जो नहीं समझता था उसे बोला अर्थात जो बातें मेरे लिये अधिक कठिन और मेरी समझ से बाहर थीं। सुन मैं कुछ कहूंगा मैं तुझ से प्रश्न करता हूं तू मुझे सिखा दे। मैं ने सुनी सुनाई तो तेरे विषय सुनी थी पर अब अपनी आंख से तुझे देखता हूं। इस लिये मैं अपनी बातों को तुच्छ जानता और धूलि और राख में पश्चात्ताप करता हूं।

जब अय्यूब ने अपने मित्रों के लिये प्रार्थना किई तब यहोवा ने उस का सारा दुःख दूर किया और जितना अय्यूब का पहिले था उस का दुगना यहोवा ने उसे दिया।

तब उस के सब भाई और सब बहिनें और जितने पहिले उस को जानते पहिचानते थे उन सभों ने आकर उस के यहां उस के संग भोजन किया और जितनी विपत्ति यहोवा ने उस पर डाली थी उस सब के विषय उन्होंने विलाप किया और उसे शांति दिई और उसे एक एक कसीता और सोने की एक एक बाली दिई। और यहोवा ने अय्यूब के पिछले दिनों में उस को अगले दिनों से अधिक आशीष दिई और उस के चौदह हजार भेड़ बकरियां छः हजार ऊंट हजार जोड़ी बैल और हजार गदहियां हो गईं। और उस के सात बेटे और तीन बेटियां भी उत्पन्न हुईं। और उस सारे देश में ऐसी स्त्रियां कहीं न थीं जो अय्यूब की बेटियों के समान सुन्दर हों और उनके पिता ने उन को उनके भाइयों के सङ्ग ही भाग दिये।

इस के पीछे अय्यूब चार पीढ़ी लों अपना बंश देखने पाया। निदान अय्यूब पुरनिया और दीर्घायु होकर मर गया।

भजन संहिता।

क्या ही धन्य है वह पुरुष।

(भजन १)

क्या ही धन्य है वह पुरुष जो दुष्टों की युक्ति पर नहीं चला
और न पापियों के मार्ग में खड़ा हुआ
न ठट्ठा करनेहारों के बैठक में बैठा हो।
वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता और
उस की व्यवस्था पर रात दिन ध्यान करता रहता है।
सो वह उस वृक्ष के समान होता है जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया हो
और अपनी ऋतु में फलता हो
और जिस के पत्ते मुरझाने के नहीं
और जो कुछ वह पुरुष करे सो सफल होता है।
दुष्ट लोग ऐसे नहीं होते
वे उस भूसी के समान होते हैं जो पवन से उड़ाई जाती है।
इस कारण दुष्ट लोग न्याय में स्थिर न रह सकेंगे
और न पापी धर्म्मियों की मण्डली में ठहरेंगे।
क्योंकि यहोवा धर्म्मियों के मार्ग की सुधि लेता है
और दुष्टों का मार्ग नाश हो जाएगा।

हे हमारे प्रभु तेरा नाम क्या ही प्रतापमय है।

(भजन ८)

हे यहोवा हमारे प्रभु
तेरा नाम सारी पृथिवी पर क्या ही प्रतापमय है
तू ने अपना विभव स्वर्ग पर दिखाया है।
तू ने अपने वैरियों के कारण बच्चों और दूध पिउवों के द्वारा सामर्थ्य की नेव डाली है
इस लिये कि तू शत्रु और पलटा लेनेहारे को रोक रक्खे।
जब मैं आकाश को जो तेरे हाथों का कार्य्य है
और चंद्रमा और तारागण को जो तू ने ठहराये हैं देखता हूं,
तो मनुष्य क्या है कि तू उस का स्मरण करता है
और आदमी क्या कि तू उसकी सुधि लेता है।
तू ने उस को परमेश्वर से थोड़ा घटिया बनाया
और महिमा और प्रताप का मुकुट उस के सिर पर रक्खा है।
तू ने उसे अपने हाथों के कार्य्यों पर प्रभुता दिई
तू ने उस के पांव तले सब कुछ कर दिया है,
भेड़ बकरी और गाय बैल सब के सब
और जितने बनपशु हैं,
आकाश के पक्षी और समुद्र की मछलियां
और जितने जीव जन्तु समुद्रों में चलते फिरते हैं।
हे यहोवा हे हमारे प्रभु
तेरा नाम सारी पृथिवी पर क्या ही प्रतापमय है।

आकाश ईश्वर की महिमा वर्णन कर रहा है।

(भजन १९)

आकाश ईश्वर की महिमा वर्णन कर रहा है
आकाशमण्डल उस के हाथों के काम प्रगट करता है।
दिन से दिन बातें करता
और रात को रात ज्ञान सिखाती है।
न तो बातें न बचन
न उन का कुछ शब्द सुनाई देता है।
उन के स्वर सारी पृथिवी पर
और उन के वचन जगत की छोर लों पहुंच गये हैं।
यहोवा की व्यवस्था खरी है जी में जी ले आनेहारी

यहोवा की चितौनी विश्वासयोग्य है भोले को बुद्धि
देनेहारी।
यहोवा के उपदेश सीधे हैं हृदय को आनन्दित
करनेहारे
यहोवा की आज्ञा निर्मल है आंखों में ज्योति ले
आनेहारी।
यहोवा का भय शुद्ध है अनन्तकाल लों ठहरनेहारा
यहोवा के नियम सत्य और पूरी रीति से धर्म्म-
मय हैं।
वे तो सोने से और बहुत कुन्दन से भी बढ़कर
मनभाऊ हैं
वे मधु से और टपकनेहारे छत्ते से भी बढ़कर
मधुर हैं।
फिर उन से तेरा दास चिताया जाता है
उन के पालन करने से बड़ा ही बदला मिलता है।
अपनी भूल चूक को कौन समझ सके
मेरे गुप्त पापों से तू मुझे निर्दोष ठहरा दे।
और ढिठाई से भी अपने दास को रोक रख
वह मुझ पर प्रभुता करने न पाएं तब मैं खरा हूंगा
और बड़े अपराध के विषय निर्दोष ठहरूंगा।
हे यहोवा हे मेरी चटान और मेरे छुड़ानेहारे
मेरे मुंह के वचन और मेरे हृदय का ध्यान तुझे भाए।

यहोवा मेरा चरवाहा है।

(भजन २३)

यहोवा मेरा चरवाहा है मुझे कुछ घटी न
होगी।
वह मुझे हरी हरी चराइयों में बैठाता।
वह मुझे सुखदाई जल के पास ले चलता है।
वह मेरे जी में जी ले आता है
धर्म्म के मार्गों में वह अपने नाम के निमित्त मेरी
अगुवाई करता है।
चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर
चलूं
तौभी हानि से न डरूंगा क्योंकि तू मेरे साथ रहता है
तेरे सोंटे और लाठी से मुझे शांति मिलती है।
तू मेरे सतानेहारों के साम्हने मेरे लिये मेज लगाता है
तू ने मेरे सिर पर तेल डाला है
मेरा कटोरा उमगड रहा है।
सचमुच भलाई और करुणा जीवन भर मेरे पीछे
पीछे बनी रहेंगी
और मैं यहोवा के घर में पहुंचकर ढेर दिन रहूंगा।

पृथिवी यहोवा ही की है।

(भजन २४)

पृथिवी और जो कुछ उस में है सो यहोवा
ही का है
जगत अपने बासियों समेत उसी का है।
क्योंकि उसी ने उस को समुद्रों के ऊपर दृढ़ करके
रक्खा
और महानदों के ऊपर स्थिर किया है।
यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता
और उस के पवित्रस्थान में कौन खड़ा हो सकता है।
जिस के काम निर्दोष और हृदय शुद्ध है
जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया
और न कपट से किरिया खाई है।
वह यहोवा की ओर से आशीष पाएगा
और अपने उद्धार करनेहारे परमेश्वर की ओर से
धर्म्मी ठहरेगा।
हे फाटको खुल जाओ
और हे सनातन द्वारो खुल जाओ
कि प्रतापी राजा प्रवेश करे।
वह प्रतापी राजा कौन है
वह तो सामर्थी और पराक्रमी यहोवा है
वह युद्ध में पराक्रमी यहोवा है।
हे फाटको खुल जाओ
और हे सनातन द्वारो तुम भी खुल जाओ
कि प्रतापी राजा प्रवेश करे।
वह जो प्रतापी राजा है सो कौन है
सेनाओं का यहोवा वही प्रतापी राजा है।

हे यहोवा अपने मार्ग मुझको दिखा दे।

(भजन २५)

हे यहोवा मैं अपने मन को तेरी ओर लगाता हूं।
हे मेरे परमेश्वर मैंने तुझी पर भरोसा रक्खा है
मेरी आशा टूटने न पाए
मेरे शत्रु मुझ पर जय-जयकार करने न पाएं।
बरन जितने तेरी बाट जोहते हैं उन में से किसी की आशा न टूटेगी
पर जो अकारण विश्वासघाती हैं उन्हीं की आशा टूटेगी।
हे यहोवा अपने मार्ग मुझ को दिखा दे
अपने पथ मुझे बता दे।
मुझे अपने सत्य पर चला और शिक्षा दे
क्योंकि मेरा उद्धार करनेहारा परमेश्वर तू है
दिन भर मैं तेरी ही बाट जोहता रहता हूं।
हे यहोवा अपनी दया और करुणा के कामों को स्मरण कर
क्योंकि वे तो सदा से होते आये हैं।
हे यहोवा अपनी भलाई के कारण
मेरी जवानी के पापों और मेरे अपराधों को स्मरण न कर
अपनी करुणा ही के अनुसार तू मुझे स्मरण कर।
यहोवा भला और सीधा है
इस कारण वह पापियों को अपना मार्ग दिखाएगा।
वह नम्र लोगों को न्याय पर चलाएगा
और नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखाएगा।
जो यहोवा की वाचा और चितौनियों को पालन करते हैं
उन के लिये उस का सारा व्यवहार करुणा और सच्चाई का होता है।
हे यहोवा अपने नाम के निमित्त
मेरे अधर्म्म को जो बड़ा है क्षमा कर।
कोई भी मनुष्य जो यहोवा का भय मानता हो
यहोवा उस के चुने हुए मार्ग में उस की अगुवाई करेगा।
वह कुशल से टिका रहेगा
और उस का वंश पृथिवी का अधिकारी होगा।
यहोवा अपने डरवैयों के साथ गाढ़ी मित्रता रखता है
और अपनी वाचा खोलकर उन को बताता है
मेरी आंखें यहोवा पर टकटकी बान्धे हैं
क्योंकि मेरे पांवों को जाल में से वही छुड़ाएगा।
हे यहोवा मेरी ओर फिरके मुझ पर अनुग्रह कर
क्योंकि मैं अकेला और दीन हूं।
मेरे हृदय का क्लेश बढ़ गया
तू मुझे सकेती से निकाल।
मेरे दुःख और कष्ट पर दृष्टि कर
और मेरे सारे पापों को क्षमा कर।
मेरे शत्रुओं को देख कि वे कैसे बढ़ गये हैं
और मुझ से बड़ा बैर रखते हैं।
मेरे प्राण की रक्षा कर और मुझे छुड़ा
मेरी आशा टूटने न पाए क्योंकि मैं तेरा शरणागत हूं।
खराई और सीधाई मेरी रक्षा करें
क्योंकि मैं तेरी बाट जोहता हूं।

यहोवा मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है।

(भजन २७)

यहोवा मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है सो मैं किस से डरूं
यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है सो मैं किस का भय खाऊं।
जब कुकर्म्मियों ने जो मुझे सताते और मुझी से बैर रखते थे
मुझे खा डालने के लिये मुझ पर चढ़ाई किई थी
तब वे ही ठोकर खाकर गिर पड़े।
चाहे सेना भी मेरे विरुद्ध छावनी करे
तौभी मैं न डरूंगा
चाहे मेरे विरुद्ध लड़ाई उठे

उस दशा में भी मैं हियाव बान्धे रहूंगा।
एक बर मैं ने यहोवा से मांगा है उसी के यत्न में
लगा रहूंगा
कि मैं जीवन भर यहोवा के भवन में रहने पाऊं
जिस से यहोवा की मनोहरता पर टकटकी लगाये रहूं
और उस के मन्दिर में ध्यान किया करूं।
वह तो मुझे विपत्ति के दिन में अपने मण्डप में
छिपा रक्खेगा
अपने तंबू के गुप्तस्थान में वह मुझे गुप्त रक्खेगा
और चटान पर चढ़ाये रक्खेगा।
सो अब मेरा सिर मेरे चारों ओर के शत्रुओं से
ऊंचा होगा
और मैं यहोवा के तंबू में जयजयकार के साथ
बलिदान चढ़ाऊंगा
और उस का भजन गाऊंगा।
हे यहोवा सुन मैं ऊंचे शब्द से पुकारता हूं
सो तू मुझ पर अनुग्रह करके मेरी सुन ले।
तू ने कहा है कि मेरे दर्शन के खोजी हो इसलिये
मेरा मन तुझ से कहता है कि
हे यहोवा तेरे दर्शन का मैं खोजी होता हूं।
अपना मुख मुझ से न छिपा
अपने दास को कोप करके न हटा
तू मेरा सहायक बना है
हे मेरे उद्धार करनेहारे परमेश्वर मेरा त्याग न कर
और मुझे छोड़ न दे।
मेरे माता पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है
पर यहोवा मुझे रख लेगा।
हे यहोवा अपने मार्ग में मेरी अगुवाई कर
और मेरे द्रोहियों के कारण
मुझ को चौरस रास्ते पर ले चल।
मुझ को मेरे सतानेहारों की इच्छा पर न छोड़
क्योंकि झूठे साक्षी जो उपद्रव करने की धुन में हैं
सो मेरे विरुद्ध उठे हैं।
मैं विश्वास करता हूं कि यहोवा की भलाई को
जीते जी देखने पाऊंगा।
यहोवा की बाट जोह
हियाव बांध और तेरा हृदय दृढ़ रहे
यहोवा की बाट जोहता ही रह।

मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूंगा।

(भजन ३४)

मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूंगा
उस की स्तुति निरन्तर मेरे मुख से
होती रहेगी।
मैं यहोवा पर घमण्ड करूंगा
नम्र लोग यह सुनकर आनन्दित होंगे
मेरे साथ यहोवा की बड़ाई करो
और आओ हम मिलकर उस के नाम को सराहें।
मैं यहोवा के पास गया तब उस ने मेरी सुन लिई
और मुझे पूरी रीति से निर्भय किया।
जिन्हों ने उस की ओर दृष्टि किई
उन्हों ने ज्योति पाई
और उन का मुंह कभी काला न होने पाए।
इस दीन जन ने पुकारा तब यहोवा ने सुन लिया
और इस को इस के सारे कष्टों से छुड़ा लिया।
यहोवा के डरवैयों की चारों ओर उसका दूत
छावनी किये हुए
उन को बचाता है।
परखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है
क्या ही धन्य है वह पुरुष जो उस की शरण लेता है।
हे यहोवा के पवित्र लोगो उस का भय मानो
क्योंकि उस के डरवैयों को किसी बात की घटी
नहीं होती।
जवान सिंहों को घटी हो और वे भूखे रह जाएं
पर यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की
घटी न होवेगी।
हे लड़को आओ मेरी सुनो
मैं तुम को यहोवा का भय मानना सिखाऊंगा,
कि जो कोई जीवन की इच्छा रखता
और दीर्घायु चाहता हो कि कुशल से रहे,
अपनी जीभ बुराई से रोक रख
और अपने मुंह की चौकसी कर कि उस से छल की
बात न निकले।
बुराई को छोड़ और भलाई कर

मेल को ढूंढ़ और उस का पीछा न छोड़।
यहोवा की आंखें धर्म्मियों पर लगी रहती हैं
और उस के कान भी उन की दोहाई की ओर लगे
रहते हैं।
यहोवा बुराई करनेहारों के विमुख रहता है
कि उन का नाम पृथिवी पर से मिटा डाले।
लोग दोहाई देते और यहोवा सुनता
और उन को सारी विपत्तियों से छुड़ाता है।
यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है
और पिसे हुओं का उद्धार करता है।
धर्म्मी पर बहुत सी विपत्तियां पड़ती तो हैं
पर यहोवा उस को उन सब से छुड़ाता है।
दुष्ट अपनी बुराई के द्वारा मारा पड़ेगा
और धर्म्मी के बैरी दोषी ठहरेंगे।
यहोवा अपने दासों का प्राण बचा लेता है
और जितने उस के शरणागत हैं उन में से कोई
दोषी न ठहरेगा।

यहोवा का आसा रख।

(भजन ३७)

कुकर्म्मियों के कारण मत कुढ़
कुटिल काम करनेहारों के विषय डाह
न कर।
क्योंकि वे घास की नाईं झट कट जाएंगे।
और हरी घास की नाईं मुर्झा जाएंगे।
यहोवा पर भरोसा रख और भला कर
देश में बसा रह और सच्चाई में मन लगाये रह।
यहोवा को अपने सुख का मूल जान
और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा।
अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़
और उस पर भरोसा रख वही पूरा करेगा।
और वह तेरा धर्म्म ज्योति की नाईं
और तेरा न्याय दो पहर के उजियाले की नाईं
प्रगट करेगा।
यहोवा के साम्हने चुपचाप रह और धीरज से
उस का आसा रख
उस के कारण न कुढ़ जिस के काम सुफल होते हैं
और वह बुरी युक्तियों को निकालता है।
कोप से परे रह और जलजलाहट को छोड़ दे
मत कुढ़ उस से बुराई ही निकलेगी।
कुकर्म्मी लोग काट डाले जाएंगे
और जो यहोवा की बाट जोहते हैं सोई पृथिवी के
अधिकारी होंगे।
थोड़े दिन के बीतने पर दुष्ट रहेहीगा नहीं
पर नम्र लोग पृथिवी के अधिकारी होंगे
और बड़ी शांति के कारण सुख मानेंगे।
धर्म्मी का थोड़ा सा
बहुत से दुष्टों के ढेर से उत्तम है।
क्योंकि दुष्टों की भुजाएं तो तोड़ी जाएंगी
पर यहोवा धर्म्मियों को संभालता है।
यहोवा खरे लोगों की आयु की सुधि रखता है
और उन का भाग सदा लों बना रहेगा।
विपत्ति के समय उन की आशा न टूटेगी
और अकाल के दिनों में वे तृप्त रहेंगे।
दुष्ट लोग नाश हो जाएंगे
और यहोवा के शत्रु खेत की सुथरी घास की नाईं
नाश होंगे
वे धूएं की नाईं बिलाय जाएंगे।
दुष्ट ऋण लेता है और भरता नहीं
पर धर्म्मी अनुग्रह करके दान देता है।
मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है
और उस के चलन से वह प्रसन्न रहता है।
चाहे वह गिरे तौभी बिछा न दिया जाएगा
क्योंकि यहोवा उस का हाथ थांभे रहता है।
मैं लड़कपन से ले बुढ़ापे लों देखता आया हूं
पर न तो कभी धर्म्मी को त्यागा हुआ
और न उस के वंश को टुकड़े मांगते देखा है।
मैं ने दुष्ट को बड़ा पराक्रमी और ऐसा फैलता
हुआ देखा
जैसा कोई हरा पेड़ अपने निज देश में फैले।
पर किसी ने उधर से जाते हुए क्या देखा कि
वह है ही नहीं
और मैं ने भी उसे ढूंढ़कर कहीं न पाया।
खरे को ताक और सीधे को देख रख
क्योंकि मेल से रहनेवाले पुरुष का अन्तफल होगा।

पर अपराधी एक साथ सत्यनाश किये जाएंगे
दुष्टों का अन्तफल काटा जाएगा।
धर्म्मियों का बचाव यहोवा की ओर से होता है
संकट के समय वह उन का दृढ़ स्थान ठहरता है।
और यहोवा उन की सहायता करके उन को छुड़ाता है
वह उनको दुष्टों से छुड़ाकर उन का उद्धार करता है
इस लिये कि वे उस के शरणागत हैं।

हे यहोवा मेरी प्रार्थना सुन।

(भजन ३९)

मैं ने कहा मैं अपनी चालचलन में चौकसी करूंगा
न हो कि वचन से पाप करूं
जब लों दुष्ट मेरे साम्हने रहे
तब लों मैं ढाठी लगाये अपना मुंह बन्द किये रहूंगा।
मैं मौन रहकर गूंगा बन गया भली बात भी न बोला
और मेरी पीड़ा बढ़ती गई।
मेरा हृदय जल उठा
मेरे सोचते सोचते आग भड़क उठी
तब मैं बोल उठा कि,
हे यहोवा मेरा अन्त मुझे जता
और यह कि मेरे दिन कितने हैं
जिस से मैं जान लूं कि कैसा अनित्य हूं।
देख तू ने मेरे दिनों को बित्ते भर के किये
और मेरी अवस्था तेरी दृष्टि में कुछ है ही नहीं
सचमुच सब मनुष्य कैसे ही स्थिर क्यों न हों तौभी सांस ठहरे हैं।
सचमुच मनुष्य छाया सा चलता फिरता है
सचमुच उस की घबराहट व्यर्थ है
वह धन का संचय तो करता है पर नहीं जानता
कि किस के भण्डार में पड़ेगा।
और अब हे प्रभु मैं किस बात की बाट जोहूं
मेरी आशा तेरी ओर लगी है।
मुझे मेरे सब अपराधों के बंधन से छुड़ा
मूढ़ को मेरी नामधराई न करने दे।
हे यहोवा मेरी प्रार्थना सुन और मेरी दोहाई पर कान धर
मेरा रोना सुनने से कान न मूंद
क्योंकि मैं तेरे संग उपरी होकर रहता हूं
और अपने सब पुरखाओं के समान परदेशी हूं।
उस से पहिले कि मैं जाता रहूं और आगे को न रहूं
मेरी ओर से मुंह फेर कि मेरा मन हरा हो जाए।

मेरा सहायक और छुड़ानेहारा।

(भजन ४०)

मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा
और उस ने मेरी ओर झुककर मेरी दोहाई सुनी।
उस ने मुझे सत्यानाश के गड़हे और दलदल की कीच में से उबारा
और मुझ को ढांग पर खड़ा करके मेरे पैरों को दृढ़ दिया है।
और उस ने मुझे एक नया गीत सिखाया जो हमारे परमेश्वर की स्तुति का है
बहुतेरे यह देखकर डरेंगे
और यहोवा पर भरोसा रक्खेंगे।
हे मेरे परमेश्वर यहोवा तू ने बहुत से काम किये हैं
जो आश्चर्य्यकर्म्म और कल्पनाएं तू हमारे लिये करता है सो बहुत सी हैं
तेरे तुल्य कोई नहीं
मैं तो चाहता हूं कि खोलकर उन की चर्चा करूं
पर उन की गिनती कुछ भी नहीं हो सकती।
हे मेरे परमेश्वर मैं तेरी इच्छा पूरी करने से प्रसन्न हूं
और तेरी व्यवस्था मेरे अन्तःकरण में बनी है।
हे यहोवा तू भी अपनी बड़ी दया मुझ पर से न हटा ले
तेरी करुणा और सत्यता से निरन्तर मेरी रक्षा होती रहे।
क्योंकि मैं अनगिनित बुराइयों से घिरा हुआ हूं
मेरे अधर्म्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा और मैं दृष्टि नहीं कर सकता
वे गिनती में मेरे सिर के बालों से अधिक हैं सो मेरे जी में जी नहीं रहा

हे यहोवा कृपा करके मुझे छुड़ा
हे यहोवा मेरी सहायता के लिये फुर्ती कर।
जो मेरे प्राण की खोज में हैं
उन सभों की आशा टूट जाए और उन के मुंह काले हों
जो मेरी हानि से प्रसन्न होते हैं
सो पीछे हटाये और निरादर किये जाएं।
जो मुझ से आहा आहा कहते हैं
सो अपनी लज्जा के मारे विस्मित हों।
जितने तुझे ढूंढ़ते हैं सो सब तेरे कारण हर्षित और आनन्दित हों
जो तेरा किया हुआ उद्धार चाहते हैं सो निरन्तर कहते रहें
कि यहोवा की बड़ाई हो।
मैं तो दीन और दरिद्र हूं
तौभी प्रभु मेरी चिन्ता करता है
तू मेरा सहायक और छुड़ानेहारा है
हे मेरे परमेश्वर विलम्ब न कर।

धन्य है वह जो कंगाल की सुधि रखता है।

(भजन ४१)

क्या ही धन्य है वह जो कंगाल की सुधि रखता है
विपत्ति के दिन यहोवा उस को बचाएगा।
यहोवा उस की रक्षा करके उस को जीता रक्खेगा
और वह पृथिवी पर भाग्यवान होगा।
तू उस को शत्रुओं की इच्छा पर न छोड़।
मेरे शत्रु यह कहकर मेरी बुराई कहते हैं
कि वह कब मरेगा और उस का नाम कब मिटेगा।
मेरा परम मित्र जिस पर मैं भरोसा रखता था
और वह मेरी रोटी खाता था
उस ने भी मेरे विरुद्ध लात उठाई है।
पर हे यहोवा तू मुझपर अनुग्रह करके मुझको उठा
कि मैं उन को बदला दूं।
परमेश्वर यहोवा
सदा से सदा लों धन्य है
आमेन फिर आमेन।

जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांपती है।

(भजन ४२)

जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांफती है
वैसे ही हे परमेश्वर मैं तेरे लिये हांफता हूं
जीवते ईश्वर परमेश्वर का मैं प्यासा हूं
मैं कब जाकर परमेश्वर को अपना मुंह दिखाऊंगा।
मेरे आंसू दिन और रात मेरा आहार हुए हैं
और लोग दिन भर मुझ से कहते रहते हैं कि तेरा परमेश्वर कहां रहा।
हे मेरे जीव तू क्यों ढया जाता
और मेरे ऊपर क्यों कुढ़ता है
परमेश्वर की आशा लगाये रह
क्योंकि मैं उस के दर्शन से उद्धार पाकर
फिर उस का धन्यवाद करने पाऊंगा।
हे मेरे परमेश्वर मेरा जीव ढया जाता है
इस लिये मैं यर्दन के पास के देश में
और हेर्मोन के पहाड़ों और मिसार की पहाड़ी के पास रहते हुए तुझे स्मरण करता हूं।
पर दिन को यहोवा अपनी शक्ति और करुणा प्रगट करेगा
और रात को भी मैं उस का गीत गाऊंगा।

परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है।

(भजन ४६)

परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है संकट में सहायक जो अति सहज से मिलता है।
इस कारण हम न डरेंगे चाहे पृथिवी उलट जाए
और पहाड़ समुद्र के मध्य में डोलकर गिरें।
चाहे समुद्र गरजे और फेनाए

और पहाड़ उस के बढ़ने से कांप उठें।
एक नदी है जिस की नहरों से परमेश्वर के नगर में
परमप्रधान के पवित्र निवास में आनन्द होता है।
परमेश्वर उस नगर के बीच में है वह नहीं टलने का
पह फटते ही परमेश्वर उस की सहायता करता है।
जाति जाति के लोग गरज उठे राज्य राज्य के लोग
डगमगाने लगे
वह बोल उठा और पृथिवी पिघल गई।
सेनाओं का यहोवा हमारे संग है
याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है।
आओ यहोवा के महाकर्म देखो
कि उस ने पृथिवी पर कैसा उजाड़ किया है।
वह पृथिवी की छोर तक लड़ाइयों को मिटाता है।
वह धनुष को तोड़ता और भाले को दो टुकड़े करता
और रथों को आग में झोंक देता है।
रह जाओ और जान लो कि परमेश्वर मैं ही हूं
मैं जातियों में महान हूंगा
मैं पृथिवी भर में महान हूंगा।
सेनाओं का यहोवा हमारे संग है
याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है।

हे परमेश्वर मेरे लिये शुद्ध मन सिरज।

(भजन ५१)

हे परमेश्वर अपनी करुणा के अनुसार मुझ
पर अनुग्रह कर
अपनी बड़ी दया के अनुसार मेरे अपराधों को
मिटा दे।
मुझे भली भांति धोकर मेरा अधर्म्म दूर कर
और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर।
मैं तो अपने अपराधों को जानता हूं
और मेरा पाप निरन्तर मेरी दृष्टि में रहता है।
मैं ने केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया
और जो तेरे लेखे में बुरा है वही किया है
जूफा के द्वारा मेरा पाप दूर कर और मैं शुद्ध हो
जाऊंगा
मुझे धो और मैं हिम से अधिक श्वेत बनूंगा।
अपना मुख मेरे पापों की ओर से फेर
और मेरे सारे अधर्म्म के कामों को मिटा।
हे परमेश्वर मेरे लिये शुद्ध मन सिरज
और मेरे भीतर स्थिर आत्मा नये सिरे से उपजा।
मुझे अपने साम्हने से निकाल न दे
और अपने पवित्र आत्मा को मुझ से न ले ले।
अपने किये हुए उद्धार का हर्ष मुझे फेर दे
और उदार आत्मा देकर मुझे संभाल।
तब मैं अपराधियों को तेरे मार्ग बताऊंगा
और पापी तेरी ओर फिरेंगे।
हे परमेश्वर हे मेरे उद्धारकर्त्ता परमेश्वर मुझे खून
से छुड़ा
मैं तेरे धर्म्म का जयजयकार करूंगा।
हे प्रभु मेरा मुंह खोल
तब मैं तेरा गुणानुवाद करूंगा
तू मेलबलि से प्रसन्न नहीं होता नहीं तो मैं देता
होमबलि को भी तू नहीं चाहता।
टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है
हे परमेश्वर तू टूटे और पिसे हुए मन को तुच्छ
नहीं जानता।

तराइयां जयजयकार करतीं।

(भजन ६५)

हे परमेश्वर सिय्योन में तेरे साम्हने चुपचाप
रहना ही स्तुति है
तू पराक्रम का फेंटा कसे हुए
अपने सामर्थ्य से पर्वतों को स्थिर करता है।
तू समुद्र का महाशब्द उस की तरङ्गों का महा-
शब्द और देश देश के लोगों का कोलाहल शान्त
करता है।
तू भूमि की सुधि लेकर उस को सींचता है
तू उस को बहुत फलदायक करता है
परमेश्वर की नहर जल से भरी रहती है
तू पृथिवी को तैयार करके मनुष्यों के लिये अन्न को
तैयार करता है।
तू रेघारियों को भली भांति सींचता

और उन के बीच बीच की मिट्टी को बैठाता है
तू भूमि को मेंह से नरम करता
और उस की उपज पर आशीष देता है ।
अपनी भलाई से भरे हुए बरस पर तू ने मानो
  मुकुट धर दिया है
तेरी लीकों में उत्तम उत्तम पदार्थ पाये जाते हैं ।
वे जंगल की चराइयों में पाये जाते हैं
और पहाड़ियां हर्ष का फेंटा बांधे हुए हैं ।
चराइयां भेड़ बकरियों से भरी हुई
और तराइयां अन्न से ढंपी हुई हैं
वे जयजयकार करतीं और गाती भी हैं ।

परमेश्वर हम पर अनुग्रह करे ।

(भजन ६७)

परमेश्वर हम पर अनुग्रह करे और हम
  को आशीष दे
वह हम पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए ।
जिस से तेरी गति पृथिवी पर
और तेरा किया हुआ उद्धार सारी जातियों में जाना
  जाए ।
हे परमेश्वर देश देश के लोग तेरा धन्यवाद करें
देश देश के सब लोग तेरा धन्यवाद करें ।
राज्य राज्य के लोग आनन्द करें और जयजयकार
  करें
क्योंकि तू देश देश के लोगों का न्याय धर्म्म से
  करेगा
और पृथिवी के राज्य राज्य के लोगों की अगुवाई
  करेगा ।
हे परमेश्वर देश देश के लोग तेरा धन्यवाद करें ।
देश देश के सब लोग तेरा धन्यवाद करें ।
भूमि ने अपनी उपज दिई है
परमेश्वर जो हमारा परमेश्वर है सो हमें आशीष
  देगा ।
परमेश्वर हम को आशीष देगा
और पृथिवी के दूर दूर देशों के सारे लोग उस का
  भय मानेंगे ।

जाति जाति के लोग उस के अधीन हो जाएंगे ।

(भजन ७२)

हे परमेश्वर राजा को अपना नियम बता
  राजपुत्र को अपना धर्म्म सिखा ।
वह तेरी प्रजा का न्याय धर्म्म से
और तेरे दीन लोगों का न्याय ठीक ठीक चुकाएगा ।
पहाड़ों और पहाड़ियों से प्रजा के लिये
धर्म्म के द्वारा शान्ति मिला करेगी ।
वह प्रजा में के दीन लोगों का न्याय करेगा
और दरिद्र लोगों को बचाएगा
और अन्धेर करनेहारे को चूर करेगा ।
जब लों सूर्य्य और चन्द्रमा बने रहेंगे
तब लों लोग पीढ़ी पीढ़ी तेरा भय मानते रहेंगे ।
वह घास की खूंटी पर बरसनेहारे मेंह
और भूमि सींचनेहारी झड़ियों के समान होगा ।
उस के दिनों में धर्म्मी फूलें फलेंगे
और जब लों चन्द्रमा बना रहेगा तब लों शान्ति
  बहुत रहेगी ।
और वह समुद्र से समुद्र लों
और महानद से पृथिवी की छोर लों प्रभुता करेगा ।
उस के साम्हने जंगल के रहनेहारे घुटने टेकेंगे
और उस के शत्रु माटी चाटेंगे ।
शबा और सबा दोनों के राजा द्रव्य पहुंचाएंगे ।
सारे राजा उस को दण्डवत करेंगे
जाति जाति के लोग उस के अधीन हो जाएंगे ।
क्योंकि वह दोहाई देनेहारे दरिद्र को
और दुःखी और असहाय मनुष्य को उबारेगा ।
वह कंगाल और दरिद्र पर तरस खाएगा
और दरिद्रों के प्राणों को बचाएगा ।
जब लों सूर्य्य बना रहेगा तब लों उस का नाम
  नित्य नया होता रहेगा
और लोग अपने को उस के कारण धन्य गिनेंगे
सारी जातियां उस को भाग्यवान कहेंगी ।
धन्य है यहोवा परमेश्वर

आश्चर्य्य कर्म्म केवल वही करता है।
और उसका महिमायुक्त नाम सर्वदा धन्य रहेगा
और सारी पृथिवी उस की महिमा से परिपूर्ण होगी
    आमेन फिर आमेन।

——

मेरा जीव यहोवा की अभिलाषा करता।

(भजन ८४)

हे सेनाओं के यहोवा
    तेरे निवास क्या ही प्रिय हैं।
मेरा जीव यहोवा के आंगनों की अभिलाषा करते
    करते मूर्छित हो चला
मेरा तन मन दोनों जीवते ईश्वर को पुकार रहे हैं।
हे सेनाओं के यहोवा हे मेरे राजा और मेरे परमेश्वर तेरी वेदियों में,
गौरैया का बसेरा
और सूपाबेनी को घोंसला मिला तो है
जिस में वह अपने बच्चे रक्खे।
क्या ही धन्य हैं वे जो तेरे भवन में रहते हैं
वे तेरी स्तुति निरन्तर करते रहेंगे।
क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो तुझ से शक्ति पाता
और वे जिन को सिय्योन की सड़क की सुधि
    रहती है।
वे बल पर बल पाते जाते हैं
हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा मेरी प्रार्थना सुन
हे याकूब के परमेश्वर कान लगा।
हे परमेश्वर हे हमारी ढाल दृष्टि कर
और अपने अभिषिक्त का मुख देख।
क्योंकि तेरे आंगनों में का एक दिन और कहीं के
    हजार दिन से उत्तम है
दुष्टों के डेरों में बास करने से
अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना
    ही मुझे अधिक भावता है।
क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य्य और ढाल है
यहोवा अनुग्रह करेगा और महिमा देगा
और जो लोग खरी चाल चलते हैं उन से वह कोई
    अच्छा पदार्थ रख न छोड़ेगा।
हे सेनाओं के यहोवा
क्या ही धन्य वह मनुष्य है जो तुझ पर भरोसा
    रखता है।

——

अनादि काल से अनन्तकाल लों।

(भजन ९०)

हे प्रभु तू पीढ़ी पीढ़ी
    हमारे लिये धाम बना है।
उस से पहिले कि पहाड़ उत्पन्न हुए
और तू ने पृथिवी और जगत को रचा
वरन अनादि काल से अनन्तकाल लों तू ही ईश्वर है।
क्योंकि हजार बरस तेरी दृष्टि में
बीते हुए काल के दिन के
वा रात के एक पहर के सरीखे हैं।
तू मनुष्यों को धारा में बहा देता है वे स्वप्न ठहरते हैं
भोर को वे बढ़नेहारी घास के सरीखे होते हैं।
वह भोर को फूलती और बढ़ती है
और सांझ तक कटकर मुर्झा जाती है।
क्योंकि हम तेरे कोप से नाश हुए
और तेरी जलजलाहट से घबरा गये हैं।
तू ने हमारे अधर्म्म के कामों को अपने सन्मुख
और हमारे छिपे हुए पापों को अपने मुख की ज्योति
    में रक्खा है।
क्योंकि हमारे सारे दिन तेरे रोष में बीत जाते हैं
हम अपने बरस शब्द की नाईं बिताते हैं।
हमारी आयु के बरस सत्तर तो होते हैं
और चाहे बल के कारण अस्सी बरस भी हों
तौभी उन पर का घमण्ड कष्ट और व्यर्थ बात
    ठहराता है
क्योंकि वह जल्दी कट जाती है और हम जाते
    रहते हैं।
हम को अपने दिन गिनने की समझ दे
कि हम बुद्धिमान हो जाएं।
तेरा काम तेरे दासों को
और तेरा प्रताप उन की सन्तान पर प्रगट हो।

और हमारे परमेश्वर यहोवा की मनोहरता हम पर प्रगट हो
तू हमारे हाथों का काम हमारे लिये दृढ़ कर
हमारे हाथों के काम को दृढ़ कर।

वह तुझे बचाएगा।

(भजन ९१)

जो परमप्रधान के छाये हुए स्थान में बैठा रहे
सो सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।
मैं यहोवा के विषय कहूंगा कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है
वह मेरा परमेश्वर है मैं उस पर भरोसा रक्खूंगा।
वह तो तुझे बहेलिये के जाल से
और महामरी से बचाएगा।
वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा
और तू उस के परों के नीचे शरण पाएगा
उस की सच्चाई तेरे लिये ढाल और झिलम ठहरेगी।
तू न तो रात के भय से
और न उस तीर से जो दिन को उड़ता है,
न उस मरी से जो अंधेरे में फैलती है डरेगा
और न उस महारोग से जो दिन दुपहरी उजाड़ता है।
तेरे निकट हजार
और तेरी दहिनी ओर दस हजार गिरेंगे
पर वह तेरे पास न आएगा।
तू ने जो परमप्रधान को अपना धाममान लिया है,
इस लिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी
न कोई दुःख तेरे डेरे के निकट आएगा।
क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा
कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।
तू सिंह और नाग को कुचलेगा
तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।

धन्यवाद करना भला है।

(भजन ९२)

यहोवा का धन्यवाद करना भला है
हे परमप्रधान तेरे नाम का भजन गाना,
प्रातःकाल को तेरी करुणा
और रात रात तेरी सच्चाई का प्रचार करना,
दस तारवाले बाजे और सारंगी पर
और वीणा पर गंभीर स्वर से गाना भला है।
हे यहोवा तेरे काम क्या ही बड़े हैं।
दुष्ट जो घास की नाईं फूलते फलते
और सब अनर्थकारी जो प्रफुल्लित होते हैं
यह इस लिये होता है कि वे सर्वदा के लिये नाश हो जाएं।
क्योंकि हे यहोवा तेरे शत्रु
तेरे शत्रु नाश होंगे
सब अनर्थकारी तित्तर बित्तर होंगे,
धर्म्मी लोग खजूर की नाईं फूलें फलेंगे
और लबानोन के देवदारु की नाईं बढ़ते रहेंगे।

आओ हम ऊंचे स्वर से गाएं।

(भजन ९५)

आओ हम यहोवा के लिये ऊंचे स्वर से गाएं
अपने उद्धार की चट्टान का जयजयकार करें।
हम धन्यवाद करते हुए उस के सन्मुख आएं
और भजन गाते हुए उस का जयजयकार करें।
क्योंकि यहोवा महान ईश्वर है
और सारे देवताओं के ऊपर महान राजा है।
पृथिवी के गहिरे स्थान उसी के हाथ में हैं
और पहाड़ों की चोटियां भी उसी की हैं।
समुद्र उस का है और उसी ने उस को बनाया
और स्थल भी उसी के हाथ का रचा है।
आओ हम झुककर दण्डवत करें
और अपने कर्त्ता यहोवा के साम्हने घुटने टेकें।

क्योंकि वही हमारा परमेश्वर है
और हम उस की चराई की प्रजा और उस के हाथ
की भेड़ें हैं

हे सारी पृथिवी के लोगो यहोवा का गीत गाओ।

(भजन ९६)

यहोवा के लिये नया गीत गाओ

हे सारी पृथिवी के लोगो यहोवा का गीत गाओ।
यहोवा का गीत गाओ उस के नाम को धन्य
कहो
दिन दिन उस के किये हुए उद्धार का शुभसमाचार
सुनाते रहो।
अन्य जातियों में उस की महिमा का
और देश देश के लोगों में उस के आश्चर्य्यकर्म्मों
का वर्णन करो।
उस की चारों ओर विभव और ऐश्वर्य्य है
उस के पवित्रस्थान में सामर्थ्य और शोभा है।
हे देश देश के कुलो यहोवा का गुणानुवाद करो
यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को मानो।
यहोवा के नाम की महिमा को मानो
भेंट लेकर उस के आंगनों में आओ।
पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्ड-
वत करो
हे सारी पृथिवी के लोगो उस के साम्हने थर-
थराओ।
जाति जाति में कहो कि यहोवा राजा हुआ है
और जगत ऐसा स्थिर है कि वह टलने का नहीं
वह देश देश के लोगों का न्याय सीधाई से
करेगा।
आकाश आनन्द करे और पृथिवी मगन हो
समुद्र और उस में की सारी वस्तुएं गरज उठें।
मैदान और जो कुछ उस में है सो प्रफुल्लित हो
उसी समय बन के सारे वृक्ष जयजयकार करें।
यह यहोवा के साम्हने हो क्योंकि वह आनेहारा है
वह पृथिवी का न्याय करने को आनेहारा है
वह धर्म्म से जगत का
और सच्चाई से देश देश के लोगों का न्याय
करेगा।

यहोवा का नया गीत गाओ।

(भजन ९८)

यहोवा का नया गीत गाओ

क्योंकि उस ने आश्चर्य्यकर्म्म किये हैं
उस के दहिने हाथ और पवित्र भुजा ने उस के लिये
उद्धार किया है।
यहोवा ने अपना किया हुआ उद्धार प्रकाशित किया
उस ने अन्यजातियों की दृष्टि में अपना धर्म्म
प्रगट किया है।
उस ने इस्राएल के घराने पर की अपनी करुणा
और सच्चाई की सुधि लिई
और पृथिवी के सब दूर दूर देशों ने हमारे परमे-
श्वर का किया हुआ उद्धार देखा है।
हे सारी पृथिवी के लोगो यहोवा का जयजयकार
करो
उमंग में आकर जयजयकार करो और भजन
गाओ।
वीणा बजाकर यहोवा का भजन गाओ
वीणा बजाकर भजन का स्वर सुनाओ।
तुरहियां और नरसिंगे फूंक फूंककर
यहोवा राजा का जयजयकार करो।
समुद्र और उस में की सारी वस्तुएं गरज उठें
जगत और उस के निवासी महाशब्द करें।
नदियां तालियां बजाएं
पहाड़ मिलकर जयजयकार करें।
यह यहोवा के साम्हने हो क्योंकि वह पृथिवी का
न्याय करने को आनेहारा है
वह धर्म्म से जगत का
और सिधाई से देश देश के लोगों का न्याय
करेगा।

आनन्द से यहोवा की सेवा करो।

(भजन १००)

हे सारी पृथिवी के लोगो
यहोवा का जयजयकार करो।
आनन्द से यहोवा की सेवा करो
जयजयकार के साथ उस के सन्मुख आओ।
निश्चय जानो कि यहोवा ही परमेश्वर है
उसी ने हम को बनाया और हम उसी के हैं
हम उस की प्रजा और उस की चराई की भेड़ें हैं।
उस के फाटकों से धन्यवाद
और उस के आंगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करो
उस का धन्यवाद करो और उस के नाम को धन्य कहो।
क्योंकि यहोवा भला है उस की करुणा सदा लों
और उस की सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी लों बनी रहती है।

अपना मुख मुझ से न फेर ले।

(भजन १०२)

हे यहोवा मेरी प्रार्थना सुन
मेरी दोहाई तुझ तक पहुंचे।
मेरे संकट के दिन अपना मुख मुझ से न फेर ले
अपना कान मेरी ओर लगा
जिस समय में पुकारूं उसी समय फुर्ती से मेरी सुन ले।
क्योंकि मेरे दिन धूएं की नाईं विलाय गये
और मेरी हड्डियां लुकटी के समान जल गई हैं।
मेरा मन झुलसी हुई घास की नाईं सूख गया
और मुझे अपनी रोटी खाना भी विसर जाता है।
मैं जंगल के धनेश के समान हो गया
मैं उजाड़ स्थानों के उल्लू के सरीखा बन गया हूं।
मैं पड़ा जागता हूं और गौरे के समान हो गया
जो छत के ऊपर अकेला बैठता है।
मेरे शत्रु लगातार मेरी नामधराई करते हैं
मैं रोटी की नाईं राख खाता और आंसू मिलाकर पानी पीता हूं।
यह तेरे क्रोध और कोप के कारण हुआ
क्योंकि तू ने मुझे उठाया और फिर फेंक दिया है।
मेरी आयु ढलती हुई छाया के समान है
और मैं आप घास की नाईं सूख चला हूं।
पर तू हे यहोवा सदा लों विराजमान रहेगा
और जिस नाम से तेरा स्मरण होता है सो पीढ़ी से पीढ़ी लों बना रहेगा।

हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह।

(भजन १०३)

हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह और जो कुछ मुझ में है सो उस के पवित्र नाम को धन्य कहे।
हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह
और उस के किसी उपकार को न बिसराना।
वही तो तेरे सारे अधर्म्म को क्षमा करता
और तेरे सब रोगों को चंगा करता है।
वही तो तेरे प्राण को नाश होने से बचा लेता
और तेरे सिर पर करुणा और दया का मुकुट बांधता है।
वही तो तेरी लालसा को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है।
जिस से तेरी जवानी उकाब की नाईं नई हो जाती है।
यहोवा सब पीसे हुओं के लिये
धर्म्म और न्याय के काम करता है।
उस ने मूसा को अपनी गति
और इस्राएलियों को अपने काम जताये।
यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी
बिलम्ब से कोप करनेहारा और अति करुणामय है।
वह सर्वदा वादविवाद करता न रहेगा
न उस का कोप सदा लों भड़का रहेगा।

उस ने हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार
नहीं किया।
न हमारे अधर्म्म के कामों के अनुसार हम को
बदला दिया है।
जैसे आकाश पृथिवी के ऊपर ऊंचा है
वैसे ही उस की करुणा उस के डरवैयों के ऊपर
प्रबल है।
उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है
उस ने हमारे अपराधों को हम से उतनी
दूर किया है।
जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है
वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है।
क्योंकि वह हमारा रच जानता है
और उस को स्मरण रहता है कि मनुष्य मिट्टी
ही हैं।
मनुष्य की आयु घास के समान होती है
वह मैदान के फूल ही की नाईं फूलता है,
जो पवन लगते ही रह नहीं जाता
और न वह अपने स्थान में फिर मिलता है।
पर यहोवा की करुणा उस के डरवैयों पर युगयुग
और उस का धर्म्म उन के नाती पोतों पर भी प्रगट
होता रहता है,
अर्थात उन पर जो उस की वाचा को पालते और
उस के उपदेशों को स्मरण करके उन पर चलते हैं।
यहोवा ने तो अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थिर
किया है
और उस का राज्य सारी सृष्टि पर है।
हे यहोवा के दूतो तुम जो बड़े बीर हो
और उस के वचन के मानने से उस को पूरा
करते हैं
उस को धन्य कहो।
हे यहोवा की सारी सेनाओ हे उस के टहलुओ
तुम जो उस की इच्छा पूरी करते हो उस को
धन्य कहो
हे यहोवा की सारी रचनाओ
उस के राज्य के सब स्थानों में उस को धन्य
कहो
हे मेरे मन तू यहोवा को धन्य कह।

——

उस ने पृथिवी को आधार पर स्थिर किया।

(भजन १०४)

हे मेरे मन तू यहोवा को धन्य कह। हे मेरे
परमेश्वर यहोवा तू अत्यन्त महान है
तू विभव और ऐश्वर्य्य का वस्त्र पहिने है।
वह उजियाले को चादर की नाईं ओढ़े रहता
वह आकाश को तंबू के समान ताने रहता है।
वह अपनी अटारियों की कड़ियां जल में धरता
और मेघों को अपना रथ बनाता
और पवन के पंखों पर चलता है।
वह पवनों को अपने दूत
और धधकती आग को अपने टहलुए बनाता है।
उस ने पृथिवी को आधार पर स्थिर किया
वह सदा सर्वदा नहीं टलने की।
तू ने उस को गहिरे सागर से मानो वस्त्र से ढांप
दिया
जल पहाड़ों के ऊपर ठहर गया।
तेरी घुड़की से वह भाग गया
तेरे गरजने का शब्द सुनते ही वह उतावली करके
बह गया।
वह पहाड़ों पर चढ़ गया और तराइयों के मार्ग से
उस स्थान में उतर गया
जिसे तू ने उस के लिये तैयार किया था।
तू ने एक सिवाना ठहराया जिस को वह नहीं लांघ
सकता
न फिरके स्थल को ढांप सकता।
वह नालों में सोतों को बहाता है
वे पहाड़ों के बीच से बहते हैं।
उन से मैदान के सब जीव जन्तु जल पीते हैं
बनैले गदहे भी अपनी प्यास बुझा लेते हैं।
उन के पास आकाश के पक्षी बसेरा करते
और डालियों के बीच से बोलते हैं।
वह अपनी अटारियों में से पहाड़ों को सींचता है
तेरे कामों के फल से पृथिवी तृप्त रहती है।
वह पशुओं के लिये घास

और मनुष्यों के काम के लिये अन्नादि उपजाता
और इस रीति भूमि से भोजनवस्तुएं उत्पन्न
करता है,
यहोवा के वृक्ष तृप्त रहते हैं
अर्थात लबानोन के देवदारु जो उसी के लगाये
हुए हैं।
उन में चिड़ियाएं अपने घोंसले बनाती हैं
लगलग का बसेरा सनौवर वृक्षों में होता है।
ऊंचे पहाड़ बनैले बकरों के लिये हैं
और ढांगें शापानों के शरणस्थान हैं।
उस ने नियत समयों के लिये चन्द्रमा को बनाया
सूर्य्य अपने अस्त होने का समय जानता है।
तू अंधकार करता है
तब रात हो जाती है
जिस में वन के सब जीवजन्तु घूमते फिरते हैं।
जवान सिंह अहेर के लिये गरजते
और ईश्वर से अपना आहार मांगते हैं।
सूर्य्य उदय होते ही वे चले जाते
और अपनी मान्दों में जा बैठते हैं।
तब मनुष्य अपने काम के लिये
और संध्याकाल लों परिश्रम करने के लिये
निकलता है।
हे यहोवा तेरे काम कितने ही हैं
इन सब वस्तुओं को तू ने बुद्धि से बनाया
पृथिवी तेरी संपत्ति से परिपूर्ण है।
वह समुद्र बड़ा और बहुत ही चौड़ा है और उस में
अनगिनित जलचारी जीव जन्तु क्या छोटे क्या
बड़े भरे हैं।
उस में जहाज भी आते जाते हैं
और लिव्यातान भी जिसे तू ने वहां खेलने के
लिये बनाया है।
ये सब तेरा आसरा ताकते हैं
कि तू उन का आहार समय पर दिया करे।
तू उन्हें देता है वे चुन लेते हैं
तू मुट्ठी खोलता है वे उत्तम पदार्थों से तृप्त होते हैं।
तू मुख फेर लेता है वे घबराये जाते हैं
तू उन की सांस ले लेता है उन के प्राण छूटते
और वे मिट्टी में फिर मिल जाते हैं।
फिर तू अपनी ओर से सांस भेजता है वे सिरजे
जाते हैं
और तू धरती को नया कर देता है।
यहोवा की महिमा सदा लों रहे
यहोवा अपने कामों से आनन्दित होवे।
उस के निहारते ही पृथिवी कांप उठती है
और उस के छूते ही पहाड़ों से धूंआं निकलता है।
मैं जीवन भर यहोवा का गीत गाता रहूंगा
जब लों मैं बना रहूंगा तब लों अपने परमेश्वर
का भजन गाता रहूंगा।
मेरा ध्यान करना उस को प्रिय लगे
मैं तो यहोवा के कारण आनन्दित रहूंगा।
पापी लोग पृथिवी पर से मिट जाएं
और दुष्ट लोग आगे को न रहें
हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह। याह की स्तुति
करो।

यहोवा का धन्यवाद करो।

(भजन १०७)

यहोवा का धन्यवाद करो क्योंकि
वह भला है
और उस की करुणा सदा की है।
यहोवा के छुड़ाये हुए ऐसा ही कहें
जिन्हें उस ने द्रोह के हाथ से छुड़ा लिया है,
वे जंगल में मरुभूमि के मार्ग पर भटके जाते थे
और कोई बसा हुआ नगर न पाया।
भूख और प्यास के मारे
वे विकल हो गये।
तब उन्हों ने संकट में यहोवा की दोहाई दिई
और उसने उनको सकेती से छुड़ाया,
और उन को ठीक मार्ग पर चलाया
कि वे बसे हुए नगर को पहुंचें।
लोग यहोवा की करुणा के कारण
और उन आश्चर्यकर्म्मों के कारण जो वह मनुष्यों
के लिये करता है उस का धन्यवाद करें।

क्योंकि वह अभिलाषी जीव को सन्तुष्ट करता
और भूखे को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है।
लोग यहोवा की करुणा के कारण
और उन आश्चर्य्यकर्म्मों के कारण जो वह
मनुष्यों के लिये करता है उस का धन्यवाद
करें।
क्योंकि उस ने पीतल के फाटकों को तोड़ा
और लोहे के बेंड़ों को टुकड़े टुकड़े किया।
मूढ़ अपनी कुचाल
और अधर्म्म के कामों के कारण अति दुःखित
होते हैं
और वे मृत्यु के फाटक लों पहुंचते हैं।
तब वे संकट में यहोवा की दोहाई देते हैं
और वह सकेती से उन का उद्धार करता है।
जो लोग जहाजों में समुद्र पर चलते
और महासागर पर होकर ब्योपार करते हैं,
वे यहोवा के कामों को
और उन आश्चर्य्यकर्म्मों को जो वह गहिरे समुद्र
में करता है देखते हैं।
क्योंकि वह आज्ञा देता है तब प्रचण्ड बयार उठकर
तरंगों को उठाती है।
वे आकाश लों चढ़ जाते फिर गहिरे में उतर आते हैं
और क्लेश के मारे उन के जी में जी नहीं रहता।
वे चक्कर खाते और मतवाले की नाईं लड़खड़ाते हैं
और उन की सारी बुद्धि मारी जाती है।
तब वे संकट में यहोवा की दोहाई देते हैं
और वह उन को सकेती से निकालता है।
वह आंधी से नौवा कर देता है
और तरंगें बैठ जाती हैं।
तब वे उन के बैठने से आनन्दित होते हैं
और वह उन को मन चाहे बन्दर में पहुंचा देता है।
लोग यहोवा की करुणा के कारण
और उन आश्चर्य्यकर्म्मों के कारण जो वह मनुष्यों
के लिये करता है उस का धन्यवाद करें,
और सभा में उस को सराहें
और पुरनियों के बैठक में उस की स्तुति करें।
वह नदियों को जंगल बना डालता
और जल के सोतों को सूखी भूमि कर देता है।
वह फलवन्त भूमि को नोनी करता है
यह रहनेहारों की दुष्टता के कारण होता है।
वह जंगल को जल का ताल
और निर्जल देश को जल के सोते कर देता है।
और वहां वह भूखों को बसाता है
कि वे बसने के लिये नगर तैयार करें,
और खेती करें और दाख की बारियां लगाएं
और भांति भांति के फल उपजा लें।
और वह उन को ऐसी आशीष देता है कि वे
बहुत बढ़ जाते हैं
और उन के पशुओं को भी वह घटने नहीं देता।
और वह हाकिमों को अपमान से लादकर
बेराह सुन स्थान में भटकाता है।
वह दरिद्रों को दुःख से छुड़ाकर ऊंचे पर रखता
और उन को भेड़ों के झुण्ड सा परिवार देता है।
सीधे लोग इसे देखकर आनन्दित होते हैं और
जो कोई बुद्धिमान हो सो इन बातों पर ध्यान
करेगा
और यहोवा की करुणा के कामों को विचारेगा।

बुद्धि का मूल यहोवा का भय है।

(भजन १११)

याह की स्तुति करो।
मैं सारे मन से यहोवा का धन्यवाद
सीधे लोगों की गोष्ठी में और मण्डली में भी
करूंगा।
उस के काम विभवमय और ऐश्वर्य्यमय होते हैं
और उस का धर्म्म सदा लों बना रहेगा।
उस ने अपने आश्चर्य्यकर्म्मों का स्मरण कराया है
यहोवा अनुग्रहकारी और दयावन्त है।
उस ने अपने डरवैयों को आहार दिया है
वह अपनी वाचा को सदा लों स्मरण रक्खेगा।
उस ने अपनी प्रजा को अन्यजातियों का भाग देने
के लिये

अपने कामों का प्रताप दिखाया है।
सच्चाई और न्याय उस के हाथों के काम हैं
उस के सब उपदेश विश्वासयोग्य हैं।
वे सदा सर्वदा अटल रहेंगे
वे सच्चाई और सिधाई से किये हुए हैं।
उस ने अपनी प्रजा का उद्धार कराया है
उस ने अपनी वाचा को सदा के लिये ठहराया है।
उस का नाम पवित्र और भय योग्य है।
बुद्धि का मूल यहोवा का भय है
जितने उस की आज्ञाओं को मानते हैं उन की बुद्धि अच्छी होती है
उस की स्तुति सदा बनी रहेगी।

मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा।

(भजन १२१)

मैं अपनी आंख पर्वतों की ओर लगाऊंगा
मुझे सहायता कहां से मिलेगी।
मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है
जो आकाश और पृथिवी का कर्त्ता है।
वह तेरे पांव को टलने न देवे
तेरा रक्षक कभी न ऊंघे।
सुन इस्राएल का रक्षक
न ऊंघेगा न सो जाएगा।
यहोवा तेरा रक्षक है
यहोवा तेरी दहिनी ओर तेरी आड़ है।
न तो दिन को धूप से
और न रात को चान्दनी से तेरी कुछ हानि होगी।
यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा
वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा।
यहोवा तेरे आने जाने में
तेरी रक्षा अब से ले सदा लों करता रहेगा।

तेरी शहरपनाह के भीतर शांति होवे।

(भजन १२२)

जब लोगों ने मुझ से कहा कि हम यहोवा के भवन को चलें
तब मैं आनन्दित हुआ।
हे यरूशलेम तेरे फाटकों के भीतर
हम खड़े हो गये हैं।
हे यरूशलेम तू ऐसे नगर के समान बना है
जिस के घर एक दूसरे से मिले हुए हैं।
वहां याह के गोत्र गोत्र के लोग
यहोवा के नाम का धन्यवाद करने को जाते हैं
यरूशलेम की शांति का वर मांगो
तेरे प्रेमी कुशल से रहें।
तेरी शहरपनाह के भीतर शांति
और तेरे महलों में कुशल होवे।
अपने भाइयों और संगियों के निमित्त
मैं कहूंगा कि तुझ में शांति होवे।
अपने परमेश्वर यहोवा के भवन के निमित्त
मैं तेरी भलाई का यत्न करूंगा।

जो आंसू बहाते हुए बोते हैं सो जयजयकार करते हुए लवने पाएंगे।

(भजन १२६)

जब यहोवा सिय्योन के लौटनेहारों को लौटा ले आया
तब हम स्वप्न देखनेहारे से हो गये।
तब हम आनन्द से हंसने
और जयजयकार करने लगे।
तब जाति जाति के बीच कहा जाता था
कि यहोवा ने इन के साथ बड़े बड़े काम किये हैं।

और इस से हम आनन्दित हुए।
हे यहोवा दक्खिन देश के नालों की नाईं
हमारे बंधुओं को लौटा ले आ।
जो आंसू बहाते हुए बोते हैं
सो जयजयकार करते हुए लवने पाएंगे।
चाहे बोनेहारा बीज लिये रोता हुआ चला जाए
पर वह फिर पूलियां लिये जयजयकार करता हुआ निश्चय लौट आएगा।

उसकी करुणा सदा की है।

(भजन १३६)

यहोवा का धन्यवाद करो क्योंकि वह भला है
उस की करुणा सदा की है।
उस को छोड़कर कोई बड़े बड़े आश्चर्य्य कर्म नहीं करता
उस की करुणा सदा की है।
उस ने अपनी बुद्धि से आकाश बनाया
उस की करुणा सदा की है।
उस ने पृथिवी को जल के ऊपर फैलाया
उस की करुणा सदा की है।
उस ने बड़ी बड़ी ज्योतियां बनाईं
उस की करुणा सदा की है।
दिन पर प्रभुता करने के लिये सूर्य्य को
उस की करुणा सदा की है।
और रात पर प्रभुता करने के लिये चन्द्रमा और तारागण को
उसकी करुणा सदा की है।
वह अपनी प्रजा को जंगल में ले चला
उस की करुणा सदा की है।
अपने दास इस्राएलियों के भाग होने के लिये दे दिया
उस की करुणा सदा की है।
उस ने हमारी दुर्दशा में हमारी सुधि लिई
उस की करुणा सदा की है।
और हम को द्रोहियों से छुड़ाया है
उस की करुणा सदा की है।
वह सारे प्राणियों को आहार देता है
उस की करुणा सदा की है।
स्वर्गवासी ईश्वर का धन्यवाद करो
उस की करुणा सदा की है।

बाबेल की नहरों के किनारे।

(भजन १३७)

बाबेल की नहरों के किनारे हम लोग बैठ गये
और सिय्योन को स्मरण करके रो दिये।
उस के बीच के मजनू वृक्षों पर
हम ने अपनी वीणाओं को टांग दिया।
क्योंकि जो हम को बंधुए करके ले गये थे उन्हों ने वहां हम से गीत गवाना चाहा
और हमारे रुलानेहारों ने हम से आनन्द चाहकर कहा
सिय्योन के गीतों में से हमारे लिये कोई गीत गाओ।
हम यहोवा के गीत को
पराये देश में क्योंकर गाएं।
हे यरूशलेम यदि मैं तुझे भूल जाऊं
तो मेरा दहिना हाथ झूठा हो जाए।
यदि मैं तुझे स्मरण न रक्खूं
यदि मैं यरूशलेम को
अपने सारे आनन्द से श्रेष्ठ न जानूं
तो मेरी जीभ तालू से चिपट जाए।

मैं सारे मन से तेरा धन्यवाद करूंगा।

(भजन १३८)

मैं सारे मन से तेरा धन्यवाद करूंगा
देवताओं के साम्हने भी मैं तेरा भजन गाऊंगा।
मैं तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत करूंगा
और तेरी करुणा और सच्चाई के कारण तेरे नाम का धन्यवाद करूंगा

क्योंकि तू ने ऐसा बचन दिया है जो तेरे बड़े
नाम से भी बढ़कर है ।
जिस दिन मैं ने पुकारा उसी दिन तू ने मेरी
सुन लिई
और मुझ में बल देकर हियाव बंधाया ।
हे यहोवा पृथिवी के सारे राजा तेरा धन्यवाद करेंगे
क्योंकि उन्हों ने तेरे बचन सुने हैं ।
और वे यहोवा की गति के विषय गाएंगे
क्योंकि यहोवा की महिमा बड़ी है ।
यद्यपि यहोवा महान है तौभी वह नम्र मनुष्य
की ओर दृष्टि करता है
पर अहंकारी को दूर ही से पहिचानता है ।
चाहे मैं संकट के बीच में रहूं तौभी तू मुझे
जिलाएगा
तू मेरे कोपित शत्रुओं के विरुद्ध हाथ बढ़ाएगा
और अपने दहिने हाथ से मेरा उद्धार करेगा ।
यहोवा मेरे लिये सब कुछ पूरा करेगा
हे यहोवा तेरी करुणा सदा की है
तू अपने हाथों के कार्य्यों को त्याग न कर ।

हे यहोवा तू ने मुझे जांच लिया है ।

(भजन १३९)

हे यहोवा तू ने मुझे जांच कर जान लिया है ।
तू मेरा उठना बैठना जानता
और मेरे विचारों को दूर से भी समझ लेता है ।
मेरे चलने और लेटने की तू भली भांति छानबीन
करता
और मेरी सारी चाल चलन का भेद जानता है ।
और हे यहोवा मेरे मुंह में ऐसी कोई बात नहीं
जिसे तू पूरी रीति से न जानता हो ।
तू ने मुझे आगे पीछे घेर रक्खा
और अपना हाथ मुझ पर रक्खे रहता है ।
यह ज्ञान मेरे लिये बहुत कठिन है
यह गम्भीर और मेरी समझ से बाहिर है ।
मैं तेरे आत्मा से भागकर किधर जाऊं
वा तेरे साम्हने से किधर भागूं ।
यदि मैं आकाश पर चढ़ूं तो तू वहां है
और यदि मैं अपना बिछौना अधोलोक में बिछाऊं
तो वहां भी तू है ।
यदि मैं भोर की किरणों पर चढ़कर समुद्र के पार
बसूं ।
तो वहां भी तू अपने हाथ से मेरी अगुवाई करेगा
और अपने दाहिने हाथ से मुझे पकड़े रहेगा ।
और यदि मैं कहूं अंधकार में तो मैं छिप जाऊंगा
और मेरी चारों ओर का उजियाला रात का अंधेरा
हो जायगा ।
तौभी अंधकार तुझ से न छिपाएगा
रात तो दिन के तुल्य प्रकाश देगी
अंधियारा और उजियाला दोनों एक समान होंगे ।
मैं तेरा धन्यवाद करूंगा इस लिये कि मैं भयानक
और अद्भुत रीति से रचा गया
तेरे काम तो आश्चर्य्य के हैं
और मैं इसे भली भांति जानता हूं ।
हे ईश्वर मुझे जांचकर जान ले
मुझे परखकर मेरी चिन्ताओं को जान ले ।
और देख कि मुझ में कोई संताप करनेहारी चाल
है कि नहीं
और सदा के मार्ग में मेरी अगुवाई कर ।

मुझ को यह सिखा कि मैं तेरी इच्छा क्योंकर पूरी करूं ।

(भजन १४३)

हे यहोवा मेरी प्रार्थना सुन मेरे गिड़गिड़ाने
की ओर कान लगा तू जो सच्चा और धर्म्मी
है सो मेरी सुन ले ।
और अपने दास से मुकद्दमा न उठा
क्योंकि कोई प्राणी तेरे लेखे में निर्दोष नहीं ठहर
सकता ।
शत्रु तो मेरे प्राण का ग्राहक हुआ
उस ने मुझे चूर करके मिट्टी में मिलाया

और मुझे ढेर दिन के मरे हुओं के समान अंधेरे
स्थान में डाल दिया है।
मेरा आत्मा ढपा हुआ है
मेरा मन बिकल है।
मुझे प्राचीनकाल के दिन स्मरण आते हैं
मैं तेरे सब अद्भुत कामों पर ध्यान करता
और तेरे काम सोचता हूं।
मैं तेरी ओर अपने हाथ फैलाये हूं
सूखी भूमि की नाईं मैं तेरा प्यासा हूं।
हे यहोवा फुर्ती करके मेरी सुन ले
क्योंकि मेरा प्राण निकलने पर है
मुझ से अपना मुंह न फेर ले
ऐसा न हो कि मैं कबर में पड़े हुओं के समान हो
जाऊं।
अपनी करुणा की बात मुझे तड़के सुना
क्योंकि मैंने तुझी पर भरोसा रक्खा है
जिस मार्ग से मुझे चलना है सो मुझ को बता दे
क्योंकि मैं अपना मन तेरी ही ओर लगाता हूं।
हे यहोवा मुझे शत्रुओं से बचा ले
मैं तेरी ही आड़ में आ छिपा हूं।
मुझ को यह सिखा कि मैं तेरी इच्छा क्योंकर पूरी
करूं क्योंकि मेरा परमेश्वर तू ही है
तेरा आत्मा तो भला है सो मुझ को धर्म्म के मार्ग
में ले चल।
हे यहोवा मुझे अपने नाम के निमित्त जिला
तू जो धर्म्मी है सो मुझ को संकट से छुड़ा।

यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु है।

(भजन १४५)

हे मेरे परमेश्वर हे राजा मैं तुझे सराहूंगा
और तेरे नाम को सदा सर्वदा धन्य कहता
रहूंगा।
दिन दिन मैं तुझ को धन्य कहा करूंगा
और तेरे नाम की स्तुति सदा सर्वदा करता रहूंगा।
यहोवा महान और स्तुति के अति योग्य है और
उस की बड़ाई अगम है।
तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के कामों का
वर्णन
पीढ़ी पीढ़ी होता चला जाएगा।
मैं तेरे ऐश्वर्य्य की महिमा के प्रताप पर
और तेरे भांति भांति के आश्चर्य्य कर्म्मों पर ध्यान
करूंगा।
और लोग तेरे भयानक कामों की शक्ति की चर्चा
करेंगे
और मैं तेरे बड़े बड़े कामों का वर्णन करूंगा।
यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु
विलम्ब से कोप करनेहारा और अति करुणामय है।
यहोवा सभों के लिये भला है
और उस की दया उस की सारी सृष्टि पर है।
हे यहोवा तेरी सारी सृष्टि तेरा धन्यवाद करेगी
और तेरे भक्त लोग तुझे धन्य कहा करेंगे।
वे तेरे राज्य की महिमा की चर्चा करेंगे
और तेरे पराक्रम के विषय बातें करेंगे,
तेरा राज्य युग युग का
और तेरी प्रभुता सारी पीढ़ियों की है।
यहोवा सब गिरते हुओं को संभालता
और सब झुके हुओं को सीधा खड़ा करता है।
सभों की आंखें तेरी ओर लगी रहती हैं
और तू उन को आहार समय पर देता है।
तू अपनी मुट्ठी खोलकर
सब प्राणियों को आहार से तृप्त करता है।
यहोवा अपनी सारी गति में धर्म्मी
और अपने सब कामों में करुणामय है।
जितने यहोवा को पुकारते हैं अर्थात जितने उस को
सच्चाई से पुकारते हैं
उन सभों के वह निकट होता है।
वह अपने डरवैयों की इच्छा पूरी करेगा
और उन की दोहाई सुनकर उन का उद्धार करेगा।
यहोवा अपने सब प्रेमियों की तो रक्षा
पर सब दुष्टों को सत्यानाश करता है।

परमेश्वर पीढ़ी पीढ़ी राज्य करता रहेगा।

(भजन १४६)

याह की स्तुति करो
हे मेरे मन यहोवा की स्तुति कर।
मैं जीवन भर यहोवा की स्तुति करता रहूंगा
जब लों मैं बना रहूंगा तब लों मैं अपने परमेश्वर का भजन गाता रहूंगा।
तुम प्रधानों पर भरोसा न रखना
न किसी आदमी पर क्योंकि उस में उद्धार करने की शक्ति नहीं।
उस का प्राण निकलेगा वह मिट्टी में मिल जायगा
उसी दिन उस की सब कल्पनाएं नाश हो जाएंगी।
क्या ही धन्य वह है जिसका सहायक ईश्वर हो
और जिस का आसरा अपने परमेश्वर यहोवा पर हो।
वह आकाश और पृथिवी और समुद्र
और उन में जो कुछ है सब का कर्त्ता है
और वह अपना बचन सदा लों पूरा करता रहेगा।
वह पिसे हुओं का न्याय चुकाता
और भूखों को रोटी देता है
यहोवा बन्धुओं को छुड़ाता है।
यहोवा अंधों को आंखें देता है
यहोवा झुके हुओं को सीधा खड़ा करता है
यहोवा धर्मियों से प्रेम रखता है।
यहोवा परदेशियों की रक्षा करता
और बपमूए और विधवा को तो सम्भालता है
पर दुष्टों के मार्ग को टेढ़ा मेढ़ा करता है।
हे सिय्योन यहोवा सदा लों
तेरा परमेश्वर पीढ़ी पीढ़ी राज्य करता रहेगा
याह की स्तुति करो।

यहोवा यरूशलेम को बसा रहा है।

(भजन १४७)

याह की स्तुति करो
क्योंकि अपने परमेश्वर का भजन गाना अच्छा है
वह मनभावना है स्तुति करनी फबती है।
यहोवा यरूशलेम को बसा रहा है
वह निकाले हुए इस्राएलियों को एकट्ठा कर रहा है।
वह खेदित मनवालों को चंगा करता
और उन के शोक पर पट्टी बांधता है।
वह तारों को गिनता
और उन में से एक एक का नाम रखता है।
हमारा प्रभु महान और अति सामर्थी है
उस की बुद्धि अपार है।
यहोवा नम्र लोगों को सम्भालता
और दुष्टों को भूमि पर गिरा देता है।
धन्यवाद करते हुए यहोवा का गीत गाओ
बीणा बजाते हुए हमारे परमेश्वर का भजन गाओ।
वह आकाश को मेघों से छा देता
और पृथिवी के लिये मेंह की तैयारी करता
और पहाड़ों पर घास उगाता है।
वह पशुओं को और कौवे के बच्चों को जो पुकारते हैं
आहार देता है।
न तो वह घोड़े के बल को चाहता
और न पुरुष के पैरों से प्रसन्न होता है।
यहोवा अपने डरवैयों ही से प्रसन्न होता है
अर्थात उन से जो उस की करुणा की आशा लगाये रहते हैं।
हे यरूशलेम यहोवा की प्रशंसा कर
हे सिय्योन अपने परमेश्वर की स्तुति कर।
क्योंकि उस ने तेरे फाटकों के बेण्डों को दृढ़ किया

और तेरे लड़के बालों को आशीष दिई है।
वह तेरे सिवानों में शान्ति देता
और तुझ को उत्तम से उत्तम गेहूं से तृप्त
करता है।
वह पृथिवी पर अपनी आज्ञा का प्रचार करता है
उस का बचन अति वेग से दौड़ता है।
वह ऊन के समान हिम देता
और राख की नाईं पाला छितराता है।
वह बरफ के टुकड़े गिराता है
उस की किई हुई ठण्ड को कौन सह सकता है।
वह आज्ञा देकर उन्हें गलाता है
वह वायु बहाता है तब जल बहने लगता है।

यहोवा की स्तुति करो।

(भजन १४८)

याह की स्तुति करो
यहोवा की स्तुति स्वर्ग में से करो
उस की स्तुति ऊंचे स्थानों में करो।
हे उस के सारे दूतो उस की स्तुति करो
हे उस की सारी सेना उस की स्तुति कर।
हे सूर्य्य और चन्द्रमा उस की स्तुति करो
हे सारे ज्योतिमय तारो उस की स्तुति करो।
हे सब से ऊंचे आकाश
और हे आकाश के ऊपरवाले जल तुम दोनों
उस की स्तुति करो।
ये यहोवा के नाम की स्तुति करें
क्योंकि उसी ने आज्ञा दिई और ये सिरजे
गये।
और उस ने उन को सदा सर्वदा के लिये
स्थिर किया है
और ऐसी विधि ठहराई है जो टलने की नहीं।
पृथिवी में से यहोवा की स्तुति करो
हे मगरमच्छो और गहिरे सागर,
हे अग्नि और ओलो हिम और कुहरे
हे उस का बचन माननेहारी प्रचण्ड बयार,
हे पहाड़ो और सब टीलो
हे फलदाई वृक्षो और सब देवदारुओ,
हे बनैले पशुओ और सब घरैले पशुओ
हे रेंगनेहारे जन्तुओ और हे पक्षियो,
हे पृथिवी के राजाओ और राज्य राज्य के
सब लोगो
हे हाकिमो और पृथिवी के सब न्यायियो,
हे जवानो और कुमारियो
हे पुरनियो और बालको,
यहोवा के नाम की स्तुति करो
क्योंकि केवल उसी का नाम महान है
उस का ऐश्वर्य्य पृथिवी और आकाश के
ऊपर है।

सब के सब यहोवा की स्तुति करें।

(भजन १५०)

याह की स्तुति करो
ईश्वर के पवित्र स्थान में उस की स्तुति
करो
उस के सामर्थ्य से भरे हुए आकाशमण्डल में उसी
की स्तुति करो।
उस के पराक्रम के कामों के कारण उस की
स्तुति करो
उस की अत्यन्त बड़ाई के अनुसार उस की स्तुति
करो।
नरसिंगा फूंकते हुए उस की स्तुति करो
सारंगी और वीणा बजाते हुए उस की स्तुति करो।
डफ बजाते और नाचते हुए उस की स्तुति करो
तारवाले बाजे और बांसुली बजाते हुए उस की
स्तुति करो।
ऊंचे शब्दवाली झांझ बजाते हुए उस की स्तुति
करो
आनन्द के महाशब्दवाली झांझ बजाते हुए उस की
स्तुति करो।
जितने प्राणी हैं
सब के सब याह की स्तुति करें।

नीतिबचन।

यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है।

(नीतिबचन १,२.)

दाऊद के पुत्र इस्राएल के राजा सुलैमान के नीतिबचन।

यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है

बुद्धि और शिक्षा को मूढ़ ही लोग तुच्छ जानते हैं।

हे मेरे पुत्र अपने पिता की शिक्षा को सुन और अपनी माता की सीख को न तज।

क्योंकि वे मानो तेरे सिर के लिये शोभायमान मुकुट

और तेरे गले के लिये कण्ठे बनेंगी।

पापी लोगों के संग मार्ग में न चलना वरन उन की डगर में पांव भी न धरना। क्योंकि वे बुराई ही करने को दौड़ते और खून करने को फुर्ती करते हैं।

किसी पक्षी के देखते जाल फैलाना व्यर्थ होता है।

बुद्धि सड़क में ऊंचे स्वर से बोलती और चौकों में प्रचार करती है।

वह हाटों के सिरे पर पुकारती और फाटकों के बीच और नगर के भीतर भी ये बातें बोलती है कि,

हे भोले लोगो तुम कब लों भोलेपन में प्रीति रक्खोगे और हे ठट्ठा करनेहारो तुम कब लों ठट्ठा करना चाहोगे और हे मूर्खो तुम कब लों ज्ञान से बैर रक्खोगे।

मेरा डांटना सुनकर फिरो सुनो मैं अपना आत्मा तुम्हारे लिये उण्डेल दूंगी मैं तुम को अपने बचन बताऊंगी।

मैं ने तो पुकारा पर तुम ने नाह किई और मैं ने हाथ फैलाया पर किसी ने ध्यान न दिया।

बरन तुम ने मेरी सारी सम्मति को सुनी अनसुनी किया और मेरे डांटने को नहीं चाहा।

इस लिये मैं भी तुम्हारी विपत्ति के समय हंसूंगी और जब तुम पर भय आ पड़ेगा,

बरन आंधी की नाईं तुम पर भय आ पड़ेगा और विपत्ति बवण्डर के समान आ पड़ेगी और तुम संकट और सकेती में फंसोगे तब मैं ठट्ठा करूंगी।

उस समय वे मुझे पुकारेंगे और मैं न सुनूंगी वे मुझे यत्न से तो ढूंढेंगे पर न पाएंगे।

उन्हों ने ज्ञान से बैर किया और यहोवा का भय मानना उन को न भाया। उन्हों ने मेरी सम्मति न चाही बरन मेरी सारी डांट का तिरस्कार किया।

इस लिये वे अपनी करनी का फल आप भोगेंगे और अपनी युक्तियों के फल से अघाएंगे।

क्योंकि भोले लोगों का हट जाना उन के घात किये जाने का कारण होगा और निश्चिन्त रहने के कारण मूढ़ लोग नाश होंगे।

पर जो मेरी सुनेगा सो निडर बसा रहेगा और बेखटके सुख से रहेगा।

हे मेरे पुत्र यदि तू मेरे बचन ग्रहण करे और मेरी आज्ञाओं को अपने हृदय में रख छोड़े,

और बुद्धि की बात ध्यान देके सुने और समझ की बात मन लगा के सोचे,

और प्रवीणता और समझ का अति यत्न करे।

यदि उस को चांदी की नाईं ढूंढे और गुप्त धन के समान उस की खोज में लगे,

तो तू यहोवा के भय को समझ सकेगा और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा।

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुंह से निकलती हैं।

वह सीधे लोगों के लिये खरी बुद्धि रख छोड़ता जो खराई से चलते हैं उन के लिये वह ढाल ठहरता है।

वह न्याय के पथों की देख भाल करता और अपने भक्तों के मार्ग की रक्षा करता है।

सो तू धर्म्म और न्याय और सीधाई को निदान सब भली भली चाल समझ सकेगा।

बुद्धि तो तेरे हृदय में प्रवेश करेगी और ज्ञान तुझ को मनभाऊ लगेगा।

विवेक तुझे बचाएगा और समझ से तेरी रक्षा होगी।

तू भले मनुष्यों के मार्ग में चल और धर्म्मियों की बाट को पकड़े रह।

क्योंकि सीधे ही लोग देश में बसे रहेंगे और खरे ही लोग उस में बने रहेंगे।

दुष्ट लोग देश में से नाश होंगे और विश्वासघाती उस में से उखाड़े जाएंगे।

हे मेरे पुत्र मेरी आज्ञाओं को हृदय में रखे रहना।

(नीतिः ३)

हे मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को न भूलना अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रक्खे रहना।

क्योंकि ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी और तू अधिक कुशल से रहेगा।

कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएं बरन उन को अपने गले का हार बनाना और अपनी हृदयरूपी पटिया पर लिखना,

और तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा तू अति बुद्धिमान होगा,

और अपनी समझ का सहारा न लेना बरन सारे मन से यहोवा पर भरोसा रखना,

उसी को स्मरण करके सब काम करना तब वह तेरे लिये सीधी बाट निकालेगा।

अपने लेखे बुद्धिमान न होना यहोवा का भय मानना और बुराई से अलग रहना।

हे मेरे पुत्र यहोवा की शिक्षा से मुंह न मोड़ना और जब वह तुझे डांटे तब तू बुरा न मानना।

क्योंकि यहोवा जिस से प्रेम रखता उस को डांटता है जैसे कि बाप उस बेटे को जिसे वह अधिक चाहता है।

धन्य है वह जो बुद्धि पाए।

(नीतिः ३:१३)

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे।

क्योंकि बुद्धि की प्राप्ति चान्दी की प्राप्ति से बड़ी और उस का लाभ चोखे सोने के लाभ से भी उत्तम है।

वह मूंगे से अधिक अनमोल है और जितनी वस्तुओं की तू लालसा करता है उन में से कोई भी उस के तुल्य न ठहरेगी।

उस के दहिने हाथ में दीर्घायु और उस के बाएं हाथ में धन और महिमा हैं।

उस के मार्ग मनभाऊ और उस की सारी डगरें कुशल की हैं।

हे मेरे पुत्रो पिता की शिक्षा सुनो और समझ प्राप्त करने में मन लगाओ।

बुद्धि को प्राप्त कर समझ को भी प्राप्त कर उन को भूल न जाना न मेरी बातों को छोड़ना।

बुद्धि को न छोड़ वह तेरी रक्षा करेगी उस से प्रीति रख वह तेरा पहरा देगी।

बुद्धि का आरंभ उस की प्राप्ति में यत्न करना है सो जो कुछ तू प्राप्त करे उसे तो प्राप्त करे पर समझ की प्राप्ति घटने न पाए।

उस की बड़ाई कर वह तुझ को बढ़ाएगी जब तू उस से लिपट जाए तब वह तेरी महिमा करेगी।

वह तेरे सिर पर शोभायमान भूषण बांधेगी और तुझे सुन्दर मुकुट देगी।

शिक्षा को पकड़े रह उसे छोड़ न दे उस की रक्षा कर क्योंकि वही तेरा जीवन है।

दुष्टों की बाट में पांव मत धर और न बुरे लोगों के मार्ग पर चल।

उसे छोड़ दे उस के पास से भी न चल उस के निकट से मुड़कर आगे बढ़ जा। क्योंकि उन को नींद नहीं आती वे तो दुष्टता से कमाई हुई रोटी खाते और उपद्रव के द्वारा पाया हुआ दाखमधु पीते हैं।

पर धर्मियों की चाल उस चमकती हुई ज्योति के समान है। जिस का प्रकाश दोपहर लों अधिक अधिक बढ़ता रहता है।

हे आलसी च्यूंटियों के पास जा।

(नीतिः ६)

मेरे पुत्र यदि तू अपने पड़ोसी का जामिन हुआ हो वा बिराने के हाथ पर हाथ मारा हो, तो तू अपने ही मुंह के वचनों से फंसा और उन से बन्ध गया है।

सो हे मेरे पुत्र एक काम कर तू जो अपने पड़ोसी के हाथ में पड़ चुका है इस लिये जा उस को साष्टांग प्रणाम करके मना ले।

तू न तो अपनी आंखों में नींद और न अपनी पलकों में झपकी आने दे।

अपने को छुड़ा जैसे हरिणी वा चिड़िया व्याध के हाथ से।

हे आलसी च्यूंटियों के पास जा उन के काम सोच सोचकर बुद्धिमान हो।

उन के न तो कोई न्यायी होता है और न प्रधान न प्रभुता करनेहारा। तौभी वे अपना आहार धूप-काल में संचय करतीं और कटनी के समय अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं।

हे आलसी तू कब लों सोता रहेगा तेरी नींद कब टूटेगी

तनिक और सो लेना तनिक और झपकी ले लेना, तनिक और छाती पर हाथ रक्खे लेटे रहना, तब तेरा कंगालपन बटमार की नाईं और तेरी घटी हथियारबन्द के समान आ पड़ेगी।

छः वस्तुओं से यहोवा बैर रखता है बरन सात हैं जिन से उस का जीव घिनाता है।

अर्थात घमण्ड से चढ़ी हुई आंखें झूठ बोलनेहारी जीभ और निर्दोष का लोहू बहानेहारे हाथ, अनर्थ कल्पना गढ़नेहारा मन बुराई करने को वेग दौड़नेहारे पांव, झूठ बोलनेहारा साक्षी और भाइयों के बीच झगड़ा उत्पन्न करनेहारा मनुष्य।

फाटकों के पास बुद्धि पुकारती है।

(नीतिः ६:२०)

हे मेरे पुत्र मेरी आज्ञा को मान और अपनी माता की शिक्षा को न तज।

वह तेरे चलने में तेरा अगुवाई और सोते समय तेरी रक्षा और जागते समय तुझ से बातें करेगी।

क्या बुद्धि नहीं पुकारती क्या समझ ऊंचे शब्द से नहीं बोलती।

वह तो ऊंचे स्थानों पर मार्ग की एक ओर और तिर्मुहानियों में खड़ी होती है।

फाटकों के पास नगर के पैठाव में और द्वारों ही में वह ऊंचे स्वर से कहती है कि,

हे मनुष्यो मैं तुम को पुकारती हूं और मेरी बात सब आदमियों के लिये है।

हे भोलो चतुराई सीखो और हे मूर्खो अपने मन में समझ लो।

सुनो क्योंकि मैं उत्तम बात कहूंगी।

मैं जो बुद्धि हूं सो चतुराई में वास करती और ज्ञान और विवेक को प्राप्त करती हूं।

उत्तम युक्ति और खरी बुद्धि मेरी ही हैं मैं तो समझ हूं और पराक्रम भी मेरा है।

मेरे ही द्वारा राजा राज्य करते और अधिकारी धर्म्म से विचार करते हैं।

मेरे ही द्वारा हाकिम और रईस और पृथिवी के सब न्यायी शासन करते हैं।

जो मुझ से प्रेम रखते हैं उन से मैं भी प्रेम रखती हूं और जो मुझ को यत्न करके खोजते हैं सो मुझे पाते हैं।

मेरे पास धन और प्रतिष्ठा ठहरनेहारा धन और धर्म्म भी हैं।

मेरा फल चोखे सोने से बरन कुन्दन से भी उत्तम है और मेरी उपज उत्तम चान्दी से अच्छी है।

मैं धर्म्म की बाट में और न्याय की डगरों के बीच चलती हूं,

जिस से मैं अपने प्रेमियों को परमार्थ के भागी करूं और उन के भण्डारों को भर दूं।

यहोवा ने मुझे काम करने के आरंभ में बरन अपने प्राचीनकाल के कामों से भी पहिले उत्पन्न किया।

मैं सदा से बरन आदि ही से पृथिवी के होने से पहिले ठहराई गई।

जब न तो गहिरा सागर था और न जल के सोते थे तब ही मैं उत्पन्न हुई।

जब पहाड़ वा पहाड़ियां स्थिर न किई गई थीं जब यहोवा ने न तो पृथिवी और न मैदान न जगत की धूलि के परमाणु बनाये थे तब ही मैं उत्पन्न हुई।

जब उस ने आकाश को स्थिर किया तब मैं वहां थी जब उस ने गहिरे सागर के ऊपर आकाश-मण्डल ठहराया,

जब उस ने आकाशमण्डल को ऊपर से स्थिर किया और गहिरे सागर के सोते फूटने लगे.

जब उस ने समुद्र का सिवाना ठहराया कि जल उस की आज्ञा का उल्लंघन न कर सके और जब वह पृथिवी की नेव की डोरी लगाता था.

तब मैं कारीगर सी उस के पास थी और दिन दिन सुख करते हुए हर समय उस के साम्हने हुलराती हुई थी। मैं उसकी बसाई हुई पृथिवी पर हुलसती थी और मेरा सुख मनुष्यों की संगति से होता था।

धन्य वे हैं जो मेरे मार्ग पकड़े रहते हैं।

(नीतिः ८:३२)

सो अब हे मेरे पुत्रो मेरी सुनो क्या ही धन्य वे हैं जो मेरे मार्ग पकड़े रहते हैं।

शिक्षा को सुनो और बुद्धिमान हो जाओ उस के विषय सुनी अनसुनी न करो।

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो मेरी सुनता बरन मेरी डेवढ़ी पर दिन दिन खड़ा और मेरे द्वारों के खंभों के पास ताक लगाये रहता है।

क्योंकि जो मुझे पाता सो जीवन को पाता है पर जो मेरा अपराध करता सो अपने ही पर उपद्रव करता है जितने मुझ से बैर रखते सो मृत्यु से प्रीति रखते हैं।

बुद्धिमान पुत्र से पिता आनन्दित होता है पर मूर्ख पुत्र के कारण माता उदास रहती है।

जो काम में ढिलाई करता है सो निर्धन हो जाता है पर कामकाजी लोग अपने हाथों के द्वारा धनी होते हैं।

जो बुद्धिमान है सो आज्ञाओं को स्वीकार करता है पर जो बकवादी और मूढ़ है सो गिरा दिया जाता है।

बैर से तो झगड़े उत्पन्न होते हैं पर प्रेम से सब अपराध ढप जाते हैं।

धनी का धन उस का दृढ़ नगर है पर कंगाल लोग निर्धन होने के कारण विनाश होते हैं।

छल के तराजू से यहोवा को घिन आती है पर वह पूरे बटखरे से प्रसन्न होता है।

सीधे लोग अपनी खराई से अगुवाई पाते हैं पर विश्वासघाती अपने कपट से विनाश होते हैं।

जहां बुद्धि की युक्ति नहीं वहां प्रजा विपत्ति में पड़ती है पर सम्मति देनेहारों की बहुतायत के कारण बचाव होता है।

जो धर्म्म में दृढ़ रहता सो जीवन पाता है पर जो बुराई का पीछा करता सो मृत्यु का कौर हो जाता है।

जो सुन्दर स्त्री विवेक नहीं रखती सो थूथुन में सोने की नत्थ पहिने हुए सूअर के समान है।

ऐसे हैं जो छितरा देते हैं तौभी उन की बढ़ती ही होती है और ऐसे भी हैं जो हक से कम देते हैं और इस से उन की घटती ही होती है।

जो अपना अनाज रख छोड़ता है उस को लोग कोसते हैं

पर जो उसे बेच देता है उस को आशीर्वाद दिया जाता है।

जो अपने धन पर भरोसा रखता सो गिर जाता है पर धर्म्मी लोग नये पत्ते की नाईं लहलहाते हैं।

जो अपने घराने को दुःख देता उस का भाग वायु ही होगा और मूढ़ बुद्धिमान का दास हो जाता है।

धर्म्मी का प्रतिफल जीवन का वृक्ष होता है और बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है। धर्म्मी को हानि नहीं होती।

विश्वासघातियों का मार्ग कड़ा होता है।

(नीतिः १२:२२)

झूठे से यहोवा को घिन आती है पर जो विश्वास से काम करते हैं उन से वह प्रसन्न होता है।

कोई तो धन बटोरता पर उस के पास कुछ नहीं रहता

और कोई धन उड़ा देता तौभी उस के पास बहुत रहता है।

फोकट का माल नहीं ठहरता पर जो अपने परिश्रम से बटोरता उस की बढ़ती होती है।

जब आशा पूरी होने में विलम्ब होता तो मन शिथिल होता है पर जब लालसा पूरी होती तब जीवन का वृक्ष लगता है।

बुद्धिमान की शिक्षा जीवन का सोता है और उस के द्वारा लोग मृत्यु के फंदों से बच सकते हैं।

सुबुद्धि के कारण अनुग्रह होता है पर विश्वासघातियों का मार्ग कड़ा होता है।

सब चतुर तो ज्ञान से काम करते हैं पर मूर्ख अपनी मूढ़ता फलाता है।

जो शिक्षा को सुनी अनसुनी करता सो निर्धन होता और अपमान पाता है पर जो डांट को मानता उस की महिमा होती है।

बुद्धिमानों की संगति कर तब तू भी बुद्धिमान हो जाएगा पर मूर्खों का साथी नाश हो जाएगा।

जो बेटे पर छड़ी नहीं चलाता सो उस का बैरी है पर जो उस से प्रेम रखता सो यत्न से उस को शिक्षा देता है।

ऐसा मार्ग है जो मनुष्य को ठीक देख पड़ता है पर उस के अन्त में मृत्यु ही मिलती है।

भोला तो हर एक बात को सच मानता है पर चतुर मनुष्य समझ बूझ कर चलता है।

बुद्धिमान डरकर बुराई से हटता है पर मूर्ख ढीठ होकर निडर रहता है।

जो झट क्रोध करे सो मूढ़ता का काम भी करेगा पर जो बुरी युक्तियां निकालता है उस से लोग बैर रखते हैं।

भोलों का भाग मूढ़ता ही होता है पर चतुरों को ज्ञानरूपी मुकुट बांधा जाता है।

निर्धन का पड़ोसी भी उस से घिन करता है पर धनी के बहुतेरे प्रेमी होते हैं।

जो अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता सो पाप करता है पर जो दीन लोगों पर अनुग्रह करता सो धन्य होता है।

परिश्रम से सदा लाभ होता है पर बकवाद करने से केवल घटती होती है।

राजा की महिमा प्रजा की बहुतायत से होती है पर जहां प्रजा नहीं वहां हाकिम नाश हो जाता है।

जो विलम्ब से कोप करनेहारा है सो बड़ा समझवाला है पर जो अधीर है सो मूढ़ता की बढ़ती कराता है।

जो कंगाल पर अंधेर करता सो उस के कर्त्ता की निन्दा पर जो दरिद्र पर अनुग्रह करता सो उस की महिमा करता है।

समझवाले के मन में बुद्धि बास किये रहती है पर मूर्खों के अन्तःकाल में जो कुछ है सो प्रगट हो जाता है।

जाति की बढ़ती धर्म्म ही से होती है ।

(नीतिः १४:३४, १५)

जाति की बढ़ती धर्म्म ही से होती है पर पाप से देश के लोगों का अपमान होता है ।

कोमल उत्तर सुनने से जलजलाहट ठण्डी होती है पर कटुवचन से कोप धधक उठता है ।

मूढ़ अपने पिता की शिक्षा का तिरस्कार करता है पर जो डांट को मानता सो चतुर हो जाता है ।

धर्म्मी के घर में बहुत धन रहता है पर दुष्ट के उपार्जन में दुःख रहता है ।

मन आनन्दित होने से मुख पर भी प्रसन्नता छा जाती है पर मन के दुःख से आत्मा निराश होता है ।

दुखिया के सब दिन दुःख भरे रहते हैं पर जिस का मन प्रसन्न रहता है सो मानो नित्य भोज में जाता है ।

क्रोधी पुरुष झगड़ा मचाता है पर जो विलम्ब से क्रोध करनेहारा है सो मुकद्दमों को दबा देता है ।

आलसी का मार्ग कांटों से रुन्धा हुआ होता है पर सीधे लोगों की बाट राजमार्ग ठहरती है ।

यहोवा अहंकारियों के घर को ढा देता पर विधवा के सिवाने को अटल रखता है ।

यहोवा के भय मानने से शिक्षा प्राप्त होती है और महिमा से पहिले नम्रता होती है ।

अन्याय के बड़े लाभ से न्याय से थोड़ा ही प्राप्त करना उत्तम है ।

दुष्टता करना राजाओं के लिये घिनौना काम है क्योंकि उन की गद्दी धर्म्म ही से स्थिर रहती है ।

—

सीधे लोगों का राजमार्ग ।

(नीतिः १६, १७)

बुराई से हटना सीधे लोगों के लिये राजमार्ग है जो अपनी चाल चलन की चौकसी करता सो अपने प्राण की भी रक्षा करता है ।

विनाश से पहिले गर्व और ठोकर खाने से पहिले घमण्ड होता है ।

घमण्डियों के संग लूट बांट लेने से दीन लोगों के संग नम्र भाव से रहना उत्तम है ।

टेढ़ा मनुष्य बहुत झगड़ों को उठाता है और कानाफूसी करनेहारा परम मित्रों में भी फूट करा देता है ।

पक्के बाल शोभायमान मुकुट ठहरते हैं वे धर्म्म के मार्ग पर चलने से प्रसन्न होते हैं ।

विलम्ब से कोप करना वीरता से और अपने मन को वश में रखना नगर के जीत लेने से उत्तम है ।

चैन के साथ सूखा टुकड़ा उस घर की अपेक्षा उत्तम है जो मेलबलि पशुओं से भरा हो पर उस में झगड़े हों ।

जो निर्धन को ठट्ठों में उड़ाता सो उस के कर्त्ता की निन्दा करता है और जो किसी की विपत्ति पर हंसता सो निर्दोष नहीं ठहरता ।

बूढ़ों की शोभा उन के नाती पोते हैं और बाल बच्चों की शोभा उन के माता पिता हैं ।

मूढ़ को उत्तम बात फबती नहीं और अधिक करके प्रधान को झूठी बात नहीं फबती ।

जो दूसरे के अपराध को ढांप देता सो प्रेम का खोजी ठहरता है पर जो बात की चर्चा बार बार करता है सो परम मित्रों में भी फूट करा देता है ।

एक घुड़की समझवाले के मन में जितनी गड़ जाती है उतनी सौ बार मार खाना मूर्ख के मन में नहीं गड़ता ।

जो कोई भलाई के बदले में बुराई करे उस के घर से बुराई दूर न होगी ।

मित्र सब समयों में प्रेम रखता है और बिपत्ति के दिन भाई बन जाता है ।

—

मन का आनन्द अच्छी औषध है ।

(नीति: १७:२२)

मन का आनन्द अच्छी औषध है पर मन के टूटने से हड्डियां सूख जाती हैं ।

जो बिना बात सुने उत्तर देता सो मूढ़ ठहरता और उस का अनादर होता है ।

रोग में मनुष्य अपने आत्मा से सम्भलता है पर जब आत्मा हार जाता तब इसे कौन सह सकता है ।

समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं ।

भेंट मनुष्य के लिये राह खोल देती और उसे बड़े लोगों के साम्हने पहुंचाती है ।

मुकद्दमे में जो पहिले बोलता वही धर्म्मी जान पड़ता पर पीछे दूसरा पक्षवाला आकर उसे खोज लेता है ।

चिढ़े हुए भाई को मनाना दृढ़ नगर के लेने से कठिन होता है और ऐसे झगड़े राजभवन के बेंडों के समान हैं ।

संगियों के बढ़ाने से तो नाश होता है पर कोई ऐसा प्रेमी होता है जो भाई से भी अधिक मिला रहता है ।

धनी के तो बहुत संगी हो जाते हैं पर कंगाल के संगी उस से अलग हो जाते हैं ।

झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता और जो झूठ बोला करता है सो न बचेगा ।

राजा का कोप सिंह की गरजना सा पर उस की प्रसन्नता घास पर की ओस सरीखी होती है ।

आलस से भारी नींद आ जाती है और जो प्राणी ढिलाई से काम करता सो भूखा ही रहता है ।

दाखमधु ठट्ठा करनेहारा और मदिरा हौरा मचानेहारी है जो कोई उस के कारण चूक करता है सो बुद्धिमान नहीं ।

मुकद्दमे से हाथ उठाना पुरुष की महिमा ठहरती है पर सब मूढ़ झगड़ने को तैयार होते हैं ।

आलसी मनुष्य शीत के कारण हल नहीं जोतता इस लिये कटनी के समय वह भीख मांगता और कुछ नहीं पाता ।

मनुष्य के मन की युक्ति अथाह तो है तौभी समझवाला मनुष्य उस को निकाल लेता है ।

लड़का भी अपने कामों से पहिचाना जाता ।

(नीति: २०:११)

लड़का भी अपने कामों से पहिचाना जाता है कि उस का काम पवित्र और सीधा है वा नहीं ।

सुनने के लिये कान और देखने के लिये आंख जो हैं दोनों को यहोवा ने बनाया है ।

मोल लेने के समय गाहक तुच्छ तुच्छ कहता है पर चले जाने पर बड़ाई करता है ।

सोना और बहुत से मूंगे तो हैं पर ज्ञान की बातें अनमोल मणि ठहरी हैं ।

चोरी छिपे की रोटी मनुष्य को मीठी तो लगती है पर पीछे उस का मुंह कंकर से भर जाता है ।

जो लुतराई करता फिरता सो भेद प्रगट करता है इस लिये बकवादी से मेल जोल न रखना ।

जो अपने माता पिता को कोसता उस का दिया बुझ जाता और घोर अन्धकार हो जाता है ।

राजा की रक्षा कृपा और सच्चाई के कारण होती है और कृपा करने से उस की गद्दी संभलती है ।

जवानों की शोभा उन का बल है पर बूढ़ों की शोभा उन के पक्के बाल हैं ।

जो कंगाल की दोहाई पर कान न दे सो आप पुकारेगा और उस की सुनी न जाएगी ।

झगड़ालू और चिढ़नेहारी स्त्री के संग रहने से जंगल में रहना उत्तम है ।

बुद्धिमान के घर में उत्तम धन पाया जाता है पर मूर्ख उस को उड़ा डालता है ।

बुद्धिमान शूरवीरों के नगर पर चढ़कर उन के बल को जिस पर वे भरोसा करते हैं नाश करता है।

जो अपने मुंह को बश में रखता है सो अपने प्राण को विपत्तियों से बचाता है।

——

अच्छा नाम बड़े धन से अच्छा है।

(नीतिः २२)

बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है और सोने चांदी से औरों की प्रसन्नता उत्तम है।

धनी और निर्धन दोनों मिलते हैं यहोवा उन दोनों का कर्त्ता है।

चतुर मनुष्य विपत्ति को आती देखकर छिप जाता है पर भोले लोग आगे बढ़कर दण्ड भोगते हैं।

नम्रता और यहोवा के भय मानने का फल धन महिमा और जीवन होता है।

टेढ़े मनुष्य के मार्ग में कांटे और फंदे रहते हैं पर जो अपने प्राण की रक्षा करता सो उन से दूर रहता है।

लड़के को शिक्षा उसी मार्ग की दे जिस में उस को चलना चाहिये वह बुढ़ापे में भी उस से न हटेगा।

धनी निर्धन लोगों पर प्रभुता करता है और उधार लेनेहारा उधार देनेहारे का दास होता है।

जो कुटिलता का बीज बोता है सो अनर्थ ही लवेगा और उस के रोष का सोंटा टूटेगा।

दया करनेहारे पर आशीष फलती है क्योंकि वह कंगाल को अपनी रोटी में से देता है।

ठट्ठा करनेहारे को निकाल दे तब झगड़ा मिट जाएगा और बाद विवाद और अपमान दोनों टूट जाएंगे।

जो मन की शुद्धता में प्रीति रखता है उस के बचन मनोहर होते और राजा उस का मित्र होता है।

यहोवा ज्ञानी पर दृष्टि करके उस की रक्षा करता पर विश्वासघाती की बातें उलट देता है।

आलसी कहता है कि बाहर तो सिंह होगा मैं चौक के बीच घात किया जाऊंगा।

पराई स्त्रियों का मुंह गहिरा गड़हा है जिस से यहोवा क्रोधित होता सोई उस में गिरता है।

लड़के के मन में मूढ़ता बंधी रहती है पर छड़ी की ताड़ना के द्वारा वह उस से दूर किई जाती है।

जो अपने लाभ के निमित्त कंगाल पर अन्धेर करता और जो धनी को भेंट देता वे दोनों केवल हानि ही उठाते हैं।

कान लगाकर बुद्धिमानों के बचन सुन और मेरी ज्ञान की बातों की ओर मन लगा।

यदि तू उन को अपने मन में रक्खे तो यह मनभावनी बात होगी।

क्रोधी मनुष्य का मित्र न होना और झट कोप करनेहारे के संग न चलना,

कहीं ऐसा न हो कि तू उस की चाल सीखे और तेरा प्राण फन्दे में फंस जाए।

——

वह राजाओं के सन्मुख खड़ा होगा।

(नीतिः २२:२९)

तू ऐसा पुरुष देखे जो कामकाज में निपुण हो वह राजाओं के सन्मुख खड़ा होगा छोटे लोगों के सन्मुख नहीं।

क्या तू अपनी दृष्टि उस पर लगाएगा जो है ही नहीं। धन उकाब पक्षी की नाईं पंख लगाकर निःसन्देह आकाश की ओर उड़ जाता है।

जो डाह से देखता है उस की रोटी न खाना और न उस की स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं की लालसा करना। क्योंकि जैसा वह अपने मन में विचारता है वैसा वह आप है वह तुझ से कहता तो है कि खा पी पर उस का मन तुझ से लगा नहीं।

मूर्ख के साम्हने न बोलना नहीं तो वह तेरे बुद्धि के बचनों को तुच्छ जानेगा।

पुराने सिवानों को न बढ़ाना और न बपमुओं के खेत में घुसना क्योंकि उन का छुड़ानेहारा सामर्थी है उन का मुकद्दमा तेरे संग वही लड़ेगा ।

लड़के को ताड़ना न छोड़ना क्योंकि यदि तू उस को छड़ी से मारे तो वह न मरेगा । तू उस को छड़ी से मारके उस का प्राण अधोलोक से बचाएगा ।

हे मेरे पुत्र तू सुनकर बुद्धिमान हो और अपना मन सुमार्ग में सीधा चला ।

क्योंकि पियक्कड़ और खाऊ अपना भाग खोते और पीनकवाले को चिथड़े पहिनने पड़ते हैं ।

अपने जन्मानेहारे की सुनना और जब तेरी माता बुढ़िया हो जाए तब भी उसे तुच्छ न जानना ।

सच्चाई को मोल लेना बेचना नहीं और बुद्धि और शिक्षा और समझ को मोल लेना भी ।

धर्मी का पिता बहुत मगन होता और बुद्धिमान का जन्मानेहारा उस के कारण आनन्दित होता है ।

हे मेरे पुत्र अपना मन मेरी ओर लगा ।

(नीतिः २३:२६)

हे मेरे पुत्र अपना मन मेरी ओर लगा और तेरी दृष्टि मेरी चाल चलन पर लगी रहे ।

कौन कहता है हाय कौन कहता है हाय हाय कौन झगड़े रगड़े में फंसता है कौन बक बक करता है किस के अकारण घाव होते हैं किस की आंखें लाल हो जाती हैं । उन की जो दाखमधु देर तक पीते हैं ।

जब दाखमधु लाल दिखाई देता है तब उस को न देखना । क्योंकि अन्त में वह सर्प की नाईं डसता और करैत के समान काटता है ।

बुरे लोगों के विषय डाह न करना और न उन की संगति चाहना ।

क्योंकि वे उपद्रव सोचते रहते हैं और उन के मुंह से उपाधि की बात निकलती है ।

घर बुद्धि से बनता और समझ के द्वारा स्थिर होता है ।

और उस की कोठरियां ज्ञान के द्वारा सब प्रकार की अनमोल और मनभाऊ वस्तुओं से भर जाती हैं ।

बुद्धिमान पुरुष बलवान भी होता और ज्ञानी जन अधिक शक्तिमान होता है ।

इस लिये जब तू युद्ध करे तब युक्ति के साथ करना और जय बहुत से मन्त्रियों के द्वारा प्राप्त होता है ।

क्या तू विपत्ति के समय हियाव छोड़ता है तो तेरी शक्ति थोड़ी ही है ।

जब तेरा शत्रु गिरे तब तू आनन्दित न हो और जब वह ठोकर खाए तब तेरा मन मगन न हो ।

कुकर्मियों के विषय मत कुढ़ दुष्ट लोगों के विषय डाह न कर ।

क्योंकि बुरे मनुष्य को अन्त में कुछ फल न मिलेगा दुष्टों का दिया बुझाया जाएगा ।

आलसी का खेत ।

(नीतिः २४:३०)

मैं आलसी के खेत के और निर्बुद्धि मनुष्य की दाखबारी के पास होकर जाता था,

तो क्या देखा कि वहां सब कहीं कटीले पेड़ भर गये और वह बिच्छू पेड़ों से ढप गई और उस का पत्थर का बाड़ा गिर गया है ।

तब मैं ने निहारके विचार किया मैं ने देखकर शिक्षा प्राप्त किई ।

तनिक और सो लेना तनिक और झपकी ले लेना तनिक और छाती पर हाथ रक्खे लेटे रहना,

तब तेरा कंगालपन डाकू की नाईं और तेरी घटी हथियारबन्द के समान आ पड़ेगी ।

परमेश्वर की महिमा तो बात के छिपा रखने में पर राजाओं की महिमा बात के भेद निकालने में होती है ।

स्वर्ग की ऊंचाई पृथिवी की नीचाई और राजाओं का मन इन तीनों का अन्त नहीं मिलता।

चांदी में से मैल निकाल तब सुनार के लिये एक पात्र की थकिया हो जाएगी।

राजा के साम्हने से दुष्ट को निकाल तब उस की गद्दी धर्म्म के कारण स्थिर होगी।

राजा के साम्हने बड़ाई न मारना और बड़े लोगों के स्थान में खड़ा न होना।

क्योंकि जिस प्रधान का तू ने दर्शन किया हो उस के साम्हने तेरा अपमान होना नहीं उत्तम यह है कि तुझ से कहा जाए कि यहां पर विराज।

चांदी की टोकरियों में सोनहले सेब।

(नीतिः २५:११)

जैसे चांदी की टोकरियों में सोनहले सेब हों वैसा ही ठीक समय पर कहा हुआ बचन होता है।

जैसे सोने का नत्थ और कुन्दन की गोप अच्छी लगती है वैसा ही माननेहारे के कान में बुद्धिमान की डांट भी अच्छी लगती है।

जैसा कटनी के समय बरफ की ठण्ड से वैसा ही विश्वासयोग्य दूत से भी भेजनेहारों का जी ठण्डा होता है।

जैसे बादल और पवन बिना वृष्टि निर्लाभ होते हैं वैसा ही झूठ मूठ दान देनेहारे का बड़ाई मारना होता है।

धीरज धरने से न्यायी मनाया जाता और कोमल बात हड्डी को भी तोड़ती है।

अपने पड़ोसी के घर में बहुत न जाना न हो कि वह तुझ से अघाकर बैर करने लगे।

जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देता है सो मानो हथौड़ा और तलवार और पैना तीर होता है।

विपत्ति के समय विश्वासघाती पर का भरोसा टूटे हुए दांत वा उखड़े पांव के समान होता है।

जैसा जाड़े के दिनों में किसी का वस्त्र उतारना वा सज्जी पर सिरका डालना वैसा ही उदास मन-वाले के साम्हने गीत गाना होता है।

जैसे उत्तरही वायु वर्षा को वैसे ही चुगली करने से मुख पर क्रोध छा जाता है।

जैसा थके मान्दे के लिये ठण्डा पानी वैसा ही दूर देश से आया हुआ शुभ समाचार भी होता है।

जिस का आत्मा वश में नहीं सो ऐसे नगर के समान है जिस की शहरपनाह नाका करके तोड़ दिई गई हो।

जैसा धूपकाल में हिम का और कटनी के समय जल का पड़ना वैसी ही मूर्ख की महिमा भी ठीक नहीं होती।

घोड़े के लिये कोड़ा गदहे के लिये बाग और मूर्खों की पीठ के लिये छड़ी।

मूर्ख को उस की मूढ़ता के अनुसार उत्तर न देना ऐसा न हो कि तू भी उस के तुल्य ठहरे।

यदि तू ऐसा मनुष्य देखे जो अपने लेखे में बुद्धिमान हो तो उस से अधिक मूर्ख ही का आशा है।

ठीक उत्तर देनेहारे सात मनुष्यों से भी आलसी अपने को अधिक बुद्धिमान समझता है।

वह जो पराये झगड़े में रिसियाता है।

(नीतिः २६:१७)

जो मार्ग पर चलते हुए पराये झगड़े में रिसियाता है

सो ऐसा होता है जैसा कोई कुत्ते के कानों को पकड़े।

जैसे लकड़ी न होने से आग बुझती है उसी रीति जहां कानाफूसी करनेहारा नहीं वहां झगड़ा मिट जाता है।

जैसा अंगारों में कोयला और आग में लकड़ी होती है वैसा हो झगड़े के बढ़ाने के लिये झगड़ालू होता है।

कानाफूसी करनेहारे के वचन स्वादिष्ट भोजन के समान भीतर उतर जाते हैं ।

जो गड़हा खोदे सो उस में गिरेगा ।

कल के दिन के विषय मत फूल क्योंकि तू नहीं जानता कि दिन भर में क्या होगा ।

तेरी प्रशंसा और लोग करें तो करें पर तू आप न करना बिराना तुझे सराहे तो सराहे पर तू अपनी सराहना न करना ।

क्रोध तो क्रूर और कोप धारा के समान होता है पर जब कोई जल उठाता है तब कौन ठहर सकता है ।

साफ साफ डांट छिपे हुए प्रेम से उत्तम है ।

मित्र की चोटें विश्वास योग्य हैं पर बैरी बहुत चूमता है ।

अघाने पर मधु का छत्ता फीका लगता है पर भूखे को सब कड़वी वस्तुएं भी मीठी जान पड़ती हैं ।

स्थान छोड़कर घूमनेहारा मनुष्य उस चिड़िया के समान है जो घोंसला छोड़कर उड़ती फिरती है ।

जैसा तेल और सुगन्ध से वैसा मित्र के हृदय की मनोहर सम्मति से मन आनन्दित होता है ।

जैसे लोहा लोहे से चमकदार होता है वैसे ही मनुष्य का मुख अपने मित्र की संगति से चमकदार होता है ।

जैसे जल में मुख की परछाईं मुख से मिलती है वैसे ही एक मनुष्य का मन दूसरे मनुष्य के मन से मिलता है ।

जैसे अधोलोक और विनाशलोक वैसे ही मनुष्य की आंखें भी तृप्त नहीं होतीं ।

चाहे तू मूढ़ को दानों के बीच दलकर ओखली में मूसल से कूटे तौभी उस की मूढ़ता नहीं जाने की ।

संपत्ति सदा लों नहीं ठहरती ।

(नीतिः २७:२३)

अपनी भेड़बकरियों की दशा भली भांति बूझ लेना और अपने सब पशुओं के झुण्डों की सुधि रखना । क्योंकि संपत्ति सदा लों नहीं ठहरती और क्या राजमुकुट भी पीढ़ी पीढ़ी बना रहता है ।

दुष्ट लोग जब कोई पीछा नहीं करता तब भी भागते हैं पर धर्म्मी लोग जवान सिंहों के समान निडर रहते हैं ।

जो निर्धन पुरुष कंगालों पर अन्धेर करता है सो ऐसी भारी वर्षा के समान है जो कुछ भोजन वस्तु नहीं छोड़ती ।

जब धर्म्मी लोग हुलसते हैं तब बड़ी शोभा होती है पर जब दुष्ट लोग प्रबल होते हैं तब मनुष्य अपने आप को छिपाता है ।

जो अपने अपराध छिपा रखता उस का कार्य्य सुफल नहीं होता पर जो उन को मान लेता और छोड़ भी देता उस पर दया किई जाती है ।

जो मनुष्य निरन्तर भय मानता रहता है सो धन्य है पर जो अपना मन कठोर कर लेता सो विपत्ति में पड़ता है ।

कंगाल प्रजा पर प्रभुता करनेहारा दुष्ट गरजनेहारे सिंह और घूमनेहारे रीछ के समान है ।

जो प्रधान मन्दबुद्धि होता है सोई बहुत अन्धेर करता है और जो लालच का बैरी होता सो दीर्घायु होता है ।

मूर्ख अपने सारे मन की बात प्रगट करता है पर बुद्धिमान अपने मन को रोकता और शान्त कर देता है ।

जो राजा कंगालों का न्याय सच्चाई से चुकाता उस की गद्दी सदा लों स्थिर रहती है ।

छड़ी और डांट से बुद्धि प्राप्त होती है पर जो लड़का योंही छोड़ा जाता सो अपनी माता की लज्जा का कारण होता है ।

अपने बेटे की ताड़ना कर तब उस से तुझे चैन मिलेगा और तेरा मन सुखी हो जाएगा ।

जहां दर्शन की बात नहीं होती वहां लोग निरंकुश हो जाते हैं और जो व्यवस्था को मानता है सो धन्य होता है ।

वे बातें जो मेरे लिये अधिक कठिन हैं।

(नीतिः ३०:१८)

तीन बातें मेरे लिये अधिक कठिन हैं बरन चार हैं जो मेरी समझ से परे हैं,

आकाश में उकाब पक्षी का ढंग चटान पर सर्प की चाल समुद्र में जहाज की चाल कन्या के संग पुरुष की चाल।

तीन बातों के कारण पृथिवी कांपती दास का राजा हो जाना मूढ़ का पेट भरना, घिनौनी स्त्री का ब्याहा जाना।

पृथिवी पर चार छोटे जन्तु हैं जो अत्यन्त बुद्धिमान हैं।

च्यूंटियां निर्बल जाति तो हैं पर धूपकाल में अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं।

शापान बली जाति नहीं तौभी उनकी मान्दें ढांगों पर होती हैं।

टिड्डियों के राजा तो नहीं होता तौभी वे सब की सब दल बांध बांधकर पयान करती हैं।

और छिपकली हाथ से पकड़ी तो जाती है तौभी राजभवनों में रहती हैं।

तीन सुन्दर चलनेहारे प्राणी हैं बरन चार हैं जिनकी चाल सुन्दर है,

सिंह जो सब पशुओं में पराक्रमी है और किसी के डर से नहीं हटता, शिकारी कुत्ता और बकरा और अपनी सेना समेत राजा।

यदि तू ने अपनी बड़ाई करने से मूढ़ता किई वा कोई बुरी युक्ति बांधी हो तो अपने मुंह पर हाथ धर।

अनबोल के लिये बोलना और सब अनाथों का न्याय चुकाना।

मुंह खोलना और धर्म से न्याय करना और दीन दरिद्रों का मुकद्दमा लड़ना।

भली स्त्री का मूल्य मूंगों से बहुत अधिक है।

(नीतिः ३१:१०)

भली स्त्री कौन पा सकता है उसका मूल्य मूंगों से बहुत अधिक है।

उस के पति का मन उस पर भरोसा रखता है और उस पति को लाभ की घटी नहीं होती।

अपने जीवन के सारे दिन वह उससे बुरा नहीं भला ही व्यवहार करती है।

वह ऊन और सन ढूंढ़ ढूंढ़ कर अपने हाथों से प्रसन्नता के साथ काम करती है।

वह ब्योपार के जहाजों की नाईं अपनी भोजन वस्तुएं दूर से मंगवाती है।

वह रात रहते उठकर अपने घराने को भोजन और अपनी लौंडियों को अलग अलग काम देती है।

वह खेत सोच विचारकर लेती और अपनी कमाई से दाख की बारी लगाती है।

वह अपनी कटि में बल का फेंटा कसती और अपनी बाहों को बली करती है।

वह परख कर लेती है कि मेरा बनिज अच्छा चलता है और रात को उस का दिया नहीं बुझता।

वह अटेरन में हाथ लगाती और चरखा पकड़ती है।

वह दीन के लिये मुट्ठी खोलती और दरिद्र के संभालने को हाथ बढ़ाती है।

वह अपने घराने के लिये हिम से नहीं डरती क्योंकि उस के घर के सब लोग लाल कपड़े पहिनते हैं।

वह तकिये बना लेती है उसके वस्त्र सूक्ष्म सन और बैंजनी रंग के होते हैं।

जब उसका पति सभा में देश के पुरनियों के संग बैठता है तब उस का सन्मान होता है।

वह सन के वस्त्र बनाकर बेचती और ब्योपारी को फेंटे देती है।

वह बल और प्रताप का पहिरावा पहिने रहती और आनेहारे काल के विषय पर हंसती है।

वह बुद्धि की बात बोलती है और उस के बचन कृपा की शिक्षा के अनुसार होते हैं।

वह अपने घराने की चाल चलन को ध्यान से देखती और अपनी रोटी बिना कमाये नहीं खाती।

उस के पुत्र उठ उठकर उसको धन्य कहते हैं उस का पति भी उठकर उसकी ऐसी प्रशंसा करता है कि

बहुत सी स्त्रियों ने अच्छे अच्छे काम तो किये हैं पर तू उन सभों से श्रेष्ठ ठहरी।

शोभा तो झूठी और सुन्दरता बुलबुला है पर जो स्त्री यहोवा का भय मानती है उसकी प्रशंसा किई जाएगी।

उस के हाथों के काम का फल उसे दो और वह सभा में अपने कामों के योग्य प्रशंसा पाये।

सभोपदेशक।

व्यर्थ ही व्यर्थ सब कुछ व्यर्थ है।

(सभा के उपदेशक के वचन)

सभा का उपदेशक जो दाऊद का पुत्र और यरूशलेम का राजा था उस के वचन। व्यर्थ ही व्यर्थ व्यर्थ ही व्यर्थ सब कुछ व्यर्थ है।

उस सब परिश्रम से जिसे मनुष्य धरती पर करता है उस को क्या लाभ होता है।

एक पीढ़ी जाती और दूसरी पीढ़ी आती है और पृथिवी सदा लों बनी रहती है।

फिर सूर्य उदय होकर अस्त होता है और अपने उदय की दिशा को वेग से जाता है।

वायु दक्खिन की ओर बहती और उत्तर की ओर घूमती आती है वह घूमती बहती रहती और अपने चक्करों में लौट आती है।

सारी नदियां समुद्र में जा मिलती हैं तौभी समुद्र भर नहीं जाता जिस स्थान में नदियां जाती हैं उसी में वे फिर जाती हैं।

सब बातें परिश्रम से भरी हैं इस का वर्णन किया नहीं जाता न तो आंखें देखते देखते सफल होती हैं न कान सुनते सुनते तृप्त।

जो कुछ हुआ था वही होगा और जो कुछ किया गया वही किया जाएगा धरती पर कोई नई बात नहीं होती।

क्या ऐसी कोई बात है जिस के विषय लोग कह सकें कि देख यह नई है सो नहीं वह बीते हुए युगों में हो चुकी है।

मैं सभा का उपदेशक यरूशलेम में इस्राएल का राजा हुआ। और मैं ने मन लगाया कि जो कुछ धरती पर किया जाता है उस का भेद बुद्धि से सोच सोचकर निकालूं।

मैंने उन सब कामों को देखा जो धरती पर किये जाते हैं देखो वे सब व्यर्थ और वायु को पकड़ना है।

और मैं ने मन लगाया कि बुद्धि का भेद लूं और बावलेपन और मूर्खता को भी जान लूं पर मुझे जान पड़ा कि यह भी वायु को पकड़ना है।

क्योंकि बहुत बुद्धि के साथ बहुत खेद भी होता है और जो अपना ज्ञान बढ़ाता वह अपना दुःख भी बढ़ाता है।

मैं ने अपने मन से कहा चल मैं तुझे आनन्द के द्वारा जांचूंगा सो तू सुख मान पर देखो यह भी व्यर्थ है।

मैं ने बड़े बड़े काम किये मैं ने अपने लिये घर बनवा लिये मैं ने अपने लिये दाख की बारियां लगवा लिईं।

मैं ने अपने लिये बारियां और बाग लगवा लिये और उन में भांति भांति के फलदाई वृक्ष रुपवाये, मैं ने अपने लिये कुण्ड खुदवा लिये कि उन से वह वन सींचा जाए जिस में पौधे लेये जाते थे।

मैं ने दास और दासियां मोल लिईं और मेरे घर में दास उत्पन्न भी हुए मेरे इतनी गाय बैल और भेड़ बकरियां हुईं जितनी मुझ से पहिले किसी यरूशलेमवासी के न हुई थीं।

मैं ने चान्दी और सोना भी और राजाओं और प्रान्तों के बहुमूल्य पदार्थों का संग्रह किया।

मैंने अपने लिये गानेहारों और गानेहारियों को रक्खा और बहुत सी कामिनियां भी जिन से मनुष्य सुख पाते हैं अपनी कर लिईं।

और जितनी वस्तुओं के देखने की मुझे लालसा हुई उन सभों को देखने से मैं न रुका मैं ने अपना मन किसी प्रकार का आनन्द भोगने से न रोका बरन मेरा मन मेरे सब परिश्रम के कारण आनन्दित हुआ।

तब मैंने फिरके अपने हाथों के सब कामों को देखा तो क्या देखा कि सब कुछ व्यर्थ और वायु को पकड़ना है और धरती पर कुछ लाभ नहीं होता।

तब मैं ने देखा कि उजियाला अंधियारे से जितना उत्तम है उतना बुद्धि भी मूर्खता से उत्तम है।

जो बुद्धिमान है उसके सिर में आंखें रहती हैं पर मूर्ख अंधियारे में चलता है तौभी मैं ने जान लिया कि दोनों की एक सी दशा होती है।

सो मैं ने मन में कहा जैसी मूर्ख की दशा होगी वैसी ही मेरी भी होगी फिर मैं क्यों अधिक बुद्धिमान हुआ तब मैं ने मन में कहा यह भी व्यर्थ ही है।

तब मैं ने अपने जीवन से घिन किई। और मैं ने अपने सारे परिश्रम से जो मैं ने धरती पर किया था घिन किई क्योंकि मुझे उस का फल किसी मनुष्य के लिये जो मेरे पीछे आएगा छोड़ जाना पड़ेगा। और वह मनुष्य बुद्धिमान होगा वा मूर्ख यह कौन जानता है तौभी जितना परिश्रम मैं ने किया उस के फल का वही अधिकारी होगा।

क्योंकि कोई ऐसा मनुष्य होता है जिस का परिश्रम बुद्धि और ज्ञान से होता है और सफल भी होता है तौभी उस को ऐसे मनुष्य के लिये जिस ने उस में कुछ परिश्रम न किया हो छोड़ जाना पड़ता है कि उसी का भाग हो जाए यह भी व्यर्थ और बहुत ही बुरा है।

क्योंकि मनुष्य जो परिश्रम करता है उस से उस को क्या लाभ होता है। उस के सारे दिन तो दुःखों से भरे रहते वरन रात को भी उस का मन चैन नहीं पाता।

एक एक बात का अवसर और धरती पर जितने विषय होते हैं सब का एक एक समय होता है।

जन्म का समय और मरन का भी समय रोपने का समय और रोपे हुए को उखाड़ने का भी समय है।

घात करने का समय और चंगा करने का भी समय ढा देने का समय और बनाने का भी समय है।

रोने का समय और हंसने का भी समय छाती पीटने का समय और नाचने का भी समय है।

पत्थर फेंकने का समय और पत्थर बटोरने का भी समय गले लगाने का समय और गले लगाने से रुकने का भी समय है।

ढूंढ़ने का समय और खो देने का भी समय बचा रखने का समय और फेंक देने का भी समय है। फाड़ने का समय और सीने का भी समय चुप रहने का समय और बोलने का भी समय है।

प्रेम करने का समय और बैर करने का भी समय लड़ाई का समय और मेल का भी समय है।

जो रुपैये में प्रीति रक्खे सो रुपैये से तृप्त न होगा और जो बहुत धन में प्रीति रक्खे उस को कुछ फल न होगा यह भी व्यर्थ है।

जब संपत्ति बढ़ती है तब उस के खानेहारे भी बढ़ते हैं तब उस के स्वामी को इसे छोड़ क्या लाभ हुआ कि उस ने उस संपत्ति को अपनी आंखों से देखा है।

परिश्रम करनेहारा चाहे थोड़ा खाए चाहे बहुत तौभी उस की नींद सुखदाई होती है पर धनी के धन के बढ़ने के कारण उस को नींद नहीं आती।

एक बड़े शोक की बात है जिसे मैं ने धरती पर देखा है अर्थात वह धन जिसके रखने से उस के स्वामी की निरी हानि होती है।

क्योंकि उस का धन बड़े दुःख भरे काम करते करते उड़ जाता है और यदि उस के बेटा हुआ हो तो उस के हाथ में कुछ नहीं लगता।

सो यह भी बड़े शोक की बात है कि जैसा वह आया ठीक वैसा ही वह जाएगा भी फिर उस परिश्रम से क्या लाभ वह व्यर्थ ही हुआ।

फिर वह जीवन भर अंधेरे में खाता और बहुत ही रिसियाता और रोगी रहता और क्रोध भी करता है।

सुन जो मैं ने देखा है सो यह है कि जिस परिश्रम में कोई धरती पर लगा रहे उस में वह खाए पीए और अपने जीवन भर सुख भी माने यही अच्छा और उचित है।

वरन जिस किसी मनुष्य को परमेश्वर ने धन संपत्ति दिई हो और उसे भोगने और उस से अपना

भाग लेने और परिश्रम करते हुए आनन्द करने की शक्ति भी दिई हो तो यह परमेश्वर का वरदान है।

क्योंकि इस जीवन के दिन उस को बहुत स्मरण न रहेंगे और परमेश्वर उस की सुन सुनकर उस के मन को आनन्दित करता है।

एक बला है जो मैंने धरती पर देखी है वह मनुष्यों को बहुत दबाये रहती है। अर्थात किसी मनुष्य को परमेश्वर धन संपत्ति और प्रतिष्ठा यहां लों देता है कि जो कुछ उस का जी चाहता है उस में से कुछ भी नहीं घटता तौभी परमेश्वर उस को उस में से खाने नहीं देता कोई बिराना ही उसे खाता है यह व्यर्थ और बड़े शोक की बात है।

बुद्धिमानों का मन शोक करनेहारों के घर की ओर लगा रहता पर मूर्खों का मन आनन्द के घर में लगा रहता है।

मूर्खों के गीत सुनने से बुद्धिमान की घुड़की सुनना उत्तम है।

निश्चय अंधेर में पड़ने से बुद्धिमान बावला हो जाता है और घूस लेने से बुद्धि नाश होती है।

अपने मन में उतावली करके न रिसियाना क्योंकि रिस मूर्खों ही के हृदय में रहती है।

तू न कहना कि इस का क्या कारण है कि बीते दिन इन से उत्तम थे क्योंकि यह तू बुद्धिमानी से नहीं पूछता।

बुद्धि ही से नगर में के दस हाकिमों की अपेक्षा बुद्धिमान को अधिक सामर्थ प्राप्त होता है।

जो काम तुझे मिले सो अपनी शक्ति भर करना।

मैं ने फिरकर धरती पर देखा कि न तो दौड़ में वेग दौड़नेहारे और न युद्ध में शूरवीर जीतते हैं फिर न तो बुद्धिमान लोग रोटी पाते हैं और न समझ वाले धन और न प्रवीणों पर अनुग्रह होता है वे सब समय और संयोग के वश में हैं।

मैं ने धरती पर इस प्रकार की भी बुद्धि देखी है और वह मुझे बड़ी जान पड़ी।

अर्थात एक छोटा सा नगर था और उस में थोड़े ही लोग थे और किसी बड़े राजा ने उस पर चढ़ाई करके उसे घेर लिया और उसके विरुद्ध बड़े बड़े कोट बनवाये।

और उस में एक दरिद्र बुद्धिमान पुरुष पाया गया और उस ने उस नगर को अपनी बुद्धि के द्वारा बचाया पर किसी ने उस दरिद्र पुरुष को स्मरण न रक्खा।

तब मैं ने कहा बुद्धि पराक्रम से उत्तम है तौभी उस दरिद्र की बुद्धि तुच्छ किई जाती है और उस के बचन कोई नहीं सुनता।

बुद्धिमानों के बचन जो धीमे धीमे कहे जाते हैं सो मूर्खों के बीच प्रभुता करनेहारे के चिल्ला चिल्लाकर कहने से अधिक सुने जाते हैं।

बुद्धि लड़ाई के हथियारों से उत्तम है और एक पापी से बहुत भलाई नाश होती है।

एक बुराई है जो मैं ने धरती पर देखी है सो हाकिम की भूल से होती हुई जान पड़ती है। अर्थात मूर्ख बड़ी प्रतिष्ठा के स्थानों में ठहराये जाते हैं और धनवान लोग नीचे बैठते हैं। मैं ने दासों को घोड़ों पर चढ़े और रईसों को दासों की नाईं भूमि पर चलते हुए देखा है।

बुद्धिमान के बचनों के कारण अनुग्रह होता है पर मूर्ख अपने बचनों के द्वारा नाश होते हैं।

उस की बात आरम्भ में मूर्खता की और अन्त में दुखदाई बावलेपन की होती है।

मूर्ख बहुत बातें बोलता है।

मूर्खों के परिश्रम से थकावट ही होती है वह नहीं जानता कि नगर को कैसे जाए।

आलस्य के कारण छत की कड़ियां दब जाती हैं और हाथों की सुस्ती से घर चूता है।

राजा को मन ही मन भी न कोसना और न धनवान को अपने शयन की कोठरी में भी कोसना क्योंकि कोई आकाश का पक्षी तेरे बचन को ले जाएगा और कोई उड़नेहारा जन्तु उस बात को प्रगट करेगा।

अपनी भोजन वस्तु जल के ऊपर डाल दे क्योंकि बहुत दिन के पीछे तू उसे फिर पाएगा।

जो वायु की सुधि रक्खेगा सो बीज बोने न पाएगा और जो बादलों को देखता रहेगा सो लवने न पाएगा।

जैसे तू नहीं जानता कि वायु के चलने का क्या मार्ग होगा और गर्भवती के पेट में हड्डियां किस

रीति होती हैं वैसे ही परमेश्वर जो सब कुछ करता है उस के काम की रीति तू नहीं जानता।

भोर को अपना बीज बो और सांझ को भी अपना हाथ न रोक क्योंकि तू नहीं जानता कि कौन सुफल होगा चाहे यह चाहे वह वा दोनों के दोनों अच्छे निकलेंगे।

उजियाला मनभावना होता है और धूप के देखने से आंखों को सुख होता है।

सो यदि मनुष्य बहुत बरस जीता रहे तो उन सभों में आनन्दित तो रहे पर अन्धियारे के दिनों की भी सुधि रक्खे क्योंकि वे बहुत होंगे।

हे जवान अपनी जवानी में आनन्द कर और अपनी जवानी के दिनों में मगन रह और अपनी मनमानी चाल चल और अपनी आंखों की दृष्टि के अनुसार चल पर यह जान रख कि इन सारी बातों के विषय परमेश्वर तेरा न्याय करेगा।

सो अपने मन से खेद और अपनी देह से दुःख दूर कर।

अपनी जवानी के दिनों में अपने सिरजनहार को भी स्मरण रख कि अब लों विपत्ति के दिन और वे बरस नहीं आये जिन में तू कहेगा कि मेरा मन इन में नहीं लगता।

तब सूर्य्य और प्रकाश और चन्द्रमा और तारागण अंधेरे हो जाएंगे और वर्षा होने के पीछे बादल फिर घिर आएंगे। उस समय घर के पहरुये कांपेंगे। और बलवन्त झुकेंगे और पिसनेहारियां थोड़ी रहने के कारण काम छोड़ देंगी और झरोखों में से देखनेहारियां अंधी हो जाएंगी। और सड़क की ओर के किवाड़ बन्द होंगे।

और चक्की पीसने का शब्द धीमा होगा और तड़के चिड़िया बोलते ही नींद खुलेगी और सब गानेहारियों का शब्द धीमा हो जाएगा।

फिर जो ऊंचा हो उससे भय खाया जाएगा और मार्ग में डरावनी वस्तुएं मानी जाएंगी और बादाम का पेड़ फूलेगा और टिड्डी भी भारी लगेगी और भूख बढ़ानेहारा फल फिर काम न देगा।

क्योंकि मनुष्य अपने सदा के घर को जानेहारा होगा और रोने पीटनेहारे सड़क सड़क फिरेंगे।

उस समय चांदी का तार दो टूक होगा और सोने का कटोरा टूटेगा और सोते के पास घड़ा फूटेगा और कुण्ड के पास रहट टूट जाएगा।

तब मिट्टी ज्यों की त्यों मिट्टी में मिल जाएगी और आत्मा परमेश्वर के पास जिस ने उसे दिया लौट जायगा।

सभा का उपदेशक कहता है कि सब व्यर्थ ही व्यर्थ सब कुछ व्यर्थ है।

और फिर सभा का उपदेशक जो बुद्धिमान था इस लिये वह प्रजा को ज्ञान सिखाता रहा और कान लगाकर और पूछपाछ करके बहुत से नीति बचन क्रम से रखता था।

फिर हे मेरे पुत्र चौकसी इन्हीं से सीख बहुत पुस्तकों की रचना का अन्त नहीं होता और बहुत पाठ करने से देह थक जाती है।

सब कुछ सुना गया अन्त की बात यह है कि परमेश्वर का भय मान और उसकी आज्ञाओं को पाल क्योंकि सब मनुष्यों का काम यही है। और परमेश्वर सब कामों का और सब गुप्त बातों का चाहे वे भली हों चाहे बुरी न्याय करेगा।

विलापगीत।

हे सब बटोहियो क्या इस बात की तुम्हें कुछ चिन्ता नहीं।

(विलापगीत में से)

जो नगरी लोगों से भरपूर थी सो अब क्या ही विधवा सी अकेली बैठी हुई है।

जो जातियों के लेखे बड़ी और प्रान्तों में रानी थी सो अब क्या ही कर देनेहारी हो गई है।

वह रात को फूट फूटकर रोती है उसके आंसू गालों पर ढलकते हैं।

उसके सब यारों में से कोई अब उस को शान्ति नहीं देता।

उसके सब मित्रों ने उस से विश्वासघात किया और शत्रु बन गये हैं।

यहूदा दुःख और कठिन दासत्व से बचने के लिये परदेश चली गई पर अन्यजातियों में रहती हुई चैन नहीं पाती।

सिय्योन के मार्ग विलाप कर रहे हैं इस लिये कि नियत पर्वों में कोई नहीं आता उसके सब फाटक सुनसान पड़े हैं उसके याजक कहरते हैं। उसकी कुमारियां शोकित हैं और वह आप कठिन दुःख भोग रही है।

उसके शत्रु भाग्यवान हैं क्योंकि यहोवा ने उस के बहुत से अपराधों के कारण उसे दुःख दिया उसके बालबच्चों को शत्रु हांक हांककर बन्धुआई में ले गये।

और सिय्योन की पुत्री का सारा प्रताप जाता रहा उसके हाकिम ऐसे हरिणों के समान हो गये जो कुछ चराई नहीं पाते और खदेड़नेहारों के साम्हने से बलहीन होकर भाग गये हैं।

यरूशलेम ने इन दुःख के दिनों में अपनी सब मनभावनी वस्तुएं जो प्राचीन काल से उसकी बनी थीं स्मरण की हैं।

उस के सब निवासी कहरते हुए भोजनवस्तु ढूंढ़ रहे हैं उन्हों ने जी में जी ले आने के लिये अपनी मनभावनी वस्तुएं बेचकर भोजन लिया।

हे सब बटोहियो क्या इस बात की तुम्हें कुछ चिन्ता नहीं। दृष्टि करके देखो कि जो पीड़ा मुझ पर पड़ी है उसके तुल्य और पीड़ा कहां।

प्रभु ने मुझ में के सब पराक्रमी पुरुषों को तुच्छ जाना उसने नियत पर्व का प्रचार करके लोगों को मेरे विरुद्ध बुलाया कि मेरे जवानों को पीस डालें।

इन बातों के कारण मैं रोती हूं मेरी आंखों से आंसू की धारा बहती रहती है क्योंकि जिस शांति देनेहारे के कारण मेरे जी में जी आता था सो मुझ से दूर हो गया मेरे लड़के-वाले अकेले छोड़े गये इस लिये कि शत्रु प्रबल हुआ है।

प्रभु ने सिय्योन की पुत्री को क्या ही अपने कोप के बादल से ढांप दिया उसने इस्राएल की शोभा को आकाश से धरती पर पटक दिया।

उस के फाटक भूमि में धस गये हैं उस ने उन के बेंड़ों को तोड़कर नाश किया।

उस का राजा और और हाकिम अन्यजातियों में रहने से व्यवस्थारहित हो गये हैं और उस के नबी यहोवा से दर्शन नहीं पाते।

सिय्योन की पुत्री के पुरनिये भूमि पर चुपचाप बैठे हैं उन्हों ने अपने सिर पर धूल उड़ाई और टाट का फेंटा बांधा है।

यरूशलेम की कुमारियों ने अपना अपना सिर भूमि लों झुकाया है।

मेरी आंखें आंसू बहाते बहाते रह गई मेरे लोगों की पुत्री के विनाश के कारण क्योंकि बच्चे भी नगर के चौकों में मूर्छित होते हैं।

सब बटोही तुझ पर ताली पीटते हैं वे यरूशलेम की पुत्री पर यह कहकर ताली बजाते और सिर हिलाते हैं कि क्या यह वह नगरी है जिसे परमसुन्दर और सारी पृथ्वी के हर्ष का कारण कहते थे।

तेरे सब शत्रुओं ने तुझ पर मुंह फैलाया हैं वे ताली बजाते और दांत पीसते हैं वे कहते हैं कि हम उसे निगल गये हैं जिस दिन हम बाट जोहते थे सो तो यही है वह हम को मिल गया हम उस को देख चुके हैं।

वे प्रभु की ओर तन मन से चिल्लाये हैं हे सिय्योन की कुमारी की शहरपनाह अपने आंसू

रात दिन नदी की नाईं बहाती रह तनिक भी विश्राम न ले न तेरी आंख की पुतली थम जाए।

रात के पहर पहर के आदि में उठकर चिल्लाया कर प्रभु के सम्मुख अपने मन की बातों की धारा बांध।

तेरे जो बालबच्चे एक एक सड़क के सिरे पर भूख से मूर्छित हो रहे हैं उन के प्राण के निमित्त अपने हाथ उस की ओर फैला।

सड़कों में लड़के और बूढ़े दोनों भूमि पर पड़े हैं।

मेरी कुमारियां और जवान लोग तलवार से गिरे तू ने कोप करने के दिन उन्हें घात किया तू ने निठुरता के साथ बध किया।

तू ने नियत पर्व की भीड़ के समान चारों ओर से मेरे भय के कारणों को बुलाया है और यहोवा के कोप के दिन न तो कोई भाग निकला और न कोई बच रहा है।

जिन को मैं ने गोद में लिया और पोस पोसकर बढ़ाया था मेरे शत्रु ने उन का अन्त कर डाला है।

सोना क्या ही खोटा हो गया है अत्यन्त खरा सोना क्या ही बदल गया है।

पवित्रस्थान के पत्थर तो एक एक सड़क के सिरे पर फेंक दिये गये हैं।

दूधपिउवे बच्चों की जीभ प्यास के मारे तालू में चिपट गई बालबच्चे रोटी मांगते हैं पर कोई उन को नहीं देता।

जो आगे स्वादिष्ट भोजन खाते थे सो अब सड़कों में विकल फिरते हैं जो लाही रंग के वस्त्र में पले थे सो घूरों पर लोटते हैं।

उन के नाज़ीर हिम से भी निर्मल और दूध से अधिक उज्ज्वल थे उन की देह मूंगों से अधिक लाल और उन की सुन्दरता नीलमणि की सी थी।

पर अब उन का रूप अन्धकार से भी अधिक काला है वे सड़कों में चीन्हे नहीं जाते उन का चमड़ा हड्डियों में सट गया वह तो लकड़ी के समान सूख गया है।

तलवार के मारे हुए भूख के मारे हुओं से कम दुःखी हैं क्योंकि इन का प्राण तो खेत की उपज बिना भूख के मारे झूरता जाता है।

पृथिवी का कोई राजा वा जगत का कोई रहनेहारा इस को प्रतीति कभी न कर सकता था कि द्रोही और शत्रु यरूशलेम के फाटकों के भीतर घुसने पाएंगे।

वे लोग हमारे पीछे ऐसे पड़े हैं कि हम अपने नगर के चौकों में भी नहीं चल सकते हमारा अन्त निकट आया हमारी आयु पूरी हुई हमारा अन्त आ गया है।

हमारे खदेड़नेहारे आकाश के उकाबों से भी अधिक वेग चलते थे वे पहाड़ों पर हमारे पीछे पड़े और जंगल में हमारे लिये घात लगाते थे।

हे यहोवा स्मरण कर कि हम पर क्या क्या बीता है हमारी ओर दृष्टि करके हमारी नामधराई को देख।

हमारा भाग परदेशियों के हमारे घर उपरी लोगों के हो गये हैं।

हम अनाथ और बपमूए हो गये हमारी माताएं विधवा सी हुई हैं।

खदेड़नेहारे हमारी गर्दन पर टूट पड़े हैं हम थक गये और हमें विश्राम नहीं मिलता।

हमारे ऊपर दास अधिकार रखते हैं उन के हाथ से कोई हमें नहीं छुड़ाता।

हम उस तलवार के कारण जो जंगल में चलती है प्राण जोखिम में डालकर अपनी भोजनवस्तु ले आते हैं।

अब फाटक पर पुरनिये नहीं बैठते जवानों का गीत सुनाई नहीं पड़ता।

हमारे मन का हर्ष जाता रहा हमारा नाचना विलाप से बदल गया है।

हमारे सिर पर का मुकुट गिर पड़ा हम पर हाय कि हम ने पाप किया है।

इसी कारण हमारा हृदय निर्बल हुआ इन्हीं बातों से हमारी आंखें धुन्धली पड़ गई हैं।

हे यहोवा तू तो सदा लों विराजमान रहेगा तेरा राज्य पीढ़ी पीढ़ी बना रहेगा।

तू ने हम को क्यों सदा के लिये बिसरा दिया क्यों बहुत काल के लिये हमें छोड़ दिया है।

हे यहोवा हम को अपनी ओर फेर तब हम फिरेंगे हमारे दिन बहोर के प्राचीन काल की नाईं ज्यों के त्यों कर दे।

योना का वर्णन ।

यहोवा का यह बचन योना के पास पहुंचा कि उठकर उस बड़े नगर नीनवे को जा और उसके विरुद्ध प्रचार कर क्योंकि उसकी बुराई मेरी दृष्टि में बढ़ गई है।

पर योना यहोवा के सन्मुख से तर्शीश को भाग जाने के लिये उठा और यापो नगर को जाकर तर्शीश जानेहारा एक जहाज़ पाया और भाड़ा दे उस पर चढ़ गया।

तब यहोवा ने समुद्र में प्रचण्ड बयार चलाई सो समुद्र में बड़ी आंधी उठी यहां लों कि जहाज़ टूटा चाहता था। तब मल्लाह लोग डरकर अपने अपने देवता की दोहाई देने लगे और जहाज़ में जो ब्योपार की सामग्री थी उसे समुद्र में फेंकने लगे जिस से उनको कुछ कल हो जाये। योना जहाज़ के निचले भाग में उतरकर सो गया और भारी नींद में पड़ा हुआ था। सो मांझी उसके निकट आकर कहने लगा तू भारी नींद में पड़ा हुआ क्या करता है उठ अपने देवता की दोहाई दे क्या जाने परमेश्वर हमारी चिन्ता करे कि हमारा नाश न हो।

फिर उन्हों ने आपस में कहा आओ हम चिट्ठी डालकर जान लें कि यह विपत्ति हम पर किस के कारण पड़ी है सो उन्हों ने चिट्ठी डाली और चिट्ठी योना के नाम पर निकली।

तब उन्हों ने उस से कहा हमें बता कि किस के कारण यह विपत्ति हम पर पड़ी है तेरा उद्यम क्या है और तू कहां से आया है तू किस देश और किस जाति का है।

उस ने उन से कहा मैं इब्री हूं और स्वर्ग का परमेश्वर यहोवा जिस ने जल स्थल दोनों को बनाया है उसी का भय मानता हूं।

तब वे निपट डर गये और उस से कहने लगे कि तू ने यह क्या किया है क्योंकि वे इस कारण जान गये थे कि वह यहोवा के सन्मुख से भाग आया है कि उस ने उन को ऐसा बता दिया था।

फिर उन्हों ने उस से पूछा हम तुझ से क्या करें कि समुद्र में नीवा पड़ जाये। उस ने उन से कहा मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो क्योंकि मैं जानता हूं कि यह भारी आंधी तुम्हारे ऊपर मेरे ही कारण आई है। तौभी उन मनुष्यों ने बड़े यत्न से खेया जिस से उस को तीर में लगाएं पर पहुंच न सके।

तब उन्हों ने यहोवा को पुकारकर कहा हे यहोवा हम बिन्ती करते हैं कि इस पुरुष के प्राण की सन्ती हमारा नाश न होने दे और न हमें निर्दोष के खून के दोषी ठहरा क्योंकि हे यहोवा जो कुछ तेरी इच्छा थी सोई तू ने किया है। तब उन्हों ने योना को उठाकर समुद्र में फेंक दिया और समुद्र में हलकोरे उठने थम गये। तब उन मनुष्यों ने यहोवा का बहुत ही भय माना और उसको चढ़ावे चढ़ाये और मन्नतें मानीं।

यहोवा ने तो एक बड़ा सा मच्छ ठहराया कि योना को निगल ले और योना उस मच्छ के पेट में तीन दिन और तीन रात पड़ा रहा।

तब योना ने उस के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कहा कि मैं ने संकट में यहोवा की दोहाई दिई और तू ने मेरी सुन लिई। तू ने मुझे गहिरे सागर में समुद्र की थाह तक डाल दिया और मैं धारों के बीच पड़ा था तेरे उठाये हुए सारे तरङ्ग और ढेऊ मेरे ऊपर से चलते थे।

मैं ने कहा कि मैं तेरे साम्हने से निकाल दिया गया हूं तौभी तेरे पवित्र मन्दिर को ओर फिर ताकूंगा। मैं जल से यहां लों घिरा हुआ था कि मेरा प्राण जाता था गहिरा सागर मेरी चारों ओर था और मेरे सिर में सिवार लिपटा हुआ था। मैं पहाड़ों की जड़ लों पहुंच गया था मैं सदा के लिये भूमि में बन्द हो गया था तौभी हे मेरे परमेश्वर यहोवा तू ने मेरे प्राण को गड़हे में से उठाया है। जब मैं मूर्छा खाने लगा तब मैं ने यहोवा को स्मरण किया और मेरी प्रार्थना तेरे पास पहुंच गई। पर मैं ऊंचे शब्द से धन्यवाद करके तुझे बलि चढ़ाऊंगा मैं ने जो मन्नत मानी उस को पूरी करूंगा उद्धार यहोवा ही से होता है।

इस पर यहोवा ने मच्छ को आज्ञा दिई और उस ने योना को स्थल पर उगल दिया।

फिर यहोवा का यह बचन दूसरी बार योना के पास पहुंचा कि, उठकर उस बड़े नगर नीनवे को

जा और जो बात मैं तुझ से कहूंगा उस का उस में प्रचार कर। सो योना नीनवे को गया।

नीनवे एक बहुत बड़ा नगर था वह तीन दिन की यात्रा का था। सो योना नगर में प्रवेश करके एक दिन के मार्ग लों गया और यह प्रचार करता गया कि अब से चालीस दिन के बीते पर नीनवे उलट दिया जाएगा।

तब नीनवे के मनुष्यों ने परमेश्वर के बचन की प्रतीति किई और उपवास का प्रचार किया और बड़े से लेकर छोटे लों सभों ने टाट ओढ़ा। तब यह समाचार नीनवे के राजा के कान लों पहुंचा सो उस ने सिंहासन पर से उठ अपना राजकीय ओढ़ना उतारकर टाट ओढ़ लिया और राख पर बैठ गया। और ढंढोरा पिटवाया कि क्या मनुष्य क्या गाय बैल क्या भेड़ बकरी क्या और और पशु कोई कुछ भी न खाएं वे न खाएं न पानी पीवें। और मनुष्य और पशु दोनों टाट ओढ़ें और वे परमेश्वर की दोहाई चिल्ला चिल्लाकर दें और अपने कुमार्ग से फिरें और उस उपद्रव से जो वे करते हैं फिरें। क्या जाने परमेश्वर फिरे और पछताए और उस का भड़का हुआ कोप शांत हो जाए और हम नाश न हों।

तब परमेश्वर ने उन के कामों को देखा कि वे कुमार्ग से फिरे जाते हैं सो परमेश्वर ने पछताकर उन की जो हानि करने को कहा था उस को न किया।

यह बात योना को बहुत ही बुरी लगी और उस का क्रोध भड़का। और उस ने यहोवा से यह कहकर प्रार्थना किई कि हे यहोवा मेरी बिनती यह है कि जब मैं अपने देश में था तब क्या मैं यही बात न कहता था इसी कारण मैं ने तेरी आज्ञा सुनते ही तर्शीश को भागने को फुर्ती की क्योंकि मैं जानता था कि तू अनुग्रहकारी और दयालु ईश्वर और विलम्ब से कोप करनेहारा करुणानिधान और दुःख देने से पछतानेहारा है। सो अब हे यहोवा मेरा प्राण ले ले क्योंकि मेरे लिये जीते रहने से मरना ही अच्छा है।

यहोवा ने कहा तेरा जो क्रोध भड़का है सो क्या अच्छा है।

इस पर योना उस नगर से निकलकर उस की पूरब ओर बैठ गया और वहां एक छप्पर बनाकर उस की छाया में बैठा हुआ यह देखने लगा कि नगर का क्या होगा।

तब यहोवा परमेश्वर ने एक रेंड़ का पेड़ उगाकर ऐसा बढ़ाया कि योना के सिर पर छाया हो जिस से उस का दुःख दूर हो सो योना उस रेंड़ के पेड़ के कारण बहुत ही आनन्दित हुआ।

बिहान को जब पहफटने लगी तब परमेश्वर ने एक कीड़ा ठहराया जिस ने रेंड़ का पेड़ ऐसा काटा कि वह सूख गया।

और जब सूर्य्य उगा तब परमेश्वर ने पुरवाई बहाकर लूह चलाई और घाम योना के सिर पर ऐसा लगा कि वह मूर्छा खाने लगा और मृत्यु मांगी।

परमेश्वर ने योना से कहा तेरा क्रोध जो रेंड़ के पेड़ के कारण भड़का है क्या अच्छा है उस ने कहा हां मेरा जो क्रोध भड़का है वह अच्छा ही है वरन क्रोध के मारे मरना भी अच्छा होता।

तब यहोवा ने कहा जिस रेंड़ के पेड़ के लिये तू ने न तो कुछ परिश्रम किया न उस को बढ़ाया और वह एक ही रात में हुआ फिर एक ही रात में नाश भी हुआ उस पर तो तू ने तरस खाई है। फिर यह बड़ा नगर नीनवे जिस में एक लाख बीस हजार से अधिक मनुष्य हैं जो अपने दहिने बाएं हाथों का भेद नहीं पहिचानते और बहुत घरैले पशु भी रहते हैं उस पर क्या मैं तरस न खाऊं।

एस्तेर का बयान ।

(एस्तेर १)

क्षयर्ष नाम राजा के दिनों में ये बातें हुईं । यह वही क्षयर्ष है जो एक सौ सताईस प्रान्तों पर राज्य करता था। उस ने अपने सब हाकिमों और कर्म्मचारियों की जेवनार किई। फारस और मादै के सेनापति और प्रान्त प्रान्त के प्रधान और हाकिम उस के सन्मुख आ गये। और वह उन्हें बहुत दिन बरन एक सौ अस्सी दिन लों अपने राजविभव का धन और अपने माहात्म्य के अनमोल पदार्थ दिखाता रहा।

इतने दिनों के बीतने पर राजा ने क्या छोटे क्या बड़े उन सभों की भी जो शूशन नाम राजगढ़ में एकट्ठे हुए थे राजभवन की बारी के आंगन में सात दिन की जेवनार किई। वहां के पर्दे श्वेत और नीले सूत के थे और सन और बैंजनी रंग की डोरियों से चांदी के छल्लों में जो संगमर्मर के खंभों से लगे हुए थे और वहां की चौकियां सोने चांदी की थीं और लाल और श्वेत और पीले और काले संगमर्मर के बने हुए फर्श पर धरी हुई थी। उस जेवनार में सोने के पात्रों में डालकर पिलाया जाता था।

वशती रानी ने भी राजभवन में स्त्रियों की जेवनार किई। सातवें दिन जब राजा का मन दाखमधु में मगन था तब उस ने सातों खोजों को आज्ञा दिई कि, वशती रानी को ले आओ इस लिये कि देश देश के लोगों और हाकिमों पर उस की सुन्दरता प्रगट हो। वह तो देखने में रूपवती थी। पर वशती रानी ने आने से नाह किई।

तब राजा ने न्याय के सब जाननेहारों से पूछा कि वशती रानी ने न मानी सो हमें उस से क्या करना चाहिये। तब ममूकान ने उत्तर दिया वशती रानी ने जो टेढ़ा काम किया सो न केवल राजा से किया सारे हाकिमों से और उन सारे लोगों से भी किया कैसे कि रानी के इस काम की चर्चा सब स्त्रियों को मिलेगी और जब यह कहा जायगा कि राजा क्षयर्ष ने तो वशती रानी को अपने साम्हने ले आने की आज्ञा दिई पर वह न आई तब वे अपने अपने पति को तुच्छ जानने लगेंगी। यदि राजा को भाए तो उस की ओर से यह आज्ञा निकले और कानून में लिखी भी जाए कि वशती राजा क्षयर्ष के सन्मुख फिर आने न पाए और राजा पटरानी का पद किसी दूसरी को दे जो उस से अच्छी हो। और जब राजा की यह आज्ञा उस के सारे बड़े राज्य में सुनाई जाएगी तब सब पत्नियां छोटे बड़े अपने अपने पति का आदरमान करती रहेंगी।

यह बचन राजा और हाकिमों को भाया और राजा ने चिट्ठियां भेजीं कि सब पुरुष अपने अपने घर में अधिकार चलाएं। तब राजा के सेवक जो उस के टहलुए थे कहने लगे राजा के लिये सुन्दर सुन्दर जवान कुंवारियां ढूंढ़ी जाएं। तब उन में से जो कुंवारी राजा की दृष्टि में उत्तम होए सो वशती के स्थान पर पटरानी हो जाए।

मोर्दकै का राजभवन के फाटक में बैठा रहना ।

(एस्तेर २ : ५, ३)

शूशन गढ़ में मोर्दकै नाम एक यहूदी रहता था उस ने एस्तेर नाम अपनी चचेरी बहिन को पाला पोसा था क्योंकि उस के माता पिता कोई न था और वह लड़की सुन्दर और रूपवती थी और जब उस के माता पिता मर गये तब मोर्दकै ने उस को अपनी बेटी करके पाला।

जब राजा की आज्ञा और नियम सुनाये गये और बहुत सी जवान स्त्रियां शूशन गढ़ में एकट्ठी किई गईं तब एस्तेर भी राजभवन में स्त्रियों के रखवाले हेगे के अधिकार में सौंपी गई। और वह जवान स्त्री उस की दृष्टि में अच्छी लगी।

एस्तेर ने न अपनी जाति बताई थी न अपना कुल क्योंकि मोर्दकै ने उस को आज्ञा दी थी कि उसे

न बताना। मोर्दकै तो दिन दिन रनवास के आंगन के साम्हने टहलता था इस लिये कि जाने की एस्तेर कैसी है और उस को क्या होगा।

जब एक एक कन्या की बारी हुई कि वह क्षयर्ष राजा के पास जाए राजा ने एस्तेर से और सब स्त्रियों से अधिक प्रीति किई और उस के अनुग्रह और कृपा की दृष्टि उसी पर हुई इस कारण उस ने उस के सिर पर राजमुकुट धरा और उस को रानी किया। तब राजा ने बड़ी जेवनार करके उसे एस्तेर की जेवनार कहा।

उन्हीं दिनों में जब मोर्दकै राजा राजभवन के फाटक में बैठा करता था राजा के खोजे जो डेवढीदार भी थे उन में से दो जनों ने राजा से रूठकर उस पर हाथ चलाने की युक्ति किई। यह बात मोर्दकै को मालूम हुई और उस ने एस्तेर रानी को बताई और एस्तेर ने मोर्दकै का नाम लेकर राजा को जता दिया। तब तहकीकात होने पर यह बात सच निकली और वे दोनों वृक्ष पर लटकाये गये और यह वृत्तान्त इतिहास की पुस्तक में लिखा गया।

इन बातों के पीछे राजा क्षयर्ष ने अगागी हामान को बड़ा पद दिया और उस के लिये सब हाकिमों के सिंहासनों से ऊंचा सिंहासन ठहराया। और राजा के सारे कर्म्मचारी हामान के साम्हने झुककर दण्डवत करते थे क्योंकि राजा ने उस के विषय ऐसी आज्ञा दिई थी पर मोर्दकै न तो झुकता और न उस को दण्डवत करता था।

सो राजा के कर्म्मचारी ने मोर्दकै से पूछा तू राजा की आज्ञा क्यों टाल देता है। जब हामान ने देखा कि मोर्दकै नहीं झुकता और न मुझ को दण्डवत करता है तब बहुत ही जल उठा। और राजा क्षयर्ष से कहा तेरे राज्य के सब प्रान्तों में रहनेहारे एक जाति हैं जिस के नियम और सब लोगों के नियमों से अलग हैं और वे राजा के क़ानून पर नहीं चलते इस लिये उन्हें रहने देना राजा को उचित नहीं है। सो यदि राजा को भाये तो उन्हें नाश करने की आज्ञा लिखी जाए और मैं राजा के भण्डारियों के हाथ में राजभण्डार में पहुंचाने के लिये दस हज़ार किक्कार चांदी दूंगा।

तब राजा ने अपनी अंगूठी अपने हाथ से उतार कर हामान को दे दिई। और राजा ने हामान से कहा वह चांदी तुझे दिई गई है और वे लोग भी कि तू उन से जैसा तेरा जी चाहे वैसाही बर्ताव करे। सो राजा के लेखक बुलाये गये और हामान की सारी आज्ञा के अनुसार राजा के सब अधिपतियों और सब प्रान्तों के प्रधानों के लिये चिट्ठियां राजा क्षयर्ष के नाम से लिखी गईं और उन में राजा की अंगूठी की छाप लगाई गई। और राज्य के सब प्रान्तों में इस आशय की चिट्ठियां हरकारों के द्वारा भेजी गईं कि एक ही दिन में क्या जवान क्या बूढ़ा क्या स्त्री क्या बालक सब यहूदी विध्वंस घात और नाश किये जाएं और उन की धन संपत्ति लूटी जाए। यह आज्ञा शूशन गढ़ में दिई गई और हरकारे राजा की आज्ञा से फुर्ती के साथ निकल गये।

तब राजा और हामान तो जेवनार में बैठ गये पर शूशन नगर में घबराहट हुई।

नगर के बीच दुखभरे शब्द।

(एस्तेर ४)

जब मोर्दकै ने जान लिया कि क्या क्या किया गया तब वस्त्र फाड़ टाट पहिन राख डालकर नगर के बीच जाकर ऊंचे और दुखभरे शब्द से चिल्लाने लगा। और वह राजभवन के फाटक के साम्हने पहुंचा, टाट पहिने राजभवन के फाटक के भीतर तो किसी के जाने का हुकम न था। और एक एक प्रान्त में जहां जहां राजा की आज्ञा और नियम पहुंचा वहां वहां यहूदी बड़ा विलाप और उपवास करने और रोने पीटने लगे वरन बहुतेरे टाट पहिने और राख डाले हुए पड़े रहे। और एस्तेर रानी की सहेलियों और खोजों ने जाकर उस को बता दिया।

तब रानी शोक से भर गई और मोर्दकै के पास वस्त्र भेजकर यह कहवाया कि टाट उतारकर इन्हें पहिन ले पर उस ने उन्हें न लिया। तब एस्तेर ने

राजा के खोजों में से हताक को जिसे राजा ने उस के पास रहने को ठहराया था बुलाकर आज्ञा दिई कि मोर्दकै के पास जाकर बूझ ले कि यह क्या बात है और इस का क्या कारण है तब मोर्दकै ने उस को बता दिया कि क्या क्या बीता है फिर जो आज्ञा दिई गई थी उस की एक नक़ल भी उस ने एस्तेर को दिखाने के लिये दिई और उसे यह आज्ञा देने को कहा कि भीतर राजा के पास जाकर अपने लोगों के लिये गिड़गिड़ाकर बिन्ती कर। तब हताक ने एस्तेर के पास जा मोर्दकै की बातें कह सुनाईं।

तब एस्तेर ने हताक को मोर्दकै से यह कहने की आज्ञा दिई कि, सब लोगों को मालूम है कि क्या पुरुष क्या स्त्री कोई क्यों न हो जो आज्ञा बिना पाये भीतरी आंगन में राजा के पास जाए उस के मार डालने ही की आज्ञा है केवल जिस की ओर राजा सोने का राजदण्ड बढ़ाए वही बचता है पर मैं अब तीस दिन से राजा के पास बुलाई नहीं गई। सो एस्तेर की ये बातें मोर्दकै को सुनाई गईं।

तब मोर्दकै ने एस्तेर के पास यह कहला भेजा कि तू मन ही मन यह विचार न कर कि मैं ही राजभवन में रहने के कारण और सब यहूदियों में से बची रहूंगी। क्योंकि जो तू इस समय चुपचाप रहे तो तू अपने पिता के घराने समेत नाश होगी फिर क्या जाने तुझे ऐसे ही समय के लिये राजपद मिल गया हो।

तब एस्तेर ने मोर्दकै के पास यह कहला भेजा कि, तू जाकर शूशन के सब यहूदियों को एकट्ठा कर और तुम सब मिलकर मेरे निमित्त उपवास करो, तीन दिन रात न तो कुछ खाओ और न कुछ पीओ और मैं भी अपनी सहेलियों सहित उसी रीति उपवास करूंगी और ऐसी ही दशा में मैं नियम के विरुद्ध राजा के पास भीतर जाऊंगी और जो नाश हो गई तो हो गई।

सो मोर्दकै चला गया और एस्तेर की आज्ञा के अनुसार ही किया।

हामान एक फांसी का खम्भा बनवाता है।

(एस्तेर ५)

तीसरे दिन एस्तेर अपने राजकीय वस्त्र पहिन राजभवन के भीतरी आंगन में जाकर राजभवन के साम्हने खड़ी हो गई। राजा तो राजगद्दी पर विराजमान था।

और जब राजा ने एस्तेर रानी को आंगन में खड़ी हुई देखा तब वह उस से प्रसन्न हुआ और अपने हाथ का सोने का राजदण्ड उस की ओर बढ़ाया सो एस्तेर ने निकट जाकर राजदण्ड की नोक छूई।

तब राजा ने उस से पूछा हे एस्तेर रानी तुझे क्या चाहिये और तू क्या मांगती है, मांग और तुझे आधे राज्य तक दिया जाएगा।

एस्तेर ने कहा यदि राजा को भाए तो आज हामान को साथ लेकर उस जेवनार में आए जो मैं ने राजा के लिये तैयार किई है।

तब राजा ने आज्ञा दिई कि हामान को फुर्ती से ले आओ कि एस्तेर की बात मानी जाए।

उस दिन हामान आनन्दित और मन में प्रसन्न होकर अपने घर गया और अपने मित्रों और अपनी स्त्री जेरेश को बुलवा भेजा। तब हामान ने उन से अपने धन का विभव और अपने लड़के बालों की बढ़ती और राजा ने उस को कैसे कैसे बढ़ाया और और सब हाकिमों और अपने और सब कर्म्मचारियों से ऊंचा पद दिया था इस सब का बखान किया। हामान ने यह भी कहा कि एस्तेर रानी ने मुझे छोड़ और किसी को राजा के संग अपनी किई हुई जेवनार में आने न दिया और कल के लिये भी राजा के संग उस ने मुझ ही को नेवता दिया है। तौभी जब जब मुझे वह यहूदी मोर्दकै राजभवन के फाटक में बैठा हुआ देख पड़ता है तब तब यह सब मेरे लेखे में कुछ नहीं है।

उस की स्त्री जेरेश और उस के सब मित्रों ने उस से कहा पचास हाथ ऊंचा फांसी का एक खम्भा

बनाया जाए और बिहान को राजा से कहना कि उस पर मोर्दकै लटका दिया जाए तब राजा के संग आनन्द से जेवनार में जाना ।

इस बात से प्रसन्न होकर हामान ने ऐसा ही एक फांसी का खम्भा बनवाया ।

वह मनुष्य जिस की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है ।

(एस्तेर ६,७)

उस रात राजा को नींद न आई सो उस की आज्ञा से इतिहास की पुस्तक लाई गई और वह पढ़कर राजा को सुनाई गई । और यह लिखा हुआ मिला कि जब राजा क्षयर्ष के हाकिम जो डेवढ़ीदार भी थे उन में से दो जनों ने उस पर हाथ चलाने की युक्ति किई तब मोर्दकै ने इसे प्रगट किया था । तब राजा ने पूछा उस के बदले मोर्दकै की क्या प्रतिष्ठा और बड़ाई किई गई राजा के जो सेवक उस की सेवा टहल कर रहे थे उन्हों ने उस को उत्तर दिया उस के लिये कुछ भी नहीं किया गया ।

उसी समय तो हामान राजा के भवन से बाहरी आंगन में इस मनसा से आया था कि जो खम्भा उस ने मोर्दकै के लिये तैयार कराया था उस पर उस को लटका देने की चर्चा राजा से करे । सो राजा ने कहा उसे भीतर लाओ । जब हामान भीतर आया तब राजा ने उस से पूछा जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो उस से क्या करना उचित होगा ।

हामान ने यह सोचकर कि मुझ से अधिक राजा किस की प्रतिष्ठा करना चाहता होगा, राजा को उत्तर दिया जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा राजा करना चाहे उस के लिये कोई राजकीय वस्त्र लाया जाए और एक घोड़ा भी जिस पर राजा सवार होता हो और उस के सिर पर जो राजकीय मुकुट धरा जाता हो सो लाया जाए । फिर वह वस्त्र और वह घोड़ा राजा के किसी बड़े हाकिम को सौंपे जाएं कि उस को वह वस्त्र पहिनाया जाए और उस घोड़े पर सवार करके नगर के चौक में फिराया जाए और उस के आगे आगे यह प्रचार किया जाए कि जिस की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो उस से यों ही किया जाएगा ।

राजा ने हामान से कहा फुर्ती करके अपने कहे के अनुसार उस वस्त्र और उस घोड़े को लेकर उस यहूदी मोर्दकै से जो राजभवन के फाटक में बैठा करता है वैसा ही कर जो कुछ तू ने कहा है उस में कुछ भी कम होने न पाए ।

सो हामान ने उस वस्त्र और उस घोड़े को लेकर मोर्दकै को पहिनाया और उसे घोड़े पर चढ़ाकर नगर के चौक में यों पुकारता हुआ फिराया कि जिस की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो उस से यों ही किया जाएगा । तब मोर्दकै तो राजभवन के फाटक में लौट गया पर हामान झट शोक करते हुए अपने घर गया ।

और हामान ने अपनी स्त्री जेरेश और अपने सब मित्रों से सब कुछ बखान किया जो उस पर बीता था । तब उस के बुद्धिमान मित्रों और उसकी स्त्री जेरेश ने उस से कहा मोर्दकै जिस से तू नीचा खाने लगा है यदि वह यहूदियों के वंश में का है तो तू उस पर प्रबल न होगा उस से पूरी रीति नीचा ही खाएगा । वे उस से बातें कर ही रहे थे कि राजा के खोजों ने आकर हामान को एस्तेर की किई हुई जेवनार में फुर्ती से पहुंचा दिया ।

सो राजा और हामान एस्तेर रानी की जेवनार में आ गये । उस दूसरे दिन को राजा ने एस्तेर से फिर पूछा हे एस्तेर रानी तेरा क्या निवेदन है वह पूरा किया जाएगा और तू क्या मांगती है, मांग, और आधे राज्य तक तुझे दिया जाएगा ।

एस्तेर रानी ने उत्तर दिया हे राजा यदि तू मुझ पर प्रसन्न हो मुझे और मेरे लोगों को प्राणदान मिले । क्योंकि मैं और मेरी जाति के लोग बेच डाले गये हैं कि हम सब विध्वंस घात और नाश किये जाएं ।

तब राजा क्षयर्ष ने एस्तेर रानी से पूछा वह कौन है और कहां है जिस ने ऐसा करने की मनसा

किई है। एस्तेर बोली वह विरोधी और शत्रु यही दुष्ट हामान है तब हामान भय खा गया।

राजा तो जलजलाहट में आ उठकर राजभवन की बारी में निकल गया और हामान एस्तेर रानी से प्राणदान मांगने को खड़ा हुआ। जब राजा राजभवन की बारी से लौट आया तब खोजों में से एक ने राजा से कहा हामान के यहां पचास हाथ ऊंचा एक फांसी का खम्भा खड़ा है जो उस ने मोर्दकै के लिये बनवाया है जिस ने राजा के हित की बात कही थी।

राजा ने कहा उसको उसी पर लटका दो। सो हामान उसी खम्भे पर जो उस ने मोर्दकै के लिये तैयार कराया था लटका दिया गया।

मोर्दकै का सोने का मुकुट।

(एस्तेर ८)

उसी दिन राजा क्षयर्ष ने हामान का घरबार एस्तेर रानी को दे दिया और मोर्दकै राजा के साम्हने आया क्योंकि एस्तेर ने राजा को बताया था कि वह मेरा कौन है।

तब राजा ने अपनी वह अंगूठी जो उसने हामान से ले लिई थी उतारकर मोर्दकै को दे दिई। और एस्तेर ने मोर्दकै को हामान के घरबार पर अधिकारी ठहराया।

फिर एस्तेर दूसरी बार राजा से बोली और उस के पांव पर गिर आंसू बहा उस से गिड़गिड़ाकर बिन्ती किई कि अगागी हामान की बुराई और यहूदियों की हानि की उस की किई हुई युक्ति निष्फल किई जाए। तब राजा ने एस्तेर की ओर सोने का राजदण्ड बढ़ाया सो एस्तेर उठकर राजा के साम्हने खड़ी हुई, और कहने लगी यदि राजा को यह भाए और वह मुझ पर प्रसन्न हो तो जो चिट्ठियां हामान ने राजा के सब प्रान्तों के यहूदियों का नाश करने की युक्ति करके लिखाई थीं उन को पलटने के लिये लिखा जाए। क्योंकि मैं तो अपने जाति के लोगों पर पड़नेवाली वह विपत्ति किस रीति देख सकूंगी और अपने भाइयों के सत्यानाश को मैं क्योंकर देख सकूंगी।

तब राजा क्षयर्ष ने एस्तेर रानी से और मोर्दकै से कहा मैं हामान का घरबार तो एस्तेर को दे चुका हूं और वह फांसी के खम्भा पर लटकाया गया है इस लिये कि उस ने यहूदियों पर हाथ बढ़ाया था। सो तुम अपनी समझ के अनुसार राजा के नाम से यहूदियों के नाम पर लिखो और राजा की अंगूठी की छाप भी लगाओ।

सो राजा के लेखक बुलाये गये और जिस जिस बात की आज्ञा मोर्दकै ने उन्हें दिई लिखी गई मोर्दकै ने राजा क्षयर्ष के नाम से चिट्ठियां लिखाकर और उन पर राजा की अंगूठी की छाप लगाकर वेग चलनेहारे सरकारी घोड़ों खच्चरों और सांड़नियों की डाक लगाकर हरकारों के हाथ भेज दिईं।

तब मोर्दकै नील और श्वेत रंग के राजकीय वस्त्र पहिने सिर पर सोने का बड़ा मुकुट धरे और सूक्ष्म सन और बैंजनी रंग का बागा पहिने हुए राजा के सन्मुख से निकल गया। और शूशन नगर के लोग आनन्द के मारे ललकार उठे। यहूदियों को आनन्द हर्ष और प्रतिष्ठा हुई। और जिस जिस प्रान्त और जिस जिस नगर में जहां कहीं राजा की आज्ञा और नियम पहुंचे वहां वहां यहूदियों को आनन्द और हर्ष हुआ और उन्हों ने जेवनार करके उस दिन को खुशी का दिन माना।

नवां अध्याय।

इस्राएल के बड़े सरदार और नबी।

यरूशलेम में बहुत से नबी उठे जिन का विश्वास धर्म्म की सच्चाई पर था न कि उस की रीत रसम पर। उन में से यशायाह सब से बड़ा था। वह इतना बड़ा नबी था कि जब वह मर गया तो लोगों ने औरों की बातों को उस के नाम से चलाया। यशायाह की पुस्तक में इतने बरसों का बयान है कि ऐसा मालूम होता है कि लिखने वाला एक ही मनुष्य नहीं था। जो यशायाह पुस्तक के पहिले भाग का लेखक है वह सब नबियों में बड़ा है। वह तीन चार राजाओं का मन्त्री था। उसके दिनों में यरूशलेम अश्शूर की सेनाओं से बचाया गया था। दूसरा यशायाह उन दिनों में लिखा करता था जब कि यहूदा के लोग फारस के राजा की सहायता से छुटकारा पाने की आशा रखते थे। यहूदी लोगों की आशा थी कि एक मसीह या परमेश्वर का ठहराया हुआ जन हमें बचाने को आएगा इस पुस्तक में उस मसीह का बयान है और वह बयान और यीशु का वर्णन बहुत सी बातों में मिलता है।

यिर्मयाह नबी यशायाह के एक सौ बरस पीछे आया। उसने बताया कि यरूशलेम नाश किया जायगा और उस के नाश होने के थोड़े दिन के पीछे वह मर गया। वह लोगों को सिखाता था कि धर्म्म की सच्चाई पर रहना सब से बड़ी बात है और यहूदियों की रीत रस्म पर इस से बढ़कर ज़ोर न देना चाहिये।

यहेजकेल मन्दिर का पुजारी था। उन दिनों में होशे नबी बताता था कि इस्राएली नाश होंगे और यहेजकेल कहता था कि परमेश्वर का प्रेम कभी नहीं टलेगा।

नहूम नबी अश्शूर के राज्य के पिछले दिनों में होकर यह बताता था कि नीनवे नाश होगा।

मलाकी सब नबियों में पीछे है। उस ने यीशु के चार सौ बरस पहिले मसीह के आने के विषय और उस के एक अगुवे के बारे में लिखा और हम मानते हैं कि योहन बपतिसमा देने वाला वही अगुवा है।

यशायाह ।

हे स्वर्ग सुन और हे पृथिवी कान लगा क्योंकि यहोवा कहता है कि मैं ने बालबच्चों का पालन पोषण किया और उन को बढ़ाया भी और उन्हों ने मुझ से बलवा किया है। बैल तो अपने मालिक को और गदहा अपने स्वामी की चरनी को पहिचानता है पर इस्राएल मुझे नहीं जानता और मेरी प्रजा सोच विचार नहीं करती। हाय यह जाति पाप से कैसी भरी है यह समाज अधर्म्म से कैसा लदा हुआ है इस वंश के लोग कैसे कुकर्म्मी हैं और ये लड़केबाले कैसे बिगड़े हुए हैं उन्हों ने यहोवा को छोड़ दिया और पीछे हट गये हैं। तुम्हारा देश उजड़ा हुआ तुम्हारे नगर फुंके हुए हैं। तुम्हारे खेतों को परदेशी लोग तुम्हारे देखते ही खा रहे हैं। वह परदेशियों से नाश किये हुए देश के समान उजाड़ है। और सिय्योन दाख की बारी में की झोपड़ी वा घिरे हुए नगर के समान अकेली खड़ी है।

हे न्याइयो यहोवा का बचन सुनो हे प्रजा हमारे परमेश्वर की शिक्षा पर कान लगा। यहोवा यह कहता है कि तुम्हारे बहुत से मेलबलि मेरे किस काम के हैं मैं तो मेढ़ों के होमबलियों से और पोसे हुए पशुओं की चर्बी से अघा गया हूं, मैं बछड़ों वा भेड़ के बच्चों वा बकरों के लोहू से प्रसन्न नहीं होता। व्यर्थ अन्नबलि फिर मत ले आओ धूप से मुझे घिन आती है, नये चांद और विश्राम दिन का मानना और सभाओं का प्रचार करना यह मुझे बुरा लगता है महासभा के साथ ही साथ अनर्थ काम करना मुझ से सहा नहीं जाता। तुम्हारे नये चांदों और नियत पर्ब्बों के मानने से मैं जी से बैर रखता हूं, वे सब मुझे भार जान पड़ते हैं मैं उन को सहते सहते उकता गया।

जब तुम मेरी ओर हाथ फैलाओ तब मैं तुम से मुख फेर लूंगा तुम कितनी ही प्रार्थना क्यों न करो तौभी मैं तुम्हारी न सुनूंगा क्योंकि खून करने का दोष तुम्हें लगा है। अपने को धोकर पवित्र करो मेरी आंखों के साम्हने से अपने बुरे कामों को दूर करो आगे को बुराई करना छोड़ दो, भलाई करना सीखो यत्न से न्याय करो उपद्रवी को सुधारो बपमूए का न्याय चुकाओ विधवा का मुकद्दमा लड़ो।

आओ हम आपस में वादविवाद करें।

(यशा: १ : १८)

यहोवा कहता है कि आओ हम आपस में वादविवाद करें तुम्हारे पाप चाहे लाही रङ्ग के हों तौभी वे हिम की नाईं उजले हो जाएंगे और चाहे लाल रङ्ग के हों तौभी वे ऊन के सरीखे हो जाएंगे। यदि तुम प्रसन्न होकर मेरी मानो तो इस देश के उत्तम पदार्थ खाओगे। और यदि तुम न मानो और बलवा करो तो तलवार से मारे जाओगे, यहोवा का यही बचन है।

ऐसा होगा कि अन्त के दिनों में यहोवा के भवन का पर्वत सब पहाड़ों पर दृढ़ किया जायगा और सब पहाड़ियों से अधिक ऊंचा किया जाएगा और हर जाति के लोग धारा की नाईं उस की ओर चलेंगे। और बहुत देशों के लोग जाएंगे और आपस में कहेंगे कि आओ हम यहोवा के पर्वत पर चढ़कर याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं तब वह हम को अपने मार्ग सिखाएगा और हम उस के पथों पर चलेंगे। वह जाति जाति का न्याय करेगा और देश देश के लोगों के झगड़ों को मिटाएगा सो वे अपनी तलवारें पीटकर हल के फाल और अपने भालों को हंसिया बनाएंगे तब एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध तलवार फिर न चलाएगी और लोग आगे को युद्ध की विद्या न सीखेंगे।

हे याकूब के घराने आ हम यहोवा के प्रकाश में चलें।

परमेश्वर अपने सिंहासन पर विराजमान।

(यशाः ६)

जिस बरस उज्जिय्याह राजा मर गया मैं ने प्रभु को बहुत ही ऊंचे सिंहासन पर विराजमान देखा और उस के वस्त्र के घेर से मन्दिर भर गया है। उस से ऊंचे पर साराप दिखाई देते हैं और उन के छः छः पंख हैं दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे और दो से अपने पांवों को ढांपे हैं और दो से उड़ रहे हैं। और वे एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे हैं कि सेनाओं का यहोवा पवित्र पवित्र पवित्र है सारी पृथिवी उस के तेज से भरपूर है।

और पुकारनेहारे के शब्द से डेवढ़ियों की नेवें डोल उठीं और भवन धूएं से भर गया। तब मैं ने कहा हाय हाय मैं मारा पड़ा क्योंकि मैं अशुद्ध होंठवाला मनुष्य हूं और अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहता हूं और मैं ने सेनाओं के यहोवा महाराजधिराज को अपनी आंखों से देखा है। तब एक साराप हाथ में अंगारा लिये हुए जिसे उस ने चिमटे से वेदी पर से उठा लिया था मेरे पास उड़ आया। और उस ने उस से मेरे मुंह को छूकर कहा देख इस ने तेरे होंठों को छू लिया है सो तेरा अधर्म्म दूर हो गया और तेरे पाप ढांपे गये।

तब मैं ने प्रभु का यह वचन सुना कि मैं किस को भेजूं और हमारी ओर से कौन जाएगा तब मैंने कहा मैं हाजिर हूं मुझे भेज। उस ने कहा जाकर इन लोगों से कह कि सुनते तो रहो पर न समझो और देखते तो रहो पर न बूझो। तब मैं ने पूछा कि हे प्रभु कब लों उस ने कहा जब लों कि नगर यहां लों न उजड़ें कि उन में कोई रह न जाए और घर भी यहां लों न उजड़े कि उन में कोई मनुष्य रह न जाए और देश उजाड़ और सुनसान न हो जाए, और यहोवा मनुष्यों को उस में से दूर न कर दे और उस के बहुत से स्थान निर्जन न हो जाएं।

फिर यहोवा ने मुझ से दूसरी बार कहा कि, लोग शीलोह के धीरे धीरे बहनेहारे सोते को निकम्मा जानते हैं इस कारण सुन प्रभु उन पर उस प्रबल और गहिरे महानद को अर्थात अश्शूर के राजा को उस के सारे प्रताप के साथ चढ़ा लाएगा वह अपने सारे नालों को भर देगा और अपने सारे कड़ाड़ों से उपटकर बहेगा। और वह यहूदा पर भी चढ़ आएगा और बढ़ते बढ़ते वह उस पर चलेगा और गले लों पहुंचेगा, हे इम्मानुएल तेरा सारा देश उस के पंखों के फैलने से ढंप जाएगा। हे देश देश के लोगो हौरा करो तो करो पर तुम्हारा सत्यानाश हो जाएगा हे पृथिवी के दूर दूर देश के सब लोगो कान लगाकर सुनो अपनी अपनी कमर कसो तो कसो पर तुम्हारा सत्यानाश हो जाएगा। युक्ति करो तो करो पर वह निष्फल हो जाएगी कहो तो कहो पर तुम्हारा कहा ठहरेगा नहीं क्योंकि ईश्वर हमारे संग है।

छोटा लड़का उन्हें फिराया करेगा।

(यशाः ८ : ११, ९, ११, १२)

क्योंकि यहोवा दृढ़ता के साथ मुझ से बोला और इन लोगों की सी चाल चलने से बरजकर कहा, जिस बात से वे डरते उस से तुम न डरना और न भय खाना। सेनाओं के यहोवा ही को पवित्र जानना और उसी का डर मानना और उसी का भय खाना। जो लोग अंधियारे में चलते थे उन्हें बड़ा उजियाला देख पड़ा जो लोग घोर अंधकार से भरे हुए देश में रहे उन पर ज्योति चमकी है। क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न होता हमें एक पुत्र दिया जाता है और वह प्रभुता का भार उठाएगा और उस का नाम अद्भुत और युक्ति करनेहारा और पराक्रमी ईश्वर और अनन्तकाल का पिता और शांति का प्रधान रक्खा जाएगा।

तब यिशै के ठूंठ में से एक डाली फूटेगी और उस की जड़ में से एक शाखा निकलकर फलवन्त

होगी। और यहोवा का आत्मा बुद्धि और समझ का आत्मा युक्ति और पराक्रम का आत्मा और यहोवा के ज्ञान और भय का आत्मा उस पर ठहरा रहेगा। और वह न तो मुंह देखा न्याय करेगा और न अपने कानों के सुनने के अनुसार चुकाव करेगा। पर वह कंगालों का न्याय धर्म्म से करेगा और पृथिवी के नम्र लोगों के लिये खराई से चुकाव करेगा और वह पृथिवी को अपने बचन के सोंटे से मारेगा और अपने फूंक के झोंके से दुष्ट को मार डालेगा। और उसकी कटि का फेंटा धर्म्म और उस की कमर का फेंटा सचाई होगी। और हुंड़ार भेड़ के बच्चे के संग रहा करेगा और चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा करेगा और बछड़ा और जवान सिंह और पोसा हुआ बैल तीनों एकट्ठे रहेंगे और छोटा लड़का उन्हें फिराया करेगा।

और गाय और रीछनी चरेंगी और उन के बच्चे एकट्ठे बैठेंगे और सिंह बैल की नाईं भूसा खाया करेगा। मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देगा और न हानि करेगा क्योंकि पृथिवी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसा समुद्र जल से भरा रहता है।

जातियां चली आएंगी और उस का विश्राम-स्थान तेजोमय होगा।

उस समय प्रभु अपना हाथ दूसरी बार बढ़ाकर अपनी प्रजा के बचे हुओं को जो रह जाएंगे छुड़ाएगा। उस समय तू कहेगा कि हे यहोवा मैं तेरा धन्यवाद करता हूं क्योंकि यद्यपि तू मुझ पर कोपित हुआ था पर अब तेरा कोप शान्त हुआ और तू ने मुझे शान्ति दिई है। ईश्वर मेरा उद्धार है सो मैं भरोसा रखूंगा और न थरथराऊंगा क्योंकि याह यहोवा मेरा बल और भजन का विषय है और वह मेरा उद्धार ठहर गया है। और उस समय तुम कहोगे कि यहोवा का धन्यवाद करो उस से प्रार्थना करो सब जातियों में उस के बड़े कामों का प्रचार करो और इस की चर्चा करो कि उस का नाम महान है।

यहोवा का भजन गाओ क्योंकि उस ने प्रतापमय काम किये हैं यह सारी पृथिवी पर जाना जाए। हे सिय्योन की रहनेहारी जयजयकार कर और ऊंचे स्वर से गा क्योंकि इस्राएल का पवित्र तेरे बीच में महान है।

आसपास के देशों का भारी बचन।

(यशा: १३)

बाबेल।

मुंडे पहाड़ पर झंडा खड़ा करो हाथ उठाकर उन को पुकारो कि वे रईसों के फाटकों में प्रवेश करें। मैं ने आप अपने पवित्र किये हुओं को आज्ञा दिई है मैं ने अपने वीरों को बुलाया है। पहाड़ों पर बड़ी भीड़ का सा कोलाहल हो रहा है राज्य राज्य की एकट्ठी किई हुई जातियां हौरा मचा रही हैं सेनाओं का यहोवा युद्ध के लिये अपनी सेना की गिनती ले रहा है। वे दूर देश से तो क्या पृथिवी की छोर से आये हैं यहोवा अपने क्रोध के हथियारों समेत सारे देश को नाश करने के लिये आया है।

हाय हाय करो क्योंकि यहोवा का दिन निकट है। देखो यहोवा का दिन आता है जिस से पृथिवी उजाड़ हो जाएगी और आकाश के तारागण न झलकेंगे और सूर्य्य उदय होते ही छिप जाएगा और चंद्रमा अपना प्रकाश न देगा। और मैं जगत के लोगों को उन की बुराई का और दुष्टों को उन के अधर्म्म का दण्ड दूंगा और अभिमानियों के अभिमान को दूर करूंगा और उपद्रव करनेहारों के घमण्ड को तोड़ूंगा। मैं मनुष्य को कुन्दन से अधिक महंगा करूंगा।

और बाबेल जो सब राज्यों का शिरोमणि और उस की शोभा पर कसदी लोग फूलते हैं सो ऐसा हो जाएगा जैसे सदोम और अमोरा परमेश्वर से उलट दिये जाने पर हो गये थे। वह फिर कभी न बसेगा और उस में युग युग कोई वास न करेगा और अरबी लोग भी उस में डेरा खड़ा न करेंगे और न चरवाहे उस में अपने पशु बैठाएंगे। वहां जंगली जन्तु बैठेंगे और हुहानेहारे जन्तु उन के घरों

में भरे रहेंगे और शुतर्मुर्ग वहां बसेंगे और बनैले बकरे वहां नाचेंगे और उस नगर के राजभवनों में हुंडार और उसके सुख विलास के मन्दिरों में गीदड़ बोला करेंगे उस के नाश होने का समय निकट आ गया और उस के दिन अब बहुत नहीं रहे।

—

मोआब।

(यशाः १५, १६)

निश्चय मोआब उजड़ और नाश हो गया है। सड़कों में लोग टाट पहिने हैं छतों पर और चौकों में सब कोई आंसू बहाते हुए हाय हाय करते हैं। और जल सूख गया और घास मुर्झा गई कोमल घास सूख गई हरियाली कुछ नहीं रही। इस लिये जो धन उन्हों ने बचा रक्खा और जो कुछ उन्हों ने जमा किया उस सब को वे उस नाले के पार लिये जा रहे हैं जिस में मजनू-वृक्ष हैं।

और जैसे उजाड़े हुए घोंसले से वैसे ही मोआब की बेटियां होंगी। और फलदाई बारियों में से आनन्द और मगनता जाती रही और दाख की बारियों में गीत न गाया जाएगा न हर्ष का शब्द सुनाई देगा दाखरस के कुण्डों में कोई दाख न रौंदेगा क्योंकि मैं उन के हर्ष के शब्द को बन्द करूंगा। और जब मोआब थक जाए और प्रार्थना करने को अपने पवित्र स्थान में आए तब उस से कुछ न बन पड़ेगा।

मोआब का विभव और उस की भीड़ भाड़ सब तुच्छ ठहरेगी और जो बचें सो थोड़े ही होंगे और कुछ लेखे में न रहेंगे।

—

दमिश्क।

(यशाः १७)

सुनो दमिश्क तो नगर न रहा वह खण्डहर ही खण्डहर हो जाएगा। अरोएर के नगर निर्जन हो जाएंगे वे पशुओं के झुण्डों के स्थान बनेंगे पशु उन में बैठेंगे और उन का कोई भगानेहारा न होगा।

उस समय उन के गढ़वाले नगर घने बन के निर्जन स्थानों के समान होंगे और वे उजाड़ पड़े रहेंगे। क्योंकि तू अपने उद्धारकर्त्ता परमेश्वर को भूल गई और अपनी दृढ़ चट्टान का स्मरण नहीं रक्खा इस कारण तू मनभावने पौधे लगाती और रोप देती है। रोपने के दिन तू उन की चारों ओर बाड़ा बांधती है और बिहान को फूल खिलने लगते हैं पर सन्ताप और असाध्य दुःख के दिन उस का फल नाश हो जाता है।

अहो देश देश के बहुत से लोगों की कैसी गरजना हो रही है जो समुद्र की नाईं गरजते हैं और राज्य राज्य के लोगों का कैसा नाद हो रहा है जो प्रचण्ड धारा के समान नाद करते हैं। राज्य राज्य के लोग बहुत से जल की नाईं नाद करते तो हैं पर वह उन को घुड़केगा तब वे दूर भाग जाएंगे और ऐसे उड़ाये जाएंगे जैसे पहाड़ों पर की भूसी वायु से और धूलि बवण्डर से घुमाकर उड़ाई जाती है।

—

कूश।

(यशाः १८)

अहो पंखों की सनसनाहट से भरे हुए देश तू जो कूश की नदियों के परे है, और समुद्र पर दूतों को नरकट की नावों में बैठाकर जल के मार्ग से यह कहके भेजता है कि हे फुर्तीले दूतो उस जाति के पास जाओ जिस के लोग लम्बे और चिकने हैं और वे आदि ही से डरावने होते आये हैं, वे मापने और रौंदनेहारे भी हैं और उन का देश नदियों से विभाग किया हुआ है।

हे जगत के सब रहनेहारो जब झंडा पहाड़ों पर खड़ा किया जाए तब उसे देखो और जब नरसिंगा फूंका जाए तब सुनो।

क्योंकि यहोवा ने मुझ से यों कहा है कि धूप की तेज गर्मी वा कटनी के समय के ओसवाले बादल की नाईं मैं शान्त होकर निहारूंगा। पर

दाख तोड़ने के समय से पहिले जब फूल फूल चुकें और दाख के गुच्छे पकने लगें तब वह टहनियों को हंसुओं से काट डालेगा और सूतों को तोड़ तोड़कर अलग फेंक देगा। वे पहाड़ों के मांसाहारी पक्षियों और बनैले पशुओं के लिये एकट्ठे पड़े रहेंगे और मांसाहारी पक्षी तो उन को नोचते नोचते धूपकाल बितायेंगे और सब भान्ति के बनैले पशु उन को खाते खाते जाड़ा काटेंगे।

मिस्र।

(यशा: १९, २०)

देखो यहोवा शीघ्र उड़नेहारे बादल पर चढ़ा हुआ मिस्र में आ रहा है और मिस्र की मूरतें उस के आने से थरथरा उठेंगी और मिस्रियों का कलेजा कांप जाएगा। और मिस्रियों की बुद्धि मारी पड़ेगी वे अपनी मूरतों के पास और ओझों और फुसफुसानेहारे टोनहों के पास जा जाकर उन से पूछेंगे। और क्रूर राजा उन पर प्रभुता करेगा और समुद्र का जल घट जाएगा और महानद सूखते सूखते सूख जाएगा। नरकट और हूगले कुम्हलाएंगे। नील नदी के तीर पर के कछार की घास और नील नदी के पास जो कुछ बोया जाएगा सो सूखकर नाश होगा तब मछुये विलाप करेंगे और जितने नील नदी में बंसी डालते सो लम्बी लम्बी सांस लेंगे और जो जल के ऊपर जाल फेंकते हैं सो निर्बल हो जाएंगे। फिर जो लोग धुने हुए सन से काम करते हैं और जो सूत से बुनते हैं उन की आशा टूटेगी।

निश्चय सोअन के सब हाकिम मूर्ख हैं और फिरौन के बुद्धिमान मंत्रियों की युक्ति पशु की सी हुई है फिरौन से तुम कैसे कह सकते हो कि मैं बुद्धिमानों का पुत्र और प्राचीन राजाओं का पुत्र हूं। तेरे बुद्धिमान तो कहां रहे, सेनाओं के यहोवा ने मिस्र के विरुद्ध जो युक्ति किई है उस को वे तुझे बताएं बरन आप उस को जान लें।

उस समय मिस्र देश के पांच नगर होंगे जिनके लोग कनान की भाषा बोलेंगे और यहोवा की किरिया खाएंगे उन में से एक का नाम हेरेस नगर रक्खा जाएगा। उस समय मिस्र देश के मध्य में यहोवा के लिये एक वेदी होगी और यह मिस्र देश में सेनाओं के यहोवा का चिन्ह और साक्षी ठहरेगा और जब वे अंधेर करनेहारों के कारण यहोवा की दोहाई देंगे तब वह उन के पास एक उद्धारकर्त्ता और वीर भेजेगा और वह उन्हें छुड़ाएगा। उस समय मिस्र से अश्शूर जाने का एक राजमार्ग होगा सो अश्शूरी लोग मिस्र में और मिस्री लोग अश्शूर में जाएंगे और अश्शूरियों के संग मिस्री उपासना करेंगे।

उस समय इस्राएल आशीष का कारण होंगे। क्योंकि सेनाओं का यहोवा कह कहकर उन तीनों को आशीष देगा कि धन्य हो मेरी प्रजा मिस्र और मेरा रचा हुआ अश्शूर और मेरा निज भाग इस्राएल।

और यहोवा ने कहा कि जिस प्रकार मेरा दास यशायाह तीन बरस से उघाड़ा और नंगे पांव चलता आया है कि मिस्र और कूश के लिये चिन्ह और चमत्कार हो, उसी प्रकार अश्शूर का राजा मिस्र और कूश के क्या लड़के क्या बूढ़े सभों को बंधुए करके उघाड़े और नंगे पांव ले जाएगा जिस से मिस्र को लाज हो। और वे व्याकुल और लज्जित हो जाएंगे। और कहेंगे देखो हम अश्शूर के राजा से बचने के लिये भागने को थे हम लोग कैसे बचेंगे।

जंगल।

(यशा: २१)

जैसे दक्खिन देश में बवण्डर ज़ोर से चलते हैं वैसे ही वह जङ्गल से अर्थात डरावने देश से आता है।

कष्ट की बातों का दर्शन दिखाया गया है मैं ऐसे संकट में हूं कि कुछ सुन नहीं पड़ता मैं ऐसा घबरा गया कि कुछ देख नहीं पड़ता। मेरा हृदय धड़क उठा मैं अत्यन्त भयभीत हूं जिस सांझ को मैं चाहता था उसे उस ने मेरी थरथराहट का कारण कर दिया है। भोजन की तैयारी हो रही है पहरुए बैठाये जा

रहे हैं खाना पीना हो रहा है हे हाकिमो उठो ढाल में तेल लगाओ। प्रभु ने मुझ से यों कहा है कि जाकर एक पहरुआ खड़ा कर दे और वह जो कुछ देखे सो बताए।

और जब वह दो दो करके चलते हुए सवारों का दल और गदहों का दल और ऊंटों का दल देखे तब बहुत ही ध्यान देकर कान लगाए। और उस ने सिंह के से शब्द से पुकारा हे प्रभु मैं तो दिन भर लगातार खड़ा पहरा देता हूं और रात भर भी अपनी चौकी पर ठहरा रहता हूं। और क्या देखता हूं कि मनुष्यों का दल और दो दो करके चलते हुए सवार आ रहे हैं, और वह बोल उठा बाबेल गिर गया गिर और उसके देवताओं की सब खुदी हुई मूरतें भूमि पर चकनाचूर कर डाली गई हैं। कोई मुझे पुकार रहा है कि हे पहरुए रात कितनी रही है हे पहरुए रात कितनी रही है।

तराई।

(यशा: २२)

तुम्हें क्या हुआ कि तुम सब छतों पर चढ़ गये हो। हे कोलाहल और हौरे से भरी नगरी हे हुलसनेहारे नगर तुझ में जो मारे हुए हैं सो न तो तलवार के मारे और न लड़ाई में मर गये हैं। तेरे सब न्यायी भागे थे।

मेरी ओर से मुंह फेर लो कि मैं बिलक बिलक रोऊं, मेरे नगर के सत्यानाश होने के शोक में मुझे शान्ति देने का यत्न मत करो। वह तो सेनाओं के यहोवा प्रभु का ठहराया हुआ दिन होगा जब दर्शन की तराई में कोलाहल और रौंदा जाना और चौंधियाना होगा और शहरपनाह में सुरंग लगाई जायगी और दोहाई का शब्द पहाड़ों लों पहुंचेगा।

और उत्तम उत्तम तराइयां रथों से भरी हुई होंगी और सवार फाटक के साम्हने पांति बांधेंगे।

और तुमने दाऊदपुर की शहरपनाह के दरारों को देखा कि बहुत से हैं और यरूशलेम के घरों को गिनकर शहरपनाह के दृढ़ करने के लिये घरों को ढा दिया, और प्रभु सेनाओं के यहोवा ने उस समय रोने पीटने सिर मुड़ाने और टाट पहिनने के लिये कहा था। पर क्या देखा कि हर्ष और आनन्द गाय बैल का घात और भेड़ बकरी का बध मांस खाना और दाखमधु पीना और यह कहना कि खा पी ले कल तो मरना है। सुन यहोवा तुझ को बल से पकड़कर बड़ी दूर फेंक देगा। वह तुझे मरोड़कर गेन्द की नाईं लम्बे चौड़े देश में फेंक देगा हे अपने स्वामी के घराने के लजवानेहारे वहां तू मरेगा और तेरे विभव के रथ वहीं रह जाएंगे।

सोर।

(यशा: २३)

हे तर्शीश के जहाजो हाय हाय करो क्योंकि वह ऐसा सत्यानाश हुआ कि उस में न तो घर न प्रवेश रहा। हे समुद्र के तीर के रहनेहारो चुपकर रहो तू जिस को समुद्र के पार जानेहारे सीदोनी व्योपारियों ने धन से भर दिया है, हे सीदोन लज्जित हो क्योंकि समुद्र ने अर्थात समुद्र के दृढ़ स्थान ने यह कहा है कि मैं ने न तो कभी जनने की पीड़ा जानी न बालक जनी और न बेटों को पाला न बेटियों को पोसा है। हे समुद्र के तीर के रहनेहारो हाय हाय करो पार होकर तर्शीश को जाओ।

क्या यह तुम्हारी हुलस से भरी हुई नगरी है जो प्राचीनकाल से बसी थी जिस के पांव उसे बसने को दूर ले जाते थे। सोर जो राजाओं को गद्दी पर बैठाती थी जिस के व्योपारी हाकिम हुए थे और जिस के महाजन पृथिवी भर में प्रतिष्ठित थे उस के विरुद्ध किस ने ऐसी युक्ति किई है। सेनाओं के यहोवा ही ने ऐसी युक्ति किई है कि सारी छवि के घमण्ड को तुच्छ करा दे और पृथिवी के प्रतिष्ठितों का अपमान कराए। हे तर्शीश के निवासियो नील नदी की नाईं अपने देश में फैल जाओ क्योंकि अब कुछ बंधन नहीं रहा।

उस ने अपना हाथ समुद्र पर बढ़ाकर राज्य राज्य को हिला दिया है यहोवा ने कनान के दृढ़ स्थानों के नाश करने की आज्ञा दिई है। और उस

ने कहा है हे सीदोन हे भ्रष्ट किई हुई कुमारी तू फिर हुलसने की नहीं उठ पार होकर कित्तियों के पास जा तो जा पर वहां भी तुझे चैन न मिलेगा। हे तर्शीश के जहाजो हाय हाय करो क्योंकि तुम्हारा दृढ़ स्थान उजड़ गया है।

सुनो पृथिवी मुर्झाती है।

(यशाः २४)

सुनो यहोवा पृथिवी को निर्जन और सुनसान करने पर है वह उस को उलटकर उस के रहनेहारों को तित्तर बित्तर करेगा। और जैसा यजमान वैसा याजक जैसा दास वैसा स्वामी जैसी दासी वैसी स्वामिनी जैसा लेनेहारा वैसा बेचनेहारा जैसा उधार देनेहारा वैसा उधार लेनेहारा जैसा ब्याज लेनेहारा वैसा ब्याज देनेहारा सभों की एक ही दशा होगी। पृथिवी सून ही सून और नाश ही नाश हो जाएगी क्योंकि यहोवा ही ने यह कहा है।

पृथिवी विलाप करेगी और मुर्झाएगी पृथिवी के महान लोग कुम्हला जाएंगे। क्योंकि पृथिवी अशुद्ध हो गई है क्योंकि उन्हों ने व्यवस्था का उल्लंघन किया और विधि को पलट डाला और सनातन वाचा को तोड़ दिया है। नया दाखमधु जाता रहेगा दाखलता मुर्झा जाएगी और जितने मन में आनन्द करते हैं सब लम्बी लम्बी सांस लेंगे। डफ का सुखदाई शब्द बन्द हो जाएगा हुलसनेहारों का कोलाहल जाता रहेगा वीणा का सुखदाई शब्द बन्द हो जाएगा। सुनसान होनेहारी नगरी नाश होगी उस का हर एक घर ऐसा बन्द किया जाएगा कि कोई पैठ न सकेगा। सड़कों में लोग दाखमधु के लिये चिल्लाएंगे आनन्द मिट जाएगा देश का सारा हर्ष जाता रहेगा।

और जो कोई भय के शब्द से भागे सो गड़हे में गिरेगा और जो कोई गड़हे में से निकले सो फंदे में फंसेगा क्योंकि आकाश के झरोखे खुल जाएंगे और पृथिवी की नेव डोल उठेगी। पृथिवी फट फटकर टुकड़े टुकड़े हो जाएगी पृथिवी अत्यन्त कांप उठेगी। उस समय यहोवा पृथिवी के राजाओं को दण्ड देगा। और वे बंधुओं की नाईं गड़हे में एकट्ठे किये जाएंगे।

चुपचाप रहने से तुम्हारी वीरता ठहरेगी।

(यशाः २६, २९, ३०)

उस समय यह गीत यहूदा देश में गाया जाएगा कि

हमारे तो एक दृढ़ नगर है उस की शहरपनाह और धुस का काम देने के लिये वह उद्धार को ठहराता है। फाटकों को खोलो कि सच्चाई का पालन करनेहारी एक धर्मी जाति प्रवेश करे। जिस का मन धीरज धरे हुए है उस की तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है क्योंकि वह तुझ पर भरोसा किये हुए रहता है। यहोवा पर सदा सर्वदा भरोसा किये हुए रहो क्योंकि याह यहोवा युग युग की चटान ठहरा है।

प्रभु ने कहा है ये लोग जो मुंह की बातों से मेरा आदर करते हुए समीप तो आते पर अपना मन मुझ से दूर रखते हैं इस कारण सुन मैं इन के साथ अद्भुत काम वरन अति अद्भुत और अचंभे का काम करूंगा तब इन के बुद्धिमानों की बुद्धि नाश होगी और इन के प्रवीणों की प्रवीणता जाती रहेगी। अब जाकर इस को उन के साम्हने पत्तर पर खोद और पुस्तक में लिख कि यह आनेहारे दिनों के लिये सदा सर्वदा लों बना रहे। क्योंकि वे बलवा करनेहारे लोग हैं। इस कारण इस्राएल का पवित्र यों कहता है कि तुम लोग जो मेरे इस बचन को निकम्मा जानते और अंधेर और कुटिलता पर भरोसा करके उन्हीं पर टेक लगाते हो। इस कारण यह अधर्म्म तुम्हारे लिये ऐसा होगा जैसा ऊंची भीत का फूला हुआ भाग जो फटकर गिरने पर हो और वह अचानक पल भर में टूटकर गिर पड़े। और वह उस को ऐसा नाश करेगा जैसा कोई मिट्टी का घड़ा चकनाचूर करे।

प्रभु यहोवा इस्राएल के पवित्र ने यों कहा था कि लौटने और शान्त रहने से तुम्हारा उद्धार होगा चुपचाप रहने और भरोसा रखने से तुम्हारी वीरता ठहरेगी पर तुम ने ऐसा करना नहीं चाहा।

हाय उन पर जो मिस्र की सहायता पाने के लिये जाते हैं और घोड़ों का आसरा करते हैं और रथों पर भरोसा रखते क्योंकि वे बहुत हैं और सवारों पर क्योंकि वे अति बलवान हैं पर यहोवा की ओर दृष्टि नहीं करते हैं।

तप्त भूमि में बड़ी ढांग की छाया।

(यशा: ३२, ३३)

सुनो एक राजा धर्म्म से राज्य करेगा और हाकिम न्याय से हुकूमत करेंगे। और एक पुरुष मानो वायु से छिपने का स्थान और बौछार से आड़ होगा वह मानो निर्जल देश में जल की नालियां और मानो तप्त भूमि में बड़ी ढांग की छाया होगा।

और देखनेहारों की आंखें धुन्धली न होंगी और सुननेहारों के कान लगे रहेंगे। और उतावलों के मन ज्ञान की बातें समझेंगे और तुतलानेहारों की जीभ फुर्ती से साफ बोलेगी। मूढ़ फिर उदार न कहाएगा और न ठग प्रतिष्ठित कहा जाएगा।

तब उस जङ्गल में न्याय बसेगा और उस फलदायक बारी में धर्म्म रहेगा। और धर्म्म का फल शान्ति और उसका परिणाम सदा का चैन और निश्चिन्त रहना होगा। और मेरे लोग शान्ति से निश्चिन्त रहने के स्थानों में और सुख और विश्राम के स्थानों में रहेंगे।

हे यहोवा हम लोगों पर अनुग्रह कर क्योंकि हम तेरी ही बाट जोहते आये हैं तू संकट के समय हमारा उद्धारकर्त्ता ठहर। हुल्लड़ सुनते ही देश देश के लोग भाग गये तेरे उठने पर अन्यजातियां तित्तर बित्तर हुईं।

सुनो उन के शूरवीर बाहर चिल्ला रहे हैं संधि के दूत बिलक बिलक रो रहे हैं। राजमार्ग सुनसान पड़े हैं अब उन पर बटोही नहीं चलते उस ने वाचा को टाल दिया उस ने नगरों को तुच्छ जाना उस ने मनुष्य को कुछ न समझा। पृथिवी विलाप करती और मुर्झा गई है लबानोन कुम्हला गया और उस पर सियाही छा गई है शारोन मरुभूमि के समान हो गया और बाशान और कर्म्मेल में पतझड़ हो रहा है।

यहोवा कह रहा है कि अब मैं उठूंगा मैं महान ठहरूंगा। देश देश के लोग फुंके हुए चूने के समान हो जाएंगे और कटे हुए कटीले पेड़ों की नाईं आग में जलाए जाएंगे।

हे दूर दूर के लोगो सुनो कि मैं ने क्या किया है और तुम भी जो निकट हो मेरा पराक्रम जान लो। सिय्योन में के पापी थरथरा गये भक्तिहीनों को कंपकंपी लगी है हम में से कौन प्रचण्ड आग के साथ रह सकता। अब जो धर्म्म से चलता और सीधी बातें बोलता और अंधेर के लाभ से घिन रखता और घूस नहीं लेता और खून की बात सुनने से कान बन्द करता और बुराई देखने से आंख मूंद लेता है, वही ऊंचे स्थानों में वास करेगा वह ढांगों में के गढ़ों में शरण लिये हुए रहेगा उस को रोटी मिलेगी और पानी की घटी कभी न होगी। तू अपनी आंखों से राजा को उस की सुन्दरता में निहारेगा और लम्बे चौड़े देश को देखेगा।

पलटा लेने को यहोवा का दिन।

(यशा: ३३ : २०)

हमारे पर्व के नगर सिय्योन पर दृष्टि कर तू अपनी आंखों से यरूशलेम को देखेगा कि वह विश्राम का स्थान और ऐसा तम्बू है जो कभी गिराया न जाएगा और वहां महाप्रतापी यहोवा हमारी ओर रहेगा सो बहुत बड़ी बड़ी नदियों और नहरों का स्थान होगा क्योंकि यहोवा हमारा न्यायी यहोवा हमारा हाकिम यहोवा हमारा राजा है वही हमारा उद्धार करेगा।

हे जाति जाति के लोगो सुनने को निकट आओ और हे राज्य राज्य के लोगो ध्यान से सुनो पृथिवी और जो कुछ उस में है जगत और जो कुछ उस में उत्पन्न होता है सो सुनो।

यहोवा सब जातियों पर कोप कर रहा है और उन की सारी सेना पर उस की जलजलाहट भड़की हुई है क्योंकि पलटा लेने को यहोवा का एक दिन ठहराया हुआ है। और एदोम की नदियां राल से और उस की मिट्टी गंधक से बदल जाएगी और उस की भूमि जलती हुई राल बन जाएगी। वह रात दिन न बुझेगी उस का धूआं सदा लों उठता रहेगा वह युगयुग उजाड़ पड़ा रहेगा सदा लों कोई उस में से होकर न चलेगा।

उस में धनेशपक्षी और साही पाये जाएंगे और उल्लू और कौव्वे का बसेरा होगा और वह उस पर गड़बड़ की डोरी और सुनसानी का साहूल तानेगा। और उस के महलों में कटीले पेड़ और गढ़ों में बिच्छू पौधे और झाड़ उगेंगे और वह गीदड़ों का वासस्थान और शुतर्मुर्गों का आंगन हो जाएगा। वहां निर्जल देश के जन्तु सियारों के संग मिलकर बसेंगे और रोंआर जन्तु एक दूसरे को बुलाएंगे वहां सांपिन बाम्बी चुन अण्डे देकर उन्हें सेवेगी और अपने नीचे बटोर लेगी और वहां गिद्धिनें अपनी अपनी साथिन के साथ एकट्ठी रहेंगी।

और वह सदा लों उन का बना रहेगा और वे पीढ़ी से पीढ़ी लों उस में बसे रहेंगे।

गूंगे अपनी जीभ से जय जयकार करेंगे।

(यशा: ३५)

जंगल और निर्जल देश प्रफुल्लित होंगे और मरुभूमि मगन होकर केसर की नाईं फूलेगी। वह तो अत्यन्त प्रफुल्लित होगी और आनन्द के साथ जयजयकार करेगी उस की शोभा बलानोन की सी होगी और वह कर्म्मेल और शारोन के तुल्य तेजोमय हो जाएगी वे यहोवा की शोभा और हमारे परमेश्वर का तेज देखेंगे।

ढीले हाथों को दृढ़ और थरथराते घुटनों को स्थिर करो। घबरानेहारों से कहो कि हियाव बांधो मत डरो। देखो तुम्हारा परमेश्वर पलटा लेने को बरन परमेश्वर के योग्य बदला लेने को आएगा वही आकर तुम्हारा उद्धार करेगा। तब अन्धों की आंखें खोली जाएंगी और बहिरों के कान भी खोले जाएंगे। तब लंगड़ा हरिण की सी चौकड़ियां भरेगा और गूंगे अपनी जीभ से जयजयकार करेंगे और जंगल में जल के सोते फूट निकलेंगे और मरुभूमि में नदियां बहने लगेंगी।

और मृगतृष्णा ताल बन जाएगी और सूखी भूमि में सोते फूटेंगे और जिस स्थान में सियार बैठा करते हैं उस में घास और नरकट और सरकंडे होंगे। और वहां एक सड़क अर्थात मार्ग होगा और उस का नाम पवित्र मार्ग होगा कोई अशुद्ध जन उस पर से न चलने पाएगा। वह तो उन्हीं के लिये रहेगा और उस मार्ग पर जो चलेंगे सो चाहे मूर्ख भी हों तौभी भटक न जाएंगे। वहां सिंह न होगा और कोई हिंसक जन्तु चढ़ने न पाएगा ऐसे वहां मिलेंगे नहीं पर छुड़ाये हुए लोग उस में चलेंगे। और यहोवा के छुड़ाये हुए लोग लौटकर जयजयकार करते हुए सिय्योन में आएंगे और उन के सिर पर सदा का आनन्द होगा वे हर्ष और आनन्द पाएंगे और शोक और लम्बी सांस का लेना जाता रहेगा।

शान्ति दो शान्ति।

(यशा: ४०)

तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है कि मेरी प्रजा को शान्ति दो शान्ति।

यरूशलेम से शान्ति की बातें कहो और उस से पुकारकर कहो कि तेरी कठिन सेवा पूरी हुई है तेरे अधर्म्म का दण्ड अंगीकार किया गया है और यहोवा के हाथ से तू अपने सब पापों का दूना दण्ड पा चुका है। किसी की पुकार सुनाई देती है कि

जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारो हमारे परमेश्वर के लिये अराबा में एक राजमार्ग चौरस करो।

हर एक तराई भरी जाए और हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दिई जाए जो टेढ़ा है सो सीधा और जो ऊंच नीच है सो मैदान किया जाए। तब यहोवा का तेज प्रगट हो जाएगा और सब प्राणी उस को एक संग देखेंगे क्योंकि यहोवा ने आप ऐसा कहा है।

बोलनेहारे का बचन है कि प्रचार कर। और किसी ने कहा मैं क्या प्रचार करूं सब प्राणी घास हैं उन की सारी शोभा मैदान के फूल के समान है। घास तो सूख जाती और फूल मुर्झा जाता है पर हमारे परमेश्वर का वचन सदा लों अटल रहेगा।

हे सिय्योन को शुभ समाचार सुनानेहारे ऊंचे पहाड़ पर चढ़ जा हे यरूशलेम को शुभ समाचार सुनानेहारे बहुत ऊंचे शब्द से सुना ऊंचे शब्द से सुना मत डर यहूदा के नगरों से कह कि अपने परमेश्वर को देखो। देखो प्रभु यहोवा सामर्थ दिखाता हुआ आता है और वह अपने भुजबल से प्रभुता करेगा देखो जो मजूरी देने की है सो उस के पास और जो बदला देने का है सो उस के हाथ में है।

वह चरवाहे की नाईं अपने झुण्ड को चराएगा वह भेड़ों के बच्चों को अंकवार में लिये चलेगा और दूध पिलानेहारियों को धीरे धीरे ले चलेगा।

किस ने महासागर को अपने चुल्लू से मापा और किस के बित्ते से आकाश का परिमाण हुआ और किस ने पृथिवी की मिट्टी को नपवे में समवा लिया और पहाड़ों को तराजू में और पहाड़ियों को कांटे में तौला है। फिर किस ने यहोवा के आत्मा का परिमाण किया वा उस का मंत्री होकर उस को ज्ञान सिखाया है। किस ने उस को सम्मति दिई और समझाकर न्याय का पथ बता दिया और ज्ञान सिखाकर बुद्धि का मार्ग जता दिया।

देखो जातियां तो डोल पर की बून्द वा पलड़ों पर की धूलि के तुल्य ठहरीं देखो वह द्वीपों को धूलि के किनकों के सरीखे उठाता है। सारी जातियां उस के साम्हने कुछ हैं ही नहीं वे उस के लेखे में लेश और सुनसान सी ठहरीं।

तुम ईश्वर को किस के समान बताओगे।

(यशा: ४० : १८)

सो तुम ईश्वर को किस के समान बताओगे और उस को किस की उपमा दोगे। कारीगर मूरत ढालता है और सोनार उस को सोने से मढ़ता और उस के लिये चान्दी की सांकलें ढालकर बनाता है। जो कंगाल इतना अर्पण नहीं कर सकता वह ऐसा वृक्ष चुन लेता है जो सड़ने का न हो और निपुण कारीगर ढूंढ़कर मूरत खुदवाता और उसे ऐसा स्थिर कराता है कि वह न डिग सके। क्या तुम नहीं जानते क्या तुम नहीं सुनते क्या तुम को प्राचीनकाल से बताया नहीं गया क्या तुम ने पृथिवी की नेव पड़ने का विचार नहीं किया। जो पृथिवी की चारों ओर के आकाशमण्डल पर विराजमान है, और पृथिवी के रहनेहारे टिड्डी से हैं, जो आकाश को मलमल की नाईं फैलाता और ऐसा तान देता है जैसा रहने के लिये तम्बू ताना जाता है, जो बड़े बड़े हाकिमों को तुच्छ कर देता है वही पृथिवी के अधिकारियों को सूने के समान करता है। बरन वे लगाये न गये वे बोये न गये उन के ठूंठ ने भूमि में जड़ न पकड़ी, कि उस ने उन पर पवन बहाई और वे सूख गये और आंधी उन्हें भूसे की नाईं ले गई।

अपनी आंखें ऊपर उठाकर देखो कि किस ने इन को सिरजा कौन इन के गण को गिन गिनकर निकालता वह उन सब के नाम ले लेकर बुलाता है वह ऐसा बड़ा सामर्थी और अत्यन्त बली है कि उन में से कोई बिन आये नहीं रहता। तू क्यों कहता है कि मेरा मार्ग यहोवा से छिपा हुआ है मेरा परमेश्वर मेरे न्याय की कुछ चिन्ता नहीं करता।

क्या तुम नहीं जानते क्या तुम ने नहीं सुना कि यहोवा जो सनातन परमेश्वर और पृथिवी भर का सिरजनहार है सो न थकता है और न श्रमित होता है और उस की बुद्धि अगम है। वह थके हुए को बल देता और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है।

तरुण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं और जवान ठोकर खाकर गिरते तो हैं। पर जो यहोवा की बाट जोहते हैं सो नया बल प्राप्त करने जाएंगे वे उकाबों की नाईं उड़ेंगे वे दौड़ते दौड़ते श्रमित न होंगे और चलते चलते थक न जाएंगे।

मेरे दास को देखो जिसे मैं संभाले हूं मेरे चुने हुए को देखो जिस से मेरा जी प्रसन्न है मैं ने उस में अपना आत्मा समवाया है सो वह अन्यजातियों के लिये न्याय को प्रगट करेगा। वह न चिल्लाएगा न ऊंचे शब्द से बोलेगा न सड़क में अपनी वाणी सुनाएगा। वह कुचले हुए नरकट को तोड़ेगा न धुन्धली बरती हुई बत्ती को बुझाएगा वह सच्चाई से न्याय चुकाएगा। वह आप तब लों न धुंधलाएगा न कुचला जाएगा जब लों वह न्याय को पृथिवी पर स्थिर न करे और द्वीपों के लोग उस की व्यवस्था की बाट जोहेंगे।

बस्तियां और गांव जयजयकार करें।

(यशा: ४२)

ईश्वर जो आकाश का सिरजनेहारा और ताननेहारा और उपज समेत पृथिवी का विस्तारनेहारा और उस पर के लोगों को सांस और उस पर के चलनेहारों को आत्मा देनेहारा यहोवा है सो यों कहता है कि, मुझ यहोवा ने तुझ को धर्म्म की रीति से बुला लिया और मैं तेरा हाथ पकड़कर तेरी रक्षा करूंगा मैं तुझे प्रजा के लिये वाचा और जातियों के लिये प्रकाश ठहराऊंगा, कि तू अन्धों की आंखें खोले और बंधुओं को बन्दीगृह से और जो अंधियारे में बैठे हैं उन को कालकोठरी से निकाले। सुनो पहिली बातें तो हो चुकी हैं और मैं नई बातें बताता हूं उन के होने से पहिले मैं उन्हें तुम को सुनाता हूं।

हे समुद्र पर चलनेहारो हे समुद्र के सब रहनेहारो हे द्वीपो अपने रहनेहारों समेत तुम सब यहोवा के लिये नया गीत गाओ और पृथिवी की छोर से उस की स्तुति करो। जङ्गल और उस में की बस्तियां जयजयकार करें सेला के रहनेहारे जयजयकार करें वे पहाड़ों की चोटियों पर से ऊंचे शब्द से गाएं। वे यहोवा की महिमा करें और द्वीपों में उस का गुणानुवाद करें।

यहोवा अब यों कहता है कि तू मत डर क्योंकि मैंने तुझ को छुड़ा लिया मैंने तुझ को नाम लेकर बुलाया है तू तो मेरा ही है। जब तू जल में होकर जाए तब मैं तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में होकर चले तब तू उन में न डूबेगा जब तू आग में होकर जाए तब तू न जलेगा और न लौ से तुझे आंच लगेगी। क्योंकि मैं यहोवा तेरा परमेश्वर हूं मैं इस्राएल का पवित्र तेरा उद्धारकर्त्ता हूं मैं मिस्र को तेरी छुड़ौती में देता और कूश और सबा को तेरी सन्ती देता हूं। तू जो मेरे लेखे में अनमोल और प्रतिष्ठित ठहरा और मैं जो तुझ से प्रेम रखता हूं इस कारण मैं तेरी सन्ती मनुष्यों को और तेरे प्राण के पलटे में राज्य राज्य के लोगों को दूंगा। मत डर क्योंकि मैं तेरे साथ हूं। तुम मेरे साक्षी हो और मैं ही ईश्वर हूं। और अब से आगे को भी मैं वही रहूंगा और मेरे हाथ से कोई छुड़ा न सकेगा। अब बीती हुई घटनाओं को स्मरण मत करो और न प्राचीन काल की घटनाओं पर मन लगाओ।

देखो मैं एक नई बात करता हूं।

(यशा: ४३:१९, ४४, ४५)

देखो मैं एक नई बात करता हूं अर्थात मैं जङ्गल में मार्ग बनाऊंगा और निर्जल देश में नदियां बहाऊंगा। गीदड़ और शुतर्मुर्ग आदि बनैले जन्तु मेरी महिमा करेंगे क्योंकि मैं अपनी चुनी हुई प्रजा के पीने के लिये जङ्गल में जल और निर्जल देश में नदियां बहाऊंगा।

मैं सब से पहिला हूं और अन्त लों भी मैं ही रहूंगा और मुझे छोड़ कोई परमेश्वर है ही नहीं।

मैं तेरे आगे आगे चलूंगा और ऊंचे नीचे को चौरस करूंगा मैं पीतल के किवाड़ों को तोड़ डालूंगा और लोहे के बेड़ों को टुकड़े टुकड़े कर दूंगा। मैं तुझ को अन्धकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन दूंगा। मैं उजियाले का बनानेहारा और अन्धियारे का सिरजनहार हूं मैं शान्ति का करनेहारा और विपत्ति का सिरजनहार हूं। मैं ही ने पृथिवी को बनाया और उसके ऊपर मनुष्यों को सिरजा है मैंने आकाश को तान दिया और उनके सारे गण को आज्ञा दिई है। मैं ही ने उस पुरुष को धर्म्म की रीति से उभारा है और मैं उसके सब मार्गों को सीधा करूंगा। हे पृथिवी के दूर दूर के देश के लोगो तुम मेरी ओर फिरकर उद्धार पाओ क्योंकि मैं ही ईश्वर हूं।

हे द्वीपो मेरी ओर कान लगाओ।

(यशाः ४९)

हे द्वीपो मेरी ओर कान लगाकर सुनो और हे दूर दूर के राज्यों के लोगो ध्यान धरकर मेरी सुनो।

मैं तेरी रक्षा करके तेरे द्वारा लोगों के साथ वाचा बांधूंगा कि तू देश को सुभागी करे और उजड़े हुए स्थानों को उन के अधिकारियों के हाथ में फेर दे, और बन्धुओं से कहे कि बन्दीगृह से निकल आओ और जो अन्धियारे में हैं उन से कहे कि प्रकाश में आओ। वे मार्गों के किनारे किनारे चरने पाएंगे और सब मुण्डे टीलों पर भी उन को चराई मिलेगी। वे न भूखे होंगे न प्यासे और न लूह न घाम उन्हें लगेगा क्योंकि जो उन पर दया करता सो उन को ले चलेगा और जल के सोतों के पास पास से चलायेगा। और मैं अपने सब पहाड़ों को मार्ग कर दूंगा और मेरे राजमार्ग ऊंचे हो जाएंगे।

हे आकाश जयजयकार कर हे पृथिवी मगन हो हे पहाड़ो गला खोलकर जयजयकार करो क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को शान्ति दिई है। परन्तु सिय्योन ने कहा है कि यहोवा ने मुझे त्याग दिया मेरे प्रभु ने मुझे बिसरा दिया है। क्या कोई स्त्री अपने बच्चे को ऐसा बिसरा सकती कि अपने लड़के पर दया न करे हां वह तो भूल सकती है पर मैं तुझे भूल नहीं सकता। अपनी आंखें उठाकर चारों ओर देख कि वे सब के सब एकट्ठे होकर तेरे पास आ रहे हैं यहोवा की यह वाणी है मेरे जीवन की सौंह कि तू उन सभों को गहिने के समान पहिनेगी और दुलिहन की नाईं अपने शरीर में बांध लेगी। और तेरे जो स्थान सुनसान और उजड़े हैं और तेरे जो देश खण्डहर ही खण्डहर हैं उन में निवासी अब न समाएंगे और तेरे नाश करनेहारे दूर हो जाएंगे। तेरे जो पुत्र जीते रहे सो तेरे कान में कहने पाएंगे कि यह स्थान हमारे लिये सकेत है हमें और स्थान दे कि उस में रहें।

वह उन के निर्जल देश को एक बारी के समान करेगा।

(यशाः ४९ : २१, ५१)

तब तू मन में कहेगी कि किस ने मेरे लिये इन को जन्माया मेरे पुत्र तो जाते रहे थे और मैं बांझ हो गई मैं बंधुई और भगेड़ू हो गई सो इन को किस ने पाला देख मैं अकेली रह गई थी अब ये कहां से आये। प्रभु यहोवा यों कहता है कि सुन मैं अपना हाथ जाति जाति के लोगों की ओर बढ़ाऊंगा और देश देश के लोगों के साम्हने अपना झण्डा खड़ा करूंगा तब वे तेरे बेटों को अपनी गोद में ले आएंगे और तेरी बेटियों को अपने कन्धे पर चढ़ाकर तेरे पास पहुंचाएंगे। और राजा तेरे बच्चों के निज सेवक और उन की रानियां तेरी दूध पिलानेहारियां होंगी वे अपनी नाक भूमि पर रगड़कर तुझे दण्डवत करेंगे और तेरे पांवों की धूलि चाट लेंगे, सो तू यह जान लेगी कि मैं यहोवा हूं और मेरी बाट जोहनेहारों की आशा कभी नहीं टूटने की।

हे धर्म्म के पीछे चलनेहारे हे यहोवा के ढूंढनेहारो कान लगाकर मेरी सुनो जिस चट्टान में से तुम खोदे गये और जिस खानि में से तुम निकाले गये उस पर ध्यान करो। यहोवा ने सिय्योन को शान्ति दिई है उस ने उस के सब खंडहरों को शान्ति दिई है और उस के जंगल को यदेन के समान और उस के निर्जल देश को यहोवा की बारी के समान कर दिया है उस में हर्ष और आनन्द और धन्यवाद और भजन गाने का शब्द सुनाई पड़ेगा।

हे मेरी प्रजा के लोगो मेरी ओर ध्यान धरो हे मेरे लोगो कान लगाकर मेरी सुनो मेरा धर्म्म प्रगट होने पर है मैं उद्धार करने लगा हूं मैं अपने भुजबल से देश देश के लोगों का न्याय के काम करूंगा द्वीप मेरी बाट जोहेंगे और मेरे भुजबल पर आशा रक्खेंगे।

हे तुम जिन के मन में मेरी व्यवस्था है कान लगाकर मेरी सुनो मनुष्यों की किई हुई नाम धराई से मत डरो और उन के निन्दा करने से विस्मित न हो क्योंकि घुन उन्हें कपड़े की नाईं और कीड़ा उन्हें ऊन की नाईं खाएगा पर मेरा धर्म्म सदा लों ठहरेगा और मेरा किया हुआ उद्धार पीढ़ी से पीढ़ी लों बना रहेगा।

जाग जाग।

(यशा: ५२)

हे यहोवा की भुजा जाग जाग बल धारण कर जैसे प्राचीन काल के दिनों में और अगली पीढ़ियों के समय में वैसे ही अब भी जाग क्या तू वही नहीं है जिस ने रहब को टुकड़े टुकड़े किया और मगरमच्छ को घायल किया था। क्या तू वही नहीं है जिस ने समुद्र को अर्थात गहिरे सागर के जल को सुखा डाला और उस की थाह में अपने छुड़ाये हुओं के पार जाने के लिये मार्ग निकाला था। सो यहोवा के छुड़ाये हुए लोग लौटकर जयजयकार करते हुए सिय्योन में आएंगे और उन को सदा का आनन्द मिलेगा वे हर्ष और आनन्द प्राप्त करेंगे और शोक और लम्बी सांस भरना जाता रहेगा। मैं तो मैं ही तेरा शान्तिदाता हूं सो तू कौन है जो विनाशी मनुष्य से और घास सरीखे मुर्झानेहारे आदमी से डरता है, और आकाश के तानेनेहारे और पृथिवी की नेव डालनेहारे अपने कर्त्ता यहोवा को भूल जाता है।

हे सिय्योन जाग जाग अपना बल धारण कर। अपने शोभायमान वस्त्र पहिन ले हे यरूशलेम हे सिय्योन की बंधुई बेटी।

पहाड़ों पर उस के पांव क्या ही सोहते हैं जो शुभ समाचार देता और शान्ति की बात सुनाता और कल्याण का शुभ समाचार और उद्धार होने का सन्देश देता और सिय्योन से कहता है कि तेरा परमेश्वर राजा हुआ है। सुन तेरे पहरुए पुकार रहे हैं वे एक साथ जयजयकार कर रहे हैं क्योंकि वे साक्षात देखते हैं कि यहोवा सिय्योन को क्योंकर लौटाये लाता है।

हे यरूशलेम के खंडहरो एक संग उमंग में आकर जयजयकार करो क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को शांति दिई और यरूशलेम को छुड़ा लिया है। यहोवा ने सारी जातियों के साम्हने अपनी पवित्र भुजा प्रगट किई है और पृथिवी के दूर दूर देशों के सब लोग हमारे परमेश्वर का किया हुआ उद्धार देखते हैं।

निश्चय वह हमारे ही रोगों को उठाता है।

(यशा: ५३, ५५)

जो समाचार हम को दिया गया था उस का किस ने विश्वास किया और यहोवा का भुजबल किस पर प्रगट हुआ। वह तो उस के साम्हने अंकुर की नाईं और ऐसी जड़ की शाखा के समान बढ़ा होता गया जो निर्जल भूमि में हो उस की न तो कुछ सुन्दरता थी और न कुछ तेज और जब हम उस को देखते थे तब उस का ऐसा रूप हमें न देख पड़ता था कि हम उस को चाहते।

वह तुच्छ जाना जाता था और पुरुषों का त्यागा हुआ था वह दुःखी पुरुष था और रोग से उस की जान पहिचान थी और जैसा कोई जिस से लोग मुख फेर लेते हैं वैसा वह तुच्छ जाना जाता था और हम उसे लेखे में न लाते थे।

निश्चय वह हमारे ही रोगों को उठाता था और हमारे ही दुःखों से लदा हुआ था तौभी हम लोग उस को पिटा हुआ और परमेश्वर का मारा हुआ और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझते थे। पर वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया और हमारे अधर्म्म के कामों के हेतु कुचला गया था जिस ताड़ना से हमारे लिये शान्ति उपजे सो उस पर पड़ी और उस के कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो सके।

हम तो सब के सब भेड़ों की नाईं भटक गये थे बरन हम ने अपना अपना मार्ग लिया पर यहोवा ने हम सभों के अधर्म्म का भार उसी पर डाल दिया। उस पर अंधेर किया गया पर वह सहता रहा और अपना मुंह न खोला जैसे भेड़ बध होने को जाने के समय वा भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप रहती है वैसे ही उस ने भी अपना मुंह न खोला। अंधेर और निर्णय से वह उठा लिया गया और उस के समय के लोगों में से किस ने इस पर ध्यान दिया कि वह जीवतों के बीच से उठा लिया जाता है।

अहो सब प्यासे लोगो पानी के पास आओ और जिन के पास कुछ रुपैया न हो तुम भी आकर मोल लो और खाओ बरन आकर दाखमधु और दूध बिन रुपैये और बिन दाम ले लो। जो भोजनवस्तु नहीं है उस के लिये तुम क्यों रुपया लगाते हो और जिस से पेट नहीं भरता उस के लिये क्यों परिश्रम करते हो मेरी ओर मन लगाकर सुनो तब उत्तम वस्तुएं खाने पाओगे और खाकर सन्तुष्ट हो जाओगे। कान लगाओ और मेरे पास आओ सुनो तब तुम जीते रहोगे और मैं तुम्हारे साथ सदा की वाचा बांधूंगा।

—

जब लों यहोवा मिल सकता है तब लों उसकी खोज में रहो।

(यशा: ५५ : ६)

जब लों यहोवा मिल सकता है तब लों उस की खोज में रहो जब लों वह निकट है तब लों उस को पुकारो। दुष्ट अपनी चालचलन और अनर्थकारी अपने सोच विचार छोड़कर यहोवा की ओर फिरे और वह उस पर दया करेगा वह हमारे परमेश्वर की ओर फिरे और वह पूरी रीति से उस को क्षमा करेगा।

क्योंकि यहोवा की यह वाणी है कि मेरे और तुम्हारे सोच विचार एक समान नहीं और न तुम्हारी और मेरी गति एक सी है। क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में आकाश और पृथिवी का अन्तर है। जिस प्रकार से वर्षा और हिम आकाश से गिरते हैं और वहां यों ही लौट नहीं जाते बरन भूमि पर पड़कर उपज उपजाते और इसी रीति बोनेहारे को बीज और खानेहारे को रोटी मिलती है, उसी प्रकार से मेरा बचन भी जो मेरे मुख से निकलता है सो व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा जो मेरी इच्छा हुई हो उस को वह पूरी ही करेगा और जिस काम के लिये मैं ने उस को भेजा हो सो पूरा होगा। सो तुम आनन्द के साथ निकलोगे और शान्ति के साथ पहुंचाये जाओगे तुम्हारे आगे आगे पहाड़ और पहाड़ियां गला खोलकर जयजयकार करेंगी और मैदान के सारे वृक्ष आनन्द के मारे ताली बजाएंगे। तब भटकटैयों की सन्ती सनौबर उगेंगे और बिच्छू पेड़ों की सन्ती मेंहदी उगेंगी और इस से यहोवा का नाम होगा और सदा का चिन्ह रहेगा जो कभी मिट न जाएगा।

—

गला खोलकर पुकार, रख मत छोड़।

(यशा: ५८)

गला खोलकर पुकार, रख मत छोड़ नरसिंगे का सा ऊंचा शब्द कर मेरी प्रजा को उस का अपराध अर्थात याकूब के घराने को उन का पाप जता। वे ता दिन दिन मेरे पास आते हैं और मेरी गति बूझने की इच्छा रखते हैं। वे तो मुझ से धर्म्म के नियम पूछते और परमेश्वर के निकट आने से प्रसन्न होते हैं। वे कहते हैं कि क्या कारण है कि हम ने तो उपवास किया पर तू ने इस की सुधि नहीं लिई और हम ने तो दुःख लठाया पर तू ने कुछ विचार नहीं किया।

सुनो जैसा उपवास तुम आजकल करते हो उस से तुम्हारा शब्द ऊंचे पर सुनाई नहीं देता। जिस उपवास से मैं प्रसन्न होता हूं अर्थात जिस में मनुष्य दुःख उठाए क्या वह इस प्रकार का होता है क्या तुम सिर को झाऊ की नाईं झुकाना और अपने नीचे टाट बिछाना और राख फैलाना ही यहोवा को प्रसन्न करने का उपाय कहते हो। जिस उपवास से मैं प्रसन्न होता हूं सो क्या यह नहीं है कि अन्याय से बनाये हुए दासों और अन्धेर सहनेहारों का जूआ तोड़कर उन को छुड़ा देना और सब जूओं को टुकड़े टुकड़े करना। क्या वह यह भी नहीं है कि अपनी रोटी भूखों को बांट देनी और बपुरे मारे मारे फिरते हुओं को अपने घर ले आना।

तब तेरा प्रकाश चमकेगा।

(यशा: ५८:८, ६०, ६१)

तब तेरा प्रकाश पह फटने की नाईं चमकेगा और तू शीघ्र चंगा हो जाएगा और तेरा धर्म्म तेरे आगे आगे चलेगा। तब तू पुकारेगा और यहोवा सुन लेगा तू दोहाई देगा और वह कहेगा कि मैं सुनता हूं। यदि तू प्रेम से भूखे की सहायता करे और दीन दुःखियों को सन्तुष्ट करे तो अंधियारे में तेरा प्रकाश चमकेगा और तेरा घोर अंधकार दोपहर का सा उजियाला हो जाएगा। और यहोवा तुझे लगातार लिये चलेगा और तू सींची हुई बारी के और ऐसे सोते के समान रहेगा जिस का जल कभी नहीं घटता। और तेरे वंश के लोग बहुत काल के उजड़े हुए स्थानों को फिर बसाएंगे और तू पीढ़ी पीढ़ी की पड़ी हुई नेव पर घर उठाएगा तब तेरा नाम टूटे हुए बाड़े का सुधारनेहारा और पथों का ठीक करनेहारा पड़ेगा।

उठ प्रकाशमान हो क्योंकि तुझे प्रकाश मिल गया है और यहोवा का तेज तेरे ऊपर उदय हुआ है। देख पृथिवी पर तो अन्धियारा और राज्य राज्य के लोगों पर तो घोर अन्धकार छाया हुआ है पर तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा और उस का तेज तुझ पर दिखाई देगा। और अन्यजातियां तेरे प्रकाश को और राजा तेरी चमक की ओर चलेंगे।

अपनी आंखें चारों ओर उठाकर देख वे सब के सब एकट्ठे होकर तेरे पास आ रहे हैं तेरे बेटे तो दूर से आ रहे हैं और तेरी बेटियां गोद में पहुंचाई जा रही हैं।

मैं तुझे सदा के घमण्ड का और पीढ़ी पीढ़ी के हर्ष का कारण ठहराऊंगा। मैं तुझे पीतल की सन्ती सोना और लोहे की सन्ती चान्दी और काठ की सन्ती पीतल और पत्थरों की सन्ती लोहा दूंगा और मैं मेल मिलाप को तेरे हाकिम और धर्म्म को तेरे चौधरी ठहराऊंगा। न तेरे देश में फिर उपद्रव की न तेरे सिवानों के भीतर उत्पात वा अन्धेर की चर्चा सुन पड़ेगी, तू अपनी शहरपनाह का नाम उद्धार और अपने फाटकों का नाम यश रक्खेगी।

दिन में तो उजियाला पाने के लिये तुझे सूर्य्य का और रात में प्रकाश के लिये चन्द्रमा का फिर कुछ काम न पड़ेगा क्योंकि यहोवा तेरे लिये सदा का उजियाला और तेरा परमेश्वर तेरी शोभा ठहरेगा। तेरा सूर्य्य फिर अस्त न होगा और तेरे चन्द्रमा की ज्योति मलिन न होगी क्योंकि यहोवा तेरी सदा की ज्योति ठहरेगा सो तेरे विलाप के दिन अन्त हो जाएंगे। तेरे लोग सब के सब धर्मी होंगे वे देश के अधिकारी सदा रहेंगे वे मेरे लगाये हुए पौधे और मेरे रचे हुए ठहरेंगे जिस से मैं शोभाय-

मान ठहरूं । जो कम है सो हजार हो जाएगी और जो थोड़ा है सो सामर्थी जाति बन जाएगी । मैं यहोवा इस के ठीक समय पर शीघ्र पूरा करूंगा ।

प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर ठहरा है क्योंकि यहोवा ने नम्र लोगों को शुभसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया और मुझे इस लिये भेजा है कि खेदित मन के लोगों को शांति दूं और बंधुओं के साम्हने स्वाधीन होने का और कैदियों के साम्हने छुटकारे का प्रचार करूं, और यहोवा के प्रसन्न रहने के बरस का और हमारे परमेश्वर के पलटा लेने के दिन का प्रचार करूं और सब विलाप करनेहारों को शांति दूं ।

सब जातियों के साम्हने धर्म्म उगेगा ।

(यशा: ६१:४)

सो वे बहुत काल के उजड़े हुए स्थानों को फिर बसाएंगे और अगले दिनों से पड़े हुए खण्डहरों में फिर घर बनाएंगे और उजड़े हुए नगरों को जो पीढ़ी पीढ़ी से उजड़े हुए हों फिर नये सिरे से बसाएंगे । जैसे भूमि अपनी उपज को उगाती और बारी में जो कुछ बोया जाता है उस को वह उपजाती है वैसे ही प्रभु यहोवा सब जातियों के साम्हने धर्म्म और यश उगाएगा ।

सिय्योन के निमित्त मैं तब लों चुप न हूंगा और यरूशलेम के निमित्त मैं तब लों चैन न लूंगा जब लों उस का धर्म्म अरुणोदय की नाईं और उस का उद्धार जलते हुए पलीते के समान दिखाई न दे । तब अन्यजातियां तेरा धर्म्म और सब राजा तेरी महिमा देखेंगे । और तू यहोवा के हाथ में का एक शोभायमान मुकुट ठहरेगी क्योंकि यहोवा तुझ से प्रसन्न है । और जैसे वर दुल्हिन के कारण हर्षित होता है वैसे ही तेरा परमेश्वर तेरे कारण हर्षित होगा ।

हे यरूशलेम मैं ने तेरी शहरपनाह पर पहरुए बैठाए हैं जो दिन भर और रात भर भी लगातार पुकारते रहेंगे हे यहोवा को स्मरण करानेहारो चैन न लो, और जब लों वह यरूशलेम को स्थिर करके उस की प्रशंसा पृथिवी पर न फैला दे तब लों उस को भी चैन लेने न दो । यहोवा ने अपने दहिने हाथ की और अपने बलवन्त भुजा की किरिया खाई है कि मैं फिर तेरा अन्न तेरे शत्रुओं को खाने के लिये न दूंगा और न बिराने लोग तेरा नया दाखमधु जिस के लिये तू ने परिश्रम किया हो पीने पाएंगे । पर जिन्हों ने उसे खत्ते में रक्खा हो सोई उस को खाकर यहोवा की स्तुति करेंगे और जिन्हों ने दाखमधु भण्डारों में रक्खा हो वे ही उसे पीने पाएंगे ।

फाटकों से निकल आओ निकल प्रजा के लिये मार्ग सुधारो धुस बांधकर राजमार्ग बनाओ उस में के पत्थर बीन बीनकर फेंक दो देश देश के लोगों के लिये झण्डा खड़ा करो । सिय्योन से कहो कि देख तेरा उद्धारकर्त्ता आता है । और लोग उन को पवित्र प्रजा और यहोवा के छुड़ाये हुए कहेंगे ।

नया आकाश और नई पृथिवी ।

(यशा: ६५:१७)

सुनो मैं नया आकाश और नई पृथिवी सिरजने पर हूं । मैं यरूशलेम को मगन होने का और उस की प्रजा को हर्ष का कारण ठहराऊंगा और मैं आप यरूशलेम के कारण मगन और अपनी प्रजा के हेतु हर्षित हूंगा और उस में फिर रोने वा चिल्लाने का शब्द न सुन पड़ेगा । वे घर बनाकर उन में बसेंगे और दाख की बारियां लगाकर उन का फल खाएंगे । ऐसा न होगा कि वे तो बनाएं और दूसरा बसे वा वे तो लगाएं और दूसरा खाए क्योंकि मेरी प्रजा की आयु वृक्षों की सी होगी और मेरे चुने हुए अपने कामों का पूरा लाभ उठाएंगे ।

उन के पुकारने से भी पहिले मैं उन की सुनूंगा और उन के मांगते ही मैं उन की सुन लूंगा । भेड़िया और मेम्ना एक संग चरा करेंगे और सिंह बैल की नाईं भूसा खाएगा और सर्प का आहार मिट्टी ही रहेगी । मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई किसी को दुःख देगा और न कोई किसी की हानि करेगा यहोवा का यही बचन है ।

यिर्मयाह ।

सो यहोवा का यह बचन मेरे पास पहुंचा कि रचने से पहिले ही मैं ने तुझ पर चित्त लगाया था और उत्पन्न होने से पहिले ही मैं ने तुझे पवित्र किया मैं ने तुझे जातियों का नबी ठहराया था ।

तब मैं ने कहा अहह प्रभु यहोवा सुन मैं तो बोलना नहीं जानता क्योंकि लड़का ही हूं । यहोवा ने मुझ से कहा मत कह कि मैं लड़का हूं क्योंकि जहां कहीं मैं तुझे भेजूंगा वहां तू जाएगा और जो कुछ मैं तुझ को कहने की आज्ञा दूं सो तू कहेगा । तू उन से मत डर क्योंकि बचाने के लिये मैं तेरे संग हूं ।

तब यहोवा ने हाथ बढ़ाकर मेरे मुंह को छूआ यहोवा ने मुझ से कहा सुन मैं ने अपने बचन तेरे मुंह में डाले हैं । सुन मैं ने आज के दिन गिराने और ढा देने और नाश करने और काट डालने के लिये और बनाने और रोपने के लिये तुझे जातियों और राज्यों पर अधिकारी ठहराया है ।

मैं उत्तर दिशा के राज्यों और कुलों को बुलाऊंगा और वे आकर यरूशलेम के फाटकों में और उस की चारों ओर की शहरपनाह और यहूदा के और सब नगरों के साम्हने अपना अपना सिंहासन रखेंगे । और उन की सारी बुराई के कारण मैं उन पर दण्ड होने की आज्ञा दूंगा इस लिये कि उन्हों ने मुझ को त्यागा है । सो तू कमर कसकर उठ और जो कुछ मैं तुझ को कहने की आज्ञा दूं सो उन से कहना तू उन के साम्हने न घबराना ऐसा न हो कि मैं तुझे उन के साम्हने घबरा दूं । सो सुन मैं ने आज तुझ को इस सारे देश और यहूदा के राजाओं हाकिमों और याजकों और साधारण लोगों के विरुद्ध गढ़वाला नगर और लोहे का खंभा और पीतल की शहरपनाह कर दिया है । वे तुझ से लड़ेंगे तो सही पर तुझ पर प्रबल न होंगे क्योंकि मैं बचाने के लिये तेरे संग हूं यहोवा की यही वाणी है ।

फिर यहोवा का यह बचन मेरे पास पहुंचा कि, जाकर यरूशलेम को पुकार के यह सुना दे कि यहोवा का यह बचन है कि तेरे विषय तेरी जवानी का स्नेह मुझे स्मरण आते हैं कि तू जंगल में जहां भूमि जोती बोई न थी वहां मेरे पीछे पीछे चली आती थी । इस्राएल यहोवा की पवित्र वस्तु और उस की पहिली उपज थी ।

हे याकूब के घराने हे इस्राएल के घराने के सारे कुलों के लोगो यहोवा का बचन सुनो, तुम्हारे पुरखाओं ने मुझ में कौन ऐसी कुटिलता पाई कि वे मेरी ओर से हट गये और निकम्मी वस्तुओं के पीछे हो गये । उन्हों ने इतना भी न कहा कि यहोवा जो हम को मिस्र देश से ले आया और जंगल में और रेत और गड़हों से भरे हुए निर्जल और घोर अंधकार के देश में जिस से होकर कोई नहीं चलता और जिस में कोई मनुष्य नहीं रहता ऐसे देश में जो हम को ले चला वह कहां है । मैं तो तुम को इस उपजाऊ देश में ले आया कि उस का फल और उत्तम उपज खाओ पर तुम ने मेरे इस देश में आकर इस को अशुद्ध किया और मेरे इस निज भाग को घिनौना कर दिया । मेरी प्रजा ने मुझ बहते जल के सोते को त्याग दिया और उन्हों ने हौद बना लिये बरन ऐसे हौद जो फट गये हैं और उन में जल नहीं ठहरता । जैसा चोर पकड़े जाने पर लज्जित होता है वैसा ही इस्राएल का घराना राजाओं हाकिमों याजकों और नबियों समेत लज्जित होता है । वे काठ से कहते हैं कि तू मेरा बाप है और पत्थर से कहते हैं कि तू मुझे जनी है इस प्रकार उन्हों ने मेरी ओर मुंह नहीं पीठ ही फेरी है । पर विपत्ति के समय वे कहेंगे कि उठकर हमें बचा । पर जो देवता तू ने बना लिये हैं सो कहां रहे यदि वे तेरी विपत्ति के समय तुझे बचा सकते हैं तो अभी उठें ।

हे इस समय के लोगो यहोवा के इस बचन को सोचो कि क्या मैं इस्राएल के लिये जंगल वा घोर अन्धकार का देश बना हूं मेरी प्रजा क्यों कहती है कि हम जो छूटे हैं सो तेरे पास फिर न आएंगे ।

——

देखो वह बादलों की नाईं चढ़ाई करके आ रहा है।

(यिर्म: ४)

फिर यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम के लोगों से यों कहा कि अपनी पड़ती भूमि में हल जोतो और कटीले झाड़ों के बीच में बीज मत बोओ। देश भर में नरसिंगा फूंको। और गला खोलकर यह पुकारो कि आओ हम इकट्ठे हों क्योंकि मैं उत्तर की दिशा से विपत्ति और सत्यानाश ले आया चाहता हूं। सिंह अपनी झाड़ी से निकला अर्थात जाति जाति का नाश करनेहारा चढ़ाई करके आ रहा है वह तो कूंच करके अपने स्थान से इस लिये निकला है कि तुम्हारे देश को उजाड़ दे और तुम्हारे नगरों को ऐसे सूने कर दे कि उन में कोई भी न रह जाए। उस समय राजा और हाकिमों का कलेजा कांप उठेगा और याजक चकित होंगे और नबी अचंभित हो जाएंगे।

तब मैं ने कहा हाय प्रभु यहोवा तू ने तो यह कहकर कि तुम को शांति मिलेगी निश्चय अपनी इस प्रजा को और यरूशलेम को भी बड़ा धोखा दिया है क्योंकि तलवार प्राण लों छेदने पर है।

देखो वह बादलों की नाईं चढ़ाई करके आ रहा है उस के रथ बवण्डर के समान और उस के घोड़े उकाबों से अधिक वेग चलते हैं हम पर हाय कि हम नाश हुए। हे यरूशलेम अपना मन बुराई से धो कि तुम्हारा उद्धार हो जाए तुम अनर्थ कल्पनाएं कब लों करते रहोगे।

घेरनेहारे दूर देश से आकर यहूदा के नगरों के विरुद्ध ललकार रहे हैं। वे खेत के रखवालों की नाईं उस को चारों ओर से घेर रहे हैं क्योंकि वह मुझ से फिर गई है। ये तेरी चाल और कामों का फल हैं। मेरा हृदय भीतर भीतर तड़पता और मेरा मन घबराता है मैं चुप नहीं रह सकता क्योंकि हे मेरे जीव नरसिंगे का शब्द और युद्ध की ललकार तुझ लों पहुंची है। क्योंकि मेरी प्रजा मूढ़ है वे मुझ को नहीं जानते उन को कुछ भी समझ नहीं है बुराई करने को तो वे बुद्धिमान हैं पर भलाई करना नहीं जानते।

मैं ने पृथिवी को देखा कि वह सूनी और सुनसान पड़ी है और आकाश को कि उस में ज्योति नहीं रही। मैं ने पहाड़ों को देखा कि वे हिल रहे और सब पहाड़ियों को कि वे डोल रही हैं। फिर मैं क्या देखता हूं कि कोई मनुष्य नहीं रहा सब पक्षी भी उड़ गये हैं। फिर मैं क्या देखता हूं कि उपजाऊ देश जङ्गल और यहोवा के प्रताप और उस भड़के हुए कोप के कारण उस के सारे नगर खंडहर हो गये हैं।

इस के अन्त में तुम क्या करोगे।

(यिर्म: ४:२७,५,६)

क्योंकि यहोवा ने यह बताया कि सारा देश उजाड़ हो जाएगा तौभी मैं उस का अन्त न कर डालूंगा। इस कारण पृथिवी विलाप करेगी और आकाश शोक का काला वस्त्र पहिनेगा।

इस सारे नगर के लोग सवारों और धनुर्धारियों का कोलाहल सुनकर भाग जाते हैं वे झाड़ियों में घुस जाते और चट्टानों पर चढ़ जाते हैं सब नगर निर्जन हो गये और उन में कोई न रहा।

यहोवा की यह वाणी है कि सुन मैं तुम्हारे विरुद्ध दूर से ऐसी जाति को चढ़ाई कराऊंगा जो सामर्थी और प्राचीन जाति है और उस की भाषा तुम न समझोगे।

उन का तर्कस खुली कबर सा है और वे सब के सब शूरवीर हैं। वे तुम्हारे पक्के खेत खा जाएंगे।

वे तुम्हारी भेड़ बकरियों और गाय बैलों को खा डालेंगे वे तुम्हारी दाखों और अंजीरों को खा जाएंगे और जिन गढ़वाले नगरों पर तुम भरोसा रखते हो उन्हें वे गिरा देंगे।

यहोवा की यह वाणी है कि क्या तुम लोग मेरा भय नहीं मानते मैं ने तो बालू को समुद्र का सिवाना ठहराकर युग युग का ऐसा विधान किया कि वह उस को न लांघे, जब जब उस की लहरें उठें तब तब वे प्रबल न होएं और जब जब गरजें तब तब वे

उस को न लांघें फिर क्या तुम मेरे साम्हने नहीं थरथराते। पर इस प्रजा के हठीला और बलवा करनेहारा मन है वे हठ करके चले गये हैं। जैसा पिंजरा चिड़ियों से भरा पूरा होता है वैसे ही उन के घर छल से भरे पूरे रहते हैं इसी प्रकार से वे बढ़ गये और धनी हो गये हैं। वे मोटे चिकने हो गये हैं वे बुरे कामों में सीमा को लांघ गये हैं क्या मैं इन बातों का दण्ड न दूं क्या मैं ऐसी जाति से पलटा न लूं। देश में ऐसा काम होता है जिस से चकित और रोमांचित होना चाहिये। नबी तो झूठमूठ नबूवत करते हैं और याजक उन के सहारे से प्रभुता करते हैं और मेरी प्रजा को यह भावता भी है सो इस के अन्त में तुम क्या करोगे।

हे बिन्यामीनियो यरूशलेम में से अपना अपना सामान लेकर भागो और नरसिंगा फूंको क्योंकि उत्तर की दिशा से आनेहारी विपत्ति और बड़ा बिगाड़ दिखाई देता है।

——

यरूशलेम उजाड़ हो जाएगा।

(यिर्मः ७)

जो बचन यहोवा की ओर से यिर्मयाह के पास पहुंचा सो यह है कि,

यहोवा के भवन के फाटक में खड़ा हो यह बचन प्रचारके कह कि सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि अपनी अपनी चाल और काम सुधारो तब मैं तुम को इस स्थान में बसे रहने दूंगा। यह जो तुम लोग कहा करते हो कि झूठी बातों पर भरोसा मत रख। यदि तुम सचमुच अपनी अपनी चाल और काम सुधारो और सचमुच मनुष्य मनुष्य के बीच न्याय करो, और परदेशी और बपमूए और विधवा पर अंधेर न करो और इस स्थान में निर्दोष का खून न करो और दूसरे देवताओं के पीछे न चलो जिस से तुम्हारी हानि होती है, तो मैं तुम को इस नगर में और इस देश में जो मैं ने तुम्हारे पितरों को दिया युगयुग बसा रहने दूंगा।

क्या तू नहीं देखता कि ये लोग यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों में क्या करते हैं। देख लड़के बाले तो ईंधन बटोरते और बाप आग बारते और स्त्रियां आटा गूंधती हैं कि मुझे रिसियाने को स्वर्ग की रानी के लिये रोटियां चढ़ाएं और दूसरे देवताओं के लिये तपावन दें।

क्या वे मुझ ही को रिस दिलाते हैं क्या वे अपने ही को नहीं जिस से उन के मुंह पर सियाही छाए।

क्योंकि जिस समय मैं तुम्हारे पितरों को मिस्र देश में से निकाल ले आया उस समय मैं ने उन से होमबलि और मेलबलि के विषय कुछ आज्ञा न दिई। मैं ने तो उन को यही आज्ञा दिई कि मेरी सुना करो तब मैं तुम्हारा परमेश्वर ठहरूंगा और तुम मेरी प्रजा ठहरोगे और जिस किसी मार्ग की मैं तुम्हें आज्ञा दूं उसी में चलो तब तुम्हारा भला होगा। पर उन्हों ने मेरी न सुनी और न कान लगाया वे अपनी ही युक्तियों और अपने बुरे मन के हठ पर चलते रहे।

जिस दिन तुम्हारे पुरखा मिस्र देश से निकले उस दिन से आज लों मैं तो अपने सारे दास नबियों को तुम्हारे पास लगातार बड़े यत्न से भेजता आया हूं। पर उन्हों ने मेरी नहीं सुनी और अपने पुरखाओं से बढ़कर बुराई किई है।

ऐसे दिन आते हैं कि इन लोगों की लोथें आकाश के पक्षियों और मैदान के जीवजन्तुओं का आहार होंगी और उनका हांकनेहारा कोई न रहेगा। उस समय मैं ऐसा करूंगा कि यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों में न तो हर्ष और आनन्द का शब्द सुन पड़ेगा और न दुल्हे वा दुल्हिन का क्योंकि देश उजाड़ ही उजाड़ हो जाएगा।

——

कटनी का समय बीत गया फल तोड़ने की ऋतु भी बीत गई।

(यिर्म: ८,९,१५,२२,२५)

क्या कारण है कि ये यरूशलेमी लोग सदा अधिक अधिक दूर भटकते जाते हैं ये छल को नहीं छोड़ते और लौटने को नकारते हैं। मैं ने ध्यान देकर सुना पर ये ठीक नहीं बोलते इन में से किसी ने अपनी बुराई से पछताकर नहीं कहा कि हाय मैं ने क्या किया है जैसा घोड़ा लड़ाई में वेग से दौड़ता है वैसे ही इन में से एक एक जन अपनी दौड़ में दौड़ता है। आकाश का लगलग अपने नियत समयों को जानता है और पिण्डुकी और सूपावेना और सारस भी अपने आने का समय रखते हैं पर मेरी प्रजा यहोवा का नियम नहीं जानती।

यहोवा की यह भी वाणी है कि मैं उन सभों का अन्त कर दूंगा न तो उन की दाखलताओं में दाख पाई जाएंगी और न अंजीर के वृक्ष में अंजीर वरन उन के पत्ते भी सूख जाएंगे इस प्रकार जो कुछ मैं ने उन्हें दिया है सो उन के पास से जाता रहेगा।

हम क्यों बैठे हैं आओ हम चलकर गढ़वाले नगरों में एकट्ठे नाश हों क्योंकि हमारा परमेश्वर यहोवा हम को नाश किया चाहता है हम ने जो यहोवा के विरुद्ध पाप किया है इस लिये उस ने हम को विष पिलाया है। हम शांति की बाट जोहते तो थे पर कुछ कल्याण नहीं मिला और अच्छी दशा के हो जाने की आशा तो करते थे पर घबराना ही पड़ा है।

हाय हाय इस शोक की दशा में मुझे शांति कहां से मिलेगी मेरा हृदय भीतर भीतर तड़पता है।

कटनी का समय बीत गया फल तोड़ने की ऋतु भी बीत गई और हमारा उद्धार नहीं हुआ।

भला होता कि मेरा सिर जल ही जल और मेरी आंखें आंसुओं का सोता होतीं कि मैं रात दिन अपने मारे हुए लोगों के लिये रोता रहता। भला होता कि मुझे जंगल में बटोहियों का कोई टिकाव मिलता कि मैं अपने लोगों को छोड़कर वहीं चला जाता।

हे यरूशलेम तुझ पर कौन तरस खाएगा और कौन तेरे लिये शोक करेगा वा कौन तेरा कुशल पूछने को मुड़ेगा। यहोवा की यह वाणी है कि तू जो मुझ को त्यागकर पीछे हट गई है इस लिये मैं तुझ पर हाथ बढ़ाकर तेरा नाश करूंगा क्योंकि मैं तरस खाते खाते उकता गया हूं।

यहोवा ने यों कहा कि यहूदा के राजा के भवन में उतर जाकर यह वचन कह कि, हे यहूदा के राजा तू अपने कर्म्मचारियों और अपनी प्रजा के लोगों समेत यहोवा का वचन सुन न्याय और धर्म्म के काम करो और लुटे हुए को अंधेर करनेहारे के हाथ से छुड़ाओ और परदेशी और बपमूए और विधवा पर अन्धेर और उपद्रव न करो और इस स्थान में निर्दोषों का लोहू मत बहाओ। और देखो यदि तुम ऐसा करो तो इस भवन के फाटकों से होकर दाऊद की गद्दी पर विराजनेहारे राजा रथों और घोड़ों पर चढ़े हुए अपने अपने कर्म्मचारियों और प्रजा समेत प्रवेश किया करेंगे।

पर यदि तुम इन बातों को न मानो तो यहोवा की यह वाणी है कि मैं अपनी ही किरिया खाता हूं कि यह भवन उजाड़ हो जाएगा। मैं तुझे जंगल बनाऊंगा। और मैं नाश करनेहारों को तेरे विरुद्ध भेजूंगा और जाति जाति के लोग जब इस नगर के पास से निकलें तब एक दूसरे से पूछेंगे कि यहोवा ने इस बड़े नगर की ऐसी दशा क्यों किई है। तब लोग कहेंगे कि इस का कारण यह है कि उन्हों ने अपने परमेश्वर यहोवा की वाचा को तोड़कर दूसरे देवताओं को दण्डवत और उन की उपासना किई। मरे हुए के लिये मत रोओ उस के लिये विलाप मत करो जो परदेश चला गया है उसी के लिये फूट फूटकर रोओ क्योंकि वह लौटकर अपनी जन्मभूमि को फिर कभी देखने न पाएगा। जिस स्थान में वह बन्धुआ होकर गया उसी में मर जाएगा और इस देश को फिर देखने न पाएगा। और मैं तुझे जननी समेत दूसरे एक देश में फेंक दूंगा और वहीं तुम मर जाओगे।

इस लिये सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि तुम ने जो मेरे बचन नहीं माने, इस लिये सुनो मैं बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर को इस देश और इस के निवासियों के विरुद्ध और इस के आस पास की सब जातियों के विरुद्ध बुलवा भेजूंगा और इन सब देशों का मैं सत्यानाश करके ऐसा उजाड़ूंगा कि लोग इन्हें देखकर ताली बजाएंगे बरन ये सदा उजड़े ही रहेंगे यहोवा की यही वाणी है। और मैं ऐसा करूंगा कि इन में न तो हर्ष और आनन्द का शब्द सुन पड़ेगा और न दुल्हे वा दुल्हिन का और न चक्की का भी शब्द सुन पड़ेगा और न इन में दिया जलेगा और यह देश उजाड़ ही उजाड़ होगा और ये सब जातियां सत्तर बरस लों बाबेल के राजा के अधीन रहेंगी।

यिर्मयाह का नगरों को बचन कहना ।

(यिर्म: २६)

यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज्य के आरंभ में यहोवा की ओर से यह बचन पहुंचा कि,

यहोवा के भवन के आंगन में खड़ा होकर यहूदा के सब नगरों के लोगों के साम्हने ये बचन कह दे जिन के विषय उन से कहने की आज्ञा मैं तुझे देता हूं उन में से कोई बचन रख मत छोड़। क्या जानिये वे सुनकर अपनी अपनी बुरी चाल से फिरें और मैं उन की उस हानि से जो करने की कल्पना करता हूं पछताऊंगा। सो तू उन से कह यहोवा यों कहता है कि यदि तुम मेरी सुनकर मेरी व्यवस्था के अनुसार न चलो, और न मेरे दास नबियों के बचनों पर कान धरो जिन्हें मैं तुम्हारे पास भेजता आया हूं तो मैं इस भवन को ऐसा सत्यानाश कर दूंगा कि पृथिवी की सारी जातियों के लोग उस की उपमा दे देकर स्राप दिया करेंगे।

जब यिर्मयाह ये बचन यहोवा के भवन में कह रहा था तब याजक और नबी और सब साधारण लोग सुन रहे थे।

और जब यिर्मयाह सब कुछ कह चुका तब याजकों और नबियों और सब साधारण लोगों ने यह कहकर उस को पकड़ लिया कि निश्चय तेरा प्राणदण्ड होगा।

यह बातें सुनकर यहूदा के हाकिम राजा के भवन से चढ़ गये और उस के नये फाटक में बैठ गये। तब याजकों और नबियों ने हाकिमों और सब लोगों से कहा यही मनुष्य प्राणदण्ड के योग्य है क्योंकि इस ने इस नगर के विरुद्ध नबूवत किई है।

तब यिर्मयाह ने सब हाकिमों और सब लोगों से कहा जो बचन तुम ने सुने हैं सो यहोवा ही ने मुझे नबूवत की रीति कहने के लिये भेज दिया है। सो अब अपनी चाल चलन और अपने काम सुधारो और अपने परमेश्वर यहोवा की बात मानो तब यहोवा उस विपत्ति के विषय में जिस की चर्चा उस ने तुम से किई है पछताएगा यह निश्चय जानो कि यदि तुम मुझे मार डालो तो इस नगर को निर्दोष के खूनी बनाओगे क्योंकि सचमुच यहोवा ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।

तब हाकिमों और सब लोगों ने याजकों और नबियों से कहा यह मनुष्य प्राणदण्ड के योग्य नहीं क्योंकि उस ने हमारे परमेश्वर यहोवा के नाम से हम से कहा है। और देश के पुरनियों में से कितनों ने उठकर प्रजा की सारी मण्डली से कहा। यहूदा के राजा हिजकिय्याह के दिनों में मोरसेती मीकायाह नबूवत करता था सो उस ने यहूदा के सारे लोगों से कहा कि सिय्योन जोतकर खेत बनाया जाएगा और यरूशलेम डीह ही डीह हो जाएगा। क्या किसी यहूदी ने उस को कहीं मरवा डाला क्या उस राजा ने यहोवा का भय न माना। और तब यहोवा ने जो विपत्ति उन पर डालने को कहा था उस के विषय क्या वह न पछताया। ऐसा करके हम अपने प्राणों की बड़ी हानि करेंगे।

पर अहीकाम यिर्मयाह का सहारा करने लगा और वह लोगों के वश में मार डालने के लिये दिया न गया।

यिर्मयाह राजाओं को ईश्वर का वचन कहता।

(यिर्म: २७)

यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज्य के आरम्भ में यहोवा की ओर से यह वचन यिर्मयाह के पास पहुंचा कि, बन्धन और जूए बनवाकर अपनी गर्दन पर रख। तब उन्हें एदोम और मोआब और अम्मोन और सोर और सीदोन के राजाओं के पास उन दूतों के हाथ भेजना जो यहूदा के राजा सिदकिय्याह के पास यरूशलेम में आये हैं। और उन को उन के स्वामियों के लिये यह कहकर आज्ञा देना कि इस्राएल का परमेश्वर सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि अपने अपने स्वामी से यों कहो कि,

पृथिवी को और मनुष्यों और पशुओं को अपनी बड़ी शक्ति और बढ़ाई हुई भुजा से मैं ने बनाया और जिस किसी को मैं चाहता हूं उसी को मैं उन्हें दिया करता हूं। सो अब मैं ने ये सब देश बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर को आप दे दिये हैं। और ये सब जातियां उस के और उस के पीछे उस के बेटे और पोते के अधीन तब लों रहेंगी जब लों उस के भी देश का दिन न आ ले। सो जो जाति वा राज्य बाबेल के राजा के अधीन न हो उस जाति को मैं दण्ड तब लों देता रहूंगा जब लों उस को उस के हाथ के द्वारा न मिटा दूं। सो तुम लोग अपने नबियों और भावी कहनेहारों और स्वप्न देखनेहारों और टोनहों और तांत्रिकों की ओर चित्त मत लगाओ जो तुम से कहते हैं कि तुम को बाबेल के राजा के अधीन होना न पड़ेगा। क्योंकि वे तुम से झूठी नबूवत करते हैं जिस से तुम अपने अपने देश से दूर हो जाओ और मैं आप तुम को दूर करके नाश कर दूं। पर जो जाति बाबेल के राजा का जूआ अपनी गर्दन पर लेकर उस के अधीन रहे। उसको मैं उसी के देश में रहने दूंगा और वह उस में खेती करती हुई बसी रहेगी।

बाबेल के राजा का जूआ।

(यिर्म: २८)

फिर उसी बरस अज्जूर का पुत्र हनन्याह नबी था उस ने मुझ से यहोवा के भवन में याजकों और सब लोगों के साम्हने कहा, इस्राएल का परमेश्वर सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि मैं ने बाबेल के राजा के जूए को तोड़ डाला है। यहोवा के भवन के जितने पात्र बाबेल का राजा नबूकदनेस्सर इस स्थान से उठाकर बाबेल ले गया उन्हें मैं दो बरस के भीतर फिर इसी स्थान में ले आऊंगा। और यहूदा का राजा यहोयाकीम का पुत्र यकोन्याह और सब यहूदी बन्धुए जो बाबेल को गये हैं उन को भी मैं इस स्थान में फेर ले आऊंगा क्योंकि मैं ने बाबेल के राजा में जूए को तोड़ दिया है यहोवा की यही वाणी है।

यिर्मयाह नबी ने हनन्याह नबी से याजकों और सब लोगों के साम्हने कहा, आमेन यहोवा ऐसा ही करे जो बातें तू ने नबूवत करके कही हैं कि यहोवा के भवन के पात्र और सब बन्धुए बाबेल से इस स्थान में फिर आएंगे उन्हें यहोवा पूरा करे। तौभी मेरा यह बचन सुन जो मैं तुझे और सब लोगों को कह सुनाता हूं। जो नबी प्राचीन काल से मेरे और तेरे पहिले होते आये थे उन्हों ने तो बहुत से देशों और बड़े बड़े राज्यों के विरुद्ध युद्ध और विपत्ति और मरी के विषय में नबूवत किई थी। जो नबी कुशल के विषय में नबूवत करे जब उस का बचन पूरा हो तब ही उस नबी के विषय निश्चय हो जाएगा कि यह सचमुच यहोवा का भेजा हुआ है।

तब हनन्याह नबी के उस जूए को जो यिर्मयाह नबी की गर्दन पर था उतारके तोड़ दिया। और कहा यहोवा यों कहता है कि इसी प्रकार से मैं पूरे दो बरस के भीतर बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के जूए को सब जातियों की गर्दन पर से उतारके तोड़ दूंगा।

सो यिर्मयाह नबी ने कहा हे हनन्याह सुन यहोवा ने तुझे नहीं भेजा तू ने इन लोगों को झूठ पर भरोसा दिया है। इस लिये यहोवा तुझ से यों

कहता है कि सुन मैं तुझ को पृथिवी के ऊपर से उठा दूंगा इसी बरस में तू मरेगा क्योंकि तू ने यहोवा की ओर से फिरने की बातें कही हैं। इस बचन के अनुसार हनन्याह उसी बरस में मर गया।

यहोवा का बचन उन के लिये जो बंधुए थे।

(यिर्म: २९, ३०, ३१)

यिर्मयाह नबी ने इस आशय की पत्री उन पुरनियों और नबियों और साधारण लोगों के पास भेजी थी जो नबूकदनेस्सर यरूशलेम से बाबेल को ले गया था।

जितने लोगों को मैं ने यरूशलेम से बंधुआ कराकर बाबेल में पहुंचवा दिया उन सभों से यहोवा यों कहता है कि,

घर बनाकर उन में बस जाओ और बारियां लगाकर उन के फल खाओ। और उस नगर के कुशल का यत्न किया करो। यहोवा तुम से यों कहता है कि तुम्हारे नबी और भावी कहनेहारे तुम को बहकाने न पाएं और जो स्वप्न वे तुम्हारे निमित्त देखते हैं उन की ओर कान मत धरो। क्योंकि बाबेल के सत्तर बरस पूरे होने पर मैं तुम्हारी सुधि लूंगा और अपना यह मनभावना बचन कि मैं तुम्हें इस स्थान में फेर ले आऊंगा पूरा करूंगा। उस समय तुम मुझ को पुकारोगे और आकर मुझ से प्रार्थना करोगे और मैं तुम्हारी सुनूंगा। और तुम मुझे ढूंढ़ोगे और पाओगे भी क्योंकि तुम अपने सारे मन से मेरे पास आओगे। और मैं तुम को मिलूंगा और बन्धुआई से लौटा ले आऊंगा और तुम को उन सब जातियों और स्थानों में से जिन में मैं ने तुम को बरबस कर दिया है एकट्ठा करके इस स्थान में फेर ले आऊंगा जहां से मैं ने तुम्हें बन्धुआ कराके निकाल दिया है। मैं तेरा इलाज करके तेरे घावों को चंगा करूंगा तेरा नाम धकियाई हुई पड़ा है और लोग कहते हैं कि वह तो सिय्योन है उस की चिन्ता कौन करे।

यहोवा कहता है कि मैं याकूब के तंबू बन्धुआई से लौटाता हूं और उस के घरों पर दया करूंगा और वहां से धन्य कहने और आनन्द करने का शब्द सुन पड़ेगा और मैं उन का विभव बढ़ाऊंगा। तुम मेरी प्रजा ठहरोगे और मैं तुम्हारा परमेश्वर ठहरूंगा।

सुन यहोवा की यह वाणी है कि ऐसे दिन आते हैं जिन में मैं इस्राएल और यहूदा के घरानों के लड़केवाले और पशु दोनों को बहुत बढ़ाऊंगा। और जिस प्रकार से मैं सोच सोचकर उन को नाश करता और काट डालता और सत्यानाश ही करता था उसी प्रकार से मैं अब सोच सोचकर उन को रोपूंगा और बढ़ाऊंगा यहोवा की यही वाणी है। उन दिनों वे फिर न कहेंगे कि जंगली दाख खाई तो पुरखा लोगों ने पर दांत खट्टे हो गये हैं उन के वंश के। क्योंकि जो कोई जंगली दाख खाए उसी के दांत खट्टे हो जाएंगे हर एक मनुष्य अपने ही अपने अधर्म्म के कारण मारा जाएगा। सुन ऐसे दिन आते हैं कि मैं इस्राएल से नई वाचा बांधूंगा। मैं अपनी व्यवस्था उन के मन में समवाऊंगा और उन के हृदय पर लिखूंगा। और तब से उन्हें फिर एक दूसरे से यह कहना न पड़ेगा कि यहोवा का ज्ञान सीखो क्योंकि यहोवा की यह वाणी है कि छोटे से लेकर बड़े लों वे सब के सब मेरा ज्ञान रक्खेंगे क्योंकि मैं उन का अधर्म्म क्षमा करूंगा और उन का पाप फिर स्मरण न करूंगा।

जिस ने दिन को प्रकाश देने के लिये सूर्य्य के और रात को प्रकाश देने के लिये चन्द्रमा और तारागण के नियम ठहराये और समुद्र को उछालता और उस की लहरों को गरजाता है और जिस का नाम सेनाओं का यहोवा है सोही यहोवा यों कहता है।

नबूकदनेस्सर की सेना ।

(यिर्म: ३२, ३३)

यहूदा के राजा सिदकिय्याह के राज्य के दसवें बरस में जो नबूकदनेस्सर के राज्य का अठारहवां बरस था बाबेल के राजा की सेना ने यरूशलेम को घेर लिया था और यिर्मयाह नबी यहूदा के राजा के भवन में कैद किया गया था। क्योंकि सिदकिय्याह ने यह कहकर उसे कैद किया कि तू ऐसी नबूवत क्यों करता है कि सुनो सिदकिय्याह बाबेल के राजा के वश में अवश्य ही पड़ेगा।

और यिर्मयाह ने कहा यहोवा का वचन मेरे पास पहुंचा।

जिस समय यिर्मयाह पहरे के आंगन में बन्द ही रहा यहोवा का वचन दूसरी बार उस के पास पहुंचा कि, मुझ से प्रार्थना कर और मैं तेरी सुन कर तुझे बड़ी बड़ी और कठिन बातें बताऊंगा जिन्हें तू अब नहीं समझता।

सुन मैं यहूदा और इस्राएल के बन्धुओं को लौटा ले आऊंगा और उन्हों ने जितने अधर्म्म और पाप और अपराध के काम मेरे विरुद्ध किये हैं उन सब को मैं क्षमा करूंगा। क्योंकि वे वह सारी भलाई सुनेंगे जो मैं उन की करूंगा और उस सारे कल्याण और सारी शान्ति की चर्चा सुनकर जो मैं उन से करूंगा डरेंगे और थरथराएंगे वह पृथिवी की उन जातियों के लेखे में मेरे लिये हर्षानेवाला और स्तुति और शोभा का कारण हो जाएगा।

यहोवा यों कहता है कि यरूशलेम की सड़कों में हर्ष और आनन्द का शब्द दुल्हे दुल्हिन का शब्द और इस बात के कहनेहारों का शब्द फिर सुन पड़ेगा कि सेनाओं के यहोवा का धन्यवाद करो क्योंकि यहोवा भला है और उस की करुणा सदा की है। क्योंकि मैं इस देश की दशा पहिले की नाईं ज्यों की त्यों कर दूंगा। यह स्थान जो ऐसा उजाड़ है कि इस में न तो मनुष्य रह गया है और न पशु इसी में भेड़ बकरियां बैठानेहारे चरवाहे फिर रहेंगे। क्या पहाड़ी देश के क्या नीचे के देश के क्या दक्खिन देश के नगरों में क्या बिन्यामीन देश में क्या यरूशलेम के आस पास निदान यहूदा देश के सब नगरों में भेड़ बकरियां फिर गिन गिनकर चराई जाएंगी यहोवा का यही वचन है।

सुन ऐसे दिन आते हैं और उस समय में मैं दाऊद के वंश में धर्म्म का एक पल्लव उगाऊंगा और वह इस देश में न्याय और धर्म्म के काम करेगा। आकाश की सेना की गिनती और समुद्र की बालू के किनकों का परिमाण नहीं हो सकता इसी प्रकार मैं अपने दास दाऊद के वंश को बढ़ाकर अनगिनित कर दूंगा।

राजा और एक पुस्तक ।

(यिर्म: ३६)

फिर यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज्य के चौथे बरस में यहोवा की ओर से यह वचन यिर्मयाह के पास पहुंचा कि,

एक पुस्तक लेकर जितने वचन मैं ने तुझ से कहे हैं सब को उस में लिख। क्या जानिये यहूदा का घराना उस सारी विपत्ति का समाचार सुनकर जो मैं उन पर डालने की कल्पना करता हूं अपनी बुरी चाल से फिरे और मैं उन के अधर्म्म और पाप को क्षमा करूं।

सो यिर्मयाह ने नेरिय्याह के पुत्र बारूक को बुलाया और बारूक ने यहोवा के सब वचन जो उस ने यिर्मयाह से कहे थे उस के मुख से सुनकर पुस्तक में लिख दिये। फिर यिर्मयाह ने बारूक से कहा मैं तो रुका हुआ हूं मैं यहोवा के भवन में नहीं जा सकता। सो तू उपवास के दिन यहोवा के भवन में जाकर उस के वचन पुस्तक में से लोगों को पढ़कर सुनाना क्या जानिये वे यहोवा से गिड़गिड़ाकर प्रार्थना करें और अपनी अपनी बुरी चाल से फिरें क्योंकि जो कोप और जलजलाहट यहोवा ने अपनी इस प्रजा पर भड़काने को कहा है सो बड़ी है।

यिर्मयाह नबी की इस आज्ञा के अनुसार करके बारूक ने यहोवा के भवन में उस के वचन पुस्तक में से पढ़ सुनाये।

तब मीकायाह यहोवा के सारे बचन पुस्तक में से सुनकर, राजभवन के प्रधान की कोठरी में उतर गया और क्या देखा कि यहां सब हाकिम बैठे हुए हैं। और मीकायाह ने जितने बचन उस समय सुने थे सब वर्णन किये। उन्हें सुनकर सब हाकिमों ने बारूक के पास भेजा कि जिस पुस्तक में से तू ने सब लोगों को पढ़ सुनाया सो लेता आ सो बारूक वह पुस्तक हाथ में लिये हुए उन के पास आया। तब उन्हों ने उस से कहा बैठ और हमें पढ़कर सुना सो बारूक ने पढ़कर उन को सुना दिया।

और जब वे उन सब बचनों को सुन चुके तब थरथराते हुए एक दूसरे को देखने लगे और बारूक से कहा निश्चय हम राजा से इन सब बचनों का वर्णन करेंगे। तब हाकिमों ने बारूक से कहा जा तू और यिर्मयाह दोनों छिप जाओ और कोई न जाने कि तुम कहां हो। तब वे पुस्तक को एलीशामा प्रधान की कोठरी में रखकर राजा के पास आंगन में आये और राजा को वे सब बचन कह सुनाये। तब राजा ने यहूदी को पुस्तक ले आने के लिये भेजा सो उस ने उसे प्रधान की कोठरी में से लेकर राजा को और जो हाकिम राजा के आस पास खड़े थे उन को भी पढ़कर सुना दिया।

और राजा शीतकाल के भवन में बैठा हुआ था क्योंकि नौवां महीना था और अंगेठी जल रही थी। सो जब यहूदी तीन चार कोठे पढ़ चुका तब उस ने उसे चक्कू से काटा और आग में फेंक दिया सो सारी पुस्तक जलकर भस्म हो गई।

यहोवा का यह बचन यिर्मयाह के पास पहुंचा कि, फिर एक और पुस्तक लेकर उस में यहूदा के राजा की जलाई हुई पहिली पुस्तक के सारे बचन लिख दे। और यहोयाकीम के विषय कह कि यहोवा यहूदा के राजा यहोयाकीम के विषय यों कहता है कि उस का कोई दाऊद की गद्दी पर विराजमान न रहेगा और उस की लोथ ऐसी फेंक दिई जाएगी कि दिन को घाम में और रात को पाले में पड़ी रहेगी। और मैं उस को और उस के वंश और कर्म्मचारियों को अधर्म्म का दण्ड दूंगा और जितनी विपत्ति मैं ने उन पर और यरूशलेम के निवासियों और यहूदा के सब लोगों पर डालने को कहा है पर उन्हों ने सच नहीं माना उन सब को मैं उन पर डालूंगा।

सो यिर्मयाह ने दूसरी पुस्तक लेकर बारूक लेखक को दिई और जो पुस्तक यहोयाकीम ने आग में जला दिई थी उस में के सब बचनों को बारूक ने यिर्मयाह के मुख से सुन सुनकर उस में लिख दिया और उन बचनों में उन के समान और भी बहुत से बढ़ाये गये।

यिर्मयाह बन्दीगृह में डाला जाता।

(यिर्म: ३७, ३८)

और सिदकिय्याह यहूदा देश में राज्य करने लगा और न तो उस ने और न उस के कर्म्मचारियों ने न साधारण लोगों ने यहोवा के बचनों को मान लिया। राजा ने यिर्मयाह नबी के पास यह कहने के लिये भेजा कि हमारे निमित्त हमारे परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर। उस समय यिर्मयाह बन्दीगृह में डाला न गया था सो लोगों के बीच वह आया जाया करता था। और फिरौन की सेना मिस्र से निकली थी सो जो कसदी यरूशलेम को घेरे हुए थे वे उस का समाचार सुनकर उठ गये।

तब यहोवा का यह बचन यिर्मयाह नबी के पास पहुंचा कि, यहूदा के जिस राजा ने तुम को प्रार्थना कराने के लिये मेरे पास भेजा है उस से यों कहो कि सुन फिरौन की जो सेना तुम्हारी सहायता के लिये निकली है सो अपने देश मिस्र में लौट जाएगी। और कसदी फिर आकर इस नगर से लड़ेंगे और इसको ले लेंगे और फूंक देंगे।

तब यिर्मयाह यरूशलेम से निकलकर बिन्यामीन के देश की ओर इस लिये जा रहा था कि वहां से और लोगों के संग अपना अंश ले। यिरिय्याह नामक पहरुओं का एक सरदार ने यिर्मयाह नबी को यह कहकर पकड़ लिया कि तू कसदियों के पास भागा जाता है। यिर्मयाह ने कहा यह झूठ है मैं

कसदियों के पास भागा नहीं जाता पर यिरिय्याह ने उस की न मानी सो वह उस को पकड़कर हाकिमों के पास ले गया। तब हाकिमों ने यिर्मयाह से क्रोधित होकर उसे पिटवाया और योनातान प्रधान का घर जो बन्दीगृह था उस में डलवा दिया क्योंकि उन्हों ने उसी को साधारण बन्दीगृह किया था।

जब यिर्मयाह उस तलघर में आकर वहां रहने लगा उस के बहुत दिन पीछे राजा ने उस को बुलवा भेजा और अपने भवन में छिपकर यह प्रश्न किया कि क्या यहोवा की ओर से कोई बचन पहुंचा है यिर्मयाह ने कहा हां पहुंचा तो है वह यह है कि तू बाबेल के राजा के वश में कर दिया जाएगा। फिर यिर्मयाह ने सिदकिय्याह राजा से कहा मैं ने तेरा और तेरे कर्मचारियों का और तेरी प्रजा का क्या अपराध किया है कि तुम लोगों ने मुझ को बन्दीगृह में डलवाया है। और तुम्हारे जो नबी तुम से नबूवत करके कहा करते थे कि बाबेल का राजा तुम पर और इस देश पर चढ़ाई न करेगा सो अब कहां रहे। अब मेरी प्रार्थना तुझ से ग्रहण किई जाए कि मुझे योनातान प्रधान के घर में फिर न भेज नहीं तो वहां मर जाऊंगा। सो राजा की आज्ञा से यिर्मयाह पहरे के आंगन में रक्खा गया और उस को रोटी-वालों के हाट में से दिन दिन एक रोटी दिई जाती थी।

सो यिर्मयाह पहरे के आंगन में रहने लगा।

फिर जो बचन यिर्मयाह सब लोगों से कहता था उन को मत्तान का पुत्र शपन्याह और पशहूर का पुत्र गदल्याह और शेलेम्याह का पुत्र यूकल और मल्कियाह का पुत्र पशहूर ने सुना कि, जो कोई इस नगर में रहे सो तलवार महंगी और मरी से मरेगा पर जो कोई कसदियों के पास निकल भागे सो अपना प्राण बचाकर जीता रहेगा। सो उन हाकिमों ने राजा से कहा कि उस पुरुष को मरवा डाल क्योंकि वह जो इस नगर में रहे हुए योद्धाओं और और सब लोगों से ऐसे ऐसे बचन कहता है इस से उन के हाथ पांव ढीले हो जाते हैं। सिदकिय्याह राजा ने कहा सुनो वह तो तुम्हारे वश में है क्योंकि राजा ऐसा नहीं होता कि तुम्हारे विरुद्ध कुछ कर सके।

तब उन्हों ने यिर्मयाह को लेकर उस गड़हे में जो पहरे के आंगन में था रस्सियों से उतारके डाल दिया और उस गड़हे में दलदल था सो यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया।

राजा छिपकर यिर्मयाह के पास आता।

(यिर्म: ३८:७)

जब एबेदमेलेक कूशी ने सुना कि उन्हों ने यिर्मयाह को गड़हे में डाल दिया, तब एबेदमेलेक निकलकर राजा से कहने लगा कि, हे मेरे स्वामी हे राजा उन लोगों ने यिर्मयाह नबी से जो कुछ किया है सो बुरा किया है उन्हों ने उस को गड़हे में डाल दिया नगर में कुछ रोटी नहीं रही सो जहां वह है वहां वह भूख से मर जाएगा। तब राजा ने कूशी को यह आज्ञा दिई कि यहां से तीस पुरुष साथ लेकर नबी को मर जाने से पहिले गड़हे में से निकाल। सो एबेदमेलेक उतने पुरुषों को साथ लेकर राजभवन में के भण्डार के तलघर में गया और वहां से पुराने फटे हुए कपड़े और पुराने सड़े चिथड़े लेकर उस गड़हे में रस्सियों से उतार दिये। और कूशी ने यिर्मयाह से कहा ये पुराने फटे कपड़े और सड़े चिथड़े अपनी कांखों में रस्सियों के नीचे रख ले सो यिर्मयाह ने वैसा ही किया।

तब उन्हों ने यिर्मयाह को रस्सियों से खींचकर गड़हे में से निकाला और यिर्मयाह पहरे के आंगन में रहने लगा।

राजा ने यिर्मयाह नबी को अपने पास यहोवा के भवन के तीसरे द्वार में बुलवा भेजा और कहा मैं तुझ से एक बात पूछता हूं सो मुझ से कुछ न छिपा। यिर्मयाह ने सिदकिय्याह से कहा यदि मैं तुझे बताऊं तो क्या तू मुझे मरवा न डालेगा और चाहे मैं तुझे सम्मति दूं तौभी तू मेरी न मानेगा। तब राजा ने छिपकर यिर्मयाह से किरिया खाई कि यहोवा के जीवन की सोंह मैं न तो तुझे मरवा डालूंगा और न उन मनुष्यों के वश में जो तेरे प्राण

के आजी हैं कर दूंगा। सो यिर्मयाह ने कहा यहोवा यों कहता है कि यदि तू बाबेल के राजा के हाकिमों के पास सचमुच निकल जाए तब तो तेरा प्राण बचेगा और यह नगर फूंका न जाएगा। पर यदि तू बाबेल के राजा के हाकिमों के पास न निकल जाए तो यह नगर कसदियों के बश में कर दिया जाएगा और वे इसे फूंक देंगे और तू बच न निकलेगा। जो कुछ मैं तुझ से कहता हूं उसे यहोवा की बात समझ कर सुन ले तब तेरा भला होगा और तेरा प्राण बचेगा। सिदकिय्याह ने कहा इन बातों को कोई न जानने पाए और तू मारा न जाएगा।

इस प्रकार जिस दिन यरूशलेम ले लिया गया उस दिन लों वह पहरे के आंगन ही में रहा।

सिदकिय्याह आंखों से फिर नहीं देखता।

(यिर्म: ३९)

सिदकिय्याह के राज्य के नौवें बरस के दसवें महीने में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी सारी सेना समेत यरूशलेम पर चढ़ाई करके उसे घेर लिया। और सिदकिय्याह के राज्य के ग्यारहवें बरस के चौथे महीने के नौवें दिन को उस नगर की शहरपनाह तोड़ी गई। सो बाबेल के राजा के सब हाकिम आकर बीच के फाटक में बैठ गये।

जब सिदकिय्याह और सब योद्धाओं ने उन्हें देखा तब रात ही रात राजा की बारी के मार्ग से दोनों भीतों के बीच के फाटक से होकर नगर से निकल भागते हुए चले और कसदियों की सेना ने उन को खदेड़कर सिदकिय्याह को यरीहो के अराबा में जा लिया और उस को बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के पास ले गये और उस ने वहां उस के दण्ड की आज्ञा दिई। तब बाबेल के राजा ने सिदकिय्याह के पुत्रों को उसी के साम्हने घात किया और सिदकिय्याह की आंखों को उसने फुड़वा डाला और उस को बाबेल ले जाने के लिये बेड़ियों से जकड़वा रक्खा। और राजभवन को और प्रजा के घरों को कसदियों ने आग लगाकर फूंक दिया और यरूशलेम की शहरपनाह को ढा दिया। तब जल्लादों का प्रधान नबूजरदान प्रजा के बचे हुओं को जो नगर में रह गये बन्धुआ करके बाबेल को ले गया। परन्तु प्रजा में से जो ऐसे कंगाल थे कि उन के पास कुछ न था उन को जल्लादों का प्रधान यहूदा देश में छोड़ गया और जाते समय उन को दाख की बारियां और खेत दिये।

यिर्मयाह की हथकड़ियें काटी जाती हैं

(यिर्म: ३९ : ११)

और नबूकदनेस्सर ने जल्लादों के प्रधान को यिर्मयाह के विषय में यह आज्ञा दिई थी कि, उस को लेकर उस पर कृपादृष्टि बनाये रखना और उस की कुछ हानि न करना जैसा वह तुझ से कहे वैसा ही उस से व्यवहार करना। सो जल्लादों के प्रधान और बाबेल के राजा के सब प्रधानों ने, लोगों को भेजकर यिर्मयाह को पहरे के आंगन में से बुलवा लिया और जल्लादों के प्रधान ने कहा अब मैं तेरी इन हथकड़ियों को काटे देता हूं और यदि मेरे संग बाबेल में जाना तुझे अच्छा लगे तो चल वहां मैं तुझ पर कृपादृष्टि रक्खूंगा और यदि मेरे संग बाबेल जाना तुझे न भाए तो रह जा देख सारा देश तेरे साम्हने पड़ा है जिधर जाना तुझे अच्छा और ठीक जचे उधर ही जा। गदल्याह जिस को बाबेल के राजा ने यहूदा के नगरों पर अधिकारी ठहराया है उस के पास लौट जा और उस के संग लोगों के बीच रह वा जहां कहीं तुझे जाना ठीक जान पड़े वहीं जा। सो जल्लादों के प्रधान ने उस को सीधा और कुछ द्रव्य भी देकर बिदा किया।

तब यिर्मयाह गदल्याह के पास गया और वहां उन लोगों के बीच जो देश में रह गये थे रहने लगा।

बाबेल का नाश होना ।

(यिर्म: ५०, ५१)

बाबेल के विषय यहोवा ने यिर्मयाह नबी के द्वारा यह बचन कहा कि, यहोवा यों कहता है कि मैं बाबेल के विरुद्ध एक नाश करनेहारी वायु चलाऊंगा । धनुर्धारी के बिरुद्ध धनुर्धारी धनुष चढ़ाए और उस के जवानों से कुछ कोमलता न करना । क्योंकि इस्राएल के परमेश्वर सेनाओं के यहोवा ने उन को त्याग नहीं दिया ।

बाबेल के बीच से भागो और अपना अपना प्राण बचाओ क्योंकि यह यहोवा के पलटा लेने का समय है बाबेल अचानक ले लिई और नाश किई गई क्योंकि उस पर किया हुआ न्याय स्वर्ग लों भी पहुंच गया है । बाबेल की शहरपनाह के विरुद्ध झण्डा खड़ा करो बहुत पहरुए बैठाओ घात लगानेहारों को बैठाओ क्योंकि यहोवा ने जो कुछ कहा था सो अब करने को ठाना और किया भी है ।

हे बहुत जलाशयों के बीच बसी हुई और बहुत भण्डार रखनेहारी तेरा अन्त आया तेरे लोभ की सीमा पहुंच गई है । सेनाओं के यहोवा ने किरिया खाई है कि निश्चय मैं तुझ को टिड्डियों के समान अनगिनित मनुष्यों से भर दूंगा और वे तेरे विरुद्ध ललकारेंगे । उस ने पृथिवी को अपने सामर्थ्य से बनाया और जगत को अपनी बुद्धि से स्थिर किया और आकाश को अपनी प्रवीणता से तान दिया है । जब वह बोलता है तब आकाश में जल का बड़ा शब्द होता है वह पृथिवी की छोर से कुहरे उठाता और वर्षा के लिये बिजली बनाता और अपने भण्डार में से पवन निकाल ले आता है । सब मनुष्य पशु सरीखे ज्ञानरहित हैं सब सोनारों को अपनी खोदी हुई मूरतों के कारण लज्जित होना पड़ेगा क्योंकि उनकी ढाली हुई मूरतें धोखा देनेहारी हैं और उन के कुछ भी सांस नहीं चलती । वे तो व्यर्थ और ठट्ठे ही के योग्य हैं वे नाश ही होंगी । पर जो याकूब का निज अंश है वह उन के समान नहीं और इस्राएल उस का निज भाग है ।

तू मेरा फरसा और युद्ध के हथियार ठहरा है सो तेरे द्वारा मैं जाति जाति को तित्तर बित्तर करूंगा और तेरे ही द्वारा राज्य राज्य को नाश करूंगा । और तेरे ही द्वारा मैं सवार समेत घोड़ों को टुकड़े टुकड़े करूंगा और रथी समेत रथ को भी । और मैं भेड़ बकरियों समेत चरवाहे को टुकड़े टुकड़े करूंगा और किसान और उस के जोड़े बैलों को भी और अधिपतियों और हाकिमों को मैं तेरे ही द्वारा टुकड़े टुकड़े करूंगा ।

और लोग तुझ से न तो घर के कोने के लिये पत्थर ले लेंगे और न नेव के लिये क्योंकि तू सदा उजाड़ रहेगा । यहोवा का यह विचार है कि वह बाबेल के देश को ऐसा उजाड़ करेगा कि उस में कोई भी न रह जाएगा सो अब पूरा होने पर है इस लिये पृथिवी कांपती और दुःखित होती है । उस के नगर उजड़ गये और उस का देश निर्जन और निर्जल हो गया है उस में कोई मनुष्य नहीं रहता और उस से होकर कोई आदमी नहीं चलता । हे मेरी प्रजा उसके बीच से निकल आ और अपने अपने प्राण को यहोवा के भड़के हुए कोप से बचाओ ।

इन सब बातों को जो बाबेल पर पड़नेवाली हैं यिर्मयाह ने पुस्तक में लिख दिया, और यिर्मयाह ने सरायाह से कहा जब तू बाबेल में पहुंचे और जब तू इस पुस्तक को पढ़ चुके तब इसे एक पत्थर के संग बांधकर परात महानद के बीच में फेंक देना । और यह कहना कि यों ही बाबेल डूब जाएगा और मैं उस पर ऐसी विपत्ति ढालूंगा कि वह फिर कभी न उठेगा ।

यहेजकेल।

कबार के तीर पर बन्धुओं में से एक बन्धुआ।

(यहेज: १, २, ३)

मैं बन्धुओं के बीच कबार नदी के तीर था तब स्वर्ग खुल गया और मैं ने परमेश्वर के दर्शन पाये।

उस ने मुझ से कहा हे मनुष्य के सन्तान अपने पांवों के बल खड़ा हो तब मैं तुझ से बातें करूंगा।

सो उस ने मुझ से कहा हे मनुष्य के सन्तान मैं तुझे इस्राएलियों के पास भेजता हूं जिन्हों ने मेरे विरुद्ध बलवा किया है फिर इस पीढ़ी के लोग निर्लज्ज और हठीले हैं और तू उन से कहना कि प्रभु यहोवा यों कहता है। इस से वे जो बलवा करनेहारे घराने के हैं सो चाहे सुनें चाहे न सुनें तौभी इतना तो जान लेंगे कि हमारे बीच एक नबी प्रगट हुआ है। और उन से न डरना चाहे तुझे कांटों और ऊंटकटारों और बिच्छुओं के बीच भी रहना पड़े तौभी उन के बचनों से न डरना। न तो उन के बचनों से डरना और न उन के मुख देखकर तेरा मन कच्चा हो। सो चाहे वे सुनें चाहे न सुनें तौभी तू मेरे बचन उन से कहना।

तब मैं ने दृष्टि किई तो क्या देखा कि मेरी ओर एक हाथ बढ़ा हुआ है और उस में एक पुस्तक है। उस को उस ने मेरे साम्हने खोलकर फैलाया और वह दोनों ओर लिखी हुई थी और जो उस में लिखा था सो विलाप और शोक और दुःख भरे बचन थे।

सो आत्मा मुझे उठाकर ले गया और मैं कठिन दुःख से भरा और मन में जलता हुआ चला गया और यहोवा की शक्ति मुझ में प्रबल थी।

सो मैं उन बन्धुओं के पास आया जो कबार नदी के तीर पर जहां वे रहते थे वहीं मैं आया और वहां सात दिन लों उन के बीच विस्मित हो बैठा रहा।

यहेजकेल का यहोवा का तेज देखना।

(यहेज: ३ : २३, ६, ७)

तब मैं उठकर मैदान में गया और वहां क्या देखा कि यहोवा का तेज जैसा मुझे कबार नदी के तीर पर वैसा ही यहां भी देख पड़ता है और मैं मुंह के बल गिरा। तब आत्मा ने मुझ में समाकर मुझे पांवों के बल खड़ा कर दिया फिर वह मुझ से कहने लगा हे मनुष्य के सन्तान अपना मुख इस्राएल के पहाड़ों की ओर करके उन के विरुद्ध नबूवत कर।

और कह कि हे इस्राएल के पहाड़ो प्रभु यहोवा का बचन सुनो।

प्रभु यहोवा पहाड़ों और पहाड़ियों से और नालों और तराइयों से यों कहता है कि सुनो मैं तुम पर तलवार चलवाऊंगा और पूजा के तुम्हारे ऊंचे स्थानों को नाश करूंगा। और तुम्हारी वेदियां उजड़ेंगी और तुम्हारी सूर्य्य की प्रतिमाएं तोड़ी जाएंगी तुम पर के जितने बसे बसाये नगर हैं सो सब उजड़ जाएंगे और पूजा के ऊंचे स्थान उजाड़ हो जाएंगे और तुम्हारे बीच मारे हुए गिरेंगे और तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूं।

तौभी मैं कितनों को बचा रक्खूंगा सो जब तुम देश देश में तित्तर बित्तर होगे तब अन्यजातियों के बीच तलवार से बचे हुए तुम्हारे कुछ लोग पाये जायंगे। और तुम्हारे वे बचे हुए लोग उन जातियों के बीच जिन में वे बंधुए होकर जाएंगे मुझे स्मरण करेंगे और वह भी कि हमारा हृदय यहोवा से कैसे

हट गया है और हमारी आंखें मूरतों पर कैसे लगी हैं जिस से यहोवा का मन कैसा टूटा है। इस रीति वे उन बुराइयों के कारण जो उन्हों ने अपने सारे घिनौने काम करके किई हैं अपने लेखे में घिनौने ठहरेंगे।

प्रभु यहोवा यों कहता है कि सब का अन्त आया है वह तेरे विरुद्ध जागा है देखो वह आया चाहता है। हे देश के निवासी समय आ गया दिन नियरा गया मैं तेरी चालचलन के अनुसार तुझे दण्ड दूंगा और मेरी दयादृष्टि तुझ पर न होगी न मैं तुझ से कोमलता करूंगा। वरन तुझे तेरी चाल-चलन का फल भुगताऊंगा। तब तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूं। समय आ गया दिन नियरा गया न तो मोल लेनेहारा आनन्द और न बेचनेहारा शोक करे। उन्हों ने नरसिंगा फूंका और सब कुछ तैयार कर दिया पर युद्ध में कोई नहीं जाता। बाहर तो तलवार और भीतर महंगी और मरी हैं। सब के हाथ ढीले और सब के घुटने अति निर्बल हो जाएंगे।

सत्यानाश होने पर है उन्हें ढूंढ़ने पर भी शान्ति न मिलेगी। विपत्ति पर विपत्ति आएगी और चर्चा के पीछे चर्चा सुनाई पड़ेगी और लोग नबी से दर्शन की बात पूछेंगे पर याजक के पास से व्यवस्था और पुरनिये के पास से सम्मति देने की शक्ति जाती रहेगी। राजा तो शोक करेगा और रईस उदासी-रूपी वस्त्र पहिनेंगे और देश के लोगों के हाथ ढीले पड़ेंगे मैं उन के चलन के अनुसार उन से बर्ताव करूंगा और उन की कमाई के समान उन को दण्ड दूंगा तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं।

यहोवा अपने लोगों को बचाएगा।

(यहेज: ३३:२१, ३४, ३७)

फिर हमारी बन्धुआई के ग्यारहवें बरस को एक जन जो यरूशलेम से भागकर बच गया था सो मेरे पास आकर कहने लगा नगर ले लिया गया। तब यहोवा का यह बचन मेरे पास पहुंचा कि, हे मनुष्य के सन्तान उन से यह कह कि प्रभु यहोवा यों कहता है कि मेरे जीवन की सोंह निःसंदेह जो लोग खण्डहरों में रहते हैं सो तलवार से गिरेंगे और जो खुले मैदान में रहता है उसे मैं जीवजन्तुओं का आहार कर दूंगा और जो गढ़ों और गुफाओं में रहते हैं सो मरी से मरेंगे। और मैं उस देश को उजाड़ ही उजाड़ कर दूंगा और उस का अपने बल का घमण्ड जाता रहेगा और इस्राएल के पहाड़ ऐसे उजड़ेंगे कि उन पर होकर कोई न चलेगा।

और हे मनुष्य के संतान तेरे लोग भीतों के पास और घरों के द्वारों में तेरे विषय बातें करते और एक दूसरे से कहते हैं कि आओ सुनो तो यहोवा की ओर से कौन सा बचन निकलता है। वे प्रजा की नाईं तेरे पास आते और मेरी प्रजा बनकर तेरे साम्हने बैठकर तेरे बचन सुनते हैं पर वह उन पर चलते नहीं मुंह से तो वे बहुत प्रेम दिखाते हैं पर उन का मन लालच ही में लगा रहता है। और तू उन के लेखे मीठे गानेहारे और अच्छे बजानेहारे का प्रेमवाला गीत सा ठहरा है वे तेरे बचन सुनते तो हैं पर उन पर चलते नहीं। पर जब यह बात घटेगी, वह घटनेवाली तो है, तब वे जान लेंगे कि हमारे बीच एक नबी आया था।

फिर यहोवा का यह बचन मेरे पास पहुंचा कि, हे मनुष्य के संतान इस्राएल के चरवाहों के विरुद्ध नबूवत करके उन चरवाहों से कह कि प्रभु यहोवा यों कहता है हाय इस्राएल के चरवाहों पर जो अपने अपने पेट भरते हैं क्या चरवाहों को भेड़ बकरियों का पेट न भरना चाहिये। तुम लोग चर्बी खाते ऊन पहिनते और मोटे मोटे पशुओं को काटते हो और भेड़ बकरियों को तुम नहीं चराते। न तो तुम ने बीमारों को बलवान किया न रोगियों को चंगा किया न घायलों के घावों को बांधा न निकाली हुई को फेर लाये न खोई हुई को खोजा।

मेरी भेड़ बकरियां सारे पहाड़ों और ऊंचे ऊंचे टीलों पर भटकती थीं मेरी भेड़ बकरियां सारी पृथिवी के ऊपर तित्तर बित्तर हुईं और उन की न तो कोई सुधि लेता था न कोई उन को ढूंढ़ता

था। इस कारण हे चरवाहो सुनो मैं आप ही अपनी भेड़ बकरियों की सुधि लूंगा और उन्हें ढूंढूंगा।

मैं उन्हें उन सब स्थानों से निकाल ले आऊंगा जहां जहां वे बादल और घोर अन्धकार के दिन तित्तर बित्तर हो गई हों। और मैं उन्हें देश देश के लोगों में से निकालूंगा और देश देश से एकट्ठा करूंगा और उन्हीं की निज भूमि पर ले आऊंगा और इस्राएल के पहाड़ों पर और नालों में और उस देश के सब बसे हुए स्थानों पर चराऊंगा।

मैं उन्हें अच्छी चराई में चराऊंगा और इस्राएल के ऊंचे ऊंचे पहाड़ों पर उन को भेड़शाला मिलेगी वहां वे अच्छी भेड़शाला में बैठा करेंगी मैं आप ही अपनी भेड़ बकरियों का चरवाहा हूंगा और मैं आपही उन्हें बैठाऊंगा मैं खोई हुई को ढूंढूंगा और निकाली हुई को फेर लाऊंगा और घायल के घाव बांधूंगा और बीमार को बलवान करूंगा।

तुम यहां तक मारते हो कि वे तित्तर बित्तर हो जाती हैं, इस कारण मैं अपनी भेड़ बकरियों को छुड़ाऊंगा और वे फिर न लुटेंगी। और मैं उन पर ऐसा एक चरवाहा ठहराऊंगा जो उन की चरवाही करेगा वह मेरा दास दाऊद होगा। वही उन का चरवाहा होगा। और मैं उन का परमेश्वर ठहरूंगा। मुझ यहोवा ही ने यह कहा है।

और मैं उन के साथ शांति की वाचा बांधूंगा सो वे जंगल में निडर रहेंगे और वन में सोएंगे। और मैं उन्हें और अपनी पहाड़ी के आस पास के के स्थानों को आशीष का कारण कर दूंगा और मेंह को ठीक समय में बरसाया करूंगा और आशीषों की वर्षा होगी। और मैदान के वृक्ष फलेंगे और भूमि अपनी उपज उपजाएगी और वे अपने देश में निडर रहेंगे। वे निडर रहेंगे और उन को कोई न डराएगा।

सुनो मैं इस्राएलियों को इकट्ठा करूंगा और उन के निज देश में पहुंचाऊंगा। और मैं उन को एक ही जाति कर दूंगा और उन सभों का एक ही राजा होगा और वे फिर दो न रहेंगे। और वे उस देश में रहेंगे जिसे मैं ने अपने दास याकूब को दिया था और जिस में तुम्हारे पुरखा रहते थे और वे और उन के बेटे पोते सदा लों उस में बसे रहेंगे और मेरा दास दाऊद सदा लों उन का प्रधान रहेगा।

और मैं उन के साथ शांति की वाचा बांधूंगा वह सदा की वाचा ठहरेगी और मैं उन्हें स्थान देकर गिनती में बढ़ाऊंगा और उन के बीच अपना पवित्रस्थान सदा बनाये रक्खूंगा। और मेरे निवास का तम्बू उन के ऊपर तना रहेगा और मैं उन का परमेश्वर हूंगा और वे मेरी प्रजा होंगे।

चलो हम यहोवा की ओर फिरें।

(होशे नबी के बचन में से)

चलो हम यहोवा की ओर फिरें क्योंकि उसी ने फाड़ा और वही चंगा भी करेगा उसी ने मारा और वही हमारे घावों पर पट्टी बांधेगा। वह हमारे ऊपर वर्षा की नाईं जिस से भूमि सिंचती आएगा।

हे यहूदा मैं तुझ से क्या करूं तुम्हारा स्नेह तो भोर के मेघ और सवेरे उड़ जानेवाली ओस के समान है। मैं तो बलिदान से नहीं कृपा ही से प्रसन्न होता हूं और होमबलियों से अधिक यह चाहता हूं कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रक्खें। पर उन लोगों ने आदम की नाईं वाचा को तोड़ दिया।

उन पर हाय क्योंकि वे मेरे पास से भटक गये पर इस्राएल ने भलाई को मन से उतार दिया है, शत्रु उस के पीछे पड़ेगा। वे राजाओं को ठहराते तो आये पर मेरी इच्छा से नहीं वे हाकिमों को भी ठहराते तो आये पर मेरे अनजाने उन्हों ने अपना सोना चान्दी लेकर मूरतें बना लिईं। वे तो वायु बोते हैं और बवन्डर लवेंगे उस के लिये कुछ खेत रहेगा नहीं उन की उगती से कुछ आटा न होगा और यदि हो तो परदेशी उस को खा डालेंगे।

एप्रैम जो है उस का विभव पक्षी की नाईं उड़ जाएगा चाहे वे अपने लड़केबालों को पोसकर बड़े

भी करें तौभी मैं उन्हें यहां लों निर्वंश करूंगा कि कोई न रह जाएगा। मेरा परमेश्वर उन को निकम्मा ठहराएगा क्योंकि उन्हों ने उस की नहीं सुनी वे अन्यजातियों के बीच मारे मारे फिरनेहारे होंगे।

जब इस्राएल लड़का था तब मैं ने उस से प्रेम किया और अपने पुत्र को मिस्र से बुला लाया। और मैं एप्रैम को पांव पांव चलाता था और उन को गोद में लिये फिरता था पर वे न जानते थे कि उस का चंगा करनेहारा मैं हूं। मैं उन को प्रेम की सी डोरी से खींचता था और अब वे लोग पाप पर पाप बढ़ाते जाते हैं और चांदी ढालकर ऐसी मूरतें बनाई हैं जो सब की सब कारीगरों ही से बनीं।

इस कारण वे भोर के मेघ और तड़के सूख जानेहारी ओस और आंधी के मारे उड़ानेहारे भूसी और धुंआरे से निकलने हुए धूएं के समान होंगे।

मिस्र देश ही से मैं यहोवा तेरा परमेश्वर हूं तू मुझे छोड़ किसी को परमेश्वर करके न जाने क्योंकि मेरे बिना तेरा कोई उद्धारकर्त्ता नहीं है।

हे इस्राएल तेरे विनाश का कारण यह है कि तू मुझ अपने सहायक के विरुद्ध है। अब तेरा राजा कहां रहा कि वह तेरे सब नगरों में तुझे बचाए। मैं ने कोप में आकर तेरे लिये राजा बनाया और फिर जलजलाहट में आकर उस को उठा भी दिया। हे इस्राएल अपने परमेश्वर यहोवा के पास फिर आ।

मैं इस्राएल के लिये ओस के समान हूंगा सो वह सोसन की नाईं फूले फलेगा और लबानोन को नाईं जड़ फैलाएगा। उस की सोर से फूटकर पौधे निकलेंगे और उस की शोभा जलपाई की सी और उस की सुगन्ध लबानोन की सी होगी। जो उस की छाया में बैठेंगे सो अन्न की नाईं बढ़ेंगे और दाखलता की नाईं फूलें फलेंगे।

जो बुद्धिमान हो वही इन बातों को समझेगा जो प्रवीण हो वही इन्हें बूझ सकेगा क्योंकि यहोवा के मार्ग सीधे हैं धर्मी तो उन में चलते रहेंगे पर अपराधी उन में ठोकर खाकर गिरेंगे।

यहोवा का दिन निकट है।

(योएल नबी के बचन में से)

हे पुरनियो सुनो हे इस देश के सब रहनेहारो कान लगाकर सुनो क्या ऐसी बात तुम्हारे दिनों में वा तुम्हारे पुरखाओं के दिनों में कभी हुई है। अपने लड़केवालों से इस का वर्णन करो और वे अपने लड़केबालों से और फिर उन के लड़केबाले आनेवाली पीढ़ी के लोगों से।

जो कुछ गाजाम नाम टिड्डी से बचा सो अर्बे नाम टिड्डी ने खा लिया और जो कुछ अर्बे नाम टिड्डी से बचा सो येलेक नाम टिड्डी ने खा लिया और जो कुछ येलेक नाम टिड्डी से बचा सो हासोल नाम टिड्डी ने खा लिया है।

जाग उठो और रोओ देखो मेरे देश पर एक जाति ने चढ़ाई किई है जो सामर्थी है और उस के लोग अनगिनित हैं उन के दांत सिंह के से हैं। उस ने मेरी दाखलता को उजाड़ दिया और मेरे अंजीर के वृक्ष को तोड़ डाला है और उस की सारी छाल छीलकर उसे गिरा दिया है और उस की डालियां छिलने से सफेद हो गई हैं। खेती मारी गई भूमि विलाप करती है नया दाखमधु सूख गया तेल भी सूख गया है। खेती मारी गई है। दाखलता सूख गई और अंजीर का वृक्ष कुम्हला गया है अनार ताड़ सेव बरन मैदान के सारे वृक्ष सूख गये हैं और मनुष्यों का हर्ष जाता रहा है।

उपवास का दिन ठहराओ महासभा का प्रचार करो पुरनियों को बरन देश के सब रहनेहारों को भी अपने परमेश्वर यहोवा के भवन में एकट्ठे करके उस की दोहाई दो। उस दिन के कारण हाय हाय यहोवा का दिन तो निकट है वह सर्वशक्तिमान की ओर से सत्यानाश का दिन होकर आएगा। क्या भोजन वस्तुएं हमारे देखते नाश नहीं हुईं क्या हमारे परमेश्वर के भवन का आनन्द और आहलाद जाता नहीं रहा। बीज ढेलों के नीचे झुलस गये

भण्डार सून पड़े हैं खत्ते गिर पड़े हैं क्योंकि खेती मारी गई। पशु कैसे कहराते हैं झुण्ड के झुण्ड गाय बैल विकल हैं क्योंकि उन के लिये चराई नहीं रही। हे यहोवा मैं तेरी दोहाई देता हूं क्योंकि जंगल की चराइयां आग का कौर हो गईं और मैदान के सब वृक्ष लौ से जल गये। बरन बनैले पशु भी तेरे लिये हांफते हैं क्योंकि जल के सोते सूख गये और जंगल की चराइयां आग का कौर हो गईं।

सिय्योन में नरसिंगा फूंको मेरे पवित्र पर्वत पर सांस बांधकर फूंको देश के सब रहनेहारे कांप उठें क्योंकि यहोवा का दिन आता है बरन वह निकट ही है। वह अंधकार और तिमिर का दिन है वह बदली का दिन है अंधियारा ऐसा फैलता है जैसा भोर का प्रकाश पहाड़ों पर फैलता है अर्थात एक ऐसी बड़ी और सामर्थी जाति आएगी जैसी प्राचीन काल से कभी न हुई और न उस के पीछे भी पीढ़ी पीढ़ी में फिर होगी।

उसके आगे आगे तो आग भस्म करती जाएगी और उस के पीछे पीछे लौ जलाती है उस के आगे की भूमि तो एदेन की बारी के सरीखी पर उस के पीछे की भूमि उजाड़ है और उस से कोई नहीं बच जाता। उन का रूप घोड़ों का सा है और वे सवारी के घोड़ों की नाईं दौड़ते हैं। उन के कूदने का शब्द ऐसा होता है जैसा पहाड़ों की चोटियों पर रथों के चलने का वा खूंटी भस्म करती हुई लौ का वा पांति बांधे हुए बली योद्धाओं का शब्द होता है। उन के साम्हने जाति जाति के लोगों को पीड़ें लगती हैं और सब के मुख मलीन होते हैं। वे शूरवीरों की नाईं दौड़ते और योद्धाओं की भांति शहरपनाह पर चढ़ते और अपने अपने मार्ग पर चलते हैं कोई अपनी पांति से अलग न चलेगा। एक को दूसरे का धक्का नहीं लगता वे अपनी अपनी राह लिये चले आते शस्त्रों का साम्हना करने से भी उन की पांति नहीं टूटती। वे नगर में इधर उधर दौड़ते और शहरपनाह पर चढ़ते हैं और घरों में ऐसे घुसते जैसे चोर खिड़कियों से घुसते हैं।

उन के आगे पृथिवी कांप उठती और आकाश थर्थराता है सूर्य्य और चंद्रमा काले हो जाते हैं और तारे नहीं झलकते। यहोवा का दिन बड़ा और अति भयानक है उस को कौन सह सकेगा।

तौभी यहोवा की यह वाणी है कि अभी सुनो उपवास के साथ रोते पीटते अपने पूरे मन से मेरी ओर फिरकर मेरे पास आओ। और अपने वस्त्र नहीं अपने मन ही को फाड़कर अपने परमेश्वर यहोवा की ओर फिरो क्योंकि वह अनुग्रहकारी और दयालु विलम्ब से कोप करनेहारा करुणानिधान है।

सिय्योन में नरसिंगा फूंको उपवास का दिन ठहराओ महासभा का प्रचार करो। लोगों को एकट्ठा करो सभा को पवित्र करो पुरनियों को बुला लो बच्चों को भी एकट्ठा करो याजक जो यहोवा के टहलुए हैं सो ओसारे और वेदी के बीच में रो रोकर कहें कि हे यहोवा अपनी प्रजा पर तरस खा और अपने निज भाग की नामधराई होने न दे और न अन्यजातियां उस की उपमा देने पाएं।

तब यहोवा को अपने देश के विषय जलन हुई और उस ने अपनी प्रजा पर तरस खाया। और यहोवा ने अपनी प्रजा के लोगों को उत्तर दिया कि सुनो मैं अन्न और नया दाखमधु और टटका तेल तुम्हें देने पर हूं और तुम उन्हें खा पीकर तृप्त होगे और मैं आगे को अन्यजातियों से तुम्हारी नामधराई न होने दूंगा।

हे देश तू मत डर तू मगन हो और आनन्द कर क्योंकि यहोवा ने बड़े बड़े काम किये हैं। हे मैदान के पशुओ मत डरो क्योंकि जंगल में चराई उगेगी और वृक्ष फलने लगेंगे अब अंजीर का वृक्ष और दाखलता अपना अपना बल दिखाने लगेंगी। और हे सिय्योनियो तुम अपने परमेश्वर यहोवा के कारण मगन हो और आनन्द करो क्योंकि तुम्हारे लिये वह वर्षा जितनी चाहिये उतनी देगा सो खलिहान अन्न से भर जाएंगे और रसकुण्ड नये दाखमधु और टटके तेल से उमड़ेंगे। तब तुम पेट भरकर खाओगे और तृप्त होगे और तुम अपने परमेश्वर यहोवा के नाम की स्तुति करोगे जिस ने तुम्हारे लिये आश्चर्य्य के काम किये हैं और मेरी प्रजा की आशा कभी न टूटेगी। तब तुम जानोगे कि मैं इस्राएल के बीच हूं और मैं यहोवा तुम्हारा परमेश्वर हूं और कोई दूसरा नहीं है।

मैं सारे प्राणियों पर अपना आत्मा उण्डेलूंगा और तुम्हारे बेटे बेटियां नबूवत करेंगी और तुम्हारे

पुरनिये स्वप्न देखेंगे और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। वरन दासों और दासियों पर भी मैं उन दिनों में अपना आत्मा उण्डेलूंगा। और मैं आकाश में और पृथिवी पर चमत्कार दिखाऊंगा। यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहिले सूर्य्य अंधियारा हो जाएगा। जो कोई यहोवा से प्रार्थना करे वह छुटकारा पाएगा।

मैं तुम्हारे पर्वों के उत्सव को विलाप कराऊंगा।

(आमोस के बचन में से)

हे इस्राएलियो यह बचन सुनो जो यहोवा ने तुम्हारे विषय में अर्थात उस सारे कुल के विषय में कहा है जिस को मैं मिस्र देश से लाया।

देख पहाड़ों का बनानेहारा और पवन का सिरजनेहारा और मनुष्य को उस के मन का विचार बतानेहारा और भोर को अंधकार करनेहारा और पृथिवी के ऊंचे स्थानों पर चलनेहारा जो है उसी का नाम सेनाओं का परमेश्वर यहोवा है।

यहोवा की खोज करो जो कचपचिया और मृगशिरा का बनानेहारा है और घोर अंधकार को दूर करके भोर का प्रकाश करता और दिन को अंधकार करके रात बना देता और समुद्र का जल स्थल के ऊपर बहा देता है उस का नाम यहोवा है, वह तुरन्त ही बलवन्त को विनाश कर देता और गढ़ को भी सत्यानाश करता है। तुम जो कंगालों को लताड़ा करते और भेंट कहकर उन से अन्न हर लेते हो इस लिये जो घर तुम ने गढ़े हुए पत्थरों के बनाये हैं उन में रहने न पाओगे और जो मनभावनी दाख की बारियां तुम ने लगाई हैं उन का दाखमधु पीने न पाओगे।

क्योंकि मैं तो जानता हूं कि तुम्हारे पाप भारी हैं तुम धर्म्मी को सताते और घूस लेते और फाटक में दरिद्रों का न्याय बिगाड़ते हो। इस कारण सेनाओं का परमेश्वर प्रभु यहोवा यों कहता है कि सब चौकों में रोना पीटना होगा और सब सड़कों में लोग हाय हाय करेंगे और वे किसान विलाप करने को और जो लोग विलाप करने में निपुण हैं सो रोने पीटने को बुलाये जाएंगे।

मैं तुम्हारे पर्वों से बैर रखता और उन्हें निकम्मा जानता हूं और तुम्हारी महासभाओं से प्रसन्न न हूंगा। चाहे तुम मेरे लिये होमबलि चढ़ाओ पर मैं प्रसन्न न हूंगा और न तुम्हारे पोसे हुए पशुओं के मेलबलियों की ओर ताकूंगा। अपने गीतों का कोलाहल मुझ से दूर करो तुम्हारी सारङ्गियों का सुर मैं न सुनूंगा।

इस कारण हे इस्राएल के घराने देख मैं तुम्हारे विरुद्ध एक ऐसी जाति खड़ी करूंगा जो नदी लों तुम को संकट में डालेगी।

और इस्राएल अपनी भूमि पर से निश्चय बंधुआई में जाएगा। मेरी प्रजा इस्राएल का अन्त आ गया है मैं अब उस को और न छोड़ूंगा। और उस दिन राजमन्दिर में के गीत हाहाकार से बदल जाएंगे और लोथों का बड़ा ढेर लगेगा और सब स्थानों में वे चुपचाप फेंक दिई जाएंगी।

यह सुनो तुम जो दरिद्रों को निगलने और देश में के नम्र लोगों को नाश करने चाहते हो, जो कहते हो नया चांद कब बीतेगा कि हम अन्न बेच सकें और विश्रामदिन कब बीतेगा कि हम अन्न के खत्ते खोलकर छल से दण्डी मारें, और कंगालों को रुपैया देकर और दरिद्रों को एक जोड़ी जूतियां देकर मोल लें और निकम्मा अन्न बेचें। क्या इस कारण भूमि न कांपेगी और क्या उस पर के सब रहनेहारे विलाप न करेंगे। मैं सूर्य्य को दोपहर के समय अस्त करूंगा और इस देश को दिन दुपहरी अंधियारा कर दूंगा। और मैं तुम्हारे पर्वों के उत्सव को दूर करके विलाप कराऊंगा और तुम्हारे सब गीतों को दूर करके विलाप के गीत गवाऊंगा और ऐसा विलाप कराऊंगा जैसा एकलौते के लिये होता है और इस का अन्त कठिन दुःख के दिन का सा होगा।

लोग आगे को युद्ध विद्या न सीखेंगे।

(मीका के बचन में से)

हे जाति जाति के सारे लोगो सुनो हे पृथिवी तू उस सब समेत जो तुझ में हैं ध्यान धर। देखो यहोवा तो अपने स्थान में से निकलता है और उतरकर ऊंचे स्थानों पर चलेगा। और पहाड़ उस के नीचे ऐसे गल जाएंगे और तराई ऐसे फटेंगी जैसे मोम आग की आंच से और पानी जो घाट से नीचे बहता है।

ऐसा होगा कि अन्त के दिनों में यहोवा के भवन सब पहाड़ों पर दृढ़ किया जाएगा और सब पहाड़ियों से अधिक ऊंचा किया जाएगा और हर जाति के लोग धारा की नाईं उस की ओर चलेंगे। और बहुत जातियों के लोग जाएंगे और आपस में कहेंगे कि आओ हम यहोवा के पर्वत पर जाएं तब वह हम को अपने मार्ग दिखाएगा और हम उस के पथों पर चलेंगे।

वह बहुत देशों के लोगों का न्याय करेगा और दूर दूर लों की सामर्थी जातियों के झगड़ों को मिटाएगा सो वे अपनी तलवारें पीटकर हल के फाल और अपने भालों को हंसिया बनाएंगे तब एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध तलवार फिर न चलाएगी और लोग आगे को युद्ध विद्या न सीखेंगे। बरन वे अपनी अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष तले बैठा करेंगे और कोई उन को डर न दिखाएगा सेनाओं के यहोवा ने यही बचन दिया है। सब राज्यों के लोग तो अपने अपने देवता का नाम लेकर चलते हैं पर हम लोग अपने परमेश्वर का नाम लेकर सदा सर्वदा चलते रहेंगे।

यहोवा की यह वाणी है कि उस समय में प्रजा में के लंगड़ानेहारों और बरबस निकाले हुओं को और जिन को मैं ने दुःख दिया है उन को इकट्ठे करूंगा। और मैं लंगड़ानेहारों को बचा रखूंगा और दूर किये हुओं को एक सामर्थी जाति कर दूंगा और यहोवा उन पर सिय्योन पर्वत के ऊपर से सदा राज्य करता रहेगा।

और हे एदेर के गुम्मट हे सिय्योन की पहाड़ी पहिली प्रभुता अर्थात यरूशलेम का राज्य तुझे मिलेगा। क्योंकि अब तू गढ़ी में से निकलकर मैदान में बसेगी बरन बाबेल लों जाएगी वहीं तू छुड़ाई जाएगी अर्थात वहीं यहोवा तुझे तेरे शत्रुओं के वश से छुड़ा लेगा।

देखो शुभ समाचार का सुनानेहारा।

(नहूम के बचन में से)

यहोवा जल उठनेहारा और पलटा लेनेहारा ईश्वर है यहोवा विलम्ब से कोप करनेहारा और बड़ा शक्तिमान है और वह दोषी को किसी प्रकार से निर्दोष न ठहराएगा यहोवा बवंडर और आंधी में होकर चलता है और बादल उस के पांवों की धूलि हैं।

उस के घुड़कने से महानद सूख जाते हैं और समुद्र भी निर्जल हो जाता है उस के स्पर्श से पहाड़ कांप उठते और पहाड़ियां गल जाती हैं उस के प्रताप से पृथिवी बरन जगत भर भी अपने सारे रहनेहारों समेत फूल उठता है।

उस के क्रोध का साम्हना कौन कर सकता है और जब उस का कोप भड़कता है तब कौन ठहर सकता उस की जलजलाहट आग की नाईं भड़काई जाती और चटानें उस की शक्ति से फट फटकर गिरती हैं। यहोवा भला है संकट के दिन में वह दृढ़ गढ़ ठहरता है और अपने शरणागतों की सुधि रखता है।

देखो पहाड़ों पर शुभसमाचार का सुनानेहारा और शान्ति का प्रचार करनेहारा आ रहा है अब हे यहूदा अपने पर्व मान और अपनी मन्नतें पूरी कर क्योंकि वह ओछा फिर कभी तेरे बीच होकर न चलेगा वह पूरी रीति से नाश हुआ है। सत्यानाश करनेहारा तेरे विरुद्ध चढ़ आया है गढ़ को दृढ़ कर

मार्ग देखती हुई चौकस रह अपनी कमर कस अपना बल बढ़ा दे। उस के शूरवीरों की ढालें लाल रंग से रंगी गईं और उस के योद्धा लाही रंग के वस्त्र पहिने हुए हैं तैयारी के दिन रथों का लोहा आग की नाईं चमकता है और भाले हिलाये जाते हैं। रथ सड़कों में बहुत वेग से हांके जाते और चौकों में इधर उधर चलाये जाते हैं वे पलीतों के समान दिखाई देते हैं और उन का वेग बिजली का सा है। नहरों के द्वार खुले जाते और राजमन्दिर गलकर बैठा जाता है। नीनवे तो जब से बनी है तब से तलाव के समान है तौभी वे भागे जाते हैं और खड़े हो खड़े हो ऐसा पुकारे जाने पर भी कोई मुंह नहीं फेरता। चांदी को लूटो सोना को लूटो उस के रक्खे हुए धन की बहुतायत का कुछ परिमाण नहीं और विभव की सब प्रकार की मनभावनी सामग्री का कुछ परिमाण नहीं। वह खाली और छूछी और सूनी हो गई है और मन कच्चा हो गया और पांव कांपते हैं।

और जितने तुझे देखेंगे सब तेरे पास से भागकर कहेंगे कि नीनवे नाश हो गई कौन उस के कारण विलाप करे हम उस के लिये शांति देनेहारे कहां से ढूंढ़ ले आएं। क्या तू आमोन नगरी से बढ़कर है जो नहरों के बीच बसी थी और उस की चारों ओर जल था और उस के धुस और शहरपनाह का काम महानद देता था। कूश और मिस्री उस को अनगिनित बल देते थे तौभी लोग उस को बन्धुवाई में ले गये और उस के नन्हें बच्चे एक सड़क के सिरे पर पटक दिये गये और उस के प्रतिष्ठित पुरुषों के लिये उन्हों ने चिट्ठी डाली और उस के सब रईस बेड़ियों से जकड़े गये।

देख तेरे देश में प्रवेश करने के मार्ग तेरे शत्रुओं के लिये बिल्कुल खुले पड़े हैं और तेरे बेण्डे आग के कौर हो गये हैं। तेरे व्योपारी आकाश के तारागण से भी अधिक अनगिनित हुए। तेरे मुकुटधारी लोग टिड्डियों के समान और तेरे सेनापति टिड्डियों के दलों के सरीखे ठहरेंगे जो जाड़े के दिन में बाड़ों पर टिकते हैं पर जब सूर्य्य दिखाई देता तब भाग जाते हैं और कोई नहीं जानता कि वे कहां गये। हे अश्शूर के राजा तेरे ठहराये हुए चरवाहे ऊंघते हैं तेरे शूरवीर भारी नीन्द में पड़ गये हैं तेरी प्रजा पहाड़ों पर तित्तर बित्तर हो गई है और कोई उनको फिर एकट्ठे नहीं करता।

मैं तेरे बीच बास किये रहूंगा।

(जकर्याह के बचन में से)

सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है कि तुम मेरी ओर फिरो तब मैं तुम्हारी ओर फिरूंगा अपने पुरखाओं के समान न बनो उन से तो अगले नबी यह पुकार पुकारकर कहते थे कि अपने बुरे मार्गों से और अपने बुरे कामों से फिरो पर उन्होंने न तो सुना न मेरी ओर ध्यान दिया यहोवा की यही वाणी है।

तुम्हारे पुरखा कहां रहे और नबी क्या सदा लों जीते रहे।

मैं ने रात को क्या देखा कि एक पुरुष लाल घोड़े पर चढ़ा हुआ मेंहदियों के बीच खड़ा। और उस के पीछे लाल और सुरंग और श्वेत घोड़े भी खड़े हैं।

तब मैं ने कहा कि हे मेरे प्रभु ये कौन हैं तब जो दूत मुझ से बातें करता था उस ने मुझ से कहा कि मैं तुझे बताऊंगा कि ये कौन हैं। फिर जो पुरुष मेंहदियों के बीच खड़ा था उस ने कहा ये हैं जिन को यहोवा ने पृथिवी पर फेरा करने के लिये भेजा है। तब उन्हों ने दूत से कहा कि हम ने पृथिवी पर फेरा किया है और क्या देखा कि सारी पृथिवी चैन से चुपचाप रहती है।

तब यहोवा के दूत ने कहा हे सेनाओं के यहोवा तू जो यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर सत्तर बरस से क्रोधित है सो उन पर कब लों दया न करेगा।

और यहोवा ने उत्तर देकर दूत से अच्छी अच्छी और शान्ति की बातें कहीं। तब दूत ने मुझ से कहा तू पुकारकर कह कि सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि मुझे यरूशलेम और सिय्योन के लिये बड़ी जलन हुई है। और जो जातियां सुख से रहती हैं उन से मैं क्रोधित हूं। इस कारण यहोवा यों कहता कि अब मैं दया करके यरूशलेम को लौट आया हूं मेरा भवन उस में बनेगा। मेरे नगर फिर उत्तम वस्तुओं

से भर जाएंगे और यहोवा फिर सिय्योन को शांति देगा और यरूशलेम को फिर अपना ठहराएगा।

फिर मैं ने जो आंखें उठाईं तो क्या देखा कि हाथ में मापने की डोरी लिये हुए एक पुरुष है। तब मैं ने उस से पूछा कि तू कहां जाता है उस ने मुझ से कहा यरूशलेम को मापने को जाता हूं कि देखूं कि उस की चौड़ाई कितनी और लम्बाई कितनी है।

तब मैं ने क्या देखा कि जो दूत मुझ से बातें करता है सो जाता है और दूसरा दूत उस से मिलने के लिये आकर, उस से कहता है दौड़कर इस जवान से कह कि यरूशलेम मनुष्यों और घरेलू पशुओं की बहुतायत के मारे शहरपनाह के बाहर बाहर भी बसेगी। और यहोवा की यह वाणी है कि मैं आप उस की चारों ओर आग की सी शहरपनाह ठहरूंगा और उस के मध्य में तेजोमय होकर दिखाई दूंगा।

यहोवा की यह वाणी है कि अहो अहो भाग जाओ क्योंकि मैं ने तुम को आकाश के चारों वायुओं के समान तित्तर बित्तर किया है। अहो बाबेलवाली जाति के संग रहनेहारी सिय्योन बचकर निकल आ। क्योंकि सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि उस तेज के प्रगट होने के पीछे उस ने मुझे उन जातियों के पास भेजा है जो तुम्हें लूटती हैं क्योंकि जो तुम को छूता है सो उसकी आंख की पुतली ही को छूता है।

हे सिय्योन ऊंचे स्वर से गा और आनन्द कर क्योंकि देख मैं आकर तेरे बीच में बास करूंगा यहोवा की यही वाणी है। उस समय बहुत सी जातियां यहोवा से मिल जाएंगी और मेरी प्रजा हो जाएंगी और मैं तेरे मध्य में बास करूंगा और यहोवा यरूशलेम को फिर अपना ठहराएगा।

तब सेनाओं के यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा कि, सब साधारण लोगों से और याजकों से कह कि जब तुम इन सत्तर बरसों के बीच उपवास और विलाप करते थे तब क्या तुम सचमुच मेरे ही लिये उपवास करते थे। और जब तुम खाते पीते हो तो क्या तुम आप ही खानेहारे और तुम आप ही पीनेहारे नहीं हो।

क्या यह वही वचन नहीं है जो यहोवा अगले नबियों के द्वारा उस समय पुकारकर कहता रहा जब यरूशलेम अपनी चारों ओर के नगरों समेत बसी और चैन से थी सेनाओं के यहोवा ने यों कहा है कि खराई से न्याय चुकाना और एक दूसरे के साथ कृपा और दया से काम करना। और न तो विधवा पर अंधेर करना न बपमूए न परदेशी न दीन जन पर और न अपने अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना करना। पर उन्हों ने चित्त लगाना न चाहा और हठ किया और अपने कानों को मून्द लिया कि न सुन सकें। बरन उन्हों ने अपने हृदय को वज्र सा इस लिये बना लिया कि वे उस व्यवस्था और उन वचनों को न मान सकें जिन्हें सेनाओं के यहोवा ने अपने आत्मा के द्वारा अगले नबियों से कहला भेजा था इस कारण सेनाओं के यहोवा की ओर से उन पर बड़ा क्रोध भड़का।

और सेनाओं के यहोवा का यह वचन हुआ कि जैसा मेरे पुकारने से उन्हों ने नहीं सुना वैसे ही उन के पुकारने से मैं भी न सुनूंगा, वरन मैं उन्हें उन सब जातियों के बीच जिन्हें वे नहीं जानते आंधी से तित्तर बित्तर कर दूंगा और उन का देश उन के पीछे ऐसा उजाड़ पड़ा रहेगा कि उसमें किसी का आना जाना न होगा। इसी प्रकार से उन्हों ने मनोहर देश को उजाड़ कर दिया।

फिर यहोवा का यह वचन पहुंचा कि, सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि मैं सिय्योन में लौट आया हूं और यरूशलेम के बीच बास किये रहूंगा और यरूशलेम सच्चाई का नगर कहाएगा।

यरूशलेम के चौकों में फिर बूढ़े और बूढ़ियां बहुत दिनी होने के कारण अपने अपने हाथ में लाठी लिये हुए बैठा करेंगी। और नगर के चौक खेलने वाले लड़कों और लड़कियों से भरे रहेंगे।

सुनो मैं अपनी प्रजा का उद्धार करके उसे पूरब से और पच्छिम से ले आऊंगा। और यरूशलेम के बीच बसाऊंगा और वे मेरी प्रजा ठहरेंगे और मैं उन का परमेश्वर ठहरूंगा यह तो सच्चाई और धर्म्म के साथ होगा।

सो शांति के समय की उपज अर्थात दाखलता फला करेगी पृथिवी अपनी उपज उपजाया करेगी और आकाश से ओस गिरा करेगी क्योंकि मैं अपनी इस प्रजा के बचे हुओं को इन सब का अधिकारी कर दूंगा। और हे यहूदा के घराने और

इस्राएल के घराने जिस प्रकार तुम अन्यजातियों के बीच स्राप के कारण थे उसी प्रकार मैं तुम्हारा उद्धार करूंगा और तुम आशीष के कारण होगे सो तुम मत डरो और न तुम्हारे हाथ ढीले पड़ने पाएं।

जो जो काम तुम्हें करना चाहिये सो ये हैं अर्थात एक दूसरे के साथ सत्य बोला करना अपनी कचहरियों में सच्चाई का और मेलमिलाप की नीति का न्याय करना। और अपने अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना न करना और झूठी किरिया में प्रीति न रखना क्योंकि इन सब कामों से मैं घिन करता हूं यहोवा की यही वाणी है।

हे सिय्योन बहुत ही मगन हो हे यरूशलेम जयजयकार कर क्योंकि तेरा राजा तेरे पास आएगा वह धर्म्मी और उद्धार पाया हुआ है वह दीन है और गदहे पर चढ़ा हुआ आएगा। और वह अन्य-जातियों से शान्ति की बातें कहेगा और वह समुद्र से समुद्र लों और महानद से पृथिवी के दूर दूर देशों लों प्रभुता करेगा।

और यरूशलेम पर चढ़नेहारी सब जातियों में से जितने लोग बचे रहेंगे सो बरस बरस राजा को अर्थात सेनाओं के यहोवा को दण्डवत करने और झोपड़ियों का पर्व मानने के लिये यरूशलेम को जाया करेंगे। उस समय घोड़ों की घंटियों पर भी यह लिखा रहेगा कि यहोवा के लिये पवित्र।

उस के आने का दिन कौन सह सकेगा।

(मलाकी के बचन में से)

सुनो मैं अपने दूत को भेजता हूं और वह मार्ग को मेरे आगे सुधारेगा और वह प्रभु जिसे तुम ढूंढ़ते हो अचानक अपने मन्दिर में आएगा अर्थात वाचा का वह दूत जिसे तुम चाहते हो सुनो वह आता है। पर उस के आने का दिन कौन सह सकेगा और जब वह दिखाई दे तब कौन खड़ा रह सकेगा।

तब यहूदा और यरूशलेम में की भेंट यहोवा को ऐसी भाएगी जैसी पहिले दिनों में भावती थी। और मैं न्याय करने को तुम्हारे निकट आऊंगा। और जो मजूर की मजूरी को दबाते और विधवा और बप-मूए पर अंधेर करते और परदेशी का न्याय बिगाड़ते और मेरा भय नहीं मानते उन सभों के विरुद्ध मैं फुर्ती से साक्षी दूंगा। मैं यहोवा तो बदला नहीं।

अपने पुरखाओं के दिनों से तुम लोग मेरी विधियों से हटते आये हो और उन्हें पालन नहीं करते मेरी ओर फिरो तब मैं भी तुम्हारी ओर फिरूंगा। यहोवा का यही बचन है सारे दशमांश को भण्डार में ले आओ कि मेरे भवन में भोजनवस्तु रहे और ऐसा करके मुझे परखो कि मैं आकाश के झरोखे तुम्हारे लिए खोलकर तुम्हारे ऊपर बेपरि-माण आशीष बरसाऊंगा कि नहीं।

और सारी जातियां तुम को धन्य कहेंगी क्योंकि तुम्हारा देश मनोहर देश होगा सेनाओं के यहोवा का यही बचन है।

तब यहोवा का भय माननेहारे आपस में बात करते थे और यहोवा ध्यान धरकर उन की सुनता था और जो यहोवा का भय मानते और उस के नाम का संमान करते थे उन के स्मरण के निमित्त उस के साम्हने एक पुस्तक लिखी जाती थी।

सो सेनाओं का यहोवा यह कहता है कि जो दिन मैं ने ठहराया है उस दिन वे लोग मेरे बरन मेरा निज धन ठहरेंगे और मैं उन से ऐसी कोमलता करूंगा जैसी कोई अपने पुत्र से करे।

तब तुम फिरकर धर्म्मी और दुष्ट का भेद अर्थात जो परमेश्वर की सेवा करता है और जो उस की सेवा नहीं करता उन दोनों का भेद पहिचान सकोगे। क्योंकि सुनो वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है तब सब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूंटी बन जाएंगे और उस आनेहारे दिन में वे ऐसे भस्म हो जाएंगे कि उन का पता तक न रहेगा। पर तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो धर्म्म का सूर्य्य उदय होगा और उस की किरणों के द्वारा से तुम चंगे हो जाओगे।

बालबाइबल

नया नियम ।

पहिला अध्याय।

यीशु का जीवन वृत्तान्त।

यीशु ने आप कुछ नहीं लिखा पर चार मनुष्यों ने उस का वृत्तान्त लिखा। मत्ती ने उस की बातों को इकट्ठा करके उसके नाम के सुसमाचार में लिखा। यह वृत्तान्त यीशु के मारे जाने के प्रायः चलीस बरस पीछे लिखा गया था। यह यहूदियों के लिये लिखा गया था। लिखने वाला उन को बताना चाहता था कि यीशु वही मसीह है जिस की चर्चा नबियों से सुनायी गयी और जिस की बाट वे जोहते थे। मत्ती यीशु के बारह चेलों में से एक था।

मर्कुस का सुसमाचार केवल यहूदियों के लिये नहीं परन्तु सब लोगों के लिये लिखा गया था। यह यीशु का पहिला लिखा हुआ जीवन का वृत्तान्त है। वह उस के मारे जाने के प्रायः पैंतीस बरस पीछे यूनानी वाचा में लिखा गया था। मर्कुस की मां का नाम मरयम था और उसके घर पर यरूशलेम में मसीही लोग इकट्ठे हुआ करते थे। मर्कुस पौलुस के साथ कुछ दिन रहा और पतरस ने उस को अपना बेटा कहा।

लूका एक यूनानी वैद्य था। वह पौलुस का मित्र था और उस के साथ जाया करता था। उस का सुसमाचार इन चारों में सब से विद्यापूर्ण है। वह मत्ती की और मर्कुस की और और पुस्तकों को भी जो अब खो गई हैं जानता था।

योहन का सुसमाचार इन तीनों के कई बरस पीछे लिखा गया था। इस में और उन तीनों में बहुत अन्तर है।

यीशु का जन्म ।

(मत्ती १:१८,२)

यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ। प्रभु का स्वर्गदूत स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा हे यूसुफ दाऊद के सन्तान तू अपनी पत्नी मरयम को अपने यहां लाने से मत डर क्योंकि जो उस के गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जनेगी और तू उस का नाम यीशु रखना क्योंकि वह अपने लोगों को उन के पापों से छुड़ाएगा।

यूसुफ जाग उठकर प्रभु के दूत के कहे अनुसार अपनी पत्नी को ले आया।

हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ तो देखो पूरब से कितने ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पूछने लगे कि, यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ कहां है क्योंकि हम ने पूरब में उस का तारा देखा और उस को प्रणाम करने आये हैं।

यह सुनकर हेरोदेस राजा और उस के साथ सारा यरूशलेम घबरा गया। और उस ने लोगों के सब महायाजकों और शास्त्रियों को इकट्ठे कर उन से पूछा मसीह का जन्म कहां होगा। उन्हों ने उस से कहा बैतलहम में।

तब हेरोदेस ने ज्योतिषियों को चुपके से बुलाकर उन से पूछा कि तारा ठीक किस समय दिखाई दिया। और उस ने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा कि जाकर उस बालक के विषय में ठीक ठीक बूझो और जब उसे पाओ तो मुझे समाचार दो कि मैं भी जाकर उस को प्रणाम करूं।

वे राजा की सुनकर चले गए और देखो वह तारा उन के आगे आगे चला और जहां बालक था उस जगह के ऊपर पहुंचकर ठहर गया। उन्हों ने उस तारे को देखकर बहुत ही बड़ा आनन्द किया। और घर में जाकर उस बालक को उस की माता मरयम के साथ देखा और मुंह के बल गिरकर उसे प्रणाम किया और उस को सोना और लोबान और गन्धरस की भेंट चढ़ाई।

और स्वप्न में यह चितौनी पाकर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना वे दूसरे मार्ग से अपने देश को चले गए।

देखो प्रभु के एक दूत ने स्वप्न में यूसुफ को दिखाई देकर कहा उठ उस बालक को और उस की माता को लेकर मिसर देश को भाग जा और जब तक मैं तुझ से न कहूं तब तक वहीं रहना क्योंकि हेरोदेस इस बालक को ढूंढ़ने पर है कि उसे मरवा डाले। वह रात ही उठकर बालक और उस की माता को लेकर मिसर को चल दिया।

हेरोदेस यह देखकर कि ज्योतिषियों ने मुझ से हंसी की है क्रोध से भर गया और लोगों को भेजकर बैतलहम और उस के आस पास के सारे लड़कों को जो दो बरस के या उस से छोटे थे मरवा डाला। तब एक शब्द सुनाई दिया रोना और बड़ा बिलाप राहेल अपने बालकों के लिये रो रही थी और शान्त होना न चाहती थी क्योंकि वे मिलते नहीं।

हेरोदेस के मरे पीछे देखो प्रभु के दूत ने मिसर में यूसुफ को स्वप्न में दिखाई देकर कहा कि, उठ बालक और उस की माता को लेकर चला जा क्योंकि जो बालक का प्राण लेना चाहते थे वे मर गये। वह उठ बालक और उस की माता को साथ लेकर नासरत नाम नगर में जा बसा।

यरदन नदी में बपतिसमा लेना।

(मत्ती ३)

उन दिनों में यूहन्ना बपतिसमा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा कि, मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है। यह वही है जिस की चरचा नबी के द्वारा की गई कि जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है कि प्रभु का मार्ग तैयार करो उस की सड़कें सीधी करो।

यह यूहन्ना ऊंट के रोम का वस्त्र पहिने था और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बान्धे हुए था और उस का आहार टिड्डियां और बनमधु था। तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के और आस पास के सारे देश के लोग उस के पास निकल आने, और अपने अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उस से बपतिसमा लेने लगे।

तब यीशु गलील से यरदन के किनारे पर यूहन्ना के पास उस से बपतिसमा लेने आया। पर यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा कि मुझे तेरे हाथ से बपतिसमा लेने की आवश्यकता है और तू मेरे पास आया है। यीशु ने उस को यह उत्तर दिया कि अब ऐसा ही होने दे क्योंकि हमें इसी रीति से सब धर्म को पूरा करना चाहिए तब उस ने उस की मान ली। और यीशु बपतिसमा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया और देखो उस के लिये आकाश खुल गया और उस ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाईं उतरते और अपने ऊपर आते देखा। और यह आकाश वाणी हुई कि यह मेरा प्रिय पुत्र है जिस से मैं प्रसन्न हूं।

यीशु जंगल में जाता।

(मत्ती ४)

तब आत्मा यीशु को जंगल में ले गया कि शैतान उस की परीक्षा करे। वह चालीस दिन और चालीस रात निराहार रहा अन्त में उसे भूख लगी।

तब परखनेवाले ने पास आकर कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो कह दे कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं। उस ने उत्तर दिया कि लिखा है मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं पर हर एक बचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीता रहेगा। तब शैतान ने उसे पवित्र नगर में ले जाकर मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया। और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो अपने आप को नीचे गिरा दे। यीशु ने उस से कहा यह भी लिखा है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।

फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उस का बिभव दिखाकर, उस से कहा कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे तो मैं यह सब कुछ तुझे दूंगा। तब यीशु ने उस से कहा हे शैतान दूर हो क्योंकि लिखा है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर और केवल उसी की उपासना कर। तब शैतान उस के पास से चला गया और देखो स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।

फिर यह सुनकर कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया वह गलील को चला गया। और कफरनहूम में जा बसा।

उस समय से यीशु प्रचार करने और यह कहने लगा कि मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।

उस ने गलील की झील के किनारे फिरते हुए दो भाई अर्थात शमौन को जो पतरस कहलाता है और उस के भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा क्योंकि वे मछुवे थे। और उन से कहा मेरे पीछे चले आओ और मैं तुम को मनुष्यों के मछुवे बनाऊंगा। वे तुरन्त जालों को छोड़कर उस के पीछे हो लिये। और वहां से आगे बढ़कर उस ने और दो भाई अर्थात जबदी के पुत्र याकूब और उस के भाई यूहन्ना को अपने पिता जबदी के साथ नाव पर अपने जालों को सुधारते देखा और उन्हें भी बुलाया। वे तुरन्त नाव को और अपने पिता को छोड़कर उस के पीछे हो लिये।

पहाड़ी उपदेश।

(मत्ती ५, ६, ७)

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता और लोगों में हर बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। और सारे सूरिया में उस का बड़ा नाम हो गया और लोग सब बीमारों को उस के पास लाये और उस ने उन्हें चंगा किया।

और गलील और यरूशलेम और यरदन के पार से भीड़ की भीड़ उस के पीछे हो ली। वह इस भीड़ को देखकर पहाड़ पर चढ़ गया और जब बैठा तो उस के चेले उस के पास आए। और वह अपना मुंह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा।

धन्य हैं वे जो मन के दीन हैं क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

धन्य हैं वे जो शोक करते हैं क्योंकि वे शांति पाएंगे।

धन्य हैं वे जो नम्र हैं क्योंकि वे पृथिवी के अधिकारी होंगे।

धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और पियासे हैं क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे।

धन्य हैं वे जो दयावन्त हैं क्योंकि उन पर दया की जायगी।

धन्य हैं वे जिनके मन शुद्ध हैं क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।

धन्य हैं वे जो मेल करवैये हैं क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।

धन्य हैं वे जो धर्म के कारण सताए जाते हैं क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

धन्य हो तुम जब मनुष्य मेरे लिये तुम्हारी निन्दा करें और सताएं और झूठ बोलते हुए तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बातें कहें।

आनन्द और मगन हो क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है इस लिये कि उन्हों ने नबियों को इसी रीति से सताया था।

तुम पृथिवी के नमक हो पर यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए तो वह फिर किस वस्तु में नमकीन किया जाएगा वह फिर किसी काम का नहीं केवल यह कि बाहर फेंका और मनुष्यों से रौंदा जाए।

तुम जगत का उजाला हो। जो नगर पहाड़ पर बसा है वह छिप नहीं सकता। फिर लोग दिया बार के पैमाने के नीचे नहीं पर दीवट पर रखते हैं और वह घर के सब लोगों को उजाला देता है। वैसा ही तुम्हारा उजाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे स्वर्गीय पिता की बड़ाई करें।

यह न समझो कि मैं व्यवस्था या नबियों के लेखों को लोप करने आया हूं। लोप करने नहीं पर पूरा करने आया हूं क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं कि जब तक आकाश और पृथिवी टल न जाएं तब तक व्यवस्था से एक मात्रा या एक बिन्दु बिना पूरे हुए न टलेगा। इस लिये जो कोई इन छोटी से छोटी आज्ञाओं में से एक को टाले और लोगों को ऐसा ही सिखाए वह स्वर्ग के राज्य में सब से छोटा कहलाएगा पर जो कोई उन्हें माने और सिखाए वही स्वर्ग के राज्य में बड़ा कहलाएगा। मैं तुम से कहता हूं यदि तुम शास्त्रियों और फरीसियों से बढ़कर धर्मी न हो तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी जाने न पाओगे।

तुम ने सुना है कि अगलों को कहा गया था कि खून न करना और जो कोई खून करे वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा। पर मैं तुम से कहता हूं कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करे वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा यदि तू अपनी भेंट बेदी पर लाए और वहां स्मरण करे कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर कुछ विरोध है तो अपनी भेंट वहां बेदी के साम्हने छोड़कर चला जा। पहिले अपने भाई से मेल कर तब आकर अपनी भेंट चढ़ा। जब तक तू अपने मुद्दई के साथ मार्ग ही में है झट मेल कर ऐसा न हो कि मुद्दई तुझे हाकिम को सौंपे और हाकिम तुझे पियादे को सौंपे और तू जेलखाने में डाला जाए। मैं तुझ से सच कहता हूं कि जब तक तू कौड़ी कौड़ी भर न दे तब तक वहां से छूटने न पाएगा।

फिर तुम ने सुना है कि अगलों से कहा गया था कि झूठी किरिया न खाना पर प्रभु के लिये अपनी किरियाओं को पूरी करना। पर मैं तुम से कहता हूं किरिया कभी न खाना न स्वर्ग की क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है। न धरती की क्योंकि वह उस के पांवों की चौकी है न यरूशलेम की क्योंकि वह महाराजा का नगर है। अपने सिर की भी किरिया न खाना क्योंकि तू एक बाल को न उजला न काला कर सकता है। पर तुम्हारी बात हां की हां या नहीं की नहीं हो जो कुछ इस से अधिक हो वह बुराई से होता है।

तुम सुन चुके हो कि कहा गया था कि आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत। पर मैं तुम से कहता हूं कि बुरे का साम्हना न करना पर जो कोई तेरे दहिने गाल पर थप्पड़ मारे उस की ओर दूसरा भी फेर दे। जो तुझ पर नालिश करके तेरा कुरता लेना चाहे उसे दोहर भी लेने दे। जो कोई तुझे कोस भर बेगार ले जाए उस के साथ दो कोस चला जा। जो कोई तुझ से मांगे उसे दे और जो तुझ से करजा लेना चाहे उस से मुंह न मोड़।

तुम सुन चुके हो कि कहा गया था कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना और अपने बैरी से बैर। पर मैं तुम से कहता हूं कि अपने बैरियों से प्रेम रखना और अपने सतानेवालों के लिये प्रार्थना करना। इस से तुम अपने स्वर्गीय पिता के सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर सूरज उदय करता है और धर्म्मियों और अधर्म्मियों दोनों पर मेंह बरसाता है। यदि तुम अपने प्रेम रखनेवालों ही से प्रेम रखो तो क्या फल पाओगे क्या महसूल लेनेवाले भी ऐसा ही नहीं करते।

और यदि तुम अपने भाइयों ही को नमस्कार करो तो कौनसा बड़ा काम करते हो क्या अन्य-जाति भी ऐसा ही नहीं करते। सो जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है वैसे ही तुम भी सिद्ध हो जाओ।

चौकस रहो कि तुम मनुष्यों के साम्हने दिखाने के लिये अपने धर्म के काम न करो नहीं तो अपने स्वर्गीय पिता से कुछ फल न पाओगे। इस लिये जब तू दान करे तो अपने आगे तुरही न फुंकवा जैसा कपटी सभाओं और गलियों में करते हैं कि लोग उन की बड़ाई करें मैं तुम से सच कहता हूं वे अपना फल पा चुके। पर जब तू दान करे तो जो तेरा दहिना हाथ करता है तेरा बांयां हाथ न जानने पाए। कि तेरा दान गुप्त में हो और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है तुझे बदला देगा।

जब तू प्रार्थना करे तो कपटियों के समान न हो क्योंकि लोगों को दिखाने के लिये सभाओं में और सड़कों के मोड़ों पर खड़े होकर प्रार्थना करना उन को भाता है। मैं तुम से सच कहता हूं वे अपना फल पा चुके। पर जब तू प्रार्थना करे तो अपनी कोठरी में जा और द्वार मूंदकर अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना कर और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है तुझे बदला देगा।

प्रार्थना करने में अन्यजातियों की नाईं बकबक न करो क्योंकि वे समझते हैं कि हमारे बहुत बोलने से हमारी सुनी जाएगी। सो तुम उन की नाईं न बनो क्योंकि तुम्हारा पिता तुम्हारे मांगने से पहिले जानता है तुम्हें क्या क्या चाहिए। तुम इस रीति से प्रार्थना करना।

हे हमारे पिता तू जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जाए।

तेरा राज्य आए तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है वैसे पृथ्वी पर भी हो।

हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे।

और जैसे हम ने अपने अपराधियों को क्षमा किया है वैसे ही हमारे अपराधों को क्षमा कर।

और हमें परीक्षा में न ला बल्कि बुराई से बचा।

क्योंकि राज्य और पराक्रम और महिमा सदा तेरे हैं आमेन।

इस लिये कि यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा करो तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता तुम्हें भी क्षमा करेगा। पर यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करो तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा। जब तुम उपवास करो तो कपटियों की नाईं तुम्हारे मुंह पर उदासी न छाए क्योंकि वे अपने मुंह मलीन करते हैं कि लोगों को उपवासी दिखाई दें मैं तुम से सच कहता हूं वे अपना फल पा चुके। पर जब तू उपवास करे तो अपने सिर पर तेल मल और मुंह धो कि तू लोगों को नहीं पर अपने पिता को जो गुप्त में है उपवासी दिखाई दे और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है तुझे बदला देगा।

अपने लिये पृथ्वी पर धन बटोरकर न रखो जहां कीड़ा और काई बिगाड़ते हैं और जहां चोर सेंध देते और चुराते हैं। पर अपने लिये स्वर्ग में धन बटोरकर रखो जहां न कीड़ा न काई बिगाड़ते हैं और जहां चोर न सेंध देते न चुराते हैं। क्योंकि जहां तेरा धन है वहां तेरा मन भी लगा रहेगा।

शरीर का दिया आंख है इस लिये यदि तेरी आंख निर्मल हो तो तेरा सारा शरीर उजाला होगा। पर यदि तेरी आंख बुरी हो तो तेरा सारा शरीर अंधेरा होगा जो उजाला तुझ में है यदि अंधेरा हो तो वह अंधेरा कैसा भारी है।

कोई दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा या एक से मिला रहेगा और दूसरे को हलका जानेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते इस लिये मैं तुम से कहता हूं अपने प्राण की यह चिन्ता न करना कि हम क्या खाएंगे और क्या पीएंगे और न अपने शरीर के लिये कि क्या पहिनेंगे क्या भोजन से प्राण और वस्त्र से शरीर बढ़कर नहीं। आकाश के पक्षियों को देखो वे न बोते हैं न लवते और न खत्तों में बटोरते हैं तौभी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन को पालता है क्या तुम उन से बहुत बढ़कर नहीं। तुम में से कौन है जो चिन्ता करके से अपनी अवस्था में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है।

और वस्त्र के लिये क्यों चिन्ता करते हो मैदान के सोसनों पर ध्यान करो वे कैसे बढ़ते हैं वे न मिहनत करते न कातते हैं। पर मैं तुम से कहता हूं कि सुलेमान भी अपने सारे बिभव में उन में से एक के बराबर पहिने हुए न था। यदि परमेश्वर मैदान की घास को जो आज है और कल भाड़ में झोंकी जायगी ऐसा पहिनाता है तो हे अल्पविश्वासियो वह क्योंकर तुम्हें न पहिनाएगा। सो तुम यह चिन्ता न करना कि क्या खाएंगे क्या पीएंगे या क्या पहिनेंगे। तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें ये सब वस्तु चाहिए। पहिले उस के राज्य और धर्म की खोज करो और ये सब वस्तु भी तुम्हें दी जाएंगी।

सो कल के लिये चिन्ता न करो क्योंकि कल अपनी चिन्ता आप करेगा आज का दुःख आज ही के लिये बहुत है।

दोष न लगाओ कि तुम पर दोष न लगाया जाए। क्योंकि जैसे तुम दोष लगाते हो वैसा ही तुम पर लगाया जाएगा और जिस नाप से तुम नापते हो उसी से तुम्हारे लिये नापा जाएगा।

तू अपने भाई की आंख के तिनके को क्यों देखता है और अपनी आंख का लट्ठा तुझे नहीं सूझता। और जब तू अपनी आंख का लट्ठा नहीं देखता तो अपने भाई से क्योंकर कह सकता है ठहर जा मैं तेरी आंख के तिनके को निकाल दूं। हे कपटी पहले अपनी आंख से लट्ठा निकाल तब अपने भाई की आंख का तिनका भली भांति देखकर निकाल सकेगा।

"पवित्र वस्तु कुत्तों को न दो और न अपने मोती सुअरों के आगे डालो ऐसा न हो कि वे उन्हें पांवों तले रौंदें और फिरकर तुम को फाड़ें। मांगो तो तुम्हें दिया जाएगा ढूंढ़ो तो तुम पाओगे खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा। क्योंकि जो कोई मांगता है उसे मिलता है और जो ढूंढ़ता है वह पाता है और जो खटखटाता है उस के लिये खोला जाएगा।

तुम में से ऐसा कौन मनुष्य है कि जब उस का पुत्र उस से रोटी मांगे तो उसे पत्थर दे। या मछली मांगे तो उसे सांप दे। सो जब तुम बुरे होकर अपने लड़के वालों को अच्छी वस्तुएं देनी जानते हो तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएं क्यों न देगा।

जो कुछ तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें तुम भी उन के साथ वैसा ही करो।

सकेत फाटक से प्रवेश करो क्योंकि चौड़ा है वह फाटक और चाकल है वह मार्ग जो बिनाश को पहुंचाता है और बहुतेरे हैं जो उस से प्रवेश करते हैं। सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुंचाता है और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं।

झूठे नबियों से चौकस रहो जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं पर अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं। उन के फलों से उन्हें पहचानोगे क्या झाड़ियों से अंगूर या ऊंटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं। योंही हर एक अच्छा पेड़ अच्छे फल लाता और निकम्मा पेड़ बुरे फल लाता है। अच्छा पेड़ बुरे फल नहीं ला सकता न निकम्मा पेड़ अच्छा फल। जो जो पेड़ अच्छे फल नहीं लाता वह काटा और आग में डाला जाता है। सो उन के फलों से उन्हें पहचानोगे।

न हर एक जो मुझ से हे प्रभु हे प्रभु कहता है स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा पर वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुतेरे मुझ से कहेंगे हे प्रभु हे प्रभु क्या हम ने तेरे नाम से नबूवत न की और तेरे नाम से दुष्टात्मा नहीं निकाले और तेरे नाम से बहुत सामर्थ के काम नहीं किये। तब मैं उन से खुलकर कहूंगा मैं ने तुम को कभी नहीं जाना हे कुकर्म करनेवालो मुझ से दूर हो।

इस लिये जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें माने वह उस बुद्धिमान मनुष्य की नाईं ठहरेगा जिस ने अपना घर चटान पर बनाया। और मेंह बरसा और बाढ़ें आईं और आंधियां चलीं और उस घर पर लगीं पर वह नहीं गिरा क्योंकि उस की नेव चटान पर डाली गई थी। पर जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें न माने वह उस निर्बुद्धि मनुष्य की नाईं ठहरेगा जिस ने अपना घर बालू पर बनाया। और मेंह बरसा और बाढ़ें आईं और आंधियां चलीं और उस घर पर लगीं और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।

सूबेदार का सेवक।

(मत्ती ८)

जब यीशु ये बातें कर चुका तो लोग उस के उपदेश से चकित हुए। क्योंकि वह उन के शास्त्रियों के समान तो नहीं पर अधिकारी की नाईं उन्हें उपदेश देता था। जब वह उस पहाड़ से उतरा तो भीड़ की भीड़ उस के पीछे हो ली। और देखो एक कोढ़ी पास आ उसे प्रणाम करके यह कहने लगा कि हे प्रभु यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। यीशु ने हाथ बढ़ाकर उसे छूआ और कहा मैं चाहता हूं शुद्ध हो जा वह तुरन्त कोढ़ से शुद्ध हो गया। यीशु ने उस से कहा देख किसी से न कह।

जब वह कफरनहूम में आया तो एक सूबेदार ने उस के पास आकर उस से बिनती की कि हे प्रभु मेरा सेवक घर में झोले का मारा बहुत दुखी पड़ा है। उस ने उस से कहा मैं आकर उसे चंगा करूंगा। सूबेदार ने उत्तर दिया कि हे प्रभु मैं इस योग्य नहीं कि तू मेरी छत तले आए पर वचन ही कह तो मेरा सेवक चंगा हो जाएगा। मैं भी पराधीन मनुष्य हूं और सिपाही मेरे हाथ में हैं और जब एक को कहता हूं जा तो वह जाता है और दूसरे को आ तो वह आता है और अपने दास को कि यह कर तो वह करता है।

यह सुनकर यीशु ने अचम्भा किया और जो उस के पीछे आ रहे थे उन से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि मैं ने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया। और मैं तुम से कहता हूं कि बहुतेरे पूरब और पच्छिम से आकर इब्राहीम और इसहाक और याकूब के साथ स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे। पर राज्य के सन्तान बाहर के अंधेरे में डाल दिये जाएंगे वहां रोना और दांत पीसना होगा। और यीशु ने सूबेदार से कहा जा जैसा तू ने विश्वास किया है वैसा ही तेरे लिये हो और उस का सेवक उसी घड़ी चंगा हो गया।

यीशु ने पतरस के घर में आकर उस की सास को तप में पड़ी देखा। उस ने उस का हाथ छुआ और तप उस पर से उतर गई और वह उठकर उस की सेवा करने लगी। सांझ को लोग उस के पास बहुत से लोगों को लाये जिन में दुष्टात्मा थे और उस ने उन आत्माओं को बात कहते ही निकाल दिया और सब बीमारों को चंगा किया। कि जो वचन यशायाह नबी के द्वारा कहा गया था पूरा हो कि उस ने हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और बीमारियों को उठा लिया।

यीशु ने अपने चारों ओर भीड़ की भीड़ देखकर पार जाने की आज्ञा दी।

और एक शास्त्री ने पास आकर कहा हे गुरु जहां जहां तू जाएगा मैं तेरे पीछे हो लूंगा। यीशु ने उस से कहा लोमड़ियों के भट और आकाश के पक्षियों के बसेरे होते हैं पर मनुष्य के पुत्र को सिर धरने की भी जगह नहीं।

एक और चेले ने उस से कहा हे प्रभु मुझे पहिले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूं। यीशु ने उस से कहा तू मेरे पीछे हो ले और मुरदों को अपने मुरदों को गाड़ने दे।

बड़ा हिलकोरा।

चमत्कार

(मत्ती ८ : २३, ९)

जब वह नाव पर चढ़ा तो उस के चेले उस के पीछे हो लिये। और देखो झील में ऐसे बड़े हिलकोरे उठे कि नाव लहरों से ढंपने लगी पर वह सोता था। तब उन्हों ने पास आकर उसे यह कहकर जगाया हे प्रभु हमें बचा हम नाश हुए जाते हैं। उस ने उन से कहा हे अल्पबिश्वासियो डरते क्यों हो उस ने उठकर आंधी और पानी को डांटा और बड़ा चैन हो गया। और वे लोग अचम्भा करके कहने लगे यह कैसा मनुष्य है कि आंधी और पानी भी उस की मानते हैं।

जब वह उस पार पहुंचा तो दो मनुष्य जिन में दुष्टात्मा थे उसे मिले जो इतने प्रचण्ड थे कि कोई उस मार्ग से न जा सकता था। और देखो उन्हों ने चिल्लाकर कहा हे परमेश्वर के पुत्र हमारा तुझ से क्या काम क्या तू समय से पहिले हमें पीड़ा देने यहां आया है। उन से कुछ दूर बहुत से सूअरों का एक झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्माओं ने उस से यह कहकर बिनती की यदि तू हमें निकालता है तो सूअरों के झुण्ड में भेज दे। उस ने उन से कहा जाओ वे निकलकर सूअरों में पैठे और देखो सारा झुण्ड कड़ाड़े पर से झपटकर पानी में जा पड़ा और डूब मरा। पर चरवाहे भागे और नगर में जाकर ये सब बातें सुनाया। और सारे नगर के लोग यीशु की भेंट को निकले और उसे देखकर बिनती की कि हमारे सिवानों से निकल जा।

वह नाव पर चढ़कर अपने नगर में पहुंचा। वहां यीशु ने मत्ती नाम एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा और उस से कहा मेरे पीछे हो ले। वह उस के पीछे हो लिया।

जब वह घर में भोजन करने बैठा तो बहुतेरे महसूल लेनेवाले और पापी आकर यीशु और उस के चेलों के साथ खाने बैठे। फरीसियों ने उस के चेलों से कहा तुम्हारा गुरु महसूल लेनेवालों और पापियों के साथ क्यों खाता है। उस ने यह सुनकर उन से कहा वैद्य भले चंगों को नहीं पर बीमारों को अवश्य है। पर तुम जाकर इस का अर्थ सीख लो कि मैं बलिदान नहीं पर दया चाहता हूं क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं पर पापियों को बुलाने आया हूं।

तब यूहन्ना के चेलों ने उस के पास आकर कहा हम और फरीसी क्यों इतना उपवास करते हैं पर तेरे चेले उपवास नहीं करते। यीशु ने उन से कहा क्या बराती जब तक दूलहा उन के साथ रहे शोक कर सकते हैं। पर वे दिन आएंगे कि दूलहा उन से अलग किया जाएगा उस समय वे उपवास करेंगे। कोरे कपड़े का पैवन्द पुराने पहिरावन पर कोई नहीं लगाता क्योंकि वह पैवन्द पहिरावन से और कुछ खींच लेता है और वह और फट जाता है। न नया दाखरस पुरानी मशकों में भरते हैं ऐसा करने से मशकें फट जाती हैं और दाखरस बह जाता और मशकें नाश होती हैं पर नया दाखरस नई मशकों में भरते हैं और दोनों बची रहती हैं।

सरदार की बेटी।

चमत्कार

(मत्ती ९ : १८)

वह उन से ये बातें कह ही रहा था कि देखो एक सरदार ने आकर उसे प्रणाम किया और कहा मेरी बेटी अभी मरी है पर चलकर अपना हाथ उस पर रख तो वह जी जाएगी। यीशु उठकर अपने चेलों समेत उस के पीछे हो लिया।

और देखो एक स्त्री ने जिस के बारह बरस से लोहू बहता था पीछे से आ उस के वस्त्र के आंचल को छूआ। क्योंकि अपने जी में सोचा यदि मैं उस के वस्त्र ही को छू लूं तो चंगी हो जाऊंगी। यीशु ने फिरकर उसे देखा और कहा बेटी ढाढ़स बांध तेरे बिश्वास ने तुझे चंगा किया है सो वह स्त्री उसी घड़ी से चंगी हुई।

जब यीशु उस सरदार के घर पहुंचा तो बांसली बजानेवालों और भीड़ को हल्ला मचाते देखकर, कहा अलग हो जाओ लड़की मरी नहीं पर सोती है और वे उस की हंसी करने लगे। जब भीड़ निकाल दी गई तो उस ने भीतर जाकर लड़की का हाथ पकड़ा और वह उठी। इस की चरचा उस सारे देश में फैल गई।

दो अन्धे। चमत्कार

(मत्ती ९ : २७)

जब यीशु वहां से आगे बढ़ा तो दो अंधे उस के पीछे पुकारते हुए चले हे दाऊद के सन्तान हम पर दया कर। यीशु ने उन से कहा क्या तुम्हें बिश्वास है कि मैं यह कर सकता हूं उन्हों ने उस से कहा हां प्रभु। तब उस ने उन की आंखें छूकर कहा तुम्हारे बिश्वास के अनुसार तुम्हारे लिये हो। और उन की आंखें खुल गईं।

और यीशु ने उन्हें चिताकर कहा देखो यह बात कोई न जाने। पर उन्हों ने सारे देश में उस की चरचा फैला दी। तब यीशु सब नगरों और गांवों में फिरते उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता और हर एक बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा।

भीड़ को देखकर उसे लोगों पर तरस आया क्योंकि वे बिन रखवाले की भेड़ों की नाईं व्याकुल और भटके हुए थे। तब उस ने अपने चेलों से कहा पक्के खेत बहुत हैं पर मज़दूर थोड़े हैं। इस लिये खेत के स्वामी से बिनती करो कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे।

बारह चेले।

(मत्ती १०)

और उस ने अपने बारह चेलों को पास बुलाकर उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया कि उन्हें निकालें और सब बीमारियों को दूर करें।

बारह प्रेरितों के नाम ये हैं पहिला शमौन जो पतरस कहलाता है और उस का भाई अन्द्रियास जबदी का पुत्र याकूब और उस का भाई यूहन्ना। फिलिप्पुस और बरतुल्मै तोमा और महसूल लेनेवाला मत्ती हलफै का पुत्र याकूब और तद्दै। शमौन कनानी और यहूदा इसकरियोती जिस ने उसे पकड़वा भी दिया।

इन बारहों को यीशु ने यह आज्ञा देकर भेजा कि

अन्यजातियों की ओर न जाना और सामरियों के किसी नगर में न जाना। पर इस्राएल के घराने हो की खोई हुई भेड़ों के पास जाना। और चलते चलते प्रचारकर कहो कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। बीमारों को चंगा करो मरे हुओं को जिलाओ कोढ़ियों को शुद्ध करो दुष्टात्माओं को निकालो तुम ने सेंत पाया सेंत दो।

अपने पटुकों में न सोना न रूपा न तांबा रखना। मार्ग के लिये न झोली रक्खो न दो कुरते न जूते न लाठी लो क्योंकि मजदूर को अपना भोजन मिलना चाहिए।

जिस किसी नगर या गांव में जाओ तो पता लगाओ कि वहां कौन योग्य है और जब तक वहां से न निकलो उसी के यहां रहो। घर में जाते हुए उस को आशीस देना। यदि उस घर के लोग योग्य हों तो तुम्हारा कल्याण उस पर पहुंचेगा पर यदि वे योग्य न हों तो तुम्हारा कल्याण तुम्हारे पास लौट आएगा। और जो कोई तुम्हें ग्रहण न करे और तुम्हारी बातें न सुने उस घर या उस नगर से निकलते हुए अपने पांवों की धूल झाड़ डालो।

देखो मैं तुम्हें भेड़ों की नाईं भेड़ियों के बीच में भेजता हूं सो सांपों की नाईं बुद्धिमान और कबूतरों की नाईं भोले बनो। पर लोगों से चौकस रहो क्योंकि वे तुम्हें महा सभाओं में सौंपेंगे और अपनी पंचायतों में तुम्हें कोड़े मारेंगे। तुम मेरे लिये हाकिमों और राजाओं के सामने पहुंचाए जाओगे। जब वे तुम्हें सौंपें तो यह चिन्ता न करना कि किस रीति से या क्या कहोगे क्योंकि जो कुछ तुम को कहना होगा वह उसी घड़ी तुम्हें बता दिया जाएगा। क्योंकि बोलनेवाले तुम नहीं हो पर तुम्हारे पिता का आत्मा तुम में बोलनेवाला है। भाई भाई को और पिता पुत्र को घात के लिये सौंपेंगे और लड़केवाले माता पिता के बिरोध में उठेंगे। मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे पर जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा।

जब वे तुम्हें एक नगर में सताएं तो दूसरे को भाग जाना। सो उन से न डरना क्योंकि कुछ ढपा नहीं जो खोला न जाएगा और न कुछ छिपा है जो जाना न जाएगा। जो मैं तुम से अंधेरे में कहता हूं उसे उजाले में कहो और जो कानों कान सुनते हो उसे कोठों पर से प्रचार करो।

जो शरीर को घात करते हैं पर आत्मा को घात नहीं कर सकते उन से न डरना पर उसी से डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नाश कर सकता है। क्या पैसे में दो गौरैये नहीं बिकतीं तौ भी तुम्हारे पिता की इच्छा बिना उन में से एक भी भूमि पर नहीं गिर सकती।

तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं। इस लिये डरो नहीं तुम बहुत गौरैयों से बढ़कर हो। जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा उसे मैं भी अपने पिता के सामने मान लूंगा। पर जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे नकारे उसे मैं भी अपने पिता के सामने नकारूंगा।

यह न समझो कि मैं पृथिवी पर मिलाप कराने को आया हूं मैं मिलाप कराने को नहीं पर तलवार चलवाने आया हूं। मनुष्य के बैरी उस के घर ही के लोग होंगे। जो माता या पिता को मुझ से अधिक प्रिय जानता है वह मेरे योग्य नहीं और जो बेटा या बेटी को मुझ से अधिक प्रिय जानता है वह मेरे योग्य नहीं। और जो अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले वह मेरे योग्य नहीं। जो अपना प्राण बचाता है वह उसे खोएगा और जो मेरे कारण अपना प्राण खोता है वह उसे बचाएगा।

जो तुम्हें ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है और जो मुझे ग्रहण करता है वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है। जो कोई इन छोटों में से एक को चेला जान कर केवल एक कटोरा ठंडा पानी पिलाए मैं तुम से सच कहता हूं वह किसी रीति से अपना प्रतिफल न खोएगा।

जब यीशु अपने बारह चेलों को आज्ञा दे चुका तो वह उन के नगरों में उपदेश और प्रचार करने को चला गया।

——

यूहन्ना के सनदेशहर।

(मत्ती ११) चमत्कार

यूहन्ना ने जेलखाने में मसीह के कामों का समाचार सुनकर अपने चेलों को उस से यह पूछने भेजा, कि आनेवाला तू ही है या हम दूसरे की बाट जोहें। यीशु ने उत्तर दिया कि जो कुछ तुम सुनते और देखते हो वह जाकर यूहन्ना से कह दो, कि अंधे देखते और लंगड़े चलते फिरते हैं कोढ़ी शुद्ध किये जाते और बहिरे सुनते हैं मुरदे जिलाये जाते हैं और कंगालों को सुसमाचार सुनाया जाता है। और धन्य है वह जो मेरे कारण ठोकर न खाए।

जब वे वहां से चल दिए तो यीशु यूहन्ना के विषय में लोगों से कहने लगा तुम जंगल में क्या देखने गये थे क्या हवा से हिलते हुए सरकण्डे को। क्या कोमल वस्त्र पहिने हुए मनुष्य को। देखो जो कोमल वस्त्र पहिनते हैं वे राजभवनों में रहते हैं। तो फिर क्यों गये थे क्या किसी नबी के देखने को हां मैं तुम से कहता हूं वरन नबी से भी बड़े को। यह वही है जिस के विषय में लिखा है कि देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूं जो तेरे आगे तेरा मार्ग सुधारेगा। मैं तुम से सच कहता हूं कि जो स्त्रियों से जन्मे हैं उन से यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले से कोई बड़ा नहीं हुआ पर जो स्वर्ग के राज्य में छोटे से छोटा है वह उस से बड़ा है। यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग के राज्य के लिये बल किया जाता है और बलवान उसे ले लेते हैं। यूहन्ना लों सारे नबी और व्यवस्था नबूवत करते रहे। और चाहो तो मानो एलिय्याह जो आनेवाला था वह यही है। जिस के सुनने के कान हों वह सुन ले।

मैं इस समय के लोगों की उपमा किस से दूं वे उन बालकों के समान हैं जो बाज़ारों में बैठे हुए एक दूसरे से पुकारकर कहते हैं। हम ने तुम्हारे लिये बांसली बजाई और तुम न नाचे हम ने विलाप किया और तुम ने छाती न पीटी। क्योंकि यूहन्ना न खाता आया न पीता और वे कहते हैं उस में दुष्टात्मा है।

मनुष्य का पुत्र खाता पीता आया और वे कहते हैं देखो महसूल लेनेवालों और पापियों का मित्र । पर ज्ञान अपने कामों से सच्चा ठहराया गया है ।

तब वह उन नगरों को उलाहना देने लगा जिन में उस के बहुतेरे सामर्थ के काम किये गये थे क्योंकि उन्हों ने अपना मन नहीं फिराया था । हाय खुराजीन हाय बैतसैदा जो सामर्थ के काम तुम में किये गये यदि वे सूर और सैदा में किये जाते तो टाट ओढ़कर और राख में बैठकर वे कब के मन फिराते । पर मैं तुम से कहता हूं कि न्याय के दिन तुम्हारी दशा से सूर और सैदा की दशा सहने योग्य होगी । और हे कफरनहूम क्या तू स्वर्ग तक ऊंचा किया जाएगा तू तो अधोलोक तक नीचे जाएगा । जो सामर्थ के काम तुझ में किए गये हैं यदि सदोम में किये जाते तो वह आज तक बना रहता । पर मैं तुम से कहता हूं कि न्याय के दिन तेरी दशा से सदोम के देश की दशा सहने योग्य होगी ।

हे सब थके लोगो मेरे पास आओ ।

(मत्ती ११:२५, १२)

उसी समय यीशु ने कहा हे पिता स्वर्ग और पृथिवी के प्रभु मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रक्खा और बालकों पर प्रगट किया । हां हे पिता क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा । मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है ।

हे सब थके और बोझ से दबे लोगो मेरे पास आओ मैं तुम्हें बिश्राम दूंगा । मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो और मुझ से सीखो क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं और तुम अपने मन में बिश्राम पाओगे । क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है ।

उस समय यीशु बिश्राम के दिन खेतों में जा रहा था और उस के चेलों को भूख लगी तब वे बालें तोड़ तोड़कर खाने लगे ।

फरीसियों ने यह देखकर उस से कहा देख तेरे चेले वह काम कर रहे हैं जो बिश्राम के दिन करना उचित नहीं । उस ने उन से कहा मनुष्य का पुत्र तो बिश्राम के दिन का भी प्रभु है ।

वहां से चलकर वह उन की सभा के घर में आया । और देखो एक मनुष्य था जिस का हाथ सूखा था और उन्हों ने उस पर दोष लगाने के लिये उस से पूछा क्या बिश्राम के दिन चंगा करना उचित है । उस ने उन से कहा तुम में ऐसा कौन है जिस की एक ही भेड़ हो और वह बिश्राम के दिन गड़हे में गिर जाए तो वह उसे पकड़के न निकाले । मनुष्य का मान भेड़ से कितना बढ़कर है इस लिये बिश्राम के दिन भलाई करना उचित है । तब उस ने उस मनुष्य से कहा अपना हाथ बढ़ा । उस ने बढ़ाया और वह फिर दूसरे हाथ की नाईं अच्छा हो गया ।

कोई घराना जिस में फूट होती है बना न रहेगा ।

(मत्ती १२:१४)

तब फरीसियों ने बाहर जाकर उस के विरोध में सम्मति की कि उसे क्योंकर नाश करें । यह जानकर यीशु वहां से चला गया और बहुत लोग उस के पीछे हो लिए और उस ने सब को चंगा किया । और उन्हें चिताया कि मुझे प्रगट न करना ।

तब लोग एक अंधे गूंगे को जिस में दुष्टात्मा था उस के पास लाये और उस ने उसे अच्छा किया यहां तक कि वह गूंगा बोलने और देखने लगा । इस पर सब लोग चकित होकर कहने लगे यह क्या दाऊद का सन्तान है । परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता । उस ने उन के मन की बात जानकर उन से कहा

जिस किसी राज्य में फूट होती है वह उजड़ जाता है और कोई नगर या घराना जिस में फूट होती है बना न रहेगा ।

हे सांप के बच्चो तुम बुरे होकर क्योंकर अच्छी बातें कह सकते हो क्योंकि जो मन में भरा है वही मुंह पर आता है। भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है और बुरा मनुष्य बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है। मैं तुम से कहता हूं कि मनुष्य जो जो निकम्मी बातें कहें न्याय के दिन हर एक बात का लेखा देंगे। क्योंकि तू अपनी बातों से निर्दोष और अपनी बातों से दोषी ठहराया जाएगा।

जब वह भीड़ से बातें कर ही रहा था तो देखो उस की माता और भाई बाहर खड़े थे और उस से बातें करनी चाहते थे। यह सुन उस ने कहनेवाले को उत्तर दिया कौन है मेरी माता और कौन हैं मेरे भाई। और अपने चेलों की ओर अपना हाथ बढ़ा कर कहा देखो मेरी माता और मेरे भाई ये हैं। क्योंकि जो कोई मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चले वही मेरा भाई और बहिन और माता है।

बोनेवाले का दृष्टान्त।

(मत्ती १३)

उस दिन यीशु घर से निकलकर झील के किनारे जा बैठा। और उस के पास ऐसी बड़ी भीड़ इकट्ठी हुई कि वह नाव पर चढ़कर बैठा और सारी भीड़ किनारे पर खड़ी रही। और उस ने उन से दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कहीं कि

देखो एक बोनेवाला बीज बोने निकला। कुछ बीज मार्ग के किनारे गिरे और पक्षियों ने आकर उन्हें चुग लिया। कुछ पत्थरीली भूमि पर गिरे जहां उन्हें बहुत मिट्टी न मिली और गहरी मिट्टी न मिलने से वे जल्द उग आये। पर सूरज निकलने पर वे जल गये और जड़ न पकड़ने से सूख गये। कुछ झाड़ियों में गिरे और झाड़ियों ने बढ़कर उन्हें दबा डाला। पर कुछ अच्छी भूमि पर गिरे और फल लाये कोई सौ गुना कोई साठ गुना कोई तीस गुना।

जिस के कान हों वह सुन ले।

सो तुम बोनेवाले का दृष्टान्त सुनो। जो कोई राज्य का बचन सुनकर नहीं समझता उस के मन में जो कुछ बोया गया था उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है यह वही है जो मार्ग के किनारे बोया गया था। और जो पत्थरीली भूमि पर बोया गया यह वह है जो बचन सुनकर तुरन्त आनन्द के साथ मान लेता है। पर अपने में जड़ न रखने से वह थोड़े ही दिन का है और जब बचन के कारण क्लेश या उपद्रव होता है तो तुरन्त ठोकर खाता है। जो झाड़ियों में बोया गया यह वह है जो बचन को सुनता है पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा बचन को दबाता है और वह फल नहीं लाता। जो अच्छी भूमि में बोया गया यह वह है जो बचन को सुनकर समझता है और फल लाता है कोई सौ गुना कोई साठ गुना कोई तीस गुना।

जंगली बीज का दृष्टान्त।

(मत्ती १३:२४)

उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिस ने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। पर जब लोग सो रहे थे तो उस का वैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। जब अंकुर निकले और बालें लगीं तो जंगली दाने भी दिखाई दिये।

इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उस से कहा हे स्वामी क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था फिर जंगली दाने के पौधे उस में कहां से आये। उस ने उन से कहा यह किसी वैरी का काम है। दासों ने उस से कहा क्या तेरी इच्छा है कि हम जाकर उन को बटोर लें। उस ने कहा ऐसा नहीं न हो कि जंगली दाने के पौधे बटोरते हुए उन के साथ गेहूं भी उखाड़ लो। कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो और कटनी के समय में काटनेवालों से कहूंगा पहिले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिये उन के गट्ठे बांध लो और गेहूं को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो।

स्वर्ग का राज्य किसके समान है ।

(मत्ती १३:३१)

उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बोया। वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता तब सब साग पात से बड़ा होता है और ऐसा पेड़ हो जाता है कि आकाश के पक्षी आकर उस की डालियों पर बसेरा करते हैं।

उस ने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया कि स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिलाया और होते होते सब खमीर हो गया।

तब वह भीड़ को छोड़कर घर में आया और उस के चेलों ने उस के पास आकर कहा खेत के जंगली दाने का दृष्टान्त हमें समझा दे। उस ने उन को उत्तर दिया कि अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है। खेत संसार है अच्छा बीज राज्य के सन्तान और जंगली बीज दुष्ट के सन्तान हैं। जिस बैरी ने उन को बोया वह शैतान है कटनी जगत का अन्त है और काटनेवाले स्वर्गदूत हैं। सो जैसे जंगली दाने बटोरे जाते और जलाए जाते हैं वैसा ही जगत के अन्त में होगा। मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को बटोरेंगे। और रोना और दांत पीसना होगा।

उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूरज की नाईं चमकेंगे। जिस के कान हो वह सुन ले।

स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है जिसे किसी मनुष्य ने पाकर छिपा दिया और मारे आनन्द के जाकर और अपना सब कुछ बेचकर उस खेत को मोल लिया।

फिर स्वर्ग का राज्य एक व्योपारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। जब उस ने एक बड़े मोल का मोती पाया तो जाकर अपना सब कुछ बेचकर उसे मोल लिया।

फिर स्वर्ग का राज्य उस बड़े जाल के समान है जो समुद्र में डाला गया और हर प्रकार की मछलियों को समेट लाया और जब भर गया तो उस को किनारे पर खींच लाए और बैठकर अच्छी अच्छी तो बरतनों में जमा की और निकम्मी निकम्मी फेंक दी। जगत के अन्त में ऐसा ही होगा।

यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले की मृत्यु ।

(मत्ती १३:५३)

जब यीशु ये सब दृष्टान्त कह चुका तो वहां से चला गया। और अपने देश में आकर उन की सभा में उन्हें ऐसा उपदेश देने लगा कि वे चकित होकर कहने लगे इस को यह ज्ञान और सामर्थ के काम कहां से मिले। यह क्या बढ़ई का बेटा नहीं क्या इस की माता का नाम मरयम और इस के भाइयों के नाम याकूब और यूसुफ और शमौन और यहूदा नहीं। और क्या इस की सब बहिनें हमारे बीच में नहीं रहतीं फिर इस को यह सब कहां से मिला। सो उन्हों ने उस के विषय में ठोकर खाई।

पर यीशु ने उन से कहा नबी अपने देश और अपने घर को छोड़ और कहीं निरादर नहीं होता। और उस ने वहां उन के अविश्वास के कारण बहुत सामर्थ के काम नहीं किये।

उस समय हेरोदेश ने यीशु की चर्चा सुनी। और अपने सेवकों से कहा यह यूहन्ना बपतिसमा देनेवाला है वह मरे हुओं में से जी उठा है इस लिये ये सामर्थ के काम उस से प्रगट होते हैं। क्योंकि हेरोदेश ने यूहन्ना को पकड़कर बांधा और जेल खाने में डाला था। और वह उसे मार डालना चाहता था पर लोगों से डरा क्योंकि वे उसे नबी जानते थे।

पर जब हेरोदेस का जन्म दिन आया तो हेरोदियास की बेटी ने उत्सव में नाचकर हेरोदेस को खुश किया। इस लिये उस ने किरिया खाकर बचन दिया कि जो कुछ तू मांगे मैं तुझे दूंगा। वह अपनी माता की उस्काई हुई बोली यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले का सिर थाल में यहीं मुझे मंगवा दे। राजा उदास हुआ पर अपनी किरिया के कारण जेलखाने में लोगों को भेजकर यूहन्ना का सिर कटवाया। और उस का सिर थाल में लाया गया और लड़की को दिया गया और वह उस को अपनी मां के पास ले गई।

और उस के चेलों ने आकर और उस की लोथ को ले जाकर गाड़ा। जब यीशु ने यह सुना तो नाव पर चढ़कर वहां से किसी सुनसान जगह एकान्त में चला गया और लोग नगर में से पैदल उस के पीछे हो लिये।

पांच रोटी और दो मछली।

(मत्ती १४:१४)

यीशु ने निकलकर बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया और उस ने उन के बीमारों को चंगा किया।

जब सांझ हुई तो उस के चेलों ने उस के पास आकर कहा यह तो सुनसान जगह है और अबेर हो रही है लोगों को बिदा कर कि वे बस्तियों में जाकर अपने लिये भोजन मोल लें। यीशु ने उन से कहा उन का जाना अवश्य नहीं तुम ही इन्हें खाने को दो। उन्हों ने उस से कहा यहां हमारे पास पांच रोटी और दो मछली छोड़ और कुछ नहीं। उस ने कहा उन को यहां मेरे पास ले आओ।

तब उस ने लोगों को घास पर बैठने को कहा और उन पांच रोटियों और दो मछलियों को लिया और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया और रोटियां तोड़ तोड़कर चेलों को दीं और चेलों ने लोगों को। और सब खाकर तृप्त हो गये और उन्हों ने बचे हुए टुकड़ों से भरी हुई बारह टोकरी उठाईं। और खानेवाले स्त्रियों और बालकों को छोड़ पांच हजार पुरुषों के अटकल थे।

मैं हूं डरो मत।

(मत्ती १४:२२)

और उस ने तुरन्त अपने चेलों को बरबस नाव पर चढ़ाया कि उस से पहिले पार जाएं जब तक कि वह लोगों को बिदा करे। वह लोगों को बिदा करके प्रार्थना करने को अलग पहाड़ पर चढ़ गया और सांझ को वहां अकेला था। उस समय नाव झील के बीच लहरों से डगमगा रही थी क्योंकि हवा सामने की थी। रात के चौथे पहर वह झील पर चलते हुए उन के पास आया। चेले उस को झील पर चलते हुए देख कर घबरा गये और कहने लगे वह भूत है और डर के मारे चिल्लाये।

यीशु ने तुरन्त उन से बातें कीं और कहा ढाढ़स बांधो मैं हूं डरो मत। पतरस ने उस को उत्तर दिया हे प्रभु यदि तू ही है तो मुझे अपने पास पानी पर आने की आज्ञा दे। उस ने कहा आ तब पतरस नाव पर से उतरकर यीशु के पास जाने को पानी पर चलने लगा। पर हवा को देखकर डर गया और जब डूबने लगा तो चिल्लाकर कहा हे प्रभु मुझे बचा। यीशु ने तुरन्त हाथ बढ़ाकर उसे थाम लिया और उस से कहा हे अल्प-बिश्वासी क्यों सन्देह किया। जब वे नाव पर चढ़ गये तो हवा थम गई। इस पर उन्हों ने उसे प्रणाम करके कहा सचमुच तू परमेश्वर का पुत्र है।

वे पार उतरकर गन्नेसरत देश में पहुंचे। और वहां के लोगों ने उसे पहचानकर आस पास सारे देश में कहला भेजा और सब बीमारों को उस के पास लाये। और उस से बिनती करने लगे कि वह उन्हें अपने वस्त्र के आंचल ही को छूने दे और जितनों ने उसे छुआ वे चंगे हो गये।

पतरस।

(मत्ती १६:१३)

यीशु कैसरिया फिलिप्पी के देश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा कि लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं। उन्हों ने कहा कितने तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं कितने एलिय्याह और कितने यिरमयाह या नबियों में से एक कहते हैं। उस ने उन से कहा पर तुम मुझे क्या कहते हो शमौन पतरस ने उत्तर दिया कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।

यीशु ने उस को उत्तर दिया कि तू धन्य है क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं पर मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है यह बात तुझ पर प्रगट की है। और मैं भी तुझ से कहता हूं कि तू पतरस है और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगा और जो कुछ तू पृथिवी पर बांधेगा वह स्वर्ग में बंधेगा और जो कुछ तू पृथिवी पर खोलेगा वह स्वर्ग में खुलेगा। तब उस ने चेलों को चिताया कि किसी से न कहना कि मैं मसीह हूं।

उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा कि मुझे अवश्य है कि यरूशलेम जाऊं और बहुत दुख उठाऊं और मार डाला जाऊं और तीसरे दिन जी उठूं।

इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर झिड़कने लगा कि हे प्रभु परमेश्वर न करे तुझ पर ऐसा कभी न होगा। उस ने फिरकर पतरस से कहा हे शैतान मेरे सामने से दूर हो तू मेरे लिये ठोकर का कारण है क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।

तब यीशु ने अपने चेलों से कहा यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे तो अपने आपे को नकारे और अपना क्रूस उठाए और मेरे पीछे हो ले। क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा और जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा वह उसे पाएगा। यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए तो उसे क्या लाभ होगा या मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा। मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा और उस समय वह हर एक को उस के कामों के अनुसार देगा। मैं तुम से सच कहता हूं कि जो यहां खड़े हैं उन में से कितने ऐसे हैं कि जब तक मनुष्य के पुत्र को उस के राज्य में आते हुए न देख लें तब तक मृत्यु का स्वाद कभी न चखेंगे।

पहाड़ी रोया।

(मत्ती १७)

छः दिन के पीछे यीशु ने पतरस और याकूब और उस के भाई यूहन्ना को साथ लिया और उन्हें एकान्त में किसी ऊंचे पहाड़ पर ले गया। और उन के सामने उस का रूप बदल गया और उस का मुंह सूरज की नाईं चमका और उस का वस्त्र ज्योति की नाईं उजला हो गया।

और देखो मूसा और एलिय्याह उस के साथ बातें करते हुए उन्हें दिखाई दिये। इस पर पतरस ने यीशु से कहा हे प्रभु हमारा यहां रहना अच्छा है इच्छा हो तो यहां तीन मण्डप बनाऊं एक तेरे लिए एक मूसा के लिये और एक एलिय्याह के लिये।

वह बोल ही रहा था कि देखो एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया और देखो उस बादल में से यह शब्द निकला कि यह मेरा प्रिय पुत्र है जिस से मैं प्रसन्न हूं इस की सुनो। चेले यह सुन कर मुंह के बल गिरे और बहुत डर गये।

यीशु ने पास आकर उन्हें छूआ और कहा उठो डरो मत। तब उन्हों ने अपनी आंखें उठाकर यीशु को छोड़ और किसी को न देखा। जब वे पहाड़ से उतरते थे तो यीशु ने उन्हें यह आज्ञा दी कि जब तक मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से न जी उठे तब तक जो कुछ तुम ने देखा किसी से न कहना।

जब वे भीड़ के पास पहुंचे तो एक मनुष्य उस के पास आया और घुटने टेककर कहने लगा। हे प्रभु मेरे पुत्र पर दया कर क्योंकि उस को मिर्गी आती है और वह बहुत दुःख उठाता है और बार बार आग में और बार बार पानी में गिर पड़ता है। और मैं उस को तेरे चेलों के पास लाया था पर वे उसे अच्छा नहीं कर सके। यीशु ने उत्तर दिया कि हे अबिश्वासी और हठीले लोगों में कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा कब तक तुम्हारी सहूंगा उसे यहां मेरे पास लाओ। तब यीशु ने उसे घुड़का और दुष्टात्मा उस में से निकला और लड़का उसी घड़ी अच्छा हो गया।

तब चेलों ने एकान्त में यीशु के पास आकर कहा हम इसे क्यों नहीं निकाल सके। उस ने उन से कहा अपने बिश्वास की घटी के कारण क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं यदि तुम्हारा बिश्वास राई के दाने के बराबर भी हो तो इस पहाड़ से कह सकोगे कि यहां से सरककर वहां चला जा और वह चला जाएगा और कोई बात तुम्हारे लिये अन्होनी न होगी।

यीशु ने एक बालक को पास बुलाया।

(मत्ती १८)

जब वे कफरनहूम में पहुंचे तो चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे स्वर्ग के राज्य में बड़ा कौन है।

इस पर उस ने एक बालक को पास बुलाकर उन के बीच में खड़ा किया। और कहा मैं तुम से सच कहता हूं यदि तुम न फिरो और बालकों के समान न बनो तो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने न पाओगे। जो कोई अपने आप को इस बालक के समान छोटा करेगा वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा। और जो कोई मेरे नाम से एक ऐसे बालक को ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है। पर जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर बिश्वास करते हैं एक को ठोकर खिलाये उस के लिये भला होता कि बड़ी चक्की का पाट उस के गले में लटकाया जाता और वह गहिरे समुद्र में डुबाया जाता।

ठोकरों के कारण संसार पर हाय ठोकरों का लगना अवश्य है पर हाय उस मनुष्य पर जिस के द्वारा ठोकर लगती है। देखो कि तुम इन छोटों में से किसी को तुच्छ न जानना क्योंकि मैं तुम से कहता हूं कि स्वर्ग में उन के दूत मेरे स्वर्गीय पिता का मुंह सदा देखते हैं।

तुम क्या समझते हो यदि किसी मनुष्य के सौ भेड़ें हों और उन में से एक भटक जाए तो क्या निन्नानवे को छोड़कर और पहाड़ों पर जाकर उस भटकी हुई को न ढूंढ़ेगा। और यदि ऐसा हो कि उसे पाये तो मैं तुम से सच कहता हूं कि वह उन निन्नानवे भेड़ों के लिये जो न भटकी थीं इतना आनन्द न करेगा जितना कि इस भेड़ के लिये करेगा। ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है इच्छा नहीं कि इन छोटों में से एक भी नाश हो।

फिर मैं तुम से कहता हूं यदि तुम में से दो जन पृथिवी पर किसी बात के लिये जिसे वे मांगें एक मन के हों तो वह मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी। क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे हुए हैं वहां मैं उन के बीच में हूं।

एक राजा और उस के सेवक।

(मत्ती १८:२१)

तब पतरस ने पास आकर उस से कहा हे प्रभु यदि मेरा भाई मेरा अपराध करता रहे तो मैं कै बार उसे क्षमा करूं क्या सात बार तक। यीशु ने उस से कहा मैं तुझ से यह नहीं कहता कि सात बार बरन सात बार के सत्तर गुने तक।

इस लिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है जिस ने अपने दासों से लेखा लेना चाहा। जब वह लेखा लेने लगा तो एक जन उस के सामने

लाया गया जो दस हज़ार तोड़े धारता था। जब कि भर देने को उस के पास कुछ न था तो उस के स्वामी ने कहा कि यह और इस की पत्नी और लड़के-बाले और जो कुछ इस का है सब बेचा जाए और वह करज भर दिया जाए। इस पर उस दास ने गिरकर उसे प्रणाम किया और कहा हे स्वामी धीरज धर मैं सब कुछ भर दूंगा। तब उस दास के स्वामी ने तरस खाकर उसे छोड़ दिया और उस का धार क्षमा किया।

पर जब वह दास बाहर निकला तो उस के संगी दासों में से एक उस को मिला जो उसके सौ दीनार धारता था उस ने उसे पकड़कर उस का गला घोंटा और कहा जो कुछ तू धारता है भर दे। इस पर उस का संगी दास गिरकर उस से बिनती करने लगा कि धीरज धर मैं सब भर दूंगा। उस ने न माना पर जाकर उसे जेलखाने में डाल दिया कि जब तक करज को भर न दे तब तक वहीं रहे। उस के संगी दास यह जो हुआ था देखकर बहुत उदास हुए और जाकर अपने स्वामी को बता दिया। तब उस के स्वामी ने उस से कहा हे दुष्ट दास तू ने जो मुझ से बिनती की तो मैं ने तुझे वह सारा करज क्षमा किया। सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना चाहिये न था। और उस के स्वामी ने क्रोध कर उसे दण्ड देनेवालों के हाथ सौंप दिया कि जब तक वह सब करज भर न दे तब तक उन के हाथ में रहे।

यों ही यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है तुम से भी करेगा।

बालकों को मेरे पास आने दो।

(मत्ती १९:१३)

तब लोग बालकों को उस के पास लाए कि वह उन पर हाथ रक्खे और प्रार्थना करे पर चेलों ने उन्हें डांटा।

यीशु ने कहा बालकों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना न करो क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है।

और वह उन पर हाथ रखकर वहां से चला गया।

एक धनी जवान का वृत्तान्त।

(मत्ती १९:१६)

और देखो एक मनुष्य ने पास आकर उस से कहा हे गुरु मैं कौन सा भला काम करूं कि अनन्त जीवन पाऊं। उस ने उस से कहा तू मुझ से भलाई के विषय में क्यों पूछता है भला तो एक ही है पर यदि तू जीवन में प्रवेश करना चाहता है तो आज्ञाओं को मानाकर। उस जवान ने उस से कहा इन सब को मैं ने माना अब मुझ में किस बात की घटी है। यीशु ने उस से कहा यदि तू सिद्ध होना चाहता है तो जा अपना माल बेचकर कंगालों को दे और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा और आकर मेरे पीछे हो ले।

पर वह जवान यह बात सुन उदास होकर चला गया क्योंकि वह बहुत धनी था।

तब यीशु ने अपने चेलों से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। फिर तुम से कहता हूं कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊंट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है। यह सुनकर चेलों ने बहुत चकित होकर कहा फिर किस का उद्धार हो सकता है। यीशु ने उन की ओर देखकर कहा मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

दाख की बारी का दृष्टान्त।

(मत्ती १९:२७,३०)

इस पर पतरस ने उस से कहा कि देख हम तो सब कुछ छोड़के तेरे पीछे हो लिए हैं सो हमें क्या मिलेगा। यीशु ने उन से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि तुम भी जो मेरे पीछे हो लिये हो बाहर सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करोगे। और जिस किसी ने घरों या भाइयों या बहिनों या पिता या माता या लड़केबालों या खेतों को मेरे नाम के लिये छोड़ दिया उस को सौ गुना मिलेगा और वह अनन्त जीवन का अधिकारी होगा। पर बहुतेरे जो पहिले हैं पिछले होंगे और जो पिछले हैं पहिले होंगे।

स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्थ के समान है जो सवेरे निकला कि अपने दाख की बारी में मजदूरों को लगाए। और उस ने मजदूरों से एक दीनार रोज ठहराकर उन्हें अपने दाख की बारी में भेजा।

फिर पहर एक दिन चढ़े निकलकर और औरों को बाजार में बेकार खड़े देखकर, उन से कहा तुम भी दाख की बारी में जाओ और जो कुछ ठीक है तुम्हें दूंगा सो वे भी गए। फिर उस ने दूसरे और तीसरे पहर के निकट निकलकर वैसा ही किया। घड़ी एक दिन रहे फिर निकलकर औरों को खड़े पाया और उन से कहा तुम क्यों यहां दिन भर बेकार खड़े रहे। उन्हों ने उस से कहा इस लिये कि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं लगाया। उस ने उन से कहा तुम भी दाख की बारी में जाओ।

सांझ को दाख की बारी के स्वामी ने अपने भण्डारी से कहा मजदूरों को बुलाकर पिछलों से लेकर पहिलों तक उन्हें मजदूरी दे दे।

सो जब वे आए जो घड़ी एक दिन रहे लगाए गए थे तो उन्हें एक एक दीनार मिला। जब पहिले आए तो यह समझा कि हमें अधिक मिलेगा पर उन्हें भी एक ही एक दीनार मिला। वे गृहस्थ पर कुड़कुड़ाके कहने लगे, कि इन पिछलों ने एक ही घड़ी काम किया और तू ने उन्हें हमारे बराबर कर दिया जिन्हों ने दिन भर का भार उठाया और घाम सहा। उस ने उन में से एक को उत्तर दिया कि हे मित्र मैं तुझ से कुछ अन्याय नहीं करता क्या तू ने मुझ से एक दीनार न ठहराया। जो तेरा है उठा ले और चला जा मेरी इच्छा यह है कि जितना तुझे उतना ही इस पिछले को भी दूं। क्या उचित नहीं कि अपने माल से जो चाहूं सो करूं इसी रीति से जो पिछले हैं वे पहिले होंगे और जो पहिले हैं वे पिछले होंगे।

जबदी के पुत्रों की माता।

(मत्ती २०:१७)

यीशु यरूशलेम को जाते हुए बारह चेलों को एकान्त में ले गया और मार्ग में उन से कहने लगा, कि देखो हम यरूशलेम को जाते हैं और मनुष्य का पुत्र महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जाएगा और वे उस को घात के योग्य ठहराएंगे। और उस को अन्यजातियों के हाथ सौंपेंगे कि वे उसे ठट्ठों में उड़ाएं और कोड़े मारें और क्रूस पर चढ़ाएं और वह तीसरे दिन जिलाया जाएगा।

तब जबदी के पुत्रों की माता ने अपने पुत्रों के साथ उस के पास आकर प्रणाम किया और उस से कुछ मांगने लगी। उस ने उस से कहा तू क्या चाहती है वह उस से बोली यह कह कि मेरे ये दो पुत्र तेरे राज्य में एक तेरे दहिने और एक तेरे बाएं बैठें। यीशु ने उत्तर दिया तुम नहीं जानते कि क्या मांगते हो जो कटोरा मैं पीने पर हूं क्या तुम पी सकते हो उन्हों ने उस से कहा पी सकते हैं। उस ने उन से कहा तुम मेरा कटोरा तो पीओगे पर अपने दहिने बाएं किसी को बिठाना मेरा काम नहीं पर जिन के लिये मेरे पिता की ओर से तैयार किया गया उन्हीं के लिये है।

यह सुनकर दसों चेले उन दोनों भाइयों पर रिसियाए। यीशु ने उन्हें पास बुलाकर कहा तुम जानते हो कि अन्य जातियों के हाकिम उन पर प्रभुता करते हैं और जो बड़े हैं वे उन पर अधि-

कार जताते हैं। पर तुम में ऐसा न होगा पर जो कोई तुम में बड़ा होना चाहे वह तुम्हारा सेवक बने। और जो तुम में प्रधान होना चाहे वह तुम्हारा दास बने। जैसे कि मनुष्य का पुत्र इस लिये नहीं आया कि उस की सेवा टहल किई जाए पर इस लिये आया कि आप सेवा टहल करे और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण दे।

जब वे यरीहो से निकलते थे तो एक बड़ी भीड़ उस के पीछे हो ली। और देखो दो अंधे जो सड़क के किनारे बैठे थे यह सुनकर कि यीशु जा रहा है पुकारकर कहने लगे कि हे प्रभु दाऊद के सन्तान हम पर दया कर। लोगों ने उन्हें डांटा कि चुप रहें पर वे और भी चिल्लाकर बोले हे प्रभु दाऊद के सन्तान हम पर दया कर। तब यीशु ने खड़े होकर उन्हें बुलाया और कहा तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये करूं। उन्हों ने उस से कहा हे प्रभु यह कि हमारी आंखें खुल जाएं।

यीशु ने तरस खाकर उन की आंखें छुईं और वे तुरन्त देखने लगे और उस के पीछे हो लिये।

यीशु की सवारी यरूशलेम में जाती।

(मत्ती २१)

जब वे यरूशलेम के निकट पहुंचे और जैतून पहाड़ पर बैतफगे के पास आए तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा, अपने सामने के गांव में जाओ वहां पहुंचते ही एक गदही बन्धी हुई और उस के साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा उन्हें खोलकर मेरे पास ले आओ। यदि तुम से कोई कुछ कहे तो कहो कि प्रभु को इन का प्रयोजन है तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा।

चेलों ने जाकर जैसा यीशु ने उन्हें कहा था वैसा ही किया। और गदही और बच्चे को लाकर उन पर अपने कपड़े डाले और वह उन पर बैठ गया।

और बहुतेरे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए और और लोगों ने पेड़ों से डालियां काटकर मार्ग में बिछाईं। और भीड़ पुकार पुकारकर कहती थी कि दाऊद के सन्तान को होशाना धन्य वह जो प्रभु के नाम से आता है आकाश में होशाना।

जब उस ने यरूशलेम में प्रवेश किया तो सारे नगर में हलचल पड़ गई और लोग कहने लगे यह कौन है। लोगों ने कहा यह नासरत का नबी यीशु है।

यीशु ने परमेश्वर के मन्दिर में जाकर उन सब को जो मन्दिर में लेन देन कर रहे थे निकाल दिया और सर्राफों के पीढ़े और कबूतरों के बेचनेवालों की चौकियां उलट दीं। और उन से कहा लिखा है कि मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा पर तुम उसे डाकुओं की खोह बनाते हो।

और अंधे और लंगड़े मन्दिर में उस के पास आए और उस ने उन्हें चंगा किया। पर जब महायाजकों और शास्त्रियों ने इन अद्भुत कामों को जो उस ने किए और लड़कों को मन्दिर में दाऊद के सन्तान को होशाना पुकारते हुए देखा तो रिसिया कर उस से कहने लगे क्या तू सुनता है कि ये क्या कहते हैं। यीशु ने उन से कहा हां क्या तुम ने यह कभी नहीं पढ़ा कि बालकों और दूध पीते बच्चों के मुंह से तू ने स्तुति सिद्ध कराई। तब वह उन्हें छोड़कर नगर के बाहर बैतनिय्याह को गया और वहां रात बिताई।

भोर को जब वह नगर को लौट रहा था तो उसे भूख लगी। और अंजीर का एक पेड़ सड़क के किनारे देखकर वह उस के पास गया और पत्तों को छोड़ उस में और कुछ न पाकर उस से कहा अब से तुझ में फिर कभी फल न लगे। और अंजीर का पेड़ तुरन्त सूख गया। यह देखकर चेलों ने अचम्भा किया और कहा यह अंजीर का पेड़ क्योंकर तुरन्त सूख गया। यीशु ने उन को उत्तर दिया कि मैं तुम से सच कहता हूं यदि तुम बिश्वास रक्खो और संदेह न करो तो न केवल यह करोगे जो इस अंजीर के पेड़ से किया गया है पर यदि इस पहाड़ से भी कहोगे कि उखड़ जा और समुद्र में जा पड़ तो यह हो जायगा। और जो कुछ तुम प्रार्थना में बिश्वास करके मांगोगे सो पाओगे।

किसानों का दृष्टान्त।

(मत्ती २१:३३)

एक और दृष्टान्त सुनो। एक गृहस्थ था जिस ने दाख की बारी लगाई और उस के चारों ओर बाड़ा बांधा और उस में रस का कुंड खोदा और गुम्मट बनाया और किसानों को उस का ठीका देकर परदेश चला गया।

जब फल का समय निकट आया तो उस ने अपने दासों को उस का फल लेने के लिये किसानों के पास भेजा। पर किसानों ने उस के दासों को पकड़के किसी को पीटा और किसी को मार डाला और किसी को पत्थरवाह किया। फिर उस ने और दासों को भेजा जो पहिलों से अधिक थे और उन्हों ने उन से भी वैसा ही किया। पीछे उस ने अपने पुत्र को उन के पास यह कहकर भेजा कि वे मेरे पुत्र का आदर करेंगे।

पर किसानों ने पुत्र को देखकर आपस में कहा यह तो वारिस है आओ उसे मार डालें और उस की मीरास लेलें। और उन्हों ने उसे पकड़ा और दाख की बारी से बाहर निकालकर मार डाला। इस लिये जब दाख की बारी का स्वामी आएगा तो उन किसानों से क्या करेगा। उन्हों ने उस से कहा वह उन बुरे लोगों को बुरी रीति से नाश करेगा और दाख की बारी का ठीका और किसानों को देगा जो समय पर उसे फल दिया करेंगे।

यीशु ने उन से कहा क्या तुम ने कभी पवित्र शास्त्र में यह नहीं पढ़ा कि जिस पत्थर को राजों ने निकम्मा ठहराया था वही कोने के सिरे का पत्थर हो गया। यह प्रभु की ओर से हुआ और हमारे देखने में अदभुत है। इस लिये मैं तुम से कहता हूं कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा और ऐसी जाति को जो उस का फल लाए दिया जाएगा। जो इस पत्थर पर गिरेगा वह चूर हो जाएगा और जिस पर वह गिरेगा उस को पीस डालेगा।

राजा के पुत्र का दृष्टान्त।

(मत्ती २२)

महायाजक और फरीसी उस के दृष्टान्तों को सुनकर समझ गए कि वह हमारे विषय में कहता है। और उन्हों ने उसे पकड़ना चाहा पर लोगों से डर गए क्योंकि वे उसे नबी जानते थे।

इस पर यीशु फिर उन से दृष्टान्तों में कहने लगा। स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है जिस ने अपने पुत्र का ब्याह किया। और उस ने अपने दासों को भेजा कि नेवतहरियों को ब्याह के भोज में बुलाएं पर उन्हों ने आना न चाहा। फिर उस ने और दासों को यह कहकर भेजा कि नेवतहरियों से कहो देखो मैं भोज तैयार कर चुका हूं और सब कुछ तैयार है ब्याह के भोज में आओ। पर वे बेपरवाई करके चल दिए कोई अपने खेत को कोई अपने अपने व्योपार को। बाकियों ने उस के दासों को पकड़कर अनादर किया और मार डाला।

राजा ने क्रोध किया और अपनी सेना भेजकर उन खूनियों को नाश किया और उन के नगर को फूंक दिया। तब उस ने अपने दासों से कहा ब्याह का भोज तो तैयार है पर नेवतहरी योग्य नहीं ठहरे। इस लिये चौराहों में जाओ और जितने लोग तुम्हें मिलें सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ।

सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे क्या भले जितने मिले सब को इकट्ठे किया और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। जब राजा जेवनहारों के देखने को भीतर आया तो उस ने वहां एक मनुष्य को देखा जो ब्याह का वस्त्र न पहिने था। उस ने उस से पूछा हे मित्र तू ब्याह का वस्त्र पहिने बिना यहां क्योंकर आ गया। उस का मुंह बन्द हो गया। तब राजा ने सेवकों से कहा इस के हाथ पांव बांधकर उसे बाहर अंधेरे में डाल दो वहां रोना और दांत पीसना होगा। क्योंकि बुलाए हुए बहुत पर चुने हुए थोड़े हैं।

जो कैसर का है कैसर को दो।

(मत्ती २२:१५)

तब फरीसियों ने जाकर आपस में विचार किया कि उस को क्योंकर बातों में फंसाएं। सो उन्हों ने अपने चेलों को हेरोदियों के साथ उस के पास यह कहने को भेजा कि हे गुरु हम जानते हैं कि तू सच्चा है और परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से सिखाता है और किसी की परवा नहीं करता सो हमें बता तू क्या समझता है कैसर को कर देना उचित है कि नहीं।

यीशु ने उन की दुष्टता जानकर कहा हे कपटियो मुझे क्यों परखते हो। कर का सिक्का मुझे दिखाओ तब वे उस के पास एक दीनार ले आये। उस ने उन से पूछा यह मूर्त्ति और नाम किस का है। उन्हों ने उस से कहा कैसर का तब उस ने उन से कहा जो कैसर का है वह कैसर को और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो। यह सुनकर उन्हों ने अचम्भा किया और उसे छोड़कर चले गये।

सब से बड़ी आज्ञा।

(मत्ती २२:३४)

जब फरीसियों ने सुना कि उस ने सदूकियों का मुंह बन्द कर दिया तो उन में से एक व्यवस्थापक ने परखने के लिये उस से पूछा। हे गुरु व्यवस्था में कौन सी आज्ञा बड़ी है।

उस ने उस से कहा

तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे जीव और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।

बड़ी और मुख्य आज्ञा यही है। और उसी के समान यह दूसरी भी है कि

तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

ये ही दो आज्ञा सारी व्यवस्था और नबियों का आधार है।

उस के उत्तर में कोई भी एक बात न कह सका पर उस दिन से किसी को फिर उस से कुछ पूछने का हियाव न हुआ।

हाय तुम पर हे कपटियो।

(मत्ती २३)

तब यीशु ने भीड़ से और अपने चेलों से कहा।

शास्त्री और फरीसी मूसा की गद्दी पर बैठे हैं। इस लिये वे तुम से जो कुछ कहें वह करना और मानना पर उन के से काम न करना क्योंकि वे कहते हैं और करते नहीं। वे ऐसे भारी बोझ जिन को उठाना कठिन है बांधकर उन्हें मनुष्यों के कांधों पर रखते हैं पर आप उन्हें अपनी उंगली से भी सरकाना नहीं चाहते। वे अपने सब काम लोगों को दिखाने को करते हैं वे अपने तावीजों को चौड़े करते और अपने वस्त्रों की कोरें बढ़ाते हैं। जेवनारों में मुख्य मुख्य जगहें और सभा में मुख्य मुख्य आसन, और बाजारों में नमस्कार और मनुष्यों में रब्बी रब्बी कहलाना उन्हें भाता है। पर तुम रब्बी न कहलाना क्योंकि तुम्हारा एक ही गुरु है और तुम सब भाई हो। और पृथिवी पर किसी को अपना पिता न कहना क्योंकि तुम्हारा एक ही पिता है जो स्वर्ग में है। और स्वामी भी न कहलाना क्योंकि तुम्हारा एक ही स्वामी है अर्थात मसीह। जो तुम में बड़ा हो वह तुम्हारा सेवक बने। जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा वह छोटा किया जाएगा और जो कोई अपने आप को छोटा बनाएगा वह बड़ा किया जाएगा।

हे कपटी शास्त्रियो और फरीसियो तुम पर हाय तुम मनुष्यों के विरोध में स्वर्ग के राज्य का द्वार बंद करते हो न आप ही उस में प्रवेश करते हो और न उस में प्रवेश करनेवालों को प्रवेश करने देते हो।

हे अंधे अगुवो तुम पर हाय जो कहते हो यदि कोई मन्दिर की किरिया खाए तो कुछ नहीं पर यदि कोई मन्दिर के सोने की किरिया खाए तो उस

से बंध जाएगा । हे मूर्खो और अंधो कौन बड़ा है सोना या वह मन्दिर जिस से सोना पवित्र होता है ।

हे अंधो कौन बड़ा है भेंट या बेदी जिस से भेंट पवित्र होती है हे अंधे अगुवो जो मच्छड़ को तो छान डालते हो पर ऊंट को निगल जाते हो ।

हे कपटी शास्त्रियो और फरीसियो तुम पर हाय तुम कटोरे और थाली को ऊपर ऊपर तो मांजते हो पर वे भीतर अंधेर और असंयम से भरे हैं ।

हे कपटी शास्त्रियो और फरीसियो तुम पर हाय तुम चूना फेरे हुए कबरों के समान हो जो ऊपर से तो सुन्दर दिखाई देती हैं पर भीतर सब प्रकार की मलिनता से भरी हैं । इसी रीति से तुम भी ऊपर से मनुष्यों को धर्मी दिखाई देते हो पर भीतर कपट और अधर्म से भरे हो ।

हे सांपो हे करैतों के बच्चो तुम क्योंकर बचोगे । इस लिये देखो मैं तुम्हारे पास नबियों और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूं और तुम उन में से कितनों को मार डालोगे और क्रूस पर चढ़ाओगे और कितनों को अपनी सभाओं में कोड़े मारोगे और नगर से नगर खदेड़ते फिरोगे ।

मैं तुम से सच कहता हूं ये सब बातें इस समय के लोगों पर पड़ेंगी ।

हे यरूशलेम हे यरूशलेम ।

(मत्ती २३:३७)

हे यरूशलेम हे यरूशलेम तू जो नबियों को मार डालती और जो तेरे पास भेजे गए उन्हें पत्थरवाह करती है कितनी ही बार मैं ने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठे करती है वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठे कर लूं पर तुम ने न चाहा । देखो तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है । क्योंकि मैं तुम से कहता हूं अब से जब तक तुम न कहोगे कि धन्य वह जो प्रभु के नाम से आता है तब तक तुम मुझे कभी न देखोगे ।

जब यीशु मन्दिर से निकलकर जा रहा था तो उस के चेले उस को मन्दिर की रचना दिखाने को उस के पास आए । उस ने उन से कहा क्या तुम यह सब नहीं देखते मैं तुम से सच कहता हूं यहां पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा जो ढाया न जाएगा ।

पिछले दिनों का बयान ।

(मत्ती २४)

और जब वह जैतून के पहाड़ पर बैठा था तो चेलों ने अलग उस के पास आकर कहा हम से कह ये बातें कब होंगी और तेरे आने का और जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा ।

यीशु ने उन को उत्तर दिया चौकस रहो कि कोई तुम्हें न भरमाए । क्योंकि बहुतेरे मेरे नाम से आकर कहेंगे मैं मसीह हूं और बहुतों को भरमाएंगे । तुम लड़ाइयों और लड़ाइयों की चर्चा सुनोगे देखो न घबराना क्योंकि इन का होना अवश्य है पर उस समय अन्त न होगा ।

क्योंकि जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा और जगह जगह अकाल पड़ेंगे और भुइंडोल होंगे । ये सब बातें पीड़ाओं का आरम्भ होंगी । तब वे क्लेश दिलाने के लिये तुम्हें पकड़वाएंगे और तुम्हें मार डालेंगे और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर करेंगे । तब बहुतेरे ठोकर खाएंगे और एक दूसरे को पकड़वाएंगे और एक दूसरे से बैर रक्खेंगे । और बहुत से झूठे नबी उठ खड़े होंगे और बहुतों को भरमाएंगे । और अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठण्डा हो जाएगा । पर जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा ।

और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा कि सब जातियों पर गवाही हो और तब अन्त आ जाएगा । तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएं । जो कोठे पर हो वह अपने घर में से सामान लेने को न उतरे । और

जो खेत में हो वह अपना कपड़ा लेने को पीछे न लौटे। उस समय यदि कोई तुम से कहे देखो मसीह यहां है या वहां है तो प्रतीति न करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे नबी उठ खड़े होंगे और ऐसे बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएंगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें। देखो मैं ने पहिले से तुम से कह दिया है। इस लिये यदि वे तुम से कहें देखो वह जंगल में है तो बाहर न निकल जाना। देखो वह कोठरियों में है तो प्रतीति न करना। क्योंकि जैसे बिजली पूरब से निकलकर पच्छिम तक चमकती जाती है वैसा ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।

उन दिनों के क्लेश के पीछे तुरन्त सूरज अंधेरा हो जाएगा और चांद प्रकाश न देगा तारे आकाश से गिरेंगे और आकाश की शक्तियां हिलाई जाएंगी। तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा और तब पृथिवी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे और मनुष्य के पुत्र को सामर्थ और बड़ी महिमा के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे। और वह तुरही के बड़े शब्द के साथ अपने दूतों को भेजेगा और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक चारों दिशा से उस के चुने हुओं को इकट्ठे करेंगे।

अंजीर के पेड़ से यह दृष्टान्त सीखो। जब उस की डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं तो तुम जान लेते हो कि धूप काल निकट है। इसी रीति से जब तुम इन सब बातों को देखो तो जान लो कि वह निकट है बरन द्वार ही पर है। मैं तुम से सच कहता हूं कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो लें तब तक यह लोग जाते न रहेंगे। आकाश और पृथिवी टल जाएंगे पर मेरी बातें कभी न टलेंगी। उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता न स्वर्ग के दूत न पुत्र पर केवल पिता।

तब दो जन खेत में होंगे एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ा जाएगा। दो स्त्रियां चक्की पीसती रहेंगी एक ले ली जाएगी और दूसरी छोड़ी जाएगी। इस लिये जागते रहो क्योंकि तुम नहीं जानते तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा। पर यह जान लो कि यदि घर का स्वामी जानता कि चोर किस पहर आएगा तो जागता रहता और अपने घर में सेंध लगने न देता। इस लिये तुम भी तैयार रहो क्योंकि जिस घड़ी के विषय तुम सोचते भी नहीं उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आएगा।

सो वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास कौन है जिसे स्वामी ने अपने नौकर चाकरों पर सरदार ठहराया कि समय पर उन्हें भोजन दे। धन्य है वह दास जिसे उस का स्वामी आकर ऐसा ही करते पाए। मैं तुम से सच कहता हूं वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर सरदार ठहराएगा। पर यदि वह दुष्ट दास सोचने लगे कि मेरे स्वामी के आने में देर है। और अपने साथी दासों को पीटने लगे और पियक्कड़ों के साथ खाए पीए। तो उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा जब वह उस की बाट न जोहता हो और ऐसी घड़ी को वह न जानता हो। और उसे भारी ताड़ना देकर उस का भाग कपटियों के साथ ठहराएगा। वहां रोना और दांत पीसना होगा।

मूर्ख और समझदार कुंवारियों का दृष्टान्त।

(मत्ती २५)

तब स्वर्ग का राज्य दस कुंवारियों के समान ठहरेगा जो अपनी मशालें लेकर दूलहे से भेंट करने को निकलीं। उन में पांच मूर्ख और पांच समझदार थीं।

मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं पर अपने साथ तेल न लिया। पर समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भर लिया। जब दूलहे के आने में देर हुई तो वे सब ऊंघने लगीं और सो गईं। आधी रात को धूम मची कि देखो दूलहा आ रहा है उस से भेंट करने को निकलो। तब वे सब कुंवारियां उठकर अपनी मशालें ठीक करने लगीं। और मूर्खों ने समझदारों से कहा अपने तेल में से कुछ हमें भी दो क्योंकि हमारी मशालें बुझी

जाती हैं। पर समझदारों ने उत्तर दिया कि क्या जाने हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो सो भला है कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल लो। ज्यों वे मोल लेने को जा रही थीं त्योंही दूलहा आ पहुंचा और जो तैयार थीं वे उस के साथ ब्याह के घर में गईं और द्वार बन्द किया गया। पीछे वे दूसरी कुंवारियां भी आकर कहने लगीं हे स्वामी हे स्वामी हमारे लिये द्वार खोल दे। उस ने उत्तर दिया कि मैं तुम से सच कहता हूं मैं तुम्हें नहीं जानता। इस लिये जागते रहो क्योंकि तुम न वह दिन और न वह घड़ी जानते हो।

परदेश जानेवाले का वर्णन।

(मत्ती २५:१४)

क्योंकि यह उस मनुष्य का सा हाल है जिस ने परदेश जाते समय अपने दासों को बुलाकर अपनी संपत्ति उन को सौंप दी। उस ने एक को पांच तोड़े दूसरे को दो तीसरे को एक हर एक को उस की सामर्थ के अनुसार दिया और तब परदेश चला गया। तब जिस को पांच तोड़े मिले थे उस ने तुरन्त जाकर उन से लेन देन किया और पांच तोड़े और कमाए। इसी रीति से जिस को दो मिले थे उस ने भी दो और कमाए। पर जिस को एक मिला था उस ने जाकर मिट्टी खोदी और अपने स्वामी के रुपये छिपा दिए।

बहुत दिन पीछे उन दासों का स्वामी आकर उन से लेखा लेने लगा। जिस को पांच तोड़े मिले थे उस ने पांच तोड़े और लाकर कहा हे स्वामी तू ने मुझे पांच तोड़े सौंपे थे देख मैंने पांच तोड़े और कमाए। उस के स्वामी ने उस से कहा धन्य हे अच्छे और बिश्वासयोग्य दास तू थोड़े में बिश्वासयोग्य हुआ मैं तुझे बहुत के ऊपर अधिकार दूंगा अपने स्वामी के आनन्द में भागी हो।

और जिस को दो तोड़े मिले थे उस ने भी आकर कहा हे स्वामी तू ने मुझे दो तोड़े सौंपे थे देख मैं ने दो तोड़े और कमाए। उस के स्वामी ने उस से कहा धन्य हे अच्छे और बिश्वासयोग्य दास तू थोड़े में बिश्वासयोग्य हुआ मैं तुझे बहुत के ऊपर अधिकार दूंगा अपने स्वामी के आनन्द में भागी हो।

तब जिस को एक तोड़ा मिला था उस ने आकर कहा हे स्वामी मैं तुझे जानता था कि तू कठोर मनुष्य है जहां नहीं बोया वहां काटता है और जहां नहीं छींटा वहां से बटोरता है। सो मैं डरा और जाकर तेरा तोड़ा मिट्टी में छिपा दिया देख जो तेरा है वह तुझे मिल गया। उस के स्वामी ने उसे उत्तर दिया कि हे दुष्ट और आलसी दास तू तो जानता था कि जहां मैं ने नहीं बोया वहां काटता हूं और जहां मैं ने नहीं छींटा वहां से बटोरता हूं। सो तुझे चाहिए था कि मेरा रुपया सर्राफों को देता तब मैं आकर अपना धन ब्याज समेत ले लेता। इस लिये वह तोड़ा उस से ले लो और जिस के पास दस तोड़े हैं उसी को दो। क्योंकि जिस किसी के पास है उसे और दिया जाएगा और उस के पास बहुत होगा पर जिस के पास नहीं है उस से वह भी जो उस के पास है ले लिया जाएगा। और इस निकम्मे दास को बाहर के अंधेरे में डाल दो वहां रोना और दांत पीसना होगा।

यीशु अपने सिंहासन पर बैठेगा।

(मत्ती २५:३१)

जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब स्वर्ग दूत उस के साथ तो वह अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा। और सब जातियां उस के सामने इकट्ठी की जाएंगी और जैसा रखवाला भेड़ों को बकरियों से अलग कर देता है वैसा ही वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा। और वह भेड़ों को अपनी दहिनी ओर और बकरियों को बाईं ओर खड़ी करेगा।

तब राजा अपनी दहिनी ओरवालों से कहेगा हे मेरे पिता के धन्य लोगो आओ उस राज्य के अधिकारी हो जाओ जो जगत के आदि से तुम्हारे लिये तैयार किया हुआ है। क्योंकि मैं भूखा था और तुम ने मुझे खाने को दिया मैं पियासा था और तुम ने मुझे पिलाया मैं परदेशी था और तुम ने मुझे अपने घर में उतारा। मैं नङ्गा था और तुम ने मुझे कपड़े पहिनाये बीमार था और तुम ने मेरी खबर ली मैं जेलखाने में था और तुम मेरे पास आए।

तब धर्मी उस को उत्तर देंगे कि हे प्रभु हम ने कब तुझे भूखा देखा और खिलाया या पियासा देखा और पिलाया। हम ने कब तुझे परदेशी देखा और अपने घर में उतारा या नंगा देखा और कपड़े पहिराए। हम ने कब तुझे बीमार या जेलखाने में देखा और तेरे पास आए।

तब राजा उन्हें उत्तर देगा मैं तुम से सच कहता हूं कि तुम ने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से एक के लिये किया वह मेरे लिये भी किया।

तब वह बाईं ओरवालों से कहेगा मेरे सामने से उस अनन्त आग में जा पड़ो जो शैतान और उस के दूतों के लिये तैयार की गई है। क्योंकि मैं भूखा था और तुम ने मुझे खाने को नहीं दिया मैं पियासा था और तुम ने मुझे नहीं पिलाया। मैं परदेशी था और तुम ने मुझे अपने घर में नहीं उतारा मैं नंगा था और तुम ने मुझे कपड़े नहीं पहिराए बीमार और जेलखाने में था और तुम ने मेरी खबर न ली।

तब वे उत्तर देंगे कि हे प्रभु हम ने कब तुझे भूखा या पियासा या परदेशी या नंगा या बीमार या जेलखाने में देखा और तेरी सेवा टहल न की।

तब वह उन्हें उत्तर देगा मैं तुम से सच कहता हूं कि तुम ने जो इन छोटे से छोटों में से एक के लिये न किया वह मेरे लिये भी न किया। और ये अनन्त दण्ड भोगेंगे पर धर्मी अनन्त जीवन में जा रहेंगे।

शमौन कोढ़ी का घर।

(मत्ती २६)

जब यीशु ये सब बातें कह चुका तो अपने चेलों से कहने लगा। तुम जानते हो कि दो दिन के पीछे फसह होगा और मनुष्य का पुत्र क्रूस पर चढ़ाए जाने को पकड़वाया जाएगा। तब महायाजक और प्रजा के पुरनिए काइफा नाम महायाजक के आंगन में इकट्ठे हुए। और आपस में विचार किया कि यीशु को छल से पकड़कर मार डालें। पर वे कहते थे कि पर्ब्ब के समय नहीं न हो कि लोगों में बलवा मचे।

जब यीशु बैतनिय्याह में शमौन कोढ़ी के घर में था। तो एक स्त्री संगमरमर के पात्र में बहुमोल अतर लेकर उस के पास आई और जब वह भोजन करने बैठा था तो उस के सिर पर ढाला। यह देखकर उस के चेले रिसियाए और कहने लगे इस का क्यों सत्यानाश किया गया। यह तो अच्छे दाम पर बिककर कंगालों को बांटा जा सकता था।

यह जानकर यीशु ने उन से कहा स्त्री को क्यों सताते हो उस ने मेरे साथ भलाई की है। कंगाल तुम्हारे साथ सदा रहते हैं पर मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूंगा। मैं तुम से सच कहता हूं कि सारे जगत में जहां कहीं यह सुसमाचार प्रचार किया जाएगा वहां उस के इस काम की चरचा भी उस के स्मरण में की जायगी।

पिछला भोजन।

(मत्ती २६:१४)

तब यहूदा इस्करियोती नाम बारहों में से एक ने महायाजकों के पास जाकर कहा। यदि मैं उसे तुम्हारे हाथ पकड़वा दूं तो मुझे क्या दोगे उन्हों ने उसे तीस चांदी के सिक्के तौलकर दे दिये। और यह उसी समय से उसे पकड़वाने का अवसर ढूंढ़ने लगा।



मैं प्यासा था और तुम ने मुझे पिलाया।

अखमीरी रोटी के पर्व्व के पहिले दिन चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे तू कहां चाहता है कि हम तेरे लिये फसह खाने की तैयारी करें। उस ने कहा नगर में फुलाने के पास जाकर उस से कहो गुरु कहता है कि मेरा समय निकट है मैं अपने चेलों के साथ तेरे यहां फसह करूंगा। सो चेलों ने यीशु की आज्ञा मानी और फसह तैयार किया।

जब सांझ हुई तो वह बारहों के साथ भोजन करने बैठा। जब वे खा रहे थे तो उस ने कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा। इस पर वे बहुत उदास हुए और हर एक उस से पूछने लगा हे गुरु क्या वह मैं हूं।

उस ने उत्तर दिया कि जिस ने मेरे साथ थाली में हाथ डाला है वही मुझे पकड़वाएगा। मनुष्य का पुत्र तो जैसा उस के विषय में लिखा है जाता ही है पर उस मनुष्य पर हाय जिस के द्वारा मनुष्य का पुत्र पकड़वाया जाता है। यदि उस मनुष्य का जन्म न होता तो उस के लिये भला होता।

तब उस के पकड़वानेवाले यहूदा ने कहा कि हे रब्बी क्या वह मैं हूं। उस ने उस से कहा तू कह चुका।

जब वे खा रहे थे तो यीशु ने रोटी ली और आशीस मांगकर तोड़ी और चेलों को देकर कहा लो खाओ यह मेरी देह है। फिर उस ने कटोरा लेकर धन्यवाद किया और उन्हें देकर कहा तुम सब इस में से पिओ। मैं तुम से कहता हूं कि दाख का यह रस उस दिन तक कभी न पीऊंगा जब तक तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नया न पीऊं। फिर वे भजन गाकर जैतून पहाड़ पर गए। तब यीशु ने उन से कहा तुम सब इसी रात मेरे विषय में ठोकर खाओगे। इस पर पतरस ने उस से कहा यदि सब तेरे विषय में ठोकर खाएं तो खाएं पर मैं कभी ठोकर न खाऊंगा। यीशु ने उस से कहा मैं तुझ से सच कहता हूं कि इसी रात मुर्ग के बांग देने से पहिले तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा। पतरस ने उस से कहा चाहे मुझे तेरे साथ मरना भी हो तौभी मैं तुझ से कभी न मुकरूंगा। ऐसा ही सब चेलों ने भी कहा।

यीशु का पकड़वाया जाना।

(मत्ती २६:३६)

तब यीशु अपने चेलों के साथ गतसमने नाम जगह में आकर उन से कहने लगा कि यहां बैठे रहो जब तक मैं वहां जाकर प्रार्थना करूं। और वह पतरस और जबदी के दोनों पुत्रों को साथ ले गया और उदास और बहुत व्याकुल होने लगा। तब उस ने उन से कहा मेरा जी बहुत उदास है यहां तक कि मैं मरने पर हूं। तुम यहां ठहरो और मेरे साथ जागते रहो। और वह थोड़ा आगे बढ़कर मुंह के बल गिरा और यह प्रार्थना करने लगा कि हे मेरे पिता यदि हो सके तो यह कटोरा मेरे पास से हट जाए तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं पर जैसा तू चाहता है वैसा ही हो।

फिर चेलों के पास आकर उन्हें सोते पाया और पतरस से कहा क्या तुम मेरे साथ एक घड़ी भी न जाग सके। जागते रहो और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है।

फिर उस ने दूसरी बार जाकर यह प्रार्थना की कि हे मेरे पिता यदि यह मेरे पिए बिना नहीं हट सकता तो तेरी इच्छा पूरी हो। तब उस ने फिर आकर उन्हें सोते पाया क्योंकि उन की आंखें नींद से भरी थीं।

और उन्हें छोड़कर फिर चला गया और वही बात फिर कहकर तीसरी बार प्रार्थना की। तब उस ने चेलों के पास आकर उन से कहा अब सोते रहो और विश्राम करते रहो देखो घड़ी आ पहुंची है और मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। उठो चलें देखो मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुंचा है।

वह यह कह ही रहा था कि देखो यहूदा जो बारहों में से था आ गया और उस के साथ महायाजकों और लोगों के पुरनियों की ओर से बड़ी भीड़ तलवारें और लाठियां लिये हुए आई।

उस के पकड़वानेवाले ने उन्हें यह पता दिया था कि जिस को मैं चूमूं वही है उसे पकड़ लेना। और

तुरन्त यीशु के पास आकर कहा हे रब्बी सलाम और उस को बहुत चूमा। यीशु ने उस से कहा हे मित्र जिस काम को तू आया है वह कर ले।

तब उन्हों ने पास आकर यीशु पर हाथ डाले और उसे पकड़ लिया। और देखो यीशु के साथियों में से एक ने हाथ बढ़ाकर अपनी तलवार खींची और महायाजक के दास पर चलाकर उस का कान उड़ा दिया। तब यीशु ने उस से कहा अपनी तलवार काठी में कर क्योंकि जो तलवार चलाते हैं वे सब तलवार से नाश किए जाएंगे। क्या तू नहीं समझता कि मैं अपने पिता से बिनती कर सकता हूं और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक मेरे पास अभी हाजिर कर देगा। पर ऐसा होना अवश्य है।

उसी घड़ी यीशु ने भीड़ से कहा क्या तुम डाकू जानकर मेरे पकड़ने के लिये तलवारें और लाठियां लेकर निकले हो मैं हर दिन मन्दिर में बैठकर उपदेश दिया करता था और तुम ने मुझे न पकड़ा।

तब सब चेले उसे छोड़कर भाग गए। और यीशु के पकड़नेवाले उसे काइफा महायाजक के पास ले गए जहां शास्त्री और पुरनिए इकट्ठे हुए थे। और पतरस दूर से उस के पीछे पीछे महायाजक के आंगन तक गया और भीतर जाकर अन्त देखने को प्यादों के साथ बैठ गया।

महायाजक और सारी महा सभा यीशु को मार डालने के लिये उस के विरोध में झूठी गवाही की खोज में थे पर न पाई। अन्त में दो जन आकर कहने लगे कि, इस ने कहा है कि मैं परमेश्वर का मन्दिर ढा सकता और उसे तीन दिन में बना सकता हूं।

तब महायाजक ने खड़े होकर उस से कहा क्या तू कोई उत्तर नहीं देता ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं। पर यीशु चुप रहा।

महायाजक ने उस से कहा मैं तुझे जीवते परमेश्वर की किरिया देता हूं कि यदि तू परमेश्वर का पुत्र मसीह है तो हम से कह दे। यीशु ने उस से कहा तू कह चुका बरन मैं तुम से यह भी कहता हूं कि अब से तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों पर आते देखोगे। तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़के कहा इस ने परमेश्वर की निन्दा की अब हमें गवाहों का क्या प्रयोजन। तुम क्या समझते हो।

उन्हों ने उत्तर दिया यह बध होने के योग्य है।

तब उन्हों ने उस के मुंह पर थूका और उसे घूसे मारे औरों ने थप्पड़ मारके कहा, हे मसीह हम से नबूवत कर कि किस ने तुझे मारा।

पतरस को अपना प्रभु स्मरण आता।

(मत्ती २६:६९)

और पतरस बाहर आंगन में बैठा हुआ था कि एक लौंडी ने उस के पास आकर कहा तू भी यीशु गलीली के साथ था।

वह सब के सामने मुकर गया और कहा मैं नहीं जानता तू क्या कह रही है।

जब वह बाहर डेवढ़ी में चला गया तो दूसरी ने उसे देखकर उन से जो वहां थे कहा यह भी तो यीशु नासरी के साथ था। वह किरिया खाकर फिर मुकर गया कि मैं उस मनुष्य को नहीं जानता।

थोड़ी देर पीछे जो वहां खड़े थे उन्हों ने पतरस के पास आकर उस से कहा सचमुच तू भी उन में से एक है क्योंकि तेरी बोली तेरा भेद खोल देती है। तब वह धिक्कार देने और किरिया खाने लगा कि मैं उस मनुष्य को नहीं जानता।

और तुरन्त मुर्ग ने बांग दी। तब पतरस को यीशु की कही हुई बात स्मरण आई कि मुर्ग के बांग देने से पहिले तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा और बाहर निकलके फूट फूटकर रोने लगा।

जब भोर हुई तो सब महायाजकों और लोगों के पुरनियों ने यीशु के मार डालने की सम्मति की। और उन्हों ने उसे बांधा और ले जाकर पीलातुस हाकिम के हाथ सौंप दिया।

यहूदा की अन्तिम घटना।

(मत्ती २७)

जब उस के पकड़वानेवाले यहूदा ने देखा कि वह दोषी ठहराया गया तो वह पछताकर वे तीस चांदी के सिक्के महायाजकों और पुरनियों के पास फेर लाया। और कहा मैं ने निर्दोषी को घात के लिये पकड़वाकर पाप किया है। उन्हों ने कहा हमें क्या तू ही जान।

तब वह उन सिक्कों को मन्दिर में फेंककर चला गया और जाकर अपने आप को फांसी दी।

महायाजकों ने वे सिक्के लेकर कहा इन्हें भण्डार में रखना उचित नहीं क्योंकि यह लोहू का दाम है। सो उन्हों ने सम्मति करके उन सिक्कों से परदेशियों के गाड़ने के लिये कुम्हार का खेत मोल लिया। इस कारण वह खेत आज तक लोहू का खेत कहलाता है।

बरअब्बा का छोड़ दिया जाना।

(मत्ती २७:११)

जब यीशु हाकिम के सामने खड़ा था तो हाकिम ने उस से पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है यीशु ने उस से कहा तू आपही कह रहा है। जब महायाजक और पुरनिए उस पर दोष लगा रहे थे तो उस ने कुछ उत्तर न दिया।

सो पीलातुस ने उस से कहा क्या तू सुनता नहीं कि ये तेरे बिरोध में कितनी गवाहियां दे रहे हैं। पर उस ने उस को एक बात का भी उत्तर न दिया यहां तक कि हाकिम ने बहुत अचम्भा किया।

और हाकिम की यह रीति थी कि उस पर्ब्ब में लोगों के लिये किसी एक बंधुए को जिसे वे चाहते थे छोड़ देता था। उस समय बरअब्बा नाम उन्हीं में का एक नामी बंधुआ था। सो जब वे इकट्ठे हुए तो पीलातुस ने उन से कहा तुम किस को चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये छोड़ दूं बरअब्बा को या यीशु को जो मसीह कहलाता है। क्योंकि वह जानता था कि उन्हों ने उसे डाह से पकड़वाया था। जब वह न्याय की गद्दी पर बैठा था तो उस की पत्नी ने उसे कहला भेजा कि तू उस धर्मी के मामले में हाथ न डालना क्योंकि मैं ने आज सपने में उस के कारण बहुत दुख भोगा है। महायाजकों और पुरनियों ने लोगों को उभारा कि वे बरअब्बा को मांग लें और यीशु को नाश कराएं।

हाकिम ने उन से पूछा कि इन दोनों में से किस को चाहते हो कि तुम्हारे लिये छोड़ दूं। उन्हों ने कहा बरअब्बा को। पीलातुस ने उस से पूछा फिर यीशु को जो मसीह कहलाता है क्या करूं। सब ने उस से कहा वह क्रूस पर चढ़ाया जाए। हाकिम ने कहा क्यों उस ने क्या बुराई की है पर वे और भी चिल्ला चिल्लाकर कहने लगे वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

जब पीलातुस ने देखा कि कुछ बन नहीं पड़ता पर इस के उलटे हुल्लड़ होता जाता है तो उस ने पानी लेकर भीड़ के सामने हाथ धोये और कहा मैं इस धर्मी के लोहू से निर्दोष हूं तुम ही जानो। सब लोगों ने उत्तर दिया कि इस का लोहू हम पर और हमारे सन्तान पर हो।

इस पर उस ने बरअब्बा को उन के लिये छोड़ दिया और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया कि क्रूस पर चढ़ाया जाए।

तीसरे पहर।

(मत्ती २७:२७)

तब हाकिम के सिपाहियों ने यीशु को किले में ले जाकर सारी पलटन उस के आस-पास इकट्ठी की। और उस के कपड़े उतारकर उसे किरमिजी बागा पहिराया। और कांटों का मुकुट गून्थकर उस के सिर पर रखा और उस के दहिने हाथ में सरकण्डा दिया और उस के आगे घुटने टेककर उस से ठट्ठे से कहा कि हे यहूदियों के राजा सलाम। और उस पर थूका और वही सर-

कण्डा ले उस के सिर पर मारने लगे । जब वे उस का ठट्ठा कर चुके तो वह बागा उस से उतारकर फिर उसी के कपड़े उसे पहिनाए और क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले चले ।

बाहर जाते हुए उन्हें शमौन नाम एक कुरेनी मनुष्य मिला उसे बेगार में पकड़ा कि उस का क्रूस उठा ले चले । और गुलगुता नाम की जगह जो खोपड़ी की जगह कहलाती है पहुंचकर, उन्हों ने पित्त मिलाया हुआ दाखरस उसे पीने को दिया पर उस ने चखकर पीना न चाहा । तब उन्हों ने उसे क्रूस पर चढ़ाया और चिट्ठियां डालकर उस के कपड़े बांट लिए । और वहां बैठकर उसका पहरा देने लगे । और उस का दोष पत्र उस के सिर के ऊपर लगाया कि

यह यहूदियों का राजा यीशु है ।

तब उस के साथ दो डाकू एक दहिने और एक बाएं क्रूसों पर चढ़ाए गए । और आने जाने वाले सिर हिला हिलाकर उस की निन्दा करते, और यह कहते थे कि हे मन्दिर के ढानेवाले और तीन दिन में बनानेवाले अपने आप को बचा । यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर आ । इसी रीति से महायाजक भी शास्त्रियों और पुरनियों समेत ठट्ठा कर करके कहते थे, इस ने औरों को बचाया अपने को नहीं बचा सकता । यह तो इस्राएल का राजा है । अब क्रूस पर से उतर आए और हम उस पर बिश्वास करेंगे । उस ने परमेश्वर पर भरोसा रक्खा है । यदि वह इस को चाहता है तो अब इसे छुड़ा ले क्योंकि उस ने कहा था कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं । इसी रीति डाकू भी जो उस के साथ क्रूसों पर चढ़ाये गये थे उस की निन्दा करते थे ।

दो पहर से लेकर तीसरे पहर तक उस सारे देश में अंधेरा छाया रहा । तीसरे पहर के निकट यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा

एली एली लमा शबक्तनी अर्थात हे मेरे परमेश्वर हे मेरे परमेश्वर तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया ।

जो वहां खड़े थे उन में से कितनों ने यह सुनकर कहा वह एलिय्याह को पुकारता है । उन में से एक तुरन्त दौड़ा और इस्पंज लेकर सिरके में डुबोया और सरकण्डे पर रखकर उसे चुसाया । औरों ने कहा रह जा देखें एलिय्याह उसे बचाने आता है कि नहीं ।

तब यीशु ने फिर बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ा । और देखो मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया और धरती डोली और चटानें फट गईं । और कबरें खुल गईं । तब सूबेदार और जो उस के साथ यीशु का पहरा दे रहे थे भुईंडोल और जो कुछ हुआ था देखकर बहुत ही डर गए और कहा सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था ।

एक धनी मनुष्य ने यीशु को कबर में रखा ।

(मत्ती २७:५५)

वहां बहुत सी स्त्रियां जो गलील से यीशु की सेवा करती हुई उस के साथ आई थीं दूर से देख रहीं थीं । उन में मरयम मगदलीनी और याकूब और योसेस की माता मरयम और जबदी के पुत्रों की माता थीं ।

जब सांझ हुई तो यूसुफ नाम अरिमतियाह का एक धनी मनुष्य आया । उस ने पीलातुस के पास जाकर यीशु की लोथ मांगा । इस पर पीलातुस ने देने की आज्ञा दी । यूसुफ ने लोथ को लेकर उसे उजली चादर में लपेटा । और उसे अपनी नई कबर में रक्खा जो उस ने चटान में खुदवाई थी और कबर के द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काके चला गया । और मरयम मगदलीनी और दूसरी मरयम वहां कबर के सामने बैठी थीं ।

दूसरे दिन महायाजकों और फरीसियों ने पीलातुस के पास इकट्ठे होकर कहा, हे महाराज हमें स्मरण है कि उस भरमानेवाले ने अपने जीते जी कहा था कि मैं तीन दिन के पीछे जी उठूंगा । सो आज्ञा दे कि तीसरे दिन तक कबर की रखवाली की जाए न हो कि उस के चेले आकर उसे चुरा ले जाएं और लोगों से कहने लगें कि वह मरे हुओं

में से जी उठा। तब पिछला धोखा पहिले से भी बुरा होगा।

पीलातुस ने उन से कहा तुम्हारे पास पहरुए हैं जाओ अपनी समझ के अनुसार रखवाली करो। सो वे पहरुओं को साथ लेकर गए और पत्थर पर छाप देकर कबर की रखवाली की।

——

कबर पर दूत।

(मत्ती २८)

विश्राम के दिन के पीछे अठवारे के पहिले दिन पह फटते मरयम मगदलीनी और दूसरी मरयम कबर को देखने आईं। और देखो बड़ा भुईंडोल हुआ क्योंकि प्रभु का एक दूत स्वर्ग से उतरा और पास आकर पत्थर को लुढ़का दिया और उस पर बैठ गया।

उस का रूप बिजली सा और उस का बस्त्र पाले की नाईं उजला था। उस के डर के मारे पहरुए कांप उठे और मरे हुए से हो गए।

स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा कि तुम मत डरो मैं जानता हूं कि तुम यीशु को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था ढूंढ़ती हो। वह यहां नहीं पर अपने कहने के अनुसार जी उठा है आओ यह जगह देखो जहां प्रभु पड़ा था। और शीघ्र जाकर उस के चेलों से कहो कि वह मरे हुओं में से जी उठा है और देखो वह तुम से पहिले गलील को जाता है वहां उसे देखोगे देखो मैं ने तुम से कह दिया।

और वे भय और बड़े आनन्द के साथ कबर से शीघ्र चलीं जाकर उस के चेलों को समाचार देने दौड़ गईं। और देखो यीशु उन्हें मिला और कहा सलाम और उन्हों ने पास आकर और उस के पांव पकड़कर उसे प्रणाम किया।

तब यीशु ने उन से कहा मत डरो मेरे भाइयों से जाकर कहो कि गलील को चले जाएं वहां मुझे देखेंगे।

वे जा रही थीं कि देखो पहरुओं में से कितनों ने नगर में आकर सारा हाल महायाजकों से कह दिया तब उन्हों ने पुरनियों के साथ इकट्ठे होकर सम्मति की और सिपाहियों को बहुत चांदी देकर बोले, कि यह कहना कि रात को जब हम सो रहे थे तो उस के चेले आकर उसे चुरा ले गए। और यदि यह बात हाकिम के कान तक पहुंचेगी तो हम उसे समझाएंगे और तुम्हें खटके से बचा लेंगे।

सो उन्हों ने वह चांदी लेकर जैसे सिखाए गए थे वैसा ही किया और यह बात आज तक यहूदियों में फैली हुई है।

और एग्यारह चेले गलील में उस पहाड़ पर गए जो यीशु ने उन्हें बताया था। और उन्हों ने उसे देखकर प्रणाम किया पर किसी किसी को सन्देह हुआ। यीशु ने उन के पास आकर कहा कि स्वर्ग और पृथिवी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इस लिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला करो और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम में बपतिसमा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ और देखो मैं जगत के अन्त तक सब दिन तुम्हारे साथ हूं।

——

मरकुस का वर्णन ।

(मरकुस १)

यूहन्ना आया जो जंगल में बपतिसमा देता था। और सारे यहूदिया देश के और यरूशलेम के सब रहनेवाले उस के पास निकल आने और अपने अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उस से बपतिसमा लेने लगे।

यूहन्ना ऊंट के रोम का वस्त्र पहिने और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बान्धे हुए था और टिड्डियां और वन मधु खाया करता था। उस ने प्रचारकर कहा मेरे पीछे वह आता है जो मुझ से शक्तिमान है मैं इस योग्य नहीं कि झुककर उस के जूतों का बन्ध खोलूं। मैं ने तो तुम्हें पानी से बपतिसमा दिया पर वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिसमा देगा।

उन दिनों में यीशु ने गलील के नासरत से आकर यरदन में यूहन्ना से बपतिसमा लिया। और तुरन्त पानी से निकलकर ऊपर आते हुए उस ने आकाश को फटते और आत्मा को कबूतर की नाईं अपने ऊपर उतरते देखा। और यह आकाशवाणी हुई कि तू मेरा प्रिय पुत्र है तुझ से मैं प्रसन्न हूं।

तब आत्मा ने तुरन्त उस को जंगल की ओर भेजा। और जंगल में चालीस दिन तक शैतान ने उस की परीक्षा की और वह वन पशुओं के साथ रहा और स्वर्गदूत उस की सेवा करते रहे।

यूहन्ना के पकड़वाए जाने के पीछे यीशु ने गलील में आकर परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार किया। और कहा समय पूरा हुआ है और परमेश्वर का राज्य निकट आया है मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो।

गलील की झील के किनारे किनारे जाते हुए उस ने शमौन और उस के भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा क्योंकि वे मछुवे थे। और यीशु ने उन से कहा मेरे पीछे चले आओ मैं तुम को मनुष्यों के मछुवे बनाऊंगा। वे तुरन्त जालों को छोड़कर उस के पीछे हो लिये।

और कुछ आगे बढ़कर उस ने जबदी के पुत्र याकूब और उस के भाई यूहन्ना को नाव पर जालों को सुधारते देखा। उस ने तुरन्त उन्हें बुलाया और वे अपने पिता को नाव पर छोड़कर उस के पीछे चले गये।

और वे कफरनहूम में आए और वह तुरन्त बिश्राम के दिन सभा के घर में जाकर उपदेश करने लगा। और लोग उस के उपदेश से चकित हुए क्योंकि वह उन्हें शास्त्रियों की नाईं नहीं पर अधिकारी की नाईं उपदेश देता था।

भीड़ उस के पीछे जाती है।

(मरकुस १:३२)

सांझ को जब सूरज डूब गया तो लोग सब बीमारों को उस के पास लाए। और सारा नगर द्वार पर इकट्ठा हुआ।

और भोर को दिन निकलने से बहुत पहिले वह उठकर निकला और जंगली जगह में जाकर वहां प्रार्थना करने लगा। तब शमौन और उस के साथी उस की खोज में गए। जब वह मिला तो उस से कहा सब लोग तुझे ढूंढ़ रहे हैं। उस ने उन से कहा आओ हम और कहीं आस पास की बस्तियों में जाएं कि मैं वहां भी प्रचार करूं सो वह सारे गलील में उन की सभाओं में जा जाकर प्रचार करता रहा।

और एक कोढ़ी ने उस के पास आकर उस से बिनती की और उस के सामने घुटने टेककर उस से कहा यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। उस ने उस पर तरस खाकर हाथ बढ़ाया और उसे छूकर कहा मैं चाहता हूं शुद्ध हो जा। और तुरन्त उस का कोढ़ जाता रहा और वह शुद्ध हो गया। तब उस ने उसे चिताकर तुरन्त बिदा किया। और उस से कहा देख किसी से कुछ न कह। पर वह बाहर जाकर इस बात को बहुत प्रचार करने और यहां तक फैलाने लगा कि यीशु फिर खुल्लमखुल्ला नगर में न जा सका पर बाहर जंगली जगहों में रहा और चारों ओर से लोग उस के पास आते रहे।

एक झोले के मारे हुए का वृत्तान्त।

(मरकुस २)

कई दिन के पीछे वह फिर कफरनहूम में आया और सुना गया कि वह घर में है। फिर इतने लोग इकट्ठे हुए कि द्वार के पास भी जगह न मिली और वह उन्हें बचन सुना रहा था। और कई लोग एक झोले के मारे हुए को उस के पास ले आए। पर जब वे भीड़ के कारण उस के निकट न पहुंच सके तो उन्हों ने छत को खोल दिया और खाट को लटका दिया।

यीशु ने उन का विश्वास देखकर उस झोले के मारे से कहा हे पुत्र तेरे पाप क्षमा हुए। और कई एक शास्त्री जो वहां बैठे थे अपने अपने मन में विचार करने लगे, कि यह मनुष्य क्यों ऐसा कहता है यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है।

यीशु ने तुरन्त अपने आत्मा में जाना कि वे अपने अपने मन में ऐसा विचार कर रहे हैं और उन से कहा तुम अपने अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो। सहज क्या है क्या झोले के मारे से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए या यह कहना कि उठ अपनी खाट उठाकर चल फिर। पर जिस से तुम जानो कि मनुष्य के पुत्र को पृथिवी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है (उस ने उस झोले के मारे से कहा)। मैं तुझ से कहता हूं उठ अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा। और वह उठा और तुरन्त खाट उठाकर और सब के सामने निकल कर चला गया।

वह फिर निकलकर झील के किनारे गया और सारी भीड़ उस के पास आई और वह उन्हें उपदेश देने लगा। जाते हुए उस ने हलफई के पुत्र लेवी को महसूल की चौकी पर बैठे देखा और उस से कहा मेरे पीछे हो ले।

यीशु खेतों में से जा रहा था।

(मरकुस २:२३,३)

विश्राम के दिन यीशु खेतों में से जा रहा था और उस के चेले चलते चलते बालें तोड़ने लगे। तब फरीसियों ने उस से कहा देख ये विश्राम के दिन वह काम क्यों करते हैं जो उचित नहीं। और उस ने उन से कहा विश्राम का दिन मनुष्य के लिये ठहराया गया है न कि मनुष्य विश्राम के दिन के लिये। सो मनुष्य का पुत्र विश्राम के दिन का भी प्रभु है।

और वह फिर सभा के घर में गया और वहां एक मनुष्य था जिस का हाथ सूख गया था।

और वे उस पर दोष लगाने के लिये उस की ताक में लगे थे कि वह विश्राम के दिन में उसे चंगा करेगा कि नहीं। उस ने सूखे हाथ वाले मनुष्य से कहा बीच में खड़ा हो। और उन से कहा क्या विश्राम के दिन भला करना या बुरा करना जीव को बचाना या मारना उचित है पर वे चुप रहे।

और उस ने उन के मन की कठोरता से उदास होकर उन को क्रोध से चारों ओर देखा और उस मनुष्य से कहा अपना हाथ बढ़ा उस ने बढ़ाया और उस का हाथ फिर अच्छा हो गया।

तब फरीसी बाहर जाकर तुरन्त हेरोदियों के साथ उस के बिरोध में सम्मति करने लगे कि उसे क्योंकर नाश करें। यीशु अपने चेलों के साथ झील की ओर गया और बहुत से लोग उस के पीछे हो लिये। और उस ने अपने चेलों से कहा भीड़ के कारण एक छोटी नाव मेरे लिये तैयार रहे न हो कि वे मुझे दबाएं। क्योंकि उस ने बहुतों को अच्छा किया था यहां तक कि जितने रोगी थे उसे छूने को उस पर गिरे पड़ते थे। अशुद्ध आत्मा भी जब उसे देखते थे तो उस के आगे गिरते और चिल्लाकर कहते थे कि तू परमेश्वर का पुत्र है।

और वह पहाड़ पर चढ़ गया और जिन्हें चाहा उन्हें अपने पास बुलाया और वे उस के पास चले आये। तब उस ने बारह जनों को ठहराया कि वे उस के साथ साथ रहें, और वह उन्हें भेजे कि प्रचार करें और दुष्टात्माओं के निकालने का अधिकार रखें।

पहाड़ों में एक मनुष्य जिस में अशुद्ध आत्मा था।

(मरकुस ५)

और वे झील के पार गिरासेनियों के देश में पहुंचे। और उस के नाव से उतरते ही एक मनुष्य जिस में अशुद्ध आत्मा था क़बरों से निकलकर उसे मिला। वह क़बरों में रहता था और कोई उसे सांकलों से भी न बांध सकता था। क्योंकि वह बार बार बेड़ियों और सांकलों से बांधा गया था पर उस ने सांकलों को तोड़ दिया और बेड़ियों के टुकड़े टुकड़े कर दिये थे और कोई उसे बश में न कर सकता था। वह लगातार रात दिन क़बरों और पहाड़ों में चिल्लाता और अपने को पत्थरों से काटता था।

वह यीशु को दूर से देखकर दौड़ा और उसे प्रणाम किया। और ऊंचे शब्द से चिल्लाकर कहा हे यीशु परम-प्रधान परमेश्वर के पुत्र मुझे तुझ से क्या काम। मुझे पीड़ा न दे। क्योंकि उस ने उस से कहा हे अशुद्ध आत्मा इस मनुष्य से निकल आ। और जो हुआ था लोग देखने आये। और वे डर गये। और वे उस से बिन्ती करने लगे कि हमारे सिवानों से चला जा।

जब वह नाव पर चढ़ने लगा तो वह जिस में पहिले दुष्टात्मा थे उस से बिनती करने लगा कि मुझे अपने साथ रहने दे। पर उस ने नकारा और उस से कहा अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि प्रभु ने तेरे लिये कैसे बड़े काम किये हैं। वह जाकर दिकपुलिस में प्रचार करने लगा कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े काम किए और सब अचम्भा करते थे।

याईर की बेटी का वृत्तान्त।

(मरकुस ५:२१)

जब यीशु फिर नाव से पार गया तो एक बड़ी भीड़ उस के पास इकट्ठी हो गई और वह झील के किनारे था। और याईर नाम सभा के सरदारों में से एक आया और उसे देखकर उस के पांवों पर गिरा। और उस ने यह कहकर बहुत बिनती किई कि मेरी छोटी बेटी मरने पर है। आकर उस पर हाथ रख कि वह चंगी होकर जीती रहे। तब वह उस के साथ चला। पर सभा के सरदार के घर से लोगों ने आकर कहा तेरी बेटी तो मर गई अब गुरु को क्यों दुख देता है।

जो बात वे कह रहे थे उस को यीशु ने अनसुनी करके सभा के सरदार से कहा मत डर केवल बिश्वास रख। सभा के सरदार के घर पहुंचकर उस ने लोगों को बहुत रोते और चिल्लाते देखा। उस ने कहा क्यों धूम मचाते और रोते हो। लड़की मरी नहीं पर सोती है। वे उस की हंसी करने लगे।

पर वह सब को निकालकर लड़की के माता पिता और अपने साथियों को लेकर भीतर जहां लड़की पड़ी थी गया। और लड़की का हाथ पकड़कर उस से कहा तलीता कूमी जिस का अर्थ यह है कि हे लड़की मैं तुझ से कहता हूं उठ। और लड़की तुरन्त उठकर चलने फिरने लगी क्योंकि वह बारह बरस की थी। और वे बहुत चकित हो गए। फिर उस ने उन्हें आज्ञा दी कि यह बात कोई जानने न पाए और कहा कि उसे कुछ खाने को दिया जाए।

अपने कुटुम्ब के बीच में।

(मरकुस ६)

वहां से निकलकर वह अपने देश में आया। और बिश्राम के दिन वह सभा में उपदेश करने लगा और बहुत लोग सुनकर चकित हुए

और कहने लगे इसको ये बात कहां से आ गईं और यह कौन सा ज्ञान है जो उस को दिया गया है और कैसे सामर्थ के काम इसके हाथों से होते हैं। यह क्या वही बढ़ई नहीं जो मरयम का पुत्र और याकूब और योसेस और यहूदा और शमौन का भाई है और क्या उस की बहिनें यहां हमारे बीच में नहीं रहतीं। सो उन्हों ने उस के विषय ठोकर खाई।

यीशु ने उन से कहा नबी अपने देश और अपने कुटुम्ब और अपने घर को छोड़ और कहीं निरादर नहीं होता। और वह वहां कोई सामर्थ का काम न कर सका केवल थोड़े बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।

और उस ने उन के अविश्वास से अचम्भा किया और चारों ओर के गांवों में उपदेश करता फिरा।

और वह बारहों को अपने पास बुलाकर उन्हें दो दो करके भेजने लगा और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया। और उस ने उन्हें आज्ञा दी कि मार्ग के लिये लाठी छोड़ और कुछ न लो न रोटी न झोली न पटुके में पैसे। पर जूतियां पहिनो और दो दो कुरते न पहिनो।

और उस ने उन से कहा जहां कहीं तुम किसी घर में उतरो जब तक वहां से बिदा न हो तब तक उसी में ठहरे रहो। जिस जगह के लोग तुम्हें ग्रहण न करें और तुम्हारी न सुनें वहां से चलते ही अपने तलवों की धूल झाड़ डालो कि उन पर गवाही हो। सो उन्हों ने जाकर प्रचार किया कि मन फिराओ।

यूहन्ना बपतिसमा देने वाले की मृत्यु।

(मरकुस ६:१४)

और हेरोदेस राजा ने उस की चरचा सुनी और कहा यूहन्ना बपतिसमा देनेवाला मरे हुओं में से जी उठा है इसी लिये उस से ये सामर्थ के काम प्रगट होते हैं। और औरों ने कहा यह एलिय्याह है पर औरों ने कहा नबी है। हेरोदेस ने यह सुनकर कहा जिस यूहन्ना का मैं ने सिर कटवाया था वही जी उठा है।

क्योंकि हेरोदेस ने आप अपने भाई फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास के कारण जिस से उस ने ब्याह किया था लोगों को भेजकर यूहन्ना को पकड़वाकर जेलखाने में डाल दिया था। इस लिये कि यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा था कि अपने भाई की पत्नी को रखना तुझे उचित नहीं। सो हेरोदियास उस से बैर रखती और यह चाहती थी कि उसे मरवा डाले। पर बन न पड़ा। क्योंकि हेरोदेस यूहन्ना को धर्म्मी और पवित्र पुरुष जानकर उस से डरता था और उस की सुनकर बहुत घबराता था पर सुनता खुशी से था।

और हेरोदेस ने अपने जन्म दिन में अपने प्रधानों और सेनापतियों और गलील के बड़े लोगों के लिये जेवनार की। और हेरोदियास की बेटी भीतर आई और नाचकर हेरोदेस को और उस के साथ बैठनेवालों को खुश किया तब राजा ने लड़की से कहा जो चाहे मुझ से मांग मैं तुझे दूंगा। और उस ने शपथ खाई कि मेरे आधे राज्य तक जो कुछ तू मुझ से मांगेगी मैं तुझे दूंगा। उस ने बाहर जाकर अपनी माता से पूछा मैं क्या मांगूं। वह बोली यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले का सिर। वह तुरन्त जल्दी से राजा के पास भीतर आई और उस से बिनती की मैं चाहती हूं कि तू अभी यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले का सिर एक थाल में मुझे मंगवा दे।

तब राजा बहुत उदास हुआ पर अपनी किरियाओं और साथ बैठनेवाले के कारण उसे टालना न चाहा।

और राजा ने तुरन्त एक सिपाही को आज्ञा देकर भेजा कि उस का सिर काट लाये। सो उस ने जेलखाने में जाकर उस का सिर काटा और एक थाल में रखकर लाया और लड़की को दिया और लड़की ने अपनी मां को दिया।

यह सुनकर उस के चेले आये और उस की लोथ को उठाकर कबर में रक्खा। प्रेरितों ने यीशु के पास इकट्ठे होकर उस को बता दिया। उस ने उन से कहा तुम आप अलग किसी जंगली जगह में आकर थोड़ा बिश्राम करो। सो वे नाव पर चढ़कर सुनसान जगह में अलग चले गये।

झील पर रात्री समय।

(मरकुस ६:३३)

और बहुतों ने उन्हें जाते देखकर पहचान लिया और सब नगरों से इकट्ठे होकर वहां पैदल दौड़े और उन से पहिले जा पहुंचे। उस ने निकलकर बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे जिन का रखवाला नहीं और वह उन्हें बहुत बातें सिखाने लगा।

जब दिन बहुत ढल गया तो उस ने तुरन्त अपने चेलों को बरबस नाव पर चढ़ाया कि वे उस से पहिले उस पार बैतसैदा चले जाएं जब तक कि वह लोगों को बिदा करे। और उन्हें बिदा करके पहाड़ पर प्रार्थना करने को गया।

और जब सांझ हुई तो नाव झील के बीच में थी और वह अकेला भूमि पर था। और जब उस ने देखा कि वे खेते खेते घबरा गये हैं क्योंकि हवा उन के सामने थी तो रात के चौथे पहर के निकट वह झील पर चलते हुए उन के पास आया और उन से आगे निकल जाना चाहता था। पर उन्हों ने उसे झील पर चलते देखकर समझा कि भूत है और चिल्ला उठे, क्योंकि सब घबरा गये थे पर उस ने उन से बातें कीं और कहा ढाढ़स बांधो मैं हूं डरो मत। तब वह उन के पास नाव पर चढ़ा और हवा थम गई और वे बहुत ही चकित हुए।

गांव वालों की आनन्दिता।

(मरकुस ६:५३,७)

और वे पार उतरकर गन्नेसरत में पहुंचे और लगान किया। जब वे नाव पर से उतरे तो लोग तुरन्त उस को पहचानकर, आस पास के सारे देश में दौड़े और बीमारों को खाटों पर डालकर जहां जहां उस के होने का समाचार पाया वहां ले जाने लगे। और जहां कहीं वह गांवों नगरों या खेड़ों में जाता था तो लोग बीमारों को बाजारों में रखकर उस से बिनती करते थे कि वह उन्हें अपने बस्त्र के आंचल ही को छूने दे और जितने उसे छूते थे सब चंगे हो जाते थे।

तब फरीसी और कई एक शास्त्री जो यरूशलेम से आये थे उस के पास इकट्ठे हुए। और उन्हों ने उस के कई एक चेलों को अशुद्ध अर्थात बिना हाथ धोये रोटी खाते देखा। क्योंकि फरीसी और सब यहूदी पुरनियों की रीति पर चलते हैं और जब तक भली भांति हाथ नहीं धो लेते तब तक नहीं खाते।

सो उन फरीसियों और शास्त्रियों ने उस से पूछा कि तेरे चेले क्यों पुरनियों की रीतों पर नहीं चलते पर बिना हाथ धोये रोटी खाते हैं। उस ने उन से कहा कि ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं पर उन का मन मुझ से दूर रहता है। और उस ने लोगों को अपने पास बुलाकर उन से कहा तुम सब मेरी सुनो और समझो। ऐसी तो कोई वस्तु नहीं जो मनुष्य में बाहर से समाकर अशुद्ध करे पर जो वस्तुएं मनुष्य के भीतर से निकलती हैं वे ही उसे अशुद्ध करती हैं। क्योंकि भीतर से अर्थात मनुष्य के मन से बुरी बुरी चिन्ता निकलती हैं।

बहिरे गूंगे अन्धे उस पास आते हैं।

(मरकुस ७:३१,८)

फिर वह सूर और सैदा के देशों से निकलकर गलील की झील पर पहुंचा। और लोगों ने एक बहिरे को जो हकला भी था उसके पास लाकर उस से बिनती की कि अपना हाथ इस पर रख। तब वह उस को भीड़ से अलग ले गया और अपनी उंगलियां उस के कानों में डालीं और उस की जीभ छूई। और स्वर्ग की ओर देखकर आह भरी और उस से कहा इप्फत्तह अर्थात खुल जा। और उस के कान खुल गये और उस की जीभ की गांठ भी खुल गई और वह साफ़ साफ़ बोलने लगा।

तब उस ने उन्हें चिताया कि किसी से न कहना पर जितना उस ने उन्हें चिताया उतना ही और प्रचार करने लगे। और वे बहुत ही चकित होकर कहने लगे उस ने सब कुछ अच्छा किया है वह बहिरों को सुनने और गूंगों को बोलने की शक्ति देता है।

और वह अपने चेलों के साथ नाव पर चढ़कर दलमनूता देश में गया। और फरीसी निकलकर उस से पूछ पाछ करने लगे और उस के परखने के लिये उस से कोई आकाश का चिन्ह मांगा।

उस ने अपने आत्मा में आह मारकर कहा इस समय के लोग क्यों चिन्ह ढूंढ़ते हैं मैं तुम से सच कहता हूं कि इस समय के लोगों को कोई चिन्ह न दिया जाएगा। और वह उन्हें छोड़कर चला गया।

और वे बैतसैदा में आए और लोग एक अन्धे को उस के पास लाए और उस से बिनती किई कि उस को छूए। वह उस अन्धे का हाथ पकड़कर उसे गांव के बाहर ले गया और उस की आंखों पर हाथ रक्खे और उस से पूछा क्या तू कुछ देखता है। उस ने आंख उठाकर कहा मैं मनुष्यों को देखता हूं क्योंकि वे मुझे चलते हुए दिखाई देते हैं जैसे पेड़। तब उस ने फिर उस की आंखों पर हाथ रक्खे और उस ने ध्यान से देखा और अच्छा हो गया और सब कुछ साफ़ साफ़ देखने लगा। और उस ने उस से यह कहकर घर भेजा कि इस गांव के भीतर पांव न रखना।

मनुष्य को क्या लाभ होगा।

(मरकुस ८:२७)

यीशु और उस के चेले कैसरिया फिलिप्पी के गांवों में चले गये तो मार्ग में उस ने अपने चेलों से पूछा कि लोग मुझे क्या कहते हैं। उन्हों ने उत्तर दिया कि यूहन्ना बपतिसमा देनेवाला पर कोई कोई एलिय्याह और कोई कोई नबियों में से एक भी कहते हैं। उस ने उन से पूछा फिर तुम मुझे क्या कहते हो। पतरस ने उस को उत्तर दिया तू मसीह है। और वह उन्हें सिखाने लगा कि मनुष्य के पुत्र के लिये अवश्य है कि वह बहुत दुःख उठाए और पुरनिये और महायाजक और शास्त्री उसे तुच्छ समझकर मार डालें और वह तीन दिन के पीछे जी उठे। उस ने यह बात साफ़ साफ़ कही। इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर उस को झिड़कने लगा। उस ने फिरकर और अपने चेलों की ओर देखकर पतरस को झिड़ककर कहा कि हे शैतान मेरे सामने से दूर हो क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।

उस ने भीड़ को अपने चेलों समेत पास बुलाकर उन से कहा जो कोई मेरे पीछे आना चाहे वह अपने आपे को नकारे और अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे हो ले। क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा पर जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिये अपना प्राण खोएगा वह उसे बचाएगा। यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए तो उसे क्या लाभ होगा। या मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा। जो कोई मुझ से और मेरी बातों से लजाएगा मनुष्य का पुत्र भी जब वह पवित्र दूतों के साथ अपने पिता की महिमा सहित आएगा तब उस से भी लजाएगा।

और उस ने उन से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि जो यहां खड़े हैं उन में से कोई कोई ऐसे हैं कि जब तक परमेश्वर के राज्य को सामर्थ सहित आया हुआ न देख लें तब तक मृत्यु का स्वाद न चखेंगे।

यीशु के रूप का बदल जाना।

(मरकुस ९)

छः दीन के पीछे यीशु ने पतरस और याकूब और यूहन्ना को साथ लिया और एकान्त में किसी ऊंचे पहाड़ पर ले गया और उन के सामने उसका रूप बदल गया। और उस का वस्त्र चमकने लगा और यहां तक बहुत उजला हुआ कि पृथिवी पर कोई धोबी उजला नहीं कर सकता। और उन्हें मूसा के साथ एलिय्याह दिखाई दिया और वे यीशु के साथ बातें करते थे।

इस पर पतरस ने यीशु से कहा हे रब्बी हमारा यहां रहना अच्छा है सो हम तीन मण्डप बनाएं एक तेरे लिये एक मूसा के लिये और एक एलिय्याह के लिये। वह न जानता था कि क्या कहे क्योंकि वे बहुत डर गए थे। तब एक बादल ने उन्हें छा लिया और उस बादल में से यह शब्द निकला कि यह मेरा प्रिय पुत्र है उस की सुनो।

तब उन्हों ने एकाएक चारों ओर दृष्टि की और यीशु को छोड़ अपने साथ और किसी को न देखा।

पहाड़ से उतरते हुए उस ने उन्हें आज्ञा दी कि जब तक मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से जी न उठे तब तक जो कुछ तुम ने देखा है वह किसी से न कहना। वे यह बात अपने जी में रखकर आपस में पूछ पाछ करने लगे कि मरे हुओं में से जी उठना क्या है।

एक गूंगे का बर्णन।

(मरकुस ९:१५)

उसे देखते ही सब चकित हो गये और उस की ओर दौड़कर उसे नमस्कार करने लगे। भीड़ में से एक ने उत्तर दिया कि हे गुरु मैं अपने पुत्र को जिस में गूंगा आत्मा समाया है तेरे पास लाया था। जहां कहीं वह उसे पकड़ता वहीं पटक देता है और वह मुंह में फेन भर लाता और दांत पीसता और सूखा जाता है और मैं ने तेरे चेलों से कहा था कि वे उसे निकाल दें परन्तु उन से न हो सका।

यह सुन उस ने उन से उत्तर देके कहा कि हे अबिश्वासी लोगो मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा और कब तक तुम्हारी सहूंगा। उसे मेरे पास लाओ। तब वे उसे उस के पास ले आए और जब उस ने उसे देखा तो उस आत्मा ने तुरन्त उसे मरोड़ा और वह भूमि पर गिरा और मुंह से फेन बहाते हुए लोटने लगा। उस ने उस के पिता से पूछा इस का यह हाल कब से है। उस ने कहा बचपन से। उस ने इसे नाश करने के लिये कभी आग और कभी पानी में गिराया पर यदि तू कुछ कर सके तो हम पर तरस खाकर हमारा उपकार कर।

यीशु ने उस से कहा यदि तू कर सकता है यह क्या बात है। विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो सकता है। बालक के पिता ने तुरन्त गिड़गिड़ाकर कहा हे प्रभु मैं विश्वास करता हूं मेरे अबिश्वास का उपाय कर।

जब यीशु ने देखा कि लोग दौड़कर भीड़ लगा रहे हैं तो उस ने अशुद्ध आत्मा को यह कहकर डांटा कि हे गूंगे और बहिरे आत्मा मैं तुझे आज्ञा देता हूं उस में से निकल आ और उस में फिर कभी न पैठ। तब वह चिल्लाकर और उसे बहुत मरोड़कर निकल आया और बालक मरा हुआ सा हो गया यहां तक कि बहुत लोग कहने लगे वह मर गया। पर यीशु ने उस का हाथ पकड़के उसे उठाया और वह खड़ा हो गया।

फिर वे वहां से चल निकले और गलील होकर जा रहे थे और वह न चाहता था कि कोई जाने। क्योंकि वह अपने चेलों को उपदेश देता और उन से कहता था कि मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जायेगा और वे उसे मार डालेंगे और वह मरने के तीन दिन पीछे जी उठेगा पर यह बात उन की समझ में न आई और वे उस से पूछने से डरते थे।

बालकों को मेरे पास आने दो।

(मरकुस ९:३३,१०)

फिर वे कफरनहूम में आये और घर में आकर उस ने उन से पूछा रास्ते में तुम किस बात का विवाद करते थे। वे चुप रहे क्योंकि मार्ग में उन्हों ने आपस में यह बाद विवाद किया था कि हम में से बड़ा कौन है। तब उसने बैठकर बारहों को बुलाया और उन से कहा यदि कोई बड़ा होना चाहे तो सब से छोटा और सब का सेवक बने।

और उस ने एक बालक को लेकर उन के बीच में खड़ा किया और उसे गोद में ले उन से कहा। जो कोई मेरे नाम से ऐसे बालकों में से एक को ग्रहण

करता है वह मुझे ग्रहण करता है और जो कोई मुझे ग्रहण करता वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है।

तब यूहन्ना ने उस से कहा हे गुरु हम ने एक मनुष्य को तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालते देखा और हम उसे मना करने लगे क्योंकि वह हमारे पीछे नहीं हो लेता था। यीशु ने कहा उस को मत मना करो क्योंकि ऐसा कोई नहीं जो मेरे नाम से सामर्थ का काम करे और जल्दी से मुझे बुरा कह सके। इस लिये कि जो हमारे विरोध में नहीं वह हमारी ओर है। जो कोई एक कटोरा पानी तुम्हें पिलाये मैं तुम से सच कहता हूं कि वह अपना प्रतिफल किसी रीति से न खोएगा। पर जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर विश्वास करते हैं किसी को ठोकर खिलाये उस के लिये भला होता कि एक बड़ी चक्की का पाट उस के गले में लटकाया जाये और वह समुद्र में डाल दिया जाये।

फिर वह यहूदिया के सिवानों में और यरदन के पार आया और भीड़ उस के पास फिर इकट्ठी हो गई और वह अपनी रीति के अनुसार उन्हें फिर उपदेश देने लगा।

फिर लोग बालकों को उसके पास लाने लगे कि वह उन पर हाथ रखे पर चेलों ने उनको डांटा। यीशु ने यह देख रिसियाकर उन से कहा बालकों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना न करो क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है। मैं तुम से सच कहता हूं कि जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक की नाईं ग्रहण न करे वह उस में कभी प्रवेश करने न पायेगा। और उस ने उन्हें गोद में लिया और उन पर हाथ रखकर उन्हें आशीस दी।

——

क्योंकि वह बहुत धनी था।

(मरकुस १०:१७)

और जब वह निकलकर मार्ग में जाता था तो एक मनुष्य उस के पास दौड़ता हुआ आया और उस के आगे घुटने टेककर उस से पूछा हे उत्तम गुरु अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये मैं क्या करूं। यीशु ने उस से कहा तू मुझे उत्तम क्यों कहता है। कोई उत्तम नहीं केवल एक अर्थात परमेश्वर। तू आज्ञाओं को तो जानता है। उस ने उस से कहा हे गुरु इन सब को मैं लड़कपन से मानता आया हूं।

यीशु ने उस पर दृष्टि कर उस से प्रेम किया और उस से कहा तुझ में एक बात की घटी है। जा जो कुछ तेरा है उसे बेचकर कंगालों को दे और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा और आकर मेरे पीछे हो ले। इस बात से उस के चेहरे पर उदासी छा गई और वह शोक करता हुआ चला गया क्योंकि वह बहुत धनी था।

यीशु ने चारों ओर देखकर अपने चेलों से कहा धनवानों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कैसा कठिन है।

चेले उस की बातों से अचम्भित हुए इस पर यीशु ने फिर उन को उत्तर दिया हे बालको जो धन पर भरोसा रखते हैं उन के लिये परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कैसा कठिन है। परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊंट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।

वे बहुत ही चकित होकर आपस में कहने लगे तो किस का उद्धार हो सकता है। यीशु ने उन की ओर देखकर कहा मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता परन्तु परमेश्वर से हो सकता है क्योंकि परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

पतरस उस से कहने लगा कि देख हम तो सब कुछ छोड़कर तेरे पीछे हो लिये हैं। यीशु ने कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि ऐसा कोई नहीं जिस ने मेरे और सुसमाचार के लिये घर या भाइयों या बहिनों या माता या पिता या लड़के बालों या खेतों को छोड़ दिया हो, और अब इस समय सौ गुना न पाये घरों और भाइयों और बहिनों और माताओं और लड़के बालों और खेतों को पर उपद्रव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन। पर बहुतेरे जो पहिले हैं पिछले होंगे और जो पिछले हैं पहिले होंगे।

——

यरीहो का अन्धा भिखारी।

(मरकुस १०:३२)

और वे यरूशलेम को जाते हुए मार्ग में थे और यीशु उन के आगे आगे चल रहा था और वे अचम्भित हुए और उस के पीछे चलते हुए डरते थे और वह फिर बारहों को लेकर उनसे वे बातें कहने लगा जो उस पर आनेवाली थीं। कि देखो हम यरूशलेम को जाते हैं और मनुष्य का पुत्र महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जायेगा और वे उस को घात के योग्य ठहरायेंगे और अन्य जातियों के हाथ सौंपेंगे। और वे उस को ठट्ठों में उड़ायेंगे और उस पर थूकेंगे और उसे कोड़े मारेंगे और उसे घात करेंगे और तीन दिन के पीछे वह जी उठेगा।

और वे यरीहो में आये और जब वह और उस के चेले और एक बड़ी भीड़ यरीहो से निकलती थी तो तिमाई का पुत्र बरतिमाई एक अन्धा भिखारी सड़क के किनारे बैठा था। वह यह सुनकर कि यीशु नासरी है पुकार पुकारकर कहने लगा कि हे दाऊद के सन्तान यीशु मुझ पर दया कर। बहुतों ने उसे डांटा कि चुप रहे पर वह और भी पुकारने लगा हे दाऊद के सन्तान मुझ पर दया कर तब यीशु ने ठहर कर कहा उसे बुलाओ। वह अपना कपड़ा फेंककर शीघ्र उठा और यीशु के पास आया। इस पर यीशु ने उस से कहा तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिये करूं अन्धे ने उस से कहा हे रब्बी मैं देखने लगूं। यीशु ने उस से कहा चला जा तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा कर दिया है। और वह तुरन्त देखने लगा और मार्ग में उस के पीछे हो लिया।

यीशु यरूशलेम पहुंच जाता है।

(मरकुस ११)

जब वे यरूशलेम के निकट जैतून पहाड़ पर बैतफगे और बैतनिय्याह के पास आए तो उस ने अपने चेलों में से दो को यह कहकर भेजा, कि अपने सामने के गांव में जाओ और उस में पहुंचते ही एक गदही का बच्चा जिस पर कभी कोई नहीं चढ़ा बन्धा हुआ तुम्हें मिलेगा उसे खोल लाओ। यदि तुम से कोई पूछे यह क्यों करते हो तो कहना कि प्रभु को इस का प्रयोजन है और वह शीघ्र उसे लौटा देगा।

उन्होंने जाकर उस बच्चे को बाहर द्वार के पास चौक में बन्धा हुआ पाया और खोलने लगे। और उन में से जो वहां खड़े थे कोई कोई कहने लगे कि बच्चे को क्यों खोलते हो। उन्होंने जैसा यीशु ने कहा था वैसा ही उन से कह दिया तब उन्हों ने उन्हें जाने दिया।

और उन्हों ने बच्चे को यीशु के पास लाकर उस पर अपने कपड़े डाले और वह उस पर बैठ गया। और बहुतों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाये और औरों ने खेतों में से डालियां काट काटकर फैला दीं। और जो उस के आगे आगे जाते और पीछे पीछे चले आते थे पुकार पुकारकर कहते जाते थे होशाना धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है। हमारे पिता दाऊद का आनेवाला राज्य धन्य है आकाश में होशाना।

और वह यरूशलेम पहुंचकर मन्दिर में आया और चारों ओर सब वस्तुओं को देखकर बारहों के साथ बैतनिय्याह गया क्योंकि सांझ हो गई थी।

सूखा हुआ अंजीर का पेड़।

(मरकुस ११:१२)

दूसरे दिन जब वे बैतनिय्याह से निकलते थे तो उस को भूख लगी। और वह दूर से अंजीर का एक हरा पेड़ देखकर निकट गया कि क्या जाने उस में कुछ पाए पर पत्तों को छोड़ कुछ न पाया क्योंकि फल का समय न था। इस पर उस ने उस से कहा अब से कोई तेरा फल कभी न खाए।

वे यरूशलेम में आये और वह मन्दिर में गया और वहां जो लेन देन कर रहे थे उन्हें बाहर निकालने लगा और सर्राफ़ों के पीढ़े और कबूतर के बेचनेवालों की चौकियां उलट दीं। और मन्दिर में

से होकर किसी को बरतन लेकर आने जाने न दिया। और उपदेश करके उन से कहा क्या यह नहीं लिखा कि मेरा घर सब जातियों के लिये प्रार्थना का घर कहलाएगा। पर तुम ने इसे डाकुओं की खोह बना दी है।

यह सुन महायाजक और शास्त्री उस के नाश करने का अवसर ढूंढ़ने लगे क्योंकि उस से डरते थे इस लिये कि सब लोग उस के उपदेश से चकित होते थे।

भोर को जब वे उधर से जाते थे तो उन्हों ने उस अंजीर के पेड़ को जड़ तक सूखा हुआ देखा। पतरस को वह बात स्मरण आई और उस ने उस से कहा हे रब्बी देख यह अंजीर का पेड़ जिसे तू ने स्राप दिया था सूख गया। यीशु ने उस को उत्तर दिया कि परमेश्वर पर बिश्वास रक्खो। मैं तुम से सच कहता हूं जो कोई इस पहाड़ से कहे कि उखड़ जा और समुद्र में जा पड़ और अपने मन में सन्देह न करे बरन प्रतीति करे कि जो कहता हूं वह हो जाएगा तो उस के लिये वही होगा। इस लिये मैं तुम से कहता हूं कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके मांगो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया और तुम्हारे लिये हो जायगा। और जब तुम खड़े हुए प्रार्थना करते हो तो यदि तुम्हारे मन में किसी की ओर कुछ बिरोध हो तो क्षमा करो इस लिये कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा करे।

सब से मुख्य आज्ञा।

(मरकुस १२:२८)

शास्त्रियों में से एक ने आकर उन्हें पूछ पाछ करते सुना और यह जानकर कि उस ने उन्हें अच्छी रीति से उत्तर दिया उस से पूछा सब से मुख्य आज्ञा कौन है। यीशु ने उसे उत्तर दिया सब आज्ञाओं में से यह मुख्य है कि हे इस्राएल सुन प्रभु हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु है। और तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन से और अपने सारे जीव से और अपनी सारी बुद्धि से और अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना। और दूसरी यह है कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना इस से बड़ी और कोई आज्ञा नहीं।

शास्त्री ने उस से कहा हे गुरु बहुत ठीक तू ने सच कहा कि वह एक ही है और उसे छोड़ और कोई नहीं। और उस से सारे मन और सारी बुद्धि और सारे जीव और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना और पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना सारे होमों और बलिदानों से बढ़कर है।

जब यीशु ने देखा कि उस ने समझ से उत्तर दिया तो उस से कहा तू परमेश्वर के राज्य से दूर नहीं। और किसी को फिर उस से कुछ पूछने का साहस न हुआ।

एक बिधवा का अधेला।

(मरकुस १२:३७)

भीड़ के लोग उस की आनन्द से सुनते थे। और उस ने उन से कहा शास्त्रियों से चौकस रहो जो लम्बे बस्त्र पहिने हुए फिरना, और बाजारों में नमस्कार और सभाओं में मुख्य मुख्य आसन और जेवनारों में मुख्य मुख्य जगहें भी चाहते हैं। वे बिधवाओं के घर खा जाते हैं और दिखाने के लिये बड़ी देर तक प्रार्थना करते रहते हैं।

और वह भण्डार के सामने बैठकर देख रहा था कि लोग क्योंकर भण्डार में पैसे डालते थे और बहुत धनवानों ने बहुत कुछ डाला। और एक कंगाल बिधवा ने आकर दो दमड़ी जो एक अधेले के बराबर होता है डाला।

तब उस ने अपने चेलों को पास बुलाकर उन से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि भण्डार में डालने वालों में से इस कंगाल बिधवा ने सब से बढ़कर डाला है। क्योंकि सब ने अपनी बढ़ती में से कुछ कुछ डाला है पर इस ने अपनी घटी में से जो कुछ उस का था अर्थात अपनी सारी जीविका डाल दी है।

दो दिन के पीछे फसह का पर्ब्ब होनेवाला था और महायाजक और शास्त्री इस बात की खोज में थे कि उसे क्योंकर छल से पकड़के मार डालें। पर कहते थे पर्ब्ब के दिन नहीं न हो कि लोगों में बलवा मचे।

संगमरमर का पात्र ।

(मरकुस १४:३)

जब वह बैतनिय्याह में शमौन कोढ़ी के घर भोजन करने बैठा था तब एक स्त्री संगमरमर के पात्र में जटामांसी का बहुत मोल का चोखा अतर लेकर आई और पात्र तोड़कर उस के सिर पर ढाला। कोई कोई अपने मन में रिसियाकर कहने लगे इस अतर को क्यों सत्यानाश किया। क्योंकि यह अतर तो तीन सौ दीनार से अधिक दाम में बिककर कंगालों को बांटा जा सकता था और वे उस को झिड़कने लगे।

यीशु ने कहा उसे छोड़ दो उसे क्यों सताते हो। उस ने तो मेरे साथ भलाई की है। कंगाल तुम्हारे साथ सदा रहते हैं और तुम जब चाहो तब उन से भलाई कर सकते हो पर मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूंगा। जो कुछ वह कर सकी उस ने किया। मैं तुम से सच कहता हूं कि सारे जगत में जहां कहीं सुसमाचार प्रचार किया जाएगा वहां उस के इस काम की चरचा भी उस के स्मरण में की जाएगी।

यहूदा इसकरियोती।

(मरकुस १४:१०)

तब यहूदा इसकरियोती जो बारह में से एक था महायाजकों के पास गया इस लिये कि उसे उन के हाथ पकड़वा दे। वे यह सुनकर आनन्दित हुए और उस को रुपये देने को कहा और वह अवसर ढूंढ़ने लगा कि उसे क्योंकर पकड़वा दें।

फसह का पर्ब्ब के पहिले दिन उस के चेलों ने उस से पूछा तू कहां चाहता है कि हम जाकर तेरे लिये फसह खाने की तैयारी करें। उस ने अपने चेलों में से दो को यह कहकर भेजा कि नगर में जाओ और एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा उस के पीछे हो लेना। और वह जिस घर में जाए उस घर के स्वामी से कहना गुरू कहता है कि मेरी पाहुनशाला जिस में मैं अपने चेलों के साथ फसह खाऊं कहां है। वह तुम्हें एक सजी सजाई और तैयार की हुई बड़ी अटारी दिखा देगा वहां हमारे लिये तैयारी करो। सो चेले निकलकर नगर में आए और जैसा उस ने उन से कहा था वैसा ही पाया और फसह तैयार किया।

जब सांझ हुई तो वह बारहों के साथ आया। जब वे बैठे भोजन कर रहे थे तो यीशु ने कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि तुम में से एक जो मेरे साथ भोजन कर रहा है मुझे पकड़वाएगा।

वे उदास होने और एक एक करके उस से कहने लगे क्या वह मैं हूं। उस ने उन से कहा वह बारहों में से एक है जो मेरे साथ थाली में हाथ डालता है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो जाता ही है परन्तु उस मनुष्य पर हाय जिस के द्वारा मनुष्य का पुत्र पकड़वाया जाता है। यदि उस मनुष्य का जन्म न होता तो उस के लिये भला होता।

गतसमने की बारी ।

(मरकुस १४:२६)

फिर वे भजन गाकर जैतून पहाड़ पर गए। तब यीशु ने उन से कहा तुम सब ठोकर खाओगे क्योंकि लिखा है कि मैं रखवाले को मारूंगा और भेड़ तित्तर बित्तर हो जाएंगी। पर मैं अपने जी उठने के पीछे तुम से पहिले गलील को जाऊंगा।

पतरस ने उस से कहा यदि सब ठोकर खाएं तो खाएं पर मैं ठोकर नहीं खाऊंगा। यीशु ने उस से कहा मैं तुझ से सच कहता हूं कि आज इसी रात मुर्ग के दो बार बांग देने से पहिले तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा। पर उस ने और भी बल से कहा यदि मुझे तेरे साथ मरना भी हो तौभी तुझ से कभी न मुकरूंगा। ऐसा ही और सब ने भी कहा।

फिर वे गतसमने नाम एक जगह में आये और उस ने अपने चेलों से कहा यहां बैठे रहो जब तक मैं प्रार्थना करूं। और वह पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया। और बहुत चकित और व्याकुल होने लगा। और उन से कहा

मेरा मन बहुत उदास है यहां तक कि मैं मरने पर हूं। तुम यहां ठहरो और जागते रहो।

और वह थोड़ा आगे बढ़ा और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा कि यदि हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए, और कहा हे अब्बा हे पिता तुझ से सब कुछ हो सकता है इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले तौभी जो मैं चाहता हूं वह नहीं पर जो तू चाहता है वही हो।

फिर वह आया और उन्हें सोते पाकर पतरस से कहा हे शमौन तू सो रहा है क्या तू एक घड़ी भी न जाग सका। जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो।

आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है।

और वह फिर चला गया और वही बात कहकर प्रार्थना की। और फिर आकर उन्हें सोते पाया क्योंकि उन की आंखें नींद से भरी थीं और न जानते थे कि उसे क्या उत्तर दें।

फिर तीसरी बार आकर उन से कहा अब सोते रहो और बिश्राम करते रहो बस घड़ी आ पहुंची देखो मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। उठो चलें देखो मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुंचा है।

वह यह कह ही रहा था कि यहूदा अपने साथ महायाजकों और शास्त्रियों और पुरनियों की ओर से एक बड़ी भीड़ तलवारें और लाठियां लिये हुए तुरन्त आ पहुंचा।

और उस के पकड़वानेवाले ने उन्हें यह पता दिया था कि जिस को मैं चूमूं वही है उसे पकड़कर यतन से ले जाना। और वह आया और तुरन्त उस के पास जाकर कहा हे रब्बी और उस को बहुत चूमा। तब उन्हों ने उस पर हाथ डालकर उसे पकड़ लिया। उन में से जो पास खड़े थे एक ने तलवार खींचकर महायाजक के दास पर चलाई और उस का कान उड़ा दिया।

एक जवान।

(मरकुस १४:४८)

यीशु ने उन से कहा क्या तुम डाकू जानकर मेरे पकड़ने के लिये तलवारें और लाठियां लेकर निकले हो। मैं तो हर दिन मन्दिर में तुम्हारे साथ रहकर उपदेश दिया करता था और तब तुम ने मुझे न पकड़ा। पर यह इसलिये हुआ कि पवित्र शास्त्र की बातें पूरी हों।

इस पर सब चेले उसे छोड़कर भाग गये।

और एक जवान अपनी नंगी देह पर चादर ओढ़े हुए उस के पीछे हो लिया और लोगों ने उसे पकड़ा। पर वह चादर छोड़कर नंगा भाग गया।

फिर वे यीशु को महायाजक के पास ले गये और सब महायाजक और पुरनिये और शास्त्री उस के यहां इकट्ठे हो गये।

पतरस दूर दूर उस के पीछे पीछे महायाजक के आंगन के भीतर तक गया और प्यादों के साथ बैठकर आग तापने लगा।

महायाजक और सारी महासभा यीशु के मार डालने के लिये उस के विरोध में गवाही की खोज में थे पर न पाई। क्योंकि बहुतेरे उस के विरोध में झूठी गवाही दे रहे थे पर उन की गवाही एक सी न थी।

तब कितनों ने उठकर उस पर यह झूठी गवाही दी, कि हम ने इसे यह कहते सुना कि मैं इस हाथ के बनाये हुए मन्दिर को ढा दूंगा और तीन दिन में दूसरा बनाऊंगा जो हाथ से न बना हो। पर यों भी उन की गवाही एक सी न निकली।

तब महायाजक ने बीच में खड़े होकर यीशु से पूछा क्या तू कोई उत्तर नहीं देता। ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं। पर वह चुप रहा और कुछ उत्तर न दिया।

महायाजक ने उस से फिर पूछा क्या तू उस परम धन्य का पुत्र मसीह है। यीशु ने कहा हां मैं हूं और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों के साथ आते देखोगे।

तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा अब हमें गवाहों का और क्या प्रयोजन है। तुम ने यह निन्दा सुनी है तुम्हें क्या समझ पड़ता है।

सब ने उसे बध के योग्य ठहराया। तब कोई कोई उस पर थूकने और उस का मुंह ढांकने और उसे घूसे मारने और उस से कहने लगे कि नबूवत कर। और प्यादों ने उसे लेकर थप्पड़ मारे।

महायाजक की लौंडी।

(मरकुस १४:६६)

जब पतरस नीचे आंगन में था तो महायाजक की लौंडियों में से एक आई। और पतरस को आग तापते देख उस पर टकटकी लगाकर कहने लगी तू भी तो उस नासरी यीशु के साथ था। वह मुकर गया और कहा मैं न जानता और न समझता हूं कि तू क्या कह रही है। फिर वह बाहर डेवढ़ी में गया और मुर्ग ने बांग दी।

वह लौंडी उसे देखकर उन से जो पास खड़े थे फिर कहने लगी यह उन में से एक है। पर वह फिर मुकर गया।

और थोड़ी देर पीछे उन्हों ने जो पास खड़े थे फिर पतरस से कहा सचमुच तू उन में से एक है क्योंकि तू गलीली भी है। तब वह धिक्कार देने और किरिया खाने लगा कि मैं उस मनुष्य को जिस की तुम चरचा करते हो नहीं जानता। तब तुरन्त दूसरी बार मुर्ग ने बांग दी और पतरस को वह बात जो यीशु ने उस से कही थी स्मरण आई कि मुर्ग के दो बार बांग देने से पहिले तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा और वह इस पर सोचकर रोने लगा।

यीशु का पीलातुस के हाथ सौंपा जाना।

(मरकुस १५)

और भोर होते ही तुरन्त महायाजकों पुरनियों और शास्त्रियों बरन सारी महासभा ने एका करके यीशु को बन्धवाया और उसे ले जाकर पीलातुस के हाथ सौंप दिया और पीलातुस ने उस से पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है। उस ने उस को उत्तर दिया कि तू आप ही कह रहा है। और महायाजक उस पर बहुत से दोष लगा रहे थे।

पीलातुस ने उस से फिर पूछा क्या तू कुछ उत्तर नहीं देता देख ये तुझ पर कितनी बातों का दोष लगाते हैं। फिर भी यीशु ने कुछ उत्तर न दिया यहां तक कि पीलातुस ने अचम्भा किया।

और वह उस पर्ब्ब में किसी एक बन्धुए को जिसे वे चाहते थे उन के लिये छोड़ दिया करता था। बर-अब्बा नाम एक मनुष्य था जिस ने खून किया था। और भीड़ ऊपर जाकर उस से बिनती करने लगी कि जैसा तू हमारे लिये करता आया वैसा ही कर। पीलातुस ने उन को उत्तर दिया क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूं। क्योंकि वह जानता था कि महायाजकों ने उसे डाह से पकड़वाया था। पर महायाजकों ने लोगों को उभारा कि वह बर-अब्बा ही को उन के लिये छोड़ दे।

यह सुन पीलातुस ने उन से फिर पूछा तो जिसे तुम यहूदियों का राजा कहते हो उसे मैं क्या करूं। वे फिर चिल्लाये कि उसे क्रूस पर चढ़ा।

पीलातुस ने उन से कहा क्यों उस ने क्या बुराई की है। पर वे और भी चिल्लाए कि उसे क्रूस पर चढ़ा। तब पीलातुस ने भीड़ को खुश करने की इच्छा से बर-अब्बा को उन के लिये छोड़ दिया और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया कि क्रूस पर चढ़ाया जाए



यीशु बहुतों को छुड़ाने के लिये अपना प्राण देता ।

और सिपाही उसे किले के भीतर के आंगन में ले गये और सारी पलटन को बुला लाए। और उन्हों ने उसे बैंजनी बस्त्र पहिनाया और कांटों का मुकुट गूंथकर उस के सिर पर रखा। और उसे नमस्कार करने लगे कि हे यहूदियों के राजा सलाम। और वे उस के सिर पर सरकण्डे मारते और उस पर थूकते और घुटने टेककर उसे प्रणाम करते रहे।

यीशु का क्रूस पर चढ़ाया जाना।

(मरकुस १५:२०)

और जब वे उस का ठट्ठा कर चुके तो उस पर से बैंजनी बस्त्र उतारकर उसी के कपड़े पहिनाए और तब उसे क्रूस पर चढ़ने के लिये बाहर ले गये।

और सिकन्दर और रूफुस का पिता शमौन नाम एक कुरेनी मनुष्य जो गांव से आ रहा था उधर से निकला उन्हों ने उसे बेगार में पकड़ा कि उस का क्रूस उठा ले चले। और वे उसे गुलगुता नाम जगह पर जिस का अर्थ खोपड़ी की जगह है उठा लाए। और उसे मुर मिला हुआ दाखरस देने लगे पर उस ने न लिया।

तब उन्हों ने उस को क्रूस पर चढ़ाया और उस के कपड़ों पर चिट्ठियां डालकर कि किस को क्या मिले उन्हें बांट लिया। और पहर दिन चढ़ा था।

और उस का दोषपत्र लिखकर उस के ऊपर लगा दिया कि यहूदियों का राजा। और उन्हों ने उस के साथ दो डाकू एक दहिने और एक बाएं क्रूसों पर चढ़ाये।

और आने जानेवाले सिर हिला हिलाकर और यह कहकर उस की निन्दा करते और यह कहते थे कि वाह मन्दिर के ढानेवाले और तीन दिन में बनानेवाले, क्रूस पर से उतरकर अपने आप को बचा।

इसी रीति से महायाजक भी शास्त्रियों समेत आपस में ठट्ठे से कहते थे इस ने औरों को बचाया अपने को नहीं बचा सकता। इस्राएल का राजा मसीह अब क्रूस पर से उतरे कि हम देखकर बिश्वास करें। जो उस के साथ क्रूसों पर चढ़ाए गये थे वे भी उस की निन्दा करते थे।

और दोपहर होने पर सारे देश में अंधेरा छा गया और तीसरे पहर तक रहा। तीसरे पहर यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा इलोई इलोई लमा शबक्तनी जिस का अर्थ यह है हे मेरे परमेश्वर हे मेरे परमेश्वर तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया। जो पास खड़े थे उन में से कितनों ने यह सुनकर कहा देखो वह एलिय्याह को पुकारता है और एक ने दौड़कर इस्पंज को सिरके में डुबोया और सरकण्डे पर रखकर उसे चुसाया और कहा रह जा देखें कि एलिय्याह उसे उतारने आता है कि नहीं।

तब यीशु ने बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ा। और मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया। जो सूबेदार उस के सामने खड़ा था जब उसे देखा तो कहा सचमुच यह मनुष्य परमेश्वर का पुत्र था।

कई स्त्रियां भी दूर से देख रही थीं उन में मरयम मगदलीनी और छोटे याकूब की और योसेस की माता मरयम थीं।

कबर पर कई स्त्रियां आईं।

(मरकुस १५:४२,१६)

जब सांझ हो गई बिश्रामवार के एक दिन पहिले अरिमतिया का यूसुफ आया जो प्रतिष्ठित मंत्री और आप भी परमेश्वर के राज्य की बाट जोहता था वह हियाव करके पीलातुस के पास गया और यीशु की लोथ मांगी। पीलातुस ने अचम्भा किया कि यह ऐसे शीघ्र मर गया और सूबेदार को बुलाकर पूछा सो जब हाल जान लिया तो लोथ यूसुफ को दिला दी। तब उस ने एक चादर मोल ली और लोथ को उतारकर उस चादर में लपेटा और एक कबर में जो चट्टान में खुदी हुई

थी रक्खा और कबर के द्वार पर पत्थर लुढ़का दिया।

और मरयम मगदलीनी और योसेस की माता मरयम देख रही थीं कि वह कहां रक्खा गया है। जब विश्राम का दिन बीत गया तो सुगन्धित वस्तुएं मोल लिईं कि आकर उस पर मलें। और अठवारे के पहिले दिन बड़ी भोर जब सूरज निकला ही था कबर पर आईं। और आपस में कहती थीं कि हमारे लिए कबर के द्वार पर से पत्थर कौन लुढ़काएगा।

जब उन्हों ने आंख उठाई तो देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ है और कबर के भीतर जाकर उन्हों ने एक जवान को उजला पैराहन पहिने हुए दहिनी ओर बैठे देखा और बहुत चकित हुईं।

उस ने उन से कहा चकित मत हो तुम यीशु नासरी को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था ढूंढ़ती हो। वह जी उठा है यहां नहीं है देखो यही वह जगह है जहां उन्हों ने उसे रक्खा था। पर तुम जाओ और उस के चेलों और पतरस से कहो कि वह तुम से पहिले गलील को जाएगा जैसा उस ने तुम से कहा तुम वहीं उसे देखोगे।

और वे निकलकर कबर से भाग गईं क्योंकि उन्हें कपकपी और घबराहट ने दबा लिया था सो उन्हों ने किसी से कुछ न कहा क्योंकि डरती थीं।

सारे जगत में जाओ।

(मरकुस १६:९)

यीशु जी उठकर पहिले पहिल मरयम मगदलीनी को दिखाई दिया। उस ने जाकर उस के साथियों को जो शोक करते और रो रहे थे समाचार दिया। और उन्हों ने यह सुनकर कि वह जीता है और उसे देखा है प्रतीति न की।

इस के पीछे वह दूसरे रूप में उन में से दो को जब वे गांव की ओर जा रहे थे दिखाई दिया। उन्हों ने भी जाकर औरों को समाचार दिया पर उन्हों ने उन की भी प्रतीति न की।

पीछे वह उन ग्यारहों को भी जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया और उन के अबिश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया क्योंकि जिन्हों ने उस के जी उठने के पीछे उसे देखा था इन्हों ने उन की प्रतीति न की थी। और उस ने उन से कहा तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।

और उन्हों ने निकलकर हर कहीं प्रचार किया और प्रभु उन के साथ साथ काम करता रहा।

लूका का बर्णन ।

(लूका २)

उन दिनों में औगूस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली कि सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं। सो यूसुफ भी नासरत नगर से बैतलहम को गया, कि अपनी मंगेतर मरयम के साथ नाम लिखवाये। उन के वहां रहते हुए वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेट-कर चरनी में रक्खा क्योंकि उन के लिये सराय में जगह न थी।

और उस देश में कितने रखवाले थे जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड का पहरा देते थे। और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका और वे बहुत डर गये। तब स्वर्गदूत ने उन से कहा मत डरो क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूं जो सब लोगों के लिये होगा कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धार कर्त्ता जन्मा है और यही मसीह प्रभु है। और इस का तुम्हारे लिये यह पता है कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा और चरनी में पड़ा पाओगे।

तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते और यह कहते दिखाई दिया, कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथिवी पर उन मनुष्यों में जिन से वह प्रसन्न है शान्ति हो।

जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गये तो रखवालों ने आपस में कहा आओ हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई देखें। और उन्हों ने तुरन्त जाकर मरयम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा। इन्हें देखकर उन्हों ने वह बात जो इस बालक के विषय उन से कही गई थी प्रगट की। और सब सुननेवालों ने अचम्भा किया। पर मरयम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही।

और रखवाले जैसा उन से कहा गया था वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गये।

तू अपने दास को शांति से विदा करता है ।

(लूका २:२५)

और देखो यरूशलेम में शमौन नाम एक मनुष्य था और वह मनुष्य धर्म्मी और भक्त था और वह मन्दिर में आया और जब माता पिता उस बालक यीशु को भीतर लाये कि उस के लिये व्यवस्था की रीति के अनुसार करें। तो उस ने उसे अपनी गोद में लिया और परमेश्वर का धन्यवाद करके कहा, हे स्वामी अब तू अपने दास को शांति से विदा करता है। क्योंकि मेरी आंखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है।

और उस का पिता और उस की माता इन बातों से जो उस के विषय में कही जाती थीं अचम्भा करते थे। और जब वे प्रभु की व्यवस्था के अनुसार सब कुछ कर चुके तो नासरत को चले गये। और बालक बढ़ता और बलवन्त होता और बुद्धि से भरपूर होता गया और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।

यीशु का मन्दिर में रह जाना ।

(लूका २:४१)

उस के माता पिता बरस बरस फसह के पर्ब्ब में यरूशलेम को जाया करते थे। जब वह बारह बरस का हुआ तो वे पर्ब्ब की रीति के अनुसार यरूशलेम को गये।

और जब वे उन दिनों को पूरा करके लौटने लगे तो वह लड़का यीशु यरूशलेम में रह गया और यह उस के माता पिता न जानते थे। वे यह समझकर कि वह और बटोहियों के साथ होगा एक दिन का पड़ाव निकल गये और उसे अपने कुटुम्बियों और जान पहचानों में ढूंढ़ने लगे। पर जब न मिला तो ढूंढ़ते ढूंढ़ते यरूशलेम को फिर लौट गये।

और तीन दिन के पीछे उन्हों ने उसे मन्दिर में उपदेशकों के बीच बैठे उन को सुनते और उन से प्रश्न करते हुए पाया। और जितने उस की सुन रहे थे वे सब उस की समझ और उस के उत्तरों से चकित थे।

तब वे उसे देखकर चकित हुए और उस की माता ने उस से कहा हे पुत्र तू ने हम से क्यों ऐसा व्यवहार किया देख तेरा पिता और मैं कुढ़ते हुए तुझे ढूंढ़ते थे। उस ने उस से कहा तुम मुझे क्यों ढूंढ़ते थे क्या नहीं जानते थे कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्य है। पर जो बात उस ने उन से कही उन्हों ने न समझी।

तब वह उन के साथ गया और नासरत में आया और उन के वश में रहा और उस की माता ने ये सब बातें अपने मन में रक्खीं।

और यीशु बुद्धि और डील डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।

जंगल में की परीक्षा।

(लूका ४)

यीशु पवित्रात्मा से भरा हुआ यरदन से लौटा और चालीस दिन तक आत्मा के सिखाने से जंगल में फिरता रहा, और शैतान उसकी परीक्षा करता रहा। उन दिनों में उस ने कुछ न खाया और जब वे दिन पूरे हो गये तो उसे भूख लगी।

और शैतान ने उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो इस पत्थर से कह दे कि रोटी बन जाए। यीशु ने उसे उत्तर दिया कि लिखा है मनुष्य केवल रोटी ही से जीता न रहेगा।

तब शैतान उसे ले गया और उस को पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाये। और उस से कहा मैं यह सब अधिकार और इन का बिभव तुझे दूंगा क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है और जिसे चाहता हूं उसी को दे देता हूं। इस लिये यदि तू मुझे प्रणाम करे तो यह सब तेरा हो जाएगा। यीशु ने उसे उत्तर दिया लिखा है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर और केवल उसी की उपासना कर।

तब उस ने उसे यरूशलेम में ले जाकर मंदिर के कंगूरे पर खड़ा किया और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो अपने आप को यहां से नीचे गिरा दे। क्योंकि लिखा है कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा कि वे तेरी रक्षा करें। और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे न हो कि तेरे पांव में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस को उत्तर दिया यह भी कहा गया है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।

जब शैतान सब परीक्षा कर चुका तब कुछ समय के लिये उस के पास से चला गया। फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा और उस की चरचा आसपास के सारे देश में फैल गई। और वह उन की सभा के घरों में उपदेश करता रहा और सब उस की बड़ाई करते थे।

यीशु का नासरत के सभा के घर में होना।

(लूका ४:१६)

और वह नासरत में आया जहां पाला गया था और अपनी रीति के अनुसार बिश्राम के दिन सभा के घर में जाकर पढ़ने को खड़ा हुआ। यशायाह नबी की पुस्तक उसे दी गई और उस ने पुस्तक खोलकर वह जगह निकाली जहां यह लिखा था, कि प्रभु का आत्मा मुझ पर

है इस लिये कि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है और मुझे इस लिये भेजा है कि बन्धुओं को छुटकारे और अंधों को दृष्टि पाने का प्रचार करूं और कुचले हुओं को छुड़ाऊं। और प्रभु के प्रसन्न रहने के बरस का प्रचार करूं। तब उस ने पुस्तक बन्द करके सेवक के हाथ में दी और बैठ गया और सभा के सब लोगों की आंखें उस पर लगी थीं।

तब वह उन से कहने लगा कि आज ही यह लेख तुम्हारे साम्हने पूरा हुआ है। और जो अनुग्रह की बातें उस के मुंह से निकलती थीं उन से सब ने अचम्भा किया। उस ने उन से कहा तुम मुझ पर यह कहावत अवश्य कहोगे कि हे बैद्य अपने आप को अच्छा कर। जो कुछ हम ने सुना कि कफरनहूम में किया गया वह यहां अपने देश में भी कर। और उस ने कहा मैं तुम से सच कहता हूं कोई नबी अपने देश में मान सन्मान नहीं पाता। और मैं तुम से सच कहता हूं कि एलिय्याह के दिनों में जब साढ़े तीन बरस आकाश बन्द रहा था यहां तक कि सारे देश में बड़ा अकाल पड़ा तो इस्राएल में बहुत सी बिधवा थीं। पर एलिय्याह उन में से किसी के पास न भेजा गया केवल सैदा के सारफत में एक बिधवा के पास। और इलीशा नबी के समय इस्राएल में बहुत कोढ़ी थे पर नामान सूरयानी को छोड़ उन में से कोई शुद्ध न किया गया।

ये बातें सुनते ही जितने सभा में थे सब क्रोध से भर गये। और उठकर उसे नगर से बाहर निकाला और पहाड़ की चोटी पर ले चले कि उसे नीचे गिरा दें। पर वह उन के बीच में से निकलकर चला गया।

फिर वह गलील के कफरनहूम नगर में गया और बिश्राम के दिन लोगों को उपदेश दे रहा था। वे उस के उपदेश से चकित हो गये क्योंकि उस का बचन अधिकार सहित था।

बहुत मछलियों का घेरा जाना।

(लूका ४:४२,५)

जब दिन हुआ तो वह निकलकर एक जंगली जगह में गया और भीड़ की भीड़ उसे ढूंढ़ती हुई उस के पास आई और उसे रोकने लगी कि हमारे पास से न जा। पर उस ने उन से कहा मुझे और और नगरों में भी परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाना अवश्य है क्योंकि मैं इसी लिये भेजा गया हूं। सो वह गलील की सभा के घरों में प्रचार करता रहा।

जब भीड़ उस पर गिरी पड़ती थी और परमेश्वर का बचन सुनती थी और वह गन्नेसरत की झील के किनारे खड़ा था। तो उस ने दो नावें देखीं और मछुवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे।

उन नावों में से एक पर जो शमौन की थी चढ़कर उस ने उस से बिनती की कि किनारे से थोड़ा हटा ले चल तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश करने लगा।

जब वह बातें कर चुका तो शमौन से कहा गहिरे में ले चल और मछलियां पकड़ने के लिये अपने जाल डालो। शमौन ने उस को उत्तर दिया कि हे स्वामी हम ने सारी रात मिहनत किई और कुछ न पकड़ा तौभी तेरे कहने से जाल डालूंगा। जब उन्हों ने ऐसा किया तो बहुत मछलियां घेर लाए और उन के जाल फटने लगे। इस पर उन्हों ने अपने साझियों को जो दूसरी नाव पर थे सैन किया कि आकर हमारी सहायता करो और उन्हों ने आकर दोनों नाव यहां तक भरीं कि वे डूबने लगीं। यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पांवों पर गिरा और कहा हे प्रभु मेरे पास से जा मैं पापी मनुष्य हूं। क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उस के साथियों को बहुत अचम्भा हुआ। तब यीशु ने शमौन से कहा मत डर अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा। और वे नावों को किनारे पर लाये और सब कुछ छोड़कर उस के पीछे हो लिये।

जब वह किसी नगर में था तो देखो वहां कोढ़ से भरा हुआ एक मनुष्य था और वह यीशु को देखकर मुंह के बल गिरा और बिनती की कि हे प्रभु यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। उस ने हाथ बढ़ाकर उसे छूआ और कहा मैं चाहता हूं शुद्ध हो जा और उस का कोढ़ तुरन्त जाता रहा। तब उस ने उसे चिताया कि किसी से न कह। पर उस की चरचा और भी फैल गई और भीड़ की भीड़ उस की सुनने को और अपनी बीमारियों से चंगे होने के लिये इकट्ठी हुई। पर वह जंगलों में अलग जाकर प्रार्थना करता था।

कोठे पर से बीमार आदमी का उतारा जाना।

(लूका ५:१७)

और एक दिन वह उपदेश कर रहा था और फरीसी और व्यवस्थापक वहां बैठे हुए थे जो गलील और यहूदिया के हर एक गांव से और यरूशलेम से आए थे और चंगा करने के लिये प्रभु की सामर्थ उस के साथ थी।

और देखो कई लोग एक मनुष्य को जो झोले का मारा था खाट पर लाए और वे उसे भीतर ले जाने का उपाय ढूंढ़ रहे थे। और जब भीड़ के कारण उसे भीतर न ले जाने पाए तो उन्हों ने कोठे पर चढ़के और खपड़े हटाकर उसे खाट समेत बीच में यीशु के सामने उतार दिया। उस ने उन का विश्वास देखकर उस से कहा हे मनुष्य तेरे पाप क्षमा हुए।

तब शास्त्री और फरीसी बिचार करने लगे कि यह कौन है जो परमेश्वर की निन्दा करता है। परमेश्वर को छोड़ कौन पापों को क्षमा कर सकता है। यीशु ने उन के मन की बातें जानकर उन से कहा कि तुम अपने मनों में क्या बिचार कर रहे हो। सहज क्या है क्या यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए या यह कहना कि उठ और चल फिर। पर इस लिये कि तुम जानो कि मनुष्य के पुत्र को पृथिवी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है (उस ने उस झोले के मारे से कहा) मैं तुझ से कहता हूं उठ और अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा।

वह तुरन्त उन के सामने उठा और जिस पर वह पड़ा था उसे उठाकर परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ घर चला गया। तब सब चकित हुए और परमेश्वर की बड़ाई करने लगे और बहुत डरकर कहने लगे कि आज हम ने अनोखी बातें देखीं।

और इस के पीछे वह बाहर गया और लेवी नाम एक महसूल लेनेवाले को महसूल की चौकी पर बैठे देखा और उस से कहा मेरे पीछे हो ले। तब वह सब कुछ छोड़कर उठा और उस के पीछे हो लिया।

और लेवी ने अपने घर में उस के लिये बड़ी जेवनार की और महसूल लेनेवालों और औरों की जो उस के साथ भोजन करने बैठे थे बड़ी भीड़ थी। और फरीसी और उन के शास्त्री उस के चेलों से यह कहकर कुड़कुड़ाने लगे कि तुम महसूल लेने-वालों और पापियों के साथ क्यों खाते पीते हो।

यीशु ने उन को उत्तर दिया कि वैद्य भले चंगों को नहीं पर बीमारों को अवश्य है। मैं धर्मियों को नहीं पर पापियों को मन फिराने के लिये बुलाने आया हूं।

सूबेदार का दास।

(लूका ७)

जब वह लोगों को अपनी सारी बातें सुना चुका तो कफरनहूम में आया। और किसी सूबेदार का एक दास जो उस का प्रिय था बीमारी से मरने पर था। उस ने यीशु की चरचा सुनकर यहूदियों के कई पुरनियों को उस से यह बिनती करने को उस के पास भेजा कि आकर मेरे दास को चंगा कर।

वे यीशु के पास आकर उस से बड़ी बिनती करके कहने लगे कि वह इस योग्य है कि तू उस के लिये यह करे, क्योंकि वह हमारी जाति से प्रेम

रखता है और उसी ने हमारा सभा का घर बनाया है।

यीशु उन के साथ साथ चला पर जब वह घर से दूर न था तो सूबेदार ने उस के पास कई मित्रों के द्वारा कहला भेजा कि हे प्रभु दुख न उठा क्योंकि मैं इस योग्य नहीं कि तू मेरी छत तले आए। इसी कारण मैं ने अपने आप को इस योग्य भी न समझा कि तेरे पास आऊं पर बचन ही कह तो मेरा सेवक चंगा हो जाएगा। मैं भी पराधीन मनुष्य हूं और सिपाही मेरे हाथ में हैं और जब एक को कहता हूं जा तो वह जाता है और दूसरे को आ तो वह आता है और अपने दास को कि यह कर तो वह करता है।

यह सुनकर यीशु ने अचम्भा किया और उस ने मुंह फेरकर उस भीड़ से जो उस के पीछे आ रही थी कहा मैं तुम से कहता हूं कि मैं ने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया। और भेजे हुए लोगों ने घर लौटकर उस दास को चंगा पाया।

नाईन नगर की एक बिधवा।

(लूका ७:११)

थोड़े दिन के पीछे वह नाईन नाम एक नगर को गया और उस के चेले और बड़ी भीड़ उस के साथ जा रही थी। जब वह नगर के फाटक के पास पहुंचा तो देखो एक मुरदे को बाहर लिए जाते थे जो अपनी मां का एकलौता पुत्र था और वह बिधवा थी और नगर के बहुतेरे लोग उस के साथ थे। उसे देखकर प्रभु को तरस आया और उस से कहा मत रो। तब उस ने पास आकर अर्थी को छूआ और उठानेवाले ठहर गए तब उस ने कहा हे जवान मैं तुझ से कहता हूं उठ। तब मुरदा उठ बैठा और बोलने लगा और उस ने उसे उस की मां को सौंप दिया। इस से सब पर भय छा गया और वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे कि हमारे बीच में एक बड़ा नबी उठा है और परमेश्वर ने अपने लोगों पर दृष्टि किई है।

एक फरीसी के घर में एक स्त्री का आना।

(लूका ७:३६)

फिर किसी फरीसी ने उस से बिनती की कि मेरे साथ भोजन कर सो वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा।

और देखो उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है संगमरमर के पात्र में अतर लाई। और उस के पांवों के पास पीछे खड़ी होकर रोती हुई उस के पांवों को आंसुओं से भिगाने लगी और अपने सिर के बालों से पोंछे और उस के पांव बार बार चूमकर उन पर अतर मला।

यह देखकर वह फरीसी जिस ने उसे बुलाया था अपने मन में सोचने लगा यदि यह नबी होता तो जान जाता कि यह जो उसे छू रही है सो कौन और कैसी स्त्री है क्योंकि वह पापिनी है।

यह सुन यीशु ने उस से कहा कि हे शमौन मुझे तुझ से कुछ कहना है। किसी महाजन के दो देनदार थे एक पांच सौ और दूसरा पचास दीनार धारता था। जब कि उन के पास पटाने को कुछ न रहा तो उस ने दोनों को क्षमा कर दिया सो उन में से कौन उस से अधिक प्रेम रक्खेगा।

शमौन ने उत्तर दिया मेरी समझ में वह जिस का उस ने अधिक छोड़ दिया। उस ने उस से कहा तू ने ठीक बिचार किया है। और उस स्त्री की ओर फिरकर उस ने शमौन से कहा क्या तू इस स्त्री को देखता है। मैं तेरे घर में आया तू ने मेरे पांव धोने को पानी न दिया पर इस ने मेरे पांव आंसुओं से भिगाए और अपने बालों से पोंछे। तू ने मुझे चूमा न दिया पर जब से मैं आया तब से इस ने मेरे पांवों का चूमना न छोड़ा। तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला पर इस ने मेरे पांवों पर अतर मला है।

पर उस ने स्त्री से कहा तेरे बिश्वास ने तुझे बचा लिया है कुशल से चली जा।

सुसमाचार का प्रचार करना।

(लूका ८,९,१०)

इस के पीछे वह नगर नगर और गांव गांव प्रचार करता हुआ और परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाता हुआ फिरने लगा।

जब वे मार्ग में चले जाते थे तो किसी ने उस से कहा जहां जहां तू जाएगा मैं तेरे पीछे हो लूंगा। यीशु ने उस से कहा लोमड़ियों के भट और आकाश के पक्षियों के बसेरे होते हैं पर मनुष्य के पुत्र को सिर धरने की भी जगह नहीं।

उस ने दूसरे से कहा मेरे पीछे हो ले उस ने कहा हे प्रभु मुझे पहिले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूं। उस ने उस से कहा मरे हुओं को अपने मरे हुओं को गाड़ने दे पर तू जाकर परमेश्वर के राज्य की कथा सुना।

एक और ने भी कहा हे प्रभु मैं तेरे पीछे हो लूंगा पर पहिले मुझे जाने दे कि अपने घर के लोगों से बिदा हो आऊं। यीशु ने उस से कहा जो कोई अपना हाथ हल पर रखकर पीछे देखता है वह परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं।

और इन बातों के पीछे प्रभु ने सत्तर और मनुष्य ठहराये और उन्हें दो दो करके अपने आगे भेजा। और उस ने उन से कहा।

पक्के खेत बहुत हैं पर मजदूर थोड़े इस लिये खेत के स्वामी से बिनती करो कि वह मजदूर भेज दे।

जाओ देखो मैं तुम्हें भेड़ों की नाईं भेड़ियों के बीच में भेजता हूं। न बटुआ न झोली न जूते लो और न मार्ग में किसी को नमस्कार करो।

जिस किसी घर में जाओ पहिले कहो कि इस घर पर कल्याण हो। यदि वहां कोई कल्याण के योग्य होगा तो तुम्हारा कल्याण उस पर ठहरेगा नहीं तो तुम्हारे पास लौट आएगा। उसी घर में रहो और जो कुछ उन से मिले वही खाओ पीओ क्योंकि मजदूर को अपनी मजदूरी मिलनी चाहिये। घर घर न फिरना।

और जिस नगर में जाओ और वहां के लोग तुम्हें उतारें तो जो कुछ तुम्हारे सामने रक्खा जाए खाओ। वहां के बीमारों को चंगा करो और उन से कहो कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुंचा है। पर जिस नगर में जाओ और वहां के लोग तुम्हें ग्रहण न करें तो उस के बाजारों में जाकर कहो, कि तुम्हारे नगर की धूल भी जो हमारे पांवों में लगी है हम तुम्हारे सामने झाड़ देते हैं तौभी यह जान लो कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुंचा है।

जो तुम्हारी सुनता है वह मेरी सुनता है और जो तुम्हें तुच्छ जानता है वह मुझे तुच्छ जानता है और जो मुझे तुच्छ जानता वह मेरे भेजनेवाले को तुच्छ जानता है।

वे सत्तर आनन्द से फिर आकर कहने लगे हे प्रभु तेरे नाम से दुष्टात्मा भी हमारे बश में हैं। उस ने उन से कहा देखो मैं ने तुम्हें सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का और शत्रु की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया है और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी। तौभी इस से आनन्द मत हो कि आत्मा तुम्हारे बश में हैं पर इस से आनन्द हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं।

उसी घड़ी वह पवित्र आत्मा में होकर आनन्द से भर गया और कहा

हे पिता स्वर्ग और पृथिवी के प्रभु मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा और बालकों पर प्रगट किया हां हे पिता क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा। मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है और कोई नहीं जानता कि पुत्र कौन है केवल पिता और पिता कौन है यह भी कोई नहीं जानता केवल पुत्र और वह जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।

और चेलों की ओर फिरकर निराले में कहा धन्य हैं वे आंखें जो ये बातें जो तुम देखते हो देखती हैं। क्योंकि मैं तुम से कहता हूं कि बहुत से नबियों और राजाओं ने चाहा कि जो बातें तुम देखते हो देखें पर न देखीं और जो बातें तुम सुनते हो सुनें पर न सुनीं।

नेक पड़ोसी।

(लूका १०:२५)

और देखो एक व्यवस्थापक उठा और यह कहकर उस की परीक्षा करने लगा कि हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिये मैं क्या करूं। उस ने उस से कहा कि व्यवस्था में क्या लिखा है तू कैसे पढ़ता है। उस ने उत्तर दिया कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे जी और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख। उस ने उस से कहा तू ने ठीक उत्तर दिया यही कर तो तू जीएगा।

पर उस ने अपनी तईं धर्मी ठहराने की इच्छा से यीशु से पूछा तो मेरा पड़ोसी कौन है।

यीशु ने उत्तर दिया कि एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो को जा रहा था कि डाकुओं ने घेरकर उस के कपड़े उतार लिये और मारपीट कर उसे अधमूआ छोड़ चले गये।

और ऐसा हुआ कि उसी मार्ग से एक याजक जा रहा था पर उसे देखके कतराकर चला गया। इसी रीति से एक लेवी उस जगह आया वह भी उसे देखके कतराकर चला गया।

पर एक सामरी बटोही वहां आ निकला और उसे देखकर तरस खाया। और उस के पास आकर और उस के घावों पर तेल और दाखरस ढालकर पट्टियां बांधी और अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया और उस की सेवा टहल किई।

दूसरे दिन उस ने दो दीनार निकालकर भटियारे को दिए और कहा इस की सेवा टहल करना और जो कुछ तेरा और लगेगा वह मैं लौटने पर तुझे भर दूंगा। अब तेरी समझ में जो डाकुओं में घिर गया था इन तीनों में से उस का पड़ोसी कौन ठहरा।

उस ने कहा वही जिस ने उस पर तरस खाया। यीशु ने उस से कहा जा तू भी ऐसा ही कर।

मरियम और मरथा।

(लूका १०:३८, ११)

फिर वह एक गांव में गया और मरथा नाम एक स्त्री ने उसे अपने घर में उतारा। और मरयम नाम उस की एक बहिन थी वह प्रभु के पांवों के पास बैठकर उस का बचन सुनती थी।

पर मरथा सेवा करते करते घबरा गई और उस के पास आकर कहने लगी हे प्रभु क्या तुझे कुछ सोच नहीं कि मेरी बहिन ने मुझे सेवा करने के लिये अकेली छोड़ दी है सो उस से कह कि मेरी सहायता करे। प्रभु ने उसे उत्तर दिया मरथा हे मरथा तू बहुत बातों के लिये चिन्ता करती और घबराती है। पर एक बात अवश्य है और उस उत्तम भाग को मरयम ने चुन लिया है जो उस से छीना न जाएगा।

फिर वह एक गूंगे दुष्टात्मा को निकाल रहा था। जब दुष्टात्मा निकल गया तो गूंगा बोलने लगा और लोगों ने अचम्भा किया।

पर उन में से कितनों ने कहा यह तो शैतान नाम दुष्टात्माओं के प्रधान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है। औरों ने उस की परीक्षा करने को उस से आकाश का एक चिन्ह मांगा।

पर उस ने उन के मन की बातें जानकर उन से कहा जिस जिस राज्य में फूट होती है वह राज्य उजड़ जाता है और जिस घर में फूट होता है वह नाश हो जाता है। जब बलवन्त मनुष्य हथियार बांधे हुए अपने घर की रखवाली करता है तो उस की संपत्ति बची रहती है। पर जब उस से बढ़कर कोई और बलवन्त चढ़ाई करके उसे जीत लेता है तो उस के वे हथियार जिन पर उस का भरोसा था छीन लेता और उस की संपत्ति लूटकर बांटता है।

जो मेरे साथ नहीं वह मेरे बिरोध में है और जो मेरे साथ नहीं बटोरता वह बिथराता है। जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाता है तो सूखी जगहों में बिश्राम ढूंढ़ता फिरता है और जब नहीं पाता तो कहता है कि मैं अपने उसी घर में जहां से

निकला था लौट जाऊंगा। और आकर उसे झाड़ा बुहारा और सजा सजाया पाता है। तब वह जाकर अपने से और बुरे सात आत्माओं को अपने साथ ले आता है और वे उस में पैठकर बास करते हैं और उस मनुष्य की पिछली दशा पहिले से भी बुरी हो जाती है।

तुम्हारे सिर के बाल भी गिने हुए हैं।

(लूका १२)

जब हजारों की भीड़ लग गई यहां तक कि एक दूसरे पर गिरा पड़ता था तो वह सब से पहिले अपने चेलों से कहने लगा कि फरीसियों के कपटरूपी खमीर से चौकस रहना। कुछ ढपा नहीं जो खोला न जाएगा और न कुछ छिपा है जो जाना न जाएगा। इस लिये जो कुछ तुम ने अंधेरे में कहा है वह उजाले में सुना जाएगा और जो तुम ने कोठरियों में कानों कान कहा है वह कोठों पर प्रचार किया जाएगा। पर मैं तुम से जो मेरे मित्र हो कहता हूं कि जो शरीर को घात करते हैं पर उस के पीछे और कुछ नहीं कर सकते उन से न डरो। मैं तुम्हें चिताता हूं तुम्हें किस से डरना चाहिये। घात करने के पीछे जिस को नरक में डालने का अधिकार है उसी से डरो बरन मैं तुम से कहता हूं उसी से डरो।

क्या दो पैसे की पांच गौरैया नहीं बिकतीं तौभी परमेश्वर उन में से एक को भी नहीं भूलता। बरन तुम्हारे सिर के सब बाल भी गिने हुए हैं सो डरो नहीं तुम बहुत गौरैयों से बढ़कर हो। मैं तुम से कहता हूं जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान ले उसे मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने मान लेगा। पर जो मनुष्यों के सामने मुझे नकारे वह परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने नकारा जाएगा। जब लोग तुम्हें सभाओं और हाकिमों के सामने ले जाएं तो चिन्ता न करना कि किस रीति से या क्या उत्तर दें या क्या कहें। क्योंकि पवित्र आत्मा उसी घड़ी तुम्हें सिखा देगा कि क्या कहना चाहिये।

फिर भीड़ में से किसी ने उस से कहा हे गुरु मेरे भाई से कह कि पिता की संपत्ति मुझे बांट दे। उस ने उस से कहा हे मनुष्य किस ने मुझे तुम्हारा न्यायी या बांटने वाला ठहराया। चौकस रहो और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखना क्योंकि किसी का जीवन उसकी संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।

एक धनी और उसके भंडार।

(लूका १२ : १६)

उस ने उन से एक दृष्टान्त कहा कि किसी धनवान की भूमि में बड़ी उपज हुई। तब वह अपने मन में विचार करने लगा क्या करूं क्योंकि मेरे यहां जगह नहीं जहां अपना अन्नादि रक्खूं। और उस ने कहा मैं यह करूंगा मैं अपनी बखारियां तोड़कर उन से बड़ी बनाऊंगा। और वहां अपना सब अन्न और अपनी सम्पत्ति रक्खूंगा। और अपने प्राण से कहूंगा हे प्राण तेरे पास बहुत बरसों के लिये बहुत सम्पत्ति रक्खी है चैन कर खा पी सुख से रह। परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा हे मूर्ख इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है वह किस का होगा। ऐसा ही वह भी है जो अपने लिये धन बटोरता परन्तु परमेश्वर के लेखे धनी नहीं।

हे छोटे झुंड मत डर।

(लूका १२:२२)

इस लिये मैं तुम से कहता हूं अपने प्राण की चिन्ता न करो कि हम क्या खाएंगे न शरीर की कि क्या पहिनेंगे। क्योंकि भोजन से प्राण और वस्त्र से शरीर बढ़कर है।

कौवों को देख लो। वे न बोते हैं न लवते उनके न भण्डार और न खत्ता है तौभी परमेश्वर उन्हें

पालता है । तुम पक्षियों से कितने बढ़कर हो । तुम में से कौन है जो चिन्ता करने से अपनी अवस्था में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है । सो यदि तुम छोटे से छोटा काम भी नहीं कर सकते तो और बातों के लिये क्यों चिन्ता करते हो ।

सोसनों पर ध्यान करो वे कैसे बढ़ते हैं । वे न मिहनत करते न कातते हैं पर मैं तुम से कहता हूं कि सुलैमान भी अपने सारे विभव में उन में से एक के बराबर पहिने हुए न था । यदि परमेश्वर मैदान की घास को जो आज है और कल भाड़ में झोंकी जाएगी ऐसा पहिनाता है तो हे अल्प विश्वासियो वह तुम्हें क्यों न पहिनाएगा ।

तुम इस बात की खोज में न रहो कि क्या खाएंगे और क्या पीएंगे और न सन्देह करो । जगत की जातियां इन सब वस्तुओं की खोज में रहती हैं और तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें ये वस्तुएं चाहियें । पर उस के राज्य की खोज में रहो तो ये वस्तुएं भी तुम्हें दी जाएंगी ।

हे छोटे झुण्ड मत डर क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है कि तुम्हें राज्य दे । अपनी सम्पत्ति बेच कर दान कर दो और अपने लिये ऐसे बटुए बनाओ जो पुराने नहीं होते और स्वर्ग पर ऐसा धन इकट्ठा करो जो घटता नहीं जिस के निकट चोर नहीं जाता और कीड़ा नहीं बिगाड़ता । क्योंकि जहां तुम्हारा धन है वहां तुम्हारा मन भी लगा रहेगा ।

— —

निष्फल अंजीर का पेड़ ।

(लूका १३:६)

फिर उस ने यह दृष्टान्त भी कहा कि किसी की अंगूर की बारी में एक अंजीर का पेड़ लगा हुआ था वह उस में फल ढूंढ़ने आया पर न पाया । तब उस ने बारी के रखवाले से कहा देख तीन बरस से मैं इस अंजीर के पेड़ से फल ढूंढ़ने आता हूं पर नहीं पाता इसे काट डाल यह भूमि को भी क्यों रोके । उस ने उस को उत्तर दिया कि हे स्वामी इसे इस बरस तो और रहने दे कि मैं इस के चारों ओर खोदकर खाद डालूं । सो आगे को फले तो भला नहीं तो पीछे उसे काट डालना ।

बिश्राम के दिन वह एक सभा के घर में उपदेश कर रहा था । और देखो एक स्त्री थी जिसे अठारह बरस से एक दुर्बल करनेवाला दुष्टात्मा लगा था और वह कुबड़ी हो गई थी और किसी रीति से सीधी न हो सकती थी । यीशु ने उसे देखकर बुलाया और कहा हे नारी तू अपनी दुर्बलता से छूट गई । तब उस ने उस पर हाथ रक्खे और वह तुरन्त सीधी हो गई और परमेश्वर की बड़ाई करने लगी ।

इस लिये कि यीशु ने बिश्राम के दिन उसे अच्छा किया था इस कारण सभा का सरदार रिसियाकर लोगों से कहने लगा छः दिन हैं जिन में काम करना चाहिये सो उन ही दिनों में आकर अच्छे होओ पर बिश्राम के दिन में नहीं । यह सुन प्रभु ने उत्तर दे कहा हे कपटियो क्या बिश्राम के दिन तुम में से हर एक अपने बैल या गदहे को थान से खोलकर पानी पिलाने नहीं ले जाता ।

जब उस ने ये बातें कहीं तो उस के सब बिरोधी लजा गए और सारी भीड़ उन महिमा के कामों से जो वह करता था आनन्द हुई ।

फिर उस ने कहा परमेश्वर का राज्य किस के समान है और मैं उस को उपमा किस से दूं । वह राई के एक दाने के समान है जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपनी बारी में बोया और वह बढ़कर पेड़ हो गया और आकाश के पक्षियों ने उस की डालियों पर बसेरा किया ।

उस ने फिर कहा मैं परमेश्वर के राज्य की उपमा किस से दूं । वह खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिलाया और होते होते सब खमीर हो गया ।

— —

यरूशलेम की ओर का सफर ।

(लूका १३:२२)

वह नगर नगर और गांव गांव होकर उपदेश करता हुआ यरूशलेम की ओर जा रहा था और किसी ने उस से पूछा हे प्रभु क्या उद्धार पानेवाले थोड़े हैं । उसने उन से कहा सकेत द्वार से प्रवेश करने का यतन करो क्योंकि बहुतेरे प्रवेश करना चाहेंगे और न कर सकेंगे । जब घर का स्वामी उठकर द्वार बन्दकर चुका हो और तुम बाहर खड़े हुए द्वार खटखटाकर कहने लगो हे प्रभु हमारे लिये खोल दे और वह उत्तर दे मैं तुम्हें नहीं जानता तुम कहां के हो । तब तुम कहने लगोगे कि हम ने तेरे सामने खाया पीया और तू ने हमारे बाजारों में उपदेश किया । पर वह कहेगा मैं नहीं जानता तुम कहां से हो हे कुकर्म करनेवालो तुम सब मुझ से दूर हो । वहां रोना और दांत पीसना होगा जब तुम इब्राहीम और इसहाक और याकूब और सब नबियों को परमेश्वर के राज्य में बैठे और अपने आप को बाहर निकाले हुए देखोगे । और पूरब पच्छिम उत्तर दक्खिन से लोग आकर परमेश्वर के राज्य के भोज में भागी होंगे । और देखो कितने पिछले हैं जो पहिले होंगे और कितने पहिले हैं जो पिछले होंगे ।

यरूशलेम पर विलाप ।

(लूका १३:३१, १४)

उसी घड़ी कितने फरीसियों ने आकर उस से कहा यहां से निकलकर चला जा क्योंकि हेरोदेस तुझे मार डालना चाहता है ।

उस ने उन से कहा जाकर उस लोमड़ी से कह दो कि देख मैं आज और कल दुष्टात्माओं को निकालता और बीमारों को चंगा करता हूं और तीसरे दिन पूरा करूंगा । तौभी मुझे आज और कल और परसों चलना अवश्य है क्योंकि हो नहीं सकता कि कोई नबी यरूशलेम के बाहर मारा जाए ।

हे यरूशलेम हे यरूशलेम तू जो नबियों को मार डालती है और जो तेरे पास भेजे गए उन्हें पत्थरवाह करती है कितनी ही बार मैं ने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठे करती है वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठे करूं पर तुम ने न चाहा । देखो तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है और मैं तुम से कहता हूं जब तक तुम न कहोगे कि धन्य वह जो प्रभु के नाम से आता है तब तक तुम मुझे कभी न देखोगे ।

फिर वह बिश्राम के दिन फरीसियों के सरदारों में से किसी के घर में रोटी खाने गया और वे उस की ताक में थे । और देखो एक मनुष्य उस के सामने था जिसे जलन्धर का रोग था । इस पर यीशु ने व्यवस्थापकों और फरीसियों से कहा क्या बिश्राम के दिन अच्छा करना उचित है कि नहीं । पर वे चुप रहे । तब उस ने उसे हाथ लगाकर चंगा किया और जाने दिया । और उन से कहा कि तुम में से ऐसा कौन है जिस का गदहा या बैल कूए में गिरे और वह बिश्राम के दिन उसे तुरन्त न निकाल ले । वे उत्तर न दे सके ।

मुख्य जगह का दृष्टान्त ।

(लूका १४:७)

जब उस ने देखा कि नेवतहरी लोग क्योंकर मुख्य जगहें चुन लेते हैं तो एक दृष्टान्त देकर उन से कहा । जब कोई तुझे ब्याह में बुलाए तो मुख्य जगह में न बैठ ऐसा न हो कि उस ने तुझ से भी किसी बड़े का नेवता दिया हो । और जिस ने तुझे नेवता दिया है आकर तुझ से कहे कि इस को जगह दे और तब तुझे लज्जा खाकर सब से नीची जगह में बैठना पड़े । पर जब तू बुलाया जाए तो सब से नीची जगह जा बैठ कि जब वह जिस ने तुझे नेवता दिया है आए तो तुझ से कहे हे मित्र आगे बढ़कर बैठ तब तेरे साथ बैठनेवालों के सामने तेरी बड़ाई होगी । क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा वह छोटा किया जाएगा और जो

अपने आप को छोटा बनाएगा वह बड़ा किया जाएगा ।

तब उस ने अपने नेवता देनेवाले से भी कहा जब तू दिन का या रात का भोज करे तो अपने मित्रों या भाइयों या कुटुम्बियों या धनवान पड़ोसियों को न बुला ऐसा न हो कि वे भी तुझे नेवता दें और तेरा बदला हो जाए। पर जब तू भोज करे तो कंगालों टुण्डों लंगड़ों और अंधों को बुला । तब तू धन्य होगा क्योंकि उन के पास तुझे बदला देने को कुछ नहीं पर तुझे धर्मियों के जी उठने पर बदला मिलेगा ।

बड़ी जेवनार ।

(लूका १४:१६)

उस ने उस से कहा किसी मनुष्य ने बड़ी जेवनार किई और बहुतों को बुलाया । जब भोजन तैयार हो गया तो उस ने अपने दास के हाथ नेवतहरियों को कहला भेजा कि आओ अब भोजन तैयार है । पर सब के सब क्षमा मांगने लगे ।

पहिले ने उस से कहा मैं ने खेत मोल लिया है और चाहिये कि उसे देखूं मैं तुझ से बिनती करता हूं मुझे क्षमा करा दे । दूसरे ने कहा मैंने पांच जोड़े बैल मोल लिये हैं और उन्हें परखने जाता हूं मैं तुझ से बिनती करता हूं मुझे क्षमा करा दे। एक और ने कहा मैं ने ब्याह किया है इस लिये मैं नहीं आ सकता ।

तब घर के स्वामी ने क्रोध कर अपने दास से कहा नगर के बाज़ारों और गलियों में तुरन्त जाकर कंगालों टुण्डों लंगड़ों और अंधों को यहां ले आ । दास ने फिर कहा हे स्वामी जैसे तू ने कहा था वैसे ही हुआ है और अब भी जगह है । स्वामी ने दास से कहा सड़कों पर और बाड़ों की ओर जाकर लोगों को बरबस ले आ कि मेरा घर भर जाए ।

और जब बड़ी भीड़ उस के साथ जा रही थी तो उस ने पीछे फिरकर उन से कहा । जो कोई अपना क्रूस न उठाए और मेरे पीछे न आए वह मेरा चेला नहीं हो सकता तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो और पहिले बैठकर खर्च न जोड़े कि पूरा करने को बिसात मेरे पास है कि नहीं। ऐसा न हो कि जब नेव डालकर तैयार न कर सके तो सब देखनेवाले यह कहकर उसे ठट्ठों में उड़ाने लगें, कि यह मनुष्य बनाने तो लगा पर तैयार न कर सका । या कौन ऐसा राजा है कि दूसरे राजा से लड़ने जाता हो और पहिले बैठकर विचार न कर ले कि जो बीस हजार लेकर मुझ पर चढ़ा आता है क्या मैं दस हजार लेकर उसका सामना कर सकता हूं कि नहीं । नहीं तो उस के दूर रहते ही वह दूतों को भेजकर मिलाप चाहेगा । इसी रीति से तुम में जो कोई अपना सब कुछ त्याग न करे वह मेरा चेला नहीं हो सकता । नमक अच्छा है पर यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए तो वह किस से स्वादित किया जाएगा । वह न भूमि के न खाद के लिये काम आता है। लोग उसे बाहर फेंक देते हैं। जिस के सुनने के कान हों वह सुन ले ।

खोई हुई भेड़ ।

(लूका १५)

सब महसूल लेनेवाले और पापी उस के पास आते थे कि उस की सुनें। और फरीसी और शास्त्री कुड़कुड़ाकर कहने लगे कि यह तो पापियों से मिलता और उन के साथ खाता है ।

तब उस ने उन से यह दृष्टान्त कहा । तुम में से कौन है जिस की सौ भेड़ हों और उन में से एक खो जाए तो निन्नानवे को जंगल में छोड़कर उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे । और जब मिल जाती है तो वह आनन्द से उसे कांधे पर उठा लेता है । और घर में आकर मित्रों और पड़ोसियों को इकट्ठे करके कहता है मेरे साथ आनन्द करो क्योंकि मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई । मैं तुम से कहता हूं कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में स्वर्ग में इतना आनन्द होगा जितना कि निन्नानवे ऐसे धर्मियों के विषय न होता जिन्हें मन फिराने की जरूरत नहीं ।

दस सिक्के ।

(लूका १५:८)

कौन ऐसी स्त्री होगी जिस के पास दस सिक्के हों और एक खो जाए तो वह दिया बारम्बर बुहार जब तक मिल न जाए जी लगाकर खोजती रहे । और जब मिल जाता है तो वह सखियों और पड़ोसिनियों को इकट्ठी करके कहती है मेरे साथ आनन्द करो कि मेरा खोया हुआ सिक्का मिल गया । मैं तुम से कहता हूं कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में परमेश्वर के स्वर्ग दूतों के सामने आनन्द होता है ।

उड़ाऊ पुत्र का दृष्टान्त ।

(लूका १५:११)

किसी मनुष्य के दो पुत्र थे । उन में से छुटके ने पिता से कहा हे पिता संपत्ति में से जो भाग मेरा हो वह मुझे दे । उस ने उन को अपनी संपत्ति बांट दी ।

और बहुत दिन न बीते कि छुटका पुत्र सब कुछ इकट्ठा करके दूर देश को चला गया और वहां लुचपन में अपनी संपत्ति उड़ा दी । जब वह सब कुछ उठा चुका तो उस देश में बड़ा अकाल पड़ा और वह कंगाल हो गया । और वह उस देश के निवासियों में से एक के यहां जा पड़ा उस ने उसे अपने खेतों में सूअर चराने को भेजा । और वह चाहता था कि उन फलियों से जिन्हें सूअर खाते थे अपना पेट भरे और उसे कोई कुछ न देता था ।

जब वह अपने आपे में आया तब वह कहने लगा मेरे पिता के कितने मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है और मैं यहां भूखों मरता हूं । मैं उठकर अपने पिता के पास जाऊंगा और उस से कहूंगा हे पिता मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरे देखते पाप किया है । अब इस लायक नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊं मुझे अपने एक मजदूर की नाईं लगा ले ।

तब वह उठकर अपने पिता के पास चला पर वह अभी दूर ही था कि उस के पिता ने उसे देखकर तरस खाया और दौड़कर उसे गले लगाया और बहुत चूमा ।

पुत्र ने उस से कहा हे पिता मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरे देखते पाप किया है और अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊं । पर पिता ने अपने दासों से कहा झट अच्छे से अच्छा पहिनावा निकाल कर उसे पहिनाओ और उस के हाथ में अंगूठी और पांवों में जूती पहिनाओ । और पला हुआ बछड़ा लाकर मारो और हम खाएं और आनन्द करें । क्योंकि मेरा यह पुत्र मरा था फिर जी गया है खो गया था अब मिला है तब वे आनन्द करने लगे ।

पर उस का जेठा पुत्र खेत में था और जब वह आते हुए घर के निकट पहुंचा तो गाने बजाने और नाचने का शब्द सुना । और उस ने एक टहलुए को बुलाकर पूछा यह क्या हो रहा है ।

उस ने उस से कहा तेरा भाई आया है और तेरे पिता ने पला हुआ बछड़ा कटवाया है इस लिये कि उसे भला चंगा पाया ।

यह सुन वह क्रोध से भर गया और भीतर जाना न चाहा पर उस का पिता बाहर आकर उसे मनाने लगा । उस ने पिता को उत्तर दिया कि देख मैं इतने बरस से तेरी सेवा कर रहा हूं और कभी तेरी आज्ञा न टाली तौभी तू ने मुझे कभी एक बकरी का बच्चा न दिया कि मैं अपने मित्रों के साथ आनन्द करता । पर जब तेरा यह पुत्र जिस ने तेरी संपत्ति वेश्याओं में उड़ा दिई आया तो उस के लिये तू ने पला हुआ बछड़ा कटवाया ।

उस ने उस से कहा पुत्र तू सदा मेरे साथ है और जो कुछ मेरा है सब तेरा ही है । पर आनन्द करना और मगन होना चाहिये था क्योंकि यह तेरा भाई मरा था फिर जी गया खो गया था अब मिला है ।

अधर्मी भण्डारी ।

(लूका १६)

फिर उस ने चेलों से भी कहा किसी धनवान का एक भण्डारी था और लोगों ने उस पर यह दोष लगाया कि यह तेरी संपत्ति उड़ाए देता है। सो उस ने उसे बुलाकर कहा यह क्या है जो मैं तेरे विषय में सुनता हूं। अपने भण्डारीपन का लेखा दे क्योंकि तू आगे को भण्डारी नहीं रह सकता।

तब भण्डारी सोचने लगा मैं क्या करूं। मिट्टी तो मुझ से खोदी नहीं जाती और भीख मांगने से मुझे लाज आती है। मैं समझ गया कि क्या करूंगा इस लिये कि जब मैं भण्डारी के काम से छुड़ाया जाऊं तो लोग मुझे अपने घरों में ले लें।

और उस ने अपने स्वामी के देनदारों में से एक एक को बुलाकर पहिले से पूछा कि तुझ पर मेरे स्वामी का क्या आता है। उस ने कहा सौ मन तेल तब उस ने उस से कहा कि अपनी टीप ले और बैठकर तुरन्त पचास लिख दे। फिर दूसरे से पूछा तुझ पर क्या आता है उस ने कहा सौ मन गेहूं तब उस ने उस से कहा अपनी टीप लेकर अस्सी लिख दे। स्वामी ने उस अधर्मी भण्डारी को सराहा कि उस ने चतुराई से काम किया है क्योंकि इस संसार के लोग अपने समय के लोगों के साथ ज्योति के लोगों से रीति व्यवहारों में बहुत चतुर हैं।

और मैं तुम से कहता हूं जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है वह बहुत में भी सच्चा है और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है वह बहुत में भी अधर्मी है। कोई टहलुआ दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता क्योंकि वह तो एक से बैर और दूसरे से प्रेम रक्खेगा या एक से मिला रहेगा और दूसरे को हलका जानेगा तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।

फरीसी जो लोभी थे ये सब बातें सुनकर उसे ठट्ठों में उड़ाने लगे।

दस कोढ़ी ।

(लूका १७)

वह यरूशलेम को जाते हुए सामरिया और गलील के बीच से होकर जा रहा था। किसी गांव में पैठते समय उसे दस कोढ़ी मिले और उन्हों ने दूर खड़े होकर, ऊंचे शब्द से कहा हे यीशु हे स्वामी हम पर दया कर। उस ने उन्हें देखकर कहा जाओ और अपने तईं याजकों को दिखाओ और जाते जाते वे शुद्ध हो गए। तब उन में से एक यह देखकर कि मैं चंगा हो गया हूं ऊंचे शब्द से परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ लौटा। और यीशु के पांवों पर मुंह के बल गिरकर उस का धन्यवाद करने लगा और यह सामरी था। इस पर यीशु ने कहा क्या दसों शुद्ध न हुए तो फिर वे नौ कहां हैं। क्या इस परदेशी को छोड़ कोई और न निकला जो परमेश्वर की बड़ाई करता। तब उस ने उस से कहा उठकर चला जा तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।

एक बिधवा और एक अधर्मी न्यायी ।

(लूका १८)

फिर उस ने इस के विषय कि नित्य प्रार्थना करना और हियाव न छोड़ना चाहिए उन से यह दृष्टान्त कहा, कि किसी नगर में एक न्यायी था जो न परमेश्वर से डरता और न किसी मनुष्य की चिन्ता करता था। और उसी नगर में एक बिधवा भी थी जो उसके पास आ आकर कहा करती थी कि मेरा न्याय चुकाकर मुझे मुद्दई से बचा। उस ने कितनी देर तक तो न माना पर पीछे अपने जी में कहा यद्यपि मैं न परमेश्वर से डरता और न मनुष्य की चिन्ता करता हूं। तौभी यह बिधवा मुझे सताती

रहती है इस लिये मैं उस का न्याय चुकाऊंगा ऐसा न हो कि घड़ी घड़ी आकर अन्त को मेरे नाक में दम करे।

सुनो कि यह अधर्मी न्याय क्या कहता है। सो क्या परमेश्वर अपने चुने हुओं का न्याय न चुकाएगा जो रात दिन उस को दुहाई देते रहते और क्या वह उन के विषय में देर करेगा। मैं तुम से कहता हूं वह तुरन्त उन का न्याय चुकाएगा तौभी मनुष्य का पुत्र जब आएगा तो क्या वह पृथिवी पर विश्वास पाएगा।

एक फरीसी और एक महसूल लेनेवाला।

(लूका १८:९)

और उस ने कितनों से जो अपने पर भरोसा रखते थे कि हम धर्मी हैं और औरों को तुच्छ जानते थे यह दृष्टान्त कहा, कि

दो मनुष्य मन्दिर में प्रार्थना करने गए एक फरीसी और दूसरा महसूल लेनेवाला। फरीसी खड़ा होकर अपने मन में यों प्रार्थना करने लगा कि हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि मैं और मनुष्यों की नाईं अंधेरा करनेवाला और अन्यायी नहीं और न इस महसूल लेनेवाले के समान हूं। मैं अठवारे में दो बार उपवास करता हूं मैं अपनी सारी कमाई का दसवां अंश देता हूं। पर महसूल लेनेवाले ने दूर खड़े होकर स्वर्ग की ओर आंखें उठाना भी न चाहा बरन अपनी छाती पीट पीटकर कहा हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर। मैं तुम से कहता हूं कि वह दूसरा नहीं पर यही मनुष्य धर्मी ठहराया जाकर अपने घर गया क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा वह छोटा किया जाएगा और जो अपने आप को छोटा बनाएगा वह बड़ा किया जाएगा।

एक नाटा धनी।

(लूका १९)

वह यरीहो में आकर उस में जा रहा था। और देखो जक्कई नाम एक मनुष्य था जो महसूल लेनेवालों का सरदार और धनी था। वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है पर भीड़ के कारण देख न सकता था क्योंकि नाटा था। तब उस को देखने के लिये वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया क्योंकि वह उसी मार्ग से जाने को था।

जब यीशु उस जगह पहुंचा तो ऊपर दृष्टि कर उस से कहा हे जक्कई झट उतर आ क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है। वह झट उतर कर आनन्द से उसे अपने घर ले गया।

यह देखकर सब कुड़कुड़ाकर कहने लगे वह तो एक पापी मनुष्य के यहां उतरा है। जक्कई ने खड़े होकर कहा हे प्रभु देख मैं अपनी आधी संपत्ति कंगालों को देता हूं और यदि किसी से अन्याय करके कुछ ले लिया तो चौगुना फेर देता हूं। तब यीशु ने उस से कहा आज इस घर में उद्धार आया है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढ़ने और उन का उद्धार करने आया है।

एक कुलीन मनुष्य और उस के दास।

(लूका १९:११)

जब वे ये बातें सुन रहे थे तो उस ने एक दृष्टान्त कहा इस लिये कि वह यरूशलेम के निकट था और वे समझते थे कि परमेश्वर का राज्य अभी प्रगट हुआ चाहता है।

सो उस ने कहा एक कुलीन मनुष्य दूर देश जाता था कि राजपद पाकर फिर आए। और उस ने अपने दासों में से दस को बुलाकर उन्हें दस मुहरें दीं और उन से कहा मेरे लौट आने तक लेन

देन करना। पर उस के नगर के रहनेवाले उस से बैर रखते थे और उस के पीछे दूतों के द्वारा कहला भेजा कि हम नहीं चाहते कि यह हम पर राज्य करे।

जब वह राजपद पाकर लौट आया तो उस ने अपने दासों को जिन्हें रोकड़ दी थी अपने पास बुलवाया कि वह जाने कि उन्हों ने लेन देन करने से क्या क्या कमाया। तब पहिले ने आकर कहा हे स्वामी तेरी मोहर ने दस और मोहरें कमाईं। उस ने उस से कहा धन्य हे उत्तम दास तुझे धन्य है तू बहुत ही थोड़े में बिश्वासी निकला अब दस नगरों पर अधिकार रख।

दूसरे ने आकर कहा हे स्वामी तेरी मोहर ने पांच और मोहरें कमाईं। उस ने उस से भी कहा तू भी पांच नगरों पर हाकिम हो जा।

तीसरे ने आकर कहा हे स्वामी देख तेरी मोहर यह है जिसे मैं ने अंगोछे में बांध रक्खी। क्योंकि मैं तुझ से डरता था इस लिये कि तू कठोर मनुष्य है जो तू ने नहीं धरा उसे उठा लेता है जो तू ने नहीं बोया उसे काटता है।

उस ने उस से कहा हे दुष्ट दास मैं तेरे ही मुंह से तुझे दोषी ठहराता हूं। तू मुझे जानता था कि कठोर मनुष्य हूं जो मैं ने नहीं धरा उसे उठा लेता और जो मैं ने नहीं बोया उसे काटता हूं। तो तू ने मेरे रुपये कोठी में क्यों नहीं रख दिये कि मैं आकर ब्याज समेत ले लेता।

और जो लोग निकट खड़े थे उस ने उन से कहा वह मोहर उस से ले लो और जिस के पास दस मोहरें हैं उसे दे दो। मैं तुम से कहता हूं कि जिस के पास है उसे दिया जाएगा और जिस के पास नहीं उस से वह भी जो उस के पास है ले लिया जाएगा। पर मेरे उन बैरियों को जो नहीं चाहते थे कि मैं उन पर राज्य करूं यहां लाकर मेरे सामने घात करो।

— –

यीशु यरूशलेम को देखता।

(लूका १९:२८)

ये बातें कहकर यरूशलेम की ओर उन के आगे आगे चला।

जब वह जा रहा था तो वे अपने कपड़े मार्ग में बिछाते जाते थे। और निकट आते हुए तो चेलों की सारी मण्डली उन सब सामर्थ के कामों के लिये जो उन्हों ने देखे थे आनन्दित होकर बड़े शब्द से परमेश्वर की स्तुति करने लगी, कि धन्य है वह राजा जो प्रभु के नाम से आता है स्वर्ग में शान्ति और आकाश में महिमा हो।

तब कितने फरीसी उस से कहने लगे हे गुरु अपने चेलों को डांट। उस ने उत्तर दिया कि मैं तुम से कहता हूं यदि ये चुप रहें तो पत्थर चिल्ला उठेंगे।

जब वह निकट आया तो नगर को देखकर उस पर रोया। और कहा क्या ही भला होता कि तू हां तू ही इस दिन कुशल की बातें जानता पर अब वे तेरी आंखों से छिपी हैं। वे दिन तो तुझ पर आएंगे कि तेरे बैरी मोर्चा बांधकर तुझे घेर लेंगे और चारों ओर से तुझे दबाएंगे। और तुझे और तेरे बालकों को जो तुझ में हैं मिट्टी में मिलाएंगे और तुझ में पत्थर पर पत्थर न छोड़ेंगे।

——

वे दिन आएंगे।

(लूका २१:५)

जब कितने लोग मन्दिर के विषय में कह रहे थे कि वह कैसे सुन्दर पत्थरों से और भेंट की वस्तुओं से संवारा गया है तो उस ने कहा। वे दिन आएंगे जिन में यह सब जो तुम देखते हो उन में से पत्थर पर पत्थर भी यहां न छूटेगा जो ढाया न जाएगा।

उन्हों ने उस से पूछा हे गुरु यह कब होगा और ये बातें जब पूरी होने पर होंगी तो उस समय का क्या चिन्ह होगा। उस ने कहा

चौकस रहो कि भरमाये न जाओ क्योंकि बहुतेरे मेरे नाम से आकर कहेंगे मैं वही हूं और समय निकट आया है तुम उन के पीछे न जाना। जब तुम लड़ाइयों और बलवों की चरचा सुनो तो घबरा न जाना क्योंकि इन का पहिले होना अवश्य है पर अन्त तुरन्त न होगा। जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा। बड़े बड़े भूईंडोल होंगे और जगह जगह अकाल और मरियां पड़ेंगी और आकाश से भयंकर बातें और बड़े बड़े चिन्ह प्रगट होंगे। पर इन सब बातों से पहिले वे मेरे नाम के कारण तुम्हें पकड़ेंगे और सताएंगे और पंचायतों में सौंपेंगे और जेलखानों में डलवाएंगे और राजाओं और हाकिमों के सामने ले जाएंगे। तुम्हारे माता पिता और भाई और कुटुम्ब और मित्र भी तुम्हें पकड़वाएंगे और तुम में से कितनों को मरवा डालेंगे। और मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे। पर तुम्हारे सिर का एक बाल बांका न होगा। अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को बचाए रक्खोगे।

और वह दिन को मन्दिर में उपदेश करता था और रात को बाहर जाकर जैतून नाम पहाड़ पर रहा करता था। और बड़े तड़के सब लोग उस की सुनने को मन्दिर में उस के पास आया करते थे।

चेलों को यीशु की पिछली बातें।

(लूका २२)

वह पर्ब्ब जो फसह कहलाता है निकट था। और महायाजक और शास्त्री इस बात की खोज में थे कि उस को क्योंकर मार डालें पर वे लोगों से डरते थे

तब शैतान यहूदा इस्करियोती में समाया जो बारह चेलों में गिना जाता था। उसने जाकर महायाजकों और पहरुओं के सरदारों के साथ बातचीत की कि उस को क्योंकर उन के हाथ पकड़वाए। वे आनन्दित हुए और उसे रुपये देने का बचन दिया। उस ने मान लिया और अवसर ढूंढ़ने लगा कि जब भीड़ न रहे तो उसे उन के हाथ पकड़वा दे।

तब पर्ब्ब का दिन आया जिस में फसह का मेमना मारना चाहिये था। जब घड़ी पहुंची तो वह प्रेरितों के साथ भोजन करने बैठा। और उस ने उन से कहा मुझे बड़ी लालसा थी कि दुख भोगने से पहिले यह फसह तुम्हारे साथ खाऊं। क्योंकि मैं तुम से कहता हूं कि जब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊंगा।

तब उस ने कटोरा लेकर धन्यवाद किया और कहा इस को लो और आपस में बांट लो। क्योंकि जब तक परमेश्वर का राज्य न आए तब तक मैं दाखरस अब से कभी न पीऊंगा।

फिर उस ने रोटी ली और धन्यवाद करके तोड़ी और उन को यह कहते हुए दी कि यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिये दी जाती है मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। पर देखो मेरे पकड़वानेवाले का हाथ मेज पर है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो जाता ही है पर हाय उस मनुष्य पर जिस के द्वारा वह पकड़वाया जाता है।

तब वे आपस में पूछ पाछ करने लगे कि हम में से कौन है जो यह काम करेगा।

उन में यह विवाद भी हुआ कि हम में से कौन बड़ा समझा जाता है। उस ने उन से कहा अन्यजातियों के राजा उन पर प्रभुता करते हैं और जो उन पर अधिकार रखते हैं वे उपकारक कहलाते हैं। पर तुम ऐसे न होना बरन जो तुम में बड़ा है वह टहलुए की नाईं बने।

और उस ने उन से कहा जब मैं ने तुम्हें बटुए और झोली और जूते बिना भेजा तो क्या तुम को किसी बस्तु की घटी हुई। उन्हों ने कहा किसी की नहीं। उस ने उन से कहा पर अब जिस के पास बटुआ हो वह उसे ले और वैसे ही झोली भी और जिस के पास तलवार न हो वह अपने कपड़े बेचकर एक मोल ले। क्योंकि मेरे विषय की बातें पूरी होने पर हैं। उन्हों ने कहा हे प्रभु देख यहां दो तलवारें हैं। उस ने उन से कहा बहुत हैं।

तब वह बाहर निकलकर अपनी रीति के अनुसार जैतून पहाड़ पर गया और चेले उस के पीछे हो लिये। उस जगह पहुंचकर उस ने उन से कहा प्रार्थना करो कि तुम परीक्षा में न पड़ो। और वह

आप उन से अलग ढेला फेंकने के टप्पे भर गया और घुटने टेककर प्रार्थना करने लगा, कि हे पिता यदि तू चाहे तो इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले तौभी मेरी नहीं पर तेरी इच्छा पूरी हो। तब स्वर्ग से एक दूत जो उसे सामर्थ देता था उस को दिखाई दिया। और वह बड़े संकट में होकर और भी लौ लगाकर प्रार्थना करने लगा और उस का पसीना लोहू के थक्के की नाईं भूमि पर गिर रहा था।

तब वह प्रार्थना से उठा और अपने चेलों के पास आकर उन्हें उदासी के मारे सोते पाया। और उन से कहा क्यों सोते हो उठो प्रार्थना करो कि परीक्षा में न पड़ो।

यहूदा का यीशु का चूमा लेना।

(लूका २२:४७)

वह यह कह ही रहा था कि देखो एक भीड़ आई और यहूदा उन के आगे आगे आ रहा था और यीशु का चूमा लेने को उस के पास आया। यीशु ने उस से कहा क्या तू मनुष्य के पुत्र को चूमा लेकर पकड़वाता है।

उस के साथियों ने जब देखा कि क्या होनेवाला है तो कहा हे प्रभु क्या हम तलवार चलाएं। और उन में से एक ने महायाजक के दास पर चलाकर उस का दहिना कान उड़ा दिया। इस पर यीशु ने कहा अब बस करो और उस का कान छूकर उसे अच्छा किया। तब यीशु ने महायाजकों और मन्दिर के पहरुओं के सरदारों और पुरनियों से कहा क्या तुम मुझे डाकू जानकर तलवारें और लाठियां लिये हुए निकले हो। जब मैं मन्दिर में हर दिन तुम्हारे साथ था तो तुम ने मुझ पर हाथ न डाला पर यह तुम्हारी घड़ी है और अंधेरे का अधिकार।

वे उसे पकड़के ले चले और महायाजक के घर में लाए और पतरस दूर दूर पीछे पीछे चलता था।

जब वे आंगन में आग सुलगाकर इकट्ठे बैठे तो पतरस भी उन के बीच में बैठ गया। और एक लौंडी उसे आग के उजाले में बैठे देखकर और उस की ओर ताककर कहने लगी यह भी उस के साथ था। वह उस से मुकर गया और कहा हे नारी मैं उसे नहीं जानता। थोड़ी देर पीछे किसी और ने उसे देखकर कहा तू भी उन्हीं में से है पतरस ने कहा हे मनुष्य मैं नहीं हूं। घड़ी एक बीते और कोई दृढ़ता से कहने लगा सचमुच यह भी उस के साथ था क्योंकि गलीली है। पतरस ने कहा हे मनुष्य मैं नहीं जानता तू क्या कहता है। वह कह ही रहा था कि तुरन्त मुर्ग ने बांग दी।

तब प्रभु ने फिरकर पतरस को और देखा और पतरस को प्रभु की उस बात की सुध आई जो उस ने कही थी कि आज मुर्ग के बांग देने से पहिले तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा।

और वह बाहर निकलके फूट फूट कर रोने लगा।

यीशु न्यायियों के सामने।

(लूका २२:६३,२३)

जो मनुष्य यीशु को पकड़े थे वे उसे ठट्ठों में उड़ाकर पीटने लगे। और उस की आंखें ढांपकर मारा। और उन्हों ने बहुत सी और भी निन्दा की बातें उस के विरोध में कहीं।

जब दिन हुआ तो लोगों के पुरनिए और महायाजक और शास्त्री इकट्ठे हुए और उसे अपनी महासभा में लाकर पूछा, यदि तू मसीह है तो हम से कह दे। उस ने उन से कहा यदि मैं तुम से कहूं तो प्रतीति न करोगे, और यदि पूछूं तो उत्तर न दोगे। पर अब से मनुष्य का पुत्र सर्व्वशक्तिमान परमेश्वर की दहिनी ओर बैठा रहेगा। सब ने कहा तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है। उस ने उन से कहा तुम आप कहते हो क्योंकि मैं हूं।

तब उन्हों ने कहा अब हमें गवाही का क्या प्रयोजन है क्योंकि हम ने आप ही उस के मुंह से

सुना है। तब सारी सभा उठकर उसे पीलातुस के पास ले गई। और वे यह कहकर उस पर दोष लगाने लगे कि हम ने इसे लोगों को बहकाते और कैसर को कर देने से मना करते और अपने आप को मसीह राजा कहते हुए सुना।

पीलातुस ने उस से पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है। उस ने उसे उत्तर दिया कि तू आप ही कह रहा है। तब पीलातुस ने महायाजकों और लोगों से कहा मैं इस मनुष्य में कुछ दोष नहीं पाता। पर वे और भी दृढ़ता से कहने लगे यह गलील से लेकर यहां तक सारे यहूदिया में उपदेश करके लोगों को उसकाता है। यह सुनकर पीलातुस ने पूछा क्या यह मनुष्य गलीली है। और यह जानकर कि वह हेरोदेस की रियासत का है उसे हेरोदेस के पास भेज दिया कि उन दिनों वह भी यरूशलेम में था।

हेरोदेस यीशु को देखकर बहुत ही खुश हुआ क्योंकि वह बहुत दिनों से उस को देखना चाहता था इस लिये कि उस के विषय में सुना था और उस का कुछ चिन्ह देखने की आशा रखता था। वह उस से बहुतेरी बातें पूछता रहा पर उस ने उस को कुछ उत्तर न दिया।

और महायाजक और शास्त्री खड़े हुए तन मन से उस पर दोष लगाते रहे। तब हेरोदेस ने अपने सिपाहियों के साथ उस का अपमानकर ठट्ठों में उड़ाया और भड़कीला वस्त्र पहिनाकर उसे पीलातुस के पास लौटा दिया।

उसी दिन पीलातुस और हेरोदेस मित्र हो गए। इस से पहिले वे एक दूसरे के बैरी थे। पीलातुस ने महायाजकों और सरदारों और लोगों को बुलाकर उन से कहा, तुम इस मनुष्य को लोगों का बहकानेवाला ठहराकर मेरे पास लाए हो और देखो मैं ने तुम्हारे सामने उस की जांच किई पर जिन बातों का तुम उस पर दोष लगाते हो उन बातों के विषय में ने उस में कुछ भी दोष नहीं पाया। न हेरोदेस ने क्योंकि उस ने उसे हमारे पास लौटा दिया है और देखो उस से ऐसा कुछ नहीं हुआ कि वह मृत्यु के दण्ड के योग्य ठहरता। सो मैं उसे पिटवाकर छोड़ देता हूं।

सब मिलकर चिल्ला उठे कि इस का काम तमाम कर और हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे। यही खून के कारण जेलखाने में डाला गया था।

पर पीलातुस ने यीशु को छोड़ने की इच्छा कर लोगों को फिर समझाया। पर उन्हों ने चिल्लाकर कहा कि उसे क्रूस पर चढ़ा क्रूस पर।

उस ने तीसरी बार उन से कहा क्यों उस ने कौन सी बुराई की है। मैं ने उस में मृत्यु के दण्ड के योग्य कोई बात नहीं पाई इस लिये मैं उसे पिटवाकर छोड़ देता हूं। पर वे चिल्ला चिल्लाकर पीछे पड़ गए कि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए और उन का चिल्लाना प्रबल हुआ।

सो पीलातुस ने आज्ञा दी कि उन के मांगने के अनुसार किया जाए। और उस ने उस मनुष्य को जिसे वे मांगते थे छोड़ दिया और यीशु को उन की इच्छा के अनुसार सौंप दिया।

जब वे उसे लिए जाते थे तो उन्हों ने शमौन नाम एक कुरेनी को जो गांव से आता था पकड़के उस पर क्रूस लाद दिया कि उसे यीशु के पीछे पीछे ले चले।

लोगों की बड़ी भीड़ उस के पीछे हो ली और बहुत सी स्त्रियां भी जो उस के लिये छाती पीटती और विलाप करती थीं। यीशु ने उन की ओर फिरकर कहा हे यरूशलेम की पुत्रियो मेरे लिये मत रोओ पर अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। क्योंकि देखो वे दिन आते हैं जिन में वे पहाड़ों से कहने लगेंगे कि हम पर गिरो और टीलों से कि हमें ढांप लो।

कलवरी।

(लूका २३:३२)

वे और दो मनुष्यों को भी जो कुकर्मी थे उस के साथ घात करने को ले चले।

जब वे उस जगह जिसे खोपड़ी कहते हैं पहुंचे तो उन्हों ने वहां उसे और उन कुकर्मियों को भी एक को दहिनी और दूसरे को बाईं ओर क्रूसों पर चढ़ाया।

तब यीशु ने कहा हे पिता इन्हें क्षमा कर क्योंकि जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं। और उन्हों ने चिट्टियां डालकर उस के कपड़े बांट लिये।

लोग खड़े खड़े देख रहे थे और सरदार भी ठट्ठा कर करके कहते थे कि इस ने औरों को बचाया यदि यह परमेश्वर का मसीह और उस का चुना हुआ है तो अपने आप को बचा ले।

सिपाही भी पास आकर और सिरका देकर उस का ठट्ठा करके कहते थे, यदि तू यहूदियों का राजा है तो अपने आप को बचा।

और उस के ऊपर एक पत्र भी लगा था कि यह यहूदियों का राजा है।

जो कुकर्मी लटकाए गए थे उन में से एक ने उस की निन्दा करके कहा क्या तू मसीह नहीं तो अपने आप को और हमें बचा। इस पर दूसरे ने उसे डांटकर कहा क्या तू परमेश्वर से भी कुछ नहीं डरता। तू भी तो वही दण्ड पा रहा है। और हम तो न्याय अनुसार दण्ड पा रहे हैं क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहे हैं पर इस ने कोई अनुचित काम नहीं किया।

तब उस ने कहा हे यीशु जब तू अपने राज्य में आए तो मेरी सुध लेना। उस ने उस से कहा मैं तुझ से सच कहता हूं कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्ग लोक में होगा।

और लगभग दो पहर से तीसरे पहर तक सारे देश में अंधेरा छाया रहा। और सूरज का उजाला जाता रहा और मन्दिर का परदा बीच से फट गया।

और यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा हे पिता मैं अपना आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं और यह कहकर प्राण छोड़ा।

सूबेदार ने जो कुछ हुआ था देखकर परमेश्वर की बड़ाई की और कहा निश्चय यह मनुष्य धर्मी था। और भीड़ जो यह देखने को इकट्ठी हुई थी सब जो हुआ था देखकर छाती पीटती हुई लौट गई। और उस के सब जान पहचान और जो स्त्रियां गलील से उस के साथ आई थीं दूर खड़ी हुई यह सब देख रही थीं।

और देखो यूसुफ नाम एक मन्त्री जो उत्तम और धर्मी पुरुष था और वह यहूदियों के नगर अरिमतीया का रहनेवाला और परमेश्वर के राज्य की बाट जोहनेवाला था। उस ने पीलातुस के पास जाकर यीशु की लोथ मांग ली। और उसे उतारकर चादर में लपेटा और एक कबर में रक्खा जो चटान में खोदी हुई थी और उस में कोई कभी न रक्खा गया था।

बिश्राम का दिन होने पर था। और उन स्त्रियों ने जो गलील से आई थीं पीछे पीछे जाकर उस कबर को देखा और यह भी कि उस की लोथ किस रीति से रक्खी गई। और उन्हों ने सुगन्धित बस्तुएं अतर तैयार किया।

तीसरा दिन।

(लूका २४)

पर अठवारे के पहिले दिन बड़ी भोर वे उन सुगन्धित बस्तुओं को जो उन्हों ने तैयार की थीं लेके कबर पर आईं। और उन्हों ने पत्थर को कबर पर से लुढ़का हुआ पाया और भीतर जाकर प्रभु यीशु की लोथ न पाई।

जब वे हक्का बक्का हो रही थीं तो देखो दो पुरुष झलकते वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए।

और उन्हों ने उन से कहा तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढ़ती हो। वह यहां नहीं पर जो उठा है स्मरण करो कि उस ने गलील में रहते हुए तुम से कहा था। अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ में पकड़वाया जाए और क्रूस पर चढ़ाया जाए और तीसरे दिन जी उठे। तब उस की बातें उन को स्मरण आईं। और कबर से लौटकर उन्हों ने उन ग्यारहों को और और सब को ये सब बातें बता दीं।

जिन्हों ने प्रेरितों से ये बातें कहीं वे मरियम मगदलीनी और योअन्ना और याकूब की माता मरयम और उन के साथ की और स्त्रियां थीं। पर उन की बातें उन्हें कहानी सी समझ पड़ीं और उन्हों ने उन की प्रतीति न की।

तब पतरस उठकर कबर पर दौड़ गया और झुककर केवल कपड़े पड़े देखे और जो हुआ था उस से अचम्भा करता हुआ अपने घर चला गया।

उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे और वे इन सब बातों पर आपस में बात चीत करते जाते थे।

और जब वे बात चीत और पूछ पाछ कर रहे थे तो यीशु आप पास आकर उन के साथ हो लिया। पर उन की आंखें ऐसी बंद कर दी गई थीं कि उसे पहचान न सके। उस ने उन से पूछा ये क्या बातें हैं जो तुम चलते चलते आपस में करते हो। वे उदास से खड़े रह गये। यह सुनकर उन में से क्लियुपास नाम एक जन ने कहा क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है जो नहीं जानता कि इन दिनों में उस में क्या क्या हुआ है उस ने उन से पूछा कौन सी बातें। उन्हों ने उस से कहा यीशु नासरी के विषय जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी नबी था। और महायाजकों और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए और उसे क्रूस पर चढ़वाया। पर हमें आशा थी कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा और इस बात को हुए तीसरा दिन है। और हम में से कई स्त्री जो भोर को कबर पर गईं यह कहती हुई आईं कि वह जीता है तब हमारे साथियों में से कई एक कबर पर गये और जैसा स्त्रियों ने कहा था वैसा ही पाया पर उस को न देखा। तब उस ने उन से कहा हे निर्बुद्धियो और नबियों की सब बातों पर विश्वास करने में मंदमतियो। क्या अवश्य न था कि मसीह ये दुःख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे।

तब उस ने मूसा से और सब नबियों से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में अपने विषय की बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया।

इतने में वे उस गांव के पास पहुंचे जहां वे जा रहे थे और उस के ढंग से ऐसा जान पड़ा कि आगे बढ़ा चाहता है। पर उन्हों ने यह कहकर उसे रोका कि हमारे साथ रह क्योंकि सांझ हो चली और दिन अब बहुत ढल गया है। तब वह उन के साथ रहने को भीतर गया। जब वह उन के साथ भोजन करने बैठा तो उस ने रोटी लेकर धन्यवाद किया और उसे तोड़कर उन को देने लगा। तब उन की आंखें खुल गईं और उन्हों ने उसे पहचान लिया और वह उन की आंखों से छिप गया। उन्हों ने आपस में कहा जब वह मार्ग में हम से बातें करता था क्या हमारे मन में उमङ्ग न आई।

वे उसी घड़ी उठकर यरूशलेम को लौट गये और उन ग्यारहों और उन के साथियों को इकट्ठे पाया। वे कहते थे प्रभु सचमुच जी उठा है और शमौन को दिखाई दिया है। तब उन्हों ने मार्ग की बातें उन्हें बता दीं और यह भी कि उन्हों ने उसे क्योंकर पहचाना।

वे ये बातें कह ही रहे थे कि वह आप ही उन के बीच में आ खड़ा हुआ और उन से कहा तुम्हें शान्ति मिले। पर वे घबरा गये और डर गये और समझे कि हम किसी भूत को देखते हैं। उस ने उन से कहा क्यों घबराते हो और तुम्हारे मन में क्यों सन्देह होते हैं। मेरे हाथ और मेरे पांव देखो कि मैं ही हूं मुझे छूकर देखो क्योंकि आत्मा के हाड़ मांस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो।

यह कहकर उस ने उन्हें अपने हाथ पांव दिखाये। जब आनन्द के मारे उन को प्रतीति न हुई और अचरज करते थे तो उस ने उन से पूछा क्या यहां तुम्हारे पास कुछ भोजन है। उन्हों ने उसे भूनो मछली का टुकड़ा दिया। उस ने लेकर उन के सामने खाया। तब उस ने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उन की समझ खोली। और उन से कहा जिस की प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है मैं उस को तुम पर उतारूंगा और तुम जब तक ऊपर से सामर्थ न पाओ तब तक इसी नगर में ठहरे रहो।

तब वह उन्हें बैतनिय्याह के पास तक बाहर ले गया अपने हाथ उठाकर उन्हें आशीष दी। उन्हें आशीष देते हुए वह उन से अलग हो गया और स्वर्ग पर उठा लिया गया। और वे उस को प्रणाम करके बड़े आनन्द से यरूशलेम को लौट गये। और लगातार मन्दिर में परमेश्वर का धन्यवाद किया करते थे।

यूहन्ना का बर्णन।

(यूहन्ना १)

आदि में बचन था और बचन परमेश्वर के साथ था और बचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ उस में से कोई भी वस्तु उस के बिना उत्पन्न न हुई। उस में जीवन था और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी। और ज्योति अंधकार में चमकती है और अंधकार ने उसे ग्रहण न किया।

एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ आया जिस का नाम यूहन्ना था। यूहन्ना की गवाही यह है कि जब यहूदियों ने यरूशलेम से याजकों और लेवीयों को उस से यह पूछने को भेजा कि तू कौन है। उस ने कहा मैं जैसा यशायाह नबी ने कहा है किसी का शब्द हूं जो जङ्गल में पुकारता है कि प्रभु का मार्ग सुधारो।

उन्हों ने उस से पूछा कि यदि तू न मसीह और न एलिय्याह है तो फिर क्यों बपतिसमा देता है। यूहन्ना ने उन को उत्तर दिया कि मैं तो पानी से बपतिसमा देता हूं पर तुम्हारे बीच में एक जन खड़ा है जिसे तुम नहीं जानते। वही मेरे पीछे आनेवाला है जिस की जूती का बन्ध मैं खोलने के योग्य नहीं।

ये बात यरदन के पार बैतनिय्याह में हुई जहां यूहन्ना बपतिसमा देता था।

दूसरे दिन उस ने यीशु को अपने पास आते देखकर कहा देखो परमेश्वर का मेम्ना जो जगत का पाप हर ले जाता है यह वही है। और यूहन्ना ने गवाही दी कि मैं ने आत्मा को कबूतर की नाईं आकाश से उतरते देखा और वह उस पर ठहर गया। और मैं उसे पहचानता न था पर जिस ने मुझे पानी से बपतिसमा देने को भेजा उसी ने मुझ से कहा कि जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखे वही तो पवित्र आत्मा से बपतिसमा देनेवाला है। और मैं ने देखा और गवाही दी है कि यही परमेश्वर का पुत्र है।

फिर दूसरे दिन यूहन्ना और उस के चेलों में से दो जन खड़े हुए थे। और उस ने यीशु को फिरते हुए देखकर कहा देखो परमेश्वर का मेम्ना। तब वे दोनों चेले उस की यह सुनकर यीशु के पीछे हो लिये। यीशु ने मुंह फेर उन को पीछे आते देखकर उन से कहा किस की खोज में हो। उन्हों ने उस से कहा हे रब्बी अर्थात हे गुरु तू कहां रहता है। उस ने उन से कहा चलो तो देख लोगे। उन्हों ने आकर उस के रहने की जगह देखी और उस दिन उसी के साथ रहे और यह दसवें घंटे के लगभग था।

उन दोनों में से जो यूहन्ना की सुनकर यीशु के पीछे हो लिये थे एक तो शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास था। उस ने पहिले अपने सगे भाई शमौन से मिलकर कहा हमें तो मसीह मिल गया है। वह उसे यीशु के पास लाया।

दूसरे दिन यीशु ने गलील को जाना चाहा और फिलिप्पुस से मिलकर कहा मेरे पीछे हो ले।

फिलिप्पुस तो अन्द्रियास और पतरस के नगर बैतसैदा का रहनेवाला था। फिलिप्पुस ने नतनएल से मिलकर कहा कि जिस की चरचा मूसा ने और नबियों ने की है वह हम को मिल गया वह नासरत का यीशु है। नतनएल ने उस से कहा क्या कोई अच्छी वस्तु नासरत से निकल सकती है। फिलिप्पुस ने उस से कहा चलकर देख ले।

यीशु ने नतनएल को अपने पास आते देखकर उस के विषय में कहा देखो यह सचमुच इस्राएली है इस में कपट नहीं। नतनएल ने उस से कहा तू मुझे कब से पहचानता है। यीशु ने उस को उत्तर दिया उस से पहले कि फिलिप्पुस ने तुझे बुलाया जब तू अंजीर के पेड़ तले था तब मैं ने तुझे देखा था। नतनएल ने उस को उत्तर दिया कि हे रब्बी तू परमेश्वर का पुत्र है तू इस्राएल का राजा है। यीशु ने उस से कहा क्या तू विश्वास करता है। मैं तुम से सच सच कहता हूं तुम स्वर्ग को खुला और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को मनुष्य के पुत्र के ऊपर से चढ़ते उतरते देखोगे।

काना में का ब्याह।

(यूहन्ना २)

तीसरे दिन गलील के काना में किसी का ब्याह था और यीशु की माता वहीं थी और यीशु और उस के चेले भी ब्याह में नेवते गये थे। जब दाखरस घट गया तो यीशु की माता ने उस से कहा उन के पास दाखरस नहीं रहा। यीशु ने उस से कहा हे नारी तेरा मुझ से क्या काम। अभी मेरा समय नहीं आया। उस की माता ने सेवकों से कहा जो कुछ वह तुम से कहे वह करना।

वहां यहूदियों की शुद्ध करने की रीति के अनुसार पत्थर के छः मटके धरे थे जिन में दो दो तीन तीन मन समाता था। यीशु ने उन से कहा मटकों में पानी भर दो सो उन्हों ने उन्हें मुंहामुंह भर दिया। तब उस ने उन से कहा अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ। वे ले गये।

जब भोज के प्रधान ने वह पानी चखा जो दाखरस बन गया था और न जानता था कि वह कहां से आया है तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाकर, उस से कहा हर एक मनुष्य पहिले अच्छा दाखरस देता और तू ने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है।

यीशु ने काना में अपना यह पहिला चिन्ह दिखाकर अपनी महिमा प्रगट की और उस के चेलों ने उस पर बिश्वास किया।

मन्दिर में सर्राफों का वर्णन।

(यूहन्ना २:१२)

इस के पीछे वह और उस की माता और उस के भाई और उस के चेले कफरनहूम को गये और वहां कुछ दिन रहे।

यहूदियों का फसह निकट था और यीशु यरूशलेम को गया। और उस ने मन्दिर में बैल और भेड़ और कबूतर के बेचनेवालों और सर्राफों को बैठे हुए पाया। और रस्सियों का कोड़ा बनाकर सब भेड़ों और बैलों को मन्दिर से निकाल दिया और सर्राफों के पैसे बिथरा दिये और पीढ़ों को उलट दिया। और कबूतर बेचनेवालों से कहा इन्हें यहां से ले जाओ मेरे पिता का घर ब्योपार का घर न बनाओ।

इस पर यहूदियों ने उस से कहा तू जो यह करता है तो हमें कौन सा चिन्ह दिखाता है। यीशु ने उन को उत्तर दिया कि इस मन्दिर को ढा दो और मैं उसे तीन दिन में उठाऊंगा। यहूदियों ने कहा इस मन्दिर के बनाने में छियालीस बरस लगे हैं और तू क्या तीन दिन में इसे उठाएगा। पर उस ने अपनी देह के मन्दिर के विषय में कहा था।

नीकुदेमुस जो रात को यीशु के पास आया।

(यूहन्ना ३)

फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम एक मनुष्य था जो यहूदियों का सरदार था। उस ने रात को यीशु के पास आकर उस से कहा हे रब्बी हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है यदि परमेश्वर उस के साथ न हो तो नहीं दिखा सकता।

यीशु ने उस को उत्तर दिया कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता।

नीकुदेमुस ने उस से कहा मनुष्य बूढ़ा होकर क्योंकर जन्म ले सकता है।

यीशु ने उत्तर दिया कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं यदि कोई आत्मा से न जन्मे तो परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। जो शरीर से जन्मा है वह शरीर है और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है। अचम्भा न कर कि मैं ने तुझ से कहा कि तुम्हें नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है।



तू मुझ से मांगती तो मैं तुझे जीवन का जल देता।

हवा जिधर चाहती उधर चलती है और तू उस का शब्द सुनता है पर नहीं जानता वह कहां से आती और किधर जाती है। जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।

नीकुदेमुस ने उस को उत्तर दिया कि ये बातें क्योंकर हो सकती हैं।

यह सुन यीशु ने उस से कहा क्या तू इस्राएलियों का गुरु होकर भी ये बातें नहीं समझता। मैं तुझ से सच सच कहता हूं हम जो जानते हैं वह कहते हैं और जो देखा है उस की गवाही देते हैं और तुम हमारी गवाही नहीं मानते। जब मैं ने तुम से पृथिवी की बातें कहीं और तुम प्रतीति नहीं करते तो यदि मैं तुम से स्वर्ग की बातें कहूं तो क्योंकर प्रतीति करोगे। जिस रीति से मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊंचे पर चढ़ाया जाए, कि जो कोई विश्वास करे उस में अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रक्खा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो पर अनन्त जीवन पाए। परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इस लिये नहीं भेजा कि जगत को दोषी ठहराए पर इस लिये कि जगत उस के द्वारा उद्धार पाए।

इस के पीछे यीशु और उस के चेले यहूदिया देश में आए और वह वहां उन के साथ रहकर बपतिसमा देने लगा।

तब वह यहूदिया को छोड़कर फिर गलील को चला गया। और उस को सामरिया से होकर जाना अवश्य था।

एक सामरी स्त्री का वर्णन।

(यूहन्ना ४)

वह सूखार नाम एक नगर तक आया जो उस भूमि के पास है जिसे याकूब ने यूसुफ को दिया था।

और याकूब का कूआं भी वहीं था सो यीशु मार्ग का थका हुआ उस कूएं पर योंही बैठ गया और यह बात छठे घण्टे के लगभग हुई। इतने में एक सामरी स्त्री पानी भरने को आई।

यीशु ने उस से कहा मुझे पानी पिला। उस सामरी स्त्री ने उस से कहा तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है (क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ किसी प्रकार का बरताव नहीं रखते)।

यीशु ने उत्तर दिया यदि तू परमेश्वर के दान को जानती और यह भी कि वह कौन है जो तुझ से कहता है मुझे पानी पिला दे तो तू उस से मांगती और वह तुझे जीवन का जल देता।

स्त्री ने उस से कहा हे प्रभु तेरे पास तो जल भरने को कुछ भी नहीं है और कूआं गहिरा है फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहां से आया। क्या तू हमारे पिता याकूब से बड़ा है जिस ने हमें यह कूआं दिया और आपही अपने सन्तान और अपने ढोरों समेत उस में से पिया।

यीशु ने उस को उत्तर दिया कि जो कोई यह जल पीएगा वह फिर पियासा होगा। पर जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा वह फिर कभी पियासा न होगा बरन जो जल मैं उसे दूंगा वह उस में अनन्त जीवन के लिये उमंडनेवाले जल का सोता हो जाएगा।

स्त्री ने उस से कहा हे प्रभु वह जल मुझे दे कि मैं पियासी न होऊं न जल भरने को इतनी दूर आऊं।

यीशु ने उस से कहा जा अपने पति को यहां बुला ला।

स्त्री ने उत्तर दिया कि मैं बिना पति की हूं।

यीशु ने उस से कहा तू ठीक कहती है कि मैं बिना पति की हूं, क्योंकि तू पांच पति कर चुकी है और जिस के पास तू अब है वह भी तेरा पति नहीं यह तू ने सच कहा है।

स्त्री ने उस से कहा हे प्रभु मुझे जान पड़ता है कि तू नबी है। हमारे बाप दादों ने इसी पहाड़ पर भजन किया और तुम कहते हो कि वह जगह जहां भजन करना चाहिए यरूशलेम में है।

यीशु ने उस से कहा हे नारी मेरी बात की प्रतीति कर कि वह समय आता है कि तुम न इस पहाड़ पर न यरूशलेम में पिता का भजन करोगे।

तुम जिसे नहीं जानते उस का भजन करते हो और हम जिसे जानते हैं उस का भजन करते हैं क्योंकि उद्धार यहूदियों में से है। पर वह समय आता है और अब भी है जिस में सच्चे भक्त पिता का भजन आत्मा और सच्चाई से करेंगे क्योंकि पिता ऐसे भजन करनेवालों को चाहता है। परमेश्वर आत्मा है और अवश्य है कि उस के भजन करनेवाले आत्मा और सच्चाई से भजन करें।

स्त्री ने उस से कहा मैं जानती हूं कि मसीह जो ख्रीष्ट कहलाता है आनेवाला है जब वह आएगा तो हमें सब बातें बता देगा।

यीशु ने उस से कहा मैं जो तुझ से बोल रहा हूं वही हूं।

इतने में उस के चेले आ गए और अचम्भा करने लगे कि वह स्त्री से बातें कर रहा है तौभी किसी ने न कहा कि तू क्या चाहता है या किस लिये उस से बातें करता है।

तब स्त्री अपना घड़ा छोड़कर नगर में चली गई और लोगों से कहने लगी। आओ एक मनुष्य को देखो जिस ने सब कुछ जो मैं ने किया मुझे बता दिया। क्या यही मसीह तो नहीं।

सो वे नगर से निकलकर उस के पास आने लगे।

इतने में उस के चेले यीशु से बिनती करने लगे कि हे रब्बी कुछ खा ले। उस ने उन से कहा मेरे पास खाने के लिये ऐसा भोजन है जिसे तुम नहीं जानते। चेलों ने आपस में कहा क्या कोई उस के लिये कुछ खाने को लाया है।

यीशु ने उन से कहा मेरा भोजन यह है कि अपने भेजनेवाले की इच्छा पर चलूं और उस का काम पूरा करूं। क्या तुम नहीं कहते कि कटनी होने में अब भी चार महीने हैं। देखो मैं तुम से कहता हूं अपनी आंखें उठाकर खेतों को देखो कि वे कटनी के लिये पक चुके हैं। और काटनेवाला मज़दूरी पाता और अनन्त जीवन के लिये फल बटोरता है कि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द करें। इस में यह बात सच ठहरी कि बोनेवाला एक और काटनेवाला दूसरा है।

जब सामरी उस के पास आए तो उस से बिनती करने लगे कि हमारे यहां रह सो वह वहां दो दिन रहा। और और भी बहुतेरों ने बिश्वास किया।

उन दो दिनों के पीछे वह वहां से निकलकर गलील को गया। क्योंकि यीशु ने तो आप ही गवाही दी कि नबी अपने निज देश में आदर नहीं पाता।

कफरनहूम में एक कर्मचारी के पुत्र का चंगा होना।

(यूहन्ना ४:४५)

जब वह गलील में आया तो गलीली आनन्द के साथ उस से मिले क्योंकि जितने काम उस ने यरूशलेम में पर्व के समय किए थे उन्हों ने उन सब को देखा था क्योंकि वे भी पर्व में गए थे।

सो वह फिर काना में आया जहां उस ने पानी को दाख रस बनाया था और राजा का एक कर्मचारी था जिस का पुत्र कफरनहूम में बीमार था। वह यह सुनकर कि यीशु आ गया है उस के पास जाकर उस से बिनती करने लगा कि चलकर मेरे पुत्र को चंगा कर दे क्योंकि वह मरने पर था। यीशु ने उस से कहा जब तक तुम चिन्ह और अद्भुत काम न देखोगे तो बिश्वास न करोगे।

उस कर्मचारी ने उससे कहा हे प्रभु मेरे बालक के मरने से पहिले चल। यीशु ने उस से कहा जा तेरा पुत्र जीता है। उस मनुष्य ने यीशु की कही हुई बात की प्रतीति की और चला गया। वह जा ही रहा था कि उस के दास उस से आ मिले और कहने लगे कि तेरा लड़का जीता है।

बेतहसदा का कुण्ड।

(यूहन्ना ५)

इन बातों के पीछे यहूदियों का एक पर्व हुआ और यीशु यरूशलेम को गया।

यरूशलेम में भेड़-फाटक के पास एक कुण्ड है जो बेतहसदा कहलाता है और उस के पांच ओसारे हैं। इन में बहुत से बीमार अंधे लंगड़े और सूखे अंगवाले पड़े थे जो जल के हिलने की बाट जोहते थे। वहां एक मनुष्य था जो अड़तीस बरस से बीमारी में पड़ा था।

यीशु ने उसे पड़ा हुआ देख कर और यह जान कर कि वह बहुत दिनों से इस दशा में है उस से पूछा क्या तू चंगा होना चाहता है।

बीमार ने उस को उत्तर दिया कि हे प्रभु मेरे पास कोई मनुष्य नहीं कि जब जल हिलाया जाय तो मुझे कुण्ड में उतारे और मेरे पहुंचते पहुंचते दूसरा मुझ से पहिले उतर पड़ता है।

यीशु ने उस से कहा उठ अपनी खाट उठाकर चल फिर। वह मनुष्य तुरन्त चंगा हो गया और अपनी खाट उठाकर चलने फिरने लगा।

उसी दिन विश्राम का दिन था। इस लिये यहूदी उस से जो अच्छा हुआ था कहने लगे आज तो विश्राम का दिन है तुझे खाट उठानी उचित नहीं। उस ने उन्हें उत्तर दिया कि जिस ने मुझे चंगा किया उसी ने मुझ से कहा अपनी खाट उठा-कर चल फिर।

उन्हों ने उस से पूछा वह कौन मनुष्य है जिस ने तुझ से कहा खाट उठाकर चल फिर। पर जो चंगा हो गया था वह न जानता था वह कौन है क्योंकि यीशु वहां से टल गया था।

इन बातों के पीछे वह यीशु को मन्दिर में मिला तब उस ने उस से कहा देख तू चंगा हो गया है फिर पाप न करना ऐसा न हो कि इस से कोई भारी बिपत्ति तुझ पर आ पड़े। उस मनुष्य ने आकर यहूदियों से कह दिया कि जिस ने मुझे चंगा किया वह यीशु है। इस कारण यहूदी यीशु को सताने लगे कि वह ऐसे ऐसे काम बिश्राम के दिन करता था।

जो चेले फिरकर उसके साथ और न चले।

(यूहन्ना ६:२४)

सो भीड़ यीशु को ढूंढ़ते हुए कफरनहूम को पहुंचे। और उस से मिलकर कहा हे रब्बी परमेश्वर के कार्य्य करने के लिये हम क्या करें। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया परमेश्वर का कार्य्य यह है कि तुम उस पर जिसे उस ने भेजा है बिश्वास करो। उन्हों ने उस से कहा तो तू कौन सा चिन्ह दिखाता है कि हम उसे देखकर तेरी प्रतीति करें तू कौन सा काम दिखाता है। हमारे बाप दादों ने जंगल में मान खाया जैसा लिखा है कि उस ने उन्हें स्वर्ग से रोटी खाने को दी। जो मेरे पास आएगा सो कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर बिश्वास करेगा वह कभी पियासा न होगा।

इस से यहूदी उस पर कुड़कुड़ाने लगे इस लिये कि उस ने कहा था कि जो रोटी स्वर्ग से उतरी वह मैं हूं। और उन्हों ने कहा क्या यह यूसुफ का पुत्र यीशु नहीं जिस के माता पिता को हम जानते हैं तो वह क्योंकर कहता है कि मैं स्वर्ग से उतरा हूं। यीशु ने उन को उत्तर दिया कि आपस में मत कुड़कुड़ाओ। मैं तुम से सच सच कहता हूं जो कोई बिश्वास करता है अनन्त जीवन उसी का है।

उस ने ये बातें कफरनहूम में उपदेश करते हुए सभा के घर में कहीं। इस लिये उस के चेलों में से बहुतों ने यह सुनकर कहा यह बात कठिन है इसे कौन सुन सकता है। इस पर उस के चेलों में से बहुतेरे फिर गए और उसके साथ और न चले। इस लिये यीशु ने उन बारहों से कहा क्या तुम भी चला जाना चाहते हो। शमौन पतरस ने उस को उत्तर दिया कि हे प्रभु किस के पास जाएं अनन्त

जीवन की बातें तो तेरे ही पास हैं। और हम ने विश्वास किया कि परमेश्वर का पवित्र जन तू ही है।

इन बातों के पीछे यीशु गलील में फिरता रहा क्योंकि यहूदी उसे मार डालना चाहते थे इस लिये वह यहूदिया में फिरना न चाहता था।

——

यीशु मन्दिर में उपदेश करता है।

(यूहन्ना ७)

मण्डपों का पर्व निकट था। इस लिये उस के भाइयों ने उस से कहा यहां से सिधार और यहूदिया में चला जा कि जो काम तू करता है उन्हें तेरे चेले भी देखें। यदि तू यह काम करता है तो अपने तईं जगत को दिखा। क्योंकि उस के भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे।

यीशु ने उन से कहा मेरा समय अब तक नहीं आया पर तुम्हारा समय सदा बना रहता है। जगत तुम से बैर नहीं कर सकता पर वह मुझ से बैर करता है क्योंकि मैं उस के बिरोध में यह गवाही देता हूं कि उस के काम बुरे हैं। तुम पर्ब्ब में जाओ। मैं अभी नहीं जाता क्योंकि मेरा समय अब तक पूरा नहीं हुआ।

वह उन से ये बातें कहकर गलील ही में रह गया। पर जब उस के भाई चले गये तो वह आप ही प्रगट में नहीं पर मानो गुप्त होकर गया सो यहूदी पर्ब्ब में उसे यह कहकर ढूंढ़ते थे कि वह कहां है। और लोगों में उस के विषय में चुपके चुपके बहुत सी बातें हुईं कितने कहते थे वह भला मनुष्य है और कितने कहते थे नहीं पर वह लोगों को भरमाता है। तौभी यहूदियों के डर के मारे कोई उस के विषय में खुलकर न बोलता था।

पर्व के बीचो बीच यीशु मन्दिर में जाकर उपदेश करने लगा। तब यहूदियों ने अचम्भा करके कहा इसे बिन पढ़े विद्या कैसे आ गई। तब कितने यरूशलेमी कहने लगे क्या यह वही नहीं जिसे वे मार डालना चाहते हैं। पर देखो वह खुल्लमखुल्ला बातें करता है और कोई उस से कुछ नहीं कहता क्या सरदारों ने सच सच जान लिया है कि यही मसीह है। इस को तो हम जानते हैं कि कहां का है पर मसीह जब आएगा तो कोई न जानेगा कि वह कहां का है।

यीशु ने मन्दिर में उपदेश करते हुए पुकारके कहा तुम मुझे जानते और यह भी जानते हो कि मैं कहां का हूं मैं तो आप से नहीं आया पर मेरा भेजनेवाला सच्चा है उस को तुम नहीं जानते। मैं उसे जानता हूं क्योंकि मैं उस की ओर से हूं और उसी ने मुझे भेजा है।

इस पर उन्हों ने उसे पकड़ना चाहा तौभी किसी ने उस पर हाथ न डाला।

——

किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न कीं।

(यूहन्ना ७:४५, ८)

तब प्यादे महायाजकों और फरीसियों के पास आए और उन्हों ने उन से कहा तुम उसे क्यों नहीं लाए। प्यादों ने उत्तर दिया कि किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न कीं।

फरीसियों ने उनको उत्तर दिया क्या तुम भी भरमाए गए हो। क्या सरदारों या फरीसियों में से किसी ने भी उस पर विश्वास किया है।

नीकुदेमुस ने जो पहिले उस के पास आया और उन में से एक था उन से कहा, क्या हमारी व्यवस्था किसी को जब तक पहिले उस की सुनकर जान न ले कि वह क्या करता है दोषी ठहराती है। उन्हों ने उसे उत्तर दिया क्या तू भी गलील का है ढूंढ़कर देख कि गलील से कोई नबी प्रगट नहीं होता।

तब सब कोई अपने अपने घर को गए।

पर यीशु भोर को फिर मन्दिर में आया और सब लोग उस के पास आए और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा। मैं जगत की ज्योति हूं जो मेरे

पीछे हो लेगा वह अंधकार में न चलेगा पर जीवन की ज्योति पाएगा।

तब उन्हों ने उस से कहा तेरा पिता कहां है। यीशु ने उत्तर दिया कि न तुम मुझे जानते हो न मेरे पिता को यदि मुझे जानते हो तो मेरे पिता को भी जानते।

ये बातें उस ने मन्दिर में उपदेश करते हुए भण्डार घर में कहीं और किसी ने उसे न पकड़ा क्योंकि उस का समय अब तक न आया था। सो यीशु ने कहा जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊंचे पर चढ़ाओगे तो जानोगे कि मैं वही हूं और आप से कुछ नहीं करता पर जैसे मेरे पिता ने मुझे सिखाया वैसे ही ये बातें कहता हूं। और मेरा भेजनेवाला मेरे साथ है उस ने मुझे अकेला नहीं छोड़ा क्योंकि मैं सदा वही करता हूं जिस से वह प्रसन्न होता है।

वह ये बातें कह ही रहा था कि बहुतेरों ने उस पर विश्वास किया। सो यीशु ने उन यहूदियों से जिन्हों ने उस की प्रतीति की थी कहा यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। और सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।

उन्हों ने उस को उत्तर दिया कि हम तो इब्राहीम के वंश से हैं और कभी किसी के दास नहीं हुए फिर तू क्योंकर कहता है कि तुम स्वतंत्र हो जाओगे। यीशु ने उन को उत्तर दिया जो कोई पाप करता है वह पाप का दास है। मैं तुम से सच सच कहता हूं यदि कोई मेरी बात को मानेगा तो वह कभी मृत्यु को न देखेगा।

यहूदियों ने उस से कहा इब्राहीम मर गया और नबी भी मर गये हैं और तू कहता है कि यदि कोई मेरी बात को मानेगा तो वह कभी मृत्यु का स्वाद न चखेगा। क्या तू हमारे पिता इब्राहीम से बड़ा है अब तक तू पचास बरस का नहीं फिर भी तू ने इब्राहीम को देखा है। यीशु ने उन से कहा मैं तुम से सच सच कहता हूं कि इब्राहीम के होने से पहिले मैं हूं।

तब उन्हों ने उसे मारने को पत्थर उठाए पर यीशु छिपकर मन्दिर से निकल गया।

शीलोह का अन्धा भिखारी।

(यूहन्ना ९)

जाते हुए उस ने एक मनुष्य को देखा जो जन्म का अंधा था। और उस के चेलों ने उस से पूछा हे रब्बी किस ने पाप किया कि यह अंधा जन्मा इस मनुष्य ने या उस के माता पिता ने। यीशु ने उत्तर दिया कि न तो इसने न इस के माता पिता ने पर यह इस लिये हुआ कि परमेश्वर के काम उस में प्रगट हों। जिस ने मुझे भेजा है हमें उस के काम दिन ही दिन में करना अवश्य है वह रात आनेवाली है जिस में कोई काम नहीं कर सकता। जब तक मैं जगत में हूं तब तक जगत की ज्योति हूं।

यह कहकर उस ने भूमि पर थूका और मिट्टी सानी और वह मिट्टी उस की आंखों पर लगाकर, उस से कहा जाकर शीलोह के कुण्ड में धो ले सो उस ने जाकर धोया और देखते हुए आया।

तब पड़ोसी कहने लगे क्या यह वही नहीं जो बैठा भीख मांगा करता था। कितनों ने कहा यह वही है औरों ने कहा नहीं पर उस के समान है उस ने कहा मैं वही हूं। तब वे उस से पूछने लगे तेरी आंखें क्योंकर खुल गईं। उस ने उत्तर दिया कि यीशु नाम एक मनुष्य ने मिट्टी सानी और मेरी आंखों पर लगाया सो मैं देखने लगा।

जिस दिन यीशु ने मिट्टी सान कर उस की आंखें खोली थीं वह विश्राम का दिन था। इस पर कई फरीसी कहने लगे यह मनुष्य परमेश्वर की ओर से नहीं क्योंकि वह विश्राम का दिन नहीं मानता। औरों ने कहा पापी मनुष्य क्योंकर ऐसे चिन्ह दिखा सकता है। पर यहूदियों को प्रतीति न आई कि यह अंधा था और अब देखता है जब तक उन्हों ने उस के माता पिता को बुलाकर, उन से न पूछा कि क्या यह तुम्हारा पुत्र है जिसे तुम कहते हो कि अंधा जन्मा था। फिर अब वह क्योंकर देखता है। उस के माता पिता ने उत्तर दिया हम तो जानते हैं कि यह हमारा पुत्र है और अंधा जन्मा

था । पर हम नहीं जानते कि अब क्योंकर देखता है और न यह जानते हैं कि किस ने उस की आंखें खोलीं वह सयाना है उसी से पूछ लो वह अपने विषय में आप कह देगा ।

तब उन्हों ने उस मनुष्य को जो अंधा था दूसरी बार बुलाकर उस से कहा परमेश्वर की महिमा कर हम जानते हैं कि यह मनुष्य पापी है। उस ने उत्तर दिया मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं मैं एक बात जानता हूं कि मैं अंधा था और अब देखता हूं ।

उन्हों ने उस से फिर कहा कि उस ने तेरे साथ क्या किया और किस तरह तेरी आंखें खोलीं। उस ने उन से कहा मैं तो तुम से कह चुका और तुम ने न सुना अब दूसरी बार क्यों सुनना चाहते हो क्या तुम भी उस के चेले होना चाहते हो ।

तब वे उसे बुरा भला कहकर बोले तू ही उस का चेला है हम तो मूसा के चेले हैं हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से बातें कीं पर इस मनुष्य को नहीं जानते कि कहां का है ।

उस ने उन को उत्तर दिया यह तो अचम्भे की बात है कि तुम नहीं जानते कि कहां का है तौभी उस ने मेरी आंखें खोल दीं। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता पर यदि कोई परमेश्वर का भक्त होता और उस की इच्छा पर चलता है तो वह उस की सुनता है। यह कभी सुनने में नहीं आया कि किसी ने जन्म के अंधे की आंखें खोली हों। यदि यह जन परमेश्वर की ओर से न होता तो कुछ न कर सकता ।

उन्हों ने उस को उत्तर दिया कि तू बिलकुल पापों में जन्मा है तू क्या हमें सिखाता है और उन्हों ने उसे बाहर निकाल दिया।

यीशु ने सुना कि उन्हों ने उसे बाहर निकाल दिया है और जब उस से भेंट हुई तो कहा कि क्या तू परमेश्वर के पुत्र पर बिश्वास करता है। उसने कहा हे प्रभु मैं बिश्वास करता हूं और उसे प्रणाम किया ।

——

अच्छा रखवाला ।

(यूहन्ना १०)

तब यीशु ने कहा मैं तुम से सच सच कहता हूं कि जो द्वार से भेड़शाला में नहीं जाता पर और किसी ओर से चढ़ जाता है वह चोर और डाकू है । पर जो द्वार से भीतर आता है वह भेड़ों का रखवाला है ।

उस के लिये द्वारपाल द्वार खोल देता है और भेड़ें उस का शब्द सुनती हैं और वह अपनी भेड़ों को नाम ले लेकर बुलाता है और बाहर ले जाता है। और जब वह अपनी सब भेड़ों को बाहर निकाल चुकता है तो उन के आगे आगे चलता है और भेड़ें उस के पीछे पीछे हो लेती हैं क्योंकि वे उस का शब्द पहचानती हैं। पर वे पराये के पीछे नहीं जाएंगी पर उस से भागेंगी क्योंकि वे परायों का शब्द नहीं पहचानतीं। मैं तुम से सच सच कहता हूं कि भेड़ों का द्वार मैं हूं। जितने मुझ से पहिले आए वे सब चोर और डाकू हैं पर भेड़ों ने उन की न सुनी ।

द्वार मैं हूं यदि कोई मेरे द्वारा भीतर जाए तो उद्धार पाएगा और भीतर बाहर आया जाया करेगा और चारा पाएगा। चोर किसी और काम को नहीं केवल चोरी और घात और नाश करने को आता है। मैं इस लिये आया कि वे जीवन पाएं और बहुतायत से पाएं ।

अच्छा रखवाला मैं हूं अच्छा रखवाला भेड़ों के लिये अपना प्राण देता है। मजदूर जो न रखवाला है और न भेड़ों का मालिक है भेड़िए को आते देख भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है और भेड़िया उन्हें पकड़ता और तित्तर बित्तर कर देता है। यह इस लिये होता है कि वह मजदूर है और उस को भेड़ों की चिन्ता नहीं ।

अच्छा रखवाला मैं हूं जिस तरह पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूं, इसी तरह मैं अपनी भेड़ों को जानता हूं और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं और मैं भेड़ों के लिये अपना प्राण देता हूं। और मेरी और भी भेड़ हैं जो इस भेड़शाला

की नहीं मुझे उन का भी लाना अवश्य है वे मेरा शब्द सुनेंगो तब एक ही झुण्ड और एक ही रखवाला होगा।

पिता इस लिये मुझ से प्रेम रखता है कि मैं अपना प्राण देता हूं कि उसे फिर लेऊं। कोई उस को मुझ से छीनता नहीं बरन मैं उसे आप ही देता हूं मुझे उस के देने का भी अधिकार है और उस के फिर लेने का भी अधिकार है। यह आज्ञा मेरे पिता से मुझे मिली।

सुलैमान के ओसारे में।

(यूहन्ना १०:१९)

इन बातों के कारण यहूदियों में फिर फूट पड़ी। उन में से बहुतेरे कहने लगे कि उस में दुष्टात्मा है और वह पागल है उस की क्यों सुनते हो। औरों ने कहा ये बातें ऐसे मनुष्य की नहीं जिस में दुष्टात्मा हो क्या दुष्टात्मा अंधों की आंखें खोल सकता है।

यरूशलेम में स्थापन-पर्ब हुआ और जाड़े का समय था। और यीशु मन्दिर में सुलैमान के ओसारे में फिर रहा था।

तब यहूदियों ने उसे आ घेरा और पूछा तू हमारे मन को कब तक दुबधा में रखेगा यदि तू मसीह है तो हम से साफ साफ कह दे।

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया कि मैं ने तुम से कह दिया और तुम प्रतीति नहीं करते जो काम मैं अपने पिता के नाम से करता हूं वे ही मेरे गवाह हैं। पर तुम इस लिये प्रतीति नहीं करते कि मेरी भेड़ों में से नहीं हो। मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं और मैं उन्हें जानता हूं और वे मेरे पीछे हो लेती हैं। और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूं और वे कभी नाश न होंगी और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। मेरा पिता जिस ने उन्हें मुझ को दिया है सब से बड़ा है और कोई पिता के हाथ से उन्हें छीन नहीं सकता। मैं और पिता एक हैं।

यहूदियों ने उसे पत्थरवाह करने को फिर पत्थर उठाए।

इस पर यीशु ने उन से कहा कि मैं ने तुम्हें अपने पिता की ओर से बहुत से भले काम दिखाए हैं उन में से किस काम के लिये मुझे पत्थरवाह करते हो। यहूदियों ने उस को उत्तर दिया कि भले काम के लिये हम तुझे पत्थरवाह नहीं करते परन्तु परमेश्वर की निन्दा के लिये और इस लिये कि तू मनुष्य होकर अपने आप को परमेश्वर बनाता है। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया यदि मैं अपने पिता के काम नहीं करता तो मेरी प्रतीति न करो। पर जो मैं करता हूं तो यदि मेरी प्रतीति न करो तौभी उन कामों की प्रतीति करो कि तुम जानो कि पिता मुझ में है और मैं पिता में हूं।

तब उन्हों ने फिर उसे पकड़ना चाहा पर वह उन के हाथ से निकल गया। वह फिर यरदन के पार उस जगह चला गया जहां यूहन्ना पहिले बपतिसमा देता था और वहीं रहा। और बहुतेरे उस के पास आकर कहते थे कि यूहन्ना ने तो कोई चिन्ह नहीं दिखाया पर जो कुछ यूहन्ना ने इस के विषय में कहा था वह सब सच था। और वहां बहुतेरों ने उस पर विश्वास किया।

बैतनिय्याह में लाजर का घर।

(यूहन्ना ११)

बैतनिय्याह का लाजर नाम एक मनुष्य बीमार था। यह वही मरयम थी जिस ने प्रभु पर अतर ढालकर उस के पांवों को अपने बालों से पोंछा इसी का भाई लाजर बीमार था। सो उस की बहिनों ने उसे कहला भेजा कि हे प्रभु देख जिस से तू प्रीति रखता है वह बीमार है। यह सुनकर यीशु ने कहा यह बीमारी मृत्यु की नहीं परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है कि परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो।

और यीशु मरथा और उस की बहिन और लाजर से प्रेम रखता था। सो जब उस ने सुना कि वह बीमार है तो जिस जगह था वहां दो दिन और रहा। तब इस के पीछे उस ने चेलों से कहा कि आओ हम फिर यहूदिया को चलें। चेलों ने उस से कहा

हे रब्बी अभी तो यहूदी तुझे पत्थरवाह करना चाहते थे और क्या तू फिर भी वहीं जाता है।

यीशु ने उत्तर दिया क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते यदि कोई दिन को चले तो ठोकर नहीं खाता क्योंकि इस जगत का उजाला देखता है। पर यदि कोई रात को चले तो ठोकर खाता है क्योंकि उस में उजाला नहीं। उस ने ये बातें कहीं और इस के पीछे उन से कहने लगा कि हमारा मित्र लाजर सो गया है पर मैं उसे जगाने जाता हूं।

सो चेलों ने उस से कहा हे प्रभु यदि वह सो गया है तो बच जायगा। तब यीशु ने उन से साफ साफ कह दिया कि लाजर मर गया।

बैतनिय्याह यरूशलेम से कोई कोस एक दूर था। और बहुत से यहूदी मरथा और मरयम के पास उन के भाई के विषय में शान्ति देने आये थे।

सो मरथा यीशु के आने का समाचार सुनकर उस से भेंट करने को गई पर मरयम घर में बैठी रही। मरथा ने यीशु से कहा हे प्रभु यदि तू यहां होता तो मेरा भाई न मरता। और अब भी मैं जानती हूं कि जो कुछ तू परमेश्वर से मांगे परमेश्वर तुझे देगा।

यीशु ने उस से कहा तेरा भाई जी उठेगा।

मरथा ने उस से कहा मैं जानती हूं कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह भी जी उठेगा।

यीशु ने उस से कहा पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं जो मुझ पर बिश्वास करे वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और जो कोई जीवता और मुझ पर बिश्वास करता है वह कभी न मरेगा क्या तू इस बात पर विश्वास करती है।

उस ने उस से कहा हां हे प्रभु मैं बिश्वास कर चुकी हूं। यह कहकर वह चली गई और अपनी बहिन मरयम को चुपके से बुलाकर कहा गुरु यहीं है और तुझे बुलाता है। वह सुनते ही तुरन्त उठकर उस के पास आई। उस के पांवों पड़के कहा हे प्रभु यदि तू यहां होता तो मेरा भाई न मरता।

जब यीशु ने उस को रोते हुए देखा तो आत्मा में बहुत ही उदास हुआ और घबरा कर कहा, तुम ने उसे कहां रक्खा है। उन्हों ने उस से कहा हे प्रभु चलकर देख ले।

यीशु के आंसू बहने लगे।

तब यहूदी कहने लगे देखो वह उस से कैसा प्रीति रखता था। पर उन में से कितनों ने कहा क्या यह जिस ने अंधे की आंखें खोलीं यह भी न कर सका कि यह मनुष्य न मरता।

यीशु कबर पर आया वह गुफा थी और एक पत्थर उस पर धरा था। यीशु ने कहा पत्थर को उठाओ। मरथा उस से कहने लगी हे प्रभु उसे मरे चार दिन हो गए। यीशु ने उस से कहा क्या मैं ने तुझ से न कहा था कि यदि तू बिश्वास करेगी तो परमेश्वर की महिमा देखेगी।

तब उन्हों ने उस पत्थर को हटाया और यीशु ने आंखें उठाकर कहा हे पिता मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने मेरी सुन ली है। और मैं जानता था कि तू सदा मेरी सुनता है पर जो भीड़ आस पास खड़ी है उन के कारण मैं ने यह कहा इस लिये कि वे बिश्वास करें कि तू ने मुझे भेजा।

यह कहकर उस ने बड़े शब्द से पुकारा कि हे लाजर निकल आ। जो मर गया था वह कफन से हाथ पांव बांधे हुए निकल आया और उस का मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ था। यीशु ने उन से कहा उसे खोलो और जाने दो।

यहूदी यीशु के मार डालने की सम्मति करते हैं।

(यूहन्ना ११:४५)

तब यहूदी में से बहुतों ने उस पर बिश्वास किया। पर उन में से कितनों ने फरीसियों के पास जाकर यीशु के कामों का समाचार दिया।

इस पर महायाजकों और फरीसियों ने सभा इकट्ठी करके कहा हम करते क्या हैं यदि हम उसे योंही छोड़ दें तो सब उस पर बिश्वास कर लेंगे और रोमी आकर हमारी जगह और जाति को भी छीन लेंगे।

तब काइफा महायाजक ने उन से कहा तुम कुछ नहीं जानते, और न यह सोचते हो कि तुम्हारे लिये भला है कि हमारे लोगों के लिये एक मनुष्य मरे और न यह कि सारी जाति नाश हो। यह बात उस ने अपनी ओर से न कही पर उस बरस का महायाजक होकर नबूवत की कि यीशु उस जाति के लिये मरेगा, और न केवल उस जाति के लिये बरन इस लिये भी कि परमेश्वर के तित्तर बित्तर सन्तानों को एक कर दे।

सो उसी दिन से वे उस के मार डालने की सम्मति करने लगे। इस लिये यीशु उस समय से यहूदियों में प्रगट होकर न फिरा पर जंगल के निकट के देश में इफ्राईम नाम एक नगर को चला गया और अपने चेलों के साथ वहीं रहने लगा।

यहूदियों का फसह निकट था और बहुतेरे लोग दिहात से यरूशलेम को गए सो वे यीशु को ढूंढ़ने और मन्दिर में खड़े होकर आपस में कहने लगे तुम क्या समझते हो क्या वह पर्व में नहीं आएगा। और महायाजकों और फरीसियों ने भी आज्ञा दे रक्खी थी कि यदि कोई यह जाने कि यीशु कहां है तो बताए इस लिये कि उसे पकड़ लें।

बैतनिय्याह में जेवनार।

(यूहन्ना १२)

फिर यीशु फसह से छः दिन पहिले बैतनिय्याह में आया वहां उन्हों ने उस के लिये बियारी बनाई और मरथा सेवा कर रही थी और लाजर उन में से एक था जो उस के साथ खाने को बैठे थे।

तब मरयम ने जटामासी का आध सेर बहुमोल खरा अतर लेकर यीशु के पांवों पर ढाला और अपने बालों से उस के पांव पोंछे और अतर की गंध से घर सुगन्धित हो गया।

पर यहूदा इस्करियोती कहने लगा। यह अतर तीन सौ दीनार में बेचकर कंगालों को क्यों न दिया गया। उस ने यह बात इस लिये न कही कि उसे कंगालों की चिन्ता थी पर इस लिये कि वह चोर था और उस के पास उन की थैली रहती थी और उस में जो कुछ डाला जाता था सो निकाल लेता था। यीशु ने कहा उसे मेरे गाड़े जाने के दिन के लिये रखने दे। कंगाल तो तुम्हारे साथ सदा रहते हैं पर मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूंगा।

एक आकाशवाणी।

(यूहन्ना १२:१२)

दूसरे दिन बहुत से लोगों ने जो पर्व में आए थे यह सुनकर कि यीशु यरूशलेम में आता है। खजूर की डालियां लीं और उस से भेंट करने को निकले और पुकारने लगे कि होशाना धन्य इस्राएल का राजा जो प्रभु के नाम से आता है।

जब यीशु को एक गदहे का बच्चा मिला तो उस पर बैठा। सो फरीसियों ने आपस में कहा देखो संसार उस के पीछे हो चला है।

कई यूनानी थे सो उन्हों ने फिलिप्पुस के पास आकर उस से बिनती की कि हे साहिब हम यीशु से भेंट करना चाहते हैं। फिलिप्पुस ने आकर अन्द्रियास से कहा तब अन्द्रियास और फिलिप्पुस ने यीशु से कहा।

इस पर यीशु ने उन से कहा वह समय आ गया है कि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो। मैं तुम से सच सच कहता हूं जब तक गेहूं का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता वह अकेला रहता है पर जब मर जाता है तो बहुत फल लाता है। जो अपने प्राण को प्रिय जानता है वह उसे खो देता है और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है वह अनन्त जीवन के लिये उस की रक्षा करेगा। यदि कोई मेरी सेवा करे तो मेरे पीछे हो ले और जहां मैं हूं वहां मेरा सेवक भी होगा यदि कोई मेरी सेवा करे तो पिता उस का आदर करेगा। अब मेरा जी घबराता है और मैं क्या कहूं। हे पिता मुझे इस घड़ी से बचा। पर मैं इसी कारण इस घड़ी को पहुंचा हूं। हे पिता अपने नाम की महिमा कर।

तब यह आकाशवाणी हुई कि मैं ने उस की महिमा की है और फिर भी करूंगा।

तब जो लोग खड़े हुए सुन रहे थे उन्हों ने कहा बादल गर्जा औरों ने कहा कोई स्वर्गदूत उस से बोला ।

इस पर यीशु ने कहा यह शब्द मेरे लिये नहीं पर तुम्हारे लिये आया है । अब इस जगत का न्याय होता है अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जायगा । और मैं यदि पृथिवी से ऊंचे पर चढ़ाया जाऊंगा तो सब को अपने पास खींचूंगा ।

यह कहने में उस ने यह पता दिया कि वह कैसी मृत्यु से मारने को था । इस पर लोगों ने उस से कहा कि हम ने व्यवस्था की यह बात सुनी है कि मसीह सदा लों रहेगा फिर तू क्योंकर कहता है कि मनुष्य के पुत्र को ऊंचे पर चढ़ाया जाना अवश्य है । यह मनुष्य का पुत्र कौन है । यीशु ने उन से कहा ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारे बीच है । जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है तब तक चले चलो न हो कि अंधकार तुम्हें आ घेरे । जो अंधकार में चलता है वह नहीं जानता कि किधर जाता है । जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है ज्योति पर बिश्वास करो कि तुम ज्योति के सन्तान होओ ।

ये बातें कहकर यीशु चला गया और उन से छिपा रहा । और उस ने उन के सामने इतने चिन्ह दिखाए तौभी उन्हों ने उस पर बिश्वास न किया ।

पिछले दिनों का वर्णन ।

(यूहन्ना १३)

फसह के पर्व से पहिले जब यीशु ने जान लिया कि मेरी घड़ी आ पहुंची तो अपने लोगों से जो जगत में थे जैसा प्रेम रखता था अन्त तक प्रेम रखता रहा ।

और जब शैतान यहूदा इस्करियोती के मन में यह डाल चुका था कि उसे पकड़वाए तो बियारी के समय, यीशु ने यह जानकर कि पिता ने सब कुछ मेरे हाथ में कर दिया और मैं परमेश्वर के पास से आया हूं और परमेश्वर के पास जाता हूं, बियारी से उठकर अपने कपड़े उतार दिए और अंगोछा लेकर अपनी कमर बांधा ।

तब बरतन में पानी भरकर चेलों के पांव धोने लगा । तब वह शमौन पतरस के पास आया । इस ने उस से कहा हे प्रभु क्या तू मेरे पांव धोता है । यीशु ने उस को उत्तर दिया कि जो मैं करता हूं तू अब नहीं जानता पर इस के पीछे समझेगा । पतरस ने उस से कहा तू मेरे पांव कभी न धोने पाएगा । यह सुन यीशु ने उस से कहा यदि मैं तुझे न धोऊं तो मेरे साथ तेरा कुछ साझा नहीं । शमौन पतरस ने उस से कहा हे प्रभु तो मेरे पांव ही नहीं बरन हाथ और सिर भी धो दे । यीशु ने उस से कहा जो नहा चुका है उसे पांव के सिवा और कुछ धोने का प्रयोजन नहीं पर वह बिलकुल शुद्ध है और तुम शुद्ध हो पर सब के सब नहीं । वह तो अपने पकड़वानेवाले को जानता था ।

जब वह उन के पांव धो चुका तो उन से कहने लगा क्या तुम समझे कि मैं ने तुम्हारे साथ क्या किया । तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो और भला कहते हो क्योंकि वही हूं । सो यदि मैं ने प्रभु और गुरु होकर तुम्हारे पांव धोए तो तुम्हें भी एक दूसरे के पांव धोना चाहिए । क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है तुम भी किया करो । मैं तुम से सच सच कहता हूं दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं और न भेजा हुआ अपने भेजनेवाले से । तुम जो ये बातें जानते हो यदि उन पर चलो तो धन्य हो । मैं तुम सब के विषय में नहीं कहता । जिन्हें मैं ने चुन लिया है उन्हें मैं जानता हूं । पर जो मेरी रोटी खाता है उस ने मुझ पर लात उठाई । अब मैं उस के होने से पहिले तुम्हें जताए देता हूं कि जब हो जाए तो तुम बिश्वास करो कि मैं वही हूं ।

यहूदा का बाहर जाना ।

(यूहन्ना १३:२१)

ये बातें कहकर यीशु आत्मा में घबराया और यह गवाही दी कि मैं तुम से सच सच कहता हूं कि तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा । चेले

यह संदेह करते हुए कि वह किस के विषय में कहता है एक दूसरे की ओर देखने लगे।

उस के चेलों में से एक जिस से यीशु प्रेम रखता था यीशु की छाती की ओर झुका हुआ बैठा था। सो शमौन पतरस ने उस की ओर सैन करके पूछा कि बता तो वह किस के विषय में कहता है।

तब उस ने उसी तरह यीशु की छाती की ओर झुककर पूछा हे प्रभु वह कौन है। यीशु ने उत्तर दिया जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा वही है। और उस ने टुकड़ा डुबोकर यहूदा इस्करियोती को दिया।

तब यीशु ने उस से कहा जो तू करता है तुरन्त कर।

पर बैठनेवालों में से किसी ने न जाना कि उस ने यह बात उस से किस लिये कही। यहूदा के पास थैली रहती थी इस लिये किसी किसी ने समझा कि यीशु उस से कहता है कि जो कुछ हमें चाहिए वह मोल ले या यह कि कङ्गालों को कुछ दे। सो वह टुकड़ा लेकर तुरन्त बाहर चला गया और रात थी।

यीशु का चेलों से बिदा होना।

(यूहन्ना १३:३१,१४,१५,१६)

जब वह बाहर चला गया तो यीशु ने कहा हे बालको मैं और थोड़ी देर तुम्हारे पास हूं। तुम मुझे ढूंढ़ोगे और जैसा मैं ने यहूदियों से कहा कि जहां मैं जाता हूं वहां तुम नहीं आ सकते वैसा ही मैं अब तुम से भी कहता हूं। मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं कि एक दूसरे से प्रेम रक्खो। जैसा मैं ने तुम से प्रेम रक्खा है वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रक्खो। इसी से सब जानेंगे कि तुम मेरे चेले हो।

पतरस ने उस से कहा हे प्रभु तू कहां जाता है। यीशु ने उत्तर दिया कि जहां मैं जाता हूं वहां तू अब मेरे पीछे आ नहीं सकता पर इस के बाद मेरे पीछे आएगा। पतरस ने उस से कहा हे प्रभु अभी मैं तेरे पीछे क्यों नहीं आ सकता मैं तो तेरे लिये अपना प्राण दूंगा। यीशु ने उत्तर दिया क्या तू मेरे लिये अपना प्राण देगा। मैं तुझ से सच सच कहता हूं कि मुर्ग बांग न देगा जब तक तू तीन बार मुझ से न मुकरेगा।

तुम्हारा मन न घबराए परमेश्वर पर बिश्वास रखते हो मुझ पर भी बिश्वास रक्खो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं यदि न होते तो मैं तुम से कह देता। मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं। यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो। और जहां मैं जाता हूं तुम वहां का मार्ग जानते हो।

तोमा ने उस से कहा हे प्रभु हम नहीं जानते तू कहां जाता है तो मार्ग कैसे जानें। यीशु ने उस से कहा मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूं बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंचता। मेरी ही प्रतीति करो कि मैं पिता में हूं और पिता मुझ में है नहीं तो कामों ही के कारण मेरी प्रतीति करो। मैं तुम से सच सच कहता हूं कि जो मुझ पर बिश्वास रखता है ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा बरन इन से भी बड़े काम करेगा और जो कुछ तुम मेरे नाम से मांगोगे वही मैं करूंगा कि पिता की महिमा हो। यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ मांगोगे तो मैं उसे करूंगा।

यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। और मैं पिता से बिनती करूंगा और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सदा तुम्हारे साथ रहे। अर्थात सत्य का आत्मा जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता क्योंकि वह न उसे देखता और न उसे जानता है। तुम उसे जानते हो क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और तुम में होगा। मैं तुम्हें अनाथ न छोड़ूंगा मैं तुम्हारे पास आता हूं। और थोड़ी देर है कि संसार मुझे फिर न देखेगा पर तुम मुझे देखोगे इस लिये कि मैं जीता हूं तुम भी जीते रहोगे।

मैं तुम्हें शान्ति दिए जाता हूं अपनी शान्ति तुम्हें देता हूं जैसे संसार देता है मैं तुम्हें नहीं देता। तुम्हारा मन न घबराए और न डरे। तुम ने सुना

कि मैं ने तुम से कहा कि मैं जाता हूं और तुम्हारे पास फिर आता हूं। यदि तुम मुझ से प्रेम रखते तो इस बात से आनन्दित होते कि मैं पिता के पास जाता हूं क्योंकि पिता मुझ से बड़ा है। और मैं ने अब इस के होने से पहिले तुम से कह दिया है कि जब वह हो जाए तो तुम प्रतीति करो। मैं अब से तुम्हारे साथ और बहुत बातें न करूंगा क्योंकि इस संसार का सरदार आता है।

सच्ची दाखलता मैं हूं और मेरा पिता किसान है। जो डाली मुझ में है और नहीं फलती उसे वह काट डालता है और जो फलती है उसे वह छांटता है कि और फले। तुम मुझ में बने रहो और मैं तुम में। जैसे डाली दाखलता में यदि बनी न रहे तो अपने आप से नहीं फल सकती वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। मैं दाखलता हूं तुम डालियां हो। जो मुझ में बना रहता है और मैं उस में वह बहुत फलता है क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ नहीं कर सकते।

यदि कोई मुझ में बना न रहे तो वह डाली की नाईं फेंक दिया जाता और सूख जाता है और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं और वे जल जाती हैं। यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा। मेरे पिता की महिमा इसी में होती है कि तुम बहुत सा फल लाओ तब ही तुम मेरे चेले ठहरोगे। जैसा पिता ने मुझ से प्रेम रक्खा वैसा ही मैं ने तुम से प्रेम रक्खा मेरे प्रेम में बने रहो। यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे तो मेरे प्रेम में बने रहोगे जैसा कि मैं ने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है और उस के प्रेम में बना रहता हूं। मैं ने ये बातें तुम से इस लिये कही हैं कि मेरा आनन्द तुम में रहे और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।

मेरी आज्ञा यह है कि जैसा मैं ने तुम से प्रेम रक्खा वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रक्खो। इस से बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे। जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा देता हूं यदि उसे करो तो मेरे मित्र हो। अब से मैं तुम्हें दास न कहूंगा क्योंकि दास नहीं जानता कि उस का स्वामी क्या करता है पर मैं ने तुम्हें मित्र कहा है क्योंकि मैं ने जो बातें अपने पिता से सुनीं वे सब तुम्हें बता दीं। तुम ने मुझे नहीं चुना पर मैं ने तुम्हें चुना और तुम्हें ठहराया कि तुम जाकर फल लाओ और तुम्हारा फल बना रहे कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो वह तुम्हें दे।

इन बातों की आज्ञा मैं तुम्हें इस लिये देता हूं कि तुम एक दूसरे से प्रेम रक्खो। यदि संसार तुम से बैर रखता है तो तुम जानते हो कि उस ने तुम से पहिले मुझ से भी बैर रक्खा। यदि तुम संसार के होते तो संसार अपनों से प्रीति रखता पर इस कारण कि तुम संसार के नहीं बरन मैं ने तुम्हें संसार में से चुन लिया है इसी लिये संसार तुम से बैर रखता है। जो बात मैं ने तुम से कही थी कि दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता वह स्मरण करो। यदि उन्हों ने मुझे सताया तो तुम्हें भी सताएंगे यदि उन्हों ने मेरी बात मानी तो तुम्हारी भी मानेंगे।

ये बातें मैं ने तुम से इस लिये कहीं कि तुम ठोकर न खाओ। वे तुम्हें सभा में से निकाल देंगे बरन वह समय आता है कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा वह समझेगा कि मैं परमेश्वर की सेवा करता हूं। पर ये बातें मैं ने इस लिये तुम से कहीं कि जब उन का समय आए तो तुम्हें स्मरण आ जाए कि मैं ने तुम से कह दिया था और मैं ने आरम्भ में तुम से ये बातें इस लिये न कहीं कि मैं तुम्हारे साथ था। अब मैं अपने भेजनेवाले के पास जाता हूं।

पर मैं ने जो ये बातें तुम से कही हैं इस लिये तुम्हारा मन शोक से भर गया। तौभी मैं तुम से सच कहता हूं कि मेरा जाना तुम्हारे लिये अच्छा है क्योंकि यदि मैं न जाऊं तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा पर यदि मैं जाऊंगा तो उसे भेज दूंगा। मुझे तुम से और भी बहुत सी बातें कहनी हैं पर अभी तुम उन्हें सह नहीं सकते। पर जब वह अर्थात सत्य का आत्मा आएगा तो तुम्हें सारे सत्य का मार्ग बताएगा क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा पर जो कुछ सुनेगा वही कहेगा और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा। थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे।

देखो वह घड़ी आती है।

(यूहन्ना १६:१७)

तब उस के कितने चेलों ने आपस में कहा यह क्या है जो वह हम से कहता है कि थोड़ी देर हम नहीं जानते कि क्या कहता है। यीशु ने यह जानकर कि वे मुझ से पूछना चाहते हैं उन से कहा।

क्या तुम आपस में मेरी इस बात के विषय में पूछ पाछ करते हो कि थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे। मैं तुम से सच सच कहता हूं कि तुम रोओगे और बिलाप करोगे पर संसार आनन्द करेगा। तुम्हें शोक होगा पर तुम्हारा शोक आनन्द बन जाएगा। और तुम्हें भी अब तो शोक है पर मैं तुम से फिर मिलूंगा और तुम्हारे मन में आनन्द होगा और तुम्हारा आनन्द कोई तुम से छीन न लेगा। क्या तुम अब प्रतीति करते हो।

देखो वह घड़ी आती है बरन आ पहुंची कि तुम सब तित्तर बित्तर होकर अपना अपना मार्ग लोगे और मुझे अकेला छोड़ दोगे तौभी मैं अकेला नहीं क्योंकि पिता मेरे साथ है। मैं ने ये बातें तुम से इस लिये कही हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है पर ढाढ़स बांधो मैं ने संसार को जीता है।

यीशु की प्रार्थना।

(यूहन्ना १७)

यीशु ने ये बातें कहीं और अपनी आंखें आकाश की ओर उठाकर कहा।

हे पिता वह घड़ी आ पहुंची अपने पुत्र की महिमा कर कि पुत्र भी तेरी महिमा करे। क्योंकि तू ने उस को सब प्राणियों पर अधिकार दिया कि जिन्हें तू ने उस को दिया है उन सब को वह अनन्त जीवन दे। और अनन्त जीवन यह है कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को जिसे तू ने भेजा है जानें।

जो काम तू ने मुझे करने को दिया था उसे पूरा करके मैं ने पृथिवी पर तेरी महिमा की है। और अब हे पिता तू मेरी महिमा उस महिमा से कर जो जगत के होने से पहिले मेरी तेरे साथ थी। मैं ने तेरा नाम उन मनुष्यों पर प्रगट किया जिन्हें तू ने जगत में से मुझे दिया। वे तेरे थे और उन्हों ने तेरे बचन को मान लिया है। अब वे जान गए हैं कि जो कुछ तू ने मुझे दिया है सब तेरी ओर से है। क्योंकि जो बातें तू ने मुझे पहुंचा दीं मैं ने उन्हें उन को पहुंचा दिया और उन्हों ने उन को ग्रहण किया और सच सच जान लिया है कि मैं तेरी ओर से निकला हूं और प्रतीति कर ली कि तू ही ने मुझे भेजा।

मैं उन के लिये बिनती करता हूं संसार के लिये बिनती नहीं करता हूं पर उन्हीं के लिये जिन्हें तू ने मुझे दिया है क्योंकि वे तेरे हैं। और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा है और जो तेरा है वह मेरा है और इन से मेरी महिमा प्रगट है।

मैं आगे को जगत में न रहूंगा पर ये जगत में रहेंगे और मैं तेरे पास आता हूं। हे पवित्र पिता अपने उस नाम से जो तू ने मुझे दिया है उन की रक्षा कर कि वे हमारी नाईं एक हों। जब मैं उन के साथ था तो मैं ने तेरे उस नाम से जो तू ने मुझे दिया है उन की रक्षा की मैं ने उन की चौकसी की और विनाश के पुत्र को छोड़ उन में से कोई नाश न हुआ।

पर अब मैं तेरे पास आता हूं। मैं ने तेरा बचन उन्हें पहुंचा दिया है और संसार ने उन से बैर किया क्योंकि वे संसार के नहीं।

मैं यह बिनती नहीं करता कि तू उन्हें जगत से उठा ले पर यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर। मैं केवल इन्हीं के लिये बिनती नहीं करता पर उन के लिये भी जो इन के बचन के द्वारा मुझ पर बिश्वास करेंगे कि वे सब एक हों। जैसा तू हे पिता मुझ में है और मैं तुझ में हूं वैसे ही वे भी हम में हों।

हे पिता मैं चाहता हूं कि जिन्हें तू ने मुझे दिया है जहां मैं हूं वहां वे भी मेरे साथ हों कि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तू ने मुझे दी है क्योंकि तू ने जगत की उत्पत्ति से पहिले मुझ से प्रेम रक्खा। हे धार्म्मिक पिता संसार ने तुझे नहीं जाना पर मैं ने तुझे जाना और इन्हों ने भी जाना कि तू ही ने मुझे भेजा। और मैं ने तेरा नाम उन को बताया और बताता रहूंगा कि जो प्रेम तुझ को मुझ से था वह उन में रहे।

यीशु का पकड़ा जाना।

(यूहन्ना १८)

यीशु ये बातें कहकर अपने चेलों के साथ किद्रोन के नाले के पार गया वहां एक बारी थी जिस में वह और उस के चेले गए। तब यहूदा पलटन को और महायाजकों और फरीसियों की ओर से प्यादों को लेकर दीपकों और मशालों और हथियारों को लिये हुए वहां आया। सो यीशु उन सब बातों को जो उस पर आनेवाली थीं जानकर निकला और उन से कहने लगा किसे ढूंढ़ते हो। उन्हों ने उस को उत्तर दिया यीशु नासरी को। यीशु ने उन से कहा मैं ही हूं। और उस का पकड़वानेवाला यहूदा भी उन के साथ खड़ा था।

उस के यह कहते ही कि मैं हूं वे पीछे हटकर भूमि पर गिर पड़े।

तब उस ने फिर उन से पूछा तुम किस को ढूंढ़ते हो। वे बोले यीशु नासरी को। यीशु ने उत्तर दिया मैं तो तुम से कह चुका कि मैं ही हूं सो यदि मुझे ढूंढ़ते हो तो इन्हें जाने दो। पतरस ने तलवार जो उस के पास थी खींची और महायाजक के दास पर चलाकर उस का दहिना कान उड़ा दिया उस दास का नाम मलखुस था। तब यीशु ने पतरस से कहा अपनी तलवार काठी में रख। जो कटोरा पिता ने मुझे दिया है क्या मैं उसे न पीऊं।

तब सूबेदार और यहूदियों के प्यादों ने यीशु को पकड़कर बांध लिया। और पहिले उसे हन्ना के पास ले गए क्योंकि वह महायाजक काइफा का ससुर था। यह वही काइफा था जिस ने यहूदियों को सलाह दी थी कि हमारे लोगों के लिये एक पुरुष का मरना अच्छा है। पतरस और एक और चेला भी यीशु के पीछे हो लिये। यह चेला महायाजक का जान पहचान था और यीशु के साथ आंगन में गया। परन्तु पतरस बाहर द्वार पर खड़ा रहा।

सो वह दूसरा चेला जो महायाजक का जान पहचान था बाहर निकला और द्वारपालिन से कह कर पतरस को भीतर ले आया। उस दासी ने जो द्वारपालिन थी पतरस से कहा तू भी इस मनुष्य के चेलों में से है। उस ने कहा मैं नहीं हूं। दास और प्यादे जाड़े के कारण कोयले धधकाकर खड़े ताप रहे थे और पतरस भी उन के साथ खड़ा ताप रहा था।

तब महायाजक ने यीशु से उस के चेलों के विषय और उस के उपदेश के विषय में पूछा। यीशु ने उस को उत्तर दिया कि मैं ने जगत से खोलकर बातें कीं मैं ने सभाओं और मन्दिर में जहां सब यहूदी इकट्ठे हुआ करते हैं सदा उपदेश किया और गुप्त में कुछ नहीं कहा। तू मुझ से क्यों पूछता है सुननेवालों से पूछ कि मैं ने उन से क्या कहा। देख वे जानते हैं कि मैं ने क्या क्या कहा।

जब उस ने यह कहा तो प्यादों में से एक ने जो पास खड़ा था यीशु को थप्पड़ मारकर कहा क्या तू महायाजक को यों उत्तर देता है।

पतरस खड़ा हुआ ताप रहा था। तब उन्हों ने उस से कहा क्या तू भी उस के चेलों में से है उस ने मुकरके कहा मैं नहीं हूं।

महायाजक के दासों में से एक जो उस के कुटुम्ब में से था जिस का कान पतरस ने काट डाला था बोला क्या मैं ने तुझे उस के साथ बारी में न देखा था। पतरस फिर मुकर गया और तुरन्त मुर्ग ने बांग दी।

पोलातुस के सामने यीशु पर नालिश का किया जाना।

(यूहन्ना १८:२८, १९)

और वे यीशु को काइफा के पास से किले को ले गए और भोर का समय था पर वे आप किले के भीतर न गए कि अशुद्ध न हों।

सो पीलातुस उन के पास बाहर निकल आया और कहा तुम इस मनुष्य पर किस बात की नालिश करते हो। उन्हों ने उस को उत्तर दिया कि यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपते। पीलातुस ने उन से कहा तुम ही इसे ले जाकर अपनी व्यवस्था के अनुसार उस का न्याय करो। यहूदियों ने उस से कहा हमें अधिकार नहीं कि किसी का प्राण लें।

तब पीलातुस फिर किले के भीतर गया और यीशु को बुलाकर उस से पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है।

यीशु ने उत्तर दिया क्या तू यह बात अपनी ओर से कहता है या औरों ने मेरे विषय में तुझ से कही।

पीलातुस ने उत्तर दिया क्या मैं यहूदी हूं तेरी ही जाति और महायाजकों ने तुझे मेरे हाथ सौंपा तू ने क्या किया।

यीशु ने उत्तर दिया कि मेरा राज्य इस जगत का नहीं यदि मेरा राज्य इस जगत का होता तो मेरे सेवक लड़ते कि मैं यहूदियों के हाथ सौंपा न जाता पर अब मेरा राज्य यहां का नहीं।

पीलातुस ने उस से कहा तो क्या तू राजा है।

यीशु ने उत्तर दिया कि तू कहता है क्योंकि मैं राजा हूं मैं ने इस लिये जन्म लिया और इस लिये जगत में आया हूं कि सत्य पर साक्षी दूं जो कोई सत्य का है वह मेरा शब्द सुनता है।

पीलातुस ने उस से कहा सत्य क्या है।

और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास निकल गया और उन से कहा मैं तो उस में कुछ दोष नहीं पाता। पर तुम्हारी यह रीति है कि मैं फसह में तुम्हारे लिये एक जन को छोड़ दूं सो क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूं। तब उन्हों ने फिर चिल्लाकर कहा इसे नहीं पर बरअब्बा को और बरअब्बा डाकू था।

इस पर पीलातुस ने यीशु को लेकर कोड़े लगवाये। और सिपाहियों ने कांटों का मुकुट गंथकर उस के सिर पर रक्खा और उसे बैंजनी वस्त्र पहिनाया। और उस के पास आ आकर कहने लगे हे यहूदियों के राजा प्रणाम और उसे थप्पड़ भी मारे। तब पीलातुस ने फिर बाहर निकलकर लोगों से कहा देखो मैं उसे तुम्हारे पास फिर बाहर लाता हूं इस लिये कि तुम जानो कि मैं उस में कुछ दोष नहीं पाता। सो यीशु कांटों का मुकुट और बैंजनी वस्त्र पहिने हुए बाहर निकला और पीलातुस ने उन से कहा देखो यह मनुष्य।

यीशु का क्रूस पर चढ़ाया जाना।

(यूहन्ना १९)

जब महायाजकों और प्यादों ने उसे देखा तो चिल्लाकर कहा कि क्रूस पर चढ़ा क्रूस पर। पीलातुस ने उन से कहा तुम ही उसे लेकर क्रूस पर चढ़ाओ क्योंकि मैं उस में दोष नहीं पाता। यहूदियों ने उस को उत्तर दिया कि हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उस ने अपने आप को परमेश्वर का पुत्र बनाया।

जब पीलातुस ने यह बात सुनी तो और भी डर गया। और फिर किले के भीतर गया और यीशु से कहा तू कहां का है पर यीशु ने उसे कुछ उत्तर न दिया।

पीलातुस ने उस से कहा मुझ से क्यों नहीं बोलता क्या तू नहीं जानता कि तुझे छोड़ देने का मुझे अधिकार है और तुझे क्रूस पर चढ़ाने का भी मुझे अधिकार है।

यीशु ने उत्तर दिया कि यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता

इस लिये जिस ने मुझे तेरे हाथ पकड़वाया है उस का पाप अधिक है।

इस से पीलातुस ने उसे छोड़ देना चाहा पर यहूदियों ने चिल्ला चिल्लाकर कहा यदि तू इस को छोड़ दे तो तेरी भक्ति कैसर की ओर नहीं जो कोई अपने आप को राजा बनाता है वह कैसर का सामना करता है।

ये बातें सुनकर पीलातुस यीशु को बाहर लाया और उस जगह जो चबूतरा कहलाता है न्याय-आसन पर बैठा। यह फसह को तैयारी का दिन और छठे घण्टे के लगभग था। तब उस ने यहूदियों से कहा देखो यही है तुम्हारा राजा।

पर वे चिल्लाए कि उस का काम तमाम कर उसे क्रूस पर चढ़ा। पीलातुस ने उन से कहा क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊं। महायाजकों ने उत्तर दिया कि कैसर को छोड़ हमारा कोई राजा नहीं। तब उस ने उसे उन के हाथ सौंप दिया कि क्रूस पर चढ़ाया जाए तब वे यीशु को ले गये।

और वह अपना क्रूस उठाए हुए उस जगह तक बाहर गया जो खोपड़ी की जगह कहलाती है और इब्रानी में गुलगुता। वहां उन्हों ने उसे और उस के साथ और दो मनुष्यों को क्रूस पर चढ़ाया एक को इधर और एक को उधर और बीच में यीशु को। और पीलातुस ने दोष पत्र लिखकर क्रूस पर लगा दिया और उस में यह लिखा हुआ था यीशु नासरी यहूदियों का राजा।

यह दोष पत्र बहुत यहूदियों ने पढ़ा क्योंकि वह स्थान जहां यीशु क्रूस पर चढ़ाया गया नगर के पास था और पत्र इब्रानी और लतीनी और यूनानी में लिखा हुआ था। तब यहूदियों के महायाजकों ने पीलातुस से कहा यहूदियों का राजा मत लिख पर यह कि उस ने कहा मैं यहूदियों का राजा हूं।

पीलातुस ने उत्तर दिया कि मैं ने जो लिख दिया सो लिख दिया।

जब सिपाही यीशु को क्रूस पर चढ़ा चुके तो उस के कपड़े लेकर चार भाग किये हर सिपाही के लिये एक भाग और कुरता भी लिया पर कुरता बिना सीअन ऊपर से नीचे तक बुना हुआ था। इस लिये उन्हों ने आपस में कहा हम इस को न फाड़ें पर उस पर चिट्ठी डालें कि वह किस का होगा। सो सिपाहियों ने यही किया।

पर यीशु के क्रूस के पास उस की माता और उस की माता की बहिन मरयम क्लोपास की पत्नी और मरयम मगदलीनी खड़ी थीं।

यीशु ने अपनी माता और उस चेले को जिस से वह प्रेम रखता था पास खड़े देखकर अपनी माता से कहा हे नारी देख यह तेरा पुत्र है। तब उस चेले से कहा यह तेरी माता है और उसी समय से वह चेला उसे अपने घर ले गया।

इस के पीछे यीशु ने कहा मैं पियासा हूं। सो उन्हों ने सिरके में भिगोए हुए इस्पंज को उस के मुंह से लगाया। जब यीशु ने वह सिरका लिया तो कहा पूरा हुआ और सिर झुकाकर प्राण त्याग दिया।

यहूदियों ने पीलातुस से बिनती की कि उन की टांगें तोड़ दी जाएं और वे उतारे जाएं कि विश्राम के दिन को क्रूसों पर न रहें।

सो सिपाहियों ने आकर पहिले की टांगें तोड़ीं तब दूसरे की भी जो उस के साथ क्रूसों पर चढ़ाये गये थे। पर जब यीशु के पास आकर देखा कि वह मर चुका है तो उस की टांगें न तोड़ीं। पर सिपाहियों में से एक ने बरछे से उस का पंजर बेधा। जिस ने यह देखा उसी ने गवाही दी है।

कबर।

(यूहन्ना १९:३८, ४०)

इन बातों के पीछे अरमतियाह के यूसुफ ने जो यीशु का चेला था पर यहूदियों के डर से इस बात को छिपाये रखता था पीलातुस से बिनती की कि मैं यीशु की लोथ को ले जाऊं और पीलातुस ने उस की सुनी और वह आकर उस की लोथ ले गया। निकुदेमुस भी जो पहिले यीशु के पास रात को गया था पचास सेर के अटकल मिला हुआ गन्धरस और एलवा लेके आया।

तब उन्हों ने यीशु की लोथ को लिया और यहूदियों के गाड़ने की रीति के अनुसार उसे सुगन्ध द्रव्य के साथ कफन में लपेटा।

उस जगह पर जहां यीशु क्रूस पर चढ़ाया गया था एक बारी थी और उस बारी में एक नई कबर थी जिस में कभी कोई न रक्खा गया था सो उन्हों ने यीशु को वहां रक्खा।

अठवारे के पहिले दिन मरयम मगदलीनी भोर को अंधेरा रहते ही कबर पर आई और पत्थर को हटा हुआ देखा।

तब वह दौड़ी और शमौन पतरस और उस दूसरे चेले के पास जिस से यीशु प्रेम रखता था आकर कहा वे प्रभु को कबर में से निकाल ले गए हैं और हम नहीं जानतीं कि उसे कहां रख दिया है। तब पतरस और वह दूसरा चेला निकलकर कबर की ओर चले। और दोनों साथ साथ दौड़ रहे थे कि दूसरा चेला पतरस से आगे बढ़कर कबर पर पहिले पहुंचा। और झुककर कपड़े पड़े देखे तौभी वह भीतर न गया।

तब पतरस उस के पीछे पीछे पहुंचा और कबर के भीतर गया और कपड़े पड़े देखे। और वह अंगोछा जो उस के सिर से बंधा हुआ था कपड़ों के साथ पड़ा हुआ नहीं पर अलग एक जगह लपेटा हुआ देखा। तब दूसरा चेला भी जो कबर पर पहिले पहुंचा था भीतर गया और देखकर विश्वास किया। सो ये चेले अपने घर लौट गए।

यीशु अपने आप को पहिली बार दिखाता।

(यूहन्ना २०:११)

पर मरयम रोती हुई कबर के पास बाहर खड़ी रही और रोते रोते कबर की ओर झुककर, दो स्वर्गदूतों को उजले कपड़े पहिने हुए बैठे देखा जहां यीशु की लोथ पड़ी थी।

उन्हों ने उस से कहा हे नारी तू क्यों रोती है। उस ने कहा वे मेरे प्रभु को उठा ले गए और नहीं जानती कि उसे कहां रक्खा है।

यह कहकर वह पीछे फिरी और यीशु को खड़े देखा और न पहचाना कि यह यीशु है।

यीशु ने उस से कहा हे नारी तू क्यों रोती है किस को ढूंढ़ती है। उस ने माली समझकर उस से कहा हे महाराज यदि तू ने उसे उठा लिया है तो मुझ से कह कि उसे कहां रक्खा है और मैं उसे ले जाऊंगी।

यीशु ने उस से कहा मरयम। उस ने पीछे फिर कर उस से इब्रानी में कहा हे गुरु।

यीशु ने उस से कहा मुझे मत छू क्योंकि मैं अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गया पर मेरे भाइयों के पास जाकर उन से कह दे कि मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास ऊपर जाता हूं।

मरयम मगदलीनी ने जाकर चेलों को बताया कि मैं ने प्रभु को देखा और उस ने मुझ से ये बातें कहीं।

यीशु का दूसरी बार दिखाई देना।

(यूहन्ना २०:१९)

उसी दिन जो अठवारे का पहिला दिन था सांझ होते हुए जब वहां के द्वार जहां चेले थे यहूदियों के डर के मारे बन्द थे यीशु आया और बीच में खड़ा होकर उन से कहा तुम्हें शान्ति मिले।

और यह कहकर उस ने अपना हाथ और अपना पंजर उन को दिखाए। तब चेले प्रभु को देखकर आनन्दित हुए।

यीशु ने फिर उन से कहा तुम्हें शान्ति मिले। जैसे पिता ने मुझे भेजा है वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूं। यह कहकर उस ने उन पर फूंका और उन से कहा पवित्र आत्मा लो।

पर बारहों में से एक जन अर्थात तोमा जब यीशु आया तो उन के साथ न था। सो और चेले उस से कहने लगे हम ने प्रभु को देखा है। उस ने उन से कहा जब तक मैं उस के हाथ न देख लूं और कीलों के छेदों में अपनी उंगली न डाल लूं और उस के पंजर में अपना हाथ न डाल लूं तो मैं प्रतीति न करूंगा।

तीसरी बार दिखाई देना।

(यूहन्ना २०:२६,३१)

आठ दिन के पीछे उस के चेले फिर घर के भीतर थे और तोमा उन के साथ था और द्वार बन्द थे तो यीशु आया और उस ने बीच में खड़े होकर कहा तुम्हें शान्ति मिले।

तब उस ने तोमा से कहा अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अबिश्वासी नहीं पर बिश्वासी हो।

यह सुन तोमा ने उत्तर दिया हे मेरे प्रभु हे मेरे परमेश्वर।

यीशु ने उस से कहा तू ने तो मुझे देखकर बिश्वास किया है धन्य वे हैं जिन्हों ने बिना देखे बिश्वास किया।

यीशु ने और भी बहुत चिन्ह चेलों के सामने दिखाए जो इस पुस्तक में लिखे नहीं गए। पर ये इस लिये लिखे गए हैं कि तुम बिश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र है और बिश्वास करके उस के नाम से जीवन पाओ।

इन बातों के पीछे यीशु ने फिर अपने आप को फिर चेलों को तिबिरियास की झील के किनारे दिखाया।

पतरस और तोमा और गलील के काना नगर का नतनएल और जबदी के पुत्र और उस के चेलों में से दो और जन इकट्ठे थे।

पतरस ने उन से कहा मैं मछली पकड़ने को जाता हूं। उन्हों ने उस से कहा हम भी तेरे साथ चलते हैं सो वे निकलकर नाव पर चढ़े पर उस रात कुछ नहीं पकड़ा। भोर होते ही यीशु किनारे पर खड़ा हुआ तौभी चेलों ने न पहचाना कि यह यीशु है।

तब यीशु ने उन से कहा हे बालको क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है उन्हों ने उत्तर दिया कि नहीं। उस ने उन से कहा नाव की दहिनी ओर जाल डालो तो पाओगे सो उन्हों ने डाला और अब मछलियों की बहुतायत के कारण उसे खींच न सके।

इस लिये उस चेले ने जिस से यीशु प्रेम रखता था पतरस से कहा यह तो प्रभु है।

पतरस ने यह सुनकर कि प्रभु है झील में कूद पड़ा। पर और चेले डोंगी पर मछलियों से भरा हुआ जाल खींचते हुए आए जब किनारे पर उतरे तो उन्हों ने कोयले की आग और उस पर मछली रक्खी हुई और रोटी देखी।

यीशु ने उन से कहा जो मछलियां तुम ने अभी पकड़ी हैं उन में से कुछ लाओ। शमौन पतरस ने डोंगी पर चढ़कर एक सौ तिर्पन बड़ी मछलियों से भरा हुआ जाल किनारे पर खींचा और इतनी मछलियां होने से भी जाल न फटा।

यीशु ने उन से कहा कि आओ भोजन करो और चेलों में से किसी को हियाव न हुआ कि उस से पूछे कि तू कौन है क्योंकि वे जानते थे कि प्रभु ही है। यीशु आया और रोटी लेकर उन्हें दी।

यह तीसरी बार है कि यीशु मरे हुओं में से जी उठने के पीछे चेलों को दिखाई दिया।

मेरे मेमनों को चरा।

(यूहन्ना २१:१५)

भोजन करने के पीछे यीशु ने शमौन पतरस से कहा हे शमौन क्या तू मुझ से इन से बढ़कर प्रेम रखता है। उस ने उस से कहा हां प्रभु तू जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूं। उस ने उस से कहा मेरे मेमनों को चरा। उस ने फिर दूसरी बार उस से कहा। हे शमौन क्या तू मुझ से प्रेम रखता है। उस ने उस से कहा हां प्रभु तू जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूं। उस ने उस से कहा मेरी भेड़ों की रखवाली कर। उस ने तीसरी बार उस से कहा हे शमौन क्या तू मुझ से प्रीति रखता है। पतरस उदास हुआ कि उस ने उस से तीसरी बार कहा क्या तू मुझ से प्रीति रखता है और उस से कहा हे प्रभु तू तो सब कुछ जानता है तू जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूं। यीशु ने उस से कहा मेरी भेड़ों को चरा। मैं

तुझ से सच सच कहता हूं जब तू जवान था तो अपनी कमर बांधकर जहां चाहता था वहां फिरता था पर जब तू बूढ़ा होगा तो अपने हाथ लम्बे करेगा और दूसरा तेरी कमर बांधकर जहां तू न चाहेगा वहां तुझे ले जाएगा।

उस ने इन बातों से पता दिया कि पतरस कैसी मृत्यु से परमेश्वर की महिमा करेगा और यह कहकर उस से कहा मेरे पीछे हो ले। पतरस फिरकर उस चेले को पीछे से आते देखा जिस से यीशु प्रेम रखता था उसे देखकर पतरस ने यीशु से कहा हे प्रभु इस का क्या हाल होगा। यीशु ने उस से कहा यदि मैं चाहूं कि वह मेरे आने तक ठहरा रहे तो तुझे क्या। तू मेरे पीछे हो ले।

इस लिये भाइयों में यह बात फैल गई कि यह चेला न मरेगा तौभी यीशु ने उस से यह नहीं कहा कि यह न मरेगा पर यह कि यदि मैं चाहूं कि यह मेरे आने तक ठहरा रहे तो तुझे क्या।

यह वही चेला है जो इन बातों की गवाही देता है और जिस ने इन बातों को लिखा और हम जानते हैं कि उस की गवाही सच्ची है।

और भी बहुत से काम हैं जो यीशु ने किये। यदि वे एक एक करके लिखे जाते तो मैं समझता हूं कि पुस्तकें जो लिखी जातीं तो जगत में भी न समातीं।

दूसरा अध्याय।

मसीही धर्म्म का यरूशलेम से रोम नगर तक फैलना।

"प्रेरितों के कामों के बखान" नाम पुस्तक में मसीही धर्म्म के फैलाने का वर्णन है।

इस का लेखक लूका था जो पौलुस और पतरस का मित्र था। वह पौलुस के साथ उन दौरों में था जब कि वह पहिली मण्डलियों को स्थापन किया करते थे और उस ने अपने "प्रेरितों के कामों के बखान" में पौलुस और पतरस दोनों का बयान किया। पौलुस का जो अन्य जातियों के पास जाता था और पतरस का जो यहूदियों के पास जाता था।

उन दिनों में जब कि पौलुस रोम में था और लोगों ने डर के मारे उस को छोड़ दिया लूका उस के साथ रहा। जब पौलुस कोशिश करता था कि मसीही धर्म्म यहूदी धर्म्म का एक भाग न हो जाय पर मनुष्य जाति की मुक्ती का उपाय होवे, लूका इस में उस का साथ देता था।

इस पुस्तक में उन दिनों का वर्णन है जब कि थोड़े से आदमी जो "न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएं, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ्य, न कोई और सृष्टि" से डरके दुनिया को अपने सलीब पर चढ़ाये हुए प्रभु के नाम से बचाने का यत्न करते थे।

लिखने वाला उन बातों के विषय में लिखता है जिन को उस ने देखा और सुना था और मालूम होता है कि वे बातें बिश्वास योग्य हैं।

वह स्तिफानुस के विषय में बताता है जो उन लोगों में से पहिले था जो मसीही धर्म्म के मानने के कारण से मारे गये थे।

वह पौलुस का वर्णन करता है जो उन में से पहिले था जो प्रभु की इस बात को मानते हैं कि तुम सारे जगत में जाकर सब सृष्टि के लोगों में सुसमाचार का प्रचार करो। इस पौलुस का बहुत ही अनोखा बयान है।

पिन्तेकुस्त का दिन ।

(प्रेरितः २)

जब पिन्तेकुस्त का दिन आया तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी का सा शब्द हुआ और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे गूंज गया। और उन्हें आग की सी जीभें अलग अलग होती हुई दिखाई दीं और उन में से हर एक पर आ ठहरीं। और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए और जैसे आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी आन आन बोलियां बोलने लगे।

जब वह शब्द हुआ तो भीड़ लग गई और वे घबरा गए क्योंकि हर एक को यह सुनाई देता था कि ये मेरी ही भाषा में बोल रहे हैं। और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे देखो ये जो बोल रहे हैं क्या सब गलीली नहीं। तो फिर क्यों हम में से हर एक अपनी अपनी जन्म भूमि की भाषा सुनता है। तब पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हो ऊंचे शब्द से कहने लगा कि हे यहूदियो और हे यरूशलेम के सब रहनेवालो यह जानो और कान लगाकर मेरी बातें सुनो। यीशु नासरी एक मनुष्य जिस का प्रमाण परमेश्वर ने सामर्थ के कामों और अद्भुत कामों और चिन्हों से दिया जैसे तुम आप ही जानते हो। उसी को तुम ने अधर्मियों के हाथ के द्वारा क्रूस पर चढ़ाकर मार डाला। इसी यीशु को परमेश्वर ने जिलाया और इस बात के हम सब गवाह हैं। सो इस्राएल का सारा घराना सच जाने कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया प्रभु और मसीह भी ठहराया।

तब सुननेवालों के मन छिद गए और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे हे भाइयो हम क्या करें।

पतरस ने उन से कहा मन फिराओ और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिसमा ले तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारे सन्तानों और सब दूर दूर के लोगों के लिये है। उस ने बहुत और बातों से भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी जाति से बचाओ।

सो जिन्हों ने उस की बात मानी उन्हों ने बपतिसमा लिया और उस दिन कोई तीन हजार मनुष्य उन में मिल गए। और सब लोगों पर भय छा गया और बहुतेरे अद्भुत काम और चिन्ह प्रेरितों के द्वारा दिखाए जाते थे। और सब विश्वास करनेवाले इकट्ठे रहते थे और उन की सब वस्तुएं साझे की थीं। और वे अपनी अपनी सम्पत्ति और सामान बेचकर जैसी जिस को जरूरत होती थी सब में बांट लेते थे।

और वे हर दिन मन्दिर में एक मन होकर इकट्ठे होते थे और घर घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सीधाई से भोजन करते थे। और परमेश्वर की स्तुति करते थे और सब लोग उन से प्रसन्न थे और प्रभु उद्धार पानेवालों को हर दिन उन में मिलाता था।

मन्दिर का द्वार जो सुन्दर कहलाता है ।

(प्रेरितः ३)

पतरस और यूहन्ना प्रार्थना के समय मन्दिर में जा रहे थे। और लोग एक जन्म के लंगड़े को ला रहे थे जिस को वे हर दिन मन्दिर के उस द्वार पर जो सुन्दर कहलाता है बैठा देते थे कि वह मन्दिर में जानेवालों से भीख मांगे। जब उस ने पतरस और यूहन्ना को देखा तो वह उन से कुछ पाने की आशा रखते हुए उन की ओर ताकने लगा।

तब पतरस ने कहा चांदी और सोना तो मेरे पास है नहीं पर जो मेरे पास है वह तुझे देता हूं यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर। और उस ने उस का दहिना हाथ पकड़के उसे उठाया और तुरन्त वह उछलकर खड़ा हो गया और चलने फिरने लगा और चलता और कूदता और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उन के साथ मन्दिर में गया। सब लोगों ने उसे देखकर, बहुत अचम्भित और चकित हुए।

जब वह पतरस और यूहन्ना को पकड़े हुए था तो सब लोग बहुत अचम्भा करते हुए उस ओसारे में जो सुलैमान का कहलाता है उन के पास दौड़े आये। यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा हे इस्राएलियो तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो और हमारी ओर क्यों ऐसा ताक रहे हो कि मानो हम ही ने अपनी सामर्थ से इसे चलता फिरता कर दिया। इब्राहीम और इसहाक और याकूब के परमेश्वर हमारे बाप दादों के परमेश्वर ने अपने सेवक यीशु की महिमा की जिसे तुम ने पकड़वा दिया और जब पीलातुस ने उसे छोड़ देने का बिचार किया तब तुम उस के आगे उस से मुकर गए। पर तुम उस पवित्र और धर्मी से मुकर गए और चाहा कि एक खूनी तुम्हारे लिये छोड़ दिया जाए। और तुम ने जीवन के कर्त्ता को मार डाला और परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया और उसी के नाम ने बिश्वास के द्वारा इस मनुष्य को जिसे तुम देखते और जानते हो सामर्थ दी है। और अब हे भाइयो मैं जानता हूं कि यह काम तुम ने अज्ञानता से किया और वैसा ही तुम्हारे सरदारों ने भी किया। इस लिये मन फिराओ और लौटो कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं।

जब वे लोगों से यह कह रहे थे तो याजक और मन्दिर के सरदार और सदूकी उन पर चढ़ आए। और उन्हों ने उन्हें पकड़कर दूसरे दिन तक हवालात में रक्खा क्योंकि सांझ हो गई थी। पर बचन के सुननेवालों में से बहुतों ने बिश्वास किया और उन की गिनती पांच हज़ार पुरुषों के अटकल हो गई।

पतरस लोगों से बोलता।

(प्रेरितः ४)

दूसरे दिन उन के सरदार और पुरनिये और शास्त्री, और महायाजक हन्ना और काइफा सब यरूशलेम में इकट्ठे हुए। और उन्हें बीच में खड़ा करके पूछने लगे कि तुम ने यह काम किस सामर्थ से और किस नाम से किया है।

तब पतरस ने पवित्र आत्मा से भरपूर होकर उन से कहा हे लोगों के सरदारो और पुरनियो, इस दुर्बल मनुष्य के साथ जो भलाई की गई है यदि आज हम से पूछ पाछ की जाती है कि वह क्योंकर अच्छा हुआ, तो तुम सब जानें कि यीशु मसीह नासरी के नाम से जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया और परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया यह मनुष्य तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। यह वही पत्थर है जिसे तुम राजों ने तुच्छ जाना और वह कोने के सिरे का पत्थर हो गया। और किसी दूसरे से उद्धार नहीं क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया जिस से हम उद्धार पा सकें।

जब उन्हों ने पतरस और यूहन्ना का हियाव देखा और यह जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य हैं तो अचम्भा किया फिर उन को पहचाना कि ये यीशु के साथ रहे हैं। और उस मनुष्य को जो अच्छा हुआ था उन के साथ खड़े देखकर वे कुछ विरोध में न कह सके। पर उन्हें सभा के बाहर जाने की आज्ञा देकर वे आपस में बिचार करने लगे, कि हम इन मनुष्यों के साथ क्या करें क्योंकि यरूशलेम के सब रहनेवालों पर प्रगट है कि इन के द्वारा एक प्रसिद्ध चिन्ह दिखाया गया है और उस से हम मुकर नहीं सकते। पर इस लिये कि यह बात लोगों में और फैल न जाए हम उन्हें धमका दें कि वे इस नाम से फिर किसी मनुष्य से बातें न करें। तब उन्हें बुलाया और चिताकर यह कहा कि यीशु के नाम से कुछ भी न बोलना और न सिखाना।

चिन्ह और अद्‌भुत काम।

(प्रेरित: ४:१३, ५)

परन्तु पतरस और यूहन्ना ने उन को उत्तर दिया कि तुम विचार करो कि क्या यह परमेश्वर के निकट भला है कि परमेश्वर की बात से बढ़कर तुम्हारी बात मानें। क्योंकि यह तो हम से हो नहीं सकता कि जो हम ने देखा और सुना है वह न कहें। तब उन्हों ने उन्हें और धमकाकर छोड़ दिया क्योंकि लोगों के कारण उन्हें दण्ड देने का कोई दांव नहीं मिला इस लिये कि जो हुआ था उस के लिये सब लोग परमेश्वर की बड़ाई करते थे।

वे छूटकर अपने साथियों के पास आए और जो कुछ महायाजकों और पुरनियों ने उन से कहा था सो सुना दिया। यह सुनकर उन्हों ने एक चित्त होकर ऊंचे शब्द से परमेश्वर से कहा हे स्वामी तू वही है जिस ने स्वर्ग और पृथिवी और समुद्र और जो कुछ उन में है बनाया। और अब हे प्रभु उन की धमकियों को देख और अपने दासों को यह बर दे कि तेरा बचन बड़े हियाव से सुनाएं। और कि चिन्ह और अद्‌भुत काम तेरे पवित्र सेवक यीशु के नाम से किए जाएं।

जब वे प्रार्थना कर चुके तो वह स्थान जहां वे इकट्ठे थे हिल गया और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए और परमेश्वर का बचन हियाव से सुनाते रहे बिश्वास करनेवालों की मण्डली एक मन और एक जी हो रही थी यहां तक कि कोई भी अपनी संपत्ति अपनी न कहता था पर सब कुछ साझे का था। और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते थे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था। और न कोई उन में से दरिद्र था क्योंकि जिन के पास भूमि या घर थे वे उन को बेच बेच कर बिकी हुई वस्तुओं का दाम लाते, और उसे प्रेरितों के पांवों पर रखते थे और जैसी जिसे आवश्यकता होती थी उस के अनुसार हर एक को बांट देते थे।

प्रेरितों के हाथों से बहुत चिन्ह और अद्‌भुत काम लोगों के बीच में दिखाए जाते थे यहां तक कि लोग बीमारों को सड़कों पर ला लाकर खाटों और खटोलों पर लिटा देते थे कि जब पतरस आए तो उस की छाया ही उन में से किसी पर पड़ जाए। और यरूशलेम के आस पास के नगरों से भी बहुत लोग बीमारों को ला लाकर इकट्ठे होते थे और सब अच्छे कर दिए जाते थे।

——

जेलखाने के द्वार खोले जाते हैं।

(प्रेरित: ५:१७)

तब महायाजक और उस के सब साथी डाह से भरकर उठे। और प्रेरितों को पकड़कर जेलखाने में बन्द कर दिया। पर रात को प्रभु के एक स्वर्गदूत ने जेलखाने के द्वार खोलकर उन्हें बाहर लाकर कहा, जाओ मन्दिर में खड़े होकर इस जीवन की सारी बातें लोगों को सुनाओ। यह सुनकर वे भोर होते ही मन्दिर में जाकर उपदेश करने लगे।

तब महायाजक ने आकर महासभा को इकट्ठे किया और जेलखाने में कहला भेजा कि उन्हें लाएं। परन्तु प्यादों ने वहां पहुंचकर उन्हें जेलखाने में न पाया और लौटकर संदेश दिया, कि हम ने जेलखाने को बड़ी चौकसी से बन्द किया हुआ और पहरुओं को बाहर द्वारों पर खड़े हुए पाया पर भीतर कोई न मिला।

जब मन्दिर के सरदार और महायाजकों ने ये बातें सुनीं तो उन के विषय में भारी चिन्ता में पड़े कि यह क्या हुआ चाहता है। इतने में किसी ने उन्हें बताया कि देखो जिन्हें तुम ने जेलखाने में बन्द रक्खा था वे मनुष्य मन्दिर में लोगों को उपदेश दे रहे हैं। तब सरदार उन्हें ले आया पर बरबस नहीं क्योंकि वे लोगों से डरते थे कि हमें पत्थरवाह न करें। उन्हों ने उन्हें लाकर महासभा के सामने खड़ा

किया और महायाजक ने उन से पूछा । क्या हम ने तुम्हें चिताकर आज्ञा न दी थी कि इस नाम से उपदेश न करना तौभी देखो तुम ने सारा यरूशलेम अपने उपदेश से भर दिया है और इस मनुष्य का लोहू हम पर लाना चाहते हो ।

तब पतरस और और प्रेरितों ने उत्तर दिया कि मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिये । हमारे बाप दादों के परमेश्वर ने यीशु को जिलाया जिसे तुम ने काठ पर लटकाकर मार डाला था । उसी को परमेश्वर ने कर्त्ता और उद्धारक ठहराकर अपने दहिने हाथ से ऊंचा कर दिया कि वह मन-फिराव और पापों की क्षमा दान करे ।

गमलीएल ।

(प्रेरितः ५:३३)

वे यह सुनकर जल गये और उन्हें मार डालना चाहा । पर गमलीएल नाम एक फरीसी ने जो व्यवस्थापक और सब लोगों में माननीय था सभा में खड़े होकर प्रेरितों को थोड़ी देर के लिये बाहर कर देने की आज्ञा दी । तब उस ने कहा हे इस्राए-लियो जो कुछ इन मनुष्यों से किया चाहते हो सोच समझके करना । क्योंकि इन दिनों से पहले थियू-दास यह कहता हुआ उठा कि मैं भी कुछ हूं और कोई चार सौ मनुष्य उस के साथ हो लिये पर वह मारा गया और जितने लोग उसे मानते थे सब तित्तर बित्तर हुए और मिट गये । उस के पीछे नाम लिखाई के दिनों में यहूदा गलीली उठा और कुछ लोग बहका लिये । वह भी नाश हो गया और जितने लोग उसे मानते थे सब तित्तर बित्तर हो गये । सो अब मैं तुम से कहता हूं इन मनुष्यों से हाथ उठाओ और उन से कुछ काम न रक्खो क्योंकि यदि यह मत या काम मनुष्यों की ओर से हो तो मिट जाएगा । पर यदि परमेश्वर की ओर से है तो तुम उन्हें मिटा न सकोगे कहीं ऐसा न हो कि तुम परमेश्वर से भी लड़ने वाले ठहरो ।

तब उन्हों ने उस की बात मान ली और प्रेरितों को बुलाकर पिटवाया और यह आज्ञा देकर छोड़ दिया कि यीशु के नाम से बातें न करना । सो वे इस बात से आनन्दित होकर महासभा के सामने से चले गए कि हम उस के नाम के लिये निरादर होने के योग्य ठहरे । और दिन दिन मन्दिर में और घर घर में उपदेश करने और इस बात का सुसमाचार सुनाने से कि यीशु ही मसीह है न रुके ।

तब उन बारहों ने चेलों की मण्डली को अपने पास बुलाकर कहा यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का बचन छोड़कर खिलाने पिलाने की सेवा में रहें । इस लिये हे भाइयो अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से भरपूर हों चुन लो कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें । पर हम तो प्रार्थना में और बचन की सेवा में लगे रहेंगे ।

यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी सो उन्हों ने स्तिफनुस को चुन लिया ।

स्तिफनुस का पत्थरवाह किया जाना ।

(प्रेरितः ६)

स्तिफनुस अनुग्रह और सामर्थ से भरपूर होकर लोगों में बड़े बड़े अद्-भुत काम और चिन्ह दिखाया करता था । तब उस सभा में से कई एक उठकर स्तिफनुस से विवाद करने लगे । पर उस ज्ञान और उस आत्मा का जिस से वह बातें करता था वे सामना न कर सके । और लोगों को उसकाके चढ़ आए और उसे पकड़-कर महासभा में ले आए । और झूठे गवाह खड़े किये जिन्हों ने कहा यह मनुष्य इस पवित्र स्थान के विरोध में बोलना नहीं छोड़ता । क्योंकि हम ने उसे यह कहते सुना है कि यही यीशु नासरी इस जगह को ढा देगा और उन रीतों को बदल डालेगा जो मूसा ने हमें सौंपी हैं ।

तब सब लोगों ने जो सभा में बैठे थे उस को ओर ताककर उस का स्वर्गदूत का सा चिहरा देखा।

तब महायाजक ने कहा क्या ये बातें यों ही हैं।

उस ने कहा हे भाइयो और पितरो सुनो। हमारा पिता इब्राहीम जब मिसुपुतामिया में था तो तेजोमय परमेश्वर ने उसे दर्शन दिया। और उस से कहा कि तू अपने देश और अपने कुटुम्ब से निकलकर उस देश में चला जा जिसे मैं तुझे दिखाऊंगा। तब वह उस को वहां से इस देश में लाकर बसाया जिस में अब तुम बसते हो। और उस को कुछ मीरास बरन पैर रखने भर की भी उस में जगह न दी परन्तु प्रतिज्ञा की कि मैं यह देश तेरे और तेरे पीछे तेरे वंश के हाथ कर दूंगा।

पर जब उस प्रतिज्ञा के पूरे होने का समय निकट आया मूसा उत्पन्न हुआ जो बहुत ही सुन्दर था और वह तीन महीने तक अपने पिता के घर में पाला गया। पर जब फेंक दिया गया तो फिरौन की बेटी ने उसे उठा लिया और अपना पुत्र करके पाला। और मूसा को मिसरियों की सारी विद्या पढ़ाई गई सो वह बातों और कामों में सामर्थी था। मूसा को परमेश्वर ने हाकिम और छुड़ानेवाला ठहराकर भेजा। यही मिसर और लाल समुद्र और जंगल में चालीस बरस तक अद्भुत काम और चिन्ह दिखा दिखाकर उन्हें निकाल लाया।

यह वही मूसा है जिस ने इस्राएलियों से कहा कि परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिये मुझ सा एक नबी उठाएगा। यह वही है जिस ने जंगल में मण्डली के बीच उस स्वर्गदूत के साथ सीना पहाड़ पर उस से बातें कीं और हमारे बाप दादों के साथ था। साक्षी का तम्बू जंगल में हमारे बाप दादों के बीच में था पर सुलैमान ने उस के लिये घर बनाया। परन्तु परम प्रधान हाथ के बनाये घरों में नहीं रहता जैसा कि नबी ने कहा, कि प्रभु कहता है स्वर्ग मेरा सिंहासन और पृथिवी मेरे पांवों के लिये पीढ़ी है मेरे लिये तुम किस प्रकार का घर बनाओगे और मेरे बिश्राम का कौन सा स्थान होगा। क्या ये सब बस्तुएं मेरे हाथ की बनाई नहीं।

हे हठीले लोगो तुम सदा पवित्र आत्मा का सामना करते हो। जैसा तुम्हारे बाप दादे करते थे वैसे ही तुम भी करते हो। नबियों में से किस को तुम्हारे बाप दादों ने न सताया और उन्हों ने उस धर्मी के आने का आगे से सन्देश देनेवालों को मार डाला और अब तुम भी उस के पकड़वानेवाले और मार डालनेवाले हुए। तुम ने स्वर्गदूतों के द्वारा ठहराई हुई व्यवस्था तो पाई पर मानी नहीं।

ये बातें सुनकर वे जल गये और उस पर दांत पीसने लगे। पर उस ने पवित्र आत्मा से भरपूर हो स्वर्ग की ओर ताका और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर की दहिनी ओर खड़ा देखकर कहा, देखो मैं स्वर्ग को खुला हुआ और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर की दहिनी ओर खड़ा देखता हूं। तब उन्हों ने बड़े शब्द से चिल्लाकर कान बन्द कर लिये और एक चित्त होकर उस पर झपटे। और उसे नगर के बाहर निकालकर पत्थरवाह करने लगे और गवाहों ने अपने कपड़े शाऊल नाम एक जवान के पांवों के पास उतार रक्खे।

सो वे स्तिफनुस को पत्थरवाह करते रहे और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा कि हे प्रभु यीशु मेरे आत्मा को ग्रहण कर। फिर घुटने टेककर ऊंचे शब्द से पुकारा हे प्रभु यह पाप उन पर मत लगा। और यह कहकर सो गया।

एक जवान जिस का नाम शाऊल था।

(प्रेरितः ८, ९)

और शाऊल उस के बध में सम्मत था। उसी दिन यरूशलेम में की मण्डली पर बड़ा उपद्रव होने लगा और प्रेरितों को छोड़ सब के सब तित्तर बित्तर हो गए। भक्तों ने स्तिफनुस को कबर में रखा और उस के लिये बड़ा विलाप किया।

शाऊल मण्डली को उजाड़ रहा था कि घर घर घुसकर पुरुषों और स्त्रियों को घसीट घसीट-

कर जेलखाने में डालता था जो तित्तर बित्तर हुए थे वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।

शाऊल जो अब तक प्रभु के चेलों को धमकाने और घात करने की धुन में था महायाजक के पास गया। और उस से दमिश्क की सभाओं के नाम पर इस मतलब की चिट्ठियां मांगी कि जिन्हें वह इस पंथ पर पाए उन्हें बांधकर यरूशलेम ले आए।

पर चलते चलते जब वह दमिश्क के निकट पहुंचा तो एकाएक आकाश से उस के चारों ओर ज्योति चमकी। और वह भूमि पर गिर पड़ा और यह शब्द सुना कि हे शाऊल हे शाऊल तू मुझे क्यों सताता है। उसने पूछा हे प्रभु तू कौन है उस ने कहा मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है। पर उठकर नगर में जा और जो तुझे करना है वह तुझ से कहा जाएगा। जो मनुष्य उस के साथ थे वे चुपचाप रह गए क्योंकि शब्द तो सुनते थे पर किसी को देखते न थे।

तब शाऊल भूमि पर से उठा पर जब आंखें खोलीं तो उसे कुछ दिखाई न दिया और वे उस का हाथ पकड़के दमिश्क में ले गये। और वह तीन दिन तक न देख सका और न खाया न पिया।

दमिश्क में हनन्याह नाम एक चेला था उस से प्रभु ने दर्शन में कहा उठकर उस गली में जा जो सीधी कहलाती है और यहूदा के घर में शाऊल नाम एक तारसी को पूछ ले क्योंकि देख वह प्रार्थना कर रहा है। और उस ने हनन्याह नाम एक पुरुष को भीतर आते और अपने ऊपर हाथ रखते देखा कि फिर देखने लगे। हनन्याह ने उत्तर दिया कि हे प्रभु मैं ने इस मनुष्य के विषय में बहुतों से सुना है कि इस ने यरूशलेम में तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बड़ी बुराइयां की हैं। और यहां भी इस को महायाजकों की ओर से अधिकार मिला है कि जो लोग तेरा नाम लेते हैं उन सब को बांध ले। परन्तु प्रभु ने उस से कहा चला जा क्योंकि यह तो अन्य-जातियों और राजाओं और इस्राएलियों के सामने मेरा नाम पहुंचाने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है। और मैं उसे बताऊंगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा दुःख उठाना पड़ेगा।

तब हनन्याह उठकर उस घर में गया और उस पर हाथ रखकर कहा हे भाई शाऊल प्रभु यीशु जो उस रास्ते में जिस से तू आया तुझे दिखाई दिया उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर देखने लगे और पवित्र आत्मा से भर जाए। और तुरन्त उस की आंखों से छिलके से गिरे और वह देखने लगा और उठकर बपतिसमा लिया फिर भोजन करके बल पाया।

और वह कई दिन उन चेलों के साथ रहा जो दमिश्क में थे। और वह तुरन्त सभाओं में यीशु का प्रचार करने लगा।

शाऊल का दमिश्क से बचना।

(प्रेरितः ९:२१)

सब सुननेवाले चकित होकर कहने लगे क्या यह वही नहीं जो यरूशलेम में उन्हें जो इस नाम को लेते थे नाश करता था और यहां भी आया था कि उन्हें बांधे हुए महायाजकों के पास ले जाए। पर शाऊल और भी सामर्थी होता गया। जब बहुत दिन बीत गए तो यहूदियों ने मिलकर उस के मार डालने की युक्ति निकाली। पर उन की युक्ति शाऊल को मालूम हो गई। पर रात को उस के चेलों ने उसे लेकर टोकरे में बैठाया और शहर पनाह पर से लटकाकर उतार दिया।

यरूशलेम में पहुंचकर उस ने चेलों के साथ मिल जाने का उपाय किया पर सब उस से डरते थे पर बरनबा उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले गया और उन से कहा कि इस ने किसी रीति से मार्ग में प्रभु को देखा फिर दमिश्क में यह कैसा निधड़क होकर यीशु के नाम से बोला। सो वह उन के साथ यरूशलेम में आता जाता रहा, और निधड़क होकर प्रभु के नाम से बातें करता था और यूनानी भाषा बोलनेवाले यहूदियों के साथ बातचीत और बाद विवाद करता था पर वे उस के मार डालने का यतन करने लगे। यह जानकर भाई उसे कैसरिया में ले आए और तरसुस की ओर भेजा।

सो सारे यहूदिया और गलील और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला और वह उन्नति करती गई और प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती जाती थी।

दोरकास का वर्णन।

(प्रेरितः ९:३६)

याफा में तबीता अर्थात दोरकास नाम एक विश्वासिनी रहती थी। वह बहुतेरे भले भले काम और दान करती थी। उन्हीं दिनों में वह बीमार होकर मर गई और उन्हों ने उसे नहलाकर अटारी पर रख दिया।

और चेलों ने पतरस से बिनती की कि हमारे पास आने में देर न कर। तब पतरस उठकर उन के साथ हो लिया और वे उसे उस अटारी पर ले गए और सब बिधवाएं रोती हुई उस के पास आ खड़ी हुईं और जो कुरते और कपड़े दोरकास ने उन के साथ रहते हुए बनाए थे दिखाने लगीं। तब पतरस ने सब को बाहर कर दिया और घुटने टेककर प्रार्थना की और लोथ की ओर देखकर कहा हे तबीता उठ। तब उस ने अपनी आंखें खोल दीं और पतरस को देखकर उठ बैठी। उसने हाथ देकर उसे उठाया और पवित्र लोगों और विधवाओं को बुलाकर उसे जीती जागती दिखा दिया।

यह बात सारे याफा में फैल गई और बहुतेरों ने प्रभु पर विश्वास किया। और पतरस याफा में शमौन नाम किसी चमड़े के धन्धे करनेवाले के यहां बहुत दिन रहा।

कुरनेलियुस का दर्शन में देखना।

(प्रेरितः १०)

कैसरिया में कुरनेलियुस नाम एक मनुष्य था जो इतालियानी नाम पलटन का सूबेदार था। वह भक्त था और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर से डरता और यहूदी लोगों को बहुत दान देता और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करता था।

उस ने दिन के तीसरे पहर के निकट दर्शन में साफ साफ देखा कि परमेश्वर का एक स्वर्गदूत मेरे पास भीतर आता उस ने देखा और डरकर कहा हे प्रभु क्या है। उस ने उस से कहा तेरी प्रार्थनाएं और तेरे दान स्मरण के लिये परमेश्वर के सामने पहुंचे हैं। और अब याफा में मनुष्य भेजकर पतरस को बुलवा ले। वह शमौन चमड़े के धन्धा करनेवाले के यहां पाहुन है जिस का घर समुद्र के किनारे है। जब वह स्वर्गदूत जिस ने उस से बातें की थीं चला गया तो उस ने दो सेवक और एक भक्त सिपाही को बुलाया। और उन्हें याफा को भेजा।

दूसरे दिन जब वे नगर के पास पहुंचे तो दो पहर के निकट पतरस कोठे पर प्रार्थना करने चढ़ा। और उसे भूख लगी और कुछ खाना चाहता था पर जब वे तैयार कर रहे थे तो वह बेसुध हो गया। और उस ने देखा कि आकाश खुल गया और एक पात्र बड़ी चादर के समान चारों कोनों से लटकता हुआ पृथिवी की ओर उतर रहा है, जिस में पृथिवी के सब प्रकार के चौपाए और रेंगनेवाले जन्तु और आकाश के पक्षी थे।

और उसे एक ऐसा शब्द सुनाई दिया कि हे पतरस उठ मार और खा। पतरस ने कहा नहीं प्रभु नहीं क्योंकि मैं ने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु नहीं खाई। फिर दूसरी बार उसे शब्द सुनाई दिया कि जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है उसे तू अशुद्ध मत कह। तीन बार ऐसा ही हुआ तब तुरन्त वह पात्र आकाश पर उठा लिया गया।

जब पतरस अपने मन में दुबधा कर रहा था कि यह दर्शन क्या है तो देखो वे मनुष्य जिन्हें कुरनेलियुस ने भेजा था डेवढ़ी पर आ खड़े हुए। और पूछने लगे क्या पतरस यहीं पाहुन है। पतरस तो उस दर्शन पर सोच ही रहा था कि आत्मा ने उस से कहा देख तीन मनुष्य तेरी खोज में हैं। सो उठकर नीचे जा और बेखटके उन के साथ हो ले क्योंकि मैं ही ने उन्हें भेजा है। तब पतरस ने

उतरकर उन मनुष्यों से कहा देखो जिस की खोज तुम कर रहे हो वह मैं ही हूं तुम्हारे आने का क्या कारण है। उन्हों ने कहा कुरनेलियुस सूबेदार जो धर्मी और परमेश्वर से डरनेवाला और सारी यहूदी जाति में सुनामी मनुष्य है उस ने एक पवित्र स्वर्गदूत से यह चितावनी पाई है कि तुझे अपने घर बुलाकर तुझ से बचन सुने। तब उस ने उन्हें भीतर बुलाकर उन की पहुनाई की।

कुरनेलियुस का बपतिस्मा।

(प्रेरितः १०:२४)

और दूसरे दिन वह उन के साथ गया और याफा के भाइयों में से कई उस के साथ हो लिये। दूसरे दिन वे कैसरिया में पहुंचे और कुरनेलियुस अपने कुटुम्बियों और प्रिय मित्रों को इकट्ठे करके उन की बाट जोह रहा था। जब पतरस भीतर आ रहा था तो कुरनेलियुस ने उस से भेंट की और पांवों पड़के प्रणाम किया। परन्तु पतरस ने उसे उठाकर कहा खड़ा हो मैं भी तो मनुष्य हूं। और उस के साथ बातचीत करता हुआ भीतर गया और बहुत से लोगों को इकट्ठे देखकर, उन से कहा तुम जानते हो कि अन्यजाति के यहां जाना यहूदी के लिये अधर्म है परन्तु परमेश्वर ने मुझे बताया है कि किसी मनुष्य को अपवित्र या अशुद्ध न कहूं। इसी लिये मैं जब बुलाया गया तो बिना कुछ कहे चला आया सो मैं पूछता हूं कि मुझे किस काम के लिये बुलाया है।

कुरनेलियुस ने कहा कि इस घड़ी पूरे चार दिन हुए कि मैं अपने घर में तीसरे पहर को प्रार्थना कर रहा था कि देखो एक पुरुष चमकता वस्त्र पहिने हुए मेरे सामने आ खड़ा हुआ। और कहने लगा हे कुरनेलियुस तेरी प्रार्थना सुन ली गई और तेरे दान परमेश्वर के सामने स्मरण किये गए हैं। इस लिये किसी को याफा भेज कर पतरस को बुला। वह समुद्र के किनारे शमौन चमड़े के धन्धा करनेवाले के घर में पाहुन है। तब मैं ने तुरन्त तेरे पास लोग भेजे और तू ने भला किया जो आ गया। अब हम सब यहां परमेश्वर के सामने हैं इस लिये कि जो कुछ परमेश्वर ने तुझ से कहा है उसे सुनें।

तब पतरस ने मुंह खोलकर कहा, अब मुझे निश्चय हुआ कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता, बरन हर जाति में जो उस से डरता और धर्म के काम करता है वह उसे भाता है।

पतरस ये बातें कह ही रहा था कि पवित्र आत्मा बचन के सब सुननेवालों पर उतर आया। और जितने बिश्वासी पतरस के साथ आए थे चकित हुए कि अन्यजातियों पर भी पवित्र आत्मा का दान उंडेला गया है। और उस ने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिसमा दिया जाए। तब उन्हों ने उस से बिनती की कि कुछ दिन हमारे साथ रह।

चेले मसीही कहलाते हैं।

(प्रेरितः ११:१९)

सो जो लोग उस के क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था तित्तर बित्तर हो गए थे वे फिरते फिरते फोनीके और कुप्रुस और अन्ताकिया में पहुंचे पर यहूदियों को छोड़ किसी और को बचन न सुनाते थे। पर उन में से कितने कुप्रुसी और कुरेनी थे जो अन्ताकिया में आकर यूनानियों को भी प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और प्रभु का हाथ उन पर था और बहुत लोग बिश्वास करके प्रभु की ओर फिरे।

तब उन की चरचा यरूशलेम की मण्डली के सुनने में आई और उन्हों ने बरनबा को अन्ताकिया भेजा। वह वहां पहुंचकर और परमेश्वर के अनुग्रह को देखकर आनन्दित हुआ और सब को उपदेश दिया कि जी लगाकर प्रभु से लिपटे रहो। क्योंकि वह भला मनुष्य था और पवित्र आत्मा और बिश्वास से भरपूर था और बहुत लोग प्रभु में आ मिले।

तब वह शाऊल को ढूंढ़ने के लिये तरसुस को गया। और जब वह मिल गया तो उसे अन्ताकिया में लाया और वे बरस भर तक मण्डली के साथ मिलते रहे और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे और चेले सब से पहिले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाये।

पतरस जंजीरों से बांधा जाता है।

(प्रेरितः १२)

उस समय हेरोदेस राजा ने मंडली के कई एक जनों को दुख देने के लिये उन पर हाथ डाले। उस ने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा डाला। और जब उस ने देखा कि यहूदी लोग इस से आनन्दित होते हैं तो उस ने पतरस को भी पकड़ लिया। और उस ने उसे पकड़ के जेलखाने में डाला और रखवाली के लिये चार चार सिपाहियों के चार पहरों में रक्खा इस मनसा से कि फसह के पीछे उसे लोगों के सामने लाए। सो जेलखाने में पतरस की रखवाली हो रही थी पर मण्डली उस के लिये लौ लगाकर परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी।

और जब हेरोदेस उसे उन के सामने लाने को था तो उसी रात पतरस दो जंजीरों से बंधा हुआ दो सिपाहियों के बीच में सो रहा था और पहरुए द्वार पर जेलखाने की रखवाली कर रहे थे। तो देखो प्रभु का एक स्वर्गदूत आ खड़ा हुआ और उस कोठरी में ज्योति चमकी और उस ने पतरस की पसली पर हाथ मारके उसे जगाया और कहा उठ फुरती कर और उस के हाथों से जंजीरें खुलकर गिर पड़ीं। तब स्वर्गदूत ने उस से कहा कमर बांध और अपने जूते पहिन ले। उस ने वैसा ही किया फिर उस ने उस से कहा अपना वस्त्र पहिनकर मेरे पीछे हो ले। वह निकलकर उस के पीछे हो लिया पर यह न जानता था कि जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है वह सच्चा है बरन यह समझा कि मैं दर्शन देख रहा हूं। तब वे पहिले और दूसरे पहरे से निकलकर उस लोहे के फाटक पर पहुंचे जो नगर की ओर है वह उन के लिये खुल गया सो वे निकलकर एक ही गली होकर गये इतने में स्वर्गदूत उसे छोड़कर चला गया।

फाटक पर खटखटाने वाला।

(प्रेरितः १२:११)

तब पतरस ने सचेत होकर कहा अब मैंने सच जान लिया कि प्रभु ने अपना स्वर्गदूत भेजकर मुझे हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया और यह सोचकर वह यूहन्ना की माता मरयम के घर आया वहां बहुत लोग इकट्ठे होकर प्रार्थना कर रहे थे।

जब उस ने फाटक की खिड़की खटखटाई तो रुदे नाम एक दासी सुनने को आई। और पतरस का शब्द पहचानकर उस ने आनन्द के मारे फाटक न खोला पर दौड़कर भीतर गई और बताया कि पतरस द्वार पर खड़ा है। उन्हों ने उस से कहा तू पागल है पर वह दृढ़ता से बोली कि ऐसा ही है तब उन्हों ने कहा उस का स्वर्गदूत होगा। पर पतरस खटखटाता ही रहा सो उन्हों ने खिड़की खोली और उसे देखकर चकित हो गये। तब उस ने उन्हें हाथ से सैन किया कि चुप रहें और उन को बताया कि प्रभु किस रीति से मुझे जेलखाने से निकाल लाया। फिर कहा कि भाइयों को यह बात कह देना तब निकलकर दूसरी जगह चला गया।

बिहान हुए सिपाहियों में बड़ी हलचल होने लगी कि पतरस क्या हुआ। जब हेरोदेस ने उस की खोज की और न पाया तो पहरुओं की जांच करके आज्ञा की कि वे मार डाले जाएं।

पौलुस अन्ताकिया में लोगों से बातें करता।

(प्रेरितः १३)

तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है अन्ताकिया में पहुंचा और विश्राम के दिन सभा में जाकर बैठ गया। और व्यवस्था और नबियों की पुस्तक से पढ़ने के पीछे सभा के सरदारों ने उन के पास कहला भेजा कि हे भाइयो यदि लोगों के

उपदेश के लिये तुम्हारे मन में कोई बात हो तो कहो।

तब पौलुस ने खड़े होकर और हाथ से सैन करके कहा, हे इस्राएलियो और परमेश्वर से डरने वालो सुनो। इन इस्राएली लोगों के परमेश्वर ने हमारे बापदादों को चुन लिया और जब ये लोग मिसर देश में परदेशी होकर रहते थे तो उन की उन्नति की और बलवन्त भुजा से निकाल लाया। और वह कोई चालीस बरस तक जंगल में उन की सहता रहा। और कनान देश में सात जातियों का नाश करके उन का देश कोई साढ़े चार सौ बरस में इन की मीरास में कर दिया। इस के पीछे उस ने शमुएल नबी तक उन में न्यायी ठहराए।

उस के पीछे परमेश्वर ने दाऊद को उन का राजा बनाया इसी के बंश में से परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार इस्राएल के पास एक उद्धारकर्त्ता अर्थात यीशु को भेजा। हे भाइयो तुम जो इब्राहीम के सन्तान हो और तुम जो परमेश्वर से डरते हो तुम्हारे पास इस उद्धार का बचन भेजा गया है। क्योंकि यरूशलेम के रहने वालों और उनके सरदारों ने मार डालने योग्य कोई दोष उस में न पाया तौभी पीलातुस से बिनती की कि वह मार डाला जाए। और जब उन्हों ने उस के विषय में लिखी हुई सब बातें पूरी कीं तो उसे काठ पर से उतारकर कबर में रक्खा।

परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। और वह उन्हें जो उस के साथ गलील से यरूशलेम आये थे बहुत दिनों तक दिखाई देता रहा लोगों के सामने अब वे ही उस के गवाह हैं। और हम तुम्हें उस प्रतिज्ञा के विषय में जो बापदादों से की गई थी यह सुसमाचार सुनाते हैं, कि परमेश्वर ने यीशु को जिलाकर वही प्रतिज्ञा हमारे सन्तान के लिये पूरी की।

इस लिये हे भाइयो तुम जानो कि इसी के द्वारा पापों की क्षमा का समाचार तुम्हें दिया जाता है। और जिन बातों से तुम मूसा की व्यवस्था के द्वारा निर्दोष न ठहर सकते थे उन्हीं सब से हर एक विश्वास करने वाला उस के द्वारा निर्दोष ठहरता है। इस लिये चौकस रहो ऐसा न हो कि जो नबियों की पुस्तक में आया है तुम पर आ पड़े, कि हे निन्दा करने वालो देखो और चकित हो।

पौलुस का नगर से निकाला जाना।

(प्रेरितः १३:४२)

उन के बाहर निकलते समय लोग उन से बिनती करने लगे कि अगले बिश्राम के दिन हमें ये बातें सुनाई जाएं। अगले बिश्राम के दिन नगर के प्रायः सब लोग सुनने को इकट्ठे हो गये।

पर यहूदी भीड़ को देखकर डाह से भर गये और निन्दा करते हुए पौलुस की बातों के विरोध में बोलने लगे। तब पौलुस और बरनबा ने निडर होकर कहा अवश्य था कि परमेश्वर का बचन पहिले तुम्हें सुनाया जाता पर जब कि तुम उसे दूर करते हो और अपने को अनन्त जीवन के योग्य नहीं ठहराते तो देखो हम अन्य जातियों की ओर फिरते हैं। क्योंकि प्रभु ने हमें यह आज्ञा दी है कि मैं ने तुझे अन्य जातियों के लिये ज्योति ठहराया है कि तू पृथिवी की छोर तक उद्धार का द्वार हो।

यह सुनकर अन्य जाति आनन्दित हुए और परमेश्वर के बचन की बड़ाई करने लगे। तब प्रभु का बचन उस सारे देश में फैलने लगा। पर यहूदियों ने भक्त और कुलीन स्त्रियों को और नगर के बड़े लोगों को उसकाया और पौलुस और बरनबा पर उपद्रव करवाकर उन्हें अपने सिवानों से निकाल दिया।

तब वे उन के सामने अपने पांवों की धूल झाड़कर इकुनियुम को गये। और चेले आनन्द से भरपूर होते रहे। इकुनियुम में वे सभा में साथ साथ गये और ऐसी बातें कीं कि यहूदियों और यूनानियों दोनों में से बहुतों ने बिश्वास किया। पर न मानने वाले यहूदियों ने अन्यजातियों के मन भाइयों के विरोध में उसकाये और बुरे कर दिये। सो वे बहुत दिन वहां रहे और प्रभु के भरोसे पर हियाव से बातें करते थे और नगर के लोगों में फूट पड़ गई

थी पर जब अन्यजाति और यहूदी उन का अपमान और उन्हें पत्थरवाह करने को उन पर दौड़े। तो वे जान गए और लुस्त्रा में और आसपास के देश में भाग गये। और वहां सुसमाचार सुनाने लगे।

लुस्त्रा के लोगों की पुकार।

(प्रेरितः १४:८)

लुस्त्रा में एक मनुष्य बैठा था जो पांवों का निर्बल था वह लंगड़ा था और कभी न चला था। वह पौलुस को बातें करते सुन रहा था और इस ने उस की ओर टकटकी लगाकर देखा कि इस को चंगे हो जाने का बिश्वास है। और ऊंचे शब्द से कहा अपने पांवों के बल सीधा खड़ा हो। तब वह उछलकर चलने फिरने लगा।

लोगों ने पौलुस का यह काम देखकर ऊंचे शब्द से कहा देवता मनुष्यों के रूप में होकर हमारे पास उतर आये हैं।

और उन्हों ने बरनबा को ज्यूस और पौलुस को हिरमेस कहा क्योंकि यह बातें करने में मुख्य था। और ज्यूस के उस मन्दिर का पुजारी जो उन के नगर के सामने था बैल और फूलों के हार फाटकों पर लाकर लोगों के साथ बलिदान किया चाहता था। पर बरनबा और पौलुस प्रेरितों ने जब सुना तो अपने कपड़े फाड़े और भीड़ में लपक गये और पुकार कर कहने लगे। हे लोगो क्या करते हो। हम भी तो तुम्हारे समान दुख सुख भोगी मनुष्य हैं और तुम्हें सुसमाचार सुनाते हैं कि तुम इन व्यर्थ वस्तुओं से अलग होकर जीवते परमेश्वर की ओर फिरो जिसने स्वर्ग और पृथिवी और समुद्र और जो कुछ उन में है बनाया। उस ने बीते समयों में सब जातियों को अपने अपने मार्गों में चलने दिया। तौभी उस ने अपने आप को बिना गवाही नहीं छोड़ा कि वह आकाश से वर्षा और फलवन्त ऋतु देकर तुम्हारे मन को भोजन और आनन्द से भरता रहा।

यह कहकर उन्हों ने लोगों को कठिनता से रोका कि उन के लिये बलिदान न करें।

पर कितने यहूदियों ने अन्ताकिया और इकुनियुस से आकर लोगों को अपनी ओर कर लिया और पौलुस को पत्थरवाह किया और मरा समझकर उसे नगर के बाहर घसीट ले गए। पर जब चेले उस के चारों ओर आ खड़े हुए तो वह उठकर नगर में गया और दूसरे दिन बरनबा के साथ चला गया।

पौलुस और बरनबा का अलग अलग हो जाना।

(प्रेरितः १५:३६,१६)

कुछ दिन पीछे पौलुस ने बरनबा से कहा कि जिन जिन नगरों में हम ने प्रभु का बचन सुनाया था आओ फिर उन में चलकर अपने भाइयों को देखें कि कैसे हैं। तब बरनबा ने यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है साथ लेने का बिचार किया। पर पौलुस ने उसे साथ ले जाना अच्छा न समझा। सो ऐसा टंटा हुआ कि वे एक दूसरे से अलग हो गए और बरनबा मरकुस को लेकर जहाज़ पर कुप्रुस को चला गया। पर पौलुस ने सीलास को चुन लिया और मण्डलियों को स्थिर करता हुआ सूरिया और किलिकिया से होते हुए निकला।

और पौलुस ने रात को एक दर्शन देखा कि एक मकिदुनी पुरुष खड़ा हुआ उस से बिनती करके कहता है कि पार उतरकर मकिदुनिया में आ और हमारी सहायता कर। उस के यह दर्शन देखते ही हम ने तुरन्त मकिदुनिया जाना चाहा यह समझकर कि परमेश्वर ने हमें बुलाया है। सो हम फिलिप्पी में पहुंचे जो मकिदुनिया प्रान्त का मुख्य नगर है। और हम उस नगर में कुछ दिन रहे।

बिश्राम के दिन हम नगर के फाटक के बाहर नदी के किनारे यह समझकर गए कि वहां प्रार्थना करने की जगह होगी और बैठकर उन स्त्रियों से जो इकट्ठी हुई थीं बातें करने लगे।

और लुदिया नाम बैंजनी कपड़े बेचनेवाली एक भक्त स्त्री सुनती थी और प्रभु ने उस का मन खोला

और जब उस ने अपने घराने समेत बपतिसमा लिया तो उस ने बिनती की कि यदि तुम मुझे प्रभु की बिश्वासिनी समझते हो तो चलकर मेरे घर में रहो और वह हमें मनाकर ले गई ।

पौलुस जेलखाने में डाला जाता है ।

(प्रेरित: १६:१६)

जब हम प्रार्थना करने की जगह जा रहे थे तो हमें एक दासी मिली जिस में भावी कहने वाला आत्मा था और भावी कहने से अपने स्वामियों के लिये बहुत कुछ कमा लाती थी । वह पौलुस के पीछे आकर चिल्लाने लगी कि ये मनुष्य परम प्रधान परमेश्वर के दास हैं जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं । वह बहुत दिन तक ऐसा ही करती रही पर पौलुस दुखित हुआ और मुंह फेरकर उस आत्मा से कहा मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूं कि उस में से निकल जा और वह उसी घड़ी निकल गया ।

जब उस के स्वामियों ने देखा कि हमारी कमाई की आशा जाती रही तो पौलुस और सीलास को पकड़के चौक में प्रधानों के पास खींच ले गए । और उन्हें फौजदारी के हाकिमों के पास ले जाकर कहा ये लोग जो यहूदी हैं हमारे नगर में बड़ी खलबली डाल रहे हैं । और ऐसे व्यवहार बता रहे हैं । जिन्हें मानना हम रोमियों के लिये ठीक नहीं । तब भीड़ के लोग उन के विरोध में इकट्ठे चढ़ आए और हाकिमों ने उन के कपड़े फाड़कर उतार डाले और उन्हें बेत मारने की आज्ञा दी ।

और बहुत बेत लगवाकर उन्हें जेलखाने में भीतर की कोठरी में डाला और उन के पांव काठ में ठोंक दिये ।

रात को जेलखाना हिल गया ।

(प्रेरित: १६:२५)

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे और बन्धुए उन की सुन रहे थे, कि इतने में एकाएक बड़ा भुईंडोल हुआ यहां तक कि जेलखाने की नेव हिल गई और तुरन्त सब द्वार खुल गए और सब के बन्धन खुल पड़े ।

और दारोगा जाग उठा और जेलखाने के द्वार खुले देखकर समझा कि बन्धुए भाग गए सो तलवार खींचकर अपने आप को मार डालना चाहा पर पौलुस ने ऊंचे शब्द से पुकारकर कहा अपने आप को कुछ हानि न पहुंचा क्योंकि हम सब यहां हैं । तब वह दिया मंगाकर भीतर लपक गया और कांपता हुआ पौलुस और सीलास के आगे गिरा । और उन्हें बाहर लाकर कहा हे साहिबो उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूं । उन्हों ने कहा प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा ।

और रात को उसी घड़ी उस ने उन्हें ले जाकर उन के घाव धोए और उस ने अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिसमा लिया । और उस ने उन्हें अपने घर में ले जाकर उन के आगे भोजन रक्खा और सारे घराने समेत परमेश्वर पर बिश्वास करके आनन्द किया ।

बिहान हुए हाकिमों ने प्यादों के हाथ कहला भेजा कि उन मनुष्यों को छोड़ दो । दारोगा ने ये बातें पौलुस से कह सुनाईं कि हाकिमों ने तुम्हारे छोड़ देने की आज्ञा भेज दी है सो अब निकलकर कुशल से चले जाओ । पर पौलुस ने उन से कहा उन्हों ने हमें जो रोमी मनुष्य हैं दोषी ठहराए बिना लोगों के सामने मारा और जेलखाने में डाला और अब क्या हमें चुपके से निकाल देते हैं । सो नहीं पर आप आकर हमें बाहर ले जाएं ।

प्यादों ने ये बातें हाकिमों से कह दीं और वे यह सुनकर कि रोमी हैं डर गए । और आकर

उन्हें मनाया और बाहर ले जाकर बिनती की कि नगर से चले जाएं। वे जेलखाने से निकलकर लुदिया के यहां गए और भाइयों से भेंट करके उन्हें शान्ति दी और चले गए।

सुसमाचार का अथेने तक पहुंचाया जाना।

(प्रेरितः १७)

फिर वे थिस्सलुनीके में आए जहां यहूदियों की सभा थी। और पौलुस अपनी रीति पर उन के पास गया और तीन बिश्राम के दिन पवित्र शास्त्रों से उन के साथ बिवाद किया। उन में से कितनों ने और भक्त यूनानियों में से बहुतेरों और बहुत सी कुलीन स्त्रियों ने मान लिया और पौलुस और सीलास के साथ मिल गए। पर यहूदियों ने डाह से भरकर बाजारू लोगों में से कई दुष्ट मनुष्यों को अपने साथ लिया और भीड़ लगाकर नगर में हुल्लड़ मचाने लगे। भाइयों ने तुरन्त रात ही रात पौलुस और सीलास को बिरीया में भेज दिया। और वे वहां पहुंचकर यहूदियों की सभा में गए।

ये लोग तो थिस्सलुनीके वालों से उदार थे और उन्हों ने बड़ी लालसा से बचन ग्रहण किया और दिन दिन पवित्र शास्त्रों में ढूंढ़ते रहे सो उन में से बहुतों ने और यूनानी कुलीन स्त्रियों में से और पुरुषों में से बहुतेरों ने बिश्वास किया। पर थिस्सलुनीके के यहूदी वहां भी आकर लोगों को उसकाने लगे। तब भाई तुरन्त पौलुस को अथेने तक ले गए।

पौलुस अथेने में लोगों को प्रचार करता है।

(प्रेरितः १७:१६)

जब पौलुस अथेने में उन की बाट जोह रहा था तो नगर को मूरतों से भरा हुआ देखकर उस का जी जल गया। सो वह सभा में यहूदियों और भक्तों से और चौक में जो लोग मिलते थे उन से हर दिन बिवाद किया करता था।

तब इपिकूरी और स्तोईकी पण्डितों में से कितने उस से तर्क करने लगे और कितनों ने कहा यह बकवादी क्या कहना चाहता है पर औरों ने कहा वह ऊपरी देवताओं का प्रचारक देख पड़ता है। तब वे उसे अपने साथ अरियुपगुस पर ले गए और पूछा क्या हम जान सकते हैं कि यह नया मत जो तू सुनाता है क्या है। क्योंकि तू अनोखी बातें हमें सुनाता है सो हम जानना चाहते हैं कि इन का अर्थ क्या है। (इस लिये कि सब अथेनवी और परदेशी जो वहां रहते थे नई नई बातें कहना सुनना छोड़ और किसी काम में समय न बिताते थे)।

तब पौलुस ने अरियुपगुस के बीच में खड़ा होकर कहा,

हे अथेने के लोगो मैं देखता हूं कि तुम हर बात में देवताओं के बड़े माननेवाले हो। क्योंकि मैं फिरते हुए तुम्हारी पूजने की वस्तुओं को देखता था तब एक ऐसी वेदी भी पाई जिस पर लिखा था अनजाने ईश्वर के लिये। सो जिसे तुम बिन जाने पूजते हो मैं तुम्हें उसी की कथा सुनाता हूं। जिस परमेश्वर ने जगत और उस की सब वस्तुओं को बनाया वह स्वर्ग और पृथिवी का स्वामी होकर हाथ के बनाए हुए मन्दिरों में नहीं रहता, न किसी वस्तु का प्रयोजन रखकर मनुष्यों के हाथों की सेवा लेता है क्योंकि वह तो आप ही सब को जीवन और स्वास और सब कुछ देता है। उस ने एक ही से मनुष्यों की सब जातियां सारी पृथ्वी पर रहने के लिये बनाई हैं कि वे परमेश्वर को ढूंढ़ें क्या जाने उसे पाएं तौभी वह हम में से किसी से दूर नहीं। क्योंकि

हम उसी में जीते और चलते फिरते और बने रहते हैं जैसे तुम्हारे कितने कवियों ने भी कहा है कि हम तो उस के वंश हैं।

सो परमेश्वर के वंश होकर हमें यह समझना उचित नहीं कि ईश्वरत्व सोने या रूपे या पत्थर के समान है जो मनुष्य की कारीगरी और कल्पना से गढ़े गए हों। इस लिये परमेश्वर अज्ञानता के समयों से आनाकानी करके अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है। क्योंकि उस ने एक दिन ठहराया है जिस में वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत का न्याय करेगा जिसे उस ने ठहराया है और उसे मरे हुओं में से जिला कर यह बात सब को निश्चय करा दी है।

मरे हुओं के पुनरुत्थान की बात सुनकर कितने तो ठट्ठा करने लगे और कितनों ने कहा यह बात हम तुझ से फिर कभी सुनेंगे। इस पर पौलुस उन के बीच में से निकल गया। पर कई एक मनुष्य उस से मिल गए और बिश्वास किया।

पचास हजार रुपये।

(प्रेरित: १८, १९)

इस के पीछे पौलुस अथेने को छोड़कर कुरिन्थुस में आया। और वहां अक्विला नाम एक यहूदी मिला जो अपनी पत्नी प्रिसकिल्ला समेत इतालिया से नया आया था इस लिये कि क्लौदियुस ने सब यहूदियों को रोम से निकल जाने की आज्ञा दी थी। और उस का और उन का एक ही उद्यम था इस लिये वह उन के साथ रहा और वे काम करने लगे और उन का उद्यम तम्बू बनाने का था।

और वह हर एक बिश्राम के दिन सभा में विवाद करके यहूदियों और यूनानियों को भी समझाता था। पर जब वे विरोध और निन्दा करने लगे तो उस ने अपने कपड़े झाड़कर उन से कहा तुम्हारा लोहू तुम्हारे ही सिर पर रहे। अब से मैं अन्य जातियों के पास जाऊंगा। और वहां से चलकर वह तितुस युस्तुस नाम परमेश्वर के एक भक्त के घर में आया जिस का घर सभा के घर से लगा हुआ था। तब सभा के सरदार क्रिसपुस ने अपने सारे घराने समेत प्रभु पर बिश्वास किया और बहुत से कुरिन्थी सुनकर बिश्वास करते और बपतिसमा लेते थे।

और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा मत डर बरन कहे जा और चुप मत रह। क्योंकि मैं तेरे साथ हूं और कोई तुझ पर चढ़ाई करके हानि न करेगा क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं। सो वह उन में परमेश्वर का बचन सिखाते हुए डेढ़ बरस रहा। और जिन्हों ने बिश्वास किया था उन में से बहुतेरों ने आकर अपने अपने काम मान लिए और बतलाए। और जादू करनेवालों में से बहुतों ने अपनी अपनी पोथियां इकट्ठी करके सब के सामने जला दीं और जब उन का दाम जोड़ा गया तो पचास हजार रुपये की निकलीं। यों प्रभु का बचन बल पाकर फैलता और प्रबल होता गया।

जब ये बातें हो चुकीं तो पौलुस ने आत्मा में ठाना कि मकिदुनिया और अखाया से होकर यरूशलेम को जाऊं और कहा कि वहां जाने के पीछे मुझे रोमा को भी देखना चाहिए। सो उस की सेवा करनेवालों में से तीमुथियुस और इरास्तुस को मकिदुनिया में भेजकर आप कुछ दिन आसिया में रह गया।

देमेत्रियुस सुनार।

(प्रेरित: १९:२३)

उस समय उस पन्थ के विषय में बड़ा हुल्लड़ हुआ। क्योंकि देमेत्रियुस नाम एक सुनार अरतिमिस के मन्दिर की चांदी की मूरतें बनाने से कारीगरों को बहुत काम दिलाता था। उस ने उन को और और ऐसी वस्तुओं के कारीगरों को इकट्ठे करके कहा हे मनुष्यो तुम जानते हो कि इस काम से हमारी कमाई होती है। और तुम देखते और सुनते हो कि केवल इफिसुस ही में नहीं बरन प्रायः सारे आसिया में यह कह कहकर इस पौलुस ने

बहुत लोगों को समझाया और भरमाया भी है कि जो हाथ से बनाए जाते हैं वे ईश्वर नहीं। और केवल यह डर नहीं कि हमारे उस धन्धे का मान जाता रहेगा बरन यह भी कि बड़ी देवी अरतिमिस का मन्दिर तुच्छ समझा जाएगा और जिसे सारा आसिया और जगत पूजता है उस की प्रतिष्ठा जाती रहेगी।

वे यह सुनकर क्रोध से भर गए और चिल्ला चिल्लाकर कहने लगे इफिसियों की अरतिमिस महान है। और सारे नगर में बड़ी हलचल मच गई और लोगों ने गयुस और अरिस्तरखुस को जो पौलुस के संगी यात्री थे पकड़ लिया और एकचित्त होकर रंगशाला में दौड़ गए।

जब पौलुस ने लोगों के पास भीतर जाना चाहा तो चेलों ने उसे जाने न दिया। उस के कई मित्रों ने उस के पास कहला भेजा और बिनती की कि रंगशाला में जाकर जोखिम न उठाना। सो कोई कुछ चिल्लाया और कोई कुछ क्योंकि सभा में गड़बड़ हो रही थी और बहुत लोग जानते भी न थे कि हम किस लिये इकट्ठे हुए हैं। तब उन्हों ने सिकन्दर को जिसे यहूदियों ने खड़ा किया था भीड़ में से आगे बढ़ाया और सिकन्दर हाथ से सैन करके लोगों के सामने उत्तर दिया चाहता था। पर जब उन्हों ने जाना कि यह यहूदी है तो सब के सब एक शब्द से कोई दो घंटे तक चिल्लाते रहे कि इफिसियों की अरतिमिस महान है।

इफिसुस का मन्त्री।

(प्रेरित: १९:३५, ४०)

तब नगर के मन्त्री ने लोगों को शान्त करके कहा हे इफिसियो कौन नहीं जानता कि इफिसियों का नगर बड़ी देवी अरतिमिस के मन्दिर और ज्यूस की ओर से गिरी हुई मूरत का टहलुआ है सो जब कि इन बातों का खण्डन नहीं हो सकता तो उचित है कि तुम चुपके रहो और बिना सोचे कुछ न करो। क्योंकि तुम इन मनुष्यों को लाए हो जो न मन्दिर के लूटनेवाले और न हमारी देवी के निन्दक हैं।

यदि देमेत्रियुस और उस के साथी कारीगरों को किसी से विवाद हो तो कचहरी खुली हैं और हाकिम भी हैं वे एक दूसरे पर नालिश करें।

पर यदि तुम किसी और बात के विषय में कुछ पूछना चाहते हो तो नियत सभा में फैसला किया जाएगा। क्योंकि आज के बलवे के कारण हम पर दोष लगाए जाने का डर है इस लिये कि इस का कोई कारण नहीं सो हम इस भीड़ होने का उत्तर न दे सकेंगे।

और यह कहके उस ने सभा को बिदा किया।

जब हुल्लड़ थम गया तो पौलुस ने चेलों को बुलवाकर उन से बिदा होकर मकिदुनिया की ओर चल दिया और यूनान में आया। जब तीन महीने रहकर जहाज़ पर सूरिया जाने पर था तो यहूदी उस की घात में लगे इस लिये उस ने मकिदुनिया होकर लौट जाने को ठाना। और हम फिलिप्पी से जहाज़ पर चलकर त्रोआस में पहुंचे और सात दिन वहीं रहे।

अठवारे के पहिले दिन जब हम रोटी तोड़ने के लिये इकट्ठे हुए तो पौलुस ने जो दूसरे दिन चले जाने पर था उन से बातें कीं और आधी रात तक बातें करता रहा। जिस अटारी पर हम इकट्ठे थे उस में बहुत दिये जल रहे थे।

पौलुस का भाइयों से बिदा होना।

(प्रेरित: २०:१६)

पौलुस ने इफिसुस को एक ओर छोड़कर जाने को ठाना था ऐसा न हो कि उसे आसिया में देर लगे क्योंकि वह जल्दी करता था कि यदि हो सके तो उसे पिन्तेकुस्त का दिन यरूशलेम में हो।

और उस ने मीलेतुस से इफिसुस में कहला भेजा और मण्डली के प्राचीनों को बुलवाया। जब वे उस के पास आए तो उन से कहा।

तुम जानते हो कि पहिले ही दिन से जब मैं आसिया में पहुंचा मैं हर समय तुम्हारे साथ कैसा रहा। कि बड़ी दीनता से और आंसू बहा बहाकर और उन परीक्षाओं में जो यहूदियों की घात में लगे रहने से मुझ पर आ पड़ीं मैं प्रभु की सेवा करता रहा। और जो जो बातें तुम्हारे लाभ की थीं उन को बताने और लोगों के सामने और घर घर सिखाने से कभी न झिझका। बरन यहूदियों और यूनानियों के सामने गवाही देता रहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराना और हमारे प्रभु यीशु मसीह पर बिश्वास करना चाहिए।

और अब देखो मैं आत्मा में बंधा हुआ यरूशलेम जाता हूं और नहीं जानता कि वहां मुझ पर क्या क्या बीतेगा। केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही दे देकर मुझ से कहता है कि बंधन और क्लेश तेरे लिये तैयार हैं।

पर मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि मानो वह मुझे प्रिय है कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवकाई को पूरा करूं जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने को प्रभु यीशु से पाई है। और अब देखो मैं जानता हूं कि तुम सब जिन में मैं परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता फिरा मेरा मुंह फिर न देखोगे। इस लिये मैं आज के दिन तुम से गवाही देकर कहता हूं कि मैं सब के लोहू से निर्दोष हूं। क्योंकि मैं परमेश्वर की सारी मनसा तुम्हें पूरी रीति से बताने से न झिझका।

सो अपनी और सारे झुंड की चौकसी करो जिस में पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो जिसे उस ने अपने लोहू से मोल लिया है। मैं जानता हूं कि मेरे जाने के पीछे फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएंगे जो झुंड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे मनुष्य उठेंगे जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी बातें कहेंगे। इस लिये जागते रहो और स्मरण करो कि मैं ने तीन बरस तक रात दिन आंसू बहा बहाकर हर एक को चिताना न छोड़ा।

और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को और उस के अनुग्रह के बचन को सौंप देता हूं जो तुम्हारी उन्नति कर सकता और सब पवित्रों में साझी करके मीरास दे सकता है। मैं ने किसी की चांदी सोने या कपड़े का लालच नहीं किया। तुम आप जानते हो कि इन ही हाथों ने मेरी और मेरे साथियों की जरूरतें पूरी कीं। मैं ने तुम्हें सब करके दिखाया कि इस रीति से परिश्रम करते हुए निर्बलों को सम्भालना और प्रभु यीशु की बातें स्मरण रखना चाहिए कि उसने आपही कहा है लेने से देना धन्य है।

यह कहकर उस ने घुटने टेके और उन सब के साथ प्रार्थना की। तब वे सब बहुत रोए और पौलुस के गले में लिपटकर उसे चूमने लगे। वे विशेष करके इस बात का शोक करते थे जो उस ने कही थी कि तुम मेरा मुंह फिर न देखोगे।

पौलुस का यरूशलेम में पहुंचना।

(प्रेरितः २१)

ताहम सूरिया को चलकर सूर में उतरे क्योंकि वहां जहाज का बोझ उतारना था। और चेलों को पाकर हम वहां सात दिन रहे। जब वे दिन पूरे हो गए तो हम चल दिए और सब ने स्त्रियों और बालकों समेत हमें नगर के बाहर तक पहुंचाया और हम ने किनारे पर घुटने टेककर प्रार्थना की। तब एक दूसरे से बिदा होकर हम तो जहाज पर चढ़े और वे अपने अपने घर लौट गए तब हम सूर से जलयात्रा पूरी करके पतुलिमयिस में पहुंचे और भाइयों को नमस्कार करके उन के साथ एक दिन रहे।

दूसरे दिन हम वहां से चलकर कैसरिया में आये और फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक के घर में जो सातों में एक था जाकर उस के यहां रहे।

जब हम वहां बहुत दिन रह चुके तो अगबुस नाम एक नबी यहूदिया से आया। उस ने पौलुस का पटका लिया और अपने हाथ पांव बांधकर कहा जिस मनुष्य का यह पटका है उस को यरूशलेम में यहूदी इसी रीति से बांधेंगे और अन्य जातियों के हाथ सौंपेंगे। जब ये बातें सुनीं तो हम और वहां के लोगों ने उस से बिनती की कि यरूशलेम को न जाए।

पर पौलुस ने उत्तर दिया कि तुम क्या करते हो कि रो रोकर मेरा मन तोड़ते हो। मैं तो प्रभु यीशु के नाम के लिये यरूशलेम में न केवल बांधे जाने ही के लिये बरन मरने के लिये भी तैयार हूं। जब उस ने न माना तो हम यह कहकर चुप हो गए कि प्रभु की इच्छा पूरी हो उन दिनों के पीछे हम बांध छांध कर यरूशलेम को चल दिए।

जब हम यरूशलेम में पहुंचे तो भाई बड़े आनन्द के साथ हम से मिले। पौलुस हमें लेकर याकूब के पास गया जहां सब प्राचीन इकट्ठे थे। तब उस ने उन्हें नमस्कार करके जो जो काम परमेश्वर ने उस की सेवकाई के द्वारा अन्य जातियों में किये थे एक एक करके बताया। उन्हों ने परमेश्वर की महिमा की।

एक प्रसिद्ध नगर का निवासी।

(प्रेरितः २१:२७)

आसिया के यहूदियों ने पौलुस को मन्दिर में देखकर सब लोगों को उसकाया और यों चिल्लाकर उसको पकड़ लिया, कि हे इस्राएलियो सहायता करो यह वही मनुष्य है जो लोगों के और व्यवस्था के और इस स्थान के विरोध में हर जगह सब लोगों को सिखाता है यहां तक कि यूनानियों को भी मन्दिर में लाकर उस ने इस पवित्र स्थान को अपवित्र किया है।

तब सारे नगर में हल चल पड़ गई और लोग दौड़कर इकट्ठे हुए और पौलुस को पकड़कर मन्दिर के बाहर घसीट लाये और तुरन्त द्वार बन्द किये गए। जब वे उसे मार डालना चाहते थे तो पलटन के सरदार को सन्देश पहुंचा कि सारे यरूशलेम में हुल्लड़ मच रहा है। तब वह तुरन्त सिपाहियों और सूबेदारों को लेकर उन के पास नीचे दौड़ आया और उन्होंने पलटन के सरदार को और सिपाहियों को देखकर पौलुस को पीटने से हाथ उठाया तब पलटन के सरदार ने पास आकर उसे पकड़ लिया और दो जंजीरों से बांधने की आज्ञा देकर पूछने लगा यह कौन है और इस ने क्या किया है। पर भीड़ में कोई कुछ और कोई कुछ चिल्लाते थे और जब हुल्लड़ के मारे ठीक न जान सका तो उसे गढ़ में ले जाने की आज्ञा दी।

जब वे पौलुस को गढ़ में ले जाने पर थे तो उस ने पलटन के सरदार से कहा क्या तुझ से कुछ कह सकता हूं। उस ने कहा क्या तू यूनानी जानता है। क्या तू वह मिसरी नहीं जो इन दिनों से पहिले बलवाई बनाकर चार हजार कटार बन्द लोगों को जङ्गल में ले गया।

पौलुस ने कहा मैं तो तरसुस का यहूदी मनुष्य हूं। किलिकिया के प्रसिद्ध नगर का निवासी हूं और मैं तुझ से बिनती करता हूं कि मुझे लोगों से बातें करने दे।

पौलुस का अपना वर्णन करना।

(प्रेरितः २२)

जब उस ने आज्ञा दी तो पौलुस ने सीढ़ी पर खड़े होकर लोगों को हाथ से सैन किया। जब वे चुप हो गए तो वह इब्रानी भाषा में बोलने लगा कि, हे भाइयो और पितरो मेरा उजर जो मैं अब तुम्हारे सामने करता हूं सुनो।

मैं तो यहूदी मनुष्य हूं जो तरसुस में जन्मा पर इस नगर में गमलीएल के पांवों के पास बैठकर पढ़ाया गया और बाप दादों की व्यवस्था की ठीक रीति पर सिखाया गया और परमेश्वर के लिये ऐसी धुन लगाए था जैसे तुम सब आज लगाए हो। और मैं ने पुरुष और स्त्री दोनों को बांध बांध कर और जेलखानों में डाल डालकर इस पंथ को यहां तक सताया कि उन्हें मरवा भी डाला। इस

बात के महायाजक और सब पुरनिये गवाह हैं कि उन में से मैं भाइयों के नाम पर चिट्ठियां लेकर दमिश्क को चला जा रहा था कि जो वहां हों उन्हें भी ताड़ना पाने को बांधे हुए यरूशलेम में लाऊं।

जब मैं चलते चलते दमिश्क के निकट पहुंचा तो दो पहर के लगभग एकाएक बड़ी ज्योति आकाश से मेरे चारों ओर चमकी। और मैं भूमि पर गिर पड़ा और यह शब्द सुना कि हे शाऊल हे शाऊल तू मुझे क्यों सताता है। मैं ने उत्तर दिया कि हे प्रभु तू कौन है। उस ने मुझ से कहा मैं यीशु नासरी हूं जिसे तू सताता है।

और मेरे साथियों ने ज्योति तो देखी पर जो मुझ से बोलता था उस का शब्द न सुना। तब मैं ने कहा हे प्रभु मैं क्या करूं। प्रभु ने मुझ से कहा उठकर दमिश्क में जा और जो कुछ तेरे करने के लिये ठहराया गया है वहां तुझ से सब कहा जाएगा।

जब उस ज्योति के तेज के मारे मुझे न सूझता था तो मैं अपने साथियों के हाथ पकड़े हुए दमिश्क में आया। और हनन्याह नाम व्यवस्था के अनुसार एक भक्त मनुष्य जो वहां के रहनेवाले सब यहूदियों में सुनामी था मेरे पास आया। और खड़ा होकर मुझ से कहा हे भाई शाऊल देखने लग और उसी घड़ी मैं ने उसे देखा। तब उस ने कहा हमारे बापदादों के परमेश्वर ने तुझे इस लिये ठहराया है कि तू उस की इच्छा को जाने और तू उस की ओर से सब मनुष्यों के सामने उन बातों का गवाह होगा जो तू ने देखी और सुनी हैं।

जब मैं फिर यरूशलेम में आकर मन्दिर में प्रार्थना कर रहा था तो बेसुध हो गया। और उस को देखा कि मुझ से कहता है जल्दी करके यरूशलेम से झट निकल जा क्योंकि वे मेरे विषय में तेरी गवाही न मानेंगे। मैं ने कहा हे प्रभु वे तो आप जानते हैं कि मैं तुझ पर विश्वास करनेवालों को जेलखाने में डालता और जगह जगह सभा में पिटवाता था। और जब तेरे गवाह स्तिफनुस का लोहू बहाया जाता था तो मैं भी वहां खड़ा था और सम्मत था और उस के घातकों के कपड़ों की रखवाली करता था। और उस ने मुझ से कहा चला जा क्योंकि मैं तुझे अन्यजातियों के पास दूर दूर भेजूंगा।

वे इस बात तक उस की सुनते रहे तब ऊंचे शब्द से चिल्लाए कि ऐसे मनुष्य का काम तमाम कर उस का जीता रहना उचित नहीं। जब वे चिल्लाते और कपड़े फेंकते और आकाश में धूल उड़ाते थे। तो पलटन के सूबेदार ने कहा कि कोड़े मारकर जांचो कि मैं जानूं कि लोग किस कारण उस के विरोध में ऐसा चिल्लाते हैं।

जब उन्हों ने उसे तसमों से बांधा तो पौलुस ने उस सूबेदार से जो पास खड़ा था कहा क्या यह उचित है कि तुम एक रोमी मनुष्य को और वह भी बिना दोषी ठहराए हुए कोड़े मारो।

पौलुस का रोमी होने पर घमण्ड।

(प्रेरितः २२:२६,२३)

सूबेदार ने यह सुनकर पलटन के सरदार के पास जाकर कहा तू क्या किया चाहता है यह तो रोमी मनुष्य है। तब पलटन के सरदार ने उस के पास आकर कहा मुझे बता क्या तू रोमी है। उस ने कहा हां। यह सुनकर पलटन के सरदार ने कहा कि मैं ने रोमी होने का पद बहुत रुपये देकर पाया है। पौलुस ने कहा मैं तो जन्म से हूं।

तब जो लोग उसे जांचने पर थे वे तुरन्त उस के पास से हट गए और पलटन का सरदार भी यह जानकर कि यह रोमी है और मैं ने उसे बांधा है डर गया।

दूसरे दिन वह उस के बन्धन खोल दिए और महायाजकों और सारी महासभा को इकट्ठे होने की आज्ञा दी और पौलुस को नीचे ले जाकर उन के सामने खड़ा किया।

पौलुस ने महासभा की ओर टकटकी लगाकर कहा हे भाइयो मैं ने इस दिन तक परमेश्वर के लिये बिलकुल सच्चे विवेक से जीवन बिताया है।

हनन्याह महायाजक ने उन को जो उस के पास खड़े थे उस के मुंह पर थप्पड़ मारने की आज्ञा

दी। तब पौलुस ने उस से कहा हे चूना फेरी हुई भीत परमेश्वर तुझे मारेगा। तू व्यवस्था के अनुसार मेरा न्याय करने को बैठा है और क्या व्यवस्था के विरुद्ध मुझे मारने की आज्ञा देता है।

तब बड़ा हुल्लड़ मचा तो पलटन के सरदार ने इस डर से कि वे पौलुस के टुकड़े टुकड़े न कर डालें पलटन को आज्ञा दी कि उतरकर उस को उन के बीच में से बरबस निकालो और गढ़ में लाओ। उसी रात प्रभु ने उस के पास आ खड़े होकर कहा हे पौलुस ढाढ़स बांध क्योंकि जैसी तू ने यरूशलेम में मेरी गवाही दी वैसी ही तुझे रोम में भी गवाही देनी होगी।

जब दिन हुआ तो यहूदियों ने एका किया कि जब तक हम पौलुस को मार न डालें तब तक खाएं या पीएं तो हम पर धिक्कार। जिन्हों ने आपस में यह किरिया खाई थी वे चालीस जनों के ऊपर थे। उन्हों ने महायाजकों और पुरनियों के पास आकर कहा हम ने यह ठाना है कि जब तक हम पौलुस को मार न डालें तब तक कुछ न चखें। इस लिये अब महासभा समेत पलटन के सरदार को समझाओ कि उसे तुम्हारे पास ले आए मानो तुम उस के विषय में और भी ठीक जांच करना चाहते हो और हम उस के पहुंचने से पहिले ही उसे मार डालने को तैयार रहेंगे।

और पौलुस के भांजे ने सुना कि वे उस की घात में हैं और गढ़ में जाकर पौलुस को सन्देश दिया। पौलुस ने सूबेदारों में से एक को अपने पास बुलाकर कहा इस जवान को पलटन के सरदार के पास ले जा यह उस से कुछ कहना चाहता है। सो उस ने पलटन के सरदार के पास ले गया। पलटन के सरदार ने उस का हाथ पकड़कर और अलग ले जाकर पूछा मुझ से क्या कहना चाहता है। उस ने कहा यहूदियों ने एका किया है कि तुझ से बिनती करें कि कल पौलुस को महासभा में लाए मानो तू और ठीक जांच करना चाहता है। पर उन की न मानना क्योंकि उन में से चालीस से ऊपर मनुष्य उस की घात में हैं जिन्हों ने यह ठाना है कि जब तक हम पौलुस को मार न लें तब तक खाएं पीएं तो हम पर धिक्कार और अब वे तैयार हैं और तेरे बचन की आस देख रहे हैं।

हेरोदेस का किला।

(प्रेरितः २३:२२,२४)

सो पलटन के सरदार ने जवान को यह आज्ञा देकर बिदा किया कि किसी से न कहना कि तू ने मुझ को ये बातें बताईं। और दो सूबेदारों को बुलाकर कहा दो सौ सिपाही सत्तर सवार और दो सौ भालैत पहर रात बीते कैसरिया को जाने के लिये तैयार कर रक्खो। और पौलुस की सवारी के लिये घोड़े तैयार रक्खो कि उसे फेलिक्स हाकिम के पास कुशल से पहुंचा दें। उस ने इस प्रकार की चिट्ठी भी लिखी,

महाप्रतापी फेलिक्स हाकिम को क्लौदियुस लूसियास का नमस्कार। इस मनुष्य को यहूदियों ने पकड़कर मार डालना चाहा पर जब मैं ने जाना कि रोमी है तो पलटन लेकर छुड़ा लाया। और मैं जानना चाहता था कि वे उस पर किस कारण दोष लगाते हैं इस लिये उसे उन की महासभा में ले गया तब मैं ने जान लिया कि वे अपनी व्यवस्था के विवादों के विषय में उस पर दोष लगाते हैं पर मार डाले जाने या बांधे जाने के योग्य उस में कोई दोष नहीं। और जब मुझे बताया गया कि वे इस मनुष्य की घात में लगेंगे तो मैं ने तुरन्त उस को तेरे पास भेज दिया और मुद्दइयों को भी आज्ञा दी कि तेरे सामने उस पर नालिश करें।

सो जैसे सिपाहियों को आज्ञा दी गई थी वैसे ही पौलुस को लेकर रातों रात अन्तिपत्रिस में लाये। दूसरे दिन वे सवारों को उस के साथ जाने के लिये छोड़कर आप गढ़ को लौटे। उन्हों ने कैसरिया में पहुंचकर हाकिम को चिट्ठी दी और पौलुस को भी उस के सामने खड़ा किया। उस ने पढ़कर पूछा यह किस देश का है और जब जाना कि किलिकिया का है, तो उस से कहा जब तेरे मुद्दई भी आएंगे तो मैं तेरा मुकद्दमा करूंगा।

और उस ने उसे हेरोदेस के किले में पहरे में रखने की आज्ञा दी।

पांच दिन के पीछे हनन्याह महायाजक कितने पुरनियों और तिरतुल्लुस नाम किसी वकील को साथ लेकर आया और उन्हों ने हाकिम के सामने पौलुस पर नालिश की।

जब वह बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उस पर दोष लगा कर कहने लगा कि, हे महाप्रतापी फेलिक्स तेरे द्वारा हमें जो बड़ा कुशल होता है इस को हम हर जगह और हर प्रकार से धन्यवाद के साथ मानते हैं मैं तुझ से बिनती करता हूं कि कृपा करके हमारी दो एक बातें सुन ले। क्योंकि हम ने इस मनुष्य को बखेड़िया और सारे यहूदियों में बलवा कराने वाला और नासरियों के कुपन्थ का मुखिया पाया। उस ने मन्दिर को अशुद्ध करना चाहा।

यहूदियों ने भी उस का साथ देकर कहा ये बातें योंही हैं।

फेलिक्स के सामने पौलुस का उत्तर।

(प्रेरितः २४:१०)

जब हाकिम ने पौलुस को बोलने की सैन की तो उस ने उत्तर दिया, मैं यह जानकर कि तू बहुत बरसों से इस जाति का न्याय करता है आनन्द से अपना उजर करता हूं। जब से मैं यरूशलेम में भजन करने को आया मुझे बारह दिन से ऊपर नहीं हुए। और उन्हों ने मुझे न मन्दिर में न सभा के घरों में न नगर में किसी से विवाद करते या भीड़ लगाते पाया। और न वे उन बातों को जिन का वे अब मुझ पर दोष लगाते हैं तेरे सामने सच ठहरा सकते हैं। पर यह मैं तेरे सामने मान लेता हूं कि जिस पन्थ को वे कुपन्थ कहते हैं उसी की रीति पर मैं अपने बाप दादों के परमेश्वर की सेवा करता हूं और परमेश्वर से आशा रखता हूं कि धर्मी और अधर्मी दोनों का जी उठना होगा। इस से मैं आप भी यतन करता हूं कि परमेश्वर की और मनुष्यों की ओर मेरा विवेक सदा निर्दोष रहे। या ये आप ही कहें कि जब मैं महासभा के सामने खड़ा था तो उन्हों ने मुझ में कौन सा अपराध पाया, इस एक बात को छोड़ जो मैं ने उन के बीच में खड़े हो कहा था कि मरे हुओं के जी उठने के विषय में आज मेरा तुम्हारे सामने मुकद्दमा हो रहा है।

फेलिक्स ने कहा कि जब पलटन का सरदार लूसियास आएगा तो तुम्हारी बात का फैसला करूंगा। और सूबेदार को आज्ञा दी कि पौलुस को सुख से रखकर रखवाली करना और उस के मित्रों में से किसी को उस की सेवा करने से न रोकना।

कितने दिनों के पीछे फेलिक्स अपनी पत्नी द्रुसिल्ला को जो यहूदिनी थी साथ लेकर आया और पौलुस को बुलवाकर उस बिश्वास के विषय में जो मसीह यीशु पर है उस से सुना। और जब वह धर्म और संयम और आनेवाले न्याय की चरचा करता था तो फेलिक्स ने भयमान होकर उत्तर दिया कि अभी तो जा अवसर पाकर मैं तुझे फिर बुलाऊंगा। उसे पौलुस से कुछ रुपये मिलने की भी आस थी इस लिये और भी बुला बुलाकर उस से बातें किया करता था। पर जब दो बरस बीत गए तो पुरकियुस फेस्तुस फेलिक्स की जगह पर आया और फेलिक्स यहूदियों को खुश करने की इच्छा से पौलुस को बन्धुआ छोड़ गया।

कैसर की दोहाई।

(प्रेरितः २५)

फेस्तुस उस प्रान्त में पहुंचकर तीन दिन के पीछे कैसरिया से यरूशलेम को गया। तब महायाजकों ने उस के सामने पौलुस की नालिश की। और उस से बिन्ती की कि वह उसे यरूशलेम में बुलवाए क्योंकि वे उसे रास्ते ही में मार डालने की घात लगाए हुए थे।

फेस्तुस ने उत्तर दिया कि पौलुस कैसरिया में पहरे में है और मैं आप जल्द वहां जाऊंगा। फिर

कहा तुम में जो अधिकार रखते हैं वे साथ चलें और यदि इस मनुष्य ने कुछ अनुचित किया तो उस पर दोष लगाएं। और उन के बीच कोई आठ दस दिन रहकर वह कैसरिया गया और दूसरे दिन न्याय आसन पर बैठकर पौलुस के लाने की आज्ञा दी।

जब वह आया तो जो यहूदी यरूशलेम से आए थे उन्हों ने आस पास खड़े होकर उस पर बहुतेरे भारी दोष लगाए जिन का प्रमाण वे न दे सकते थे। पर पौलुस ने उत्तर दिया कि मैं ने न तो यहूदियों की व्यवस्था का न मन्दिर का और न कैसर का कुछ अपराध किया है।

तब फेस्तुस ने यहूदियों को खुश करने की इच्छा से पौलुस को उत्तर दिया क्या तू चाहता है कि यरूशलेम को जाए और वहां मेरे सामने तेरा यह मुकद्दमा फैसल हो।

पौलुस ने कहा मैं कैसर के न्याय आसन के सामने खड़ा हूं मेरा मुकद्दमा यहीं फैसल होना चाहिए। जैसा तू अच्छी तरह जानता है यहूदियों का मैं ने कुछ अपराध नहीं किया। यदि अपराधी हूं और मार डाले जाने योग्य कोई काम किया है तो मरने से नहीं मुकरता पर जिन बातों का ये मुझ पर दोष लगाते हैं यदि उन में से कोई बात सच न ठहरे तो कोई मुझे उन के हाथ नहीं सौंप सकता। मैं कैसर की दोहाई देता हूं।

तब फेस्तुस ने मन्त्रियों की सभा के साथ बातें करके उत्तर दिया तू ने कैसर की दोहाई दी है तू कैसर के पास जाएगा।

अग्रिप्पा राजा।

(प्रेरितः २५:१३)

जब कितने दिन बीत गए तो अग्रिप्पा राजा और बिरनीके ने कैसरिया में आकर फेस्तुस से भेंट की। और फेतुस्स ने पौलुस की कथा राजा को बताई तब अग्रिप्पा ने फेस्तुस से कहा मैं भी उस मनुष्य की सुनना चाहता हूं। उस ने कहा तू कल सुन लेगा।

सो दूसरे दिन जब अग्रिप्पा और बिरनीके बड़ी धूमधाम से आकर पलटन के सरदारों और नगर के बड़े लोगों के साथ दरबार में पहुंचे तो वे पौलुस को ले आए।

फेस्तुस ने कहा हे राजा अग्रिप्पा और हे सब मनुष्यो जो यहां हमारे साथ हो तुम इस को देखते हो जिस के विषय में सारे यहूदियों ने यरूशलेम में और यहां भी चिल्ला चिल्लाकर मुझ से बिनती की कि इस का जीता रहना उचित नहीं। पर मैं ने जान लिया कि उस ने ऐसा कुछ नहीं किया कि मार डाला जाए और जब कि उस ने आप ही महाराजाधिराज की दोहाई दी तो मैं ने उसे भेजने को ठाना। पर मैं ने उस के विषय में कोई ठीक बात नहीं पाई कि अपने स्वामी के पास लिखूं इस लिये मैं उसे हे राजा अग्रिप्पा तेरे सामने लाया हूं कि जांचने के पीछे मुझे कुछ लिखने को मिले। क्योंकि बंधुए को भेजना और जो दोष उस पर लगाए गए उन्हें न बताना मुझे व्यर्थ समझ पड़ता है।

अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा तुझे अपने विषय में बोलने की आज्ञा है।

राजा के सामने पौलुस का उत्तर।

(प्रेरितः २६)

तब पौलुस हाथ बढ़ाकर उत्तर देने लगा कि, हे राजा अग्रिप्पा जितनी बातों का यहूदी मुझ पर दोष लगाते हैं। आज तेरे सामने उन का उत्तर देने में अपने को धन्य समझता हूं। निज करके इस लिये कि तू यहूदियों के सब व्यवहारों और विवादों को जानता है सो मैं बिनती करता हूं धीरज से मेरी सुन ले।

जैसा मेरा चाल चलन आरम्भ से अपनी जाति के बीच और यरूशलेम में था यह सब यहूदी जानते हैं। मैं फरीसी होकर अपने धर्म के सब से खरे पन्थ के अनुसार चला। और अब उस प्रतिज्ञा की आशा के कारण जो परमेश्वर ने हमारे बाप दादों

से की थी मुझ पर मुकद्दमा चल रहा है। उसी प्रतिज्ञा के पूरे होने की आशा लगाए हुए हमारे बारहों गोत्र अपने सारे मन से रात दिन परमेश्वर की सेवा करते आये हैं। हे राजा इसी आशा के विषय में यहूदी मुझ पर दोष लगाते हैं। जब कि परमेश्वर मरे हुओं को जिलाता है तो तुम्हारे यहां यह बात क्यों बिश्वास के योग्य नहीं समझी जाती। मैं ने भी समझा था कि यीशु नासरी के नाम के बिरोध में मुझे बहुत कुछ करना चाहिए। और मैं ने यरूशलेम में ऐसा ही किया और महायाजकों से अधिकार पाकर बहुत से पवित्र लोगों को जेलखानों में डाला और जब वे मार डाले जाते थे तो मैं भी उन के बिरोध में अपनी सम्मति देता था। और हर सभा में मैं उन्हें ताड़ना दिला दिलाकर यीशु की निन्दा करवाता था यहां तक कि क्रोध के मारे ऐसा पागल हो गया कि बाहर के नगरों में भी जा जाकर उन्हें सताता था। इसी बीच जब मैं महायाजकों से अधिकार और परवाना लेकर दमिश्क को जा रहा था। तो हे राजा मार्ग में दो पहर दिन के समय मैं ने आकाश से सूरज के तेज से भी बढ़कर एक ज्योति अपने और अपने साथ चलनेवालों के चारों ओर चमकती हुई देखी।

और जब हम सब भूमि पर गिर पड़े तो मैं ने इब्रानी भाषा में मुझ से यह कहते हुए यह शब्द सुना कि हे शाऊल हे शाऊल तू मुझे क्यों सताता है पैने पर लात मारना तेरे लिये कठिन है। मैं ने कहा हे प्रभु तू कौन है। प्रभु ने कहा मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है। पर उठ अपने पांवों पर खड़ा हो क्योंकि मैं ने तुझे इस लिये दर्शन दिया है कि तुझे उन बातों का भी सेवक और गवाह ठहराऊं जो तू ने देखी हैं और उन का भी जिन के लिये मैं तुझे दर्शन दूंगा। और मैं तुझे तेरे लोगों से और अन्य जातियों से बचाता रहूंगा जिन के पास मैं अब तुझे इस लिये भेजता हूं, कि तू उन की आंखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें कि पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर बिश्वास करने से पवित्र किए गए हैं मीरास पाएं।

सो हे राजा अग्रिप्पा मैं ने उस स्वर्गीय दर्शन की बात न टाली। पर पहिले दमिश्क के फिर यरूशलेम के रहनेवालों को तब यहूदिया के सारे देश में और अन्य जातियों को समझाता रहा कि मन फिराओ और परमेश्वर की ओर फिर इन बातों के कारण यहूदी मुझे मन्दिर में पकड़के मार डालने का यतन करते थे। सो परमेश्वर की सहायता से मैं आज तक बना हूं और छोटे बड़े के सामने गवाही देता हूं और उन बातों को छोड़ कुछ नहीं कहता जो नबियों और मूसा ने भी कहा कि होनेवाली हैं, कि मसीह को दुख उठाना होगा और वही सब से पहिले मरे हुओं में से जी उठकर हमारे लोगों और अन्य जातियों में ज्योति का प्रचार करेगा।

जब वह इस रीति से उत्तर दे रहा था तो फेस्तुस ने ऊंचे शब्द से कहा हे पौलुस तू पागल है बहुत विद्या ने तुझे पागल कर दिया है।

पर उस ने कहा हे महाप्रतापी फेस्तुस मैं पागल नहीं पर सचाई और बुद्धि की बातें कहता हूं। राजा भी जिस के साम्हने मैं निडर होकर बोल रहा हूं ये बातें जानता है और मुझे प्रतीति है कि इन बातों में से कोई उस से छिपी नहीं कि यह तो कोने में नहीं हुआ। हे राजा अग्रिप्पा क्या तू नबियों की प्रतीति करता है। हां मैं जानता हूं कि तू प्रतीति करता है।

तब अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा तू थोड़े ही समझाने से मुझे मसीही बनाना चाहता है। पौलुस ने कहा परमेश्वर से मेरी प्रार्थना यह है कि क्या थोड़े में क्या बहुत में केवल तूही नहीं पर जितने लोग आज मेरी सुनते हैं इन बन्धनों को छोड़ वे मेरे समान हो जाएं।

तब राजा और हाकिम और बिरनीके और उन के साथ बैठनेवाले उठ खड़े हुए। और अलग जाकर आपस में कहने लगे यह मनुष्य ऐसा तो कुछ नहीं करता जो मृत्यु या बन्धन के योग्य हो।

अग्रिप्पा ने फेस्तुस से कहा यदि यह मनुष्य कैसर की दोहाई न देता तो छूट सकता।

कैसर के पास जाते हुए पौलुस को जो हुआ था।

(प्रेरितः २७)

जब यह ठहराया गया कि हम जहाज पर इतालिया को जाएं तो उन्हों ने पौलुस और कितने और बन्धुओं को भी यूलियुस नाम औगुस्तुस की पलटन के एक सूबेदार के हाथ सौंप दिया। और अद्रमुत्तियुम के एक जहाज पर जो आसिया के किनारे की जगहों में जाने पर था चढ़कर हम ने उसे खोल दिया और अरिस्तर्खुस नाम थिस्सलुनीके का एक मकिदुनी हमारे साथ था। दूसरे दिन हम ने सैदा में लगान किया और यूलियुस ने पौलुस पर कृपा करके उसे मित्रों के सत्कार पाने को जाने दिया। वहां से जहाज खोलकर हवा सामने होने के कारण हम कुप्रुस की आड़ में होकर चले। और मूरा में उतरे। वहां सूबेदार को सिकन्दरिया का एक जहाज इतालिया जाता हुआ मिला और हमें उस पर चढ़ा दिया। और हम बहुत दिनों तक धीरे धीरे चलकर इस लिये कि हवा हमें आगे बढ़ने न देती थी क्रेते की आड़ में चले। और उस के किनारे किनारे कठिनता से चलकर शुभ-लंगरबारी नाम एक जगह पहुंचे जहां से लसया नगर निकट था।

जब बहुत दिन बीत गए और जलयात्रा में जोखिम होती थी तो पौलुस ने उन्हें यह कहकर समझाया, हे साहिबो मुझे ऐसा जान पड़ता है कि इस यात्रा में बिपत और बहुत हानि न केवल बोझाई और जहाज की बरन हमारे प्राणों की भी होनेवाली है।

पर सूबेदार ने पौलुस की बातों से मांझी और जहाज के स्वामी की बढ़कर मानी।

पर थोड़ी देर में वहां से एक बड़ी आंधी उठी और जब हम ने आंधी से बहुत हिचकोले खाए तो दूसरे दिन वे जहाज की बोझाई फेंकने लगे। और तीसरे दिन उन्हों ने जहाज का सामान फेंक दिया। और जब बहुत दिनों तक न सूरज न तारे दिखाई दिए और बड़ी आंधी चल रही थी अन्त में हमारे बचने की सारी आशा जाती रही।

जब वे बहुत उपवास कर चुके तो पौलुस ने उन के बीच में खड़ा होकर कहा हे लोगो चाहिए था कि तुम मेरी बात मानकर क्रेते से न जहाज खोलते और न यह बिपत और हानि उठाते। पर अब मैं तुम्हें समझाता हूं कि ढाढ़स बांधो क्योंकि तुम में से किसी के प्राण को हानि न होगी केवल जहाज की। क्योंकि परमेश्वर जिस का मैं हूं और जिस की सेवा करता हूं उस के स्वर्गदूत ने इसी रात मेरे पास आकर कहा, हे पौलुस मत डर तुझे कैसर के सामने खड़ा होना जरूर है और देख परमेश्वर ने सब को जो तेरे साथ यात्रा करते हैं तुझे दिया है। इस लिये हे साहिबो ढाढ़स बांधो क्योंकि मैं परमेश्वर की प्रतीति करता हूं कि जैसा मुझ से कहा गया है वैसा ही होगा। पर हमें किसी टापू पर पड़ना होगा।

जब चौदहवीं रात हुई और हम अद्रिया समुद्र में टकराते फिरते थे तो आधी रात के निकट मल्लाहों ने अटकल से जाना कि हम किसी देश के निकट पहुंच रहे हैं। और थाह लेकर उन्हों ने बीस पुरसा पाया और थोड़ा आगे बढ़कर फिर थाह ली तो पन्द्रह पुरसा पाया। तब पत्थरीली जगहों पर पड़ने के डर से उन्हों ने जहाज की पिछली चार लंगर डाले और भोर का होना मानते रहे। पर जब मल्लाह डोंगी समुद्र में उतार दी। तो पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों से कहा यदि ये जहाज पर न रहें तो तुम नहीं बच सकते। तब सिपाहियों ने रस्से काटकर डोंगी गिरा दी।

मिलिते टापू पर पहुंचना।

(प्रेरितः २७:३३)

जब भोर होने पर था तो पौलुस ने यह कहके सब को भोजन करने को समझाया कि आज चौदह दिन हुए कि तुम आस देखते उपवासी रहे और कुछ भोजन न किया। इस लिये तुम्हें समझाता हूं कि कुछ खा लो जिस से तुम्हारा

बचाव हो क्योंकि तुम में से किसी के सिर का एक बाल भी न गिरेगा।

और यह कह उस ने रोटी लेकर सब के सामने परमेश्वर का धन्यवाद किया और तोड़कर खाने लगा।

तब वे सब भी ढाढ़स बांधकर भोजन करने लगे। हम सब मिलकर जहाज पर दो सौ छिहत्तर जन थे। जब वे भोजन करके तृप्त हुए तो गेहूं को समुद्र में फेंककर जहाज हलका करने लगे। जब बिहान हुआ तो उन्हों ने उस देश को नहीं पहचाना पर एक खाड़ी देखी जिस का चौरस तीर था और बिचार किया कि यदि हो सके तो इसी पर जहाज को टिकाएं। तब उन्हों ने लंगरों को खोलकर समुद्र में छोड़ दिया और उसी समय पतवारों के बन्धन खोल दिए और हवा के सामने अगला पाल चढ़ाकर किनारे की ओर चले। पर दो समुद्रों के संगम की जगह पड़के उन्हों ने जहाज़ को टिकाया और गलही तो गड़ गई और टल न सकी पर पिछाड़ी लहरों के बल से टूटने लगी।

तब सिपाहियों का यह बिचार हुआ कि बन्धुओं को मार डालें ऐसा न हो कि कोई पैरके निकल भागे। पर सूबेदार ने पौलुस को बचाने की इच्छा से उन्हें उस बिचार से रोका और यह कहा कि जो पैर सकते हैं पहिले कूदकर किनारे पर निकल जाएं। और बाक़ी कोई पटरों पर और कोई जहाज की और बस्तुओं के सहारे निकल जाएं और इस रीति से सब कोई भूमि पर बच निकले। तो जाना कि यह टापू मिलिते कहलाता है।

आग में से सांप का निकलना।

(प्रेरितः २८)

और उन जंगली लोगों ने हम पर अनोखी कृपा की क्योंकि मेंह और जाड़े के कारण उन्हों ने आग सुलगाकर हम सब को ठहराया। जब पौलुस ने लकड़ियों का गट्ठा बटोरकर आग पर रक्खा तो एक सांप आंच पाकर निकला और उस के हाथ से लिपट गया। जब उन जंगलियों ने कीड़े को उस के हाथ से लटके हुए देखा तो आपस में कहा सचमुच यह मनुष्य खूनी है कि यद्यपि समुद्र से बच गया तौभी न्याय ने जीता रहने न दिया। तब उस ने कीड़े को आग में झटक दिया और कुछ हानि न पहुंची। पर वे बाट जोहते थे कि वह सूज जाएगा या एकाएक गिरके मर जाएगा पर जब वे बहुत देर तक देखते रहे और देखा कि उस का कुछ भी न बिगड़ा तो और ही बिचार कर कहा यह तो देवता है।

इस जगह के आसपास पुबलियुस नाम उस टापू के प्रधान की भूमि थी। उस ने हमें अपने घर ले जाकर तीन दिन मित्रभाव से पहुनाई की। पुबलियुस का पिता ज्वर से बीमार पड़ा था सो पौलुस ने उस के पास घर में जाकर प्रार्थना की और उसे चंगा किया। तो उस टापू के बाकी बीमार आए और चंगे किए गए। और उन्हों ने हमारा बहुत आदर किया और जब हम चलने लगे तो जो कुछ हमें अवश्य था जहाज पर रख दिया।

पौलुस का रोमा में पहुंचना।

(प्रेरितः २८)

तीन महीने के पीछे हम सिकन्दरिया के एक जहाज पर चल निकले जो उस टापू में जाड़े भर रहा था और जिस का चिन्ह दियुसकूरी था। सुरकूसा में लगान करके हम तीन दिन रहे। वहां से हम घूमकर रेगियुस में आए और एक दिन के पीछे दखिनी हवा चली तब दूसरे दिन पुतियुली में आए। वहां हम को भाई मिले और उन के कहने से हम उन के यहां सात दिन रहे और इस रीति से रोम को चले। वहां से भाई हमारा समाचार सुनकर अप्पियुस के चौक और तीन सराए तक हमारी भेंट करने को निकल आए जिन्हें देखकर पौलुस ने परमेश्वर का धन्यवाद किया और ढाढ़स बांधा।

जब हम रोमा में पहुंचे तो पौलुस को एक सिपाही के साथ जो उस की रखवाली करता था अकेले रहने की आज्ञा हुई।

तीन दिन के पीछे उस ने यहूदियों के बड़े लोगों को बुलाकर उन से कहा हे भाइयो मैं ने अपने लोगों के या बाप दादों के व्यवहारों के बिरोध में कुछ नहीं किया तौभी बन्धुआ होकर यरूशलेम से रोमियों के हाथ सौंपा गया। उन्हों ने मुझे जांचकर छोड़ देना चाहा क्योंकि मुझ में मृत्यु के योग्य कोई दोष न था। पर जब यहूदी इस के बिरोध में बोलने लगे तो मुझे कैसर की दोहाई देनी पड़ी। न यह कि मुझे अपने लोगों पर कोई दोष लगाना था। इस लिये मैं ने तुम को बुलाया है कि तुम से मिलूं और बात चीत करूं क्योंकि इस्राएल की आशा के लिये मैं इस जंजीर से जकड़ा हुआ हूं। उन्हों ने उस से कहा तेरे विचार क्या हैं वही हम तुझ से सुनना चाहते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हर जगह इस मत के बिरोध में कहते हैं।

सो उन्हों ने उस के लिये एक दिन ठहराया और बहुत लोग उसके ठिकाने पर इकट्ठे हुए और वह परमेश्वर के राज्य की गवाही देता हुआ और मूसा की व्यवस्था और नबियों की पुस्तकों से यीशु के विषय में समझा समझाकर भोर से सांझ तक चर्चा करता रहा। तब कितनों ने मान लिया और कितनों ने प्रतीति न की।

और वह पूरे दो बरस अपने भाड़े के घर में रहा और जो उस के पास आते थे उन सब से मिलता रहा। और बिना रोक टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता रहा।

तीसरा अध्याय।

प्रेरितों की पत्रियां पहिली मण्डलियों के नाम।

इन पत्रियों में जो नये नियम में हैं पौलुस की पत्रियां सब से बड़ी हैं और वे मसीही धर्म्म के सब से पुराने पर्चे हैं। वे यीशु का जीवन वृत्तान्त से पहिले लिखी गयीं थीं।

थिस्सलोनोकियों के नाम की दो पत्रियां सब से पुरानी हैं। वह कई एक यूनानी और यहूदी पुरुष और कई बड़े घराने की स्त्रियों के पास भेजी गयी थीं जिन्हों ने थिस्सलोनीकी नगर में एक मण्डली स्थापन की।

पांच या छः बरस पीछे उस ने कुरिन्थियों, गलातियों, और रोमियों के नाम की चिट्ठियां लिखीं।

जब पौलुस रोम के बन्दीगृह में था वहां से उस ने कुलुस्सियों, इफिसियों, फिलिप्पियों और फिलमोन के पास पत्रियां भेजी।

दो तीन बरस पीछे उस ने तीमुथियस की दो पत्रियां और तितुस की एक पत्री भेजी।

हम नहीं कह सकते हैं कि मसीही धर्म्म की क्या दशा होती अगर पौलुस जो ऐसा उत्साही प्रचारक था, जो काम से कभी नहीं थकता था उन दिनों में न होता। उस की पत्रियां नई मण्डलियों को शान्ति देने और सिखाने के लिये लिखी गई थीं और वे अभी तक उन्नीस सौ बरस पीछे मसीहियों को शान्ति, बल और दिलासा देती हैं। जब यह पत्रियां इन छोटी मण्डलियों को सुनाई जाती थीं तो वे नहीं सोचते थे कि जब रोमी राज्य मिट जाएगा तब भी ये पत्रियां सब देशों में सुनाई जाएंगी। तीतुस जिस को पौलुस ने एक पत्री लिखी पहिले मसीहियों में एक था। वह क्रेते टापू की मण्डली का प्रधान था।

फिलेमोन की चिट्ठी एक दास के विषय में है जो अपने मालिक की चोरी करके भाग गया था। पौलुस ने उस दास को रोम नगर में पाकर सिखाया। फिर उस को अपने मालिक के पास भेजा।

इन को छोड़ कई और प्रेरितों की पत्रियां भी हैं।

रोमियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

(रोमियों १,५,८,११,१२)

पौलुस की ओर से उन सब के नाम जो रोमा में परमेश्वर के प्यारे हैं हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिले।

मैं तुम सब के लिये अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं कि तुम्हारे बिश्वास की चर्चा सारे जगत में हो रही है। परमेश्वर जिस की सेवा मैं अपने आत्मा से उस के पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूं वही मेरा गवाह है कि मैं तुम्हें कैसे लगातार स्मरण करता रहता हूं। और नित्य अपनी प्रार्थनाओं में बिनती करता हूं कि किसी रीति से अब भी तुम्हारे पास आने को मेरी यात्रा परमेश्वर की इच्छा से सुफल हो।

क्योंकि मैं तुम से मिलने की लालसा करता हूं कि मैं तुम्हारे बीच में होकर तुम्हारे साथ उस बिश्वास के द्वारा जो मुझ में और तुम में है शान्ति पाऊं। और हे भाइयो मैं नहीं चाहता कि तुम इस से अनजान रहो कि मैं ने बार बार तुम्हारे पास आना चाहा कि जैसा मुझे और अन्यजातियों में फल मिला वैसा ही तुम में भी मिले पर अब तक रुका रहा। मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों का करजदार हूं। सो मैं तुम्हें भी जो रोमा में रहते हो सुसमाचार सुनाने को भरसक तैयार हूं। क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता इस लिये कि वह हर एक बिश्वास करनेवाले के लिये पहिले यहूदी फिर यूनानी के लिये उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है। क्योंकि उस में परमेश्वर की धार्मिकता बिश्वास से और बिश्वास के लिये प्रगट होती है जैसा लिखा है कि बिश्वास से धर्मी जीता रहेगा।

सो जब हम बिश्वास से धर्मी ठहरे तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रक्खें। जिस के द्वारा बिश्वास के कारण उस अनुग्रह तक जिस में हम बने हैं हमारी पहुंच भी हुई और परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें। केवल यह नहीं बरन हम क्लेशों में भी घमण्ड करें यही जानकर कि क्लेश से धीरज, और धीरज से खरा निकलना और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है। और आशा से लज्जा नहीं होती क्योंकि परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।

कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा। क्या क्लेश या संकट या उपद्रव या अकाल या नंगाई या जोखिम या तलवार। पर इन सब बातों में हम उस के द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया है जयवन्त से भी बढ़कर हैं। क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं कि न मृत्यु न जीवन न स्वर्गदूत न प्रधानताएं न वर्त्तमान न भविष्य न सामर्थ, ऊंचाई न गहिराई और न कोई और सृष्टि हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सकेगा।

आहा परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गंभीर है। उस के बिचार कैसे अथाह और उस के मार्ग कैसे अगम हैं। प्रभु का मन किस ने जाना या उस का मंत्री कौन हुआ। उस की ओर से और उसी के द्वारा और उसी के लिये सब कुछ है। उस की महिमा युगानुयुग होती रहे।

सो हे भाइयो मैं तुम से परमेश्वर की दया के कारण बिनती करता हूं कि अपने शरीरों को जीवता और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। और इस संसार के सदृश न बनो पर तुम्हारे मन के नए होने से तुम्हारा चाल चलन बदलता जाए जिस से तुम्हें मालूम हो कि परमेश्वर की भली और भावती और सिद्ध इच्छा क्या है।

क्योंकि मैं उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है तुम में से हर एक से कहता हूं कि जैसा समझना चाहिए उस से बढ़कर कोई अपने आप को न समझे पर सुबुद्धि के साथ अपने को समझे। क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत अंग हैं और सब अंगों का एक सा काम नहीं। वैसे ही हम जो

बहुत हैं मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

और जब कि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है हमें भिन्न भिन्न बरदान मिले तो जिस को नबूवत का दान हो वह बिश्वास के परिमाण के अनुसार बोले। यदि सेवा का दान मिला हो तो सेवा में लगा रहे यदि कोई सिखानेवाला हो तो सिखाने में लगा रहे। जो उपदेशक हो वह उपदेश देने में लगा रहे दान देनेवाला उदारता से दे जो प्रधानता करे वह यतन से करे जो दया करे वह हर्ष से करे।

भलाई से बुराई को जीत ले।

(रोमियों १२:९)

प्रेम निष्कपट हो बुराई से घिन करो भलाई में लगे रहो। भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे पर मया रक्खो परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो। यतन करने में आलसी न हो आत्मिक जोश में भरे रहो प्रभु की सेवा करते रहो। आशा में आनन्दित रहो क्लेश में स्थिर रहो प्रार्थना में लगे रहो। पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो उस में उन की सहायता करो पहुनाई करने में लगे रहो।

अपने सतानेवालों को आशीस दो आशीस दो स्राप न दो।

आनन्द करनेवालों के साथ आनन्द करो और रोनेवालों के साथ रोओ।

आपस में एक सा मन रक्खो अभिमानी न हो पर दीनों के साथ संगति रक्खो अपने लेखे बुद्धिमान न हो।

बुराई के बदले किसी से बुराई न करो जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं उन की चिन्ता किया करो। यदि हो सके तुम अपने भरसक सब मनुष्यों के साथ मेल रक्खो।

हे प्यारो अपना पलटा न लेना पर क्रोध को जगह देना क्योंकि लिखा है पलटा लेना मेरा काम है प्रभु कहता है मैं ही बदला दूंगा। पर यदि तेरा बैरी भूखा हो तो उसे खाना खिला यदि प्यासा हो तो उसे पानी पिला क्योंकि ऐसा करने से तू उस के सिर पर आग के अंगारों का ढेर लगाएगा।

बुराई से न हारो पर भलाई से बुराई को जीत लो।

हर एक जन प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं जो परमेश्वर की ओर से न हो और जो अधिकार हैं वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं। इस से जो कोई अधिकार का बिरोध करता है वह परमेश्वर का सामना करता है।

सो हर एक का हक चुकाया करो जिसे कर चाहिए उसे कर दो जिसे महसूल चाहिए उसे महसूल दो जिस से डरना चाहिए उस से डरो जिस का आदर करना चाहिए उस का आदर करो।

आपस के प्रेम को छोड़ और किसी बात में किसी के करजदार न हो क्योंकि जो दूसरे से प्रेम रखता उसी ने व्यवस्था पूरी की है। प्रेम पड़ोसी की कुछ बुराई नहीं करता इस लिये प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा करना है।

रात बहुत बीत गई है।

(रोमियों १३)

समय को पहचानकर अब तुम्हारे लिये नींद से जाग उठने की घड़ी आ पहुंची क्योंकि जिस समय हम ने विश्वास किया था उस समय के लेखे अब हमारा उद्धार निकट है। रात बहुत बीत गई है और दिन निकलने पर है इस लिये हम अंधेरे के कामों को तजकर उजाले के हथियार बांध लें। जैसा दिन को सोहता है वैसा ही हम सीधी चाल चलें न कि लीला क्रीड़ा और पियक्कड़पन न व्यभिचार और लुचपन में और न झगड़े और डाह में। बरन प्रभु यीशु मसीह को पहिन लो।

जो बिश्वास में निर्बल है उसे अपनी संगति में ले लो पर उस की शंकाओं पर विवाद करने के लिये नहीं। एक को बिश्वास है कि सब कुछ खाना उचित है पर जो बिश्वास में निर्बल है वह साग

पात ही खाता है। खानेवाला न खानेवाले को तुच्छ न जाने और न खानेवाला खानेवाले पर दोष न लगाए। तू कौन है जो दूसरे के टहलुए पर दोष लगाता है। वह अपने ही स्वामी के सामने खड़ा रहता या गिरता है।

कोई अपने लिये नहीं जीता।

(रोमियों १४)

कोई तो एक दिन को दूसरे से बढ़कर जानता है और कोई सब दिन एक से जानता है। हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले। क्योंकि हम में से न कोई अपने लिये जीता और न कोई अपने लिये मरता है। क्योंकि यदि हम जीते हैं तो प्रभु के लिये जीते हैं और यदि मरते हैं तो प्रभु के लिये मरते हैं सो हम जीएं या मरें तो प्रभु ही के हैं।

तू अपने भाई पर क्यों दोष लगाता है या तू फिर क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है। हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के सामने खड़े होंगे। हम में से हर एक परमेश्वर को अपना अपना लेखा देगा।

सो आगे को हम एक दूसरे पर दोष न लगाएं पर तुम यही ठान लो कि कोई अपने भाई के सामने ठेस या ठोकर खाने का कारण न रक्खे। मैं जानता हूं और प्रभु यीशु से मुझे निश्चय हुआ है कि कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं पर जो उस को अशुद्ध समझता है उस के लिये अशुद्ध है। यदि तेरा भाई तेरे भोजन के कारण उदास होता है तो फिर तू प्रेम की रीति से नहीं चलता। जिस के लिये मसीह मरा उस को तू नाश न कर। सो तुम्हारी भलाई की निन्दा न होने पाए।

क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना पीना नहीं पर धर्म और मिलाप और वह आनन्द है जो पवित्र आत्मा से होता है। इस लिये हम उन बातों का यतन करें जिन से मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो। भोजन के लिये परमेश्वर का काम न बिगाड़। सब कुछ शुद्ध तो है पर उस मनुष्य के लिये बुरा है जिस को उस के भोजन करने से ठोकर लगती है। भला यह है कि तू न मांस खाए न दाख रस पीए न और कुछ ऐसा करे जिस से तेरा भाई ठोकर खाए। तेरा जो विश्वास है उसे परमेश्वर के सामने अपने ही मन में रख। धन्य वह है जो उस बात में जिसे वह ठीक समझता है अपने आप को दोषी नहीं ठहराता।

निदान हम बलवानों को चाहिए कि निर्बलों की निर्बलताओं को सहें न कि अपने आप को प्रसन्न करें। हम में से हर एक अपने पड़ोसी को उसकी भलाई के लिये सुधारने के निमित्त प्रसन्न करे। क्योंकि मसीह ने अपने आप को प्रसन्न न किया।

और धीरज और शान्ति का दाता परमेश्वर तुम्हें यह वर दे कि आपस में एक मन रहो। अभी तो पवित्र लोगों की सेवा करने के लिये यरूशलेम को जाता हूं। शान्ति का परमेश्वर तुम सब के साथ रहे।

कुरिन्थियों के नाम पौलुस की पत्री।

(१ कुरिन्थियों १,२)

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

मैं तुम्हारे विषय में अपने परमेश्वर का धन्यवाद सदा करता हूं इस लिये कि परमेश्वर का यह अनुग्रह तुम पर मसीह यीशु में हुआ, कि उस में तुम हर बात में अर्थात सारे बचन और सारे ज्ञान में धनी किये गये, कि मसीह की गवाही तुम में पक्की निकली।

हे भाइयो मैं तुम से हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम के द्वारा बिनती करता हूं कि तुम सब एक ही बात कहो और तुम में फूट न हो पर एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो। क्योंकि हे मेरे भाइयो लोगों ने मुझे तुम्हारे विषय में बताया है कि तुम में झगड़े हो रहे हैं। तुम में से कोई तो अपने आप को पौलुस का कोई अपुल्लोस का कोई कैफा का कोई मसीह का कहता है। क्या मसीह बट गया क्या पौलुस तुम्हारे लिये क्रूस पर चढ़ाया गया या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिसमा मिला।

कहां रहा ज्ञानवान क्या परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता नहीं ठहराया। क्योंकि परमेश्वर की मूर्खता मनुष्यों के ज्ञान से ज्ञानवान है और परमेश्वर की निर्बलता मनुष्यों के बल से बहुत बलवान है। परन्तु परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया है कि ज्ञानवानों को लज्जित करे और जगत के निर्बलों को चुन लिया है कि बलवान को लज्जित करे। और परमेश्वर ने जगत के नीचों और तुच्छों को बरन जो हैं भी नहीं चुन लिया कि उन्हें व्यर्थ ठहराए। कि कोई प्राणी परमेश्वर के सामने घमण्ड न करे।

हे भाइयो जब मैं परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ तुम्हारे पास आया तो बचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया। क्योंकि मैं ने यह ठान लिया था कि तुम्हारे बीच यीशु मसीह बरन क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूं। और मैं निर्बलता और भय के साथ और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे साथ रहा। और मेरे बचन और मेरे प्रचार में ज्ञान की लुभाने वाली बातें नहीं पर आत्मा और सामर्थ का प्रमाण था। इस लिये कि तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं परन्तु परमेश्वर की सामर्थ पर हो।

फिर भी सिद्ध लोगों में हम ज्ञान सुनाते हैं पर इस संसार का और इस संसार के नाश होनेवाले हाकिमों का ज्ञान नहीं। पर हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान भेद की रीति पर बताते हैं जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया। जिसे इस संसार के हाकिमों में से किसी ने न जाना क्योंकि यदि जानते तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर चढ़ाते।

आंख ने नहीं देखा और कान ने नहीं सुना।

(१ कुरिन्थियों २९:३)

जो आंख ने नहीं देखा और कान ने नहीं सुना और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ीं वे ही हैं जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिये तैयार की हैं। परन्तु परमेश्वर ने उन को अपने आत्मा के द्वारा हम पर प्रगट किया क्योंकि आत्मा सब बातें बरन परमेश्वर की गूढ़ बातें भी जांचता है।

मैं ने लगाया अपुल्लोस ने सींचा परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया। लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं पर हर एक जन अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा। क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्म्मी हैं तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो। क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो और परमेश्वर का आत्मा तुम में बास करता है। यदि कोई मन्दिर

को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है।

कोई अपने आप को धोखा न दे। यदि तुम में से कोई इस संसार में अपने आप को ज्ञानी समझे तो मूर्ख बने कि ज्ञानी हो जाए। क्योंकि इस संसार का ज्ञान परमेश्वर के निकट मूर्खता है जैसा लिखा है वह ज्ञानियों को उन की चतुराई में फंसा देता है। और फिर प्रभु ज्ञानियों की चिन्ताओं को जानता है कि व्यर्थ हैं। सो मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे।

सब कुछ तुम्हारा है।

(१ कुरिन्थियों ४, ६, ८, ६)

सब कुछ तुम्हारा है। क्या पौलुस क्या अपुल्लोस क्या कैफा क्या जगत क्या जीवन क्या मरण क्या वर्त्तमान क्या भविष्य, सब तुम्हारा है और तुम मसीह के हो और मसीह परमेश्वर का है।

भण्डारी में यह बात देखी जाती है कि बिश्वास योग्य निकले। पर मेरे लेखे यह बहुत छोटी बात है कि तुम या मनुष्यों का कोई न्यायी मुझे परखे बरन मैं आप ही अपने आप को नहीं परखता पर मेरा परखनेवाला प्रभु है।

कितने तो ऐसे फूल गए हैं मानो मैं तुम्हारे पास आने ही का नहीं। पर प्रभु चाहे तो मैं तुम्हारे पास शीघ्र आऊंगा और उन फूले हुओं की बातों को नहीं पर उन की सामर्थ को जान लूंगा। क्योंकि परमेश्वर का राज्य बातों में नहीं पर सामर्थ में है।

तुम क्या चाहते हो। मैं छड़ी लेकर या प्रेम और नम्रता के आत्मा के साथ तुम्हारे पास आऊं।

क्या तुम में से किसी को यह हियाव है कि जब दूसरे के साथ झगड़ा हो तो फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए और पवित्र लोगों के पास न जाए। क्या तुम नहीं जानते कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे सो जब तुम्हें जगत का न्याय करना है तो क्या छोटे से छोटे झगड़ों का भी फैसला करने के योग्य नहीं। क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे तो क्या सांसारिक बातों का फैसला न करें।

मैं तुम्हें लजाने के लिये कहता हूं। क्या ऐसा है कि तुम में एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता जो अपने भाइयों का फैसला कर सके। बरन भाई भाई में मुकद्दमा होता है और वह भी अबिश्वासियों के सामने। अन्याय क्यों नहीं सहते। ठगाई क्यों नहीं सहते।

सब वस्तुएं मेरे लिये उचित तो हैं पर सब वस्तुएं लाभ की नहीं सब वस्तुएं मेरे लिये उचित हैं पर मैं किसी बात के अधीन न हूंगा।

अब मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में—हम जानते हैं कि हम सब को ज्ञान है। ज्ञान फुलाता है पर प्रेम से उन्नति होती है। यदि कोई समझे कि मैं कुछ जानता हूं तो जैसा जानना चाहिए वैसा अब तक नहीं जानता। पर यदि कोई परमेश्वर से प्रेम रखता है तो उसे परमेश्वर पहचानता है।

सो मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय में—हम जानते हैं कि मूरत जगत में कोई वस्तु नहीं। यद्यपि बहुत से ईश्वर कहलाते हैं तौभी हमारे निकट तो एक ही परमेश्वर है पर चौकस रहो ऐसा न हो कि तुम्हारी यह स्वतंत्रता कहीं निर्बलों के लिये ठोकर का कारण हो जाए। क्योंकि यदि कोई तुझ ज्ञानी को मूरत के मन्दिर में भोजन करते देखे और वह निर्बल जन हो तो क्या उस के विवेक में मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने का हियाव न हो जाएगा। इस रीति से तेरे ज्ञान के कारण वह निर्बल भाई जिस के लिये मसीह मरा नाश हो जाएगा।

इस कारण यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाए तो मैं कभी किसी रीति से मांस न खाऊंगा न हो कि मैं अपने भाई को ठोकर खिलाऊं।

परमेश्वर के बरदान।

(१ कुरिन्थियों १२)

हे भाइयो मैं नहीं चाहता कि तुम आत्मिक बरदानों के विषय में अनजान रहो। बरदान तो कई प्रकार के हैं पर आत्मा एक ही है। और सेवा भी कई प्रकार की हैं परन्तु प्रभु एक ही है। और कार्य्य कई प्रकार के हैं परन्तु परमेश्वर एक ही है जो सब में ये सब कार्य्य करवाता है।

पर सब के लाभ पहुंचाने के लिये हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है।

क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें और दूसरे को ज्ञान की बातें, और किसी को बिश्वास और किसी को चंगा करने का बरदान दिया जाता है। फिर किसी को सामर्थ के काम करने की शक्ति और किसी को नबूवत और किसी को आत्माओं की पहचान और किसी को अनेक प्रकार की भाषा और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना।

पर ये सब कार्य्य वही एक आत्मा करवाता है और जिसे जो चाहता है वह बांट देता है।

क्योंकि जैसे देह तो एक है और उस के अंग बहुत हैं और उस एक देह के सब अंग बहुत होने पर भी एक ही देह हैं वैसे ही मसीह भी है। क्योंकि हम क्या यहूदी क्या यूनानी क्या दास क्या स्वतंत्र सब ने एक देह होने के लिये एक आत्मा के द्वारा बपतिसमा लिया।

इस लिये कि देह में एक ही अंग नहीं पर बहुत से हैं। यदि पांव कहे कि मैं हाथ नहीं इस लिये देह का नहीं तो क्या वह इस कारण देह का नहीं। और यदि कान कहे कि मैं आंख नहीं इस लिये देह का नहीं तो क्या वह इस कारण देह का नहीं। यदि सारी देह आंख ही होती तो सुनना कहां होता। यदि सारी देह कान ही होती तो सूंघना कहां होता।

पर अब तो परमेश्वर ने अंगों को अपनी इच्छा के अनुसार एक एक करके देह में रक्खा है। आंख हाथ से नहीं कह सकती कि मुझे तेरा प्रयोजन नहीं न सिर पांवों से कह सकता है कि मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं। और यदि एक अंग दुख पाता है तो सब अंग उस के साथ दुख पाते हैं और यदि एक अंग की बड़ाई होती है तो उस के साथ सब अंग आनन्द करते हैं। और परमेश्वर ने कितनों को कलीसिया में ठहराया है पहिले प्रेरित दूसरे नबी तीसरे उपदेशक फिर सामर्थ के काम करनेवाले फिर चंगा करनेवाले और उपकार करनेवाले और प्रधान और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले। क्या सब प्रेरित हैं। क्या सब नबी हैं। क्या सब उपदेशक हैं। क्या सब सामर्थ के काम करनेवाले हैं। क्या सब को चंगा करने के बरदान मिले हैं। क्या सब नाना प्रकार की भाषा बोलते हैं। क्या सब अर्थ बताते हैं। तुम अच्छे से अच्छे बरदानों की धुन में रहो और मैं तुम्हें और भी सब से अच्छा मार्ग बताता हूं।

इन सब से बड़ा प्रेम है।

(१ कुरिन्थियों १३)

यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूं और प्रेम न रक्खूं तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल और झंझनाती झांझ हूं।

और यदि मैं नबूवत कर सकूं और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझूं और मुझे यहां तक पूरा बिश्वास हो कि मैं पहाड़ों को हटा दूं पर प्रेम न रक्खूं तो मैं कुछ भी नहीं।

और यदि मैं अपना सारा माल कंगालों को खिला दूं या अपनी देह जलाने के लिये दे दूं और प्रेम न रक्खूं तो मुझे कुछ भी लाभ नहीं।

प्रेम धीरजवन्त और कृपाल है प्रेम डाह नहीं करता प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता वह आपस्वार्थी नहीं झुंझलाता नहीं बुरा नहीं मानता। अधर्म से आनन्द नहीं होता पर सत्य से आनन्द होता है। वह सब बातें सह लेता है सब बातों की प्रतीति करता है सब बातों की आशा रखता है सब बातों में धीरज धरता है।

प्रेम कभी टलता नहीं नबूवतें हों तो समाप्त हो जाएंगी भाषाएं हों तो जाती रहेंगी ज्ञान हो तो मिट जाएगा। क्योंकि हमारा ज्ञान अधूरा है और हमारी नबूवत अधूरी है। पर जब पूरा आएगा तो अधूरा मिट जाएगा। जब मैं बालक था तो मैं बालकों की नाईं बोलता था बालकों का सा मन था बालकों की सी समझ थी पर जब सियाना हो गया तो बालकों की बातें छोड़ दीं। अब हमें दर्पण में धुंधला सा दिखाई देता है पर उस समय आमने सामने देखेंगे अब मेरा ज्ञान अधूरा है पर उस समय ऐसी पूरी रीति से पहचानूंगा जैसा पहचाना गया हूं।

पर अब बिश्वास आशा प्रेम ये तीनों बने रहते हैं पर इन में सब से बड़ा प्रेम है।

देख मैं तुम से भेद की बात कहता हूं।

(१ कुरिन्थियों १५:३२)

यदि मैं मनुष्य की रीति पर इफिसुस में बन पशुओं से लड़ा तो मुझे क्या लाभ हुआ। यदि मरे हुए न जिलाए जाएंगे तो आओ खाएं पीएं क्योंकि कल तो मर ही जाएंगे। धोखा न खाना बुरी संगति अच्छी चाल को बिगाड़ देती है।

अब कोई यह कहेगा मरे हुए किस रीति से जी उठते हैं और कैसी देह के साथ आते हैं। हे निर्बुद्धि जो कुछ तू बोता है जब तक न मरे जिलाया नहीं जाता। और जो तू बोता है यह वह देह नहीं जो उत्पन्न होने वाली है पर निरा दाना है चाहे गेहूं का चाहे किसी और अनाज का। परन्तु परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार उस को देह देता है और हर एक बीज को उस की निज देह।

सब शरीर एक सरीखे नहीं पर मनुष्यों का शरीर और, पशुओं का शरीर और, पक्षियों का शरीर और, मछलियों का शरीर और है। स्वर्ग पर की देह भी हैं और पृथिवी पर की भी हैं पर स्वर्ग पर की देहों का तेज और है पृथिवी पर की देहों का और।

सूरज का तेज और है चांद का तेज और है और तारों का तेज और है क्योंकि एक तारे से दूसरे तारे के तेज में भेद है। मरे हुओं का जी उठना भी ऐसा ही है। नाशमान बोया जाता है अबिनाशी जी उठता है। वह अनादर के साथ बोया जाता है तेज के साथ जी उठता है निर्बलता के साथ बोया जाता है सामर्थ के साथ जी उठता है। प्राणिक देह बोया जाता है आत्मिक देह जी उठता है। जब कि प्राणिक देह है तो आत्मिक देह भी है।

देखो मैं तुम से भेद की बात कहता हूं कि हम सब सोएंगे नहीं पर सब बदल जाएंगे। और यह पल भर में पलक मारते ही पिछली तुरही फूंकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूंकी जाएगी और मरे हुए अबिनाशी दशा में उठाए जाएंगे और हम बदल जाएंगे। क्योंकि अवश्य है कि यह नाशमान देह अबिनाश को पहिन ले और यह मरनहार अमरता को पहिन ले।

और जब यह नाशमान अबिनाश को पहिन लेगा और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा तब वह वचन जो लिखा है पूरा हो जाएगा कि जय ने मृत्यु को निगल लिया। हे मृत्यु तेरी जय कहां हे मृत्यु तेरा डंक कहां। मृत्यु का डंक पाप है और पाप का बल व्यवस्था है। परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

सो हे मेरे प्यारे भाइयो दृढ़ और अचल रहो और प्रभु के काम में सदा बढ़ते जाओ क्योंकि यह जानते हो कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।

जागते रहो बिश्वास में बने रहो पुरुषार्थ करो बलवन्त होओ। जो कुछ करते हो प्रेम से करो।

स्वर्ग पर एक घर जो सदा काल के लिये है।

(२ कुरिन्थियों ४, ५, ११)

हम अपने आप को नहीं पर मसीह यीशु को प्रचार करते हैं इस लिये कि परमेश्वर ही है जिस ने कहा कि अंधकार में से ज्योति चमकेगी

और वही हमारे मनों में चमका कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान को ज्योति प्रकाश हो। पर हमारे पास यह धन मिट्टी के बरतनों में रक्खा है कि यह बहुत ही भारी सामर्थ हमारी ओर से नहीं बरन परमेश्वर ही की ठहरे।

हम चारों ओर से क्लेश पाते हैं पर संकट में नहीं पड़ते। निरुपाय तो हैं पर निराश नहीं होते, सताए तो जाते हैं पर त्यागे नहीं जाते गिराए तो जाते हैं पर नाश नहीं होते हम हियाव नहीं छोड़ते पर यदि हमारा बाहरी मनुष्यत्व नाश भी होता जाता है तौभी भीतरी मनुष्यत्व दिन पर दिन नया होता जाता है। क्योंकि हमारा पल भर का हलका सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही भारी और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं पर अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े दिन की हैं पर अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

क्योंकि हम जानते हैं कि जब हमारा पृथिवी पर का घर गिराया जाए तो हमें परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथ का बना हुआ घर नहीं पर सदा काल के लिये होगा। हम रूप देखे नहीं पर विश्वास से चलते हैं।

यदि तुम मेरी थोड़ी मूर्खता सह लेते तो क्या ही भला होता। क्या इस में मैं ने कुछ पाप किया कि मैं ने तुम्हें परमेश्वर का सुसमाचार सेंत मेंत सुनाया और अपने आप को नीचा किया कि तुम ऊंचे हो जाओ। मैं ने और मण्डलियों को लूटा मैं ने उन से मजदूरी ली कि तुम्हारी सेवा करूं और जब मैं तुम्हारे साथ था और मुझे घटी हुई तो मैं ने किसी पर भार नहीं दिया क्योंकि भाइयों ने मकिदुनिया से आकर मेरी घटी पूरी की और मैं ने हर बात में अपने आप को तुम पर भार होने से रोका और रोके रहूंगा।

क्या इस लिये कि मैं तुम से प्रेम नहीं रखता। परमेश्वर जानता है।

चिन्ह और अद्भुत काम।

(२ कुरिन्थियों ११:१६, १२, १३)

कोई मुझे मूर्ख न समझे नहीं तो मूर्ख ही समझकर मेरी सह लो कि थोड़ा सा मैं भी घमण्ड करूं इस बेधड़क घमण्ड से बोलने में जो कुछ मैं कहता हूं वह प्रभु की आज्ञा के अनुसार नहीं पर मानो मूर्खता से कहता हूं। जब कि बहुत लोग शरीर के अनुसार घमण्ड करते हैं तो मैं भी घमण्ड करूंगा। तुम तो समझदार होकर आनन्द से मूर्खों की सह लेते हो। क्योंकि जब तुम्हें कोई दास बना लेता है या खा जाता है या फंसा लेता है या अपने आप को बड़ा बनाता है या तुम्हारे मुंह पर थप्पड़ मारता है तो तुम सह लेते हो। मेरा कहना अनादर की रीति पर है मानो कि हम निर्बल से थे। पर जिस किसी बात में कोई हियाव करता है (मैं मूर्खता से कहता हूं) मैं भी हियाव करता हूं।

क्या वे ही इब्रानी हैं मैं भी हूं। क्या वे ही इस्राएली हैं मैं भी हूं। क्या वे ही इब्राहीम के वंश हैं मैं भी हूं। क्या वे ही मसीह के सेवक हैं उन से बढ़कर हूं अधिक परिश्रम करने में बार बार कैद में कोड़े खाने में बार बार मृत्यु के जोखिम में।

पांच बार मैं ने यहूदियों के हाथ से उन्तालीस उन्तालीस कोड़े खाए। तीन बार मैं ने बेतें खाई एक बार पत्थरवाह किया गया तीन बार जहाज जिन पर मैं चढ़ा था टूट गए एक रात दिन मैं ने समुद्र में काटा। मैं बार बार यात्राओं में नदियों के जोखिमों में डाकुओं के जोखिमों में अपने जातिवालों से जोखिमों में अन्यजातियों से जोखिमों में नगरों में के जोखिमों में जंगल के जोखिमों में समुद्र के जोखिमों में झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में, परिश्रम और कष्ट में बार बार जागते रहने में, भूख पियास में, बार बार उपवास करने में, जाड़े में, उघाड़े रहने में, और और बातों को छोड़कर सब मण्डलियों की चिन्ता हर दिन मुझे दबाती है।

कौन निर्बल है और मैं निर्बल नहीं। कौन ठोकर खाता है और मेरा जी नहीं जलता। यदि

घमण्ड करना अवश्य है तो मैं अपनी निर्बलता की बातों पर करूंगा। परमेश्वर जानता है कि मैं झूठ नहीं बोलता। दमिश्क में अरितास राजा की ओर से जो हाकिम था उस ने मेरे पकड़ने को दमिश्कियों के नगर पर पहरा बैठा रक्खा था। और मैं टोकरे में खिड़की से होकर भीत पर से उतारा गया और उस के हाथ से बच निकला। यद्यपि घमण्ड करना तो मेरे लिये ठीक नहीं तौभी करना पड़ता है सो मैं प्रभु के दिए हुए दर्शनों और प्रकाशों की चरचा करूंगा। मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूं चौदह बरस हुए कि न जाने देह सहित न जाने देह रहित परमेश्वर जानता है और ऐसा मनुष्य तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया। मैं ऐसे मनुष्य को जानता हूं न जाने देह सहित न जाने देह रहित परमेश्वर ही जानता है। कि स्वर्ग लोक पर उठा लिया गया और ऐसी बातें सुनीं जो कहने की नहीं और जिनका मुंह पर लाना मनुष्य को उचित नहीं। ऐसे मनुष्य पर तो मैं घमण्ड करूंगा परन्तु अपने पर अपनी निर्बलताओं को छोड़ अपने विषय में घमण्ड न करूंगा। मैं मूर्ख तो बना पर तुम ही ने मुझ से यह काम करवाया। तुम ही को मेरी प्रशंसा करनी चाहिए थी क्योंकि यद्यपि मैं कुछ भी नहीं तौभी उन बड़े से बड़े प्रेरितों से किसी बात में घटकर नहीं था।

प्रेरित के लक्षण भी तुम्हारे बीच सब प्रकार के धीरज सहित चिन्हों और अद्भुत कामों और सामर्थ के कामों से दिखाए गए। कौन सी बात में तुम और और मण्डलियों से घटकर थे केवल इस में कि मैं ने तुम पर अपना भार न रक्खा। मेरा यह अन्याय क्षमा करो। देखो मैं तीसरी बार तुम्हारे पास आने को तैयार हूं और मैं तुम पर कोई भार न रक्खूंगा क्योंकि मैं तुम्हारी सम्पत्ति नहीं पर तुम ही को चाहता हूं क्योंकि लड़केबालों को माता पिता के लिये धन बटोरना न चाहिए पर माता पिता को लड़केबालों के लिये। मैं तुम्हारे प्राणों के लिये बहुत आनन्द से खरच करूंगा बरन आप भी खरच हो जाऊंगा। क्या जितना बढ़कर मैं तुम से प्रेम रखता हूं उतना ही घटकर तुम मुझ से प्रेम रक्खोगे।

तुम समझ रहे हो कि हम तुम्हारे सामने उजर कर रहे हैं हम तो परमेश्वर को हाजिर जानकर मसीह में बोलते हैं और हे प्यारो सब बातें तुम्हारी उन्नति के लिये कहते हैं। क्योंकि मुझे डर है कहीं ऐसा न हो कि मैं आकर जैसे चाहता हूं वैसे तुम्हें न पाऊं और मुझे भी जैसा तुम नहीं चाहते वैसा ही पाओ कि तुम में झगड़ा डाह क्रोध बिरोध ग़ीबत चुगली अभिमान और बखेड़े हों। और मेरा परमेश्वर कहीं मुझे फिर आने पर तुम्हारे यहां हेठा करे। अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूं। दो या तीन गवाहों के मुंह से हर एक बात ठहराई जाएगी। जैसे मैं जब दूसरी बार तुम्हारे साथ था तो वैसे ही अब दूर रहते हुए उन लोगों से जिन्हों ने पहिले पाप किया और और सब लोगों से अब पहिले से कह देता हूं कि यदि मैं फिर आऊंगा तो नहीं छोड़ूंगा।

अपने आप को परखो कि विश्वास में हो कि नहीं अपने आप को जांचो। और हम अपने परमेश्वर से यह प्रार्थना करते हैं कि तुम कोई बुराई न करो पर कि तुम भलाई करो।

निदान हे भाइयो आनन्द रहो सिद्ध हो जाओ शांत होओ एक ही मन रक्खो मेल से रहो और प्रेम और शान्ति का दाता परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा।

गलतियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

मुझे अचरज होता है कि जिस ने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया उस से तुम और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर ऐसे जल्दी फिर जाते हो। पर कितने ऐसे हैं जो तुम्हें घबरा देते और मसीह के सुसमाचार को बदल डालना चाहते हैं।

हे भाइयो मैं तुम्हें जताए देता हूं कि जो सुसमाचार मैं ने सुनाया वह मनुष्य का सा नहीं। क्योंकि वह मुझे मनुष्य की ओर से नहीं पहुंचा और न मुझे सिखाया गया पर यीशु मसीह के प्रकाश से मिला। तुम सुन चुके हो कि मैं परमेश्वर की कलीसिया को बहुत ही सताता और नाश करता था। और अपने बहुत जातिवालों से जो मेरी उमर के थे यहूदी मत में बढ़ता जाता रहा और अपने बापदादों के व्यवहारों में बहुत ही धुन लगाए था। परन्तु परमेश्वर की इच्छा हुई, कि मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करे कि मैं अन्यजातियों में उस का सुसमाचार जो पहिले सताता था वह अब उसी मत का सुसमाचार सुनाता है जिसे पहिले नाश करता था।

हम जो जन्म के यहूदी हैं तौभी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं पर केवल यीशु मसीह पर बिश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरता है हम ने आप भी बिश्वास किया कि हम व्यवस्था के कामों से नहीं पर मसीह पर बिश्वास करने से धर्मी ठहरें इस लिये कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी धर्मी न ठहरेगा। और मैं शरीर में अब जो जीता हूं तो उस बिश्वास में जीता हूं जो परमेश्वर के पुत्र पर है जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

हे निर्बुद्धि गलतियो किस ने तुम्हें मोह लिया है। तुम ने आत्मा को क्या व्यवस्था के कामों से या बिश्वास के समाचार से पाया। व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के यहां कोई धर्मी नहीं ठहरता क्योंकि धर्मी जन बिश्वास से जीता रहेगा।

पर बिश्वास के आने से पहिले व्यवस्था की अधीनता में हमारी रखवाली होती थी और उस बिश्वास के आने तक जो प्रगट होनेवाला था हम उसी के बन्धन में रहे। सो व्यवस्था मसीह तक पहुंचाने को हमारा शिक्षक हुई है कि हम बिश्वास से धर्मी ठहरें। पर जब बिश्वास आ चुका तो हम अब शिक्षक के अधीन न रहे। क्योंकि तुम सब उस बिश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है परमेश्वर के सन्तान हो। अब न कोई यहूदी रहा न यूनानी न कोई दास न स्वतंत्र क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।

मसीह ने स्वतंत्रता के लिये हमें स्वतंत्र किया है सो इस में बने रहो और दासत्व के जुए में फिर न जुतो। तुम जो व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहरना चाहते हो मसीह से अलग और अनुग्रह से गिर गए हो।

क्योंकि आत्मा के कारण हम बिश्वास से आशा की हुई धार्मिकता की बाट जोहते हैं। बिश्वास प्रेम के द्वारा प्रभाव करता है। आत्मा का फल प्रेम आनन्द मेल धीरज कृपा भलाई बिश्वास, नम्रता और संयम है ऐसे ऐसे कामों के बिरोध में कोई व्यवस्था नहीं। यदि हम आत्मा से जीते हैं तो आत्मा के अनुसार चलें भी। हम घमण्डी होकर न एक दूसरे को छेड़ें और न एक दूसरे से डाह करें।

हे भाइयो यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में फंस जाए तो तुम जो आत्मिक हो नम्रता के साथ ऐसे को संभालो और अपनी भी चौकसी रक्खो कि तू भी परीक्षा में न पड़े। एक दूसरे के भार उठाओ और यों मसीह की व्यवस्था को पूरी करो। क्योंकि यदि कोई कुछ न होने पर भी अपने आप को कुछ समझता है तो अपने आप को धोखा देता है।

पर हर एक अपने ही काम को जांच ले और तब दूसरे के विषय में नहीं पर अपने ही विषय में उस को घमण्ड करने की जगह होगी। क्योंकि हर एक जन अपना ही बोझ उठाएगा। जो बचन की

शिक्षा पाता है वह सब अच्छी वस्तुओं में सिखानेवाले को भागी करे।

धोखा न खाओ परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है वही काटेगा। क्योंकि जो अपने शरीर के लिये बोता है वह शरीर के द्वारा बिनाश की कटनी काटेगा और जो आत्मा के लिये बोता है वह आत्मा के द्वारा अनन्त जीवन की कटनी काटेगा।

हम भले काम करने में हियाव न छोड़ें क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। इस लिये जहां तक अवसर मिले हम सब के साथ भलाई करें।

देखो मैं ने कैसे बड़े बड़े अक्षरों में तुम को अपने हाथ से लिखा है। पर ऐसा न हो कि मैं और किसी बात का घमण्ड करूं केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का।

इफिसियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

मैं जो प्रभु में बन्धुआ हूं तुम से बिनती करता हूं कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे उस के योग्य चाल चलो। अर्थात सारी दीनता और नम्रता सहित और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो। और मेल के बन्ध में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।

एक ही देह है और एक ही आत्मा है। एक ही प्रभु एक ही बिश्वास एक ही बपतिसमा। सब का एक ही परमेश्वर और पिता जो सब के ऊपर और सब के मध्य में और सब में है। पर हम में से हर एक को मसीह के दान के परिमाण से अनुग्रह मिला है।

और उस ने कितनों को प्रेरित करके और कितनों को नबी करके और कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले करके और कितनों को रखवाले और उपदेशक करके दे दिया। जब तक कि हम सब के सब बिश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएं और एक पूरा मनुष्य न बनें और मसीह के पूरे डील तक न बढ़ें। इस लिये कि हम बालक न रहें जो मनुष्यों की ठग विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की जुगतों की और उपदेश की हर एक बयार से उछाले और इधर उधर घुमाए जाते हों। प्रेम में सत्य से चलते हुए सब बातों में उस में बढ़ते जाएं।

और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नए बनते जाओ। और नए मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सिरजा गया है। झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं। क्रोध तो करो पर पाप न करो सूरज के डूबने तक तुम्हारा कोप न रहे। चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे बरन भला काम करने में हाथों से मिहनत करे इस लिये कि जिसे प्रयोजन हो उसे देने को उस के पास कुछ हो। कोई गन्दी बात तुम्हारे मुंह से न निकले पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये अच्छी हो कि उस से सुननेवालों पर अनुग्रह हो।

सब प्रकार की कड़वाहट और कोप और क्रोध और कलह और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। और एक दूसरे पर कृपाल और करुणामय हो और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।

प्यारे बालकों की नाईं परमेश्वर के समान बनो। और प्रेम में चलो जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया। और जैसा पवित्र लोगों के योग्य है वैसा तुम में किसी प्रकार के अशुद्ध काम या लोभ की चरचा तक न हो। और न मूढ़ता की बातचीत बरन धन्यबाद ही सुना जाय। कोई तुम्हें ब्यर्थ बातों से धोखा न दे क्योंकि इन ही कामों के कारण पर-

मेश्वर का क्रोध आज्ञा न माननेवालों पर पड़ता है। और अंधकार के निष्फल कामों में भागी न हो बरन उन पर उलाहना दो। सो ध्यान से देखो कि कैसी चाल चलते हो। निर्बुद्धियों की नाईं नहीं पर बुद्धिमानों की नाईं चलो। और अवसर को बहुमोल समझो क्योंकि दिन बुरे हैं। और दाखरस से मतवाले न बनो पर आत्मा से भरपूर होते जाओ। और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो और अपने अपने मन में प्रभु के सामने गान और कीर्त्तन करते रहो। और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। और मसीह के भय से एक दूसरे के अधीन हो।

हे पत्नियो अपने अपने पति के ऐसे अधीन रहो जैसे प्रभु के। हे पतियो अपनी पत्नी से प्रेम रक्खो जो अपनी पत्नी से प्रेम रखता है वह अपने आप से प्रेम रखता है। पर तुम में से हर एक अपनी पत्नी से अपने समान प्रेम रक्खे और पत्नी भी अपने पुरुष का भय माने। हे बालको अपने माता पिता का कहा मानो क्योंकि यह ठीक है। अपनी माता और पिता का आदर कर कि तेरा भला हो और तू धरती पर बहुत दिन जीता रहे। और हे बच्चेवालो अपने बच्चों को रिस न दिलाओ परन्तु प्रभु की शिक्षा और चितावनी देते हुए उन का पालन करो। हे दासो जो लोग तुम्हारे स्वामी हैं अपने मन की सीधाई से डरते और कांपते हुए जैसे मसीह की वैसे ही उन की आज्ञा मानो। और मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों की नाईं दिखाने के लिये सेवा न करो पर मन से परमेश्वर की इच्छा पर चलो। और उस सेवा को मनुष्यों की नहीं परन्तु प्रभु की जानकर सुमति से करो। क्योंकि तुम जानते हो कि जो कोई जैसा अच्छा काम करेगा चाहे दास हो चाहे स्वतन्त्र प्रभु से वैसा ही पाएगा। और हे स्वामियो तुम भी धमकियां छोड़कर उन के साथ वैसा ही व्यवहार करो क्योंकि जानते हो कि उन का और तुम्हारा दोनों का स्वामी स्वर्ग में है और वह किसी का पक्ष नहीं करता।

निदान प्रभु में और उस की शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो। परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो कि तुम शैतान की जुगतों के सामने खड़े रह सको। क्योंकि हमारा यह लड़ना लोहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से और इस संसार के अंधकार के हाकिमों से और आकाश में की दुष्टता की आत्मिक सेना से है। इस लिये परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको सो सत्य से अपनी कमर कसकर और धार्म्मिकता की झिलम पहिन कर, और पांवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहिन कर खड़े रहो। और उन सब के साथ बिश्वास की ढाल लो और उद्धार का टोप और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का बचन है ले लो। और हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना और बिनती करते रहो और इसी लिये जागते रहो कि सब पवित्र लोगों के लिये लगातार बिनती किया करो। और मेरे लिये भी कि मुझे बोलने के समय ऐसा बचन दिया जाए कि मैं हियाव से सुसमाचार का भेद बताऊं जिस के लिये मैं जंजीर से जकड़ा हुआ दूत हूं। और यह भी कि मैं उस के विषय में जैसा मुझे चाहिए हियाव से बोलूं।

परमेश्वर पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से भाइयों को शान्ति और बिश्वास सहित प्रेम मिले। जो हमारे प्रभु यीशु मसीह से अटल प्रेम रखते हैं उन सब पर अनुग्रह होता रहे।

फिलिप्पियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

मैं जब जब तुम्हें स्मरण करता हूं तब तब अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं। और जब कभी तुम सब के लिये बिनती करता हूं तो सदा आनन्द के साथ बिनती करता हूं। इस लिये कि तुम पहिले दिन से लेकर आज तक सुसमाचार के फैलाने में साझी रहे हो। और मुझे इस बात का भरोसा है कि जिस ने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है वह उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।

और मैं यह प्रार्थना करता हूं कि तुम्हारा प्रेम ज्ञान और सब प्रकार के विवेक सहित और भी बढ़ता जाए। यहां तक कि तुम उत्तम बातें प्रिय जानो और मसीह के दिन तक सच्चे रहो और ठोकर न खाओ। और धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं भरपूर हो कि परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे।

हे भाइयो मैं चाहता हूं कि तुम यह जान लो कि जो मुझ पर बीता है उस से सुसमाचार की बढ़ती ही हुई है। यहां तक कि सारी राज्य पलटन में और और सब को यह प्रगट हो गया कि मैं मसीह के लिये कैद हूं। और प्रभु में जो भाई हैं उन में से बहुधा मेरे कैद होने के कारण हियाव बांधकर परमेश्वर का बचन बेधड़क सुनाने का और भी हियाव करते हैं। मैं इस से आनन्दित हूं और आनन्दित रहूंगा। क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम्हारी बिनती के द्वारा इस का फल मेरा उद्धार होगा। मैं तो यही आशा जी लगाकर रखता हूं कि मैं किसी बात में लज्जा न खाऊंगा पर जैसे सदा सब प्रकार से हियाव करता आया हूं वैसे ही आगे को भी करता रहूंगा और इस रीति से चाहे जीवन चाहे मृत्यु के द्वारा मेरी देह से मसीह की बड़ाई होगी। क्योंकि मेरे लिये जीना मसीह है और मरना लाभ है।

और इस भरोसे से मैं जानता हूं कि मैं जीता रहूंगा और तुम सब के साथ बना रहूंगा कि तुम्हारे बिश्वास की बढ़ती और आनन्द हो। इतना हो कि तुम्हारा चालचलन सुसमाचार के योग्य हो कि मैं चाहे आकर तुम्हें देखूं चाहे न भी आऊं तुम्हारे विषय में यह सुनूं कि तुम एक ही आत्मा में बने रहते हो और एक मन होकर बिश्वास के लिये यत्न करते रहते हो।

हे मेरे भाइयो प्रभु में आनन्दित रहो। प्रभु में सदा आनन्दित रहो मैं फिर कहता हूं आनन्दित रहो। तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट हो। किसी बात की चिन्ता न करो पर हर एक बात में तुम्हारे निवेदन धन्यवाद के साथ प्रार्थना और बिनती के द्वारा परमेश्वर के सामने जनाए जाएं। और परमेश्वर की शान्ति जो सारी समझ से परे है मसीह यीशु में तुम्हारे हृदय और तुम्हारे बिचारों की रक्षा करेगी।

निदान हे भाइयो जो जो बातें सत्य हैं जो जो बातें आदर के योग्य हैं जो जो बातें न्याय की हैं जो जो बातें शुद्ध हैं जो जो बातें सुहावनी हैं जो जो बातें मनभावनी हैं यदि कोई सद्गुण और कोई प्रशंसा की बातें हों तो इन ही का बिचार किया करो।

जो बातें तुम ने सीखीं और ग्रहण कीं और सुनीं और मुझ में देखीं वे ही बातें किया करना और शान्ति का परमेश्वर तुम्हारे साथ रहेगा।

मैं प्रभु में बहुत आनन्दित हुआ कि अब इतने दिन के पीछे तुम्हारी मेरे विषय में चिन्ता फिर पनपी है। तुम ऐसी चिन्ता करते तो थे पर तुम्हें अवसर न मिला। यह नहीं कि मैं अपनी घटी के कारण यह कहता हूं क्योंकि मैं सीख चुका हूं कि जिस दशा में हूं उस में सन्तोष करूं। मैं दीन होना भी और बढ़ना भी जानता हूं मैं ने हर बात और हर दशा में तृप्त होना और भूखा रहना और बढ़ना घटना सीखा है। उस में जो मुझे सामर्थ देता है मैं सब कुछ कर सकता हूं।

तौभी तुम ने भला किया कि मेरे क्लेश में मेरे साथी हुए। और हे फिलिप्पियो तुम जानते हो कि

सुसमाचार के फैलाने के आरम्भ में जब मैं मकिदुनिया से निकला तो तुम्हें छोड़ और कोई मण्डली देने लेने के विषय में मेरे साथ भागी न हुई। जैसे कि जब मैं थिस्सलुनीके में था तब भी तुमने मेरी घटी पूरी करने के लिये एक बार क्या वरन दो बार कुछ भेजा था। यह नहीं कि मैं दान चाहता हूं पर मैं वह फल चाहता हूं जो तुम्हारे लाभ के लिये बढ़ता जाए। मेरे पास सब कुछ है वरन बहुतायत से भी है। जो वस्तुएं तुम ने इप्फरुदीतुस के हाथ भेजीं उन्हें पाकर मैं तृप्त हो गया वह तो सुगन्ध और ग्रहण करने के योग्य बलिदान है जो परमेश्वर को भाता है। और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी पूरी करेगा।

हमारे परमेश्वर और पिता की महिमा युगानुयुग होती रहे। मसीह यीशु में हर एक पवित्र जन को नमस्कार। जो भाई मेरे साथ हैं उन का तुम को नमस्कार। सब पवित्र लोगों का निज करके उन का जो कैसर के घराने के हैं तुम को नमस्कार।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारे आत्मा के साथ हो।

कुलुस्सियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

मैं चाहता हूं कि तुम जान लो कि तुम्हारे और उन के जो लौदीकिया में हैं और उन सब के लिये जिन्हों ने मेरा मुंह नहीं देखा क्या ही यत्न करता हूं। कि उन के मनों में शान्ति हो और वे प्रेम से आपस में गठे रहें कि वे मसीह को पहचानें। जिस में बुद्धि और ज्ञान के सारे भंडार छिपे हैं। क्योंकि मैं जो शरीर के भाव से तुम से दूर हूं तौभी आत्मा के भाव से तुम्हारे साथ हूं और तुम्हारी विधि-अनुसार चाल और तुम्हारे विश्वास की स्थिरता देखकर आनन्दित होता हूं।

सो जैसे तुम ने मसीह यीशु को मान लिया है वैसे ही उस में चलो। और उसी में तुम जड़ पकड़ते और बनते जाओ और बिश्वास में पक्के होते जाओ और धन्यवाद पर धन्यवाद करते रहो।

चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व-ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले जो मनुष्यों के परम्पराई मत और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है।

इस लिये जब तुम मसीह के साथ जिलाए गये तो ऊपर की बस्तुओं की खोज में रहो जहां मसीह परमेश्वर के दहिने बैठा है। पृथिवी पर की नहीं पर ऊपर की बस्तुओं पर मन लगाओ।

सो परमेश्वर के चुने हुओं की नाईं जो पवित्र और प्यारे हैं बड़ी करुणा और भलाई और दीनता और नम्रता और सहनशीलता धारण करो। और यदि किसी को किसी पर दोष देने का कोई कारण हो तो एक दूसरे की सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करना जैसे प्रभु ने तुम्हें क्षमा किया वैसे ही तुम भी करो। और इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का बंध है धारण करो। और मसीह की शान्ति तुम्हारे हृदय में राज्य करे और तुम धन्यवाद करो। मसीह का बचन अपनों में बहुतायत से बसने दो सारे ज्ञान सहित। और बचन से या काम से जो कुछ करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो।

हे पत्नियो अपने पति के अधीन रहो। हे पतियो अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रक्खो और उन से कड़वे न हो। हे बालको सब बातों में अपने अपने माता पिता की आज्ञा माना करो क्योंकि यह प्रभु को भाता है। हे बच्चेवालो अपने बालकों को न खिजाओ न हो कि वे उदास हो जाएं। हे दासो जो तुम्हारे स्वामी हैं मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों को नाईं दिखाने के लिये नहीं पर मन की सीधाई और परमेश्वर के भय से सब बातों में उन की आज्ञा मानो। और जो कुछ तुम करो जी से करो यह समझकर कि प्रभु के लिये करते हो। क्योंकि जानते हो कि तुम्हें इस के बदले प्रभु से मीरास मिलेगी। तुम प्रभु मसीह के दास हो। और जो बुरा करता है वह अपनी बुराई का फल पाएगा वहां किसी का पक्षपात नहीं। हे स्वामियो अपने अपने दासों के साथ न्याय और ठीक ठीक व्यवहार करो यह समझकर कि स्वर्ग में तुम्हारा भी एक स्वामी है।

प्रार्थना में लगे रहो और धन्यवाद के साथ उस में जागते रहो। और हमारे लिये भी प्रार्थना करते रहो कि परमेश्वर हमारे लिये बचन सुनाने का ऐसा द्वार खोल दे कि हम मसीह के उस भेद के विषय में बोल सकें जिस के कारण मैं कैद हुआ हूं। तुम्हारा बचन सदा अनुग्रह सहित और सलोना हो कि तुम जानो कि हर एक को किस रीति से उत्तर देना चाहिए।

प्यारा भाई और बिश्वास योग्य सेवक तुखिकुस जो प्रभु में मेरा संगी दास है मेरी सब बातें तुम्हें बता देगा। उसे मैं ने इस लिये तुम्हारे पास भेजा है कि तुम्हें हमारी दशा मालूम हो और वह तुम्हारे मन को शान्ति दे। और उस के साथ उनेसिमुस को भी भेजा है जो बिश्वास योग्य और प्यारा भाई और तुम ही में से है ये तुम्हें यहां की सारी बातें बता देंगे।

अरिस्तर्खुस जो मेरे साथ क़ैद है और मरकुस जो बरनबा का भाई लगता है इन का तुम्हें नम-

स्कार। ये ही परमेश्वर के राज्य के लिये मेरे साथ काम करते हैं और उन से मुझे शान्ति मिली। प्यारा वैद्य लूका और देमास का तुम्हें नमस्कार। लौदीकिया के भाइयों को और नुमफास और उन के घर में की मण्डली को नमस्कार। और जब यह पत्री तुम्हारे वहां पढ़ ली जाए तो ऐसा करना कि लौदीकिया की मण्डली में भी पढ़ी जाए।

मुझ पौलुस का अपने हाथ का लिखा हुआ नमस्कार। मेरे बन्धनों को स्मरण रखना। अनुग्रह तुम पर होता रहे।

थिस्सलुनीकियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

(१ थिस्सलुनीकियों १, २, ३, ४)

पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की मण्डली के नाम अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे।

हम अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण करते और सदा तुम सब के विषय में परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। और अपने परमेश्वर और पिता के सामने तुम्हारे विश्वास के काम और प्रेम का परिश्रम और हमारे प्रभु यीशु मसीह में आशा की धीरता को लगातार स्मरण करते हैं। और हे भाइयो परमेश्वर के प्यारो हम जानते हैं कि तुम बड़े क्लेश में आनन्द के साथ बचन को मानकर हमारी और प्रभु की सी चाल चलने लगे। यहां तक कि मकिदुनिया के सब विश्वासियों के लिये तुम नमूना बने। क्योंकि तुम्हारे यहां से प्रभु का बचन सुनाया गया कि हमें कहने की आवश्यकता नहीं।

हे भाइयो तुम आप जानते हो कि हमारा तुम्हारे पास आना व्यर्थ न हुआ। पर तुम आप ही जानते हो कि पहिले पहिल फिलिप्पी में दुख उठाने और उपद्रव सहने पर भी हमारे परमेश्वर ने हमें ऐसा हियाव दिया कि हम परमेश्वर का सुसमाचार भारी विरोधों के होते हुए भी तुम्हें सुनाएं। क्योंकि हमारा उपदेश न भ्रम में और न अशुद्धता से और न छल के साथ है। पर जैसा परमेश्वर ने हमें योग्य ठहराकर सुसमाचार सौंपा हम वैसा ही बोलते हैं और इस में मनुष्यों को नहीं परन्तु परमेश्वर को प्रसन्न करते हैं।

क्योंकि तुम जानते हो कि हम न तो कभी लल्लोपत्तो की बातें किया करते थे और न लोभ के लिये बहाना करते थे परमेश्वर गवाह है। और यद्यपि हम मसीह के प्रेरित होने के कारण तुम पर बोझ डाल सकते थे तौभी हम मनुष्यों से आदर न चाहते थे न तुम से न और किसी से, पर जिस तरह माता अपने बालकों को पालती पोसती है वैसे ही हम ने भी तुम्हारे बीच रहकर कोमलता दिखाई।

वैसे ही हम तुम पर मया करते हुए न केवल परमेश्वर का सुसमाचार पर अपना अपना प्राण भी तुम्हें देने को तैयार थे इस लिये कि तुम हमारे प्यारे हो गए थे। क्योंकि हे भाइयो तुम हमारे परिश्रम और कष्ट को स्मरण रखते हो कि हम ने इस लिये रात दिन काम धन्धा करते हुए तुम में परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार किया कि तुम में से किसी पर भार न हो। तुम आप ही गवाह हो और परमेश्वर भी कि तुम्हारे बीच जो विश्वास रखते हो हम कैसी पवित्रता और धर्म और निर्दोषता से रहे। जैसा पिता अपने बालकों के साथ बरताव करता है वैसे ही हम तुम में से हर एक को भी उपदेश करते और शान्ति देते और समझाते थे। कि तुम्हारा चालचलन परमेश्वर के योग्य हो हमारी बड़ाई और आनन्द तुम ही हो।

हम ने अपने सारे संकट और क्लेश में तुम्हारे विश्वास से तुम्हारे विषय में शान्ति पाई। क्योंकि अब यदि तुम प्रभु में बने रहो तो हम जीवते हैं। और जैसा आनन्द हमें तुम्हारे कारण अपने परमेश्वर के सामने है उस के बदले तुम्हारे विषय में हम किस रीति परमेश्वर का धन्यवाद करें। हम

रात दिन बहुत ही प्राथना करते रहते हैं कि तुम्हारा मुंह देखें। अब हमारा परमेश्वर और पिता आपही और हमारा प्रभु यीशु तुम्हारे यहां आने का हमारा मार्ग सीधा करे। और प्रभु ऐसा करे कि जैसा हम तुम से प्रेम रखते हैं वैसा ही तुम्हारा प्रेम भी आपस में और सब मनुष्यों के साथ बढ़े और उन्नति करता जाए।

भाईचारे की प्रीति के विषय में यह अवश्य नहीं कि मैं तुम्हारे पास कुछ लिखूं क्योंकि आपस में प्रेम रखना तुम ने आप ही परमेश्वर से सीखा है। पर हे भाइयो हम तुम्हें समझाते हैं कि और भी बढ़ते जाओ। और जैसी हम ने तुम्हें आज्ञा दी वैसे ही चुपचाप रहने और अपना अपना काम काज करने और अपने अपने हाथों से कमाने का यत्न करो। कि बाहरवालों के साथ सभ्यता से बरताव करो और तुम्हें किसी वस्तु की घटी न हो।

हे भाइयो हम नहीं चाहते कि तुम उन के विषय में जो सोते हैं अज्ञान रहो ऐसा न हो कि तुम औरों की नाईं शोक करो जिन्हें आशा नहीं। क्योंकि यदि हमें प्रतीति है कि यीशु मरा और जी उठा तो वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं उस के साथ लाएगा। क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा उस समय ललकार और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी और जो मसीह में मरे हैं वे पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीते रहेंगे उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे कि हवा में प्रभु से मिलें और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे। सो इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।

जो बातें अच्छी है उसे धरे रहो।

(१ थिस्सलुनीकियों ५)

पर हे भाइयो इसका प्रयोजन नहीं कि समयों और कालों के विषय में तुम्हारे पास कुछ लिखा जाए। क्योंकि तुम आप ठीक जानते हो कि जैसा रात को चोर आता है वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है। तुम तो अन्धकार में नहीं हो कि वह दिन तुम पर चोर की नाईं आ पड़े। क्योंकि तुम सब ज्योति के सन्तान और दिन के सन्तान हो हम न रात के न अंधकार के हैं। इस लिये हम औरों की नाईं सो न रहें पर जागते और सचेत रहें। बिश्वास और प्रेम की झिलम और उद्धार की आशा का टोप पहिन ले।

हे भाइयो हम तुम से बिनती करते हैं आपस में मेल से रहो। जो ठीक चाल नहीं चलते उन को चिताओ कायरों को दिलासा दो निर्बलों को संभालो सब की ओर सहनशीलता दिखाओ। देखो कोई किसी से बुराई के बदले बुराई न करे पर सदा आपस में और सब से भी भलाई की चेष्टा करो। सदा आनन्दित रहो। सदा प्रार्थना में लगे रहो। हर बात में धन्यबाद करो क्योंकि परमेश्वर की यही इच्छा है। आत्मा को न बुझाओ। सब बातों को जांचो जो अच्छी है उसे धरे रहो। सब प्रकार की बुराई से बचे रहो।

शान्ति का परमेश्वर आपही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे और तुम्हारा आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने लों पूरे पूरे और निर्दोष बने रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है और वह ऐसा ही करेगा। हे भाइयो हमारे लिये प्रार्थना करो। सब भाइयों को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो।

भलाई करने में हियाव न छोड़ो।

(२ थिस्सलुनीकियों २, ३)

स्थिर रहो और जो जो बातें तुम ने क्या बचन क्या पत्री के द्वारा हम से सीखी उन्हें थामे रहो।

हमारा प्रभु यीशु मसीह आप ही और हमारा पिता परमेश्वर जिस ने हम से प्रेम रक्खा तुम्हारे मनों में शान्ति दे और तुम्हें हरएक अच्छे काम

और बचन में स्थिर करे। और हमें भरोसा है कि जो जो आज्ञा हम तुम्हें देते हैं उन्हें तुम मानते हो और मानते भी रहोगे। परमेश्वर के प्रेम की ओर प्रभु तुम्हारे मन की अगुवाई करे।

हे भाइयो हम तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देते हैं कि हर एक ऐसे भाई से अलग रहो जो अनरीति से चलता और जो शिक्षा उस ने हम से पाई उस के अनुसार नहीं करता। क्योंकि तुम आप जानते हो कि किस रीति से हमारी सी चाल चलनी चाहिए क्योंकि हम तुम्हारे बीच अनरीति से न चले। और किसी की रोटी सेंत न खाई पर परिश्रम और कष्ट से रात दिन काम धन्धा करते थे कि तुम में से किसी पर भार न हो। यह नहीं कि हमें अधिकार नहीं पर इस लिये कि अपने आप को तुम्हारे लिये नमूना ठहराएं कि तुम हमारी सी चाल चलो। और जब हम तुम्हारे यहां थे तब भी यह आज्ञा तुम्हें देते थे कि यदि कोई काम करना न चाहे तो खाने भी न पाए।

हम सुनते हैं कि कितने लोग तुम्हारे बीच अनरीति से चलते हैं और कुछ काम नहीं करते पर औरों के काम में हाथ डाला करते हैं। ऐसों को हम आज्ञा देते और समझाते हैं कि चुपचाप काम करके अपनी ही रोटी खाया करें। और तुम हे भाइयो भलाई करने में हियाव न छोड़ो। यदि कोई हमारी बात को न माने तो उस पर आंख रक्खो और उस की संगति न करो जिस से वह लज्जित हो। तौभी उसे बैरी सा मत समझो पर भाई जानकर चिताओ।

शान्ति का प्रभु आप ही नित्य तुम्हें सदा शान्ति दे। प्रभु तुम सब के साथ रहे।

तीमुथियुस के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

(१ तीमुथियुस १,२,३,४)

पौलुस की ओर से तीमुथियुस के नाम जो बिश्वास में मेरा सच्चा पुत्र है। तुझे अनुग्रह और दया और शान्ति मिले।

जैसे मैं ने मकिदुनिया को जाते समय तुझे समझाया था कि इफिसुस में रहकर कितनों के आज्ञा देते रहना कि और प्रकार का उपदेश न दें, और ऐसी कहानियों और अनन्त बंशावलियों पर मन न लगाएं वैसे ही फिर भी कहता हूं।

आज्ञा का सार यह है कि शुद्ध मन और अच्छे विवेक और कपट रहित बिश्वास से प्रेम उत्पन्न हो। इन को तजकर कितने लोग फिरकर बकवाद की ओर भटक गए हैं। और व्यवस्थापक तो होना चाहते हैं पर जो बातें कहते और जिन को दृढ़ता से बोलते हैं उन को समझते भी नहीं। पर हम जानते हैं कि यदि कोई व्यवस्था को व्यवस्था की रीति पर काम में लाए तो वह भली है। यह जान कर कि व्यवस्था धर्मी जन के लिये नहीं पर अधर्मियों के लिये ठहराई गई है। और मैं हमारे प्रभु मसीह यीशु का धन्यवाद करता हूं कि उस ने मुझे बिश्वास योग्य समझकर अपनी सेवा के लिये ठहराया। मैं तो पहिले निन्दा करनेवाला और सतानेवाला और अंधेर करनेवाला था तौभी मुझ पर दया हुई क्योंकि मैं ने अबिश्वास की दशा में बिन समझे बूझे ये काम किए थे।

यह बात सच और हर प्रकार से मानने के योग्य है कि मसीह यीशु पापियों का उद्धार करने के लिये जगत में आया जिन में सब से बड़ा मैं हूं। अब सनातन राजा अबिनाशी अनदेखे अद्वैत परमेश्वर का आदर और महिमा युगानुयुग होती रहे।

सो मैं सब से पहिले यह उपदेश देता हूं कि बिनती और प्रार्थना और निवेदन और धन्यवाद सब मनुष्यों के लिये किए जाएं। राजाओं और सब ऊंचे पदवालों के निमित्त इस लिये कि हम बिश्राम और चैन के साथ सारी भक्ति और गम्भीरता से जीवन बिताएं। यह हमारे परमेश्वर को अच्छा लगता और भाता है। वह यह चाहता है कि सब मनुष्यों का उद्धार हो और वे सत्य को भली भांति पहचानें।

सो मैं चाहता हूं कि हर जगह पुरुष बिना क्रोध और बिवाद के पवित्र हाथों को उठाकर प्रार्थना किया करें। वैसे ही स्त्रियां संयम के साथ सोहते हुए पहिरावन से अपने आप को संवारें न कि बाल गूंथने और सोने और मोतियों और बहुमोल कपड़ों से, पर भले कामों से कि परमेश्वर की भक्ति का प्रण करनेवाली स्त्रियों को यही सोहता है।

यह बात सत्य है कि कोई अध्यक्ष होना चाहता है तो भले काम की इच्छा करता है। सो चाहिए कि अध्यक्ष निर्दोष और एक ही पत्नी का पति सचेत संयमी सुशील पहुनाई करनेवाला और सिखाने में निपुण हो। पियक्कड़ या मारपीट करनेवाला न हो बरन कोमल हो न झगड़ालू न लोभी, अपने घर का अच्छा प्रबन्ध करता हो और लड़केबालों को सारी गम्भीरता से अधीन रखता हो। पर जब कोई अपने घर ही का प्रबन्ध करना न जानता हो तो परमेश्वर की मण्डली की रखवाली क्योंकर करेगा। फिर नया चेला न हो ऐसा न हो कि अभिमान करके दण्ड पाए। और बाहरवालों में भी उस का सुनाम हो न हो कि निन्दित होकर शैतान के फंदे में पड़े।

वैसे ही सेवकों को भी गम्भीर होना चाहिये दोरंगी पियक्कड़ और नीच कमाई के लोभी न हों। पर बिश्वास के भेद को शुद्ध विवेक से रक्खें। इसी प्रकार से स्त्रियों को भी गम्भीर होना चाहिए दोष लगानेवाली न हों पर सचेत और सब बातों में बिश्वासी हों।

पवित्र आत्मा साफ साफ कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाले आत्माओं को शिक्षाओं पर मन लगाकर बिश्वास से बहक जाएंगे। यह उन झूठे मनुष्यों के कपट के कारण होगा जो

ब्याह करने से रोकेंगे और भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की आज्ञा देंगे जिन्हें परमेश्वर ने इस लिये सिरजा कि विश्वासी उन्हें धन्यबाद के साथ खाएं। क्योंकि परमेश्वर की सिरजी हुई हर एक बस्तु अच्छी है।

यदि तू भाइयों को इन बातों की सुध दिलाता रहेगा तो मसीह यीशु का अच्छा सेवक ठहरेगा और बिश्वास और उस अच्छे उपदेश की बातों से तेरा पोषण होता रहेगा। पर अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह और भक्ति के लिये अपना साधन कर। क्योंकि देह की साधना से थोड़ा ही लाभ तो होता है पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है कि अब के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है।

इन बातों की आज्ञा कर और सिखाता रह।

— —

अच्छी कुश्ती लड़।

(१ तीमुथियुस ४:१२-२ तीमुथियुस १,२,)

कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए पर बचन और चाल चलन और प्रेम और बिश्वास और पवित्रता में बिश्वासियों के लिये नमूना बन जा। जब तक मैं न आऊं तब तक पढ़ने और उपदेश और सिखाने में मन लगाता रह। उस बरदान से जो तुझ में है अचेत न रह। इन बातों को सोच और इन ही में लगा रह कि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो। अपनी और अपने उपदेश की चौकसी रख। इन बातों पर बना रह क्योंकि यदि ऐसा करता रहेगा तो तू अपने और अपने सुननेवालों के भी उद्धार का कारण होगा। इन बातों का उपदेश कर और समझता रह।

यदि कोई और ही प्रकार का उपदेश देता है और खरी बातों को अर्थात हमारे प्रभु यीशु मसीह की बातों को नहीं मानता तो वह अभिमानी हो गया और कुछ नहीं जानता बरन उसे बिवाद और शब्दों पर तर्क करने का रोग है जिन से डाह और झगड़े और निन्दा की बातें और बुरे बुरे सन्देह, और उन मनुष्यों में व्यर्थ रगड़े झगड़े उत्पन्न होते हैं जिन की बुद्धि बिगड़ी और जिन से सत्य छीन लिया गया है जो समझते हैं कि भक्ति कमाई का द्वार है।

पर सन्तोष सहित भक्ति बड़ी कमाई है। क्योंकि न हम जगत में कुछ लाए और न कुछ ले जा सकते। और यदि हमारे पास खाने और पहिरने को हो तो इन्हीं पर सन्तोष करना चाहिए। पर जो धनी होना चाहते हैं वे परीक्षा और फंदे में फंसते हैं क्योंकि रुपये का लोभ सब बुराइयों की जड़ है पर हे परमेश्वर के जन तू इन बातों से भाग और धर्म भक्ति बिश्वास प्रेम धीरज और नम्रता का पीछा कर। बिश्वास की अच्छी कुश्ती लड़ और उस अनन्त जीवन को धर ले जिस के लिये तू बुलाया गया मैं तुझे परमेश्वर को जो सब को जीता रखता है गवाह करके यह आज्ञा देता हूं, कि तू हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने तक इस आज्ञा को निष्कलंक और निर्दोष रख। और अमरता केवल उसी की है और वह अगम्य ज्योति में रहता है और न उसे किसी मनुष्य ने देखा और न कभी देख सकता है। इस की प्रतिष्ठा और पराक्रम युगानुयुग रहे।

इस संसार के धनवानों को आज्ञा दे कि वे अभिमानी न हों न कि चंचल धन पर आशा रक्खें परन्तु परमेश्वर पर जो हमारे सुख के लिये सब कुछ बहुतायत से देता है। और भलाई करें और भले कामों में धनी बनें और उदार और बांटने पर तैयार हों। और आगे के लिये एक अच्छी नेव डाल रक्खें कि सत्य जीवन को धर लें।

हे तीमुथियुस इस थाती की रखवाली कर और जिस ज्ञान को ज्ञान कहना ही भूल है उस के अशुद्ध बकबाद और बिरोध की बातों से परे रह। कितने इस ज्ञान को अंगीकार करके बिश्वास से चूक गए हैं। तुम पर अनुग्रह होता रहे।

प्यारे पुत्र तीमुथियुस परमेश्वर का धन्यवाद हो कि अपनी प्रार्थनाओं में तुझे लगातार स्मरण करता हूं। और तेरे आंसुओं की सुध कर करके रात दिन तुझ से भेंट करने की लालसा रखता हूं कि आनन्द से भर जाऊं। और मुझे तेरे उस निष्कपट बिश्वास की सुध आती है जो पहिले तेरी नानी लोइस और तेरी माता यूनीके में था और मुझे

निश्चय हुआ है कि तुझ में भी है। इसी कारण मैं तुझे सुध दिलाता हूं कि तू परमेश्वर के बरदान को चमका। क्योंकि परमेश्वर ने हमें कदराई का नहीं पर सामर्थ और प्रेम और संयम का आत्मा दिया है।

हे मेरे पुत्र तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है बलवन्त हो जा। और जो बातें तू ने मुझ से सुनी हैं उन्हें बिश्वासी मनुष्यों को सौंप दे जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों। मसीह यीशु के अच्छे सिपाही की नाईं मेरे साथ दुख उठा। जब कोई सिपाही लड़ाई पर जाता है तो इस लिये कि अपने भरती करनेवाले को प्रसन्न करे अपने आप को संसार के कामों में नहीं फंसाता। फिर अखाड़े में खेलनेवाला यदि बिधि के अनुसार न खेले तो मुकुट नहीं पाता। जो गृहस्थ परिश्रम करता है फल का अंश पहिले उसे मिलना चाहिए। जो मैं कहता हूं उस पर ध्यान कर और प्रभु तुझे सब बातों की समझ देगा।

जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं उन के साथ धर्म और विश्वास और प्रेम और मेल मिलाप का पीछा कर। पर मूर्खता और अविद्या के बिवादों से अलग रह क्योंकि तू जानता है कि उन से झगड़े होते हैं। और प्रभु के दास को झगड़ालू होना न चाहिए पर सब के साथ कोमल और शिक्षा में निपुण और सहनशील हो। और बिरोधियों को नम्रता से समझाए।

जो कठिन समय आएंगे।

(२ तीमुथियुस ३)

पर यह जान रख कि पिछले दिनों में कठिन समय आएंगे। क्योंकि मनुष्य आपस्वार्थी लोभी डींगमार अभिमानी निन्दक माता पिता की आज्ञा टालनेवाले कृतघ्न अपवित्र, मयारहित क्षमारहित दोष लगानेवाले कठोर भले के बैरी, बिश्वासघाती ढीठ घमंडी और परमेश्वर के नहीं बरन सुखबिलास ही के चाहनेवाले होंगे। वे भक्ति का भेष तो धरेंग पर उस की शक्ति को न मानेंगे ऐसों से परे रह। क्योंकि उन की अज्ञानता सब मनुष्यों पर प्रगट हो जाएगी।

पर तू ने उपदेश चाल चलन मनसा बिश्वास सहन-शीलता प्रेम धीरज और सताए जाने और दुख उठाने में मेरा साथ दिया। और ऐसे दुखों में जो अन्ताकिया और इकुनियुम और लुस्त्रा में मुझ पर पड़े और और दुखों में भी जो मैं ने उठाए हैं परन्तु प्रभु ने मुझे उन सब से छुड़ा लिया। पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएंगे।

परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके जीवतों और मरे हुओं का न्याय करेगा उसे और उस के प्रगट होने को सुध दिलाकर चिताता हूं। कि तू बचन को प्रचार कर समय और असमय तैयार रह सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलाहना दे और डांट और समझा। क्योंकि ऐसा समय आएगा कि लोग खरा उपदेश न सहेंगे पर अपने कान सत्य से फेरकर कथा कहानियों पर लगाएंगे।

धर्म का मुकुट।

(२ तीमुथियुस ४)

तू सब बातों में सचेत रह दुख उठा सुसमाचार प्रचारक का काम कर अपनी सेवा को पूरा कर।

क्योंकि अब मैं अर्घ की नाईं उंडेला जाता हूं और मेरे कूच का समय आ पहुंचा है। मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली मैं ने बिश्वास की रखवाली की। आगे को मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है जिसे प्रभु जो धर्मी न्यायी है मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं बरन उन सब को भी जो उस के प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।

मेरे पास शीघ्र आने का यत्न कर। क्योंकि देमास ने इस संसार को प्रिय जानकर मुझे छोड़ दिया है और थिस्सलुनीके को चला गया और क्रेसकेंस गलतिया को और तितुस दलमतिया को

चला गया। केवल लूका मेरे साथ है मरकुस को लेकर चला आ क्योंकि सेवा के लिये वह मेरे बहुत काम का है। तुखिकुस को मैं ने इफिसुस को भेजा। जो चोगा मैं त्रोआस में करपुस के यहां छोड़ आया हूं जब तू आए तो उसे और पुस्तकें निज करके चर्म्म पत्रों को लेते आना।

सिकन्दर ठठेरे ने मुझ से बहुत बुराइयां कीं प्रभु उसे उस के कामों के अनुसार बदला देगा। तू भी उस से चौकस रह क्योंकि उस ने हमारी बातों का बहुत ही बिरोध किया।

मेरे पहिले उजर करने के समय किसी ने मेरा साथ न दिया पर सब ने मुझे छोड़ दिया था। भला हो कि इस का उन को लेखा देना न पड़े। परन्तु प्रभु मेरा सहायक रहा और मुझे सामर्थ दी और मैं तो सिंह के मुंह से छुड़ाया गया। और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार करके पहुंचाएगा। उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे।

प्रिसका और अक्विला को और उनेसिफुरुस के घराने को नमस्कार। इरास्तुस कुरिन्थुस में रह गया और त्रुफिमुस को मैं ने मीलेतुस में बीमार छोड़ा। जाड़े से पहिले चले आने का यत्न कर। यूबूलुस और पूदेंस और लीनुस और क्लौदिया और सारे भाइयों का तुझे नमस्कार।

प्रभु तेरे आत्मा के साथ रहे। तुम पर अनुग्रह होता रहे। आमीन।

तितुस के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री।

पौलुस की ओर से जो परमेश्वर का दास और यीशु मसीह का प्रेरित है परमेश्वर के चुने हुए लोगों के बिश्वास और उस सत्य की पहचान के अनुसार जो भक्ति के अनुसार है। उस अनन्त जीवन की आशा पर जिस की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने जो झूठ बोल नहीं सकता सनातन से की है तितुस के नाम जो साधारण बिश्वास के अनुसार मेरा सच्चा पुत्र है। अनुग्रह और शान्ति होती रहे।

मैं इस लिये तुझे क्रेते में छोड़ आया था कि तू रही हुई बातों को सुधारे और मेरी आज्ञा के अनुसार नगर नगर प्राचीनों को ठहराए। जो निर्दोष और एक ही एक पत्नी के पति हों जिन के लड़के बाले बिश्वासी हों और जिन्हें लुचपन और निरंकुशता का दोष नहीं। क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भंडारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिये न हठी न क्रोधी न पियक्कड़ न मार पीट करने वाला और न नीच कमाई का लोभी। पर पहुनई करने वाला भलाई का चाहने वाला संयमी न्यायी पवित्र और जितेन्द्रिय हो और बिश्वास योग्य बचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है बना रहे कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके और विवादियों का मुंह भी बन्द कर सके।

क्योंकि बहुत से लोग निरंकुश बकवादी और धोखा देने वाले हैं। इन का मुंह बन्द करना चाहिये ये लोग नीच कमाई के लिये अनुचित बातें सिखा सिखाकर घर के घर बिगाड़ देते हैं। उन्हें बड़ाई से चिताया कर कि वे बिश्वास में पक्के हो जाएं। शुद्ध लोगों के लिये सब वस्तु शुद्ध हैं पर अशुद्ध और अबिश्वासियों के लिये कुछ शुद्ध नहीं बरन उन की बुद्धि और विवेक दोनों अशुद्ध हैं। वे कहते हैं कि हम परमेश्वर को जानते हैं पर अपने कामों से उस से मुकरते हैं।

तू ऐसी ऐसी बातें कहा कर जो खरे उपदेश के योग्य हैं। बूढ़े पुरुष सचेत और गम्भीर और संयमी हों और उन का बिश्वास और प्रेम और धीरज पक्का हो। ऐसे ही बूढ़ी स्त्रियों का चाल चलन पवित्रों का सा हो दोष लगाने वाली और पियक्कड़ नहीं पर अच्छी बातें सिखाने वाली हों। कि वे जवान स्त्रियों को चिताती रहें कि अपने पतियों और बच्चों से प्रीति रखें। और संयमी पतिव्रता घर का कारबार करने वाली भली और अपने अपने पति के अधीन रहने वाली हों कि परमेश्वर के बचन की निन्दा न होने पाए। ऐसे ही जवान पुरुषों को भी समझाया कर कि संयमी हों।

सब बातों में अपने आप को भले कामों का नमूना बना तेरे उपदेश में सफाई गम्भीरता, और ऐसी खराई पाई जाए कि कोई बुरा न कह सके जिस से विरोधी हम पर कोई दोष लगाने की गौं न पाकर लज्जित हो। दासों को समझा कि अपने अपने स्वामी के अधीन रहें और सब बातों में उन्हें प्रसन्न रखें पर सब प्रकार से पूरे बिश्वासी निकलें कि वे सब बातों में हमारे उद्धारकर्त्ता परमेश्वर के उपदेश को शोभा दें। क्योंकि परमेश्वर का वह अनुग्रह प्रगट हुआ है जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है। और हमें चिताता है कि हम अभक्ति से मन फेरकर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं। पूरे अधिकार के साथ ये बातें कहता और समझाता और सिखाता रह। कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए। लोगों को सुध दिला कि हाकिमों और अधिकारियों के अधीन रहें और उन की आज्ञा मानें और हर एक अच्छे काम के लिये तैयार रहें। किसी को बदनाम न करें झगड़ालू न हों पर कोमल स्वभाव के हों और सब मनुष्यों के साथ बड़ी नम्रता से रहें।

क्योंकि हम भी पहिले निर्बुद्धि और आज्ञा न मानने वाले और भरमाए हुए और रंग रंग के अभिलाषों और सुख बिलास के दास थे और बैरभाव और डाह करने में जीवन बिताते थे और घिनौने थे और एक दूसरे से बैर रखते थे। पर जब हमारे उद्धारकर्त्ता परमेश्वर की कृपा और मनुष्यों पर उस की प्रीति प्रगट हुई। तो उस ने हमारा उद्धार किया और यह धर्म के कामों के कारण नहीं जो हम ने आप किये पर अपनी दया के अनुसार कि

हम उस के अनुग्रह से धर्मी ठहरकर अनन्त जीवन के वारिस बनें।

यह बात सच है और मैं चाहता हूं कि तू इन बातों के विषय में दृढ़ता से बोले इस लिये कि जिन्हों ने परमेश्वर की प्रतीति की है वे भले भले कामों में लगे रहने का ध्यान रक्खें। पर मूर्खता के बिवादों और बैर बिरोध और उन झगड़ों से जो व्यवस्था के विषय में हों बचा रह क्योंकि वे निष्फल और व्यर्थ हैं।

मेरे सब साथियों का तुझे नमस्कार और जो बिश्वास के कारण हम से प्रीति रखते हैं उनको नमस्कार।

तुम सब पर अनुग्रह होता रहे।

आमीन।

फिलेमोन के नाम पौलुस प्रेरित का पत्री।

पौलुस की जो मसीह यीशु का कैदी है और भाई तिमुथियुस की ओर से हमारे प्यारे सहकर्मी फिलेमोन, और बहिन अफफिया और हमारे साथी योद्धा अरखिप्पुस और तेरे घर में की मण्डली के नाम। अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे।

मैं तेरे उस प्रेम और बिश्वास की चरचा सुनकर सदा परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं और अपनी प्रार्थनाओं में तुझे स्मरण करता हूं। क्योंकि मुझे तेरे प्रेम से बहुत आनन्द और शान्ति मिली इस लिये कि तेरे द्वारा पवित्र लोगों के मन हरे भरे हो गए हैं।

सो यदि मुझे मसीह के हियाव भी है कि जो बात ठीक है उस की आज्ञा तुझे दूं, तौभी मुझ बूढ़े पौलुस को जो अब कैदी हूं यह और भी भला जान पड़ा कि प्रेम से बिनती करूं। मैं अपने बच्चे उनेसिमुस के लिये जो मुझ से मेरी कैद में जन्मा तेरी बिनती करता हूं। वह तो पहिले तेरे कुछ काम का न था पर अब तेरे और मेरे दोनों के बड़े काम का है। जो मेरे कलेजे का टुकड़ा है मैं ने उसे तेरे पास लौटा दिया है। उसे मैं अपने ही पास रखना चाहता था कि सुसमाचार की कैद में वह तेरे बदले मेरी सेवा करे। पर मैं ने तेरी इच्छा बिना कुछ करना न चाहा कि तेरी यह कृपा दबाव से नहीं पर आनन्द से हो।

क्योंकि क्या जानें वह तुझ से कुछ दिन तक इसी लिये अलग हुआ कि सदा तेरे पास रहे। परन्तु अब से दास की नाईं नहीं बरन दास से उत्तम अर्थात ऐसा भाई होकर जो विशेष कर मेरा प्यारा पर कितना बढ़कर शरीर में और प्रभु में भी तेरा प्यारा हो। सो यदि तू मुझे सहभागी समझता है तो उसे मुझ जैसे ग्रहण करना। और यदि उस ने तेरी कुछ हानि की या उस पर तेरा कुछ आता है तो मेरे नाम पर लिख ले। मैं पौलुस अपने हाथ से लिखता हूं कि मैं आप भर दूंगा कि मैं तुझ से यह नहीं कहता कि तू अपने ही को मुझे धारता है। हे भाई यह आनन्द मुझे प्रभु में तेरी ओर से मिले। और यह भी कि मेरे लिये उतरने की जगह तैयार कर मुझे आशा है कि तुम्हारी प्रार्थनाओं के द्वारा मैं तुम्हें दे दिया जाऊंगा।

इपफ्रास जो मसीह यीशु में मेरे साथ कैदी है। और मरकुस और अरिस्तर्खुस और देमास और लूका जो मेरे सहकर्मी हैं इन का तुझे नमस्कार।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारे आत्मा पर होता रहे। आमीन।

इब्रानियों के नाम पत्री।

(इब्रानियों १, २, ४, ७, १०)

परमेश्वर ने पुराने समय बापदादों से थोड़ा थोड़ा करके और भांति भांति से नबियों के द्वारा बातें करके, इन दिनों के अन्त में हम से पुत्र के द्वारा बातें कीं जिसे उस ने सारी बस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उस ने सारे जगत बनाए हैं। वह उस की महिमा का प्रकाश और उस के तत्व की छाप है और सब बस्तुओं को अपनी सामर्थ के बचन से संभालता है। वह पापों को धोकर ऊंचे स्थानों पर महामहिमन के दहिने जा बैठा। और स्वर्गदूतों से उतना ही उत्तम ठहरा जितना वह उन से बड़े पद का वारिस हुआ।

और जब पहिलौठे को जगत में फिर लाता है तो कहता है कि परमेश्वर के सब स्वर्गदूत उसे प्रणाम करें। वह अपने दूतों को पवन और अपने सेवकों को धधकती आग बनाता है। परन्तु पुत्र से कहता है कि तेरा सिंहासन युगानुयुग रहेगा तेरा राज्य का राजदण्ड न्याय का राजदण्ड है। तू ने धर्म से प्रेम और अधर्म से बैर रक्खा आदि में तू ने पृथिवी की नेव डाली और स्वर्ग तेरे हाथों की कारीगरी हैं। वे तो नाश हो जाएंगे पर तू बना रहेगा और वे सब बस्त्र की नाईं पुराने हो जाएंगे। और तू उन्हें चादर की नाईं लपेटेगा और वे बस्त्र की नाईं बदल जाएंगे पर तू वही है और तेरे बरसों का अन्त न होगा।

इस कारण चाहिए कि हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं क्योंकि हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रहकर क्योंकर बच सकते हैं।

हम यीशु को जो स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया गया था मृत्यु का दुख उठाने के कारण महिमा और आदर का मुकुट पहिने हुए देखते हैं इस लिये कि परमेश्वर के अनुग्रह से हर एक मनुष्य के लिये मृत्यु का स्वाद चक्खे कि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी अर्थात शैतान को निकम्मा कर दे। और कि जिस से वह दयाल और बिश्वास-योग्य महायाजक हो कि लोगों के पापों के लिये प्रायश्चित्त करे।

सो जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है जो स्वर्गों से होकर गया है अर्थात परमेश्वर का पुत्र यीशु तो आओ हम धरे रहें। क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुखी न हो सके बरन वह सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया तौभी निष्पाप निकला। इस लिये आओ हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बांधकर चलें कि हम पर दया हो और वह अनुग्रह पाएं जो ज़रूरत के समय हमारी सहायता करे।

जब याजक पद बदला जाता है तो व्यवस्था का भी बदलना अवश्य है। इस लिये कि व्यवस्था से किसी बात की सिद्धि नहीं हो सकती और उस की जगह एक ऐसी उत्तम आशा रक्खी गई।

व्यवस्था में तो आनेवाली अच्छी बस्तुओं का प्रतिबिम्ब है पर इन का स्वरूप नहीं इस लिये उन एक ही प्रकार के बलिदानों के द्वारा जो बरस बरस चढ़ाए जाते हैं पास आनेवालों को कभी सिद्ध नहीं कर सकतीं। परन्तु उन के द्वारा बरस बरस पापों का स्मरण हुआ करता है। क्योंकि अन्होना है कि बैलों और बकरों का लोहू पापों को दूर करे। हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किये गये हैं।

प्रभु कहता है कि जो बाचा मैं उन से बांधूंगा वह यह है मैं अपनी व्यवस्थाओं को उन के मन में डालूंगा और उन के हृदयों पर लिखूंगा।

एक नया और जीवता मार्ग ।

(इब्रानियों १०:१९)

सो जब कि हमें उन नए और जीवते मार्ग से पवित्र स्थान में प्रवेश करने का हियाव हो गया है जो उस ने हमारे लिये स्थापन किया है। तो आओ हम सच्चे मन और पूरे बिश्वास के साथ समीप जाएं। और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थांभे रहें और प्रेम और भले कामों में उस्काने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें। और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो त्यों त्यों और भी यह किया करो। क्योंकि सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के पीछे यदि हम जान बूझकर पाप करते रहें तो पापों के लिये फिर कोई बलिदान बाकी नहीं। पर दण्ड का भयानक बाट जोहना और आग का ज्वलन रह गया। जब कि मूसा की व्यवस्था का न माननेवाला दो या तीन जनों की गवाही पर बिना दया के मार डाला जाता है, तो सोचो कि वह कितने और भी भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा जिस ने परमेश्वर के पुत्र को पांवों से रौंदा। क्योंकि हम उसे जानते हैं जिस ने कहा कि पलटा लेना मेरा काम है मैं ही बदला दूंगा। प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा। जीवते परमेश्वर के हाथों में पड़ना भयानक बात है।

पर उन पहिले दिनों का स्मरण करो जिन में तुम दुखों के बड़े झमेले में स्थिर रहे। कुछ तो यों कि तुम निन्दा और क्लेश सहते हुए तमाशा बने और कुछ यों कि उन के साझी हुए जिन की वैसीही दशा थी। क्योंकि तुम कैदियों के दुख में भी दुखी हुए और अपनी संपत्ति भी आनन्द से लुटने दी यह जानकर कि हमारे पास एक और भी उत्तम और सदा ठहरनेवाली संपत्ति है।

अनदेखी बातों का प्रमाण।

(इब्रानियों १०:३८)

धर्मी जन बिश्वास से जीता रहेगा और यदि वह पीछे हटे तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा।

बिश्वास आशा की हुई बातों का निश्चय और अनदेखी बातों का प्रमाण है। बिश्वास से हम जान जाते हैं कि सारे जगत परमेश्वर के बचन के द्वारा रचे गए यह नहीं कि जो कुछ देखने में आता है वह देखी हुई बस्तुओं से बना हो। और बिश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अन्होना है क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को बिश्वास करना चाहिए कि वह है और अपने खोजनेवालों को बदला देता है। बिश्वास से नूह ने उन बातों के विषय में जो उस समय देख न पड़ती थीं चितौनी पाकर भक्ति के साथ अपने घराने के बचाव के लिये जहाज बनाया। बिश्वास से इब्राहीम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे मीरास में लेनेवाला था और यह न जानता था कि मैं किधर जाता हूं तौभी निकल गया। बिश्वास से उस ने प्रतिज्ञा किए हुए देश में जैसे पराए देश में परदेशी रहकर इसहाक और याकूब समेत जो उस के साथ उसी प्रतिज्ञा के वारिस थे तंबुओं में बास किया। क्योंकि वह उस नगर की बाट जोहता था जिस का रचनेवाला और बनानेवाला परमेश्वर है। बिश्वास से इसहाक ने याकूब और एसौ को आनेवाली बातों के विषय में आशीष दी। बिश्वास से याकूब ने मरते समय यूसुफ के दोनों पुत्रों में से एक एक को आशीष दी और अपनी लाठी के सिरे पर सहारा लेकर प्रणाम किया। बिश्वास से मूसा उत्पन्न होने के पीछे तीन महीने तक छिपा रखा गया। बिश्वास से मूसा सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से मुकर गया। इस लिये कि उसे पाप के थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और अच्छा लगा। बिश्वास से राजा के क्रोध से न डरकर उस ने मिसर को छोड़ दिया क्योंकि वह अनदेखे को मानो

देखता हुआ दृढ़ रहा। विश्वास से वे लाल समुद्र के पार उतर गये बिश्वास से यरीहो की शहर पनाह गिर पड़ी।

अब और क्या कहूं। क्योंकि समय नहीं रहा कि नबियों का वर्णन करूं। इन्हों ने विश्वास के द्वारा राज्य जीते धर्म के काम किए प्रतिज्ञा की हुई बस्तुएं पाईं सिंहों के मुंह बन्द किए। आग की जलन को ठंडा किया तलवार की धार से बच निकले निर्बलता में बलवन्त हुए लड़ाई में बीर निकले बिदेशियों की फौजों को मार भगाया। कई एक ठट्ठों में उड़ाए जाने फिर कोड़े खाने बरन बांधे जाने और कैद में पड़ने के द्वारा परखे गए। पत्थरवाह किए गए आरे से चीरे गए उन की परीक्षा की गई तलवार से मारे गए वे कंगाली और क्लेश और दुख उठाते हुए भेड़ों और बकरियों की खालें ओढ़े हुए इधर उधर मारे मारे फिरे। और जंगलों और पहाड़ों और गुफाओं में और पृथिवी की दरारों में भरमते फिरे।

गवाहों की भारी घटा।

(इब्रानियों १२)

इस कारण जब कि हम गवाहों की ऐसी भारी घटा से घिरे हुए हैं तो आओ हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें। और विश्वास के कर्त्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें जिस ने उस आनन्द के लिये जो उस के आगे धरा था लज्जा की कुछ चिन्ता न करके क्रूस का दुख सहा और सिंहासन पर परमेश्वर के दहिने जा बैठा। प्रभु की ताड़ना को हलकी बात न जान और जब वह तुझे घुड़के तो हियाव न छोड़। क्योंकि प्रभु जिसे प्रेम करता है उस की ताड़ना भी करता है। तुम दुख को ताड़ना समझकर सह लो। परमेश्वर तुम्हें पुत्र जानकर तुम्हारे साथ बरताव करता है वह कौन सा पुत्र है जिस को ताड़ना पिता नहीं करता।

सब से मिलाप रखने और उस पवित्रता के खोजी हो जिस बिना कोई प्रभु को न देखेगा। भाईचारे की प्रीति बनी रहे। पहुनई करना न भूलना क्योंकि इस के द्वारा कितनों ने स्वर्गदूतों की पहुनई बिन जाने की है। कैदियों की ऐसी सुध लो कि मानो उन के साथ तुम भी कैद हो और जिन के साथ बुरा बरताव किया जाता है उन की भी यह समझकर सुध लिया करो कि हमारी भी देह है। तुम्हारा स्वभाव लोभ रहित हो और जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो क्योंकि उस ने आप ही कहा है मैं तुझे कभी न छोड़ूंगा और न कभी तुझे त्यागूंगा। इस लिये हम बेधड़क होकर कहते हैं कि प्रभु मेरा सहायक है मैं न डरूंगा मनुष्य मेरा क्या करेगा। जिन्हों ने तुम्हें परमेश्वर का बचन सुनाया है उन्हें स्मरण रक्खो और ध्यान से उन के चालचलन का अन्त देखकर उन के बिश्वास का अनुकरण करो। यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एकसा है।

अब शान्तिदाता परमेश्वर जो हमारे प्रभु यीशु को जो भेड़ों का महान रखवाला है मरे हुओं में से जिलाकर ले आया, तुम्हें हर एक अच्छी बात में सिद्ध करे कि उस की इच्छा पूरी करो। हे भाइयो मैं तुम से बिनती करता हूं कि इन उपदेश की बातों को सह लेओ क्योंकि मैं ने तुम्हें बहुत थोड़े में लिखा है। यह जानो कि तीमुथियुस हमारा भाई छूट गया और यदि वह जल्द आ जाएगा तो मैं उस के साथ तुम से भेंट करूंगा।

अपने सब अगुवों और सब पवित्र लोगों से नमस्कार कहो। इतालियावालों का तुम्हें नमस्कार। तुम सब पर अनुग्रह होता रहे। आमीन।

याकूब का पत्री ।

परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से उन बारहों गोत्रों को जो तित्तर बित्तर होकर रहते हैं नमस्कार ।

हे मेरे भाइयो जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इस को पूरे आनन्द की बात समझो यह जानकर कि तुम्हारे बिश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो कि तुम सिद्ध और पूरे हो और तुम में किसी बात की घटी न रहे ।

पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो तो परमेश्वर से मांगे जो उलाहने दिए बिना सब को उदारता से देता है और उस को दी जाएगी । पर बिश्वास से मांगे और कुछ सन्देह न करे क्योंकि जो संदेह करता है वह समुद्र के हिलकोरे के समान है जो हवा से बहता उछलता है ।

धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में स्थिर रहता है क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा जिस की प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है । जब किसी की परीक्षा हो तो वह यह न कहे कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती और न वह किसी की परीक्षा आप करता है ।

हे मेरे प्यारे भाइयो धोखा न खाओ । हर एक अच्छा दान और हर एक उत्तम बर ऊपर से है और ज्योतियों के पिता की ओर से उतरता है जिस में न अदल बदल न फेर फार की छाया है ।

हे मेरे प्यारे भाइयो यह बात तुम जानते हो इस लिये हर एक मनुष्य सुनने के लिये तैयार पर बोलने में धीरा और क्रोध में धीमा हो । क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर के धर्म को नहीं निबाहता है । बचन पर चलनेवाले बनो और केवल ऐसे सुननेवाले नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं । यदि कोई अपने आप को भक्त समझे और अपनी जीभ पर बाग न लगाए पर अपने मन को धोखा दे तो इस की भक्ति ब्यर्थ है ।

—

बिश्वास कर्म बिना, मरा हुआ है ।

(याकूब १:२७,२)

परमेश्वर पिता के निकट शुद्ध और निर्मल भक्ति यह है कि अनाथों और बिधवाओं के क्लेश में उन की सुध लें और अपने आप को संसार से निष्कलंक रखें ।

हे मेरे भाइयो हमारे महिमायुक्त प्रभु यीशु मसीह का बिश्वास तुम में पक्षपात के साथ न हो । क्योंकि यदि एक पुरुष सोने के छल्ले और सुन्दर बस्त्र पहिने हुए तुम्हारी सभा में आए और एक कंगाल भी मैले कुचैले कपड़े पहिने हुए आए । और तुम उस सुन्दर बस्त्रवाले का मुंह देखकर कहो तू यहां अच्छी जगह बैठ और उस कंगाल से कहो तू वहां खड़ा रह या मेरे पांवों की पीढ़ी के पास बैठ । तो क्या तुम ने अपने अपने मन में भेद न माना और कुबिचार से न्याय करनेवाले न ठहरे ।

क्या परमेश्वर ने इस जगत के कंगालों को नहीं चुना कि बिश्वास में धनी और उस राज्य के वारिस हों जिस की उस ने उन्हें जो उस से प्रेम रखते हैं प्रतिज्ञा की है। पर तुम ने उस कंगाल का अपमान किया । क्या धनी लोग तुम पर अंधेर नहीं करते और क्या वे ही तुम्हें कचहरियों में घसीट घसीटकर नहीं ले जाते । पर यदि तुम पवित्र शास्त्र के इस बचन के अनुसार कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख सचमुच इस राज्य व्यवस्था को पूरी करते हो तो अच्छा करते हो । पर यदि तुम पक्षपात करते हो तो पाप करते हो ।

हे मेरे भाइयो यदि कोई कहे मुझे बिश्वास है पर कर्म न करता हो तो क्या लाभ है । क्या ऐसा बिश्वास उस का उद्धार कर सकता है । यदि कोई भाई बहिन नंगे उघाड़े हों और उन्हें हर दिन के भोजन की घटी हो । और तुम में से कोई उन से कहे कुशल से जाओ तुम्हें जाड़ा न लगे तुम तृप्त

रहो पर जो वस्तु देह के लिये अवश्य हैं उन्हें न दे तो क्या लाभ। वैसे ही विश्वास भी यदि कर्म सहित न हो तो आप ही मरा हुआ है। मनुष्य केवल बिश्वास से नहीं बरन कर्मों से भी धर्मी ठहरता है। जैसे देह आत्मा बिना मरा हुआ है वैसा ही बिश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है।

हे मेरे भाइयो तुम में से बहुत उपदेशक न बनें क्योंकि जानते हो कि हम उपदेशक और भी दोषी ठहरेंगे। इस लिये कि हम सब बहुत बार चूकते हैं। यदि कोई बचन में नहीं चूकता तो वही सिद्ध मनुष्य है और सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।

देखो थोड़ी सी आग कैसे बड़े बन को फूंक देती है।

(याकूब ३)

जब हम घोड़ों के मुंह में इस लिये लगाम लगाते हैं कि वे हमारी मानें तो हम उन की सारी देह फेर सकते हैं। देखो जहाज भी जो ऐसे बड़े होते हैं और तेज हवाओं से चलाए जाते हैं पर छोटी ही पतवार से जिधर मांझी का मन चाहता हो घुमाए जाते हैं। वैसे ही जीभ भी एक छोटा सा अंग है और बड़ी गलफटाकी करती है। देखो थोड़ी सी आग कैसे बड़े बन को फूंक देती है। और बनपशुओं पक्षियों और रेंगनेवाले जन्तुओं और जलचरों की भी हर एक जाति मनुष्य जाति के बश में हो जाती है और हो गई है। पर जीभ को मनुष्यों में से कोई बश में नहीं कर सकता वह एक ऐसी बुराई है जो रुकती नहीं वह मारू बिष से भरी हुई है। एक ही मुंह से धन्यबाद और स्राप दोनों निकलते हैं।

हे मेरे भाइयो ऐसा न होना चाहिए। क्या सोते के एक ही मुंह से मीठा और खारा दोनों बहते हैं। हे मेरे भाइयो क्या अंजीर के पेड़ में जैतून या दाख की लता में अंजीर लग सकते हैं। वैसे ही खारे सोते से मीठा पानी नहीं निकल सकता।

तुम में ज्ञानवान और समझदार कौन है वह अपने कामों को अच्छे चालचलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे जो ज्ञान से होता है। पर यदि तुम अपने अपने मन में कड़वी डाह और बिरोध रखते हो तो सत्य के बिरोध में घमण्ड न करना और न झूठ बोलना।

यह ज्ञान वह नहीं जो ऊपर से उतरता है बरन सांसारिक और शारीरिक और शैतानी है। इस लिये कि जहां डाह और बिरोध होता है। वहां बखेड़ा और हर प्रकार का बुरा काम होता है। पर जो ज्ञान ऊपर से आता है पहिले तो वह पवित्र फिर मिलनसार कोमल और मृदुभाव और दया और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपट रहित है और मिलाप करनेवालों के लिये धर्म का फल मेल मिलाप के साथ बोया जाता है।

एक दूसरे की बदनामी न करो।

(याकूब ४,५)

इस लिये परमेश्वर के अधीन होओ शैतान का सामना करो तो वह तुम्हारे पास से भाग जाएगा। परमेश्वर के निकट आओ तो वह तुम्हारे निकट आएगा। हे पापियो अपने हाथ शुद्ध करो और हे दुचित्ते लोगो अपने मन पवित्र करो। दुखी होओ और शोक करो और रोओ तुम्हारी हंसी शोक से और तुम्हारा आनन्द उदासी से बदल जाए। प्रभु के सामने दीन बनो तो वह तुम्हें बढ़ाएगा। एक दूसरे की बदनामी न करो तू कौन है जो अपने पड़ोसी पर दोष लगाता है।

अब आओ तुम जो कहते हो कि आज या कल हम उस नगर में जाकर वहां एक बरस बिताएंगे और लेन देन कर कमाएंगे। और यह नहीं जानते कि कल क्या होगा। तुम्हारा जीवन है क्या। तुम

तो मानो भाफ हो जो थोड़ी देर दिखाई देती है फिर जाती रहती है। इस के बदले तुम्हें यह कहना चाहिये कि प्रभु चाहे तो हम जीते रहेंगे और यह या वह काम भी करेंगे। पर अब तुम अपनी गलफटाकियों पर घमण्ड करते हो ऐसा सारा घमण्ड बुरा है। सो जो कोई भलाई करना जानता और नहीं करता उस के लिये यह पाप है।

अब आओ हे धनवानो अपने आनेवाले क्लेशों पर चिल्लाकर रोओ। तुम्हारा धन बिगड़ गया और तुम्हारे कपड़े कीड़े खा गए। तुम्हारे सोने चांदी में काई लग गई और वह काई तुम पर गवाही देगी और आग की नाईं तुम्हारा मांस खा जाएगी। तुम ने पिछले समय में धन बटोरा है। देखो जिन मजदूरों ने तुम्हारे खेत काटे उन की मजदूरी जो तुम ने धोखा देके रख छोड़ी चिल्लाती है और लवनेवालों की दोहाई प्रभु के कानों तक पहुंच गई है। तुम पृथिवी पर सुख बिलास में रहे तुम ने जैसे बध के दिन ही में अपने मन को पाला पोषा है। तुम ने धर्मी को दोषी ठहराकर मार डाला वह तुम्हारा सामना नहीं करता।

सो हे भाइयो प्रभु के आने तक धीरज धरो देखो गृहस्थ पृथिवी के बहुमोल फल की आस रखता हुआ धीरज धरता है। सो तुम भी धीरज धरो और अपने मन को स्थिर करो क्योंकि प्रभु का आना निकट है।

धर्मी जन की प्रार्थना।

(याकूब ५:९)

एक दूसरे पर न कुड़कुड़ाओ कि तुम दोषी न ठहरो देखो हाकिम द्वार पर खड़ा है। हे भाइयो जिन नबियों ने प्रभु के नाम से बातें कीं उन्हें दुख उठाने और धीरज धरने का नमूना समझो। देखो हम धीरज धरनेवालों को धन्य कहते हैं। तुमने ऐयूब के धीरज के विषय में तो सुना ही है और प्रभु की ओर से जो उस का फल हुआ उसे भी देखा है कि प्रभु बहुत तरस खाता और दया करता है।

पर हे मेरे भाइयो सब से बढ़कर बात यह है कि किरिया न खाना न स्वर्ग की न पृथिवी की न किसी और वस्तु की पर तुम्हारी हां की हां और नहीं की नहीं हो कि तुम दोषी न ठहरो।

क्या तुम में कोई दुखी है तो वह प्रार्थना करे क्या कोई आनन्दित है तो वह भजन गाए। क्या तुम में कोई बीमार है तो मण्डली के प्राचीनों को बुलाए और वे उस के लिये प्रार्थना करें। और बिश्वास की प्रार्थना बीमार को बचाएगी और प्रभु उस को उठा खड़ा करेगा।

सो तुम आपस में एक दूसरे के सामने अपने अपने पापों को मान लो और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो जिस से चंगे हो जाओ धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है। हे मेरे भाइयो यदि तुम में कोई सत्य से भटक जाए और कोई उस को फेर लाए। तो जान ले कि जो कोई किसी पापी को उस के भटकने से फेर लाएगा वह एक प्राण को मृत्यु से बचाएगा और बहुतेरे पापों को ढांपेगा। आमीन।

पतरस की पत्री।

पतरस की ओर से जो यीशु मसीह का प्रेरित है उन परदेशियों के नाम जो पुन्तुस गलतिया कप्पदुकिया आसिया और बिथुनिया में तित्तर बित्तर होके रहते हैं, तुम्हें बहुतायत से अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो जिस ने यीशु मसीह के मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा अपनी बड़ी दया से हमें जीवती आशा के लिये नया जन्म दिया, अर्थात एक अबिनाशी और निर्मल और अजर मीरास के लिये।

तो मन लगाकर एक दूसरे से बहुत ही प्रेम रक्खो। क्योंकि तुम ने नाशमान नहीं पर अबिनाशी बीज से परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले बचन के द्वारा नया जन्म पाया है। क्योंकि हर एक प्राणी घास की नाईं और उस की सारी शोभा घास के फूल की नाईं है। घास सूख जाती है और फूल झड़ जाता है। परन्तु प्रभु का बचन सदा ठहरेगा।

सब का आदर करो भाइयों से प्रेम रक्खो परमेश्वर से डरो राजा को आदर करो। निदान सब के सब एक मन और हमदर्द और भाईचारे की प्रीति रखनेवाले और करुणामय और नम्र बनो। बुराई के बदले बुराई न करो और न गाली के बदले गाली दो पर इस के पलटे आशीष ही दो क्योंकि तुम आशीष के वारिस होने के लिये बुलाए गए हो।

क्योंकि जो कोई जीवन की इच्छा रखता और अच्छे दिन देखना चाहता है वह अपनी जीभ को बुराई से और अपने होंठों को छल की बातें करने से रोके रहे। वह बुराई को छोड़े और भलाई करे वह मेल को ढूंढ़े और उस का पीछा न छोड़े। क्योंकि प्रभु की आंख धर्मियों पर लगी रहती हैं और उस के कान उन की बिनती की ओर लगे हैं परन्तु प्रभु बुराई करनेवालों के बिमुख रहता है। और यदि तुम भलाई करने में सरगर्म रहो तो तुम्हारी बुराई करनेवाला कौन है।

और यदि तुम धर्म के कारण दुख भी उठाओ तो धन्य हो पर उन के भय से भय न खाओ और न घबराओ। पर मसीह को प्रभु जानकर अपने अपने मन में पवित्र मानो और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे तो उसे उत्तर देने के लिये सदा तैयार रहो पर नम्रता और भय के साथ। और सीधा विवेक या कांशंस रक्खो क्योंकि यदि परमेश्वर की यह इच्छा हो कि तुम भलाई करने के कारण दुख उठाओ तो यह बुराई करने के कारण दुख उठाने से अच्छा है।

और सब से बढ़कर एक दूसरे से बहुत प्रेम रखो क्योंकि प्रेम बहुतेरे पापों को ढांपता है। बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे की पहुनई करो। इस लिये परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो जिस से वह तुम्हें समय पर बढ़ाए। अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो क्योंकि उस को तुम्हारा सोच है। सचेत हो जागते रहो तुम्हारा बिरोधी शैतान गर्जने वाले सिंह की नाईं इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाये।

अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है जिस ने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के पीछे आप ही तुम्हें सुधारेगा।

तुम सब प्रकार का यत्न करके अपने बिश्वास पर सद्गुण और सद्गुण पर समझ। और समझ पर संयम और संयम पर धीरज और धीरज पर भक्ति। और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम बढ़ाते जाओ। क्योंकि ये बातें जब तुम में रहें और बढ़ती जाएं तो कभी ठोकर न खाओगे। पर इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्त्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे। आमीन।

यूहन्ना की पत्री।

(१ यूहन्ना १)

उस जीवन के बचन के विषय में जो आदि से था जिसे हम ने सुना जिसे अपनी आंखों से देखा बरन जिसे हमने ध्यान से देखा और हाथों से छूआ। जो कुछ हम ने देखा और सुना है उस का समाचार तुम्हें भी देते हैं इस लिये कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो और ये बातें हम इस लिये लिखते हैं कि हमारा आनन्द पूरा हो जाए।

जो समाचार हम ने उस से सुना और तुम्हें सुनाते हैं वह यह है कि परमेश्वर ज्योति है और उस में कुछ भी अंधकार नहीं। यदि हम कहें कि उस के साथ हमारी सहभागिता है और फिर अंधकार में चलें तो हम भूठे हैं और सत्य पर नहीं चलते। पर यदि हम ज्योति में चलें यदि हम अपने पापों को मान लें तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में सच्चा और धर्मी है।

हे मेरे बालको मैं ये बातें तुम्हें इस लिये लिखता हूं कि तुम पाप न करो मैं तुम्हें नई आज्ञा लिखता हूं और यह तो उस में और तुम में सच्ची ठहरती है क्योंकि अंधकार मिटता जाता है और सत्य ज्योति अभी चमकती है। जो कोई यह कहता है कि मैं ज्योति में हूं और अपने भाई से बैर रखता है वह अब तक अंधकार ही में है। जो कोई अपने भाई से प्रेम रखता है वह ज्योति में रहता है और ठोकर खाने का नहीं। पर जो कोई अपने भाई से बैर रखता है वह अंधकार में है और अंधकार में चलता है और नहीं जानता कि कहां जाता है क्योंकि अंधकार ने उस की आंखें अंधी कर दी हैं।

हे बालको मैं तुम्हें इस लिये लिखता हूं कि तुम्हारे पाप क्षमा हुए। हे जवानो मैं तुम्हें इसलिये लिखता हूं कि तुम ने उस दुष्ट पर जय पाई। हे पितरो मैं ने तुम्हें इस लिये लिखा है कि जो आदि से है तुम उसे जान गये हो।

हे लड़को यह पिछला समय है।

(१ यूहन्ना २:१५, ३, ४, ५)

न तो संसार से न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रक्खो। क्योंकि संसार मिटते जाते हैं पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सदा बना रहेगा।

हे लड़को यह पिछला समय है। जो तुमने आरंभ से सुना है यदि वह तुम में बना रहे तो तुम भी पुत्र में और पिता में बने रहोगे। और जिस की उस ने हम से प्रतिज्ञा की वह अनन्त जीवन है। निदान हे बालको उस में बने रहो कि जब वह प्रगट हो तो हमें हियाव हो और हम उस के आने पर उस के सामने लज्जित न हों। देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर के सन्तान कहलाएं और हम हैं भी। हे प्यारो अभी हम परमेश्वर के सन्तान हैं और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ कि हम क्या कुछ होंगे इतना जानते हैं कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उस के समान होंगे क्योंकि उस को वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

हे बालको किसी के भरमाने में न आना जो धर्म के काम करता है वही धर्मी है। जो कोई धर्म के काम नहीं करता वह परमेश्वर से नहीं और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता। क्योंकि जो समाचार तुम ने आरंभ से सुना वह यह है कि हम एक दूसरे से प्रेम रक्खें।

यदि संसार तुम से बैर करता है तो अचंभा न करना। हम जानते हैं कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंचे हैं क्योंकि भाइयों से प्रेम रखते हैं। जो प्रेम नहीं रखता वह मृत्यु की दशा में रहता है। हम ने प्रेम इसी से जाना कि उस ने हमारे लिये अपना प्राण दे दिया और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए। पर जिस किसी के पास संसार की संपत्ति हो और वह अपने भाई को कंगाल

देखकर उस पर तरस खाना न चाहे तो उस में परमेश्वर का प्रेम क्योंकर बना रह सकता है।

हे बालको हम बचन और जीभ ही से नहीं पर काम और सत्य से प्रेम करें। इसी से हम जानेंगे कि हम सत्य के हैं और जिस बात में हमारा मन हमें दोष देगा उस के विषय में हम उस के सामने अपने अपने मन को ढाढ़स दे सकेंगे। क्योंकि परमेश्वर हमारे मन से बड़ा है और सब कुछ जानता है। हे प्यारो यदि हमारा मन हमें दोष न दे तो हमें परमेश्वर के सामने हियाव होता है। और जो कुछ हम मांगते हैं वह हमें उस से मिलता है क्योंकि हम उस की आज्ञाओं को मानते हैं और जो उसे भाता है वही करते हैं। और उस की आज्ञा यह है कि हम उस के पुत्र यीशु मसीह के नाम पर बिश्वास करें और आपस में प्रेम रक्खें। और जो उस की आज्ञाओं को मानता है वह इस में और यह उस में बना रहता है और इसी से अर्थात उस आत्मा से जो उस ने हमें दिया है हम जानते हैं कि वह हम में बना रहता है।

हे प्यारो हर एक आत्मा की प्रतीति न करो बरन आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं क्योंकि बहुत से झूठे नबी जगत में निकल खड़े हुए हैं। हे बालको तुम परमेश्वर के हो और तुम ने उन पर जय पाई है क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है बड़ा है। वे संसार के हैं इस कारण वे संसार की बातें बोलते हैं और संसार उन की सुनता है। हम परमेश्वर के हैं जो परमेश्वर को जानता है वह हमारी सुनता है जो परमेश्वर का नहीं वह हमारी नहीं सुनता इसी से हम सत्य का आत्मा और भ्रम का आत्मा पहचान लेते हैं।

हे प्यारो हम आपस में प्रेम रक्खें क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है और जो कोई प्रेम करता है वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है जो प्रेम नहीं रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता क्योंकि परमेश्वर प्रेम है। जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है वह इस से प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उस के द्वारा जीवन पाएं। प्रेम इस में नहीं कि हम ने परमेश्वर से प्रेम किया पर इस में है कि उस ने हम से प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित्त के लिये अपने पुत्र को भेजा। हे प्यारो जब परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया तो हम को भी आपस में प्रेम रखना चाहिए। परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा यदि हम आपस में प्रेम रक्खें तो परमेश्वर हम में बना रहता है और उस का प्रेम हम में सिद्ध हो गया है। और जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है उस को हम जान गए और हमें उस की प्रतीति है। परमेश्वर प्रेम है और जो प्रेम में बना रहता है वह परमेश्वर में बना रहता है और परमेश्वर उस में बना रहता है। इसी से प्रेम हम में सिद्ध हुआ कि हमें न्याय के दिन हियाव हो। प्रेम में भय नहीं होता परन्तु पूरा प्रेम भय को दूर कर देता है और जो भय करता है वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ।

हम इस लिये प्रेम करते हैं कि पहिले उस ने हम से प्रेम किया। यदि कोई कहे कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं और अपने भाई से बैर रक्खे तो वह झूठा है क्योंकि जो अपने भाई से जिसे उस ने देखा है प्रेम नहीं रखता तो वह परमेश्वर से जिसे उस ने नहीं देखा प्रेम नहीं रख सकता। और उस से हमें यह आज्ञा मिली है कि जो कोई परमेश्वर से प्रेम रखता है वह अपने भाई से भी प्रेम रक्खे। क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है वह संसार पर जय करता है और वह बिजय जिस से संसार पर जय होती है हमारा बिश्वास है।

मैं ने तुम्हें जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर बिश्वास करते हो इस लिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।

हे बालको अपने आप को मूरतों से बचाए रक्खो। आमीन।

चौथा अध्याय।

बाइबल की अन्तिम बातें।

बाइबल के अन्त में जैसे कि उस के शुरू में बहुत ही अच्छी बातें हैं। वह कविता से शुरू होती और स्वप्न से बन्द होती है। हम इस स्वप्न को योहन का स्वप्न कहते हैं पर यह नहीं जानते कि कौन से योहन ने उस को लिखा।

नये नियम की इस अन्तिम पुस्तक में पुराने नियम की जैसी बातें पाई जाती हैं।

दानियेल और यहेजकेल की पुस्तकों की जैसी बातें इस में भी हैं। इस बात का यह कारण है कि वह उन दिनों में लिखी गयी थी जब कि लोग सताये जाते थे और मारे भी जाते थे और ऐसी बातें जो सफाई से नहीं कही जा सकती थीं स्वप्न और पहेली से बताई जा सकती थीं।

प्रकाशित वाक्य के तीन मुख्य भाग हैं।

१—सात मण्डलियों की चिट्ठियां हैं।

२—वे दर्शन जिन में सात चीज़ें बार बार दिखाई देती हैं (सात छाप, सात तुरही, सात कटोरे) और चार सवारों का अनोखा बयान जो घोड़ों पर पृथिवी पर लड़ाइयां, मरी, काल और मृत्यु लेकर जाते हैं।

३—तब वह बात आती है जिस से यह गूढ़ पुस्तक बन्द होती है। याने एक नई और आनन्द मय पृथिवी के आने का शान्ति देने वाला बयान। मसीहियों का सताया जाना बन्द होगा, रोमी राज्य नष्ट होगा और मसीह का राज्य आवेगा।

उस के लोग फिर भूखे और प्यासे न होंगे और परमेश्वर उन की आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा।

यूहन्ना का दर्शन में देखना।

(प्रकाशित वाक्य १,२,३)

यूहन्ना की ओर से आसिया की सात मण्डलियों के नाम। उस की ओर से जो है और जो था और जो आनेवाला है और उन सात आत्माओं की ओर से जो उस के सिंहासन के सामने हैं। और यीशु मसीह की ओर से जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा और पृथिवी के राजाओं का हाकिम है तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। जो हम से प्रेम रखता है और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया उसी की महिमा और पराक्रम युगानयुग रहे।

देखो वह बादलों के साथ आनेवाला है और हर एक आंख उसे देखेगी। प्रभु परमेश्वर वह जो है और जो था और जो आनेवाला है जो सर्वशक्तिमान है यह कहता है कि मैं ही अलफा और ओमिगा हूं।

मैं यूहन्ना प्रभु के दिन आत्मा में आ गया और अपने पीछे तुरही का सा बड़ा शब्द यह कहते सुना। कि जो तू देखता है उसे पुस्तक में लिखकर सातों मण्डलियों के पास भेज दे।

और मैं ने उसे जो मुझ से बोल रहा था देखने के लिये मुंह फेरा और पीछे फिरके मैं ने सोने की सात दीवटें देखीं। और उन दीवटों के बीच में मनुष्य के पुत्र सरीखा एक पुरुष देखा जो पांवों तक का वस्त्र पहिने और छाती पर सुनहला पटुका बांधे हुए था। उस के सिर और बाल सफेद ऊन बरन पाले के से उजले थे और उस की आंखें आग की ज्वाला की नाईं थीं। और उस के पांव उत्तम पीतल के समान भट्टी में दहकाए हुए से थे और उस का शब्द बहुत जल के शब्द की नाईं था। और वह अपने दहिने हाथ में सात तारे लिए हुए था और उस के मुख से चोखी दोधारी तलवार निकलती थी और उस का मुंह ऐसा था जैसा सूरज कड़ी धूप के समय चमकता है।

जब मैं ने उसे देखा तो मैं मरा हुआ सा उस के पैरों पर गिर पड़ा और उस ने मुझ पर अपना दहिना हाथ रखकर यह कहा कि मत डर मैं पहिला और पिछला और जीवता हूं। और मैं मर गया था और देख मैं युगानुयुग जीवता हूं और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां मेरे पास हैं। इस लिये जो बातें तू ने देखीं और जो हो रही हैं और जो इस के पीछे होनेवाली हैं उन सब को लिख ले।

इफिसुस में की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

जो सातों तारे अपने दहिने हाथ में लिए हुए है और सोने की सातों दीवटों के बीच फिरता है है वह यह कहता है। मैं तेरे काम और परिश्रम और तेरा धीरज जानता हूं और यह भी कि तू बुरे लोगों को देख नहीं सकता। पर मेरे मन में तेरी ओर यह है कि तू ने अपना पहिला सा प्रेम छोड़ दिया है। सो चेत कर कि तू कहां से गिरा है और मन फिरा। जिस के कान हों वह सुने कि आत्मा मण्डलियों से क्या कहता है। जो जय पाए मैं उसे जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्ग लोक में है फल खाने को दूंगा।

और स्मुरना में की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

जो पहिला और पिछला है जो मर गया और जी गया वह यह कहता है कि, मैं तेरे क्लेश और कंगाली को जानता हूं। (तौभी तू धनी है) और जो लोग अपने आप को यहूदी कहते हैं और हैं नहीं पर शैतान की सभा हैं उन की निन्दा को भी जानता हूं। जो दुख तुझे सहने होंगे उन से कुछ मत डर देखो शैतान तुम में से कितनों को जेलखाने में डालने पर है कि तुम परखे जाओ और तुम्हें दस दिन तक क्लेश होगा। प्राण देने तक विश्वासी रह और मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा। जिस के कान हों वह सुने कि आत्मा मण्डलियों से क्या कहता है। जो जय पाए उस को दूसरी मृत्यु से हानि न पहुंचेगी।

और पिरगमुन में की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

जिस के पास दोधारी और चोखी तलवार है वह यह कहता है कि, मैं यह तो जानता हूं कि तू वहां रहता है जहां शैतान का सिंहासन है और मेरे नाम पर बना रहता है और मुझ पर बिश्वास करने से नहीं मुकर गया। पर मेरे मन में तेरी ओर कुछ है कि तेरे यहां कितने हैं जो इस्राएलियों के आगे ठोकर का कारण हैं। सो मन फिरा। जिस के कान हों वह सुने कि आत्मा मण्डलियों से क्या कहता है जो जय पाए उस को मैं गुप्त मान में से दूंगा और उसे एक सफेद पत्थर भी दूंगा और उस पत्थर पर एक नया नाम लिखा हुआ होगा जिसे कोई नहीं जानता केवल वह जो उसे पाता है।

और थूआतीरा में की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

परमेश्वर का पुत्र जिस की आंखें आग की ज्वाला की नाईं और पांव उत्तम पीतल के समान हैं यह कहता है कि, मैं तेरे कामों और प्रेम और बिश्वास और सेवा और धीरज को जानता हूं। पर मेरे मन में तेरी ओर यह है कि तू उस नबिया को सिखाने देता है पर वह मन फिराना नहीं चाहती। देख मैं तुम में से हर एक को उस के कामों के अनुसार बदला दूंगा। जो जय पाए और मेरे से कामों को अन्त तक करता रहे मैं उसे जाति जाति के लोगों पर अधिकार दूंगा।

और सरदीस की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

जिस के पास परमेश्वर के सात आत्मा और सात तारे हैं वह यह कहता है कि मैं तेरे कामों को जानता हूं कि तू जीवता कहलाता है और है मरा। जागता रह और जो बाकी रह गए हैं और मिटने पर हैं उन्हें स्थिर कर क्योंकि मैं ने तेरे किसी काम को अपने परमेश्वर के निकट पूरा नहीं पाया। जो सुना था उस में बना रहकर मन फिरा। सो यदि तू जागता न रहेगा तो मैं चोर की नाईं आऊंगा और तू न जानेगा कि मैं कौन सी घड़ी तुझ पर आ पड़ूंगा।

और फिलदिलफिया में की मण्डली के दूत को यह लिख कि,

जो पवित्र और सत्य है और दाऊद की कुंजी रखता है जो खोलता है और कोई बन्द नहीं करता और बन्द करता है और कोई नहीं खोलता वह यह कहता है, कि मैं तेरे कामों को जानता हूं तू मेरे बचन को थामे रहा है तू ने मेरे धीरज के बचन को थामा है इस लिये मैं भी तुझे परीक्षा के उस समय बचा रखूंगा जो पृथिवी पर रहनेवालों के परखने के लिये सारे संसार पर आनेवाला है। मैं शीघ्र आनेवाला हूं जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह कि कोई तेरा मुकुट न छीन ले। जो जय पाए उसे मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर में एक खंभा बनाऊंगा।

और लौदीकिया में की मण्डली के दूत को यह लिख,

जो आमीन और बिश्वास योग्य और सच्चा गवाह है और परमेश्वर की सृष्टि का मूल कारण है वह यह कहता है। मैं तेरे कामों को जानता हूं कि तू न ठंडा है न गर्म भला होता कि तू ठंडा या गर्म होता। तू जो कहता है कि मैं धनी हूं और धनवान हो गया हूं और मुझे किसी बस्तु की घटी नहीं और यही नहीं जानता कि तू ही दीन हीन और अभागा और कंगाल और अंधा और नंगा है। इसी लिये मैं तुझे सलाह देता हूं कि आग में ताया हुआ सोना मुझ से मोल ले कि धनी हो जाए और उजला बस्त्र ले।

मैं जिन जिन से प्रीति रखता हूं उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूं इस लिये सरगर्म हो और मन फिरा। देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा तो मैं उस के पास भीतर आऊंगा।

जो जय पाए मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उस के सिंहासन पर बैठ गया जिस के कान हों वह सुने कि आत्मा मण्डलियों से क्या कहता है।

स्वर्ग में एक द्वार खुला था।

(प्रकाशित वाक्य ४, ५)

इस के पीछे मैं ने दृष्टि की और देखो स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है और जिस को मैं ने पहिले तुरही के से शब्द से बातें करते सुना था यह कहता है कि यहां ऊपर आ जा और मैं वे बातें तुझे दिखाऊंगा जिन का इस के पीछे पूरा होना अवश्य है।

और तुरन्त मैं आत्मा में आ गया और क्या देखता हूं कि एक सिंहासन स्वर्ग में धरा है और उस सिंहासन पर कोई बैठा है।

और जो उस पर बैठा है वह यशब सा देख पड़ता है और उस सिंहासन के चारों ओर मरकत सा एक मेघ-धनुष दिखाई देता है।

और उस सिंहासन के चारों ओर चौबीस सिंहासन हैं और इन सिंहासनों पर चौबीस प्राचीन उजला वस्त्र पहिने हुए बैठे हैं और उन के सिरों पर सोने के मुकुट हैं।

और उस सिंहासन में से बिजलियां और गर्जन निकलते हैं और सिंहासन के सामने आग के सात दीपक जल रहे हैं ये परमेश्वर के सात आत्मा हैं।

और उस सिंहासन के सामने मानो बिल्लौर के समान कांच का सा समुद्र है और सिंहासन के बीच और सिंहासन के सामने चार प्राणी हैं जिन के आगे पीछे आंख ही आंख हैं।

पहिला प्राणी सिंह के समान और दूसरा प्राणी बछड़े के समान तीसरे प्राणी का मुंह मनुष्य का सा है और चौथा प्राणी उड़ते हुए उकाब के समान है।

और चारों प्राणियों के छः छः पंख हैं और चारों ओर और भीतर आंखें ही आंखें हैं और वे रात दिन बिना बिश्राम लिये यह कहते रहते हैं पवित्र पवित्र पवित्र प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान जो था और जो है और जो आनेवाला है। और जब जब वे प्राणी उस की जो सिंहासन पर बैठा है जो युगानुयुग जीवता है महिमा और आदर और धन्यवाद करेंगे। तब तब चौबीसों प्राचीन सिंहासन पर बैठनेवाले के सामने गिर पड़ेंगे और उसे जो युगानुयुग जीवता है प्रणाम करेंगे और अपने अपने मुकुट सिंहासन के सामने यह कहते हुए डाल देंगे, कि हे हमारे प्रभु और परमेश्वर तू ही महिमा और आदर और सामर्थ के योग्य है क्योंकि तू ही ने सारी वस्तुएं सिरजीं।

और जो सिंहासन पर बैठा था मैं ने उस के दहिने हाथ में एक पुस्तक देखी जो भीतर और बाहर लिखी हुई थी और वह सात छाप लगाकर बन्द की गई थी। और मैं ने एक बलवन्त स्वर्गदूत को देखा जो ऊंचे शब्द से यह प्रचार करता था कि इस पुस्तक के खोलने और उस की छापें तोड़ने के योग्य कौन है। और न स्वर्ग में न पृथिवी पर न पृथिवी के नीचे कोई उस पुस्तक को खोल सकता या उस पर दृष्टि कर सकता था। और मैं फूट फूटकर रोने लगा इस लिये कि योग्य कोई न मिला।

और उन प्राचीनों में से एक ने मुझ से कहा मत रो देख यहूदा के गोत्र का वह सिंह जो दाऊद का मूल है ऐसा जयवन्त हुआ कि इस पुस्तक को खोले और उस की सातों छाप तोड़ सकता है। और मैं ने उस सिंहासन और चारों प्राणियों के बीच में मानो एक बध किया हुआ मेम्ना खड़ा देखा उस के सात सींग और सात आंखें थीं ये परमेश्वर के सातों आत्मा हैं जो सारी पृथिवी पर भेजे गए हैं। उस ने आकर उस के दहिने हाथ से जो सिंहासन पर बैठा था वह पुस्तक ले ली।

और जब उस ने पुस्तक ले ली तो वे चारों प्राणी और चौबीसों प्राचीन उस मेम्ने के सामने गिर पड़े और हर एक के हाथ में वीणा और धूप से भरे हुए सोने के कटोरे थे ये तो पवित्र लोगों की प्रार्थनाएं हैं। और वे नया गीत गाने लगे कि तू इस पुस्तक के लेने और उस की छापें खोलने के योग्य है क्योंकि तू ने बध होकर हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया।

और जब मैं ने देखा तो उस सिंहासन और उन प्राणियों और उन प्राचीनों के चारों ओर बहुत से

स्वर्गदूतों का शब्द सुना जिन की गिनती लाखों और करोड़ों की थी। और वे ऊंचे शब्द से कहते थे कि बध किया हुआ मेम्ना ही सामर्थ और धन और ज्ञान और शक्ति और आदर और महिमा और धन्यवाद के योग्य हैं।

चार घोड़े।

(प्रकाशित वाक्य ५:१३,६)

फिर मैं ने स्वर्ग में और पृथिवी पर और पृथिवी के नीचे और समुद्र की सब सिरजी हुई वस्तुओं को यह कहते सुना कि जो सिंहासन पर बैठा है उस का और मेम्ने का धन्यवाद और आदर और महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। और चारों प्राणियों ने आमीन कही और प्राचीनों ने गिरकर प्रणाम किया।

फिर मैं ने देखा कि मेम्ने ने उन सात छापों में से एक को खोला और उन चारों प्राणियों में से एक का गर्ज का सा शब्द सुना कि आ। और मैं ने दृष्टि की और देखो एक स्वेत घोड़ा है और उस का सवार धनुष लिये हुए है और उसे मुकुट दिया गया और वह जय करता हुआ और और भी जय करने को निकला।

और जब उस ने दूसरी छाप खोली तो एक घोड़ा निकला जो लाल रंग का था उस के सवार को यह अधिकार दिया गया कि पृथिवी पर से मेल उठा ले और उसे एक बड़ी तलवार दी गई।

और जब उस ने तीसरी छाप खोली तो देखो एक काला घोड़ा है और उस के सवार के हाथ में एक तराजू है। और मैं ने उन चारों प्राणियों के बीच में से एक शब्द यह कहते सुना कि दीनार का सेर भर गेहूं और दीनार का तीन सेर जव और तेल और दाख रस की हानि न करना।

और जब उस ने चौथी छाप खोली तो देखो एक पीला सा घोड़ा है और उस के सवार का नाम मृत्यु है और अधोलोक उस के साथ हो लेता है और उन्हें यह अधिकार दिया गया कि तलवार और अकाल और मरी और पृथिवी के बन पशुओं के द्वारा लोगों को मार डालें।

और जब उस ने पांचवीं छाप खोली तो मैं ने वेदी के नीचे उन के प्राणों को देखा जो परमेश्वर के बचन के कारण और उस गवाही के कारण जो उन्हों ने दी बध किए गए थे। और उन्हों ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा हे स्वामी हे पवित्र और सत्य तू कब तक न्याय न करेगा और पृथिवी के रहनेवालों से हमारे लोहू का पलटा न लेगा। और उन में से हर एक को उजला बस्त्र दिया गया और उन से कहा गया कि और थोड़ी देर तक बिश्राम करो।

और जब उस ने छठवीं छाप खोली तो मैं ने देखा कि एक बड़ा भूईंडोल हुआ और सूरज कम्मल की नाईं काला और पूरा चांद लोहू सा हो गया। और आकाश के तारे पृथिवी पर गिरे जैसे बड़ी आंधी से हिल कर अंजीर के पेड़ में से कच्चे फल झड़ते हैं। और आकाश ऐसा सरक गया जैसा पत्र लपेटने से सरक जाता है और हर एक पहाड़ और टापू अपनी अपनी जगह से टल गया, और पृथिवी के राजा और प्रधान और सरदार और धनवान और सामर्थी लोग और हर एक दास और हर एक स्वतंत्र पहाड़ों की खोहों में और चटानों में जा छिपे। और पहाड़ों और चटानों से कहने लगे कि हम पर गिर पड़ो और हमें उस के मुंह से जो सिंहासन पर बैठा है छिपा लो। क्योंकि उन के क्रोध का बड़ा दिन आ पहुंचा है अब कौन ठहर सकता है।

एक बड़ी भीड़ जिसे कोई गिन नहीं सकता।

(प्रकाशित वाक्य ७)

इसके पीछे मैं ने पृथिवी के चारों कोनों पर चार स्वर्गदूत खड़े देखे वे चारों हवाओं को थांभे हुए थे कि पृथिवी या समुद्र या किसी पेड़ पर हवा न चले। फिर मैं ने एक और

स्वर्गदूत को जीवते परमेश्वर की छाप लिए हुए पूरब से ऊपर की ओर आते देखा उस ने उन चारों स्वर्गदूतों से ऊंचे शब्द से पुकारकर कहा, जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथे पर छाप न दें तब तक पृथिवी और समुद्र और पेड़ों को हानि न पहुंचाना। और जिन पर छाप दी गई मैं ने उन की गिनती सुनी कि इस्राएल के सन्तानों के सारे गोत्रों में से एक लाख चौआलीस हजार पर छाप दी गई।

इस के पीछे देखो हर एक जाति और कुल और लोग और भाषा में से ऐसी बड़ी भीड़ जिसे कोई गिन नहीं सकता उजले बस्त्र पहिने और अपने हाथों में खजूर की डालियां लिए हुए सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खड़ी है। और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर बैठा है जयजयकार हो।

और सारे स्वर्गदूत उस सिंहासन के चारों ओर खड़े हैं फिर वे मुंह के बल गिर पड़े और परमेश्वर को प्रणाम करके कहा हमारे परमेश्वर की स्तुति और महिमा और ज्ञान और धन्यवाद और आदर और सामर्थ और शक्ति युगानुयुग बने रहें।

परमेश्वर सब आंसू पोंछ डालेगा।

(प्रकाशित वाक्य ७:१३,८)

इस पर प्राचीनों में से एक ने मुझ से कहा ये उजले बस्त्र पहिने हुए कौन हैं और कहां से आए हैं। मैं ने उस से कहा हे स्वामी तू ही जानता है। उस ने मुझ से कहा ये वे हैं जो उस बड़े क्लेश में से निकलकर आए हैं इन्हों ने अपने अपने बस्त्र मेम्ने के लोहू में धोकर उजले किए हैं। इसी कारण ये परमेश्वर के सिंहासन के सामने हैं और उस के मन्दिर में रात दिन उस की सेवा करते रहते हैं और जो सिंहासन पर बैठा है वह उन के ऊपर अपना तंबू तानेगा। वे फिर भूखे और प्यासे न होंगे और न उन पर धूप न कोई तपन पड़ेगी। क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है उन की रखवाली करेगा और उन्हें जीवन रूपी जल के सोतों के पास ले जाया करेगा और परमेश्वर उन की आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा।

और जब उस ने सातवीं छाप खोली तो स्वर्ग में आध घड़ी तक मौन छा गया।

सात स्वर्गदूत।

(प्रकाशित वाक्य ८,९,११)

और मैं ने उन सातों स्वर्गदूतों को जो परमेश्वर के सामने खड़े रहते हैं देखा और उन्हें सात तुरही दी गईं। और स्वर्गदूत फूंकने को तैयार हुए।

पहिले स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और लोहू से मिले हुए ओले और आग पृथिवी पर डाले गये और पृथिवी की एक तिहाई जल गई और पेड़ों की एक तिहाई जल गई और सब हरी घास जल गई।

और दूसरे स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और आग से जलता हुआ एक बड़ा पहाड़ सा समुद्र में डाला गया और समुद्र की एक तिहाई लोहू हो गई। और समुद्र में की सिरजी हुई वस्तुओं की एक तिहाई मर गई और जहाज़ों की एक तिहाई नाश हो गई।

और तीसरे स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और एक बड़ा तारा जो मशाल की नाईं जलता था स्वर्ग से टूटा और नदियों की एक तिहाई पर और सोतों पर आ पड़ा। और एक तिहाई पानी नागदौना सा कड़वा हो गया और बहुतेरे मनुष्य उस पानी के कड़वे हो जाने से मर गए।

और चौथे स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और सूरज की एक तिहाई और चांद की एक तिहाई और तारों की एक तिहाई मारी गई यहां तक कि उन की एक तिहाई अंधेरी हो गई और दिन की एक तिहाई में उजाला न रहा और वैसे ही रात में भी। और मैं ने देखा तो आकाश के बीच में एक उकाब को उड़ते और ऊंचे शब्द से यह कहते सुना कि पृथिवी के रहने वालों पर हाय हाय हाय।

और पांचवें स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और मैं ने स्वर्ग से पृथिवी पर एक तारा गिरता हुआ देखा और उसे अथाह कुंड की कुंजी दी गई। और उस ने अथाह कुण्ड को खोला और कुंड में से बड़ी भट्टी का सा धूआं उठा और सूरज और अकाश अन्धेरे हो गए। और उस धूएं में से पृथिवी पर टिड्डियां निकलीं और उन्हें शक्ति दी गई। और उन से कहा गया कि न पृथिवी की घास को न किसी हरियाली को न किसी पेड़ को हानि पहुंचाओ केवल उन मनुष्यों को जिन के माथे पर परमेश्वर की छाप नहीं। और उन्हें मार डालने का तो नहीं पर पांच महीने तक लोगों को पीड़ा देने का अधिकार दिया गया और उन की पीड़ा ऐसी थी जैसे बिच्छू के डंक मारने से मनुष्य को होती है। उन दिनों में मनुष्य मृत्यु को ढूंढ़ेंगे और न पाएंगे और मरने की लालसा करेंगे और मृत्यु उन से भागेगी।

और छठवें स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी और सोने की वेदी में से मैं ने ऐसा शब्द सुना। कोई कह रहा है उन चार स्वर्गदूतों को जो बड़ी नदी फिरात के पास बंधे हुए हैं खोल दे। और वे चारों दूत खोल दिए गए जो मनुष्यों की एक तिहाई के मार डालने को तैयार किए गए थे।

और सातवें दूत ने तुरही फूंकी और स्वर्ग में बड़े बड़े शब्द हुए कि जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उस के मसीह का हो गया।

परमेश्वर का सिंहासन।

(प्रकाशित वाक्य १४,१५)

फिर मैं ने दृष्टि की और देखो वह मेम्ना सिय्योन पहाड़ पर खड़ा है और उसके साथ एक लाख चौआलीस हजार जन हैं जिन के माथे पर उस का और उस के पिता का नाम लिखा हुआ है। और स्वर्ग से मुझे एक ऐसा शब्द सुनाई दिया जो जल की बहुत धाराओं और बड़े गर्जना के शब्द सा था और जो शब्द मैं ने सुना वह ऐसा था मानो बीणा बजाने वाले बीणा बजाते हों।

और वे सिंहासन के सामने और चारों प्राणियों और प्राचीनों के सामने मानो एक नया गीत गा रहे थे और उन का एक लाख चौआलीस हजार जनों को छोड़ जो मोल लिये गये थे कोई वह गीत न सीख सकता था। फिर मैं ने एक स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा जिस के पास पृथिवी पर के रहने वालों की हर एक जाति और कुल और भाषा और लोग को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था। और उस ने बड़े शब्द से कहा परमेश्वर से डरो और उस की महिमा करो क्योंकि उस के न्याय करने का समय आ पहुंचा है और उस का भजन करो जिस ने स्वर्ग और पृथिवी और समुद्र और जल के सोते बनाए।

फिर मैं ने स्वर्ग में एक और बड़ा और अद्भुत चिन्ह देखा अर्थात सात स्वर्गदूत जिनके पास सातों पिछली बिपतें थीं क्योंकि उन के हो जाने पर परमेश्वर के कोप का अन्त है। और मैं ने एक आग से मिले हुए कांच का सा समुद्र देखा और जो जयवन्त हुए थे उन्हें उस कांच के समुद्र के निकट परमेश्वर की बीणाओं को लिये हुए खड़े देखा। और वे गीत गा गाकर कहते थे कि हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर तेरे कार्य्य बड़े और अद्भुत हैं हे युग युग के राजा तेरी चाल ठीक और सच्ची है। हे प्रभु कौन तुझ से न डरेगा और तेरे नाम की महिमा न करेगा क्योंकि केवल तू ही पवित्र है और सारी जातियां आकर तेरे सामने प्रणाम करेंगी क्योंकि तेरे न्याय के काम प्रगट हो गये हैं।

सात बिपतें।

(प्रकाशित वाक्य १५, १६)

और इस के पीछे मैं ने देखा कि स्वर्ग में साक्षी के तंबू का मन्दिर खोला गया। और वे स्वर्गदूत जिनके पास सातों बिपतें थीं शुद्ध और चमकती हुई मणि पहिने हुए छाती पर सुनहले पटुके बांधे हुए मन्दिर से निकले। और उन चारों प्राणियों में से एक ने उन सात स्वर्गदूतों को परमेश्वर के कोप से भरे हुए सात सोने के कटोरे दिए।

और परमेश्वर की महिमा और उस की सामर्थ के कारण मन्दिर धूएं से भर गया और जब तक उन सातों स्वर्गदूतों की सातों बिपतें अन्त न हुईं तब तक कोई मन्दिर में न जा सका।

फिर मैं ने मन्दिर में किसी को ऊंचे शब्द से उन सातों स्वर्गदूतों से यह कहते सुना कि जाओ परमेश्वर के कोप के सातों कटोरों को पृथ्वी पर उंडेल दो।

सो पहिले ने जाकर अपना कटोरा पृथिवी पर उंडेल दिया। और उन मनुष्यों के जिन पर पशु की छाप थी और जो उस की मूरत की पूजा करते थे एक प्रकार का बुरा और दुखदाई फोड़ा निकला।

और दूसरे ने अपना कटोरा समुद्र पर उंडेल दिया और समुद्र में हर एक जीवधारी मर गया।

और तीसरे ने अपना कटोरा नदियों और पानी के सोतों पर उंडेल दिया और वे लोहू बन गए।

और चौथे ने अपना कटोरा सूरज पर उंडेल दिया और उसे मनुष्यों को आग से झुलसा देने का अधिकार दिया गया।

और पांचवें ने अपना कटोरा उस पशु के सिंहासन पर उंडेल दिया और उस के राज्य पर अंधेरा छा गया।

और छठवें ने अपना कटोरा बड़ी नदी फिरात पर उंडेल दिया और उस का पानी सूख गया।

और मैं ने तीन अशुद्ध आत्माओं को मेंडकों के रूप में निकलते देखा। ये चिन्ह दिखानेवाले दुष्टात्मा हैं जो सारे संसार के राजाओं के पास निकलकर इस लिये जाते हैं कि उन्हें सर्व्वशक्तिमान परमेश्वर के उस बड़े दिन की लड़ाई के लिये इकट्ठे करें।

और उन्हों ने उन्हें उस जगह इकट्ठे किया जो इब्रानी में हर-मगिदोन कहलाता है।

और सातवें ने अपना कटोरा हवा पर उंडेल दिया और मन्दिर के सिंहासन से यह ऊंचा शब्द हुआ कि हो चुका।

बाबिल का नाश किया जाना।

(प्रकाशित वाक्य १६, १७, १८)

फिर बिजलियां और शब्द और गर्जन हुए और एक ऐसा बड़ा भूईंडोल आया कि जब से मनुष्य की उत्पत्ति पृथिवी पर हुई तब से ऐसा बड़ा भूईंडोल न हुआ था। उस और उस बड़े नगर के तीन टुकड़े हो गए और जाति जाति के नगर गिर पड़े और बड़ी बाबिल का स्मरण परमेश्वर के यहां हुआ। हर एक टापू अपनी जगह से टल गया। और पहाड़ों का पता न लगा। और आकाश से मनुष्यों पर बड़े ओले गिरे। यह बिपत बहुत ही भारी थी।

और जिन सात स्वर्गदूतों के पास वे सात कटोरे थे उन में से एक ने आकर मुझ से यह कहा कि इधर आ मैं तुझे दंड दिखाऊं। सो वह मुझे आत्मा में जंगल को ले गया और मैं ने किरिमिजी रंग के पशु पर जो निन्दा के नामों से छुपा हुआ एक स्त्री को बैठे हुए देखा। यह स्त्री बैंजनी और किरमिजी कपड़े पहिने थी और सोने और बहुमोल मणियों और मोतियों से सजी हुई थी और उस के हाथ में एक सोने का कटोरा था जो घिनित वस्तुओं से भरा हुआ था। और उस के माथे पर यह नाम लिखा था भेद। बड़ी बाबिल पृथिवी की घिनित वस्तुओं की माता।

इस के पीछे मैं ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा जिस का बड़ा अधिकार था और पृथिवी उस के तेज से उजाली हो गई। उस ने ऊंचे शब्द से पुकारकर कहा कि गिर गई बड़ी बाबिल गिर गई है और दुष्टात्माओं का निवास और हर एक अशुद्ध आत्मा का अड्डा और हर एक अशुद्ध और घिनित पक्षी का अड्डा हो गया। क्योंकि उस के पाप स्वर्ग तक पहुंच गए हैं और उस के अधर्म परमेश्वर को स्मरण आए हैं।

जितनी उस ने अपनी बड़ाई की और सुख बिलास किया उतनी उस को पीड़ा और शोक दो

क्योंकि वह अपने मन में कहती है मैं रानी हो बैठी हूं और शोक में कभी न पड़ूंगी। इस कारण एक ही दिन में उस की बिपतें आ पड़ेंगी अर्थात मृत्यु और शोक और अकाल और वह आग में भस्म कर दी जाएगी क्योंकि उस का न्यायी प्रभु परमेश्वर शक्तिमान है। हे बड़े नगर बाबिल हे दृढ़ नगर हाय हाय घड़ी ही भर में तुझे दंड मिल गया है।

और पृथिवी के ब्योपारी उस के लिये रोएंगे और कलपेंगे क्योंकि अब कोई उन का माल मोल न लेगा। अर्थात सोना चांदी रत्न मोती और मलमल और बैंजनी और रेशमी और किरमिजी कपड़े और हाथीदान्त की हर प्रकार की वस्तुएं और बहुमोल काठ और पीतल और लोहे और संगमरमर के सब भांति के पात्र। और दारचीनी मसाले धूप सुगन्ध तेल लोबान मदिरा तेल मैदा गेहूं गाय बैल भेड़ बकरियां घोड़े रथ और दास और मनुष्यों के प्राण।

इन वस्तुओं के ब्योपारी जो उस के द्वारा धनवान हो गये थे उस की पीड़ा के डर के मारे दूर खड़े होंगे और रोते और कलपते हुए कहेंगे। हाय हाय यह बड़ा नगर जो मलमल और बैंजनी और किरमिजी कपड़े पहिने था और सोने और रत्नों और मोतियों से सजा था, घड़ी ही भर में उस का ऐसा भारी धन नाश हो गया। और हर एक मांझी और जलयात्री और मल्लाह और जितने समुद्र से कमाते हैं सब दूर खड़े हुए। और उस के जलने का धूआं देखते हुए पुकार कर कहेंगे कौन सा नगर इस बड़े नगर के समान है। और अपने अपने सिरों पर धूल डालेंगे और रोते हुए और कलपते हुए चिल्ला चिल्लाकर कहेंगे कि हाय हाय यह बड़ा नगर जिस की संपति के द्वारा समुद्र में के सब जहाजवाले धनी हो गये घड़ी ही भर में उजड़ गया है।

फिर एक शक्तिमान स्वर्गदूत ने बड़ी चक्की के पाट सा एक पत्थर उठाया और यह कहकर समुद्र में फेंक दिया कि बाबिल ऐसे ही बड़े बल से गिराया जाएगा और फिर कभी न मिलेगा। और बीणा बजाने वालों और बजनियों और बंसी बजाने वालों और तुरही फूंकने वालों का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा और किसी उद्यम का कोई कारीगर फिर कभी तुझ में न मिलेगा और चक्की के चलने का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा। और दिया का उजाला फिर कभी तुझ में न चमकेगा और दूल्हे और दुलिहन का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा क्योंकि तेरे व्योपारी पृथिवी के प्रधान थे इस लिये कि तेरे टोने से सब जातियां भरमाई गईं।

एक श्वेत घोड़े पर सवार।

(प्रकाशित वाक्य १९)

इस के पीछे मैं ने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ का बड़ा शब्द सुना कि हल्लिलूयाह उद्धार और महिमा और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है। इस लिये कि उस के फैसले सच्चे और ठीक हैं और सिंहासन में से एक शब्द निकला कि हमारे परमेश्वर से सब डरने वाले दासो क्या छोटे क्या बड़े तुम सब उस की स्तुति करो। फिर मैं ने बड़ी भीड़ का सा और बहुत जल का सा शब्द और गर्जनों का सा महान शब्द सुना कि हल्लिलूयाह इस लिये कि प्रभु हमारे परमेश्वर सर्वशक्तिमान ने राज्य लिया है। आओ हम आनन्दित और मगन हों और उस की महिमा करें क्योंकि मेम्ने का ब्याह आ पहुंचा।

फिर मैं ने स्वर्ग को खुला हुआ देखा और देखो एक श्वेत घोड़ा है और उस पर एक सवार है जो बिश्वास योग्य और सत्य कहलाता है और वह धर्म के साथ न्याय और लड़ाई करता है। उस की आंखें आग की ज्वाला हैं और उस के सिर पर बहुत से राजमुकुट हैं और उस का एक नाम लिखा है जिसे उस को छोड़ और कोई नहीं जानता। और वह लोहू से छिड़का हुआ बस्त्र पहिने है और उस का नाम परमेश्वर का बचन है। और स्वर्ग में की सेना श्वेत घोड़ों पर सवार और उजली और शुद्ध मलमल पहिने हुए उसके पीछे पीछे हैं। और जाति जाति के मारने के लिये उस के मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है और वह लोहे का दंड लिये उन पर राज्य करेगा और वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर के क्रोध की जलजलाहट की मदिरा के कुंड में रौंदन

करता है। और उस के वस्त्र पर यह नाम लिखा है राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।

अथाह कुण्ड ।

(प्रकाशित वाक्य २०)

फिर मैं ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा जिस के हाथ में अथाह कुंड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी। और उस ने उस पुराने सांप को जो शैतान है पकड़के हजार बरस के लिये बांधा। और उसे अथाह कुंड में डालकर बन्द किया और उस पर छाप कर दी कि वह हजार बरस के पूरे होने तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए फिर इस के पीछे अवश्य है कि थोड़ी देर के लिये खोला जाए। और उन जातियों को जो पृथिवी के चारों ओर होंगी अर्थात याजूज और माजूज को जिन की गिनती समुद्र की बालू के बराबर होगी भरमाकर लड़ाई के लिये इकट्ठे करने को निकलेगा।

फिर मैं ने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसको जो उस पर बैठा हुआ है देखा जिस के सामने से पृथिवी और आकाश भाग गये और उन के लिये जगह न मिली।

फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के सामने खड़े देखा और पुस्तकें खोली गईं और फिर एक पुस्तक खोली गई अर्थात जीवन की पुस्तक और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था उन के कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। और समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उस में थे दे दिया और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओं को जो उन में थे दे दिया और उन में से हर एक के कामों के अनुसार उस का न्याय किया गया। और मृत्यु और अधोलोक आग की झील में डाले गए।

नया आकाश और नई पृथिवी ।

(प्रकाशित वाक्य २१)

फिर मैं ने नए आकाश और नई पृथिवी को देखा क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथिवी जाती रही थी और समुद्र भी न रहा।

फिर मैं ने पवित्र नगर नई यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा और वह उस दुलहिन के समान थी जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो।

फिर मैं ने सिंहासन में से किसी को ऊंचे शब्द से यह कहते हुए सुना कि देख परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है वह उन के साथ डेरा करेगा और वे उस के लोग होंगे। और वह उन की आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा और इस के पीछे मृत्यु न रहेगी और न शोक न बिलाप न पीड़ा रहेगी पहिली बातें जाती रहीं।

और जो सिंहासन पर बैठा था उस ने कहा कि देख मैं सब कुछ नया कर देता हूं। फिर उस ने कहा कि लिख ले क्योंकि ये बचन बिश्वास के योग्य और सत्य हैं।

फिर उस ने मुझ से कहा ये बातें पूरी हो गईं मैं अलफा और ओमिगा आदि और अन्त हूं मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते से सेंतमेंत पिलाऊंगा। जो जय पाए वही इन बस्तुओं का वारिस होगा और मैं उस का परमेश्वर होऊंगा और वह मेरा पुत्र होगा।

चोखे सोने का नगर ।

(प्रकाशित वाक्य २१,२२)

फिर सात स्वर्गदूतों में से एक मेरे पास आया और मेरे साथ बातें करके कहा इधर आ मैं तुझे दुल्हिन अर्थात मेम्ने की पत्नी दिखाऊंगा । और वह मुझे आत्मा में एक बड़े और ऊंचे पहाड़ पर ले गया और पवित्र नगर यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते दिखाया । परमेश्वर की महिमा उस में थी और उस की ज्योति बहुत ही बहुमोल पत्थर अर्थात बिल्लौर सरीखे यशब की नाईं स्वच्छ थी । और उस की शहरपनाह बड़ी ऊंची थी और उस के बारह फाटक और फाटकों पर बारह स्वर्गदूत थे और उस की शहरपनाह की जुड़ाई यशब की थी और नगर ऐसे चोखे सोने का था जो स्वच्छ कांच के समान हो । और उस नगर की शहरपनाह की नेवें हर प्रकार के बहुमोल पत्थरों से संवारी हुई थीं । और बारहों फाटक बारह मोतियों के थे एक एक फाटक एक एक मोती का बना था और नगर की सड़क चोखे सोने की थी । और उस नगर में सूरज और चांद के उजाले का प्रयोजन नहीं क्योंकि परमेश्वर के तेज से उस में उजाला हो रहा है । और जाति जाति के लोग उस की ज्योति में चलें फिरेंगे और पृथिवी के राजा अपने अपने तेज का सामान उस में लाएंगे । और उस के फाटक दिन को कभी बन्द न होंगे और रात वहां न होगी । और लोग जाति जाति के तेज और विभव का सामान उस में लाएंगे । और उस में कोई घिनित काम करनेवाला या झूठ का गढ़नेवाला किसी रीति से प्रवेश न करेगा ।

फिर उस ने मुझे बिल्लौर की सी झलकती हुई जीवन के जल की नदी दिखाई जो परमेश्वर के सिंहासन से निकलकर, उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी । और नदी के इस पार और उस पार जीवन का पेड़ था ।

मैं वही यूहन्ना हूं जो ये बातें सुनता और देखता था । प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगों पर रहे । आमीन ।

समाप्त

The Mission Press, Allahabad.